नक्तल्लामुञ्जाः

न्वर्थाट

अञ्चलभन्ने नमस कावास्थित भाज महनिजाकात्ताहि वर्गक्रम विन्रस्थ थाजू भन जरन्यक निक नामार्थ भर्याय भुमानाहि महिल जसहम भुमाकाश्यिक काव्यानकात हम्मः भुज्ञि नकाताहाहत्व पुव्रस्थव जागनिमान मृजिय्यसाहि मण्यूक मर्बम्भन मेजानुमाति मण्युका जिथान॰

দিতীয় কাণ্ডঃ

প্রীরাধাকান্ত দেবেন বিরচিতঃ

১৭৪৯ উনপঞ্চাশদধিক সপ্তদশশত শুকুনুকে কলিকাতা নগরে জীবিশ্বনাথ দেব দাসেন মুদ্রান্তিত

दर्गेक्वर्गिषि शियर्गक। अरम्। ।-রণহান তলে। ইতি ব্যাক্ষণ।। (माग्रा मः हर्न्यक य उपा । इंडि পুগঞ্সারঃ ॥ অবোভরবাণি वर्गमु विजीयामि वर्ताहास्त्व **यत म्यामिति (अक्र गृष्टी**त স-স্পাদিভিচ যথাস্থানমূলভীভি ভট্টাকাকোরে। বিশ্বৰূপঃ ॥ তস্য लिथन भुकादा यथा। উष्वर्भः কুঞ্চিতারেখাতাসু বুক্ষেশ সম্বিভঃ । वार्या कमना निज्या विवासाजा পুকী ৰ্ভি তা। ইতি বর্ণো দারতন্ত্।। व्यम् बन्भ यथा । इकातः भव्नो किर्याः स्वरः भव्नम अधनी। भड़ अ अलीयुक • शक्षार वस्य जना ॥ शक्ष्युष सय वर्ग शक्ष পু।ণাত্মক সদা। ত্রিবিন্দু সহিত वर्गः जमा केश्वत अग्युज्या পীত বিদ্যুল্লভাকার• ছকার• পুণনাম্যহণইতি কামধেনুতজ্ঞণা ष्ट्रः वि निर्यंगः। ইতি मिनि তরল•। ইত্যেকাক্ষরকোব:।। ছ: পু• ছেন্ন। ইত্যেকাক্সকোবঃ।। ছপ: পু- জী ছাগ:।ইভি হেমচন্দু:॥

हिकातः । जञ् बङ्गन मधम हिंगगः जी भूः कत्रीविशहे दिस्मिन्तः। इंगमः द्वी नीववर्षः। इंजिरमिनी॥ ष्ट्रभनः शृं जी ष्टींगः। इंडि स्मिरिमी।। स्मार शिव में दिन में खानू गः। इगन कः भु जी हागः। इडामनः॥ ष्ट्रगण। जी वृद्धात्रकव्षः। इंडि न्द तङ्गावनी (मिनिनी हु।। हिनेनाड्डी जो हगनाखी। इंडामद ष्टी काया : त्रनानाथः ॥ ' हगनाधी जो हगनाखी। ইত্যমর ही काया बायगुक्र है: ॥ ছেগলাজিকা জী ছগলাজী।ইতি भद ख़ावनी।। ছगनः जी वृद्धनात्रकवृष्णः।. ই গ্রমরঃ॥ ব্কঃ। ইতি রাজনিষ্টঃ।। रुगनी डी हागमाजा॥ वृक्तात्रक ৰ্ক:। ইতি বিশ্ব:॥ **इंगे जो मीक्षिः। यथा। महाहरी িভিন্ন ঘনেন বিভূত। নৃসি•হ সৈ•হী-**भठन• जनूखुया । **ই**তি भाषः॥ ষ্টাফল: পু পুবাকবৃক:। ইতি विकाश्रम्यः॥ ष्ट्री जा जी विमुर्। ইতি हातावनी ॥ एक की रही पुर्विष्ठ वाद्यनार्थ भावद्रन 🕆 বিশেষঃ। ছাতি ইতি ভাষা। उद े भर्गायः। जाउभव २। रेज्न मतः।. ছাবামিত্র ও পটোট্র 8'। ইতি

निर्वाद्वात्र्वी॥ छम्। गृनाः। व्हेऽ। छन् श्लि ग्रीयू हिम नाणिष् । वर्ग कृष्टि कातिष् । शूर्खावद्गा स**न**् কারিত্বণ। ইতি রাজবল্পভঃ।। 🗱।। छाम्यार भवि यंथा । वकर् रिजा अ भारत कमनश्च भूनि श्रेनुवि वागान् मकाय मकाय भुक्तिक्र তৎপত্নী রেণুকা তান্ বাণানানীযা-नीय जरेम शाहार मा मधाइ কালে রৌদেণ পীডিতা বৃক্ষছাযা **म**य्वम् किकिष्ट काल हिंद् **ভা**नानिनाय श्राव उपा कुष्त छ।-নাহ কি চিরেশগত। সা আহ म्यं उजमा न नितः भारिक শন্তপ্তৌ তেন বৃক্ষছায়া নাশিুত্য হিতা তমাৎ চিরাবৈতৎ ক্তা ७ हुद्दा मुनिद्राञ्च अम्। भ्या भन्नावि তেজসা নিপাত্যিষ্যামি ইত্যুক্ত্বা भन्षि वातान् मकाय मृयं । जिमूरथा **প**তিষ্ঠৎ সূৰ্য্য স্ত দৃষ্ট্বা ভীতো দ্বিল- ॥ कित्भा जागाजा जार मूर्याक्सांकि **ট্**বৃত্তি তেনামেন ভবজ্ঞি; কর্মাণি কিয়ুত্তে কথমেন হনিষ্যসি এবং ুমাকাৰী তথাপৈ মুনিং শমণ ন জগান অথম্য্ড শির্জাণ ছক नियाम: उरेय मद्दा यहाभुज्छि

अडर लाक भुव् तिया छि नुविक्षित् वाना मान गरायन रेट्रीका न गठः ॥ 🕸 ॥ उत्र नान कल् ম্থা। ছব-ছি ভরত শেষ্ঠ ्रशुप्तप्राष्ट्रिकाउरय । मुखु मञ 🕟 শলাক রৈ স প্রেত্য সুথমেধত্যো ,স. শক্রলোকেবসতি, প্রত্যানো দিকাতিভিঃ। অপুরোভি**শ্চ সতত**• দেবৈক্ষ ভরতর্যভ ।। ইতি মহা-ভারতে দান ধ্যঃা। ধ্যা অথ ছত্রযুক্তিঃ।বিশেষশ্চাথ সামান্য ছद्भा विविधा किसा। ब्राक्टमूब॰ विष्मयाशाः नामानाकानामुहाउ ্।। তত্ৰ বিশেষ ছবে।দেশেঃ। मम् ७ व्यापः निर्मातः उरम् छ । দ্বিবিধ পুনঃ সদপ্ত তত্র বিক্তেয় मात्रशाक्क्षनाञ्चकः ॥ मञ्जः कन्मः भनाका**क तब्जू र्वत क** कीनकः। (द्ररेजः े जूजनिएकि भूज মিত্যভিধীয়তে।। দিগগু বট্ চ उर्दे सीर्या मरका यूग कमार। च प्तान (यह नयन विजल्धा कन्त উচ্যুক্ত ৷৷ শতান্যশীতিঃ ষষ্টিপ্ত চত্বারি শমুগ কমাং। শলাকাঃ वर्ष् ११ (वर विक्रिकः निम्नुकः क्रमार्।।नवि उडि (अ) मृज-मृदेव स

নবভি পুন:। গুণৈল্প নবভিঃ शाला व्रन्ति रेड नविंछ र्छाद्या निया अन्य विष्य किया विषय बङ्कवः क्रांट । वजः भनाका षिशूनमायासन्भुि हिष्ठः॥ जानू मिंग् गुरु वनु जि जक्की जि स कीलकः। वशाःवधान मूहि छः **ज**नुष्कात्मव ज्ञाय ॥ शास्त्रान• यूववाजमा व्यानायास उपक्रिः। **এ**তেন রাজ্যে দেখা দশ হস্তঃ गूरवाजमा छर। व्यानुवाः छर।। বিশুদ্ধ কান্তম্য ত্ত দণ্ডকন্দৌ তথা শলাকা অপি শুদ্ধ বংশজঃ i রজ্জু । রক্ত। বসনক্ষ রক্ত ছত্র পুসাদ • নৃপতে র্বস্ভি ॥ পুসাদ-मिठि भुगानार्ह्ण।। नीत्वा म्र ७ म्ह বক্তঞ্চ শিরঃ সম্ভ স্ত কানকঃ। भोवर्गः यूव**त्राजम**् भुजाभःनाम विभुज ।। ठान्हरनी मर्खकान्ही চেৎসুশুল্লে রজ্জু বাসসী ৷ ছত্র• मतारुत त्राद्धाः सर्गमस्याभ-শোভিতণা শৃক্লানিরজ্জুবাসাণস স্বৰ্গসম্ভ স্তথোপরি। ইদ• কনক দ্ভাখ্য ছত্ৰ সর্বার্থ সাধক।।। म ए कन्स भनाकाम्ड मुक सर्पन নিৰ্মিতাঃ। কীলক স্বৰ্ণ ঘটিত।

बण्डू बंड्यू कार्की विद्यापि ब्रथ रु जाकि कामजीकि यथा कम । क्रमानवथ रुगारही नव त्रज्ञानि तकराए ॥ वाकि गत्रोकिकी माना हाकि भड़क मानाय । সর্বোপরি বুন্ধজাতি বিশুদ্ধ हीत्रकं नारमर् ।। मखाख क्व-विनहाः भे भारता गाः भे विनारम् স্বামিহ্টেক মানেন চামর: সিত ইষ্যতে ॥ ইত্যয়ণ নবদঞ্চাথ্য শুত্র त्रात्ना भरीजुना । **ये**जिरम्कः विवारहर गुरागा भी जिवर्कनः॥ পতাকানবদগুগেরুরাজোষ্টাঙ্কুলি न भिंजाः। जय कि विजयी नाम ছত্রাজো মহীভুজা ।। ভোজরাজকৃত যুক্তিকল্লভকঃ॥

ছত্রঃ পু স্লেন পত্রেণচ বচাকার
বৃক্ষঃছোতারিয়া বিষাছাত্রনাবিষ
। থরবিষ ইতিচ ভাষা । তথ পর্য্যায়ঃ । অতিছত্রঃ ২ ক্টুঃতা ইতি রহ্নমালা।। ভূতত্প । ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

ছত্রকঃ পু নৎস্যরক্পকী।ইতি শন্চন্দ্রকা।। অতিহ্ব:। রাকা কুলেখাড়া ইতি ভাষা। ইতি রন্ধালা।।ইখেরগৃহ্বিশেষঃইতি भक्त द्वावनी है। ह बगू इः शूः गूं खुन्। ३७ ॥ त्राक्ष निर्वरिक्षा

ছ্ত্ৰচক हो চক্ৰবিশেষ:। यथा। श्विनी मध म्लाम्। ठक ছव। वयात्रकः। भुजीनी मध्यः त्रथायाः केनानाड॰ इयाविभः॥व्यादायाड- " नताथीत्मः रेनश्र जान्न गजाविभः। ত্রখা ছত্রবিভাগেন জ্ঞাতব্যঞ্চ শুভাশুভ• ॥ অন্যস্য রাজ্ঞো॥ नामकः यव ছবে उउःकन्। চান্য় কলস বীণা ছব দণ্ড: || भाउमु इः ॥ जामनः कोलकः तब्जू র্বভেদাঃ পুকীর্ত্তিঃ। যত্র ছত্রে ছিতঃ সৌরি ভঙ্গ তস্য বিনিদিশেৎ ॥ চাম্রে চণ্ডতা वारमा बनाव्षिः शुकायरः । দুৰ্ভিকঞ্চ ভবেৎঘোর• পুরাগীডা ন সংশয়ঃ ।৷ কলসঙ্খে ভবেদ্মন্ধ • || ভ स्था घा जामिक धुत । वी गाइ-

কপুত্রেণ পউরাজ্ঞী বিনশ্যতি।।
চলচিত্রো ভবেদুাজা ভবভীতাচ
মেদিনী । বদা ঋক ত্রবে সৌরি
শুতে দণ্ডে পত্র হৈ ।। তদ্য
তস্য ভবেডক শুত্রস্যাস্য ন
শংশবং । আসন্স্য ভবেদাশ

व्यामन्द्र अतिकृति ॥ युवता क्यः कील वस्तरः ब्रब्धू में ब्रिट्डि। পৌনা যুকোতিচারস্থ্য শনি ৰক্ত ফলে। नहि ॥ বক্রণ: কুরযুক্ত ক **गर्व** क्रव करवाि मः। गनिवाह क्रानिजा यहा बीरबन्त् मन्युजाः ॥ উडवा थीणवात्का देवनिक्ठिड॰ **ছ ब ७ १ माः । कृ त म छ दु ४ गर्भ व तू ४ চ**त्तुग म•यूछ•। পूर्व हव विन माय उथा भाभ ठजूर्रेय । मुक्तम् अभ्युख ছ ख म् किश मेगा ७ क्म ।। अवमत्तर्यु द्वारकायु नामकांट कलमानिष्णः । यथा मूडे कल (मोत्रि खथा (मोम्) कत्ना गूकः ॥ ভৌম জ্ঞৌ গুৰু রাহ্চ রবি চন্দ্রৌ दल मत्नी। यथा श्रानिकद्राः कृता ন্তথা সৌন্যাः শুভক্ষরাः ॥ এতে ত্রাপ্টো গুহাশু ত পরচকেণ ভব্দঃ । নৃপ্নামৰ্জগো রাহ: (কভুরা যত্র স ছিতঃ॥ ছবভকো ভবেওস্য विवमानिम जूशिखः । मृगया मारुमः याजाः मुष्ठेरुखाः यार्नः॥ বিগৃহঞ্চ ত্যজেদালা ছত্ৰছে ক্রথে हत्त्र । क्वारेव्वर नामिक क्यांट गुरागा कायाज भूछ ॥ देखि সম্যামতে চত্তচক ।।

हिब्धातः वि हब्धतः। हाउधता ॥ ह्वाथानाः ইতি ভাষা। তৎ পর্য্যাযः। হাযা- রাজনির্ঘণী

क्राः २ । इंडि (इमहन्तुः॥

ছত্ৰপত্ৰ• ব্লী ছলপদ্ম• । ইতি ক্ৰিকাণ্ডশেষঃ।।

ह्वश्रवः भू जूर्जव् कः । इंडि द्रामाणा।। मानकदूः। ईंडि क्रिट ।। मक्ष्यर्भ वृक्तः। ईंडि क्रिटि ।। ह्वज्यः भू देशवाः।। श्राज्याः

।। নৃপনাশঃ। ইতি নেদিনী।।

ছত্রা স্ত্রী মিবিঃ। নোরী ইতি ভাষা
।। অতিহ্রা। শলুপা ইতি ভাষা
।। কুস্তুৰুক। ধন্যা ইতি ভাষা।।
শিশীকু । কোঁডকছাতা ইতি
ভাষা। ইতি মেদিনী।। মঞ্জিধা।

ছত্রাক ল্লী কি**স্পাকু:।ছত্রিকা।ই**তি পুাষশ্চিত্রবিবেক:॥

ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ॥

ह्वाकः श्र॰ जानवर्तक वृक्तः। इंडि द्राजनिष्ठः॥

ছवाकी जी त्रान्।। हेन्युनदः॥

ছত্রাভিছত্রঃ পৃ• ছত্রাকার জলোজ্য সুগন্ধাখ্য তৃণবিশেষঃ।তৎ পর্য্যাবঃ 1ছত্রাভিছত্রা ২ পালম্যঃ ১ অভি-ছত্রা ৪ সুগদ্ধা ৫ ছত্রকঃ ৬ কটুকঃ :পক্টুঃ ৮। ইতি শব্দব্যবলী॥ "ह्वाधानाः नी खुनाकः। इंडि त्राजनिर्घणः॥

रुविका जी निनीकु । किंउक हाडा इंडि जाया। उर मर्गायः। (गामगह्जिका २ हिलीत । भिनी मुक• 8 उर्वन · ৫ वनादा इ• ও গোলাস । ইতি হারাবলী॥ ছ বাক ৮ ইতি মৃতি:॥ উছিলী সু• ৯ । ইতি প্রীভাগবত ॥ করীষেকু भनात श्थी (दगुड़ इ बिकायाः मामान्। भूगाः। मीउद्गः। कवायद्यः। बामुद्धः । शिहिनदः । शूक्दः। **হর্দ্যভীসার জ্**র শ্লেম্ম রোগ कात्रिवृक्ष ॥ भनानज ह्विका গুণা:। পাকে স্বাদুরসত্ত্ব। রক্ষুত্ব।। (मायकात्रिष्क ॥ मूहिङ्गान कार्ष ব শ গোষ্ঠজন্মত ছত্রিকায়া শুণঃ। অতিদোষ কারিত্ব। অন্য ম্ব ভিৰেত্য বিগৰ্মিতাঃ। ইতি রাজবল্পভঃ ॥

हवी यु॰ नामिजः। इंटि मन्द्रद्वावनी
।। हविमित्धे वि। यथा। गहिषर्वाउत्प हवी प्रे द्वावर्णितीयूष्ट ।
इंटि मृद्धिः।।

हिद्दाः शूरं गृहं ॥ कुकुः । इंडि निषा ह त्स्रेमूरा मूर्गान वृजिः॥ इन उ क जिल्ला । इंडि कविकन्नकमः॥

इत माकि क छड्डान। छड्डान दन। बोबनक। इंडि किविन्नक्रमः।

इन कि क मन्त्जो । ইতি कविकन्नक्रमध्या

ছদ: পু পত্র-।। পক্ষ:।। গুছিপর্ন কৃক্ষ:।।তমালবৃক্ষ:।ইতিমেদিনী।। ছদন ক্লী পত্র-।। পক্ষ:।। পিধান । ইতি মেদিনী ।। তমালপত্র-। তেজপাত ইতি ভাষা। ইতি রাজনির্ঘণী:।।

ছদপর: পু॰ ভূর্জপরবৃ**ক্ষ:। ইতি** কাচিৎ রক্ষালা।।

ছদিঃ ক্লী পটল । চাল ইতি ভাষা। ইত্যমরঃ॥

इन्ने की व्याबः। कशिः॥ जशिष्मः
। त्रक्षशाहापनः। इंडि स्मिप्ति॥
। इप्नाठाशिमः शृ इनडशत्री। उद् शर्यप्रायः। সর্বাভিসন্ধী २ विष्ठान वृতিকः ৩, বেশধারী ৪। ইতি শক্ষরত্বাবলী॥

हिन्निका जी गुज्बी । इंडि ंबाकनिर्यक्ता ।

ছ্ন: পু: অভিপার্ম: ॥ বশ: । 'ইত্যমর: ॥ অভিলাম: । ইতি ভরতঃ ॥ বিষ । ইতি শন্চনিদুকা ॥ तर्ज बि । ईज्यमहर्षिकः जीतमूनस्ती॥

इन्दः क्री भेदर ॥ त्यमः अ त्यक्री हैं यक्षे ॥ अखिनायः। इंडि स्मिनी ॥ जात्राम् वक्षण येथा । भार চতুন্দী উচ্চ বৃত্ত জাতি বিতি विदा। वृंड मक्त्र मंथ्यां के बाठि ৰ্মাত্ৰা কৃতা ভবেৎ॥ সৰ্ম মৰ্জসম বৃত্ত বিষন্পেতি তলিখা সমণ স্প্চত্লাদ ভবত্যৰ্জনম পুনং।। जानि खुठीय वषामा भाग खर्गा। विञीय वट । जिम िक्स ठलुक्सामः বিৰুম্ণ পরিকীর্ভিত ।। এষাম্থঃ ! অক্ষর সংখ্যাত অক্ষর গণন্যা পরিপাপ্ত• বৃত্তন্ত্যতে। মাতাক্তা মাত্রা গণন্যা নিণীতা জাতি জাতি সংক্রিকা ভবতি ॥ সমং नमह जूना हर। जाका मन र यम्। शुर्य मः পাদঃ তৃতীযেন পাদেন তুল্যঃ ठकुर्थः शासा विजीवन शासन जूनाः । विषमः शृथक् नक्षा **চতুরাদ•। ইতি গঙ্গাদাসঃ॥** उত্ नानाविष• जन्य शुद्धाः हरनता-विविधि शिक्व इत्सा मक्षती नु, जताशाहयः मर्ड (उबू इतुमा-मक्षयूर् नकरगामाञ्जनामीन विथाउ ॥

1000

ই ন্সো বৃত্তি নামানি	ভেষা•মাত্রা ৬ শুক্ ৷ লঘু	তেবামুদাহর পানি
্র একাকরা বৃত্তিঃ উক্থা ভাঃ	<u>u</u>	াসে। সাস্তা•॥
ধ্যক্রাব্ভিঃ। অত্যুক্থা ত্রী	33	'গোপ ব্রীভিঃ। কৃষ্ণেরেমে॥
ত্র শ্বর কৃতিঃ। ন্। নামী	৬৬৬	(गाभाना नाजीिकः । श्लिष्ठीया । कृष्मा वः ॥
মৃগী চন্তরফরা বৃক্তিঃ। পুতিষ্ঠা	5.5 ,	माम्गी लाहना। द्राधिका श्रीभाउः॥
कन्त्रा	৬৬৬৬	ভाष्य कन्त्रा रेमका धन्त्रा। यम्त्राः कृत्म कृत्का श्रथन्।
সূতী	ાાષ્ટ	মধুরিশোতবপদ গ্রমতিসাননুসতী
পঞ্চাক্ষরা বৃত্তিঃ। সুপুতিষ্ঠ পঙ্জি		, কৃষ্ণ সনাথা তর্ণক পঙ্কি:।যানুন কছে চাক্ চচার॥
পুষা বৃদ্ধরা বৃত্তিঃ। গায়ত্রী	11 ૭ ૧૭	বুজসুক্রবো বিলসৎকলাগে অভবন্ প্রিয়া মুর বৈরিণঃ॥
उ न्मश्रा	ઝ <u>ુ</u> યાહુરુ	মূর্ত্তি মুরশতো রত্যজুত কপা। আ্রাণ মম চিজেনিত্য তমুমধ্যা।
म िन्दम्ना	(।।।७७	णणिवहनाना॰ वुज़ं उक्तीनाः । अथंत जूषा मिर्ग् सथुतिशु रेतहर ॥
সোমরাজী সপ্তাক্রা বৃত্তিঃ। উফিক্	15क:क5	হুরেগোনরাজী সমা তে যশ প্রাঃ। কগন্ম ওল্সা ট্রনভাজ কার•॥:
শ্বুমতী	thins	ति पृश्कि उठि नवकुनुम् उठिः। व्यक्षित्र मुक्षमञी मधुम्यन मूमः॥

তেষামুদাহরণারি

The state of the s	
एक्ता वृद्धिन्यानि	তেযা•মাত্রাঃ
•	৬ ভক। লঘু
কুম ার ললিতা	ાહાાહહ
य रतथा	৬৬৬॥৬৬
व्यक्षेक्षत्रावृद्धिः। यमुश्रून् विजना	હાહાહ .
নাণবক•। সাণবৰ শ্ৰীড মিতি কেচিৎ	
_	į
' বিদ্যুদ্মান্ত্রা লম্বানিকা	<i>618181</i>
পুনাণিক। নবাক্রাব্তি:।বৃহতী	<i>હાહોઇ</i> !ઇ
ভূজগশিশুস্তা	, minses ,
স্ভেড্যৰ ভ্ডা ইডি যুতা ই্ভিচ	

कहिए

म्याति अनुबन्नो क्यात गीवाजा मा। ्रुदेवन नग्नानाः छ छान मून मुहिन्।। त्रक् वाक्षित्रभाषा छी न्यांबा र देवथा । नक्षाञ्चाद्रभः वो कख्तो द्रम हही।। यामून रेमक उ (परम (गानवश् कन (कलो। क•म दिला गंडि नीना विजना जगम्यार्॥ हक्षन हुए क्शिल वं म कुरेनः কেবিপর । ধ্যায় সথে মোর মুখ नन्तमुङ मागवकः॥ वारमा वली विन् त्याला वर्क (मुनी শাক্রণাপঃ। যুক্তিমান্তা• ভাপো हिरें (गामध्य क्षासामः॥ यम्। क्कगान नमा मिख क्खांग नन्। श्रीः मगानिका शाद्रगत्नाहि-তাত্ৰ মৎসরেণ ॥ পুনাৰ ভক্তি রচ্যুতা সদাচ্যুতান্ত্ৰি भगारगाः। गु. जि मृ जि भुगानिका ভবাষুরাশি তারিকা। , इम् उरे निकरे को नी जूब गिण्यू-म्ञा वामी । मूत्रविभू पनिएउ नारग वुषक्षन मूथमा माजूर।

ছন্দসা বৃত্তি নামানি তেবা মাত্রাঃ

५ ७ । वय

मिगश्रः

311535114

কালিয় জোগা ভোগ গত তম্বণি মধ্য শ্বীত ৰুচা। চিত্ৰপদাভো নন্দ मू उ का क ननर्ख (यत् मुर्थः॥

ভূরবসহতা

৬।৬'৬:৬ তরল। ভরক রিকিতৈ ব্যুন। जूबक मक्छा। कथायस वर्ग-

, চারক শ্চপলঃ সদৈব তা॰ হরি:॥

म्भाकतावृद्धिः। পड्किः

ৰ শ্বৰতী। ৰূপৰতা ওাওওঙাওড

শ্বচিত। চম্পক-

মালেভি কাপি

कार प्रान्त वार्काः शतिमृतेष रंग्र লদা ক'সদ্বিবি ভক্তিঃ। রাজ্যপদে

रुण्यांनि क्रांत्रा क्यावजी विधः

খলু তস্যা

यंखा

১৬৬blilibe भीड़ा मडा मधु मधुभानी कानिम्ही-

(य ७६ वन कुरक्षा उपरोवा ही वुक कन

বামা: কামাসকা মধু জিতি চকে।।

জ্বরিতগতি:

momb

ত্বরিভগতি বু জ যুবতি স্তরণি সূতা

বিপিনগতা।মুররিপুণারতিভক্ণা

পরিরমিতা পুমদমিতা।

यानात्रमा

এकामभाक्त्रावृतिः।विश्

!!!৬৷৬৷৬৷৬ তরণিদ্ধাতটে বিহারিণী বুদ্ধবিশা-

मिनी विवामछः । मूर्वेतिला छन्ः পুনাৰবঃসুক্ত শালিনা•ম্নোরমা॥

৬৬।৬৬।।৬। গোঙে গোরি সব্য করেণ প্রা কঙেদ্বর হুতি যুক্ত বৃষ্টো। যো গোক্ল গোপ কুলঞ্চ সূত্র চক্রে দ বোরক্ত চক্রপাণিঃ।।

ইন্দু বজা

ृष्ट्नसः

ष्ट्रन्तः

हन्तमाः वृद्धिभामानि

তেষা• মাত্রাঃ ५ ७क । वधु

(अवागूमाञ्ज्ञगानि

উপেন্দুবজুা উপেন্বজাযা ইন্বৰা্যাত চরণ ষ্টিতা উপজাত্যঃ ভাষ্ক চত্ত্ৰণ পুস্তার (अमार जामाउउ) ত্যজ্বা চতুদ্দশ পুকারা ভবন্তি। **म्**म्थी

বিভূষণানা ছুরিত বপুতে। মরানি গোপীভি কপাস্যমান সুরক্ষ भूष गणि मख्भञ्।।

ાાહાાહાાહ

जर्ना जुड़ा उहे कुछ ग्रह यमन বিধু মিত দীধিতিভিঃ। তিমির मूममा मूथ मुम्थी रविनवलाका **ठूठूच-ठित्र•** ॥

मानिनी অস্যা শ্চতুর্থেততঃ সপ্তমে চ যতিঃ

৬৬৬৬৬।৬৬। অংহা হন্তি জ্ঞান বৃদ্ধি বিধত্তে ধর্ম- ধরে কাম মর্থঞ্চ সূতে। मूकि॰ पढ़ मई(माभाम)माना পু পা শুকা শালিনী বিষ্ণু ভক্তিঃ।।

ৰাভোমা

৬৬৬৬॥৬৬। খ্যাতা মূর্ত্তি: হ্নণ মপ্যচ্যুতস্য ৬৬ শ্রেণী নামা গদিতা হেল্যাপি। সংসারে ২মিন্ দুরিতং হন্তি পু•সা•বাতোখী পোত মিবাস্তোধি म् वर्गा

- जुम्बविवनिज्यं ७७७७॥॥॥७ ञ्जभद्रविनामिखः . মিডি কেচিৎ

মুখে মান পরিহুর নচিরা-তাৰণ্য স্তে সফলযত্ত হরি: ফুল্লা-বল্লী ভূমর বিলসিতা ভাৰে শোভা কল্যতি কিনু তা।।

. 274 (ভ্ৰা-মাত্ৰা: 'इन्स्माः वृद्धि नामानि ७ थका नघु ! ৬॥৬৬॥॥৬৬ বল্লব বেশা নুররিপু মৃর্জির্গোপ অ্নু কুলা 'জগতি নকস্য।। রথোদ্ধতা

য়াগতা

रमाधक.

ষোটনক•

(भानी

তেষামুদাহরণানি

मृगाकी क्छ इंडि পृक्तिः। वाक्रि

मिरेका भुगि भवमा मामनुक्ला

৬৬।।৬।৬।৬ রাধিকা দ্বি বিলোডনঙ্কিতা কৃষ্ণ (वन् निनरे द्राथाषा छ। । यामून• তট নিকুঞ্জ মঞ্জসা সা জগাম निवाङ्डि इवार ॥

৬৬॥৬॥৬৬। यम् (हङ्मि मना मूत्रदेवत्री वल्लवी बन विवाम बिलावः। छम्। नृन. মমরাল্য ভাজ: স্বাগতাদ্র করঃ সুর বৃগঃ ।}

biibiibibb (देव नामा क्रम्ब अव अव তাবক नाम शहर मा क्षेত्र वहं मू विनिर्गम काल यन मिन क्रन মেষ্যতি যোগ।॥

৬৬।।৬।।৬। রঙ্গে থলুমল্ল কলা কুশল কাণ্র महाउदे भारेनक । यः किल লবেন চকার সমে সংসার হিপুং পুতি মোটবতু॥

১।৬।৬।৬।৬।৬ यग्रकी खिं त्रिन्तं कुन्त इन्तन (नारन) (भवलाक भावनी महा। बाइ वीवः বিশ্ব বন্দ্য বিভূমা ত ভলামি ভাৰ गम्। महुउउ ॥

ছন্দ্ৰা বৃত্তি দামানি

(ज्या-भावाः) ७ धक। वधु

তেবামুদাহরণানি

দ্বাদ শাক্ষরা বৃৰিঃ।জগভী

रुप् बन्न

वर्षा ब्रह्छि बन गमरेनः। इष्टे वर्षा उपलब्ध मद्राम कूक्षवर्ष्यान इदि

सब कु कुकी ॥

ব শহ বিল • ব শস্তনিত মিতি ক্লাপি

। । । । । । विनाम व महिवन मूथानिकः भ भुभूर्य यः 'भक्षम द्राग मृद्धितम् । वुबाक्षनाना मिल गान नालिया॰ **बराद्र गानः महदिः शूनाञ् सः॥**

इन्द्रव भा व नइ विलम् व न চরণো ভথ বচিতা

৬৬৬৬॥৬। দৈত্যেন্দু বংশাণ্ড কদীর্ণ দাধিতিঃ ৬৬ পীতাম্বরা এলে কল পীতাৰৱো হুসৌ লগতী ভুমো

শ্চতু র্বর্ণপুস্তারীযা-

হরঃ।ৰ্মিন্মনজ্জু: শলভা ইব স্বৰ্ণ । उ क न ठाप्त मुथा मथ दिनः॥

দ্যন্ত ব্যতিরিক

চতুদ্দশ প্রকারা

छेभबाउरया ভविष

জ্লোদ্বতগতি:

हा।।इ।इ।।।इ

यनीय इनस्ङा विरनाकः विश्वनः क्विन्त्उन्या क्लाइडग्रि: 1

বিলাস বিপিন• বিবেশ সহসা

করোত্ত কুলল হলী স জগভা ৷ ৷৷

मरातात्राक कािं ज्रज्याविहाय

स्मिछ पूर बीवन विभ्रमानः।

मया क्लिनिन कालियाथ कुक्ष जूबन गुराछ कछ आग्रांसा

खु अन् श्रांज॰

। अक्षायकार क ৬৬ ज नार**े**

8.	M:	D. C
. इन्त्राः वृद्धि नाम	াণি তেযা-মাত্রাঃ	তেবামুদাহরণানি
	५ छक्। वध	
(3154.	1113.13.13.13	यभूनाउद्दे नहूर । किल्लानमर हि
		महाक्र मक्कि। मूर्पिजार्ड
		करण दर्भात जू गय • यि । हि मि जम
		निज॰ সফল॰ 🏿
ञ्चिनी	<u>અહાહહા</u>	हेन्मुनीवाशिवानिव या निर्मिछ।
	৬৬।৮	শাতকুষ্র দ্বালস্কা শোভতে।
		नवा (मयह विः भी छवामा इत्र म् बि
		রান্তা মমৈবোরসি সুগ্রিমী।।
दिश्वामि	৬৬৬৬৬	अहं। मत्रिया पु विश्वामताना
	35133	मरेषाउरेनक॰ कृष्ण म जाई जका।
		তত্রাশেষাত্মশ্যন্থিতে ভাবিনী তে
		ज्वा जः नम्म बादाधना विश्व एक वी ॥
পুমিতাকরা	।।७।७।।७।।७	व्यम् जम् भीक त्रभिरवा तित्र छी तक
		मोकिका भूवरती हु तिजा। भूमिजा-
		ক্রা মুররিপো ভণিতি বুলিমুভুবা
6.6		मञ्जिङ्गत्र भनः।।
<i>ऋ</i> ७ विष विष ७ •	सिंगालालात	उत्रशिका श्रु वित्न नवयञ्चनी शतियहं।
		गर (किंग कुज्रमार । कुज्विमिछ
		চाक दिशादिश इति गर्॰ इतरयन
		मन्। वरहारं
मुन्ता किनी	liiiiકાર	विष्यु मन् स्थावर जो मन् जा भर्षा
		कहि यभा भन्माकनी । जुनिहिल
		निउम्बूब जुड़िका र्यक ब्राम्य
		कृष्टि यम् भेन्ताकिनी । नुत्रनिहिछ निज्ञहुक नुह्निछ। इत्रह क्षणस्यः भीजीवृत्रः।

हन्तनः वृद्धिनांगानि (उवा नावाः ५ अक्। वधु

(उर्वे। सूना इत्रशानि

কুসুমবিচিত্র।

।।।।७७।।।।७५ विभिन विशास कुमूम बिहिना কুত্তকিত গোপী মহিত চরিতা। मूर्तितृ मृद्धिं मूर्थिति उ व भा हित মবতাদ্ব স্তর্ল বত•সা॥

ভামরস্

।।।।७।।७।। १५ हे ज्यमा मकत्रन् मानाङ्क तुत्र वनना नयनानि विशीछ । তব मूथ **তানরস• মুরশ্রে।** হাদ্য**িত**ডাগ विकामि यना सा।

नान जी ৰমুনেতি কাপি।

াাাডাডাডাড ইছ্ ক্ল্যাচ্যুত কেলি কাননে মধু রস সৌরভ সার লোল্গঃ। কুসুন কৃত লিত চাক্বিভুন। মুলিরপি ष्ट्रिक नाम शे· नृङ्शा

भिगाना ष्यम्याः वङ्गेनर्याजः

७७॥७७७ भुसामय मोलो नानाभन कुछ জাত পুতিবিশ্বা শোণা মণিমালা। গোবিন্দ পদাবে রাজী নথরাণা माञ्चा ममिष्टि श्वाल ममयकी॥

ं जनश्रमाना অস্যাশ্চ বভিরপ্তা-ভিন্ধ বৃতিঃ।

७५५७ ॥॥ ७ ७७७ या जकाना किन प्रिताज्ञ । ना **जाला हित्र जन्द**त्रमाना नव्या। ভব্যাকারা দিনকর পুত্রী কুলে কেলী लाला रुद्रिउन् त्रकारमा यः॥

े खरगाम भाकता वृज्धिः, ় অভিন্নগভী। भ्रायंश বৈভিদ্গুভিশ্বতি:-

७७७।।।७ ७। गालीना मध्य मुशा द्रमम् शारेन बबुक खन कवार्माश्राष्ट्रीनका আশ্চর্য্যে রপি রতি বিভুমৈ মুর্য়য়ঃ न नात मिक्क ब जन भूक्षिणी है।।

र न्यः		छ ना इ
इंन्स्नाः वृद्धि नामानि	ভেৱা নাত্র। ৬৩ক। লঘু	ভেষাস্দাহরণানি
কাচর। • চত্তি ন্ব্ভিক্ষ যতিঃ। মত্মকুরঃ চত্তিন্স্ভিক্ষ যতিঃ।	। ৯।৯।।। ১৯৬৯ ১৯৯৯১: ১৬ ১৮৯১ ১৮৯১	न् उन्ने भारमानि भारमानिन तमा। काम क्रीडाक्ट मना भाग वैश्विः कः मथु भो निर्मन वृन्तावनमाभ ॥ क्रयं ि नि जिम तिभू जाउव नीना कृभिङ कवनकत्र कानिय मोतो।
মুক্তী ভাষিণী সুনন্দিনীতি শন্তৌ।	। ৬। ৯ ॥ ৬ । ৬। ৬	চরণ কমল যুগ চাপল চণ্ডী পদ নথ কচি জিত ভোগি মণি ঞী:॥ অন্তোমি শীতল করেণ লালয়ণ স্তনুকান্তি চোরিত বিলোচনো হরে। নিয়ত কলানিধি রসীতি বল্লবী মুন মচ্যতে ব্যধিত মঞ্জুভাষিণী॥
চন্দ্ৰিক। উৎপলিনীভি কৃপি। সগুভিঃ বড়িচ্চ যতিঃ।	1111889188 18	শারন্তকৃতক্তি কাকালিতে দিন্ কর তন্যা তীর দেশে হরি: । বিহরতি রভসাদলবীভি: সমণ তিদিবযুবতিভি: কোপিছেছে। যথা।। সমন্য কিছাব ক্রেডেই ক্রেডিক্সা
কলহ•সঃ কিংহন্যদ্ঃ কাপি ৷	11 3 13 111 3 11 333	য়নুনা বিছার কুত্কে কল্ছন্না বুল কামিনী কম্লিনী কুউফেলিং জনচিত্তারিকল কঠনিন্দেং প্রাদ্ধ তনোত তল সুন্ধতন্তা।

5%;	~^	ष्ट्रमः
इन्त्राः वृश्चि नामानि	তেবা• মাত্রাঃ	তেবামুদাহরণানি
•	५ ७ व । न घू	
পুৰোধ্তা	॥ ७। ७ मा ७ १७। ७	শ্যিতা মৃষা চটুল মাননিদ্যা রতি
		रेकिन कुछ निनाय विनामिनी। सूत्र रेवितिगा बहन हूचनाहिना स्थिछ
and the second s		माउठान मशिह शुर्वाविजा॥
म्रानम् मूर्यः	भागक ॥ छ । ७ । ७७	युध नमूलका न मोनया जिज्ञीतः।
চৰকশাক্ষাব্ৰিঃশ্ক্ষী		क्षृ विष्ठ भृशान्त्र भूथः भृशा छित्रक,
204 11441 21 00 1 11		क्रन् थल विज्ञि बीवनम् (वान-॥
व्यञ्चाद्या	७७५ ५५॥॥॥ ५५५	'ঝির্য্যাণ্ডৌ বেন জ্বলতি রণরসাৎ ক্ষিপ্তে
পঞ্জি ন্বভিশ্চ	. 500	रेम्ट्यालम् काठा थत्रिय मुनवाका
য়তিঃ।		। धर्म हि अर्थः भुकि छि अर्ज नवकः
		नाधूनाः वाधाः भूनमयङ न क-नाबिशा
বসস্ততিলক•	७५।५॥।५	ফুল্ল বসম্ভতিলক তিলক বনাল্যা
মিণহোদ্ধালা স্ক্রীক্রিক্র	११७१७७	লীলাপর পিককুল কলমত্র রৌতি।
অষ্ট।ভিঃবন্ধিশ্চ		বাত্যেৰ পুত্ৰ সুত্ৰভি ৰ্মল্যাদু বাতো
,ষ্তি:।		यात्जं इतिः म मश्रा विविना इजाः
		म्यः ॥
্ষ্প্রাজিত। সঙ্গিভ্যতিং	अ। ७। ७। ७। ७। ७। ७।	यहनविश्विक भुजाभ क्जाम्मा यहू
र्गंड १७ वा छह		निष्ण हम् भरेत त्रभता बिजा। यु बयु उ
		नमात नम् तिभू तुकः न क्यंडि
	•	सग्जा गिक् ग्रंक प्रयुक्त ।

कन्मः/ क्ति। वृद्धि नामानि दक्ता नावाः তেষামুদ হেরণানি ५ खका वध পুহরণকালকা ব্যথ্যাত अभूग min Smill **श्रु**द्रगकिनिका ্সগুভিৰ্বণৈ ব্তি: পুমদবনভবা তবধনুবিভভা!বিরহ বিপদি মে শরণ মিহ ততো মধু-মথন গুণস্বরণ মবিরত।।। जु। न। ज्रीन जंत्र मधुता नारि । क्री जिं **७५७७७**।।।।७ ৬৬৬৬ ত্রীথ গুদুর ভূ তপরনৈর্মন্দানেশালা। लोक्तर (जाना शहर विनमक्रास्त्री-ল্লানেঃ ক•সায়াতে নৃত্যিত সদৃশী यात्रङीय ।। मूष्क योवन नन्नीर्विम् षिज्ञालाना एए ।। एए লোলা .**५७**१.७७ रेवलाक्या जुडब्ला (गावित्साडि • সন্ত্রি র্যতিঃ দুরাপ: । তদ্দাবন মঞ্জে গুঞ্জক সনাৰে জ্বীনাথেন সমেতা স্বছন্দে **স্ক কেলি॰।।** नान्तीमूथी **সরস খগসলালাপ নান্দীমুখী**य• ।।।।।। ७५ ७५ অস্যা: সপ্তভি লহরিভুজলতা চাক্ফেন স্বিত্রীঃ 🎉 166 য্তিঃ मूत्रहत कलयामिख मामामा किन्ड পঞ্দশাক্ষরা বৃত্তিঃ। পুনৃদিত হ্দযা ভাবুজা নৃত্যতীহ।। অতিশক্রী। म्बार्क जिलंक सम्बिक् mananim 5 শশিকলা বুজযুবতি- বেসদলিক नर्रामक न्येन इप्य भेविन प्रिष्

ব্যভরুত বিভতরভঙ্গ পরিউর্ল ॥

ছাত্র চলদঃ ছাত্র নামানি তেষা নাত্রঃ তিয়ার্দাছরণানি

mmanın 5

याय महर्गेत कित्रजत छ भगी ুদিন বসতি রনপগত পরিন্লা সুগিবনিবসবিলসদনুপমরসা সুমুখি मूरिज मनुक्रमनन क्रमर्य।।

মণিগুণনিকর:

Hillillill &

नत्रकतिलू त्रवज म मिथिल मूगि রনিতমহিন ভূর সংক্র-নিবস্তি:।

অষ্টভি: সগুভি শ্চ यिः

অনকবি নৃণিভগনিকর পরিছিত্র

সরিদ্ধিপতিরিব ধৃততনু,রিভবং॥

मानिमी অইভি:সপ্তভিশ্চ যতিঃ ॥॥ ५५५। एहा एह म्गमर क्षकही भी उरकी स्य वामा ক্চির্শিথিশিখণ্ডা বদ্ধবিদ্লপাশা । অন্জু নিহিতম শো ব শাসূত কাণ-यडी थ्उमध्तिभू नीन् भानिनी भाख जाया॥

नीनाथन

৬৬৬৬৬৬৬ **シシシシシシシ** भाषात्वा भाषिनतः कानिन्तीकृन কৌণীচকে রাসোলাসঃ क्षाणीं जिः मार्कः वीवार्यवः। मन्ता-किनार खं, दिशास देश की जानि व्वित्व।यष्ट्रप्त्यानामी मः इत्व माि छः (थनश्री जः॥

11115-115-55

বিপিনতিলক বিক্সিত বসন্তাগমে नयुक्ठमरेन मधुकरेत तर्गाष्ट्रवृ छ । নল্য নক্তা রাচ্তলাস্ত্রাল্যেক-যন্ বুজযুবতিভি বিশ্বভিত্তী । रुतिः ॥

12.3	-	· ·
हन्स्मा॰ वृद्धि नामानि	ंडिया•माजाः ७ छक्। लघु	ভেষামুদাহরণানি [*]
তৃণক•	ভাঙাঙ । ৬ ৬ । ৬ । ৬ । ৬	সানুবৰ্ণকেতক বিকাশি ভূমপ্রিত পঞ্চবাৰ বাৰ্ণজাল পূর্ণ হেমত্বক ।
वन्तुः ज्या- नहरम् अहरमञ्चेष	৬৬৬৬ l৬৬৬ ১। ৬৬ । ৬৬	वाधिका विज्रके माथवान मानि नायत साहरमि निर्जय प्रा विना कनानित्य।। विष्ट्रांस का मूजाद भाष्ट्र भुकाना क्षे हि भाष्ट्रांस मुक्न न जाहा
	-	विज्ञो ना । ताथास्माहना गर्ख नीना यथा हन्द्रानथा किकार्खा दा॰ यत्रजी थर्ख धुत॰ कीवरयागः॥ •
কিন <u>্</u>	\$! 99169	(गागानी नीना (नाना यह ८ किन- न्ताया कार अवस्य अवाशासाय म्यून- म अव्विधित। कः मातार म् विरुद्धास स्विक की प्रभीयः कारम्
ষোডশাক্রাবৃত্তিঃ।অস্থিঃ চিত্র•	৬!৬!৬ [:] ৬! ৬!৬!৬!৬!	नाक्षावामाधिनाठ उन्नजात।। विक्रमाक्ष्मध्याष्ठ (माछि (देवू वान) क्षे वल्लवोजनाक क्ष्म जाक मृथ क्षे वल्लवोजनाक क्षम जाक मृथ
শ্বতগজবিলসিত। গজত্তরপ বিলসিত সিডিশিঙো। সণ্ডভি নুবভিশ্চ য়তিঃ।	11111111111111111111111111111111111111	পুণ্ডলভ্য পাদসেব বন্যগ্রতিত্রকেশ সংমারানি গোপবেশ।। যো হ্রিক্তুগ্রেষ্ট্রভ্র নথর শরে দুর্জিবিদ্রাসিংখ সুবিকা হ্রিদ্রতি । কিন্তিহুচিত্রমেষ যদখিল্মুপী ক্রেনি কংসারিদেশ দুস্তদ্যভ গ্রবিল সিতং।

,	इंग्स		जन्मः
	इन्हम वृद्धि नामानि	তেষা মাত্রা;	- ভ্रामुना इत्रानि
		७ ७ क । लघु	
·	চ্কিত্ৰ	७ ॥॥ ७७५७	দুর্জাদনুরশ্রেণী দুশ্চেষ্টা শত চকিতা
	यम्या यक्षेत्र यिः	૭૭ 🖽 ૭	যভূর পরিষ তাতা যাভা সাঙ্স
•	į ,	. ,	विभन्। मीवाछि मिवि बन्नाना यहः
			নন্দন বিপিনে গছত শরণ ক্ষ
			ভো ভীতা ভবরিপুতঃ।।
	পঞ্চামর•	। अ। अ। अ। अ। । अ। अ। अ। अ।	मुद्रक ग्ल गुल्ल निविव इड्ड
	(ب		নিৰ্মিতে লইন্বিভান ভ্ৰিতে স্লীল
	<u> </u>		वजुमान में। मूदाक्रनां जे वज्ञ वो तक्ष्र भूभक्ष ठामत सुन्नः ममीस वीक्षितः
			मराहु। उ॰ जनामि छैनी
	महनविज्ञ	७७७७ ॥॥ ७	বিভুঃ সুমূলিত চিকুরা ধৌতাধর পুটা
	চ ভথে বঙেচ যকিঃ	ઝઝ 111 જ	न्नायरं भवाविन कृष्ठात्रे हैं।रमार्थि
, ,	·		ভরণা । রাধাভ্যর্থ 🛪 🛱 দলনি জা-
		1	(न्हारत २ न म रपू: क माहारें हिं
	-65		রস নহে। চক্রে হতিচটুল।।
	<u>ৰাণিনী</u>	11118181111	ছু রতুমনাননেদ্য ননুবাণি নীতি রম্য • তবচ্রণ পুসাদ পরিপাকতঃ কবিত্ব•
			७२०, मा द्वास गामगास्य स्वाप्य छ रखन्न सम्मि शामक द्वा का स्व
		1	मूजना जिंड मङ्ख्दिः अविदिनः
			ষ্টবানি নিভ্য•॥
	(अवे ब्रेग)	अध्यक्त III द	ज्ञारकाशः म्रा हनवन्य सकात्र
		म्बुश्रिक ह	कि मुशा शारमेतामः शुक्रिक जून।
			কাটিনাদঃ। নিতে বক্তে হক স্বাক্তি
			क्रिकिट क्रिकिन क्रिकेट क्रिकेट
		. 1 %	क् शुवबलालाज वहाबीना ।

ভেষা মাত্রাঃ

७ ६क। वधु

11115151115

। ७५५५५।।।।

15 ॥ ५ । छ।

॥७।७७।७

७७॥।७

१७७।७

इस्ती। वृद्धि नामानि

অচলধ্তি:

गर ५ स्व

নীউদ্**শা**করা বৃদ্ধিঃ। অত্য

কৃষ্ঠে একাদ**েশ**চ য**িঃ**

অপ্তনে নবনেচযকিঃ

শিথরিদ

मृथी

an Fire:
(उदायूमी इत्रापि
তরণি দুহিত্তট কচিরতর বসতি
রমর মুনিমুখ জন বিহিত ধৃতিরিহ।
मध्रिश् त्रिंचनव कलध्र कि छन्
वर्ग्य कि कमयं कि मृक् कि क्रि थे गू।।
व्यम् मग्र मानम मूर्प श्राप पृति
र्गक्षक्ष नुदादि ভूषानम्
ব্দ্রাসনে । ধরণি ভরাবতার বিধি
ডिखिना उद्दरः म अयु ि कः म तद
ज्व मिः इनामा इ द्धः ॥
कद्राप्तमा जुरहे नमू मिथिति ग म्माजि-
শিশো বিলীনাঃ সাঃ সত্যু নিয়ত
ম্বধ্যে তদ্থিলৈঃ। ইতি ত্রস্ট্রো-
পানুচিত নিভ্তালাপ জনিত স্থিত : বিভুদেবো জগদবত্ত গোবর্জন্ধরঃ ॥
पूत्र प्रमुख्यत शुक्त मूः श्र्वी छत
जशात निज नीना। यमुक्लाव औरं। मु
যঃ। সূথ্য জগতীগতি দু রিতভার
मयाम्मा॰ इतिवाछ इतिः स्डि
স্মর্ণ চাটুভি স্তোষিতঃ ॥ 🕻 💝 🔻
ন্তম বংশপ্রপতিত রজনিজল লরণ
भगा नेजना (ने) कि विद्यो अने भे
क्रजा । वंदर छ स्ट्राह्म निक्यः

ব**·শ**পত্ৰপত্তিভ• ব-শদল মিভিশম্ভৌ ৰ শগ্ৰপ্তিতা हिल (किट । यमा मनाम मुखान **চ प्**जि: 1

9118191 119 11111119

•	क्र नरः
हन्द्रभाः कृष्टि	नामानि
ग्न ाका	ाड ा

ভেষা• মাত্রাঃ ৬ শুক্ । **ল**যু

<u> उत्राभूका इत्र शानि</u>

मन्तकाडा जन्मा कखर्थ राष्ठ अक्षरम्घ यकिः॥ इर-कोन्ध्र दर्गनान-यागिनी नखा। ৬৬৬৬।।।। ৬৬/৬**৬**। ৬৬ (भूमानारेनः भि्यविख्तरेनः भी निष्ठा विक्रमारेन्। संन्हाकाष्ठा करन् निय्ठः वन्ध्रजात्मिक बाना। अवः निका वहन मृद्या द्राधिकायाः मधीनाः भीछः भाषाः सिठमू वहन्। दहन्की-नन्हत्ना दः॥

হ্রিণী ষষ্টে চত্তর্থে সপ্তাম্ব যভিঃ ।।।। ४५५५५ ८। ४॥ ४। ५ व्यक्ति निर्देश तिकः नीका शुतः इतिनी निर्देश स्वादः स्वादः स्वितः त्माञ्चनम्यन निष्यः । अन्यस्तिन्यः पूर्वाण्यास्य सूत्राति कल्लवत् व्यक्तिः प्रिकः वह्याकाः द्वालानः विकाहनः ॥

नुष्ट हेकः

111131311 3113113 | वुजनिकादमञ्जिकितिं ज्ञीमस्थूरे नयुन्थनः शुन्नुकन वािक् कन्नुक्रः । विज्ञाजितोि कि कि गुक्की मूिक् जन क्रा कि जिल्ला विविक् नर्ष हिस्स किंद्रि भरावनी विविक नर्ष हिस्स किंद्रि ।।

বুনকোকিলক• অসঃ সম্ভনে যঠে যতিঃ॥• १११७ ॥ ७ ११७॥ ७

হলসা বৃত্তি নামানি তেবা নাৰাঃ

ভেবামুদাহরণানি

৮ খক। লঘ

ভারিণা जनाम्हरूर्थ बर्ड সপ্তমেচ যভিঃ।

७७।७७। ७

৬৬৬৬ মান ৬ বস্যানিত্যে শুভি স্বলযে শ্রীশালিনী লোচনে রাগঃ স্বীযো **ংধর কিসল**যে नाका तनातक्षन । भोती कास्टिः পুকৃতি কচিরা রম্যাক্রাগ ছটা সা ক-সারে রজনি নক্থ-রাধা ননে। श्राविगी॥

ভারাকান্তা চত্তথে याष्ठ मधाम চ যভিঃ।

৬৬**৬৬ ।।।**।৬ ७॥७।७

जहारमा किया वृद्धिः ধৃতিঃ।

७७७७७।।।।।

र्धे यश्चिमक्षम **Б श्**णिः।

ভারাক্রান্তা মম তনু রিষ্ণ গিরীন্দু বিধারণাৎ কম্প ধত্তে শুম জলকণ छथा भित्रमूक्छि । ইত্যাব্यन् करि ज्लम बनावल दलती जंदूरवाचा অর বিলসিত• বিলোক্য গুৰু•ছরিঃ।। कीउ८ कानिकी ननिष्ठ नश्ती বারিভি দাক্ষিণাত্যৈ বাজে:খেলজিঃ সসুমিত লভা বেল্লিতা মনদ স্নে। ভ্ৰাৰী গীঙৈঃ কিৰল্য করোল্লাসি-তোল্লাস্য লক্ষ্মী• তত্মানা চেন্ডো ব্লভন্দ তরল চক্পাণে শ্চকার ॥

नन्त-अकामरण नहरमठ ৰভিঃ।

ાર્શકાસ્ત્રા ७।७।७५।७

ভরণি সুতা তরক প্রনিঃ সলীল मधुर्तिशू शामशक्ष (किटेंड) कना अनुभाव कर अन्याद कर कि छि ज नंगान कु रहे। वृन्तावन भ

ছন্দা বৃত্তি নামানি তেখা মাত্ৰাঃ

তেবামুদাহরণানি -

७ ७ । वयु

বি•শত্যক্রাব্রিঃ।কৃতিঃ

जू वहना সপ্তনে চত্তদ্শে বি শতৌচ যতিঃ

৬৬৬৬। ৬৬ lilli 655 iii

পুত্যাহ্নত্যেন্দ্রিযাণি ত্বদিকর বিষযা-मानागु नयना जा॰ भागकी निकाल পর্মভর কচ হর্ষোত্থ পুলকা। वाननाम्, भुठाकी वमित मुवहन। যেগৈকরসিকা কামার্ভি ত্যক্তুকামা नन् नवक विल्ला वाचा मम जथी॥

গীতিকা

ग्राकाकाका

कत्र जान हक्ष्म क्रक वन मिण्यान ७॥७।७॥ मत्नात्रमा त्रम्भीय त्वपू निनाम लिक्स नक्रम् न्थावहा । वक्तानुद्रात নিবাস রাস সমুদ্রবা ভব্রাগিণ• विमाशो इति थन् वलनी किन ठाक চামর গীতিকা॥

अ।७।७।७ । ७। ७। ७।

हिंख व्ख नीनगा निमर्ग तमा (पर । ७। ७। ७। क्र वि जुःमग ताज्ञ मान महाया विवास मन्दर्भ कना अ बृह्दन । यः समः वुकाक्ना बरेनः मुदाक्ना निरेखः मूथ॰ সমেত্য বিষ্ণু কল্ললাস চিত্তপদাকোষ वर्ष् भरः माम महास्त्र ॥

विद्धितं यिष्टः न

नशीयूरवाचीन एनद्रिक यूगना मध् ন্মা ফলাভ্যা• তথো ৰূদ্ধ• রাজন্তর-ल किमलयानिष्ठे जूनिश्व माथा। लज-म्कात्रकार्भन क्वनववहन्त्रविशा-क्षिजागु। यहा / लाज। (मीलो भिषक् विभिद्रेतः कृष मा काशि वल्ली।।

इ.न्त्राः वृद्धि नामानि

(उनाः भावाः ৬ ७२ । नमू ভেৰামুদাহরণানি

একবি শত্যক্ষা বৃত্তি:।

পকৃতিঃ।

সুধার। সপ্তমে চত্তব্দ**েশ** একবি•শতৌচযতিঃ

১৯৯৯ । ১৯ ।।।।।১৯ । ১৬ । ১৬৬

সরসী : ৷৷৷৷৬ ৷ ৬ ৷৷৷ গি•হকমিতি ক্বাপি।^(৬:۱ ৬ ৷৷ ৬) ৬ ৷ ৬

দ্বাবি•শ্ত্যক্ষরাবৃত্তিঃ। আকৃতিঃ।

> হ•সী ৬৬৬৬৬৬৬ অষ্টমে দ্বাবি•শভৌ !!!!!!!!!!৬৬ চযতিঃ ৷

यश्ति।

५॥७॥५॥ ५॥ ५॥५ ॥५॥५ मार्खः कारहरिनकारह शर्मी विकष्ठ कमन मधु मृति शिवडी काम की छा-कृउद्गी उ शुमर मतम छत्ने मन चू द्रमाडी कानिकारिय भगातिला भवन भड़ने भित्र उत्रन भताल कम्माताहु भन्छ (यहः म त्रजम गिड दिस् विनमिड) इस्ती।

মাধ্বমাসিবিকরর বেশিরপুর লসন্
দিরা কুদিতৈ ভ্রু জাল কণ্ণগ্রিত বনে বনমালিন মালি ঝলা নির্দিণ্
সপ্তগ্রেদ্ধি পল্লব ক্রিত তল মনল্ল মনোজ দুলি বু ভল্ল মাধ্যিকা মৃত্ নর্ত্রক বামুন রগত ক্তোপগ্রমা। ছন্দ্রা বৃত্তি নামানি তেষা মাত্রাঃ े धका नमू

(उन्। मूरा इत्र गानि

ত্রযোবি শত্যক্ষরাবৃত্তিঃ। বিকৃতি:।

> व्यिषु जनया ব্যব্যবিত নিত্য-न्यव।

ामा ७ १७ m/ ७१७॥७। ७॥।७

খরতর শৌর্য্য পাবক শিখা পতত্ निज मः। मृध पन्रका जनिश्रिजा বিলাস বসতিঃসতা-গতিরশেবনান্য মহিমা। ভুরন হিতাবতার চত্তর শ্চরা চরধরো ২নতীর্ণ ইহৃছি ক্ষিতি বল্যে ত্তি ক স শ্ৰীমন ত্তবেতি তম্বোচ-मिषु जनगा॥ -

মন্তাকীড• অষ্টনে ত্রবোদশে ব্ৰযোবি শতৌচ य्जिः।

৬৬৬৬৬৬৬ mmmmmy

চন্তবি ·শভ্যক্ষর। বৃত্তিঃ। দ•কৃতি:।

বি শক্তেচ যুতিঃ

मूष्याची नम्र खाकी छ॰ मधू मभय मृत-च मथूत्र मथूत्रमार गात यात किकिन म्मन्दन् शर सक्त नगन यूगन नत्रनिकः। तारमाल्लान कीउ८ ক্ষু বুৰ্যুবতি বল্য রচিত ভুজ রসং नानु।ननः वृन्हात्राः अत्र इति मनघ ठत्र भित्र हर ।।

माध्य मूरिक मधुकब विकटिंडः काकिन क्षिত मनय ममीरितः कष्म मूल्पा मन्यक जिल्हाः द्वावनरका भाष्रिगछ छन् मारु।। भग्न भनारेण विविधि भग्रत (एक्क जः अत्र, छत्र शतिपूर् निः धनजी न। मूह त्रि अक्ष धान नाय उव निर्मम् उन्।।

एक्ता वृद्धि गागानि विवागानाः ५ ७ का वर्ष

:उवामूमास्त्रगानि

পঞ্বি শত্যকর। বৃত্তিঃ। অভিকৃতিঃ।

কৌপ্রপদা গঞ্চনে দশনে শুষ্ঠা-দশে পঞ্চিত্ৰণতৌ চ যতিঃ।

७ ॥ ७५७ ॥ Senini ee

यङ्गि भाउ। का दाविङः ।

ভুজন্পবিজ্যিত্ত• খুষ্টমে উনবি শতৌ যভ্বি•শভৌ চ য[তঃ]

ひとととかいか ा गामामाः ५ १७। 11313

वाश्रह उक् हि गुथवि ग्लाका का श्रीविश। চণ্ডবৃ ঠি পুপাতঃ

।।।।।। ७।७७ 135:331 ७७।७७।७ ઝાઝ

ক্রৌঞ্পদালী চিত্রিত ভীরা মুদ্র কল थ्ग अन कनकन सिंहा कुल नातान : भुि विवान। मधु मूनि **मध्भ** त्रव त्रञ्ज कती। रकनिवाम (पुष्कृत হাসা ললিত লহরি ভর পুলকিত সুত্রনুঃ পশ্য হরেংসৌ কস্যন চেতে। হরতি তর্লগতি রহিম্কিরণভা॥ (र्लाम्क्माक्ट्भाम् भुक्रे दिक्रे নটনভরে রণৎ করতালক শ্চাক (পুइह्फा वर्डः गुः ि उद्गन नव किमनय ত্তর কি ভ হারধৃক্। অস্যাগ জীভি ভক্তা মুদ্বলিত কর কমল যুগ ক্ত खु उत्र शु अ। याचि म्लिन् का विनती इम क्ठ निष वन्छ व्रस्कद বিজ্ঞাত্তিত ৷৷

श्वाय घन घडे। महातपु स्मिवावनी চ ও বা প্রপুপা তাজন গোজন সপদি नगवानाका बावान् इत्स्र शावकान नान देशनुः मधनीनया । क्रमनः नथन तक यकि गर्कधारं दे (गाभाइन। निह्ना निहाँ । भने-क्ञिन्दं वात् धाता विविधान वार्या . गुतानां कि तक भुष्यामां प रहा।

ছন্সা বৃত্তি নামানি তেষা মাতাঃ

ভেষামুদাহরণানি

५ छक्। ववु

बि भारकात्विः।

. 1 '

অর্ণঃ

ক্ষয় ক্ষয় কগদীশ বিক্ষো হরে
রাম দানোদর শ্রীনিবাসাচ্যুতানন্ত
নারায়ণ ত্রিদশগণগুরো মুরারে
মুসন্দাসুরারে হ্যীকেশ পীতাম্বর
শ্রীপতে মাধব । গক্তপমন কৃষ্ণ
বৈষ্ঠ গোবিন্দ বিশ্বস্তরোপেন্দু
চক্রাযুধাখোক্ষক শ্রীনিধে বলিদমন
নৃসিংহ শৌের ভবাস্তোধি ঘোরার্ণসি
বুংনিমজ্জন্ত মভুজ্বরোপেন্ত্য মাং॥

व्यक्तिः भमक्रतावृद्धिः।

তাণবঃ

यहेकि अम कतावृजिः।

व्यानः

্পৰসৰ্গৰাদীৰা মপুগ্ৰদাহরণানি বোদ্ধ-ব্যানি॥

ভনচর্গরি শদকর।

वृज्धिः।

নীমতঃ

१।।।।।। १८ १८४ : ४ १८ १८४ : ४ १८४ : ४५ | १८४:४४ | ছন্দ্ৰা বৃত্তি নামানি তেষা মাত্ৰাঃ

তেবামুদাহরণানি

७ ७क । नघु

দ্বাচত্বারি শদক্ষরা

वृज्धिः।

नीनाक्यः

পঞ্চন্ত্রি শদকরা

বৃত্তিঃ৷

উদ্দামঃ

ववमर्गवामीना मशुप्रमाङ्ग्रगानि (वाष्ट्रवानि॥

जांक्षेत्रजातिः भामकता

वृङ्धिः।

मञ्जः। ইত্যাদयः

 इन्तमा वृद्धि नामानि

্ত্ৰা• মাত্ৰাঃ ७ ७ क । जघ

७षानुराष्ट्रशनि

সপ্তবি•শত্যক্ষরাবৃত্তিঃ পুতিভকঃ

७ :७७ :७७

।।।।।। ७७।७ मूत्र्त यमुक्नाखाभिन्नु १७७।७७। (मवकी गर्छ त्रज् जिलारेकक नाथ ७७, श्रिडकभे युवाति वुद्धान्ताम पद्धा-বল জোন বেদ্যুদ্রণে কেশরাল্ড চহণ নথর সুধাংশু ছটোন্মের বিংশেষিত ধ্যাবি চেতো নিবিস্টান্ধকার পুণত জন পরিতাপোগু' हा वान ला। इस दिन

অপ্তবি•শত্যক্ষরাবৃত্তিঃ। অশোকপুষুনঞ্জনী

७।७।७। ७।७।७। ७।७।७।। 9191

भुगीन भुगीन भुगीन ॥ মুজি চাৰ চম্পক সুগ্ৰা সগীল বেষ্টন• ল সল্লব্ৰ চাৰু চলিক। কচেষু কৰ্ণযো ७।७।७। तरमाक भूजमञ्जती वज्ञाका शामां **কান্ত কেশরে।প**তুগুদার । ফুল নাগ-किन्द्रांकि श्वा (तन क्यन करनो বিচিত্র মিত্যুপান্ত বেশ এষ কেশবঃ পুनाज् वः भूभन ज्वि अः मम् र्डिमानि वागाउ। मशुर्विङ् ब्रिज ॥

সপ্তবি ভাক্ষাব্ভিঃ। ं अभूमखनकः

11७ 11७ 11७ હું છે છે છે છે છે ।।७॥७॥७

वित्रताम यही नक्तः कनकनूरां वस्त्रत वामनृनः कृष्ठकृष्ठेन्या जुन्द्र भुकरवन যথাব্ত মূর্ত্তি রশোকলতা বিলসৎ अमृ । खतकः । न नवीम अभाजस्त পু जिसह वि विज्ञ र जीव विरागान का बि वशु काराना कारिया माक दक्ति व्यत्र। इति तस्य महीय क्रम्य मधागाउः।।

हिन्स्जा वृद्ध नामान (डव. बाबाः

(उवागराष्ट्रतपानि

সগুরি•শত।করা বৃত্তিং।

ন ভ্ৰাতস্থালা- ১:৬৬। ৬৬ ব্রঃ :৬৬। ৬৬ । ১৬ :৬৬ ৬

उत्ति उत्तो मुधाकतः शृद्धा विद्याक यानः ताचित्व विश्वह्यमान भोत मीधिकी ति विश्वह्य निमानः कथा जन्न्यन ठाक ठल्योक प्रमानश्वतः किम् । इकि श्रमान कातिनी श्रिमा श्रमाम नक्षना नित्र मन्दिन मूद्यातितस्त्र जा श्रमान कान मक्रमान् समयना मत्मान किन की की की कर्मान वः क्लार्थना। समयना मत्मान किन की की

निङ्गाः भूक हन्मन विश्वः । गगगः

क्षनना निञ्चिक यथा नौत्र

नीवश्रेत केशिव ॥

অথাৰ্জসম ব্ভানি। উপচিত্ৰ• ১১ ব্ভিঃ

প্রম াদে তৃতীয় ॥৬॥৬॥৬।।৬ পাদেচ ।ও দিতীয় পাদে চম্ভর্ম ৬॥৬॥৬ পাদেচ• ছন্দেশ ব্ৰিনামানি তেবা মাতাঃ

ভেষান্দাহরণারি

५ ७ म। नघ

বেশবভা ১০ (১) বৃ. ডিং

প্রমাণানে তৃতীয" ও॥ ও॥ পানেচ

षिजीय भारत हाउथ ७॥ ७॥७॥

श्रीतम् जा १२। १२ वृष्टिः

ष्मभद्भवङ्गः ১১। ১२ वृष्टिः

পুথনে তৃতীবেচ

७।७

शारम

মর বেগৰাজী বু**জ**রামা কেশৰ यण्य बरेव ब्राज्य मुख्य । ब्रज्य मागुक्त म् গণৰভী কেলি নিস্ঞু গৃহায়জনান্।

গুথন পানে তৃতীয় ॥ ৬ ॥ ৬ ॥ মুট ফেন চয় হরিণ পুতা বলি ম্নোত ভট। ভরণে: সৃষ্ঠা। কলছ • म शिकीय भारत छ उथ ।। ७ ॥ ७। । भारत मा निमा विस्तरका स्त्रिय ्रिः इ.स. मंगः ॥

াাাাডাডাড কট সুন্ধুর বেণু গীভিভি ভন্পর पिठीत्य हडार्थ्ह । । । । । । । वक् भत्वछ नायव । मृग मृवि मिताः ন্ম- ছিভা বুদ্বনিতা চিভ বিভূমা॥

न्द्रिजान्। १२। १० वृज्धिः

পুথন लाम ज्जीव IIIII ७ 1७ । भारम्ह

धिकीय भारत हर्स्य ॥। ७॥७। भारत PHILED

जूनहरी २०। १२ वृद्धिः

॥७॥७।७ ।७ পুথমে ভূতী পাদেচ

षिड़ीय हडार्थ ।।। ५५ ॥ ५। शार्ष्ठ

इंडाफ्रमग द्ंखानि नग्रान्।। कः।।

কর কিমল্য শোভ্যা বিভাগী স্বচ ফল ভার বিন্নু দেহ যক্তি। স্বিত कित्र विवास भूमि जाना वुक्यूविक वुडडी इरत मूर्म १ जूर।।

यन (वाहम (वक्ष) जूनमती भन्निङः (सुरु ন্যেন চক্ষুষা। অপি কংস হরস্য नुब्रि वहनस्वित्वी विश्वयः॥

इन्स्मा वृद्धि	नागानि	ভেষা নাকা: ৬৩ক। ব্যু	তেখানুদাহরণানি
ভূথ বিষমবৃভাগ	न ।		
উन्नुडा , श्रुथाम् शास्त्र ३०		ાઝા ઝામઝા	বিল্লা স গোপ রুমণীযু তর্ ণি তন্যা
দ্বিতীযে			পুভোরুতা। ক্ফ ন্যন চকোর যুগে
ङ् जीव			नवजी जुवा भू किव्रागि विज्ञ ।।
চন্তর্থে	20		थथ वागदम् वेहरान कृ हित्र वहन दि -
সৌরভক		1919	লোচন মি ত্যাদি ভারবাবুদ্ধতাভেদঃ॥
ज् रामनार	R >0	॥५:७॥।७।	পরিভৃত ফুল্ল শঙ্পত্র বন বিস্ত গন্ধ
দ্বিতীযে			विजुमा। कमा शृत श्र श्रीश स्टा मृथ
•	20	७१७॥७॥ ७	
চভৰে	ક્ઉ	॥७१७॥७ ।७१७	
ন্দ্ৰিত		, , , , , , , ,	
श्वासभाग ३०		115151151	युक्त मन्द्री मगून्त्यन सूनिक सनमा
षि शैरम	39		या शीयरं । शिमकत शनि मिवा-
ভ্তীবে	১২	į :	म्डकः लिङ मूताति मूथ्रम्
हर्ख	20	॥७।७॥७	
বজু •		•	
<u> পূথ্যেপা</u>	T b	७७७७ ।७	वकुाखाम ना त्यात एक नो लाए-
দিতী যে	ь	৬৬৬৬ ! ১ ৬৬	পল• ফুল্। বল্লবীনা• মুরারাভে শেচতো ভ্র• জহারোটেঃ।।
তৃতীয়ে	b	७।७७।७	
इ खर्थ	b	৬৬৬৬ । ৬	

	" F	
इन्स्मा॰ वृद्धि नागानि		ভেষামূদাহরণানি
	५ ७२। वश्	
পথ্যাবক্তু•	And State of	
श्यामणाप ৮	७।७॥७७।	রাস কেলি সত্কেল্ড কৃকস্য
घिजीरम ৮	७७॥७।७	मन्त्रामः । जामीः ॥ मृगाकी ११।
ज् डीःय ৮		· পথ ादकु मसु मुजिः ॥
চত্তথে ৮	। ए।। एट ।	
ज नुष्ट्रण		
	७।७॥७७।	शक्षमः वयु गरंब मधमः हि
षि जीत्य 🕨	ভাভাভাভ	उडर्थयाः । एक येउछ शामानाः
ञ् औरम 🕨	॥ ७७। ७७७	(भः वञ्च निय्राम् मृजः ॥
इंखर्थ ५	७७ ॥७।७	
ই তি বিব্ন বৃত্তানি		
नमार्थान॥ 🕸॥		
অথ মাজাব্ভানি		
णागु। अर्थाए भाषा		And the wife will and the same of the same
भूषामभार ३२	৬৬ ! ৬ ৬৬	ক্লংশিশুঃসুভো মে বল্লন হলটাত্তি-
দ্বি ভীবে ১৮	७॥७१७१ ७॥७	রাহ্নতো নগৃহে। ক্ষণনাপ ব্যত্যসা- বিতি জগাদ গোধ্যা। যশোদার্যা।
ङ् डीरय	॥॥ ७।७॥	
म्बर्ध ेल	ઇ ૯૭ ક્લા ૯૯	
भुकातास्ता स्था		Town Town
अर्थात्रभारम् ३२	७७।७।७७	व्मावत मणीन वनुषम का
षिडीत्य ১৮	॥।॥। ७॥।। ७७ः	নিহিত তনু যাষ্ট্র:। স্বের মুখার্সিত
ভ ्डीर्ग : ३२	ও ৷৷ ৬৷৷৬৬	(वगुः क्ष्भा यिन सन्ति कः चर्तः॥
इंखर् ष ' ः	७ ५।।।।७५७	

हमः	्र म्र∗ः	
इन्ह्रमा॰ कृष्टि नामानि	ভেষা-মাত্রাঃ ভেষামুদাহরণানি ৬ ৩ক। লঘু	
নবধা আর্ফ্যা যথা। পথ্য পুথমেপাদে ১২ দ্বিতীয়ে ১৮ তৃতীয়ে ১২ চন্তর্থে ১৫ বিপুলা পুথমেপাদে ১৮ দ্বিতীষে ১২ তৃতীয়ে ১২ তৃতীয়ে ১২	प्राप्त का कि विश्व का का कि का का कि का कि का कि का कि का का	
हरार्थ ३० हराना अ्थ्यमाह ३२	পূর্ব পরার্ক্যো ছাদশ মাত্রা॰ স॰ লছু। यভিঃ ।। ।।৬।৬৬ চপলান চেৎ কদাচিম্ণাণ ভবেড্ডিক	
দ্বি চীয়ে ১৮ ভূ চীয়ে ১২ চন্তর্থে ১৫ মুশ্চপলা	ভিডিডাডা ভাবনা ক্ষে। ধ্যাথ কান নোকা- ভঙ্গত ভদা করছান সন্দেহ:॥ ভঙাডাড ভঙা	
পুথমেপাদে ১২ দ্বিতীয়ে ১৮ ত্তীয়ে ১২ চন্তর্থে ১৫	।৬।৬৬।৬। গছ ওবৈক। যত্ৰ ভবতি তে রাগঃ ৬৬৬ কাপি লগাদেতি মুখ্চপলা।। ৬॥॥৬৬৬ কাপি লগাদেতি মুখ্চপলা।।	

ছন্দ্রা বৃত্তি নামানি তেখা নাত্রাঃ তেখামুদাহরণানি ৬ ওক। লবু

জঘনচপলা

পুথমে চরণে ১২ ৬৬৬৬॥ ৬ ক্লঃ শ্রারপটু যৌ বন মদ চঞ্চলঃ
দ্বিতীযে ১৮ ৬॥॥৬।৬। সুললিভাকঃ। আসীদ্বুলাক্নানা।
তৃতীয়ে ১২ ৬৬।৬।৬৬ মনোহরো ক্ষম্বচপলানা।।
চক্তর্থে ১৫ ।৬।৬॥॥
৬৬

शीडिः

(कमव व•मध्नि गींडि र्लाक गता প্রথমেচরণে ১২ ७॥७७॥७ দ্বিতীযে मृग इतिरी सर्छ। गालीमान गुःइ ७॥७॥ ७७ 11311 विंत्मावनी निव्ध गायना कर्या॥ তৃতীযে 25 অত দিভীয় চরণাস্ত লহো গুৰুত্ব।। চৰুৰ্থে 7 19199191 ৬৬৬

উপগীতিঃ

शूथामहत्रात ३२ ॥७।७।७७ नव (गांश मृनस्त्रीता॰ व्रामाल्लाम विजीय ३६ ७७७७।७७७ मृताताजि॰। व्यमात्रयपूर्शनीजिः युर्ग ज्वीय ३२ ७७॥॥७७ व्यक्ती प्रमा॰ गीजि॰॥ हार्ख ३६ ७॥७७।७७

উদ্দীতিঃ

নারায়ণস্য সম্ভত মুদ্দীতিঃ সংস্থৃতি ভক্তা । অর্চায়া নাসক্তি দুস্তর সংসার সাগরে তরণিঃ॥ · ছল্মা· কৃতি নানানি ভেবা·মাতাঃ

ভেৰামুদাহরণানি

५ शक। नघु

আর্য্যাগীতিঃ

अ्वरमहत्रा >२

দ্বিতীযে ২০

ं जृजीय २२

চত্তর্থে ১৮

পূর্বার্চ্চে বি•শত্যা শত্তবি শত্যাবা নাত্রাণা• পরার্চ্চে বোডশ নাত্রাণা• পরে লয়

বর্ণ চতুইবে সন্তি পুথ্ম

विजीयको लक्षकतः शुन्ध

व्यार्थायाः नामात्म् वर्ष

नियमः ॥

বৈতালীय । অপরবজু

মিত্যেকে।

जुथामन्त्रात >8

ছিতীযে ১৬ ॥৬৬॥৬।৬

ভ্ৰীৰে ১১ ॥৬॥৬।৬

॥५॥५। ७

চম্বর্থে ১৬ ৬৬৬৬৮।৬

छेशहन्तमकः

न्यामहत्राम ३७ ५५५५। ७।७

দ্বিতীয়ে ১৮ ৬৬৬॥৬।৬

ভূতীরে *১৬ ৬৬৬*৬।১।৬

চন্ত্রপে ১৮ ৬৬৬॥৬।৬

এভদ্বৈভালী যুভেদঃ॥

৬৬৬ ॥। ৬ হর্ষাশু, ভিমিত দৃশঃ পুমোদ রোমাঞ্চ

। ৬। ৬৬ কঞ্চাঞ্চিত দেহা:। আর্য্যাগীতি।

৬৬৬৬৬ ভক্তা গায়ন্তি শ্রীপতে শ্চরিত

৬৬৬৬।৬॥ महका ।। अब हड्य भाराष्ट्र खरता

७।७' व्यव्य-॥

্গুৰু বিপৰ্য্য ৰূপ পুস্তার ভেদেন বহু বিধা আৰ্য্যা ভবন্তি॥

মস্ণেন মদেন চর্চিত তব যমিন তি বাধিকে জ্চ । মুদ মাতনুতে হব পক্তিম তদৈতালীয় ফল হরেঃ॥ লঘু গুৰু ব্যত্যযেনাপি বহুধা ভবতি॥

আতরান সুরারি কান্তা স্বৌপছন্দ-সক হাদা বিনোদ । ক স থা নির্জ্ঞান দেবো বন্দে ত জগ্তা হিতি দ্বানা।

इन्स्ता॰ वृज्जि नामानि	তেবা নাত্রা:	তে ৰামুদাছ্রণাবি
	७ ७ क । वायू	
পজুটিকা পূথ্যেচরণে ১৬ দ্বিতীপে ১৬ ভূতীপে ১৬ চন্তর্থে ১৬ দোহডিকা পূথ্যেচরণে ১৩ দ্বিতীপে ১৩ ভূতীপে ১১ চন্তর্থে ১১ অস্যা অস্ত্যা নাত্রা লদ্বী অপভূ•শভাবযাপুচারঃ॥ ইতি মাত্রা বৃত্তানি সমাপ্তানি ॥ য়॥	111 9 9 9 9 9 9 9 9 9 111 9 11 9 1 9	उत्रम वर्ण्या सिंहे कहा का मह उत्र श्रम्भ किया कि विवाद । स्मोनि ह्रमान मिश्रि ह्रम्भ वृत्य वृत्य का निय मिश्रिम नवर्छ स्वाप्य मार्थ हिंदि का व्याप्य का निर्देश व्याप्य स्वाप्य का निर्देश व्याप्य व्याप्य का निर्देश व्याप्य व्याप्य का निर्देश विवाद का निर्देश का निर्देश का निर्देश विवाद का निर्देश का निर्वेश का निर्देश का

অত্ত্রানি ত্রানি ত্রানি পঞ্দশ সমুদায়েন ব্রানি বট্ বিবম ব্রানিচ বট্ মাত্রা ব্রানি পঞ্দশ সমুদায়েন ব্রানি শত সংখ্যকানি ছন্দা সি লিখিতানীতি ॥ ॥ इन्हरू को विद्या । इन्हरू को विद्या ।

ह्राम् । भू श्राम्यः । माम्यदिनी । इंडि क्रिविदः ॥

ছ্লোগপরিশিষ্ট নী কাত্যায়ন মুনি কৃত সামবেদি কর্মবোধক গোভিল স্ত্রাণা পরিশেষ শাত্রণ 1ইতি মৃতি:॥

ছলেবেচিতিঃ জী শুভিছলসো
পুত্যায়ক শাস্ত্রণ ইত্যমরটাকায়।
ভরতঃ ॥

एम॰ क्ली त्रश्नानिर्जनश्नान । ইতি । (मिनि ॥

ছক্ষ ত্রি ছাদিতঃ। ইতি মেদিনী।। রহং। ইত্যমরঃ॥

ছপ ইক সর্পে। গতৌ। ইতি *কবিকল্লফনঃ॥

ছম উ ভক্ষে। ইতি কবিকন্নক্ষমঃ॥

ছমঞঃ পু• মৃতপিত্ক:। ছেমডা ইতি ভাষা। ইত্যুণাদিকোষ:॥ বন্ধুহীন:। ইতি স•ক্ষিপ্তসারে উণাদিক্জি:॥

हर्ष क दमता । इंडि कि विकन्न हर्मः ॥ हर्षः क्षी दुमनः। इंडि (इमहन्मुः ॥ हर्मनः क्षी दमनः। इंडि (इमहन्मुः ॥ हर्मनः पू॰ व्यवसूद्याक्षनः॥

निषव्कः । ইতি ह्महम्पुः॥

सम्नव्कः । ইতি ভাবপুকाणः॥

हर्माणनिका जी कई।। ইতি

दाजनिर्यणेः॥

इफिं: जी तागिविष्णयः। वाँडि ইতি ভাষা। তৎপর্য্যাयः। পুছর্দি-का २ हर्षः ० वमशुः ८ वमनः ६ বিনিঃ ও। ইতি হেনচন্দুঃ॥ इर्फिका १ इफी का ४ वाडि: ३। উদ্বার: ১০। ইভি রাজনির্ঘণী:॥ উৎकानिका ১১ हर्मन १ १२। इंडि भदत्रवावनी॥ जन्ता निरानामि यथा । मूर्छ (मीरिक्ः भृषक् गरेव वी ८ जनात्नाकना पि जि भू पंयः পঞ্ বিজেয়া স্তাসা লকণ মুচ্যতে ॥ অভিদুবৈ রভিন্নিংশ রহুদ্য অকালে চাত্তি नवरेगव्रि । মাত্রৈশ্চ তথা সাব্যৈ দে ভোজনৈঃ ॥ मुनाख्याङ्याद्वादिगाहकीर्गाः ক্ৰিনি দোৰতঃ। নাৰ্য্য की ना সন্ত্বাধা তথাতি জতমশুতঃ।।বীভ-ক্লৈহেত্ভিস্চান্যৈ হ্ৰত মুৎক্লেশি-তো বলাং! ছাদ্যমানন বেগৈ-त्रफ्यमञ् ভक्षरिः ॥ निक्ठांड ছদিরিতি দোবোবজু পুধাবিতঃ । । जिल्लाः भूवकाः यथा।

হলাসোদার রোধৌচ পুসেকো वर्ग उनुः। ज्रा (हर्म) रहरा २ म्रात **ह** वमानाः शृहं वक्षणः ॥ ॥॥ वाउकाया खम्या क्रम यथा । इट शार्थ शीषा गूथ (माव भीर्य नाज्य काम यद्गाजन (जारेनः। উद्गात भेष भुवल माकन विहिन क्क जन्क कवाय ॥ क्रह्न চাল্ল•মহতা চ বেগেনার্ভো ২নিলা इर्प्या 🛊 । अ भिडमारा क्षर यथा। मूही পেপাসা মুথশোষ মৃদ্ধ তাল্কি मडाभ ज्या ज्यार्डः। भीउ॰ ভ্শোঞ হরিত সভিক ধ্মুঞ্ शिखन वामर मनारः॥ #॥ उन्।ः भूगजाया क्ष यथा। उन्द्राभा भाष्या कक भुरमक ॥ माखाय निमाक्ति भोत्रवार्जः। ्त्रिश्वः घनः सामू कका विभूकः नेलाभश्या १ ज्ञक्क व्याह ॥ 🗱॥ जगा जिलावजाया क्रभः यथा। শ্লাবিপাকাকচি দাহ তৃষ্ণা খ্যা शुरमारः शुरवा शुमकः। एफि जि (भाषाञ्चवनाम नीन नात्मुम त्रकः वमजाः नृगाः महाद् ॥ #॥ चनाश्या नक्न वथा। विष् स्वर

म्बाचूवरानि वागुः (जाङा जि म कथा याना क्या कि । उर मन দোৰস্য সমাচিত ত দোব সমূ-জ্য নরস্য কোষ্ঠাৎ।। বিণ্যত্রযো छ । সম गन्न वर्ग ज्हे थान कामार्डि युज भुमकः॥ भुहर्षाय-मुडे भिश्वितिगाखयार्निक काम् विनामस्मि । 🕸 ॥ योगस्र बाया वकन यथा। वीज्य मजा (में क्रम-बारबा जू अशाजारबा या किमि-बाह या हि। मा भक्षमी जाक विভावयह मार्याह्यरेगव यत्थाक्रमाति॥ किमिन्नाया नक्रग॰ यथी। मून रुझाम वङ्ना ক্রিনিজাচ বিশেষতঃ। ক্রিমি श्रुषा जुला न न कर्नि न निक्र जा । की नगर या इकि ति शुन अ সোপদ্বা শোণিত প্য যুকা। সচন্দ্রিকা॰ তা॰ পুরদেদসাধ্যা• माध्यांकिकिৎসে विकश्रम्याक्षाः **उ**म्रा উপদুবা यथा । कामः थारमा कृता हिङ्गा ज्का रेविह छ भवह। इत्नाग समक्रेक्टव (क्ट्या पूर्ण क्ष्रपुराः॥ इंडि माध्यकदः॥ क्तिः जी विभः। इज्रुगिहित्कावः॥ फिका जी इफि:।। विकृकासाः

ছাগঃ

.। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

हिप्ति कार्तिशः भू क्रिपुना। इंडि अफ्टिन्सिका।।

ष्ट्रिक्षः श्रुष् निष्ठ कः। इंडि इत्रमाणा॥

हन् ही जुनिङ्॥ भार्थः। इंडि (मेरिनी॥

हिलः जो पुक्। हाल ইতি ভাষা।
। ইতি শদরত্বাবলী।।

इली जी वीक्ट ॥ जडामः॥ वन्नः॥ अनुमिविष्णयः। इंडि (मिनिते॥

ছবিং জ্রী শোভা।। দীপ্তিং। ইত্যমরং॥

ह्य क वर्ष। इंडि कविक्सक्रमः। हा जी जाहामनः। इंडि मिमनी॥ हाः भू भावकः। इंडि क्रिकाक्रवरकावः॥ हागः भू जी भूषिण्यः। उर भर्यायः। वसः २ हगनकः ० ज्यकः ८ खंडः ६। इंडिप्रवः॥ हगः ७

हगतः १ हागतः ৮ उडः २ खडः २० भूडः २२ । ইতি उड़ीका॥ तव्कामः २२ क्यममः २२ वर्क्तः २८ भगर्डाक्रनः २८ तक्काः २५ (भनामः २१ वृद्धः २५ जन्नायुः २२ भिनाश्चियः २०। ইতি भद्यक्तावनी **इन्गन**

॥ अवूकः २५ (मद्राः २२ मर्ष् शयस्यः २८। उद्याः म गुनाः। লঘুৰ । সিপাৰ । নাজিশীতৰ । কচি বল পৃষ্টিদাতৃত্ব। নিদ্দোৰত্ব । বাত পিত্ত নাশিত্ব। মধুর उ । ইতি রাজনির্ঘটঃ।। শুক ধার্তু সাম্য কারিত্ব। বৃ•হণত্ব•। ব্রিপত্র•। अमृत्वः। अन्जिष्ठानिस्वः। नाजू।सः पुक्ष। इंडि दाबवल्ला ॥ हांग পোত মা•সগুণাঃ। লঘুত্ব•। শীতত্ব• । भूत्मह्नानिष्कः॥ ज्नहात्रिगखम् मा मम्। गूनः। देवल्युः । दलपा ज्यु-क ।। उज्जूबगुनाः। कर्वेषु । **उक्ष्यु** ।। ककव्। नाजीविवार्कि श्लीरहाम्ब कक् थान धना (भाक नाभिद्र। লঘুর্ঞ। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

ভাগণঃ পু• করীষারিঃ। ঘ্ঁটের আগুন ইতি ভাষা। ইতি ত্রিকাওশেবঃ।। ছাগভোজী পু• জী বৃকঃ। ইতি রাজনির্ঘণটঃ।। ছাগভক্ষকে ত্রি।। ছাগরথঃ পু• অগ্নিঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।। ছাগলঃ পু• জী ছাগঃ। ইতি রাজনির্ঘণটঃ।।

ছাগলকঃ পু•্মৎস্যবিশেষঃ। যথা। থেত• সুপাক• সম দীর্ঘ বৃত্ত• নঃশ্রুল• ছাগলক• বৃদন্তি। গলে ৰিকট: কিল তস্য পৃষ্ঠে কট: সুগ্ৰেথ্য কচিদো ৰলপুদ: ॥ ইতি বাজনিষ্ট: ॥ ছাগলন্চ॥

ছাগলাজিক। স্ত্রী বৃদ্ধদারকবৃদ্ধঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

हानाडी जी वृकः। इंडि. बाजनिर्गणेः॥

ছাগ্ৰাহ্নঃ পু• অগ্নিঃ। ইতি ত্ৰিকাওশেষঃ॥

हानिका दी हागी। इंडि (इसक्नुः॥ हागी की हागमाजा। वक्तो इंडि ना भौती इंडिट जाया। उद्भर्यायः । जनार भयमिनी ७ जीकः १८ मथ्या ৫ গলেন্তনী ৬। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। ष्टाणिका १ मञ्जा ৮ मई छक्ता २ शनस्मी ३० । इंडि (इमहन्युः ॥ हूनूष्णा ३३। ইতি जिका खर्मदः॥ व्यम्राः कीत्रम् खनाः। सर्त्रवः। - भीजन्यः। गुष्ट्यः। मीशन्यः। রক্ত পিত্ত বিকার ক্ষয় কাস नामिष्य । अज्ञानाः नयूकायद्याः माना मुक्र निरम्वण । नाज्य शाना द्यायामार मर्वेद्याधिक्त ं शयः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। কৰাযত্ত্ব॰ ा गयुष्रे । অতीमात ब्रंत नामिष्का जम्बिलाः। উज्युन्। गुाहिव्।। ववृत्। (तायववाशश्तुः । श्रात्र काजाणः क्य कार्णायु णखप्। দীপনত্বঞ্চ। ইতি ভাবপুকাশ:॥ কফ বাত নেত্ৰদোৰ দুৰ্নাম খাস: काम नामित्। उक्षव्। स्टात्ः । भावनदृष्धः ॥ जन्नवनीजः खपाः । वयुद्धः । मध्यद्वः । कथार्यद्वः। बि: नाय नामिञ्च । ठक्ष्याञ्च । मीপनद्भः। यन्।द्भः। সদাহিতद्वकः। তন্ধবোপ্য নবনীত গুণাঃ ৷ ক্ষয্কাস (न बाभय कक ना निषु । वनापु ।। পরনদীপনত্বঞ্।। তদ্ঘৃত গুণাঃ । **ठक्र्**याञ्चर । पीशनञ्चर। वलवर्षानञ्चर । কাস খাস কফ নাশিত্ব। রাজযক্ষণি শতত্বঞ্চ । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

ছাতঃ ত্রি ছিন্নাং দুর্বলঃ। ইত্যমরঃ॥
ছাত্র• ক্লী বর্টী ছত্র সম্ভব•মধু।
তস্য গুণাঃ। খিত্র ক্রিমি রোগ রক্ত পিক্ত নাশিত্ব• । গুক্তবৃঞ্চ। ইতি
রাজবল্লভঃ॥

ভাত্রং পুণ শিষ্য:। ইত্যমর:॥

ছাত্রকণ লী ছাত্র•মধু। যথা।

ছত্রাকারম্ভ পটল• সরঘা: পীত

পিক্লা:। যে সর্বিভিতদুৎ পন্ন•মধু

ছাত্রক মীরিত•।। খিত্র মেই কৃমি

े प्रश्ने विक्राहाक स्थाखन । इंडि ं ज्ञाकि विक्षः ॥

ছাত্রগণ্ডঃ পু• পদাদ্যবিৎ।বিভক্ত্য-স্তম্য শ্লোক চরণম্য বা আদি মাত্র বেক্তা।ইতি হারাবলী।।

हाजम्भन क्री दियक्षवीन । इंडि भक्तिमुका॥ भिक्रावलाकनकः॥

ছাদ• ক্লী পটল•। ছাত ইতি চাল ইতিচ ভাষা। ইতি জটাধর:।।

हारन क्षी हरन । शंखकान ॥ भव । इज्यात ही काया । जतंजः॥ शाहारनका।

हारनः श्र. नीनाम्मानवृकः। ইতি রাজনির্ঘণীः॥

ছাদিতঃ ত্রি ছিনঃ।ইতি জটাধরং।।
আছাদিতঃ । যথা । ঘনতর
ঘনবৃদৈদ শুদিতৌ পুন্নবস্তৌ।
ইত্যুক্তিঃ।।

हान्स्त्रः श्रु॰ (वनात्ध्रजा।इज्याप्त्रः॥ हात्न्साग्रु॰ क्री माम्यव्याप्तिव्यः। इजि विकिमम्भूकायः॥

हाया खी (तोष्ट्रण्नाः। उৎ शर्यायः। ভाবানুগা २ मात्रा ७ चर्डकः ८ ভोकः ৫ चनाउशः ७ चानीजिः १ चाउशानातः ৮ नावानीना २। चत्रा छगाः। स्यूत्रवः। भी उनदः। कार्या छगाः। स्यूत्रवः। भी उनदः। कार्युमहत्रवृक्ष। हे जित्राक्र निर्वाणेः शिष्यं नाणिषु ।। (सह हायाखाः ।
भूम जुम मृड्डा मुखान नाणिषु ।
हेि ताकवल्लाः ।। # ।। हायावित्माय (मार्या यथा। मीन थेट्डा
जन हाया हिस्रकण नथामिक ।
जक मार्जात (त्रपुण्ठ हिस्र नृग्र)
भूताकृत ।। हैि कर्म्यालाहन ।। ॥
भूतिविष ।। मृर्य् भन्नी। मा म जिला
भृतिकृतिः।। भालान ।। उपल्ला ।
कान्तिः ।। महाजा ।। भक्षिः ।
हेि (मिनी ।। कान्तायनी। हैि
भद्यक्षायली ।। जमः । हेि
(हमहन्मुः।।

ছাযাকরঃ ত্রি ছএধার:। ছাতা বরদার ইতি ভাষা।ইতিহেমচন্দুঃ।। ছাযাতনয: পু• শনিঃ।ইতি হলাযুধঃ।। ছাযাতকঃ পু• ছিরছাযবৃক্ষঃ। ইতি ত্রিকাগুশেষ:।।

ছাযাত্মজঃ পু শনিগুহঃ।ইতি ত্রিকাগুশেষঃ॥ ছাযাপথঃ পু দেবপথঃ। আকশিঃ। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ॥

ছাযাভূৎ পু চন্দু:।ইতি হেসচন্দু:॥ ছাবামিত্র• খ্লী ছগ্র•।ইতি শদ্রত্না-বলী।।

हायाम्गध्यः शुः हमुः। ইডি विकाश्रामदः॥

ছায়'সুতঃ পু॰ শনিঃ।ইতি হেন্চন্দুঃ।। ছি: পু॰ গহা। ইত্যেকাক্ষরকোৰ:॥ शिक्षनी जी वृक्ति नवः। शिक्नी इंडि नाकृष्टिक्नी इंडि झाँछाछी इंडिंग जाया। उट्शर्यशयः। क्षवक्ट २ जिङा ७ हिहिका 8 द्यानमृःथम। ३। यन्ता गूनाः। करूवः। । कठावः। जीक्वः। उक्कवः। वङ्ग পিত্ত কারিত্ব• । বাত রক্ত কুষ্ঠ কৃমি বাত কফ নাশিত্ব্ধ। ইতি ভাবপুকাশ: ॥ हिक्का जा कुउ। हिँ क् इंडि हिन्ती ভाষ।। ইতি শद्यावनी॥ ছিক্নিল জ্ঞা ছিক্নী।ইতি ভাব-

প্ৰাশঃ !! ष्ट्रिंग वि ष्टिम । इंडान**ब**ः॥ ছিত্তিঃ পু॰ কর্জবৃক্ষঃ। ইতি भव्हिन्द्रका।। एपम

हिज्तः वि ছिम्नमुन्।। ध्र्नः॥ रेवती । इंज्रामित्कायः ॥ हिं इत थ छ छ छ ए । इंडि কবিকল্পজনঃ॥

हिन् बि (इननकृडी। इनिडीउ . কর্ত্তরি ক্বিপ্ পুত্রাফঃ।। किनक क्ली वजुराइजुरगानिकायः॥ हिना की (इनन । इंकि मुक्तनाथ ॥

निरकन हे शुजुरयन निज्ञवः॥ ছिদितः शु शावकः ॥ तब्जुः॥ कत्रवानः॥ शत्रथ्यः। ই তি सिरिनी॥ ছिनुदः बि एहमनमुव्यः॥ धृतः॥

रिनदी। ইতি মেদিনী।।

ছিদু তক ভেদে।ইতি কবিকণ্নছসঃ॥ **ছि**नु॰ क्ली (ভनः। ছেँ দা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়:। সহর ২ শুষির ৩ विवतः । विन । विनर्वाथनः ७ (वाक न वक् । ४ यज् । २ वना > শুষিঃ ১১। ইত্যমরঃ ॥ স্বভু॰ ১২ भूषी २०। इंडि छुडोका।। मृष्या·। इंडि (मिनि ॥

हिम्रेतरम्शे जी गज्ञशिश्नवी।इंडि जाकनिर्घणः॥

हिनाडः श्र· नवः। ই िका का निर्वणेः॥ हिमाकन की भाषाकन । इंडि ताजनिय है:॥

हिन्उः वि क्उहिनुः। उৎপर्यायः ! বেধিতঃ ২ বিদ্ধঃ ৩। ইত্যমরঃ ॥ हिनं वि क् उरहमन । (हँ उ। इंडि कारी इंडिट डाया। उर्भर्गायः। ष्टाउ २ वृन ० क् ब १ ८ माउ • ৫ দিত ও ছিত প বৃক্ত ৮।ইত্যমরঃ ॥ कृष्टे॰ ५ हामिड॰ २०। ইडि জটাধরঃ॥ ছেদিও ১১ খণ্ডিত **३२। ইতি (इन्हन्दुः॥** हिन्दः जी कुठातः।हिन्दारातोगा-

हित्रं शृष्टिनिका खी जिन्न विकास है जिन्न की जिन्न की जिन्न के जिन्न के जिन्न की जि

ছিন্নপত্রী আৰপ্তা। ইতি পাজনিঘ[°]টঃ॥

क्तिक्रः श्र. ठिलक्रक्रः। ইতি त्रोकनियंगः॥

हिन्नकर। बी गुज्ही। ইত্যমর:॥ वर्गक्रकी ॥ महाकी । ইडि व्यक्तिवर्णः॥

हिन्न(विका जो शार्त)। आकनामी इति जावा। इति अक्तिनुका॥ हिन्न। जो ७५०।॥ भू-महनी। इति विश्वः॥

हित्सा छन्। खे ७ ७ हो। ইडि त्राजनिर्घण्डः॥

ছিলিহিওঃ পু• পাতালগৰ্ডবৃদঃ। ইতি ভাবপুকাশঃ॥

हुन्तती की कल्कित स्वा हुँ हो।
हें जाय। । जर भर्गायः।
गक्षन्या २। हें जि स्मिन्द्रः॥
हिक् अ विश्वान्य नः ६ भू व्य दे दे गक्क्य विका अस्व ।
शक्षम्य १। हें जि कि अस्व ।
शक्षम्य १। हें जि कि अस्व ।
शक्षम्य १। हें जि कि स्वाप्यः॥
शक्षम्य १० गक्षम् अमि ३० मृश्चि
म्यिका १० गक्षम् अमि ३० मृश्चि
म्यिका १२। हे जि ता जनिर्व है ।।
गक्षायः ১० गक्षम्य । २६ हुक्षः १६

। ই ि श्वांतिनी।।

हु के नि हि ए । ই ि कि विकन्न स्माः।।

हु प् की श्रु शिक्त पे ।। तिष्यः।

हे ि म कि श्रु मात्र उपादि विद्याः।।

हु भ के अल्ला ই िक विकन्न सम्मः।।

हु भ के अल्ला ই िक विकन्न सम्मः।।

हु भः भू कु भः।। अल्ला । ই उ

पिनिनी।। ह भनः।। यूक्त । ই उ

विश्वः।

ছুর শি লোপে। ইতি কবিকল্পছনঃ॥
ছুর • ছেদে। ইতি কবিকল্পছনঃ॥
ছুরা স্ত্রী সুধা। চূণ • । ইতি
হারাবলী॥

ছুরিকা জী অস্ত্রবিশেষ: । ছুরী
ইতি খ্যাভা।তৎপর্য্যায়: । শঙ্কী
২ অসিপ্ত্রী ৩ অসিধেনুকা ৪।
ইত্যমর: । ছুরী ৫। ইতি ভরত:।।
খ্রা ৬ ছুরী ৭ তৃপাণিকা ৮
ধেনুপ্রী ৯। ইতি কেনচন্দ্র: ॥
ছুরিকা ১০। ইতি শব্যাত্রাবলী।।
ছুরিত: ত্রি খ্চিত:।ইতি জটাধ্র: ।।

ছিনক।।
ছরী দ্রী ছুরিক।।ইতিভরত:।।
ছুরিকাপত্রী দ্রী শেতা। ইতি
রাজনির্গি:।।

मृषिक। २० शक्तमृश्विनी २२ मृश्वि । ছূরী স্ত্রী ক্রীরকা। ইতি হেমটন্দুঃ।। মৃषिक। ১২। ইতি রাজনির্ঘটঃ।। ছূদ কি সন্দীপনোইতি,কবিকলুজ্মঃ॥ গন্ধাখুঃ ১০ গন্ধনঙ্গলঃ ১৪ চুঞ্ঃ ১৫ ∥ছুদ ধইর উঞ ক্রীডনে॥ দীপ্তৌ वमान । ইতি কবিকল্মুনঃ॥

(हकः जि गृहामज्ञशक्षिम्एगे।।

ज्ञट्शयर्गायः। गृश्कः २। ইত্যম রः
॥ नागतः। ইতি নেদিনী॥

(हक्ति ज्ञिः ज्ञी वक्ताज्ञः। ইতি

ज्ञानेष्यः॥

ছেদ ত ক ছেদে। ইতিকবিকল্পজনঃ।। ছেদঃ পু॰ ছেদন॰। ইতি হেনচন্দুঃ।। থও॰। ইতি ত্রিকাওশেষঃ।।

(ছ हन की जाइ निह शाक त्रान । एट शर्यायः । वक्षन २ । इ छ न दः ॥ कड्न ० कन्नन ४ एहर १ १ इ छ एक् म ज ज्यान १ एकर । इ छि स्मिरिनी ।। एक हिनीयः श्र क उक व क्षः । इ छि द्राज निर्वाणेः ॥ (ए एए जि ॥ एक हिर जि एक न कर्जा। हे छ जा कि स्मिरा।

ছেদিত জি ছিন্ন । ইতি হেমচন্দু:।। ছেমঞ্জ পু পিতৃহীন:।ছেমড। ইতি ভাষা।ইত্যুণাদিকোষ:॥ ছিণু পু সোমরাজী। ইতি শহচন্দুকা।;

ছো য লুনো। ইতি কবিকলক্ষমঃ।। ছোটিকা জ্রী তর্জন্যস্থাঙ্গাঙ্গুলিখুনিঃ। যথা। ছোটিকাভি দশ দিগুন্ধন. করা ভূক শুদ্ধি স্বৰ্যাৎ । ইতি ভক্তমারঃ।।

দিনটো পু
 কৈবৰ্তঃ । ইতি
বিকাপশেষঃ।।
ছোরণ লী পরিত্যাগঃ। ছোডন ইতি
হিন্দী ভাষা।ইতি বিকাপশেষঃ।।
ছোলকঃ পু
 নাতুলুকঃ। টাবালেরু
ইতি ভাষা।ইতি শদরত্বাবলী।।
ছ্যু ড গত্যা।ইতি কবিকল্পদ্ধঃ।

ं • •}≎∳ >₹• • ठ≠

ककातः। म नुष्क्रनाष्ट्रेम वर्गः। চবগ তৃতীয় বর্ণ চ। অস্যোচ্নারণ স্থান তালু। ইতি ব্যাকরণ ॥ অস্যেৎপত্তি যথা। বিসর্গ স্তালুগঃ (माया म • ठवर्गक्ष यष्ठथा। इंडि পুशक्षमातः॥ यम् (नथन भुकातः। यथा। উक्रांभः अविका (तथा छात्रू वुष्क्रण मिख्या वाण्यी कमना-নিত্যা দ্বিধা মাত্রা পুকীর্তিতা।। ইতি বর্ণোধ্বারতন্ত্র•া৷ অস্য স্বৰূপ• यथा। जकात • भत्रस्मानि या श्रय• मध्य घषनी। महहसू भुजीकामः সদ। ত্রিগুণ সংযুক্ত।। পঞ্চদেবন্য॰ বর্ণ পঞ্চপুণ ময় সদা। ত্রিশক্তি সহিত বর্ণ ত্রিবিন্দু সহিত शिख ॥ इंडि काम(धन् उद्ध ।।।

জঃ পু• মৃত্যুঞ্জয় ।। জনিঃ।। ভাতমাত্ৰ• ॥ জনাৰ্দ্নঃ । ইতি নেদিনী ॥ বিষ•॥ ভুক্তিঃ॥ তেজঃ॥
• পিশাচঃ । ইতি শবরত্নাবলী ॥
বেগঃ। ইত্যেকাক্ষরকোষঃ ॥

জঃ ত্রি বেগিতঃ॥ জেতা। ইডি শন্বগ্রাবলী॥

ककि की वार्ख अश्वः ই छि त्मिनी॥ ककि शु॰ सनगन विकास समुद्रः । शुक्र त्यांकिनी॥

अगहकः शुर मूर्गः। इंड (इमहन्तः॥ कगट क्वी विश्वः। उट शर्गग्रायः। कगडी २ (लाकः ७ शिक्षेशः ८ जुवनः ६। इंड्रामदः॥ विश्वेशः ७। दें डि डिजेका ॥ वाको शुर्॥ कश्या वि। इंडि (मिनिनी।

কগংকরা পু॰ বুকা।ইতি হেমচনুং।। জগৎপু।ণঃ পু॰ বাদুঃ।ইত্যমরঃ॥ জগৎসাফী পু॰ সূম্যঃ। ইতি হেমচনুঃ।।

बगडो खी जूबनः॥ পृथी १ जनः ॥ एत्माविष्णयः। इंडि मिनिगी। बष्वभुग इंडि एमहन्मुः॥

डागम्य। जी मूर्गा। यथा। यम्त्र | डागमयाः भातमीयागस्य न्यः । इजुम्डिः॥

जगमात्रातः भू वागुः। इंडि — भम्हिन्द्रिका॥ अगमाभुगः। यथा। कारना हिन्नगरा था तः। हे छि मृणिः।। कगरी मः पू॰ विष्णुः। हे छि मद्दत्र ज्ञावनी।।

जगाप्तीती जी गनगाप्ति । इंडि

জগদ্বলঃ পু॰ বাযুঃ। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥

জগথোনিঃ পু॰ শিবঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ॥ বিষ্ণুঃ। ইতি তন্য সহসু নাম ॥ বুন্ধা। ইতি সনারঃ॥ পৃথিব্যা• ক্রী। ইতি শহ্চন্দুকা॥ জগদ্ব জী পৃথিবী। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥

জगिहिनामाः भू॰ यूगासः। ইতি इनायुनः॥

क्रमाशः शुः विकृतः । इति

रम्माः ॥ श्रुक्षां क्रमा क्रमाः ।

यथा। मुनग केष्ट्रः। श्रुक्षां क्रमाः थाः

न्नस् क्रमा श्रुक्षां क्रमाः सानुम

यवाख मात्रवानः क्रिमा सानुम

नीनया॥ मर्मनाम् क्रिमः मास्नाः

मई किथ् क्रमश्रमः। उत्पादि द्रद्रक्षाः

वृद्धि व क्रम्यः। क्रमादि द्रद्रक्षाः

वृद्धि व क्रम्यः। क्रमादि द्रद्रक्षाः

वृद्धि व क्रम्यः। क्रमादि व्यक्षः।

क्रमानात्रायः श्रुद्धः। कथः

माक्रमात्रायः श्रुद्धः। कथः

माक्रम खिम्माद्धि श्रुव्धः। कथः

माक्रम खिम्माद्धि श्रुव्धः। कथः

माक्रम खिम्माद्धि श्रुव्धः। कथः

माक्रम खिम्माद्धि श्रुव्धः। क्थः

माक्रम खिम्माद्धि श्रुव्धः। क्थः

এতৎ ক্ষেত্রবর ঞাস্য বপু ভূ তি नहाजानः। चयः वश्यान् यजार স্বনাত্রাথ্যাপিত হি তৎ ॥ यथा চালুদিন দেবাঃ निकाः तुकार्यय " থা। সমৃদ্ভিতু মিহাযান্তি দেবেশ• ॥ ন তথান্যতঃ ৷৷ অহো তৃৎ পর্মণ ক্ষেত্র বিস্তৃত দশ যোজনৈঃ। **जीयदाबग्र मिनामू व्यिड•** वानु-काहिछ ॥ नीनाहलन महछ। नथ्राञ्चन विदाकिष्ठ। এक • खनिय পৃথ্যা: সুদ্রাৎ পরিভাবি**ড**়া।। ব দ্বাণ পুতি বিষ্ণু বাক্য। সাগর-. भाउदा जीत महानमाञ्च मिक्त । সপुरमभः পृथित्या । हि अर्बडीर्थ एन शुपः ।। এकामुकानमाञ्चाव-ष्विकरगामधि जीवजुः। शमार नमार (मुंडडमः क्रांग निविकी-ৰ্ভিডঃ॥ সিন্ধু তীরেচ যে। বুন্ধন্ वाजाउ नीलभव्दः । श्थिवाः --- গোপিত স্থান ভব চাপি সুদুর্ল ভ ॥ जुद्रा जुद्राना मुर्व्ह्य भाषयाहा-দিত মম। সর্বসঙ্গ পরিত্যক उब जिशामि (म रुष्टा। मृश्रानायम .নাকান্ত কেৰ । নে পুৰুষোভ্য । नीवाष्ट्र बद्धत जृति कन्नन्। रण्य म्बज्या वाकग्रा किनि वटक्ष (द्राहिनं नाम निमुद्ध । ज्ङीत्व

निवमासा मा भगास का जिम्मा **छरञ्जा की। भागा यम गायु**क्राः মাগু যুঃ। বুভেষু ভীর্থেষ্চ যক্ত मानायाः भूगाः यमुकः विमनाञाः না হি ৷ অহ নিবাসাল্ল ভডেচ সর্ব নিমেষ বাসাৎ খলু চাম্বনে-থিক । 🛊 ॥ জৈমিনিক্রাচ । উদকাৰ্ভঃ সমাগত্য সভশ্চিদ্বায়-সোভম: 11 কারণোদক সংপূর্ণে ভিস্মিন্ সংগু নিমজ্জিতঃ।।বিলোক্য भाषव·नीवादद्गकान्डिः कृशानि**दिः।** काकामङ मनु मृह्य लुठेमान মৃত্:ক্ষিতৌ। শহু চক্র গদ। পানি ন্ত্ৰ্য পাৰ্শ্বে ব্যবছিত: ॥ 🕸 ॥ यम शु जिलकी दाका । शक्षकान নিদ• কেত্ৰ• সমুদুাভর্গবৃহিত• I বিকোশ তীথরাজস্য তটভ্নৌ मूनियंग ।। भूवर् वानुकाकीर् নীলপর্ত শোভিত। যো সৌ विष्येष्वत्र। (मदः माक्नाजात्रायगा-ञ्चकः ॥ जःयम्। विषयगुम् जमूनु তট নাছিতঃ৷ উপাসিতু জগনাৰ ठ उ: व है। ज्या भुजूः ॥ याम अत ইতিখ্যাতো যম সংযম নাশনঃ। य॰ मृष्ट्वी भूक्षयिञ्चा कू त्कारि निक कन निल्ए। जीमा भुजीही (क्कबर) मङ्गाकाद्रम् । मूर्कि !

শহাগ্নে নীলকণ্ঠ: স্যাদেত কোশ সৃদুর্লভ ।৷ পরম পাবন ক্ষেত্র नाकामाद्रायगम् देव। मञ्चला खत ভাগন্ত সমুদ্রোদক সংগ্নৃত ।। यट मन्मकाट ममुद्रा २व ভীথরাজত্ব মাগতঃ । যথা ২য ভগবারু ক্রিপুদে। দৃষ্টিপথ গভঃ।। ভথেদ মরণাৎ ক্ষেত্র সিকু সানা हिमुक्तिम । हिद्धिम तुत्रीं शृर्व ৰুদুঃ ক্ৰোধাভুপঞ্ম।। ত্ৰিরে।। मुखाङ गृङ्ग् वृक्षा ७ भविबञ्जाम । ভত্রাগতো যদা বুকা কপাল॰ পরিমূজবান্ ৷৷ কপাল মোচন তীর্থ দ্বিভীষাব র স ছ ত । তস্য मकिनशास्य जु गत्रनः ভवरमाहनः ॥ তৃতীযাবত্ত সীনাযা। শক্তি। নে विनवाद्याः। जानोहि अर्यदाकदः ভূ कि मुक्ति कन भूषा भागा जिल्हा ॥ व्हिंड (क्ष्डर बय न व व रहे। বিভুঃ । কপাল মোচন: যাবদ-জাশনী পুতিষ্ঠিতা ৷৷ মধ্য শঙ্গ্ৰু बानीयाय मुख्छ ठक्मानिना। তা • দৃষ্টা পুণমেম্ব ভোগান্সো **•**मां जिस्तालम् । निस्तालम् निनाए यावन्त विभा रेव। कीर शिक मनुब्रागाः मन्त्राम् किः (म) मठः॥ चल्दिमीव्यः भूग्रा

বাঞ্যুতে ত্রিদশৈ রপি। অত স্থিতান্ হি পশ্যন্তি সর্বাণ্চকার ধারিণঃ !৷ কামাখ্যা ক্ষেত্রপালক বিমলা চাত্ররা স্থিতা। সাকা षुका बदाला श्रमो नृति । एव म्बिरा दिस्याः ॥ 🕸 ॥ अस्टर्स्स्य রক্ষণার্থ শক্তযো ২গ্রৌপুকল্লিড । উগ্ৰেণ ভপসা পূৰ্ব মহ॰ সর্বেণ ভাবিতা ॥ পর্যুর্থ সা ম্যা সৃষ্ঠা গৌরী ভন্যাথ ভাবিনী। नर्वामार्या दम्हि वंशूर्वा म विनिर्भडा॥ छना मृडी सया छातु वहन भ श्रिय अरू। अष्टाईमी রক্ষ মন পরিতন্ত্র স্বস্তিভিঃ।। সাত্র তিষ্ঠতি মুৎ পুরিত্যা অইধা দিক্ষু স•স্থিত।। মহলা বট মূলত পশ্চমে বিমলা **তথা**। শার্ন্য পূর্ভাগেতু সংস্থিত गर्ममणा। यक्तामनी खथा तथा अरवत मिनि म हि छ।। कावतीं र्मकिनम्याः भूवंम्यास महीहिका॥ কালরাব্যা তথা পশ্চাৎচণ্ডক্রপা ব্যবস্থিতা। কদ্যাণ্যাশ্চাষ্টথা ভেদ• - मृक्षे भूतमाशि मक्षतः । सावान •মইধা•ভিত্ত্বা উপাত্তে পরমেশ্বর• ॥ কপাল্যোচন নার্ম ক্ষেত্রপাল যমেশ্রে ৷ মার্কণ্টেয় তথেশান

विष्यं नी न कर्रक ।। वह मृत्न वर्षेमक विकानाको गर्विणुः। रानि मृष्ट्री তথা सृदा পृक्षिदा বিষ্ঠ্যতে ॥ 🕸 ॥ তত্ৰ জগন্নাথস্যা-विভाव कार्य । देशिमिन क्वाह । ইন্দুগুরুস্য নৃপতেঃ কেত্রে গ্রীপুক্ষোন্তমে। জগদীশ পুদা-দায় পিতামহ নিদেশতঃ৷ একোন ক্রমশঃ স•স্থা ম্বাপ পৃথিবীপতেঃ ।। मह्नुः इग्राम्थना यथाविदि **ाित छ। ज्**छा जश्र हिना পূর্ব যা রাত্রি রভবদ্বিজা: !! फ्रमा खतीयभूरत भागाला दिक् यव्ययः । श्रात्य उचिन् पर्मारको মহাভাগ্য বশান্ধः।। পুত্যক মিব স খে**ত**দ্বীপ• স্কাটিক নিৰ্মিত । তন্তবাং দদৃশে দেব॰ শহুচক गमाध्यः ॥ नीनकीमृत्र नहामः বনমালা বিভূষিত ৷ দক্ষপাৰ্থে স্থিত

ত্রু

ত্রু रते नायन मदातु मुद्रवारा চতুইয় । দক্ষণার্শ্বে জিতা । বিক্ষো লম্বী তা শুভলক্ষণা। বরাভ-श्रृहु इसा देव असुया जी जुला-हनाश मम्म भगामनगैर लावग्रा-मुधि गुविकाः ॥शिकागर्क मम् मा পুরতো ২গ্য ক্তাঞ্জি। বাম-॥

পাৰ্শ্ব স্থিত চক সৰ্বজ্ঞান ম্য বিভো: 11 🏶 11 ভত: পুৰবৃতে স্ত্যা নৃপতে বালিমেধিকা। শক্তঃ স্তোত্রৈ দিব্য দৃগ্মি বণক্রম ममुङ्गृतिः !! प्रक्षिति उठेज् (प्रत्म বিশ্বেশ্বর সমীপতঃ । নিযুকাঃ সেৰকা রাজ্ঞা সমস্ত্রম মুপস্থিতাঃ ॥ न्रायमयञ्च नृशिकः क्छाञ्जि भूटे। विकाः । (स्वम्त्के। सरावृक्त उद्घे ज्यो मर्ग मर्थः।। श्विहानु ज्यमुं उ कल्लान अत्रह्तकः। মাঞ্জিষ্টবৰ্ণঃ সর্বত্র শহু চক্রাঞ্চিতঃ व्लवन्।। नन् हे भृत्र्व। वृत्यः। १न मून् ८ সূৰ্য্য নিভাংশুন। নিযুক্তানাং বৃচঃ नुजा बाका नावम मनुवीए ॥ তৎকি নিনিভ বদৃষ্ট তক্ষেচি यहिङ (छ। नाइषः शुरुमन् वाक्ष মুবাচ মৃগদ ত্রম• ॥ উপছি হন্ত তে ভागाः ऋशः यम्डेवान् भूता। धाक দীপে বিশ্বমূর্তি দ্ ষ্টো যোবিফুরব্যবঃ ॥ তদক স্থলিত। লোন তক্ত্ব মুপপদ্যতে । তভাগ্য বশগঃ मर्वाणाकाना॰ नयनाजिभिः॥ ভবিষ্যতি মহারাজ সর্ব কল্মষ্ নাশনঃ। সমাপ্যাবভূথ স্থান• তটান্তে সরিভা• পক্তে:।। উৎসব• সুমহৎ কৃত্বা কৃত কৌতুক মঙ্গল ।

ं मेहारवन्त्रा॰ ज्ञाभयाज यरकाम॰ ं उक किशि।। 🛊 ॥ विठार्याण्यः মুদ। যুক্তো তোচ নারদ ভূভ্কো। मूनगृष्को जला यालो यवासी छगवान् सनः ॥ भूनः भूनः शुर्वेम् १ वर्षानु, नयता नृशः । - ছিলৈ রাহার্যামাস তক্ কল্বোল লোহিত ।। সুগ্নন্ধালেপন দিব্য महारवनी विनिगुकुः । वहना नातनरेम्। न श्रुवयान्यम् शार्थियः ॥ ৠ।প্রাবসানে পপুছ নারদ • নুনি जहमः। कीमृभीः পুতিমाः विस्था र्घडे विष्ठां कि कः शूनः ॥ विष्ठात्रयस्त्री **जा**दिन्थ• यावमात्रम शाबिद्वो । অশরীরা ততো বাণী শুশাব ॥ अलोक्ष्या **ठाउँ बोक्**डः ভগবাৰ সদ্বিচার পথে ছিতঃ। मृग्थायाः महात्तराः स्यः त्याव-ভরিষ্যভি ৷ পৃত্বাদ্যতা দিনান্যেব যাবং পঞ্চশানি বৈ ৷ উপন্থিতো ২য় যো বৃহঃ শল্পাণিস্ত বঁদ্ধকী ॥ अनमप्रः भूरवरेण्यव हात्र वशुक्र यङ्ग ३३ । वहिर्वाम् अनि कूई ख याव कु घटेना ভरवट ॥ 🖐 उ उप्घटेना नात्वा वादिग्राक्षद्वमायकः। नत्रत्क . বসতিক্ষৈবস্বগ্যাৎ সন্থান নাশন• ॥ नाडः भूरवणनः अर्यामभाषाः

कराठन । नियुक्तान्यः भुभान्याह-দাজ্যে রাষ্ট্রন্য চৈব হি।। দুষ্টুন্চালি মহা ভীতি বন্ধতা চ যুগে যুগে। **७ह**ुदे। नात्रमाम्या (ख यथाकः विकृता स्या। विकीविष्ठ जथा कर्नु • **७ वारा ७ स**र्वकी । श्रादा ह नृशिकः (मा रंथ चर्द्र म्हास याञ्चा ॥ **जानवारः घरिकानि मारका मिका** ক্রিণা। ইত্যুক্তান্তদ্ধে বেদ্যা। वृषा वक्ति क्र भध्क्।। वश्वनार्थः यनुष्राणाः भाकाबादायणा विजुः। ততঃ স পৃথিবীপাল স্তথা কৃত্বা-ন্তরীক্ষণা॥ যদুবাচ গিরা দেবী তত্ত্ৰ পিরিচচারচ। নির্বাহ স্বাণ रितः क्रमार शक्षराम मिरन ॥ हजु म् खिः न जगवान् यथा भूई माया-**रि** उः । हिर्यु नि•श्वामन गर्डा दल ভদু সুদর্শনৈ: ॥ শহু চক্র গদা পদ্ম नमहाङ् र्जनाप्तंनः। इनः भूवन চকারু পার্যন্ পল্লগাকৃতিঃ H. ছ वो क्ठ क्या मक्ष मृत्र हो ब्लूव श्वाः। मुख्नु। हाक्वम्ना वद्राद्वा-छय थातिगी।। वासीः भाषू ई ज्रवंश म्बं रेटक्ना किंगि। मुस्मन्ड यहक् मने विकाः कत्त्र इंड ॥ माथागु उम्र मध्यः उर्गड ज्वी-যক। 🛊 । নিবৃত্তি ভগবন্ধণ চত্ত

का मियु क्लिनी।। लाकाना मूल- || काताय भूनताशास्त्रीकगा। भद्रि হাছাদ্য সর্ত রূপতে পুতিমা जिसामा क क वर्ग श्रामाण वर्गक শ্চিত্রকর্মণ। অনুধাক স্বর্শেণ मृष्टाः भाषाय (इ. इतः॥ (गामनीयाः পुयाञ्चन भड़ेनियांत्र नमुहेनः শिन्निज्धिः क्यञ्चलेलम् ह्याहाम-यां गुउः॥ वर्ष वर्ष ह म स्वार्णा भूव न कात्र साठनाट । चाउ वद्ग (नश्ख तर् दिया कित्रस्तः।। পুगामाचार छ॰ (लश मशनी एउ क क । पूर्णिक · गाक आाजा ॥ সূত্ততি শ্চাস্য হীয়তে :। নেক্ষিতব্যা ख्दा द्राजन् कनाि मनवात्राः। नन्तारा जाजम् म्थाः त्रु ज्य < इतः ॥ जन्नाः नृहिका मुक्टेवता ॥ वल्याम वियामिजाः। नीनामो ॥ কল্ল বৃক্ষস্য বাষব্যা: শত হস্ততঃ। भूतरम नुनर्ट हात भागामः जुर्णायङ । উভाর नর मि हमा **महमु** कत मुह्लि छ ।। कात्रियद्वा পুতিষ্ঠাপ্য তবৈন বিনিবেশ্য। ছিত: পহতে হিষান্ (म्राच्छाइविक माथव । (नाम विषा-वमू नीम नवाता दिकंदा खंमः। ভদ্য সম্ভতি রেবাস্য লেপন স্থান

কৰ্মণি ॥ নিযুল্যতা মহারাজ ভবিষ্যংশ্বেষ্চ । ততঃ স নুগতিঃ জীমান শিল্প শান্ত বিশার-मान् ॥ न कार्रेत्र मान भारतम्ह रयाजयामात्र नामत्र। मिरन मिरन সুবটিতঃ প্রাসাদে। বৃক্ষে विकाः॥ পরিতঃ প্র্যাণন্ত শুল্ল পক্ষে यथा मणी। #। नात्रम छेवाह। भुवर्ष-दङ् द्राष्ट्रन्यु हिन्ना हास्यिन् हिन्न • जूनि॥ আরাধ্য জগনাথ নূপচারৈ র্মহোৎ-गरेवः। शिञामर् मुक्षुकारमा गसा **टिमन्डिक**॰ दिस्छाः ॥ উशासकार्**ड** (मालान) याका खाछा माहार नव् । । উट्टो (ठो मिकु यात्मन इन्स्रञ् মুনি ভূভানী পুদক্ষিণী কৃত্য হরি• (व्यान म अल मगुरा । मृष्ट्री लिखी-नरः मृता ८ जुष्टोतः जगजाः नृनः॥ यमगुउ विकासुकाः माकामार नगः इति । गरेनः गरेन यर्थो जूनः शुगनाम क् अञ्जलिः ॥ खरन् शुग পতন্ ভূমৌ সাধৃস স্থলিত। दुष्पन् । जानविश हि उट कार्यं नानयम्भ मजन।। উवाह भन्नम शुं व इन्द्रम् प्राः शिवाग इः। किमर्थ নাগতোম্যত তদ্ বুহি হৃদ্য ছিত• ॥ इन्द्रमुग्नः উवाह । जाविबज्व ভगवान् ज्ञ जवा जवः शुज्ः।

शेषु। (मव • जगमार्थ • इं। श्रीय । निव शुरका॥ अ॥ वृश्कावाह। उमगुरका धता गड़ा गादर मद्यात निक्रमर। করিষ্গিনহাভাগ তাবদেব বুজা-ग्रहः ॥ इन्तुमुह्मानि क्षेत्रा मृक्ष वांकी भिय विजाः। वाजगाम ভূব- বিপু। বিধিনাচানু মোদিতঃ। व्यागडाठ जगनाथ हितामू ८ कथे यानमः । पंखव भूगनामात्मो ঘ্ন রোনাক্ষ কণ্ডুক: ॥ততঃ ক্রমাৎ जनमृत्म विमानागुः भूजाभाउः। इर्ग इन्त्र मोटिः दक्षि क्श्नानः দন্ততঃ!! পুণিপত্য জণলাথ• বিঃ পরীত্য পিতানহঃ। **আনন্দ সি**স্কু मः मण्डः नातामाक वर्षः स्या। 🗯 🛚 🗎 गमुख्यो उटा वृक्षाक् उच्छायनः स्तान श्रीविक्ति नीत्रमारेम्य कि विविष्ठ वा ऋरेन खथा। श्रामान घाति त्रि-তে রহুন্তয়েও নণ্ডপে। বাস্থি-॥ ভ্ৰাভিৰেকায় সংম্থাদুশ মণ্ডলে ॥ मुदामिटें इद्रश्रेष्ठ खीर्थ বাযুৰ্গন-ভূতৈঃ। ধুক্তাভ্যা স্ত্ৰী পুৰুষয়ে। রভিষেক গিতামহ: ॥ চকার ভগবান লোক সংগ্রহার্থ-দিকোত্রমাঃ। ততোভালক্তান্ দেবান্ গদ্ধ নাল্যোপশেভিভান্ ॥ नीताव्यविद्या विधिव न स्यः

লোকভাবন: ৷ রত্ত্রসি-হাসনে রম্যে इ। भगामाम मञ्जठः ॥ इ। भिषिद्वा জामाथः ग्लंड्डी जम्। इत्युक्तः। আনুষ্ঠুভ ন্তরাজ সহসু পুৰজা-भर्। रिवणाथम्यामता भःक अर्थ-न्। পृष्रयागडः। क्डा পुष्रिध ভো বিশাঃ শোভনে গুৰু বাসরে ॥ 🗱 ॥ उग्रहानुनामगाशाषाऽ• यथा। वरुन् नियाक्षयञ्ज लाका ন্ ভৈৰগিকানুত ॥ লৌকিক ব্য-বছারোয় পচতি ত্রী: স্বয় ধুর । जुए क नाताया निज्य ज्या পङ्ग महीद्रवान् ॥ **अगृ**ड• उक्कि रेनरवम् १ शामम मृष्क् शाहनां ভক্ষণান্দ্যপানাদি নহাদ্রিত नामन ॥ ञाद्यागामानम भागः मगनाम् डिज • उथा। जायानादाक् ক্ত-পাপ- শু:বণঞ ব্যপোহতি। স্পর্দান ত্তক্কত পাপ নিথ্যা-লাগ তথা দিলা: ৷৷ গারে লেপ দত্ত পাপ শার্নরণ ति नमः भयः। नदा शतिवः हि হরে নিবেদিত নিয়েজয়েমঃ পিতৃ द्वत क्यान । ज्लानि उत्य পিতরঃ সুরাশ্চ পুষান্তি গৌক मधूम्रमग्री नाउः शतः हि वस्डि হব্য কব্যেষু ভো দ্বিদাঃ। নরাণা॰

क्ष्रभाष्ट्राय उपमुखि दिव्योकमः ॥ বিষ্ণালয় গত•ত দ্ধি নির্মাল্য • পতি-**ভाদयः। স্পত্তি (हमपूर्वः) हि यथ।** विक् खरेथन उद्मानिक छि (व उप-त्रृङः प्राः शिख्यानिनः। स्रय∙ **দওধর ভেবু সহতে** নাপরাধিন: !৷ বেবা মত্র নদওংশ্চদ্ধ্রা ভেষা হি मूर्गि :। अञ्जीभाक महायात भठास (उडिमाक्त ॥ वित्रङ् মপি সংশুরু নীত বা দূর দেশতঃ । যথা তথোপযুক্ত তৎ সরপাপা- ॥ शताहन ।। रेनत्वम्यात्र बग्छ बु र्गाक् वादि मम्बयः। पृष्ठि न्मर्मन চিন্তাভি ভঁকণাদ্য নাশন• इज्रूष्कनथः ॥ # ॥ म कल मं नश्तु वर्ष भग्रंड॰ भृशिवता তিৡতি। যথা। শাল্যামোহরে মুর্ত্তি জগন্ধাথশ্চ ভারত। কলে मन गर्नाख यायो ठाका रातः भम· ॥ इंडि वुक्रेववर्र्ड भुक्डि ચ હ 11

জগন্ধঃ পু• অগ্নিঃ।। জন্তঃ। ইতি विषः भदत्रशावलीह ॥ खगन् त्रि भार्ठः ॥

बगतः न्यू॰ कवठः। इंकि र्व्याठन्तुः कगनः भूः जूदाकन्। (भेरा इंडि

ইত্যমর:।। নদনবৃক্ষ:।। পিষ্টমধ্য• ॥ शृर्खं बि इंडि स्मिमिनी। कवहः। तनयादिकहार्।। शामय ही इंडि बङ्गाना॥

জশ• बि जुरू। ইত্যমর:॥ জিঞ্চি দ্রী সহভোজন-। ইত্যমরঃ . ।। ভক্ষণ । ইতি হেমচন্দুঃ।। জিন্মিঃ পু॰ বায়ঃ।ইতিকেচিৎ।। জঘন• ক্লী স্ত্ৰীকট্যাঃপুরোভাগঃ॥ কটিঃ। ইতিমেদিনী॥

बघनक्शरको भू॰ अअन्स्रो। इंडि इलायूथः ॥ विववनारहायः मदः॥

জঘনেফলা জ্রী কাকে।ভূম্বরিকা ইত্যসরঃ॥

जघन्रः वि চরমः ॥ গহিত:॥ (मह्त द्वी । इंडि (मिनी ॥ म्पू प्। इंडि मदद्वावनी।।

बचनाकः शु जी मृद्ः॥ कनिष्ठः। ইতি মেদিনী া

জন্নিঃ পু হননযোগ্যাস। ইতি **म**•िक छनादः ॥

জমু: ত্রি হস্তা। ছননকর।। इंजुशामिकायः॥

রস্ম: ত্রি অহাবর:1 গতি শক্তি विभिद्धेः। उद्भग्रामः । इतिकः २ ভাষা। তৎপয্যায়:। নেদক:২। চর: ৩ এস: ৪ ইক: ৫ চরাচর: ৬।

1

इंज्याबः॥

बक्रमप्रही जी हव । ইতি विकाश्यानवः॥

জঙ্গল॰ ত্রি নির্বারিদেশঃ। ইতি
শঙ্গরত্বাবলী ॥ নির্জনভান•॥
– পিশিতে দ্রী।ইতি মেদিনী॥

জঙ্গালঃ পূ॰ রোধবিশেষঃ। জাঙ্গাল ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। আলিঃ ২ পঞ্চারঃ ১ সেত্ঃ ও সঞ্চরঃ ৫। ইতি জটাধ্যঃ।।

জঙ্গি বিষণইতি ত্রিকাণ্ডশেবঃ।।
জঙ্গা জী গুল্লে জুলি গুলালা ।
জাড় ইতি ভাষা। ভৎপর্যায়ঃ।
পুস্তা২। ইত্যারঃ।।

জল্পাকরিক: ত্রি ধাবক:। তৎপর্য্যাব: ॥
। জাল্পিক: ২। ইত্যমর:॥

জহ্বাত্রাণ ক্লী জহ্বাসমাহ:।ত এ পর্যায়:। মছ্জুণ ২। ইতি তিকা ধশেব:॥

सङ्घालः कि जिल्लिन्। उट निक्षः कि जिल्लाम् कि जिल्लाम् विकार । विकार । विकार विकार विकार । विकार विकार विकार । विकार विकार विकार । विकार विकार विकार विकार विकार विकार । विकार विका

দ্বাতকরা শ্বাপি লঘবো বলবর্জনাঃ ।। ইভি ভাবপুকাশঃ ।।
জল্প । ইভি কবিকল্ল জনঃ ।।

জজ • শুদ্ধ। ইতি কবিকল্প জনঃ।।
জজ ই যুদ্ধে। ইতি কবিকল্প জনঃ।।
জজপ্কঃ ত্রি পুনঃপুনর্জপকর্তা।
ইতি মুধ্ববোধা।

জট • সংহতী।ইতি কবিকল্পজন্ঃ।
জটা ত্রী লগ্রকচঃ। তৎপর্য্যায়ঃ।
শটা২।ইত্যমরঃ।। মূল•।। মা•সী
। ইতি মেদিনী ।। কদুজটা ।।
শতাবরী । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।।
কপিকছুঃ। ইতি রল্পশালা।।

জটাজ্টঃ পু॰ জটাসমূহ: । যথা।
জটাত্ট পুদ্ধি দুচ্যতি রঘূণা॰
পরিবৃচ: । ইতি মহানাটক॰ ॥
শিব জটাচ॥

জটাজাল: পু॰ পুদীপ:। ইতি হারাবলী।।

জটাটক্ষঃ পু• শিবঃ। ই্তি ত্রিকাণ্ডশেবঃ॥

জটাটীরঃ পু• শিব: । ইতি ত্রিকাগুশেষঃ॥

জটাপ্ররাধনী। বুজভেদ: । ইতি শব্দরভাষনী। বুজভেদ: । ইতি ত্রিকাওশেষ: ।। অভিধানতথ্র-কারকা।।

करामा जी जी मूगकिन्वर्विष्यः। खर्भयायः। ननस्य विद्यानी ० পেষী ৪ সাৎসা ৫ কৃঞ্জটা ও জটী ৭ কিরাতিনী ৮ জটিলা ৯ লোনশা ১০ তপশ্বিনী ১১। ইতি রঙ্গুমালা।। ভূতজটা ১২।ইতি ভাবপুকাশঃ॥ পেশা ১০ কব্যানী ১৪পিশিতা ১৫ निभी ७५ (भिमनी २१ करें। ४४ হি• সা ১৯ মা• সিনী ২০ জটালা ২১ नवता २२ (नवी २७ जाममा २३ চক্ৰবভিনী ২৫মাতা ২৬ অমৃতজ্টা २१ जननी २৮ जिं। विशे २२ म्ग इक्ता ७०। यम्त छनाः। সূরভিত্ব॰। কধাযত্ব॰। কটুত্ব॰। শীতলত্ব। কফ ভূত দাহ পিত্ত नामिवः। कांडि मान कांत्रिवृक्ष। इं**डि রাজনির্ঘ**টিঃ ॥ তিক্তত্ব॰ । स्मिश्व । वनश्रम्ब । अपूत्र । ् जिल्लायामु वीनर्भ अर्थ नानिवृष्ध। ইতি ভাবপুকাশঃ।। অনুবেপনেন ্জুর ক্জতা নাশিত্ব। ইতি রাজবল্পভঃ !!

करेगुः भ् यनामधाउभकी। मञ् यक्ष भूधः। मण्याउत्रम् इः। म् नेत्रथत्। ज्ञान्यः। जी जाङ्क्रण जन्द्य রাবণেন হক্তঃ। ইতি রামায়ণং।।

60

त्रुशुनुः। इंडि मिरिनी ॥ मार्खा-প্যয়•। ইতি স্বিৰূপকোষঃ।।

जोनः क्हू द्रः ॥ विषेः ॥ পু• मूइकः॥ भूभुलुः। ইতি রাজনির্ঘট: ।। জটাযুক্তে ত্রি।ইতিশব্রত্নাবলী।। क्रोना की क्रोमा नी। इंडि রাজনিঘণীঃ।।

क्रोगवर्ग की क्रोगांगी। इंडि ब्राजनिघंफिः॥

क्रीवज़ी खी क्नुकरो॥गक्षमाःभी। इंडि प्राक्रनिष्णेः।।

बी प्रकर्कः । इंडि नदत्र्वावली ॥ जिते ॥ नम्रः॥ ইভুগোদিকোষঃ॥

জটিলঃ পু•ুনি•হঃ। ইতি শব্চন্দ্রিকা ॥ करायुक्क बि। इंडि मिनिनी॥ किंग जी किंगा भी। इंज्यातः ॥ भिन्ननी। इंडि मिनिनी॥ वहा। উद्दृष्टे। ३७ वद्यमाना ॥ ममनक व्कः। इंडि वाजनिवंगिः॥वाधिका अनुः। यथा। क्रिका त्राधिका श्रमुः कार्य (जा शिव मारित जे । इंजि (गोत्रगतात्मरणः॥

करी जी शर्करीवृक्यः। इंडि मद्रवद्गावनी ॥ करामा नी । इंडि त्रज्ञाना ॥

कটা পু॰ প্লফবৃক্ষ । ইভাসর:।।
• জটাবিশিষ্টে তি।।

कर्षेतः भू• कठ्क•। सक्छ इंडि ভाषा। उर्भिग्रायः। कालकः २ श्रिक्षः २। इंडिअस्यः॥

करेत वि वक्षा करिन । इंडि भवत्र इति ।।

कर्रेबर भू ही छेन्द्र । इंडि (मिनि।।

জঠরনুৎ পু॰ আরণ্ধব্কঃ।ইতি
শহচনিদুকা।।

জঠরাম্যঃ পু• জলোদররোগঃ। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ!!

জড• ল্লী জল•। ইত্যমর টাকাযা• রাষ্মুস্টঃ ॥ সীসক•। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

জড়ঃ ত্রি হিন্যুক্তঃ ॥ মূকঃ ॥ অপুজঃ।ইতি মেদিনী॥

कडिक्यः वि रीर्घम्वी । वित्रिक्यः। इंडि स्वायुधः॥

কডত। জী জাড্য । তৎপর্যায়:। সৈনিত্য ২ শীতলত্ব ৩ অপাটব ৪। ইতি রাজনির্ঘণ্ট: ॥ বিরহ্ দুঃখেন জীবন নাত্র ছিতি:। ইতি রসমঞ্জরী।।

জড়। জ্ঞা শ্কশিখী। ইত্যমর:।।

ভ্ৰামলকী। ইতি রহমালা।।
ব্
জিডিমা পু॰ জড়তা। তস্য লকণ
থথা । ইপ্তানিপ্তাপরিজ্ঞান থক
পুশেষনুত্র । দর্শন শুবণাভাবে।
জড়িমা সো ২ভিধীয়তে । ইত্যুজ্বল নীলমণিঃ।।

জড়ল: পু॰ দেহস্থিততিলক:। ইতি হেমচনু:॥

जजु की वृक्षितिर्गामितिए मेरः। (जो रेडि ना रेडिन जावा। उट भर्यायः । वाका २ नाका ० यावः ८ व्यनकः ६ स्मानयः ७। रेडिमाः।। व्रकः।। । रेडि व जनः।। की विका । कि निजा ৯ जजुका २० जङ्गा २२ गवाबिका २२। रेडि वजुनाना।।

खजूक क्री हिक्यू॥ नाका। इंडि (मिनी॥

জতুক। जी जनी नामगन्नपुर्गः।
इंग्रंब होकायाः जवङः ॥ हर्म हिका । इंडि निम्बज्ञावनी ॥ भर्महो । इंडि जावभुकानाः॥ नजाविष्मयः। माजुमानविभुभिका । जनमः भर्गामः । कजुक्पत्नी २ जमनः भर्गामः । कजुक्पत्नी २ जमने ६ हर्मिका ७ वक्ष्मुकी २ कना ६ निमाना ७ वक्ष्मुकी १ मृश्रुकिका ५ द्वाक्ष्मका ३ ज्ञानकी ३०

সৃশ্ববল্লী ১৩ ভুমরী ১৪ কৃষ্ণবল্লিকা De विब्बुलिका Db क्षक्रक्रा 29 .. গুস্থিপণা ১৮ সুবছি কা ১৯ . जरूवली २० मीर्घकना २३। अम्। গুণাঃ । শিশিরত্ব॰ । ভিকত্ব॰ । ব্ৰক্ত পিত্ত কফ দাহ তৃষ্ণা বিষ नामिष्। किकातिष्। मीशनष् । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ জন্তকাপি भार्टः। निणाका कृष्ण्य श्रयाति उ ক্ৰেণ নিশাস্থা বৃক্ষক হাচ পাঠঃ।।

बजुकाती जी बजुकानजा। ইजि রাজনির্ঘণ্টঃ॥

बजुक्ट जी बनी नामगक्तमुवर्। ইত্যমরঃ॥

জতুক্ফা জী পপঁটা। ইতি ভাৰপুকাশ: ॥

क जूनी जी हम्प्रहिका। इंडि ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥

জতুপুত্ৰকঃ পু॰ নয়ঃ।পাশকগুটিক। । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥

जञ्मि शु॰ कृमुदागिविष्मसः। स्क्रानिक विशासक मुद्द मन মৰুজ মণ্ডল কফ্ রভিজ া সহজ लम्ब टेप्टर्क्या॰ लक्क्या कज्मिशक नः ॥ इंভि भाषवक्तः॥

किनिकह्कतालमा >> बिक्नी >२ बिक्निः शू॰ विककः। ইिङ त्राक्रनिघंषेः॥

जञ्का की जनीनाम शक पुरु! इंडामद्रः ॥ हर्माहो । इंडि **न**द्रज्ञादवी॥

जबु क्ली क्कमिकः । शार्थुदा! ইতি ভাষা। ইত্যমরঃ॥

জवुक क्री बब्। ইতি শদরভাবলী।। জন্বশ্মক স্লী শিলাজতু। ইতি ब्राम्ननिघर्षः॥

कन भ व इंद कानी। बनान इंडि কবিকল্পজমঃ॥

बन के न ह य बत्री। बन्ता इंडि क्विक्नुस्यः॥

बनः १ लाकः ॥ महत्नाका-मृष्कृ (लाकः ॥ शामद्रः । इंडि विमिनी।।

জনকঃ পু• পিতা ॥ রাজভেদঃ। সতু মিথিলাধিপতিঃ । ইতি (मिपिनी।। ইक्षाञ्जनाजभू(वा निमि বিশিষ্ঠ ত্যকু৷ যক্ত কৃতবান্ বৃশিষ্ঠ অথক্তিছান মাগত্য রাজা-ন্মাস্থ্যামাস রাজাতদা নিদ্রিতঃ মুনি: কোধাত্ত শশাপত্ত বিদেহে। ख्व। मृथ्वे। विष्म इ॰ द्वाजान मृषयः नरं व (उ। उक (उ या हरा मानू

यावधीका॰ अनीविगः ॥ नातन्तु-· স্যাপি ত • দেহ মরক্ষ্বিপুক্বাঃ '। विक मारिनाम्ह गरिक्षम्ह भ्रामानः मूङ् मू ङ्ः॥ अवत्याभि मङ्जाजाः न निभित्रकः समिह्ति । व्यत्रशिखना _দেহাতু মন্থানিশাপি চক্রিরে।। ্মন্ত্ৰ হোমৈ মহাত্মানঃ পুত্ৰ (हेर्का निरंम छन्। जनगा मथ्र মানাবা পু। দুভূতি। যত সঃ।। অত্যে নিথি রিভি খ্যাতো জননা-জ্জনকো খভবং ৷ বিদেহ শ্চাভব-শ্নানহাত্রা দ্বহাতপাঃ। তথা-ছিদেহাঃ প্রেচ্যন্ত সর্বে ভদ্ব-শঙ্কা मृगाः। भाः विष्ट्रताङ्ख भूत्रका 🌲 अनुरका २७व८ ।: भिथि नःभ महः-वीर्र्या (यन जा निथिन। ७८९। ইতি রামায়ণ।। উৎপাদকে ত্রি।। **ब**नक उनगा छी जीउ।। ইতি त्राभागगः ॥ त्रामायगः॥

बनकनिक्ती खी गीठा। इंडि

জনকসুতা জী সীতা। ইতি व्यायगः॥

সীতা। ইতি জনকা সূজা बो मक्त्रावनी॥

জনকারী পু• খলককঃ। ইতি वाजनिर्घः॥

बनक्मः भू• हाखानः। इँछ। महः॥ बन जा बन मम् इः। इंड म्याः॥ कनवृक्ष ॥

बनन क्री वंश्मः ॥ अवस्य । ইতি व्यक्ति ॥

कनिः जो कनी नाम शक् पुराः। इंडि भद्रज्ञावनी ॥

कननी की माजा ॥ मया । इंडि (मिनि ।। अनी नाम गन्न पुरारा। **ठर्माठ** । इंडि भदत्र शावनी ॥ यृथिका । इंडि भंक् जिन्द्रका ॥ कर्नुका ॥ मिक्षिष्ठा ॥ व्यवक्रकः ॥ करेमा भी। इंडि दार्कनियं है: ।। জনপদঃ পু॰ দেশঃ॥ জনঃ। ইতি (विषिन्।।।

जन्तुवामः शुः लाकाभवामः। उ ९ वर्षायः। किलोनः २ विशानः o वहनीय जा 81 इंजि (इमहन्मुः॥ জনপ্রিयः পু॰ ধান্যক।।। শোভাঞ্জন বৃক্ষঃ। ইতি রাজনিঘণীঃ॥ জনসেজ্যঃ পু॰ পরীক্ষিতরাজপুঞ্। ত (भर्य) यः। त्राक्षिः २ भात्री कि उः ৩। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ ॥ পুৰু র্শরপুতা: । ইতি জীভাগর্ভ।। बनियं श्रे भिजा। है जि एम ह न्तुः॥ জनिवनी जी भाजा। ईछ। भारः॥ জनतृतः भु . (लाकवानः । यथा ।

পরীবাদ স্তথ্যে ভবঙ্গি বিত্তথো বাপি মহতা তথাপ্টেছধারা। र्वि गश्मान जनववः । ইঙি लक्षा (मनः॥

जनः नाकः शुः महर्त्वारकाभिति जुदन । यथा। अया महि म्हालीकः ম্বর্লোকা**ং পরমাজুতঃ। কল্না**যুষো ব্সন্ত্রত তপসা ধুতকল্মষাঃ ॥ इन्थः कथाः कथयका जगदम्भारयाः शिय । क्रशार्खन विमान डब्जन लाकः निनाय जान्।। निवमञ् भना यब मानमा वृक्षाः मुजाः। সনন্দ্ৰাদ্যা যোগীজাঃ সৰ্বে তে ভূজুরিভসঃ।। অন্যেভু যোগিনো यि रेव श्रुवषु का तियः। मर्व षम् বিনিশু ক্তা স্তে বসন্ত্যত্র নির্মালাঃ॥ নহলোকঃ ক্ষিতেক্ষ্ব নেক কোটি পুনাণতঃ৷ কোটিদ্বযেতি সংখ্যাতো बारमा जूर्जाकरका बरेनः ॥ इंडि कात्मकानीथ ७ ॥

জনবল্লভঃ পু• খেতরোহিতবৃক্ষঃ ৷ ইতিরাজনিঘটঃ।।লোকপুথে ত্রি॥ জनवामः পू॰ जनপुवामः। ইতি इन्द्रीयः॥

জনশু,তিঃ দ্রী সত্য মসভীয়া লোক भूवामः। उट् शर्यायः। कियमधीर | कनाउः शु. (मणः। (जना इंडि । ३७७मद्रः ॥

जनहान ही मधकात्रगुर । इंडि बहाधतः॥ म अकात्रः। मभीश स्रान विष्णयः। यथा। इक्षाव ताजगुर्वा म् ७: म्काठार्य। कन्यामत्रका विवास् -হীব। মৈথুন কৃতবান্ সমূনিস্তং-<u>শু</u>ত্র। রাজান• শশাপ ৷ সপ্তরাক্রেশ ব্রাজাসৌ সভ্ত্য বল বাহনঃ। পাপকর্ম সমাচারে৷ ববং প্রাপ্তাতি मूचिं ॥ अर्व अवानि यानी इ कक्रमानि क्रिजागित । महर्विषाः शा मुवर्षि क्या किशु छविष्ठ डि ॥ मछमा विषया गावट जावट न वन मामुम्। शाः मृज् जिवाकः সাৎ সপ্তরাত্রান্ডবিষ্যতি।।ইত্যুক্ত্রী কোধ সম্ভ জনাশুম নিবাসিন• । बन• बनगरमहाराख श्रीयजा মিত্যবোদত॥সপ্তাহান্ডম সান্ভূতঃ স চাপি বুন্ধতে জসা। তস্য দণ্ডস্য विषया विकार लेलका जानुषु॥ उना भुज्ि कायर ए पखकात्रगु মুচ্যতে। তপদ্বিনঃ হিতা যত্ৰ छज्जनशान मूह्य ॥ वानायगः ॥

ত্রী উৎপত্তিঃ। मुक्षःवादः ॥

পারস্য ভাষা। ইতি ধনপ্রয়া।

क्रनाडिक॰ की जाशुकाणः। ইতি
- क्रिकाञ्चल्याकः॥
क्रेनाफनः शू॰ विष्णुः। ইত্যমतः॥
जात्राग्रः ভाষ্ণরাদিছে क्रिनिष्टः
क्रुडाणनाट। ज्ञानश्च लक्ष्रापिहिम्बिकिमिहिक्जनाफनाट॥ ইতি
क्रमालाहनः॥

জনাশনঃ পু॰ বৃকঃ । ইভি রাজনিষ্টঃ।।

জন্শ্যঃ পু॰ ন্ওপঃ।ইত্যমরঃ॥
জনিঃ স্ত্রী উৎপত্তিঃ।ইত্যমরঃ॥
নারী॥মাতা।ইতি শদ্রহাবলী॥
জনীনাম গদ্ব্যু•।ইত্যমরটীকাযা৽ রাযমুসটঃ॥

জনিকা खो मुया। ইতি শক্ষরী-হলী।। জননক গ্রীচ।

জনিত তি উৎপাদিত। যথা।
সেনাচরী ভব্দিভানন দানবারি
ব্যসেন যস্য জনিত। সুরভী রণ
জীঃ। ইতি নৈধধা।

জনিতা পু॰ পিতা।ইতি শদর্বাবলী।।
জনিতা স্থা শাতা।ইতি শদর্বাবলী।।
জনিত্ব পু॰ পিতা।ইত্যুণাদিকোষঃ।।
জনিত্ব জী মাতা।ইত্যুণাদিকোষঃ॥
জনিনীলিকা জী মহানীলী।ইতি জন্ম:
রাজনিহঁতিঃ॥
ল্প্ জন্ম।ইত্যুণাদিকোষঃ॥
রাজনিহঁতিঃ॥
ল্প্ জন্ম।ইত্যুণাদিকোষঃ॥
লক্ষ্য

विश्व । ইতি । जने जी जी जी निम्हिनी । वश्ः । उट शिवः । उवधी जिट । ইতি मिन्नी ।। শেষम् । शर्यायः। जन्ना । वज्ञाने व्रामिष्ट कानिम्हः । जज्ञुक्ट ३ ठक्क वर्जिनो ६ मन्मानी ।। भाषा ।। अज्ञुक्ट ३ ठक्क वर्जिनो ६ मन्मानी ।। श्रेण भक्ष व्राप्तिः ।। ইতি ।। व्राप्त निम्हिन्ना ।। व्याप्त निम्हिन्ना ।। व्यापत निम्हिन्ना ।। व्याप्त निम्हिन्ना ।। व्याप्त निम्हिन्ना ।। व्यापत निमि

জনুং ক্লী জন্ম। ইত্যমরং।।
জনুং ক্লী জন্ম। ইত্যুগাদিকোষং।।
জনুং ক্লী জন্ম। ইতি শব্দরত্নাবলী।।
জনেষ্ঠঃ পু॰ মুদ্দরক্কঃ। ইতি
রাজনির্ঘটঃ।।

জনেষ্টা জী জতুকা॥ বৃদ্ধিনামৌ যধিঃ।। জাতীপুরুং।। হরিদু।। ইতি রাজনিঘণ্টঃ।।

জনোদাহরণ क्री यमः। ইতি ধনঞ্জयः॥ জনো: পু জনরক্ষ कः। ইতিমুগ্ধবোধ।।। জন্তঃ পু পুণী। ইত্যমরঃ॥

জন্তকমু: পু ক্মিশহু: । ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

জন্তকা জী নাডীহিঙ্গু॥লাকা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।

जन्म की विषय। ইতিশদরহাবলী

জহুর: পু• বীজপ্র: । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

जडशे जी वि**चत्र** हेडि

রাজনিঘণ্টঃ॥

क्रस्तामन की हिन्सू । ইতি রাজনির্ঘণটঃ॥

बिखनामनः शृ (कावानुवृक्तः। ই ि व

ৰুদ্ভফলঃ পু• উড়ুম্বরঃ। ইত্যমরঃ॥ ক্রী নিমুকঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

জন্তবা ত্রী কাশত্ণ । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ !!

জন্তহন্ত্রী জী বিডঙ্গ । ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

बग्ने क्री जाम्यक्षणमम्भः । उट् भर्यायः । बनुः २ बननः २ बनिः ८ উट्পिखिः ६ উद्धरः ७। इन्छानतः ॥ ॥ बग्नः १ बनी ४ । इन्छि ज्युकः ॥ ज्ञः मुनामुक कर्या। ज्युकि। यथा। मुनाना ममुनानाक्ष कर्या। बग्ने बायर् । भूगुरक्षर् ह मर्बव नान्य ज्ञुक्षर् बनाः ॥ इन्छि तुक् रिवर् शुक्रिथकः ॥ क्ष्मा जम्य करमा यथा । शास्त्रो विकाल ज्युकि यानिः कम्यवट् मना। गर्भम्य छन्नः भूकः श्रेष्ठः तुक् मम्बिः ॥ जन्युव काल मुन्ना। यानि क्युकि याविजाः। न्युके मुक्रमर्जा यानो निज्ञिण्यः

শনৈঃ!! ৠ ৷৷ ঋতাবপিচ যোনিশেচ-ষাত পিত্ত কফাবৃতা। ভবেভদা বিশেষত্ব॰ নৈব ভস্যা•পুরুষ্যভে॥ भाड काल यहा भुक निर्हाध যোনি সংস্থিত। তদা তদ্যাযুনা ग्णृडे॰ जीवरकरेनकजा॰ नुरब्ध्या निष्वक गानव जीगा वीज পুাপ্ত রজস্যথ। মুক্ত নাত্রোপি नत्काट चर्नाहाशि भुगम्।उ।। विभर्ग करिन मुक्रमा कीवः, कर्रा সুক্তঃ । গৃত্য পুৰিশতে যোনি कर्माङः स्थिनिध्याधिष्ठः ॥ 🕸 ॥ তত্তক রক্ত নেকাহাৎ কলন ভবে । পঞ্চর।ত্রেণ কলন। वृष्माकात्रजा॰ वृष्क् ॥ वृष्मः সপ্তরাত্তেশ না'স পেবী ভবেত্ততঃ। দ্বিসপ্তাহান্ডবেৎ গেষী রক্ত-মা•সাচিতাদ্দা।বীজ সৈগ্ৰাস্কুরঃ পেষ্যাঃ পঞ্বি শতি রাত্রতঃ ৷ ভবন্তি মাস মাত্রেণ গঞ্ধা জায়তে भूनशाशीया मित्रक क्षेक शृष्ठवः म ख्यः पद्भः भागि भामः ख्या भार्यः किंगाब उरेथ्वह ॥ मामहरयम नर्वाणि कमणः मञ्जवि हि । ত্ৰিভি মানেঃ পুজাবন্তে সর্বাঙ্গা-कुत गक्षयः॥ मारेमफ खर्जि तकुन्तरः शुकायात यथाकम्। देश्यं । इंडर्थ

চাস্থানা পঞ্চা শোণিতোভবঃ॥ • মুখ• নাসাত কণৌ চ জায়ন্তে নাসি भक्षा वाष्ठ वनमा वर्गमा नथ লোশু। 🌣 সম্ভবঃ।। দন্ত প•ক্তি ততথ। ওয়॰ জাবস্তে নথাঃ পুনঃ। কর্ণ- ॥ 4য়াশ্চ ভবেছিদু• সন্মাসাভ্যম্ভরে-गह।। भाषु (संदू सूत्रक्ष ना ভिटेक-বোপজায়তে। সন্ধয়ে। যেত গাতেষু জাগ্ন্তে মাসি সপ্তন্যোমনস্তচেতন। यूरे हा नाडी मायू मिंग उठः। সপ্তমে চাষ্টমে চৈব বৃত্যাৎস স্থতি-मानि ॥ अब भुज्य मण्ड শितः (हम ममन्दिः। विज्ञः। वनवः न्त्रहेः भून मीनाष्ट्रामन् हा नवस्य मणस्य मानि शुवरेनः मृजि नाकरें ३: । निः नार्य ७ वाग हैव बल भिष्मु गज्जाः ॥ 🕸 ॥ मनन *हश्रनात्वन यहा गर्छा । जिल्हा जिल्हा ।ত। বিকৃতি ৰূপেণ পাপাত্ম। हि भुकाय उ॥ भू हे खर नगामान् यमा वर्डि माक्डः। उमा शुम्र्र भाभिधान् यक्षन् कर्य वश्किष्ठान् ॥ 🗱 ॥ माञ्तरकाखता नात्री शिखः मृकाखाता नतः। উ ज्या वी ज সামান্যে জ্বায়তে বৈ নপু সক ।। অন্য । বিষমাধা তিথো কিন্ত न गाबीङ्ख कन्यकाः। नमायाः शुक्य नृंत (किं माल् मनीयियः॥ वागाव्यन ভবেষারী দক্ষিণেন भूमान् ভবেৎ । तकाधिका মাতৃৰ শ•রেতো ধিক্যে ভ পৈতৃক• ॥ শুক শোণিত সংঘাতে বাযুন। চ हिंदा क्छ । यभो न्याओं ত্রিধা চেতি চত্তর্ঘা বহু ধাপি বা।। ততো হীনাধিক ব্যক্ত হারু বামন-कामयः । जायस्य मर्भ अधारा विक्ञान्। क योनयः॥ 🕸॥ उथाह সায়কলিকায়-।গর্ভাৎকোটিগুণ-मुः थः यानि यञ्ज निशीखान। तः মূর্ছ। তদ্য জঠর।জ্জ।यमानस्र (तहिनः॥ जायमानः भूतीयाम्यूज শুকাবিলাননঃ। পুরোগতে ন वाट्यन भीज्यमानाङ् वक्षनः ॥ অধোমুখো বৈ ক্রিয়তে পুবলৈ: সৃতি মাৰুতৈঃ।ক্লেশান্ত্ৰান্তি মাযা-তি জঠরামাত্রবাত্তরঃ।। 🗱॥ তত छ रेवकवी भाषा नगासन्हिं নোহিনী। ত্যাবিমোহিতান্সানৌ कान चु मनवायु याद्या म्हेमावना হোরশ্চ জুরঃ সমুপজাযতে। তেন জ্ঞোশহতা নহামোহ: পুরুষ্তে ।। कै फेरेकदिय हिमा तः क्केरिदिय मात्रिङः। পुछि वुगिर्मिणिङिङा धत्रगाः कि निका यथा॥ ज्यु ज्रून।

भन्नीजादः वृतिविक्षेजि वा निम्। বিমুত্র ভক্ষণাদ্যঞ্চ গভজ্ঞানঃ नमाहित्रया कथ्यान श्लिहामकः পরিবর্ত্তে হপ্যনীশ্বরঃ। স্নান পানাদি-কাহার মপ্যাশ্নেতি পরেছ্যা ॥ णण्ठिः म खत् मृत्र म्-नामिकि उथा । जन्मागा श्रि रेनरेव्याः जमर्खा विनिवाहरा ।। কেন বন্ধন বন্ধোহ কারণ কিন-कात्र । कि कार्य कि कार्याश्व কি বাচ্য কিঞ্চ নোচ্যতে।। কোহধর্ম: কন্চ বৈ ধর্ম: ক্ষিন্ ना वर्डांड कथः । किः कर्डवा मकर्खवार कि वा कि छा दावर া সংমৃতেগ্য মৃতি ভুংশঃ শীঘুং স-জাযতে পুনঃ। রতিঃ স-জাযতে जूर्• बारा खरेबर बगनि ।। ब्राका मृष्क (नारकाश्य मकार्यः) मन्तु-বর্ত্ত। দেহী দেহ• পরিত্যক্স (मन्द्र इान मशीहिं ॥ उमार কীটোৎপি জ্ভ্না• সুন্দে৷ জাযতে ভৃশ•। নচাত্মান• বিজ্ঞানাতি নপ-त्रः नव रेषवज्या क म्रावि भन्न ल्यिः मिक विक्रिया निकाली प्राप्ती अञ्याः नजानां वृद्यामातां वृद्य রপি॥ সঁপারে ক্লিশ্যতে তেন রাগ লোভ বশানুগঃ।ইভিস্থ বোষঃ।।

জন ব্লী উৎপত্তিং। ইত্যমর টীকাষা ভরতঃ।। জন্মকীলং পু বিষ্ণু:। ইতি ত্রিকার্ড-শেবঃ।।

बग्नरः शृ शिजा। ইতি শদ্মন্ত্রানলী॥ बग्नरज्ञ क्री यानिः। ইতি ত্রিকাউ-শেষः॥

জন্মান্তর• ক্লী পরলোক:।ইতি ভরত: ॥ তৎপর্য্যায:। ভবান্তর• ১ প্রেড্য ২ অমূত্র ৩। ইত্যমর:॥

बगारेगी जी शिक्षकमा जिथि:। मा जू मूर्याहात्मुन भावनमा क्षार्थमी भौगहात्मुन जामुना। ভুত্ৰ শ্ৰীকৃষ্ণস্য জন্মকালে। যথা। বুন্ধপুরাণে। অথ ভাদুপদে মাসি क् मार्डमाा करनी यूर्ग । अडीवि -भेठित्म बाठः क्लग्शारमो (एवकी मु उ: ॥ विकू भू द्वारा महामाया॰ পु ि ভगवद्याका । भाव है काल ह न ज्ञा क्काडेम्। स्वानिन। উৎপৎ म्यामि नवमग्रस भुम् जि॰ व्यवाद्मात्रि ॥ भावाय वा नज्या ব। রোহিণী সহিতাইনী। यहाक्ष नरेत्र लंका मा बयही भुकी हिंजा॥ অন্নি পুরাণে। রোহিণী সহিতা क्का गामि जापुनार श्डेमी। मधन्। मर्पद्रावाधः क्रमणाणि यम।

ভবেৎ া৷ তত্ৰ জাতো জগমাথ: || ্কৌ ভ ভী ছরি রীশবঃ। তমেবোপ-्रवात्र का**ल॰ छत्र अ**र्याह कागत्र॰॥ व्यविद्यायायः मर्कायाः (एवकीनम्पनः। ইতি স্প্রম্যুক্থে - जम भूवग कन्ना जना विक्ष ॥ 🕸॥ नवग्रामि (यागम् शुन्न-मा यथा। वुक्तरेववर्ख । उत्तरयहाइसी किथियवभी मकना यि । जारब वृषेक्य युका भाषाभडाकं मःयुका॥ অপি বৰ্ষশতেনাপি লভ্যতে বান॥ বা বিভে। । পদ্মপুরাণে । প্রেড যোনি গতাৰাম্ভ পুেতত্ব-নাশিভন্ত रिङः। रेयः क्छा भावता मानि অষ্টমী রোহিণীযুতা।। কি॰পুনর্ধ বারেণ সোমেনাপি বিশেষতঃ। कि शून नेवभी युका अवाका छ। स मुकिमा ॥ 🗱॥ उनवामामि कन | যথা। ভবিষ্য পুরাণে। একে रैन(वाभवामिन क्छिन अकतम्तन। সপ্তজনক্তাৎপাপান্যচ্যতে নাত্র अभ्यः ॥ वुक्तरेववर्छ । भगामि मिवान भारत यह कन मान भूकरिनः । कनः जामुभामक्षेम्याः जातर कारिसनः वित्र ॥ जमासियो বারিমাত্র পিতৃণা যঃ পুষছতি। গ্ৰাশাৰ কৃত তেন শতাৰ নাত্ৰ

वथा। ভবিষ্যোত্তরে। শাুুুুব্ব e वक्षा भारक क्षक बाइमी युज । ন করোতি নরো যস্তুস ভবেৎ ক্র द्राक्रमः॥ वर्ष वर्ष्क या नाद्री क्ष লমাষ্ট্রমীবুত । ন করোতি মহাক্র। वृशानी ভविं कानान ॥ ऋात्म । न कादां विषा क्येडी স-জ্ঞক বুত । য্মস্য বশ্মাপনঃ সহতে নারকী ব্যথা ।। ভবিষ্যে। जूडेर्थ (दिकी मृत्न विषडी স-জ্ঞক-বুত। কর্ত্ব্য-চিন্ত্যমানেন ভक्ता ভক্তब्रोनः मर ॥ व्यवस्त् नव्रकः याजि याविषनु मञ्जूषं न ॥ 🗱॥ তৰোপবাস কম:। ভবিষ্য भूतात । भार्थ उद्मिदाम भुारध मल्यावन भूईक । उभवामम् नियमः गृशीयाक्रकिভावकः ॥ বাসুদেব সমুদ্দিস্য স্থাপাপ भुभाडरय। উপवाम॰ कत्रिवामि क्काडेम्याः नज्माहः ॥ व्यन्य क्काडेगी॰ (पवी॰ नज्जन्मु माद्राहिगी । वहिंगिष्वाभवासिन व्यक्तिं इ मशत १ इनि ॥ वर्षीं न। क कारमात्रि बद्धाविनर बिखानिक। जाम मुक्यू मा बाहि পত্তিত শোকসাগরে ॥ আজন

मद्रगे यावसमाया मूद्रु उ॰ कृष्ठ॰। ७ शुगान्य लाविन भुनीम भूकरवा छम ॥ # ॥ ग्रम्भकम s । उन्नाथ्य প্তिमा সাপ্যা काक्षनामि বিনিমিত।। পুত্তকাঞ্চনাভা সা দেবকী সুতপস্বিনী।। সাঞ্চাপি बानक मूछ भूम् जा नी त्रमह वि । বসুদেবোপি তত্ত্রিব খন্নচর্মাধর হিত• ৷৷ যশোদা চাপি তত্ত্ৰৈব भुमृ उ वतक नाका। वन छमु ख्या नत्त्रा म्हा गर्भम् जूर्य्यः ॥ वव॰ ज भ् त्राय छ ङ्रा शक्त भूत्राक रेडः करेनः । इञ्जिल इाभरयाप्रवीः अरुन्तु। (दाहिगी उथा।। (**ए**वकी॰ वमूरमदक्ष यरणामाः ननस्मवह। **চ** खिका॰ वनारिवध भूका भाष পম্চ্যতে ॥ অন্ধরি বসোধরি। ॥ পাঠযেদুভদর্শিবা। ততো বর্দ্ধা-পন ষ্ঠী নামাদেঃ কর্ণ নম !! কর্ত্র্ব্য তত্কণাদ্রাবৌ পুভাতে নব্মী দিনে । যথা মম্তথা কার্য্যে ভगवज्या महाए नवः ॥ वाक्रानान् जुङ्गावर्डका उर्जा ममाह र्विक्ता । जुनर्ग काथन रेगान्ह বাংসাণসূকুসুমানিচ॥য্মদিইতমণ লোকে কৃঁফো মে প্রীয়তা মিতি। य र एवं र एवं की र वी वनू पर वा प

জীৱন ।। ভৌনস্য বৃহ্নণো ওপ্তৈয় **उरेय** तुकाजान नगः । मृतुकाः বাসুদেবায় গোবাদ্ধণ হিতায়ত গ্ৰ শাভিরন্ত শিবঞ্চান্ত ইত্যক্ত্ব। তান বিসর্জবৈশা এবং যঃ কুকতে দেব্যা (त्वकाः मून्रहा ८ मर्वे 11 वर्षव्य ভগবতো মড्ডा धर्मनन्त । नरता वा यहिवा नात्री यस्थाक कव মাপ্র যাৎ ॥ পুত্র সন্তান মারোগ্য धनषाना कि नम्गृह । महार्किना পি যঃ কুর্যাৎ কশ্চিজ্জনাইমীবুত• ॥ विकू नाक मवाद्यां कि नाता ना-ন্ত্র সংশ্ব:। প্রাচ ম্ব্রেরে গাৰুডে ৷ কৃষ্ণাষ্টম্যাক্ত রোহিণ্যা मर्कतात्व १६न श्रतः। 🛊 । नुज भारतगरमा काल नियमः। अक **मित्न अयुडी माड्ड ठरें**बर्दा-পবাস: । উভয দিনে চেত্রদা পরদিনে । জবস্তালাভে তু (ब्राहिनी युकाक्षेत्राम । উভयम्ति রোহিণী युजाईमी लाट्ड भत्रित **उ**रवाट्डे निकीय अस्त्रिन्।-मधेगा। উভय मित्न निमाथ **अश**रक जरमा वा श्रद्रहित ইতি।। উপবাস প্রদিনে তিথি नक्ष्वरगा द्रव्यात भाद्रभ 1 যদা মহানিশাযাঃ পূর্ব মেকতর-

স্যাবসানমন্যভরস্য মহানিশাযা• . **७** न न द्वर्षा ७ दि **क ७ द्वार गान भा**-) इन वन गरा निभागा मूखयहि छ **खरा উ**८मवास्त्र भात्र**ा** इंडि जिथाि हिउदः ॥ # ॥ श्री छक्-विनाम मण्ड जूभवाम काला यथा । जगारेमी भ्रविका न कर्वगा करावन । शन(व्यक् विर्भुनु मक्षमानाक्षेमी • जात्र ॥ मुद्राया विन्तुना म्बृष्टे• शकाञ्चः कलम• यथा । विना शाक्रण कर्डव्या नवमी मः-युडारेभी ॥ मथकाशिन कर्डव्या मध्मी मःयुजाक्षेमी। ख्याट मर्व পুৰত্বেন ভ্যাল্য মেবাশুভ বুং ।। বেধেপুণ্ড ক্ষয় । যাভি তম: সূ্যেগ্ৰ मय यथा। यह विक्रिश्रवागामी (शाकः विकाश्चेभी वुंड । अरेव कव পর• ভ ভ কৃত বা দেব মাধ্যা।। भारत कात्ना यथा । यहा जिथा-करिंग (त्रव हरिंग) त्रस्डिजू भारत । नमर्थाना मनकाना हर्याद्वक বিযোগতঃ ৷৷ কেচিচ্চ ভগবজ্জন্ম মহোৎসব দিনে শুভে। ভক্ত্যোৎ-नवार अर्वेषि देवक्वा नुरु भावतना

क्यी प्॰ शुनी। इंडामद्रः॥ कत्मकरः प्॰ कन्तमक्यद्राकः। इंडि बिडागवडः॥ बन्धः ही रुखेः॥ भन्नीवामः॥ मःगुन्नः । इंडि मिनिनी ॥

बन्धः शू॰ बनकः। ইতি मिनि।।
बन्धः वि উৎ भाष्यः। यथा। बनकम्धः
य जादा हि बन्धः छिष्ठे जिनिष्ठ ।
। यथा बिक्षः भाषाक्षः काणीय
द॰ण मखद्व।। ইতি दुक्तदिदर्खः
बिक्षंबन्धथे ।। बनियजा ॥
नद्याण क्यां ।। मन्दाणाञ्जः
॥ दत्रम्भाविकः । मजू बामाञ्
दज्मणः। ইতি मिनि॥ बनिरुः
। ইতি ব্যাকরণः॥

बन्धा जी भाज्ययम्। इंडि स्मिनिनी ॥ श्रीजिः। इंडि (इम्मिन्सः ॥

জনু জনু পুণী।। অগ্নিঃ।। ধাতা।
। ইতি মেদিনী।।

জপ • হৃদুहারে ॥ বাচি । ইতি কবিকল্লফন: ॥

कशः भू भाषाहाताः। उन्णान्कानः यथा। सनः मः वृद्ध विवयासाळार्थ गठमानमः। न कछः न विलद्धः कार्मीसोकिक भएकि वट् ॥ जिभः नामकता वृद्धि स्तिन्तामाः भू वाहिरेकः। थिया यम् कत (भूगीः वर्ष्ट्य भूमाजिकाः ॥ উह्रत्वम् श्र

मुफ्तिणा मानमः म बनः म्उः। बित्खाक्षी ठानत्य ८ किथिए द्व वटा গতমানসং॥ কিঞ্ছিবণ যোগ্যঃ স্যাদুপা•শুঃ স লগ: নৃত:। ন্ত্র मूहाद्रेयद्वाठा वाधिकः म जनः मृजः ॥ 🕸 ॥ উहिर्ध्शाविनिष्ठः 'म्। मूर्गाः मू मंगि छि छेंगः। किस्ता-ৰূপঃ শতগুণঃ সহসে। মানসঃ मृ इ: ॥ जिल्लाजभः म विष्ठियः **(क्वनः जिल्ल्या दूरेयः ॥ अः॥ उज** वर्षाः यथा। विद्युद्वार्गर्भ नक्षः नि ্যুক্তঃ কর্ম করে। তি চ। জপার্চনা-किक गर्व मश्विक छत्व श्रिय।। मिनि। इद (कमारि मूथ(होर्गक्र) সংযুতঃ। যো জপেন্ত মহত্যা-শু দেবতা গুপ্তি স্স্তিতা।। আ্লস্য জ্ঞান নিদ্য ক্ত কি ছা-वन • ७१ । नी हा क्रण्या मन • (का न) क्रमकात्न विवर्कत्य ८॥ 🗱 ॥ ज्य कत्रनाना अभ नियामा यथा। **७**र्जनो स्यासामा कनिश्र চেত্রিতা: ক্রমাৎন তিসোংস্থল্য र्वित्रवाला मध्या हिक मे विका।। शर्ब हरः मधामारा मिक्ख्नाग-कन्नत्यर्थः। यनामा मध्य मात्रज्य ক্ৰিষ্ঠাদিত এবচ ।। তৰ্কী মল

भर्गञ्च मम भईमू मः ज्ञाभर। षनामा म्ल मात्रज् किनिशाहिङ এবচ।। ভজনী নধ্য পর্যান্ত মঞ্চ गर्रम् मम्बर्गर । এতদ্বনন্ত অষ্টোত্তর শতাদি বিষয়। শক্তি दिवरयभूनः। अनामिका वयः भर्व কনিষ্ঠাদি ত্রি পরিকা। মধ্যমা-যাশ্চ ত্রিত্ব॰ ভজনী মূল পর্ণি॥ उद्धनाशु उथा माद्या या बाशर गरु भाभक्षा व्यवस्था ग्वनात छ त्रामेकिना करनन ह ॥ नशानि म्नभगुष्ठ मञ्जभईम् मः जल्दा वीविष्ठाविषय भूनः। व्यनाना मध्यायान्त्र म्लागुक वयः वयः॥ किनिश्रायाण उड्डिन्। खरा॰ भर्व मूर्विश्वति ॥ यनामा मध्यामाग (नकः म्राट् वि उग म् ७ । शुम्किन क्रमाप्पवि काशिधिशूते जुनस्त्री।। क्निष्ठा म्लमात्र आपिक्ग क्राप है। उर्जनी मूल भग्रेड महै शर्वम् म जाल ।। इममिल पार्श खत न जाहि विषय ।। 🕸।। जङ्गली নবিযুঞ্জীত কিঞ্চিদাঙ্গগৈতে তলে । शक्वीना॰ विरयः गाइ हिर्द् ह **ज्**वर**ं बनः ॥ अङ्ग्ल**ऽर्ग्रह यङ्क्षः यक्तरः तिक वहुन। भईनिक्रियू

বজ্জপ্ত তৎসর্ব নিয়ন ভবেৎ।। গণনাবিধি মূলত্ব্য যোজপেতজ্প यज्ञागृङ्क जिल्लामा (खन गगरय नर्वथा वृक्षः ॥ ङ्राय इस मारताना **छि**र्याक् कृद्धा कत्राकृषीः। **णाष्ट्राम्** वानमा श्खो मिक्तान नमा कल्टाक्षा कश्यः थ्यायाः निविषा मुव्य । याक्ष रेज ईख भरे वं बी नशरिन्य नर श्रुवेकः । न हन्तरिन भृ जिक्या जनमः था क काइरय् ॥ । उब विश्विम् वर्भया। नाका अवीम मिनमूब शामयक कड़ी वक । এভি নিমায বটিকা জপস খ্যা छ काद्रस्य ।। अ।। जथ दर्गमानाजन नियाना यथा। अविन्तृः वर्ग मुहार्य পশ্চামন্ত্র- জপেরুধঃ। অকারাদি ক্ষকারান্ত•বিন্দুযুক্ত•বিভাব্য চ॥ বর্ণমালা সমাখ্যাতা অনুলোম বিলোম তথা পঞ্চাশল্লিপিভি মালা विह्ठि। मई कर्यम् ॥ चंकादानि क्रकावज्ञा वर्गमाला भुकी डिंडा॥ कार्न (मक मूथ उब कन्नरममून ज त्या जनगा जई मञ्जागाः करः नर्द मुम्बिनः ॥ 🛊 ॥ उन्। फन यथा। जनिएका विकाम् कार्शिव युक्त कनः नः ज्या जार्वना (भव

यक्तानाः कायाजश्राने महाकनः॥ बालन (एवड) निडा ख्यमाना পুनीपि । भुनमा विश्वान् कामान् ममागुक्तिक माथठी ।। यक রক্ষঃ পিশাচাশ্চ গুহাঃ সঙ্গাশ্চ ভীষ্ণাঃ। জাপিন- নোপসপত্তি ভয ভীতাঃ সমন্ততঃ ৷৷ যাবন্তঃ कर्म यकाः मु : भू मिष्टानि छ ना --मिচ। नार्द (उ बलय क्वमा कना। নাইন্তি বোডশীণা মাহাত্ম্য • বাচি-क्रेनाउट जभ यद्भमा की चिंड॰ । তথাছত গণোপা भूः সহসে। মানসঃ সৃতঃ।। ইতি তজ্ঞসারং।। ৰূপন• ্লী জপঃ। ইত্য মরটাকা।। জপপরায়ণঃ ত্রি জপাসক্তঃ। জপন-भीलः। यथा। भिवदाबि वुउ॰ (स्व शृक्षा जभ भद्रायगः। कद्राचि विधिवण उ॰ गृश्गार्घ । महस्यत्र।। ইতি ভিথ্যাদিতত্ব।।। ब्रशा खी ब्रवावृकः। ইতি হেমচन्द्रः॥ क छ ॰ रेमथूरन। ই ि क विकन्न क्मः। क इ रेमश्रा इंडि क्विक्न क्मः॥ ক্র ই ড জ্যো। গাত্রশৈথিক ইতি यावट। इंडि कविक्सक्रमः॥ बं उड़ा । इंडि क्विक्नक्मः ॥ अञ हे क नश्चेकद्रात । इंडि

कविकन्नक्रमः ॥ कम छ ज्या ३ छि कविकन्नकमः॥ कम् वर शङ्गी। इंडि कम्माडीमद **ोिकायाः ভরত धृठ नाम्प्रकः**॥ জম্জঃ ত্রি য্মজঃ। ইতি ছিক্প (कावः ॥ कम्हाः पू॰ यमहामूनिः। ইতি দ্বিৰূপকোষঃ ॥ সতু ভ্গু বংশো-ख्व अठीकमूनिপूबः। भत्रभूताम পিতাচ। ইতি শ্ৰীভাগবত ।। क्रमन की (क्रमन । (ভाজन। ইত্যমর টীকাষা• ভরতঃ।। क्लाकी पू॰ कायानकी। इंडामदः॥ षिवन्नार**ाश्यः भ**दः॥ बरानः भू भकः। ইত্যমরः। শৈবাল:। ইতি মেদিনী॥ কেতক व्कः,। ইতি भदत्रज्ञावनी।। बनाविनी जी नहीं। ইতি (हमहन्पुः॥ **बचित्रः भू • बचीत्रः। ই जि म**प्तक्वावनी ॥ क्षीतः शृ कनव्कवित्भवः। कामीत्र इंडिं (नवू इंडिंग जावा। **७८ भर्यायः। म्लंगर्रः २ बद्धः** ० बहुीतः ८ बद्धनः ८ । इंड्रम्तः ॥ बडी ७ व्हाइनकः १ मूथामाधी ४ बाড্যারিঃ ৯। তস্য ফলস্যগুণাঃ। णम मधुव वेनद्र । वाक नालिद्र । ॣ

भश्युष्। भावन्युः। तावन्युः। भिड वनाति वृष्कि कातिप्रकः। इन्ध्रि ताकिन्युः। धन्युः। धन्युः। धन्युः। धन्युः। धन्युः। धन्युः। पृष्कित्युः। विश्रि निक्षः। पृष्कित्युः। विश्रि निक्षः। इन्धि ताकित्याः। भग्न्याः छन्याः। मथुत्रपः। ककाष्टि भिडाम् स्माप्तः। वर्ग वीर्या कवि भृष्टि ज्षि कात्रिप्रकः।। सम्वकः।। धर्मिः। सम्वकः।। धर्मिः। सम्वकः।। धर्मिः। सिकार्कः। इन्धि नात्रिप्रकः।। सिकार्कः। इन्धि नात्रिपर्यः।।

बबुः जी जः। ইত্যমর টীকাযা। ভরতঃ॥

जम् क्री क्री अमृकन । उर भर्यायः। जम् ३ वाचव ० १ देखानदः॥

জমূকঃ পু॰ শৃগালঃ ॥ বৰুণঃ ॥ বৃক্ষ বিশেবঃ। গোলাপজান ইতি ভাষা ॥ নীচে ত্রি । ইতি শব্দরত্বাবলী ॥ শ্যোণাকপুভেদঃ। ইতি রাজনি-র্মণীঃ ॥

জমুদ্বীপ: পু॰ পৃথিব্যা: সপ্ত দ্বীপান্ত-গত দ্বীপ বিশেষ: । অয় দ্বীপাঃ পদ্মকে।বমধ্যবর্ত্তি কোষ ইব লক্ষ যোজন বিস্তীর্ণ: পদ্মপৃত্র ইব সম বস্তুল: লক্ষ্যোজন বিস্তৃত লবণ সমুদ্রেণ বেপ্তিত:। যুক্ষিন্ পুত্যেক

नवजङ्गु (याजनायामानि नवव्रांति ॥ ' তেবा वर्षाणामाडी नीमशर्वा ्रोजिष्ठि । 🕸 । अयो वर्षाणा मत्रा इनाव्ड वर्षः मध्यविर्ड यम्। मध्रामाभ मृत्यक शर्व उः नक (याज्ञता (मधः । इनाव् वर्व-সোত্তরে নীলপর্বতঃ দ্বিসহ্সু যোজন বিস্তীৰ্ণঃ অযুত্ত যোজনোৎ-সেবঃ পূর্বপশ্চিমযোঃ ক্ষার সমুদ্র-विषिशिर्धः। अपूज्रत तम्यक्ष ভদূৰরে খেতপর্কঃ দিসহ্সু॥ বোজন বিত্তীৰ্ণঃ অযুত্ত বোজনোৎ-(अतः शृत्रशन्त्रियाः कात्रभन्। ॥ विव नीर्नः रेम र्घा नीनशर्वजाए किञ्चित्रिक मना नाम नामः **াঞা তদুত্তরে হি**রণ্মব্যর্য **তদু** তরে **मृक्**वान्**शबंठः उ**त्रा त्रिखातामयः শ্বেত পর্যত বং দৈর্ঘ্যে শ্বেত পর্বতাৎ কিঞ্চিদ্যিক দশা-শেন न्। नः। < । उपु खरत कुक्वयः उप्-ভারে লবণ সমুদুঃ। ইলাব্ত বর্ষস্য দক্ষিণে নিষ্ধ পর্বতঃ দিসহ্সু যোজন বিস্তীৰ্ণঃ অযুত্ত যোজদোঁৎ-সেখঃ পূর্র পশ্চিনযোঃ ক্ষারসমূদ্রা-विधि मीर्घुः । छा जम्मित् इतिवर्षः তদ্দিশে হেম্কুটপর্বতঃ অস্য विखानामर्यानियथवर्देमर्स्य निय-

थाएकिकिमधिक मणाः लान न्।नः । उप किए। हिमालय भई उः चन्रु-भूईवं रेपर्छा বিস্তারাদ্যঃ स्मकृष्ठे भर्वजार किकिमिषक मना रनन न्रनः। अः। उपस्थित ভারত্বय[•] তদ कित्। कात्रम्पूः। ইলাবৃত্স্য পশ্চিমে মাল্যবান্ পর্বতঃ দ্বিসহসু যোজন বিস্তীর্ণঃ व्ययुज (याकाना (अवः উन्नत मिक्क गर्या नी व नियम शर्व जाविष দীর্ঘ: | জ্ঞা ভৎ পশ্চিনে কেতুমাল वर्षः ७८ शिक्त्य ववगम्युद्धः। ইলাবৃতস্য পুরে গিন্ধমাদন পর্বুঃ वान्य विखाता करिया मान्य विष्या তৎপূৰে ভদাশ্বৰ তৎপূৰ্বে वातरा जगुषुः । (माताः श्रद्धा पि छ-जुं फक् गमत (नक्ममत मुनार्च क्मेर नामानः शब्छ। छिडेछि। তেয় চূত জন্ম কদৰ ন্যেগুৰা ক্ত্ৰা-রো বৃক্ষাঃ সন্তি। তে সর্বে দৈর্ঘ্যে একাদশ শত যোজন পরিমিতাঃ বিস্তারে শত বোজন পরিমিতাঃ। তেবা-শাখ্য বিস্তার:একাদশ শত য়োজন পর্য্যন্ত । তেরু পর্যতের্ ट्रेन क्वांतः भाषा मधिक्त्रम म्हे कनाः। अव नन्तन टिन्धंत्रथ विज्ञान জক সর্বতেভেদু সংজ্ঞকানি চত্বা-

ति (मरवाम्यानानिक अखि। 🕸। মন্দরোপরি স্থিতকাদশ শত বোজনেত্ব চূত নস্তকাৎপরতশ্ব वट इतानि कनान् एक्कानि প্রসত্তি । তেখা বিশীক মাণানা মৃতিমধুর সুগদ্ধি ব্ললাকণ तः (मार्क्ताक्रामान। गन्धी गन्द्रः -পিরি শিখরানিপতত্তী পূরেণে-चान् व मुक्श्रातम् वि। का । अदः कर् ॥ कनानाम्युद्ध निभाव विभीनाना भन बिश्रायाना सि इकायनिजानाः त्रायन करूनाम ननी मिक नन्तत मिथ्राप्त्रां न उला निश्ठ डी मिक-পেনেলাবৃত্ত বছতি। তস্যা উভ (गा की तरम। म् छिका जब् तरमना-नुविश्रभाना वायुकं मः खाग विशाः কেন সদান্রলোকাভরণ জায় न्यं नाम सर्ग जवि । 🗱 । मुनार्य পর্ভিঙ্গে যোকদম্বৃক্ স্তম্যপঞ্-কোটরেভ্যো বিনিঃসূতাঃ পঞ্চ-ব্যাম জুলাঃ পঞ্চ মধু ধারাঃ সুপার্শ্ব শিখরাৎ পতন্ত্যঃ পশ্চিনে-নৈলাবৃত মনুমোদয়ন্তি। **#**।কুমুদ_॥ -পূর তোপরি ছিতো যো ব্টকৃক স্তদ্য কল্পে ভ্যো নিগতাঃ গণেঠদ ধি घ् ज मधू, गुडाबा म अत भगा मन। **छत्रगामि युकाः काममूया नम**ः

কুমুদাগাৎ পুগতত উত্তরেণে-লাব্ত মুণভোজয়তি। 🛊 । তান্ नमान् (स्वयानानाः शुकाराः वनी পनि इन (यह (मोगक्र) জন্মনন মৃত্যু শীভোঞ্ধ বৈবর্গ্যোপ-मगाह्य छात्र दिल्ला न कहाहिए. **७**वि यावक्कीव नित्र जिल्लाय नुश भिव । कूनक कुनन कूनु हित्कक ত্রিকূট শিখর শিশির পতঙ্গ কচক নিষেধ শিতিবাস কপিল শ্ছু বৈদূর্য্য জাক্ধি হংস ঋষভ নাগ कालक्षत नीद्रमामयः शवजा মেরো মূলদেশে পরিত উপকৃপ্তাঃ १८मद्भः शृहिम **मि उन्तरम**ामक्षा-म न (याजन मीरघों जठेत (मवरूषे পৰতৌ তিঙ্কা। তৌদি সহসু যোজন বিস্তারৌ এব দ্বিসহ্সু (याज्ञत्नाः हो। (मृद्धाः शन्त्रभागा নিৰ্দেশ পৰন পারিপাতৌ পত্নতৌ উত্তরস্যা• অষ্টাদশ যোজন দীযৌ দ্বিসহ্সু যোজন বিভারৌ দ্বিসহ্সু (याज्ञताहो। अव मिक्नानानिस-नि किनाम कत्रवीत शद्दाउँ। भृद्व मामक्षेत्रम याजन मीरघी षित्रहत्रु (याजन विखादो दिनहत्रु যোজনোটো। এবমুন্তরস্যাণ তিশ্ব মকর প্রতি পূর্স্যা ম্ঠাদশ

जञ्जूही

(याजन होरवों वितरत्तृ (याजन ॥ ' विखादो विमन्तु याजनादो।) अवन वर्ष वर्षे नहाः नहाः वहनः স্তি।। 🛊 !! তত্রাপি ভারত দেব दर्वः कर्याक्तवः अनुसन्धानि ব্যাণি সাগগা পুণ্যশেষা গভোগ ছানানি ভূষণ নামাখ্যাতানি। এষু বর্ষেষ্ প্রকাশা আসু রমৃত বৰণি তেদেৰকলা স্যুতহ্ভিবল विभिद्धे। वजु वस्र महोताः मञ्जूष মোদ্যুক্তঃ দভি। যেব দেবপভ্যঃ সগণঃ সন্ত্রাকাঃনানাস্থানেধু বৈর• বিহ্রভি।নবসুববেৰু ভগৰালারা-यत उड्ट भूकवाना सनुगृह्य य मृडि: जलनार्गा भ निविध्का ভবঙি।। 🗱 ।। ইলাব্তে ভূবরে ভগবান भित अक अन भुक्ताः खवानी भुषानाबु ह महरेनुः की গণেঃ পরিবৃত্তঃ নারাষণস্য সক্তষণ न छा। राउं कारम महिदाश ख्रमाख ॥ 🗱 ॥ जनात्थ वर्ष তদ্বপতি ভদুশুবানান ধ্যানু চঃ उट्यनभठमः शुक्षा जगवाजा रुयणीर्याज्ञिशानाः मृद्धिः भन्नम नगाविन 👣 विवाश स्वति ॥ 🛊 ॥ **र्तित्य** जगनान्यस्तिकाश्रयास्य ञ्ब भुद्धारा रेन्छ। रानव जन

जीर्थ स्काभः जन्नरे भुकरेष সহানন্য ভক্তি যোগেনোপাস্তে ॥ अ। (कञ्चमात्व जगवान् कामान्व चक्ला वक्ताः श्रिय हिकीव-যা আন্তে ভক্তগৰভো মাধাম্য• क्ष शहन नगावि वाक्त इन। দেবী সম্বংসরস্য রাত্রিমুগুলাপতে দু হিত্ভিকপেতা অহঃ সুত্তত্ ভিৰপেতা উপাত্তে ৷ক্ষা হিরণায়ে वर्षि जगवान् क्षांजन् विज्ञाता নিবসতি ভভগবমূত্তি গিভূগণা-ধিপতি র্য্যনা তছ্ব পুৰুবৈঃ नश् डेभार ।। 🗱 ॥ डेन्द्रक् वर्षि जगवान् वज्ञान्क्ली आख छ ज्ञ उपर शृक्षिः मङ्गान् সুলিত ভক্তিযোগেনোপাত্তে॥ 🛊 ॥ किलोकात दार्घ छगवान् माणविश রান মাপাত্তে ত॰ তচ্বরণ সন্নিকর্বা-ভিরতঃ পর্ম ভাগবতো হনুমান্ অবিরত্ত ভক্তি তদ্বর্ব পুরুষে কৃপাত্তে ॥ 🍇 ॥ ভারতে বর্ষে ভগবানরনারাবণাখ্য সাল্ল জ্ঞানি-ना मनुश्रायानुकन्त्रया अवाक्र-গ'তি স্তথশ্চরতি। তম্রি॰ নারদঃ वर्गाम्य युकां छ छं त्र ठवधी य পুরাভিঃ মহ ভগব্দনুভাবোপ-वर्गनः शक्षत्रांवः मावर्गः कशाह-

ক্ষ্যমাণঃপরম ভক্তিভাবেন সেবতে । 🐉। ভারতেপ্যমিন্ বর্ষে সরি-हिला दहदः मिछ। यथा। मनयः मन्तर्भुः रेमनाकः जिक्टेः গভঃ কৃটকঃ কোল্লঃ স্থাঃ দেবগিরিঃ ঋষ্যমূকঃ জ্রীশৈল गहन्तुः वाविधातः विकाः मुक्ति-মান্ অক্লিরিঃ পারিপাত্রঃ দ্যোণঃ চিত্রকৃটঃ গোবর্জনঃ রৈবভকঃ ক্রুভ: নীল: কোকঃ গোমুখঃ इन्मुकी वः कामणिति ति छ। ना চ শত সহসুশঃ শৈলাঃ াঞ্চা তেয়া• 🛚 ্ৰ নিতম্ব পুৰুবানদ্যে **হুস**•খ্যাতাঃ । যথা। চন্দুব শা ভামুপণী অবটোদা ক্তনালা বৈহাবসী कार्वत्री (वर्श श्वच छी नक्त्रावर्त्त তুক্তদু৷ কৃষ্ণবেশ্ব ভীমর্থী (गोरावदी निर्विद्या भएगाकी ভাপী রেবা সুরসা নর্মদা চম্মণ্ডী মহানদী বেদমৃতিঃ শ্বিদ্ল্যা ॥ ত্রিসামা গণ্ডকী বাণ্মতী কৌশিকী नन्तिनी यसूना मत्रख्ञी मृण्यकी গোমতী সর্যুঃ ওয়বতী সুমোনা " পাৰজ: চন্দু ভাগা মৰুদ্ধা বিতস্তা অসিক্লী বিশ্বাইতি সহানদ্যঃ। অকঃ (भागकं नाम)। अ अञ्चन् वार् नक्षक्र किः शूक्रेयः भूक्ष लाहिउ

कृष वर्णन श्राव्रक्षन कथां। कियु
भानुय नाव्रकगाठरण ভविष्ठ ॥ ॥ ।

बिष्ठविश्रम् अर्थो प्रेशिशाः महि
मगवायि वर्षास्यर देशाः महीः
शविष्ठा निधनिक कश्रक्ष ।।

जस्या। श्रांश्र क्रम् क्रम् आवर्जनः वर्षा स्वर्ण कश्रकः आवर्जनः वर्षा कर्षा हिन । हैिं

शिलागवलः ॥ ॥ ।। (क्रांजिः माज्ञ
माज्ञ लगाः वर्षा ।। (क्रांजिः माज्ञ
माज्ञ लगाः वर्षा ।। (क्रांजिः माज्ञ
माज्ञ लगाः । क्रम् किर्णः
विजीयाक लाग वीश्रविक्तमः मधः
माज्ञ लगाः वित्रकाः । क्रम् किर्णः
विजीयाक लाग वीश्रविक्तमः मधः
माज्ञ प्रांचा ।।।

अयुनः पू॰ अयृत्कः॥ (क उकत्कः। । ইতি বিশ্বঃ॥

জয়ুবনজ লী শেতজবাপ্র। বথা।
পারিভদ্ পাটলাচ বসল গিরিশালিনী। তিলক জমুবনজ পীতক
তগ্রস্থাি এতানি হি পুশস্তানি
লসুনান্চ তেড়ি ন । ইতি বাননপুরণে।

নধুং দ্রী নাগদমনী । ইন্তি রাজনির্বটঃ ॥ বৃক্ষবিশেষঃ । জাম ইতি ভাষা। তৎ পর্যায়ঃ । সুরভি-পত্রা ২ নীলফ্লা ৩ শ্যান্লা ৪ নহাস্কা ৫ রাজাহা ৬ রাজফ্লা

१ भुकि श्रिया ৮ (मान्यानिनी २। े. ভৎকল গুণা:। ক্যাযত্ব। ম্যুরত্ব। া শুন পিত্ত দাহ কঠাৰ্ত্তি শোষ কৃমি দোব স্থাসাতিসার কফ काञ विनालिङ्गः । विष्ठेसिङ्गः । রোচনত্ব। পাচনত্বঞ্চ । ইতি वाजनिर्वाणः ॥ ७ वृष् । त्रामृष् । मोजनदः । अग्रिमः मृष्यदः । ৰক্ষত্ব । বাভকারিত্ব । ইতি त्राबवल्लाः॥ मा वृष्ट् कृपु (छात्र षिविधा । छक वृङ्काः शर्यायः । महाबस्ः भश्रावा २ त्राजनमृः 🗢 तृह८कवा ८ । ইতি রত্ন। 🕶। ॥ कलन्तुः ৫ नन्तः ७ महाकना ৭ সুরভিপ্রা৮। এতৎ ফল গুণাঃ । বিষ্টম্ভিত্ব॰ । গুৰুত্ব॰ । রোচনত্ব॰ । इंडि ভাবপুकामः ॥ कुम्।याः भर्गायः। मृत्र क्षकवा) मीर्मभडा २ मध्या १। वनजच्नय्रायः। ভ्रिबशः > काकबरः २ नारम्यी ৩ শীতপল্লবা ও। ইতি রত্নসালা ॥ ज्ञाभवा ६ बनबस्का ७। ७९ कनस्याः। गुरिष्ः। कम्पः। क्क निवानुमार नानिवृक्ष। इंडि ভাবপুकामः॥ उट्कनम् भर्यायः । बर्२ बाधवः ०। ইত্যমतः॥ बर्कः श्रु जी मृगानः । ইতি
मदत्रवादनी॥बर्कमदार्थाभ्य ॥ बर्का जी काकनीमुक्ता । ইতি
ताबिर्विः॥

बष्णः भू॰ बष्ठ्कः॥ (कञक्ष्कः। इंडि (मिनि ॥

बध्वभाविका बी कन्यावत्रराभू श विमुका। इंज्यबाश्खदः ॥ बध्वः वत्र शकीय बीगाः शत्रिश्म वव्नः उत्राः भाविका (भूगी । इंखि हत्रिवः भ विकायाः नीवक्षः॥

कञ्चः भू॰ रिम्डार्डमः ॥ म्सः ॥ कषीतः। ज्ञानः। इंडि स्मिनी ॥ ष्यः ॥ इनुः ॥ ज्नः। इंडि रक्तम्मुः॥

बशुकः शृ जियोतः। इंडि मया निप्का।। बशुका की ज्ञा। इंडि ताजनिर्मणेः॥ बशुकि शृ हेन्पुः। इंडि (इस हन्पुः॥ बशुकि शृ हेन्पुः। इंडि (इस हन्पुः॥ बशुका शृ हेन्पुः। इंडि भ्रातः॥ बशुका शृ क्योतः। इंडि मयह निप्का॥

बद्धनः श्र॰ कश्रीतः ॥ वृक्तप्तरं विष्णवः। ইতি মেদিনী॥

জত্তনা ত্রী রাকসীবিশৈষঃ। বথা । সমুদ্দেগ্রভরে জীরে জন্তুলা নাম রাক্সী। তদ্যাঃ স্বরণ মাত্রেণ

ब्ह्याजिय उद्धिता बनाई छ।।। कञ्चातिः थु॰ वङ्गिः॥वज्रु•।ইिं । विषः॥ इन्द्रः। यथा । जञ्जाति . मस्यानय इंज्युबद्ग रेनयथः॥ कञ्जी पूर बन्नो दः। इं जि नद्र निमुका।। জন্ত্রীরঃ পু॰ জন্বীরঃ।ইত্যনরঃ॥ म म्य कः। इं ि उ छो काया • छत्र उः॥ बरः शु भव्नत्राद्याधीक्रापः। ्र विट इंडि ভाषां। उट्शर्यायः। विजयः २ जगनः २ । ইত্যমরः ॥ অন্নিস্থ:।। জ যতঃ।। যুবিষ্ঠিরঃ। इंडि (मिरिनी।। विजयनस्नदाजः । त्रजु इक्षाप्त वर्ष्णाख्यः । इंडि (इम्डेन्द्रः ॥ श्रीनातायगभावनः । यथा। थः जो स्वी भाव स्वी मञ् कर्या विषय अवह । कम्थी क्छा মা । यहा বস্থকাতা নতি কন ।।। ইতি শ্রীভাগবত•॥

कर्यकालाहलः शृ शामक्रां।

•) इंडि नेप्रज्ञावली ॥ जयध्निका।
कर्यका जी वाम् विर्णयः। जयप्रकाक
इंडि ज्ञाका। इंडि लाकशुनिका॥
कर्यक्डः शृ ्देन्पृश्वः । इंडि

(ह्रमहन्दुः॥

विभागा गर्छिनी ভবে ।। ইতি जयन क्ली जूतका मिनसाइः । जयः ।

का जित्र छ ज्विता का जिल् ।।

का आ अ अ अ अ अ विकास निया ।।

का आ ति ।। विकास निया । विकास निया ।।

खयश्वः भुः इन्पृभुवः । उर्भगीयः ।
भाकणामिनः २। इज्यानः॥ विन्दुः
२। इजि मिहिनी ॥ निवः॥ हन्दुः
। इजि विकाखण्यः ॥ जीमः ।
इजि मिहिनी॥

क्यस्तिक। जी रुझिमा । है जि बाकनियाँ ।।।

क्यशे छो शोबी ॥ रेन्प्रभू छो॥
भू अहा । रेड सि कि ।। त्रक्ष
वित्मवः । उर्भ्यायः। क्या २
उकां तो २ नात्म्यी ४ दिक्ष यहिक।
देश अतः ॥ त्रमा ७ त्राहे। १
रुक्र छ। त्रमा ७ त्राहे। १
रुक्र छ। २२ व्या ३ मूक्ष मृना २०
विकास। २२ व्या ३ म्या मृना २०
विकास। २२ व्या ३ म्या मृना २०
विकास। २२ व्या ३ व्या ३ व्या ।
उक्ष क्या विकास । क्षेति त्या धन प्रमा ।
ग्रा कि विकास विकास । विकास । विकास ।
ग्रा कि विकास । विकास । विकास ।
विकास । विकास । विकास ।
विकास । विकास । विकास ।
विकास । विकास ।
विकास । विकास । विकास ।
विकास । विकास । विकास ।
विकास । विकास । विकास ।
विकास । विकास । विकास ।
विकास । विकास । विकास ।

करः भूगुक्ष अक्ट कर के मिठि । े जाः विदृः। (ताहिनी महिठा क्का भारम ह भारति हे भी।। अर्कताका-मधामाक् कमरा भिरमा क्टिं। कर की नाम मा (भारका मर्बभाभ भूगामिनी।। इंकि जिथा मिठाँ व् कान्तः।।

कर्भव॰ क्ली जाश्रामशीय यद्धाराहिक क्लाल वका निनि:। उपथा। रेबलाक्र विजयी द्वारमा द्वावनाष्ठ-কর: পুভঃ। সদীক্ষিতো বাজি-নেধে তদ্যায় প্রেক্সিত: পশু: ॥ शामिरा नन्नागीनव मूनका বিলক্ষিতঃ। সংপ্রচেপরিভ্যান্ডঃ নৰৈ বিভিচ সংক্তা ।। ইভি वानिष्ठ द्वामायण ॥ 🕸 ॥ विवान বিষয়ক জয়বোধক লিপিঃ৷ ডিকরি इं ि इक्राको खावा। यथा। यष्ड॰ व्यवहात्राजु भूर्वभाक्षाज्यापिक• । कियावधात्राशालाउ॰ कविराख शिन निष्य ।। भ्रबं । बद्र किया युक्क निर्वाष्ठ यहा न्भः। शुरु म्रा-জ্জিযিনে লেখ্য জয়পত্ৰ তদ্চ্যতে ॥ ইতি ব্যবহারতত্ত্ব• ॥ क्यभानः भू विधिः ॥ विकः ॥ ज्ञानः । इंकि मदत्रावनी ॥ वृक्कविश्मयः। स्नान्तारे। इंडि

होता। छट्नशंगाः। नाइकः २

तिहंकः ० डिडिडीकवः ६ महीवीकः ६ मन्नाति ७ वीकः तिहनः १

सञ्जीवीकः ५ अञ्चनीवीकः २ घणे।वीकः २०घणिनीवीकः २ विश्वन्यः।

थावीकः २२ भावनीवीकः २०

हकम्डीवीकः १८। यमा छनाः।

कर्ष्यः। উष्ण्यः। विश्वहन्यः।

मीर्यकः १ क्षि क्षाम कर्ष्याम्य

नामिष्यकः १० भानकः छनः। ইতি

जयभूबकः भू भागकर जनः। ইতি भद्दश्वावनी।।

जयमङ्गः भू॰ द्राजवाद्यहरी। इंडि भक्तञ्जावनी॥ जुद्रम् ॐवध्विरम्बः । इंडि रेवम् जि॰॥

जगवाहिनी जी भनी। हेन्तुनी। हेि हिन्द्रनुः॥

जया जी मूर्गा। अगु । यूर शिख र्था।

क्यः कन्छा । वह ना क्या का द्या मा कृ

वाहकः । जयः मे मा कि मा नि कु

मा क्या शिक्क क्या थए। । क्या जी
वृक्तः ॥ विश्विति स्वाः । मा कू

क्वी या द्या मा सु ।। व्या विश्वित ।

ग क्या विश्वित ।

বিজয়।। শাস্তাবৃক্ষঃ।। নীলদূর্ব।।
অগ্রনন্ত্রকঃ। ইতি রাজনির্ঘটঃ।।
পতাকাবিশেষঃ।ইতিযুক্তিকল্পতকঃ।।
ক্যাবহা জী ভদুদন্তীবৃক্ষঃ।ইতি
রাজনির্ঘটঃ।।

क्रवामुग जी क्रइफीक्षः। ইडि

बगासा जी जनुमकी वृक्तः। इंडि

জ্যী ত্রি জ্যযুক্ত: । বিজ্ঞা । ব্থা। জগতি জ্যিনো যস্য বিশিখা:। ইতি মহিশ্নান্তাত্রণ।।

জর্য্য: ত্রি জেডু শক্য:। জযকরণ যোগ্য:।ইত্যমর:॥

कठेतः जि कर्कणः ॥ शाणुः॥ कठिनः। इंडि स्मिन्ने ॥ कोणः। इंडि रहमहन्तुः॥ कत्रायाः शूः। इंडि विश्वः॥

बत्र जी जी ज्निति। स्वः। ज्रू शर्यागः
। गर्यादिका २ जुनाना ० व्यान्या
८१ जन्ता खनाः। मधुत्र प्रः। मी ज्युः
। जात्र कप्तः। मारु त्रकः (मार्य ना निवः
। त्र हु प्रः। शम् नाः मूर्य मा ज्युः।
हे जि ता बनिर्याष्टः॥

ब्रन् क्री हिन्। न्राधीवथी। बीर्ल बि। इंटि अक्तकावनी।। बद्धाः भू॰ बीद्रकः ॥ कृष्ण्बीद्रकः ॥
(मोत्र्व वत्याः । इक्ष्णि मदद्भावनी
॥ काममन्द्रः । इक्ष्णि द्राव्यानिर्यः ॥
बद्धाः व्याप्ति कृष्ण्बीद्रकः ॥ इक्ष्रि

कत्रशक्तमः शृ॰ वाश्वकर्ग्वकः। ইতি त्राक्षनिष्णः॥

নর ও: ত্রি জীর্ণ:। ইতি সংক্ষিপ্ত-সারে উণাদিব্ভি:॥

बद्ग विं वृषः । ইত্যমরः॥ পুরাতন•। ইতি হেমচনদুঃ॥

कत्र काकः भू भूनिविष्णयः। छ० भर्यप्रायः । यायावतः २ । इंडि विकाश्रणयः॥

बद्गद्भाकः जी मनमाप्त्री। इंडि विकाश्रामयः॥

बद्र काक शिया जी मन नार हरी। इंडि मदद्रावनी।।

জরতী জী বৃদ্ধ। ইতি রাজনির্ঘণিঃ। জরদ্বঃ 'পু• জীণ্বৃষঃ। তৎপর্যাবঃ । বৃদ্ধাক্ষঃ ২। ইত্যমরঃ।।

खत्रन् शृ॰ वृष्तः। ইতি রাজনির্ঘটিঃ।। জন্তঃ পৃ॰ মহিষঃ।। वृष्तः। ইতি জিকাওশেষঃ।।

জ्तमानः थु॰ मन्युः। ইতি मिषाछ-কৌমুদ্যা মুণাদিবৃতিঃ।। ज्ता जो वयःकृ जालमा जामात्र हा ् (छमः । ७८ भर्य) यः । विज्ञा २ । ्र इंडामदः॥ **माड्** कानकन्ता । य**था ।** कालकना। बद्रा मिकाट (नाक छा। নাভিনন্দতি।স্বসার•জগৃহেমৃত্যুঃ 🖚 যায় জননে খর:॥ ইভি 🗐 ভাগ-वं । 🗱 ।। अवाः (अम् भुजित्मन हजूःवश्चे क्षाः मृजाः। मृजुरकन्ता भू जारेन्द्रव बद्रा उम्रान्द्र कन्द्रका॥ ॥ জরাচ ভ্রাতৃতি: সার্জ শখজুমতি ভূতন । এতেচোপায় বেভার নগছভিচ সংমত্যা পলাবন্তেচ তং দৃষ্টা বৈনভেষ মিবোরগাঃ। চক্ষুজ-नक्षरायामा भाषावरिखन(भृवने।। কর্ণ তৈল মৃদ্দ্ি তৈল জরাব্যাধি বিনাশকণ বসন্তে ভুমণ-বহিংসেবা স্বণ্ণ করোতি য়ঃ।৷ বালাঞ্চ সেবতে কালে জরা ত॰ নোপগছতি। খাত भी छो मकनायी (नव्छ हन्मनपुव ।। নোপয়াতি জরা তঞ্চ রিদাঘে ६निन (प्रविनः। शुक् पुरक्षामक श्वायी ঘনভোষ ন সেবতে ॥ সম্যেত স্মাহারী জরা ত নোপ্সছতি। শরাদীর নগৃহাতি ভূমণ ভত্তবর্জ-य्याशास्त्रवायी ममाहाती जता उ॰ নোপতিষ্ঠতে। খাস্তমায়ী চ হেনন্তে काल वङ्गि । निष्ववाज ॥ जूङ्क ॥ कताशुक्षः भू । इति

নবায় মুক্ত জরা ত নোপগছতি। भिभित्रश्भ्कं विश्व नरवाकामक म्बद्ध ॥ यथ्यात्काहक नारी জরা ত নোপগছতি। সদ্যো মা স नवामक वानजी कीत्र (ভाजनः॥ ঘৃতঞ্চ সেবতে যোছি জয়া ভ নোপ-गहाउ। जुड्रक मनमः कृष्काल ज्कायाः भीयत्व कवः ॥ निकुः ভূড্কে চ তাষূল জরা ত নোপগ-इि । मिष रेश्यक्वीनक नवनीजः **७था गुफ्- !! निज्यान्य जुड्ड मन्यमी** যো জরা ড॰ নৈবগছ তি। শুযুনা স• जिर्यावृष्टा वालाकं छक् १ मध्या ত পেবস্ত জরা বাতি পুক্ ইা ভাতৃ-जिः **म**ह । ज्ञात्वी (य मिंद (मवरह পু শ্চলীঞ্চ রজস্বলা।। তনুগৈতি कता क्ट्री जाञ्जिः गरु मुनाति। ₹ 🧿 वुक्तरेवदार्ख वुक्तर्थ ७ ।। 🕸 ।। कीतिका वृक्षः। ই ि भक्तिनुका।। त्राक्तभी विष्णवः।यथा। अन्यभा मिन जार्यायाः नकता (म वृश्कु-थार । ए भाजा विश् कर मृष्टे কর্যা চাভিসন্ধিতে ॥ ইভি খ্ৰীভাগৰত•া৷ बताजुतः वि कीर्गः। बतातागगुरः

। ইতি শব্দ। ।।

भक्तज्ञावनी।।

জরাভীকঃ পু॰ কামদেবঃ। ইতি হেমচন্দুঃ॥ জরাভ্যশীলে ত্রি॥

जतायिः े शृ• जतामकः । ইতি শদ্রভাবলী।।

कतायुः पू॰ (यन (वश्विष्ठा गर्छः)
कृत्को विश्विजाः। गर्ज्यकेन हमा।
व्यापन इंकि जाया। वर्ष्य भर्गायः
। गर्जामयः २ उन्च॰ २ कननः ८।
३ उप्ततः॥ क्षा। याज् हमांकृष्ठिः
मृखा कतायुः ना निगम्राउ। इंकि
महाजागवाञ जगवजी गीजा॥
. व्याप्त कात्र वृक्षः। इंकि ताकि विष्टेः॥

জরাযুক্তঃ ত্রি গন্তাশ্যজাতঃ। সভূ নৃ
গবাদিঃ। ইত্যমরঃ।ক্ষায়াত চর্মাকৃতিঃ সূক্ষা জরাযুঃ সা নিগদ্যতে
। শুক্রশোণিত্রয়ো র্যোগস্তম্মিন্ সংজাযতে যতঃ॥ তত্র গর্ভো ভবেদ্দস্থান্তেন প্রোক্তো জরাযুক্তঃ। ইতি

নহাভাগবতে ভগবতীগীতা।।
জরাসক্ষঃ পুণ চন্দুবংশীযরাজবিশেষঃ
। সতু বৃহদুথ রাজ পুত্রঃ। কংস
শ্বশুরঃ ছন্দেখুদ্ধে ভীম স্তংহতবান্
শিষ্য নাম কারণ্যথা।অন্যগান-

পি ভার্য্যাথা শকলে দ্বে বৃহদুথাৎ
। তে নামা বহি ৰুৎসৃষ্টে জর্বা

हा जिमाबा वार स्ट्रांष्ट्र बहुवा हा जिमाबा जार की विकास কী উদ্যা জরাসদ্ধো ২ ভবৎ সুতঃ।
ইতি শ্রীভাগবত ।। তৎ পর্যায়ঃ।
বার্দুথিঃ ২ ৷ ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ ।।
জরাসন্ধজিৎ পু• ভীমঃ । ইতি
ত্রিকাণ্ডশেষঃ ।।

জরী ত্রি বৃদ্ধঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।। জক্থ প্রী না শে ইতি ত্রিকা গুশে বঃ।। জর্চ শ উক্তো ।। ভক্তে । ইতি ক্বিকল্লফ্মঃ।।

জার্ছ শ উক্তো ।। ভারে । ই**চি** কবিকল্লজনং॥

জর্জ শ বাচি।। ভঙ্গে। ইঙি কবিকল্লফনঃ।।

জৰ্জ্বঃ পু• শৈলজঃ॥শক্ষ্বজঃ॥ জ্বাতুরে ত্রি।ইতি মেদিনী॥

জর্জরীক: ত্রি বহু ছিদুদুব্য ।। জরাতুর:। ইতি মেদিনী।।

জর্ম শ ভঙ্গে। উক্তো। ই**তি** কবিকল্লফনঃ।।

জর্ণঃ পু• চন্দুঃ। বৃক্ষঃ।ইতি মেদিনী ।। জীর্ণে ত্রি। ইতি হেমচন্দুঃ।।

জर्तः शु॰ (यानिः॥ इस्ती। ইতি স-क्षित्रभात्त উनामिवृद्धिः॥

कर्डिनः पु॰ वरनास्त्रविनः। ইঙি রাজনির্ঘণ্টঃ (হ্নচনুদ্রু।।

बर्डः शु॰ (यानिः॥ इडी। ইত্যুণाদि-কোষः॥ জ্জু • বার্ঝো রক্ষে 1 ইন্ডি কবি- " ুকলুদ্রুমঃ । বার্ঝঃ ভুরু ন•উক্তিশ্চ । ইতি উট্টাকা॥

सर्हिनः পু• অর্ণ্যতিল: । ইতি রাজনিঘণি:।।

কল জ ধানে । ইতি কবিকল্প জনঃ।। ধান্য • জীবনোপযোগিক্রিয়া আছা-দনধা ধন্স্য ভাবো ধান্য • সমৃদ্ধিঃ । ইতি ভটীকা।।

कन क भिशात। आहारन इंडि यावट। इंडिकविकन्नकमः॥

कन क्री (गारुनन ।। श्री (वत्। हेिं মেদিনী ॥ পঞ্জু ভান্তগ্ত ভ্ত विश्वाश जम् धर्याः। क्षर मुवद्ध शु छ। करवा शिवृक्ष । इन • शुक् द्रम विभिष्ठेक। भगा भूगा कठुक न। যথা। স্পর্নঃ সংখ্যা ২ পরিমিতিঃ ০পৃথক্র 🕏 সংযোগঃ ৫ বিভাগঃ ও পরত্ব প অপরত্ব ৮ বেগঃ ১ पुरुष: >० शुरुष: >> क्ष. >२ तमः ২০ রেহঃ ১৪। অন্যবর্ণঃ শুল্ল: রসে। মধুরঃ সার্গঃ শীতলঃ। স্নেহঃ দুবত্ব স্বাভাবিক গুণঃ।পর্নাণুজল নিত্য । সাব্যবজল অনিত্য । অনিত্য कल • जिविष्यं था। (म्र • व्यानिक •) इंन्प्रियः त्रमनः २ विषयः भिक्न श्यािनः १। ইভिভাষাপরিছে मः

॥ 🕸 ॥ जाजार शिक्ष र्यथा। क्र माञाधिकुर्दाभारज्जामा दिवरहा दि-তा<। तम माज मञ्ख्यामस्या জিস্থা রসগুহ: ৷৷ গু ৷৷ তস্য **লক্ষ**ণ• यथा। क्रिन्न शिखन जृष्टिः शुान-नाभायतामनः। जाभाभतासमा **ভূग खुमञ्जरमा वृह्यख्याः ॥ ই.ভি** গ্রীভাগবত• 🛭 🛊 🗓 অপা• শৈত্য• उथा द्वारा मुख्यु स्त्र स्त्रामाजा। জিল্পা বিস্যান্দনঞ্চাপি ভৌমানা मुनन उथा ॥ हजूर्थ माला বিজ্ঞেয় জিহ্বাধ্যাত্ম পুচক্ষতে । অধিভূত রস তত্র সোম তত্রাধি দৈবত।।ইত্যাখনেধিকপর্ব।ঞ্চ।। ত (शर्य (गरः । जाभः र जीविक् वद्य बहुनात्त्राय । वाः ७ वादि ४ निन • ६ कमन • ७ भयः १ की नान • ৮ अम् ठ २ अ जीवन १ १० जूवन १ १ ५ वनः >२ कव्कः > > উप्तकः > १ शायः ১৫ পুৰুর•১৬ সর্বতোনুথ•১৭ অন্তঃ ১৮ অর্ণঃ ১৯ তোষ -২০ পানীয -২১ নীর ২২ক্কীর ২৩ অম্ব ২৪ সম্বর ২৫ মেবপুদ্ধ ২৬ ঘনরসঃ২৭। ইত্যম্রঃ ।। जाभः २৮ जाउद्गीरवायः। जित्रवः २२ मनः २० জए २२ क २२ ए अक्ष २२५ क्नक्ष : 28 छ ए : २० एक् : २५ नात्र : ८१

ষ্ত । ইভি ভরত: ॥ গীগ্ল ।। ৪২ কুশ ৪৯ বিষ ৪৪ কাণ্ড ৪৫ अवत्र·८७ अत्र·८१ क्ली है·८৮ हत्नू 1-व्रम १८० महन १८० कबू वि १६० वि ११म ৫२ मदः ৫० मदः ৫৪ ইदा ৫৫ বাজ ৫৬ তামর ৫৭ । ইতি क्रिंधियः॥ कश्रन १५ मान्सन १० अवन ७० बन्भीय ७३ कत ७२ ঋত ৬৩ উর্জ্ঞ ৬৪ কোমল ৬৫ সোম-৬৬৷ ইতি শহরত্বাবলী॥ৠ৷ छम्। गूनाः। केष्ट्क्यायक्। मधुत्रक् क्रि**पियः। न्रीउनयः।** जुका नानियः র অব্যক্তরসত্বশাসরীরেন্দ্রিতর্গণ-व्य ॥ #॥ मूगक्षम् उम्र भूगाः । অস্পষ্ট রসত্ত্ব-৷ সুশীতত্ত্ব-৷ তব না-निवृक्षा #॥ यह मा जमा गूर्याः। बर्दः। इत्रदः। श्नवङ्काः । भर्ग रेमवान कर्मन युक्र जनगुगाः। शिहिनद् । कृभिनद् । क्रियद् । विवर्णञ्चश विव्रभञ्जश मान्तुव्श मुर्ग-**ন্ধিত্বণ অহিভ**কারিত্বক্ষ মঞ্চা দিবা স্যাকিরণ রাজিচলু রশ্মিজুই জল शुगाः। अक् कप्। अन् कियुनिस्प्रः। गरागात्रुजुनाजुक ॥ 🕸 !। जाधात्र जनगूनाः। व्यापुर । मीनावर ! मधुत्रवः। नशुक्षः। 🛊 ॥ वर्षाकानीन कवगुगाः। गुरुषः। चित्रानित्वः

। मध्रद्वः। मात्रकद्वः ॥ 🕏 ॥ भद्र कानीन बनगुगाः। अनिख्यु-मित्व वयूवक ॥ 🖝 ॥ रेहमजिक बनगुगाः। त्रिअवः। वन्। वृश्वः । हिउकातिषु । गून पुष्ण ॥ 🗱 ॥ শৈশির জলগুণঃ৷ কফবা তনাশিত্ব । रेशिकार किक्किन्नमृत्य ।। 🕬। दामिष्ठिक कलगुनाः। कवायवः। भव् द्रवः। वन्।वः। कक्ष्यभा स।। रेगुमिक वनगूनः। अनिख्यानित्वः ॥ 🗱 ॥ नोउन जनगुषाः । स्न सूर्वा ছদি পিভন্ন শুন কুম ত্যা দাহ नमाज्य विष नामिष्यः॥ 🕸॥ शव-নাহত ধারাপাত জলগুণঃ। বিষ্ট-ञ्जिष् । मू जंतप्रधाक्षाक्षाय अ व वीन्त শীতল তৎ শৃতশীত তস্য গুণঃ। विद्याप नामिष्य ॥ क्षा कलम् সিদ্ধ কর্ণপুকার: ৷ ছেমন্ডে শি-শিরে পাদহীন বনম্ভে পাদছিত গুৰিম শর্ৎকালযে। রজাবশেষিত वर्षाम्रहावर्ष्यिङ । दिवा निष्क कनः द्राजीगुक द्रावित्रिकः दिवा-शुक्र ।। 🗫 ।। श्रू भुदाभि उ णूक वड পূত নূতন মৃৎপাত্র জল গুণ:। मक्न कि कारिष्। का शकीर्प कलाभाषयः कीर्ग वलनुष्टः आहात्र কালে আযুর্জনক ভুক্তামোপরি

वात्वो न (११४० । छ ॥ त्रावि (मार्य **छवनानगुगः। काम श्वामाञीमात्र** ঁজ্ব ৰনথ্কতী কোঠ কুণ্ঠ মূত্ৰাখাত উरतार्भः थयथु गल श्वितः कर्ग नामा চক্রোগ বাত গিত্ত কফ ক্ষযত্ত রোগ নাশিত্বণা জ্ঞানেঘশূন্যরাত্রি শেষে নাসিকা রক্ষেণ জলপানগুণাঃ । वृष्ति कातित्रः । ठमू व्हिंडव्। वनी शिनि अर्द्धांश नामिव्याक्षा का बनक्ष्वु विविश्वाङ तस्त्रीकास्त्रवः বুবাঃ। ধারঞ্জ কারককৈব ভৌষার• হৈন নিত্যপি।। ইতি রাজনিষ্টঃ ।! 🕸 ।। ত্ৰিতায রোগিণেপি জল• (मय॰ यथा। शानीय॰ भागिनाः भाग उपायल हि कीयन। उदाः नवीदवङ्गम् न कृष्ठिषाति वार्यप्रज || ॥ अवानािश विना कछः भागान् **খ**ার্যতে চির•। তোষাভাবে পি-शाना डंक्स्पाट शारेन विमृहारक॥ ত्विতा भार गागां भागां भागां शुगान् विमूक्षि । जमाञ्जल নবশ্যু হি দাত্তব্য ভেষজৈঃ সম্ ॥ ইতি রাজবল্পভ:॥ 🏶॥ পাদেন यहेमूयाभा जाजान भृत्रायक्जन। । তজ্জল• মদিরা তুল্য• ভাগুঙ্গ• সুর্যা সম ।। ইতি কর্মলোচন

॥ 🗱 ॥ उन्। मान माराष्ट्राः वथा । व्यामहास्त्र नात्राम् भागाम्स **७ व बुर्ड । भाग माना कि शहन**॰ ৰ দান নিহ বিদ্যতে ॥ অন্ন বাপি পু जविज भागीया ८ कुक अखन। नीव बाउन हि विना न किक्षिट স•পুবর্ত্তে॥ অলৌষধ্যে। নহারাজ वीक्षक जानाक्षताः। यकः भाग ভ্তা পুৰাঃ সম্ভবন্তি বিশাস্পতে ॥ उत्राट भानीय मानारेष नभन् विम्राङ कृष्टिश उह प्रमानदा नि-**७**९॰ यमीहि कृठि माञ्चनः ॥ **५**नऽ॰ य मात्रा मात्रवा॰ अनसान निष्टी-চ্যতে। শত্শচাপ্যধিকৌত্তের সদা ভিষ্ঠতি ভোষনঃ ॥ সর্ব কামান-বাপেতি কীৰ্ত্তি কৈবেহ শাখতী। ্ৰেত্ৰ্য চানন্ত্য নশাত্ৰি পাপেভাঙ্গ পুন্চ্যতে।। তোষদে। মন্জ ব্যাঘু यर्गः भदा महापूर्छ। अक्यान् म मवारा । जि लाकानिका श्रुपीय नः ॥ इंडि महा जातं जं मान ध्याः॥ %।। একহতে গৃত তে ।। ভাল কাত সর্ব সমত । ইতি বুক্ষ বৈবর্ত্তে জ্ঞা-थ ७ ।। 🌣 ।। উष्कृ उ । वाग्र्र छन যভোশ পিবতি দ্বিজঃ সুরাপানেন ভল্য ন্যামনুরাহ পুরাপতিঃ ॥

क्षेत्र नगूः॥
कामः विकामः। विकामिनी॥
कामकार्यकः शुः मृत्रावेः। भानीका
केवि ভाषा॥ मानीवः। विवि श्रादीकेवी॥

জলকপিঃ শু• শিশুমারঃ। ইতি হারা-বলী।।

कलकब्दः श्र॰ नाबित्कणकल॰॥ शना॰॥ भड़ः॥ कललजा॥ स्मयः। ইভি মেদিনী॥

জনকরঃ পু শ্বালঃ। ইতি হারাবলী জলকাকঃ পু পক্ষিবিশেষ:।পানী-কৌডি ইতি ভাষা।তৎপর্য্যায়ঃ। দাত্যহঃ ২ কালকপ্তকঃ ৩। অস্য মা সগ্ণাঃ। স্থিপান্ত হিমা ব্যাও মা সংজল পক্ষিণান্ত বাতহর । ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

জনকাদ্ধ: পু• জী হন্তী। ইতি ত্রিকাপ্রশেষঃ॥

জলকাছুন পু• জী হন্তী।ইতিহারা-বলী।।জলাভিলাবিণি ত্রি॥ জলকাম্বারঃ পু• বক্ণঃ।ইতি হেম-

कुम् ।।

হলকামুকঃ পু• স্টুমিনীবৃক্ষ:। ইতিরজনিধাটঃ॥ হলকিরাটঃ পু• পুাহঃ।ইডিহারবলী कनमङ्गी जी गनाहिली। इंडि राजानणी॥

জনসকুভঃ পু জলচরপক্ষিবিশোযঃ
। কোডাপাথি ইতি ভাষা। তৎ
প্যাবঃ।কোষ্ঠিঃ ২ শিথ্রী ৩।
ইতি হেনচন্দুঃ॥

জনসভলঃ পু॰ শৈৰাল•। ইঙি ভূরিপুযোগঃ॥

अनकृशी जी कृशगर्छः॥ शृइतिनी
। इं जिस्मिनी॥

কলকৃষাঃ প্• শিশুনারঃ। ইভি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥

জলকেশঃ পু• শৈবাল•।ইতি হারা-বলী।।

क्रवकी पा जो नर्पारोवयम्प्रामि जिः गर क्रव निः क्रिभामि क्रशकी पा। उट्शर्गायः। क्रवशक्र व्याजुकी अक्रवशिका ४। है जिस्राविती॥ क्रवश्याः श्रु क्रवावर्जः॥ क्रह्भः ॥ क्रवाव्यः। हे जिस्मिनी॥

बनकः भू॰ महाकानः। ইতি রাজ-নির্ঘটিং।।

জলক্ষঃ পু॰ জনক্ষঃ। চাণ্ডালঃ। ইত্যনরটাকাষা ভরতঃ।।

कलहाती पु॰ म् न्राः। इंडि म्य-इन्द्रिका॥ कलहात् वि॥ काज के की शत्रा भन्नः। ইতি মেদিনী | कवाजानः পু• ইল্লীশনংস্যঃ ইতি ্॥ কোশার-। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥ बंगकः श्रु मट्मुः। ইতিশদ্দ्रान्तुक। ।। জলে নিবাদাৎ সম্ভীর শিশু-गातामयः। वयाः नाःन गुनाः। गृक्षः। উक्षः। मधुत्वः। त्रिक्षः । বাত নাশিত্ব। শুক্র বর্ত্ধনত্বঞ্চা इं 🗗 दाबवल्ल जः ॥ विज्जनवृक्षः ॥ रेनवनः ॥ वानीतवकः ॥ नहः । ইতিরাজনিঘটঃ॥ স্পীলুঃ। ইতি छाव शुकानः ॥ कर्क है भीन अ छ রাশ্यः मक्तरम्यार्क्शः। ইতি मी शिका। जनकार वि॥ बनकरः शु बनकशानी। उरश्यामः । गामः २। ইত্যমরঃ॥ बनबल्का की बानोका। इंडि ভর उः कन्डम की अन्य । इंडि (स्मिन्नुः। कत्रव्या जी कृत्वयः। ज्रेकान ইতি ব্ৰহ্মান ইতিত ভাষা।ইতি ভাবপুকালঃ॥ কলজিল্বঃ পু॰ নকঃ। ইতি হারাবলী।। कलि पिषः शुर मध्कः। ই कि श्राक्षाविशी জলতাপিকঃ পু॰ ইল্লীশমতস্যঃ॥ কাকচান্ত্ৰ্যঃ।ইতিশ্বরহাবলীঃ। জলতাপী পু• ইল্লীশমৎস্যঃ।ইতি

भवत्रवावणी।।

ত্রিকাওশেবঃ॥ জলতিকিকা স্ত্রী শলকীবৃক্ষঃ ইতি রাজনিঘণীঃ॥ बलवा जी ছ ध । ই ि श दावनी ॥ जनमः शृ· (मयः॥ मुखक•। ইতি (मिनि ॥ जनमानक अंति वि॥ জলদাগনः পু• वर्षाकानः। ইঙি वाजनियणः॥ जनमामनः श्र मानव्कः। इंडि भाष हिम्मू की।। জনধ্রঃ পু॰ মেঘঃ॥ মৃস্তক৽। ইত্যম্রঃ ॥ সমৃদুঃ। ইতি হেমচনদুঃ॥ তিনিশ বৃক্ষঃ। ইতি রাজনিঘটঃ ॥ জল-ধারিণি তি॥ कल्दिः शु॰ ममूमुः॥ ममानकु मङ्गा । সাতু **শত লক্ষ কো**ট্যঃ । ই**ডি** नीनावजी॥ ॥ जनविशा जी नहीं। इंडि एमहन्दुः॥ রলধিকা জী লক্ষীঃ।ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ 11 कलनऋलः शु॰ कलङ्खित्राभवः।

शांखिया इंठि উদ্বিভাল ইতিচ ভাষা। তৎপর্য্যাयः । উদুঃ ২ জল-मार्जातः ७ कलाशुः १ कल्लावः ६। ইতি ত্রিকাণ্ডলেষঃ ম জলবিডালঃ ৬ नीরाथः १। ইতি হারাবলী ॥ भानीयनञ्जनः ৮ বসী ১। ইতি হেমচন্দুঃ॥

कनिविः शृ॰ ममुद्दः। ইত্যমরঃ।।
कनिर्गमः शृ॰ श्वाकातगृर िख्यादियू कनि निः मत्रभागः। ইতি ভর ठ
।। দেব कन श्वाकाता दियू कन
निः मत्रभवातः। ইতি मर्तानग्दः।।
उट भर्यायः। जुमः २। ইত্যমরः।।
वक् • ० शृष्टि छमः ८। ইত্যমরः।।
कनिनी की मिवान। ইত্যমরः।।
कनिनी की मिवान। ইত্যমরः।।
कनिनी की मिवान। ইত্যমরः।।

তিস্যোৎপত্তি কারণ যথা।

শিব দুষ্টু শিবলোক গড়া ত্রক
ভ্যানক পুৰুষ দুষ্টা ত পুলংগুলঃ
পপুছ ইশ্বঃ কুদ্ম স্ত বজেণ স্থান
দদৌ ইন্দু: কুদ্ম স্ত বজেণ স্থান
ততো কদু স্তেজ্যা পুৰুজ্বল তত
ইন্দ্রেলাভীত স্থান্য তৃষ্টাব কদু স্তুষ্ট
ইন্দ্র দাহার্থোৎপন্ন ভালনেত্রস্থ
বহি গৃহীত্বা গঙ্গাসাগর সঙ্গন
পুলিপৎ ততঃ স বাল ক্রণো
ভূত্বা করোদ তস্য রোদন শদেন
সপ্তলোকা ব্রিরীক্তা স্তম্ভুরাবুক্ষা
বিমিত স্ত্রা গত্য ত বাল সমুদ্
কোডে দৃষ্ট্যত পপুছ কস্যায পুরঃ

जगुम् उ॰ भूगस्मावात सम भूबः यमा बाठकर्यापि क्य रेज्ःक्। वुकारकारफ मरनी म वान खंगा শানু, দধার শানু, গুন্তো বৃহ্ণণো (नवाज्या कल मगगर तुला ममून् मुवाह यमाम्यान मन (नवाज्याः নিৰ্গত জল গ্ৰহ তম্মাদ্য জলদ্ধর নামা অধুনৈব সরশাস্ত্রবেতা কৃদু• বিনা সর্ব ভূতাব্ধ্যুক্ত ভবিষ্যতি ইতৃক্তাশুক্র নাছ্য তনাসূর রাজ্যে न्यानभाग्य म कानातिम मुजा क् न्तायुगरराम। इंडिभाष्मा इतथ ७• জলগতিঃ পু॰ বৰণঃ।ইতিহেমস্লুঃ ॥ समुनुः। अशु जिति छ। सत माना ८ জলপারাবভঃ খু প্রিক্রিশ্বঃ তৎ পর্যায়ঃ কোপী২ চলকপোতঃ ৩1 ইতি রাজনিঘটঃ॥

जनशिवः क्ली यशिः। ই তিশपश्चावनी जनशिवनी खी शिश्ननी दिस्मयः। जन शिश्ननी है जि हिन्सी जाया। उद्भग्नीयः। महाब्राष्ट्री २ मात्रमी उद्भग्नीयः। महाब्राष्ट्री २ मात्रमी उत्भग्ना ७ नाक्ष्मनी १ मञ्चा-प्रनी ৮ यशिक्षाना २ हिं जुनकी २० भागना २२ ज्नमी जा२२ वर्ण्या २०। यमग्रान्नीः। कर्षेषः। जिक्का। क्वायद्व । भवाष्णाधनद्व । तुन की । हारि राष त्रमराव नाष्णद्व ।

े वि तां जनिर्घ है ।।

बन्धुं जो रेगवान । ইতি गद्रिका॥

জলপায় কী জল বহুল স্থান । অনুপদেশঃ । ইত্যারঃ ॥

कनिश्यः १ । ठाउकशकी। ইडि भदादावनी ।। न्याः । ইडि भदादावना।।

कनपुरः शु॰ जनगणनः ইতিহারাবলী

জলফল• ল্লী শৃস্টক•। ইতি ভাবপুক:শঃ॥

জলবন্ধকঃ পু॰ জলমধ্যগি সোঁতো ভেদকর দাক শিলাদি। তৎ পর্য্যায়ঃ। বিদারকঃ ২ কৃপকঃ ১। ইতি শদ্রত্বাবলী।!

कलवत्तः श्रु ग्राह्माः। इति भय-हिन्द्रिका।।

कनवृष्ट की जन विष्यः। यथा। मान्त्यः करनी उम्र निः मास मात्र मार्गः। यः करता जि म वि गृहा जनवृष्ट्र मिक्ष उप्य उर्।।

कनवृक्षी श्री शिनामाही। इंडि

बन जूः पू॰ (नवः।। कक्षरे॰। इंडि

भवितिमुका॥ जनमूहः भू भट्मात्रक्षकी। इंडि श्रातवी॥

জলনপ্কঃ পু॰ নধ্কবৃক্ষ পুভেদঃ
। জলনহা আ ইতি ভাষা। তৎ
পর্যায়:। নক্ষাঃ ২ দীর্ঘপত্রকঃ ৩
নধুপুরুঃ ৪ ক্ষোদুপ্রিয়ঃ ৫ পতকঃ ৬
কীরেষ্ঠঃ ৭ গৈরিকাখ্যঃ ৮। অস্য
গুণাঃ। নধুরত্ব। বুণ বাস্তি নাশিত্ব।
শুক্র বল কারিত্ব। শীতত্ব। রসাযনত্বক্ষ। ইতি রাজনির্ঘটিঃ।।

জলম্সিঃ পু• মেঘঃ।ইতিহারাবলী।} জলম্ফিকা ন্ত্রী বারিক্মিঃ।ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।

জলনাৰ্গঃ পু• পুণালী। নৰ্দ্মা ইঙি ভাষা। ইডি হেমচন্দুঃ॥

अवा। सञ्चरनम् ३ .. जनभार्जातः शुः बननस्नः। **ই**डि ইতি ত্রিকাওশেষः॥

জলমুক্ পু॰ মেঘ:। ইত্যমর:॥ জলমুর্ত্তি: পু॰ শিব:। ত্স্যাষ্টমূর্ত্তি পূজাযা। তিথ্যাদিতত্ব।।

जनमृद्धिक। जी कत्रका । ইড়ি শহতिमुका॥

জলমোদ ক্লী উশীর । ইতি রাজ-নঘণ্টঃ।।

ब्रन्य अगृर की बन्न ये क् उग्र।

हिल है कि कागातात्र घत है कि छात्र। उट्शर्य है। त्र मृत्र् है । त्र मृत्र् है । हिल कि का छाला ।। हिल खल-निक् का छाला ।। हिल खल-निक् का छाला ।। हिल खल-खल मिल्त • ८। यथा। इहि हि कि का लि सामा।

बनत्रकः भू• वंकभकी। ই छि (इस हम्मः बनत्रकः भू• माज्रहभकी। ই छि इनायुषः॥

कनत्रक्षः े शृ॰ वृक्षभकी । ইতি (रुमण्युः॥

জলরসঃ পু• লবণ।ইতি হারাবলী॥ হ জলকট্ পু• পদ্ম•।ইতি হেম্চনুঃ॥ জলকহ• ক্লী পদ্ম•।ইতি হেম্চনুঃ॥

জলকপঃ পু• মকর:।ইতি ত্রিকাণ্ড-শেব:॥

कननजा जी जत्रकः। ইতিহারাবলী॥
कनवत्रणःः पुः जनवनग्राधात्राः।
भागीवमञ्ज ইতি ভাষা । उट भर्यायः। (मागः२ हिंजिहातावधी॥

कनवन्तः भू॰ कञ्जिका । भागा इठि ভाषा। इठि हातावनी ॥ कनवन्नी जी भृष्ठाहेकः। इठितान- निर्घणेः ।

खनवायमः पूर् मुमुशकी। शानी को डि इंडि ভाषा। इंडि (इमहत्त्रः॥ कनवानकः पूर् विकाशबडः। इंडि (इमहन्मुः॥

জলবালিকা স্ত্রী বিদ্যুৎ। ইতি হেম-চন্দঃ॥

জলবাস লী উশীর । ইতিরাজ-নিঘটঃ।।

জলবাসঃ 'পু॰ বিষ্ণুকন্দঃ। ইতি রাজনিহ'টঃ॥

बनवारः भू॰ भिवः। ইতি হেমচमुः॥ बनविजानः भू॰ बनमन्नः। ইতি হারাবলী॥

जनित्मुका खी यावनानी मर्जद्रा। इंडिदाक्षित्रचं है:।

जनितः भू• कर्व हैः। भक्षादः॥ जनह्वत्र•। हा उत्तजन है डि ভारा। हेडि मिनिरी।।

জলবিবৃব লী তুলাস কান্তি। তৎ
পর্যায়: । আখিনচিক্লিত ২ ।
ইতি শদর্মাবলী ৷ চক্রবিশেষ:।
যথা। সান শিরে ষণ্মথ পঞ্চ বৈর ও
বক্ষত ভূতি বহু বিভূলাভ:।
ভোগ: করে ষট্পদ্যোস্ত ষট্কে
ভীতি ন্ণা স্যাদ্বিবৃব্স্য চকে ॥

् -मार्यवृथः। ইতি गनाग्रः॥

कलत्किकः शुः विक्वेन रगः। তি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥

ললাবতসঃ পু• বানীরবৃক্ষ: হতি वाजनिघं छैः॥

कनवः थः शुः कह्वार्रम् रा ইতি ত্রিকাণ্ডশেবঃ॥

कनव्यानः शु॰ यनगर्म नर्गः। ইত্যন्तः । কুরকম। জলজন্তঃ। ইতি রাজ-निघणः॥

জলশ্যঃ পু• বিষ্ণুঃ।ইতি ছেনচন্দুঃ॥ জলশ্যন: পু বিষ্ণুঃ ইতি হলাযুধঃ॥

कन्मायी नु विक्यायथा। कन्मारश বরাহঞ্চপাবকে জলশাযিন। ইতি भुद्रागः ॥

क्रवम्किः जी मध्कः। इंडाप्रतः॥ শানুক ইতি জলসীপী ইতিচভাষা । তৎ পর্য্যায়ঃ। বারিশুক্তিঃ ২ কৃমি-শুকি: ৩ ক্ষুদুশুক্তিকা ৪ শস্কা ৫ নরশুক্তিঃ ৬ পুষ্টিকা ৭ তোযশুক্তি-কা ৮। তস্যাগুণাঃ। কটুত্ব॰। স্থিপন্ন॰ । मीशनवः । गृन्य म्न वियमात नार्मिषु । क्ष्ठाषु । भाठनषु । वन माञ्जूक। ই**তি রাজ**নিঘ[্]টঃ॥ कनम्क की रेगवान । इंडि इन जन्मः

যিমিন্কে বসেডানুঃ স্থাৎ সাল জলশুকর: পু সম্ভীর: ।ইতি হেম-**ह•एः॥**

> जनमिंगी जी जानोका। इंडि (इमहमुः॥

> জনস্চি: পু॰ কক্তোটন্স্য:॥ শৃস্টিং॥ শিশুমারং॥ কলৌকাযা• ञ्ची। इंडि (मिनि)। काकः। इंडि (र्यहन्मुः॥

कवज्रा क्षी गलमूर्व। इंजिताकनिर्यणेः कलरु क्ली अनुकलयखग्रु। ই**ডि** ত্ৰিকাণ্ডশেষ:॥

জলহাস: পু॰ সনুদুফেন:।ইতি ত্রিকা গুশেষঃ॥

জলাকা জ্রী জলৌকস:।ইতি শব-बङ्गावनी॥

জলাখু: পু॰ জলনসল:। ইভি ত্রিকা-

जनाक्षन ही ऋाजावादिनिर्गमः॥ रेमवान । इंडि जिमिनी ॥

बनारिनः शु • कक्षशकी ।इंडिरामिनी बनारिनी की बालोका। इंडि स्मिनी। जनाण्कः शुः नकताजः । इंडि रावावनी ॥

बना ७क॰ क्षी लाजादान । इंडि ग्द्रबङ्गावनी॥

बनाजिका औ बलोका। ইতি

भवित्रवावनी ॥

कलाक्षातः भु॰ कलाभयः। ইউ। मतः॥
कलाक्षिरेष्ठः भु॰ वक्षाः। ইতি

हलायुषः॥ भूर्वावाजा नक्षां की।

हेिं क्षांठिष्ण।

জলাখিকা জ্রী কূপঃ। ইতি হারাবদী ।। জলাগ্রিকা ইতি কৃচিৎপাঠঃ।।

कलायुका खी कलोक।। इंडि मद-त्रञ्जावली॥

कलामुं: शु॰ वामु वञ्च॰। ইতি हातावली कलामुं जी क्रिमवज्ञः। ইতি হেনচन्দुः

জলার্ণব: পু॰ ব্যাকাল:। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ:।। জলসমুদুশ্চ।।

জলালুঃ পু• পানীযালুঃ। ইতি রাজ-নিঘটঃ॥

জলালুক• ক্লী পদাকন্দ:। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ।।

জলালুকা স্ত্রী জলৌকা।ইতি শব্দ-রহাবলী।।

बनात्नाका जी बत्नोका। इंडान्ड होकायाः ভরতঃ॥

জলাবর্ত্ত: পু• জলপুন্ম:। অম্রসা• ভুনঃ। ইতি জটাধর:।।

कलानय॰ को উশীর•।ইত্যমর:॥ লামজ্জক•।ইতিরাজনিঘ্ট:॥ কলান্য: পু• জলাধার:। সতু পুয়ৢরি- गामिः। इंडामतः॥ ममूपः। इंडि रूमहन्दः॥ म्याहेकः। इंडि तान-निघणेः॥

जनाया जी गृथानात्कः। ३िंड त्राजनिष्णेः॥

कनाम्यः श्र॰ वृडगू ७ ज्१० । ই उ

জ শুবা স্ত্রী শ্লীতৃণ ॥ বলাকা । ইতিরাজনিঘটিঃ॥

कनाक्षीना खी शुद्धति। इंडि श्रात्वी।।

জলাস্থ্য ক্লী উৎপল । ইতি রাজ-নির্ঘটঃ।।

बनाको जी बनिश्ननी। इंडि मद-तदावनी॥

জলিকা স্ত্রী জলৌকা। ইত্যমর টীকাষা ভরতঃ॥

জনুকা স্থ্রী জলোকা। ইতিশব্র জাবলী জলুকা স্থ্রী জলোকা। ইতিহেনচন্দুঃ॥ জলেচরঃ পুণ জলচরপক্ষী। সতু হণ্স নদু বকাদিঃ। তম্য নাণস গুণাঃ। গুক্তবং। উফত্বং। শ্রিকত্বং। নধুরত্বং। বিষয় নাশিত্বং। শুক্ত কারিত্বঞ্চ। ইতি রাজবল্লভঃ॥

जलहरा जो रिडण्डात्कः। **रेडि** मनद्रवावनी॥ कारणजानः जी भग्नः। इं जिलकत्र द्वान नी कृत्यकः गुः वक्षाः ॥ मारु। मिशः॥ कर्तिकः। के कि स्मिनी॥ स्वाह्यः गुः बाउवाद्यः । ইं कि जूतिभूरगणः॥

करवक्श जी सर्वेशनीद्कः। ३७ द्राजनियणेः॥

জলেবাহ: পু• জাতিবিশেষ:।

ডুবক ইতি ভাষা। যথা। জলেবাহানথাভূব বহু•সত্ত ন্যবোজ্যথা
তথকুত্বা পরন• বত্ত মাপুরাভরণ•
ন তথা ইতি পাদ্মেপাতাল্য ড॰।

वाज्ञणमः भुः म्हाः । हेडि विकाशणमः॥

জলেখর: পু• বক্ণঃ।ইতিশ্বরহানলী ॥ সম্রুত॥

জলোক। ত্রী জলৌকা।ইভ্যনর ট্রাকাশ-ভরতঃ॥

कालाहानः मु॰ कलानय॰ महिभूगं जनविक कलरा मई (ठा वहन॰ है छि (ककृष्टेः ॥ जनविक कलरमाभारिय निद्यानन॰। है छि सानी ॥ कलाजुः-शहरय शुद्धि शामानुभारम कल निद्याननः है छिमर्सस्था (मजुङ्कामि छायन कलानयानुभारिय क्रिन वहन-सुद्याः है छात्रा। भूमुद्धिशास्तो कल

পুরেশার্থ ম্পায়ো মুখান্ ইভিখ্যাত ইত্যেকে। ইক্তি ভন্নতঃ ॥ ভৎ পर्यायः। भद्रीयाष्ट्रः २। ইত্যमद्रशा **कत्वामतः ही अठेशास्त्रश उन्छ निमा-**नामि यथा। यः (द्वर शीलाभान-বাসিক্তে। বা বাস্তে। বিব্রিক্তো প্যথ वः निक्षाः शिवञ्जलः भी उन मानु তদ্য সোতাংশি দুগ্যন্তি হি তদ্ব-रुगि ॥ एएश्रिकेष्ठच्यात्रि তেবু দকোদর। পূর্বদভ্রপৈতি। গ্রিখা নহত্ত পরিবৃত্ত নাভি সমা-लं भिनायुनाम।। यथा मृजिः ক্ষু ভ্যতি কন্সতেই শব্দাৰতে চাপি मरकामत्र १ । जन्म देनरवामत्र अर्दः পু।यः कृष् ज्ञा म जः। दिन छ एका-ভাষু যত্ন সাধ্য নবোপ্থিত ৷৷ ইঙি माध्यक्तः ॥

कल छना औ नत्र्वाकी।**३७** त्राकनिर्धणैः॥

জলোভূতা দ্রী ওণ্ডালাজুপঃ। ইতি রাজনিদটঃ॥

জলোরগী ত্রী জলোক।।ইত্যমর টীকা নারদৃদ্রী॥

জলৌধনঃ জ্রী চনৌকা। সাভবছারস-নাভোহন•শহঃ। ইত্যুদরঃ ৷৷

জলৌকসঃ ভি জলৌকা।ইত্যমর

डालुन

ोिकानाः রাষমুস্টঃ।।अकाরा**স্ভো**ষः बादोकाः खी बादीका। इंडि ভরতঃ।। बालोका जी बन बयु विस्मयः। (काँक ें जि जारा। जर्भयायः। तक्ना ২ জলৌকসঃ ১। ইত্যনরঃ ॥ জল্কা 8 जलाका ৫ जलोकाः अंजलात्रगी १ जनायुका ৮ जनिका ৯ जना जुका २० बन बन्त करा २२ (वर्ग) २२ अनालाका > अलोकमः >8 । बालोकमी २५।इंडि खन्नउः ॥ জলৌকস• ১৬ জলৌকসা ১৭। ইভি রাযমুসট:॥ রক্তপাযিনী ১৮ রক্ত-সন্দলিকা ১৯ ভীক্ষা ২০ বমনী ২১ कनकी वनी २२। इंखि द्राक्षनिर्घणेः॥ রক্তপাতা২৩ বেধিনী ২৪ জলসর্গি-भी रद बनमृहिः २७ बनाहिनी २१ জলাকা ২৮। জলপটাত্মিকা ২৯ कनिक। ७० जनानुका ७১। ইতি मक्रवावनी।।

জল্ল ০ বাচ।ইতি কবিকল্পদ্যালা ইতি ত জল্ল: পুং বিজিগীবোঃকথা। পর মৃত
খণ্ডন পূর্বকং স্থ মৃত ব্যবস্থাপনং।
ইতিজটাধরঃ গৌতসম্চা।কথাচা।
জল্লনং ল্লী কথনং। বথা। কিংসিখ্যা
শত জল্লনেন সততং রে বজুরামং
বদ। ইত্যুক্তিঃ মা

জন্নাকঃ ত্রি বহু সংশিতভাষী।
তৎপর্য্যায়ঃ। বাচালঃ ২ কুটাটঃ
৩ বহু গর্হ্যবাক্ ৪। ইভ্যারঃ॥
জল্লিড ত্রি উক্ত । ইভ্যানরঃ॥
কথনে ল্লী।।

জবঃ পু• বেগঃ ॥ বেপবতি ত্রি। ইতি মেদিনী॥

कवनः श्रे (वर्णः। इंड)मद्रः।।
कवनः श्रे (वर्णः। (वर्णणूकार्थः॥
कवनः श्रे (वर्णः। (वर्णणूकार्थः॥
कवनः। इंड (इम्म्पूरः॥ श्रीकाती
मृगः॥ (घार्षकः। इंड द्राक्षनिर्थिः।
।। (यह्कांडिविष्णदः। अत्र श्र्वं।
कवनपरणाख्यः कविय व्यामी
मर्गद्र द्राक्षनाम् मर्वाण्द्र। यूक्षनः
मर्वथ्यं वर्ष्ट्र उद्दक्ष हकात। इंडि
इति भाः॥ (वर्णणूक वि। हेडि
भिन्नी॥

জবনাল জী ফলবিশেষ:।জনার ইতি ভাষা। অস্যগুণা:। স্বাদুর্। শীতরণ বাযুকারিরণ কফ পিত্ত নাশির্ঞ।ইতি রাজবল্লভ:॥

বনিকা জ্রী ব্যবধায়কবন্ধ। কানাৎ ইতি ভাষা। জুংপের্য্যায়ঃ । পুতিসীরা ২ তিরক্ষরিণী ৩। ইত্যমরঃ।। যুবনিকা ৪ যুম্নিকা क वित्रकातिगी ७। इंडि उड़ों का ॥

क वित्रकातिगी ७। इंडि उड़ें का व्याप्ती। का ना ८ इंडि
डिंग्डें। उपवी एक दे । हेंडि एक महत्र । विव्या का का का का महत्र । विद्या का महत्र । विद्या का श्री अना मथ्या उप्रमुद्ध का ना । विद्या अवा मथ्या अव्या मुंग्डें। विद्या अवा म्यू । विद्या अवा म्यू । विद्या अवा म्यू । विद्या का विद्या । विद्या का विद्या । विद्या का विद्या । विद्या विद्या विद्या । विद्या विद्या विद्या । विद्या विद्य विद्या । विद्या विद्या । विद्या विद्या विद्या । विद्या विद्या ।

क्रवानि ज्ञी जूगिकपुराउपः। उद शर्यायः। गक्रवाकः २ कृञिनः २ मृगवर्षकः ८ मगृरुगकः दिगकाण्डः ५ निर्थानः ३ कष्टुर्यामः ५ जूगक्रिडन निर्यानः ३ कष्टुर्यामः ५०। जमुद्राकः १। । नीवजवः। निष्यवः। व्ययः भिक्वः। नीवजवः। निष्यवः। व्याउत्प वरुनार्याः। प्रावाक्षः । याजत्य वरुनार्याः। प्रावाक्षः । वाक्षवः। प्रमुग्नः। प्रावाक्षः। वाक्षवः। प्रमुग्नः। बवाधिकः : शू॰ विगाधिकसार्धेकः । इञ्ज्ञातः॥ शिक्ष्मिय विगयुक्त बि॥ बवाश्रुत्रः क्री अपुश्रुत्रः। ইতি मस्त्रद्वा-वनी ॥

জবা ত্রি বেগযুক্তঃ।ইতি হেমচন্দু:॥
উষ্ট্রঃমঘোটকঃ।ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥
জব ঞ বয়ে। ইতি কবিকল্পদ্দঃ॥
জস ইর য'উ সোক্ষে।ইতি কবিকল্পদাঃ॥

জস ক বধে।। অনাদরে। ইতি কবিকর্জ্মঃ।।

জস ই ক রক্ষণে।ইতি কবিকল্ল সং॥।
জসুরিঃ পু• বজু•। ইত্যুণাদিকোষঃ॥
জহকঃ পু• কালঃ। ইতি ত্রিকাপ্তশেষঃ
॥ত্যাগকর্ত্তরি ত্রি।ইত্যুণাদিকোষঃ
॥ বালঃ॥ নির্মোহঃ॥ নির্মোকঃ।
ইতি স•ক্ষিপ্তসারেউণাদিবৃত্তিঃ॥
জহা জ্রী মুণ্ডিতিকা। মুণ্ডিরী ইতি
ভাষা।ইতি শক্চিন্দুকা॥

জহানকঃ পৃ• পুল্যঃ।ইতি হেমচন্দুঃ।।
জয়ৢঃ পৃ• বিষ্ণুঃ।। রাজবিভিদঃ।
সচন্দু বৃ•শোদ্ভব কুক রাজ পুতঃ।
গঙ্গাগনন কালে যেন গঙ্গা পীতা
পুন ভগীরথ পুথেনেন উষ্ণ ভিত্ত্বা
বহি নিগমিতা তেন না জাছ বীতি
খ্যাতা।ইতি রামাযণং।।

सह उनमा जी गद्या। इंड,महः॥ सह मृजा जी भद्या है जिल्लामिय है। सक इन ए माम ॥ गट्यो। इंडि कविक्तमाः॥

कक् क मून जिल्हा। शासा है डि करिकत्रक्षमः॥

জক্ষণ ক্লী ভক্ষণ । ইতি হেন্দ্রা। ঃ পু• জন্ম। ইত্যমন্ত্রীকা।।

জন্ম পু॰ শহরোগঃ। ইত্যার-টাকাযা ভরতঃ।।

জা দ্রী যাতা। ভরু ভু তি গ্রী। ইত্যেকাক্ষরকোষ:।।

জাগরঃ পু• দ্রী জাগরণ•। ইত্যমরঃ ॥ কবচে পু•। ইতি ভট্টীকা॥

জাগরণ ল্লী নিদ্যাভাবং। জাগা ইন্দ্রি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। জাগর্ম্যাই জাগরাও জাগরঃ৪। ইতি দ্বেচসূর্যা ॥ জাগ্রিয়া ৫ জাগরিং৬। ইত্যনার-টীকা॥

জাগরিতা ত্রি জাগরণশীলঃ। ইত্যারঃ
জাগরিতা ত্রি জাগরকঃ। ইতি হেনচলুঃ
জাগরকঃ ত্রি জাগরণশীলঃ। জাগরণ
কতা। ভৎপর্য্যায়ঃ। জাগরিতা ২
। ইত্যারঃ ॥ জাগরী ৩ । ইতি
হেনচলুঃ ॥
জাগর্জিঃ ত্রি জাগরণ। ইত্যার

होत्रापाः तारायुक्षेः॥ ज्ञानर्या जी जागवनः। इञ्जूदः॥ ज्ञानुष्ठः की ज्ञूमः। इञ्कितिषः स्मयः॥

काश्क न कागात है जिक विकल्प मः काश्विः शृ व्यक्षिः। है जि द्र महन्द्रः॥ काश्व कि काश्व श्विष्टिः। यथा। गाक्षानुक ज्वक मक्ष क की कृषे। गृ काश्व कि सुक्ष क्ष कृष्ठि जी कि मग्र क को द काव मुद्र मण्डुना। है कि काव हिन्दुका।।

লাগ্রিয়া স্ত্রী জাগনণ । ইত্যমরটীকা-যাণ রাযমুক্টঃ ॥

আহনী জী উলঃ।ইতি ত্রিকাপ্তশেষঃ
ভাঙ্গল ক্লী নাংসং। ইতি হেসচন্দুঃ।
জাঙ্গলঃ পৃ• কপিপ্তলপদ্দী। ইতি
নেদিনী।।

জাঙ্গলঃ ত্রি স্থলন্দ্রিশেষঃ। যথা।
হরি গণজরন্ধ্য প্ষত ন্যজুশ্বরাঃ
।র জিবি লিচনু প্রী চেত্যাদ্যালাক্ল
সংজ্ঞকাঃ। হরিণ স্তামুবর্ণঃ স্থাদেশঃ
কৃষণঃ পুনী ভিতঃ। কুরক্ ইষভামঃ
স্যাদ্ধরিণাক্তিকো নহান্।। খ্য্যোনীলাণ্ডকো লোকে স রোক্ ইতি
কীতিতঃ। পৃষত কিন্দুবিন্দুঃ
স্যাদ্ধরিণাৎ কিঞ্চিদ্পকঃ।। ন্যক্ষ

र्द्यू वियाता २० मद्या गवत्या निर्मेत् । त्राकीवस्त्र मृश्गा (ऋर्या রাজীভিঃ পরিতো বৃতঃ॥ যো মৃর্গঃ मृत्र हीनः म्राट्म मूखीउ निगम्राज। जम्रा मा॰मन्रा गुगाः। न्यवृद्यः। ज्ञान्यः। कषाययः। नघृषः। वनावः। व् र र पवः। व्यावः। मीशनवः ।দোৰহরজ্থ নূকজ মিমিনজু গদ্দ-जार्भि उताविकांकि हिमिश्राम् मुश्र जारा मीशम शनशंख वायू রোগ নাশিক্ঞাইতি ভাবপুকাশঃ ।। শী এব॰ । মনুশ্ৰহি তব্ব॰ । ইতি রাজব্ল ভঃ ॥ 🕾 ॥ নিবারিদেশঃ। ইতি শ্বতহাবলী ॥ অস্ট্ৰক্ষণ यथा। जाकान नुज् उहरू अन शानीयलार शः। समी कतीत विच्याक शीनु कर्वसु मः क्नाः ॥ इति ११वर्र পৃষত গোকণ থর সঙ্গুলঃ। সুরাদু कनवान् (मर्गा वाटला जात्रनः ষ্তঃ।। ইতি ভাবপুকাশঃ।। 🕸।। তস্য গুণাঃ। বাত পিত্ত কারিত্ব।। উक्षत्र । क्ष्कपृथः॥ उत्प्रभीय जन खनुः। अन्भामणः विभर्ती उद्गः। इंजिस्कवल्ल जः। तक्षव्। नवण्यः। । দ্র্রুপ্ । ভনুত্ব । পথ্যবু । বহি कफ वर्षिकात कातिव्य । इंडि

ভাবপুকাশঃ॥ बङ्गल (मर्गाख्यक बाङ्गलिः १० व्यालगुःशि। ইতি শদরভাবলী॥

काक्नी जी म्किषिश । इंडिसिनिश। काक्न की दिष्श। कानिनीकन्। १३डिं भद्रद्वादनी॥

काकू निः शृ विषेत्राः। माशृष् हे छाव।। हे जिन्दा वा विशेष काकु निकः श्रान्या व्याही। हे छा भवः काकू निकः श्रान्या व्याही। हे छा भवः काकू निकः श्री विष्यिपा । हे छि (हमहन्पुः॥

জাজ্বিকঃ পু• উষ্ট্রা। ঐকারীবৃক্ষঃ
। ইতি রাজনির্ঘটঃ।। জল্পাজীবী।
ধাবকাদিঃ। তৎপর্য্যায়ঃ। জল্পা
করিকঃ২। ইত্যমরঃ।।

জাজ্ব্যমানঃ ত্রি দেদীপ্যমানঃ। বথা।জাজ্ব্যমান তেজোভীরবি-বিশ্ব নিবাধরা ে। ইতি চঙী।।

कार्विः शुः खी वृक्षिविष्णयः। इंडि निक्षानिमः गुर्ह श्रग्तः॥

काछ : क्ली कड जा। उर्थिश यह । उम्रः २ ॥ स्मोर्था : विक् स्महन्तुः॥ काछातिः भू क बीतः। विक तं क निर्वा ।।

জাত ক্লী ন্যক ।। সন্হঃ।। জন্ম ।। উৎপদে ত্রি। ইতি নেদিনী।। জাত্তক লী জাতবালকস্যশুভাশুভ নির্ণাধকগুস্থঃ ৷ তস্য ভেদাঃ ৷ काउक्तीशिका > काउकाम् उ॰ २ का उक उत्रक्षिण । जा उकरको मूपी s জাতকরত্বাকর: ৫ জাতক্সার: ৬ জাতকাৰ্ণবঃ ৭ জাতক্চন্দ্ৰিকা ৮ ল্যুদাতক ১ বৃহজ্ঞাতক ১০ इंडार्गाह। इंडि क्यां जियः॥ জাতকঃ পু॰ কারগ্রী। ভিক্ষা। জাতে ত্রি। ইতি ধ্রণিঃ॥ **জা**তক্র্ম ক্লী দশস্কারান্তর্গত 🏻 স•ক্ষার বিশেষঃ৷ তস্য ক্রমোযথা । পুৰে জাতে পিতা নাভি• নাক্ভত खनक्षमाम उरेज्य जिथाय क्जमानः · কৃতব্ৰিশ্ৰাজঃ পুকালিত শিলা-**যা• বুন্ধ**চারিণা **স্থলা**য্যা গর্ভবভ্যা वा भुज्याधाय भीन वाक्षणन वा খনাব্ত লোষ্ট পিষ্টো বুীছি যবৌ ॥ मिक्त इसानानिका कुक्षान्त्राः প্হীত্বা মত্ত্ৰেণ সমার্ম্য জিস্থা --নাতি। ত**ত তথৈব সু**বর্ণেন ঘৃত পৃহীত্বা মজেশ তথৈরু জনারস্য কিবো॰ মাষ্টি। ভতঃ পুনরপি **সু** वर्णन य् उ॰ गृहीद्वा माखा उरेथव সমারন্য জিবা মাষ্ট্রি। ততো

'নাভি**' কৃষ্ত স্তনঞ্**দত্ত্তি **পিতা**-

त्यादामान भूनः भिजान अर्गाद । इं ि ज्वरम्य जिः॥ জাতবেদাঃ পু• অগ্নিঃ।। চিন্নকৰ্ক্নঃ । ইত্যমরঃ॥ काउक्र की सर्गाधुस्तः। ইত্যমরः ।। উৎপন্নৰূপে তি। যথা। ন জাত ৰাপছদ জাতৰূপতা।ইতিভীহৰ্ষঃ॥ জাতাপত্যা স্ত্রী পুসূতা। ইত্যমর:॥ জাতিঃ স্ত্রী গোত্রণাজন্ম ৷৷ অশ্মন্তিকা ।। আমলকী। সামান্য•। তভুবুাহ্মণ क्विय रिक्श भूम्। श्राकः॥ इनः॥ কাভীফলণা মালতী।ইতি মেদিনী ॥ কাম্পিল্লঃ।ইতি বিশ্বঃ॥গোত্বাদি: । उम्रेनक्षा॰ यथा। शाक् ि गुरुगा জাতি লিফানাঞ্ন সর্ভাক্। সক্দাখ্যাত নিগুাহা গোরঞ্ চরণৈঃ সহ।। ইতি মুশ্ববোব ।।। অস্যার্থঃ।আক্রিয়তে ব্যন্ধ্যতে অন-যেতি আক্তিঃ **স·ছান· আ**ক্ত্যা গুহণ জ্ঞান যস্যাঃ সা আকৃতি গুহণা জাতি রাক্তি গুহণা ভবতি সংস্থান ব্যস্ক্যা ইত্যৰ্থঃ৷ তেন মনুষ্য (गा मृग इ मिना भ्यक् भूवक् স•স্থানৈ ব্যক্ত্যমানা মনুষ্ণ গৈছে মৃগত্ব হ•সত্বাদি জাতিঃ। এব• वाञ्चन कवियरिका मृहाना श्थक्

স•স্থানাভাষাৎ ব্ৰাহ্মণত্বাদেজাতি-'বু-নাৈযাত মিতি লক্ষণান্তরমাহ विकारीक्षन मई जागि उपा मई। वि লিস্থানি ন ভলতে সাচ জাতি রিত্যর্থঃক্রি পু•সবো রপত্যান্তা দ্বি ্চভূঃ ষট্পদোরগাঃ। জাতি ভেদাঃ পুমাখ্যাম্য ইত্যমরসিংহে জাতি **ভितानाः जी शू**न्त्या त्रवि नियाम तु। आनामीना अविवन ভাৰিত্ব ভাৰাজ্ঞাতিত্ব• ৷ কিউ অজ্ঞাত হ সম্য জনম্য হ স দ্ 🗄 বভোপি তস্য সংস্থানেন হংসত্বং ব্যঞ্জিলু ন শক্ততে ইতি হণ্ন-স্যাপি জাভিত্ব নায়াত নিভি शृ इं नक्र १ मा ४ । विष १ म ४ -एखारि ग•छा भयम्।शि नवीवश् ভান্ধিত্বাভাবাক্ষাভিত্বাপত্তি রিতি দ্বিতীয় লক্ষণস্য দেখেঃ ইতি (मायवय मनाकर्न् व्यान्कः । या ুর্বিশেষণমাহ সক্দাখ্যাত নিগুগা-**ছেতি স**ক্দেক বার মাথ্যাতেন-উপদেশেন नि निकरयन शुक्ता পুহীত্ব শক্যা ইত্যৰ্থ: । তেন विष्रा इन्म इंजूलिस क्म मृष्ठेव उमा माश्रामन रामपुर ব্যঞ্জিতু শক্যত এবেতি পূর্ব-

लक्षणमा न (मायः । अव (मवः ষিলুগদেশেগি অন্যমিন্ জ্ঞানা-ভাষাৎ কাতিত্ব ন স্যাদিতি পর वक्रगमालि न (मायः । गार्गाः शूक्षः गानी की नानं। जन নিভিসরলিক্ভাজিত্বাৎ স•স্থান-वाकाञ्चालादाह भागाभीना काजि-ত্বানুপপত্তী ভূজীয় লক্ষণমাহ গোনক্ষতি পুত্ৰ গৌত্ৰ গুভ্তিক নপত্য পোত্ৰ মিতি পূৰ্বাচাৰ্য্য পরিভাষিত গোত্র নিহ পৃহতে भागी वादगी जामि। हजूर्य नक्षन মাত্ চর্ণৈ: মহেতি চর**ণঞ্জাতি** बिकाशः । इत्रवन्यस्य (द**रिक (मन्य** वाही कठारि वानः गठ अशुवन कियानम्यक्षन शुवृड्वा किया-বাচক এব নতু জাতি বাচকঃ তেনাস্ত জাতি সংজ্ঞার্থ চর্ণৈঃ मर्व्यु छ॰ गार्गामीना॰ विवामी शि সিদ্দেপি জাতি সংজ্ঞা ফলন্ত गागी ভार्या यम्प्रात्मी गानी ভार्या इंड्याम् । ताञ्चाकरकाष्ट्रिजार्मिना भू•वज्जाव निरवदः। भाभी जामी ভাষ্যা চেতি গার্গ্যভাষ্যা ইক্যাদৌ कि। भिन्न भूचि कि। भूनः शृष्ठावः।। हेि पूर्गानामः ॥ ॥ ॥ नामाना । विविधः श्राकः श्रवः। प्रवानि विक वृद्धिः भद्धा श्रवः। श्रव

জাতিকোশ• গ্লী জাতীফন•।ইতি ভাবপুকাশঃ॥

·জাতিকোষ• ক্লী জাতীফল•। ইতি হেমস্দুঃ॥

काउिकारी की काजीश्वी। इंडि ताकनिर्वण्डः॥

জাতিকৃদ• প্লী জাতীকৃল•। ইতি হেমসন্তঃ।

জাতি ভু শকর লী নববিধপাপান্ত গত পাপবিশেষঃ। যথা। বাজাপন্ত কলং ক্ডা ঘাতি রংঘুর মন্যয়ে। জৈলা পু সিচ নৈথুন্য জাতি ভু শ কর শত ।।ইতি মনুং ॥ বাজান্য দণ্ডহন্তাদ্না পীডাজিবা অঘুষ লশ্ন, পুরীবাদি জৈলা কটিলত্ব

वक्र जा दिल अस्क क छेः । । जा कि ति क कि विष्ण कि विष्ण

সত্যনেক সমবেতর । ইতি সিদ্ধা - আতি সার গা জাতীফল । ইতি অমক্রাবলী ॥ বাজনিঘটঃ ॥

काठी वी काठी १५ । हरानी दें हिं
हिसी जावा। इंट श्रांत व्याप्त कि शक्ता र मुमनाः च मुझि १५ । इंट कि महाला के कार्य भी १ महाला के कार्य भी १ महाला के कार्य के कार्य के महाला के नाम के कार्य के महाला के कार्य के कार्य के महाला के कार्य के कार्य के महाला के कार्य के कार के कार्य के का

काडीकाम॰ क्ली काडीकनः। ইडि ·'ह्रिक्नुः॥

बार्जीकार क्री बाजिकन । इंडि व्यवन्तः॥

জাতীপরী ক্রী জাতীকলত্বক্। জৈতী

ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। জাতিকোষী ২ সুমনঃপরিকা ৩ মালতী

গরিকা ৪ সৌমনসায়নী ৫ জাতিপর্রী ৬ । অস্যা পুণাঃ। কটুড়া।
তিক্তরণ। সুরভিত্বণ। কফ জাড্য
নাশিত্বণ। বক্রুবৈষদ্য জননত্বশা।
ইতিরাজনির্ঘটিঃ।। লহুত্বণ। স্থাদুত্বণ
। উক্তরণ কচি বর্ণ কারিত্বণ। কফ
কাস ব্যি খাস ভ্লা বিষ নাশিত্বশা
। ইতি ভাবপুকাশাঃ।। দুর্গন্ধনাশিত্বণ
। ইতি রাজবল্লভঃ।।

জাতীফল গ্লী ফলবিশেব:। জাবল ইতি ভাবা। তৎপর্য্যাব:। জাতী-কোব হ । ইত্যনর:।। জাতীকোশ । ত জাতিফল ও ৪। ইতি তটাকা।। জাতিশস্য ৫ শালুক ও মালতী-ফল ও মজ্জসার ৮ জাতিসার । সপুট ১০ সুমন:ফল ১১। সম্য গুণখা ক্রাবত্ব । উপত্ব । কতুব । কঠাম্যার্ভি বাতাতীসার মেহ নাশিত্ব । বৃষ্যত্ব । দীপনত্ব । লঘুবৃঞ্চ। ইতি রাজনিঘটঃ ।। রসে তিক্তব্ব॰ । তীক্ষব্ব॰ । রোচনব্ব॰ । গুণহিব্ব॰ । স্বরহিতব্ব॰ । শ্লেম্মানিল মুখবৈরস্য মলদৌর্গক্ষ্য কৃষ্ণভা কৃমি কান বিম খাস শোষ পীনস হৃজগ্নাশিবৃঞ্চ। ইতি ভাবপুকাশঃ ।। তৃফা শূল নাশিব্ব॰ । ইতি রাজ-বল্লভঃ ।।

জাতীয়ঃ ত্রি ভদ্ধিতপুত্যথবিশেষঃ।
সতু পুকারার্থে ভবতি । যথা।
তার্কিক জাতীয়াইতি মুধ্ববোধণা।
জাতীরসং ক্লী বোলঃ। ইতি রাজনির্মণটা।

জাতু ব্য কদাচিৎ। ইত্যমর:॥ সম্রাবিতার্থঃ॥ গর্হার্থঃ। ইতি শবরত্বাবলী॥

জাতুক প্লী হিন্দু। ইতি শব্দ নিদ্ধা।। জাতুধানঃ পু যাতৃধানঃ। রাক্ষসঃ। ইত্যমর টীকাষা রমানাথঃ॥

জাতুষ তি জতুবিকারঃ। জতুনির্মিত। ইতি জটাধর:।।

काराकः शृ• उट्श में का । इंग्रिंग मुख्य माइ जातः शृश्य विवाद का विका । इंग्रिंग का अपार का अप

का ठाकः वि बनाकः। यथा। अन रा ক্লীৰ পতিতৌ জাত্যন্ধ ব**ধি**রৌ **ত**থা । উন্মান্ত ছাড দ্কাশ্চ থেচ কেচিনিরি-नित्याः ॥ इंडि मन्ः ॥

कारता वि बाठः। हे उ नुष्ठ-लाक्षर्तः॥

कानकी जी भीठा।इण्डिकाश्राभयः कानशनः शुः कनः!! (मणः। मेडि त्मिनि ॥

बानू की जिल्बद्वास्त्रजातः। यें इंडि ভाषा। उर्भाषायः। विक-शर्व २ जहीर ० जहीरान् 81 ইত্যনরঃ॥ চকিকা৫। ইতিরাজ-निर्घिः॥

জাপঃ পু॰ জপঃ।ইতি জটাধরং॥ कानकः वि कनकर्त्रा कनदास्ताः क ले ति पक शु छ। त्यम निवस है।।

काशन॰ बी निद्यमन॰।। निद्य इंन॰। इंडि ध्वनिः॥

জাবাল: ত্রি অজাজীব:।ইত্যমর:॥ मुनिविष्णयः। यथा। जावात्वा या छ वनु । इंटिंग स्थापन व्यव । इंडिं ব্ৰন্থবৈত্ত পুৱাণ ॥

कावाधिः शु चूनिविष्मवः। यथा। কাশ্যপ । ইতি রানান ।।

काममगुः भुः कममग्रिभुदः। भद्रभू-রামঃ। ইতি হেমচন্দুঃ॥ 🦟

জানাতা পু॰ দুহিত্পতি: জানাই ইতি ভাষা। ইত্যের: ॥ স্থ্যবর্ত্তঃ ॥ धरः। इंडि मिनि।।

कामिः जो यमा।। क्लग्री।हेर्छम्बः॥ काभी जी काभिः हे छि मक्द्रदार्यनी।। कारमयः शू॰ जाशित्यः। देखि (इन ठन्तः॥

জাৰব জী জন্কন। ইত্যন্তঃ ॥ मृत्रा । इंडि दाज नेघं है: II जाद-वित शुरा इंडि मदा छनः॥

काचनकी जी नागमननी। इंडि রাজনির্ব টিঃ। 🕮 क् अभन्नी। জামবৎ करा। इंडि बी जागव ड॰ ॥

काष्ट्रान् शु॰ अक्क ताकः। सत्स्रुजः । यथा। या हता जता शुर्वा २ व মহাপু। জঃ নুদুজবঃ। পিতামহ সূতশ্চাত জায়বানিতি বিশুতঃ ৷৷ इंडि तामायगः॥

कारती जी नागरमनी। ইতিরাজ निर्घणः॥

জায়ুবান্ পু॰ জামবান্।ইতি ভরতো বিকৃপকোষশ্চ॥

সুবজ্ঞ বালদেব্ধ জাবালি মথ । কাছ্নদ লী স্বর্ণ । পুস্রঃ । ইতি द्राज्ञनिर्घण्डः॥ चनदिः गवः। यथा।

मिक् मन्दर भर्व ज्ञ कपूक्वानी
मिक्क निभाव विभागानाः व्यन्धः
भूषिताः इञ्काय नि जानाः त्रमन
क्षूनाम नि इवात् वः वङ्गि उन्धाः
छेञ्या छीत्रयाम् दिका कष्ट्रतम्
नान् विध्यान। वापूर्क मःयाग विध्याकन महामत्र व्यक्ति। इञ् काष्ट्रमहः नाम प्रगः ज्व वि । इञ् छोञागवजः ॥

জানক ক্লী কালীযক। কালিয়া ইতিখ্যাত পীতবৰ্ণ নুগন্ধি কাষ্ঠ । ইত্ৰৱঃ।।

জায়া স্ত্রী ভার্য্য। ইত্যমর:॥ জায়াজীবঃ পু॰ নট:। ইত্যমরঃ॥

কাষানু জীবা পু নট: ॥ বকপকা।
ইতি নেদিনী॥ বেশাপতি:। ইতি
শবর্ষাবলী॥ দুড়া। ইতি হেনচন্দুঃ॥

ভাষাপতী পূ• ভার্যাপতী। নাগু ভাতার ইতি ভাষা। নিউ্য দি বচনাস্তো ২য•শবংগইত্যমরং।। জানুঃ পু• ঔষশ•। ইত্যমরং।। জানঃ পু• উপপতিঃ। ইত্যমরং।। জারজী তি উপপতি জাত সন্তানঃ। ইত্যমরং॥

কারণী গ্রী ভূলধীরক:। ইতি রাজ-

নিষ্ঠিঃ । জারী স্ত্রী গুষধীবিশেবঃ । জাড়ী ইতি ভাষা । ইতি নেদিনী ॥

জাৰুথঃ পু॰ ত্ৰিগুণদক্ষিণাক্ষজঃ। ইতি মহাভানতে বনগৰ্ব॥

काल की सनामधाउ म्वापि निर्मिठ

गट्मापि धात्र (गाशायः । उट शयायः । यानायः २ । ইত্যन तः ॥ कालक ० । ইতি सदत्र वावली ॥ शवाकः ॥ कात्रकः । भठु यञ्जू है कलिका स्पार्थापि कृपुक्लक्ष् ॥ पश्चः ॥ मम्हः । ইতি (मिन्नी ॥ हेन्दुकाल । ইতি (हमहन्दुः॥

जानः श्रु॰ कम्यवृकः। ই ि तिमिनी।।
जानक॰ की अयु है किनका। ই ि
हतकः ॥ स्या शिम क्रमुकन॰।
ই ि मात्रन्त्री ॥ स्थार्यायः।
क्रात्रकः २। ই स्त्रातः॥ क्रात्रकः॥
मान्नः । क्रायः।। सानायः। ই ि
क्रिमी। मम्रः। ই ि मन्द्रनाः
वनी॥

जानक ती जी भाष्टक्षण । इंडि (मिरिनी।।

জালকঃ পু• গবাকঃইতিহেমচন্দুঃ॥ জালকারকঃ পু• মর্ক,টকঃ॥ইতি হেমচন্দুঃ॥জালকভরি বি॥ ৰালিক

कानिकनी जी (गरी। इंडिस्मिन्मुः॥ कानगर्फ्डः श्रु॰ (द्वागिविष्मियः। उम्रु नक्षणः यथा। विमर्शव मर्भाठ यः भाथसम् द्रभाकवान। माञ्ज्यकदः भिडाट म (द्धारा) कानगर्फ्डः॥

इंडि नाध्वकतः ॥

जानाशानिका जी मधिमस् न छ। ७

विरम्पः। ७८ शर्यतायः । कथाना २

1 र्डि मद्दुक्तावनी ॥

জালন্ধরঃ পুণ বিগর্জদেশ: । ইতি হেমচন্দু: ॥ তদেশস্থে পুণ ভূমি।। জালপাৎ পুণ হণ্ম: । ইতি বিকাও-শেষঃ।।

কালপায়া ত্রী অঙ্গরকিণী। লোহা-র সাজোয়া ইতি ভাষা। ইতি হেমচন্দু:॥

कालिकः शृ॰ मर्क हेकः। इंडि (इम-हन्द्रः। देकवर्डः। इंडि विकाश्रः मधः ।। वागुत्रिकः। कात्वन मृगवन्नन कर्डा बाइ वी

। ইত্যনর:॥

कालिकः वि शुगकाली। क्रालिश-कोवी। ইতি মেদিনী॥ बालिका जी वज्रदिष्मयः॥ गित्रिमातः ॥ कलोका॥ विषया॥ उद्योगम्म त्रिकाक त्रिक्षि। ইতি मिपिनी॥ कालिनी जी विज्ञाला। ইङ रूम-वृद्धः॥ कालाउकी। ইতি त्राज-निर्वणः॥ यायाउकी। ইতি त्रन माला॥

জালী জ্রী জ্যোৎস্মী।বিদ্যোইতি খ্যাতা।ইত্যমরঃ॥পটোলঃ।ইতি রাজনিঘটঃ॥

জাল্ম: ত্রি পামর:॥কুরঃ॥ অসমীক্ষ্য কারী। ইতি মেদিনী॥

জাষক ক্লী কালীয়নাম গন্ধদুব্য । ইত্যমর টাকা সারস্করী।।

জাহক: পু । বােছু:। বােঘ ইতি ভাবা।
।। সার্জার:।। পট্টা।। কাক গুকা।
ইতিনেদিনী।।বিলেশ্য জন্তবিশেষ:
। তৎপর্যায়:। গাত্রসংকাচাই ২
নগুলী ৩ বহু কপক: ৪ কামকপী
৫ বিক্রপী ৬ বিল্বাস: ৭। ইতি
রাজনিঘটিঃ!।

काङ्ग् वो जी शक्षा इंटिं (इमहन्पुः ॥ अञ्चाम काइगः यथा। जानू बाह्रा

भूता पड़ा बड़ाः मःशीय काशउः ्र इन्। कन्। यक्नाइ काङ्ग्वी (उन की विजा।।इंछ व्यारववर्ड बीक्ष জন্মখণ্ড॰ ॥ জু ॥ ভসা • ভিথি विरुग्ध शान क्ल प्रथा। जानाना क्तियमञ्चान महन्नः भृगु मुन्दति। शून १० तमगुनरिक्षव भीवन ज्ञानकः शतः ।। তত खिः मम्त्रूनः भूनाः রবি म कग्रामित्। यमायाकाशि छ बुनाऽ विद्या परिवर्गायत्।। उत्जा म् भागुनः शुगुः नतानारका उतायरग । চাত্রনাল্যাণ পৌণনাল্যাণ অনন্ত• भूग (मन्ह ॥ यक्षनावाक उत्तारः रेन ज्रहित निक्ति छ । वाम था, भूगा ক্ৰছ মেতেষু শ্বান দানকণ নামান্য ित्वम ज्ञानाय मानायमञ्चन ভবে< ॥ यद्वछत्राधाः **(ए**विन যুগান্যাবা তথৈবচ। মাঘন্য সিত **স**थन्ता• जीयाश्चिम्ता• जरेशन्य ॥ ততোপি হিত্প পুণ্য নলোবা च्य पूर्वाञ्च। मन्त्रहा मन्त्राक यूगाम्। मि सम्कन ।। नन्तात्मक বাৰণ্যা• মহৎ পূৰ্বে চতুর্গ্ণ। তত भाष्ट्र व्या • भूगा • विनइ ९ शृ विक मि ॥ शूनी का छिला दिन मानाना माना हि य । हत्मु भिद्राग

मगर्य मृर्ग्य मणगून छडः॥ भूता-श्राक्त मर्य काल छडः मडगून कन्न । गर्स्वारम्य मङ्ग : रेवक्षवाना । विशर्य प्रशः ॥ इंछि वुक्र देवर्ष्ट शुक् छिथ छ ।।

জি • জ্বে।। অভিভবে। ইতি ক্বিকল্পদ্যঃ।

জিঃ ত্রি জেতা।। পিশাচে পুণা ইত্যে-কাক্ষরকোষঃ।।

जिगजुः शृ॰ शुगिवागुः। ইजुगिहि-कारः॥

জিগমিষা দ্রী গমনেছা। ইতি ব্যাকরণ ।।

किशीय। खी करगहा।। त्र्यमायः ।
भूकर्यः। इंकि मिनि।।
क्रियटमा खी कृषा। इंकि स्मिक्नुः॥
क्रियटमा खी कृषा। इंकि स्मिक्नुः॥
क्रियटमुः जि कृषिजः। इंक्रमहः॥
क्रिया मकः जि स्मित्रकः। इंकि
न्याकत्रा ।।

জিঘা সাজী হননে ছাই তিব্যাকরণ ।
জিঘা সু: পু শত্রাই তি হেনচনু:

।। হননে ছৌ জি । যথা । পুশান্ত
চেই হরিণ জিঘা সুরিতি ভাউঃ।।
জিঘু: জি ঘুণক ভা । যথা । স্বামী
নিশ্বনিতেপ্যসূষতি ননো জিঘুঃ
সপন্নী জনঃ। ইতি সাহিত্যদ প্ণা।।

দ্বিতারি

किलिनी खी वृक्तविष्मयः। उर्भर्शायः । विक्नि २ विक्री ७ मूनियामा ८ भुशामिनी ६। अन्। गृगाः। मध्-बङ्गा डेक्ड्रा कवायज्ञा (गानि **ल्गाभन्दः । क**ेदः। दुग रुप्ताश বাজাতীসার নাশিত্ব । পটুত্বক। ইতি ভাবগ্ৰাশঃ॥

किंसी की मिलिशा हे अमदः॥ जिन्नः श्• अर्नुभामक वित्मवः। ইতি হেন্চন্দুঃ॥

জিডঃ ত্রি পুাপ্তগরাজ্যঃ। ত**েপর্য্যা**য়ঃ 🖽 **।পর ভে তঃ২ পরিভ্তঃ৩ অভিভূতঃ** ৪ ভয়ঃ ৫ পরাজিতঃ ও। ইতি 🛚 হেন্চন্দঃ ৷৷

জিতকাশিঃ পু• দ্চনুপ্তিঃ৷ ইতিভারত **ठोकाया॰** नीनकथेः ॥

জিতকাশী ত্রি জয়সূকঃ। তৎপর্য্যয়ঃ । জিতাহ্বঃ ২। ইতি হেমচন্দুঃ।। জিতনেনিঃ পু॰ অশ্বত্যনিনিতদ্তঃ। **७८१**र्यायः । जाम्यः २ । इंडि (इम्हन्तुः॥

जिउमञ्कः शू॰ वृडाई< भिठा। ই**छि** হেমচন্দুঃ।। কৃতশাঁত্র পরাজয়ে তি।। জিতানিত্রঃ পূ• বিষ্ণুঃ ইতি শন্বরা-বলী। কৃতশত্রপরাজয়ে ত্রি॥

শেষ: '৷৷ বৃত্তাহ্ৎপিতা ৷ ইতি ছেমচন্দু:॥ দ্বিতশতৌ বি ॥ `१. জিতাহব: পু· জিতকাশী i ইভি (र्मञ्मुः॥

জিতাক্রঃ ত্রি কৃতাক্ররর: । বশী-ভূ তাকরকঃ। দৃষ্ঠি মাত্রেণাকর (वादिन भाठेकसः। इंडि लाक-श्रिकः॥

किटिन्तिः विवनीकृटिन्तियः। उट भर्यायः। भाउः २ माउः ०। ই जि (इग्रन्तः ॥

जिरछिन्त्राच्यः शु· क्रम्व्किव्कः। े्छि ताज निर्यक्तिः॥

জিৰুনঃ পূ• জিতুনঃ।মিথুনরা**শি:।** ইতি জ্যোতিষতত্ত্বণা জব্দীলানা• मः भाषे उन्ह ॥

षिठा। जी इनिः। ইতি (इम**न्मुः**॥ জিবুরঃ ত্রি জেতা। ইত্যারঃ !!

জিন্বরী স্ত্রী কাশী।ইভিত্রিকাণ্ডশেবঃ किनः श्रु पर्वन्।। तृष्तः।। वियुः। ইতি হেমচন্দুঃ ৷ অতিবৃদ্ধঃ৷ইত্য-ণাদিকোষঃ ॥ জিত্বুরে ত্রি। ইতি (मिनिनी॥

जिनयानिः शु भ्गः। इंडि मदत्रा-यकी।।

জিতারিঃ পু॰ বুদ্ধা ইতি ত্রিকাও- জিনস্ফ লী জিনগৃহ•।তৎপর্য্যায়ঃ।

চৈত্যঃ ২ বিহারঃ ৩।ইতি হেম-চন্দুঃ॥

- जित्नमुः शृ वृषः। ই हि इतागुषः॥
- जिम के ज्या । इंडि कविकन्नक्रमः॥
- जिति तम हि जाया । हे हि कविकान क्रमः॥

जिव हे शीगता ३ डिक्विक्ट्रम्मः॥ जिवाजिवः शु॰ शीवशीवगक्ती। इंडि भक्तक्कृतनी॥

जितुः शु॰ गगवः ॥ शकी । इति

गिषा उपने मुन्। सूनानि वृद्धिः ॥

जिय उ त्यक । इति कविक्युक्रमः॥

जिक् १९० विक्रुः। इति एक्स्मिन्युः॥

हेन्युः॥ यज्ञ निः॥ जिन्दि जि। इति

रमिनी॥

জিন্দ ক্লী তগরবৃক্ষঃ।ইতি মেদিনী॥ জিন্দঃ ত্রি স্কটিলঃ। নৃদ্ধঃ। ইতি নেদিনী॥

किकागः शु अर्शः॥ मन्तरण वि। इंडि भिन्नो ॥

 क्रिकारमाञ्नः भू (छकः। इंछि मद-त्रवातनी ॥

জিন্ধশল্যঃ পু• খদিরঃ:ইতিজটাধরঃ জিল্প• ক্লী তগরল্ল•াইতিরর্মালা।। জিল্প• পু• জ্রী জিল্পা। ইত্যমর টাকাবা• ভরতঃ॥ জিহ্বলঃ ত্রি লুকা: । লোলুপা: । যথা ।
শুনদি কৃত্বা পরশুন্দে ভূঞ্জতে যেচ
জিহ্বলা: । পতন্তি নরকে যোরে
লুগু পিণ্ডোদক ক্রিয়া: ।। ইতি
শুন্দিত্র ।।

জিন্তা ক্রী রসজ্ঞানেন্দ্রশ। জিব্ ইতি
ভাষা । তৎপ্র্যাবঃ । রসজ্ঞা ২
রসনা ৩ । ইত্যারঃ ॥ রশনা ৪
রসনা ৩ । ইত্যারঃ ॥ রশনা ৪
রসনা ৫ জিল্ডঃ ৬ । ইতি তড়ীকা ॥
অসাঃ পরীক্ষা বথা । শাক্পত্র
পুভা ক্রমা কুটিতা রসনানিলাং ।
রক্তা শ্যামা ভবেৎ পিত্তালিপ্তাদুর্গিবলা ক্ফাৎ ॥ পরিদ্ধা খ্রশ্রমাক্ষানোষ্ত্রে ধনিকে। সৈব
লোষ ঘ্রাধিক্যে দোষ দ্বিত্য লক্ষ্ণা
॥ ইতি ভাবপুকাশঃ ॥

জিহানিলেথন ক্লী জিন্তামার্জন।

জিবজাচডান ইতি ভাষা॥ জিহ্বা

মার্জনদুব্য । জিবজাচডা চেযাডি
ইতি ভাষা।তৎদশাস্থল কোমল।
কৃশ স্বৰ্ণ স্বপ্য, তামু লোহ
নির্মিত জিল্তামলাপকর্ষণে পুশন্ত।
। তস্য পুনঃ। বভুবৈরস্য জিহ্বাশ্বিত নল নাশিল্ব। আরোগ্য কিচি
কারিল্বঞ্চ।ইতি রাজবল্লভঃ।।

জিহ্বাপঃ পুণ সফুরঃ।। ব্যামুঃ॥

বিডাল: ॥ ভল্লুক: ॥ ইভি শব-রত্নাবলী ॥ চিত্রকব্যাঘু: । ইভি বিশ্ব:॥

জিহ্বানল ক্লী জিহ্বাস্থিতনল। তৎ পর্য্যায়ঃ। সলুক ২।ইডি ত্রিকাও-শেষঃ॥

किञ्चाम्नीयः शृ वज्जाक् िवः ।
ताशर रवनाम् मृहे जिन्छ। क्ठा
। मञ्जक्ष शर्म विमर्गङ्गात छवि
। यथः हित ×कामाः। शरमा हात्र ।
विमर्गव । हिं वाक्र माना शरमा विस्ति युकाशुमाञ वह्न स्र करः ।
किञ्चाम्नीय है रिजा श्री स्त्र मिन हिं स्वावनी
किञ्चा स्तरः शृ शक्यो। है जि स्वावनी
किञ्चा निहे शृ अक्यो। है जिञ्जा निहे है जिञ्जा स्तरः ।
किञ्चा निहे शृ अक्यो। है जिञ्जा स्तरः ।
किञ्चा निहे शृ अस्ति व्यक्षः। है जिञ्जा निहे ।।

হেনচন্দুঃ।।

জীনঃ ত্রি বৃদ্ধঃ। ইত্যমরঃ।।

জীনুতঃ পু॰ পর্বতঃ।। নৈদঃ। নৃতা।।

দেবতাডবৃক্ষঃ। ইত্যমরঃ।। ইনদুঃ।
ভৃতিকরং॥ ঘোষকলতা । ইতি
হেন্চন্দুঃ।।

জিহ্বায়াদঃ পু॰ লেহ্ন•। ইতি

জীমূতকূট: পু• পর্বত: । ইতি হারামগী॥

জীন্তন্ল কী শটী। ইতিরন্নালা ।। জীন্তবাহন: পু॰ ইন্দুঃ। নেঘবাহন ইত্যার দশনাং ।। ধর্মারন্থ নামক মৃতি সংগৃহকভাচ ॥

জীন্তবাহী পু॰ ধূমঃ। ইতিছেনচন্দুঃ
জীরঃ পু॰ জীরকঃ।। থক্তঃ। ইতি
নেদিনী।। অনুঃ। ইতি সিশ্ধান্তকৌসুল্যা মূণাদিবৃদ্ধিঃ।।

জীরকঃ গৃং বিশ্দুব্যবিশেষঃ। জীরা
ইতি ভাষা। তৎ পর্যাবং । তরণঃ
২ অজাজী ৩ কণা ৪। ইত্যারঃ।।
জীরাঃ ৫ জীরঃ ৬ দীপ্যঃ ৭ জীরণঃ
৮ অজাজিকা ৯ বিক্লিখঃ ১০
মাগধঃ ১১। অল্যগুণঃ। কটুরুণ।
উক্তরণ দীপনত্ত্বণ বাভ গুল্মাধ্যানাভীসার পূহণী কিনি নাশির্ধা।
ইতি রাজনির্ঘণিঃ। কিনি নাশির্ধা।
শান্তরণ কিন বাভ নাশির্ণ।
পাকে কর্মিণ ভিন্নারণ । লগুর্বণ।
পাকে কর্মিণ ভিন্নারণ। লগুর্বণ।
লারবর্দ্মাইভিরাজবল্লভঃ॥
জীরণঃ গুং জীরকঃইভিরাজবল্লভঃ॥
জীরণঃ গুং জীরকঃইভিরাজবল্লভঃ॥
জীরণঃ গুং জীরকঃইভিরাজবল্লভঃ॥
জীরণঃ গুং জীরকঃইভিরাজবল্লভঃ॥
জীরণঃ গুং জীরকঃইভিরাজবিল্লভঃ॥
জীরণঃ গুং জীরকঃইভিরাজবিল্লভঃ॥
জীরণঃ গুং জীরকঃইভিরাজবিল্লভঃ
রাজনির্ঘণিঃ।।

্বীৰ্ণ প্লী শৈলদণ্ট্ডি রাজনিষ্টঃ!

নীর্ণ: পু॰ নীরক:।ইতিরানমিটিঃ।। নীর্ণ: ত্রি বৃদ্ধ:।ইত্যমর:।। পুরাতন:

শইতি হেমচন্দু:।।

कीर्गनाकः शृ॰ वृद्यमातकः एकः । किन्न विधाता विष्मय देखि लाकि। खा शर्यायः । कीर्गककी २ मूश्रिका ० श्राता ८ मृत्यश्राति । खाम्यक्ष्माः । श्राता ८ मृत्यश्राति । खाम्यक्ष्माः । श्रातायुः । शिक्षित्वः । कक वाख्यः । कामामामा माणिवः । वलाव्यः । देखिः ताक्षित्वेः ॥ ।

জীর্ণপত্রিকা স্ত্রী বংশপত্রীতৃণ•। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

कीर्गशर्भः शु कपषः। इं उदाविनर्यः ॥ ॥ भूदा उनभव द्वी ॥

কীর্ণবজু লী বৈকান্তমণিঃ। ইতি রাজনিষ্টিঃ॥

कीर्गवद्यः क्षे भूताउनवद्यः। उट भर्यायः। भरेष्ट्रतः २। ইত্যमतः॥

की वृद्धः श्र शिकालाषुः। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

कीर्रावृद्धक की भित्रिश्च । (क छ है मूडाइंडि ভाषा। इंडि द्राक्ष निर्ध छै: कीर्ग जी ज्वा निर्ध की विकास । इंडि द्राक -निर्ध के ।।

कीर्निः क्षे क्रानिः। कीर्न्जा। ইত্যনরः कीर्विः পু॰ সঠারः। ইতি সিদ্ধান্ত- कोगूम्ता मुनामिव्खिः ॥ भकिष् ॥ कायः ॥ शमुः॥ ইতি म•िष्टमात्र উनामिव्खिः॥

নীর শা পাণে। পাণধারণ ইতি শেবং। ইতি কবিকল্লফমঃ।।

কীক্ষ পু• অসুধারণ। ইত্যমর:॥ शुंगी ॥ वृद्धिः ॥ वृक्कविष्णवः॥ বৃহস্তি:। ইতি নেদিনী।। কর্ণ: । इंडि ध्रुगी ॥ (ऋबद्धः । उ८ পর্য্যায়ঃ৷ আত্মা ২পুক্ষ:৩ পুদ্ধল:৪ অন্তর্যানী ৫ ঈশ্বর:৬। ইতি ত্রিকাণ্ড-(भवः।। उम्र अक्ष म यथा। क्रम्पना জীবৰূপণ্চ সন্তত তৎফলপুদ:। কৰ্মৰূপণ্ট ভগবান্ একৃষ্ণ:পুক্তে: পরঃ॥ সোপি তত্ত্বেলুক্সশ্চ কর্ম তেন ভবেৎসতি। জীবঃ কর্মফল॰ ু ভুন্তে কারা। নির্লিপ্ত এবচ ॥ वाजानः भुजितिषक (मही कीतः न ववठ। भाग (महामि ज्याहरी স बीदः পরিকীতিতঃ।। ইতি বুন্ধ-বৈবর্ত্তে পুকৃতিখণ্ড• ॥ 🕸 ॥ বেদান্ত मा घटाविह्याकान वर नहीत ব্রিত্যাবৃদ্ধি চৈত্ন্য ।। কেষা-ঞ্চিমতে দর্পণত্ব মুখপুতিবিশ্বং वृष्टिइ हिउना भुजिविषः॥ बीवः शु॰ क्ली कीविछ। इंछि सिरिनी।। **>२ मधुतः २० मऋनाः २८** क्रॅमीयंकः १५ वृद्धिनः १५ यागू-भान् २१ जीवनः २५ वननः २३ । ष्यमः पूराः। सर्वज्ञः। भी उद्गः। **त**ङ शिङानिवा डिं क्रय मार् ज्र नानिव्। मूक ल्लग्र विवर्षनव्यः। ই 🤊 রাজনির্ঘটিঃ ॥ বল কারিত্ব॰ । कार्भी वाज नात्मिन्नः । जन्य क्रनः यथा। জীবকর্ষ ভকৌজ্ঞেয়ৌ হিমাদু **मिथात्राक्तातो । त्रामान कन्त्रव** कल्मो निःमारतो मृश्वंभवरको ॥ कीवकः कृईकाकात्रः वायाचा व्य **ण्यत्राजीवकर्य ज्वञ्चारन विना-**রীনূল। ইতি ভাবপ্কাশ: ॥ 🕸 ॥ शु (१कः ॥ भी उनावः ॥ क्रमाः। ইতি মেহিদী॥

की तकः जि (मवकः !! वृष्ठाभी ।। की वी ।। चित्र जुलकः । इंडिं (मिनी ।। की वजीवः भु• जी वजी वभकी । इंडि भक्त ज्ञावनी ।।

जीवक्षीवः भूः हत्कात्रभक्ती। ইত্যमतः "

॥ वृक्षविरम्यः। इंडि (निमी॥ कीवाडाका जी कीविश्विका। उद शर्यायः। कीवग्ःर। इंडिएस्मिन्धः॥ कीविश्विः जी नथ्वा। इंडि एस्मिन्द्रः॥

कीव शिव्कः श्रु विम्यानिशिव्कः
। यथा। यभा ज्ञानः गया जाुाकः
मिक्ना न्य (डाक्षनः। न कीव श शिव्कः वर्धार कृष्डिश शिव्हा ভবেশ। ইতি ভিথ্যাদি ভব্ন।

को तथः शृ॰ शृशः। क्यः। मन्तः॥ ययः॥ शिचिकि विद्यापृषि वि । देवुशाहिकायः॥

जीवमः शृ रेवमाः॥ विधिष् । इंडि यमिनी ॥ जीवनमा इति जि॥

कीवमाधी जी अस्तः। इंडि ब्राकनियण्डः॥

জोत्रथन ्री গ্রাদিক । ইতি ত্রিকাগুশেয:॥

জীবন প্লী বৃত্তিঃ।। জল।।। পুন্ধ রেশ।
। ইতি নেদিনী।। হৈণক্ষীন । ইতি রাজশক্তিন্দুকা।। মজ্জা। ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

कीवनः शृ कीवरकोषधा वाज्य इंजि वाक्रनिर्घणः ॥ क्रुपुकलक वृक्षः । इंजि मद्यानुका ॥ भूवः । ইंजि (र्यहमुः॥

की तनक की जाम । इंडि एम हम्पूरः। की तमरपानिः जी यह विरम्परः। मञ् जी निम्पानिः जी यह विरम्परः। मञ् जी निम्पः महोरत श्रापमकात का तपः। इंडि जा या शति (हमः॥ की तमा जी सम्मोषयः। इंडि सिम्मी॥ की तमा वा उन्हां विषः। इंडि मम-हिम्का॥

कीवनावामः भू वक्षाः। इंडि भव-बङ्गावनी॥

জীবনিকা ত্রী হরীতকী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

की तनी जी की तत्री। काकानी।।

(उ। जो।। (न्रा।। न्रायमा। इंडि

ताक निर्यणेः।। ग्री। इंडि नद
हिन्द्रा॥

को वनीय॰ क्रो जन । इंडि एक् महन्तुः॥ को वनीय गणः थु॰ अवद्गित्मवः । यथा। अश्वेव गंकः शर्वितां की वडी नव्क उथा। को वनीय गणः (भुणक्ता . की वनस्र भून स्था।। इंडि विक्रक श्रिकायः॥

कीवनीया जी कीवडी। ইতাসর:॥ कीवतन ही जी रिमःश्ली। ইতি রাজ-নিঘটি:॥

कीवानीवय की त्यन मियमाणा कीव उ

उप्तिवयः । जीवत्रकाकाति । जीव (नाशायः । उर्श्यग्रायः । जीवाउः २ । ইত্যमतः ॥

की वसः भू॰ ঔषद॰॥ भूगाः॥ आयु-विभिष्टे कि। इज्नाहित्कायः ॥ कीवमाकः। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

बोवञ्चिकः शृ• कीवाञ्चकः । इञ्जात होका नात्रमुन्दती ॥

জীবস্তিক। জী বন্দ।।বৃক্ষোপরিজাত বৃক্ষঃ ॥ গুড়ুগী॥ জীবাখ্যশাকঃ। ইতি নেদিনা॥ জীবতীহরীতকী। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

कीवडी खो लडाविष्मयः। कीवह है डि कीयाडी हे डिड जाया। उट मर्ग्रायः । कीवनी र कीवनीया ३ कीव ६ नथुः के । है उप्रवः॥ कीवना ७ मथुम्वा १ मुवा १। है डि उड़ी का॥ भयमिनी ३ कीवाः ३ कीव हो । १३ छन्। १६ नङ्न्रा ३३ कीव जन् ३८ छन्। १६ नङ्न्रा ३० कीव जन् ३८ का खिन् का २० मम् मिषिका २२ मू भिक्ना २०। है डि दार्ज निर्ध ।। मथुमामा २८ । कीवव्या २६ मूथक दी २७ म्गदा दिका २१ कीव्या २४ म्गदा दिका २१ कीव्या २४ शृशीः । मधूत्रवः । भीज्यः । त्रकः शिख वायं क्रयं मारु ज्ञृतं नामिष्ः । क्रयं विवर्ष नवृश्चा हेि त्राकः निर्माणेः ॥ श्रामृष्यः। त्रिक्षवः । विवर्षा नामिषः। त्रमायनषः । विवर्षा विद्या नामिषः। त्रमायनषः । विवर्षा विद्या । व्या क्रयं । व्या क्रयं नामिषः। श्राक्षवः ॥ श्राक्षवः । श्राकषवः । श्राक्षवः । श्राकषवः । श्र

জীবন্মুক্ত: ত্রি স্বস্থাকাপাথও বুন্ধণি সাক্ষাৎ কৃতে হজান তৎ কার্য্য সঞ্চিতকর্মাদীনা বাধিতত্বাদ্থিল বন্ধ রহিতো বুন্ধনিষ্ঠঃ । ইতি বেদান্তসারঃ।

कीव्यूबकः भू हेक्क् हीव्कः। इंडि भक्तव्यावनी॥ व्कवित्मयः। कीया-भूडा इंडि ভाषा। इंडिश्मव्रीकायाः व्यानाथः॥

• की वश्रः। की वृश्क्की वडी । है जि त्राक निर्धिः॥

कीविश्या जी स्तीउकी। ইতি ताब-निर्यण्या जीवज्रा जी जीवजीवजा । वृद्धि-नामीववः। इंजि ताजनिर्वणः ॥ जीवनित्तः की मतीतः। इंजि निभ-हिम्दिना।। जीवना जी मिन्हनी। इंजि ताज-निर्वणः॥ जीववली जी कीत्रकाकानी। इंजि ताजनिर्वणः॥

জীবশাকঃ পু নালবে প্রসিদ্ধ শাক বিশেষঃ । তৎপর্যায়ঃ । জীবন্তঃ ২ রক্তনালঃ ৩ তামুপত্রঃ ৪ পুবালঃ ৫ শাকবীরঃ ৬ সুনধুরঃ ৭ মেবকঃ৮ । অস্যুগাঃ । সুমধুরত্বং । বৃ হণত্র ১ বস্তিংশাবনত্বং । দীপনত্বং । পাচ-নত্বং । বল্যত্বং । ব্যত্তবং । পিত্রাপ-হারকত্বঞ্চ । ইতি রাজনির্ঘটঃ ॥

जीवम् ह। जो की तकाकानी। इंडि ताजनिव्यः॥

जीवरम्का जी अकिनासीवश् । इंडि इ।जनिर्घणः।।

জীবস জঃ পু কানব্**জি বৃঁক্ঃ।** ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

জी विषायन क्ली धान १ । इंडि द्राज-निष्यः ॥

জीवमृः जी जीवरखाका। जीवरभूजिका। ইতি হেমচন্দুः॥

कीवशान की मर्गा है डि श्लायुद्धा र्जाता खी जीवडीतृकः॥ भोही ॥ বঁচা।। শিঞ্জি হ ।। ভূমি:। ইতি (गिमिनी।। जीविजन इंजि क्रांधितः बीतभ्जः शुः क्री ভक्तः॥ जीविकः॥ जीवत्नोषयः। इंडि (मिनि)॥ कीताज्ञो शु॰ (मञी उट्यग्रायः। श्रव छ गे २ जी गः । गन्भाव ३ मञ् e (रङ्ख्र ७ जसुः १ बगुः ४। है जि रहन हम् ।। नृशि त रह उनः ॥ २०ज.री२२ महीती२२। इंडाम्बः ॥ জীবাধারঃ পু॰ কেব॰।ইতি হেম-**इन्मः** ॥

জীবান্তক পু জীবনার্থ পদিবতিকঃ । उर्शन्तिः मा क्रिकः र। इंडा-गदः।। जीव नागरक वि॥

की ताला जी रेन (इली। इंडि ताक-निर्घणेः॥

बीविका जी बीवरनाभागः। उद পर्यागः। आजीतः २ वार्डा उ वृखिः ৈ ৪ বন্তন ৫ জীবন ৬। ইত্যনর:॥ कीवः १। इंडि भ्यात्रात्नी ॥ कीवडी । इं जि (म'मनी।।

बीविकः दो बीवनः। इकि (इमहन्तुः ॥ की वचनुरङ जिला

জীবিভক্ত। জী নাডী। ইভি রাজ-निर्घणः॥

कीविः जनः शु शु ग्रामनाषः ॥ यमः ॥ ठन्दुः॥ मूर्याः। **३७ मदत्र**वावनी॥ की वाजुः। इंडि (इमहन्द्रः। की वि-তেশ্বে ত্রি। ইতি দেদিনী।।

जीती शु शुगी। यथा। जीविना॰ , দাৰুণোরোগঃ ক্মভোগঃ শুভা-मु जः। जल्कः रेवम्। सः निरुष्टिक्यः ভক্তि तमायना । । इंडि नुक्ति वता गानिम्यखः॥

जीवता जी लाक्तुत्रक्षा !! कीवडी !! **इ**ब्रोडकी । इंडि ब्राइनियं**णैः ॥** त्र श्रि। इंडि कित् क्लूफ्न:॥ জ্ ড গত্যা । ইতি কবিকল্পদ্মঃ॥ बूग है जारा। है जि कविक्लु क्याः॥ জুগুপ্পন ক্লী নিন্দা। ইতি হেমচন্দুঃ॥ जुनुङ्गा जी निन्ता। इंड्रामदः॥ जुकः शु॰ वृक्षमात्रकः। ইত্যমतः॥ जूककः भुः वृक्षमात्रकवृक्षः । इंडि व्राजनिर्घ छै: ॥

जुका खी जुकः। ইত্যমরটীকাষা• त्रमानाथः॥

জুঙ্গিতঃ তি ত্যক্তঃ। জুগ ধাতোঃ कर्या कि शुज्यायन विद्वार ।।

कीविङ्गालः भ॰ थागुः। हेल्प्रमृतः॥ ॥ जूरेक ली करे।। हेलि मध्यत्वारकी ॥

हिना की निया। वृं है डि दिनी । बुर्वान् श्र व्यक्ति । देवि व्यम्बद्धाः इंडिज काका है कि लग छ। दनी। छ छ क (अव्या) है छिकविक्त्रका ॥ **जुड** भि दरकः है 5 करिकड्रस्य ।। क्षंत्र भ गाउँ। इंडि क्विक्ल्फ्यः । **कुठ था ५ मी (छो। इंडिक विक्त्य**नः জুন শ পতৌ। ইতি কৰিকলু জনঃ।। जुर्व दे वास । हे जि कविक न न मा ।। জুল ক পিবি। চূণী করণে। ইতি ক বকল্প মঃ ॥

জুৰ কি তকে॥তৃ:প্র1।ইতিকবি-कन्नक्रमः ॥

जुन 🕮 म ७ ने इर्थ ॥ (मरन्। ইতি ক্বিকলুজনঃ॥

ङ्गु इः शु · गृषः। इंडि नद्रिन्ति॥ জুষ্ট লা উছিষ্ট ।। সেবিছে মি। ইতি (गिमिनी।।

দুখঃ ত্রি সেব্রঃ। ইতি মুক্ষবোধণা। জুল্বানঃ পু॰ কঠিনজ্দ্যঃ ।। অগ্লিঃ व् उः।।

'ক্তি যজপাত্ৰ• ॥ জুহোত্যন্যা জুহুঃ। ইত্যমর ভরতৌ॥

জুচুরাণঃ পু॰ অগ্নিঃ॥ অধ্নারি।ইতি জির্ত্তিঃ জ্ঞা জ্রাঃ।ইত্যমরঃ॥

ष्ट्रं वाकानः। सत्रव अ। शिनांहाँ । करम । इंडि भदाद्वारवी ॥ বুরাগলন।। গনন। ইতি মেনিণী।। ज्रे शु॰ भिवज्रहे। इंड्रम्बरीकाया॰ ভরতঃ: জটা। ইতিশব্যহ্বাবলী ॥ জুটক ক্লী কেশ্বদ্ধঃ। জটা। ইতি ভ্রিপুযোগঃ ॥

ज्ञिः जो (वनः।**३ छ। म**तः॥ জু জিক। দ্রী কপ্রভেদঃ। ইতি রাজ-निर्घ हे ।।

ज्य उन्ने य वर्यान्यानी॥ वर्ष। इंडि কবিকল্পজনঃ॥

জনাধঃ পু তণবিশেষঃ উলু ইতি ভাষ।। उर्शिगामः । मृह्याः २ कृतकः अवर्षः S খ्रहमः 🕒। इंडि इङ्गाना । **উ**न्क ७ **উन्भः १** । ইতি কেচিৎ॥

॥ वृक्ष्का ইতি সংক্ষিত্রসারে উণাদি- । জুণাজ্বঃ পু॰ দেববান্য । ইতি (इब्राइन्मः ।

कुष्टः जी भनामकाधिन्यिं जार्फाजन्द्रा- जिन्दि जी (वगः। इज्रानिकावः॥ वानि जाः ॥ (नशः॥ वृक्ता ॥ जुतः । इंडि म किथनात उनामिर्वृखिः॥

विषः।। हन्तुः। ইত্যুণ। हिरकाषः ॥ । जून यः वर्ष। ই ि कविकस्काः।।

शृतः ती गुः यृषः। मृहानि हाथतमः । ।
•हें जिल्लानिमः गुरु निकानाः ।
•सें क

ज्या। इंडि मक्डिम्का।

क् • नाहात्व। इं ि करिनहास्त्रभः। कृ च दे ६ कृत्यु। इं िक्टिनिक्तक्रमः। कृ च इ ६ कृत्यु। शाबामध्यम् इं ६ वावट। इं ि करिकन्नुभगः॥

অন্তঃ ক্রি নুথা দ বিকাশঃ। হাই ইতি
ভাষা। তৎ পর্যাবঃ জ্যুন হজ্যু

১ল্ ন্তিকা ৪।ই তি শব্রলাবলা।
জন্তঃ ক্রুকাডাই ডিরাজনিঘণ্টঃ
।। জ্যু তিওঁ সন্বারণাৎ । ইতি
বৈদ্যক ।। ক্লু ংপতন জ্যু বু
জীবোভিঙাকু লিবুনিঃ। অবশ্যানব
কর্ত্তর ক্যান্যথা তত্ত্বী ভবেৎ ॥
ইতি কর্মলোচন ।। গ্লা বিকাশঃ

া দুর্গরিতঃ । ইতি শব্রহারতী ।।

জয়্ব শ্লী জ্মুঃ । ইত্যনরঃ ॥

ভ্রা জ্ঞী জ্মুঃ । ইতি শব্রহারলী ॥ ॥

জ্মিকা জ্লী জ্মুঃ । ইতি শব্রহারলী

জ্মুত গ্লী বিচেণ্টিত ॥ পুর্বা ।

জ্মুটী । সুর্টিত । ইতি হেসচন্তুঃ ॥

জ্মী । সুর্টিত । ইতি মেদিনী ॥

ब्खिनी खी अनामगी। इंडि मद-

छन्दिका ॥

ू य हेत य म ब्यामा भऊवङ्ग्रामा ज्ञाव हेठि शावटा हेठि क्विक्झ-ब्यनः॥

कृ नि कि कारन हिन्दि दिक्त्यम्। জেতা ত্রিজয়শীলং। তথ্যসূত্র জিকাং জিলুলাও জৈতাও। ইত্যারঃ (जन्नाकः भू॰ (यन विष्मयः। यथा। অথ দেওকে চিকীয়ু ভূমি পরী-क्ति नृहंग्यानिता छेख्नग्रास्। গুণবৃত্তি পুশস্ত ভূমিভাগে দেশে ক্ষমধুর মৃতিকে সুবর্ণ বর্ণমৃতিকে वा ननी शर्तावाश शुक्र दिग्रामीना॰ জলাশ্যানা মন্তম্ম কুলে দক্ষিণে পশ্চিমে বা সূপভীথে কন সুবিভক্ত ভাগে দেশে সন্তাটো বা অর্ব্রাঃ পুক্রম্য উদকাৎ প্রাড্মুথ মুদঙ্মুথস্ব। অভিমুখ তীর্থ কুটা-गात्र काद्राय । উर्माय विखादणः পরম্রবীঃ যোডশাসম্ভাৎ **স**ংবৃত মৃৎকর্ম সম্পন্ন মনেক বাতাবন অসচে কুটাগারস্যাতঃ সম্ভতো ভিত্তি মর্মা বিস্তারাৎ সেখা পিণ্ডিকা কার্যেৎ আক্রাটান্মধ্যে চাস্ত কৃটাগার্স্য চন্ডভ্রিয়ু নাত্র• দিপুক্ষ পুনাণ ন্রায়ণ কন্দু সং-

স্থান বহুস্ফাছিদু অকারকোষ্ঠক खयु अलियान कात्रायथा उक्षथा हि-ज्ञागा माथकविकामा॰ वा **म्या** कार्टमान्द्रविद्। भूनीलाम । म यर। कामीयाट सायु एकानि काशानि গতধুমানি অথ তপ্তং কেঁবল মণ্নি-·**না তদগ্ৰিগৃহ**• যেৰ বোগ্যেন চোমু-ণা যুক্তমিতি ৷ তবৈন বাতহ্রা ভ্য-ক্রাভ্যক্তগাত্র বস্ত্রাবছয়৽ পুরেশ্-राट भूरवणाय रेक्टनमन् निष्ठाट (नोम्र श्विमकन्यागायाद्वाग्राय চেতি পুবিশ্য চৈনা পিণ্ডিকা মধি কৃছ্য পার্শারপার্শাভ্যা• যথাসুখ• শरीथाः। नह ज्या (त्रत मृह्। भर्ती-তেনাপি সতা পিণ্ডিকৈষা মোক্তব্যা वाशालाह्यमार जुमानात्वाञ्डः शिष्टिकावकामाए हात्र स्विशहन् (यम म् हा भन्नी उठवा मन्तरः भागान् জহাঃ ত্রমাৎ পিণ্ডিকা ন কথঞ न मुत्क्थाः। नयमा जानीयाविगठा-जिरान भाषान जम्म श्रृड (समिशिष्ट् भर्त्र म्याद्या विमुक्त वयु-'ভূতমুগগত বিবন্ধ স্তম্ভ সুপ্তিগৌরব বেদনমিতি তত স্ত • পিণ্ডিকা মূন বসন্ দার • পুপদ্যেত নিষুম্য র ॥ गर्मा हकूत्याः शतिशाननार्थ

मीउ गुरक म्ल्राम्ट। जनगड क्रम। महाभ ख मृह्र्नाट म् भारान्त्री वातिगा यथान्यायः शतिविद्छा श्नीयाट् । इंछि हत्रदः॥ (जमन क्ली (जाजन । ইट्रम्हि॥ জেয়ঃ ত্রি জেতব্যমাত্রক। ইত্যরলা। জেব ঋ ও পত্যাণ ইতিকবিকল্পমনঃ৷ (जर ५ ७ गङ्ग। हे जिक् विकद्मकाः। रेज ७ काय। इंडि क्विकनुष्कमः॥ জৈত্র• ল্লী 'ঔষব•' ইতি রাজনিঘণ্টঃ ॥ জৈতঃ ত্রি জেত।। ইত নরঃ।। পারদে পু । ইতি রাজনির্ঘটঃ।। रेज्ञ तथः पूर जयणीनः। इंडि र्नागृयः॥ रैजडी बी अयञ्जीवृकः। इंडि भय-बद्धादकी।। रें जनः शुः जिल्लाभामकः। (वोकः।

इंडि इन गुवः॥ रिजिशालः शू॰ जयशालवृक्तः। इंडि দ্বিৰূপকোষঃ॥

रैजिनिः शु गृनिविष्णवः। मरवम-व्यामिषाः छे बत्रनी मा॰ माकर्डा ভाরতক্ৎ বজুবারক । गथा। रिजनिनिक सुगलुक देवनानायन **थ**व्छ। शूनख्रःशूनक्रेक्व शरेक्छ বজুবারকাঃ॥ইতি গুরাণে॥

देनवाञ्कः शुः हन्द्रः ।। कश्राः । ,ইত্যমর: ॥ পুর:। ইতি স किछ-ইতি হেমচন্দুঃ॥ रेकवा क्वः जि मीर्घायुः ॥ कृणः। ইতি व्यक्ति॥ रिजञ्जा किञ्चा । अपिन जा। यथा। के इया भू भिष्ठ रेमथू ना জাতি ভু·শকর• মৃত•। ইতি পুা্য-শ্চিভ বিবেকঃ॥ জোহক ক্লী অগুক।ইত্যময়ঃ।। জোক্ট: পু· গব্ভিণ্যভি**লা**স:। সাদ ইতি ভাষা। ইতি হারাবলী।। জোটিক: পু• মহাদেব:॥ মহাবুতী । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।। (काञ्चाला जी (नव्यान्तरः । इंडि হেমচন্দুঃ 11 काय॰ क्री **जूथ•। ইতি শ**दत्रज्ञावकी॥ " **জোষম্ব্য তৃ**ঞী ।। সুখ । ইত্যমরঃ।, জোষা জ্ঞী যোষা। ইতি শদরগ্নাবলী জোবিকা স্ত্রী জালিকা। ইতি শব-त्रज्ञावनी ॥ /जावि जी यावि । इंजिनम ब्रङ्गीवनी ॥ জোৰিতা জী যোবিং। ইতি শদ্ बदावनी ।।

कः पु वुका॥ वृषः॥ भिष्ठः॥ মহীসুতঃ। ইতি ধরণী॥ সারে উণাদিব্ভি:।। ভেষজ । ।। ত্ত্রপ কম ত্রপ্তৌ। ইতিকবিকল্ল জমঃ क्छिथ यांत्रगालाक निमान ভোষণ স্বত্যঃ। ইতি ভটীকা্যা• मूर्गामानः॥ ক্তপিতঃ ত্রি জ্ঞাপিতঃ। ইত্যমরঃ॥ জ্ঞপ্তঃ ত্রি জ্ঞাপিতঃ। ইত্যম্রঃ।। জ্ঞপ্তিঃ জী বুদ্ধি:। ইত্যমরঃ॥ ক্তা গ বোধে। ইতি কবিকল্পক্ষম:।। क्ता कम माद्रींग ॥ जालाक ॥ নিশানে।। তোষণে।। হতৌ। ইতি ক্বিকল্পজনঃ 11 ক্তা ক প্রেরণে। ইতি কবিকল্পদ্দমঃ॥ জ্ঞাত বি কৃতজ্ঞান । জানা ইতি ভाষा। ७९ भर्यायः। विक्रिं ५ বুদ্ধ - ৩ বুধিত - ৪ পুমিত - ৫ মত -৫ পুভীত ৭ অবগত ৮ মনিত ১ অবসিত ১০। ইতি ফটাধ্রঃ।। ক্তাতব্য - বি জ্ঞানীয । (জ্ঞয । বেদ্যে । অবগন্তব্যং। বোধ্যং। মন্ত-ব্য•। ইন্তি ব্যাকরণ।। জ্ঞাতসিদান্ত: পু• শাস্ত্ৰতত্ত্বভঃ৷তৎ পর্য্যায়ঃ। তাজিক: ২। ইত্যমর: !। क्काञा वि क्कानमीनः। जर्भर्गायः

। विদুর:। ২ বিন্দু: ৩) ই্ভ্যমর:।।

क्रांडिः शू॰ मिश्वमःशादिः। बानाडिहिर अनिष्ठिक छाडिः । इंडि ভরতः ॥ उৎপय्यायः । সগোত্ৰ: ২ বান্ধবঃ ৩ বন্ধুঃ ৪ স্বঃ ৫ স্থলন: ৬। ইত্যমর:।। অ॰শক: १ গন্ধঃ৮ দাযাদঃ ১। ইক্তি ত্রিকাও-শেব:।। স চতু বিধ:। সপ্তমপুৰুষ পর্য্যন্ত সপিও:। তত ক্রি পুৰুষ পর্য্যন্ত সঙ্গল্য:। ততশ্চতুর্থপুক্ষ भग्छ : भगाता एकः । बन्न नाम मृजि भगं । स्वा निमाना एकः। ভত:পর• গোত্রজঃ।ইতি শুদ্ধিতত্ত্ব• া। এবা বিশেষ স্তত্ত শব্দে দুষ্টব্যঃ ॥ 🕸 ॥ छाि (पुार्ट्साया यथा। যানি কানিচ পাপানি বুক্ষহত্যাদি-কানিচ। জ্ঞাতিদ্বোহস্য পাপস্য क्ला॰ नाईडि वाउमी॰॥ ইडि वुक्रदिवर्र्स्ड शुक्रिवथ ७ ।। 🕸 ॥ পিতা। ইতি মেদিনী॥

ক্তাতেষ• ক্লী জ্ঞাতেভাবঃ । জ্ঞাতিত্ব• । । ইত্যমরঃ ।।

জ্ঞান ক্লী বিশেষেণসামান্যেনচাব-্বোধঃ। মোকে ধী জ্ঞান মন্য এ বিজ্ঞান শিল্পান্তযোঃ। ইত্যনরঃ ॥ অস্যার্মঃ। মোকে শিল্পে শাস্ত্রেচ যা ধীঃ সাজ্ঞান বিজ্ঞানঞ্চেচ্যত

এवा विष्मव शुवृ खिः। अना व घढे **পটাদৌ या थीः मा**शिङ्खान• वि**ङ्का**-নঞ্চোচ্যতে এষা সামান্য পুবৃত্তি:। **माक्कि थी र्ज्जान विज्ञानक यथा-**জ্ঞানামুক্তি রিভি সা যাটিভাচ विकान जूडी अकि भुगह् जि इंजि । यनात्र यथा छानमन्त्र ममसमा জান্ত। বিষয় গোচরে ইতি ঘটত্ব পুকারক জ্ঞান মিতি যে কেচিৎ প্ৰাণিনো লোকে সৰ্বে বিজ্ঞানিনো-মতা: ইতি। বুক্ষণো নিত্য বিজ্ঞা-নান**ন্দ ৰূপত্বাদি তি** এব চিত্ৰজ্ঞান • ব্যাকরণ জ্ঞান• ঘটপট বিজ্ঞান-मिड्यामिक भुगुक्य छ १ व । व्याक निगिड शिल्लभाज्यया श्री क्यान-মুচ্যতে তন্নি নিত্ততো হ্ন্য নিমিত্ত• যা তয়ো ধীঃ সা বিজ্ঞান মিডি কেচি । মোক বিষয়া মোক कना थी र्क्कान अन्य शी विक्कान কুন্যত্র ইত্যাহ শিল্প শাস্ত্রযোরিভি কেচি< । অনবোধ ইত্যধ্যাহৃত্য विवरम अवरवारवा थीः (भाक অন্যত্র ঘটপটাদি বিজ্ঞান• শিল্প-শাঙ্ৰ বিষযে বিজ্ঞাননিতি কৈচিৎ । ইতি ভরতঃ॥ 🕸॥ যোগ শাহ্র-মতেন্তা একত্ব বৃদ্ধি মনসো রিন্দ্রি-

यानाथ मर्बनः। आञ्चाना वरानिन-•**ভাত** জান মেতগৰুৱম•া। ইতি भाक्ष्यभा अकत्र वृद्धिमात्वगाव-शान वृष्किवृज्जिनियाध है जिगावर । इंडि उड़ोका ॥ 🗱 ॥ यमानिज ेমদম্ভিত্ব মহি•সা ক্ষান্তি রাজবি•। আচার্য্যোপাসন শৌচ স্থৈর্য্য-भाजा विनिगुइः ॥ इन्निगार्थमु ॥ रिवतागा मनश्कात अव्छ। बच्च मृजु बद्रा वराधि मूःथ (मायानुमर्भन ।। অসক্তি রনভিম্বস্বং পুত্র দার গৃহা-দিযু। নিত্যঞ্জ সম্চিত্তত্ব নিষ্টানি-**(हाशशिख्यु ॥ म**यिष्ठानन (यार्शन ভক্তিরব্যভিচারিণী। বিবিক্তদেশ সেবিত্ব মর্জি র্জন সংসদি ॥ অধ্যা-আ_জ্ঞান নিত্যত্ব• তত্বজ্ঞানার্থ দশ-ন• ৷ এতজ্জান মিতি প্রোক্ত ম-জ্ঞান যদতোন্যথা॥ 🗱॥ সাত্ত্বিক রাজস তামস ভেদেন তঞিবিধ•। সাত্ত্বিক যথা।সর্বভূতেষু থেনৈক ভাব মব্যয় মীক্ষতে। অবিভক্ত• বিভক্ষেষ্তজ্জান বিদ্ধি সাত্ত্বিশা ' রাজসংযথা।পৃথকত্বেনতুযজ্জান• ॥ নাৰা ভাবান্ পৃথগিবান্। বেভি मर्खियू ज्रिष् जब्छान विश्व वाकमना जाममन यथा। यञ्जू क्८-

ল বদেক ঝিন্ কার্য্যেসক্ত মহেতুক• । অতত্বার্থ বদল্লঞ্চ তক্তানস মুদা হ্বত ।। ইতি ভ্রীভগবদ্ধীতা।। 🕸 🛭 न्यायमञ्जू । अभुमाह भुमाहिव জ্ঞান• দ্বিবিধ মৃচ্যতে । তৎ শূন্যে তন্মতিযাস্যাদপুমা সা নিক্পিতা ॥ তৎপুপঞ্চো বিপর্য্যাসঃ সংশ্যো-शि शुकी चिंठः। जारम्। एक व्याजा वृक्तिः भद्गामि भीजिमा मुक्तिः॥ ভবেন্নিশ্চন ক্পা সা সংশ্যো হথ পদর্শ্যতে। কি•স্বিমরো বা স্থাণুর্বে-ज्यामि वृष्तिस मः भयः॥ जम् ভावा-भुकात्राधी खर्भुकात्राज् निर्गरः॥ স সংশ্যে। ভবেদা शे द्रक्তा-ভাবভাব্যেঃ। সাধারণাদি ধর্মস্য खान· मः मय कात्रग· ॥ (मार्या २ भूगाया जनकः भुगाया । अरग ভবেৎ। शिख मृत्रवामि काशा मारवा नाना विरक्षा मजः॥ नुगः मु११-ভুন ভিন্নন্ত জ্ঞানমত্ত্রোচ্যতেপুমা। অথবা তং পুকার যজ্জ্ঞান তদ্বং বিশেষ্যক• ৷৷জ্ঞান• য্নিৱিকল্লাখ্য• **उम्डोन्द्रिय निमार्छ । उ**र्भुमा-नाभुमानाशि छ।न यशिर्विक्वकः॥ शुकातवाहि मृन्। वि महक्तानवगा-रना । ই । जावां श्रीहरह मः॥

জ্ঞানদর্পণঃ পু• প্রজিন: । ইতি ত্রিকাওশেব:।।

জ্ঞানলকণা জী বিবিধালৌকিক
সন্মিকর্যান্তর্গত সন্মিকর্য: । তস্য
লক্ষণ যথা। বিষয়ী যস্য তল্যৈব
ব্যাপারে। জ্ঞান লক্ষ্য: । ইতি
ভাষা পরিছেদ: ॥ অস্যার্থ: । তদ্বিব্যজ্ঞাপক তদ্বিষয়জ্ঞান । যথা
পূর্বে ঘটাদি জ্ঞানে সতি পশ্চাৎ
ঘটাদিজ্ঞান ।।

क्छानी शु रेपवकः॥ छानगुरक वि।॥ इंडि (मिनि।। उन्। नक्रा॰ यथा । পुजरुं ि यहां कामान् नर्वान् | পার্থ মনোগভান্। আত্মন্যেবাত্ম-नाजुद्रैः इिज्युक्त खानाग्राज ॥ मूः (थञ्चन दिशमनाः म्रथ्य विगठ-স্সৃহঃ৷ বীতরাগ ভয় ক্রোধঃ স্থিতথী মু নি ৰুচ্যতে॥ যঃসর্ব্বানভিয়েহ खब्दशाभा मुजाम्ब । नाबि-নন্দতি নদ্বেষ্টি তস্য পুজ্ঞা পুতি-ষ্ঠিতা।। यमा সংহরতে চায় কুর্মো श्कानीय नर्जनः । इन्द्रियागीनित् रार्थिन। सम्भाजुका भुविष्ठिन।।। क्छानिनाशि कर्स कर्खवाः यथा। সক্তাঃ কন্ধাণ্যবিদ্বা•সে। যথাকুৰ্বস্তি

कीयुः कमा मः गुरु।। न वृक्ति उत्रः बनयमञ्जानाः कर्ण निक्नाः। काराय अद्वक्षां निवान् गुकः नमाहतन् ॥ शुक्राः कियमागानि **७रिगः कर्माणि अईणः । अरु** कात्र বিমৃঢাত্ম। কর্ত্তাহ মিতি মন্যতে।। তত্ত্ববিজ্বমহাবাহো গুণ কর্ম বিভা-गर्याः । धना गृत्मयू वर्डे इंडि নত্ব। ন সজ্জতে ।।ৠ। জ্ঞানিপুশ সা यथा। চতু বিধা ভজন্তে না জনাঃ मुक्जिता १ ब्हुन। या हो बिक्छा-সু রর্থাথী জ্ঞানীচ ভরতর্বভ ॥ (তবা• জ্ঞানী নিত্য যুক্ত একভক্তি বিশিষ্যতে। প্রিযোহিজ্ঞানিনো-**२**ञ्डर्थ**मरु महसमिश्रियः।। উদারाः** সন্বএবৈতে জ্ঞানীত্বাব্যাব নে মত। আহিতঃ সহিযুক্তাত্মামামেবানুত্ত-মা-গতি ।। বছনা ক্মনাম্ভে জ্ঞানবান্ধা পুপদ্যতে। বাসুদেব:। मह मिठि म महाजा मृहूर्व छः। ইতি ঐভিগবদ্দীতা॥

জ্ঞানে নিৰ্য ক্লী বৃদ্ধী নিৰ্য । তথ ষদ্ধি । মন: ১নেত্ৰ ২ শ্ৰোত্ৰ । ত ঘাণ ৪ জিহ্বা ৫ ত্ব ৬ হিভি ভাগবত ।।

ভারত। शंग्राहिद्यां खथा तक कि- ∥ छानन ती वाधनः। बानान ইতি

ভाषा। ইতি ব্যাকরণ।।

জ্ঞান্তি: জ্ঞা জ্ঞাপন। ইতি মুধ্ববোধণা

জ্ঞা গি জরাযা।। ইতি কবিকল্লজমঃ।।

ক্যা জ্ঞা ধনুগুণঃ। তৎপর্য্যায়ঃ।

মৌরী ২ শিঞ্জিনী ৩ গুণঃ ৪।

ইত্যমরঃ।। মাতা॥ বসুধা। ইতি
মেদিনী॥

कातिः की कीर्ग्जा ॥ शिनः॥ उदिने। ইতি भद्रद्वावनी॥ म् कायान् वि অভिवृद्धः। उट्शर्यायः । वर्षायान् २ ममनी ॥ शुणनाऽः

ইত্যমর:।।

बु ড গত্যা। ইতি কবিকল্পদ্ম:॥

बु ড গত্যা। ইতিকবিকল্পদ্ম:॥

बु ড খড দীখো। ইতিকবিকল্পদ্ম:॥

ৰু ড খড দীখো। ইতিকবিকল্পদ্ম:

ক্যেষ্ঠ: জি অভিবৃদ্ধ:॥ শ্রেষ্ঠ:॥

ক্যৈষ্ঠমাসি পু । ইতি মেদিনী॥
অগু জ:॥ অধিকব্যা:। ইতি ভরত:
জ্যেষ্ঠভাত: পু পিতুরগু জ:। জ্যেঠা

(का/क्षेत्रर्गः पृ• तुम्बनः । ইতি नम्द्रद्वादनी॥

इंडि ভाষा। **इंडि भंद**ब्रद्मावनी ॥

क्रिवन। जी महप्तवी। इंडि द्राव-निर्वणेः॥

জ্যেষশুঃ দ্রী পর্যাজ্যেষ্ঠাভগিনী। বডশালী ইতিভাষা। তৎপর্য্যাবঃ । इनी २। इंडि एम हन्द्रः॥

क्रिकार्य की **माग**्डमः॥ उम्ध्य-নাক্বুত । ইতি মিতাকরা ॥ জ্যেষ্ঠা জ্রী অখিন্যাদিসগুবি**ংশতি** নক্ষরান্তর্গতাপ্তাদ**শ** নক্ষর• ৷ সাতু শ্কর দস্তাকৃতি ভারক বিভযাত্মি-का। इंडि कालिमामः ॥ वलयां-কৃতি:। অস্যা দেবতা ইন্দুঃ মিশু শুণঃ। ইতি দীপিকা॥ অত্র জাতস্য कल । मदकी जिं भूरे विविवेशः সমেতো বিভাবিতো ২ত্যম্ভ লসৎ পুতাপঃ ৷ শুেষ্ঠ পুভিষ্ঠো বিকল. ষভাবো জ্যেষ্ঠা ভবেম্মস্য জন্ম काल।।ইতিকোষ্টাপুদীপ:।।#।।गृह-গোধিকা। ইতি মেদিনী।। মধ্যমা-बू निः। ই ि (२ म ह सुः ॥ गङ्गा। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ ধীরাদিনাযিকা (छमः। उन्। वक्षण यथा। भद्रिनी-তত্ত্বেসতি ভর্রধিকরেহা। ইতি त्रमञ्जूतो ॥ 🕸 ॥ जन्जीः । यथा ভগবতी • পুতি মহাদেব বাক্য । माः भुगमा भूत (र्मवा ममङ्गः कीत नागत । उत्यन् भूमश्रमात्मर् भया (मरेवन्द्र जाविनि ॥ (ब्रिक्षाप्तर्व) . नमू<भन्ना तक्रमुगाननाव्5ा। উৎ-्भमा जातुवीएकवान् किः कर्डवाः

মযেতি বৈ।।তামবুর্ব छन। দেবী। जर्र्ह (हर्गना ज्माश्यवा ग्राहरत निज्र कनर्भभुवर्डछ ॥ उट्ड হান-পুৰহানো বাসন্তত্ৰ শুভাননে য়স্যগেছে কপালাছি ভমা কেশ-**দি চিহ্নিত• ।। প**ক্ষ• ভাষতে निक्र-वर्षान्य वाहिनः। मक्रा কালেচ যে পাপাঃ স্থপন্তি মলচে- " তসঃ॥ তেষা বেশ্মনি স ্তিষ্ঠ দুঃখ मात्रिम् प्रायिनी। क्लान (कण-ভমান্থি তৃষাস্থারাণি যত্র তু ॥ তৰ তে সতত স্থান ভবিষ্যতিন न मारः। अकृता भारत्याः (मोह स স্থাচামতি দুর্মতি: ॥ ত ভজৰ जरा (हिंद कलूरवेशावृज्ञा ज्ञा । ভূণকোর কপলোশ্ম বালুকায়স **ठर्माञः ॥ मञ्जावन क**र्नाता ভবিষ্যন্তি নরাধনাঃ। রমস্ব কলিনা দেবি তেবা বেশানু নিত্যশ:॥ ठिजिशिक्षे नक्क काणिक निगु, প্জেন । ছত্রাক বিষয়াহঞ বিল্-**का या उकी कन**ा। यन। तृ श्रीकन त्य देव थामयन्त्रिं नेत्राधनाः। (उत्रा॰ गृष्ट् उव इनि । पिति माबिमुल्म সদানা ইত্যাদিশ্য সুরাঃ সর্ব্বে তে লেঙা কলিবলভা। পুনশ্চ

মন্থন চকু: ক্রীরাজি সুস্না-ক্রি:॥ইতি পাদ্যে উত্তরথপ্ত:॥ জ্যোস্লীয়: পু: জ্যৈগ্রসাস:।ইতি ত্রিকাপ্তশেষ:॥

জ্যেষ্টা কুলাবু। চেলুন ইতি
ভাষা। ইতি বৈদ্যকপরিক্রাণা।।
জ্যেষ্টাশুনী পু• গৃহছঃ। ইতি
হেনচন্দুঃ।।

(का ही जी गृह्णाया। (कठी इंडि िक्रिकी इंडिंচ ভाषा । उ गर्गायः। मुमली २ मुमली ० कुछ।-মৎস্যা ৪ গৃহগোধিকা৫ মূলী ৬ हुँ इंह् की १ भन्न ने छा ৮ गृशानिका ঠ। ইতি শব্রহাবলী ॥ ভস্যাঃ পতন ফল যথা। নিপত্তি যদি शल्ली मिक्सिशाःक नताशाः यजन धन विरयाला चाउमा वाम् जाला। উর্নি শির্দি পৃষ্ঠে কণ্ঠদেশেচ রাজ্য-কর চরণ ছাদি স্থা সর্বাস্থ্য-मंगाज। इंजि क्यांजिय ।। मिश्-विष्माय जम् भक् क्षा । विख॰ तुकारी कार्या निषित्र उता माक इ डाल्म खय॰ यान्या निश्च खर॰ जुद्रिषि किल लीडः जर्मुम्।नाय। वायवडा॰ बत्रवज्ञ शक्ष जिला॰ দিব্যাঙ্গনা চোত্তরে ঐশান্যাণ

ক্যোতি

মরণ খ্রুব নিগদিত দিশ্লক্ষণ থঞ্জনে । জ্যেষ্ঠীকতে ফুতে হপ্যেব মৃত্যু কেচিচ কোবিদা: । ইতি ভিথ্যাদিতত্ব ।।

कार्षः पु मामविष्मवः । कार्षा बक्क युका (भोर्गमो कार्ष्व) मा यक माम खर्ज मः। व्य इति शातक मूक शुजिममि मर्माष्ठ महान्तुः। व्यतामिष्ठ त्रिकः स्मोतः । ইजि यृजिः॥ उर्थर्गायः। मूकः २। ইज्ञमतः ॥ क्रिष्ठः ७। ইजि भद्मत्रञ्जावनी ॥ उत्र कारन्य क्रमः यथा। विष्म्भवृज्ञिः भूकयः मृजी-वृक्षक्ष विक्षाः वितिष्ठा क्रिम् वः। विज्ञिवृष्कि विक्षाः वितिष्ठा क्रिशे-ভिषान क्रमः हि यम् ॥ ইजि (काष्ठीभूमीभः॥

কৈ প্রসামা পু কে, প্রসামা। ক্রেপ্রসামবিদাধ্যেতা। ইতি মিতাক্ষরা।।
ক্রিপ্রী জা কৈ প্রপ্রিমা। ইতি
শক্ষর্বাবলী।। ক্রেপ্রিমা।

জ্যে ড নিযমে ॥ বু হাদেশে ॥ উপনীভৌ।ইতি কবিক্লুজনঃ॥

জেগতিঃ ক্লী দৃষ্টিঃ ।। নক্ষ এ ।।
পুকাশ: । ইতি মেদিনী ॥
জ্যাতিঃ পু অ্মি: ।। সূর্য্য: । ইতি

জ্যোতিব

भिनि ॥ (मिथिका । ই जि द्राज-निर्वेणेः॥

জ্যোতিরিক: পু॰ খদ্যোত:। ইতি শব্দরত্বাবলী॥

জ্যোতিরিশ্বণঃ পুণ কটিবিশেষঃ।
জ্যোনাকপোকা ইতি ভাষা। তৎ
পর্য্যায়ঃ। খদ্যোতঃ ২ থ্যান্তোকা বঃ
ততনোমণিঃ ৪ দৃষ্ঠিবন্ধঃ ৫ তনোক্যোতিঃ ৬ জ্যোতিরিশ্বঃ ৭ নিয়েবকঃ ৮। ইতি শদ্যভাবলী।।
জ্যোতিরী জণ্ঠ নিমেষকক্ ২০।
ইতি ত্রিকাগুশেষঃ।।

জ্যোতিৱাজি ন্নী জ্যোতিরিক্শ:। ইতি ত্রিকাগুশেব:।।

জ্যোতিশ্চক লী চল্দু স্থ্যাদিগুছ নক্ষত্র মণ্ডল । রাশিচক । যথা। ক্যোতিশ্চক ভুবো মান মূর্জা প্রোবাচ কেশবং । চাত্তলক । জ্যোতিষস্য সার ক্ষুণ্য সর্বদং॥ ইতি গক্তপুরাণ ।। অপিচ। সপ্তবি শতি তৈ- র্জ্যোতিশ্চক । নিত্র বাযুগণ তদক । শোভবে-দুশে নবক্ষ চরণান্ধিতঃ ॥ ইতি তিপ্যাদিতত্ব ।।

জ্যোতিব স্থা বেদাঙ্গশান্তবিশেবঃ। তৎ গুহণাদি গণন শার । ইভ্য-

मत्रीकाया । ভत्र उः।। প्यक्षक्र मिनः শাস্ত্র হোরা গণিত সংহিতা। কেরলিঃ শঙ্কনঞ্চৈবেতি পুশুরত্ন होका॥ 🕸 ॥ व्यम् अञ्चन्नाहि यथा। অস্য শাত্রস্য সহক্ষো বেদাক্ মিতি চোদিত:। অভিবেষক জগতা। শুভাশুভ নিৰ্পণ ।। ইক্যাধ্যয়ন _{।।} স কান্তি গুহ বোডশ কর্মণা।। भुर्याजनक विरद्धयः उख्टकान विनिर्भयः। इंडि नात्रमीयः ॥ # ॥ व्यम्प्राथ्ययन दिलाः कडवप्र यथा। সিদ্ধান্ত সংহিতা হোৱা ৰূপ ক্ষ ज्याञ्चकः। (यहम् निर्मातः हकू र्জ्याजिः भाज गकन्यवः॥ विदेन उ-দ্থিল শ্ৰে বি: আর্ত্ত কর্ম নসিধ্যতি । जमाञ्जगिषाजायमः तुकारा निर्मिष्ठ भूता ॥ অভএব हिटेक রেতদখ্যেতব্য• প্রুযন্নতঃ । ইতি नात्रमः ॥ 🕸॥ मृमुम् शार्वे निरम्था বথা। সেহাল্লোভাচ মোহাচ যো বিশ্বো হক্তানভোপিবা। শৃদ্যণা-मुशाम छ मन्तार मनत्रक वुर्छ ॥ इंडि गर्गः ॥ 🛊 ॥ ज्यम् छान मिक्गुक यथा। (यहा हि यञ्जार्थ मिल्युव्लाः कानान् भूद्या विहि-**७१७ वद्धाः । उत्रा**पिषः काव

বিধান শাস্ত্র-যোজ্যোতিষ বেদ স বেদ যক্তান্।।যথা শিখামযুরাণা• नागानाः मगरया यथा। जन्नत्वराक् শাস্ত্রাণা॰ গণিত• মৃদ্ধি স•ছিত•॥ इंडि (वहाक्खाडिक्शाक्षा वकारा শুতি নেত্ৰ শাস্ত্ৰ স্বৰূপ ভৰু: খলু मर्गन रेव। निरुष्ठात्मय कन्य बनाना॰ वडक्क॰ धर्म मुशाल्लाम॰ महार ॥ इंडि मा खराः॥ क्ष ॥ जन জ্ঞানে ফল যথা। জ্যোতিক্ষকেত্ লোকস্য সর্বস্যোক্ত শুভাশুভ । **ब्ह्यां क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्** भव्रमा॰ गाउि॰॥ इंडि गर्गः॥ জ্যোতিষিকঃ পু॰ জ্যৌতিষিকঃ। ই ভ্যমরটীকা ৷ क्याञ्चि जी जाता। ই जिल्म हम्मुः । ব্যোতিবশান্তক্তে তি॥ জ্যোতিহুঃ পু• চিত্রকবৃক্ষঃ।। নেথিকা-वीकः। इंजि त्राक्रनिर्यकः॥ गगि-কারিকাবৃক্ষঃ। ইতি রল্নালা।। জ্যোতিহাঃ পু• চন্দার্কগৃহ নক্তর छात्रकाः। इंडि (इमहन्द्रः ॥ वङ् वहनात्डार्य मदः॥ ক্যোতিয়া জী ক্যোতিযুতীলতা। इंड्रम्द्र होकाया सामी॥

ক্যোতিষ্ঠোম• ক্লী ষোডল অত্বিক্সাব্য ্যক্তঃবিশেষঃ। তত্ৰ হ্বাদশ শত গো एकिगा। ই**তি मलमामउद्गः॥** জ্যোতিমূতী জী লভাবিশেব: 1 , सालक्क्रनी इं जिल्डाक हेक्द्री इं जि त्यक्ति इंडिंग् जावा। उर পর্য্যায়: ৷ পারাবভাদ্ধি: ২কটভীত পিণ্যা ৪। ইত্যন্তরঃ ॥ পারাবত-भनी ৫ नगगा ७ इ. हेवजनी १ भृ जि-তৈলা ৮ ইজুরী ১। ইতি রল্পালা ॥ ষর্ণিতা ১০ অনলপুভা ১১ জ্যোভিল্তা ১২ সুপিক্লা ১৩ मोक्षा २८ (मध्या २८ मिछम्। ३७ দুজ্রী ১৭ বরস্বতী ১৮ অমৃত্য ১৯। অদ্যা: সুস্থায়া গুণা:। সতি তিকুর্ণ । কিঞ্চিৎ কটুত্ব। বাত কফাপহ-दक्षावन्तराः ज्वाया खगाः। मःह-श्रवः। पीरानवः। (नशाशुक्का वृष्कि-কারিত্বক । ইতি রাজনিষ্ট: ।। **जीकृद्ध । युग वित्सारे ना मिष्कारे जि** রাজবল্লভঃ।। রাবিঃ। ইতি রাজ-निर्घण्डः॥

জ্যোতীরথঃ পু• প্রুবঃ। ইতি ত্রিকাও-শেবঃ॥

(क्रार्य विक्रिक्त क्रांक्ति विक्रिक्ति क्रिक्ति क्रांक्ति क्रिक्ति क्रांक्ता क्रिक्ति क्रिक

विद्युका २ (को मू की २ । इंछामतः ॥
वान्ती ४ का मवल्ला छ। ६ वान्तु छनः

७ विद्युका छ। १ मीछा ४ ष्रम् छ
छत्र किनी २। ष्रमा छनाः । जित्ता व भामनदः । इंछि त्राक्ष निर्विष्टः ॥

कवायदः। मध्त्रदः। माह्त त्र छन्छिः ॥

कवायदः। मध्त्रदः। माह्त त्र छन्छिः ॥

रक्षा । इंछि त्राक्ष वल्ला ॥।

रक्षा । द्रायुक्त त्राज्ञिः। इंछि । माह्त त्र छन्।

ना मिद्रुक्ष । इंछि त्राक्ष वल्ला ॥।

ना स्विष्ठा । इंछा मत्र होका याः भागी।

॥ स्विष्ठ हा वा । । इंछा त्र द्र ना ना ॥।

জ্যেৎ সাপুয় পু• চকোর:। ইতি হেমচন্দু:।।

ब्ह्यार्यावृक्षः शुः मीभाषातः। इंडि बिकाश्रमयः॥

জ্যেৎদী জী পটোলকা। বিক্রা ইতি ভাষা। চিন্দুকা যুক্তারাত্রিঃ। জ্যেৎসারাত্রিরিতিখ্যাতা। ইত্য-মরঃ। রেণুকানাম গদ্ধদুব্য । ইতি শদ্চন্দুকা।।

জ্যোতিষিক: পু• দৈবজ্ঞ:।ইত্যমর:॥ জ্যোৎসু: ত্রি দীপ্ত:। জ্যোৎসু:। যুক্ত:॥ জ্যোৎসুকা জ্রী জ্যোৎসু:। বিশা।
।ইতি শমরত্বাবলী।।

জ্যোৎদ্মী স্ত্রী পূর্ণিমা যুক্তরাত্রি:।

ইতি ছেমচন্দু:।। জ্যোৎদ্মী।ইত্যমরটীকাষা• রাযমুস্টঃ।।

দ্রি • অভিভবে। ইতিক্বিক্সফনঃ।। की नि कि ब्रान। गडवङ्बरवाकाव इंडि गाव्ट। इंडि कविक्सम्बः॥ क्त्र स स्तारण। इंकि कविक्वलनः॥ জ্ব: পু• জ্বণ•। খনানখ্যাতবোগ:। **७८भ**र्यायः। जृद्धिः २। इज्जनद्रः ।। জ্রি: ৩ আডকঃ ৪ রোগশৃতঃ ৫ মহাগদঃ৬।ইতি রাজনির্ঘটিয়াঞা। छत्यारभिंख यंथा। कलाशिकमुः কোপেন চিক্ষেপ ভ্রমুখ্ণা বভ্রু याम्याः मध्यं ज्ञाकाष्टा इति दिन। ॥ छ • मृह्या जगवान् कृतः ममजरेवक्व • -জুরণত-চিক্ষেপজ্র হন্ত-নাহেশ-त्र भूर्जन ॥ 🕸 । न १ रू न ज्ताकाता यथा। बनकः अईद्रागानाः मुर्वादा দাকশোজুর:৷ শিবভক্ত যোগীচ সংব্যক্তাকৃতিঃ।। ভ',ম ক্রিপাদ ज्ञिलिकाः वष्टुरका नव रलाहनः। ज्य शुरुवर्गा ह्योमुः कानासक য্মোপমঃ॥ৠ। ভস্য ভেদাঃ৷ বাযুক্তঃ পিত্তৰ শৈহন শ্ৰেম্বলচ তথৈবচ। জ্যুভেদান্চ ত্রিবিধা শচতুর্থন্চ ত্রি व्यायबः ॥ इंडि तुः ऋरेवव खणुदानः क्षिता काजिएकाम जुद्राकामा यथा। ত্রীক্ষউবাচ। শৃণুত্ব জুর সন্দেশ। যথালোকে চরিষ্যসি। সর্জাভিবু

विनाख खया भारत्र व्हार विश विভक्ष्य हास्त्रानः स्टिनुयः यहि काङ्का । ठल्यानाम् खरेबत्कन विजीयनम शाइबान् ॥ ज्जीया যক্ত ভোগো মানুবেৰ্ণ্পথ-স্তে। তিখাভূত বশুঃ, দুর্। পঞ্ছি ভব জ্য।। চত্থো ব ख्छीगमा ভवियाजि ह । इ धुवः। এক।ভত হত্তাগঃ খোরক চতু-र्थकः॥ मानुष्यत्थ (धनाय वन वः श्वि उद्या का जिल्लायायाम् निवम दः भृतुत्र (सः॥ व्यस्त्रयः। मानू (वष्णक्र भीरवाजायः क्रमः हज्-ভগে ক্রা একাংশন পঞ্চি ুবস षिजीयन अकाउ। एवा (छत्रू ज् डीयाः मः (थात्रकः हजुधाः मन मानुरवत् तम ॥ वृद्भषु की छेल्टम তথা সহোচ পত্রক:। পা গুপত্র দ্র বিখ্যাতঃ ফলেম্বাভূষ্য মেব্চ ॥ षाउँगुं निः यात्रका ॥ भनि। नीतु হিনো ভূৱা পৃথিব্যামণি চোষরঃ৷ ष्मभा•जु नीविद्या• विम्हार निर्धा-ভেদশ্চ বহিণা।। গৈরিকঃ পর্বতে । দ্বেব নংশুসাদাভবিব্যসি। গোল-প্রমারকো ভূত্বা খ্যারকক্ষ ভবি-ব্যসিঃ।এব বিবিধ ক্ষেণ ভবিব্যসি

महीडाव । मर्मना८ मार्मनारेउव ॥ शालिनाः न्यस्मयानि ॥ श्रष्ठ प्तव मनुम्याः का नान्य छा । विवस्थि । **३७ इ**बिवन्मः ॥ क्ष ॥ देवरहक मछ मिवक्त्रान्। १ पछ र्था । तक्षशभार मञ्जूष बनु निश्राम-जञ्चतः। ज्दार्धेया म्यप्ना न বাভাগতল: নৃতঃ ।। জন্য विभुक्षे काइन कथन लुबिहा मण्याधि र्यशा मियां हात्र विहा-बन्ध (मारा शानाभवाभुगः। विद्याना (काक्षाधिः जुत्रमाः न् अकार याः ॥ १ । **७ म जन्म नामान**ु णभाः दशाः। त्याव्यायः **मञ्जानः** सर्वाक शृहरद्या । गुननपाड রোগে ভূ স জ্রো ব্যপদিশ্যকে ॥ क्ष ॥ जम् भूईक्म यथा। भुभा १वछ दिवर्गञ्च रेवव्रम्य नयनव्रवः। इहा (व्रवो मूल् क्रानि শীত বাতাতপাদিয়ু॥ জ্ঞাঙ্ক-नार्फा गुक्छ। (त्रामङ्खा १कि खभः । जशुरुवंक भीउक खब-্ৰত্যুৎপৎস্যতি জ্বো॥#॥ বাতি-कना जना नका यथा। विभथू বিষ্যোবেগঃ কণ্ঠোষ্ঠ পরিশোষ্ণ-। নিদ্রানা**শ: ফব** স্তস্ত্রো গারাণা- [॥]

রৌক্ত ঘেৰচ।। শিরো হ্যাত্রকণ্ডু रेवद्रमाः गाजितिहेक्छा। म्लाधाः न জ্ঞাপ্ ভবত্যনিলজে জ্রো। 🗗 🛚 रेभिङ्कमा छमा लक्ष्म यथा। বেগ স্তীক্ষো ২তিসারণচ নিদ্রাল্লব্র• তথা ক্ষিঃ। কণ্ঠান্ত নুখ নাসানা। পাক: ভেৰক জাযতে ॥ পুলাখো वक् कर्षे डा मृहा मार्श यम ख्वा। পী ছবিগুম নেত্রত্বং গৈভিকে তুন এবচাঞা কক্লুরস্য তস্য লক্ষণ বথা। স্তৈমিত্য স্তিমিতো বেগ অংলস্য মধুরাস্তা। শুলু মুর भूतीयद्व उधु उधि तथानिह।! भोतव भी जनु दक्षा । दान रार्ग १ जिनिम् जा। शु जिमारा १ कि কাসঃ কক্ষে হলেকে শুন্নতা।কি ।। वाङ रेनिङ्कमा छमा नक्ना यथा । ज्का मूही जुत्मा नाहः चयनानः লিরোক্জা। কণ্ঠাস্য লোবো वमश् রোনহর্ষো হক্চি खमः॥ পর ভেদশ্চ জ্ফ্রা চ বাঁতপিওজ্বা-ক্তিঃ॥ 🕸॥ বাত শ্লৈশ্মিকস্য ভস্য जका यथा। दिस्रिका भव्याः (छामा निमा भोद्यस्य स्वा मिता গুহ: পুতিশ্যায়ঃ কাস: স্বেদা পুবর্ত্তন ।। সম্ভাপো মধ্যবেগন্চ

वाउरप्रया जुजाकृष्टिः।। 🟶 ॥ शिस रिम्बिकमा उना बक्न गर्था। লিপ্ত ভিকান্যতা ভন্না নোহঃ कारमा कि छ्या। मूहु मीरहा मुहुः শীত পিত্ত শ্লেমজুরাকৃতি:।। 🟶 🛚 ।। সান্নিপাতিক্স্য ত্য্য লক্ষণ যথা । ক্লে দাহঃ ক্লে শীত নিছ্সিদ্ধি **भि:द्राक्**जा। जामात क्वृत्व व्रक्त নিভুগ্নে চালি লোচনে।। সম্বনৌ नक्षो कर्गो किश्वः भूरेकित्रिवावृज्यः। তন্ত্ৰামোহঃপুলাপক কাসংখাসো ९क् वि ज्ञा भित्रम्या थत्रम्या জিন্তা <u>স্</u>ভাঙ্গতাপর । গ্রীবন রক্ত পিৰস্য কফেনেছিন্সিভন্যচ ॥ नितरमा (मार्ठन ज्या निमा नात्मा क्षिया । (यम मृब भूही यानाः চিরাদ্দর্শন মল্লপাং 🛭 কৃশত্ব•নাতি-পাত্রাণা পুতত কঠকুজন। কোঠানা স্থাবরকানা মণ্ডলানাঞ্ দর্শন ।। মৃকত্ব স্বোতসা পাকো **७**कष् मुरुद्रम् । हिद्रां भाकक দোবাণা সন্মিপাভজুরাকৃতিঃ।।।।।। অসাধ্যস্য সার্নিপাতিক্স্য তস্য ं जक्र १ वर्षा। (मार्य विवरक् नर्छ १एनी सर्व जम्मूर्ग लक्ष्यः। जिल्लाज ब्दा १ माधः क्षुमाध खला

হন্যথা ৷৷ সপ্তকে দিবলে প্রাপ্তে म्यान् बार्ष्यां वा। भून (वांद्र-ভরে। ভূত্ব। প্রশম বাতি হস্তি वा ॥ मधमी विचना देव नवरमा कारणी उथ। वना विस्तान सर्याता মোক্ষায়ত ব্ধায়ত।। সঞ্জিত-জুরস্যান্তে কর্ণমূলেমুদা**ক্ণঃশোথঃ** সংক্রায়তেতেন কশ্চিদেব পুমুচ্যতে ॥ ইতি माथन कवः॥ 🕬 जीर्गज्दम् नक्षा । यथा : बिमश्राष्ट्र वाडी उस জুরো যন্তনুতা গতহাল্লাহারি সাদ• কুৰতেসজীপজ্ব উচ্যতে॥অত্ৰ **জ্বা** পম্ন দিন পরিভ্যত্য গণ্নীয়ঃ।। ইতি বৈদ্যকণা খ্রান্সাগভুজারা যথা ।অভিঘাতা ভিচারা ভ্যানভিষকা-ভিশাপতঃ৷ আগন্তর্জাযতে দোবৈ-र्यथाञ्च छ विভावत्यर !! # !। विष-ভক্ষ बाग खक्मा उमा **नक्ष १**॰ यथी । শ্যাৰাস্যতা বিষকৃতে তথাতী-সার এবচ। ভক্তাক্চি: পিপাসাচ তामक अञ्मूह्या ॥ 🕸 ॥ ७वधी গন্ধৰস্য কাম্ৰম্য তম্য লক্ষণ यथा। अवधी शक्षा गृही निरम्नः ক্শুম্পু তথা। কামজে চিত্তবিভূ স खनुषात्रा भाषाबन ॥ चरार-<u> भुनाभः (भाकाः ज्यर काशाः</u>

वृत्र

বেপথুঃ। অভিচারাভিশাপাভ্যা• , নোহ স্থা চ জাযতে ॥ ভূতাভি-बक्रामुख्या श्राप्त (द्रामन कम्मनः ।कान (माक ज्याद्यायुः कायाद-পিত্ত ৰয়ে। মৃগা:।। ভূতাভিষক। ৎ ब्नाहि ज्ञ्बामाना नक्षाः। 🕸। विषमञ्जूतमा मः भाषि यंथा। मारा **২**ল্লো ২হিত সমূতো জ্রোৎস্**ই**সং ব। পুন:। খাত মন্যতম প্ৰাপ্য করে।তিবিষমন্ত্র•॥ #॥ সম্ভতাদি জ্রাণা পুতিনিয়ত দ্ব্যা ধাতবো যথা। সম্ভত রস রক্তর্থ সো क्त्रामूरः शिमिजान्त्रिजः। (मामा-গত ভূতীয়ে হৃছি বৃদ্ধি নজ্জগতঃ পুন:।। সর্ব্যাদ্বাত্ত্থক । যোর মতক। (तागमकतः। मधाइषा मणाइषा দাদশাহ মথাগি বা ।। সন্তত্য যোহবিসগী স্যাৎসম্ভতঃ স নিগ-দ্যতে। অহোরাত্রে সভতকো (हो कानावनुवर्ङ्ख ।। व्यंत्रापुर्यु खुरहाद्राज अक काल पुवर्ड छ । ত্তীয়ক স্তীযেৎক্লি চতুৰ্থে ২ ক্ল চতুর্থক:।। কেচিভ্তাভিষা সাখ বুঁবতে বিষমজ্ব। কক গিড়া এ-কগাহী পৃষ্ঠাদ্বাত ককাত্মকঃ।! বাত পিভাছিরোগুাহী ত্রিবিধং

माब्डीमकः। চाज्थंका मर्भरिड शुकावः विवि**धः वृतः ॥ बङ्गाक्रा**। त्मिश्चिकः भूवं नित्रस्था श्निन मञ्जदः । विषम ज्ञत्र धवानाः काजुर्वक विभर्गग्राः॥ मस्या व्यहनी ব্রয়ত্যাদাবস্তেচ মুঞ্জি: 🛊। বাত-वनामक जुरहा यथा। निष्ठाः मन्त-জুরো ৰক্ষ: শূনক তেন সীদতি। ন্তকাৰ: শ্লেম ভ্যিষ্ঠো নরো বাত-वनामकी ॥ 🗱 ॥ भूतनभक्ष्रता यथा। পুলিম্পন্নিব গাত্রাণি ঘর্মেণ गोद्रादन वा । सन्त बृद्ध विरामशीह ननीजः महार भुरत्नशकः॥ # ॥ বিষমজ্র বিশেষাঃ বিদ্ঞেৎ লরসে দেহে শ্লেখ্য পিত্তে ব্যবহিতে। **उनार्कः** भी उनः (मरह ठार्क (भाषः <u> भुकायक ॥ कार्य मुक्षे यमा शिखः</u> শ্লেমাচান্তে ব্যবহিতঃ৷ তেনােঞ্ত্বু৽ **मत्रीत्रम्य भी उप् श्ख भानत्याः** ॥ 🏶 ॥ উक्रार्थम् विशर्यहर्यन জुवास्त्रः। कार्य (भूना यहा मुद्रेः পিরকান্তে ব্যবস্থিত। শীওত্ব তেन गाजागा मुक्द् । इंड भागायाः ॥ भा भी उभू रही ज्ता यथी। वृक्ष्री **(मुद्यानिको भी** ज्ञास्ते बनयर्डा জ্বে। তথোঃপুশান্তথোঃ,পি**ত নতে** मारु कात्राजि ।। 🗱।। मारुश्रवी कुद्रा यथा। कद्राउँ । उथा পিত্ত• ত্বক্ছ• দাহ মতীবচ। ত্ৰিন্ भुमार जिंग्डा सक्यः मीज भवतः ॥ बारवरको नाह भौजानी জुরৌ স•সর্গন্ধে স্থাতী। দাহ भूब खर्याः कक्षः कृष्ट्रमाध्य अभक স: ॥ #॥ উক্ত বাতাদি জ্রাণা। थाजू विस्मिष म्याज्या अधिक वक्षानि यथा। एक उ। इत्राया ८-क्ष्मः जमन इम्ह श्राह्यो। त्र महिन कृत्र विक् रिन् १ क्यार मान প্রায়তে ॥ ১ ॥ রক্তনিষ্ঠীবন मारश मार मूर्पन विज्ञानी। পুলাপঃ পিডকা তৃষ্ণা ব্লুকপাপ্তে 🛚 জুরে নৃণা• ॥ ২ ॥ পিণ্ডিকোছেষ্টন• ज्या म्हे म्ब भूतोव छ। উचा छ-ৰ্দাহ বিকেপৌগ্লানি: স্যান্সা-সগে-मृद्धा। ।। ज्म । सम ख्वा मूही भुवाभ मुर्फि (इवठ । (होर्गक्रा-(बाहरको-मानि (र्मरः हाम्हि-कु डा ॥ ८ ॥ (छ (दा २ झा । क् बन । यात्मा विद्रक मृिक द्रवह। विक्लिनाक गाजाना (मउम्बिगाउ 'ব্রে ॥ ৫॥ তম: পুবেশন হিক্ক। कानः रेगज्यः विम उथा। यउ-

फ्रांहा महायाता नपंहरक मञ्जागा । ।। महा भुग्न याखन শুক্ছান গতে জ্রে। শেফসঃ ন্তব্য তা নোকঃশুক্রস্যতু বিশেষতঃ ৭॥ 🗱 ॥ খান্তভেদে জ্র বিশেষো य्था। वर्षा नवस्त्रसम्बद्धव् वाङ्गितः भाक्तः कमार । रिक्टा १ना স দুঃসাধ্যঃ পাুক্ত ক্ষানিলোন্ডবঃ ॥ বর্ষাসু মাক্তো দুষ্ঠ: পিক্ত (मुगानिका **ब्**त्र । अर्ये। ८ शिख्य भद्रिक जम् हान्यनः ककः ॥ তংপুক্ত্যা বিসর্গান্ধ তত্র নানশ-নাভ্ৰ•। ককে। বসত্তে ভমপি वा ७ शिख • छ (वह नू ॥ काल यथा स• महिवा॰ भुवृत्ति वृत्ति द्वव वा 1 # । अनुभन्याभन्यया र्नक्न । निषाताकान्गमाया विभन्नोत्छा-**भनाविजा ॥ 🕸 ॥ अ**ष्ठर्तिग जुत्र वक्राः। वहर्षाक्। श्विक ख्या भूनीनः अमन· ज्ञानकऽहि म्न मखारा (नाव वर्छा विनिगुइः॥ च इर्दिगम् । तिकानि क्वरेम् जानि লক্ষেত্। 🗱। বহিবেগজুর লক্ষণ। সম্ভাপোভ্যধিকো বাহ্য ভ্ঞাদীনা-क्यार्फ्व । वहिर्द्यगम् निकानि **সুধসাধ্য** (भवह ॥ 🕸 ॥ श्रामञ्जूत

नक्र १ । नाना भुग्राका क्लाम क्रत्याणुकारताहकाः । जनुगानगा বিপাকাস্য বৈরস্য গুক্গাত্রতা : কুমাশো বহু মূত্রণ স্তর্কা বল-ंवान् ज्रयः। आमज्यम् जिकानि न एर्।। (उर्जः शामातायमा ज्या ज्मयि ज्ञा 1 # । পচ্যान जुत लक्न । जुत-(वर्गा १ विक छुका भुनानः अमनः ভুম:। মলপুবৃত্তি কৎকেশ: পচ্য-भानमा वक्ष ।। # ।। भक्षुत नक्र । क्रूट कामडा नघुउक गाजागा ज्वमार्म्य । (मात्र পुर्वि ब्रह्रोर्ट्श निवासमृद न रूपः ॥ 🕏 ॥ नाथ/जुद्र लक्ष्म । वलव सन्न-(मारवयु ज्दाः जार्थतः २नुशनुदः । #। অসাধ্যজ্ব লক্ষণ । ছেতৃ ভি ৰ্ভ ভি ৰাভোবলিভি ৰ্ভ লক্ষণঃ । इतः भागां कृषक नीवु मिन्तिय नामनः ॥ कृतः कीगनः भ्ननः गञ्जीद्भा देमर्घाद्राजिकः। स्राप्ता বলবান্ যশ্চ কেশ সীমন্ত কৃজ্জ্বঃ ॥ 🗱 ॥ ७ व भञ्जीत ज्ञृत छ।न•। गञ्जीवस्र वृद्धा एकत्या शहरीरहन **ज्करा । जानकाद्वन ठाउ**७४० यानकारनाह्नास्त्रन्छ। व्याद्रश्चाहि-

वासायस्य मन्द्र वा रेमर्घा ता विकः । ক্ষীণস্য চাতি ক্ষস্য শস্ত্রীরো यम् इष्ठि छ ।। 🗱 ॥ दिन छः ন্তান্যতে যন্ত শেতে নিপতিভোগি वा। भी अफ्रिका श्ख्यक्षक ब्रुद्धन भुग्रा नद्रः ॥ (या ऋडेद्रामा वकाका इमि मः घाउ भ्ववान्। ৰক্ত্ৰেণ চৈবোছ সিভি ভ• জ্বাহন্তি নানব ।। হিক্লা স্থাস ত্ৰাযুক্ত। মূঢ় বিভাৱ লোচন । সম্ভভো-हु। त्रिन • क्की १ • नद्र • क्क शय ि कृदः॥ र उन् ए जिन्स्य • काम महाहक नि-পীড়িত। গদ্ধীর তীক্ষ বেগার্ত্ত। कुन्नि उ॰ भन्नि वक (यूट् ॥ 🕸 ॥ ज्नु স্যোপদুৰা রক্ষিতোক্তাঃ। স্বাসো मृहां २कि मृद्धि ख्काञीनात विष्गुशः। हिङ्गाकात्मा इक्खिम्क ब्द (म्रानम्वा मण ॥ 🕸 ॥ ज्द मुक्ति পূर्वक्षभः। मारुः (त्रामा जुम স্থা কম্প বিছিদ সু-জ্ঞিতা। क्षनकामा दिशका माक् जिब्ब (माक्रा। का । जुत्रमुक नक्रा। (सामा नघुव मित्रमः कथुः भारकी म्थम्। कवथ् नाम निम्माह क्तर-मुक्ता वक्ता। हेकि मान्वकाः॥ बुत्रः पु गूज्गी। वाक्कः। है जि त्राजनिर्घणेः ॥ ज्रन्भिक कि ॥ ज्रम्ञु जी मक्षिष्ठां । ইতি त्राज-निर्घणेः ॥ ज्रमी ।

वृत्रागः गृ• बृत्रक्रभागः। ७८ शर्यायः । व्याधिमनायः २। ইতিহারাবলী।।

क्राकी जी जमुमिखका। ইভিরাজ-নির্ঘটঃ!!

জ্রান্তক: পু• নেপালনিদ্যা আরগ্ধ:
। ইতিরাজনির্ঘট: ॥ ঔষধভেদ:।
ইতি বৈদ্যক• ॥ জ্বনাশকক্ষা।
জ্বাপহা জী বিল্লপত্রী। বেলশুঠা
ইতি ভাষা। ইতি শদ্চন্দ্রিকা॥
জ্বনাশকে ত্রি।।

ब्रिङ: जि ब्री। ইडि लाबनिर्घणेः॥ ब्री जि ब्रयुकः। यथा। धर्व्यक्तिः नम्यकाल वा ब्री नाम्या कथ्यन । ইडि ठक्रशानिम् सः॥

कृत कम हला। विवि। इंडिक्वि-कन्नक्मः॥

कृतः भू• क्। कः। मीछिः।। मीछि विभिष्टे वि। ইভি মুখ্যবোধ•।।

कृतका की व्यक्तिशा। ইভি एस- । अ अकावः। न वाक्षन नवसवर्गः हवर्ग हम्मः॥ इन्दर्शन । व्यक्तिहान जान

ক্লন: পু॰ অগ্নি: ।। চিত্রকবৃক্ষ: । ইভামর:।। দহনে লী।।

ब्ननामा श्र म्याकाडनिश हेडि

वाजनिवर्णः॥

ज्विजः वि मक्षः॥ উज्वः। ইडि यमिनी॥

জ্বিনী জী মূর্যালতা। ইতি রাজ-নির্ণটঃা

क्वानः शृ की व्यक्तिशा है उप्रवः॥ क्वानः क्षे की व्यक्तिशा है उप्यक्ति।। क्वानः की मक्षामः। है उप्यक्तिम्द्रकाः।। श्वानः की मक्षामः। है उप्यक्तिम्द्रकाः।। श्वानः विष्या। है उप्यवः॥ माहण्यः। श्वानागर्म उकः शृ द्वागिविष्यः। उद्भग्रायः। ज्वानाताग्रज्यामयः २ ज्वानाथत्रमः १ शर्म ज्वामः । है उत्राजनिर्मणेः॥ व्यक्तिः।। कानगर्म ज्वाम्य मुद्धेवऽः॥

জ্বলাজিহ্ব: পৃ॰ অগ্নি:। ইতিহেনচন্দ্ৰ:
জ্বলামুখী জী পীঠজানবিশেষ:।
ভরভগবত্যাজিহ্বাপডিতা। তত্র
অধিকাদেবী । উন্মন্ত নামকভৈরবশ্চ। ইতি পীঠমালা।।

स

ধ কারঃ। স ব্যঞ্জন নবমবর্ণ: চবর্গ চন্তর্থবর্ণন্চ। অস্যোচারণ স্থান তালু। ইতি ব্যাকরণ ॥ অস্যোৎ-পত্তির্থা। বিসর্গ স্তালুগঃ সোমা শংচবর্গঞ্বস্তথা।ইতি পুগঞ্জারঃ

॥ यम् अवन्य वया। सकाव निव्यान भानि ञ्खनी (नाक्क्लिनी। तक বিদ্যুল্লভাকার সদা ত্রিগুণ সংযুত্ত• ॥ भक्षास्यमयः वर्गः भक्ष भागाञ्च-क : जना । जिविन्तु महिन वर्गः ত্রিশক্তি সহিত তথা ॥ ইতি कामरश्नु उद्धः ॥

यः भु• यञ्चावाजः॥ नष्टः॥ **यस्**वर्याः। इंडि भद्रज्ञावनी ॥ यणीमः॥ मूत्रशुकः॥रेमज्जामः ॥ ध्निः॥ ভারবায়ঃ। ইতি মেদিনী॥

यकातः पुः जुमतामिनदः।यथा। नु। तस्ता भ्रभूषि तकात्र भरहा ঝকার কোলাহল:। ইতি বল্পাল-(मनः॥

क्या जी श्वनिविष्णयः॥ बनक्ग वर्षणः 1**३७ भ**दत्रद्वावनी ॥

अञ्चानिनः शुः भाव्यिकवागुः। अञ्चा-বাতঃ। ইতি ত্রিকাণ্ডলেষঃ॥

अञ्चावाजः प् भावृधिकवायुः । हेि र्नायूदः ॥

ষ্ট • স•হভৌ। ইতি কবিকল্লফ্ম:॥ अहिः श् कृप्वकः। इंड्रगिष्टिकायः॥ यि कि वा करा नीम्। उर्शर्गायः । जुाक् २ अक्षमा ७ अङ्गाय ८ সপদিও দ্বাক্ ৬ ম ক্ । ইভামের।।

বাত্তি ব্য বাটিতি। ইতি প্ৰাকৃত ভাষাযা• कांब्रश्रुकाणः॥ यनeकातः भू• अनुकत्रगणपः । **कस**-गानिश्रुनिः। यथा। উদ্বেলজু जवलि কন্ধণ ঝনৎকারঃ ক্ষণ বার্য্যতা । इें कि कि विमानः॥ ঝম উ ভক্ষে। ইতি কবিকল্লফম:॥ यणाः शृ· **जन्माउभउन**ा नगः। इंजि किंगियतः॥ यम्भाकः भू वानद्रः। ইতি শदद्रा-

वनी।।

वान्त्रामी भू मटमात्रक्षमा। इंडि किंग्यंत्रः ॥

वान्त्री भू॰ वानवः। ইতি नपत्रवादली॥ কর: পু• নিঝর:। পর্বতাবতীর্ণ कन्युवारः। ইত্যমরः॥ यत्रा जी अतः। ইত্যমরটীকাষা॰

ভরত:॥

जी वातः। इंडामत्रहीकायाः ভরত: 11

यह न ऐस्को ॥ चङ्ग । इंडि कवि-कन्नुक्यः॥

वह न উक्ता। जङ्गी इंडिकवि-कनुक्यः॥

्यवां न परको।। जङ्गा इंडिकवि-कन्नकमः॥

वार्कतः भू वान्यविष्णयः। ইउप्रवः॥ व्याभूदे।हारिक काईशान । इंडि ए छ। का मात्रमून्स्दी ।। कद्र इंडि খ্যাতঃ৷ ডিভিনে৷ ডেক্রীপ্রোক্তো ব্যারঃ পটহ: म् তঃ। ইতি ভরত-ধ্ত বৈস্ঠঃ॥ তৎপর্যাযः। বাল্লকী २ वाल्ली ७ वाल्यी ८ वार्वाती ए। इंडि नम्बद्धादनी।। किन्यूगनानम् उद् । इंडि (मिनि ॥

वार्वात्रकः शुः कविष्णः। इंडि ত্রিকা প্রশেবং ॥

বাবারা জ্রী বেশ্যা। ইতি ত্রিকা (न्यः॥

वार्वाती जी वार्वात्वाम्। इंडि मम ज्ञावनी ॥

বর্ষরীকঃ পু॰ শরীর•। ইত্যুণাদি-কোষः ॥ (रणः ॥ विवः । ইতি ॥ म-किश्रमात उपापिवृखिः॥

ত্রিকাওশেব:॥

(बनिनो॥

া ইভি,মেদিনী॥

अलः পু বর্ণসক্ষমাভিবিশেষ:। বাষ লী থিল। ইত্যুদ্ধপাল:॥

ইতি জটাধ্য়া৷ সক্ষত্রিয়াৎবু৷ত্যাৎ সবর্ণাযা-জাতঃ। ইতি মনুঃ। পুহা-সক:। ভাঁড ইতি ভাষা। ইতি নহাভারত•॥

यज्ञक क्षी का गानिर्मि उकत्र उलक । যথা। শিবাগারে বাল্লকঞ্ স্ग्रागात ह भद्यकः । मूगागात व- मिवान्तर- मधुतीक न वानरवर।। ু ইতি তিথ্যাদিভত্ব•॥

यञ्जकथेः भू॰ भाजावछः। ইতি श्वावणी॥

वाहाती जी ए एकः। वावातवान्तरा। বালচক্র•।বালডীতিখ্যাত•।ইতি (म्हिनी ॥ भूबः ॥ (३ हः। इ छ ८-জনপাত্রঃ।

वाज्ञिका औ छेबर्डनभरेः॥ (म्राजः । इंडि (सामनी ॥ उँव इनमनः। इंडि मम्बद्धावनी॥

বাগজুলা জী হতিকর্ণামালন । ইতি বালী জী বাবারবাদ্য । ইতি শব্-बदावनी ॥

यनती अने रूपूरः । वार्तात्रवामा ॥ वारलानः म् उक्नामकः। रिजयात বালচক । কেশবক । ইতি বাটুল ইতি ভাষ।। ইতি হারাবলী বাষ ০ বধে। ইতি কবিকল্মনঃ।। योग की कन्या। व्याजभारम्याचिः वाव वा गुरू।। भिषात । इंडि कविकन्नुक्मः॥

वारः भू न न न । इंडामदः॥ **जामः ॥ वनः। इ**कि यामिनो॥ भीनदानिः। यथा। नार्क्षन्छ अत्व भारत वमुमारका घरते वृत्व । इंडि मनवणुभीभः॥ বাৰকেতনঃ পু॰ কন্দৰ্গঃ,। ইতি इनागुवः॥ বাষা জ্রী নাগবলা (ইভানর:॥ यवाद्यः भ् अनिक्षः। ইতি एश-ठन्मः॥ ব্যবাশনঃ পু॰ শিশুনারঃ। ইতি ত্রিকাওশেষঃ॥ वारवामती जी व्यागमाजा। इंडि ত্রিক। গুলেব:॥ वाक्षित्र की हत्रभावसात्रविष्णवः। ইতি ধরণিঃ॥ वाहै: पृ निक्षः ॥ काञ्जातः॥ बुगमीना भाकन । इंडि (मिनी॥ বাটিল: পু• ঘ্টাপাটিলি: ইড্যমর:॥ याते। जी ज्नामनकी। इंडामतः ॥ ।। यूथीव्कः। ইতি नद्रिन्द्रा।। वारिका जो ज्यानगकी। इंडि नम्हिन्द्रका ॥ यानकु क्री मत्बहेका। याना इंडि ভाषा। ইতি हात्रावली।। ঝানর: পু• তকু শাণ:।টেস্যারশাণ

ইতি ভাষা।ইতি শব্দরত্নাবলী॥ वाकादः श्राची वार्कात्रकः। वार्वात्र-वाराकडी । ইতি व्याकत्री ।। कालिः की गुछनविष्णवः।कात्रि ইতি খ্যাতা। যথা। আমূ **মাম ফল**ণ পিষ্ট ব্যাজিকা লবণান্বিত ৷ ভৃষ্ট विक्गूड॰ পूड॰ घानिड॰ वानि क्ठारंड ।। यानि र्इतिङ जिख्यायाः क्षेत्र क्षेत्रणाधिनो । मन्तर मन्तर निली जा ना द्वाहनी वङ्गिता (ध्वी ॥ ইতি ভাৰপুকাশ:॥ वातूः भू वृक्वविष्मयः। वाउँ इंडि ভাষা। ইতি শব্রত্নাবলী।। ঝাবুক: পু বৃক্ষবিশেষ:। ঝাউ ३७ ভाষा। ७९ भर्य)।यः। भिष्टुः २ साबू: ७ सानू: ६। इंडि म्य ब्रान वनी ॥ বিক্লাক প্লী ফলবিশেষ:। বিক্লো ইতি ভাষা। অস্য গুণাঃ। তিক্তত্ত্ব• । মধুরত্ব॰। আমবাত মনদাগ্রি का तिवृक्ष। ইতি রাজবল্লভঃ॥ विकिनी जी जिल्निनीतृकः। इंडि ভাবপুকাশাং ॥ উল্পা। ইতি শব্-ब्रङ्गादभी ॥ विश्री जी जिल्निगीत्कः। इंडि ভাবপুকাশঃ॥

विश्विमः भू मार्वाद्यः। इंड हार्तावनी ।
विश्वित्रहे। जी क्रूशविष्णमं । विश्वितीहे। इंड हार्वा। छ भ्यायः। कना
२ शिह्युना । विश्वित्रा । हार्वाण्यकना ६ वृद्धा ७। व्यम्प्राध्याः।
कर्वेद्धा भी छद्धा क्यायद्धा तका छिमात्र ना मिद्धा । वृष्णद्धा । महिनी की त्रव्य न दुक्ष ।
इंड त्राक्ष निष्णेः।।

মিঞ্জী জ্রী ঝিল্লী। যথা। ঝিঞ্জীবাব্যক্ত মধুরাক্জন্তী মধুরাক্তি:। ইত্যা-গমঃ॥

বিটো জ্রী প্রবৃক্ষবিশেব:।বাঁটো ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়:। সৈরীযকঃ ২। ইত্যমর:।। কট সরটঃ ৩
সৈরেযকঃ ৪ বিটেকা ৫। ইতি
রালনির্ঘটঃ।। নীলবিট্যো: পর্য্যায়ঃ
। বাণা ১ দাসী ২ অর্ত্রগলঃ ৩।
ইত্যমর:।। বাণঃ ৪ আর্ত্রগলঃ ৫
ইতি ভট্টাকা।। সহচর: ৬নীলঙ্গরটকঃ ।। ইতি রত্নমালা ।। অঙ্বণ
বিট্যোঃ পর্য্যায়ঃ। সরবকঃ ১।
ইত্যমর:।। পীতবিট্যো: পর্য্যায়ঃ।
ইত্যমর:। গতিবিট্যা: পর্য্যায়ঃ।
ইত্যমর: ।। পীতবিট্যা: পর্য্যায়ঃ।
ইত্যমর: ৩ সহচরী ২। ইত্যমরঃ
।। সহচর: ৩ সহচরী ২। ইত্যমরঃ
।। সহচর: ৩ সহচরঃ ৪। ইতি
ভট্টাকা।। বীরঃ ৫ পীতপুর: ৬

मात्री १ अवरिक कार १ इंडि तक्षमाना ॥ अम्प्राञ्चाः । कहुँद्यः । जिल् द्यः । मञ्जास्य भृनवाज कक्ष भाक्ष कार्य द्वाराय नाभिद्यकः ॥ अन्तत्त्व्रः । इंडि वाकनिर्द्याः ॥

वित्रिका श्री विल्ली। ই जिल्ल-त्रज्ञावली।।

বিরী দ্রী বিজ্ঞী। ইতি শবররাবলী।।

বিজ্ঞান জ্রী বাদ্যবিশেষ:। যথা।

যটাশত্ব শুথাভেরী মৃদক্ষৌ বিজ্ঞান

রেবচ। পঞ্চানা শস্তে বাদ্য
দেবভারাধনেষুচ॥ ইতি গ্টার্থদীপিকা।।

বিল্লিক। ত্রী কিল্লী। আতপস্য-কচিঃ॥ বিলেপনমল । ইভি হেন চল্দুঃ॥ কিলিকারাবঃ॥ উন্তর্নবঙ্ক কচিঃ। ইভি শদ্রন্নবলী॥

বিল্লী দ্রী কীটবিশেষ:। বিঁকিপোকা ইতি ভাষা।তৎপর্য্যায়:বিল্লীকা ২ বিল্লেকা ৩ বিরেকা ৪ বীককা ৫ বিরৌ ৬ চীলিকা ৭ চীল্লিকা ৮ চিল্লী ৯ ভৃষারী ১০ চীল্লকা ১১। ইতি শ্বরত্বাবলী।। চীরী ১২।ইত্য-মর:।। চীককা ১৩।ইতি তউ্টাকা।। আতপক চিঃ।। বজী ।।উদ্বর্ত্বনা শুকণ ইতিমেদিনী।। স্থালীলগ্রদ্ধারণ। हेड ब्रम्थानः ॥ विल्लोकथेः शु॰ गृहक्षाडः। ইडि

4

ত্রিকাওশেষ:।। বিল্লোকা জী বিল্লেকা। ইতি হেম-চন্দ:।।

ব্যাক্ত জী বিল্লী।ইত্যমর:॥ বুট: পু• স্তম:। অপুকাওবৃদ্ধ:। ইতি শক্তিনুকা॥

वृग्तिः जी व्राणिगीनिष्णवः। यथा

। शुष्यः भृत्रात वङ्चा भाषीक

भवृता मृषुः। একৈ व वृग्ति र्वाक वर्गानि नियसाङ्ग्रिष्ठा ॥ अरठा वक्षण (म्ह्रम्या त्रामाहाति विष्ण-वक्षण (म्ह्रम्या वण्णः मृषः शुनिषः नृश दक्षनः॥ ইতি मङ्गी उमासा-मृतः॥

ब्रुभिः भू• कगूकरजनः। मृहेरिमयः শুजिः। ইতি মেদিনী॥

ঝু ব য র জ্যানে। গতবহু বযোভাব ইতি যাবং । ইতি কবিক নুজ ম:॥ ঝোড: পু: শুবাক বৃক্ষ:। ইতি ভূরিপুযোগ:॥

ঝু ড গত্যা। ইতি কবিকল্লফন:।।

B

इ।न जानू। ইতি व्याक्रम ॥ #॥ অস্যোৎপাতি যথা। বিসর্গন্তালুগঃ সোন্মা শ চবর্গঞ্ধ বস্তথা। ইতি পুপঞ্চসার: 11 # 11 অস্য লেখন-भुकारता यथा। अ अनी क्रमा हाय দক্ষতো বামত স্ততঃ। খজু চাথো-গতা মাত্ৰা বামত: সঞ্চিতা পুন:।। विश्वेष्ठि जामू निजामू म्यंन्द्र-वक्गाः जमा। अधनी हर क्शा जु যা মাত্ৰা মধ্যতঃ হি তায় মহাশকি सक्तभा ना धान मना नुवकाडि। ইতি বর্ণোব্দারভন্ত।। 🗱।। অস্য यक्ष ग्या। जना विश्वव मःयूकः क्षकात्र भृगु जुन्मति। त्रक्रविष्ठु-ल्ल डाकाद्र॰ या त्रय॰ शद्र अखनी।। भक्षाम्यगयः वर्गः भक्ष भागाञाकः-সদা: ত্রিশক্তি সহিত বর্ণ ক্রিবিন্দু-সহিত সদা।।ইতি কামধেনুতজ্ঞ।। कः भू भाषनः ॥ घर्षत्रश्रृनिः । ইত্যেকাক্ষরকোষ: ॥ वनीवर्षः ॥ শুক:।। বামম্ভি:। ইতি মেদিনী।। ঞি: পু• পুত্যববিশেষঃ। সপেরশার্থে ভবতি । তঁস্য ইকার বিগতি।। ধাতোরনুবন্ধবিশেবঃ। স বর্ত্মনি জ পুতाय (वाधकः। ইडि (वाशामव याभी॥

हें ० हेकाइः। म युक्षरेनकाम्भवर्गः हेवर्ग भूषम वर्गम् । व्यामाहाइर्ग हानः मृद्धा। हेठि व्याकद्वरः ॥ व्याप्र स्वर्गः यथा। हेकादः हक्ष्मा-शाक्षि स्वरः शदम व्यक्षी। काहि-विमुद्धाठाकादः शक्ष्यम्य गरः मनः ॥ शक्षभागयुकः वर्गः खन्द्रय मन-विका विमक्षि महिष्ठः वर्गः वि वि-नम् महिष्ठः मन्।॥ हेठि काम्य्यन् उद्धः॥

हे॰ क्षी कब्रकः। ইতি विश्वः॥ हेः श्रु॰ वामनः॥ शामः॥ निश्वनः। , ইতি मिमि॥

हैक है क वास । है जि कविकन्नक्रमः॥ हेकूमिनीयः श्रु॰ वाज्कनाकः। है जि जिका अल्मयः॥

हेगद्रः शुः हेक्षणकादः॥ हिनाविज्य गाहदः॥ किकदारक जि। इंडि निनिने॥

টক্ষঃ পু॰ কোপঃ।। কোষঃ॥ অসিঃ
।। পুৰেদারুণঃ । ইতি মেদিনী।।
পারিমাণ বিশেষঃ। সতু চতুমাযক
কাপ শ্চতুর্বি:শতি রক্তিকা কাপো
বা।। জন্ত্রা। ইতি হেমচন্দুঃ।। দপঃ।
ইতি হলাযুধঃ।।

हेकः शु त्री तीनकिष्यः। थनिवः।।

हेक्षनः। इंडि जिनिनी ॥ मर्नः। इंडि अफ्द्रज्ञावनी ॥

টক্ষ কশালা • জ্ঞা রন্ধ সমুদ্যাগৃহ ।
টাকশাল ইতি ভাষা। ইত্যমরটাকা সারদুল্রী॥

টক্ষ ট্রাকঃ পূ॰ শিবঃ। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ

हेड जावा। उर्भिर्गायः। भाव-नकः र नामजीकी तकः ० लाह् एम्रवाः ४ तम्मिन्नायः ७ तह्मकातः १ हम्पुः ॥ हेक्यकातः ७ तह्मकातः १ त्रमाधिकः ৮ लाह्मुती ५ तम्भः २० मृज्यः १० तह्मतः १२ वर्जुलः २० मृज्यः १० तह्मतः १२ वर्जुलः २० मृज्यः १० तह्मतः १२ वर्जुलः २० कनकः १८ कातः १८ मिन्नाः १७ थाज्यस्य । मानजीजीतमञ्जयः १४ मृति १० मृतिकः २० लाह्मुकि-कात्रकः २०। ইতি जावभुकामः॥ স্বৰ্ণপাচকঃ ২২। ইতি রন্নমালা।।
অস্য গুণাঃ। কটুত্ব । উষ্ণত্ব । ॥
কক স্থাবরাদি বিষ কাস স্থাস
নাশিবৃঞ্চ। ইতিরাজনির্ঘটঃ।। অগ্নি
ব্যাত পিত্ত কারিল । কাক্তব ।
ইতি ভাবপুকাশঃ।।

हेका जी कहा। इंडि सिनिशे॥ हेकानकः १९ - तुकानाक्त्कः। इंडि भद्रहिनुक्शा

টক্ষারং পু॰ বিষয় । পুসিদ্ধং ।!

শিল্পিত্র নিং। ইতি নেদিনী ॥
টক্ষারী জ্রী জ্পবিশেষং। টেকারী ।
ইতি ভাষা। অস্যুগুণাং। বাত শ্রেম্ম
শোকাদর ব্যথা নাশির্ণ তিকরণ
। দীপন্রণ। লঘুর্ঞাইতি রাজনির্ঘণিং।।

हेकः भूकी थनिकः॥ थङ्गाजमः॥ कड्या इंडि मिनि ॥

টক্ষঃ পুণ্টক্ষণঃ। সোহাগা ইতি
ভাষা । ইতি শব্দন্দ্বা ॥ চতু
মাৰক পরিমাণ। ইতি বৈদ্যক
পরিভাষা॥

টক্রণ: পু ক্লী টক্ষণ:। সোহাগা ইতি ভাষা। অস্যগুণা:। শ্রেম বাযুনাশির । ক্ষাররসর । তীক্ষর । উঞ্জুণা অগ্রিবর্কা ক্রুণা বিক্রকাণর । (ভদকর । वनवर्षनदृक्ष। ইতি রাজব্ল यः॥

हेकिनी जी वृक्ष विष्णवः। आकनानि हेकि ভाषा। हेकि अन्द्रानितुका।। हेकिनी जी (काश्वी। हेकि जिका श्रम्पवः हेकिनो जी भृषावामः॥ मन्नावाम्।।। श्रोह्याम्।। हेकि (स्मिनी।। हेकिन क्ष्रिक्ताः। हैकि (हमहन्तुः॥

एव क विक्षत्व। विख्वी जाव इंडि याव । इंडिक विक्षण मः।। ऐवन की विक्षतः। ऐवा इंडि जाया । इंडि एवया जाव १ न ऐ॥

শোকোদর ব্যথা নাশিরণ তিজর । টা দ্রী পৃথিবী।ইত্যেকাফরকোষঃ॥
। দীপনরণ লঘুরক্ষাইভি রাজ-টাক্ষরঃ পু• নাগবীটঃ।ইভিত্রিকাওনির্ঘটঃ॥
। শেষঃ॥

টারঃ পু॰ লকঃ॥ ভুরকঃ। ইতি হেমচন্দুঃ॥

টিক ঝ ড গত্যা। ইতি কবিকল্লজনঃ
টিটিভক: পু• টিউভগক্ষী।
ইভাগর টাকা॥

টিউভ: গু॰ পক্ষিবিশেষ:।টাঠি ইভিভাষা। তৎপর্য্যায়:।টাঠি-ভক: ২।ইতি শব্দরত্বাবলী।। টিউভক: ১।ইভ্যেমর:।।টিটি-ভক: ৪।ইভিডটীকা॥ টিউভকঃ পু॰ টিউভগফী।ইত্য-মর:॥

টিটিণিকা **ত্রী অন্থুশিরীবিকা** ইতিভাবপুকা**শঃ**॥

টিভিশঃ পু বৃক্ষবিশেষ:। ডিঙি-শাইন্তি ডেঁডলী ইন্তিচ, ভাষা।
তৎ পর্য্যায়ঃ। রোনশফলঃ ২
তিনিশোঃ ৩ মুনিনিমির্তঃ ৪। ইতি
রাজনির্ঘণ্টঃ।। ডিঙিশাঃ ৫। অস্য গুণাঃ।ক্চিকারিত্ব।ভেদকত্ব।পিত্ত শ্রেমাশ্যরী নাশিত্ব। সুশীতত্বং । বাত্রত্বং।কক্ষত্বং। মূত্রত্বক্ষ।
ইতি ভাবপুকাশঃ।

हिल क नृष्टि। (পুরণ ইতি यावर । ইতি কবিকল্পজনঃ।। हिल्लनी जी होका। गथा। श्रीमञ्जाननः

नद्या नीनावज्याः मृदिश्ननी । ভবে-শেন मृद्याथार्थः क्रियुट यमुद्राः

मुंड ।।

টীক খা ড গভাগে ইতি কবিকল্পছনঃ টীক। জী বিবরণগুস্থা । ইভি লিকাদিসংগুহে অমরঃ॥

টুণ্টুকঃ পু॰ শ্যোণাকবৃক্ষঃ।ইত্য-নরঃ।।ক্লথদিরবৃক্ষঃ।ইতি শব-চন্দ্রিকা।। পক্ষিবিশেবঃ। টুণ্টুনি ইতি ভাষা। ইতি শব্দরত্বাবলী।। শ্যোণাকপুভেদঃ। ইতি রাজনি-র্ঘটঃ।।

हुन्हुकः बि नीहः। इंडि सिमिनी।। कृतः। ইंডि विश्वः॥

पूँग्वेका जी हिन्नीवृक्तः । ইতি
न्यक्तिमुका॥

पृनाका खी जानम्नीवृकः। इंडि भक्तिमुका॥

টেরকঃ ত্রি ব্জ্রস্কুঃটেরা ইতি ভাষা

। তৎপর্য্যায়ঃ। বলিরঃ ২কেকরঃ ৩
কেদরঃ ৪। ইতি শদরত্বাবলী॥

ইল জ বিশ্লবে। ইতি কবিকলুজনঃ॥

ठ

हेडि (मिनि ॥

केकूतः পू॰ (मिन्छ।। केव्रत हेडि
चेडाउं:। यथा। मुन्नमनाम भागानः
श्रीमान् मून्त्र केक्रूतः। हेड्डम्डम•हिडा॥

১০১ ব্য অনুকরণ শবং। ১ন্ ১ন্ ।
ইতি ভাষা। যথা। রামাভিষেকে
নদ্বিল্বলাযাঃককাছুতে। হেন্ ঘট
স্ত দ্ণ্যাং। সোপান মাক্ত চকার
শবং ১১৮ ১১৮ ১৮ ১১১৮ ১১৮ ১৮।
ইতি মহানাইকং॥
ঠেরঃ বি বৃদ্ধায়গাকাঠের ব্ হস্তী

ড

। ইতি कागु शुकारम (मनी ভाষा

• एका त्रः। स्व व श्विन ब स्वा म्मवर्गः हेवर्ग ज् ही य वर्गक । व्यः स्वा हात्रगः हानः मूर्वा । हे हि व्या कत्रगः ॥ व्यम् स्व मः यथा। एका तः हक्षमाः भाक्षि स्वा बिख्य सः यूजः मिश्वरत्व स्वयः वर्गः भश्भपुगा स्वयः स्व ॥ वि मिल स्व हुं वर्गः विविन्द्र स्व । मिल प्र संव । श्री हिविद्य स्व । का त्रः एका तः भूगमा स्व । हे हि का सर्व बुं हवः ॥

। ড: পু• শিব: ।। শব: ।। বাডবাগি: । ইত্যেকাক্ষরকোব: ।। বাডবাগি: । ইত্যি মেদিনী ।।

प्रकृती जी क्वितिम्बः । उट् भग्रायः। जाक्रती २ मीर्घर्वाकः ० म अती ८ जक्षती ६ नामणूजी ७ गजमंडक्वा १। व्यम्रा छ्वाः। मीठ-बद्धः। क्विकाद्रिद्धः। माङ् निखाम् (मावार्मा जाउर मृजद्राध नामिदः। छर्मवदः। (गोवर्द्धः। ইक्रि द्राज्ञ-निर्घरेः॥

उनाजी जी उन्त्रीकन । ই ि ताज-निर्घणेः॥

ড় ক ঞ ড স•হতী। ইতি কবি কন্নজনঃ॥

ডপ ড ই ঞ ক সংহতী। রাশী করণ ইতি যাবং। ইতি কবিকল্ল-কনঃ।।

ডব ইক পুরণে। ইতি কবিকল্লফন: ডভ ই ক ঞ সংঘে।ইতি কবি-কল্লজন:।।

ডম: পু বর্ণসক্ষরজাতিবিশেব:।

ডোম ইতি ভাষা। স চাপ্তাল্যা।

লেটাৎজাত: । ইতি বুক্ষবৈবর্ত্ত পুরাণ।।

जगर्तः ही छी अग्रनायनः। उट शर्यायः। मृगानिकां २ विद्वः ३ ডিম্ব • ৪। ইতি হারাবলী।।

ডমরঃ পু • পরচক্রাদিভয় • ॥ অভ্র

কলহঃ । ইত্যমরটীকাষা • স্বামী॥
ভংগর্যায় । ডিম্ব • ২ বিপ্লবঃ ৩।

ইত্যমরঃ॥ ডিম্ব ঃ বিম্ব ঃ ও ডামরঃ
৬। ইতি ভরতঃ॥

ডমকঃ পু॰ বাদ্যভেদ:। ইত্যমর:।।
কপালি যোগিবাদ্যণ ইতি ভরতঃ
।। ক্ষীণমধ্যে শুটিকাদ্বন লিখিতঃ।
ইতি সারসূল্রী ।। চমৎকার:।
ইতি ত্রিকাওশেব:।।

ড यन क्री क्री রথ:॥ নভোগতি: । ইতি হেমচন্দু:।।

ডল্লক লী বংশাদিনিমিতিপাত্র।

ডালাইতিভাষা।যথা। বিশতক

ৰষ্ট্যধিক ডল্লক বন্ধ সংযুত্ত।
সভোজ্য সোপবীতক সোপহার
ননোহর ।। ইতি বৃন্ধবৈবর্তে
পুকৃতিখণ্ড।।

प्रशः भू॰ वृक्षविष्मयः। (एक्षा हें क्रिंग्। इंडिंग जावा। उट भर्यायः। वक्षाः २ विश्वतः ०। हें ज्ञानदः॥ यम्प्रकृषाः। गूक्द्रः। विश्वे द्विष् । जिल्लाव मुक्रमूशि काद्रिद्धः। हें जिल्लावलाजः॥ प्रशः भू॰ प्रशः। हें जिल्लावलाजा ण जी जिक्नी। इंडि मिन्नी।। जिक्नी जी काली श्विति नदः। यथा । मार्कक जिक्नी नाक विक्रीनाः जिक्कि जिल्ला। इंडि वुक्विवदर्ख शुक्डिथर्डः॥

णाक्ती जी एक्त्रीकन । हिंडि बाकनिर्घणेः॥

पामतः प् निर्वाक्रमाञ्चित्स्यः !

मञ् वप्विथः । (छ्याः नामानि

श्लोकमः थराक यथा। (यागपामतः

२०६००। निवपामतः १०००। पूर्णा

पामतः १०००। मात्रवणामतः

२०००। वृक्षपामतः १०००। गक्षवं

पामतः ५००५०। ই विवाता हो उद्यः
।। प्रमद्भातः । यथा । ज्ञानाः

पामतः क्रम्यकाता १ (छ्वि ज्ञ्ञ

पामतः क्रम्यकाता १ (छ्वि ज्ञञ्ज्ञ

पामतः क्रम्यकाता । क्रम्यतः । क्रम्यतः ।

ডाহनः शृ॰ जिश्रापणः। ইভি ভ্রি-পুযোগং॥

ডाङ्कः भुः माज्र्हभक्षी। ইতি करोवदः॥

जिक्तः भू॰ जक्तः॥ किभः॥ थनः॥ धूर्डः॥ (मवकः। ইजिममत्रद्वावनी॥

ডि ७२: भू॰ वान्रभूर छहः। इंड्र- । ডिव॰ क्री खर•॥ क्वल•॥ क्यूनः। मदः॥ (उन्द्रीिक थाउः। इंडि ভরতঃ। মাহেশ্রদভীতি খ্যাতঃ। है जि नात्रजुन्मती ॥ कृष्णाक्कनः । পানী আমল। ইতি ভাষা। ইতি - नेक्ठिन्तिका॥ ডि खितेः शुः नमून्रकनः । इंडि (इम्बन्दुः॥ ডि ७ इति । इति ब्राजनियंगः॥

शुकानः ॥ ডिপ ড क क मः राजी। ইতি কবিকল্পজনঃ ॥

ডিভিশ: পু॰ টিভিশ:।ইভি ভাব-

ডিপ শি क य इंद्र नू मि। (পুরণ ইতি যাবং। ইতি কবিকল্পদ্ম:।। **ডিপ ই**ক ঞ ড স•হভৌ। ইভি কবিকল্লফনঃ।।

ডিব ইক পুেরণে।ইতিকবিকল্ল-क्यः॥

ডিভ ইঞক সংঘে।ইতি কবি-कन्नक्यः ॥

ডিম । হিংমে: সৌত্রধাভুর্ব। ইতি कविकन्नक्रमः॥

ডিমঃ পৃ• নাটকস্যক্পকবিশেবঃ। ইতি হেমচন্দু:॥

ইতি হারাবলী॥ ডমরঃ। ইত্যমরঃ ডिश्वः भू• ভयध्निः॥ **चार्छ•॥ कुर्युः नः** ॥ भीरा॥ विद्ववः। इंडि सिनिनी ॥ ডিন্তঃ। ইতি দ্বিক্পকোৰঃ॥

ডিশাহবঃ পু॰ নৃপতিরহিতযুদ্ধ। ইতি জটাপর: 11

ডिश्विका जी कामूकी॥ जनविषः॥ (भागकवृकः। ইতি भद्रवृत्वावणी।। ডিস্তঃ ত্রি শিশু:। ইত্যমর:॥ মূর্থ:। ইতিমেদিনী॥অস্যক্পান্তর•ডিশ্ব: । ইতি দ্বিপকোষ:॥

ডিম্রক: ত্রি বালক:। ইতি শব-बद्दावनी ॥

ডিয়েচক লী নরাণা শুভাশুভ নিৰ্ণাষক চক্ৰবিশেষঃ। যথা।ডিস্ত-চকে ন্যেন্ড।নি ভানু ভাদি বি मलाक । मूर्थ जीनि ह्रयः करक टेटरेकक वाष्ट्र खरयाः।। इमि भक्ष नाजि छार्च हिरेकक बहैठ कान्ताः। চরণাভ্যা॰ তথিকৈক॰ कग्रक्षं भड़नार क्वा। मीर्वाइ इव লাভ:স্যাৎ বক্তে মিষ্টান্ন ভোলন• ।। ऋ दि वनी ह वाल् जा। इन जुडि। ভবেষরঃ ॥ পাণিভ্যা ওক্ষরে। नश्री श्रामायू क् नाजिं उः। धरक्

কামো ভুমো জানো রল্পনীচ পাদযোঃ।। ইতি স্বরোদযঃ।। ডিস্তা জ্ঞা অভিশিশুঃ। ইত্যনরঃ।। ডীড নভোগতৌ।ইতিকবিকল্লজনঃ।। ভীড ওয় গতৌ।। নভোগতৌ।ইতি কবিকল্লজনঃ।।

ডीन क्री পক্ষিগতিঃ। ইতি জটাধরঃ।। ভডেদা যথা।ক্ষণাৎস্পত্যনিষ্ম্য পক্ষসম্পাত মুচ্যতে ভিদ্বাধোগতি সম্বন্ধঃ সমুদীব পুচক্ষতে॥স কল্প পক্ষণমন মূচ্যতে ব্যতিরিক্তক। ষদ্বি•শতি রমীভেদাঃ পাতানানিহ্ मर्मिजाः॥ महाजीन विहारियवाः পাতানা• ত্রিবিধা গতি:৷ গত•তত্র या था फि हे बाग उ भून ता गनः ११ भुगावृत्तिः भुजिगि वि वि সপ্ততিঃ স্তাঃ। তেবা• নিপাতাঃ ৰথ্যন্তে পুত্যেক পঞ্চ বি শতিঃ।। छम्था। उड्डीन छक्ष्मभन > वर-ডীন অধংপতন ২ পুডীন পতন বেগৰত্তা ৩ ডীন• পতনমাত্র• ৪ निष्ठीन नीरिः भउन ६ मः छीन **সম্যক্পতন** ৬ **ভি**র্য্যণ্ডীন • ভির্য্যক্ পতন-পৰিডীন- বিচিত্ৰ-গভন-৮ প্রিড়ীন সর্বভঃপতন ১পরাড়ীন পরাবৃত্ত্যগমন ১০ সুডীন সুজমার

পাতঃ ১১ অভিডীন আভিমুখ্যেন পুনঃপুনঃ পতন• ১২ নহাভীন• क्र्र भाजानम भुज्यात् जिः ১० নিডীন ভক্ষ্য মাশুব্ৰা পশ্যতঃ পতন ১৪ অতিডীন দীর্ঘপতন ১৫ অবডীন অধংশতন ১৬ পুড়ীন• অধঃ পতনে বেশবন্তা ১৭ অবসংগ্রান অধঃ প্রনে শোভন বক্তা ১৮ ডীনডীনক পতন নির্বি-শেষণ হৃৎসিতঞ্চ ৯ স•ডীনো-ड्डीन (भा छनमृष्क् गमन १२० म छीन-ডীন শোভন গমন মাত্র• ২১ পুনউনি তদেৰ সামান্য গমন ২২ ীনাব্ডান**ক**• ভদেবা**ধঃ স**ৎ-সি 3ঞ্চ ২০ সম্পাত বহু ভিঃস্চ্ शमन॰ २८ मगृकीय**ग**॰ शक्रम्शव স্পৰ্জ্যা গমন•২৫ ততোন্যৎব্যক্তি-রিভক• ত্যাংশার্কা কৃতাদেত্য স্থেছ কৃত পতন ২৬। এতেযু ষড্বি শতি সংখ্যেৰু পতন এক ডীন নামক নিবিশেষণ পতন মাত্র• সবিশেষণানি পতনানি পঞ্ বি শতি সংখ্যানি ভত্ৰ তানি गविष्गवगानि वक्तागान हज्जि বিশেষণৈ বিশিষ্টানি ইভি শত• निर्दिष्णवर्षक मिकिः अकाखन

मठः । छानि हदाति वित्मवनानि स्था। गङः गमन माङः। आगङः जननः। श्रु छिगङः गदिव भूनदाः। गमनः अस्टिष्ठाव भूनर्गमनथः। हैं कर्नभर्तः। स्था। जागम माङ्ग वित्मवः। यथा। जामकः जनकः जिनः मुङः कामीविमानकः। मधः क्याः। हैं ज्यु अमाना हनः।। हैं जिन्दा मिनः। गिङ्गाः।। है जि मुखमाना हनः।। जिन्दा निक्याः।। हैं जि मुखमाना हनः।। जिन्दा ।। हैं जि कि कि विद्याः।। जमा विद्याः।। हैं जि कि कि विद्याः।। जमा विद्याः।। हैं जि कि कि विद्याः।। जमा विद्याः।। जमा विद्याः।। जमा विद्याः।।

ডীনাব্ডীন নী পঞ্চিগতিবিশেষ ।
তত্ত্ব দ্বাণিত গত্ত ত্ত্ব নিশ্বণ
। গবঃ সংসিত গন্দ ক ছেডি
নহাভারতে কর্ণার্টী ।।।

ডুখু: পু• ড়ণ্ডু 5সর্পঃ। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ॥

ডুণ্ড : পু সর্পবিশেষ:। টোডা ইন্তি ভাষা। তৎপর্য্যায়:। রাজিল: ২। ইন্ত্যমর:॥ দৃণ্ডুভ: ০। ইন্তিভরত: ॥ নাগভ্ৎ ৪ ডুণ্ডু: ৫। ইতি জিকাওশেব:॥

प्रेवः पु कुनु(शहकः। छ शर्यायः । कुनु व्हान्कः २ माक्रानयः २ शिक्षः ८ वृक्षाम्यी ६ वृक्षु वि ७ विमा-स्राकः १ ख्यक्तः । ३ वि न्नाकः निर्घणः॥
जूनिः जी मूनिः। कमठी। ইन्छामत
होकाया-त्रायमूक्टः॥
जुनिका जी शक्षनाकात्रशक्किविष्मयः
। ইতি জটাধরः॥

जुनी की विलीमाकः। ইভি রাজ-নির্ঘণীঃ।।

एगा की कृभिविष्णवः । ७९ भर्यायः । कीवडी २ माक्ष्ण्का ० मूथानुका ८ वल् वल्ली ६ नीर्मभवा ७ मूख्या १ कीवनी । जन्मा स्थाः । कहूँच । जिङ्का । उक्का । मीभ-नद्भ । कक वाठ क्ष्रोमय ब्रक्क भिन्नोर्कि मार्श्न नाम्प् । क्ष्राप्रकृशे हे जि वाक्ष निर्म्हः ॥

সোর জী হস্তাদিবন্ধন নূত্র । যথা।
কো হনত ইত্যুদী য্যাথ ধৃত্বা তৎ
করণ লব । হত্তাদাক্ষ্য তড়োর ।
ক্ষিপ্তবান্ পাবকোপরি ॥ ইতি
ভবিষ্যপুরাণে অনন্তব্রত কথা।।

ডোরক ক্লী ডোর । যথা। চতুর্দশ পুস্থিত কলুমাক্ত সুডোরক। ব্রিষশ্চ পুক্ষশৈচ্ব বধ্নীয়াৎ বাম দক্ষিণে ॥ ইতি ভবিষ্যপুরাণে অনন্ত বুত কথা।।

ডোরডী জী বৃহতী। ইতি রাজ-নির্ঘণ্ট:।। ह हकातः। स्वाञ्चन हडाई स्वर्गः।
हिन् हडाई वन्छ। यहाइ। व्राक्तनः॥
हानः मूला। हैंडि व्याक्तनः॥
व्यम् वन्छ। हकातः भत्रमाताधः य। यगः वर्गाणका। भक्षः
स्वाञ्चकः वर्गः मक्षः श्रान्यः स्वाः॥
।। स्वाः विद्याः स्वाः व्याः व्याः
।। स्वाः विद्याः स्वाः व्याः
।। स्वाः विद्याः स्वाः व्याः
।। स्वाः विद्याः स्वाः
।। स्वाः विद्याः स्वाः
।। स्वाः विद्याः स्वाः
।। स्वाः विद्याः स्वाः
।। हिंदि कानः
।। व्याः व्याः
।। हिंदि कानः
।। विद्याः।।

हः शृ हक्षा । श्वा ॥ श्वाक्षः । इंडि विकिती ॥ निर्द्धाः ॥ श्विः । इंडिएकाक्ष्मत्वाकाषः ॥

ঢক্ন পু॰ দেশবিশেষ: । ঢাকা ইতি
তাষা।ইতি ভ্রিপুবোগঃ॥

एक्षा जी वामावित्त्वः। एक इंडि जारा। जर्भार्यायः। यमः भिष्टः २। इंडिमद्रः॥ विक्रयम्प्र्वः ७ । ইंडिमद्रद्राद्रजी ॥

ঢক্বারী জ্ঞা জ্বারিনী। যথা। ঢক্কারবাচ

ঢক্কারী ঢক্কারব্রবা ঢকা। ইতি

ভলসভাবে ভারাসহস্নামস্তোত্র•

ঢণ্টী জ্ঞা বাক্যবিশেষঃ। যথা

ঢণ্টীবাক্য স্বক্পাচ ঢক্কারাক্ষর

ण्णोवाकः अक्षाठ एकात्राक्रव क्षिणी। ইতিক্রজানলে অনপূর্ণ। সহসুনাম। णान क्री कनक । यथा। जानितक करकत्री जिल्ला क्रिया महन्म नाम विवत्र १।।

णिनी जि जानविनिष्ठः । ह्यो । यथा । जानिशक अयकती ज्कात वर्ग किशिने। इंडि क्षुकान्या अर्थिन्न कर्मुनान्द्यावः॥

णमत्रा की रंभी। ই**डिधन** क्षयः।। দৃত্ব অনুষণে। ইতিকবিকলুজনঃ।। हुनिः शू॰ शरण**मः। उ**मान काद्रग॰ যথা। গণেশ• পুতি শিব বাক্য•। অনে্যণে চুটি রব• পুথিতো ২স্তি ধাতুঃ সর্গার্থ দুণ্টিভত্ত্যা ভব ঢুণ্টি नामा। काणी श्रामण मिश (का লভতে ধ্র দেখী ভোষণবিনা ভব বিদাৰক ভূতি রাজাঞ্জাভয়াহাল্য্য• यथा। हुए भुगम् भूतं उ उर भार পদা থে৷ না নমস্যতি পুনানিছ काणिवाजी। छ८ कर्वमृत स्थितम् शृत्। मिणामि छए किश्मिम्ब नशून-ভ্ৰতাত্তি যেন। যংগুত্যহ্ নমতি ঢুণ্টিবিনায়ক ত্বা॰ কাশ্যা॰ পুলে পুতিহতাখিল বিশ্ব সংঘঃ নোভস্য জাতু জগতীতলবন্তি বস্তু দুরু প মত্রচ পরত্রচ কিঞ্চনাপি !! পুথুন্ पृश्विता जानि सम मिक्गा नाक् । আটুণ্ড সর্ব ভক্তেভ্যঃ সর্বার্থান্

नः भुगह् त्रि॥ ॐ भुगा वा विदानः ॥ श्री। भाषभूक हर्रेश छ नक नुक भवीक्षाः। य ज्ञा पृतः १ हियमा डि उर्ह्याः मूर् ते मूत्र विवाग গ্ৰিকী যাৰা চতুথী পুণ্ हेश्मत्री । भूजा भुद्ध डिरेनर्बकान् गुनीयाल कुकान्युकी। कार्या याजा न्याङ्गन किंव निष्क्र मजी अ जिः। डमा ठेड्या द शीका हुए সংবাপসৰ্গ হ্ৰ'।। তা বাত্ৰা নাত্ৰ यः अय्यानित्रमः जिननः कान्। উপস্গ সহকৈ अ হন্তব্যে ননা-क्र्या॥ (क्रामः जिलाका मुरवान য়: করিষ্যতি ভক্তিতঃ। তৃস্যা **हर्ज्याः गज्जक खगा मजः भूम्यः** স্যতি ॥ ইতি কাশীখণ্ড•॥

ঢानः शु॰ यनागथा। उवाम्। वथा । দ্বা ঢোল পিয়া নিত্যা ঢোল-याम् अप्रानिनी। छानक्त्रा छान-ध्वा ए। नगद यक्तिभी ॥ इंडि ক্ৰুজানলে অনপূৰ্ণা সহসুনান-স্তোত্ৰ।।

ঢৌক খাত পদ্যা। ইভি কবিকল্ল-क्यः॥

हेवर्ग अक्षम वर्ग्नहा चरमहाहात्रा স্থান মূর্না।ইতি ব্যাকরণ।। অস্য यक्रभः यथा। गकातः भव्रायमानिः या वयः भव्रव्य थनी । भी उविद्रु-लं जाकात्र भक्षात्व मय निमा।। পঞ্জুাণম্য দেবি সদা ত্রিভণ সংযুক্ত । আজাদি তত্ব সংযুক্ত । मशामार भुगायक ॥ इंडि कोम-(थ्नू इजः॥

गः भू॰ क्कानः॥ निम्हयः ! ইত্যে-काक्त विकास (**ए**वडादि(**णवः** ॥ जृवगः ॥ **७**ग-विक्किं ॥ भानीयनिनयः। ইिक व्यक्ति॥

14 • গডৌ।ইতি কবিকল্লফমঃ।! ণট • নৃত্যে। সাভিন্যন্ত্য ইতি यावर ॥हि गाया। इंडि कविकन्न-क्रमः ॥ राशिष्टम विष्ये वर्कति व्यम् भव्माप्त भाठेः क्वाकिमन् রোধাং। ইতিভঞ্জীকাযা-দুর্গাদাসঃ ণট ম ন্ভৌ। অভিনয়রহিভন্ত্য ইতি यावट। ইতি কবিকল্ল स्मः॥ ণদ । প্লিষ্টোকৌ। অব্যক্তশন্ ইতি যাবৎ। ইতি কৰিকল্পসঃ।।

ণদ ক ভাসি। ইতি কবিকল্লফমঃ॥ ণভ ৯ ড হিংসে। ইতিক্রিকলুদ্রুমান্তা न नकातः। त वाक्षन भक्षमण वर्गः। । न च म म हिर्मा इंडि कविकन्न प्रमाः।

শম ও শবে ॥ নতৌ। ইতি কৰিকল্প-দ্ৰমঃ ॥ শযু ড গভৌ ॥ রক্ষে । ইতি কবিকল্প

कमः॥

गर्म • भर्म। ইতি কবিকল্পদাং॥

गर्म • भर्म। ইতি কবিকল্পদাং॥

गर्मा देवा । ইতি

रुपेका । मुर्गामानः॥

गर्म व वाना है जि निकल्पमाः॥

गर्म २ ये जे नाम। अम्मन है जि

याव्। इं जि कविकल्पमाः॥

गर्म इ (का दिला। इं जि कविकल्पमाः॥

गर्म इ एके वह वस्ता है जि कविकल्पनः॥

गक • गांछो। ইতি কবিকল্ল জনঃ।।
गांध था । जांधिन। উপভাপে।

क्षेथार्य्य ।। जांधिन। ইতি কবিকল্লक्रिशा (गांशित में विश्वाव म्यू वर्षात१ शि इंड भाठेः कम्यादिम नृत्राधार
। ইতি उद्योकाया मुगांपामः।।
गांध था । नांधि। ইতি কবিকল্ল নঃ।।
(गांशित में विधाव म्यू वर्षात १ शि

अधिकायाः मूर्गामामः॥

गाम अड श्वारन। मद इंडि याद्र

ेर्डे कि कितक्र क्रमः॥

निम हें डंग मूर्यो। इंडि कितिक्र क्र

ইহপাঠঃ কস্যচিদৃনুরোধাৎ। ইতি

জন: ॥

শিল ৯ ইর ঞ ও পোষে ॥ শৃষ্টো।

ইতি কবিকল্পজন: ॥

ণিদ ঋঞ সলিখোঁ। জৎসান। ইতি কবিকল্লজন:।।

ণিদ ই সংসদে।ইতিকবিকল্পুন্নুঃ। নিল শা গছনে। দুৰ্বোধ ইতিস্থাবং। ইতিকবিকলুক্ষমঃ॥

ণিব ই সেকে। ইতি কবিকল্পন্য:।। নিশ • শীলে। সমাধাবিতি যাবং। ইতি কবিকল্পন্য:।।

निष छ त्राकः इंडि कविकल्लक्षाः॥
निष्ठ इंडि क्रिक्विकल्लक्षाः॥
निष्ठ ० हुम्रान । इंडि कविकल्लक्षाः॥
नो क शुन्ता। इंडि क्रिक्लक्षाः॥
नो क शुन्ता। इंडि क्रिक्लक्षाः॥
नो क राना। नी ववनंकल्लक्ष्राः॥
। इंडि कविकल्लक्षाः॥

गीव • स्होत्नाः। इंडि कविक्त्रक्रमः॥

गृ ल खाडो। इंडि कविक्त्रक्रमः॥

गूम ॐ এ न (भूद्राग। ईंडिकविक्त्रक्रमः॥

ণু শি তবনে। ইতি কবিকল্পদ্ম: ।। ণেদ খাঞ সন্নিধৌ ॥ দংসনে। ইতি কবিকল্পদ্ম: ॥

ণেষ ঋত গভৌ। ইতি কবিকল্পদ্ধা। এতেথাতবঃ স্বভাবতো দন্ত্যনাদয়ো ণোপদেশেন সূৰ্দ্ধন্যণাদ্যীঃখা ভ তকার:। স ব্যঞ্জন বোড়শ বর্ণ:
তর্গ পূথ্য বর্ণন্ড। অস্যেদ্রারণ
হান-ইভঃ। ইতি ব্যাকরণ।। অস্য হ্বলপংযথা। ভকার: চঞ্চলাপালি হয়: গরম সপ্তলী। পঞ্চেবা-আকু: বর্ণ: পঞ্চ প্রাণ ময়: সদা ।। ভিশ্বিভ সহিত: বর্ণ-আআদি ভার সংযুক্ত:। ত্রিবিন্দু সহিত:বর্ণ-পীত্রিদ্যুৎ সমপুত্ত:।। ইতি কাম- ॥ ধেন্তজ্ঞ:।।

ভ লী ত্রী ভরণ ॥ পুণ্ড । ইভি মেদিনী॥

छः न् कितः॥ अम्ड ॥ नूह ॥ क्राफः॥ सहः । इंडि सिन् ॥ गर्जः॥ मठेः। इंडि मदत्र व्रावनी॥ त्र व्र ॥ मृगडः ॥ यादः॥ गोइ-विविध न नू ।। क्राड्रेन् ह । इंटिऽ-काक्षत्रकायः॥

छक • नहत्।। हात्म। हेडि क्रि-क्रम्कमः।।

ख्क हे मोह्या है कि कि दिक्य का मां। छिकिया वि धूर्जः। हे जुरुगा मिरका यः॥ छिक्या खी छे यस्। हे जुरुगा मिरका यः॥ छक्यः, वि हा मारः॥ महनीयः। हे छि छक्याराः कर्मा गः भूछायः॥ छक् की शामा मुम्यू छ म्थि। हे छा-

म्रा: ।। **७८ ग**र्यक्षयः। (शात्र**मब**• २ বোল ৩ কালসেব ৪ বিলোডিড ৫ দুঙাহত ৬ অরিষ্ট ৭ অনু ৮ উদ্খিৎ ৯ मुब्हिः २० पुरः ১১। हे**डि त्राञ्जनिर्घणेः॥ ७९ शक्ष**विष• । তেৰা ভিন্নানি নামানি লক্ষণানিচ यथा। अनद्र निक्न रियान मिश्र ত্বসরোদক। ভক্ত পাদজলংগ্রেড मूनश्विनक्वात्रिकः ॥ इहिका नत्र क्रीन·ज्यामहा शुहुत्र वात्रिका ॥#॥ ভেষা-**গুণাঃ।** বাত পিত্তহর- ঘো**ল**-ম্বিত কক পিত নৃথা ভক্ত গ্ৰাহি कवायान सामुभाक त्रनः वयू। वीर्य्याकः मीभनःव्याः भीगनः वाख नामनः। गुरुगारिम्ञाः भथाः फरवर्त्र-ग्राहि **गाव**वार् ॥ किक ৰাদুবিপাৰিত্বান্নচপিত্ত পুকোপণ । क्वार्याक विकालिज्ञासुक्राहा-পি কফাপছ-।৷ ন ভক্তেৰীৰ্যুপ্তে कराविष्ठकर्षाः श्रुखविष्ठ द्वानाः । यथा मुद्रागामम्ड मूथार छवा नद्रागाः जूबि कक माइन्सा डेक चिट क्क्क्नाः भुभन् भन्नमः मान्। ए हिका भी जना नहीं भिन्ने मुन्ने ज्वा रत्री॥ वाउन् ८ कफक् ८ जाजू मी भनी नवगातिका । 🛊 । चार्थाक्क वृष्ट

ভোকোদ্ভ ঘৃতানুদ্ত ঘৃতানা• তকাণা-৩ণাঃ। সমুদ্ত ঘ্ত-তক পূথ্য । বছু বিশেষ তঃ। স্তোকো জ্ভ ষ্ঠ তমাদুক বৃধ্য কফাৰছ।।। जानुष्ठ व डः मान्युः स्व गरि कक शुक्र कि। अश्र (काय वित्यत्य वराधि বিশেষে ভক বিশেষা:। বাভে **५**त्र• भ्रम्बारकः जब• भूशे रेमद्रव সংযুক্ত। পিত্তে ৰাদু সিতা যুক্ত। नावा । सन्वर्वः करका। श्रिक्त की त्रयुक् যোল । সৈমবেন সূস । যুত । ভবেদ তীববাতন্ন মর্লোহতী সারক্ৎপর विनामनः। भूबकृष्टु जु मगूजःला पू ्रवारण अधिकक्।। # 11 व्यामणक् ্ভক্ৰুণাঃ। ভক্ষাম কফ কোঠে . হয়ি ক্ঠে ক্রোভিচ। পীনস স্থাস कामास्कोशक्षमव भुगूबार ॥ 🗱 ॥ 📶 ুৰ্পু ভক্ত ক্ৰেব্ৰ নিমিত্তানি। শীত काल्श्वमात्म् प्रच्यावाजाम्य-বুচ।অফ্টো সোজসা রোধে ভক্ত नारमाञासनः॥ छत्रति गत्रहिष भुरमक विषमण्डान्। भाष् प्राप्ता ्र शुरुषामा न्यशुर जगनतान्।। মেহ গুলা মতীসার পুল প্লীছো-नगरकागा वन तमाठ र्क का बीन

ন্ধ্য শোথ ত্ৰা ক্মীন্।:#!! অথা-**ए**कविषयाः । रेनव ७क॰ क्र्राञ् पराक्षाक काल न पूर्वली न मृहा ভুন দাহেৰু ন রোপে রক্ত গৈভিকে ॥ 🗱 ॥ व्यव गव्यासीनाः उकानाः विभिद्धे गुगाः। यानु कानि मधी ऋष्धे **७मू १ । उक्मा किल्ल**ाव-श्कामः॥

७क क्हिंका जी जिक्कृष्ण अकरणारान-জাতা। ছানা ইভি ভাষা। অস্যা পুণাঃ।মূলবন্ধ বাত কারিত্বণ কক-ष् । मूर्जन्रप् । ই कि नाबन्ज छः।। ॥ जुक्हाः भूडिए वनाः विख् भून विक्रमा ज जी वाक्षनिया वर्षन ইভি পারশ্য ভাষ্য ৷ তস্য পাক পুকারে। বথা। পাকপারে ঘৃত দত্য र्विना रिक्न उन्हर्स्टः। हानारमः नकनम्यान थ्यान्यश्ची छक्तंय ।। निकित्याण्डः बनः रञ्चा १८५ सृष् ভের॰ যথা। রাজিকাদি যুভে ভজে मा म थं अनिषात्रत्य ।। जम्मुनाः ৷ তৰুমাংসম্ভ বাভগ্নগৰু কচ্যং বল शुष्र । कक्ष्म भिरुष किक्षिर সর্বাহারস্য পাচন ।। ইতি ভাব **भूकाणः** ॥

> छकाष्टः शू॰ महानम्खः । **हे**डि काहावनी ॥

छम हे जुलानं॥ काम्भा॥ माह्यो। इंडिकविकन्नमुभः॥

ठगंत्रः क्ली निर्मेशः। भिन्न जगंत्र हेि (काक्ष्णभूभिक्कः। छगत्रम्न हेि शाजक। छ भर्यापः। काना-ने गात्रिया २ वकः ७ मिनः ८ मार्ठः ६ मार्ज्ञात्रमः ७ नजः १ किन्नः ४ होशनः २ हगद्रभादिकः ४। इंडि त्रज्ञमाना॥ विनम् ४२ मन्छः ४६ वकः ४० निन्जे हगद्रकः ४१ शार्थियः ४५ नाजक्षाः १८ कानान्मात्रकः २० क्रवः २० होनः २२ । चम्प्रगूगाः । मीजन्यः। जिक्यः। हृद्देशाव वियार्षि ज्ञानाम ज्य नामियः । शर्युकः। चाङ्गाः वृकः। हेि त्रावनिर्घणः॥

उगत्र अपूर्ण शूनव्कविष्णवः। छेगत्र इंडि जावा। उद्शर्यप्रायः। निज् शृद्धः २ कालश्रमः २ कपूष्ट्राः ९। इंडि जपत्रकावली ॥ नणनव्कः। इंडि जावनिष्ठेः॥

তগরপাদিক প্লী তগর । ইতি রহুমালা।।

७कः शुः ली भाषानमात्रनः। इंडामत कीकायाः तमानाथः॥ श्रियवित्रस्य ভাপ: ॥ ভব-। ইতি লিজাদি সংগৃহ টীকাষা ভরত:॥

ভনী জী হিঙ্গুপত্রী। ইতি রাজ-নির্ঘণী: ॥

তট • উছু াবে। ইতি কবিকল্লফমঃ।। তট ক আহতো। ইতি কবিকল-ফমঃ।।

তট লী কেন। ইতি মেদিনী। তট ত্রি তীর । ভড় ইভি ভাষা । ইভামর:।।

তটহ দ্রী লক্ষণবিশেষঃ। তস্যস্থৰপণ যথা। তভিসন্ত্বসতি ভাষোধকত্বণ। তথাচ। সৰ্বপণ তটহণ দ্বিধালক্ষণণ স্যাৎস্থৰপন্য বোধো যতো লক্ষ্ণ-ণাভ্যাণ স্থৰূপে পৃবিষ্ঠাৎ স্থৰূপে-হপুবিষ্ঠাৎ যথা কাক বন্তো গৃহাঃ শণ বিলঞ্চ।।ইতি বেদান্তকারিকা।। তট্ছিতে ত্রি।।

ভটাক: পু ভ ভাগ:। পদাদিযুক্ত সর:। ইতি শব্দরত্বাবলী॥ ভটিনী জী নদী। ইভ্যমর:॥ ভটী জী ভীর:। ইভ্যমর:॥ ভড ক জ্বি॥ আহতৌ। ইভি ক্বিক্ল্লুক্ম:॥

তত ই ড সাহতৌ।ইতি ক্রিক্র ক্স:॥ ভডগঃ পু• ভডাগঃ। ইভিদ্বিপ-!! কোষঃ।।

छडांकः शृ॰ छडागः। ইछि मक्-त्रज्ञावनी॥

তডাকা ত্রী নদীসমূদ্যো•তটভাগঃ ॥ আঘাতঃ । ইতি সংক্ষিপ্রসারে উপুদিবৃত্তিঃ॥

ভডাগ: পু॰ ক্লী য়ন্ত্ৰক্টক:। ইভি মেদিনী ॥ পদ্মাদিযুক্ত সর: । **७८** शर्यायः । शन्माकतः २ । इंड्य-मद्राः। उपाकः ७ छो।कः ४। ইতি भवतञ्जावनी ॥ **उ**प्रगः 🜓 ইতি . দ্বিকাপকোষঃ।। পঞ্চশত ধনু: পরি मान बनानयः । ठजुम्बक् शक চত্বারি শক্তান্যনভাষা সহসু षिত্য হ্লান্যনত্বেন ভডাগঃ। ইভি नव्यवस्थान श्रुजा विभिन्नः ॥ 🗱 ॥ **ভৰ্য জলগুণাঃ৷** বাযুকালিজ্বণ স্বাদুজ্বণ । কবাযত্ত্ব-। পাকে কটুত্ত্ব-। শিশির হিনকালে পুশন্তবৃঞ্চ ইতি বাল-वझ जः॥ इत्रार्मा विविध्या। भूग्डाउवाह। भृग त्रावसहावारहा ভতাপাদিবু যো বিধি:। পুরাণে শ্বিভিহাসেযু মন্যতে রাজসভন।। ৈ প্ৰাপ্তপক্ষ শুভ শুলুমাগতে চোভ त्रोयः १। भूर्ग्य शक्ति विरे भुः किया छ-

क्षात्राञ्चन वाहन ॥ शुक्र्युम्वना-मञ्ज खडागम्। मभीभवः। हजू व्हंख সমা বেদী চতুরসা সমস্তলভথা বোডশহস্তঃস্যান্যগুপশ্চ চতুমুখঃ ॥বেদ্যাউৰরতো গর্ভারত্নিমাত্র। তু (मथना। नव मधाथवा शक्ष (या्नि বকু। নৃপাত্ম সাবিত ভিমাতা যোনিঃ म्यार वर्षे मक्षाकृत विख्छा। मर्ब ৰহতমানাঃ সূত্ৰিপৰোছ্ডি নেধ-লাঃ॥ সংইচ সই বর্ণাঃস্যুঃপতাকা धुक्र में यूजाः । स्थाप्याप्यत प्रक বটশাখা কৃতানিচ।। ম ওপস্যপুত্তি **हिन- ছারাণ্যেতানি কার্যে** । ৠ। শুভা ত্তৰাই হোভারো দারপাল। ख्याभारत्।। याश्री ज्ञाभकाः कार्या ব্ৰাহ্মণা বেদপারগা: ৷ সন্ধ লক্ষণ गम्भूनी मञ्जविद्यिक्तिकिन्त्राः। इत শীল সমাযুকা: জাপিতা নছিল সস্তমা:। 🗱 ॥ পুতি ভয়েবু কলসা যজ্ঞোপকরণানিচ। ব্যন্তনঞ্চাসন• শুভু ভামুপাত্র সুবিত্তরণা আচা-र्यः भुक्तिरमञ्ज्याममूहन्तुः विष्ठकाः । बार्वाङ्गमात्वा यूनः नार कीति বৃক্ষ বিনিমিতঃ। যদমান পুমাণো বা সংহাপ্যে ভৃতিমিছ্ভা॥ 🛊 ॥ হেমালফরিশ:কার্য্যা: পঞ্বি:শভি

अधिकः ॥ अधनानित रेश्मानि কৈযুর কটকানি চ। তথাজুলী পৰি बानि वाजाः जिविविधानि है।। के नूरः नमानि সর্বেবা মাচার্য্যে वि ७१ भूनः ्। महाह्यन म गूक माञ्चन कानि न्ट कृष्ठ• ।। (भोवर्गा कृष्यं मकरहो ब्राक्टनो मरमा मृथुरको। ७वा क्लीत मञ्कावायमः निन्तात्रकः ॥ ॥ এবমাসাদ্য তৎ সর্ব স্বর্ণপাত্র। विनाम्भारक। क्षा मूज्ञमान्। भ्रवद्रः भूक्षगक्षान्त्वशनः॥ महो वश्रुप्तक স্থাতঃ পাঠিতো বেদপুক্রৈ:। यह-মানঃসপদ্দীকঃ পুত্র পৌত্র সমন্তঃ ।। शन्त्रमः हात्र मानामः भुवित्न-वाग मुख्यः। उडा मक्त मस्न-(छत्रीगा॰ नियतन **हा। त्रक्र**मा म ७व मर्गा ८ शक्यान वाहिं छ। বৈডিশার তত শ্চক প্রারাগ সুশোভন।। বেদ্যামুপরি তৎক্ত্ব। गुक्रान् गुक्भजी ख्या। मंन्रामञ् रु अर्वान् शुक्तिकृविष्ठकशः॥ छ८ भाव इाभयग्राक्ष वाक्न मञ्ज मान्त्रिः। युक्तानक निवः বিকু-তত্ত্বেন সাপবেদ্বুধ: ॥ বিনাব-क्ष विनामा क्रमना महिकाः छछः । मास्पर्भः नर्वावावानाः ज्ञान

मानवडः ॥ भूद छक्रा करेन वृक भिवः कृष्विविज्ञानः । अञ्चाःक तङ्गर्जि क वारमाणिः भतित्व**डे**-(यट्।। गन्नभूदित्रलक्ष्ण वात्रभानान् সমন্ত:। পঠধু মিতি তান্ বুযা-माहाय। मिन नृबत्य ।। वस्रुहो প्रजः शाली मक्तिएवयं विकि । পশ্চিমে সামণৌ হাপ্যা বুত্ত-द्रिगाभाष्यवंशी॥ উদভূत्था मिक-गरा यहमान उनावित्न । भर्वेषु मिठि जान् द्वारा यक्ष मिडि বান্তক-॥উৎকৃষ্ট মন্ত্ৰ প্যঠেন ভিপ্তধ্ব মন্ত্রগাপকাঃ। এবমাদিশ্য ভান্ नर्वान् भगुर्वराणिः न मखिर ॥ बूट्यामाल् जी मरेज तालाक निष তথা । শান্বিগ্রিশ্চিব হোতব্য-वाकरेगत्त्रव नव् उः॥ 🗱 ॥ रेवत्राज्ञः (भोक्ष मृकः (भोषुः हन्तुः मूत्रः हिछ। रिममवः भक्षनिधनः गायसि (बार्ष्ठमामणाः ॥ वामामवः वृह्द-नाम (बोद्रव मद्रथस्त्र । गवा नुक विकर्भ द्राकाइ नद्रथस्था ॥ गायिक मामगा ताबन् भिक्तम दात मान्जाः। व्यवदंगा (काउर्जू माडिकः भोडिकः स्था । इंगर मनमा (पर मानुजी वक्षा भुजूर।

পূর্বেদ্য রভিভোমজৈ রেব ক্রাধি-वामनः ॥ शकाश्व तथा बन्धीक नःगानद्रथ (गान्यार। सुरमाराय मम्राष्ट्र भुक्तिराष्ट्र यथा उथा॥ त्राहन।क्षत्रतिकार्थान् गन्नान्ख्युव মেবচাসুগন ভদ্য কভব্য-পঞ্চগব্য नम्दिङ ॥ मृष्दिक ब्यहामेख রেব কৃত্ব। বিখানত: । এব রক্তি व्राक्रार्थान् विवियुक्तिन कम्पगा कि।। ভত: পুভাতে বিমলে সংমাতে ভ গবা-শত । ব্রাঙ্গণে হ্য: প্রদাতব্য-হোমান্তে বাথ বাপুনঃ।।পঞ্চাশদ্বাথ ষট্ত্রি•শৎ পঞ্বি•শক্তি রেবচ । **७७:** मञ्चरमात्र भाख मृत्क नाः मुम्मा छत्न ॥ (वम्मीक्मा भार्त्र) वंदिगुक्त विविदेशश्रानः। कनकाल-कृ जा क्वा करन गा नव जात्राय ।। नामगाय ह ना (स्या वुाक्क्गाय विमान्भाउ । भावी सामाय সৌবণী • পঞ্চরত্ব সমন্বিতা • ।। ভত্ত निःकिशा गकतः म् नाहिः देन्हव नर्बनः। ४ ठा॰ कडु छि विरेनुक (वर (वहाक भावर्गः।। महानही জলোপেতান্ দধ্যক্ত বিভূষি-তান্। উত্তরাভিমুখো बनगंध्य भुकान्य ।। आधर्वान

णून**णाना**• खरेथवह । আপে:হিট্টে ভিনম্ভেণ ক্ষিপেদাগত্য ্ল নপ্তপ•া৷ পূজ্যিত্বা সুরা• স্তত্র বলি• मम्हार्म्यनिष्ठः । भून फिनानि হোতব্য• চত্বারি রাজসভ্য ॥ চতুথী কম কৰব্য দেয় তৰালি শক্তঃ। কৃত্বা তু যক্তপোঁৰাণি यञ्जाभकत्रगानि है। अविग्रा स नम-मम्हार मुख्य-विভ्राबर युनः। र्शिमशाउक नग्राक जाहार्ग्याय निविद्यर्।। उठः मङ्गु विभाग মথবাষ্টশত তথা। ভোজযে यथा मङ्गा शकामहाथ वि मिडिः 🏿 🍇 🛚 এবমেব পুরাণেবু তভাগবিধি ৰুচ্যতে। কূপ বাপীযুসহালু তথা भूदति शेष्ठ ॥ **এव এव विश्व मृ** हैः পুতিষ্ঠাসু তথৈবচ । সম্ভন্ত विष्मयः म्याट भागापाँगान ভূমিষু ৷৷ অযন্ত ঝিল্বগাচায্য বিধি-मृष्टिनं कमार्गा। व्याद्माञ्चकान्नि वट काग्र विज्ञानिहाम् एक नृगा।। 🗱 ॥ छ । । । का निविद्या के निविद्य कन यथा। शावृहे काल इ उ॰ ভোষ নামি**টোম সন• মৃতি•। न**त्र काल क्रिंड छाय यमुक क्नमायकः ॥ वाक्राभय क्न नमः

হৈম্য শিশির ছিত। অধ্যেধ नमः পुष्ट व नह नमय हिछ।॥ খ্ৰীমেপি তু হিত ভোষ রাজস্য कनाधिक । # । उडाग कद्रान क्व-यथा। अञाब श्राब विरमव ि धर्मान् काताजि सार्वााज्य मुक-বুদ্ধিঃ। স্থাতি বুলাল্য মেক কল্প **मिय॰ পুন शांडि** তথিব দিব্য•॥ ইভিপাদ্মে সৃষ্ঠিয়ও।।

छडावाडः भू• উদ্বी क्टा रेखि मूखा-ेश्वाजः । यथा । উहिः कदिकद्रा ইতি কুমারসম্ভব টাকা॥

छिए जी विदृश्य। इंख्याबाः ।। छिद्यान् शू॰ (सघः॥ सूखकः। ইত্য-गदः ॥

ত ওকঃ পু॰ খঞ্জনপক্ষী।। ফেনঃ।। जगान शाय वाक् ॥ गृहत्ति ॥ **७**क् ऋतः ॥ भागा वङ् नत्क बि। इंडि (मिनिनी।।

ভঙকঃ পু॰ ক্লী পরিফারঃ। ইতি मिन्ना मिन-गुर् जामदः॥

छ थः श्रू विवदात्र भावित (भरः। इंडि इलायूथः॥

७ थूबीनः भू•ेकीवैमाब•॥ ७ थुःना **लकः ॥ वहात्र वि। इंडि (मिनि) ॥**

ज्युनः भू विष्ठकः। ইजि मिनिगा **उ थुजीय माक्। इंडि म**द्वज्ञावनी॥ बान्रापि विकाः। ठाउँ व इंडिकावा । ইতি মেদিনী।। ভৃষ্ট তণুল গুণাঃ । जुगिकद्रः। ककनानिद्रः। क्रकदः। পিত কারিত্ব। ইতি রাজবল্লভঃ।। उधूना जी सहामसना।। विषक्र। ইতি রাজনিঘণ্ট:॥

उथुनाम् क्री उथुलामकः। कन्नि ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। জ্যেষ্ঠা- / ষু ২। ইতি বৈদ্যক পরিভাষা॥ क्लाल ভডাঘাত॰ বিদু রু থাঃ। ॥ - ভঞুলোত্থ• ৩। ইভি রাজনির্ঘণীঃ।। তপুনী ব্ৰী যবতিকা লতা।। শশা-खुनीकर्क हो ॥ **उखुनीयमाकः ।** ইতি রাজনিঘণ্টঃ॥

> **उ**्नीकः पु॰ उन्नीयमाकः। ইঙি मदद्भावनी॥

> ङ्गीयः पु॰ भवनाकवित्मवः। कृषियानरहे इंडि ीं शानरहे इंडिह ভाষा। তৎপर्यायः। यद्गमादियः २। ইত্যনর:॥ তণ্ড**ীক:** ৩ ভণ্ডল: 8। इंडि मपत्रद्वावनी ॥ ७ श्रीतः ৫ उथुनी ७ उथुनीयकः १ गुहिनः ৮ वर्ष्ट्र वीर्याः अध्यानः अध्यान्तरः >> जूमाकः >२ शथामानः १० মুৰ্জপু: ১৪ স্থনিতান্থ্য: ১৫ বীরঃ

५७ छ जुलनामा ५१। जामा छ नाः ।

लिनित्रवः। मधुत्रवः। विष निख

मारु जुम नालिवः। कि कि निवः।

मीमनवः। भधा उक्षा। छ क् लख्गाः

शिमवः। जानः निख तक विष

काम विनालिवः। गुष्ट्रकः।

मधुत्रवः। विभाकः मारु लाष

नामनवः। कि मा छ व्यावः।

निर्वाः। विभाकः मारु लाष

नामनवः। कि मा छ व्यावः।

निर्वाः। विष्यः। जामाः। ইতি

मिनाः।।

छ धूनीयिका जी विषक् । इंडि बाकनिर्घणः॥

ভণ্ডুলু: জ্রী বিডক্ । ইতি শদ-রহাবলী॥

ভণুলের: পু• তণুলীয়শাক:। ইতি । হেমচনদুঃ।।

ख्रुलायः नी उल्लाम् । हेडि बाबनिर्वण्टः॥

ভণুলোদক সী ভণুলামু। যথা।
জল নইখণ দ্বা পল কণিত
ভণুলাং। ভাববিদ্বা ভতো দেয়
ভণুলোদক কর্মণি।ইতি বৈদ্যক।
শরিভাষা।।

ভণ্ডুলৌষ: পু• বেষ্টব-শঃ।বেউডবঁশ

ইতি ভাষা। ইতি শব্দ ক্রিকা।' তথুলসমূহ ক।। ইতি কাষা। সর্বাম শব্দে। ২ ক।। ইতি ব্যাকরণা।

তত শ্লী বীণাদি বাদু ইত্যানর:।। ততঃ ত্রি বিভ্তঃ।। ব্যাপ্তঃ।। বাবৌ পু । ইতি মেদিনী।।

ততঃ ব্য হেতুঃ। ইত্যমরঃ॥ আদিঃ ॥ পরিপুশ্রঃ॥ পঞ্চন্যর্থঃ॥ কথান্তর• ॥ আনন্তর্য্য• । ইতি বিশ্বঃ॥

उज्भवी जी कम्बीक्षः। इंडि अस्टिन्का॥

তত্তম: জি বহু কু মধ্যে সং। অনে-কেরমধ্যে সেই ইতি ভাষা। তह-কাৎ ডতম পুত্যুবেন স্মুধ্য। ইতি ব্যাকরণ।।

ত তরঃ ত্রি দ্যোর্নধ্যে সং। দুযের নধ্যে সেই ইতি ভাষা। ত্রহুদাৎ ডতর পুত্যযেন নিমন্নঃ। ইতি ব্যাকরণং॥

তত্তস্য কি তৎসম্বন্ধি। তার ইতি ভাষা । তত্তস্ শব্দাৎ ভ্যপ্ পুত্যযেন নিরন্ধ । ইতি ব্যাকরণ ॥ ততিঃ জী শুেণী। ইতি হেমচন্টা। তিতি ত্রি তৎপরিমাণ । তত্তলি ইতি ভাষা । বহু বচনাম্বোহ্য । ইতি ব্যাকরণ ।।

जर्कानः पृ वर्जनानकानः। जर भग्नायः। जमाङ्गर । इज्जनतः॥ जरकानभीः जि भुजुऽरभमन्जिः। जेशक् जव्जिः। हे ७ (इम्फ्नादः॥ जरक्रियः जि कर्मकातः। (वजनः निमा जाद्रवस्मानिकर्ता। इज्जनदः॥

उद्धः ही उद्गः । इठामदः ॥
उद्भावः वि वामकः । इठामदः ॥
उद्भावः वि वामकः । इठामदः ॥
उद्भावः वि वमामकः । यथा ।
भूका चविष्ठ यमास्मा खुव्यः ।
अद्यापाः । इठि भएमाख्यथः ॥
उद्यापाः । इठि भएमाख्यथः ॥
उद्यापाः । इठि भवाषः ॥ विष्ठमास्मा
विदः ॥ ठोत्र नाम भूगिक्त मुकाः ।
इठि ध्विभिः ॥

ভর ইউ ক ধারণে। ইতি কবিকল্লজনঃ।। ধারণ ধ্রণ। ভাষাযা
নস্য বিস্তারণে পুষে: পুযোগঃ।
কেচিভু ভত্তি ধাত্ঃ স্টুম্বারণে
বর্তে ইত্যাহা। ইতি ভটীকাষা।
দুর্গাদাসঃ।।

তর বাঁ ত্রিন্। তবো: ।। তেষু। সেথানেইতি ভাষা।ইতি ব্যাকরণ• তর্ত্যঃ ত্রি তরভবঃ। ত্রিয়ুৎ প্রাঃ।

इंडि मुक्षरवाधवराकत्रगः॥ ত্রভবান্ বি শ্লাঘ্য:। ইতি জটাবর: **७५- ही "यक्षण ॥ भवनाया ॥** विविधि उन्छ। इंडि मिरिनी।। বাদ্যপুভেদঃ। ইতি বিশ্বঃ॥ বস্তু। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।। চেতঃ। ইতি ধরণিঃ॥ ৠ। চতুর্বি•শতি তত্ত্বানিযথা । कि जिः) जाशः २ (उतः ७ मक् ८ ও ব্যোম ৫ গন্ধ: ৬ রস: ৭ ৰূপ ৮ न्त्रमार्कः अभिका ১২ জিন্থ। ১১ কণঃ১৪ বৃক্ ১৫ ছস্তঃ १७ भारः ११ मूथ १४ भार्ः १२ विकः २० शुक्जिः २) गनः २२ वृक्षिः २७ व्यष्ट्रहातः २८। ইতি পুরাণতত্তে ॥ তত্তু নানা মুনিভি नानाविध मुक्र । তত जीवि उद्यानि यथा। जद्भः) तकः २ उमः १। हजू-রিধানি যথা। তেজঃ ১ আগঃ ২ পृथी अञाजा ४। भक्षविधानि वर्षा। मदः > न्यमः २ त्रमः ७ भन्नः 8 क्ण कः। यङ्विधानि यथा। ক্ষিতি:) আপঃ ২ (ভন্ন: ৩ বাযুঃ 8 আকাশ ৫ পরমাত্রা ৬। সপ্ত-विवानि यथा। क्रिजिः > जाभः २ . (उन: ७ वायू: ८ वाकान् द जीव: ও সাজা। ৭। ন্ব বিধানি যথা।

পুক্ষঃ ১ পুক্তিঃ ২ মহতত্ত্ব ১ | তত্ত্বজ্ঞান দ্লী বুদ্ধিগুণবিশেষপা ভকু অহন্ধারঃ৪ নভঃ৫ বাযুঃ৬ জ্যোভি १ याशः ৮ किजिः है। अकामण বিধানি যথা। শ্ৰেত ১ বৃক্ ২ চফুঃ ৩ ঘু। ৭ ৪ জিল্ব। ৫ বাক্ ৬ পাণিঃ ৭ ডপছ: ৮ পাশু: র আদু: ১০॥ भनः >>। जस्मान् निधानि यथा। নভঃ ১ বাযুঃ ২ জ্যোতি: ৩ আপ: ৪ কিভি: ৫ শ্ৰে ও বৃক্ ৭ চকুঃ ৮ ্দু। প ৯ জিল্বা ১০ মনঃ ১১ জীবাত্ম। ১২ পরমাত্মা ১৩। বেডেশ বিধানি यथा। नं जः ३ वायुः २ (ब्राजिः ७ আপ: ৪ পৃথী ৫ শবঃ ৬ স্পর্শ: ৭ क्रि । इमः न गक्तः रः (म्वा ১) दुक्)र हकूः) o जिल्ला 18 शानः २० जनः २५। मछन्म विधानि यथ। । পূর্বোক্তানি বো**ডশ** ১৬ আত্ম। ১৭। পঞ্চবি•শতি তত্ত্বানি যথা। श्रद्धाकानि मधन्य)१ शृक्यः ১৮ পुक्जिः 🕽 महान् २० अहहातः २) मूश २२ भागिः २० डेम्इः २८ भागूः २६। विष्-भिक्त विश्वानि यथा। भूदि जिनि भक्षिर मिडिः ২৫ জীবঃ ২৬। সপ্তবি শক্তি বিধানি এথা। প্রেক্তিনি বঙ্গিশা छः ২৬ ঈশ্বর: ২৭। ইতি 🕮 ভাগবত।। 📗

तुका ज्ञानः । इंजि (इमहन्दुः ॥ यूथी 1 शुगान शुभाव मः भव भुरयाक्षम দৃষ্টান্ত সিদ্ধান্তাব্যব তর্কনিশ্য वाम बन्न विज्ञा (इवाजाम हन জাতি নিগুছ হানানা বোডল পদার্থানা• ভত্বজ্ঞানালিঃশৌুরসাধি⊹ গনঃ। ইভি গোর্ভন্সূত্র ॥

उद्गन होत्रः शु॰ विक् शृजा विवयक-न्। नित्रिक्तः । यथा । नामि काञ्चा नथार्गा के जीवारमारेककाणा वरम् । नमः भन्नारयञ्जहार्यो ७७ खबाबारन नमः ॥ कीव॰ भाग व्हर (शुक्का महास्मयु भुविन्यामर । **ভতো জ্দ্য মধ্যে তত্ত্ব এবঞ্** বিন্যাসে ॥ ইত্যহ্যতীক্ততনু विनधी ७ उद्दन्यामः मण्डकं नज्ञा-कत्रनजुर्भाउ । ज्यः भातायह তদাপ্রণ মাত্মনেচ নত্যন্ত মুদ্ধরতু **७३ मनु करमा। मकल वशू विका**वः পু। भारयाम् भरषा नामञ्ज्ञि নহস্কার মনশ্চেতি মন্ত্রী। ক মূথ क्त्य छ्यां हि श्रुवा नद्भृदः छन-गगनथकर्गामि इंडिं ए म्यां भूई ॥ वागानीनिषुय वर्ग माजानिनाय-दाकाण भूबं गग मृद्धात्म। कृत्राय नित हर्नाया क् द भूकृतीकः

क्षि॥ भ वीक क्र शु अतीक **७५ कारि भू**विनःस्मर । इन्दीक ं मृग्रम खन उद्द शिक्पू वि नारम ८ ।। সংবীক্ষণ চন্দুমণ্ডল তত্ত্বং তত্ত্ব शुविनारमः। तःवीत्रः वक्कि नखन তত্ত্ব তহৈব বিন্যসেশ। বংবী । श्रदमिष्ठञ्जः वाजूरम्बक मृर्वन । यःवीक-न्यश शुःखद्वः महर्वा मत्था मूर्थ ॥ न•वी व• विश्व उप्रक भूनु । तुर्म क्षि नात्म । तुर्वीकः নিবৃত্তি ভত্নক অনিক জ মুপস্থকে॥ ण दीक अर्व उद्भक्ष भारत नात्रायन न्यत्म । (क्र्ने वी ब का ला अर्ज्य नृति : अर्वगा वत् ।। वतः उद्यानि विनामा भागायाय ममाहात्र ॥ षामा कल यथा । जन्नाम **७** इंग्रंट नाथकः निष् <ক্তবে । কৃতেন যেন দেবস্য क्षण्डा (मर याअरमो । इंडि भाउनीय उद्ध-॥

তৎক্ষণঃ পৃ• সদ্য:।ইত্যমর:।।
তথা ব্য সাম্য•!ইত্যমর:॥
অভ্যুপগম:॥ পৃষ্ঠপুতিবাক্য•॥
•সমূহয:॥ নিশ্চয:।ইতি মেদিনী॥
তথাচ ব্য প্রোক্তার্থদ্টীকরণণ।
ইতি স•ক্ষিশ্তমার ব্যাকরণ•॥

তথাগতঃ পু৽ বৃদ্ধঃ। ইত্যময়ঃ॥
প্রেক্তি পুকারেণাগতে ত্রি॥
তথৈব বৃষ্ট তদদেব। সেই পুকার
ইতি ভাষা। যথা। অন্তি পুত্রো
বশে যন্য ভার্য্যা ভলু তথৈব চ।
ইতি চাণক্যং॥
তথ্য লী সত্যং৷ তদ্বতিত্রি।ইত্যময়ঃ
তদ্ ত্রি তং । ইতি ব্যাকয়ণং॥
তদা ব্য ত্রিন্কালো। সেইসম্যে
ইতি ভাষা। ইত্যময়ঃ॥

। इंड्रमद्रः ॥

स्

छमानी व्य जिमनकारम । इंड्रमद्रः

छमामूथ क्री जातसः । इंडि ज्दिशुर्यागः ॥

उमापः क्री उৎकानः। वर्डमेन्स्कर्मः

उप्तिने यु हिनमथुः॥ शुकिहिन्देन इंडि ह्महन्दुः॥शृद्धी क्रिहिन्देन उद्यानः वि कृशाः। इंडि ह्महन्दुः॥ उद्यान जी वागविष्मयः। इंडि ह्महन्दुः॥

তদু ই সাদে ॥ মোহে। সৌত্র ধাতুর্য । ইতি কবিকল্লজন: ॥ তন দ উ. ঞ বিস্তৃতৌ । ইতি কবিকল্লজন: ॥

তৰ কি উপক্তৌ ॥ শুদ্ধায় ॥ আহাতে ॥ শদে ॥ উপতাপে॥ তনুত্রা

উপসর্গাদৈর্ঘ্য। ইতিকবিকল্লজন: " তনুত্বচা স্ত্রী ক্রাণ্নিছ: ।,ইতি ইতৌ। গভৌ। ইতি

কবিকল্লজনঃ ॥

७न, फे **४ मः ऋ** ि। ই छि कविकत्तु-क्यः॥

তনু উ ধ সংকোচে। ইতি কবিকল্প-क्रमः॥

छनयः बि পूबः। ইত্যমরः॥

কন্যা। ইত্যমর: ॥ **চক্রপ**ল্যালভা। ইভিশ্বচন্দ্রিকা।।

७निक्रः- वि अयं मन्या त्रिंगयन छनुः। कुनुः। ইতি व्याकत्रगः॥

उनीयान् वि अयासमामाजिमायन তনু:। অল্ল:। ইতি ব্যাকরণ-॥

७न्ः ही **म**दीत्र । इजुर्गामित्कायः॥

ত্রী শরীর ।। তুক্। ইতি (मिनिनी।। जी। ই ि ताजनिर्घण्डेशा

७नुः बि अज्ञः ॥ वित्रवः ॥ क्मः॥ इंडि (मिनी।।

छन्हायः शुः जानववृत्वकृतका हेि त्रो जनिर्घण्डः॥ मतीत्रहायाया श्लीबीह

छनुषः भू॰ भूबः। ই ि इनागृथः॥ छनुका जो कन्ता। ই छि भएत जातनी।।

७नूब॰ क्ली वर्ण। इंड्रानद्रः॥

ত শুৰাণ ল্লী তনুৰ । ইতি হলাযুধঃ।। भवीत वक्षा

क्राज्ञनियकः॥

जन्भवः थु॰ इङ्ग्रीत्कः । इंडि व्राक्रिविधिः ॥

जन्ज्या जी नामिका। **इंडि मद**-त्रवावनी ॥

उनुत्रमः भू॰ घर्माः। इति शातावनी।।

उन्कृष्ट्रे की उन्कृष्ट्रिंडि भदत्रः।-वली।।

जनकर की जनकर। इंडि मक्त्रज्ञा-वनी।

তনুল: ত্রি বিস্তৃতঃ। ইতি সংগি সারে উণাদি বৃক্তিঃ।।

তন্বাতঃ পু॰ নরক বিশেষঃ। ইতি (र्गहन्मः॥

जन्तीकः शू॰ রাজন্দরः। ই**ভি** রাজ-निर्घ है: ॥

তনুরুণঃ পু॰ বন্মীক রোগঃ হৈতি मद्रवावनी॥

उन्मकातिभी जी वानिका जी। ইडि मद्यामा ॥

তনুক্ষীরঃ পু• আমাতকঃ। ইতি রাজ-निर्घणः॥

उन्: जी मतीत । इंडामतः ॥

उन्कृतः वि छक्षेः। यद्गीक्ठः। इका-मद्रः ॥

তিন্ধাং পু•জী পুত্রং।ইতি জটাধরং।। ক্রিন্নপ•লী ঘৃত•।ইতি শব্দিলুকা।। তন্নপাৎ পু• অগ্রিং।। চিত্রকক্ষাং। ইত্যমরং।।

उन्कंश् क्षी (क्षामा। পত्रवः। ইতি (मिनि।।

उन्कंशः भू• भृवः॥ गरू ।। (वाम । ইতি (रमहन्तुः॥

ভনূহুদঃ পু• পাযুঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ।।

ভিন্তঃ পু॰ সূত্র॰। ইত্যমরঃ॥ গুাছঃ।
ইতি হেমচন্দুঃ॥ সন্ততিঃ। বথানা
অন্তঃ হা সর্বভূতানা মাত্রা বোগেশরো হরিঃ। স্ব সাধ্যা বৃণোদ্ধভ^ন
বৈরাট্যাঃ সক তন্তবে ॥ ইতি
গ্রিভাগবত•॥

उद्धकः पु॰ उद्धनः। সর্বপः। ইত্যমরটীকাষা•রমানাথः॥

उद्यक्ति की जूनी। जाँट तकारे इंड जाता। इंडि मदत्र द्वापनी।। उद्यक्ति की नाजी। इंडि दामनिर्घणेः

তন্ত্রকীট: পু• কোষকার:। গুটিপোকা ইতি ভাষা। ইতি জটাধর:।।

ভন্ত। পু• পুহ:। হাত্রর ইতি ভাষা। ইতি হেমচন্দু:।।

শতজগর দ্বী পরমেশ্বরোপবীতিদান-

তিখিঃ। সাশুবেণী প্রিনা ইতি তিখ্যাদিতত্ত্ব-॥ ভক্তনাথঃ পিঃ প্রায়ঃ। ইতি ছেন্ড

उद्धनागः र्रभ् गुाइः । ইভি (इम-हन्दुः।।

তন্ত্রনিযা**ন: পু॰ তাল:। ইতি** শব্দরহাবলী॥

তম্ভঃ পু॰ সর্যপঃ। ইত্যন্তরঃ॥ বংসং।ইতি জটাধ্রঃ॥

তন্তর প্রী মৃণাল । ইতি শবরত্না-বলী।।

তত্ত্বাপ: পু• তত্ত্ববাব: । তাঁতি ইতি ভাষা।ইতি ৰটাধর:॥ তত্ত্ব । তাঁত্ ইতি ভাষা।ইতি শন্দ নালা॥

তন্তবায়: পু॰ ল্ডা। ইত্যনর: মেই তন্তবায়:। ইতি শহরপ্রবিদী ॥ তন্তবিগুহা জী কদলী। ইতিত্রিকাণ্ড-শেষঃ॥

তন্ত্রশালা দ্রী তন্তবপনগৃহ । তাঁত্ ঘর ইতি ভাষা। তৎ পর্য্যায়:। গর্ত্তিকা ২। ইতি হেমচন্দু:।।

তন্তুসম্ভত বি সূত্রবিস্তৃতবন্তাদি। সিন্ধানকাপড ইতি ভাষা। ত**্র** পর্য্যায়:। উত্ত ২ সূত্র ৩ উত ৪ । ইত্যমর:॥

পু॰ ত্বাকবৃক্ষঃ। ইতি তন্ত সার: ত্রিকাওশেयः॥ **ভ**ञ्ज∙ द्वी बहुँब्र्ड्डिश रे विकाइः॥ ∥ अविदिः ॥ भूवानः ॥ जखनायः ॥ श्रीहरूः ॥ मुक्तिभाशाविष्णयः॥ (रुजुः ॥ উভयार्थभूरगाहकः ॥ रें कि कर्डवाडा। इंडि (मिनी।। ताष्ट्रे ॥ भत्रहन्तः ॥ कत्रगः ॥ वर्षमादकः ॥ उत्तः ॥ रेमन्रः ॥ ्यत्राष्ट्रेक्टिंश । इंडि इम्मन्मू शुवकः। इंडि मद्वज्ञावनी मश्यः । इंडि दर्गी ॥ वन ॥ गृह ॥ ॥ **ंবপনসাধন।। জল•। ইতিনানা**থ-ধ্বিমঞ্জরী নক্ষা শাস্ত্রবিশেষঃ তত্রা-गन्मा लक्ष प्या। मृष्टिक भूलय **ংশ্চৈব দেবতানা•** বথাৰ্চ্ন•! **সা**ধ্ন-रिक्षत में ब्रिया श्रुव म्हब गरम न है।। यह-कर्मा मायन थिव भागत्या महजू-ৰিধঃ। সপ্তভি ল্কিণৈযুক্ত নাগম• **छिष्कृ वृ शाक्षा। यामनमा नक्षन**। সৃষ্টিশ্চ জ্যোতিষাখ্যান নিত্যকৃত্য शुमीशन । कममूब गगजिमा बाजि: छ र खरेश्वरं ॥ यूगवर्मा क मः थ्राटा याम्यम् । हे वक्षाः । 🗱। তুদ্রস্য লকণ। সগশ্চ পুতি-नर्गक मञ्जनिर्गय ववह।। (नव्डा-

नाक मः ज्ञानः जीर्थानारेक्षव वर्गनः । उरेथवाणुनवर्यन्छ दिशु निः इनिः स्विक ॥ अ•ङ्गिरक्षित ज्ञाना॰ गर्खागोरिकव निर्गयः। উৎপত্তি বিবৃধানাঞ্ তল্পা কল্প স ক্রিড।। স•জ্বান জ্যোতিষাক্ষৈব পুরাণা-थान (नव्ह। कायमा कथन दिक्ष বুতানা পরিভাষণ ॥ শৌচা-त्मोठमु हास्यानः নর কাণাঞ্চ वर्गन । इत्र कम् हाथान जी भृष्तारेक्व राक्षण ॥ ताक्षयप्रि . मानयल्या यूगधर्म करेश्दछ । वाद-হারঃ ক্ণ্যতে চ তথা চাধ্যাত্ম वर्गनः ॥ इंड्यानि सक्तरेण्युङ्कः उञ्ज निमुस्तिविष्ठ। 🗱। जन्म गाराञ्चाः। विकृवंतिका (मनानाः इनाना मृन वि खया। ननी ना इव यथा গঙ্গাপর তানা • হিমালয়ঃ। অশ্বথঃ नर्ववृक्षाणाः ताङ्यानित्नु। यथा वतः। (स्वीनाक यथा मूर्या वर्गानाः वाकाण रथा।। उथा मन्छ-শাস্ত্রাণাণ তত্ত্ব শাস্ত্র মনুভ্যণ।। नर्वकान शुम शुगु छख रेव (वक गिषाजः । की ड्रेनः (एतए र्वम् र्तमा माउ (मवह।। भावनः मुक्-ধানানা নিহ লোকে গর্ভ । 🛊।

छम् (भाकमन्था यथा। न मकाः विखताबङ्ग मि वर्ष मरेखत्रिम ॥ সংক্ষেপাৰৈ পুৰক্ষ্যামি লোক कालाक दर्जन। हिति (हाव নবলফ॰ পাতালে বুক্ষশাসনে॥ ল ক্রাব্র ভারতেচ ক্ষিতৌ তন্ত্রাণি यानिह क्षात्रागमः विविधः (भाकः हज्य रेन खत्र स्डिगाक स महज्बियः (पुंक्ति जागरना उपनंत खथा। যান নশ্চ তথা তত্ত্ত তেষা ভেদাঃ ृथक् शृथक् ॥ **#** ॥ मूक्काथाः शुनक्ष मात्रराथाक नात्ररः। महाग्रम्ह किशाला (यागः कन्नः কণিঞ্জল: ॥ অনৃতশুদ্ধি বীরশ্চ निक्षरगृत्व ख्या । नुयरमार्थ गरमुख (भाका मम भूको खिजाः ॥ दिशीया मुक्क खब वर् मन्त्राणि शःशाता। (भू, हाः मजाकं मन्था। जा ख् शेव जिसर्नु १६ ॥ भेजवयः লাধিকঞ্চশ্লেকোনা পঞ্চবি শতিঃ । ত্রিংশাতর সহসাণি শ্লোকানা। **जान म** श्राया ॥ भूभक्ष भूथाम তত্তে দ্বিতীয়ে বসুস-খ্যয়া। সহ-मुार्गि उथा (माकाः मधिक्मिडि সংখ্যা।। ভ্রনেত্র সহসাণি -তৃতীযে পঞাসহসুক•। শত্র্য• ॥ शह्किल्लाकाः भुनकः दिश दिश ॥ कनाम•२८। मह्मुानि भात्रमायाः পুकी डिंडी: । भक्ष वि माधिकाः त्वाका **वम् त्वाका**ण्य नात्रसः॥ वि॰मिकिक महमानि यह महमानि সংখ্যা। বসুশ্লোকাশ্চ কথিতাঃ किननः (भाक्तमःथाया।। बरयामः সহসাণি কালোত্তর শতর্য ণালোক न था नमू फि है । सार् करन ह म॰थाया ॥ वानम॰था निस्तु पनि শ্লোকা নবতিঃ কীন্তি তাঃ। শ্লোকা-महमाणि एक्षेक्षिः भाउ সংখ্যা শ্লোকাচ ভালুসংখ্যাতা স্তব্ৰেণিচ কণিঞ্জাল। অন্তশুদ্ধী সহসাণি পঞ্জাকাখিকাতি চন পঞ্চৈব ক্থিতা নেত্ৰ সংখ্যাতানি यथार्थ उ:। वीदागरम व उर्धि कानि শ তানি পরিসংখ্যুষা।। সহসুপিচ ভাবন্তি শ্লোকানান্ত যথার্থতঃ। গঞ্চাধিক সহস্যুণি শ্লোকানা মৃত্ত नःथाया।।निष्ममञ्जलाकानि अध রেণ यथाপুরা। 🕸। তামরः यङ्किश জ্ঞেবঃপুথমো বোগডামরঃ॥শ্লোকা ন্তত্ৰ ব্ৰবন্তিশেৎতথা পঞ্চাতানিচ । ত্রিবি শতি সহসাণি 'শ্লেकानि (हरु मःथाया । अकाम म मर्मानि

স-খ্যাতাঃ শিবডামরে॥ শ্লোকাঃ সপ্তৈব নিশ্চিত্য ঈশ্বরে বৈণৰ ভাষিতাঃ । जावर स्माक महत्त्राणि शक শ্লোক শতানি চ। গুণোভরাণি मूर्गाया जामस्य कथिजानि ह ॥ नव শ্লোক সহস্থানি নব শ্লোক শতানি চ। সারম্বতে তথা শ্লোকাঃ পঞ্চিব পরিকীর্ভিডাঃ ॥ বর সংখ্যা সহস্থাণি শ্লোকানা- ব্লডানরে। ্পঞ্চের্ম্বর শতান্যত্র সংখ্যাতানি শিবেন তু ।। ৰঞ্চিঃ শ্লোক সহসু।ণি শন্ধর ডামরোভ্রে। শ্লেকাশ্চ. ৰপ্তিসংখ্যাতা বুল্ধণা ব্যক্তযোদিনা **।।** श्रीयाननाः यहै न•थ्या जा खबाहा-্রাদিযামলে। দ্বাতি শচ সহসাণি ত্রবন্ত্রি•শৎ শতানিচা।দ্বিতীষে বুক্ষ न रक्क जू द्वादिः मि जिन्ह म रथाया । সহসাণি শতান্যত্র তান্যেব ক্থিতানিচ ॥ जावद मः भा সহসাণি শতানি পরি সংখ্যযা। বি-শতিক তথা সংখ্যা শ্লোকাক বিষ্ণুধামবো৷ কালসংখ্যাসহস্যাণি (यम मण्या नजानिक । भक्षवृष्टि ख्या (भाका कनिश्व क मुयामाला।। নবুশ্লোক সহস্যাণি ত্রিয়াদ শ শতা-निष्ठ । 'द्यावि गाँउ ख्या (ग्लाका

गानम यामलाख्या ॥ दिन्या मरुमानि चानिजारिश ज् याम (को । 🗱 তত্ত্বে নীলপতাকাষা । সহসাণি চ পঞ্চ।। পঞ্জবি শক্তি (শ্লোকাশ্চ ক্থিতা বামকেশ্বরে। ত্রোদশ সহসাণি দেশতে বি•শতি তথা।। শ্লেকা মৃত্যুঞ্জনে তক্তে সংখ্যাতা স্তত্ত্রেদি ভিঃ। গলস•খ্যা সহস্যুণি ত্রীণিসংখ্যা শতানিচা৷ সপ্তশ্লোকা স্তথৈবাত্ৰ ভক্ৰযোগাৰ্ণনোভাম ! দশলোক সহস্থান তাবটে)ব শতানিচ।। মাধাখ্যের মহাতত্ত্ব यथार्थाञ्चः शुकीन्त्रिजाः। शक्षामाक সহসাণি তাবন্ত্যেব শতানিচ II শতাৰ্দ্ধ সংখ্যয়া শ্লোকা দক্ষিণা মূর্ত্তি তন্ত্রকে। দশশ্লোক সহস্থাণ ভাৰন্ত্যেৰ শভানি চ্যা এযোদশ তথালোকাঃকালিকাথ্যে চ ভন্তকে ।কামেশ্বর্যান্তজ্ঞবরে সহস্যুণি ত্রয• मर् ॥ (द्वाकानाः जःथाया हात ভন্তরাজেচ সংখ্যা ৷ নবশ্লোক সহসাণি নৰলোক শভানি চ॥ দ্বাবি শতি সহসাণি হরগৌর্য্যাথ্য ভক্তকে। ভথাচ বি শতিঃ শ্লোকা ন্তক্রেমিন্ পরিকীর্তিতাঃ । অর্ক সংখ্যা সহসাণি দ্বিতীযে তত্ত্ৰ

বেদিভিঃ। অষ্টাবি শতিক্ষ শ্লোকাঃ সংখ্যাতা স্বক্তবিৰ্ণয়ে ৷ স্বব্লিকাখ্যে 'মহাতত্রে শ্লোকান্চ দশন-খ্যা। সহসাণি তথা সপ্ত সংখ্যাতানি भनी विভि: ॥ विजीय वर्रे मह्मानि छम्बन्धः कनिश्रकः। अर्क मःथ्रा সহ্সাণি তথাঙ্কুশ শতানিচ।। তাবদেৰ্যামহাত্ৰে সংখ্যাভানি ছিজোত্তমৈঃ। দ্বাবি শতি সহসাণি ছাবি শতি শতানিচ। কাত্যায়ন। ন্তু তত্ৰস্য সংখ্যাতানিমনীবিভিঃ। বসু শ্লোক সহসাণি ভারত্ত্যেব শালানিচ ॥ পুত্যঙ্গিরায়া স্তব্দে ট নিশ্চিতানি যথাৰ্থতঃ। ভূত স্ংখ্যা সহসাণি তথাহি ভছতানিচ ৷৷মহা লম্ব্যা স্তন্ত্ররাজে পঞ্চ শ্লোকাশ্চ কীৰ্ভিতা:। গজ সংখ্যা সহস্যাণ শ্লেক্যাশ্চ ঋতুসংখ্যমা । ত্রিপুরার্ণবে মহাভক্তে লিখিতাঃ পর্নবিভিঃ। সরস্বত্যাঃ সহস্কু দ্বে দ্বে শতে সংখ্যা মৃতে ॥ পঞ্ শ্লোকা স্থবাত্র বিজ্ঞাতব্যা দ্বিলাতিভিঃ । দ্বাবি শক্তি সহসাণি আদ্যে ত্যজ্ঞান্তনোত্তরে॥ অঞ্ সংখ্যা শতান্যত্র শ্লোকাঃ পঞ্চশৈব তু। बादिः भेडि अश्जानि छथा वानः

শতানিচ ৷৷ দ্বাকি শাস্ত্র তথা শ্লোকঃ যোগিন্যা স্তম্ভরাজকে ৷ দ্বিতীয়ে ষট্সহ<u>সু</u>,ণিতথাচ ত্রি**শ**তানিচ॥ ত্রয়ঃ শ্লোকা ভথিবাত বারাহ্যা স্তন্ত্র উত্তমে ! উমি সংখ্যা সহস্যাণি তত্ত্ব সংখ্যা শতানি চ।। গবাকে তন্ত্ররাজেমিন্ শ্লোকা হি তত্ত্ব अ थ । वर्ग अ थ अ अ अ अ अ দ্বেশতে পরিনিশ্চিতে।। শ্রোকা-স্ত্রমুশ্চ সংখ্যাতা ভক্তে, নারায্ণী-यतक । (यह मःच्या महमानि ভান্যের চশতানি চ 🛭 শ্লোকানবতি সাখ্যাতা মৃডানী তন্ত্ররাজকে ৷ ভূতীযে ত্রি সভ্যুণি ত্রি শতানি कनिश्रंक ॥ जि॰मंद (भारकाम्ड সংখ্যাতা জ্ঞাতন্যা স্তন্ত্রবাদাভঃ ।।ঞ্চা উপতক্তাণিয়থা। সৈক্ষোক্তা-ন্যুপতজ্ঞাণি কাপিলোক্তানিযানিচ । অভূতানিচএতানি জৈমিনু/কানি यानिष्ठ ॥ विश्वष्ठः कशिन रेन्हव नाइएम। गर्भ এवह । भूवारख्या ভাগব: मिष्का माञ्चवत्तुत ভ्छ স্তথা।। শুকো বৃহস্পতিকৈব পদে। বে মুনি সভ্মাঃ। এতিঃ পুণীতান্য-न्यानि উপভক্তাণি बानिह ॥ न সংখ্যাতানি ভান্তে ইমাইজি র্ম হাত্র ভিঃ। সারাৎ সারতরাণ্যের সংখ্যাতানি নিবোধত ॥ ইতি বারাহীতজ্ঞ।

তন্ত্র ক্রান্ত ক্রাণ্ট্ডানর:॥ তন্ত্রকান্ত লী তন্ত্রবাবস্যত্রী।ইতি ক্রিকাওশেষ:॥

ভন্ততা দ্রী অনেক মুদ্দিশ্য সক্ शुक् छि:। यथा। वाल्यगाष्टाकशादेन-न्तु परेष्ठान्त् गत्या वागानाः वयागाः वारानुहाकनात्वानाः म् नानानी मानीदिकारण क्षाल यागानाः জ্যাণা সক্ৎসচ্দনুছিতেন পুথা-कान्यक्राताशकातः निव्यति । ॥ छथ। नाना नुकावय माजू नावात्म শেন সক্ৎপা্যশ্চিত্তে কৃতে বৃদ্ধ বিধ্রন্গোগনাশঃ। ভজভোষা (रुजुण । अन्धे। विकन्ना जीग कर्मणः काल (मनकर्वामीना शुर्यागान्यक्ष বৈৰংমতু ভূতান। মভেদে উদ্দেশ্য विष्मियागुर देखि । धन्थः द्वारका হ্রিকারী ভবতি দৈবে পৈত্রে চ কর্মণি ৷ পবিত্রাণা তথা জাপ্যে দানেচ বিধি দশিক ইতি বিফুক্ত। **অন্নাত্বা নাচরেৎকম জপ হোনা**দি 'ক্ঞনেতি দক্ষোত্ঞ কিশা হ সান-क वृ न फाइन देवा अधिन क वंगा-

শেষ কর্মার্থ মেক নেব নতু পুর্তি
কম্ম করব্য : ইতিপুর্যান্চি ভতত্ম: ॥
তন্ত্রবাপঃ পু • তন্ত্রবাবঃ । তন্ত্রপু নী
। ইতি শব্রহাবলী ॥

তত্ত্ববাৰ: পুণ বর্ণসক্ষরকাতিবিশেবঃ
।তাঁতিইতি ভাষা। অস্যোৎপ্রন্থি
যথা। তান্স টাছত্মকাব্যাণ লণিকারণ জাবত নির্দিকারণ তানু-কারণ জাবত নির্দিকারণ তানু-কারণ লামানিকারণ তত্ত্ববাবাশ্চ কার্মার হিত পর্যাশার পদ্ধতিঃ।।
তৎপর্যাবাং। স্বিন্দং হ । ইত্যনরঃ
।। তত্ত্ববাপঃ ৩ । ইতি কটাবরঃ ।।
তত্ত্ববাপঃ ৫ । ইতি শ্বরত্ববিশী।।
ল্তা। ইত্যনরটীকাবাণ স্বানী।।
ভত্তিকা জী ওড়ুচী। ইত্যনরঃ ।।
তত্ত্বপালকঃ পুণ জবদুথরীজঃ ।
ইতি শ্বনালা।।

তন্ত্রী জী বীণাগুণ: ॥ গুড়ুটী।।
দেহসিরা। ইতি নেদিনী।। নদীবিশেষ: ॥ যুবতীভেদ: । ইতি
শন্মরাবলী ॥ রজ্জ়্। ইতি
হেন্দুনুঃ॥

उन्मृतानः श्र्॰ उञ्चतायः। हेन्यब्र ोकामाः ताममूक्षकेः।

जिन्द्रां वि निष्द्रात् है जिन्ने विषद्भाः। जिन्द्राः । ज्ञानमारः। इन्द्रां की निष्द्राः। ज्ञानमारः। इन्द्रां कित्रायः।

छिन्द्रिका खी छिन्द्रः। ই । अस-तज्ञावनी ॥

कन्तीः खी अगुडम्पादिनामर्गाद्य-न्विपापुज्वः ॥ अगुडम्पादिनाम् ना नवाक निनीलनः निःमश्टिण् यावट हे गुरानु। हे छि ज्व ग्रः॥ छट्ट भग्रायः। भुगीला २। हे छाजवः। जन्द्वा अग्रित्या छानः ७। हे छि लाक्ष्य के दिवया छानः ७। हे छि लाक्ष्य छै: ॥ निन्ता । हे छि स्मिनी ॥

ভিন্নি: জ্রী চক্রস্বার ইতি রত্নসাবার তব্দি রলি পাঠঃ।

ভন্যতুঃ পু॰ রাত্রিঃ।। বাদ্য• ॥ । ইত্যাদিকোষঃ।।

छन्। जी क्नाकी।यथा। उव छहि-

विशायता निया हिन्दिनी
। वामगृपु कत्रगारी ज्यान यव
कत्र भूनः ॥ इंडि का निमामः ॥
मानभी । इंडि ताननिर्विः ॥
उभ एक मार्थ। इंडि क्विक्नकरः ॥ व्यमग्राद्यात्मप्रीज्यात्म
इंडि उप्रीकागा मूर्गामामः॥

তপ ঔ উপতাপে। ইশ্বরী ভাবে
। ইতি কবিকল্লজনঃ।।
তপ য ড ঔ দবে। উপতাপ ইতি
যাবং ।। ঐশ্যে। ইশ্বরী ভাব ইতি
যাবং । ইতি কবিকল্লুনঃ।।

তপ ক দাহে। ইতি কবিকল্পন্থ। ।

তপঃ লী তপস্যা। তৎ ত্রিবিধং।

শারীরং বাচিকং মানসঞ্চ। যথা।

দেব দ্বিজ গুরু পাজ্ঞ পূজনং শৌচ

মার্জবং।বৃশ্ধচর্য্যহিংসাচ শারীরং
তপ উচ্যতে।। ১ ।। অনুদ্বেগকরং
বাক্যং পত্যং পিয়ে হিতঞ্চ যথ।

স্বাধ্যায়া ভ্যসনক্ষৈব বাজ্যয়ং তপ

দৈচ্যতে।। ২।। মনঃপুসাদঃসৌম্যত্বং

নৌন মাজাবিনিগুহুঃ। ভাব সংশুদ্ধি
রিত্যে ভত্তপোংমানস মৃচ্যতে।। ৩
।। জ্বনা ভদপি ত্রিবিধং। সাত্তিকং
রাজসংভানসঞ্চ। যথা। শুদ্ধয়েশ
গরনাইতথাতপ তথ ক্রিবিধংনরঃ

। অফলাকাঙ্ক্লিভি যুক্তি: সাত্ত্বিক পরিচক্ষতে॥ ১॥ সৎকার মান পূজার্থ• তপো দম্ভেন চৈব যৎ। ক্রিয়তে তদিহ প্রোক্তণ রাজসণ চল मधुन्।। २॥ मूष्णां इना चारना यट পীড়বা ক্রিয়তে তপঃ। পরস্যোৎ-সাদ্নাৰ্থৰা তত্তাম্স মুদাছতে ॥ ৩॥ ইভি শ্রীভগবদ্দীতা॥ 🕸 ॥ बनलाकामू कुलाकः । यथा । অস্যোপরি তপো লোক স্তেকোন্য উদাহ্ड:। বৈরাজা यङ ভে দেবা वरमयु प्यतं भूषिजाः॥ वामुरमरव মনো যেবা বাসুদেবে হপি ভক্রিয়াঃ **৷ ভপসা ভোষ্য গো**বিন্দ মভিলাব বিবর্জি ভাঃ। ত•তপোলোক মাসাদ্য বসম্ভি বিদ্ধিতেন্দ্রি । শিলোঞ্ ब्डायाय रेव मालान्थ निकाम्ह य ।। (यर्भाञ्जे। क्र मूनयः भीर्गर्शा-শিনক শে। গ্রীব্মে পঞ্চাগ্নি তপসো वर्षामु इ खिला नवाः ॥ (इमाउ শিশিরে বাবে ক্ষিপত্তি সলিলে ক্ষ-পাঃ। সশাগু নীরবিন্দু শ্চ ত্বিতা যতযোহপিবন্ ৷ বাতাশিনোহতি क्षिकाः भाषाक्ष्रागु ज् म्यूमाः। **धिक्**र्खा त्रविष्ण (खुकाङ्ग्रिमा निकेलीः॥ (य देव पिवानिक्हानाः

মাসোদ্বাসাশ্চ যে পরে। মাসো-পবাস পর্বিত চাত্র্মাস্য বুকাশ্চ যে ॥ খদ্বন্তে তোয়পানা যে যে यथारमाभवामकाः। (य ह वर्शनि-भिवा रेव वर्षभात्राष्ट्र अर्थकाः ॥ স্থাপুসাম্যোপসংপ্রাপ্তা মৃগকণ্ড্ সৌখ্যদাঃ। জটাটবী কোটরান্তঃ কৃত নীডাওজাক যে।। পুৰুচ বিল্মকাঞ্চাস্চ স্নাযুন্দ্রাস্থ্য সঞ্চয়াঃ া লভাপুতানৈঃপরিতো বেপ্রিভাব-য্বাশ্চ যে ৷৷ শ্ৰ্যানিচ প্ৰচানি यम् अपूर्व विश्वास्त्र । इत्जारेज নিযমৈ যে ভু ক্লিষ্টাজ্যান স্তপো-প্পনাঃ !! বুকালুৰ স্তপোলোকে তে বসন্ত্যনভোভষাঃ । ইতি পদ্ম श्रवाण• ॥ ३३ ॥ ठान्त्वायनाहित्उ० ॥ ययः। इंजि मिनि॥

তপঃ পৃ• গ্রীষ্মঃ। ইত্যদরং॥
তপঃকরঃ পৃ• তপদীমৎস্যঃ। ইতি
শক্ষরতাবলী॥ তপস্যাকারকে তি
তপঃদ্রেশসহঃ তি দান্তঃ। ইত্যমরঃ॥
তপঃস্থলী ত্রী কাশী। ইতি ত্রিকাও
শেষঃ॥

তপতী দ্রী ছায়নামস্য্পন্নী।ইতি ত্রিকাগুশেষঃ ॥ সৃষ্ঠকন্যা । সা অক্ষৰশাৰি ঋফরাজ পুত্র সম্বরণ ভার্যা হিতি শ্রভাগরত।।
ত্রানঃ পু॰ স্র্য:॥ ভল্লাতকবৃক্ষ:॥
ত্রানি দাহাত্মক নরকঃ॥ গ্রীমঃ।
ইতি হেমচন্দুঃ॥ তাপঃ। ইতি
ধরণী॥ অর্কবৃক্ষঃ॥ ক্ষুদ্রামিষ্টবৃক্ষঃ ॥ স্র্যকান্তমণিঃ। ইতি
রাজনিষ্টিঃ॥

তগনছদ: পু॰ আদিত্যপত্ৰ কং। ইতি রাজনিঘটা।।

তপনতন্যা ত্রী শনীবৃক্ষঃ।। ব্যুনা।
।ইতিরাজনিঘটিঃ।।

তপন্দণিঃ পু॰ সূর্যকান্তমণিঃ। ইতি ।। রাজনিষ্টিঃ।।

তপনাত্মজা স্ত্রী গোদাবরীমদী। ইতি হেমচন্দুঃ॥ যমুনা চ॥

তপনী জী গোদাবরী। ইতি কেমচনুং।।

छननीय- क्री सर्ग-। इंडाप्रवादः॥

তপনীযক লী সুবর্ণ। ইতি রাজ-নির্মণীঃ।।

তপনেষ্ঠ॰ ক্লী তামু॰। ইতি রাজ-

निर्घक्तः ॥

তপসঃ পূ• চলুঃ। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ ॥ পক্ষী । ইতি সিদ্ধান্ত-কৌমুদ্যামুণাদিবৃতিঃ॥

कशराकः भुः देन्तुः। इति (६म-

ङन्दः॥ उभग्र• क्ली अन्तरभूत्र•। ইতি শ

विनुका॥

তপস্যঃ পু• कानुनमामः। ইত্যন্রঃ ॥ অজ্জুনঃ। ইতি হেমচन्দुः॥

তপদ্যা . জ্ঞা তপং। তৎপর্য্যায়ং।
বুতাদান ২ পরিবুজ্যা ৩ নিম্ম
হিতিঃ ৪।ইতি হেমচন্দুঃ ।। বুত
চর্য্যা ৫।ইতি মেদিনী ॥

তপষিনী জী জটামা•সী।ইতামরঃ
।। কটুরোহিণী।ইতি হেমচন্দুঃ।।
নহাশাবণিকা।ইতিভাবপুকাশঃ
।। তপোযুক্তাজী চ।।

তপশ্বিপত্রঃ পূ॰ দমনকবৃ**কঃ।ইতি** রাজনির্ঘটঃ॥

তপরী বি তপোযুক্তঃ। তৎপর্য্যায়ঃ
। তাপসং২ পারিকাদ্ধী ৩।ইত্যমরঃ
।। পারকাদ্ধী ৪ পারিকাদ্ধকঃ ৫।
ইতি শ্বরন্নাবলী ॥ তপোধনঃ ৬
।। আনুকম্প্যঃ।ইতি মেদিনী ।।

তপদ্মী পুন নারদ:।ইতি শব্রহান বলী ।। মৎস্যবিশেষ: । তপম্যা নাচ্ ইতি ভাষা । তৎপর্য্যায়:। তপংকর্:২ চেপ্তক: ৩ চেপ্ত:৪ ।ইতি শব্চন্দ্রকা ।। বৃতক্র ইতিরাজনির্ঘট: ।। **७गाः भू गावमानः॥ विनित्रकानः** । ইতি মেদিনী ॥ গ্রীম:। ইত্যমর होकाया॰ नयनानन्तः il

७भाज्यः भू वयाकानः । ইঙি (रुग्रम्भुः॥

তপিত । বি তপ্ত । ইতি দ্বিকপ-८कावः ॥

७ भूः विद्याः ॥ मूर्याः ३ जूरगापि-(कावः।।

তপোৰনঃ পূ• তপস্বী। ইতি নেদিনী ॥ मननकव्कः। इंडि রাজনিঘটা।। তপোৰনা জ্রী মুগুরী। ইতি মেদিনী **ত**शाविः शुः तुकावर्डाम् नः। ইতি ॥ ত্রিকাওশেষঃ॥

সম্ভাপিত: ২ দূনঃ ৩ বৃপাবিতঃ ৪ ধ্পিত: ৫। ইতি হেনচন্দুঃ॥

७थम् अ: भू नत्रकविराम्यः। ইতি भाक्एखन्त्रांग ॥

उछकृहुः शु व उवित्मयः। यथा। ্ **প**যোষ্**তমুদক**•বাযুতপ্ত•পুতিত্যহ• পিবেৎসভপ্তকৃছঃ।ইতি গৌতমঃ॥ छक्षभाषात्रयः क्री नत्रकविरमयः। ইতি বুক্ষবৈৰৰ্ভেপুকৃতিখণ্ড•॥

छखेवानूकः भू नत्रकवित्मयः। इंडि श्रुवाग-॥

তপ্তৰপক লী বৌপ্ত । ইতি বাদ্য-निर्विषः ॥

তপ্তশ্বিপ্ত জী নরকবিশেষ:। ইতি বুন্ধবৈৰৰ্ভে পুক্তিখণ্ড•॥

তপ্তসুরাই ও জী নর কবিশেষঃ। ইতি वुक्रदिवार्डभुक्डिथ ७ ।।

उन উ इत ज य (थाम।। इहाया॰ । ইতি কবিকল্লফ্র্মঃ।।

७२॰ क्री अक्षकातः !_ इंडि भंद-ब्रज्ञावनी ॥ शामागु । इंडि निक-**म्भिका॥**

তनः शु॰ जाबाधाः। इजानतिकाया॰ রাযমূলটঃ।। তনালবৃক্ষ:। ইতি मंद्राजित्व। ॥

তপ্তঃ তি তাপযুক্তঃ। তৎ পর্য্যায়ঃ। তমঃ ক্লী পুক্তের্গুণবিশেষঃ। তত্ত্ আবরক সোহত্তে । ইতামর ভরতৌ ॥ অস্য কার্য্য সংহারঃ ৷ इंडि बी बद्रश्वाभी ॥ उत्रा बत्या यथा १ भूमामः ३ (मारुः २ जयः ० क्रास्टिः ৪ বিষাদঃ ৫ শোকঃ ৬ অরতিঃ ৭ व्यनार्ग्रजा ৮। ইতি নোক धर्मः॥ भूमः २ जन्हा २० (मारुः २२। इंड्राय्याधिकशर्त्र ॥ जन्नकातः। **७**९ भर्यायः। ७ ममः २ निमाठण ৩ নীলপক্ষ• ৪ রজোবল• ৫ দিবা-छकः ५ विष्कृतिः १ धल्क् ४ वृत्रः

३।इंडि विकाश्वरणयः॥ तत्कात्रमः
- ३० पिनास्तरः १३ धक्रकः १२।इँ दि
भक्तत्र विवाश सम्बद्धाः ।। भाषः
इक्ति भिनिनो ॥ भाषः । इँ दि
रम्मा

जमः क्री शृ तालः॥ इंडि मिनि।। जमकाः शृ हेन्द्रंकायः। मक्षकः हेडि एस हम्मु खिका अस्मयकः।। जमकः बि ज्यकः। वाक्ष्रिः हेड्रिशांस्कायः॥ जमगुङः शृ नद्रक्षानः। हेट्

হেনচন্দুঃ।
তমর কী বঙ্গ। ইতি হেনচন্দুঃ।
তমরাজঃ পু শকরাবিশেষঃ। নবাত
ইতি খ্যাত ইতি কেচিৎ। তৎ
পর্য্যাবঃ। শালকঃ ২ তস্য গুণঃ
ত্কাজ্ব দাহ বক্তপিত্ত নাশিরে।

ভনস শ্লী অন্ধকারঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ॥ নগর । ইতি স ক্ষিপ্তসারে উপাদিস্ভিঃ॥

इिंड दाजव्झ डः॥

ভনসং পুণ কৃশং ।। অন্ধকারং। ইতি সংক্ষিত্তসারে উণাদিব্তিং ॥ ভনস। প্রী নদীবিশেষং। ইতি সংক্ষিপ্সারে উণাদিব্তিং॥ ত্যস্ততিঃ দ্রী অন্ধ্যারসমূহঃ। ইতি
ত্যিসা শহার্থে মেদিনী।।
ত্যমিনী দ্রী রাজিঃ ।। হ্রিদুা।
ইত্যমরঃ।।

তমা জী রাজি:।ইতি ক্মচন্দুঃ।।
তমালষ্কঃ।ইতি শন্চনিদুকা।।
স্
তমাঃ পু• রাহাঃ।ইতি নেদিনী।
তমাল• লী পত্রক•।ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

उनानः शुः वृक्ववित्नयः। उ পর্যায:। কালস্কন্ধ: ২ তাপিঞু: ৩ । ইভ্যমর: ॥ তাপিঞ্জ: ৪ । ইভি ভরতঃ৷৷ নীলভালঃ ৫ তনালক: ৬ नी नश्रुः १ काल जानः ৮ स्रावनः भाषा अन्तर श्रुवाः। मधुत्रवः। वेनावः। व्याज्यः। निनित्रवः। शृक्तः। कक পিত্ত ভূষ। দাহ শুম শান্তি করত্বঞ্চ । ইতি রাজনিঘণ্টঃ ॥ তিল্কং॥ খরঃ।। বৰুণবৃক্ষঃ। ইতি মেদিনী।। क्षथितः। इंडि मक् हिलुका॥ বৃক্তদে ব॰শত্চিচ পু॰ ক্লী। ইতি লিঞ্চাদি সংগৃহে অমর ভরতৌ।। जमानक क्षी जूनियगुनाक। इंडि ত্রিকাওশেষ্ট্র।পত্রক । তেজপার ইতি ভাষা।ইতি রাজনিয়টা उमालकः शु की उमालवृक्तः॥

ख्यां न

वः भद्वक्। ইंडि भद्रद्वावनी॥

তমালপত্ৰ• ব্লী ভমালবৃক:।।

जिनकः॥ भवकः। ইতি मिमिनी॥

ত্यानिका जी जामनिश्रास्मः।

ইতি ত্রিকাওশেষঃ।। তামুবল্লী।।

ज्मामनी। ইতি রাজনির্ঘট:॥

তমালিনী जी ज्यामनी। इंडि

রাজনির্ঘণ্টঃ।। ভানলিপ্তদেশঃ।

उमानी जी जामुबली॥वक्गवृक्षः।

है जि जाजनियं है।।

তনিঃ জী রাত্রি:। ইত্যমরটীকাযা।.

ভরতঃ ॥

छिन्निम् क्वी अक्षकातः। ইত্যমतः॥

काधः। ইতি मिनि।।

তনিসা জী অককাররাতিঃ। কৃষ্

পক্ষনিশা। ইত্যমর: ॥ তমোযুক্ত

त्राविनाव । इंडि तायमूक्रिः ॥

मर्भाताबिः । ইতি বাচম্পতিः ॥

তনন্ততিঃ।ইতি মেদিনী॥

ভমিসুপক্ষঃ পু• কৃঞ্পক্ষঃ।বথা।

ভনিসুপক ৰুটি কুট ভক্কিত নিতি "

ीश्यः।

्भी जो दाविः॥ हिंदुम्। ই उप्रदेश

ज्याकः भु॰ वहिः॥ मूर्याः॥ हमुः॥

वृषः ॥ देशभवः ॥ भयः । इंडि

ভয়োহ

विदिनी।।

उत्भाषा । जुः का जिति विक्

इंडि मद्दवद्वावनी ॥

ज्यानूरे शु अधिः॥ नूर्याः॥ हन्दुः॥

मीशः। इंडि मसत्रज्ञावनी॥

उत्मानूमः भू मूर्गः। इति भक्-

बद्राक्नी॥

उत्माशहः भू॰ मृर्ग्रः ॥ हन्द्रः ॥

वृष्तिः ॥ अगिः। इति व्यक्ति।॥

उत्मां छिट श्रुः श्रागुः । इंडि

मद्यामा॥

उत्मामितः भू॰ थरमुगङः। ইতি

विकाखण्यः ॥ (गामिरकमिशः।

इंडि द्वाजनियं है:॥

ज्यानिको भी मिनविर्णवः। ज्या

नुक इंडि ভार्ता। उर्श्यायः।

তানলিঙ্কিঃ ২ বেলাকুল- এ ভূমা-

निरा ८। इंडि मक्द्रदायनी।।

তামলিপ্ত॰ ৫ जामनिही । ইতি

বিকাওশেবঃ।। দামলিপ্ত-৭ ত্মা-

बिनी b खन्नु र विकुग्र > >।

इैंडि (इमहन्मुः॥

उमाविकातः शुः जागः। देखि

রাজনিঘণ্টঃ !৷

उत्माहतः १० हन्तुः। हेडि मन्

बङ्गान्त्री॥

ত্প। স্ত্রী গোঃ।ইতি হেমচন্দুঃ॥
তথ ত গভৌ।ইতি কবিকল্লফমঃ॥
তথা স্ত্রী গোঃ।ইতি হেমচন্দুঃ॥
তথ ড গভৌ॥ রক্ষে।ইতি কবিকল্লফমঃ॥

তরঃ , পু॰ তরণঃ ।। কৃশানুঃ । ইতি মেদিনী ।। বৃক্ষঃ।ইতি ভূরিপুযোগঃ

प्रमुख्य विष्णा, (वशः ॥ छीतः॥ शः । इंडि में प्रज्ञातनी॥

जियाशृष्व प्रवार निर्धार कवामा ।
जियाशृष्व प्रवार ए ए ए ए ए ए कि कामा।
जियाशृष्व प्रवार । क्षा र कि कि कामा।
जियाश्या । क्षा र कि किंदि के विकि: १ नहारी में हिनी के विनिः
के विकि: १ नहारी में हिनी के विनिः
के विकि: १ नहारी में हिनी के विनिः
के विक: १ नहारी में हिनी के विनिः
के विक: १ नहारी में हिनी के विनिः
के विक: १ नहारी में हिना के विनः
कात्र के विनः विक: १ विनः
कात्र के विनः विक: १ विनः
कात्र के विनः

তরণঃ পু• ভেলকঃ।ইতি ত্রিকাও--শেষঃ।। সুগঃ। ইতি শন্মক্ত- সিকু: ॥ ভরণি: জ্রী নৌকা॥ ঘৃতসমারী। ইভ্যমর:॥

তরণি: পু• স্র্য্য: ॥ অর্কবৃক্ষ:। ইত্যমর:॥ ভেলক: ॥ কিরণ:। ইতি হ্মেচন্দু:॥

তরণিপেটক: পু• কাগ্রামুবাহিনী। তি জটাধর:।।

তরণিরত্র• ক্লী মাণিক্য•। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

ত্যানী স্ত্রী নৌকা। ইতি শব্দরত্বাবলী

। পদ্মচারিণী। ইতি শব্দচন্দ্রকা

। প্তস্মারী। ইত্যমর টাকাযা
ভরত: ।।

उत्र शु॰ क्षी विष्णीमृबवक्षका॰ श्रामि ॥ क्षवः ॥ तोका । इंडि मिनि ॥ ऋग्जूषी ब्रह्मानि म्हनः । इंडि मक्द्रज्ञावनी ॥

अत्र अः भू॰ (मणविरणमः। ইতি चमदत्रवावनी।।

खत्र अभामा जी नोका। ইতি শব্-त्रञ्जावनी ॥

তরতী জী নৌকা। ইতি শব্দ-রত্নাবলী।।

छत्र की प्रवः॥ काक्रखवेशकी। इंडि माननी॥

छब्रवा

जतनी जी कणेकिवृक्षराज्यः। उप शर्यायः। जात्रमी २ जीतु। २ शर्व ता ८ तक्कवीककारदाव्यम्प्राख्याः १ जिक्कवः। सन्तत्रकः। स्कृष्टः। वनावः। कक नामित्रकः। कृष्टि ताक-निर्दारोः॥

তরন্তঃ পূণ ভেকঃ ।। আসারঃ ।।
সমুদুঃ। ইত্যুণাদিকোষঃ।।
তরন্তা ন্ত্রী তরিঃ। ইত্যুণাদিকোষঃ।।
তরপণ্যণ ন্ত্রী আতরঃ। ইত্যমরঃ॥
তরমুজণ ন্ত্রী কলবিশেষঃ। তরমূজ
ইতি খ্যাতঃ। শ্রাণা সৈর্গ্রে মার্সি
মহেন্দানি শৌনমান্যা নিশাদ্ধকে
। তালাররা নহাকালী ভুনন্তা পিতৃ
কাননে।। তল্ভারা ব্রাণা হর্পুণা।।
বো মে দদ্যাৎ কলণ রন্যণ স
চিরাযু শ্রন্থ । ইত্যুবর-কামাখ্যা তল্প।।

তরলঃ পু॰ হারঃ।। হারমধ্যেণিঃ
।। তল । ইত্য জয়পালঃ।।
তরলঃ ত্রি চলঃ।। বিল্লঃ।। ভাষরঃ
। ইতি মেদিনী ।। মধ্য শূন্য দুব্য ।
ইতি মরণিঃ।। দুবীভ্ত শচ।।
তরললোচনা ত্রী চঞ্চলন্যনারী।

ই তি হেমচন্দু: ॥
তরলা জী ধ্বাগৃ: ॥ সূরা। ই ডি
মেদিনী ॥ মধুমক্ষিকা। ই ডি
হেমচন্দু: ॥

তরলিত॰ ত্রি জাততারল্য । তৎ भर्यायः। (भुद्धानि छ २ नृ नि छ • ३ পেঞ্জিত ৪ ধৃত ৫ চলিত ৬ কম্পিত প ধত ৮ বেলি 🥆 🥆 चारतः वि ७ २० वि वि स्वयंत्रे मा তরবারিঃ পু॰ খয়ঃ। তরবার ইতি ভাষা । ইতি হেমচন্দুঃ ॥ অথ থানু পত্ৰীক্ষা ৷৷ অঞ্চ ৰূপত তথা জাতি নেঁতারিষ্টেচ ভূমিকা।ধুনি মান নিতি পোক্ত থত্ন জ্ঞানাষ্টক• भुज· ॥ विज्ञ मृम्य याम्क विভिन्छ घिएंड छथा। मस्तव দৃশ্যতে চিহ্ন তদক সংপুচক্তে।। ীল কৃষ্ণাদিক খন্নেকপ মিত্যভি-ধীয়তে ৷ তেনৈৰ যৎ পুত্ৰীত স্যাৎ ভজ্জাতি বিভি গদ্যতে॥ অঙ্গাতি-রিজ যজাতি তথাহারোগপস্-চকণ ভলেত্ৰ মিতি জানীয়াৎ খল্পে খায় বিশারদাঃ ॥ অকাতিরিত। थङ्गाति यह् का द्वाशम्हक । जम ति 🎖 गिङि পुाक् जृगि **तका** पि धात्रग•॥ यः थल्लायाज नायानथा मुखानिना

🦅 🦁 । ज धुनि चलना सान श्रद्धान 🍴 निश्चे विश्विष्ट्रमः ॥ शकाम्या निश्रेगः थः इत्र मागुराउतिकृष्टिमाः। षद्याव कृबिभो (छार्य) जार्वय महबा-বিতি ৷৷ শতমক্রনি চত্ত্বারি ৰূপাণি कात्रय उथा। वि भासवागि कानीया-দরিষ্টানি তথৈবৃচ্যা ভূমিশ্চ দ্বিবিধা अञ्चरायुनि तहे विष्या मञ्जा मानस বিষ্'রপুড় নিভেগ্রা সংগ্রে। মতঃ : ৽ অথ খন্ন্য শতা হ শংনা लोङ्गपत् । क्ष्य वर्ग गः क। कृतृक मग्न वृ वाक् क्षाक्ष (अ ठास्तुपत्र) गरा जिनामन कना गुम्हि हिता रै जिखिताः। भाना की यक यहे शरमार्ख स्विष्ठ व्यावाच वर्षाक्षन कोनु कृपुक मिका खब गव वीहि कृपा नुर्वभाः ॥ तिःशी उथुव (गा भिद्रा শিব নথ গুছোক্ষি কেশোপল যুেণী ককে কপাল পত্ৰ ভবরী বিষ্ ক্তা সর্বপাঃ। নীলী রক্ত বচা রখেন সুম্না জিন্ধী শ্ৰী রোহিত গ্রেটা मातिव गार्कवा थूत उछित्यहिं 🤏 😘। भताः ॥ पृत्री विनु समृत हुँ 🖰 क भही मार्जातिका (कड़ की मूर्च। द्र्जु कवाय हम्भक वना नात्भाध र भा **९मनाः । (काश्रो काल** शिशीविका

नल तकः अधा ७ ताम म्पृशी कर्कन् वंभगात्रनाम महिस सह सुंवका है जि ।। (पुाका लोइ विभाद्राप्त मूनिना थङ्ग मा (जनाः कगार । 🗱। व्यथ जमा চত্ত্বারি ক্পাণি। নীলঃক্ষঃপিশ**ল** *চ स्मूल्डिंड इंडिशः । यर् शुकर्यः थञ्जानाः कथिए मृनि भूकरिवः।।।।।। व्यथ ह जर्मा बा जयः। वा क्राक्षा किर्या বৈশ্যঃ শ্দুশ্চেতি চভৰিখঃ। জাতি (जरमः विनिर्दिष्टः थङ्गानाः मूनि-शूक्रेवः ॥ 🟶 ॥ व्यथ जि॰ नामजानि । ठक· शचा· शसा भाडा उसक क्रेनू बकुनः। इब शठाका वीगाह मए म निक थुरकन्मदः॥ क् मुः भृन का-फ् नः ति रहः ति रहा तन शबः। इ रता नगूरता किञ्चाठ मननः थन्न এवह।। शुजिकः ठायतः रेमनः भूत्रमाना ভুজক্ষঃ বিংশদৈতানি নেতাণি थङ्गाना किथ्जानि दि । 🕸 ।। ज्य ত্রি শ্বর । ছিদু কাকপদ राशा ভिन्न (ভকশ্চ म्विकः। नि प्राचः मार्क्द्रा नीची मनका ज्व স্চিকে। जिविन्तः कानिका मानी करभाउः काक अवह। अर्गतः मृददी কোডী সম্পরক জ্বানিকে॥ করাল क्क थर्ज् त मृक भूह थनिवकः।

লাক্ল বডিশাখ্যঞ্ মুনিনা তত্ত্ব বেদিনা ॥ প্রোক্তান্যেতান্যরিষ্টানি খন্ধানা বিশ্বদেব ছি । জঃ অথ দি বিধা ভূমিঃ৷ দিব্যভৌল বিভাগেন **ज्ञिस** विविधा जत्य । 🕸 ! घणा हेवा थुनि:। इ.म का: महा हु हरू मंगः काक **তञ्जी थताम्प्रना** । धुनता है निधाः প্ৰোকা নাগাছু ন মুনে মঁতাঃ 🛭 🕸 🕕 व्यथ दिविषः नानः। উखनायम **७ एक मान ७ कि** विष ७ वर । ইতি প্রোক্তানি স্ত্রাণি খন্নানা জ্ঞান হেতবে ॥ এতানি তত্ত্বতো জ্ঞাত্বা ভবেষ্পতি পুলিতঃ। ইতি সূত্রাধ্যায়ঃ।। 🕸 ।। তত্র পূথ্মতো २क्गाना विकाशनि निर्वाधक । लोश्मील । कल्रुशब नगान्त्र রক শেও পুতীযতে। উদ্ধৃ তরু মহামূল্য ক্পা ব্ৰু মুবন্তি ত া৷ এব थङ्गत्राता प्रमालली मायु र्यामा वन > । इन्त्रिया वनी उन्नी यकुःमो নিকবোপমা। স্বৰ্ণবজু মিতি প্ৰাহ त्रायु लंकी जयभूम रा। गत्र मृ अक्ठि **ज्**रमो क्कारा मक मग्रदः। अज ব্ৰু মিতি পাুহু রক্ত লাশে ভ उद्यापि क्यांपि वर्षाधि गमन পুकालनासुमा । जान and

कीलांशि ज्ञान उद्योगः नाश्य মহী • ৩:৷ এরওবি জ পুতিম ম**ই** ভূমিঃ সিতেভরা । ক্রুবজু মিদ• नामा भव नर्श कन्छतः॥ वज्रा न्या भारत्य नद्रः ग्राश्मित्रहार । নহিবাখ্য মিদ বজু কেটিছাই ম**ীবিণঃ৪**।তা**ক্ দমন পত্রাভ** থড়ে यश्चिन् भुडीयाङ् । विम्राम्सम् वज्रुक जन्दुक्य हिविद् बुद्धिः ॥ नीना मृज्या ভবেक्ष्म खब नीना গড়ীযুসী । ভিস্মিন্ প্যু/বিভ তোয়• গন্ধে দ্বনকোপন•।। তৎ পুভাবামহীপালঃ কৃৎসা পৃথী ছ সাধ্যেৎ, ৫। শার্ক্রস্যা একাস্থ্রা লিতা রেখা ভূমি নী লাদ্চ।যদি। श्वाक नक्षत्जु • उधिम्। लक्षीयमः श्रम्भावज्यकर्ण ज्यहाथः शृत শ্চিরতর স্থিতিঃ এত মহান্ত মপরে वम् छि थङ्गाकाविमाः ७॥ घृष्टायाः দৃশ্যতে ভূমৌ অঙ্গঞ্গ পুতি বিশ্বিত॰ । অঞ্বজু ভবেত্তস্য দ্বিধা ভূমিঃ সিতাসিতা ৭ ॥ লৌহপুদীপেপি। নিরক্ ক্প্রেভ মীষ্মণিনিভৃঞ্ यर। मूर्झ छ • उन्न हा मूल १ का छ । लो ह • . शुरुकार ॥ कृषा ज्या ज्या ज्या পীতা বজাক সংক্তা। কৃষ্ণ বজু_

ক্সিভিপুাল্ স্তৎক্ষতে নোহ উচ্যতে || পुरोशिश । कृषा ज्ञिः সুतर्ग छ-ं भी बहुकाद मन्द्र छ। छ। इन विजुक विम्राट कान म छ मथाभात ৮ ॥ সৃক্ষ মুক্তিদক ভূমিঃ মিতেভরা। অকৃণাখ্য মিদ ব্রু শञ् पर्श निमृपन ।। मृर्य्या भू न्यार्भ মাত্রেণ বহিৰপাস্থান্ শিখা। ত্স্য স্পূৰ্ণ মাৰেণ পদ্মকোৰঃ ा, बहेशिला ॥ मझा छ॰, उत्रामुक्ताना॰ ভাগ্যৈঃ জনাপি লভ্যতে। তদ্মো-জন মহ্মুদ্য রিষ্ট নাশ্বতি ধ্র• ম । খেতা স্থিসূ বনা রেখা | আনুলাদুপলক্ষ্যতে৷ খে ডাঙ্গু নিতি उहिराधारणा नश्ची वनशुमः १०॥ আলোজ দল সভাশ সঞ্জ ভূনিং নিভেতরা। অস্ত্রোজবজু• তজে্জ্রয• क्बिक मूनिशुक्र देः ১১॥ अञ्च स्मा পদাকার ভূমিশ্চৈব সিতেভরা।। शमावज् निम्बुमार उरकाठ मृव সম্ভবঃ ১২ া৷ অ**স্** - কৃষ্ণতিলাকার• ভূমিশ্চিব সিতা ইসিতা। তিল বজু মিদ • জ্বেয় • লক্ষ্মী বল যশঃ भूष ॥ उ९ कर जिनरेजना जा ৰুসা পুচ্যবতে ২বিক ১৩ ৷ ধূমুবর্ণা ভবেন্দুসি,রক্ বিছ্লা শিথোপন !।

অগ্নি বজু মিদ • জ্বেশ শত্না দাহ কারকণ অত্র শীতোদক-ন্যস্ত তপ্ত ভবতি চ ক্ষণাৎ ৷৷ শাণে বহিং क्रान्य ख उथा मूर्या भू महमार। **७९ का उनवान् मारहा मध**वह বুণোভবেৎ ॥ এতৎ পরমভাগ্যেন লভ্যতে ধরণী হলে১৪। ভূমিঃ সিতা তিলাবাপি অক্তেৎ পিগ্ললী পুভ ॥ কণা বজু মিদ । জ্বেয মন্তর্দাহস্ত उ८ काउ) । क्षा ज्वि यीम वास् **ङ्भारउ गुङ्गि मध्यः॥ गुङ्गि व जुनि म•** (ऋय॰ देवित्र शक्क विनामन॰। उ करा वनवान् मार ख्वाह जुद अवह ३७ ॥ मानभगे मनाकात सङ् क्षानिभू विका। श्रिता वजु निमः পুছে স্তৎ ক্ষত্তে বেপগুর্ভবেৎ ১৭॥ যদা তিভিরি পক্ষাভ মঞ্চ ভূমিঃ সিতেতরা। এত জিজিরি বজু॰ স্যাৎ उर्काउ दह (यनवः १६।। वनमाना नना यिन् गाना थान भूम्भाउ। মালাক মিতি ভদিদ্যান্ততোয় পদ্ম व**न्ध**वट् ॥ व्यक्त अक्षामक • नुस्र • শীত ভবতি তৎক্ষণাৎ। এষ দাহ পরীতানা মৃতে পিত্ততাতানা।।। ভবেৎপরমভৈষজ্য ভাগ্যেনেত ধি षडाउ । यहा क्रीक महाम

নঙ্গ ভূমিং সিতা হসিতা ॥ এতজ্জীরকবজু স্যান্ত ক্ষতে তৎ কণাজ্বরঃ
২০ ৷ ভূমিং সিতাসিতকেরা অস্ব
ভূমাত মিষ্যতে ॥ তর চেমধ্যম
ন্যন্ত শেষ নাপ্নেতি কেবল । এতভূমর বজু স্যান্ত কেবল । এতভূমর বজু স্যান্ত কেবল । আন্
নঙ্গ যিন্দ্র পূতীয়তে । উদ্ধৃবজ্জা
নিদ পাত বিষ্যে নিস্দন । লৌহ
পুদীপেপি । উ
দু

मक् गिमन् भुजीय छ। लाक् नाक्छ তদ্বিদ্যাৎ স্পর্শে তস্যা হহি নাশন : ২২॥ অঙ্ক মরীচ সঙ্কাশ ভবেডুমিঃ সিতেতর।। মরীচাঙ্ক মিদ ব্রু॰ **७८क्राउ**क्ट्रे ब्रक्जा। उ**र्भागन** তোযেন নশ্যন্তি পীনসাদ্যঃ২৩ যদা गर्वक्षाकात नकः ज्विस निर्मा॥ ভু দ্বন্ধ বলু তিছিদ্যাৰ ক্ষতে বিষ ব্জুজা। ভুদ্য শূৰ্ন আ্ৰেণ ভেকঃ পুরিণ বিনূচ্যতে ॥ একস্যাস্য পুসা-দেন কৃৎ সা• শান্তি নহী। নৃপঃ ২৪। यनाश्व शुद्र जङ्गाम मदः ज्ञिञ्च निर्मना। अथाक मिनि उपिराए থড় পরম দুর্ল্লভ । তস্য সংযোগ সাহেণ রাজী মন্দোপি ধাবতি।। छम् कोवन छाएम स्यानाः

রোগ নাশন । এত ক্ষতে জ্শ मूहा पाइन्ह जुम अवह २६॥ मग्र-পিছ সদৃশ সঙ্গভূনিঃ সিতে তর্বী वर्शक मिठि छ॰ विम्राख्य कर्छ বান্তি বিষ্যতে ॥ সর্পাণা মিহ সর্বেষা-गमा मामश्कुण। এउए व नृश-তিভি ভাগ্যৈ: স্ত্রাগি লভ্যক্তে২৬॥ ভূমিরঞ্জন সঙ্কাশা ধারাচাস্য সিতা ভবেৎ। অঞ্জনাশ্য মিদ • প্রাযঃ ऋई-रिन्दाशनज्ञाज। दिन्द्रभीति। ধারা শুভাু ভবেম্স্য ভূমিঃ কজল निमा । क्ष द्रीक किछ पालि বিদ্যাৎ কব্জল বজুক ২৭॥ মধুবৰ্ণ मना ज्ञि बद्धः वामवु विन्तु व । क्षोद्राथा मिनि कानीयाट कर नको यभः भूमः ॥ भाक्यदाति। নিমু কক্ষো ভবেঘত রাত্রিন্দিব বিলেপিতঃ। মধুরো মধুর্গালঃ স थाना (एव वल्ल जः ॥ विष्णवाहाज রজ্যন্তি সতত মঞ্চিকাদ্যঃ ২৮। আদীম কোণিকা যস্য ক্ষুদুাৰ্ ञ अगीक्छ ।। कृदुवज्ञक नामान॰ शुः नागाकूता मूनिः । इनः ल उन रजुक पार लोरार्त गुनिः ।। अन्य कार्डयू वनवान् नारहा मन विलाकिडः २०। यहत्रः मिकाः

কার• ভূমিশ্চৈব সিভাসিতা।। দ্মেহঃ শুব্যতি চৈবাত্র মঞ্চিকাক। ·डंब्रोहिल्लंट ७०। अङ्गः यहा खवा-**কার• যাচ ভূমিঃ সিতাসিতা** ॥ जूर रज् भिरः थााजः भार नागाज्-(नां मूनिः ७)। अञ्च यव क्लाकात्रः ভূমিঃ क्का निजा उथा॥ यताक মিতি ড॰ বিদ্যাৰৎ স্পাশ কণ্ড मसुवः। এव थन्नश्म खुराष्ट्रा यही-(इ.ज. ज्ञानः oz ॥ अञ्च दीहि भुजृतां छ । ज्या श्रा का छ टिकक्। छम्तुं हि दकु॰ जानीयाह्जूना॰ ভय বজন ৩৩॥ অতসী ফল সঙ্কাশ নক্ত ভূমিঃ সিতা ২মিতা। অতসী ব্জু মাহ ও তৎক্ষতে শিরসোক্ষা১৪!। যদাস্যপ্ৰীকাভ মৃত্তুমিঃ সিতা-হসিতা। থর ধারঃ থর স্পর্শঃ সধ-शाक्षः म मूझ छः ७०॥ **भि**•श्वाकात ভনেষ্দ্য অঙ্গ-ভূমিঃ পিতাসিতা। नि•शेवजुष छिह्नाडः काछ भूवाशियतः ॥ ७ छ्वावन (ठारयन काम (दारगाभनागनः ३५ । यहः ত গুল সঙ্কাশ ভূমিগুঁ আু সিতাসিতা ॥ তও্লাক মিম-বিদ্যাদশঃ 🕮 বল বধান ৷ এতৎপয়ু বিত তোষ তপুলোদক সন্মিত ।। অস্য পুভা-

বান্মনুদ্ধে। ভূষ্টা• হি লভতে শিু্য• .৩৭। অক্ষে দ্বোক্সরাকার ভূমি রাঘাত নি:সহা ॥ খড়াধম মিদ॰ विम्हारहावजुः नाम नामजः ७৮। इना नीर्याः भिताः कृका ভ्रितेभ्रव সিতানিতা।। শিরাজ্ মিতি ত॰ বুষাদেন থলাবন বুধাঃ ৩৯। শিব-লিস্বাকৃতি শ্চাকে ধারাটের সিতা-থবা।। শিবাক মিভি ত বুবাছ তু शक निमृहन 801 यहा व्याच् नथा-কার মঙ্গ ভূমিস্ত পিঙ্গলা।। নথবজু-भिम• त्यां डट का खय्य छत्र । अक्राभिष अ न्यामां शुवित्मर. यय (मवहि ८) ॥ गु।इनु (हानमञ्जू ভূমি ধূ মাথরাকৃতিঃ৷ গাুছাক্ মিতি জানীয়া ছত্ৰু বংশোপনাশনং!! অস্য স্পৰ্ন মাত্ৰেণ জীবন্নৎ স্যা জহত্য সূন্ ३२ । यम। भनू ज निजा ज मनः ভূমিঃ সিভাসিত।।। নেত্রাঙ্গ নিতি बानीगाट न गुराम विवयं भूर এতজাবন ভোষেন নুদ নস্কোপি পশ্যতি ৪৩॥ অঙ্গু-কেশ সমৃ- যস্য ভূমি শুমা রিতাসিতা। কেশাঙ্গ भिक्तिकानीयार दिन मृथ्य ख्याशहर 88॥ नित्रक् श्व भुक्छि सूभवाकः विमृत्रु थाः। এত कि गुाइरमा लाक

দৃশ্যতে দ্বিজ সত্তম ৪৫ ।। পদ্ম-পুরাণস্য। নিরকা নিশিতা ধারা শাণে বহিং বমত্যপি। দ্বোণীবজু মিদ ভেব পৃথিব্যা নাতিদুল্ল ভ ৪৬ ৷৷ অস্ব কাক পদাকার ভূমি রাঘাত নিঃসহা । এব খঙ্গাধ্ম স্ত্যাজ্যে কাকাঙ্গে ভৃতি মিছতা 89॥ यमा कभान मास्यु मृभाऽत्त रशर्भं डः थत्र । এ डिका मुःथ जनकः क्পानाऋ•वू ४ छ। रङ्ग ८ ८५॥ उन्नी भवा वनाका या जूवर्राक्राजिभूजिका । পরবঙ্গুক মাহ্ छ॰ আযুরেদবিদো-জনাঃ।। লৌহাণ্বেপি। সুপর্ণ সন্ধিভা ভূমি রঙ্গণ কাল পুতীয়তে তৎপত্র বজ্ৰ কাকস্য সুপৰ্ণ মুপজাযতে।। जूरती मन नकाम गम॰ यमिन् পু গীয়তে। তুবরী বন্ধু মাহা স্তণ্তৎ ক্ষতে শিরসো ভুমঃ ॥ এব থঙ্গাধ্ম ख्याता यमी हिड्डीयन निक १३ । विदी कल सभा जुभि तक विद्यी कलाभमः॥ विश्वी वजुङ उद्यिन्छा-**ভজ্জন**• ভিক্ত মুচ্যতে। পিভ শ্লেম বিকারাণা পুশমায পুযুক্ততে ৫০ ॥ পূি্যকু সদৃশন্ত্রক্ ভ্রিক কপিলা-কুতিঃ। ফল বজু মিদ॰ পোক। नारग धून वग छात्र ७३॥ जन्न

সর্বপ পুষ্লাভ ভ্নিশ্চৈব বি্তা श्निजा । अज्यमर्ग वजुःमार भाग व क्रिन्दम्बाभा । जिल क्रिक লিকা• যাতি এতদেত্যন্ত কোমল• । এতৎ পুসাদাৎ ক্ষিতিপঃ কৃৎসা जावया मही । ६२ ॥ नीवीतन जमा ज्ञि तक भीनी जतक वटा नी बी वजु मिन मृष्टे भाग बङ्गि निथा इ.न् াাএষ থল্ল বরো নৃণা নরিষ্ট ভাষ নাশনঃ ৫৩। রক্তা ক্রিসু মহারেখা ভূমি কৈব সিতাসিতা।। মজাক मि जिजानी यादेष विशक्त विनामनः। मारान यस बङ्गाचा नीवायः दगरङ मिथ्।।। ब्रक्त रण भन माध्य स्वरम् নিকৃন্ততি। ক্ষতেস্য রক্ত শ্ববগু ত্কা দাহ-চ জাবতে ৫৪ ।৷ অহ- বচা **দল সম**ণ ভূমি শৈচন বিভাসিত। । বচা বজু মিদ • জ্ঞেন তৎক্ষতাদিষ नामन-॥ अयश्वरतात्राका माधनीयः পুযত্নতঃ ৫৫ । রসোনাদুভন ছক ভূমি স্তস্য দলোপন।।। রসোন ব্জু• बानीयाए मारा विक् वम् अभि। অস্য ধাবনভোষেন আমবাত বিনা-শন ৫৬ ৷৷ নিরস্কা নিমলা 'ভূমি র্দ্ধারা তীক্ষা থরঃ স্বরঃ। সুমনা বজু মেতৎ ন্যাভূবিনাত্যন্ত দুর্লভ ৫৭॥

॥ मिक्कि मम्मा भीषां खरतृ । तत्थाः युविखनाः। जिलीवजु मिषः नाम সর্ব কামার্থ সাবন ৫৯ : অঙ্ক শেমী ॥ পত্র সমা ভূমি ধূরো সিডা হসিতা। **मभी**वज् भिर• (ज्ज्य• मरेन क्त्र मुमावहः ॥ मारायु वमस्य वङ्गाः সহতে বহি পীড়ন ৬০। রোহিত বল্ল সদৃশ মৃষ্ণ ভূমিঃ সিতাসিতা বা পি। পৃন্যু গন্ত্রীর স্বর যুক্ত ধারা তীক্ষা সিতা ভবেদ্রেখা! রোহি তাখ্য मिम वजु गर्विष्ठि विनासना विक् সংস্পর্ন নাত্রেণ কিঞ্চিলি চিমান্ত ॥ इंड्रयम्बुल्लं इंद्या (स्यानः मिन कथार ७३ । भक्तीवत्वाकात **মক**• ভূমিঃ সিতা হসিতা॥ পুেটা বজুদির প্রাক্ত ন্যত ভরতি বারি । । এব খ্রেভিমোরাজ্ঞা বিপক্ষল नामकः।। कनाविद्यान्तरं जारेगा इं ज्राज नज्या मही ७२। व्यक्रमा-রিবপত্রাভ ভূমিঃ স্যাদ্বিম ছবিঃ া ইত্যয় নারিষা**ক: স্যাৎপৃথি**ষ্যা• नाजिदूर्ला छ। ७ व ताबन्य भूजा छ নক ভুমির্লিপুভাগ আঘাত সহ-তে নৈব এব খড়াধমোমত:৬৪৷ ধারা তীক্ষাখুরাকারা ভূমিরক্সবিবজিতা৷৷ আ্যাত সহতে বোর শাণে বহিং 📗

ব্মত্যপি। খুরাক মিতি জানীয়াৎ প্থিব্যা॰ नाजिमुझंड॰ ৬৫॥ निर्मना नमना ज्मिज्दिहित कहा कहा। মন্দা ভীবুা ভবেদ্ধারা ভডিহন্তুস্য वक्र १ ५५ ॥ नीवाक्षन ममा ज्ञि রক্ । জল তরক্বং।মেঘাক্ মিতি बानीयाहारा भी छ • खब छ ति ॥ धव थङ्गाधगख्यात्व्यायमी (हण्कृष्टिमाञ्चन । ভ रू श्रु छा श भगत्य पुवि विष । यथा यनः ७१। मन्ता थाता ज्म शाम ज्मि রক বিব্রজিত।।প*র্ভাক মিদ*ণ না**ম** সহবৈবোগলভ্যতে ৬৮॥অল हल गम- ज्यानी नित्रहा भाषा । বজু হিদ•পৃষ্ঠ•ছপ্ত•ভবজি ঘর্ষণে 🛭 শা**ে সিন্দূর সঙ্কাশ**ারজোবম্ভি চা नक्टावरथङ्गवत्ताताळाचागातम-বোপযুদ্ধতে॥ অস্য পুভাবান্তমান্তি যম সংব্যতে নৃশঃ ৬৯॥ অঙ্গ ভনু শরাকার• ভূনিংশ্চব সিতাসিভা ॥ ধারাতীক্ষাবমভিচ শাশে বহি সমাঃ শিখাঃশের বজু মিদ• জ্রেয•রাজ্ঞা• वाष्ट्रि जिल्लाय १०॥ मृद्धा मल निजा ভূমি জারা তীক্ষা থর: ষর:। শাংশন वमा विद्या मृद्यावड्डा मुम्ब्रां छ १११ ॥ अञ्च वित्रम्याकातः अं मिरिन्च निजानिजा।विन्वज्ञिम माण भैन

পীতেব্যে ছিখে।।এবথম্বর:প্রোক্তঃ **শ**ত্या ऋन ना भनः १२। समृत्रहल ज-कामा ज्ञित्रक्र नम्तर्याम् মিদ-শাণে রজো বম্ভি চাক্ণ-৭৩। শোণপুর নিভা রেখা দীর্ঘা ভূমি: সিত্তের্যাশোণাঙ্গনিতিজানীয়াৎ थङ्गः भरतम् इर्ज ७ । १८। भरी मन गना ভূমি রঙ্ক তৎ জসুমোপম ।। শটী বজু নিদ• পাুুুুোলভাতে ৩৭ বভর• **৭**৫ । মার্জার রোম সদৃ**শ ম**ঞ্নিঃ সিতেতরা ॥ মার্জারাক্সমিদ নাম। রোগ শোক ভবাবহ•া এবথগ্নাধন. ख्यारक्या यसीरह ख् ७ माञ्चनः १७॥ কেত্রকীপত্র সদৃশনস্ক • যিমান্ পুতী-যতে । বিদ্যাৎ কেতক বজু তৎ বারাণস সমুভ্র পণ ।। লৌহ পুদীপস্য ৷অঙ্ক॰ মর্বা তন্ত নি ভ॰ভূনি মূৰ্বা দলছবিং৷ শাণেন বমতে শুলাং শিখা• মৌবী ভবে ব্ৰতঃ ॥ মৌৰ্যুঙ্ক निम मू क्षे यमः की खिवनावश , 9৮। লিক্ক ভীক্ষ্ণ খরণ গাঢ়ে শাণে वाङ्क र्वामे क्रिने ब्राम् विष् लोश वजुाक भिंछ उद्दार १३। কলাযপুর সদৃশ নক্ত ভূমিঃ সিতা হ निजा । कलायवज् कानीयाट उट ক্ষতে পাক ইষ্যতে ৮০। অহ চম্পক

পুরাভ• ভ্মিঃ কৃষণ তথা সিতা॥ শিখা-শাণে বনেছীত তিক্ত তৃষ্য बनः ভবেৎ। इमः हम्भक वर्जुः न्यार नवं विवयभूमः ।।। यकः वनामन সম ভূমিঃ শুক্লা তথেতরা। বলাবজ্র মিদ • জ্বেয • নান। ভাব • ভবেদুত ।।। ইত্যয়-বাতরোগাণা-নাশনেশরনৌ-বধ-৮খ অঞ্বটারোহ সম ভূমিবট मनह विशा वरेवजु शिम· ख्डिय· **थ**त• খলাধম• বুংধা। এতস্য স্পর্নমাত্রেণ नाता मूहाउ मन्मना ४०॥ व॰म নীলীসমাভূমিঃ খ্রধারাসিতাকৃতিঃ । तं भाक मिठि जानीयाह भ वृद्धि কর্•পর•৮৪॥ ভূমিঃ শালদলাকারা অস্ণ ব্যুসিতাংসিত। শালাকৃ **এ**षथङ्गः महा९ भ्राः मवाथ मायकः॥ অয়-শাণে বনেছহ্লি-ধারাচাপ্যথবা ভবেৎ ৮৫। ভ্নিঃ সিতা ২পিত। বাপি অক জ্যেষ্ঠা সম লযু ॥ জ্যেষ্ঠা वज् निमः निन्तुः न न्धृनाः वा हिट्डिइ जिः ৮ ७। श्रांग कान जम्म মঙ্গ ভূমি: সিতা ংসিতা।। জালবজু भिनः भ्षाः भव मम्मि नामनः।यि শাণে বমেন্নীলা শিখা বহি বমের वा।। उरिषमूर्झ जः थङ्गानानाथा जय হেত্তকঃ৮৭॥ অঞ্চ পিপীলিকাকার

ভূমি দুম্য তথা দিতা। পিপীলিকাক ইত্যেষ তৎক্ষতে কণ্ডু সম্ভব:। ম্বৰ• ंयि ভবেজ্ गुः শাণে প্রতেম স্তদ। ৮৮॥ नव भव मन। ज्ञि तक्ष्ट अभूत्मालम् । नलाक् मिठि कानीया-ভ রু: সর্বার্থ সাধকঃ ৮৯॥ নিরস্কা निर्मना ভूमि वृष्टि वृष्टे रामपुषः। पृषा **ধা**রাভৃশ•স্কা আঘাত•সহতে নচা৷ व्रकावज्ञिमः निन्तुः गञ्गाः विजया-वरु·৯०: ऋगा ७वी कमन् गमक् · ভ्रानः সিতাংসিতা।। **স**মাওঁব্জু·জানীযা ভৎক্ষতে বেগ নিগুহঃ ১১। অঙ্কু ন্রোমসদৃশ•ভূমিধ্<u>নু</u>।সিতাসিত। ৷৷ ব্লোমাঙ্গ মিতি জানীযান্তৎক্ষতে लिएकाइमः २२। ज्भिःद्व शिष्व সমা অঙ্ক• তৎকণ্টকোপম•া ধারা তীক্ষারবন্তীক্ষো লঘুনান থরা স্থশা । সুধীক: খ্রু ইত্যেষ তৎকতে দাহ ত্ত ভূমাঃ॥ মুখাক্ষি কৰ্ণ নাসানা। দাহঃ পাকশ্চ জাযতে। অয় যদিচ সর্গাণা ফণাসূপরি বিশ্যতে॥ ফণা বিদার নাম্নোতি সর্পো লোটয়তে শিরঃ৷ অস্য ধাবনভোষেন জন্তরোগ किनामन २०॥ कक्षु मलश्राजा ज्भि तक् छ उ< नम• । कक्कृवज्र• कानीयाउएकाउ मारु नामनः॥ अव

খঙ্গাধ্মস্ত্যাজ্যোজেতব্যায়দি বিদ্বিশ্বঃ ৯৪়া অঙ্ক বন্ধল পুরাভ ত্মি স্ত ফল সন্নিভায় বসলাক মিদ পুৰ্যু मार्ग मुद्र जिगद्ग व्या जिमारि कगजी মধ্যে যদনেন ন সাধ্যতে ৯৫॥ অঙ্ক॰ সমিশ্রিত ব্যামাকঞ্চিত্রভানী-ক্ষ্যতে । সর্বেধাণ দর্শনণ বাপি তীক্ষ্ ধারঃ খরম্বরঃ।। এব কাঞ্জিক বজুঃ স্যাত্মত্নাদেবোপলভ্যতে ৷ নৈন• প্रাপ্যাপি वर्षास्य (শवान्धिवाहरया পিচ ১৬॥ ভূনি: কৃষ্ণানির কাচে জার। তীক্ষা দ্ঢাপিচ। আঘাত সহতে (घात्र तक न्यार्मन या विष्य ॥ শাণেন বহিং বমতি ধুন বাপ্যতি घर्यगाट । महियादः म रेव थङ्गः পৃথিব্যা• নাতিদুল্লভ: ৯৭ ৷৷ অত্যস্ত নির্মলা ভূমিঃ শরীর পুতি বিশিত। । ধারা তীক্ষা স্বর তীক্ষঃ স্বচ্ছাক্ত उिविक्तिं ।। उत्मिन् यमा ভবেদুেখা উদ্ধা শাত্বাথ্যক তদা ১১। অম্মিন্নপি ভবেদ্বজা রেখা বক্রাভি-थङ्गानाः भुवतः वृदेशः। भुगयाना व ভ্যতে লোকে यमि नई खगावरः॥ ইতীদ নিখিল প্রোক্ত ব্জাণা नक्राभ्या। भ्रयोत्र निथिजः व्यक्रि

সর্বো• হিডকাম্যবা॥ ইতঃ পরস্ত *(वोहानाः वक्तशःयव वक्तशः* । छन्। দাসো ভবাম্যেৰ পুতিজ্ঞেতি কৃতা भया ॥ विविक् भिनु भावाकः भिणाक भिक्ति निर्मित्म । अर्विषा मक्मालाका महीक् मिनि निषि শেৎ ৷৷ ইতি খন্ন পরীক্ষাবা মঙ্গা-**थ्रा**या विजीयः॥ #॥ **थ**न्नम् क्लानि यथा। नीनी कनाय अमूम इति शृक्षनाजा या हन्तु नीवश्रि काह মণিপুভাচ।ভূমিক যামরকতপুতি-मावजामा राष्ट्रमा भीन मिछि क्रा . মিদ-বদস্থি॥তএচেনিন্দিতান্যঙ্গা-न्धविश्वानि वङ्ग्धि । मृन्धाः वङ् " দোষাপি তথাপি গুণবত্তর ্বা যা कालकाषुर मनी वन कालनर्भ महा ন্ধকার কচভার সমা বিভাতি।ভূমি क या ज्ञात्रवक् नमावज्ञाना सङ्ग्र কৃষ্ণ মিতি ৰূপ মিদ্ৰদন্তি॥ অত নেত্রাণি সম্পত্তির অরিষ্টান্যশুভা-নিচ ৷ সাধারণ মিদ গ্লপ পুাহ नागार्जु त्नामूनिः ।।या भाक्षिणु नव (छक मभान वर्गा शास्त्र हतः मन्मा পিচ যন্য ভ্নিঃ। খন্নস্য পিক্মিতি क्रशीमन्यम् डि ভ जु यामा विश्वक्रय कार्रिगाय ७ १ या मन्त ध्र मन्ना ह

শিরীষ পুরু ভল্যা বিভাতি মূলিনা পিচ থত্ন ভূমিঃ। নাগাজুনো বদুতি ध्रम् निषः । इ क्षणः उ खु मरिणादन धना विविष्कंनाय हो। विक्रशः मिण्डि॰ क्षा भक्षत्र श्वतिषुयः। १० जी ৰূপৈঃ সমেত্ৰত ব্যান্তপুন সনিত্ত• ॥ কবৈশচভভিঃ লংযুক্ত চন্দ্রর: খন্ন मूडत । इंडि 'लोइ। (वम्र धन **পরীক্ষাযা•বর্ণাধ্যায় ভূতী**য়ং॥ 🕸॥ काठि क दिविशा (भाका शहानाः या भूता मगा। मन्भू अलि भुगद्भव **ভাস। जन्म गृ**हारङ॥ भुकाश्रः मृद्या वर्षम् मृत्वकः भूत्रत्मः यहो स्मून्यार्थः मुमात्त्रय छी क्ष्याद्वा महागुनः ॥ श्रीः ब्राजा जां जि • ज श्राह नागा जु न्त्र মুনিঃ৷ অস্তক্ষতে ভবেছোথোঘোরঃ নর্বাক গোচরঃ। মূর্চা পিপাসা माइक ब्राता मृङ्का काया । व्यष्टे विक्ना दन् गर्वताविनिः বোষিত গামলিনত্ব নসন্ধতে নিৰ্মল • প্রকাস পর । তক্তাদিত্য কিরণ म्मारित ज्रा श्रिकः ॥ एवर् मर्बः নভু কর পুৰুষস্য হিধারিণঃ। গায-বুছোর মাত্রেণ খরতা ব্জতিষ্ঠ ।। এव यहनतः महमदिष्टे नामाय कृतः । यग्र भुमामाञ् भूक्व जिलाक-

मिन्त्रभरयट्॥ उमारित मन्त्रागाः "
मृत्रिकामिक ज्ञाता । मृत्रारक्ष्यायत् । स्मृत्र वर्ण महामावः विकासियः । सम्मृत्र वर्ण महामावः विक्षायः । सम्मृत्र का विकासि । स्मृत्र का विकासि । सम्मृत्र सम्मृत्र सम्मृत्र । स्मृत्र विकासि । समृत्र सम्मृत्र सम्मृत्र । सम्मृत्र सम्मृत्र । समृत्र सम्मृत्र सम्मृत्र सम्मृत्र । समृत्र समृत्र सम्मृत्र । समृत्र समृत्य समृत्र सम्त समृत्र समृत्र समृत्र समृत्र समृत्र समृत्र समृत्र समृत्र समृत्य समृत्र समृत्य समृत्य

म्भारक 8 ॥ दर्शानकिन गारका कर बार्कः थन्नामित्न् । वयागाः लक्षारेनव विकारिक श्रम मानिरम् 1! इंडर्ना विक्तित्व कांडि **महत्र** मूहारङ । इंडि लोहार्गवमा श्र পরीकाना काठावागः ॥ 🗱 ॥ वाय ক্রিশরেক্রাণা লক্ষণানি। চক্রাকার। यमा भाव थङ्ग महात्क भूम्भाराज ৷ ত চক্রনেত্র কানীয়াৎ ভর্তুঃ সন্ত্ৰা ৰ্থ সাধন ।। অনেনৈকেন খড়েন क्टमा भाषयल मही । शुकु .পদ্ম সঙ্কাশ নেত্ৰ পদ্ম দলোপ**ম** : ॥ यहि व। দৃশ্যতে খড়ে পদ্মনেত্র॰ সমাদিশে । অয় থ খ বরে। যত্ত **उदेव कमनान्या २।। উদ্ধা अना यहा** (तथा गमाकात्राभुजीयरङ। गमानङ बिमः विश्वि अद्य मञ्जू निमूमनः ०॥ শহ্বাকার• যদা 'নেত্র• খন্নসংখ্যভি-मृभारतः महात्व मिन महारिवाना-মিপি দুল্লভ ৪ ॥ ডম্ক পুতিম• (मब रमा ज्यो भुडीवरड । नर्वार्थ সাধক থক্ন ভিয়িদ্যাদ্বিজয় প্রদে ৫খা धनुः श्रुक्त १ रामकः धनुत्व नुषश्चि ত । তস্য স্পর্শন মাত্তেশ মন্দো २भि भुगुथायरा ॥ अय- विजीश विकास थाङ्गा अस्तरामायाञ ७ 📳

বংলৰ মন্ত্ৰাকার তবিদ্যানুগ্ৰ-ব্রাণা। খন্ন নস্কুশ নেত্রাখ্য ভব্তু: मर्दाशं मार्कः। अने की मान इरकायुः কৃত্যা পুরু নিবারণ ৭ ॥ ছতাকারণ বদানেত্ৰ ভূত্ৰকৈত্ৰ বদন্তি তথা অস্য भु डावार कीलानि नाइ (डोरमा **ভ**বেঙ্গুপঃ।। দীনোপিচ সুখী ভূষাৎ मूथी ভ्याचार्यकः । नारम्याकाणि স্চিবঃ সচিবে। ম ওলেখরঃ।। ম ও-(लेमफ कर बी जित्र व न म नयः ।। পর্তীকাকৃতি নেরঞ্ছে সর্বস্পত্তি कात्रकः।। পতाकात्नवसाष्ट्र छः मः गुरस বিজ্ञ পুर•৯।নেত্র• বীণাকৃতি यहा বীণানেত্র মুবস্তি হণানিশীথে বিজনে थ ज्ञा वीगावट अन नावह्ट। अना পুভাবাৎ সরেশ্যা অপি বশ্যা ভবন্তিহি>ণামৎস্যাক্তিয়দানেত্র-নংস্যানেত্র নিম• বিদুঃ৷ অন্ত্য পুভা-বাৎক্ষিতিপঃকৃৎসা•সাধ্যতে মহী॰ >>।। निवितिक मन्दिन किक्तिक ি মিম-বিদুঃ। ভতু : সর্বার্থ স-সিকৈ। শত্ণা• নাশনায চা৷ বামপাখে ভ যাত্রায়া: শর্ভব্যোয়: তথা রণে ১২। অত্র পুরাষ্ঠ্যন্দুকলসানা লক্ষণনি <u>क्टिक्टानि २०१२८। भ</u>्नाकृठि यहा तिबः मृत्र तिबः वहिष्ठ छ।।।

नर्दार्थ नाधकः नर्दातिष्टानिष्ट श्रृंगा-भनः 201 मार्जू ज तिकः उक्तिर्गाटे भाष्ट्रं बैंक्डि (नवडः !! भवु भूगी বিনাশায় সংগ্রামে বিজয়ায়চ ১৭। সি হাকৃতি যদানেত্র সি হনেত্র সি-मः विमुः॥ यत्रा भुजावा कीरणात्र কৃৎনা। সাধ্যতে নহী। ১৮। ७९ मि शमनत्व भार त्व সি হাসনোপমে ৷৷ অস্য পুভাবাৎ ক্তিপঃ কৃৎসা
 সাধ্যতে নহী ১৯। গজাকৃতি যদা নেত্ৰ• গজনেত্ৰ• বদন্তি তথা অস্যপুভাবাৎক্ষীণোপি বাভতে রাজসম্পর ২০ ৷ নেত্র• रः नाकृ ि यमा रु नत्व वर्षे छि उ॰ ॥ जम् भु जावार ज्भाता रेनाः পুাগ্নোত্যনু ভন ২১। মণুরাকৃতিনেত্রে দ্বে তঃমত্র নিতি নির্দিশেৎ,।। অস্য शु जावः सम्बन्धः मर्ग मर्गाममूम्यर ২ । জিস্বাকার । यह। নেত্র জিস্থা-নেত্র স্বৰন্তি চ।। সংগ্রাম খার্পরেস্বেব॰ গিনেদ্রৈরি শিরোরজঃ>৩ দন্তাকার• यमा भवः मस्मवः वमस्रिकः।। वाराः রিপু গণ• মৃদ্ধি চর্যত্যতি নেরব•। ২৪। থড়াকার যদা নেত্র- থড়নেত্র-वरिं उ॰ ॥ यम् भुजावः सन्ब डिए। की विश्वपारि २० । मनुष्र

স্ক্রজাকার। পুত্রিকানেত্র মুচ্যতে।। . वर्षे गरेनवा महीना क्उ्ना সাধকতে ক্লিভি•। নচেয• পুত্রিক। किन्छ कर लक्षी दिश्वयागाय॰ মন্ব্যাণা মল্ল ভাগ্যেন লভ্যতে ২৬ । চামরাকৃতি নেত্রভারেত্র নিতি निर्फिल्टा अमृत्यु जावाड्डायस्ड छामः রাজ্ত সম্পদः २१। একানেক শিথে শৈল নেত্ৰে তন্ত্ৰের সংজ্ঞক• ।। অপিরাষ্ট্র ভবে गुएक বিষমে বৈরি সঙ্কটে। ছিরীকরোতি ধরণী ধরণী পর্তা যথা২৮ ॥ পুরুমালা সম্, নেত্ৰ- পুত্ৰ নেত্ৰ- বদন্তি তা। व्यक्तित् ज्ञावाख्यां जिल्हाः नेवान স্কেবতাঃ ২৯ ॥ ভুজঙ্গন সমে নেত্রে সর্পনেত্র মিদ মত । স্বায শুরু গুণ হস্তি যথা মর্ত্য ভুরক্সঃ ৩০।।সবর্ণ-সমবর্ণঞ্চ তৎসর্র-ছিবিধ্ च्या अवर्षः भा**डि अ**म्मोरेडा রিপু ন)শে তথাপর•॥ছবে। রেকত্র श्रष्ठ उंट भून विविधः खराट। अक লোক সুথ নৈদ দদাতি দ্বিবিধ ष्याः ॥ मृत मधागु मः शाना ७९ পূন দ্বি বিধণ ভবেৎ। অণ্যে চাগ্ৰ্য ফলণ (छा मुं माया मध्य कन मन ।। मूल .कवं अवना मार शुरं नाम्मक्ता

মুনি:। এক ছে ত্রীণি নেত্রাণি নাত্র সংখ্যা ব্যতিক্রম: ॥ এক ধর্ম: স্বর্গ কামৌদ্ধে ত্ৰীণিচ ব্ৰিবৰ্গকণতৎফলা-নি প্ৰছঙি পুছে নাগাজুনো মুনিঃ৷৷ দ্বিনেত্র নিতি জানীযাৎ স্ব সংজ্ঞাণ নেত্রযো র্ঘয়েঃ। ত্রিনেত্রঞ্চ ত্রিভির্জ্জে-য•বহুনেত্র মতঃ পর•॥ যথোভর• खनवरु थङ्गमाल बनुडमन पिड्मा-ত্র মিতি নিদিষ্ট নেত্রাণা শুভদা-यिना ।। जीनु । ।। भक्ता ना क म् जान स শুভাবহ। ইতি খল্প পরীকাষা। नि वास्यायः शक्यः ॥ 🏶 ॥ यथा নেত্রস্য সংস্থান তথা রিপ্তস্য লক্ষ-(यट्। तिख्यू श्रानियामा ना तिष्ठ হান নিৰ্ণয়ঃ। পুশস্তাকোপি যঃখ্লে। श्रिष्ठि रेनिक्न निन्मिजः। 🕸। अथ बि•नद्रिष्ठाना॰ वक्तानि। ছि<u>र</u> বন্দ্যতে খল্লে স্বভাবেন চ লক্ষ্য-তে। ছিদ্ারিষ্ট মিদ বিশ্বি ভর্ वीर्ये वनाशह ३॥ यहा काक-পদাকার মরিষ্ট। দৃশ্যতে ইচিৎ। व्यरं काक नम् विष्टे: मदा जी है विना-·শনঃ২ ৷৷ রেথাকার• যদারি**ঔমূজ্**ত্বা जिर्यारणव वा। द्विधाविष्ठे भिम विष्क खबु वीगा वनाशर of किर्म কর॰ পাপ• ভিমারিষ্ট মিদ• বিদঃ।

खबूं: अव गरणा बाहु ना रुवा न कुरक्ट श्रय । शा यना (जकिनादा ৰূপ ম্বিষ্ট∙ দৃশ্যতে কৃচিৎ!(ভকারিষ্ট भिम नाम। म गुाम ज्यमायक · @ 11 व्यतिरहे मूरिकाकारत मृरिकातिहै मूह्याउ। व्ययः थङ्गाधमः कर्या १८ भजुः **পাতाल সঙ্গ ৬**॥ विखाल नयना-কারে। বিন্দুরেকোতি বিস্তরঃ। विजानातिष्ठे भिष्ट ग्राट जबुः **जर्बार्थ नामन• १ ॥ अतिष्ठ• म**र्कता-कार्तः यहा न्यामिन वृथ्या मर्क-রারিষ্ট মেতৎ স্যাজন বুদ্ধি विनामन ৮ ॥ यहा भीनी तमा-ভাস মরিষ্ট দৃশ্যতে কৃচিৎ। নীল্য-तिष्ठे भिम • एक्डिय • यामा नक्ती विना-**শন•৯:৷অ**রিপ্টেম্**শ**কাকারে মশকা-রিষ্ট মুচ্যতে। ভত্ত্ব:সলে যশো বৃদ্ধি। थ् जि॰ भी जिक्ष ना मराय १०॥ ज्वमा পুতিমো বিন্দু রেকোংনেকোংথ বা যদা। ভূজনারিষ্ট ইত্যেব ধৃতি সৃতি বিনাশনঃ ১১.॥ সূচীক্প মরিষ্টঞে-मृष्क्या जियंद्रशाय वा। मृह्य विश्वः नाम ज्रुहः क्ल विनामन >२ना वय कि दिन्त्र ता जाजन् अड्ङ्या विकास का विभागा भिन्न वास्था ক্ষ জ্রিবিন্দাখ্য মরিষ্টক ।। তস্য

স্পাৰ্শন নাত্ৰেণসচেল: স্থানমাচরে ্থ ১৩ । কালিকারিপ্ত মিত্যেড 'भी ধৃতি স্মৃতি নাশন ১৪ !! ব্ৰুক্ত যদি নছেৰ পু্যত্নেনাগি সম্ভঃা मात्री नाम महातिष्ठे नर्ताजी है বিনাশন্যা অনেকগুণ সম্পন্ন: খল্গো লোকৈ ন গৃহতে ১৫। কলোতপক পুতিম মরিষ্টঞ্চেন্ডদাস্থ্য ।। ভর্ व्यवः यामा विम्राः वनः वृक्षिक নাশ্যেৎ ১৬। কাকাকৃতি যদারিষ্ট্রং काका विश्व: छामाग्राउः ॥ व्यानन ভ্ৰুঃ সংগামে ভঙ্গ এবোপলায়তে ১৭। অরিষ্টে খর্পরাকারে খর্পরারিষ্ট मुठारछ। ভर्जुर्यामा वनः वीर्याः कृष्तिः श्री जिक्ष नामाराष्ट्र ३४॥ यहान उत्साक् भकनः ॰ नगः अग्राहित **नक्**राउ । **म**क्नीं जि ते यहः नहीं श्रे নিস্দনঃ ১৯॥ কোডী লশপত্রকযো র্ক্তণে পতিতে ২০।২১। যিমানির মিবা ভাতি মধ্যে বাদৃশ্যতে বৃচিত্। बानातिष्ठे भिनः नाम छडुः अन ধনাপহ -২২ ॥একৈক রেখা দীর্ঘাগ্রা যদা পল্লবিনী ভবেত্। স্পাশে বাথ করেণাথকরালারিষ্ট মুচ্যতে ৷৷ অয়• ্হি ক্ষিতি পালানা দৃষ্টি যোগ্যো ভবেছছি। দর্শনাদেব নশ্যন্তি ধংশা

न्त्री . जराप्यः २०॥ अतिरहे क्छ-পর্বভৈ কল্পারিষ্ঠ তদুচ্যতে। অস্য न्याक्त माजाय गामा तवा 2811 थर्जु तग्रक गुजिम यमा तिश्रेख লক্ষাতে। খজুরারিষ্ট সেত্ত ন্যা-खुं अन धनाशक् २८॥ (गाम् **अ**। ज মরিষ্ট ঞেৎ শৃঙ্গারিষ্ট ভদুচ্যাত। लातन छत्रुं ने भार्षि विश्वी वन स्वा-म्यः २७॥ भाषुहाक्ति हट या অরিষ্ট সংপুতীক এক। পুছারিষ্ট निमः नाम अर्जुः नहाथ नामनः ২৭॥ খনিত্রাভ মরিইঞ্ছেৎ খনিত্রা-রিপ্ত নৃচ্যতে। শ্রাণা মপি সংগামে ख्य, गण्ट शुरह कि २৮ ॥ **अ**तिरहे मुख्याकारत चाक्नादि भुगाउ । অবং পালাৎ পাপতরঃ পেঞ্চণাযো न ভূভূজা।। जय नायुः भियः रहि विम्याः वल मार्भागजः २२। व उमाः ব্রিট্রস্য লক্ষণ পঠিত ৫০ ॥ ইভ্য तिश्वाने (शुकानि नाना ज्वार भ्यञ्जः। विठारियं ज्ञानि स्र ज्ञान খন্ন কোশে নিধাপ্যেৎ।। দিন্ত্রাত্র निर् गृष्टि है मतिहीना श्रिजा जाना । অমঙ্কানা सन्ताना मर्गनका मुखा বহণা অরিষ্ট মেকমেব স্যাদ্ধিররিষ্ট• मु जिन्दर। व्यानाना मेन्द्र-इन्।-

দ্বিষস্য হি বিষ্ যথা ৷৷ এক মারভ্য সভান্ত মরিষ্ট পুাছ নান্যথা। যথোত্তর দি গুণিত ফল মাহ र्मनीविषः ॥ इंडि यज्ञ भन्नीकारा मित्रिष्ठाभगगः मधः॥ अ। व्यथ हितिशा ভূমি: ৷. দিব্য ভৌম বিভাগেন ज्ञियं। विविधा मजा । क्विंग किवि সমুভূতা ভৌমা ভূমি সমুভবা ॥ ভল্লক্ষণ মশেষেণ লিখ্যতে ভন্নি-(वाथ छ। (एव ए। नव्या मंस्य) थङ्ग সৃষ্টি রভূৎ পুরা॥ তে খড়াঃ পুন্দ দেশেষু কেষু কেষু পুতিপ্তিতাঃদিব্য लक्क १ रथा। (य थङ्गाः झ्ल श्रांत्री ভূশ মতি লঘবে৷ নিমলাকা:সুনেত্রা (य तिष्ठी कामक्तभाः मृविमन उनव শ্চাপ্যসংস্কার যোগাৎ। দুভেদ্যা দুষ্টাশ্চ ধুনি গুণ গুরবো যৎ ক্ষতে माइ भारको उ नियाः अद्राञ < भी अन धन विजय **टी** याणा বৃদ্ধিসাশু ১॥ অথ ভৌম লকণ বৃহজারীতে।পূর্•মহেশেন বিষাণি যানি ভুক্তানি তেষা পতিতাস্ত विनहवः। यश्चिन् शुक्तरण न न अव দেশঃ কালাব্সামাকরতা জগাম।। পুরামৃত কীর সমুদু মধ্যাদং পাদ্য मःगृश् ययुः मुरत्रन्तुः। छिन्त्रत्

যত্র নিপেন্ত রেব শুদ্ধায়সা নাকরতা। জগাম॥ যে বিষোত্থা ভূশ স্কালাঃ খরাকা:সম্ভ বন্তি হি।মূদ্রাদাহ জুরা-নাহ শোক হিক্না বনী করা।। যে < মৃত্যেত্থাঃকরুরাকা মন্দাকাঃ স•-ভ্ৰম্ভিচ। বলী পলিত মালিন্য बद्गा ব্যাধি বিনাশনাঃ ৷৷ যবৈব পতিত• यबु তৰদাৰুর ভাক ডা:। তম্থা। বারাণসী মগধ সি হল ভূমি ভাগে ধনপাল ভূমিযুত্থাক নহীপুদেলে। পৌরাষ্ট্রিকেন্যতর ধন্য মহীবিভাগে भूकायमा क्ञिवताः भूवमा **अ**ग्र. ।। ভদ্রা। বারাণসেয়াঃ সুক্রিখা खीक्षाताः जमक्रिनः । वयदः नूथ अस्त्रया राज्या काराज्या नाविनः॥ মাগধাঃ কর্কশাঃ জ্লধারা গৃত্তরা- ॥ क्तिः। छत्रता मूःथ मस्त्रयाः थङ्गा ख्खिया विष्क्रकेरेनः॥ तिशान कि म शू-ভবা मित्रक्षा निम्हलाम्ह (स्। क्छियाः जिन्हा अलिना ल्चवः झ्ल शादिनः॥ ॥ कानिका धत्रवः यहा वाकाका खरु হেতবং। সৌরাষ্ট্র। নিমলাঃ স্নিকাঃ मृदाकाका ज्म थंद्राः॥मि इन ही भ কাতানা॰ চৰন্ধা ভেদ উচ্যতে। क्कि जिल्ला भूवतः कर्कनाः निष शाबिनः॥ (किट् नम्क्। नघनः

जुनिया जुनवादिगः। এवा॰ कप्राप মিশ্রেণ ক্তেয়া হি দ্বিজ জাতযুঃ ॥ मामान्। दिख्य क्षोपुः कृति मं গুণ স্ততঃ ৷ কলে: শুত গুণ ভূদুণ ভ माहजु सर्मुशा। वजा ए महि खाः পাণ্ডি নিরবি দ্র্শভি গুণৈঃ। ততঃ কোটি সহসেণ হ্যকান্তঃপুশস্তে ।। इंड्रांकिक ज्ञायानीभायोगिक भित नख थात मृष्टेकन । यमार I আসান্ত লৌহ জাতীনা বজু খদ্গায যুক্ত্যতে। তথাচ। যে খড়া স্তীক্ষ্ বারা ভ्न मि गुत्रदः यस् गुनाष्ट्राः मूख-দ্যাঃ কেচিৎসংস্থা নিরস্থাঃকবিচন সমূলা নিম্লাঃ কেচিদেব্। তে ভৌসঃস্বতে খ্মী খন বিজ্ঞীবল• ষড্গুণা নিৰ্ভণা বা তে দুংখা দৌক मूगु मधि वन कून है। याना नामना স্তে॥ইতি খন্ন পরীক্ষাযা•ভ্ন্যধ্যাযঃ च छ मः २ ॥ 🗱 ॥ व्यथा हेवा वृनिः। ध्वि प्रष्टेवियः (भारका यः अव ग्रं সংগুহে।তেবামপি লিখাঠ্যত্র **সগুণ** लक्षनाष्ठकः॥ उपया। शृद्दि विदातः म् जिनाः भारत निन्मा स्था। वि-চাৰ্য্য খন্ন মানঞ্চ কৰ্ত্তব্য খন্ন কোবি-হিন্যাবোর:স্তার ইতি **খ্যাতোদ্বিবি**শ্বঃ था का दिरि । यातः मार मूथ

বৃষ্ণীৰ্টেও তার উচ্চার্টনে মতঃ ৷৷ যত্র || क्रि व्रवस्त्राव थाइ नथ क्र धुनिः। इ - ज्यूनि द्रय । थड़ । जक्नार्थ भूजा-ধ্নঃ >!৷ কা স্পদ্ ইবাভাতি যিমিন্ থত্নে হতে ধ্নিঃ৷ কা-স্যধ্নি রয় খল্লঃ পुार नागाकू (ना मृनिः २॥ अजुना লকণ পতিত ৩॥ ঢক্কা শব্দ ইবা ভাতি যিমান্ খন্নে হতে ধুনি: ৷ ঢকু ध्नि द्रयः शङ्कः अद्यं शब् निम्मनः ৪॥ কাকস্বর ইবা ভাতি যস্মিন্ থঙ্গে হতে ধ্নিঃ৷ কাক মরোয় ধত্ন: স্যাৎ গ্রি যশঃ হল নাশনঃ ৫ ॥ তন্ত্রী স্বুর माया यिवन् ভावर थाइ इट श्रुविः। তন্ত্ৰী পুনি রয় খনঃ সল শ্রী ধন ज्ञानिनः ७॥ थतान्तरत धृनि यश्चिन् খর্ধুনি রয় সভঃ। 🗐 यमा জান বিজ্ঞান জয় তেজে। বিনাশনঃ १॥ भुँ छत्र (मार्व यः थङ्गः न निन्त्रः थङ्ग লক্ষণে৮।গভীর তার ধ্নিতা খন্ত্রস্থ मु उने कृष ।। উडान मन्तु 'धृनिङा थङ्गमा नुं छ वाक्रयः। यश् वर निव श्रीतालि थङ्गः मुध्रुनि बन्छमः॥ वाकः क्रक्ला मनुद्धा यथा ভृति मूगायनः । मैर्ब लक्ष्म मम्मूमः थर्ह्ना या श्रुनि , वर्जिङः॥ ज निन्तुः जुन्तदास्त्राशि यथा वाका विविज्ञा । नाथन

वाथ मर्खन जथा (लोह भनाक्या।। লোঙেন শর্করাভির্বা ধ্বনি বিজ্ঞান মুচ্যতে । ইতি খড় পরীকাষাণ थुन्रशारगाष्ट्रमः ॥ 🗱 ॥ व्यथ विविधः মানণ যক্সান দিবিধ পুোকত তস্য লক্ষণ মুচ্যতে। উত্তমাধ্ম ভেদেন ভেদে। হি দ্বিবেশ সতঃ॥ উভস্ यिष्मान माल्य मान भुकी खिंउ > । व्यथम • उइ यट्थन • शूक्मान • পুকীৰ্ভিত ২॥ তৎপুন ব্ৰি বিধ• প্ৰোক্ত মাদি মখ্যান্ত ভেদজঃ। यी। মুষ্টি বি শতি সমাযত তীবু ধারে। ভৰুৰ্ভবেৎ পুসরতোপি বডকৃ नी जि:। गारनन हाई भनिकः महि थङ्ग माथा नाजि भुक्षे न विक्षे कन्तरः गार ॥ या हानगाडे नव मूक्षिजि ज्ञायकः मा माना ভবেৎ পুসরতো ২পি চন্তর্থ ভাগঃ৷ তাবং পলৈঃপরিমিতস্কুততোধিকো वा यज्ञाधामा धन यणः व्या ना-শনায ।। নাগাল্পুনোপি । যাবত্যো मुष्टेरवा रेन्दर्वा उनका जुनरवा यहा। भुत्रात उइ उर्था मि नि दि यान गू-खमः।।यावरङ्गामुष्ठरमारेमर्घा भुगरत **ত** প্রভাগিকঃ। পলৈ सम्स्कृतिकः স থল্গে মৃধ্য উচ্যতে ॥ যাবত্যো

मूछेर्या दिर्द्या जर्मा भाः शुमात छ ७८ । यथनः कीर्जिजः थण्न उट मामा वाधिकः भीवः ॥ ভৌমाना सिन-मुम्बिक्षे दिवास नघरवा मजाशाहिक थङ्ग भवीकायाः मानाश्यायः ॥ ६ ।। ज्ञाक्तः भूः मोकाविष्यः। छ इति ভোজস্ত। দীঘতা লঘুতা চৈব খর বিস্তীণতা তথা। দুর্ভেদ্যতা সুঘটতা থয়ানা গুণ সংগুহঃ॥ থর্বতা গুক্তা চৈৰ মন্দ হা তনুতা তথা৷ সুভেদ্যভা দুৰ্ঘটতা খন্নানা দোষ সংগৃহঃ।ইতি নিখিল মুদার মুক্ত মত্র বহু তচ্ছেষ্ নিক্ষ্যখন্ন্যস্তোন্পতিরিতিবিচিস্তা বো বিধত্তে সচিরতরা শূি্য মুদ্ভিতা লভেত ।। ইতি যুক্তিকল্পতক্ত थड़भद्रीका ममाक्षा।। ভরস• ক্লী মা•স•। ইত্যমর:॥ खत्र झान की घडेः। इंडि करे। ध्रः॥ उत्रमान् जि मृदः॥ (देशी। इंडि व्याकत्र १ ।।

ভরস্বী ত্রি শূরঃ।। বেগী। ইভ্যমরং!। शक्ए वायोह भू । है इ वाज-निघफैः॥

७त्रकः भु• उत्रक्षः। ইত্যমরটীকাষা• ভরতঃ ॥

ক্ষেত্র পুর্ণ ব্যাঘুবিশে**বঃ। নেকডে**-ৰাঘ ইতি ভাষা। তৎপৰ্য্যায়ঃ।

जर्मः २ ग्राप्तः ७ जङ्ग्कः ह। ইতি শবরত্বাবলী।।

তর ফুকঃ পু তর জুঃ। ইন্দ্র শব बङ्गावनी।

ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। হোডঃ ২ वहन • ७ वाई है: 8 वहिंब • द। विका अभागः।

তরালুং পু• নৌকাবিশেষ: ইতি श्वातनी।!

তরিঃ ক্রী নৌকা। ই স্মের ।। দেশা॥ ় ৰজাদিপেটকঃ ইতি হেম্চলুঃ॥ ভরিকঃ পু: শ্রবঃ। ইডি ত্রিক।ও-শেষঃ !!

ভরিকা জী নৌকা। ইতি শক্ত-ब्रु।वनी।।

তরিণী ত্রী নৌকা। ইভি হেম-**ठन्मः** ॥

তরিতা জী তর্জনী। ইতি শুক্ **व्यक्ति ॥ शृक्षन । गाँ**षी इंडि ভাষা। यथा। সहिमा कानकृष्टेक **जामुक्**रिक धुन्नद्र । अश्रिकन• খজুরস স্তারিকা তরিতা তথা।। ইভি সলাণ্বতন্ত্ৰ।।

,তরিরথঃ পু॰ অরিত্র•।ইতি্হারা-रकी।

जिल्ली की किला श्रमा ।। विक्रामि ॥
क्षित्र । इंजु का मिला ।। श्रमा ।
किला श्रमा । स्वाप । स्वाप । इंजि
किला श्रमा । इंजि कि मिली ।।
जिल्ली स्वाप ।। इंजु का मिला सः ।।
जिल्ली मिला ।। इंजु का मिला सः ।।
जिल्ली मिला स्वाप । इंजि का मिली ।।
जिल्ली की इंस्क्रा । इंजि का मिली ।।
जिल्ला कु कि । व्यक्त । इंजि का मिली ।।
जिल्ला कु कि । व्यक्त । इंजि का मिली ।।
जिल्ला कु कि । व्यक्त । व्यक्त ।।
जिल्ला कु कि ।
जिल्ला कु विक्र । व्यक्त ।।
जिल्ला किला कु विक्र । व्यक्त ।।
जिल्ला कु विक्र । व्यक्त ।
जिल्ला कु विक्र ।
जिल्ला किला कु विक्र ।
जिल्ला किला किला किला ।
जिल्ला किला ।
जिला किला ।
जिल्ला किला ।
जिला किला ।
जिल्ला किला ।
जिल्ला किला ।
जिला किला ।
जिल्ला किला ।
जिला किला किला ।
जिला किला किला ।
जिला किला ।
जिला कि

जिका अर्भवः ॥ जिका जीवनः जी वृक्तम्बनः। ইতি भद्रास्ति॥

उक्त क्षेत्र क्षेत्र

তক্ল ক্লি যুবা। ইতি মেদিদী।। নূতনঃ। ইতি ধরণী।।

जन्मज्ञतः शूर मक्षाशाविषज्ञतः। यथा व्या नेश्व दावर जनगर ज्ञत नगर्स-यानीविषः। ইতি চকদতঃ।।

ङ्क्षणमिक्ष क्री शक्षमिनाञी उपि ।
क्रिकिटियम्प्रकः॥ न्यूष्ट्रः साम्यः जित्याः
क्ष्याः वाणाकं खक्षणः मिष्यः भुजारः
स्थित्रः निम्नाः सम्रः भुगाः इहाणि

ষট্॥ ইতি চাণক্য ॥ उक्ी जी विठीयवयाः जी।। ज्या ভূশ: পুবর্ত্তমানরজাঃ জী। ইত্যমর द्योकायाः मात्रमुन्द्रती॥ उर्भर्गायः । युवजी २। इज्जाबः ॥ उन्नी अ ্যুবঙি: ৪। ইতি ভরত:॥ গৃহকন্যা ।। क्टी वृक्तः।। ही छ। नाम शक प्राः ।। পুর বিশেষঃ। সেউতী ইতি ভাবা । उट्शर्वत्रयः । महा २ व्यमात्री ७ ণদ্ধাত্যা ৪ চাক্ষেশরা৫ ভূকেষ্টা ৬ রামতকণী ৭ সুদলা ৮ বছাপতিকা ৯ভূকবলভা ১০ ইতিরাজনিঘটঃ । (मवजी ३३। यथा। जन्मकार পুর শতকাদশোক পূর মুন্তমণ। অশোকাৎ পুত্ৰ সাহসূৎে সেবজী भूत्र मू उम् । (मवडी भूत्र माहनाए अबुक • १ मगुख्य-॥ ইाত नात्रि•**र** পুরাণ-।। অস্যা গুণা:। শিশিরত্ব-। রিপত্ত পাত দাহ জুর মুখপাক **ज्**का विहक्ति नामिष्ठः। **अध्वयद्भा** ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

ভৰণীকটাক্ষমালঃ পু• ভিলকবৃক্ষঃ। ইভি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

তক্ত্লিকা জী বাতৃলিং। বাদুড ইভিভাষা। ইভিছারাবলী ॥ ভক্দুলিকাপিপাঠং॥ তক্ষনথঃ পু• কণ্টকঃ।ইতিহারাবলী।। তর্কঃ পু• তক্তভুক্ পু• বন্দাকঃ।ইতি রাজ-বিঘণ্টঃ।।
ভাষাপরি

তক্ষ্ণঃ পু• বানরঃ। ইতি শন্ধ-রহাবলী।।

ज्यतागः क्ली किणवयः। न्जनशङ्खायः। इंजि हातावनी।।

তক্রাজ: পু· ভালব্দ: ৭ ইতি রাজনির্ফ:।।

তৰুক্ছা স্ত্ৰী বন্দাকঃ। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ॥

छक्राइगिक्षे की वन्ताकः हैं हैं डि जाक्रिक्णेः॥

তক্রলী জী জতুকাল্ডা। ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

ভকশাগী भू॰ भकी। ইভি হারা-यवी।।

छक्मातः शु॰ क्पृतः । ইতি श्रातनो ॥

ख्य । जी वन्साकः। ই जिज्ञान-निर्यणेः॥

তকটঃ পূ• উৎপলকদঃ। অস্য গুণাঃ। গুৰুত্ব•। বিষ্টান্তব্ব-। শীতল-ত্বক। ইতি রাজবল্লভঃ।।

उकं क मीखो।। विज्ञां विक्रिक विक्रिक मा

চর্ক: পু আকাল্লা।। বিতর্কু ।
ব্যভিচার শকা নিবর্ত্তক:। ইতি
ভাষাপরিছেশ: ॥ সচ পঞ্চবিধঃ।
ব্যাং আল্লাশ্যঃ অন্যেন্যিশ্যঃ
২ চক্রক:৩ অনবছা ৪ পুনাণবাধিভার্থক: ৫। ইতি জগদীশঃ।। এবাং
লক্ষণানি ভত্তকে দুইব্যানি।।
উহং ॥ হেতুশাক্ষং । ভতু নীমাংসাদি ইতি মেদিনী।।

उर्ककः पु॰ याहकः। ইভি (इम्म्यूः॥ छर्ककाद्रकण्ड॥

उर्कित्तरा को न्यायित्तरा। छ८ अर्थ्यायः। मानिकिकीर। इन्यानदः॥ उर्कात्री की अयुडीतृकः। इन्यानदः॥ उर्कितः भू हक्यप्रवृकः। इन्याना।। उर्किताभागेः।

তকী ত্রি ভর্কবিশিষ্ট:। মীমাণসক:
। যথা। ত্রৈবিদ্যো হৈতুক ভরী
নৈকভো ধর্মাপাঠক:। ত্রয কা
শ্রমিণ:পূর্বে পরিবৎস্যাদ্দেশবিরী
। ইতি ননু:।।

उकुः जी न्यनियागयञ्च । हिका इंडि जाया। उर्श्यागः। क्यान् नामिकार। इंडि जिका अस्परः॥ उकुं हो अन्वमाश्च इंडि हातावनी॥ उकुं हे जी, कर्जन । काहेंसाकाहे हैं डि जाया। ইতি विकाश्यमयः॥
छक् ही जी उक्ः। ইতি হারাবলী॥
छक् लिखः पु॰ उक् हि छम्द लिखः।
देवितात वाहिन है डि जाया। उद भर्यायः। देखिनी २। ইতি जहार्यतः
॥ उक् भीठी ० वर्जुन। ८। ইতি हातावनी॥

ভকুনীঠা দ্রী তকু পিও: । ইতি হারাবলী।

ভক্লাসকঃ পু॰ ঝল্লোলঃ। খরসা ইতি ভাষা। ইতি হারাবলী ।। ভকুশাণঃ পু॰ সামকঃ। টেকোর শাণ ইতি ভাষা। ইতি ত্রিকাপ্ত-

ভর্জ । ইতি কবিকল্পদ্মঃ।।
ভর্জ ক ও ভঙ্গে । ইতি কবি কল্পদ্মঃ।।
ভর্জন জী ভঙ্গন । যথা। স্থীরাকা ভার্জন ভারনাদি। ইতি রসনী।।

७ अनी श्री अनुष्ठमभीशान्तः।

७ १वरायः। श्रूप्तमिनी २।

३ उप्तयः॥ माज् गर्जरम् ठज्जि

मारिन जवि । इकि मूथरवायः॥

छिकः श्रू (मनित्मयः। ७८

निर्यायश्र जासिकः । इकि स्मिन्तुः॥

७ १९ १९ वर्षः। इकि स्मिन्तुः॥

उर्नदः भुः मरम्प्राकाउद्यमः। का-मरमदाष्ट्रत है जि जाया। हे जुमतः॥ उर्निः भुः मूर्युः॥ भूवः। हे जि मदार्थ-कन्नज्यः॥

তর্ত্তরীক স্লী নৌকা॥ পারগে ত্রি। ইতি মেদিনী॥

তর্দ । ইংলে। ইতি কবিকল্পন্সমঃ॥ তর্দু: জ্রী দাক্ত্তকঃ। কাঠের হাতা ইতি ভাবা। ইত্যমরঃ॥

ভর্পণ ক্লী ভৃষ্টি:।। প্রীগ্রন। ইভ্যমুর: ॥ यञ्जकाष्ठः । इञ्जि (स्महन्तुः॥ नश्यक्कित्रियः। उद् शिठ्यकः। निज्ना कवादाबारी नाक विधिना. कनाव मात्न ज्थि ननामन्। इंडामत होकासः जुतुनः।। उट हिविशः भुशानः शक्षाः। उजाम्। यथा। जर्भनक मुहिः अर्गाट भुंडाइ न्। उत्का विकः। (मृत्व छ) मह स्वि ভাশ্চ পিতৃভাশ্চ যথা ক্রমণা ইতি শাভাতপঃ।। বিধবা মধিকৃত্য । তৰ্পণ- প্ৰত্যহ্ কাষ্য ভদ্তঃ কুশ किलामरेकः। उৎপिन् उर्शिनु क्तान भावामि शृहक ।। इंडि कामी थ ७।। वि छीय वथा। नि छा रेनिमिखिक कामा विविध श्रान মুচ্যতে।ভর্পণন্ত ভবেত্তস্যলীক বিন

वाविष्ठ ।। इंडि वुका शुहारा । 🕸 !। 🍴 **ভ**र्পगाकत्राय, मारम्। यथा। नास्त्रिक्त ভাবাদ্বশ্চাপি ন তগ্যতি বৈ সুতঃ ৷ शिविष्ठ (ल्इ निः मुवि शिख्ता देव জলার্থিনঃ॥ ইতি যোগি যাক্তরদ্বং ॥ 🗱। ७ अ निविष इनि। दिया। নেষ্টকারচিতে পিতৃ•স্তর্গবেৎইতি শহ্বলিথিতৌ।। यज्ञ সর্বায় চোৎ-সৃষ্ট•যहাভোজ্য নিপানজ•় তদ্বর্জ্য• निन•ভাভ সদৈব পিতৃক্মণি।। हैि नार्क्ष्यभू द्वापः॥ 🗱 ॥ उन्ह विधान यथा । नाज कार्म् वाना দেব পিতৃ: তপণ মন্তঃছ এব **স্**র্য্যাৎপরিবর্ত্তিক্রাসাক্ষেৎতীর মুৰীৰ্য্যেতি। ইতি বিষ্ণু: ॥ তীৰ্থে वित्मार्या यथा। जिल्लामकाञ्जान र्प्या बनिष् श्रीथ वानि छिः। ইতি ম**্স্পু**রাণ•।। তীর্থে হ*লছ*। (फर् उर्भग करतां जि जमा कर्न-ক চরণঃ আচম্য ক্র্য্যাৎ ভ্রস্ত অলেচ তপ্ৰণ মবিক জ। ছলেতপ্ৰণ-म्टर्ब् कार्याः। यथाः। भागागुर् जूदा खार्या २ मन्द्रा रेक्ट्रम्या छः । शिकृ क मिनारशुव् मस्यामिकि बनाक्षनीन्।। इंडि चाराजभूतान ।। अणुि (एएण कु। यवाणुि इतः

বাল্লেদ্দাক (দ্বতা পিতৃন্। ख्तान्य यथा काम मश्च महर ुविशिष्ट ।। इंडि विकुः ॥ शारिमण নাত্ৰ ভিদ্বত্য সলিল প্ৰান্থাঃ मूद्रान् । छेमधानुष्रीः स्टर्भाउ शिजून मिक्ति उथा।।इंडि मकः ॥ डेब्टाएककु। शाकाश हंत मामाय माठो भ वास्त किलार । अन शृश ६ थाता गर्छ न इरल जु विवर्शिक इंडि इाती छः॥ समूर्र-क्टिः श्रांमाकजु जिलान् मःमि-শুযেজনে। সতোন্থা তু সব্যেন ভিলা পুাছা বিচক্ষণৈঃ।। ইভি स्मार्थः वाक्रवद्याः ॥ शक्रुशानामि-का जाक्ष मिक्कारमाज्यार क्रांट । जिलान शृही हा शावकान कार्यन् সম্ভর্গথেৎ পিতৃন্।। ইতি নারদ:।। ॥ एवं छर्शनि यथा । वुकानि उर्शयरः भूर्वः विकृ कपु भुकाशिक । (एवं। यका ख्या नागायक्तर्वाक्षत्र-সোৎসুরা:৷৷ কুরা: সর্পা: সুপর্ণান্চ **७**त्रदा बसुकाः थगाः। विम्नाधना कलापाता खर्षाताकाणगामिनः ॥ নিরাছারাক যে জীবাঃ পালে থর্মে **त्रञान्द्रश्यान्य अस्त्री**-यरञ्जलिन भया। हम छल्दी जिना

পাল্য থেন দৈবতীর্থেন কার্য্য।। ়। মনুষ্য তপণ যথা। সনকল্চ - अनन्तक , ज्जीयक ननाजनः । `ক্পিল শ্চাসুরি শৈচক বোদুঃ পঞ্-দ্বিথ স্তর্থা।। সর্বেতেতৃপ্তি নামান্ত :खनाषूना**महा।३ह**॰निवीिखना ননুষ্য তীর্থেনসামগেনপুত্যগু থেন कार्याः जना (विमना छेम्बा त्थन কার্য্যা গুলা তত ঝ্বিতর্পণ পুা-ब्या (थन जिनवीजिना रिपवजीर्थन कोर्याः । ज्ञा किना शिक् उर्भागः मिक्नगमृत्थन भागीनावीजिना म তিল ছলেন পিতৃতীর্থেন কার্য্য। " তকঃ িতৃ ভপণি ॥ 🕸 ॥ ভীন্মা-ষ্টন্যা ভাষা তপণ। ভস্য মন্ত্রো ৰথা (বৈশানুপদ্য শোত্ৰায় সাস্কৃতি প্ররায়ত। অপুত্রার দদাম্ভেৎ निन जीया वर्षा ।। भूषिन मञ्जा যথা৷ ভীষ্মঃ শাস্তনবোবীরঃ সত্য-वामी किरछनित्यः। वार्जित्रिक রবাগ্নেতুপুরপৌনোচিতা•কিযা• ॥ 🗱॥ (भुक्ठकुकं महाः यमक्रभंगः यथु।। यभाय अर्भाजावाय मृज्यत **ठा**ङकायह । देववश्रवाय कालाय नर्बञ्चकयाय व ॥ खेजूरदाय मञ्जाप नी नाय भन्नरमिक्षत । वृत्का

দ্বায চিত্ৰায চিত্ৰ ভাষা বৈ নমঃ॥ প্ত্যেক নামভি জ্ঞী-জ্ঞান प्रमार्था #11 जिल **उर्ग** निरम्(था যথা। রবি শুক্ত দিনেচৈব দ্বাদশ্যা। नुषक वामरत्। मधम्रा क्रम कित्र न স্ব্যাভিল তপ্ণ।। ইতিমৃতিঃ।। সংক্রান্ত্যা•নিশি সপ্তম্যা•রবিশুক দিনে তথা। শ্ৰাজে জন্মদিনে চৈব ন স্বৰ্য্যান্তিল ভৰ্পণ।। ইতি মৎস্য-পুরাণ ।। তত্র পুতিপুসবো যথা। অ্যনে বিষুবে চৈব সংক্রান্ত্যাণ পুহণেষুচ। উপাকর্মণি চোৎসর্গে যুগাদে। মৃতবাসরে। সুর্য্য শুক্রাদি বারেপিন দোষস্তিল্ভর্পণে ৷৷ তীর্থে ভিথি বিশেষে চ কাৰ্য্য• প্ৰেভে চ সর্বদা।ইতি সৃতিঃ।। তীর্থে তিথি विम्माय ह गकायाः (भुजभक्काक । निविष्किति फिरन अर्याए उर्ना॰ তিলমিশ্রিত ।। ইতি মরীচিবচন ॥ 🟶 ॥ তিলাভাবে পুতিনিধি যথা। তিলানামপ্যভাবে তু সুবর্ণ ক্লভান্বিতণ তদভাবেপি সিঞ্ছেৰ দৰ্ভৈ মত্ত্ৰেণ চাপ্যথ॥ ইতি যাজ্ঞ-वन्।: ।। कः।। यगक्ति। यातुका उम् পর্য্যন্ত জগভূপ্যত্তু। ইত্যানেক শ্রী । खर्भाय्य। इंड्राङ्गिकडवृशा कामी

থগুনত তু। আবুকা শুম্ব পর্যন্ত দেববি পিত্ মানবাঃ। তৃপ্যন্ত সর্বে পিত্রো নাতৃ মাতামহাদয়ঃ।। অতীত লল কোনা। সপ্ত দ্বীপ নিবাসিনা। আবুকা ভবনালোকা দিদমন্ত তিলোদক।।। জ্বা জন্মা। জন্মা। তপ্যা। তপ্যা। তপ্যা। তপ্যা। তপ্যা। তপ্যা। তপ্যা। তথা। বারি মাত্রণ পিত্যা। যঃ পুরাইতি। গ্রা। শুদ্ধা। ইতি বুকালতাক। নাত্র সংশ্বঃ।। ইতি বুকালে তিলে জীকৃষ্ণজন্ম খণ্ড।।।

তর্গনি ত্রী গুক্ষমবৃক্ষঃ। সচ্ শ্রেমাণাবৃক্ষঃ। ইতি শর্মনালা।। তর্গদেদ্ধঃ পুণ ভাসাঃ। ইতি শর্ম-রহাবলী।। তর্গণাকাঙ্কিনি ত্রি।। তপিনী ত্রী পদ্মচারিনী। ইতি শর্চনিদ্রকা।।

তর্ব গতৌ। ইতি কবিকল্লজনঃ॥
তর্বঃ পু• বং সরঃ। ইতি শদরহাবলী॥ চক্রনদ্রি। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

তম লী যুগাগু । ইত্যমর: ॥
তমঃ পু অভিলাম: ॥ ত্ফা ।
ইত্যমর: ॥ প্রবং ॥ সমুদুঃ । ইত্যুগ্রাহিকাবং॥ স্যাঃ ইভি সংক্ষিপ্তসারে উণাদি বৃত্তি:॥

ভর্ষণ ল্লী পিপাসা। ই**ভি জটাধরঃ।।** ভবিভঃ ত্রিভঃ। ইভি ব্রিকাণ্ড-শেষঃ ॥

তফুঃ পু॰ তরফুঃ। ইভিশবরহার্দী তক্ষ্যঃ পু॰ যবক্ষারঃ। ইভিরহুমানা॥ তল কি পুভিধিতৌ। যুতসাদঃ ইতি যাবং। ইভিক্বিকল্লভ্না

তन की शुं चिक्तभा यथा मही-उन ।। अनुष्तु । ইতি मिनिनी।। उन की क्यायाज्यात्र ।। कानन ।। कार्यानी ज । ইতি मिनि।। गर्डः । ইতি ভিকাওশেষ:।। भाष उनमा मधा । ইতি হেমচন্দু:।।

তলঃ পৃ• তাল বৃক্ষঃ।। চপেটঃ।।
ন্ধান্ত ক্রিয়া সব্যপাণিনা তন্ত্রী হাড়ে।
ইতি নেদিনী॥ স্বভাবঃ॥ আধারঃ
। ইতি হেমচন্দুঃ।।

उनक की शृहिती। उना उँडि हिन्दी ভाষা। ইতি हातावनी।। उनर्श्वातः १० हाशिः। उट १यंश्रायः। हर्षा २। ইতি हातावनी ।। उनावाउन्हा।

তলসারক স্থা ঘোটকস্যান্নভোজন পাত্র । ইতি কেচিৎ।। যোটকস্য বক্ষস্থল বন্ধন রজ্জঃ। তৎপর্য্যাযঃ । বক্রপাউঃ ২ তলিকা ৩২। ইতি (इसहन्दृः॥

७वङ्रय॰ क्री भार**उवजागरा**

্ ইতি (হম্চন্দ্র:।।

छत्। जी रिगाशा । ब्राह्मा छवात्र ११

। इंड

शाही जी नननिश्चिकितः। ইতি शाहाननी।।

তলাতলং ক্লী পার্তালবিশেষঃ। ইতি
শহনালা ॥ তত্র ময় নামা দানবেন্দু ব্রিপুরাবিপত্তি ভগবতা ত্রি
গুরারিণা ত্রিলোকাঃ শংচিকীয়ুণা
নিমপ্তরপুর হয় তথ্পুনাদাথ বন্ধা
গানো মানা বিনা নাচায্যো মহাদেবেন পরিরক্ষিতোবিগতস্দশন
ভূষো মহাযুতে। ইতি শ্রীভাগত।।
তিনিকা জ্রী তলসারকং। ইতি
হেন্দলঃ ॥

তলিত নী ভৃষ্টমাংসং! যথা।
শৃদ্ধমাংস বিধানেন মাংসংসম্যক্
পুলাবিত । পুন স্তদাজ্যে সংভৃষ্টং
তলিত পুচিয়তে বুধোঃ ॥ অস্য গুণাঃতলিত বলমেধাগ্ন মাংদী-জঃ শুক্ত বৃদ্ধি কৃৎ । তপ্ত লঘু সুশ্লিধাং রোচন দ্বতা ক্রণাইতি ভাবপুকাশঃ ॥

छन्नि• क्री भया। इंडि इाजावनी।। उझ• क्री दिख•। इंडि बिकाअरणवः॥

তলিনঃ ত্রি বিরল: ।। স্তোক: ।।
স্বাচ: । ইতি নেদিনী ।। দুর্বল: ।
ইতি হেমচন্দু: ।।

তলিম• ক্লী স্ভিম• ॥ তন্ন•॥ চন্দুহাসঃ ॥ বিতানকঃ । ইতি মেদিনা ॥

खनुनः पृ• शवनः॥ यूवा। इेिंड (सिमिनी॥

उन्नी जी उक्ती। गूवकी। ইडि णक्तकावनी।।

তলেক্ষণঃ পু• শ্করঃ। ইতি শবার্থ-কল্পতকঃ॥

তলোদরী স্ত্রী ভাষ্যা। ইক্তি শদার্থকল্পতক:॥

उत्नामा खी नमी। ইতি क्रिका खर्मियः उन्नः क्री वनः। ইতি क्रिका खर्मियः॥ उन्नः क्री पूः भग्रा॥ घडे विका ॥ मात्राः। ইত্যমর ভরতৌ॥

ज्यकी हैं। भू की है वित्मयः। हात-(भाका इंडिडाया। यथा। हात्यकः एसकी हेंग्ड उपा मिला छत्बातः॥ इंडि वृक्त विव्यक्त शिक्षक स्थाधः॥ उन्नमः क्षा के दिश्षेः। देखि छ्व-भूत्यागः॥ भृष्ठवः मभु माः मः। इंडि दादावि॥ তল্ল: পৃ• জলাধারবিশেবঃ। তলাও
ইতি হিন্দী ভাষা। ইতি নে দিনী॥
তল্লজঃ পু• পুশস্তঃ। ইত্যমরঃ॥
অয়• অজহল্লিকঃ সনাসে উত্তর
পদে ভবতি। যথা সনারী তল্লজঃ
। ইত্যমরটীকা॥

তল্লী জী তক্ণী। ইতিমেদিনী।। তবরাজঃ পু• যবাসশর্করা। ইতি রাজনির্মণ্টঃ।।

ভবরাজোভবথগুঃ পূ৽ যবাসশকর।
ভবথগুঃ। তৎপর্য্যায়ঃ। সূধানোদকলঃ ২ থগুজোভবলঃ ৩ সিজমোদকঃ প্রথম তসারজঃ ৫সিজ্বথণ্ডঃ
৬। অস্য গুণাঃ। দাহ তাপ তৃষ্ণা
নোহ মূর্ছা স্থাস নাশিত্বণ। ইন্দ্রিয
তপ্ণত্বণ শতিত্বণ সদা সুমধ্রত্বক্ষ
। ইতি রাজনির্ঘটঃ।

তবক্ষীর জী ভোষাক্ষীর ইতি
থ্যাত । তৎ পর্য্যায়: প্রাক্ষীর ২ যবজ ৩ যবজোন্তব ৪ । অস্য শোঃ। মধুরত্ব । শিশিরত্ব । দাহ পিত্ত ক্ষযকাস কফ স্থাসাসুদোষ নাশিত্ব । ইতি রাজনির্মণ্টঃ॥

खनकोती जी गत्तभवा । इंडि त्राकिन्ध्येः॥

खिवदः भू॰ वर्गः॥ नमुपुः। ইতি

जिका छरको मन्द्रामुगा निवृद्धिः ॥

छिति खी निर्मा । इन्मुकन्द्रा ॥

मिकिः । इकि निका छरको मून्द्रामूगा निवृद्धिः ॥

छवीयः पु॰ सर्गः ॥ नन्द्रमुः ॥ सर्गः
। इकि मिनि ॥

छवीयी खी इन्मुकन्द्रा । इति
भिन्नी ॥

তই: ত্রি তনুক্ত:। ইত্যার:।।

তই। পুশ দ্বসা। ছতার ইতি ভাষা

।। বিশ্বকর্মা।। আদিতাবিশেষ:।

ইত্যারটীকাবা রমানাথ:।।

उन इ कि वनक्छो। ই ङि कि कि विक्रमण उन य छ त छ एका । ই ङि कि विक्रमण ॥

তगतः शू॰ वगतः । मृद्यवश्रेमः। ইত্যাদিকোকঃ॥

তক্ষরঃ পু৽ চৌরং।। পৃক্কাশাকঃ।
ইভি রত্ননালা।। নদনবৃক্ষঃ। ইভি
কটাধরঃ।। কণঃ। যথা। ব্যাবৃত্তা
যৎপরস্বেভ্যংশুতৌ তক্ষরতা স্থিতা
। ইভি রঘুং॥ তক্ষরঃ কর্ণটৌর্বো রিভিকোবান্তরণ। ইভি ভটীকা।। তক্ষরশ্বায়ুঃ পু৽ কাকনাসা লতা।
ইভি রাজনির্ঘণিঃ।। ভক্ষরী জী কোপনা নারী। ইতি
শক্ষার্থকল্পতকঃ।।

उक्क कार्मा । इंडि किवक्क्षक्रमः॥ उक्क विहागुर्द्ध। हर्माणागुरुप इंडि याद्रप्ट ॥ अवद्राग । इंडि

্বিক্রজয়ঃ।।

তি ব তকে। কৃশকরণ ইতি

বাবং। ইতি ক্রিক্রজমঃ।।

তক্ষকঃ পুণ পাতালহাইনাগান্তর্গত
নাগবিশেষঃ। সাকশ্যপাৎ কদ্দ
গভে জাতঃ ইন্দুস্থঃ অস্য বাসঃ
থাওববনে আনীৎ অন্য পরীক্ষিত্র দপ্তবান্।ইতিপ্রিভাগনত।
। জুই।।ইত্যমন্তঃ।। বিশ্বদর্মা।
ইতি অধ্যন্ত্রাবলী।। দানভাদ।
ইতি অধ্যন্ত্রাবলী।। দানভাদ।
ইতি ব্যাল্ডা। স্ত্র্থান্তঃ, ব্তর্মন্ত্রি

তকুণ লী কুখকৰণ ভক্ষ পাতো ভালে সমন্তি গো

ভক্ষণ ত্রা বাসী মন্ত্রণ ইতি শব-। রহারলী।।

তৃক্ষণিলা জ্রী দেশবিলেশঃ। ইতি নিজান্ত কৌমুদী॥

ভক্ষ পু• বৃষ্টা। ইত্যসর:॥ ভাটক্ষঃ পু• ভাডক্ষঃ। ইভি দ্বিলপ কোষ চীকাষা• ভরভঃ॥

তাটছ্য সী উদাসীনত্ব ।। নিকটছত্ব । । যথা। তাটছ্যেন উদাসীনত্বেন ইতি ।। তটছে। নিকটছঃ পুসিদ্ধ পূর্ব পুণ্য ইতিচ কাব্যপুকাশ টীকায়া চণ্ডীদাসঃ।।

তাডঃ পু॰ তাডন•।। শদঃ॥
মুপ্তিমেণত্ণাদি। ইতি মেদিনী॥
পর্বতঃ।ইতি হেমচন্দুঃ॥

তাতকা জী রাক্ষনীবিশেবঃ। সা সুকেতু যক্ষকন্যা বুকাবরেণ সহসু হস্তি বল যুতা পুরু দৈত্য পুরুগ্য সুন্দ্ন্য ভার্তা নারীচ নাতা সুন্দ্ে নিহতে পুরেণ সহ অগস্ত্য মৃষিণ প্রবিয়তু মুদ্যভা তদ্য লাগাৎ স প্রা রাক্ষনত্বণ গতা জীরামেণ হিতা ইতিরানায়েশ্যা

अफकाक्ब॰ त्री कृत्ल**णा।** हैं । तत्रमाना॥

তাড়কঃ পু: কর্নভূষা। কান্ত জন্ম কর্নজাঃ ২ । ইতি ত্রিকাপ্তশেষ্টা ভাটকঃ ৩ । ইতি দ্বিকাধ্বাব টাকাষা ভরতঃ। কর্নিকান্ত তাল-পদ্ধ ে। ইত্যমরঃ। তাডপত্র ৬। ইতি হেন্চন্দুঃ।

• जाउन• ही श्राघाउः। यथा।

1

লাঘ্যঃ পুচপ্তাতপঃ। ইতি শ্কার-তিলক ॥

छाउनी जी अञ्चलाउनगिक्टः। उ९ পর্য্যায়ঃ৷ চর্ম্যস্থিং২কশা ৩ভীমান্ত हर्यनानिका ६। इंडि नद्याना।। ভাডপর• ব্লী ভাডক:। ইভি (इम्हन्दुः॥

ভাতিঃ ক্রী বৃক্ষবিশেদঃ৷ ভাডিযাত্ इंडि ভाষा । इंडामन होकायाः ভরতঃ ॥

ठाडी जी भवकमः। ठाडियाञ् ইভিভাষা।ইত্যমরমেদিনীকরৌ॥ তৎপর্য্যায়:। তাডিঃ ২ তালী ৩ ভালি:৪। ইতি ভরত:।। স্বাভরণ विष्णवः। इंडि मृगंगिः इः॥

ভাড়ুলঃ পু• ভাডিয়ভা। ইতি " न किथमात उँगिषिवृज्धिः॥

ভাড্যমানঃ পু পটহাদিঃ। ইভি बिकाश्रमवः॥ जाउनयुक्क बि॥

ভাওব॰ क्ली भू॰ न्ट्रा•। ইত্যমরः॥ তাণ্ডেন মুনিনা কৃত তাণ্ডি নৃত্য-শাস্ত্র• তদস্যান্তীবি। ইতি ভরতঃ ॥ তখুনা পোক মিতি স্বামী॥ তৃণ ं विष्णवः ॥ উक्ष उन् छ । इंडि निर्मि॥

नामा नीत्रम कार्व जाउन भेड । जाखवडा विकः शु नन्ती। म भिवं षाती। इंजि विकाश्वरणयः॥ তাণ্ডবপ্রিয়ঃ পু॰ শিব:। ইতি मद्गाना।!

> তাণ্ডি লী নৃত্যশাসং। ইত্যমর টীকাথা• ভরতঃ॥ তাতঃ পু॰ পিতা। ইত্যমর ।। অনুকম্প্যঃ। ইতি মেদিনী॥ প্রেত वि। ইতি भद्राञ्जावनी॥ তাতখঃ পু• কুদুতাতঃ। পিত্ৰায়।

জনকদ্যহিতে ত্রি।ইতি মদিনী।

তাতজন্যিত্রো স্ত্রী নাত্রাপিতরৌ । ইত্যমরঃ।। দ্বিচনান্তাহ্य।। তাততুল্য: ত্রি পিতৃসম:। তৎ পর্য্যায়ঃ । মনোজবসঃ ২ । ইতি হেমচন্দুঃ॥ মনোজবঃ ৩ পিতৃ সনিভঃ ৪। ইত্যমর: ॥ তাতলঃ

তাতনঃ পৃ॰ খঞ্জনপকী। ইঙ্কি विका अल्यवः।

৫। इंडि (मिनी।।

তাতলঃ পু॰ রোগ:।। পাক:।। लोशकृष्टैः ॥ मत्नाष्ट्रतः । इंडि (मिनि ॥ उधमात्व वि। इंडा-क्यभानः॥

তাতিঃ পু• পুত্রঃ। ইতি জটাধরঃ॥ जारकानिकः वि जरकान्जदः

। यथा। उठः भाक्ष गण्डा ज् कूर्यात्मकाम् ज्या। कर्नु छाट • कालिकी मुक्षि द्रभूकः भूनद्वय मः। इठि मुक्षि उद्य गङ्गः॥

ভাৎ পর্য্য ক্লী অভিপাবঃ। ইতি শ্রম্থকল ক্ষা। বজু রহা। ইতি ভাষাপরিছেদঃ।।

ভাদাআ্য ক্লী তৎস্বৰূপণাসভেদ-স্মুদ্ধাইতি ন্যায়শাস্ত্ৰণ।।

ভাদৃক্ ত্রি সইব দৃশ্যতে ২সৌ। ভাহারমত ইতি ভাষা । ইতি মুগ্ধবোধা।

তাদৃশঃ
বি তাদ্ক্। ইতিমুখাবোধ•
তাদৃকঃ

তान श्री विखातः॥ छानविषयः। इ.जि. मदार्थकन उकः॥

তানঃ পু॰ গানাক্বিশেবঃ। যথা।
বিভার্যান্ত পুযোগায়ৈ মু ছ নাশেব
সংশ্বাঃ। তানা স্তেপ্নপঞ্চাশং
সপ্তবাঃ।। তেভ্য এব
ভবন্ত্যক্টতানাঃ প্থক প্থক
। তে সুঃ পঞ্চসহস্থান ভবন্তি। ইতি সন্ধীতদামোদরঃ
ভানিত।। ইতি সন্ধীতদামোদরঃ
ভানিব লী গাত্তেন তা। যথাতানব॰
ভন্তা গাত্তে দৌর্বল্য ভ্রমণাদি
কং । ইত্যজ্লানীল্মণিঃ।।

छान्तः भू• भयमा• खुनः। जावर्डः। इति ज्तिभुरयागः॥

তান্ত: ত্রি শুষ্টো ই**ভি শদার্থ** কলুতক:॥

তান্ত্ৰক: ত্ৰি জ্ঞান্তসিদ্ধান্ত:। শাদ্ৰ তত্ত্বজ্ঞ: । ইত্যমর: ॥ ত**ন্ত্ৰশাদ্ৰ** বেলা তৎসমুগী চ॥

তাপঃ পু॰ সন্তাপঃ॥ ক্ছু॰। ই**তি** মেদিনী॥

তাপক: পু॰ জুর: । ই**ডি শ**ন্ধ-রত্নাবলী॥ তাপকর্ত্তরি ত্রি॥

ভাপত্যঃ পু• অজুনঃ। ইতি পুরাণ•।।

তাপনং পু॰ স্য্য:। ইতি হেমচন্দুঃ
। কামবাণঃ । ইতি জটাধর:॥
স্থ্যকান্তমণিঃ। ইতিরাজনির্ঘটঃ।
তাপথিতরি ত্রি॥

ভাগসং ক্লী ভ্ৰমালপত্ৰং। ভেৰপাৎ ইভি ভাষা। ইভি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ ভাগসঃ ত্রি ভগস্বী। ইভ্যমরঃ॥ ক্ষনকবৃক্ষঃ॥ ব্ৰুপক্ষী। ইভি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

ভাপসভক: .পু ইসুদীবৃ**ফ:।** ইত্যমর:॥

ভাগসদন: পু ইঙ্গুদীবুক্ষ:। ইভি হেমচন্দু:॥

তামলি

ভাপসজনসমিভা স্ত্রী গর্ভদাতীক্ষুপ । ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

ভাপসপ্রিयः পু॰ প্রিয়ালব্কः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

ভাগन भिया : खो माका। ইতি त्राकनियंग्डेः॥

ভाপर्ती जी व्यक्षनवित्मवः। यथा। ষ্তে হরিদা সংযুক্তা মাধাণাণ **छर्जायहोः। छ**श्चनाः काशि नि-**क्विजान् जरि**व शति छर्जाय ।। নিদিযোগ্য জল তত্ৰ পুদিপ্য কুশল: পচেত। লবণাদু ক হিন্দু নি মাত্রয়া তত্র নি:ক্ষিপেৎ ॥ এষা সিদিংসমাযাতা পুোক্তাতাপক্রী ब्रेशः। अम्या खगाः। ভद डाशह्दी वन्ता वृष्ता (भूषान मान्द्र । বৃ•হণী তৰ্পণী ৰচ্যা গুৰী তত্ৰ গুণাঃ || মৃতাঃ॥ ভাহরী ইতি লেকে ইতি ভাবপুকাশঃ॥ তাপহারিণ্যা• ক্রি॥ ভাপিঞ্চ পূ• তমালবৃক্ষ:। ইত্যমরগ্রা ভাপিঞ্জ॰ ক্লী খাতুমান্ধিক। ইভি जाजनिर्घणः॥

পু ওাপিকু:। ইভামর টীকাথা-ভরতঃ॥

इनी जी डालिशेनमी। नालिश वाहिनी विकालन शुनिका। इंडि त्राजनिर्घणेः ॥ यमूना । इंडि ত্রিকাওশেষঃ !!

তাপী পু॰ বুদা: ইভিত্রিকা গ্রাশ্ব: ।। তাপযক্তে ত্রি।।

जाशा क्री भाजुगोकिक्। इंडि तक्षमाना।। (रुग्ठतमुक्तः निष्ट्रारुष्।। जाभाक· क्री गाकिक·। इंडि दार्क-निर्घक्ति।।

जाशुःथल•ऋकः क्ली गाक्तिकधार्छः। ইতি রহ্মালা॥

जानः भू• जीवनः ॥ (मायः ॥ ্ইত্যেয়শালঃ॥

তামর রী জল ॥ দৃত । ইঙ্ **ভत्र ध्र कमः**॥

তানরসং क्री পন্ম ।। সারসঃ। र्डायहा। अगः ।। जानुः । ऐडि रमिनी।।

जामनकी बी ज्नामंत्रकी। ইত্নেরঃ।

खान विश्व की (**ए मिरिट विश्व अ**। ज्या-जामनिक्षी खी निक् देखि ভाषा। **७९ भर्यायः। मामनिष्ठ• २ जाम-**निष्ठी ७ जमानिनी ८ उपन्रः ৫ विकृणकः ७ । देखि (हमहन्तुः ॥ उत्मानिधी १ (वनाक्न ৮ ७मा-লিকা ৯ ৷ ইতি বিকাওশেবংগা

তামসঃ পু॰ সর্পঃ। খলঃ। ইতি (मिनि ॥ उन्हाः । इंडि ताज-ি বিঘটিঃ। চতুর্থননুঃ। অমিমপুন্তরে হরিনাম। বিক্ষেরবতার:। ত্রিশিখ नामा इन्द्रः। देवध् असा (एवाः । (कार्रा विश्वामाप्यः मखर्यसः। वृतः थाि विषया मनुभू वाः । इंडि প্রী ভাগবভ•া**র্ক্ষা ভ্রমেতিণ** যুক্তেবি ॥ जामम मुनरमा यथा। कनामः ১ গৌতনঃ ২ শক্তিঃ ১ উপমন্যুঃ ৪ रेक जिनिक ए पूर्वामाः अम्कणुः १ वृश्लितिः ৮ ভागवः २ अभनिः २०॥ जागम भाजानि यथा। अनुत-মোহনার্থ শিব কৃত শৈব থাশুপ-जानि) कपान कृ उन्यानीन भरोपि ২ ব্ৰাহ্মণ কপি ভগৰু কৃত বৌদ্ধ नाइ॰ ७ हिमिनि कृष्ठ नित्री यत ' সাংখ্য । ৪।। তামসগুরাণানি বথা। भार मार १ (कोर्य २ रेनक ० रेनात 8 कान्स ६ चालाय ७॥ ভামস মৃত্যো যথা। গৌতম• ১ বাৰ্হপত্য ২ সামূদু ৩ খন ৪ শাহ্ব্যু ৫ ঔশনস । । । ।। ।। রাজস जामन कमानि प्या । यट्टाव দৈবতংগৈত্ৰ নৌপদৈবং তথাধুরং। माकः रेगदः गानगञ्जः योग

रहामाहिकः उथा।। (शोदा किन्यः याजनकः दिकुरमदाभद्राथकः जुषा मामाभत्राथकः ॥ यम् भू जिनुहः हि व
माहत्रमा जिन्नादिकः। भागू की वाहि
हननः भाजकरकाभभाजकः। याजि
भागः सहाभाभ मनुभाजकः स्मद्रम
। वाजः साह सहहातः कामः
कार्यः महत्व्या ॥ यज्यहमभदः
कर्मा गहिजक द्वामरम । दाजमः
जाममः (भू किः मयान मूनि जिः
महा॥ इंडि भाष्मा जुद्र श्रुशः।।
। सानकः वि जाममः। जुद्रमाखन

তামনিক ত্রি তামস। তমোগুণ কার্দ্য । তমস ইদ মিত্যর্থে ফিক পুত্যয়ঃ॥

ভামসী জ্রী নিশা॥ দুর্গা। ইজি মেদিনী॥ জটানা•সী। ইজি রাজ-নির্ঘণ্টঃ॥

তামিসু ঐ অন্ধন্ময় নরক।
ইতি মনুঃ।। পর বিভাগত্য কলবাপহর্তা যমদূতৈ নিপাত্যতে

যক্ষ ইতি শ্রী ভাগবত।।

ভামিস: পু॰ ভোগেছা পুভিঘাতে কোম:।ইতি শ্ৰীভাগবভটীকাযাণ মামী॥

্তানু লী তৈজসধাতু বিশেষ্থ ভাষা

है कि काँवा है कि कावा। छर भगंऽ।यः। जामूक) भूनः २ सिह-स्थ - ७ वाहे - ८ विशि क छेषुस्व ७। इंडामतः। विश्वः १ উन्युतः। म्बिनुबत् २ उन्द्रतः २० खेषुबतः २२ । इंडि उद्योका ॥ उभरनष्ट- ১२ चारक २२० चार्र विन्स २३८ त्रवित्वा हर ३६ त्रविशिषः ३५ ज्ञङः ५१ रेन था-निकः ১৮ बक्याव् ১৯। मूशक्रा **७** मा खाः। मञ्जूबद्धः। क्यायद्वः। ভিক্তব্ৰ বিগাকে কটুত্বশাশীতল-ध्वः। कक शिङ विवन्न णून शास्त्र चन्य नानिवृथ। इंडि ब्राइनिर्चणः ॥ অনুষ্ঠ । সারকর্ত্ত । রোপণ্রে । नगुद्धः। (तथनद्भः। जार्मः। जुत कुष्ठ काम याम क्य भीनमञ्जू शह শোথ क्ञि नामिञ्। अञ्जुत्-इग-দ্বেখ। ইতি ভাবপুকাশঃ॥ পরিনাম **म्**न द्रीर वायु।नम्न वङ्खाग न। मिद्वः। मृक्तिकातिद्वः। दनायु স্তেম: পৃষ্ঠি তুষ্টি কারিত্ব নিত্য-সেবনে বলী পলিত নাশিত্বঞ ॥ 🗱 ॥ मृत्विष्ठिः भृते १ कन्त गर्ड নিহিত গোম্পাণ্মভ্যাকৃতপঞ্চা-মৃত দ্বারা পঞ্চ পুট দত্ত ভামুন্য खनः। वाडि जुाडि म्नापि या

ন্যান্নগিত্ত নাশিত্ব। বল কারিত্বঞ্চ । 🕸 ।। অশে। ধিত তানু দোৰাঃ। আযু: শুক বল নাশিত্ব। রোগ क् क इसि स्हा ज्य क्र नाना ताग क्ष भून किराश स्वराकृष्टि চিত্ত সন্তাপ কারিজ্ব। বিষত্বাৎ-দ্বক। ইতি সুথবোধ:।। # ।। o:त्रार्शिख' यंथा । भूक· यर कार्जिएमा शक्जिः धर्गी उत्म **उयाद्याम् नमूद्रम मिन्नाङ्** भूतादिनः ॥ # ॥ छम्। वक्ष यथा। बनाकृत्र जकानः दिश्व मृद् घन कन। लाइनालाङ्गिङ **जानुः ना**त्राय शुनामाः जा कृष् ৰক্ষ মতি ভৱা শ্বেতঞাপি ঘনা সহ ৷ লোহ নাগ যুতঞ্চেত শুলু मुष्टे भूकी विज्याश्वा जगा (माध्य विधि यथा। भड़नी क्उ भवानि जामुन्याद्मी भुजानायटानिवित्वर তপ্ত ভপ্তানি তৈলে ভক্ষেচ কাঞ্জিকে ॥ शान्त ह कूनश्वानाः क्वार्य ह ত্রিধা ত্রিধা। এব• তামুস্য পত্রাণা• বিশুদ্ধি: সংপুদাৰতে । অথ তস্য नावन विदि यंथा। मृचानि जामु পরাণি কৃত্ব: সংস্বেদমেদু খঃ।: বাসর वय मञ्जर जञः शक्त दिनिः-

किरार । भारा भ मृठक रवा याम् मः च्लन मर्प्ययः।। उठ উष्कृत्र •পত্রাণি লেপযেদ্দ্িগুণেন চ। সন্ধ-(कनाम घ्रिष्ठेन जम्र कुग्राहरभानकः ं ॥ ७ ७. शिष्ट्राह भी ना को • हारक्री • न भूनर्गवाश जरकानून विश्रामा লেপথেৎ দ্বান্ধত্যা ধৃত্যা ভদ্যোলক ভাণ্ডে শরাবেণচ রোধ-(त् । वाल्कािः भूभूग्राथ বিভূতি লবণাদুলিঃ !! দত্বা ভাও मृथ्य मून्। उउ मुहल्लाः विभावत्य । कन वृक्तारिना अनाक् यावद्वान চতুইন ৷৷ স্বাঙ্গ শীত সনুজ্ঞ अन्नत्यहृत्रगपुरेतः। यारेनकः (गान-क • उइ निः किलाइ त्रामात्र ।। गृमा-खान्छ कर्डवडः **म**र्वटा श्युष्ठ মাত্রকঃ। পাচ্য গ্রপুটে ক্ষিপ্ত মৃত ভবতি নিশ্চিত। বননঞ্ विद्यक्ष ज्रुमः क्रम स्थाक् हिः। विमाशः (त्रम मृ एक्नमः न कर्ताञ কদাচন ৷৷ ইতি ভাবপুকাশগ্ৰাঞ্চা শৃল্নি ভঃ। অৰুণবৰ্ণঃ। ইতি ছেন-**চ**न्दुः नदत्र श्वावनी ह ।। उन्न जि जि ।।

ভামুঃ পু• স্টারোগবিশেষ:।ইডি কর্মবিপাক:।।

ভাষুক ক্লী ভাষু । ইভামর: ॥ ভাষুকণী জী অঞ্জননামপশ্চিম দিগৃহত্তিপত্নী। ইত্যমর: ।। তামুকার: পু॰ বর্ণসঙ্করজাতি-

विष्मयः । काँमात्री इंडि ভाषा। छ८ भर्यायः। छान्निकः २ म्मिन्निकः ७ छान्नुक्छकः ८। इंडि मद्मत्रङ्गावनी ।। অস্যেৎ পত্তिः क मद्भत्रः मद्म- मुद्देवरा।

তামুকুউক: পু• তামুকার:।ইত্য-মর:॥

তামুক্টি: পু ুলী জুপবিশোষ: ।
তামাক্ ইতি ভাষা। যথা। সন্থিনা
কালক্টক তামুক্টক পুস্তর ।
অহিফেন খজুরস: তারিকা
তরিতা তথা ॥ ইত্যপ্তৌ নিজি
দুব্যাণি যথা স্র্যাষ্টক পুথে।
ইতি জলাণ্বতন্ত্র ।।

তামুকনিং পু ইন্পোপকটি: । ইতিভ্রিপুযোগ: হারাবলীচ॥ তামুর্গভ ক্লী ড্অ'। ইতি রাজ-নির্ঘটা।।

ভানুচ্ড: পু জী ক্হুট:।ইভাসর: ।। সহুরজ:।ইভিরাজনির্ঘট:॥ ভামুদুঝা জী গোরকদুঝা।ইভি

त्राजनिय**ं**हेः॥

তানুপউ লী তামুনিমিতলেথন পত্র থেখা। দত্বা ভূনি নিবহয়। ক্ত্রা লেখান্ত কার্ণেখা আগমি ভাগুনূ

ভদু নৃপতিঃ পরিজ্ঞানায পাথিবঃ

॥ পটে বা ভানুপউে বা সমূদ্যে
পরিচিহ্নিত । ইতি মিতাক্ষর। !!

ভামুপত্র: পু॰ জীবশাকঃ। ইতি রাজনিষ্ট:॥ ভামু নিমিত পত্রে রী॥

ভানুপণী জ্রী দীঘিকাভেদ:।ইতি ভূরিপুযোগ:॥ নদীবিশেষ:।ইতি পুরাণ-॥

जामुनलायः भू व्याभाकत्कः। इति द्राजनिर्वणः॥

ভামুপাকী পু৽ গৰ্মভাওবৃক্ষঃ
ইতি রত্নমালা ॥

जानुनानी जी इ॰मननी। इठि बाबनिर्वणः॥

जामुन्द्रः नृ• द्रक्काक्षनः। ইতি करोधदः॥ ভূনিচস্পকः। ইতি শদচন্দ্কি॥

छामुशूद्गिका जी त्रक्छिव्ट। इंडि त्राजनिर्घणः॥

তামুপ্রী ত্রী ধাতকী।। পাটলা বৃহঃ।ইভিরাজনির্ঘটঃ।।

ভাসুফল: পু• चह्हाठेव्कः। ইভি রাজনিষ্টঃ।।

ভামুন্লা জী দুরাল ভা॥ লজ্জালুঃ। ভামুসার জু ইভি রাজনির্ঘটিঃ। কছুরা। থিরাই 🖟 রল্পালানা

ভামসা

ইতি ভাষা।ইতি রত্নালা॥

তামুবর্ণ: পু॰ পল্লিবাহত্ণ•।ইভি রাজনিঘণিঃ।

ठामुदर्ग। क्वी ७५ुन् मृत्कः। ইंडिः भद्राक्तिका॥

গামুবল্লী ত্রী মঞ্জিষ্ঠা। ইতি
রহনালা।। চিত্রক্ট দেশ পুসিদ্ধা
লতা। তথ প্রথাবাং। তামু। ২
তালী ৩,তমালী ৪ তমালিকা ৫
স্ক্রবল্লী ৬ সুলোনা ৭ শোধনী ৮
তালিকা ৯। অস্যা গুণানা ক্রায়বুং। কক দোস মুখ কণ্ডোপ্রোস্থা
নাশিকুং। শ্লেম শুদ্ধি কারিবুঞ্জ ।
ইতি রাজনির্ঘণ্টাঃ।

তানুগীয়: পু• জলথ: । ইতিঃ রাজনির্ঘণ্টঃ॥

তানুবৃত্তঃ পু• কুলগাঃ। ইতি থিকাওশেষঃ॥ ' '

ठान्व्हा की कृष्णिका। इंडि एम्प्रमुः॥

ত। इंजि तज्ञाना॥

डामुमिथी भू खी कृकूरैः। इंडि

তামুসার জী রক্তদ্ন ছিভি রল্পাল্যা **जानुमातक॰ ही त**ङ्ग्लन•। ই**जि** -রাজনিঘণ্টঃ !!

তামুদারকঃ পু॰ রক্তথদিরঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

তামু জী সৈ হলী।ইতিরাজনির্ঘটঃ

তাত্রাকুঃ পু• উপদ্বীপভেদঃ।ইতি क्याना॥

णामाज· नी शक्काना । न्यक्तिम्का।।

তানু। জ কা কা স্য । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥

তাদাকঃ গুং কোকিল: ! ইণ্ডি विकाश्वरामः ॥

তামুকঃ পু• ক•সকারঃ।ইতি শব-রত্নাবলী।। ভাসুনির্মিতে তি। যথা। কাৰিকে তামুকেপণঃ। ইত্যমরঃ॥

তানুকা জী ভঞ্জা। ইতি রাজ निर्वण्डेः॥ मान्त्रक्षा वाम्रः। इंडि ভ্রিপুঝোগঃ ।

अञ्जी जी वाम्याविष्मयः। उर शर्गायः । भागत्रकु। २ विकातिका 01 इंडि जिकाश्राममः॥

সাঘূল লী পণ। পাণ ইতি ভাষা । অস্য গুণাঃ। কটুত্ব:। তিক্তত্ব:। উक्कुः। मध्यवः। क्रांत्रवः। क्वाय-ত্ব। বাত কৃমি কফ বুংখ দেয়ে

नामिष् । कामाप्ति मनरीमनष्। স্ত্রীসম্ভাষণ ভূষণত্ব। ধৃতি বজু পাটবোৎ সাহ কান্তি কারিত্ব। সুপ্তোখিতে ভুক্তেচ শস্তত্ব দন্তাস্য मृत्राम ज्याकाद्वेश स्वांनि मूर्वे उप्प ।ইতি রাজবল্লভঃ॥অপিচা ভীনুদ্ श्लीनम काम नामिष् । क्ठाष्ट् । मार कातिष्र ।। अ।। क्ष भर्गा গুণাঃ। তিক্তবুণ। উষণ্ড্ৰণ। কৰা গুড়ুণ। मार वकु बाजा भनधातिव्य ।।॥।। मुङ्गर्नमु खनाः। द्वाया वाजामय नामिज् भथाव्। क्षाप्रा मीभ नद् । शाउन वृष्ट ।। छ।। नम्राज्ञापिछ ভাষ্লভদনশণঃ মৃথরেশ ক্ষাড্য দোষ ব ্তারে চক্র জনল বিষ্টন্ত বান্তিকারি রুণঞ্জানিরাত্র ভোটিত ভূষো ভল যোজিত ভাছ্ল গোঃ। উভমত্ব। কৃচি वदा कादिन्न। जिमायार्डि नामिष्य ॥ # ॥ निताशर्गेष रेनिथना क्र्या **डमानु** क्षुनः। भीर्गः ज्याव पष्टना ভক্ষিতে ভুসিতাসিতে ৷৷ অনি-शाय मूर्थ भर्ग- भूग- श्वामया नद्रश मिं क्षिप् कि मिंदि के मिंद के मिंदि के मिंदि के मिंदि के मिंदि के मिंदि के मिंदि के मिंद के मिंदि के मिंद স্বারতে হরি।। ইতি রাজনির্ঘটিঃ ।। 🛊 ।। भगम् व द्राब्राविः भगार्

भाभमक्षयः । हुर्गभर्गः इस्त्रमायुः लिता वृक्ति दिनालिनी ॥ नायू व्राप्तृ दिषः मृत्व मत्था श्वाकी र्याच-ছি স। তথাৰপুঞ্চ মূলক নাধ্ প্ৰণাদ্য ৰজ্লাখ্য। চূণাধিক হয়তি গদ্ধ নথাবিপুগং রাগং তথাধিক দলঞ্জ সুগল্পিকারি। তাঙ্গল নুত্তম भिष्ठ त्रजनाशु जिज्ञ পर्व निनाञ्च-থিক খণ্ডিত পণনক্লি।। তাছুল। न इंड-(पूर्वाङ- मंत्रीत क्क म् इत्म জ্রাস্য শোষ পিতাসুমদ মূহাকি রে गिषु ॥ তা ् वा ত্ । পয়ে। গাৎ म्प्रारहायः शिक्षानवामुखा। (६२ দূক্ কেশ দভাগ্নি শ্যোত্র বণ বল !! क्ष्यशा हेजिद्राष्ट्रवज्ञ 🤐 🖘। दिना-পর্ণ মুখে দত্তা গুবাকণ ভফ্যেইদি । उार्फ्विक हथाला यादम्भाः न गहु जि ॥ इंकि कर्या ना वन ॥ 🕸 वुक्तातिनाः। जगिसनाक विर्भुन्त ্গোমা সদৃশ ধুবণা ইতি বুকা-रिवर्ष्ड वृक्षथ ७ ।। क ।। क मूक ।। ইতি মেদিনী॥

ভার্লকরকঃ পু• ভার্লপাত্র•। भारनत्र वाहै। इंडि ভाषा । ७९ भर्यायः। इणी २ हे जिट्यहन्तुः। **जाब्लमः जि जाब्लमाजा। छ**९ পग्रायः । वागु विकः २ । हेडि ত্রিকাওশেষঃ॥

তাষ্লপত্রঃ পু• পিণ্ডালু:। ইঙ্কি র।জনির্ঘণ্টঃ॥

তামূলরাগঃ পু॰ মৃশ্রঃ। ইতি श्वावनी।। जाश्वमावक्षा

তাষূলবল্লিকা জ্রী তাখূলী।ইঙ্ मञ्जूबङ्गावनी ॥

ভাষুলবল্লী ত্রী ভাষুললভা। পাণের गाष्ट्र । इंडि जाया। उर्भगायः। তাষু ী ২ নাগবল্পী ৩। ইত্যেরঃ।। পণ্নত ৪ সন্থাশিরা ৫ সপলতা ও ফ পালীণ ভ্রগলত ৮ ভক্ষ্যপ্রা ৯। ইতি রয়েভিঘাটাঃ ।। তাদুল-বল্লিকা ১০ পণ্যত্ৰী ১১ ভাদূলিংচ্ছ । इंडि सक्तज्ञावकी ॥ नार्शनी ३७ নাগবল্লরী ১৪৷ইতি ভাবপুকাশং॥ ॥ छात्रूज विश्व की गा॰ यकिना॰ । कात्रूली की जात्रूलवली। इंकामहा। তায় ঋড পালনে!:সন্ততৌ।বিস্তার ইভি যাবং।ইভি কবিকল্লন্ডন:॥ তাযিকঃ পু॰ তজ্জিকাভিধদেশঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।।

> তার॰ क्ली कथा। इंडि संमिनी॥ মুক্তা। ইতি রাজনিঘটঃ॥ जातः श्रु वानत्रविष्मवः॥ मूकाः

বিশ্বিঃ। শুবনোক্তিকঃ। ইতি দেদিনী।। পুণবঃ। ইতি তক্ত্রণ।। তরণং। ইতি বিশ্বঃ॥ কূর্দবীজং। ইতি তক্ত্রদারঃ॥

छातः जि अजूहमपः । ইতি
भित्रनी ॥ मुति छित्रपः ॥ नियानः
। ইতি ধরণিঃ॥

ভারক প্রী চৃষ্ণু:।ইতি মেদিনী॥ ভারক প্রীন্ত্রী চফ্ষ্তারা। নক্ষর । ।ইতি মেদিনী॥

তারকঃ পু॰ দৈত্যবিশেষঃ॥ কণ ধারঃ।ইতি মেদিনী॥ ভেলকঃ। ইতি শদরক্লাবদী॥ তাতরি তি । ইতি মেদিনী॥

ভারকজিৎ পু• কার্ত্তিকেশঃ। ইত্য-নরঃ॥

তারকরুকা লী বডক্ষরসভাবিশেবঃ।

যথা। বডক্ষর নহানত্র তারক বিক্ষিত্র বিভাগ ভারক বিক্ষা নামার কামার কামার কামার কামার কামার বার নামার ন

ত্বনপ্যনেন জ্রীরাম তারকাখ্যেন मञ्ज उः ॥ जूर्व। काम्प्राः विश्वनात्था ममाञ्जा পরিপালকঃ। ক্রা মুকান্ की बमाजान् मानुवामीन् शतःशमः ॥ অন্যথকিন্তে ভ্যণমন্ত্রপু ভাবাৎ পু।পথিষ্যসি । ইভি সন্দিশ্য মাণ तिक् विमन्ज मक्रमणन् ॥ इंडि পাদ্যোত্তর খণ্ডে শ্রীশিব পুতি শ্ৰীবিষ্ণুবাক্য ।। অপিচ। মুম্ৰো मू निकर्णाञ्च अप्कामक निवासिनः। অহ•দিশানি তে মন্ত্র• ভারক•বুন্ধ বাচক।। ওঁ গ্রীরামরামরামেত্যে-তত্তারক মুচ্যতে।অত স্তৃ॰ জানকী-নাথ পর•বুক্ষ বিনিশ্চিত• ।। ইতি পাদ্মোত্তরখণ্ডে জ্রীরাম পুতি জ্রী मिव वाक्रा।।

डातका जीजी नक्षतः॥ कनीनिका। इंडि मिनिनी॥ इन्द्रुवाकणाः जी। इंडि ताननिर्घणः॥

ভারকারি: পু• কার্ভিকেয:। ইতি হেনচন্দু:।।

তারকিত তি তারকাযুক। যথা।
তারকাদেরিত তারকিত নতঃ।
ইতি সুগদ্ম ব্যাকরণ ।। তথাচ।
সিতি নিশা দৃশদি সুটদুৎ পঠৎ
কণ গুণাধিপ তারকিতামনঃ।

ভারা

ई कि रेनवय•॥ छात्रकिनी जी. वाजिः ! हेकि वाङ-

निर्घण्डः॥

ভারণঃ পু• ভেলকঃ ইতি শব্দ রত্নাবলী। তরণ কার্যয়তার তি

তারণিঃ স্ত্রী নৌকা। ইতি ছারাবর্গ

ভারতপুলঃ পু• ধবলযাবনালঃ ইতিরাজনির্ঘটঃ॥

তারতম্য ক্লী তরতম্যোর্ভাবঃ।

ন্যুনাধিক্য । যথা । নিধন গ্রাধন
মেত্রো র্ঘা স্তার তন্য বিধি মুগ
চেত্রসা । বোধনায বিধিনা বি
নির্মিতা রেফ এব জয় বৈজয়ন্তিক।

। ইত্যুক্তিঃ।।

खात्रमी खी छत्रमी वृक्तः। ইতি त्राक्षनिर्घणेः॥

আরপুর: পু• কুন্দবৃক্ষ:। ইতি রাজনির্ঘণটঃ॥

তারলঃ ত্রি বিটঃ । ইতি ভূরি-পুযোগঃ।।

তারবিমলা জ্রী ধাতুবিশেষঃ। ইতি শদাথকলতকঃ।।

ভারশুদ্দিকর নী সীসক। ইতি বিষ্ণান্ধনির্ঘটঃ॥

তারা জীপু: নক্ষত্রণ ইত্যন্র:॥ বথা। এক তারণ নভো দৃষ্ট্রা

মর্ক্রেরানারদে। মুনিঃ। তাবার । ভি ह शाला यात्रमैगा न श्रम उनी इंडि क्यांबाहन ॥ श सन्हें। ইতি নেদিনী । শেবন্য পর্য্যাযঃ। ि ब्रो २ क्नीनिका ७। है छि রাজনিমণ্টায়া ভারকা ৪:ইভাস্রায়া खी 'नुकासनदारसमः ॥ বৃহুম্পতি ভাৰ্তা৷ ইতি নেদিনী !৷ वानि अर्था। मा मूखन नाता कन्ता। इंजि ज्ञामायन ॥ ही छ।॥ মুকা। ইতি রাজনির্বন্টঃ ॥ 🕸 ॥ षिजीयाणिकः। यथा। जीलया वात् পুদা চেতি ভেন जीन अवभे है। ভারকত্বাৎ সদা ভারা সুথ মোক शुनायिनी ॥ छेशुश्राहातिनी यजा-দুগুতারা পুকী ভিঁতা। অস্যাধ্যান• यथा। भुज्रानी जनार्निजाड्ड नव क्ष्यात्राष्ठ्रामा भन्ना थल्लन्दीवतः কত্থিপর তৃষাক্ষার বীগোভবা । थर्डा नील विभाग शिक्त कहैं। ब्रिक नारेन यूं छ। का छा नाजा কপালকে ত্রিজগতা হন্তগুতারা चयः।। अभिष्ठ । शुक्रानीष भारा• **ঘোরা• মুখমালা বিভ্বিতা•।** थर्शः नासामत्रीः छोत्राः वर्शयु-চন্দাবৃত্যা কটে মানবংখীবনসম্পন্মা

- পঞ্মুদ্। বিভূষিতা । চতুভূজা। वानक्कियाः महाजीमाः वत्र भूमाः ॥ थङ्ग कर्ज्ञमायुक नत्राउत ज्क ছ্যা । কপালে। পল সংযুক্ত नवांभानि यूगानि जा।। शिकारेगुक करी शायसीनावत्का गुरु्विश । वालाकं मधनाकात्र लाहन वय ভূষিতা ৷৷ জুলছিতা মধ্যগতা रवात्रमः हु। कत्रानिनी । नारवन মেরবদনা স্ত্রালক্ষার বিভূষিতা। ।।বিশ্বব্যাপক ভোষ। স্তঃশ্বেতপদ্মো-॥। পরি হিতা । 🕸 ৷ অন্যাদশাকর माखाक प्रानः यथा। न्यामवर्गः बिनयना विज्ञा दत्र **भक्षा**। प्रधानाः वह वर्गां चि वह क्रांचि রাবৃতা া শক্তিভিঃ মের বদনা *(बार्याभोकिक ज्वना• । त्रव्रशाष्ट्र-*करमा नांख भाषामुब मुमा नाहर ॥ ইতি তন্ত্রসার:॥

তারাপতিঃ পু॰ শিবং ॥ চন্দুং॥ বৃহস্পতিঃ॥বালী॥সূশীবং।ইতি ॥ পুরাণি॥

जातानशः भू• वाकामः । ইতি रुवायुषः॥

তারাগীড: পু চন্দুঃ। ইক্লি ক্রিকাও-

তারাভ্যা জী রাজি:। ইতি রাজ-নির্ঘট:।।

जात्राञ्चः शृ॰ कर्न्द्रः। ইजिताब-निर्विष्ठेः॥

তারামওলঃ পু• ইশ্বরগৃহবিশেবঃ। ইতি শদ্বত্বাবলী॥

ভারারি: পু• বিটমান্দিক:।ইভি হেমচন্দু:॥

ভারিক। জ্ঞী ভালরস:।তাডী ইতি ভাষা। যথা। সম্বিদা কালকুটঞ্চ ভামুকুটঞ্চ ধুস্তুর•। অহিফেন• 'থজ্জুরিস ভারিকা ভরিতা তথা।। ইতি স্লাণ্ব ভক্ষ•।।

उति की वृष्ट प्रवास्त । उति । उत्तर । उति । जाता । व्याप्त । जाता । यहां की । उत्तर । अस्त ।

किविजाः नज्ञ मुक्का सनर्गन वि-जृष्णिः। भाष्टिज्यः सर्वमारसम् श्रेत धनशिक छर्त्यः ॥ द्राक्त हार् स्राम् विवास व्यवहाद्यकः। स्रामः जातामारम पृष्टेव्यः ॥ स्रम्याः छाद्रयः स्र् वानिभूवः । हेि कि स्रोतः। हेि

তার্কি: ত্রি জকশারবেরা।।
তর্কাধ্যান করা।ইতি ব্যাকরণনা
স বহিথা যথা। বৈশেষিক: ১
তিন্ ম্যাং বার্যস্পত্য: ৩ নান্তিক:
৪ লৌকাব্তিক্তে সার্যকি:৬।ইতি
ত্মচন্দু:।

ত্মচনুঃ।
ভার্মঃ প্ কশ্পঃ। যথা। পুমথ্য
ত্রসারাজ্যশাল্লাদী শৈচদ্যপক্ষগান্। পশ্যভা সর্বালাকানা তার্ক
পুত্রঃ সুনানির ॥ ইতি প্রভাগবত তাক্ষি প্রী পাতালগক্ডীলতা।
ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ।।
ভাক্ষ্যঃ পু অখ্যা। সূপ্যা। গক্ডাগুলঃ।। গক্ডঃ। ইতিনেদিনী ॥
শালব্দ্যা। স্বর্ণাইতিশদ্রপ্রাব্লী

ष्यकर्षक्षः॥ सुन्तनः॥ हेनि व्यनम्बुः॥

তাক্ষ্য ক্লীরসাঞ্জন । ইতি ভাবপুকাশঃ॥

তার্ক্যধ্র: পু• বিষ্ণু: ইতি হ্মে-চন্দু:॥

ठाक्कांनायकः ृशु॰ शक्ष प्रः। ইडि ताजनिर्घंग्रेः॥

তার্জ্যপুসবং পু• অশ্বরণবৃক্ষ:।
ইতি রামনির্ঘট:।

ভাক্ষ্যশৈল। ক্লী রসাঞ্জন। ইতি ইতিরাদনিঘটঃ॥

जाक्ते∫ जी न्यन्न जादिरमयः। ইঙি 'मदत्रञ्जदनीः।

তাল ক্লি হরিডাল।। ডালীশপর। ইতি রাজনিঘণিঃ।। দুর্গাসি হাসন। । ইতি হেসচন্দুঃ। তালফলঞ্চ।।

তালঃ পুণ বৃক্ষবিশেষ: । তথ পর্যায়: । তালজন: ২ পত্রী ৩ দীর্ঘক্ষ: ৪ ধৃজজন: ৫ ত্ণরাজ: ৬ নধ্রস: ৭ নদাট্য: ৮ দীঘপাদপ: ১ চিরাফু:১০ তক্রাজ:১১ দীঘপত্র: ১২ পুছপত্র: ১০ আদব্দ: ১৪। ইতি রাজনির্ঘট: । লেখ্যপত্র: ১৫ নহোমত: ১৬। ইতি ভাবপুকাশ: । অস্যতিশা: । মধুরত্বং। শীতত্বং । शिव मार मुमाभञ्जूक ॥ # ॥ ष्यमा दम थाः । कक भित्र माह (माक् नामित्। यहकातित्र्काः #11 ভত্ফলভণা:৷ শীভলব্ৰ বল্যবুং ! न्त्रिकद्वः । स्नामूत्रनञ्घः । ७कञ्चः । বিষ্টয়িত্বণ বাত পিতাসু ক্তহাছ ক্ষ্ম নাশিত্ত । ইতি রাজনির্ভ: ॥ शिष्ठ दक (श्वा विवक्तंनद्वः। मूर्अवद्वश वङ्ग्बन् उनु। जियः निम শুক বাত্র 😕 ইতি ভাবপুকাশা। বাত ক্ৰি জ'ঠ রক্ত পিত নাশিত্ব-। त्•इण्द्रः। त्युद्धः । सामृद्धः ।. ইতি রাগেরল্লভঃ॥ 🗱 ৷ তন্ত্রীজস্য व्यर्थाट उत्त भगा मा खगाः। मृब করবৃ । নিইবৃ । বাত পিত্ত र्बद् । इक् इक ॥ 🕸 ॥ उत्ह चक्किशाः। भव्यक्। मृबन्दः। শীতলত্ব । ওক্তৃক ৷৷ জ ৷৷ তালাম্ব শুণা:। পিত্ত নাশিত্'। শুক্র স্তন্য वृष्टि कारिष्ठः। धनवृषः। ইতি রাজনির্ঘটিঃ॥ ৠ॥ তালজ তৰ্ণ-(उायखगः। चित्रभय गर कातिषुः •1 তদেবাদ্লীভূত• পিত্ত বাত দোষ क्ट। इंडि जावनुकामः॥ क्ष क्नि इहन्। क्राइः। वाउनदः। मूर्जत्रक्ष। इंडि दंगकवल्ल छः॥ सः॥

जानभूनम्थाः । क्रमद्रः । ऋउ রোগ নাশিত্বঞ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।। 🗱 ॥ তাল তৰণ মজ্জ ওণা:। किथ्हिमरकत्रवः। वयुवः। श्लियकात्रि-ত্ব-। বাত পিত্ত নাশিত্ব-। সমেহত্ব-। নধুরত্বণ সারকত্বঞ্চ। ইতি ভাব-পুকাশঃ॥ গু॥ তালশিরো ৩গাঃ। ষাদুর্ণ তিজ্ব। ক্ষাযর্ণ। ন্তা-जक्रांश नामिष्। वल भाग मुक বৃদ্ধি কারিত্বঞ্। ইতি রাজবল্লভঃ ॥ 🗱 ॥ शीउ काल किया मान । व्ययः अत्र हेय८ कालः (गयः हेय८ काल विविध्य उ देय द काल कड़ ইयৎ काषः भवाभिकि (वाश्यिकुः बेर्रेण र्रेष त्रकृष्णाकूष्णन भूमा-রণাদি ক্রিয়াভি নর্ভিতব্য গাতব্য ঞ্চিকাল ক্রিয়য়েঃ পুনাণ তালঃ ॥ माञ्ज इर नियৎ काल शिय मिछि क। विनाञ्चापा कूका कि ক্রিয়া মান• তাল ইতি ॥ কালস্য **अक वि जि भाजामु** हात्र १ नियमि-তস্য ক্রিযায়াঃ পরিস্পান্যাত্মি-कागाः भौतिष्ट्रम (श्वु खान इंजि मशुः ॥ कालन नडन गणवहः न् ক্রিয়াণা• সান• তালঃ তারাদেক ্ কাল মেষা বিরাম স্তাল ইত্যন্যে।

ইত্যমর টাকাষা• ভরত: ॥ 🟶॥ ত্তস্যোৎপত্তি যথা। গৌরী হরঘো ন্ত্যেন তালো বভ্ৰ। তস্যকারণ• । किया कालक । इत न्छामा ভাণ্ডব গৌৰ্যা নৃত্যস্য লাষ্য ইভি স'জ্ঞা অর্থাৎ পুৰুষন্যতস্য তাণ্ডৰ নাৰ্যান্ত, স্য লাস্য মিতি नाम । তা खरमहामहाक् द्विग नामह न्याम्याक्तरव्यक्त भिनिद्धा ठान इंडि স-জা জাতা। ইতি সন্বীতশাস্ত্ৰণ ॥ 🛊 ॥ তস্য ভেদা বথা। চচ্চৎ পুট ১ শ্চাৰপুট:২ বিট্টতাপুত্ৰক তথ্য **৩। উদ্বুউক:৪ স**দিপাতঃ৫ কঙ্কণ:৬ কোকিলারব:৭ ৷ রাজকোলাহলো ৮ রক্বিদ্যাধর ৯ শচীপ্রিয়ৌ ১০। शार्वजीत्वाहत्ना >> त्राक्षह् जामिन 5२ **बर्ग भु**रयो ১० ॥ वासका कून ১८ ॥ कन्तर्भं ७६ नलक्षत्र ७७ मर्भाः ३१ । রভিলীলো ১৮ মোকপতিঃ ১৯ শীরকঃ ২০ সি ছবিক্রমঃ ২১ ॥ मीशका २२ मिल्लकामामा २० গজনীলক ২৪ চর্চনী ২৫। কুছকো २७ विक्रगानला २१ वीत्रविक्रम े ए दि दिक २०॥ त्रशास्त्र १०० প্রীকীর্ত্তি ৩১ বনমালি ৩২ চত্ত-मुंभाः ७० । ति इनन्तन ७८ ।

নন্দীশ এই চন্দুবিশ্ব ৩৬দ্বিতীযকাঃ ०१॥ करमञ्जल ७৮ गञ्चर्य ०२ गकतमा ४० जि**ङ्गाः ४) । त्र**ि তালো ৪২ বসস্তাচ ৪৩ জগঝাসো ৪৪ ২থ গাৰুণি: ৪৫॥ কবিশেখর ৪৬ ঘোষৌচ ৪৭ হরবল্লভ ৪৮ ভৈরবৌ ৪৯। গভপুত্যাগভো ৫০ मझ जाला ७३ टिजाव मखकः ७२॥ नवम्बीकथान्वनः ८० कीषा ८८ निः शाकः (प्रवह ६३ । मूकावनी ৫৬ র ক্রাজ ৫৭ ভরতানন্যে ৫৮ दिजानकाः ८३॥ जम्महिक ७०० इंड्रांकि जाना ভরত मःगजाः। সংক্ষেপ্তো নিগদিতা অ্থৈষাণ लक्ना गया।। आ। अक्रमाव कडि (छा। (भक्नांब व्यू मृं छ । वि मारुख ७क (छ्वर- विभावतः अ उ॰ मुख्य ॥ जात्न हहृ ८ भू रहे (क्रय ६क बन्तः नघुः मु उः २। एक नघुः পু তশ্চৈৰ ভবেছাৰ পুটাভিবে ২॥ পল গাল গলা শৈচৰ ষষ্ট্ৰ ভাপুত্ৰকে भवाः २। উमुछेत्ककः गमनाः । इ সন্নিপাতে গুকুৰ্মত: ৫11 চত্ৰবিধ্ পরিজ্ঞেয় স্তালঃ কল্পণ নামকঃ ৬। भूनः थथः नम रेन्डन विवनरेन्डन कथाउँ ॥ नम्बर् गली भूल

थए विम्मृषय धकः। यगगन्त मान ट्छिय उगापा विवास ভारव< ॥ थ ॥</p> हर्द्धः सर्वेडार्डः धक्विन्त् हर्द्धरः । नगठासः वमूरेकक जानायः (केंकिन्। त्रवः १॥ विष्युः भयज्ञासः थ वयः थ वयः वश्रः। वध् विन्तृ हरात्कि जाकाकाकाका जिल्हा ह ॥ थहर हो मुं छो एक तक विन्धा-धतः गञ् । वध्नि की नि स्वन्। खन्ति द्योग यव देव ॥ अञ्चबक यबाडि म जानः मग्रहिमियः 🕽 । थवर खक लो विन्दू लो भू छो গৌ পুতৌ পুনং।। যুৱ ভালঃ স বিজেশঃ পাৰ্ৰ গী লোচনাভিধঃ ১১ ॥ । बाबम्डामानी विन्तू जंक विन्तु र्वागी माजी हरा। द्रगाना मि गूक শৈচৰ ক্ষয়তী বিভি কথ্যতে ১০ ৷ मुखी वधु इ उद्देश (नोरनो क्छयूनाः व्यवः॥ वञ्खद्वः विकालम् । जानः मानामकाक्षाः **१८: । क्छ**न्यः यकात्रक कार्रालीन नुकी विजः १० ।। हजादम खदाका यक हजादः मुखेका अभि। नव्कतानि हजाति छाला १य॰ नगक्य द्वः १५॥ विन्तू वयः धकरेन्त्रय छत्यमुखः मामर्गाः ১৭। রতিলীলে বিশাভব্য-লঘুদন্দ

eक्षवर-১৮॥ जात्नी (वाउमे ध्वरवा दाबि महायवस्त । एकः वश्चिरं ষত্র সোহ্য নোক্ষপতি র্মতঃ ৯॥ बीवक् न फारक जाता नगगा सपू मुखो मछो २०। ति इतिकम जालंड मगणा नथगाः चलो २० ॥ পুতো লঘু: প্লতশ্চৈৰ তালে मीशक नामनि २२। जाल गाब-झिकारभारमः **म**हरू थ्राड्डेर् २०॥ वन्डद्रः विद्रामाष्ठः गहनीतनः भुकी वि ३ रह। अहे क्व स हह ग्रा॰ বিরামান্তে জতৌ লঘু: ২৫ ৷৷ জত: षम् ज्वडाल वर्काथा वष् **खग** २४% जर्त्य विक्रयान एतः नवरक वधु वय २ भी। वीत्र विक्रम जात्व छ करने बागो जखान जार है हि का इगापन नहारिकरेनच क्ञाम्मार হঠ।। ভগণো গ প্লভী স্যাতা॰ व्रकाजवन नामक २०। विकेडि न काक लात छन बन्द नपुर नघू इर ত্যা চৰক্ৰা লঘু দ্বে'ত ফতো গো बनमानिनि ०२ । हडम् थाडिए-**ভाष्मिगगानस्त्रः गु**उ:७०। ভगरः शुंखा मार्गी विम्तू इयः रगीनः शुंख ন্তথা। লঘু: গ্লুভোকত শৈকো লঘু ष्योमभा शिष्ठा। निः मकः व ह ख्रुकः

তালে স্যাৎ সি•হনন্দনে।গো লঘু (गो नवः भू उ छाल नन्तीश्वरत-भ जाः १८।। गाम्हर जो भी मु उद्दन्तुः हन्दिश्च भूको डिज : 28 । क्या क्रिक् वघुरेम्क उरावम्या बुवि शेयरक ०१ ।। मकादण यकादण अयमक्व नामनि ७५। हजादा धत्रावा विन्तु **ण्डवादण्ड स् उ। अशि ॥ विनर**्वा मन यहे लाक अला गत्र र म खार ७३। मकत्रत्म कड बन्तुः वश्वचन्त् न(था ७४:३०।। एक नंघुः मु उरेम्हर বিভব্দি: পরিকীবিতঃ ৪১। অত্র র্ত্তি তাল্স্য লক্ষ্ণ পতিত ৪২!৷ " বসত্ত তালে কর্ত্তব্যো নগণো নগণ खथा ४०। कगसम्भ चक्रेक्टाका विदानाडक थ घर- 88 ॥ ग सुरठो लो क्छो नफ मुखा गाक्षि ८१ मिथात ६५। भुङः मृत्ना नाती ल=६ थ हरक उटा नयूः॥ थहजूरू• বিনাশব • য়ত্র ঘোষ: স উচ্যতে ৪৭ । হরবল্ল ভ তালেচ প্লু তোলে। গৌচ श्वयं ६४। जगनः न द्वारानीगरयो ্লু তে। লঘুক্চ ভৈরবে ৪৯ । গত भुज्रागरं जालं ला भी भी भी भूकी खिंटोए ।। ए छर्नम् **र्यस्र आ**ल ৰিরামান্ত জত ঘ্য । লগে। গৌ

(न) माती गन्छ थ ह्य जह य भू नः॥ न हड्यू विना भद्र जाता किंद्रन मञ्जल ७२ । मत्रम् निक्शां इत्। लो न मुक्त क उद्दर्भ द्राः अक वर প্লুতো যত্ৰ ক্ৰীডাভাল: স উচ্যতে es ॥ क उद्यर विदानान्तर जाता निः मारू क भ उ॰ ৫৫ । খ बय॰ म विज्ञामान्यः स्तो भूनः थवय ख्या। প্লু তৌগঃ থ্যুগ•গক্ষ যত্ৰ মুক্তাবলী ख मा (७) नागी विन्तृयुगः(गी (ना तक्तात्व भूके चिंठः ৫१॥ अध्य न विज्ञानान्तर गुकः मु उद्यर नदः। यब जाल म विष्छः या खंत्रजाननः भ•क्क कः (८৮)। आ कि जातन नायुरेक्टक ইত্ত্যাহ ভরতো মুনি: ৫১।মগণচ্চ শ্লু ভাদ্যন্তঃ সংপক্ষেপ্টকভালকে ৬০ ॥ একাধিকশতে ভালে নঞ্চি সুখ্য তম। ইমে। 🗱। অথ পুস্তার:। গুৰুঃ নু তাধো ভাগে ভ গুৰধো ভাগতো वर्षः। कञ्चत्या त्रश्वाजारग स्टा द्वाउ भए किका।। উष् डाठ कनी-भक्ताकियाः भुखाद्रग क्यः। नर्व भुजार नमात्र माजा निवस निर्मिकार ॥ जादर शुखात्रायमाख यावर मुई छड जिया । यब जान शुखाद शिक्ववमाडी पिडे सिक-

পতाकारवः मिं वार्ह्मा ख्या- ||. सिकिः॥ ॥ अथ मु जिन माजा **ভেদেন তাল্যাত্র-**ভৌলেনিকাত श्यः अ छं नन्यदेश्यद्वा अस्तरु म नंदः उद् शन्द्राट् खोठ घार वेनिनम विव्रहिट्डो मर्भायमृष्क्रां ३१ १ । भूगुद्धार क्रुडानाविडि क्रगडि भूनः मृ विभएको मनन्ता विष्यः घाउ बग उर जिकन उनू यहि व संयम्-न्द्रात्रः॥ श्राक्षा जः भणाद्रा विकन न्ह ब्राज्ञे मद्दीन ख्यानाः (मा भूष्कु यां विनायनयवनियञाः खान श्यात्र्नी जिः। किरका हरेकक মাত্রা সমুদ্যিনি লঘৌ ঘাত একো-निनामी घार ग्रामा वार्षा जा कि कि বপ্ৰি লঘে। রন্ধনাদেন ঘাতঃ॥ .ইন্তি ভাল ঘাতন পুকার: ॥ 🕸 ॥ 🗐 त्राक्षा मनिवक्ककक्षणवरहा मुकावनीन खनः की छारह ख दम इ त्रक क्रारा भक्षत्रं कीना तकः । সাক্ষামোকপতি শ্চৰমূথ নতে। যে রাজচূড়ানণিঃ সোহয় ভালন্য •छ्राष्ट्र ज्नवर मः मात्रवद्यः इतिः ॥ 🗱 ॥ अभिष्ठ । ननिः। मार्थ छन् मूर्थन वनङ छहन्तु विश्वामग्रः कल्लानमञ्बद्गा बिल्जो यन्।-

তিৰূপে তুলে। কণ্ঠান্তঃ কিল কো-किला तव छाता वारहो वय श्रीतरहा তালায়া মুরজিছিন ভু সভণঃ স•-সার পাশাবলীণা খ্যাতো যঃ কবি-চক্রবর্ত্তি পদভোবিদ্যাচনৈর্যঞ্চিতঃ সৌভদুৰ নিন বমজুন বশাঃ সো ৎজীজনৎ ত্রী ধরঃ৷ তস্য গ্রীল শুভদ্বস্য ভণিতৌ সঙ্গীতদামো-দরে তালাদ্যঃ স্তবকোংচুতে স্তব क्लो याज ख्लीयः भर्दूः ॥ 🗱 ॥ वन ह। वामाव हे उथा कामा वृक्ष हेन्द्र म्हजूर्य मः। म्मावजात वक्षा म নৃত্য নাট্য ততঃ পর ।। তথাই-**जान(अपाः। आफः) (मात्रः २** জ্যোতিঃ ৩ চন্দুশেখরঃ৪ গঞ্জন ৫ পঞ্তাল: ৬ ৰূপক প্ৰসম্ভাল: ৮ ॥ व्यथं कमुञानम्य (छनाः । वीतः-विक्रमः > विवयमयुद्धः २ धर्मा • ១ বীরদশকঃ ৪ মণ্ডুকঃ ৫ কন্দর্গঃ ৬ ভাশপাহিড: ৭ পুরচরণ ৮ দশ-कारी २ गाबन्यगुकः ३० ष्ट्रिका ३) ।। অথ বুক্ষতাল (ভদাঃ। বুক্ষ ১ विज्ञास वुका २ यहँ कला ७ मधमावा 8।। **অথেন্দু ভাল**ভেদাঃ।দেবসারঃ) (मवहाजी २ मन्नरमाना ० ६४)-गन्न र्दः ८ भकानी ६ इन्मु ভारः ७

।। অথ চতুদশিতানভেদাঃ। চিহ্ন-कानः > हन्त्रभावा २ (एवमावा ७ वर्षाक्राञ्चित्राञ्च वर्षात्रादः क्रमार्थः ৬ ধরাধারাপবসন্তবাক্চ কাককলা a की दलका so छाखरी as स्य-शांत्रका ३२ ভारा ३७ मख्यां वा 28 ॥ (उदा • नक्षानि यथा। अक ভাল ভভঃ শ্ন্য যুগল ভালকা পরে। সঙ্গীতঃ পুথমঃ সার আড-**ভानः नु**की डिंडः ३॥ এक जानक **ण्**राक् करमणानि किया जस्त्र। শেব শ্ব্যু-কলাভেদে দোলাখ্যক **ভবেट প্ৰক্ २ ॥ প্ৰম** यूगनः তাক এক এক তথাপরে । কলা-তেদে গানভেদ ক্যোতিক পরি-कीर्खिउ ।। हन्तु कन्तु खबा यूग्र खबा हमा उवाशक । वर्षे जाना **বিভ**বন্ত্যেব• চন্দুশেশর ভাষিত:৪ ॥ একভালে। ভবেছে %: কমেণাপি **हजूदेवशम्बर्म्यः गञ्जनभ**नद्वा मूनि जाकित था। गुथमः मृगवरिक्त खर भन्नः जान (सककः। त्नारवर्गाः **७वा म्ना-नक्छाय-** भुकीर्विज-७ া বুগল পুৰ্য-ভাল তৎপরভ্রেক भूगुकः। (भर्षे यूगनः जानः ৰূপৰ পরিকীতিত গাওকভাব।

তথা শূন্য • ক্রমেণ দ্বিবিধ • ভবেং । শেবেযুগলভালঞ্সনভাল•ভাবেৎ পর ৮ ॥ এছভাল তথা শ্ন कामा बि विध॰ ভবেৎ। ভৎপর॰ যুগল তাল মিত্যেব বীরবিক্ষমঃ)।। युगाजावः उथा म्नाः छ< शतः ছয়তাল্ক । শেষেচ যুগল ভাল॰ मम्द्र विषम् स्व उ र ॥ यूषा जानक শুন্যঞ্চ এক তাল্লক্ষ্ তৎপরে। শেষৈকত্র ত্রিমূন্যঞ্চবিষম ধরণ ভবেৎ э॥ **একভাল- उथा भू**न्र क्राप्तभाषि किया ভবেट । युभवः যুগল পশ্চাৎ সবীর দশকঃ মৃতঃ 🗴 🏿 পূথম: এক তালক ভৎপর• শুন্য মেকক। শেবৈকত্র ত্রিভালঞ্ মঞ্কদ্য গতি বঁথা ৫।। সমতাল। वर्षा मृष्टे- जन्म कम्मर्ग गः किन्। नमञाता, जादल, मूना कमार्श नार्ख उर्भूनः ७ ॥ भक्षानार পর শ্ন্য উল্পাহিড মুন্তমণ वाज्यक्षे का वाद वास मन्याममा ৰ্থা গতিঃ ৭়া৷ একভাল- ভথা **ण्**नऽ कामगाणि विश्व खावरः। লেবৈকৰ ত্ৰিভাল্য পুৰ চরণ , ভাষিত ৮॥ একতাল নেকশ্ন্য मिरा अवश् खावर क्यार।विद्रायः

একতালঞ্চ বাণ্ডেদে দশকোবিকা ३॥ युगन• युगन• भन्ठा० उनस्ड (श्रक् जानकः। (मरमह यूग्र म्नाअ गाबन्य छक जाविज > > ॥ यूग्र मृन्। বিরামেচ একতাল ভবেৎ ক্রমে। ছুটকাখ্যানক ধীর সংক্রীত পরি-निश्चि १३।। यूग्रक्ष बंद श्वीमक ভাল • कि कि बित्रास्य भून दिक जान । वुकामा जानक महील मारा यथा কপোতী হি করে।তি শব্ ১। যুণ্ম-ভাল ভবেশ্ৰস্ত এক ভালক তথ পরে। শেষে ঘিতীয় শুন্তে বিরাম-वुक्तजानक २॥ शुध्यत्विक जानक যুগ্ম শ্ন্য ভথা পরে । শেবৈক্ত ত্রিভালেতি ষ্ট্কলা থল কথ্যতে ৩ । আদে বিশ্ব যুগা ত্রিতালংগ ভূথাগ কা । নাত্র। ভবত্যেবা বুকা বিশ্ব গ্রিড গ্রেডি ও॥ স্বিরামণ বিশ্ব । (म[े] न व्याक्षक (मेर्नाइ इंट्रेंबिक्लुक्षमः॥ मन्। विद्राप्त छवि ना नगिरदेवेष । (नार्वन हिम् हिम्दुः॥ विद्या शिली २॥ विद्या शिला १॥ विद्या शिला । ज विद्या ।

जनात्रज्य शक्ष्यां व्यवस्था । অত্যুদ্ধ তথা বস্ত ওক গছৰ मेत्रिजः ।। भावगम् वया यात्रा ত্তথা ভালো ভবেদ্ঘন:। পঞ্ তালাম্বরাণীতি পঞ্চালীতি পুকী-ৰ্ত্তিতা ৫ ।। সবিরাম চতুন্তাল । ব্রিতাল শূন্য মন্ততঃ। মেঘারস্ত্রে যথা কেকা ৰুষম্ভে ইন্দু ভাবিভ:৬॥ **अक छानक म्नाक करमन विख्य** ভতঃ। শেষে চতুইয় बन्छ । চিহ্ন-जान इंडीर्ग्र**७ 🕽** ॥ अकृ हम्मु खथा যুণ্ম তাল পুভ্যেকত জ্বব । শেৰে बीनिह म्नानिह मुनाबा छ वर भन्नी ২ ৷৷ পুথম• বট্ক ভালঞ্চ অত্যূজ্ ভ ज्व क्या । (मार यूग्र ज्वा म्नर (मयमाबाह माहारङ आ हम्मूनार ত্রিভালফ বিরামেণ ক্ষেণ ভু। অত্যুদ্ধন্ত ভবত্যেবং অদ্ধ্যোতি রিভিছিভি:ধ্যাএকৈকতালাম্বর যুশ্ম তালাৎশূন্য ব্যাভৎপর মেকতালা । कना जिला मून्य जिला नमार्थ्या न স্বৰ্গসাৱাখ্য নবীন ভাল: ৫॥ যুশ্ম শ্ন্য বিরামেণ দেবতাল মিভি क्मार। क्माडीरचार १ खात न्ना ইতি সৰ্বত ভাষিত ৬॥ নবাখুদে मानिनि भीषु यान जथा नुनयक

সুতালভান। যুণ্ম সত্তত ক্ষতত ভাল-শেষে ত্রিভালঞ্চ ধরাধরাখ্যা ৭॥ একতাল্ঞ শ্ন্যঞ্ জনেণাপি চ छ देय । क मा डा ल वय स्थित तम छ-বাক্ সমুদাহতঃ ৮ ॥ সবিরাম• ছয় তাল যুশ্মতাল তথাপরে। শেষৈকত্র ত্রিভালঞ্চ ভবেৎ কাক-কলেভিসা ৯৷৷ বিভালঞ্চ ভবেপ্রস্ত ত্তং,পর• ত্ত্বেকতালক•। শেষেপিচ विजानाक्षर की त्रमदा शुक्रकारा ३० ॥ युग्न- युग्न- তথা युग्न- তালভেক-खर्द कमार । (**स्वम्**न्) कना ভেদে তাওবীতি ভবেৎ পৃথক্ วว ॥ सरिद्रामः हयः जानः युग्प **भू**न्यथ **७९ शद्र । (भारताकुं** छ विजानक रुवंशाता शुकी दिंज। >२ ॥ ठन्मु भ्नाः विद्यास्त्र हरः **जानः** जात् क्यार । यज्ञ्ब्र ভবেএন্ত ভাষাখ্য ভাল মুন্তম ১৩ ॥ অত্ৰুদ্ধ ত্ৰিভালঞ্চ দ্ব। তাল বিরামক। ইত্যদ্ধ মাত্রা বিজেষা সঙ্গীত ভূবি সর্বতঃ ১৪॥ ভারপুবন্ধলক্ষণ পুবন্ধশব্দে নিত্য नाहेर्भुवक्षवास्य वाक्रा॰ वास्यम्य मुहेवाः॥ 🕸॥ कत्रज्यः ॥ व्यक्

মধ্যমাভ্যা• সম্মিত• ৷৷ করামুালঃ ।। কা•স্য নিৰ্মিত বাদ্য ভাণ্ড• ম क्रुकः। ইতি मिमिगे॥ **जानक•** क्ली रुत्रिजान•। ইভিরাম-निर्घणेः॥ द्वात्रयखः। ठाना ইडि ভাষা। ইতি হ্সেচন্দুঃ॥ তুবরিকা । ইতি শद्द्रज्ञावनी।। তালকাভঃ পু• হরিতবর্ণ:।ইতি (र्मम्युः॥ उष्ठि वि॥ जानकी जी छानमूदा। जाजी हेडि ভাষা। ইতি ত্রিকাগুশেব:॥ তাল্ধুর: शु॰ वनामवः। **३**डि रुवायूथः॥ ভালপুলা जी भूतीविरमसः। यथा। चिर जावधुषा नाम नगती विहि-বোপমা। ইতি ক্রিয়ে প্রসার:।। जानभव· ज्ञी जापम्मर्भ मः सुन्न ।। তালবৃক্ষ্য প্ৰং শূন্ত কন তালপত্রিকা স্ত্রী: ও ॥ পঞ্চতাল্থী। ইতি বাজনির্ঘণ লপাহিত মুভঃ তालभनो जी त्वर बख म•गान एक (मिनि 5: १॥ अक्ठानः जानभर्ग· मगानि विथा खरवर দুব্য । ই ি বিভালক পুর । ভালপণী জী একভাল নেক ই ডি करे। वह चार कमार। वित्रः

जानशृत्रक॰ ज्ञी शुलीखत्रीकः। ्रें जिम्बद्गावनी॥

छानञ्ञ् शुः वनास्यः। ই छि ত্রিকাওশেষ:॥

खानभूनद• क्री जानकरे। यथा। তথা ভালপুলয়ক কৃষণ ক্ত ৰুজাপহ। ইতি রাজবল্লভঃ॥ ভালমূলিক। खी ভালমূলী। ইত্যমরঃ॥

जानम्नी खी यनामथ्राङ वृकः। তৎপৰ্য্যায়ঃ। অর্শোদ্মী ২ মুবলী ৩ **তाली ८ थिनिनोट। ই**তি রক্নমালা॥ সূবহা৫ তালপত্রিকা ৬গোধাপদী १ (रुमगुन्नी ४ ज्ञानी २ मोघ-किन्ति । । अम्रा खनाः। स्यूत्रव् । भी उद् । दूराद् । भू हि वब कक शुम्ब । 🛊 🗓 विष् । भिड मार नुगर्का । नु दाकिमर्गिः॥ **छेक्द्रभः॥ १२१५** • व्यव् व•। उक्क न चाकके ा छन्छ (द्रा-गा बिकन्नकमः॥ 🕌 इंछि ভाव-शुका की नगिरिवेश (भाका খেতা কুন্দু: ৷৷ শুতা মুন্ন গুণাপে পু॰ রসবিশেদায়নী।। "তালিক: পু॰ পুসারিতাঙ্গুলি পাণিঃ ইতির ভাষা। স

ए यह मु: 11

তালবৃত্ত• ল্লী ব্যৱন•। ভালপাভার পাথা ইতি ভাষা। ইতি হেমচন্দুঃ ॥ তস্য বাযুগুণঃ। ত্রিদোব **শমনত্ব**• । ব্যুত্বঞ্চ। ইতি রাজবল্পভঃ॥ তालव्छक। क्षी वाजन। ইতामतः॥ তालविष्ठनकः शू॰ निः। ইতি **मंद**-রত্বাবলী। তালরেচনকোপি পাঠঃ তালব্য• ত্রি ভালুজাত•। ইতি ব্যাকরণ।।

তালকীরক• ক্লী তালসমূতত্ব-• कीत्र•। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

তালাখ্যা ত্রী মুরা। ইতি শদ-**म्हिका**॥

जानाकः भू• वनारितः। ইज्याबः ॥ कद्रभवः ॥ भाकत्जमः॥ महा वक्र जम्मूर्ण भूक्षः॥ भूखक् ॥ र्वः। ইতি (र्नहन्तः॥

शुः निष्ः। ইতি **जानावह**तः ত্রিকাণ্ডশেবঃ॥

তानिः खी ज्नामनकी। इंडि <u>बङ्गाना॥ जानी। ইত্যমর টীকাষা•</u> ভয়তঃ ॥

া তৎ পর্য্যায়:। চপেটঃ২ পুতল: ৩ তाननम् विष्ट जविं । इति । उनः ४ शुरुतः ৫ जानः ७। ইति

তাৰকী

হেমচন্দু:।। লিথিতস্য নিৰন্ধন• । তৎপৰ্য্যায়:। কাচনী ২ কাচনকী ৩। ইতি শদ্যন্ত্ৰাবলী।।

তালিকা জ্রী চপেটঃ। তালমূলী। ইতি শব্দর্গবলী। তামুবলী। ইতি রাজনিষ্টঃ।।

তালিত শ্লী তুলিতপটঃ ॥ বাদ্য ভাগুণ॥ শুণঃ। ইত্যন্তবঃ॥

তালিশঃ পু• পর্বতঃ।ইত্যাদি-কোষঃ।।

जानी जी जाजी। जाजिया है इंड जाया।। जामनकी। जूरुँ जामना है जिंचा। है जामना।। जून तिका । है जिंच मम्बद्धावनी।। जानम्नी । है जिंद्यमाना।। जुन्जिनी। कुक्षिकाविष्मयः। है जिंद्यम्पुः॥ जामुवन्नी। है जिंद्यानिस्षेः।। मुद्राल्यमः। जाजी है जिंचा।। है जिंच्छिः।।

তালীপত্ৰ• ক্লী তালীশপত্ৰ•। ইতি বাজনিৰ্ঘটঃ॥

তালীশ প্লী তালীশপত্র•। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

ভালীশপত্র• ক্লী বৃক্ষবিশেষ:। ভিত্পর্য্যায়:।ভালীশ•২ পত্রাখ্য• ৩ শুকোদর• ৪ ধাত্রীপত্র• ৫ अर्कादश ७ कितिशव १ किति हुए ।

े नीन २ नीना द्या २० छान २३ छानी शव । ३२ छमा ख्या १० छान १३ छानी शव । ३० छानी शव के १३ । अञ्चर छा। ।

किन्द्र । उक्दा क्य श्राम हिल्ले का नामिद्ध । इकि छान यहि छान स्थान हिल्ले भानिद्ध । अङ्ग्रि छान स्थान हिल्ले भानिद्ध । इकि छान श्री भानिद्ध । इकि छान श्री भानिद्ध । इकि छान स्थान हिल्ले । इकि छान स्थान हिल्ले ।

जान की जिस्लिम् याधिशनः। यथा।
न्थ ज खान निर्जितः जिखाज जागजाय है। ज जा नाना द्रामा जा खा कि खाज विश्व ।। के जि जिल्ला । के जिल्ला के जिल्ला । के जिल्ला के जिल्ला के जिल्ला । के जिल्ला के जिल्ला के जिल्ला । के जिल्ला के जिल्ला के जिल्ला के जिल्ला के जिल्ला के जिल्ला । जिल्ला के जिल्ल

ভালুজিহ্ন: শুশপাহিড মুন্ত ইতি হেম্চন্দু: খিৎ ব্ৰস্ত সংগ্ৰাস

जानूतः शुश्वा। अक्ठानः ५ (इस-ठन्दुः॥ भागि विश्व छह

जावकीन विजासक भुव इतीय। जामाली अकजान (मार्ग) इंजि व्याकत्रपदिय कमार। ावंद वर माकनारः॥ व्यवसिः॥ मानः॥ व्यवसादगः। ইভाসदः॥ भूभःमा॥ भक्तास्त्रः। ইভि मदः प्रदावनो॥

তাবর ক্লী ধনুর্ত্ণ:। ইতি ভূরি-পুষোগং॥

जावियः श्रु वर्गः॥ ममूदः। इंडि निकास्तिमूहा मुनाहि वृद्धिः॥

जिति जी हेन्युकन्या ॥ नहीं॥ श्थिती । हेजि निकासकोन्द्रा-मूनाहिन् खिः॥

ख्यीयः भू॰ यगः ॥ अपूषिः॥ काक्षनः। ইভিমেদিনী॥

छावीयी जी हन्द्रकन्छ। । इंडि (मिनिती।।

তাবুরি: পু॰ ব্বরাশি: 1 ইতি দীপিকা॥

তিক 'ঝ ড পত্যা•। ইতি কবিকল্ল-ক্রমং॥

जिक न व्याक्षतम् ॥ वर्ष । इंडि
कित्रक्षक्षमः॥

ভিক্ত ক্লী পগটিকৌষধি: । ইতি হেন্চন্দু: ।।

তিক: পু॰ রসবিশেষ: । তিত ইতি ভাষা । স বায়াকাশ গুণ বাহ্ দ্যাৎ ভবতি । ইতি শিব- हातः ॥ उत्र छ्गाः । बढ वर्षं क्रुतार्ख कात्र हार नामिष्ण (त्राष्ट-नष्ण । इछ त्राष्ट्र नामिष्ण (त्राष्ट-नष्ण । इछ त्राष्ट्र निष्ण क्रुण विर्वार द्रम्म त्रक्षण नामिष्ण । स्रयमद्राष्टिकृष्ण । क्रुण नामिष्ण । स्रयमद्राष्टिकृष्ण । व्याकात्रिष्ण । नामाम्मावण्ण । क्रुण । व्याकात्रिष्ण । नामाम्मावण्ण । क्रुण । व्याकात्रिष्ण । नामाम्मावण्ण । क्रुण । व्याकात्रिष्ण । व्याका

ভিক্তকঃ পু॰ পটোলঃ। ইত্যমরঃ
॥ চিরতিকঃ। চিরতা ইতি ভাষা।
ইতি শদ্রত্বাবলী ॥ কৃষ্ণ্যদিরঃ।
ইতি শদ্মালা ॥ ইঙ্গুদীকৃষ্ণঃ।
ইতি ভাবপুকাশঃ॥

তিক্তকন্দিক। স্ত্রী গদ্ধারা।ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

তিক্রকা জ্রী কটুতুমী। ইতি শ্র রন্নবলী।। তিক্রপদ্ধিকা জ্রী ব্রাহ্কান্তা। ইতি

्र मक्त्राला॥

তিকভ जिङ्ख्का धी कंत्रक्षः । **७**९॥ भक् इनि<u>र</u>का॥ भर्यायः । कृपुत्रमा २ त्रम्या ० विकाशक हो 8। इंडि शाबारणी॥ তিভতওুলা দ্রী পিপ্নলী। ইতি व्राक्रनिर्घ छै:॥ **ভিক্তৃ** श्रे जी कर्नुज्थीनका। ইঙি ज्ञाकिनिर्घणेः॥ ভিকত্মী জ্ঞা কটুতুমী। ইভি রন্ধ-याला॥ **िक पूजा जी की ति**ी।। अत्रम्की। इंडि ब्राइनियंग्रेः॥ ত্তিভগাতুঃ পু• পিত্ত•। ইতি রাজ-निर्घणेः । ভিক্তগত্র: পু· কর্কেট্ক: ৷ কাকরে**ল** इंडि ভावा। इंडि (इनहन्दुः॥ তিকপৰা পু• দুৰা। ইতি জটাধরঃ॥ हिन्दमानी ॥ ७५ जी ॥ यष्टिमधू। ইতি মেদিনী॥ ভিক্তপুর। জ্রী পাঠা। ইভিরাজ-निर्घ छै:॥ তিভফল: ৣপু॰ কতকব্দঃ।ইতি द्राजन्ति। किः॥ তিক্তৃণা নী যবভিকালতা।। ' वार्ड्, 🌓 ॥ वर्ड्जा । ইতি রাজ-विवां है: ॥

जिक्छमुकः शुः शाहीनः। इन्

তিক্রবিচঃ পু॰ কতকবৃক্ষ:। ইতি त्राञ्जनिश्णः।। ভিক্রেহিণিকা जी কটুকা। ইভি ब्रुमाना॥ ক্রিকরোহিণী জী কটুকা। ইতি: त्राक्रनिर्घणः॥ তিজবলী জী মূর্বালতা। ইভি त्रज्ञाना ॥ তিক্বীজা জ্লী कर्रेज्यो । इंडि ब्राजनियं छै:॥ **डिक्जभाकः भू• थ**मित्रवृक्तः॥ व्यन व्कः ॥ भवमून्दत्रव्कः । इंडि (मिषिनी।। जिकनात्र क्ली मीर्घाताहियकज्गः। इंजि ताबनियंगः॥ ভিক্তসার: পু• খদিরব্জ:। ইভি बङ्गाना॥ जिका जी कर्द्राहिशी। हेजि त्मिक्नो॥ भाठे।। इंडि बङ्गाण।। য্বভিক্তালভা।। যড্ভুজা। ইভি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ ছিকুনী। ইতি ভাব-श्कामः॥ ভিক্তাখ্যা স্ত্রী কটুভূপী। ইভি

রাজনিঘণ্ট:॥

ेकाका की পाठानगक्षीनजा।

इंडि बाजनिर्धणः॥

डिकिक। जी कर्णूज्वी।ইडिणक

ब्रज्यवी॥

डिग न हि॰ সাযা।॥ আফলে।ইडि

ক্বিকল্লজন:।। ভিশ্ম• ল্লী ভীক্ষ্ণ। খর•॥ ভছতি বি

। ইত্যমর: ॥

जिग्राः मृः পৃ प्राः । ইতি হলাযুধ:॥

जिग्रा न घाछत्। ইতি কবিকল্পদ্মঃ॥

जिज्ञ क ভিক্ষীকরণে। ইতি কবিকল্পদ্মঃ॥

তিক ড ক্লান্তো। নিশানে। ইতি কবিকল্লফন:।।

जिनिनः भू हन्युः। ইजुर्गामित्कायः ॥ त्राक्षमः । इजि मःक्षिश्रमात्र উगामिवृद्धिः॥

তিটী দ্রী ভিব্ । ইতি শম্চন্দুকা।। তিওঁউ: 'পু চালনী । ইত্যমর:।। তিওঁভ: পু ইন্দুগোপকীট:। ইতি হেমচন্দু:।।

- छिडिन भी नम्सक । नामा देखि ভाषा ॥ छिडिनकद्रा ॥ छिन-निष्ठि । देख्य क्या ॥

তিতিক। স্ত্রী ক্ষান্তিঃ। ইত্যন্রঃ॥ শীতোঞ্চদি দ্বন্দ্ সহিষ্ণুতা। ইতি বেদান্তসারঃ॥ जिजिक्का विकासः। ইडि कोष्यः॥

তিতিক্ষ্: বি ক্ষমাশীলঃ। কাস্ত:। ইত্যমরঃ॥

जिलियः भू जिलियिभकी। ইजि नद्यक्रावनी॥

जिखितिः भू शिक्ति स्वाः। जिखिति इति जावा। जिल्लितः विश्वितः । इति मद्द्रवादेवी ॥ जिलितः । एकितः । एकितः । एकितः । एकितः । एकितः । एकितः । कित्रः । कित्रों का विश्वः । कित्रों कित्रों का विश्वः । कित्रों कित्रों का विश्वः । कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों का विश्वः । कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों । कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों । कित्रों । कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों कित्रों । कित्रों कित्र

डिथः भू॰ जादिः॥ कामः। ইडि निकान्डकोगुन्ता भूगानि वृद्धिः॥ कानः। ইতি ভিকাশুশেবः॥ भू।वृद्धेकानः। ইडि म•किश्रमादा উगानिवृद्धिः॥

তিথি: ত্রী পূ চন্দুকলাকিই কুণা।
চন্দুকলা ক্রিযোপলাঞ্চিত্র: কুলি
ইতিবা। তদ্যা: স্বরূপ
ত্রাদি পৌণনাদ্যভা যা এব
ক্রিনি: কুলা:। তিথ্য তাঃ স্না

থ্যাতা: বোডলৈব বরাননে ।। ভত্র পুথম কলা কিষা ৰূপা পুতিপং वर दिंडीयारि कना किया क्रा षिञीयानिः। माठ वृष्टिक्शा हि শুক্লা হ্ৰাস ৰূপা চেৎকৃষ্ণ। যথা! তত্ৰ 📊 भक्का वुट्डो भारम मूक्त क्ष करमण रि। जन्म वृक्षिकतः मृहः क्ष महन्तु क्यां वा कः ॥ शक्र जामा । । । । अक्र जामा कमार भक्षमण मुजाः। मणासाः ক্ষপক্ষে তাঃ প্রিনাভাশ্চ শুরুকে ॥ 🛊॥ গোভিলোক্তামাবাস্যা ঘটক উপর্যুগো ভাবাপন্ন সমসূত্র পাত 'न्तारयन द्रार्मा का वरहरमन महाव इन युकाकं मखनाइन्तु मखनमा दानि দ্বাদশাংশ হাদশাংশ ভোগাত্মক নিৰ্গমৰূপ বিয়োগেন শুলাযাঃ পুতি भारामि उउट डिखिकट शिवः। अवः শোভিলোক্ত পৌর্ণনাসী ঘটক সপ্তম রাশ্যবস্থান ৰূপ পরম নিযোগান-खत्रमक्म ७व भू (व भा यह मुम ७ व म) রাশি হ্লেশা•শ দ্বাদশা•শ ভোগা-जा क श्रीविण क्ष न निकर्य न क्षाया ু শ্ৰন্থ কৈছে। শ্ৰন্থ বিভি। যথা। कुर्जाविनिः मृडः शाही । यद्वाछाइ वर्श मणी। जोरेग द्वामणि उट् न्। जिथिकानुगमः दिनः।। जिः न्।।

শকতথারাশেভাগ ইত্যভিধীয়তে। णारि ग्राहि शुक्षेत्र जाग हा मनक যদা। চনুমাঃ স্যান্তদা রাম তিথি রিত্যভিধীয়তে।।**#॥ সাদেবকৃত্ত্যে** প্রাক্ল যুতা গ্রাহা। একাদ শুগ্রপ-বাসাতিরিক ছলে সর্বত্ত ত্রিসন্ধা **ব্যাপিনী গুশহা।। ଛ।। ଅথপুতিপ**¢ । সাচ কৃষ্ণা দ্বি ঠীয়া যুতা গ্ৰাহ্যা শুক্লা অনাবস্যাযুভাগুছোক্কাপুগোবাসে দিতীয়া যুকা নগাজা। অত্র তৈলা-क्रक. क्या उक्कन (क्रोबक न कार्ये ।। 🛊 ॥ व्यथ विशेषा। जाह ক্ষা প্রযুতা শুল্লা পরযুতা গুঞ্চা। ভ্ৰুত্দিতীয়াতু অষ্টগাবিভক দিন পঞ্জা শ যুকা গুছো ওভযদিনে ভলাভে পরযুতা গাৃহা। তত্র বৃহতী चक्र न कार्या • ।। क्रा। अथ वृत्तीया । नाह त्रञ्ज। वुराउछत्र (एवं कार्या) य চতুথী যুতা গুছো। রম্ভারতে তু দ্বিত্যি যুতা। তত্র মাস ভক্ষণ शरोव ७क१७ न कार्याः ॥ कः॥ অথ চতুথী। সাচ পঞ্সীযুতাগু।ছ। । विनायक वृत्त ज्ञीया यूजा भुक्ता। मक्वरात मुद्रा हजूबी चक्रया। অত্র মূলক ভক্ষণ কৌর পুদোবে व्यथ्यनकः न कार्यः । ভाषुमात्र

हर्ज्या हिन्ता न मुक्षेत्रः। भुनामा- " फ्ट्रे। ति·इ: <u>भ</u>ुत्त्रन मदक्षी८ निग्हा জামবতা হতঃ। সুকুমারক না রোদী खव एक् न महमञ्जूकः ॥ जानन मास्य-ণাভিমন্তিত জল পেয় আচারাং माम्बदगाभाभान्क (नु।उसः। क्षा व्यथ शक्ष्मी। माठ हवूयी युजा পাহা অত্র বিশু ন ভোকব্য ।। 🕸।। व्यथ बड़ी। ना निधनी युङा गु। ए।। क्रमावशी अन्यभी युजागुर्का व्यम्। শিরোভ্যকো নিম্ব ভক্ষণঞ্চ ন क इंद्र ।। 🗱 ।। ज्य मध्मी। मा ৰধী যুতা পুাহা তক্ত ভাল न ज्कारयर । म्नूनशक्ता मृथयाः यि द्रविवादा ज्याद ना विश्वा-मक्ष्मो । माध्यामकः भूकः। मक्षमाः দিবাকরা রথ মাপু: ত্যাৎ সা - द्रथमधनी । मा स्वाहिक्ट। **उम**्रा॰ व्यक्ष्यन न कर्डवा ॥ 🕸 ॥ व्यश्वकी । मः भूजा नवबीयुका शुक्त्या कृका मक्षभीयूजा। ज्वाधायनः नातित्कन **ङक्र १ क न कर्ड**वर्र १ **म**निवाद्य अथवा महनदाद्ध कृषाध्मी भूग्उना। वृश्लाजिवात मूझारेमी अक्या। . मूर्वाडेभी প्वविका गु। श्राधिमी बावज्ञा एह्राच मुङ्गेवा ॥ 🗱 ॥ व्यथ 📗

नवनी। ना ठाडेनी युठा गुःशा তত্রালাবু ভক্ষণ ন কর্ত্তব্যণ মাঘস্য भूजा नवनी महानन्ता । द्रामनवनी व्यवहा उद्दर मुहेव्या ॥ 🕸 ॥ व्यय मन्त्री। नाह मुङ्गा अकामना क्षाजू नवम् । युजा गुाञ्चा । यज कगरी उक्रनः न कर्डवरः ॥ क्र ॥ वकाम्भी व्यवहा अवित्काः नयन व्यवहा ह **छडहरक पुष्टे**वता ॥ # ॥ व्यथ कामनी । माठ बकामनी युजा गुाञ्। अब পৃতিকা ভক্ষণ-ন কর্ত্তব্য । কালুনস্য मूज्ञा द्वारमी श्रुष्ठा नक्ष्यायुका (हर (गाविनस्वानभी।।अ॥व्यवस्यानभी । जाह भूझ। बाष भी गु उ। क्का शत्यु उ। গুাছা। অত্ৰ বাৰ্ত্তাকী ভক্ষণ ন कर्डवाः क्षा व्यवहर्षिनी ना मूक्ना भृिर्गियुजा क्का खरगामणी युजा পাহা। তত্রমাষোন ভোক্তব্যঃ। লৈ ঠ क्षा ठर्ज्नाः भुत्नाव नाविकी नुष्ठः कर्डवाः। ७व यमा वर्यामणी দিবাভাগে দওদ্য মাত্র সত্ত্বেপি **ठ**जूमंनी छावट छेक्सिन वुछ॰ কর্তব্য । প্রাহে ত্রিপ্রুমি পুরাহে ত্রিসন্ধ্যব্যাপিত্বে পরাধুপুর। यह ত প্ৰাপর্যে। नं उथाविधा छनानि পরাহ এব ৷৷ ভাদ্রে মাসি কৃষ্ণা

इज्लंभी अत्याद्रा ।: गारवक्षा ष्ठवूर्णी बर्ज्डी ॥ मिवब्राबि वावशा उहार पृष्ठेगा।। 🛊 ॥ अथ (भोगंनानी । छब मान्तर न ভোকব্য॰। माठ ठजुम्ह नी यूजा পুঞ্। সাতু মাসর্ফ যুতা চেৎ তদ।। मर्जी। कोर्डिक गाम क्डिका. নকৰ যুতা পৌৰ্নাদী মহা-कार्डिको अवसम्प्रवाणि । महा-कि। ही वावका जहाय मुक्षेवा॥ काञागत्र वाव ह। उहरक पुष्टेवा ॥ श्रा वयानावन्।। व्यव मा न ন ভোক্তব্য । সা পুতিপদ্বুতা गु। गक्षा । गक्षा दादा यहि जमावना ভবেৎ তদা गक्लाम्य मात्रज्ञ भोनी जुड़ा वा गकाया जायाट न नर्मु (गारान बन्) क्ल माथु -वाट । जनावाना मुक्त वावइ। भुष्किमास् मुडेवता। भोष नाष्या ज्ञगावाम्। यमि मिवा ज्ञविवाज वा विश्वास्त्र भूवन नक्त युका जविक किंहा अर्प्कान्य यानः न्यादी अपः काठि न्या गुरु र्चिनाई प्रश्ने जावस्त्रनः गासाहक ভর্তী যৎকিঞ্ছান সেতু **প**রিভক্ষ ভবতি।ইতি ভিথ্যাদি- 🎚

ज्यः ॥ जिथिक्जाः नाम भएर मुहेवाः॥
जिथिभूगीः भूः हन्मः। हेजि ह्यः।
हिथिभूगीः भूः जिमावना। हेजि
महार्थकन्नज्यः॥
जिथी स्त्री जिथिः। हेजि जत्रजः॥
जिनामकः भूः किनिम्बक्षः। हेजि
भम्बद्रावनी॥

তিনিশঃ পু৽ বৃক্ষবিশেষঃ। মথুরাদৌতিনাশ ইতি খ্যাতঃ। দত্রচিৎ
সাদন ইতি খ্যাতশ্চ।ভৎ পর্য্যায়ঃ
। স্যান্দনঃ ২ নেনী ০ রথজঃ ৪
অতিমুক্তকঃ ৫ বজুলঃ ৬ চিত্রকৃৎ
প।ইত্যানরঃ।। চক্রী৮ শতাক্ষঃ ১
শকটঃ ১০ রথঃ ১১ রথিকঃ ১২
ভমগর্ভঃ ৩ নেষী ১৪ ললবরঃ ১৫
। অস্য গুণাঃ। ক্ষায়ন্ত্রণ উক্তরণ।
কক রক্তাতীসার বাতান্য নালিত্বং। গুহেকত্বং। দাহ্ জনকর্কা।
ইতি রাজনির্ঘটঃ ।।

जिडिंग: शू॰ हिका ॥ व्काम: ।
ं जिविषः॥ रिकालिः । ইजि

(इमहन्दः॥
जिडिंगिका जी जिडिंगे। ইङि

ं नक्राश्वावणी॥

তিন্দুক

তিন্তিড়ী জী বৃক্ষিবশেষঃ। তেঁতুল্ इंडि ज्या। उट्भर्यायः । विका ২ অ'নুকাত।ইত্যমর:॥ভিন্তিডী-কঃ ৪ ভিভিডীক 🖎 হ'ডি ক। ৬ অন্নীকা ৭ আন্নিকা ৮ আন্নীকা ১। ইন্তি ভটীকা ॥ গতিম্ভিনী ১০ ভিম্বিডিকা ১১ আদ্দিকা ১২ চুকু: ১০ চুকা ১৪ চুকিকা ১৫ অগ্না ১৬ অভ্যা ১৭ ভুকা ১৮ ভুক্তিকা ১১ চারিত্রা ২০ গুরুপত্রা ২১ গিছিলা २२ यगमृजिका २०। ইंडि मफ-রহাবলী॥ শাকচুক্রিকা ২৪ স্টু-_॥ ক্রিকা ২৫ সুভিন্তিডা ২৬। অস্যা আম কল্স্য গুণাঃ৷ অভ্যান্ত্ৰণ কক্ পিত্ত কারিত্বঞ। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ।। বাতনাশৈত্ব-॥ অস্যাঃ পদ্ ফলস্য खगाः। मीशनद्रः। क्रिकारिदः। ভেদিত্ব। উঞ্জু। কফ বাত ना निद्गक्ष । ই ि রাজবল্ল ভঃ॥ विश्वेष्ठ नामिव्। नध्वाम्बः। शिन्त माराजु ककाराय शाकाशनद्या পত্রচিঞ্চাকলর সভাণাঃ। মধুর ব্লব্তুণ। ৰুচিপুদত্ত্ব। শোফ পাক করত্ত্ব। (नार युग्रमाय नानिवृक्ष ॥ अन्।ः পত্রস্য ওগঃ:শোদ রক্তদোৰ ব্যথা नानिव ।। वामाः मृद् वृक्तात्रमा

खनः। भ्व मन्तायि नामिन्। ই জि व्राक्रनिर्घण्डः ॥ यन्निकायाः कनः भक् अप्ति छ वातिगा मृत्र । **भ**क्ता मतिरहाबि भुः नवाक्न मू मूवानिछ।। অদ্লিকা ফল সমূত পানক হাত নাশন। পিত্ত শ্লেষ্যকর। কিঞ্চি সুৰুচ্য বিহ্নিবোধক।।। ইঙ্কি ভাব-পুकामः ॥ वृक्कामः । इंडि विश्वः ॥ তিন্তিডীক শ্লী বৃক্ষার। ইত্যমর:॥ ভিন্তিডীকঃ ত্রি ভিন্তিডী। ইত্যমুদ্ধ-**होकाया** • जत्र ॥ अिंडिजीन्। उ॰ ही हुक्दी। कँ। हेवी हिन्न থেলা ইতি ভাষা। ইতি শদ-बद्धावनी ॥ তিন্তিলিক। ক্রী তিন্তিন্ডী। ইত্যমর-होका॥ विश्विमी की विश्विधी। इंडिम्प-त्रवावनी ॥ তি दिनोका बी তि छिजी। ইত্যমর-**ोका ॥** जिन्तिनः गुः हि खिनव्कशा है जि রাছনির্ঘণ্টঃ॥ जिन्दः भू• जिन्द्रकर्कः । कु मदाज्ञावनी।। ठिम्क भी कर्षभित्रमान। इंडि

বৈদ্যক পরিভাষা॥

जिन्मूकः भू जी वृक्वविष्णवः। गाव् इंडि था। इंडामन होका-नात्रमूनरती।। (कन्युकर्कः। इंडि ভরত: ॥ ভেঁদুইতি ভাষা। ইতি त्रामनिर्घण्डः ॥ उৎপर्यप्रायः । মুর্ত্তক: ২ কালকক্ষ: ৩ শিত্তি-नात्रकः ८। ইত্যমतः ॥ सूर्वकः ৫ কেন্দু: ৬ ডিন্দু: ৭ ডিন্দু ল: ৮ ভিন্দুকি: ৯ ভিন্দুকী ১০। ইতি **अ**पत्रज्ञाबनी ॥ नीनमात्रः ১১ অতি-गुरुकः ১२ वर्षकः ১৩ রামণः 28 सूर्जनः 2c म्यन्सनास्यः 25 কালসার: ১৭। অস্য আম ফলস্য खनाः । कषायद्यः । गुाहिद्यः । वाउ कात्रिवः। भीउनवः। नयुव्धः। পকৃফলস্য গুণাঃ । মধুরত্ব• । तिथाव । पूर्वत्रव । त्रामाप्त । ভক্র-। বুণ বাত নাশির-। পির शुरम्हा<u>भ</u> कातित्व । विवस्त्व थः। ইতি রাজনির্ঘণ্টা।। পিত্ত পুনেহাসু শ্লেয় নাশিত্ব•। ইতি ভাবপুকাশঃ ।! তৎসার চির রোগ জিৎ।। 'विश्विजमूक मालाव विश्ववाद श्रीहि भी उल। इंडि द्रावनिर्घणः॥ अमुकिः की जिन्मूकः। ই**जि म**म् ब्रङ्गावनी॥

जिन्मुकिमी श्वी व्यावस्की। ইভि वाजनिर्घणः॥ जिमूकी जी जिम्कृतः। ইजिम्द-बदादनी। जिन्मू नः र्भुः जिन्मू कर्माः। ইতি मद्रद्वाद्ती ॥ তিপ উ ড্ৰা রঙ্গণাইতি কবি-कन्नक्रमः ॥ १ ভিম 🙍 ক্লেদ্ৰে। আদুভাব ইতি यावट् । इंडि कनिकङ्गरूभः॥ **তিম ए (कूरान) ইতি ক**ৰিকল্ল**জ**মগা তিমিঃ জ্রী মং ন্যবিশেষঃ৷ ইত্যমরঃ ॥ চিলি মহাকাযো মৎস্যঃ কশ্চিৎ ' माबूनुः । उथाठ । श्रस्ति मट्मा खिभिनाम भेठावाकन विखदः। ইতি ভরত: ॥ সন্দুঃ। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ जिगिकायः भू नम्पूः। इंडि ত্রিকাওশেষ:॥ जिनिक्निनः भू भए मार्यास्यः। তিমি • গিরতি য়:। ইত্যমর:॥ जिमिक्निनानः शृ· महाम**्**गा-ৰিশেষ:। ইতি ছেমচন্দু:।। তিমিত: ত্রি নিশ্চল:। ইতি ধরণী ॥ ক্লিন্ধঃ। ইত্যমরঃ॥ তিনির লী অন্ধকারঃ। ইত্যমরঃ

॥ লে এরে গৈবিশেষঃ। তল্য লক্ষণ यथा। जिनिवाधाः म तिराम महजूर्यः পটল গতঃ। ৰুণ দ্ধি সৰ্বতো দৃষ্টি लिक नाम मर्जः भव । इंटि न्ध्यत्कतः ॥ তিমিররিপুঃ পু• । ইতি क्लायू यः ॥ **डिनियः शुः श्रामाक्क** हो। इंडि बिका अरमसः । नाहामुः। इंडि कादावनी।। **डिगी ह्या डिगिय** श्राः । इंडि দিকপকোশঃ॥ তির: ব্য অন্তর্জান ।। তির্য্যুগর্থঃ। ইত্যমর: ॥ ভিন্নজার: । ইভি **७ छो काया गामी ॥** ठिद्रभी खी भथुभिक्छी। माम। ইতি ভাষা।ইতি মুগ্ধবোধ।। जिन्नकृतिभी जी मात्रवायकभरेः। कान। ८ इंडि ভाषा। इंड्रामद्रः॥ , তিরস্কারঃ পু॰ অনাদরঃ। ইতি इवागुवः ॥ তিরক্ষারিণী জ্রী ভিরক্ষরিণী। इ ज्याबद्योकायाः नीवकर्थः॥

जित्रक्ठः वि व्यनाम्ठः। क्ठिङा-

ष्कातः। यथा। अविविक्तिः वाराजा

च द्वव वाहर ज्यक्ती। व्यास्त

সংক্ষিত মত্যেস্থা তিরস্কৃত 18 ইতি কাব্যপুকাশ:॥ जित्रित्र्वा की व्यनामद्रः। जित्रकादः। ইত্যমর:॥ তিরিটিঃ পু॰ ইক্ষুণুছিঃ ৷ ইভি मक्राला॥ তিরিমঃ পু॰ শালিভেদ:। ইতি त्राजनिर्घणः॥ তিরিयः शू॰ मानिविष्मयः। **অ**স্য खनाः। नधुत्रद्धः। नियुष्द्धः। भीजः লত্ব-৷ দাহু পিত্ত সর্বাম্য নাশিত্ব-। बिरमाय अभनपुः । क्ठापुः । পথ্যত্বঞ্চ ৷ ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ৷৷ • তিরীট ল্লী কিরীট। ইত্যুণাদি-(कावः।। ভরীট: পু॰ লোখু:। ইত্যমর:॥ তিরোধান ক্লী অন্তর্জান। ইত্য-गनः॥ তিরোহিতঃ ত্রি অন্তর্হিতঃ। আছা-দিতঃ। ইত্যমর:॥ ठिराक् वा वकु । उट् भर्यायः। সাচি ২ ভিরঃ ৩। ईভ্যুমরঃ ॥ नार र राजाः जित्रार्थित्।। निक्षार्थः १ देखि मद्रवादनी।। विर्ग्यक्त्राकाः भू भणुभक्तां दिः।

म वुक्ता १ इवः मर्गः । यह। वि म-

विषः। यथा। जिज्ञकान्द्रेयः मर्गः॥ সোষ্টাবি শ্বিধাে মতঃ। তেষা 'লক্ষণ-বর্ধা অবিদে। ভূরিত**মসো** ঘুণেলা হাদ্যবেদিনা।ইতিঞ্জীভাগ-বত ।। তিল্ল চা তিল্যক্ষেণ্ত সা । अविषः अञ्चलानि छानम्नाः। ভূরি তমসং আহারাদি নাত্র নিঙাঃ ! युगका यार्गरेनय इक्षेत्रर्थ जानिष्ठ । क्षि अत्विश्वः शीर्यानुनक्षान यागी ॥ अक्षेति मिं (उमा यथा । (भोद्राक्षा महिनः कृषः भूकाता গৰযো কৰাঃ দ্বিশকাঃপশৰণেচনে चिव क्ष्ट्रेम्ठ महम।। थाद्वा श्राथा হুশ্বতরো গৌরঃ শরভ শ্চনরী তথা । এতে हिक्नकाः कवः मृगू मक नथान् भण्न्।। या ण्गाला व्रका न्याया गार्जादः मन नन्यको। ति । इः किन गंबः कृत्या (गाधा D मक्त्रापयः ॥ कक्ष गृथु वक् म्हान ভাস জলুক বহিণঃ। হ•স সারস विक्रा कारकाल्कामयः थणाः॥ 'रब्रिकी जागवज्रा ।। गवाम्य उद्देश-सः विभका विथुता नव । थतामय क्रमगुडा এक भकाः वहे। श्वास्या लावाडाः गक्नया चारम। वर 🛮

ভ্ররা: मध्वि मिजि:। মকরাদযো জলচরাঃ কলাবয়ং খগাঃ অভ্চর-স্বেনিকীকৃত্য গৃহীতা এব নষ্টাবি•-**म**ि छिनान/वस्ति। यान्यवास्ति তিৰ্য্যক্ পুৰ্ণিনা বথাৰথ মেতে-ম্বন্তভাৰ: । ইতি ভট্টাকাশা विष्वश्वामी।।

जग्रवानः पू॰ कूके दः। ইতি बिकाख-(भाष: ॥

শূन्याः। इंडि उड़ीकायाः ध्विधत विर्माहः । इंडि নে হিনী। পশুঃ। ইতি হেমচন্দুঃ। वक्रणायी। ইতি मस्त्रज्ञावनी॥ उर्याकी खी जित्रको। खीलम् शक्तापिः। इंडि मुख्रावाधः॥ তিল ০ গতৌ।ইতি ক্বিক্লুজনঃ॥ जिन न तिहि। इंडि कविकन्नकमः॥ जिन क दिल्। ইजिकविक्नुक्रमः॥ जिनः भु· चनामथ्याजमम्या•। छट পर्यग्रायः। (श्रामदान्रः २ भविवः ७ গিত্তপণঃ ৪ পাপয়ঃ ৫ পৃত্যান্য ৬। ইতি রাজনির্ঘণীঃ।। সুেহকলঃ १ (म्हकनपृत्कनः ৮। अग्रखनाः । রসে কটুত্ব•। তিকত্ব•। মধুরত্ব• । তুররত্ব•া গুৰুত্ব•। বিপাকে কটুত্ব• चानुष्यः। जिस्राद्यः। डेकद्वः। कक পিত কারিত্ব। বল্যত্ব। কেশ

इडिक् । इन्यामंद्र । कुन्द्र । . खन्द्रः। वूरा हिञ्दुः। प्रस्तुः। অল্ল মূত্র কারিজ্ব • 1 গু। হিজ্ব • 1 বাত-মুকু। অণুমভি দুদ্ভৃঞ্। ইতি ভাবপুকাশ:।। वर्गकाविद्यः॥ 🕸 ॥ कृषः भथाज्यः नित्वा श्वराधानः क्रीनाः किलारन्। विवास हेि इन्न निर्घणेः॥ जिला । दृष्यः (गुरुजन ন্তেযু শুক্রলো মধ্যমঃশিতঃ। অন্যে হানভরাঃপোকা স্তাজ্ঞ রক্তাদ্য खिनाः ॥ ইতি ভাবপুকाশः ॥॥॥ তভৈলভণাঃ। অলক্রত্ব। কেশ্য-षु । मयुत्रव । ठिक्कव । कवाव উष्ध्व । जीक्वय । वन कातिय । কফবাত জন্ত থজ্জু বুণ কণ্ড্তি नानिव्। काहिमव्। वखानाङ् शान नजा कर्नाकि भ्दर्गष्ट् रिख्यक । इणि दाक्रिकंग्डः ॥ ठियकानकः । वथा। (नद ७ क् भुनात्म बिखार्ग 'মে সরস্বতী! ভেনাহ দৃপ জানানি ভान्मङा खिल यथा। इंडि काविमात्रः॥

िनकि क्री क्लाम ॥ क्कवर्ग-स्मोवर्ह**नः। इ**ज्यमद्भः॥ स्मोवर्हनः। ইতি मिनि ॥

ভিলক: शुः शूद्रक्वित्नमः।

ज्थभर्यायः। विष्मवकः २ सूथ-নওনকঃ ৯ পুত্রুকঃ ৪ পুত্রুঃ ৫ ছির-भूत्री ७ हिन्नकरः १ मध्यकरः ४ মৃতদীব: ৯ তক্ণীকটাক্ষকাম: ১০ वामसमून्मद्रः >> मूक्षक्षः >२ ভानिविं ज्याम छः ১० পু झागः ১৪ त्तर्रकः १६ । इंडि ताजनिर्घणः॥ क्षत्रकः १५ बीमान् १२ शुक्यः १५ ছত্রপুরকঃ ১৯।ইতি ভাবপুকাশঃ ॥ অস্য গুণাঃ। পাকেকটুত্ব। বাত পিত্ত কফ নাশিত্বণ বলপুষ্ঠি মেদঃ काङ्गिद्धः। श्रम् । द्युष्यः ॥ छन्तुः शुनाः। कवायवः। छेक्छः। शुन्छ मछ দোষ কৃমি শোক বুণ রক্তদোষ नानिव्या है जि द्राजनिर्घक्ता 🕸 ॥ मदीवर जिनः। ज< शर्यायः। **जिनकाणकः २ । ই**ज्यानदः ॥ कानकः ७ लिलुः ८ बपूनः ६। **३७ (१२**)न्मुः ॥ 🕸 ॥ भक्वकः ! ইতি রহ্নালা।। অশ্বভেদঃ॥ রোগ (छपः। ইতি मिषिनी ।। (भवगा निमान नकाश यथा। क्षानि छिन माजाणि नीक्षानि ममानि है। বাত পিত্ত কফোছেকাৎ তান্ विम्यां डिनकानकान् ॥ इंडि नावरकतः ॥ शुकाःन वि । हेकि

नानार्थ्यनिमञ्जदी।।

हन्स्ना दिन। भु॰ क्री ভিলক: ननारोपि हामभाष्ट्रम् क्उ विद বিশেষঃ৷ তৎপৰ্য্যায়ঃ৷ ভনালপত্ৰ•২ চিত্রক তবিশেষক । ইত্যমরঃ॥ তম্য थाद्रा भुकाता यथा। पामभाव्य वनारे। दिनक र इतिमनितः। मानास्य रेनकवः कूर्यप्राट शुर्छाकः কৃঞ্নামভিঃ॥ বানে বক্ষসি নেত্ৰান্তে ॥ গণ্ডে ২০নে শহ্র চিক্লিত। তথৈব मिक्ति कुर्य। प्रदिश्काकि के गूरन ।। अ।। बनाएं किन्व विष्ता कर्छ **প্রিপুৰু** যোভম•। বাম ৰাছৌ বাসু-(एव॰ भरत्र मास्मामत्रस्था।। नाट्नी नाजायगरेक्षव माधव क्रमाय उथा। (गाविन्तः एक्टिए भार्ष्यं वात्व रेष्ठव जिविकम• ॥ विक्षु• मत्या कर्भाः मकित्व मथुम्मनः । भिद्धामत्यु হ্বীকেশ। পদানাভক পৃষ্ঠঃ॥ क्रब हां न म नामानि गठिवा छिवा कानि जु। यः कूर्यादिकरवा निज्रः कार्भुम ङ किमान्यार ॥ अ॥ (य क्शे नम जूनमी छव काश्वमाना (य মানশাঙ্গ হরিনান ক্তোর্জ পুঞ্জাঃ যে কৃষভক্তি সুদ্চ। ধৃত শহ্ব চকা। एउ दिक्षवा जूवन माणू शविवंय छि ॥

॥ 🕸 ॥ তিলক ভূর্নপুঞ্ছাথ্য 🗝 মধ্য हिनु क् नावम। यमि कुर्याहनाएँ তहिरायः इदिमन्दिन।। **आनामा** মূলদাশিত্য শিরোমধ্যগত মূনে। क्तिशाराक्र नामाम्य मात्रछ। यत्र उः॥ इतिमिनित वट मर्ब छन्।-थानज्ञ श्वक्। **श्विताधानज्ञ** श्रीय॰ यखिनक भूजी नाइब ।। योगन **छा**ङ्ग विरक्षयः यमि सम्बन्धान्त्रां क्रांक् क्ष ।। यर्षायुशुः ভिषकः त्याङमः তথ্নোহর•। তথ্য পাত্রেগঞ্ धिनमुन्नानुकः निनः ॥ छ। 🗐 রামোপাসনা যন্য ভিলম্ব তজু भुष्कुक । खुरवा निका सदिनामाह रि विश्व मानाइब ॥ 🕸 ॥ लातः नर्या-ব্তারাণা॰ নৎ স্পাদীন বেশেষতঃ। উপাসকানা ভিলক কেবল ছরি-मन्तितः ॥ ६ ॥ छेर्ष् त्रूषुः विकः कुर्गा किसाना छोष्य हारिकाता-नां छ ७ था विशुक्तास्म । #: णहिनु नृत्री १७ छ सकुर्वा छ कना ধনাঃ। ভেৰা• ঘলাটে সতত॰ শুনঃ भारमा न म॰मयशाम् हो ভारत चिका-जीनामहित् नृत् शुक्षक । कार्यः कृष्मबृजि॰ कृष्म। दश्चिमाहा मरमञ्जू श॰ ॥ 🛊 ॥ वदावे मिक्स वुकावंत्र-

দামে মহেশ্বরং।মতে বিজ্ববৈদ্যিত্য 👭 ख्याग्रधाः न (जगरय । क्षावर्ज्ज् नः जियं। गहिनु • इम्र • नीर्य • जरु • नजू। লক্ষণসংযুক্ত বিলক যদ্মিরর্থক ॥थनिव यशि कुक्ष जिल्ल मुकुता-क् इः । विशु अ विकिन्तु के विवकः यमित्रथंक।। भुगान्ड्रेक् भू थुन्र मीर्घः न्यार किन वक्ष्में। योनाना म्न मात्र उद्भवसी गठ यदि ॥ भू पू-रिम्यकासूनः (भाक मायकः घ्रसूनः বিশি। ক্ষতিযে ব্যঙ্গুল তদ্মু।কাণে চতুরজুল·॥ नामिकोया क्रिভारेग-কো ভাগো মানেন যো ভবেং। ভু (वा संवाहदः हानः मूल माङ्-र्मनीविगः॥ अ॥ तुक्काती ग्रहण वान शुरहा या छा छा । कूर्या च हुन **भू थुः छ**रिष्मवा इति मन्ति ।। दिक्या विशु कुना (क्ट विषा म्मू । अका-॥ मुमाः। यमृक् शृक्ष दिज्तू छानव क्रिमन्दित्र । भवता वाश्यक्ष वा नाजी युनि कृष्णिथा नाज्य। यञ्ज सन्मी भावा मक्षायां। इतिमन्तिन ॥ गद्याः क्ट्रिमु न कूर्गाम खिलक यि देवकवः ॥ । শ পদ ত ছিত। তুল্য ভবেমারদ बानुथा॥ 🚓 ॥ मुखाकात्र हित्तथः यिवनकः मृनकागकः। मध्रहिनु छ

७८ शुक्त कार्कुशृक्षुः मानाहतः ॥ व्यथामुशातु किनकाकातः जिनक मूडम । मध्रहिमु यूग्रादिश मृष् পूष् भूकी डिंड · ॥ 🕸 ॥ जीर्थ मृष्ड কাষ্ঠঞ্চ বিশ্বে। মলয সম্ভব । অশ্বত্থ जूननी मून म्डिका लाइम्म् ह।। बाइ वी म्बरानिष जूननीकाष्ठ-भिवह। कल्री क्कूम कल्लु निन्द्र इक्टन्तन ।। (गाद्गाहन। गक्तकार्ड-कनः ठाछक (गामयः। शाबीम्नमः ন্দ্রে হরিত্রা গোগৃহল্য । স্থানান্তে नर्ववाना मानुनाना खरेथवह । अलानि **डिनकानालः मन्तामि मृर्ब** कर्पभू॥ 🕸 !! व्यशिष्ठ । गक्षामृजुननी मून मृजिका मनार्याख्य । नार्या শ্চরণ সংলগ্ন: রজো মৃদ্ধোর্দস্য ।। या श्याप मृत मृहाभी हनतन जीर्थ मृक्तिका । कुक्रूमः जूननी काक्षः रेवकवाक् व मृखिका॥ शादाहना D क ख़ुती रु ति मा ७ क B प्रान । वन्ती क मृक्तिका गक्षः शम्मकः इतिहन्सनः॥ গন্ধকান্ত মহানিখে৷ যমুনাতীর मृक्तिकाः। अक्षाप्तरका दादिगी नाष्ड्रियका बला। क्वानुन्हिरिन म्नान (मरेड र्गक्रम्मानि जिः। हाक्र यिखनक गुर्म उम्राम् दिक्दैक

निकाः यटकित्थिट कर्य नाइक। वर्गाभुमाना॰ जन्नाखि नानाखि डिनक विना। कर्य वर्गामुमागाः म्याट रेमव रेभव न जटकन । मान अक्षा शक्ष्यकान् रेभवः श्चांमामि कर्य यः ॥ विना जिनक দৰ্ভাৰ্যাণ কুৰ্য্যান্তনিম্বলণ ভবেৎ। ইতি পাদ্মোত্তরখণ্ড•॥য়॥ বীক্যা-मार्म जान वानि या विमधार भुयद्भंतः । উषानृषु भाषा नामा স্ যাত্তিশর্মাঙ্গতি ।। ইতি পাদ্মে भाजावथ**७**।।क्षाः निवागस्मिन रैं स थार्गः डिर्गक् बिश्रुकः। বিফ্যাগমে দীক্ষিতত্ত উদ্ধৃপুণু বিধার্যেৎ ॥ ইতি নাগোঞ্জীভট ধ্ত স্তস হিতা।।

जिनकरेः भु॰ जिनमात्रकः। जिनहर्गः। ইতি सदार्थकन्नज्यः वारकत्राक्षा।

ভিদকা জी श्राहर छनः । ইভি कर्राष्ट्रहाः ॥

তিল্কালকঃ পু॰ শরীরহুতিল:।
ইত্যমর:॥ তিলযুক্ত:। ইতি তড়ীকা
তিলকাশুয়ঃ পু॰ ললাট•। ইতি
শদার্থকন্নতকঃ।।

श्रुत्। के। कामा तिमिलिक विष्कि विषकि विष्कि विषक्षि विष्कि विषकि विषकि विषकि विषकि विषकि विषकि विषकि विषकि विषक्षि विषकि व

ভিলকী বি তিলকযুক্ত:। যথা।
শিখী ভিলকী কৰ্ম কুৰ্য্যাৎ। ইতি
মৃতি:।।

তিলচিত্রপত্রকঃ /পু• তৈলকদঃ। ইতি রাজনির্ঘণীঃ।।

তিল্চুর্ণ ক্লী চুণী কৃততিলং। তৎ প্রথ্যায়ঃ। তিলকল্প ২ পলল ৩ ০ পিষ্টক ৪। অস্যুগ্ণাঃ। ন্যুরত্ব । ক্লাডুর্ব প্রিদত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘটিঃ॥

ভিলতগুলক ক্লী আলিস্বন । ইতি শ্বনালা॥ ভিল নিশ্বিত-ভপুলক্ষ॥

তিলতৈল লী তিলগ্নেহঃ। তিলেষু
তৈল । ইতি ব্যাকরণ ।। অস্ত
গুণাঃ তিলশন্দে দুষ্টব্যাঃ॥
তিলবেনুঃ ন্ত্রী তিলনিমিতাধেনুঃ
। যথা। বিধান তিলধেনা ত্ত্ব
বুহি শীঘু দিলোভম। মুনিঃ পুনহ
বিধান যথ ত চুণুষ্ব নরাধিপ।।
বোডশাচমণী ধেনু কতুর্ভির্থ সা

को ভবেৎ। ইফ্দগুন্থাঃ পাদা म् लाः भूममयाः णु जाः॥ नाजा गक्ष-भयो जना बिखा ७ प्रयो ज्था। **इिंडा• कृकाबिता (धनु• वारमांडि** ৰ্মিতা শুভাগ সূত্ৰেণ বাসিতা সমাযুক্তা• মন্ত্ৰপুঞ্জান্ত দাপবেৎ।। অন্ন নে জায়তা সদ্য: পান সপ্ত त्रमा खथा। कांभि मज्ञाभयायाकः ভিলধেনুমুপাৰ্জিভা:॥গৃহামি ড্বাণ (पवि ভক্তा करूँ शार्थ विष्णव उः। करें है काम क्क डा डिन स्थान নমোহস্ত তে ৷ এব বিধা নরে ছত্বা जिनायनुः न्लाडम । मर्दकाम সনাগুত্ত প্ৰতে নাত্ৰ সংশ্ব:॥ ইতি পাদ্মে সৃষ্টিখণ্ড।।।

जिन्तर्भ क्री **हन्दन•। इं**डि हान-নিষ্টঃ।। ভিলবৃক্পত্ৰ।।

ভিলপণ: পু• শ্রীবেষ্টঃ।ইভিন্নাজ-मिघं छै:॥

তিলপর্ণিকা জী রক্তচন্দ্র-।ইতি তিলৌদন- শ্লী কৃশরঃ।ইতি হারা-(इम्हन्दः॥

ভিলপিছট লী ভিলপিষ্টক। ভিল

जिनिशिक्षः भू• निक्षन जिनक्षः। जिन् शु• (नाधुः। ইত্যনরः॥

ইভ্যমর: 🛚 তিলপেনঃ পু॰ নিয়ুলতিলঃ।ইত্যমরঃ जिलमगूतः भू मगूत्र विरम्पः। छ भर्गायः। धक् फेकः २। १७ ত্রিকাওশেবঃ ॥

क्ञा शक्तक नमक्ञि। नाची विधि । जिल्लानः र् पु॰ जिल्लेखनः। इंजि नदार्थकव्यकः ॥

ভিলয়েহঃ পু॰ ভিল্ডৈল । ইভি नदार्थकन्न उकः ॥

जिनाकि जेरनः श्रु रेजनक्रः। इंडि द्राजनिष्णेः॥

. जिलाभज्या की क्षणीयकः। इंडि मद्रान्त्रा॥

তিলিৎস: পু• গোনসসর্গঃইড়াইরঃ ठित्वासमा जी सर्वना। हैडि শব্চন্দ্রকা।। তস্যা নাম কারণ॰ यथा। जिल-जिल्न-ममानीय त्रज्ञाना॰ যদ্বিমিতা।তিলোভমেতি তভ-স্যানাম চক্তে পিতানহং ॥ ইতি মহাভারতে আদিগর ম

वनी।। 11

তিল্পণী জী রক্তচলনে। ইত্যমর: তিল্য লী তিলক্তেত্র । তৎপ্র্যাবঃ! रैडनीन २। ইडामंत्रः॥

कृषे। इंडि जावा। इंडि (किटिशा डिल्ला । गाउँ। इंडि कविकन्नक्रेशी

শেভলোধু: । ইতি ভটীকাষা।
সূভ্বি:।। রক্তলোধু:। ইতি স্বামী।।
ভিল্ক: পু• লোধু:।ইভিরাজনিষণ্টঃ।।
ভিদ্ধু: পু• সন্ধ্যাকাল: । বথা।
আভিদ্ধু অপন্ সন্ধ্যা• পুক্রান্তা
নাযভীগব•।ইভি ভটি:।।

जियाः श्र भूषा नक्ष्यः। ইटामतः ॥ भोषमानः। ইতি भवत्रद्वावनी ॥ किन्यूनः। ইতি मिनि ॥ जियाकः श्र भोषमानः। ইতি भवत्रद्वावनी॥

ভিষ্পুরা জী আমলকী। ইভি-অন্চন্দ্রকা।।

िका की जामनकी। इंडामदः॥ जिका की जामनकी। इंडि नद-द्रशावनी॥

ভিছা পু• ব্যাধি:॥ ব্রীহি:॥ ধনু: । সভাব: । ইতি সংক্ষিপ্তসারে ॥ উণাদিবৃত্তি:॥

ভীম য ক্লেদনে। ইতি কবিকল্লজনঃ।। তীর তক কর্মণা সমাধৌ। ইতি কৃষিকল্লজনঃ।।

नितं की निर्मेक्न । ईडामतः।।
गुकाजीत वथा। नाष्ट्रमंड

यावट गर्जंड सीत मूहाउ। जानु

क्काइसम्भाग्यावनाक्रमांड कनः

। ভাষন্তি বিজ্ঞানি যাৎ ভদন্তি ভীরমুচ্যভো।ইতি পুাযাকি ভতত্ত্বং ।। শাযকঃ।ইতি ত্রিকাওশেবঃ।। ভীরঃ পুল ত্রপু।ইতি মেদিনী।। ভীরভুক্তিঃ পাল দেশবিশেবঃ। ভীরহোৎ হিতি ভাষা। ভৎ পর্য্যায়ঃ। নিম্নবিঃ ২ বিদেহঃ ৩। ইতি ত্রিকাওশেষঃ।।

তীরিত শ্লী কর্মণা সমাপ্তি। ইতি তীরধাতো ভাবে ক্ত পুভ্যবেন নিমুমণা

জীর্ণ: জি উত্তীর্ণ:।। সভিত্তঃ। প্লুড:। ইতি তৃধাতো: কর্ডরি জ পুত্যযেন নিয়নঃ॥

छीर्गमी श्री जालमूनी । इंडि नंद्रिक्षिका॥

जीर्थ की भाष्य ।। क्षुतः ॥ क्ष्व ।। जेशायः ॥ नाष्ट्रीतकः ॥ जवजातः ॥ श्विषुष्ठाषु ॥ भाष ।। जेशाव्यायः॥ गर्जी । इंजि भिति ॥ (यानिः ॥ मर्भानः ॥ घष्टः । इंजि एक् महन्तुः ॥ विभुः । जागमः॥ निमानः ॥ जिल्लः । इंजि मः क्षित्रमात्व जेशानि वृद्धिः ॥ इंखि केशिन यथा। ज्यक् -जारग् जीर्थः रित्र श्रमाकृत्न्याम् (न कारग जीर्थः रित्र श्रमाकृत्न्याम् (न

जेथ ।

म्ल खङ्खमा वाका । ইতামর ।। 🥦 ॥ जीर्थः विविधः। यथा। 'बक्न') मानमः २ **इ।**बद्र' ७। उथाइ । वाक्षां बक्षाः डीर्थः निर्माण नार्वका निर्माण । यदाः वारका एकरेनव शुक्रान्डि स्निता कनाः॥ अ॥ व्यर्गाः क्रा मृग् छीर्थानि गम्राज्यान्यानमानि न्यानस्य । (ययू नम्हर्क् नद्रः माद्रा भुवाञि পরমাণ গতিং॥ সত্যং ভীর্থ ক্ষমা जीर्थ जीर्थ मिल्पिय निगुक्त मई-ज्**उ**म्या छीर्थः नर्दबार्क्क्व स्मित्र ॥ मानः जीयं मन् खीयं नाडाय ন্তীর্থ মূচ্যতে। বুন্ধচর্য্য পর্ ভীর্থ তীথঞ্চ পুৰবাদিতা।। জ্ঞান• তীর্থ धृि छीयं भूगा जीयं मूमाइ छ। তীর্থানা মপি তত্তীথ বিশুদ্ধিমানসঃ 🗝 পরশা এতত্তে কথিত দেবি মানসং তীর্থ লক্ষণ ৷ ঋ৷ ভৌমানা মপি डीर्थानाः भूगुर्द्ध काइनः भृगु ॥ यथा শরীরস্যোদ্দেশাঃ কেচিয়েধ্যতমাঃ মৃতাঃ। তথা পৃথিব্যা মুদ্দেশাঃ কেচিৎ পুণ্যতমাঃ মৃতাঃ॥ পুভাবা-দভুতাভূমে: সলিলস্য চ তেজসা। পরিশৃহামুনীনাঞ্ তীর্থানা পুণ্ডা মৃতা ॥ তমাডৌমেরু তীর্থেলু..

নানসেষ্ট নিত্যশঃ৷ উভযেষ্পি যঃ ন্নাতি স যাতি পরমাণ্গতি। ॥ 🕸 ॥ তীর্থাগমনে দোষো যথা। অনুশোষ্য ত্রিরাত্রাণি তীর্থান্যনভিপম্যচ। व्यक्ता काक्षन गाक्ष महित्ता नाम व्यशिक्षांमानिक ये देख विश्वा विश्व क्किराः। न उद कन मवाद्यां उ जीर्था जिनामानन यह ॥ 🗱 ॥ जीर्था-न्यत्रम् श्रीतः भुष्यानः मभाहिजः। ক্তপাপো বিশুখ্যত কিং পুনঃশুদ্ধ कर्म क्टााि क्यािन न रेव शहर अरहरमन ह कायल । न मू:थी म्राट यर्ग जाक् ह भाक्ताभायक विनर्षे ॥ 🗱 ॥ जीर्थ कन जानिता यथा। যুদ্য হস্তোচ পাদোচ ন্নকৈব সুদ্র-যতা বিদ্যা তপশ্চ কীৰ্ত্তিশ্চ স তীৰ্থ ফল মানুতে ॥ পুতিপুছাদুপাবৃত্তঃ সন্তঃষ্ঠা যেন কেনচিৎ। অহন্ধার বিমুক্ত স. তীর্থ ফলু মশু তে ॥ व्यमाञ्चिका निदादस्या वद्याहाता जिर्जिनुषः। विमुक्तः भन्नं भरेक् यंः न जीर्थक्त ममुख ॥ व्यक्ताना १ननमिकः मञ्जानी मृष्युकः। আত্মোপমশ্চ ভ্তেষু স ত্থি ফল मनुष्ठ ॥ अनुम्दानः नानाजा।

ना खिरका शहम में भयः। (इज्निष्ठक পৰিতে ন তীথ ফল ভাগিনঃ৷৷ইভি काणीय छ।। 🗱॥ जीयराजा विवानः गथा। या यः किन्धि खीश या वा खु गहि ८ সূস-যতঃ সচ পূর্বি পূহে যে। কৃতো-भवानः मूहित्रभूमखः मःभूकाय छकि नामार्गार्गारम्यान् शिवृन्द्ाक्षाः रैक्टर माधून श्रीमान् श्रीगयन् विख मक्ता भुवदार । भुजामजन्हानि भून उरेशव (हवान् भिजून् बाक्रागान् यन्कः कनः उৎमात्राज मन्तर्वेव । ইতি वुक्षभूद्रागः।। भा भुगाम छीर्थ याडाया॰ निज् माज् विरयागडः। कहाना वर्गन कर्गाट वृथा न वि-কচে। ভবেৎ।। ইতি ভবিষ্য পুরাণ• ॥ 🗱 ॥ डीर्थ यांजा जमात्रस्त डीर्थाए প্ত্যাগমে পিচ। वृष्किमाञ्च भु-वर्षी ७ वर् मर्लिः ममन्त्रिः।। ইতি क्ष्रीत्रागः ॥ 🗱 ॥ अथर्गना छ-बाहाबार शहसातन या नदः। নিয়ন তস্য ভত্তীর্থ ভ্যামান विवर्जायर ॥ इंडि मर म्युत्राग्नाका। नम्र नद्र विमातान भूनडीर्थ बुल्लामि । मूखनाकाशवामक उना यङ्गन कात्राय८ ॥ इंडि गङ्गा-

विकान यथा। न भन्नीरका विक-

(ভाषा वर्व हि। नेक् जिः नि अस्म क क् नानायमन है। कर्डवा वृद्धि पृष्टै शिगारकव थएन। भाषाके अब जू कर्वरा मर्गा-वाहन वर्षिञ् ॥ अकारमभावता कात्व डीर्थम्। केह डर्भन । व्यवि-नायन कंडवार तिया विम्न नमाहातर ॥ यमक्रि जीर्थभाषिः माान्यां १३: পূর্ব বাসরে। উপবাসশ্চ কর্ত্ব্যঃ भारि शक्ति भाषामा अविधानि প্রাস: কর্ত্তব্য: শিরসোমুগুন-তথা া শিরোগতানি পাপানি যান্তি মুখন-তো यजः॥ जीर्थः भागा भुमांक्न मानः डीर्थं मभागद्र । मानबःकन মাণ্নোতি ভীৰ্থযাত্ৰাশ্ৰিত নতু॥ইতি काणीथ ७ ।। मू अन्यकार्गनामण नर्वजीत्थ त्रयः विश्वः। वर्वविद्यागयाः गकाः विभावाः वित्रबाख्या॥ ইতি क्राम्(।। क्रा। वाउमा म न न जंख यः भन्नार्थन गह् छ। यक् छीर्थकन **उन्ध यः भुमाद्यन ग**हिं ॥ ইडि रेभठीनिमः॥ माभायर मिया-मीन् खाजी खीर्थ नात्राखमः। यन्।-थागर्वास्त्रात् वनासीर्थं चवःकनः॥

इंडिकानरः॥ भाउतः शिउतं बायाः ज्ञाजप्रः मूक्रारः ध्यः। य मूप्तिना নিম্জ্রেড অইভাগ লভেড সং।। ইতি পাুয় শিচ ভতত্ত্বে নাৰ্কণ্ডেয়পুরাণ-॥ 🛊 ॥ कलो डीर्थानाः भृथिव्याः क् जिकाला यथा । अत्रवजी भूग क्षित्र मासगाम ह जीत्रकः । गन्। শাপেন কল্যা স্ফু ভছৌ হ্রে:পদে ।। পশ্চান্ত গারথা বিভা মহী । ভাগী-त्रथी मूखा। ममाबगाम, कनया वागी শাপেন নারদ।। পদ্মা জগাম কল্যা সাচ পশ্মাবতী নদী। ভারত ভারতী শাপাৎস্বয়•তছে ইরেঃপদে া কলে: পঞ্চ সহসুক্ষ বর্ষ হিত্তাচ ভারতে ৷ জগুম স্তাশ্চ সরিদুপ বিহায প্রিহরঃপদ।। যানি সর্বানি তীর্থানি कामी वृन्तावन विना। बामाडि ত। जिः नार्षक दिवश्रेमा ऋगा रहाः ॥ 🕸 ॥ जीर्थभुष्ठि गुर्ह (मार्या यथा ৷ তত্ৰ নারায়ণ কেত্ৰে অক্লেত্ৰে **क्रि: नर्म । वात्रागन्त्रा॰ वन्**र्य्राक्ष গঙ্গাসাগর সঙ্গো॥ পুরুরে ভাকর ক্তে পুভাসে রাসমগুলে॥ হরি-দ্বারেচ কেদারে সোমে ব্দরপাচনে ।। अब्रच्छी नमी जीव्ह भूत्य वृन्मा-ब्राव्य व्यव । शास्त्र वर्षाक्ष को निक्रां

বিবেণ্যাঞ্ছিশীলবে।। এতেমুন্যসূ रया मान পুভिण्हा कि काम खः। সচ জীৰ পুতিগাহী লম্ভীপাক भुवाि ।। हेि वुक्तरेवदार्ख भु-क्डिथ ७ ।। 🟶 ।। याना रिना गमान रमारवा यथी। भूगार्क रव्रा वात তদৰ্ম ছত্ৰ পাদুকে। তদৰ্ম তৈল মা সভ্যা সর্ব হরতি মৈথুনে॥ इंडि कर्णामाहन ॥ #॥ यूगास्त ভীর্থ বিশেষস্য শেষ্ট্র পাছে। ক্তেতু পুঃর ভীর্থ বেভাযা रेनिमयस्था। द्वाभात्रज् व्यक्तमञ् कलो गका नमानुखर ॥ अ। ञीर्थमः था। जिनुः कार्हित १ क्ति। हो जीर्थाना वायुत्र व वीर । দিবি ভ্ব্যম্বরীক্ষেচ তানি তে সম্ভি बाइ वि ॥ 🕸 ॥ व्य ভूम अनम् शामकिलान जीर्थान यथा। भूद्र । তত্বু বৃদ্ধণঃ ছান· তীর্থরাজেতি নানা খ্যাত তত্ৰ ত্ৰিসন্ধ্য দলকোটি তীর্থান্যায়ান্তি। তস্যুক্তল অস্থলেধ তুল্য ৰুক্ষ লোক গমনঞ।। बहुमार्गः २ जिमा कन- वाचामध তুল্য বিষ্ণু প্ৰাপ্তিক ।। তণুলিকা-म्भः ७ जम् कन मूर्गां विनोमः वुकालाक शासिक ।। व्यवस्थान ।।

ও ভৰ্তিৱাৰোপবীসেন বাজপেয ভুল্য ক্রণ শাকাহারেণ কৌমার-লোক পান্তিক্যা ধর্মারণ্য ৫ তত্ত্ব ক্যাশুনঃ ভস্য ফল পুবেশ নাৰেণ পাগক্ষঃ দেব পিতৃ পূজনেন ष्यश्रम् जुनाः कन् विवृश्लाक পুাপ্তিক্ষা য্যাতিপত্তন ৬ ত্র গন্নেৰ অখ্যাৰৰ যজ্জতুল্য ফল ।। কোটিতীর্থ• ৭ তত্র নহাকাল স্তিৡতি ক্লানেন অশ্বমেধ তুল্য ফল।। ভূদু-বটঃ ৮ তত্ৰ উনাপতি স্তিগ্ঠতি তণ্দৃষ্ঠা গোসহসু দানফল-তস্য গাণপত্যঞ্ ভব্তি ৷৷ নম্মদানদী ৯ তত্ৰ পিতৃ দেবভর্মণাৎ অগ্নিষ্টোমতুল্য ফল ॥ मिक्किनिक्कः ३० ७७ दुक्कहरयान ॥ অগ্নিষ্টোমত্ল্য ফল জিদিব প্রাপ্তি **क ॥ हमाँ३ जीनमी ३३ ज**खनिमुग-স•য্মনেন জ্যোতিষ্ঠোম্ফল গাহিম-বংসূতাৰুদঃ ১২ তত্ৰ বশিষ্ঠাশুনঃ ভিমান্নেকরাত্র বাসেন গো সহসুদান ফল:।। পিক্জীথ: ১৩ ভরেন্দ্রি স্বৰ্থমনেন স্বৎস শতক্ষপিকা দান ফল ।। পুভাস: ১৪ ওক হ ভাশন বিষ্ঠতি তৰ স্নানেন অগ্নিষ্টোমাতি-क्रीबरयाः **कन-॥ अत्र**सञी जागत-मक्षाः ३६ ७व मानन (गामर्मुनान

ফল ত্রিক্নভোপবাসেন পিতৃ দেব তৰ্পণেনচ অশ্বমেধ ফল• ॥ বরদান• ১৬ यव विकाद मुझानना वादा मछः **७** इत्तिन श्रामेश्यु मान कला।। দ্বারবভ্যা• পিঞারক তীর্থ• ১৭ ভত্র পদাচিক্লযুক্তা মূদ্য: শ্লচিক্লি ভানি পদ্মানি অন্তংপি দৃশ্যন্তে মহাদেব खिक्षि म्रांतिन देख् मुदर्ग यद्धकन्।। नगु पुनिक्षु नक्षाः ১৮ छव नातन পিতৃ দেব তপ্ণেনচ ব্ৰণলোক পুাপ্তি:।। দ্রিমীতীর্থণ ১৯ তত্র মহা-দেব স্তিষ্ঠতি তত্ৰ স্নানেনাশ্বমেধ **कन• महारित मन्नाईना** ज्या• সর্বাপ নাশঃ।। বসুধারা ২০ তন্যা দশনেৰ অশ্বয়েষ ফল- রানভপণা-ভ্যা•विक्रुलाक्ष्राधिः॥निक् इम॰२১ **७** ज्ञातन वङ्गूवर्ग यञ्ज्ञकन ॥ य दुव्यः २२ ७७ गम्तिन वुकालाक পুান্তিঃ।।সমারিকাশকতীথ ২৩ তত্ত স্থানেন বিমলক্ষ্ণভবতি ৷৷ পঞ্চনদঃ২৪ তত্ৰ পঞ্চজুফল•॥ ভীমাস্থান•২৫ তত্র স্মাত্বা নয়ে৷ দেবীপুত্রো ভবতি গোসহসুদান ফলঞ্চ লভতে ॥গিরি-ৰঞ্জ ২৬ তত্ৰ বুন্ধা তিঃতি ভস্য নত্যা গোসহসুদান ফল।। বিমল-ভীর্থ:২৭ খদ্যাপি ভত্ত সৌবর্ণ রাজভ

মুৎস্যা দৃশ্যন্তে তত্ৰ স্থান পানাভ্যা• বাজপেয়ফল• ৷৷ বিতস্তানদী ২৮ তত্ৰ তৰ্ণনৈ বাৰপেয়ফল স্বৰ্গপাপিক ।। কাশ্মীরে বিভস্তাখ্য ভক্ষক নাগ-जरन २० उव मानन वाका नयकन विकृत्वाक भाशिको।। भमभना ७० छ व नाय नक्षाया नीतिन नशाहित् हरू नित्तरानन् अश्वरम**ध मह**र्गा-धिक कनः॥ क्षाम्भरः ३) उउ महारम्य मर्भनाट अध्यामश कनः॥ মণিমান্পর্বঃ ৩২ তত্র ত্রিরাত্রো-পবাসেন জ্যোতিঃস্তামফলণা দেখি-का नहीं ७० छक महास्व झान **७** जान महारिक रणनाच्छा• अङ्गारम्याय हक निर्वासन ह अई काम भाशि पित्रामाक भाशिक । _रिविकायाः क्युजीयः छब मानार সিদ্ধি প্রাপ্তিঃ৷ এবং ছেবিকাষা থজন याजन तुक्तवानुक शूनन्।म् म • छः-कानि जीर्थानि उत्रु मानार मद्रग , ভয বিনাশ: ॥ দীর্ঘসত্র ৩৪ তত্র গমনাদেব দীর্ঘসত্র ফলপ্রাপ্তিঃ রাজ-ज्याश्वाय कन भाषिकः॥ विनम्बन ৩৫ (মৰুপৃষ্ঠে অন্তৰ্ভিত) সরস্বতী যত্ৰ ষাতি সা চমসভীর্থে এবং শিরো-ज्जिल नालारज्जाम्ह मृन्याउ हम्या.

मानार वाजालय कनः नालाएउए ম্বানাৎ নাগ**লোক প্ৰা**প্তিঃ।**শশপান**-তীৰ্থ ৩৬ ভত্ৰ শ্বানাৎশিববদীপ্তিঃ (गा नश्कु मान कल भाष्ठिक ॥ সমারকোটা ৩৭ তত্র স্নানেন পিতৃ रम्व भूकतन ह भवान्य याग कन शुक्तिः ॥ कृष्काही ०५ यव काहि श्रीवारा भिविछ। अरुमार्गु कृष् দুক্যামীতি পুছিতানা তেষা नासायार्थः अका क्षुःकारिम्र्डाया २७वट । তब ज्ञानाट वार्थामध यन शाक्षिः काला**ष**त्रगक्ष ॥ **ग**त्रत्रजी-সঙ্গমংগ্ৰ তত্ৰ জনাৰ্ছন স্তিষ্ঠতি ভত্ত मानार वक् मुवर्ग यागकन भाषिः॥ স্বাবসান ৪০ ভব গ্ৰানা (গাস্ভ্সু দান ফলপাপ্তিং৷৷ লকক্ষেত্ৰ-৪১ ভত্ৰ গমনাৎসর্বপাপক্ষয়:ভত্তো মচকুক দারপালস্য নম্ফারেণ গো সহস मान कन्यु। थिः॥ विक्रुशान १८२ जब ज्ञानाट विकृषमंनाट अश्वामशकन॰ বিফুলোক প্রাপ্তিশ্চ ৷৷ পরিপল্পব ৪৩ তত্ৰ অগ্নিষ্টোমাতিরাত্র বাগ কল পাপ্তি:।। পৃথিবীভীথ • ৪৪ তত্র গো मर्म मान कनः॥ नान् किनी छीर्थः ৪৫ ভৰ দশাখনে খিকে সানাৎ গো मर्मु मान कनः॥ मर्शिक्वी ६७

সা নাগড়ীর্থন কত্র গমনেৰ অগ্নিষ্টো-अक्न-नागरनाक शाखिक ॥ व्यवनक ছারপাল: ৪৭ ডবৈক্রাত্র বাসাৎ (गाजर्जु रान कन नाशिः॥ ११०नरः ৪৮ভৰকোটি ভীৰ্থে ন্নানাৎ অশ্বমেশ্ব কল ।। অশ্বিতীৰ্থ ৪৯ তত্ৰ ৰূপ शािशः॥ वतार जीय • १० यव वतार ৰূপী বিষ্ণু: ছিডঃ তত্ত্ৰ সানাদ্মি-होन कन्याधिः॥ बवडाः ৫) उब (जामजीत्थ ज्ञानार ब्राबज्य कन পুান্তি: ৷৷ একহ • সভীর্থ • ৫২ ভত্র গো गर्नु राग कल्पाछिः॥ क्उलीहर ৫০ তর গমনাৎ পুওরীক বজ্ঞফল नाशिः ॥ मूझावरे ठीर्थः ৫৪ उनु भशाप्तवद्यान**•छोबक त्रव्यनी**वाजा গাণপত্য পাুঞ্জি:তবৈৰ বিশালাকী यकी मर्भनाट महंकाम भाकिः॥ कामन्त्रशाक्ष् भृद्वत्रञीर्थः ৫৫ ७व ন্ত্ৰনভ্যা-হ্যমেধ ফল-৷৷রাম্-ट्रनः ७५ यब त्रारमण काव मूटनान তেবা রক্তেন পঞ্জুদাঃ ক্তাঃ তেযু স্থান তপণাভ্যা পিতৃগণাৎ বর नुशिः वर् मूवर्ग यक्कक्त नुशिक ।। ব॰শম্লক॰ ৫৭ তত্ৰ স্থানাৎ, चन्ना बाद्र १ ।। कायर ना धन १ ८५ ७ व न्नानाट (एरम्बिः॥ त्नात्काकादः

১৯ ভত্ত স্থানাৎ স্থ কীয় লোকোন্ধার: ॥ ঐতিহিণ ৬০ তত্ত্ৰণম্বাৎ উত্তম শ্ৰী পুান্তি:।। কপিলা ভীর্থ- ৬১ ভত্র স্থান দেবপিতৃপুলনাভ্যা কপিলা সহসু मान कवा।। मूर्या जीर्थ ७२ छव द्वारना-পবাস পিতৃ প্রনৈ রশ্বিষ্ঠাম কল॰ (भवालाक शु। (छेण्ड ॥ गवा छवन ७७ ভवाভियেक्न शामर्मु मान ফল•া৷ শগ্বিনীতীৰ্থ-৬৪ তত্ৰ স্থানাৎ উन्नवीर्ग भाष्टिः॥ वृक्तावनः ५० তত্ৰ স্থানাৎ বুন্ধলোক পুাপ্তি:॥ লুভীর্থক ৬৬ ভত্ত পিত্দেবানা সালিখ্য ভত্ত সান পিত্দেৰ প্ছনৈ রখনেধ ফল পিত্লোক প্রাপ্তি ।। অমুমতী ৬৭ তত্ৰ কাশীশ্বর তীর্থে স্থানাৎ সম্বরোগ নাশঃ বুন্ধলোক পুাপ্তিক তৰৈৰ মাতৃতীথু • তৰ্ मानार जडानवृष्तिः ञीलाखिक।। শীতবন ৬৮ তত্র কেশাভুগ্লণেন পবিত্রতা ৷৷ স্থানল্যোমাপই: ৬৯ তত্র স্নানাৎ পরমগতি প্রাপ্তি:॥ দশাশ্বমেধিক ৭০ তত্ৰ স্থানাৎ निम्हन गाउ पुाछिः॥ मामूयजीर्थः १३ তত্ৰ ব্যাধণীডি ভা কৃষ্ণমূগা বিগাছ-মানুষত্ব প্ৰাপ্তাঃ তত্ৰ স্নানাৎ সৰ্ব পাপ মুক্তিঃ স্বৰ্গবস্তিক্ত ৷৷ আপগা-

नमी १२ छब एम्य भिबृष्यस्थितक ,ব্ৰাহ্মণ ভোজনেন কোটি ব্ৰাহ্মণ ভোজন সিদ্ধিঃ। গুলেন্ড্ৰয়:৭০ তত্ৰ বুকা ভিষ্কতি ভত্তৰপ্তৰিদভেশানাৎ गर्भाभनात्मा तुकालाकगुञ्जि ॥ क्रिनम्। क्रांत्र विश्व छव छन्ना नर्वभाभनामः मर्डकान भाषिक।। नत्रकः १६ ७५ वृष्युक भूगात्मन नर्वकाम निवद्याक्तरमः भाशिः॥ ইলাম্পদ ৭৬ ভব মান দেব পিতৃ श्रुबना छा। मूर्गछि विनामः वांबारमय कन भाषिक ॥ किन्सान ११ ७व न्नानाम्भुरमय मानकनः।। किः बनाऽः ৭৮ তত্ৰ সানাৎ অপুমেষ জপফল• 11 व्यनाष्ट्रज्ञ छीयर् १० ७८ नाइम হান তত্র পুণত্যাগাৎ অনুভন लाकृ भाशिः॥ देवजनभनिभी ५० তত্ৰ বান শ্লপাণি প্ৰনাভ্যা• সৰ্ব পাপ মুক্তিঃ পরম পদ প্রাপ্তিষ্ট।। क्नकी डीर्थ ५) क्नकी वरन (एवा স্তপশ্চরম্ভি।। নিশুক ৮২ তত্র নার-रित नर्वजीर्थानि निन्जिनि उव ज्ञानाट नई जीव नानकन ।। भेषु विधी ५० मा (मवीशान । छव मान (मविश्व পূরনভিগে গোসহসুদানফলপুাঞ্চিঃ ।। कोलिकी मृबद्य जी सन्भः ४८ जब

मानार महनानम् किः। किन्ति क्ना **४६ छउ छिन्नभूह मानार भग व**य मुकिः भवमनिषि भाषिक। (वरी-छीर्थ ५७ छव नानाट गामस्नुमान कन्भाषिः॥ थरः मूहिम जिथिवेव-५१ जरयाः नानार न्यारलाक शीशिः ॥ नृगव्भः ৮৮ छव विक्शार माना वामन প्रानाह जर्देशाश्रमुकिः प्रवि লোক পুাপ্তিক।। সরম্বান্তা ভীর্থ-শ্রিসঞ্জ ৮১ তত্র রানাৎ সুর্গবস্তিঃ ॥ रेनिमयञ्ख २० छत्रिन् त्रानाँ इयाम कन भाषिः ॥ कन्यां अर्थः ১১ তত্ৰ সানাৎ জ্যোভিষ্টোম কল भाकिः॥ वृक्त ञ्चानः ৯२ छव द्रानिष्ट न् मुम्रांशि वाञ्चावः वाञ्चनम् পরমণতি: 11 সোমতীর্থ ৯৩ তত্র मानार সোমবাগ कन शुक्तिः॥ দপ্ত গারমত ভীথ - ৯৪ ভত্ত সান জগাভ্যা বৃন্ধলোকপুান্তিলা উশন-সক ৯৫ তত্ৰ ভিসন্ধ্য কাৰ্ভিকেযস্য সন্মিধান•া৷ কপালমোচন•৯৬ ভত্র मानार महलाल नामः॥ चात्रिजीर्थः ১৭ ভব্ৰ স্থানাৎ বহিলোক প্ৰাপ্তিঃ সংলাজরণঞ্য। বিশ্বামিততীর্থ ১৮ **७** ज्ञानार वृक्षण शुक्षः ॥ वृक्ष-वानिः ৯৯ छक मानार वुकालाक

वातः॥ পृथ्रकः ১३० ७८ कार्खिक्य স্থান• ভত্রাভিষেকাৎ অশ্বনেধফল शुाखिः भागिनामणि वर्गशुाखिः॥मधु-जुव १०२ छव माना (गानश्जुनान कन्तुाधिः ॥ नत्रत्रज्ञक्गानक्रमः ১০২ তত্ৰ ত্ৰিয়াত্ৰোপবাস স্নানাভ্যা• বুক্ষহত্যাপাপনাশ: ॥ অবকীর্ণ ১০০ ७८ मर्ভिम्नि निर्मिउ मर्जिना हवातः अमृम् यानीखाः उवमानार দুৰ্গতি বিনাশ: ॥ শতসহসূক ১০৪ সাহসুক ২০৫ উভযত সানাৎ (गामक् मुनान कन नाता भवारमो वर्मुखाने ভবে ॥ त्रगुकाजीयं ৯০৬ ভত্রাভিষেক পিত্দেব প্রনা-ভ্যা• সর্বপাপ নাশু: অগ্রিষ্টোম ফল भाषिक ॥ विस्माहन ३०१ छव সুনাৎ সর্বপুতিগুহক্তপাপনাশঃ ।। भक्षवर्षे जीर्थः ४०४ जब गमनार महाभूग्रभाषिः यर्गगमन् ॥देखक-স• ১০৯ যত্ৰ বুন্ধাদিভি: সৈনাপত্যে कार्डिकरवाजिकिकः ॥ व्यक्जीर्थः ১১০ তত্ৰ স্নানাৎ কদুলোক পুনিষ্টিঃ ॥ अर्गहातः ১১५ उर्वे गमनार चर्गावाकाशिक्षाम क्व भाकिः॥ चनत्रकः ১১२ ७७ मानार पूर्वि নাশ:।। অছিপুর ১৯৩ তব পিতৃ

দেব তপ্ণাৎ অগ্নিষ্টাম ফল পাঙ্কিঃ ।। গঙ্গাহুদকূপ: ১১৪ ভত্র স্থানাৎ वुक्तताक भाक्षिः॥ भाग्विष्ठीर्थः ১७৫ তত্র শ্লানৈকরাত্র বাসাভ্যা ক্দু লোক গ্রান্তিঃ ৷ বদরীপাচন- ১১৬ ভৰু ৰশিগাশুন: তত্ৰ ত্ৰিরাভো-भवाम वहत ईक्यान्ता अध्यक्ष कन रवलाक भाशिक।। इनुमार्ग ১৯१ ত্রাহোরাকোপবাসাৎ ইন্দু लाक शाक्षिः ॥ वारिज्याभूमः ১৯৮ তত্ৰ স্থানাৎ সূৰ্য্যলোক প্ৰান্তিঃ ॥ সোমতীর্থা ১১৯ তব স্নানাৎ (गामलाक भारता कन्याम्यः १२० ত্র তিরাত্রবাসোপবাসা ভ্যা• কন্য। শত পুান্তিঃ বুন্ধলোক গমনঞ্য।। দ্বীচতীর্থ ১২১তত্র স্নানাৎ বাজপেয ফল প্রান্তি:।। সন্নিহ্নিভাতীর্থ ১২২ **उब बगावमायाः महा**पि डीर्था-न्यायां खि वयं न्यं ग्रहा सानाट শতार्थरम्य क्व शास्त्रः मानकाना-ভ্যা• স্বৰ্গলোক প্ৰাপ্তিক। ভক্ৰামা-वन्तरायाः नृतर्गुरुरा नानम् । बाज्राः অখনেধ সহসু ফল প্রান্তি:৷ স্নানমা-ত্রাৎ সর্বপাপ নাশঃ বুন্ধলোক शुक्षिक ॥ गकार्कः ३२० एव नाना दाकन्यायायक्त भाषिः।।

স্ক্কেত্র: ১২৪ তৎ তরম্ভকারন্তক याः वरः तामद्रुर मठक्करण द्रस्तरः এতং স্যামন্তপঞ্ক পিক্রাম্ছস্যো-खत्रविषः ॥ धर्माजीर्थः ३२० छव শুনাদাসপ্তম কলোজরণ ।৷ কারা-পচন• ১২৬ ভত্ত স্থানাৎ অগ্নিষ্টোম কল বিকুলোক প্রাপ্তিক।।সৌগণিক वन > > १ यब वुकाम्या (मवाः পুত্যহমাযান্তি তদ্দ পুৰেশ মাত্ৰেণ नर्वभाभ नामः॥ प्रक्रमद्रश्रुठीः ১२৮ তত্ৰ স্থান পিতৃ দেব পূজনাভ্যাণ व्यच्याम्य कल शाक्षिः ॥ केनानाधुः-विज २२৯ जब माक्सुत्री (परी ভত্র ত্রিরাত্তোপবাস,শাকাহায়াভ্যা• बार गवर्ष भाकाशत्र कल भाशिः॥ স্বর্ণাখ্যপ্রত তত্র শিব্সিষ্টতি তস্য পূরনাৎ অখ্যমেধ কল গাণপত্যযো: ্ৰপুতিঃ ॥ ধুমাৰতী ১৩১ তক ত্ৰি-क्रात्वाभवामार मनकाम गुारिः॥ ध्यावजी प्रक्रिगार्ख तथावनः ५०२ ভত্রারোহণের মহাদেব পুসাদাৎ পরমণভি পাুপ্তি: ৷৷ ধারা ১৩৩ ভত্ত मानाट (माकनामः॥ शकाहात्र : >>> ভত্ত কোটি তীর্থে স্থানাৎ পুঞ্জীক याग क्ल शासिः ऋलाष्ट्रताः अक ৱাত্ৰ বাসেন গো সহসু দান কণ

भाषिक ॥ जलगक् । ३०६ विगद्ध ১১৬ সম্ভাবৰ্ত্ত: ১৩৭ এতেষু পিতৃ रम्ब जर्मगाए भूग्रात्वाक भाक्षिः॥ गक्रायम्नामक्रमः २०৮ छव मानार म्मायान्य कन भाक्षः काना-बदगक्षा कनथनः ১৩১ তত मान বিরাবোপবাসাভ্যা•বা**রি**মেধ্ ফল वुक्तत्वाकायाः भाष्टिः॥ कशिनाविः ১৪০ তত্ত্রকরাত্রবাসেন গো সহসু मान कल भाष्टिः॥ किनवनागदाबः ১৪১ তত্রভিবেকাৎ কপিলা সহসু मान कन भाक्षिः॥ ननिजिका ४८२ ना नासन् जीर्थः उब मानाए मूर्गाङ विनामः॥ नूगका ४८० छव गम-नाट नई भाभ विन् किः वुकालाक **शुक्षिक।। कृष्विक: ১८८ जब ज्ञाना**८ तुक्ताक भाषिः ॥ गकामत्रवजी-সহ্দমঃ ১৪৫ তত্ৰ স্নানাৎ অস্বমেশ্ব कन्भािशः कर्गगमनक।। ভদुकर्ग्युदः ১৪৬ তত্র স্থান শঙ্কর পূজনাভ্যা• मूर्गाजनामः विकृत्वाक भाक्षिकः॥ क्तृामुक > १८१ । छक गमनाञ् वर्ग পুাপ্তি: এঅক্সনতীবট: ১৪৮ তবৈক রাত্র বাসাত্ গো সহসু দান ফল शुक्तिः जलाष्ट्रत्रभः ॥ जामून्क॰ 787 छव बिद्याखाभवारमन भा

जर्जु कान कन- कला बन्नपक ॥ युकावर्कः ४० छव अवनाष्ट् व्याप-होत्र कन वृक्तनाक भारिक।। যমুৰাপুভবঃ ১৫১ তত্ৰ স্থানাত্ जायामक्त वर्गालाकरमाः गुरिः॥ मदी मंकन्न १०१ उन् गमनाज् बाजित्वय कव शाधिः वुकाबाक गमनक ।। तिक्रु गुजदः ১৫১ छव পঞ্রাত্রাসাত্বত্সুবর্ষজ্ঞ কল ্পাপ্তি:।। অর্থবেদী ১৫৪ তত্ত্র গম-ना पश्चामक्क वर्गायाः भाषिः॥ वानिशीनमी छरेबव श्रविक्ना २०० वाशिष्ठी गमनार मई वर्गाना विकल्न शुक्षिः अविक्रन्तरायाः ज्ञात्निक मान वान नाकाश्रोतः सवित्वाक गाछिः ॥ ভ্ৰতৃষ্ণ ১৫৬ তত্ৰ পদানাৎ বাদি-त्मध कल भाष्टिः ॥ वीत्रश्राकः ১৫৭ ভত্ৰ গমনাত্ সৰ্বপাপ পুণাশঃ ॥ महा मा विन्तानीर्थ ১৫৮ जब স্থানাত্ যত্ৰ তবৈব বিদ্যা প্ৰাপ্তিঃ॥ महानुमः ১৫১ छरेबक कान निद्रा-হারাত্ শৃভলোক পুাপ্তিঃ॥ মহালযঃ ১৬০ তত্ৰ বঠকালোপধাকেনৈক মাস वामाञ् षाञ्चना मरेहक वि॰मिञ **পুरুर्ताषातः** তত্ত্বি মহেশব দর্শ-ৰাত্ সৰ্বপাপ মূরণভ্যবে৷ বিনাশঃ

वह जूबर्व शांग कन शांखिक।। বেডসীকা ১৬১ ভত্ত পন্নাত্ অখ-रमय कवा जिन्मन गाँउ गाँखिक १। जुन्मदिका ७७५ छब गमनाङ् क्रम भूषिः ॥ व्यक्तिनिका ७७०, छव गननाज् तुकारणाक भाकिशा निनिष **১৬৪ ভৰ (বৃদ্ধা ভিপ্তভি ভৰ** পুবেশাত্ সর্ব পাপনাশঃ স্নানাত্ गदायय यागकन् गुरिः मधनता-काबः উপবাদেন প্রাণভ্যাগাৎ वर्ग शृशिक ॥ भवारकरः ३७० छव ত্রিরাভোপবাসাত্ বাজিমেখ কল भाषिः विकृत्वाक वामक ॥ मत्रवजी ১৬১ ভত্র পিত্দেব ভর্পণাত্ সার-च डालाक वामः॥ वाङ् मानमी ১৬१ তবৈক রাবি বাসাত্ বুদ্ললোক भाक्षः॥ गाभुगत्रजीर्थः)bb **उ**ब् नत्रग्ठीतः छव जानाज् नर्शाभ नामः प्रवाक भाष्ट्रिकः ॥ शा-মত্যা বামতীর্থ ১৬১ তব শ্বানাৎ व्यथ्य विष्युष्टिः निष्णु विष्युष्ट ৷৷ সাহসুব ১৭০ তত্ত্ত গমনাৎ রাজ-न्याचात्रव कव शादिः ॥ वावगूरु ১৭১ তব স্থানাত্ সবের বদাস্থাদ शुाविः॥ मिनागः ३१२ ७व गम-नाज् रणा जर्जु रान कन जा्िक

এব তৎ সমীপে নিত্য কর্মকর-ণাত্ সপঁবিষভ্য নাশ: এক রাত্র ুৰাসাত্ সর্ব,পাপনাশ্চ ॥ গোত্র वन >११ ७व क्लाइल माना इ পরুমণভি প্রান্তি: ।। খ্রীদেবী ১৭৪ ভত্ৰ গমনাত্ প্ৰীপাৃপ্তি:।। উদপান• ३१९ ভवाভिविकार् वाबित्मध कन शुष्टिः ॥ जनकत्राजक् भः ১१७ छवा-ভিৰেকাত্ বিষ্ণুলোক প্ৰাপ্তি:।। বিনশন ১৭৭ তত্ৰ গমনাজ্ বাজ-(भग कल भाशिः ॥ विनाना ३१৮ मा मई डीर्थ बला फुरा उब गमनार বাজপেয় ফল প্রাপ্তি: * রবিলোক গমনঞ্চা৷ তপোবন ১৭৯ তত্ৰাখি-বাসাৎ ওহাকলোকবাস:॥ কম্পনা-नहीं : ५० मा मिष्यनित्यविजा छव গমনাৎ পুগুরীক যাগ ফল পুান্তিঃ॥ বিশ্বসানদী১৮১ ভব্ৰ গমনাৎ অগ্নি-ষ্টোন ফল দেবলোকে চিরবাসশ্চ ।। মাহেশ্বরী ১৮২ তত্ত্র গমনাৎ অশ্ব-(मध्यक गुरिशः मञ्जाबाम्यम् ॥ मिरवोकः भूक्षिणी ३४० उव गमनार ৰুগতি বিনাশ: বাজিনেধ কল . शुारिक ॥ द्राम्भर ३৮८ छङ গমনাৎ অশ্বমেধ কল•া৷ মাহেশ্বর-रामः अद छव द्यानां प्रश्रेरमप

কল তত্ৰ ভীৰ্কোটা ভত্ৰ স্থানাহ পুণ্ডরীক যাগ ফলপুাগ্ডিঃ ॥ লাম্বাৰণ হান ১৮৬ বত পালগুম নানাহরি-ভিষ্ঠতি ভৱ গদ্যাৎ অপ্নমেধ কৰা বিকুলোক গমনক।তবৈৰ উদ্পান• খ্ৰ চত্ত্বাৰঃ সমুদ্যঃ সমিহিতাঃ ড্ৰ नानार मूर्गछि नामः छव सहारित স্তিঠতি ভত্ৰ গমনাত্ অখ্নেধ ফল <u> भाशिः हेन्युव्याक वाजन्या व्याजियदः</u> ১৮৭ তত্র স্থানাত্ কাতিস্বর্ত্ব প্রাপ্তিঃ াা বটেশ্বরপূরণ ১৮৮ তত্র কেশবস্য দৰ্শন পূজনাভ্যা মুপৰালেন চ वाक्षित काम शास्तिः।। वामन्त्रीर्थः ১৮৯ তত্র গমনাত্ দুর্গজি বিনাশঃ বিষ্ণুলোকপুাপ্তিক। ভত্ত কৌশিকী কিঃতি ভদ্যাঃ দেৰনাত্রাজস্য यक्क क्ल शाक्षिः॥ हण्यकात्रगरः ३३० ভবৈকরাত্র বাসাৎ গোসহসু দান क्लमाधिः ॥ (गौन्नेन- ১৯) उदैक्क व्राखानवामा चित्रिक्षेग्यन मुखिः । ভৰ দেব্যাসহ বিশেষর ভিষ্ঠতি ভন্য দৰ্শনাৎ মিত্ৰা বৰুণ লোক-बानः॥ कन्यानस्य म् ४० ५ छ बाह्य इ कवा सन्दानक भाषिः ख्यामनान यक्ष ७विछ ॥ निकीवानकी ४३० खंड गमना८ जन्यस्य कृत भूगिष्ठः

बक्रालाक्तराकः । निकीता मक्ता व्यवसातन तुक्ताक गमन । उद ৰশিষ্ঠাশুমঃ ভৰাভিষেকাৎ বাজ-भिय कन भाक्षिः ॥ (मवक्षे) ১৯८ **७**व गमना९ वाबित्मधकन भाषिः क्लाबन्धः । (क्निक्यूनिक्रः ३२० छव मान नामा अधानध्यन भाषिः॥ मर्जीर्थवद्रह्मः १०५ ७व बाजार वक् मूवर्गांग कव भाषिः मूर्गां विनामक ॥ वीत्राम्भः ১৯१ छब भगात खिश्रेष्ठि छब गम्नार् व्ययस्य कन्गुष्टिः॥ व्यक्तियात्री ३३५ **उत्** गमना८ अथरम् कन शासिः क्लाक्र तपक्षा भिजामङ्ग्रः १३३ ভত্র শৈলরাজপুতি গিতৌ শিব্বিফু-ভিষ্ঠতঃ ভত্রাভিবেকাৎ অগ্নিপ্টোম ফুলপাঙিঃ। তবৈৰ সমারধারা তব স্নানাৎ কৃতাৰ্থতা ক্ৰিকালোপৰা-সেন বুক্ষহত্যানাশঃ৷৷ গৌরীশিখর• २०० जवादाहगार मुख्या जब कर्ण द्वान शिज् (क्वाइनाच्या) व्यथ्याय कल भाष्टिः वर्गगमन्।। ভাসাৰণা ২০১ ভৰ গমদাৎ বানি-মেধ ফল পুান্তি: শত্রুলোক গমনঞ্ ॥ मन्दिनी २०२ छठ जिम्र म (मिर्विड:-क्षः ७३ धमनार नत्रामध कन

शुक्तिः॥ (कोनिकतका मक्राः २०० তত্ৰ ত্ৰিৱাত্ৰোপ্ৰাসাৎ সৰ্বৃণাপ मूकिः ॥ উर्वजी जीर्थः २०३ (मामा-मुभः २०० अञ्चर्कर्गम्मः २०५ छन् म्नार अश्वस्थल गुरिः सर्गम-नक्।। काकामूय २०१ जब मानार का जियाबद्या मिनता २०५७व गमनार ক্তাৰ্তা সৰ্পাপনাশ: স্গ্ৰামন্ ।। খাবভদ্বীগঃ ২০১ তত্ত্ৰ কৌঞ্চনি-ज्रूक (अवनार अवस्त्राः सानाह विमान विज्ञाकः ॥ अम् । वक्रीर्थं ২১০ তত্ৰাভিবেকাৎ সৰ্বপাপ নাশঃ ॥ तुकाजीर्थः २०० छव गमनार वाबारभयकन्याधिः ॥ वन्या २)२ ভ্ৰ গমনাৎ গোসহসু দান ফল পুষ্ঠি:।। নরেভিকা ২১৩ ভত্র গম-नाट वाकारिय कल विभान भारिक ।। সংবিদ্যতীর্থ ২১৪ তর স্নানাই विम्रा भाष्टिः॥ (नोहिड्य २३६ उड गमनाट वह जुवर्ग यागकम्पाछिः ॥ করতোযা ২১৬ তব বিরাবো-भवाजाए व्योजकाम्भ मान कन প্রান্তিঃ।কোশলাফা- কালভীর্থ-১১৭ ভৰ গ্ৰনাৎ গ্ৰেসহসু দান ফল भाष्टिः चर्गगनन्। गक्रामागन नक्षः २४४ ७व गमना८ मजा-

चामध कन भाषिः ॥ शकायाः পর্ববীপ:২১৯ ভর বান বিরাবোপ-वात्रान्त्राः नर्वकामशुक्तिः।दिउद्गी ২২০ গ্ৰন্থ গমনাৎ সৰ্ব পাপনাশ:॥ वित्रकः २२३ छव भूजनाय हम्मु वम्ति थिः॥ পु जवः २२२, छ ज गमना ८ সর্বপাপ নাশঃ গোসহসু দান ফল• স্ত্রস্বপাবনক্ষম শোণজ্যোতীর্থী-সক্ষঃ ২২৩ উত্র পিতৃ দেব তর্পণাৎ অগ্নিষ্টোন ফলস্যুতিমালৈশপুত্ৰ: २३८ नर्यातालु छवः २२७ व न्यरनाः २२५ उव मानाए वाजित्मय कर्ण भाषिः॥ याय छः १२१ जव गमनार গোসহসুদান কল প্ৰান্তিয়া পুদ্ধবতী ২২৮ তত্ত্র স্থান ত্রিরাত্ত্রোপবাসাভ্যা• গোসহসু দান ফল পুাপ্তি: ললোজ--রণঞ্চ।। বদরিক 🗮২৯ তত্র স্থানাৎ मीर्चाय्र्डे भाषिः वर्गगमनक ॥ महम्मुनईंडः २०० उव तामजीर्य न्नानाट वाजितम्य कन प्राक्षिः॥ भउक्रकमातः २०) उब द्वानाट सर्गताक गुरिः॥ शिश्वंडः २०२ তত্র বদীতীরে সানাৎ অখ্যেধ্ফল ি প্রমূলি জি পাপ্তিক তত্র মহাদেবে। দেব্যাসহ তিপ্ততি তত্ত্ব দেবহুদে স্থানাৎ অশ্বনেষ ফল প্রাপ্তিঃ শিব

लाक गमनक।। गाअरहरू विच-भर्वडः २०० ७० गमना८ वामाभय क्न भाशिः वर्गगमन्सः ॥ कारवत्री ২৩৪ ভৰ গমনাৎ গো সহসু দান क्ल॰ ॥ नमूम्जीत्र कन्राजीर्थ॰ २८६ जुंब नानाट जब भागनाणः॥ সমৃদুদ্ধ্য গোকর্ণভীর্থ ২৩৬ 📭 শিবস্তিষ্ঠতি ভস্য প্রনাৎ ত্রিরা-ত্রোপবাস্ত্রাচ্চ দশাখনেধ তুল্য ফল॰ गागलैंडा भाशिः हामण बाद्वाश-বাসাৎ কৃতার্থভাচ। তত্র গাযত্রী-'হান ভৰু ত্রিরাহোপবাসাৎ গো महमु मान कन शुक्षिः वाकानम गायबी भाठां नमा नम्भवा অব্যক্ষণস্য পাঠাৎ তস্যা বিনাশ:। जन्न विश्व राज्य निष्य क्रिय সৌভাগ্য প্রান্তিঃ।। বেরা ২০৮ তব পিতৃ দেব ভর্পণাৎ ন্যুর হংস যুক্ত বিমান পাৃপ্তি:৷৷ গোদাৰরী ২৩৯ তত্র গমনেন পৰাম্য যক্ত কল পুাশ্তিঃ বাযুলোক গমনঞ্চ ৷৷ বেবাসক্ষঃ ২৪• छब न्नानाू न्यूरीश नाणशा वहरा-नक्रमः २८) छङ ज्ञानार वानित्मव क्व गुरिक्षः ॥ तुक्त इगा २८२ छ व वि बाखानदाजाए (गानर्जु मान क्ल शुक्तिः इर्ग गमनकः ॥ लगन्नरन्

২৪৯ তত্ৰ স্নাৰ ত্ৰিৱাৰোপৰাকাভ্যা• हन्युरवाक शाक्षिः॥ (पवष्ट्रपः २ 88 क्करवशामनुख्ववन १ २८६ (ब्रांडि- ॥ माज्युरः २८७ कन्यानुमः २८१ छित् नमनाद चित्रिक्षाम कन भाषिः। (ए.बङ्कार द्वानाए शामरून एान कन - अस्तिः। ब्याउमाक्युप सानार का जियद्रवन् ॥ शरमधीन मी २८৮ তত্ৰ স্থান তৰ্ণশাভ্যা• গোৰহসু দান कन नुष्धिः॥ मधकात्रगुः २८५ उव महाद्रात्व बनम्पर्भाट ली महम् मान कन भाष्टिः॥ भन्न जनाभुनः २०० जनामुनः २०७ जन गर्ननार দুর্গতিনাশ: স্বপবিত্রভাচ।। স্পা-রক ২৫২ ভভুরামতীর্থ তত্ত্র স্থানাৎ वर् भूवर्गवक कल भाष्टिः ॥ मध-গোদাবর ১৫৩ ভব সানাৎ মহা-भूग भूषिः **(**स्वर्लाक गमनक।। দেবপথ ২৫৪ তত্র গন্নেন দেবসত্র ফল প্রান্তিঃ॥ তুক্কারণ্য-২৫৫ ভত্ত भुरवणार जन्तुः भाग मानः मान বাসাৎ মুসলস্য পবিত্রতানুষলোক গমনক ৷৷মেধাবিক ২৫৬ তত্ৰ পিতৃ দেৰ্ উৰ্ণাৎ অগ্নিষ্ঠোম ফল মৃতি (म्यानाः भाषिः॥ कानक्षत्रभवंजः 261 कव रह वकुर द्वाना मूर्ग्रलाक

मुनिशा विक्ने मर्डः १८६ उन मन्मकिन्। मन निल्दन उने वा-जाक्षम वन मुनिः महन्माछि गाक्षम ॥ उन्हान १८६ जन कार्किक क्षिष्ठ उन गननार नर्न काम भाष्टः। कार्किलियं मानार त्यानस्नु मान कन भाष्टिः॥ कार्क-सान १७० उन महास्य विष्ठि उन्हान न्यूनिशिष्ठः। उन कृत्य होतः मनून्य विष्ठिष्ठ उन मान भूक्तियाज्याः भन्नमाछि भूषित।। भूक्तियाज्याः भन्नमाछ भूषित।।

ুশ্বানাক মিলোকে এব বেদ বিদ্যা-ৰু বভ্ পৃণ্য ভত্ পাধি: রাজস্বা-শ্বামধ কন পুষ্ঠিক ভব বপন ্মুহৎ ম ভোগৰতী নাম বাসুকি-ভীৰ্ণ ২৬৪ ভত্ৰাজিবেকাৎ অশ্ব নেধ কন পুান্তি:॥ 🕸 ॥ আফ্রেগ্রা अथुवा वावा काणी काकी व्यवस्थिका া পুরী দারবভী চৈব সপ্তৈভাসোক काविकाः ॥ छोत् वावः शुकूर्वाङ (य मृठ] वा नदाः शतः। व उत्ह न भूनर्क्का माज्गर्सम् कुविष्ठ्।। ইতি পাদ্মে ভূমিথও ॥ **जीर्थकद्रः पुः जिनः। ই**जि. इम्मुः॥ जीर्थक्ष भू जिनः। इंडि श्रुकी।। ভীর্থকর: পু• জিনঃ। ইতি হেমচন্দ্রঃ॥ ভীৰ্মনানী জী কাশী।ইতি ত্ৰিকাণ্ড-(नकः॥ ভীর্থবাকঃ পু• কেশঃ ইতিহেমচন্দুঃ ভীর্থদেবী^ৰ পু· দ্রী বকপক্ষী। ইতি ব্লাজনিষ্টে:।। ভীৰ্থবাসিনি তি।। তীব ০ সৌলোয়। ইতি কবিকল্লজনঃ।। তীবরঃ পু॰ সমুদু:।। ন্যাধ:। ইভি ৴নিদিনী।। বর্ণসক্ষর জাতিবিশেষঃ। তেওর ইতি ভাষা। সত্রাজপুর ত্রিয়া॰ ক্রিয়াজ্যাতঃ। ইতি বুর্ন্ধ-रिवर्ड ।। हुर्वक चार्यायाः भूधुका- विद्य

জাত/। ইতি পরাশর পদ্ধতি: ।। ভীবরী ত্রী ব্যাধপত্নী। ইতিবিদ্ধার-কৌমুদ্যামুণাদিবৃত্তি: ।।

ভীবৃ ক্লী অভিশয়: । ইভাসর: ॥
ভীরং ॥ ভীক্ষণ । বপু । ইভাগাদিকোষ্যা লোহণ ইভিরাজনির্ঘণী:॥
ভীবৃ ে জি অভাক্ষণ । নিভান্ত: ॥
কটুঃ ইভাগাদিকোষঃ ।।
। ইভিশয়ক্লাবলী ॥

जीतुक्छेः श्र् न्त्रनः। ইভি রাজ-निर्वकिः॥

जीवुनका विज्ञो स्वानी। हेि जाय-निर्वाहरण

তীৰুজ্বালা জী ধাডকী। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ।।

তীবুবেদনা জী যাতনা। অভিশয-্বেদনা। ইত্যময়ঃ॥

अनु की कर्तू (द्राहिनी।। गुणमूर्वा। द्राकिका। इंडि (सिनी।। नदी-दिल्माः । इंडि मदद्रावनी।। सहार्क्तां (क्रियां है।। उद्रदीवृक्तः।। कृत्रक्तिः है (क्रियां क्रियां है।।

তীক্ষণ ক্লী থরণ।। বিষণ।। লোহণ।

যুদ্ধণ। ইত্যমরঃ । নরণণ।। শেদ্রণ।

শীঘুণ ইতি তউ।কাসারসুন্দরী।।
সামুদুলবণ।। মুদ্ধণ। ইতিমেদিনী

ভীকু: ত্রি তিমা:॥ আত্মত্যাপী।
ইতি মেদিনী ॥ নিরালস্য:॥
সুবৃদ্ধি:। ইতি ধ্রণী॥ যোগী।
ইত্যন্ত্রপাল:॥

छीक्षकः भू∙ मृयुकः॥ गोत्रत्रवंशः । ইতি ताबनिवंधः॥

शिक्षक छेकः शू॰ शृख्यः। ইতি कर्छा-ध्राः ॥ वर्षः॥ देख्मी ॥ क्षीतः। देखि त्राजनिर्घण्डः॥

তীক্ষণটকা জী কছারীবৃদ্ধঃ। ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

তীক্ষকনং পু• পলাঞু: শ ইতি রাজনিষ্টা।

जीक्कमा जि जीत्कमा। उट शयायः। व्यायः भ्विकः २। इंडि जिका अस्मितः॥

। চব্যক । ইতি রাজনির্মণী । সরক । । তীক্ষকলঃ পু তুর্ক বৃক্ষ । ইতি
। ইতি হেমচন্দু: । क । তীক্ষবন্তনি রাজনির্মণী ।।

जीकृगकः पु॰ (भाजाक्षनः । इंडि त्राजनिर्घणेः ॥ त्रक्तज्वनी । इंडि त्रङ्गावा ॥ जन्तु क्रगामगक्षप्र थः। इंडि करोष्यः॥

তীকুগন্ধকঃ পু• শোভাঞ্জনকুত। ইত্যমরঃ।।

डीक्शका जी (यंउवहा॥ कञ्चाती ॥ त्राक्रिका। इकि त्राक्रिनर्य छै:॥ वहा। इंडियारिनी॥ कीवडी। इंडियारिनी॥ कीवडी। इंडियारिनी॥ मृत्या । इंडियारिनी॥ नृत्या । इंडियारिनी॥

जिक्कुथूना खी भिन्ननी । ইভি রত্ননালা॥

डोक्टेडन॰ क्री मर्बत्रमः॥ मुही-कीत्र॰॥ मुत्रा। इंडि मदत्रक्रांदनी॥ डोक्टम॰ष्टुः भू॰ काष्ट्रः। ইंडि त्राब-निर्यणेशा

তীকুপত্র: পু• তুষ্কৰ্ক:। ইতি
রাজনির্বট:॥

তীকুশুর• ল্লী লব**ক্-। ইতি রাজ্-**নির্ঘণিঃ॥

তীক্ষপুর। **জী কেতকী। ই**ক্রির রাজনিষ্টাঃ।।

डीक्फनः भू जूप्यवृकः। हेडि

তু

द्राजनिर्घणः॥

তীক্ষ্মূলঃ পু॰ শিগুঃ॥ ফলঞ্জনঃ। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

जिक्कतमः भू यतकातः। इंडि

ভীক্ষশ্ক: পু• যব:। ইতি হেমচন্দু:।। ভীক্ষসাল্লা ন্ত্ৰী শি•শপা। ইতি রাজ-বির্ঘণী:।।

তীক্। দ্রী বচা ॥ সপ্কশ্লেকাবৃক্ষঃ। ইতি রত্নালা ॥ কপিকছু: ॥
নহাজ্যোতিমাতী ॥ অত্যমপনী ।
ইতি কটাধরঃ ॥

ভীক্ষাবসং ক্লী লোহবিশেষঃ। তীথা ইতি-ইশপাত ইতিচ ভাষা। তৎ পর্য্যায়ঃ। লোহং ২ শস্ত্রাবম্বং ৩ শস্ত্রং ৪পিণ্ডা ৫পিণ্ডাবসং ৬ শঠং ৭ আবসং ৮ নিশিতং ৯ তীকুং ১০ থল্পং ১১ মুণ্ডিডং ১২ অষঃ ১৩ চিত্রাবসং ১৪ চীনজং ১৫। অস্য গুণাঃ। কক্ষরুং। উষ্ণরুং। ভিক্তরুং। বাত পিত্র কফ পুমেহ পাণ্ডু শূল নাশিরুং। ভীক্ষরুং মুণ্ডলোহাধিক-ক্কঃ। ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

जू व वृद्धी॥ हि॰ नाया॰॥ भृद्धी " ो ইতি কৰিকল্ল জনঃ॥

कु वर भामभूदगः॥ (छमः॥ व्यव-

थात्र १ के छात्र ।। जमूहयः॥ शकार्षत्र ॥ निर्यागः॥ शुक्त जा॥ विनिगुरः। ইতি क्यत्र जावनी॥ ख्

জ্
ত্ক্ পু• অপভ্য•। ইতি হেমচন্দুঃ॥
ত্কাক্ষীরী জী তুগাক্ষীরী। ইতি
হেমচন্দুঃ॥

তুগা জ্রী বিশ্লোচনা। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

তুগাক্ষীরী স্ত্রী বংশলোচনা। ইতি রাজনির্ঘটঃ । বংশলোচনাভেদঃ । অস্যান্তণাঃ । ক্ষয় খাসকাস না-শিব্বং। নধুরব্বং। হিনত্ক । ইতি রাজবল্লভঃ ॥

वृक्षः भू भूषागर्कः॥ भई छः॥

तृथगृरः। ইতি হেমচন্দुः॥ नाति
क्वाः॥ गड़कः॥ ইতি রাজনিঘটः
॥ यागर्जिः। ইতি नम्प्रवानि।॥

जेख गृरु। " উहु द्वानिः। यथा।

नृर्यापुष्ठान् किय य्य नृष्ण जी

क्वीताष्ठ यूक पिगृङ्गीन्द्र प्य

जिथिनतान् महिक्या व्या ।

विश्वनतान् महिक्या व्या ।

क्वांनित्र वृक्षा । उत्त पिगृङ्गीन्द्र प्य

जिथिनतान् महिक्या व्या ।

क्वांनित्र वृक्षा । उत्त विष्यान् मान्

कवरन्यार नी हान् मूनी हान्॥ ইতि

पीनिका ॥ आपिष्ठ भारत्य वृक्ष छ

नानाद्य कन्यागर्य क्विह देती

अनीरत । भीरनक भुंद्क मकरत ॥ मशेषा गानो ज्जाया मिं ज्रूष (गर्वः ॥ इंडि मन्याग्डः॥ 🕸॥ অথ তুস্ত গুহু ফল । তু: द १ कः শুভ সংযুতঃ শুভক্রৈ মিত্রৈশ্চ मृत्हीयमा। रेमवाः शनाः जितानि ৰা শুভকরানেকপৰিক বাতিক।। বিভেশঃপুথিতো বিমর্দিত রিপুঃ कोगी म मात्या वना खानावाहि उ পাদপদা যুগলোরাজা ত্রিকোণেয়দা ॥ इ॥ खरक हन्त्यित भुमन वश्रुवि বুধাদনউদ্যুতৌ পুখ্যাতোরিবিসর্দ-কোৎগদতন্ রাজেখরো **ৰপবান্।** জ্বাপালাছিত পাদপদ্ম যুগলো বা थर्म नीला महान् (मोरेम्) (त्रव यूटा रुथवा शियु व्याप्त मृष्टि जित्कारा-. গিচ।। চ।। যদি ভবতি মৃগছে। 🔏 ভূমিপুত্র छमारिय न मिनकत्र मय्था कुक्रान्य नंत्रन्तुः । व्यगम उन् র ভীতঃ শত্রুদর্পাপহারী পুণত রিপু नित्रमुः न्यां बुद्धां । य ॥ कन्।। इः भभवाक्नम्। उन्य खिला निर्मा कः मन्यु जो मृक्षा वा যদি সংযুত্তঃ শুভকরৈ জ্জাত স্তদা ज्लि । यादाया खत्राश्ट्र ग्रहकद्विणाः गाउ मंशे कम्माउ

তুষ

नक्षाञ्कातीकश्विगनिजीयासि धिकाणिष्ठ ॥ वू ॥ खाक खादी निव थरगन म्रहे। ताका ভरनिनम् সমান মূর্ভিঃ। গছাত্ব নৌকা নর পূর্ণলক্ষ্মী: পৃথীপতিঃ স্বস্য ত্রিকো-নগেপি।। বৃ।। ভক্ষে ভ্গৌ শুভ जुक्द भुगु उठ मृष्टे रेम वार्टिंगूनः न যদি পশ্যতি নিত্ৰ সংঘান্। ভূপা-বিপো ভবতি ফীর্ত্তিকরঃ পুধানো मीर्घायूकगुम्थ ज्ग्ज्छाब जिका-(१॥ भू॥ उत्क भारते मित्र थरगन . मृष्टे भुष्ठ ७ पर । न्भिष्ठ भुषानः । नम्भारा किश्वमान्ह धूबी विकाग-গে চাপিনরেন্দুমৃর্জিঃ॥ শ।। ভবতি थ्रतिभारना नी हत् किः भुजाभी इय গজ ধন পূর্ণো জাতিবর্গে বিরক্তঃ। স্টিলম্ভি রনীতো ভ্রিভাণ্ডার. যুক্ত ন্তমসি মিথুন সংস্থে জাগতে সানবেন্দুঃ। রা।। মৃগপতি ব্য কন্যা कर्क देख्क द्वारही खविख विश्रुन লক্ষী রাজ রাজাধিপো বা। হযগজ नत्र तोका मिखेंडः माई(छोरमा নৃপতি রনর প্ছেগ রাহ ভৃষ্ঠী हित्रायुः॥ त्रा।। अति निथन व्यय खर्के कीर्जिंग भागि किन्तु ব্রিকোণে লাভে বা ব্রহ্মকল যথো-

তৃত্বীপ

ুদ্ধিষ্ট ।। ইতি কোষ্টাপুদীপঃ।। চুক্ষঃ ত্রি উগুঃ।। পুখান ।। উন্নতঃ। ইতি শব্রহাবল্বী।। কিঞ্জাল্কে নী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

जुक्क कः भू श्रागव्कः। ই छि भक्षत्रद्वाववी॥

ভুষ ভদুঃ পু• মদোৎকটহন্তী। ইতি মেদিনী॥

जुक् जुन् की निर्मियः। ना मिक्का भूतिका। उन्ना कलना नूनाः। तिकादः। निर्माणदः। त्रामृदः । गूक्दः। क्षु लिखानु माञ्दः । भूषाः नाषा । दः। स्मिकत्दकः। ইতি द्राक्ष निर्माणः।।

ভুক্সেথর: প্ পর্বতঃ। ইতি শব-নালা।।

<u>তৃক। ত্রী</u> বংশলোচনা।। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

जूकिनी जी गहामजावती। हैजि द्राजनिवर्णः ॥

जूकी जी इतिमा। वर्षता। हैजि भिन्नि॥

তুলী পু॰ ভঙ্গছান ছিতঃ। উছছ-গুহঃ। ইতি জ্যোতিষ•॥ তুল্পতিঃ পু॰ চন্দুঃ। ইতি বিকাণ্ড-শেষঃ॥ जूकी भः भूगितः॥ क्षः॥ भूगंऽः। १७ क्षत्रङ्गावनी ॥

जृह• क्री भूगाकब•। जूवि ইডি ভাষা। ইত্যুণাদিকোষঃ।।

তু ছঃ ত্রি শূন্য:। ইত্যমর:।। হীনঃ
। ইত্যুণাদিকোষ: ।। অলঃ । ইত্রি
হেমচন্দু: ।।

जुइकः भू॰ वज्ञ छत्कः। ইতি भप-চন্দ্ক।॥

ত্হধান্যক স্ত্রী পুলাক: । আগডা ইতি ভাষা। ইতি রত্নমালা।।

जुहा जी खन्या। नीनीवृक्तः। ইडि ভাবপুকাশः॥

তুজ ইক দীপ্তো।। নিকেতনে।। হি•সাযা•॥ বলে॥ দানে। ইতি কধিকল্লজনঃ॥

তুল ই পুগে।। বলে। ইতি কবি-কলুজমঃ।।

তুল • হিংসে। ইতি কবিকল্পদাং॥
তুট শি কলহে। ইতিকবিকল্পদাং॥
তুটুমঃ পু• উন্দুকঃ। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥
.

তুড শি ভেদে। ইতি কবিকল্প সং॥
তুড ই ড বথে। নিম্নীডন ইতি
যাবং। ইতি কবিকল্প সং॥
তুড ঝ বথে। দ্বিধাকরণ ইতি

ভুজিল

यावर । इंडि कविकन्नक्ष्यः ॥ जुङ्ग = अमामस्त्र। ই जिक्**विके** सक्रमः॥ তুণ শ লটিলীকরণে। ইতি কবি-क्तुक्रमः ॥

তুনিঃ পু॰ জনিঃ। তুন্নবৃদ্ধঃ। ইত্য-भव्रहोकायाः सामी॥

जू ७ की मूथ । इंडामदः ॥ তু একেরিকা জী কার্পাসী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ !!

ভুণ্ডকেরী স্ত্রী বিশ্বিকা।ভেলাসচা ইতি ভাষা । ইত্যমরটাকাযাণ , ভর उः ।।

जुिखः शु॰ मूर्य•॥ हकुः॥ इजुऽनामि-কেষ:।। নাভৌ জ্রী। ইতি শব-बङ्गावनी ॥

তুণ্ডিকা জী নাভিঃ।। বিশ্বিকা। इंडि भद्रद्वावनी।।

তু গ্রিকেরী জ্রী কার্পাসী। বিশ্বিকা । इंड्रिन्द्रः॥ यम्रा क्रशास्त्राणि। তুণ্ডিকেরিকা তুণ্ডিকেরিঃ তুণ্ড-কেরী তুণ্ডিকেশী।ইত্যনরটীকা।। ভুণ্ডিকেশী জ্রী বিশ্বিকা। ইতি भय्हिन्द्रका ॥

जू ख़िनः जि क्षना निः। व्रमा छि-यूकः। इ अभवः॥

ভূত্থা

म्थतः। इजुरगामिकायः॥ তৃথা তক ভ্রো। ইতিকবিকন্ন-क्यः ॥

ज्यः त्री थर्गतीजृत्यः॥ जञ्जनाज्यः। जु डिया इंडि ভाषा। उৎ भर्गायः। নীলাঞ্জন: ২ হরিতাশ্ম: ৩ তুত্থক: ৪ নযুরগুীবক ৫ তামুগর্ভ ৬ অন্তোভব প মযূরত্থ ৮ শিথিকপ্ত ৯ নীল-১০। ইতি রাজ-নিঘণ্টঃ॥ ভুত্থাঞ্জন•১১ শিথিপুৰি• ১২ विज्ञक । ১০ मगूबक । ১৪। · ইত্যমর: ৷৷ তূতক· ১৫ মৃষাতুণ্থ• ১৬ মৃতামদ ১৭। ইভি শব্দ-हिन्द्का ॥ जम्बनाः । कर्देव । কষাযত্ত্ব। উষ্ণত্ত্ব। স্থিত্র নেত্রাময नानिव्। अर्वविष (नाय न्यनव्। বান্তিকারকত্বঞ্চ। ইতি রাজুনির্ঘণ্টঃ ॥ कात्रवः। नियनवः। नघूवः। ভেদকত্ব। কৃমি-কণ্ড সপ্ত কফ নাশিত্বক। ইতি রাজবল্লভঃ।।ঞ্।। **त्रमाक्षनशाना**वा। ३ जुरना मिरका यः ।। অগ্নিঃ । ইতি সংক্ষিপ্তসারে रिनामिवृिं ॥ या श्री श्री हैं जि (श्मावन्युः ॥

जुलाक क्री जूला इंडिमदहिन्का॥ जुिनः जी द्वनाजिः। इज्रमतः॥ जूषा जी नीनीव्कः॥ कूरेनुना।

'ভূনি ভ

हेर्ज्यातः॥ महानीनी। हेडि द्राज-निर्वणः॥

ভূত্যজন লী উপধান্তবিশেষ:। ভূত্য । ইত্যমর:।। ।

जुर मा क छ वार्यः। इंडि कवि-कन्नकमः॥

তুন্দ কুলি উদর । ইত্যমরঃ।। তুন্দ কুলিক। জ্রী নাভিঃ । ইতি হেনচন্দুঃ॥

कुन्तकभी जी नाजिः। ইঠি विकास (मयः॥

তুন্দ্পরিমার্জ্ঞ: তি তন্দপরিম্র:। ইত্যমর টাকাযা• রমানাথ:॥

তুন্দপরিমৃত্তঃ বি অসসঃ। ইত্যমরঃ॥
তুন্দি ক্লী উদর•। ইতি হেনচন্দুঃ॥
গন্ধর্র বিশেষে পু•। ইতি জটাধরঃ॥
তুনিদঃ জ্রী নাভিঃ। ইতি বিকাওশেষঃ॥

जूनिस्कः जि विभाजकरेत्राङ्गनः। इति भद्रत्रं विभाग

তুন্দিকা স্ত্রী নাভিঃ। ইতি শব-।। রহাবলী॥: *

তুন্দিতঃ ত্রি ত্ঞিলঃ। ইতি ভরতস্য 'দ্বিৰপকোষঃ।।

जूनिएडः वि जूनिएगः। ইতি मप त्रकादनी।।

ज्नितः विश्वानकरेत्राकनः। ज्राप इंडि जाया। जर्मग्रायः। भिविधिनः २ वृष्ट्यकः ७

जूनितकः ८ जुनित छः ৫ जूनी ७। इंडि नदब्र झवली॥

ত্নিলফন। জ্রী এপুরী। ইভি রাজনিঘটঃ।।

जूनी जी नाजिः। ইजिन्द तंत्रावनी॥ जूनी जि जूनितनः। ইजिन्द-तत्रावनी यमत्रकः॥

তন্ত্র পূথ নন্দীবক্ষ: । তুঁদ ইতি ভাষা। ইত্যনর: ॥ ব্যথিতে ত্রি। ইতি ভূদধাত্বর্থ দশনাৎ ॥

্বত্ৰবাষঃ পুশ শৌচিকঃ। দর্জী ইতিভাষা। ইত্যমনঃ॥

তুর

বধে। ইতি কবিকলুফনঃ।।

তুর

বধে। ক্লেশ। ইতি কবি
কলুফনঃ।।

তুর • বধে। ইতি কবিকর জনঃ। তুর শ বধে। ক্লেশে। ইতি কবি-কর্মজনঃ।।

তুপ

বংধ। ইতি কবিকল্পনঃ।।

তুপ

সংশা, ক্লেশ।। বংধ। ইতি

কবিকল্পনঃ।।

তৃপ ইক অদ্নোইতি কবিকল্পনঃ।। তুক পশ শ্রেশে।। ববে ।\ইতি চুৰি

कविकन्नुक्रमः ॥

তৃষ • ব্ৰে। ইতি কবিক্লুজনঃ।। তৃব ই ক অন্দে। পীডাবামিতিবাবৎ । ইতি কবিকলুজনঃ।।

তুভ ৯ ড ছি সে। ইতি কবিকল্প-্জমঃ॥

জূভ যুগ হিংসে।ইতি কবিকল্প-জনঃ॥

जू ज य श हि रत। ই जि क विक ज़ - क नः ॥

जून्तः भुः क्षे जून्तः। इज्यत

তুমুল রী রণসঙ্গুল । সঙ্গীণ্যুদ্ধ। । ইত্যমর মেদিনীকরো॥ পরস্পর-সম্বাধোরণস ঘটঃ। ইতি ভরতঃ॥

ज्मूनः श्र किन्नवृक्तः। इति निकाख-।। व्यान्या द्वाः । इति निकाख-याः ॥

जूबः गु॰ जी जनातः । ইত্যমর.

होकाया जंदर ।।

जुञ्चकः शृ॰ ञानाबुः। ইতি नद्रवद्यावनी ।। ब्राज्ञानाबुः । ইতি ब्राज्ञनिष्ठेः।।

তুমা জী অলাবু:। ইতি শব্দরহাবলী।। গবী।ইতি ত্রিকাণ্ডশেম:॥

जूबिः जी जनातः। ইতি শদ্রর।-दंगी। **जु**क

जूषिका खी जनातुः। इंडि भर-त्रज्ञातनी ॥ कर्वूजूषी इंडि ब्राध-निर्श्वाः॥

जृषिनी की कर्जूज्बी। ইভি शाब-निर्यणेः॥

ত্বী ত্রী অলাবঃ । ইত্যমরঃ ॥ স্পলিকবৃক্ষঃ।ইতি রত্নমালা॥

ত্ৰীপুর• ক্লী লতাৰুজ•। আলগবুপুর•। ইতি হারাবলী।।

जूषुक• क्री. शनातूकन• 1 देखि २९५२मुः॥

ज्यूकः भ् यनातः। ইতি ভরত-প্ত হয়ুচন্দুः॥

जूबूबी खी अकूबी॥ धनग्रकः। इंडि (मिनिनी॥

তৃহক ক্লী সন্তুষ্ক। ইত্যসূরটীকাযা•-ভরতঃ।।

उत्रकः श्रु गक्षवित्वितः ॥ व्यक्तिभाविकः
। ইতি জটাধরः ॥ व्यक्तिभाविकः
वित्विकः । ইতি হেনচন্দুः ॥ वृक्षः
ভেদः । তৎ পর্যায়ः । শূলমঃ २।
ত রহ্মালা ॥ সৌরজঃ ৩ সৌরঃ ৪
বনজঃ ৫ সানুজঃ ৬ দ্বিজঃ ৭ জীক্ষ্রকল্পঃ ৮ জীক্ষ্কলঃ ৯ জীক্ষ্ণতাঃ ১০
নহামুনিঃ ১১ মুটলঃ ১২ সুগক্ষিঃ
১০। অস্তিশাঃ। মধুরত্বং । তিক্তত্বঃ

্ৰা,কৰ্টুত্ব । উঞ্চত্ব । কফ বাত শ্ল 🎖 छाल्याम् द्रायमान किमि नालिवः। • वङ्कितीलनवृक्ष ।हेि द्राव्यनिर्वे छैः॥ ভুর লি র বেগে। ইতি কবিকল্পদ্রমা। তুর: बि বেগ্বান্। ইতি তুরগ नद्रीकायाः खंद्रजः॥ ত্রগঃ পু॰ চিত্ত।। ঘোটক:। ইতি ं द्रमिष्ठनी॥ তুরগগন্ধ। জ্রী অর্থগন্ধ। ইতি **ब्र**ब्भाना॥ जूतगत्क्र वर्णक की जाजावामकना-ত্যাগঃ। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ তুরগী ^ন ত্রি **অখারোহ: ।** ইতি (रुम्हन्मुः॥ जूतगी जी अधगक्त। इंडि सिहनी। অশ্বরী। ইতি ব্যাকরণ ॥ जूतकः भू जो वाहेकः। इंडामझः॥ চিত্ত•। ইতি শদ্মর্গবলী।। जूतक्तः भू (वायकाक्छिः। इसि-ষোষা ইতি খ্যাতঃ। ইতি রন্নমালা जूतक्षियगी जी सहियी। इंडि রাজনির্ঘটঃ ॥ তুর্হ্পপুষঃ পু यवः। ইতি রাজ-क्रिवं है।।

- जूतक्मः भू• जी (वाष्टेक्। ইত্যমরः॥

जूतकरकुः श्रु किमतः। शेंज॥

किंग बदः। जुबक्वम्त्रः भू• किसदः। ইভ্যমद्रः॥ जुबकाद्भिः भू॰ कन्नवीतः। ইতি तङ्ग-मानां॥ जुबक्का जी (एवरानीनजा। ইकि ब्राजनिर्घकः॥ ज्यकी जी अधगका। हेर्डि स्य-त्रज्ञावनी ॥ (वार्षिकावृष्णः । इंडि त्राजनिर्घणः॥ जुवायगः जि भवायगः। हेउ। मृत-होकाया सामी॥ ञ्जाबाहे पु॰ हेन्मुः। ইত্যনরः॥ यमं। क्लाउत्। जुतावाष्।। 🛮 তুরি: ব্রী তুরী। ইতি শব্রত্নাবলী॥ তুরী স্ত্রী তন্ত্রবায়স্যকাণ্ঠনির্মিতোপ-कंद्रन विस्मयः । उट्नर्यप्रायः । ভস্তকাপ্ত ২ তু লি: ৩ তুলী ৪ তুরি: ৫। ইতি नम्बद्भावणी ॥ তুরীয• ক্লী বুন্ধ। ইতি বেদান্তসারঃ।। जुत्रीयः जि ठज्थः। इं जि मूक्षत्वादः।। जुत्रीयदर्गः शूर मृदुः। ইতি रुवायूषः॥ जूकद्रः भू• भक्तम्तुराज्यः। व्यिना-রদ ইতি,খ্যাত:। তৎপর্য্যাব:। यवनः २ शृगुः ७ शृगुवर्गः ८ मूगिकिकः ৫ সিহুকঃ৬ সিহুসার: ৭ পীত্রসার:

৮ কপি: ১ পিণ্যাক: ১০ কপিজ্ঃ১১

कनुः >२ निखितः > भिखिते उनकः । जूनमाति । जी जून । शिकि मह > कत्त्ववदः २० कृष्टिमकः २५ । লেপনঃ ১৭। অস্যগুণাঃ। সুরভিত্ত । जिक्दा । कर्देव । जिक्दा । अर्थ কক পিভাশ্মরী কৃষ্টু মূছাছাত जुद्रां कि नामिज्ञ । इंडि द्राज-ির্ঘণ্টঃ ।। শ্লেছ লাভিবিশেষঃ। जुकक् इंडि ভाষा। ইंडि मिनिनी ।। (मण विष्णवः । जुद्गकछ।न् ইजि गात्रमा ভाषा । उर्भग्रायः। माथिः २ । इंडि (इमहन्दुः ॥ **শ্রিবাসকবৃক্ষ:।ইতি বিশ্ব:।।**

खूर्याः वि ठजूर्थः । इंडि मूक्षरवादः॥ जुई के हि रम। इंजि कविकन्नकमः॥ जूरं मू: भू ययाजित्राक्र भूवः। यथा। थयां कि कवाह। य खु॰ भ क्रमया-क्कारका वयः अपन्युयह मि। जन्मा **পুबा न मुह्ह ए •** जूर्दरना छव यान्य छि ।। সংকীণাচার ধর্মেষ্ পুতিলোন চরেষুচ। পিশিতাশিयু কোকেষু न्न शका ভবিষ্যতি॥ धक मात्र পুৰুকেষু ভিৰ্য্যশ্বোনি গভেষ্ চ ৷ ॥ भण्यार्येषु द्वाह्य, आश्रम् ভবিষ্যসি ॥ ইতি মংস্যুরাণ ॥ ত্যু কি পরিমাণে। ইতিকবিকন্ন-क्नः ॥

गवा।।

जूननी जी सनामण्डा उर्कः। उर भर्यायः। मृज्या २ जीवा ७ भावनी ৪ বিফুবল্লভা ৫ সুরেক্যা ৬ সুরুসা १ कायहा ५ मूब्रेपून्स् जिः अमृत्रजिः २० क्ल्भबी २२ स्त्र-প্রিয়া ১০ অপেতরাক্ষনী ১৪ শুগ্রমা **>३ शोदी >७ बिम्ममञ्जदी >१** ज्उन्नी ४५ ज्उभनी ४२ । इंडि রাজনির্ঘটিঃ ॥ পর্ণাসঃ ২০ বৃন্দা ২১ কঠিঞ্জর: ২২ সঠেরক: ২৩। ইতি नकत्रवावनी ।। रिक्किवी २८. भूग्रा २० भविजा २७ माववी २१ वम्डा ২৮ পত্রপুরা ২৯ সুগন্ধা ৩০ গন্ধ-হারিণী ৩১। ইতি ভরত ধ্ত मध्यिवः॥ मृत्रवल्ली ७२ (পु उदाक-मी ७० मुबरा ७६ गुम्मा ०६ जुल छ। अङ्गक्षती २१.(५४-দুন্ধুভিঃ১৮:ইতি ভাবপুকাশ:॥#॥ ক্ষুদুপত্র তুলস্যা: প্র্যায়: 1 খর-পত:) बद्योदः २ পঞ্গুদ্ধः ৩ क्रिकुतः ८ जन्नभवः ৫ ममीद्राः ७। ইতি রহমালা ॥ मस्यकः १ भूक्भूद्धः (b) इंडाम्बः ॥ 🕸 ॥ गङ्ग जूनागाः भग्रायः। मृगक्तकः ১

ভুনসী

गन्ननिमा २ जोक् गन्नः ७ किन्द्र्यः ८ गन्नकि । १ अ जुगन्नः ७ स्ति-क्रिक्ट्रिंग् । १ अ जुगन्नः ७ स्ति-क्रिक्ट्रिंग । १ अ जुग्नि । १ जुग्नि । १ अ जुग्नि । १ अ

इ । 🥎 हायः। देव अर्थकः ... 🤰 विन्यातः २ जन्नानकः १॥ 🕸॥ শ্বেত তুলস্যাঃ পর্য্যায়ঃ। অর্জকঃ ১ व्यउपर्नामः २ गन्नभवः ७ घरवेत्रकः ৪ সমূজক: ৫ তীক্ষ্ণ ৬ তীক্ষ্ণদ্ধ: ৭ नि उर्जिकः हता का क्ष्युनगुः शर्यायः। कृषार्ककः 🤉 कृष्य्वगी र কালনান: ৩ করালক:৪ কালপণী (c भ्वज्ञि ७ मानकः १ कालमानकः b ॥ 🗱 ॥ वर्वश्रेज्वम् ॥ भयं अयः। সূরভিঃ ১ তুলসীছেষা ২ সুরস। ৩ অপেতরাক্ষসী ৪। ইতি রত্নমালা।। বৰ্রী ৫ কবরী ৬ তুক্বী ৭ খরপুলা ৮ অর্জনিক্তা ১ । ইত্যুসর: ॥ #।। नामानाः जुनमा खनाः। करूषः। তিক্তরণ উঞ্জবঃ। সুরভিত্তণ শ্লেম বাত জন্ত কৃমি বান্তি নাশিতঃ। কৃতি কারিত্বশা ইতিরাজনির্ঘটিঃ।। দাহ পিত্র কারিত্র। দীপনত্ব। হুঙ क्ह्रामु शार्श्वदा निवृष् । न्मा क्ष्म - চতুলগী ভগৈ স্থল্যা ইতি ভাব-नुकामः॥ अगा प्रभित्र र्यथां ..

। (गालाकं इय॰ जूननी (गानी প্রিকৃষ্ণপূথা প্রিকৃষ্ণেন সহ অস্যাঃ की छ 🖟 मृद्धै। द्राशा मामान व र मानशीर यानि याहि। अहुदा ना थिमा शाविनर छ। मूराह द्व छात्र छ छ ख्धु। समा•म•नात्रायग॰ विष्युति । ना भृथिवता धर्माधुक दाक्रीद्वी। माध्याः कार्डिकी भूर्निमायाः काञा नद्रा नार्या का मुद्देश जूनमा पाजू মবোগ্যা স্তেন ইছ লোকেপি তুল-সীতি নামা খ্যাতা। সাতিপ স্তর্তু वन गठा उनानी जादा नाभाट সুদাম গোপালো দানবী থোনি• পাুগ্য শহুচ্ড নামা খ্যাতঃ সোপি कुकारण क्वार महीवश्रव गुरिः যদা তবপস্থাঃ সভীত্ব নাশো ভবি-याञ्चि उपा महिद्यानि देखि दुना। उमुक्तवान् । मः जूलमी मूताइ (मवान) अधिकात करात (मवाः বুন্ধসভা পভা: বুন্ধা ভৈ: সার্ধ णिवरलाकः गडवान् णिक्टेडः मार्खः रेयञ्च गञ्चान्। नात्रायरमा वृक्षाम म्वार ममः भून ग्रीदा भिता युक्तार्थः उद्भगह्यु अहस्य गङ्गहुरु-कारभण खट भङ्गाः मडीवः कृषः করিব্যামী ইতি শুত্রা শিব/ত্তত্র

जुन मी

खगान म निर्देश मह गुर्ख नियुक्त उमानी नातायन छ८ भरी उप भग धर्षि उदान शण्डाट मा गांतायन खादा मणाण द्वा भाषाता छद स्वचा छरा साद्यान दिस्मतिकान रेकुद्धा उहत्रता भगाठ स्रताम ठ जन्म नातायन छ। मुदाह ह्व भिन

ज्ञा त्रमा मम्भी ज्य मया अह की फ हैया छन् गं छको नहीं ভবতু তব কে**শ সমূহ** ভলসী নাম্ৰা भूशव्का जवज् जरा उट नर्व मज्र। इंडि वुकारेववर्ङ।। क्या नमा পুরাণমতে জলম্বরপত্নী রুন্দা লাবণ্য मर्भानन विक्रुम् कः उत्मार वादगार्थः দেবা মহাদেব শগ্রণকুতাঃ মহাদেব डानुबार माया मानास्य (छ मायाः जुडेतुः भाषा जानुसार जह तकः मञ्ज ज्या खरेप लो दी नची बना करना ভিধানি ভা যুদ্মাক কার্য্য বিধান্যন্তি उहुता (न्या छात्राः नभीभगा-গত্য পুণেমু: তা তেভ্যো বীক্সামি ममू वांकानि बगमून एक विकु ন্তিষ্ঠতি ডবেমানি বাঁজানি বপ্ৰয় क्ता उथा हक् उद्योक्डा अस्य वृक्ष अञ्चलका वीमावा की जून मीह बाकी स्था मञ्जा नावजी वास्र म

ङ्डा डूवभी भोग्र•म ड्डांश का। ज्वमा माराषा । यथा। यका विक া তুলস্যাঃ শৃণু মাহাক্যাৎ পাপন্ন• সর্কামদে। যৎ পূরা বিষ্ণাপ্রোক্ত ভৰে ব্যামাশেৰত: ॥ সম্পাত कार्डिक पृष्ट्री नियरमन बनाफनः। প্রনীয়ে মহজ্ঞিককোমলৈ ভলসী मरैवः।। मृक्षा न्यूष्टा ज्या बिर्जित কার্ভিকে নমিতা্র্চিতা । রোপিতা সেবিকা নিভ্যা পাপ হস্তি যুগা-क्किंडः ॥ अक्षेत्रा जूननी रेवन्ह সেবিভা দ্বিজ সত্তম। যুগ কোটি नहनु। १ उ दमि इस ग्रि। त्राणिडा जूनभी यावर कक्र म्न বিস্তৃত তাবদুগ সহসাণিতনোতি जुक्छ रुतिः॥ जूनजी मन भूदानि . (या मन्। श्वत्रय मून । कृञ्जिक সকল পাপ সো হব সমাজিত फ़रहर ॥ द्वाभिजा ज़्ननी यावर বন্ধতে বসুধা তলে। তাব্ৎ কর त्रह्मानि विकुलाकि महीय छ।। य কল সর্গুরেশ্চ সর্গত্তেণ যৎফল । ज्वम्या खप्रवार्षिन भूग्यः म्यादिकः भृत्रत् ॥ जुद्रानी गन्न बाराय यव गहि जाक डिशिक्ति हम भूनाछ।-म् ज्ञ गु।माःमञ्हिषान् ॥ जुनमी

जुनभी

কাননোজ্তা ছাবা বত্র ভবেমুনে তত্র শুদ্ধে পুরাতব্য পিতৃণা তৃপ্তি হেতবে। তৃলদী বীক্ষনিকরো বিমান পত্রতি বৈ মুনে। তৎ ছান।

।। यिभिन् गृहि विजाम् छ जूननी তল মৃত্তিকা ৷ তত্তৈব নোপসপত্তি - ज्ञल यम किन्द्राः।। जूनमी मृखिका निक्षा यहि भागाम् भविजाकः।। যমেন নেক্ষিত্ শক্তে। মুক্তঃ পাপ ॥ **मो** उदिन ।। जूनमी मृहिका निस्त " ननारे यगा म्नाउ। जन न्माञ নো তৃষ্য কলি মুনি বরোভ্রম। यः किन्द्रनत्री मूल कार्त्विक (कणविश्वयः। मीभःममाि विर्भुन्म न लाङि दिक्व व शहर ॥ जून नी कानन रिकद मृद्ध यम्प्राविष्ठाः । उम्गृहः छीर्थञ्ड । हि नायांडि यमकिक दाः॥ म्मन नर्मायास ग्रमाञ्चान छर्थ-वछ। जुननी वन मःमर्गः मझ स्न **उधार म् उर्॥ द्वाभगार भागनार** (नवाष्ट्र निना र निना मृगा। जून मी দহতে পাপ-বাত্মনঃ কায় সঞ্চিত ।। जूनमी मखदी छ दः कर्गा कदि হরার্চন• । ন স গর্ভ গৃহ• যাতি ॥ मुक्जिजानी ज्यमनः।। नूइनारानि ...

जीर्थामि नकाम्।ः महिङ खणा। वामूरम्वामरया रमवा वमस्रि जूननी भाग / जूननी मक्षती युक्ता यस भागाम् विमक्षि । यस्मा म वीकिञ् শক্তো যুক্ত: পাপশতৈরপি॥ ইতি भाष्याख्रथछ।। । विवेक खननी त्क उिठे ि विक में खर्ग। **डोबर किम्माः मार्ब युक्त विष्टु** निवारगः॥ किनवः शब अवशुरू প্রাণেষ্ট্র পূজাপতিং ৷ প্র निविखिष्ट ज्वामाः मईरेमव दि॥ লক্ষ্মী সরস্বতী চৈব গায়ত্রী চণ্ডিকা उथा। नहीं हामेश (मंदशक्रें) खर भूरवृत् यमिष्ठ रेव ॥ इतिम् । इति नगम रिक्टव रेनश्र रंडा वर्षण खथा। नदनक अरदबक उहाथाया पन-छानी ॥ वारिडारि गुराः नर्व वित्यत्तवाक नहीं। वनता ननव रैक्टव उचा (स्वर्थाया श्थिनाः ॥ विम्याबंबाक गन्नदीः निकाकान्त्रतम ख्या। जूननी भव मानुजा मईना निवमिष्ठ हैव ॥ हिन्नडि ज्वनाजीनि जुलभी म्लंबानि दि । उपस्चरा वुक्षर्डा निहानां छि उट्कगाक्तिः ॥ श्रीयकाल विकाम् अ भूगीकः मी जरेन क रेनो। जूननी (महन क्

नत्त्रा निर्दाण माशु याट् ॥ हन्तु उशः वा ছव वा ज्वरेमा यस यह छ। विष्यवा निमायकु न मृद्धः नर्व शा**उ**रेकः ॥ देवमाय्थ ₹क्काउशाङा ्त्रिक्ट र्य खनत्री कनः । (महस्य সে হখমেধন্য ফল পুরাশ্বাতি निअभः ॥ कराहिब्नत्री पृथिः সেচ্যেত্থা নরোভ্রমঃ। ভস্য রেশ্মনি বিপুষে লক্ষ্ম ভৰ্তি নিশ্চল। ॥ (गामरेय खलमी म्राल यः कूर्यप्राप-नुलाभन । मणार्जनक सक्त उमा পুণ্য ফল শ্ণু ॥ রকাংসি তস্যু याविङ मुत्रीज्ञानि देशिमान । তাবং কল্ন সহসাণি মোদতে तुक्रा भर ॥ यक्षर्य कर्य वक्राउ মনুল: পৃথিব্যা: নারাযণ প্রিয়তনা जुननी विना ह । उर नई स्मर বিফল ভবতি শ্বিজেন্দু পদ্মেক্ষণো-পি নহি তুব্যতি দেবদেবঃ।। यमा माञ्चनमी भवः मूर्थ निद्रमि কর্ণযোঃ । মৃত্যুকালে ছিজপ্রেষ্ঠ তস্য স্বামী ন ভাক্ষরিঃ ॥ ইভি পান্মেকিবাযোগসারং ৷ ৠ সমুগতঃ नर्वजीर्थिषु नर्द्रपञ्ज्यु मीकिजः। ভুষাসী প্রতোবে চ যে ভিষেক।

यर्कनः न ज्ञ नद्रः। जूननीश्रव हात्नन **उ**९कन कार्डिक मठिं॥ তুলসী ভোষ কণিকা মৃত্যুকালে চ (या वा छ । इत्यान मनाक्श रेवज्रके ज भुया कि है। जिक्स्ब তুলসীপত্ৰ শুদ্ধ গয়ু বিত সতি । भुत्राक्त बुद्ध वा मान वा शु जिश्वाया • সুরার্চনে ॥ ভূগত তোয় শতিত। यम ड विकाद ग्रिं। मूक्छ जुनशी পত্र कान्नामन् कर्या । 🗱 ॥ जूननी हयन निरंयस कारना यथा । भृतिभाषा समायाक जारणान-রবিস•ক্রমে। তৈলাভ্যক্ষেত স্নাত্তেন नव्हाद्भ निमि मक्ष्याः॥ अस्मोत्ह **२**ण्डिकात्वह दाबिवानान्दिछिनि वा । जूनभी: (यह हिन्दें डि टि हिन्दें डि ह्रातः नितः॥ 🗱॥ जूननी म्लामं वन নিথ্যা পুতি জ্ঞায়া• নিথ্যা শপথেচ क्लारमा यथा । जूनमी चक्रांत क्दा बीकाप्र रा। न वक्कि । न यांडि कालम्बक यावहःम् दिवाकःदो ॥ করেনতি মিপ্রা শপ্রথ তুলস্যা যো হি মানবঃ। স যাতি সম্ভীপাকঞ্চ याविष्मु । इंडि वुक-रिवदार्ख भूकृष्टिय छ।॥ 🗱 ॥ जुलमीः मनाहरत्र ।। भवामगुरु पात्नन ॥ भव हरायी मद्रा यथा । माङ

তুলা

स्मितिशाविक क्रम्यानक काञ्चित । नात्राय्नम् भूकार्थः हित्नाकि द्वाः न्स्भा २ छाउ ॥ अभूरेभः भातिका छ।रिन्धः मुगरिक्षःत्रशि (कमकः। द्वरा विमा रेनवः कृष्ठि) हिरनामि जा मंजः শুভে।। বুগারিমা মহাভাগে সমন্ত॰ कर्यनिकृतः। अउ सन्ति स्वि द्वाः -हितामि वद्रमा ज्वा। हयताज्व मूर्थ । याम विं क्रिक् मि वर्जर । उर क्रम्य बगन्ना उन्तनि ज्ञाः नमा महर ा। क्डाक्षणि दिगाम्बान् भविद्वा रेवकरवा बनः। क्वजान जनः एका विन्याल्यमी प्रमाश्ना महिन्द मत्न ख्रथा:क्रारेब कीगरं जूनमी-मन्। राष्ट्री न कम्लाट मार्था ज्नमा विकः मृख्यः ॥ • विना त्यान विश् खन्नाथ। यथा जातर । उथा कृषि व्यथा विका परी गर्ड তুৰসীপজ্ঞে।। ইতি: পাদ্ধে ক্ৰিয়া-(यागमातः।। इत्रा जूनमी कार्ड मनन। माइखिं। यथा। जुन मौकार्ड नियान मालाः गृङ्क छि यं नहाः। शहर शहर হুখ্মেবানাঃ লভতে নিশ্চিত ফল ॥ हेि तुक्तिवर्ष भूकृष्टिथ ७ ॥ ' भावरे उ खन भी कार्र भागा मिक्ष मम् छ । व। बागानिका गुयाका (वृत्रक

क्रमा नक्षण।। इति छक्षमा जूनगी व्यक्षकाष्ट्रममुख्या। हिङ्गार्था भाषाता याका श्रिका क्ष्मिन एणिंडा ॥ इंडि भाष्या उर्वेश छ। भा भा भा भू भा ज्ननी निरवर्षा यथा। ज्ननी भूछि পণেশ কার্ক্ট । পুরাণা সারভূতা ত্ব॰ ख्विष्ठांति मानाद्रासः । कर्णाः **स्म**न मङ्खाल वर्ग नातासन शिया।। शियादः नर्वत्तरानाः क्षनाः वित्न-व अः । श्का विभूक्तिमा नृगाः सम ज्यामा हमर्बर्ग।। इंडि वृक्षरिवदर्ड ्रशाम्य खगाक्षा जून ग्राः खरवायथा। नावायण्डिवाह। वृन्हाः बृन्हावनीः বিশ্বপূত্রি তা•বিশ্বপাবনী•াপুল্ল নারা• नित्मीक जुनमी क्कनीवनी ॥ **अउनामाष्ट्रकरिक उट (स्टाब- नानार्थ** সংযুক্ত । যঃ পঠেত্তাঞ্চ সংগ্ৰা সো **ংখনেৰ ফল: লভে**ং।। ইতি বুন্ধ-रिवदान भुक्षिथं अर्।।

जूनगोष्ट्रवा ही बुद्धी। इंडि द्रष्ट्रभाना जूना ही नाम्भ्यः श्रामानः ॥ गृहागाः प्राक्षवस्यभी द्रिका ॥ भन्नभाडः ॥ जायः । इंडि स्मिनी ॥ स्मिनाः । जायः । व्यानाः । युकः २ युक् २ प्रदे ॥ जिनो एउना जूरः । हेडि (क्यांडिकाः

h সা চিত্ৰা শেল পাছ **হ**য় ৰাভী जज्ञाना गुळ विन्याभा भुषयभाग ৰবেণ ভৰ্তি। তৰ্মিষ্ঠাভূ কেবতা ज्ञाशक्रिभुक्तः । सम्हाः नित्रम फिल्यः मानास्यः छेकच्छातः। ना अक्टिय किक् सामिनी कायुत्रानिः निक्षा विकास विकास वनवातिनी णमुम्डामा जन्नजीवना मृष्यमा ज्ञानाक्। ह। इब बाउन्। एकं। बका विमात्रवः जीनूः शिकः। इकि क्राङकः॥ बच्चकावीन हन्युन्तिरु-उपानिकन । त्र जूतक गर्व क्य विक्राया विक्र मुद्राहन मान मनाः শুমান্। শশিনি জৌলি গতে বহু মাস ভাগ্নিতৰ সঞ্চিত চিত্ৰিত विक्रमः ॥ इंडि क्लिडी मुसीनः ॥ ভন্যা উদৰে তলাস্ক লগ্ন ভরতি । তস্য গণিত পুঞ্চ পরিমাণ দশ ব্যসু লাধিক পঞ্চাঙ্গল পূভে দেলে ब र ज्ञातानिवि भावना । त्य वह ত্রি॰শংপলাধিক পঞ্চমুখ্যঃ। ইভি ৰ্যোভিষণা ভত্ৰ ক্লাভ ফলণ। তুলা ला भूगान् बाउः पृथीः परकर्ष ७९ भन्नः। विद्यान् सर्वकवाविद्या প্ৰাঢ্যে জনপ্ৰিতঃ।। ইতি কোঠা र्भुरीभः॥ ॥ भक्तेका वित्मवः।

-সংখ্যারাজনঃ । ব্রাহ্মণন্য ঘটো দেবঃ क्षियमा राजामातः । रेवमामा निविध स्वय न्यू निव्यास्त्र ।। সাধারণঃ সমন্তানা কোম: প্রোক্তো अमेकिङः । दिन वर्ष्क दान्न नि गर्सवास जूना ग्जा ॥ 🛊 ॥ श्रथ छम्। उँ । यक्ति विभिः। यक्तियः वृक् य्गद्या ग्रंक हिंचा जाक्नी है। ভ্যঃ পুণম্য পঞ্জিতঃ চতু হন্তা চতরবাপদ্ধী জুলা কার্য্যা ডব্ল বিষ্ शानवृ रवयानि माजवानि। उक नकृत्कोल्डिक्या र लवपवश्वधातन मिक्तिगा उर्या मिर्गा रेख वर निथ-नमः कृषा शक्षात्रक कीलकानु ভদ্তবো ৰূপরি অভ হব ছিদু• মধ্য নিৰেশিত লৌহাভুশ পউক নিষাব ভৎপউকস্য মধ্য হিতাকুলেন তুলা अथा बनवक कोकः जग्युक्षार । व्यक् निक उद्धातात्रहता विर्यक् ভুলাদ'ণ্ড ভিঠতি তুলাগুছিতাভ্যা बायम कीनकान्त्रान निका हर बर्के वक्षम वर्गा८। जुनायाः भाषायाः পাক্ পুজ্ঞক্ দিশো ভোরণ ভাষ্ট্রী ज्नाका मनाकृताहु। यो कार्यप्र তোরগবোক পরিসূত্র সংরক্ষেম্যয়াল व्याम्र्यो। हे मलक हृत्वनावकात्वी

ভূতাগ

कार्यते। जुनाम अः भूवं भन्तिमरग र्भार्याः। नूर्वनित्का निना-रजानत्वर পশ্চিমে কর্তার ভলাযাওপরি মল रमयः यदि बन्। नम्रवस्य छन। जुना। नमा (क्या।।क्री। वर्षकर न्यांगकः 1 ক্ভোপৰাৰ্স্ট ক্ভন্নাৰাকৈঃ প্ৰাদ্ধি-वाका बाका कार्यः न्हर - নিৰেদিত বিৰেদ্যে । তত্যেতি युक्र लोणियद्वात्र डार्य पर्यावाश्नी-मिक वर्गार । उँडर निर्कृष्टार्य वाकानवर गकारिना ग्वविदा ठान् यसि भूग्राइम्बि-भुरङ्क विदीह-বিদ্বাদিব্যালভূত হোমার্থ বুক্ষচভূ প্রথণ ঋত্মিক্ চতুষ্টধ্রক পাদ প্রদিভির-खाई। वृत्यार । **जनका**त्वकः द्वार মেক পর্বিজ্ঞ ৷ ওতত্ত্বাশ সপত্তা-কা-ধুৰালক্তা- জ্বৌনিবাৰতস্যা-भाग्राचः भाविकाकः भूत्राक्र ज्यामा य ७ ज् ज् वः म् त्रिज्हार्सा भाकारि छगरन् वर्ण मिरव। इतिम् निम्निविश्र महित्वा (वाक्नोरेकक वदारिक) मकप्रताः। देखि माखन वर्षा मानास् इनमर्गाः अवस्यायः मनः इन्जाहि भुरवारगणार्का भाषाकृतनीय नर्व-नकां हमनीय वडा यर छात्री का हमनीय मुक्छ कर्टक जूनगाल मुद्रा छर्थ

वार्वति ज्याड मावानि नामा-श्ख्या वाचे बाह्या शूच नहार देखाच मिक्प्नाः वस्ति विकित्स वस्ति। উত্তরস্থাত করেরাক আগ্রেম্যান जार्य निक्जानिक जाय कारवार वारत्य विभागाः वैनावादः विन्तुन रकिन भार्ष अष्ठेरम् छ।: भुरहार नामिकि । छत्र बनाय पुराय সোমায আগাব অনিভার অনলার मुज्रवाय मुखानचिता है मुनिमिस्स गाँचा जना कारणानिरकाकार जम ধাত্ৰে অৰ্য্যন্ত্ৰ নিভাগ কৰণাম কংশ-বে ভগাব ইন্দান বিবন্ধতে প্ৰেপৰ্জ-न्याय वृष्ट्रे विकरत्। अधिशक्तिमञ्जाल তথিকাৰ শক্তেন্ডঃ ভদ্ণবীরত দুখ महत्य नित्री भाग और बर्ज जात्म थारि-বুধাৰ পিনাকিনে অপরাজভাষ जुवनांबीधवार कर्णानित द्रान्त्र कियों के । यान सम्बद्धाः व्यवस्थाः भाज्ञाः जब मुहिन्छ भारकार्रेक रक्षेभारेर्याः देवकदेवाः कात्रारेक् नोरहरेन्द्राकाकुआरेया निक ज्राउदा গণেশাক ৰক্ষান্তরে জন্তনক্ত্যঃ **७कः अमनावः न्यानंत्रायः वायत्व** व्यतिवाय वाक्काकल्यानाय भारत नावः की वास् वाहा खत्र खारण में गारेन

भारति ज्वनार रदा वर्णाय मन-भूज व्भवीन देवदन्त्रामि भूवदन्त्या हेन्स्कि पूर्गारस्डाङ्गानका कि। कि प-मार। उउन वृषिक् हर्जिन विधि क्कांत्रा श्त्रीत् चनकात्वविश्व-कमारि शादिवाकः गृरक्षक्रिविका-শ-ছাল্য পুণৰ পুটিভাশ সব্যাষ্ किका भारती चारास गृहार्य म्ट्न भागत्न समिछ र्मिणा ভির্টোভরশত অপ্তাকি শতি অপ্তৌ वा कुछ गार् उट्टा मिना नमार श्यान इतनाडाः (स्वभूजाः विशाय লোগ্য-কৃত্তাগৰাস- আদু বাসস-शिक्सिलिका क्षे इंडेका क श्व-শৈক্যে ক্রা উত্তোল্য ধটোপরি बन शासन जानस्मदशम् व्यवजात ধৰণ ভক্তঃ পাছিবাকঃ ভদ্মি নকজ্জ-वभना विद्याराक्षारिम्नाम्भिक् बर्यन जनमन्ध्राक्तात्रनः व्यक्ति वर्षुप्रक्षित्वानम् करम्ग्रीकृ कि क्राला ेक् में बंदा विमन्द्र में विन्तु विन्तु े **ए**टिक् व्यक्ति 'सर्वाशि कामानि শরস্য ক্তে া ইতি চতুশগ্রারিণ-লিংকর মজ সমেতা সভিযুক্তার্থ कराने करन करन विस्त्रेटिया पंड विस युगं समामका न ग्री क निजाि

ৰূপাণ পুভিজ্ঞা-লিপিপতে বিলিখ্য उट्मा (मास् मित्रागंड क्यां)ट । তঙঃ शुरङ्गिकाका वर्षे मामखर्ष-क्षिः। दः वरो। वृक्षनाः मृष्टः भदी-कार्क चुत्रायाना (ा. १कःताकर्य मृत्ति खु केकातार क्रें हेन नत्र।। ধৃতো ধার্বভে যমানট তেনাভি-बीयत् । प् । १व८ मि ने बं ज़्रीनी পাপানি সুকৃতানিচ্যা ত্রমের দেখ कानीत्व न तिकु ग्रीमि मानकाः। ব্যবহারাভি শক্তোয় - মানুষঃ শুক্তিকিছ ডি ৷৷ তদেন স স্থাদ মা-क्रमंड बाजु महति। जूनाशः तकके नियामरानन । तुलाहा (य मृज्ध লোকা যে জেৰো: কুটসাক্ষিণ:। ভলাধারস্যতে লোকা স্থলা পারু याजी मृका।। (भाषासः स्ट्रा) मिक मख्यप्रानमः। वृश्वरमञ्जूषामात्रि ब्रीहर्म ६ रिव विभिन्न । उर जेडा वहाकनां नि मः नयाचा वित्यम्हरा ॥ ৰদ্যবিদ্ পাল ক্ষাত ভভো মাণ क् गायानवा मुक्तकत्रेगायाक् मान मर्ड (१८भिः कृ अक्ष्रे ॥ उदेः भाष्ट्रवाकः भूजामन ७ भूववष्ट गांद्राभागर्यर / आद्राशिङ गांकार्ड শক্ষাসমূহত প্র্যাকাশে দেশে স্থানীঃ

काड क् वृत्त शूर्ण हम्यु भदा-ब्राक्ती हिट। क्रूटकामः शाहे । क्रुड শেচতো রাহ্ :কুর:পাদ্যাভযাজাতে क्षामार नरेग्रकाड कर्डगा इंडाजा गमना गाठकाकडा मुका-भूम खानाय दा शायटा उड़ः नु डि-यान पुष्राम्यू वङ्गान मूबः। जादा-वर्षनवृष्टः। जनावशात वन कारा मक्तरह भूतर नहीका करता। क्क कींगक निका नामाकारीना म्हे काइन व्यक्तिद्राक्न रहार छान वानामुम्ब मामिल्यः। उउःभूदाः क्रिडाहार्ग्रासीन् क्रिशामिडिखा-वायर । इंजि दिवाजवुना • कुगारकारिः जी न्लूबः॥ मानरजनः ॥ वार्षः। इंडि (इम्हन्तुः॥ क्नाकारी बी ज्नाकारिः। रेडि मा भिकामा जर्जाः॥ ভুগাকোষা পু ভুগাপরীকা। ইতি विजाकता॥ जूनाधतः भू• जूनात्रानिः ॥ वर्गिनि वि। इंडि (मिनि)। ज्वाखनः। इंडि (र्मान्सरः॥ তুগাপুৰুষান ক্লী বোডশস্থা-कानाडगंड कान विरेणवा । यथा। 'बाराड महरानाना' जुनाश्का

न-जिल्हा का जना काला यथा। नाकानियानि ख्यानि महामानानि বোড়ৰ। তানি তে কপুৰক্যাহি यथा वसनू भूर्य मः॥ ज्ञानू क्वयारगा र्य- (क्यामारमे विधीवंट । जवान विकृत रेहे व वाजीशास्त्र मिनमार ॥ यूगाहिस्नद्रारमस् छथा अनुख्री-मिनु । न काला लोगमानाम वामनीवृष्टकान् ह ॥ वर्ष्कार्नव विवारक्ष्यू" ब्:स्पाष्ट्रं व वर्णाव । प्रवा वाका गाला क नुका वा वक बार्वार्डी। संग्रां क्यां (सरमा ववा १ जिल्कं वामज्यन लगांक क्लाबाम महिरम्हा गृत्स वाष वान वानि ज्ञांश कृष्टित्र वा ॥ संश्रामानानि (क्यानि मनाक्षण जीवना। यमा विवानः ववा । भूगाः जिब म्बामान्धः क्षाः बुम्मनः वाहनः। म अनः तहरमिष्यान् (वाउन वामन ता कतान्।। मञ्जनः कात्रविद्याः कञ्चीनामनः वृथा। मधरुषा छाव-(बनी मरश्रामक्त्राच का॥ उन्नरस् ভোরণ কুর্ম্যাৎ সারশাক্ষরণ পুত । कुर्गार कुरानि ह्याति हर्षिक् विष्णाः॥ जुना जाभन भुनाकः। द्रान्याच (खाद्रभारमुङ्क वस्त्रह

विश्वान जः ॥ जूरमथला (यानि जमा-युजानि मः भूर्व अञ्चानि महामनानि ! मूजान् क्षष्ठ मा मृजानि न्यकः পারাণি সহসুরাণি।। হস্তপুমাণানি তিলাল্য পূর পুল্লোপহারাণি সুশো ভनानि । প্রোভরে হস্ত মিতা ह विशे शुक्रामि (मदिश्रंत्र भूजनाव।। व्यर्धा इंन वुक्त निवाह् । जाना जहे इव कार्याः कत् वज्र मारेनाः। वुका मित्रा-চুভোনা প্রিমাস প্রা কাব্য इंडरक्रवा॰ इखिल कार्या। लाक-শ বর্ণাঃ পরিতঃ প্রভাকা মধ্যে গৃত্ত কিন্ধিণিকা যুত্ত স্যাহ । ছারেযু কার্য্যাণিচভোরণানি চত্বার্য্যপি ক্ষীর वनवाजीना ।। बाद्यतु अस द्य मञ कार्याः जुद्धक ध्नाषद्र तक युक्तः। 🕸 । यट भूई भाव माक स्य क्यां दि-जुङ् जात्रामानी सनुधान मास्। नात्वकृती हम्सन (स्वताक श्रीनर्श विन् शियकाकानायः। उद्घ धरः হত যুগাবথাত ক্ষা দূঢ় পঞ্চ-করোছ্তি তথা তদন্তর হস্ত চতু-श्चेयः ग्राम्राक्षाख्यायाः क्रम् इत्न्त्र या 🗱 ॥ ठजूर्रे छ। जुना कार्यं। भारते ॥ कारगृ उपा विश्वो । जडा छ उरा। र्राष्ट्री छात्रभूष व्यक्त ।। जनान ॥

बाडिक जुनावनभू। रेश्सन माध्य शुक्रवित युका। देहरमन शुक्रविति मुवर्ग निर्मित वामुरमबाक्छिरनिष् (वाक्षवाध देवार्याता ना इस हजू देव-न्धार शृग्व मन्धास्त्र मासूनी न्धार ।। সুৰ্ণ প্ৰাভ্ৰণাচ ফাৰ্য্য সুলোছ পাশঘ্যশৃষ্ট্রলাভিঃ। ৰুতা সুবর্ণেন জু রয়নালা বিভূবিতা মাল্য ক্লিন নাচ্যা। চক্ৰ লিখেয়া বিক্ৰণ উৰুক্ত নানারজোভিভ বিকাণপুরণ বিতা-নকক্ষোপরি পঞ্চ বর্ণ সংস্থাপয়েৎ পঞ্চ পতাক শোভা া ইতি তুলা-निर्माण मुक्क ।। का। व्यथ विका त्वर-विषक्त कार्याः जुवामत्वभान्य श्रील गुकाः। विधान मकाः भहेत्य श्नूक्वा (बहार्य) (सम भुख्या हिः किन्द्राः ॥ शुक्क (वनाक विनार्य) रिन नमुख्यः नीत क्वां कि क्याः। कार्याः भूतागा जित्राजा जिन कः भूत्रम গম্ভীর মরমতীকঃ।। পুরেণি ঋণুদ क्रिमी यथा छा। यबुद्धि मि मिना-उक्त भारते । इनालंते विका नाम-विरमोठ शम्हामश्रदंगा वृख्व क कार्यो ॥ विनाबकामि गुरु लाक-পাল ব্ৰষ্টকাদিত্য ম্বন্নগানা । वुकाह्य भाग वनगारीनाः समझ

তো হোন চতুইব• স্যাৎ॥ बन্যানি ॥ । मूकानि उरेथव हिषा मनूकस्मणाश यथा सक्षणः। अज्ञाह (याह्माक्ण जीन् कत्मन मरिख दशी जियं बमान युकः॥ इं अविश् मुदान्द्रिशा एक कृष्ण । अ अनानिक देशमानि मुबाणि कंद्रेकानिक ॥ विश्वाः गुत्राव मन्।-- खूर्वनाञ्चापनापिक । कारम् । नासि-काशाय क्रीन्काः मर्दछ। मिण ॥ উপোবিতা ষ্ঠতঃ সৰ্বে কৃত্ৰৈৰ মঞ্চি-বাসন। আদাবন্তেচ মধ্যেচ স্বর্যা-ছুক্ষেণ বাচন । ততা নক্ল শব্দেন মাগিতে। বেদ পুরুবৈ:। বি: পুদক্ষিণ মাব্তা গৃহীত সমুমা-প্রবিঃ ॥ শুনু মাল্যম্বরো ভ্রা তা॰ जुना मिल्राखाय । 🗱। नमास मर्व দেবানা শক্তি স্তু॰ শক্তি মাছিতা । माकी ज्ञा कशकावा निषिठा विश्वरयानिना॥ (क्कृजः नई नल्डानि छथा ज् ज भ जानिक। समाध्य क् जा॰ মধ্যে স্থাপিতাঙ্গি জগদ্ধিতে।। বু॰ তুলে সৰ্ব ভুৱানা পুনাণ মিছ কীভিত্য নি তোলগন্তী সংস্থান मुखत्रव नामा २ छ । । (गा २ गा छ-ष्ट्राविला प्रवः भूक्यः भक्षवि नकः । गन्ताविश्वित्वा (मित द्वि क्याम

নো হন্ত ডে ।। ননো নন তে গোবিন্দ जूनाभूक्य म छक । दः रात जात्र यायानयार म नात्र माग्राराक्षा পূণ্য-কাল মথাসাদ্য কৃত্বাধিবাসন• **शूनः। शूनः शुक्किनः कृद्धा छाः जुला** मान्दर्षः ॥ नथः हमः कवनी नदां जत्र प्रिटः। श्याताक न्या-माय दिया मूर्या भ गुज ।। कहा जा मृमृ मुष्टिज्या माखिलमान् इति मू थन। ভতোৎপরে তুলা ভাগে ন্যমেযুর্দ্ধিক भूक्वाः ॥ जा नाम जाविकः याव •কাঞ্চন• চাতি নির্মল•। পুষ্টিকামস্ত স্থীত ভূমি স স্থারেশ্র ॥ 🖛 । माब • छ छ : इ ज़ा भून (त्र छ मू मी द्राय । नम (अ माकी जू ठानाः माकी जूरक সনাতনি ॥ পিতামছেন দেবি ত্ব॰ নির্মিত। পরমেষ্টিনা। ত্বা ধ্ত॰ कगर नई • जर जादत कक्रम ।। नई ভূতান্ম ভূতহে নম তেবিশ্বধারিণি । ততোৰভীৰ্য্য গুৱবে পূৰ্মৰ্ম নিবে-मरवर्गा भागा उना मनुकाक उवा-न्यान्य । मीनानाश्च विभिक्षातीन्म्बायर वाक्षरेगः महा ৰচির•ধারয়েয়েছে ছেম স•প্রোক্ষি-७ वूषः । ठिक्षस्यावद् यसारहाक गाशिकतः न्गारा भीष् भवसीकत्र-

তুলা •

भार (भारः शादावि शुक्रम ।क्षेत्र ।। क्ष्या विल्लायन कन्नन्यथा। जडी-নাম্শিংগাড়্না যন্ত্ৰা সক্তেনরঃ । वर्ष भारिकः भुवृत्त्राक वाना सक् कार मछरिक्श। सामकाजु रिक जब ष्ठावट काडिनवानिक । कामरव क्रक वर्काशाः वर्णात्माहक व अभ्यतः॥ व्यथनान्या माकमा कराहिर काल भर्याय। धमधाना मम्ह्या देव सायस्य मर्जा मत्न ॥ व्याद्मन खुना क्षा मृदर्भ यः भुषद्द्वि । म जात्रायर भिक् गगान् मम्पूर्वान् ममानकान्।। ॥ ব্দাত্মনন্ত তথা ভদ্বৎক্ষভাগ্নায়তে নরঃ৷ জন্ম পুভ্তি যৎপাপ মাতৃক रिभज्क जवा ॥ मूतर्ग मानार बाबिन्। न भभाि कनावन। ब्रह्मछ-न्। जूनाः क्दा मूक्जीयः नुषद्वा। **ভा**दबर्व भुभारान निर्मालः सर्वे जायु-বেৎ। অনন্তর-ভবেদ্যুলা পৃথিবগ্য माज मन्यवः ॥ भूतर्ग हाद्री कर्ष्टी वा সন্ধ্যাধি কুভোগি কান ভানুস্য ভূ ভুলা ক্তা মুচ্যতে নার সংশ্যঃ । मञ् वर्ष महनु रिव सर्गालारकः बहीयाउ। कान्मामाजुःजुनाः कृषा विर्मुख्या वः भुषद्वि ॥ न जू इनुगर-भागः उद्गाग गर् भागर

मननाः॥ (उन्नम्याः । रिज्ञा प्रमानिक विद्याः॥ (उन्नम्याः॥ रिज्ञा विद्याः । रिज्ञा प्रमानिक विद्याः । रिज्ञा प्रमानिक विद्याः । रिज्ञा प्रमानिक विद्याः । रिज्ञा प्रमानिक विद्याः । व्याप्त । व्याप्त

भामशीरेः ॥ मुकानिः । ज्वि । यक्क महम्याकी मीश्र शुलाभ किल मर्व महीभ लाकः। या मीभामान मिन भागि जित्र युकः कालास्त याति वाहरेजीह लाकि॥ यावा म्लाजि भारेजीम् समान क्षाः भाराजि वास्त भूतः भत्र एव कुरे। रेजि मान मागदः॥

ज्नावीकः क्री ७३३। ইতি विकाध-(मयः॥)

जुनिः जो जुती। इंजि नेपत्रज्ञावनी॥ जुनिका। इंज्यात होका नात नुन्हती॥

ভূলিকা স্ত্রী খঞ্জনিকা।ইতি ত্রিকাও-শেষঃ।।

ज्विनी खी मान्यविः। ইতি রহ-भावा॥

ত্বিকলা স্ত্রী শালালিঃ। ইতি রহ

जुनी जी जुनी।कें जि नक्तद्वावनी।।
जूनाः वि नाम्नायुक्यः। ज्यानाः श्रमम्क
। जनः २ नम्मः अनम्मः अनम्मः ९ मम्क
/ क्रनाथानुव्यक्षे मनानिशः है मक्तः।।
मरमः ५ मिण्यः अनक्तः ।
कें जि करिष्यसः। উत्तरं शास्त्राः।
वाद्यकाय्याः। निष्यः अनक्ताः २।
वाद्यकाय्याः। निष्यः अनक्ताः २।

ভুবরী

নীকাশ: ও পুতীকাশ: ৪ উপমা ৫ । ইত্যমর: ॥ ভূত: ৬ কপ: ৭ কর: ৮ । ইতি ভরত: ॥ পুভ: ৯ । ইতি শদররাবলী ॥

তুল্যপান ক্লী আত্মীযেন জনেন সহ নিলিড্বা এককালে কৃত পান । তৎ পর্য্যায়: । সপীতিঃ ২ । ইত্যমরঃ ॥ তৃবরঃ পু ক্লী ককাযর সঃ । ইত্যমরঃ ।। কবায়যুক্তে শাশুহীনে চ ত্রি। ইত্যুণা দিকোবঃ ।।

जुवत्रवाननानः शुः शानप्रविष्मवः।
ज्यान्यानः। जुवतः शक्याययाननानः अत्र क्यावनानः ८ (नाहिजअत्र प्रवानः) ६। अभ्य खनाः।
क्यायदः। उषदः। विद्युष्ठकदः।
भःग्राहिदः। वाज समनदः। विदाहिदः। (साय कात्रिद्धः। हिजः
नाजनिष्ठः।।

वृत्तिका की मूराष्ट्रकम्बिका।
वृद्धिका नाः॥ वाएकी। देि छत्र छः॥
वृद्धि को वाएकी॥ (मोताष्ट्रमृक्कि।
वृद्धिका वाएकी॥ (मोताष्ट्रमृक्कि।
वृद्धिका विस्वानकः ए समी. ७
मूर्शिका विस्वानकः ए कानी व

গুৰ্ণা:। ভিক্তব্ব । কহাবত্ব। । উक्छ-। (नर्यनङ्ग-। ठक्क्याद्य-। ্ৰাহিত্ব । ছদি পিও জ্যা नामिज्य । इंजि ताजनिर्यकः॥ जुगती निषः शु हकग एक वृक्तः। इंडि मद्याम्का ॥ जुितः जी जूबी।इंजि मदगाना।। जून कि २ ये छे जूशी। इंजि किविकन्नकनः ॥ खुबः পू॰ थानाज्ञक् ॥ वि **बी उक**-বৃক্ষঃ। ইত্যমরঃ॥ তুষগুহঃ পু• অগ্নিঃ।ইতি ত্রিকাও-শেবঃ ।। তুষসারঃ পু• অগ্রিঃইতি শব্দালা।। ज्यानवः भू ज्यागः। उरभग्रायः । अक्नाः २। इंडि (इमहन्तुः॥ जुवातः शृः हिमः॥ (मगाउमः॥ সীকরঃ।। হিমতেদঃ। ইতি ছেম-हन्पुः ॥ भी उत्त वि । यथा। यशाः हि ज्ञाय न वाति धाता मानूः সুগন্ধি: স্বদতে তুমারা । ইতি নৈবধণা কপ্রভেদঃ৷ ইতি রাজ-

তুষিতঃ পু॰ দেবগণবিশেষ:।ইত্য-নরঃ॥ তে ষট্ত্রি•শং মৃতা:।ইতি ভরতঃ॥কেবাঞ্জিলতে দাদশয্থা।

निर्घण्डेः 🕕

भागिशिव ममानाक उपान वर्गन वर्गा वक्षः भाग वर्गा वर्गा मानिक्षा के वृष्टि स्मिन उथा । द्वापरेक्षा कु कुविजा (एवा: सार्त्राहित्यं श्डरहा।। हेकि मात्रमृन्तिन्।।

जूषाय की जूलाहक । इंडि इाजनियं है।।

ज्ञानक की काक्षिक । इंडि हातावनी।। काक्षिक का का अग्र नक्षण यथा। ज्यानक गरेत तारिमः महरेकः मकनी कृरेकः। यरेत करके महरेकः मकनी कृरेकः। यरेत करके। था अध्याः। मी भनद । क्षा मुन्ना भिद्रा। श्रीकृष्ण । উष्प्र । भावन्य । शिक्ष तक कातिद्व । ইकि जाव-श्रीकाणः॥

তুষ্ট: ত্রি ভোষপুথি:। যথা । তফি: তুষ্টে জগভুষ্ট প্রীণিতে প্রীণিত। জগং । ইতি পুরাণ।।

তুষ্টি: জ্রী তোষঃ। অধিগতার্থাদন্যত্র তুট্র বৃদ্ধি:। ইতি চঞ্জীটীকাষা না গান্ধীভঞ্জা ক্রাই
বিশেষ:। ইতি ভবদেবভঞ্জা।

जुट्टैः शुः कर्कािनः। इंडि मक् हिन्दुका।। जून । वृह्मा । इंडि कविकन्नक्षमः॥ प्रमः शु जुनः। इडामत होकायाः । जूनीकः शु नन्तीत्कः त्रमानम्थः ॥

त्रुन्त्री।।

। इंडि किवक्रम्भः॥

हन्मुर्खर्नशः इंजुरनाम्हिकावः ॥ হিনা-শ্রৈজ্প ক্লী কপ্রীতেল। ত্র ক্লী বাদ্য ইতি হেমচন্দুঃ॥ _ ঐতি রাজনির্ঘণীঃ।।

ज्ड श व्यनाम् (त्र। इंडि कविकन्न क्रमः॥ তূণ ৎক সঙ্কোচে। ইতি কবিকল্ল মং।। তৃণ ক সঙ্কোচে।ইতি কবিকল্পদমঃ॥ ज्ग इ क श्वरा । इंडि कविकन्नक्यः॥ " जूनिः शु भना । इंजुराहित्कावः जृगः शू· खी वागावातः। उरशर्यायः

। উপাসক: ২ তুণীর: ০ নিষক: ৪ ইবুধিঃ ৫। ইত্যমরঃ ॥ তৃণী ৬। इंडि नद्वद्वावली ॥

ज्गक : इन्हां दिल्ला यः। यथा। ज्नक ममानिका शह ख्य दिना-

दिन । इंडि, इंटेन पिक्षती र्ज्गी. की र्जूनः। इंडि मेर्द्रद्वावची।।

তুণী পু নন্দীবৃক্ষঃ ইতি রাজ

ি নিষ্টঃ।।তৃণযুক্ত জি॥

निर्घ'रोः॥

यः क्री ध्विः । इठि विकामि- ज्नीतः श्रु ज्नः। इठामतः॥ ज-गुर्ह तुङ भद होकाया नात- ठूठक क्री जुला । जुडिया ইडि ভाषा । इंडि मफ्रिम्का॥

जूर हेत्र अमर्रन । यथ हेिं यावर ज़नः भू॰ जूनवृक्षः । हेि ताक-निर्घणेः॥

তুহিন ক্লী হিম । ইত্যমর: ॥ তুর য ড ঈ হি সে।। বেগে। ইতি কবিকল্লফ্ম:॥

ू जूती खी भूखृतवृक्षः। इंडि ভाব-

उं की भीय । उद्घ जि वि। इंडा

॥ ত্বরা। ইতি হেমচন্দুঃ॥ শ্লোকঃ। ननः । इंडि म·किछनात् डेगारि-वृद्धिः॥

ज्र्गं की वाम्र । इंडि (इस्कम्दुः॥ ज्यंत्रथः े भुः मुगफवान्तरः। इंजि श्वावनी ॥

ভূল ক ড প্রণে। ইভিক্বিকল্লছমঃ।। कृत क निक्दर्य। इय जा शतिरहम ইতি যাবৎ। ইতি কবিকল্লফমঃ।। ज्न क्री याका**ण**। इंडि विमिनी ॥ अध्याक्। त्रृक्वि(म्यः।। भना- ानिशन इं ि जुंड इं िह छाया। ॥

इंट भर्गायः। जूरः २ तुक्तकाक्षः ०

तुक्ताराक्षः ६ श्वकः ६ तुक्तकाक्षः ०

मुशुः १ मुक्तभः ६ तुक्तकाक ७ ॥

मुशुः १ मुक्तभः ६ तुक्तकाक ७ ॥

मुशुः १ मुक्तभः ६ तुक्तकाक ७ ॥

कगुकः २० विश्काक्षः २२ महमातः

२२। इं ि काक्रनिर्माणः ॥ शृगः २०।

छंट भाद्र कन छनाः। छक्युः। सामृद्
। श्विष् । शिकानिन नामिष्यः। ॥

छहान कन छनाः। छक्युः। मान्

कयुः। ग्रायुः। पिक्युः। त्रक्रभिक्व

कातिव्यः। इं ि ভावश्रुकामः॥

मध्रायुः। कनायदः। कक्र नामिष्यः
। इं ि जाक्रनिर्माणः॥

व्यायुः। कनायदः। कक्र नामिष्यः
। इं ि जाक्रनिर्माणः॥

তৃলঃ পু॰ কার্পাসাদতূল:। তৎ পর্যাব:। পিচ্: ২। ইত্যমর:॥ পিচুল: ৩ পিচুতূল: ৪তূলপিচু: ৫ । ইত্যমরটীকা॥ পিচুতূল• ৬। ইতি ত্রিকা ওশেষ:॥

ज्नकः की ज्नाः हें हि इसहम्पृः॥
ज्नकास् कि की ज्नार्द्वाहेनार्थकनुः
। धूनथन हां जाता। उर्भिश्रीतः
। भिक्षकः २। हें जिकाश्रीमाः॥
ज्नहां भः श्रु ज्नकास् कः। हे जि मदाङ्गवनी॥
ज्नन। जिका की शिक्षका। भाहे ज ইতি ভাষা।ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।।
ত্রনালী স্ত্রী ত্রনালিকা।ইতি
ভূরিপুযোগঃ॥
ত্রাপিচুঃ পু• ত্রাঃইক্তমরটীকাবা•
ভরতঃ॥

् . पू॰ . भाग्यनी । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

॥ ज्नमकद्रा खी कार्भामचीक । इंटि भद्रभाना॥

ज्ञातिका की ज्ञ क्ड्रिंग । कार्यना के कि कार्या। इंडि मक्याला । इंडि ज्ञा की कार्या । इंडि ज्ञा की कार्या । इंडि ज्ञा की विश्व हैं कि ज्ञा की विश्व हैं कि ज्ञा कि कार्या विश्व हैं कि कार्य । इंडि जिक्का छकी मूर्या मुगापि वृद्धिः ॥

ত্লিকা স্ত্রী চিত্রকরোপনরণ।
ত্লীইতি ভাষা। তৎপর্যায়ঃ।
ইবিকাং।ইত্যমরঃ।।ত্লিঃ ওত্লী
৪ইবিকা ৫ইনীকা ৬।। বীরণাদি
শলাকা। ইত্যন্যে।। আবভিত্রমনাবর্ত্তি সুর্ন্ জ্ঞাতু ব্যলিক্ষিপ্তে
সুর্ণ প্রাকার যত্র নিক্ষিপ্তে
ভব্রেতি কেচিৎ। ইতি ভরতঃ।।
শ্যোপদরণ । তোষক্ ইতি

তৃত্ত

ভাষা। ইতি মেদিনী ॥ वर्डिः। ইতি শবরত্বাবলী॥

(ज्ंगिनी की वश्वगाकनः। इंडि व्याद्याचार्यः। भागावित्यः। इंडि ভাবপুकानः॥

जूनिकना जी मान्यनिः। ইতি রত্নালা।।

ज्ली खी नीनी ॥ वर्खिः । ইरि भद्रवद्यावेजी ॥ ज्लीका । ইত্যমর

ভূবর: পু॰ কালেঅজাত শৃংস্থা গৌ । নেডাগক ইতি ভাষা॥ অশ্নশু, পুক্ষ:। নাসন্দিয়া ইতি ভাষা। ইত্যনর:॥ পুক্ষ ব্যঞ্জন ত্যক:। ক্ষায়রস:। ইতি মেদিনী।।

তুবরিকা স্ত্রী তৃবরিকা। ইত্যনর টাকাষা রমানাথংগা

ত্বরী জ্রা সৌরাষ্ট্র মৃত্তিকা।ইত্যমর টীকাযাণ ভরতঃ ॥

তৃষ বৃষ্টো।ইভিক্বিকল্পনা।।

जूकी वा भोन । इवानवः॥ जुकी भीनः जिस्मीनी। जरभर्गायः

। ज्कीकः २ १ इंडामाः ॥

ल्कीकः जि ज्की नीनः। इउप्रमतः॥

তৃষ্টীকা ব্য মৌন। ইত্যমর:॥

े के शिक्षः। किं।। ইতি মেদিনী

कु:

11 भाभः ॥ ज्वः । इंडि भद्रोहा-वतीः॥

তৃট্ জ্রী ইছা॥ তৃষ্ণা। কানকন্যা। ইতি নেদিনী॥

তৃথ• ব্লী জাতীফ্**ন•। ইতি শদ**-চন্দ্ৰিকা॥

তৃণ উঞ্চ ডকে। ইতি কবি-কল্লুফন:॥

তৃণ ক্লী নডাদি॥ চিনাখড ইভি খ্যাত । ইতি কেচিৎ । ইতি ভরতঃ॥ তৎপর্য্যায়ঃ। অজ্জু ন २। ইত্যমর:॥ ত্রিণ• ৩ খট• ৪ থেউ• ৫ হ্রতি ও তাত্তব প । ইতি শद्राञ्चात्रनी ॥ 🕸॥ (गार्ड) ख्र मान कन यथा। जीय मात्नयू य পুণ্য । যৎ পুণ্য । বিপু ভোজনে। ८ भूगाक महामात यर भूगा. হরি সেবনে।। সর্ব ব্তোপবাসেযু সর্বেষ্বেব তপঃ সূচ। ভুবঃ পর্য্যটনে यबु मञ्ड वात्क्रयु यख्द्य ॥ य भूगा गर्ब याङ्कक् मीकायाक वाञ्चतः । उर भूगुः वज्र প্রাক্তো গৌভ্যে দত্ত্ব। ত্ণানিচ।। ইতি বৃদ্ধবৈবৰ্ত্তে ত্ৰীকৃষ্ণ বন্ধখণ্ডণ ॥ # ॥ श्निष्ठामि शक नकावयू गृह निमिख ज्वेकाष्ठाहत्य रमाया यथा 2034

া অগ্নিটোর ভব বরাগো রাজনী ডা ধনক তি:। সংগৃহে তৃণ কাঠানা কৃতে বস্থাদি পঞ্চকে ॥ ইতি জ্যোতিঃসারসংগৃহ:॥ ত্রসকুন ল্লী সুগদ্ধনুব্যভেদঃ। ডৎ পর্য্যায়:। ত্রাস্ক্ ২ গদ্ধি ও তৃণ-শোণিত ও তৃণপুল্ল ৬ গদ্ধাধিক

৭ ত্ণোত্থ ৮ তৃণগোর:১ লোহিত

১০। অন্যশুণা:। কটুরু । উষ্ণর । কফ মাক্ত শোফ কণ্ডুতি পামা কুষ্ঠানদোৰ নাশির । পরন্তাম্বর-রুষ্ণ। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥

ত্ণস্থ ী ব্ৰী ত্ণাছাদিতগৃহণ তৎ পৰ্য্যয়ঃ। কাষ্মান ২। ইতি ব্ৰিকাণ্ডশেষঃ॥ ত্ণৌকঃ ৩। ইতি ॥ হেম্চন্দুঃ॥

ত্ণকৃম: পু তুষী। ইতি শবসালা।। ত্ণকেতৃ: পু ব শঃ। ইতি হারাবলী।। ত্ণকেতৃক: পু ব শঃ। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ।।

তৃণগোধা দ্ৰী চিত্ৰকোল:॥ কৃকলাস:
।ইতি মেদিনী॥ তৃণজলৌকা।ইতি
কেচিৎ ॥

তৃণগুছি: স্ত্রী স্বর্ণজীবস্ত্রী।ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

ज्नन्ति भू नी समिनः १ है जि ब्राब-

ভ্ণপু

নির্ঘটি:।।মণিবিশেষঃ।কাফুরদানা ইতি ভাষা। ইতি শব্দার্থ কলু তক্তঃ ।। তথপর্য্যায়ঃ। শ্কাপ্ট থ কুর্ণ-মণিঃ ১। ইতি হারাবলী।। তৃণজন্তঃ তি তৃণভক্ষকঃ।। তৃশবর্ণ

ত্ৰসন্তঃ বি ভ্ৰভন্দ: ॥ ভ্ৰব্ দন্তযুক্তঃ। ইতি কেচিৎ।। ভূণতা স্ত্ৰী ধনু: ॥ ত্ৰব্ৰ । ইতি নেদিনী।।

ज्गक्रमः भू॰ जानः ॥ र्थताकः ॥
जानी ॥ (कर्जनी पा शक्तुं तः ॥
शक्तुं ते ॥ नाति (कनः ॥ विश्वाने । ।
विश्वाने विश्वाने । नी जनकः ।
नायुद्धः। (माइनद्धः । वनकातिद्धः।
क्रिप्धः। ज्ञा महाभ नानिद्धः।
क्रिज्ञा मर्निर्दे ।।

कृष्यानाः क्षी शानाः विष्मयः । উष्डि-शान इंडि ভाषा । छ<्पर्यायः । नीवातः २। इंडामतः ॥

তৃণধ্বা পু• ব•শং। ইত্যমরং॥ তৃণনিষঃ পু• রেপালনিয়ঃ। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

ज्नशिवका जी है कुमर्जा । इंडि बाह्यनिर्घणेहा।

তৃণপত্রী জ্রী ডিগুলিনী।ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ॥

ज्गनून ही ज्गनक्मा हिज ताक-

় নিঘণ্টঃ '।

'রাজ্নির্ঘণ্টঃ॥

তি্বপূলী जो हैका। চাঁচ ইতি ভাষা । इंडि हात्रावनी।। .

ज्गवन्त्रा जी वन्त्रा है जि दान-নির্ঘণ্টঃ॥

-জ্ণনণিঃ।পু• ত্ণগাছী। ইতি ছারা-

ज्गमः कृषः र्भुः नग्नकः । जानिन् 🗕 考 ি ভাষা। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ ॥ ত্ণরাজঃ পু• তালবৃক্ষঃ। ইত্যমরঃ।। नातिकनः। इंजि ताजनिर्यणः॥ তৃণবীর: পু॰ শ্যামাক:। ইতি ইত্র-याना ॥

ज्गवीरकाखनः शृ· मामाकः। **३**जि রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

তৃণশীত की কৰ্ণণ গন্ধতৃণ। ইতি ब्रङ्गाला ॥

ভূণশীতা জী জলীপিন্নলী ৷ ইতি क्राजनिर्घणः॥

ज्गन्ता की महिका। (कडकी कन এ ই তি নৌদিনী।। তৃণী হিতে ত্রি।। ভৃণষট্পদ: পু॰ বরোল । বোল্ভা ॥ ইতি ভাষা। ইতি হারাবলী॥

(जुनमाता जी करनी। हे छिहाता-

वनी ॥ ত্ণপুথী দ্রী সিন্দুরপুথী বৃক্ষঃ। ইতি তৃণসি হঃ পু ষঠারঃ। ইতি শবংগ্র-কল্পতক্ষঃ 🛚

> ত্ণহর্ম্যঃ পু• ত্ণযুক্তাউালিকা। অউ।লিকোপরি ভ্ণনির্মিতগৃহ•। **७८ १**र्यायः । अयरेः २ । ইভि कात्रावनी।।

> তৃণা-ভুগ: পু মস্থানকতৃণ। ইতি त्राजनिर्घणेः॥

> তৃণাগ্নিঃ পু তৃণজাতাগ্নিঃ। তৎ পর্য্যায়ঃ। বৎসলঃ ২। ইতি ত্রিকা-ওশেষঃ ॥

> ত্ণাঞ্জনঃ পু॰ क्कलामः। ইঙি ত্রিকাওশেষঃ।।

> ত্ণাঢ্য লী পর্বততৃণ । ইতি রাজ-विर्घ छै:॥

ত্ণামু ক্লী লবণত্ণ। ইতিরাজ-निर्घणेः॥

ভ্ণাসৃক্ পু• ভ্ণমঙ্কুম•। ইতি বাজ-নিৰ্ঘণ্টঃ॥

ভ্ণেক্ষুঃ পু• বল্বজা।ইতি রাজনির্ঘণীঃ॥ द्राजन्त्र केःना

ত्गान्तवः भू नीवातः। इंडि तान-निर्घणः॥

ज्लोकः ही केरियमानः। ज्लिनिर्यिक

द्वाहन्मुः ॥

তৃণৌৰখ শ্লী এলবালুকাখ্যগন্ধদুব্য । इंडि नद्रिक्।।।

ভ্ণ্যা স্ত্রী ভূণসমূহঃ। ইভ্যমরঃ॥ ज्ञीयः वि क्याभा•भृतभः। (उ**म**त्रा ইত্যাদি ভাষা। ইতি ব্যাকরণ।।। ভূতীযপুকৃতি: ক্রী তৃতীযাপুকৃতি:। ইত্যমর ট্রাকাষা ভরতঃ।।

ज्ञीया जी जिथिवित्मवः। **मा** हन्तु মণ্ডলস্য ভৃতীয় কলা ক্রিয়া ৰূপা তৎক্রিযোপলক্ষিতঃ কালো বা। ইতি তিথ্যাদিতত্বনা অস্যা• জাত-न्य कृतः यथा। नकृत ७१ गञीखा ভ্মিপাল। नुत्रागी প वनगत विगाली ञर्दालाकाभकाती। शत्रविषय नि-वानी कोठूकी मङ्गाही ভवि निधिवविष्णा य ख्ञीया शुन्छः॥ ইতি কোগ্যপুদীশঃ॥

ज् शेयाकृष्ठ• बि वात्रवयक्**ष्ठरक्वः**। ভিনবার চাসদেযা ক্ষেত্ ইভি ভাষা। ইত্যমর:॥

ত् डीया पुक् िः जी ने गू भके । इंडा-सदः ॥

ज्म इव द छे था। अनामूद्र ॥ हि·रम । ইতি কবিকন্নদ্ৰমঃ।।

र्श्न । थप्याचत इंडि ভाषा इंडि । ईत म 'श्रीगत्त्। इंडि कविक्त्रक्रमः॥ ख़ृद्ध म श्रीपत्त । ইতি कविद्यक्त मः ॥ एन्ह छे न हिः। इं क दिक्न-

তৃপ কি সন্দীপনে॥ প্রীণনে। ইঙি ক্ৰিকল্ডম:॥

ত্প न ्रीपान। ইক্তি কবিকদ্নজনঃ॥ ज्भ कि २ य छ श्रीपत्म। क्रें **क**वि-कन्नक्रमः ॥

छभ भ म भी गता। इंजि क्विकन्न-क्यः ॥

তপ্ত পূ• एन्द्र: । ইত্পেদিকোবঃ।। ছত্র•। ইতি সিদ্ধান্তকৌনুদ্যানুণা-रिवृज्धिः ।

ञ्भना जो नजा। हुएगानिकारः ॥ विक्ना। इंडि मः किसमादः উगाहि वृज्धिः॥

তৃপ্তঃ ত্রি ভৃপ্তিযুক্তঃ। ইত্যমরঃ। ज्थिः जी जक्तामिनाकाष्कानि-বৃৰ্জি:। তৎপ্ৰস্থায়:। সৌহিত্য २ তর্পণ ৩ । ইত্যেরঃ॥ প্রীণন ৪ व्यामिङ्कर्न • ६१३ श्रिक्त प्रवाद नी॥ ज्भः भू र्ञ। इज्रागिरिकाषः ॥ পুরোডাশ্মা ইতি স-ক্ষিপ্তসারে: উণাদিবৃত্তি:।। তৃফ প শ প্রীণনে।ইতি কবিকরক্ষমান

তৃফনা দ্বী ভিফলা শ্ইতি ভিকাও-শেষঃ॥

তৃফু: পু - নপ্রাতিঃ।ইতু গাদিকোকঃ! তৃষ ইর য ঞি আকাড্কায়। । ইতিকবিকল্লদা:।।

्ष। जी ज्या। इहा। कान्कन्ता। ॥
देख भद्दश्वनी। नादनिकी
्कर। निष्ठ भद्दिन्द्राः।
्वाः जी द्वाम। संदेशभद्दिन्द्राः॥

ज्यार की अवश्रेडिणम्हिन्य।। ज्यारा जी अधुरिका।रेडिणम्

চনিকা।। ভূষিতঃ তি ভূমাণুক্তঃ ওৎপর্য্যায়ঃ "

। ত্রিভঃ২ সত্ট ও। ইতি বিকাও-শেষঃ ॥ ত্রানা ক্লী।

ত্রিতোত্তর। স্ত্রী অশনপর্ণী । ইতি শব্দিকা।।

ত্ঞক্ তি লুব্রঃ। ই এসরং॥

क्षा ही व्यवस्थित्रीकारतहा।
इति हुन होकायाः नारगाको छ ।
॥ ना विद्याः ॥ भारतहा। इति
स्मिरिन ॥ उर्वर्गायः । उत्तरा २
भिभाना । कृति हुन वर्गायः । उत्तरा ।

ভ্কারি: পু পর্ণট:। ইতি রাজ-নির্ঘট:॥

ভূকাক্ষয়: পু॰ শান্তি:।ইতি হেম-

চন্দুং ।। পিপাসানাশক।।
তৃহ ধ উ শ হি'দে। ইতি কবিকল্ল
ক্ষাং ।।
তৃক্ষ-গতৌ। ইতি কবিকল্লক্ষাং ।।

ङ्क्र-गरङा। शङ कावकष्मक्षभः॥ ङ्ऽ छत्त्र ॥ অভিভাবে॥ मुख्रा•। ইङि कविकष्मक्षभः॥

তে ব্য দ্বা। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ॥

যুশাহদ্দ্য ষধ্যা তব । চতুর্থ্যা

তুভ্যং। ইতি ব্যাকরণং॥

তেজঃ ক্লী দীন্তিঃ।। পূভাবঃ ।। পরা-কম: ।। রেতঃ । ইতি মেদিনী।। है॥ नवनीज ॥ अग्निः। इंडि (इनहन्मुः॥ সুवर्गः॥ मङ्जा।। शिंड॰ । इंडि রাজনিঘণ্টঃ।। जनहन । यथा । अधिकिशाभगांनातः भुगुक्तमा भारत यदा भागाजार र भागहन उत्बद्धः ममुमाङ्ख ॥ ইত্যমরটীকাষা ভরত:॥পঞ্মহা-ভূভান্তৰ্ভ তৃভীয় মহাভূত। যথা । তৃতীয• জ্যোতি রিত্যান্থ শুকু রধ্যাত্ম মুচ্যতে। অধিভূত ততো क्रम॰ मूर्या खुवाधिरेषवड॰॥ ইত্যा-यरमिक्शर्व।। अमावर्गाः। क्रान > দুবত্ব-২পুত্যক্ষোগিত্ব-৩॥ অস্য-खगाः। म्लामं १ मः गा २ शतिमानः **৩প্থক্ত্ব-৪ স**ংযোগ: ৫ বিভাগ: পরত্ব: ৭ অপরত্ব: ৮ কপ: ৯ দুবঃ।
তিবোঃ ১১ অস্টেন্মিন্তিক দুবত্ব।
অস্তাশাল উষ্ণা কপ: শুন্ন ভাষর
। ইদ:ছিলা । পরমাণু স্বক্রপ:
নিভ্যা সাব্যব ম'নত্য: । অনিত্য: ভিষা দেখা ইনিন্দা বিষয়: ।
ইতি ভাষাপারশ্বদাল।

তে জংকলঃ পু বৃক্ষ বিশেষঃ। তেজফল ইতি ভাষা। তৎ পর্য্যায়ঃ।
নত্ ফল: ২ শাল্মলী ফলঃ ও তবৰফলঃ ৪ ভেনফলঃ ৫ গন্ধকলঃ ও
কন্টবৃক্ষঃ পু। অস্যুগুণাঃ। কুটুত্বুণা
ভীক্ষত্বং। সুগন্ধিত্বং। দীপনত্বং।
নাত লেখ্যাক্তি নাশিত্বং। বাল
রক্ষাকরত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘটিঃ॥
তেজনঃ পু বংশঃ। ইত্যমরঃ॥ মৃঞ্জঃ

তেজনকঃ পু॰ শরঃ।ইত্যনরঃ।। তেজনী জী মূর্ব।ইত্যনরঃ।জ্যোতি-মতা।ইতি শন্ধরত্বাবলী॥

॥ ভদুনুঞ্জঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

তেরপত্র কী স্থনামথ্যাতবৃদ্ধঃ।
তৎপর্য্যায়ঃ। গদ্ধজাত ২ পত্র ৩
পত্রক ৪ ইতি শব্দির রারলী। অস্যতণঃ। কফ বাস্থা ইল্লাসাক্তি
নাশির ইতিরাজবল্পতঃ তন্যাকে।
পর্যায়া স্তৃকপত্র শহ্মে দুইব্যাঃ।।

তে জলঃ পু• ক্ষপিঞ্জলপক্ষী। ইভি রাজনির্ঘণ্টঃ!!

(छन्नकतः जि (छानावृद्धिकातंक-सुवारः। इति रेवरार्कः।।

তেজষিনী জ্ঞী জ্যোভিম্মতী। ইতি শব্দরভাবলী॥ নহাজ্যোভিম্মতী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

তেজখী ত্রি তেজোগুজঃ। এথা। মহা তপদ্বী তেজখী বুক্চারীচ সুবুতী । যুব্যজিখোক শাস্ত্রক পাটজু ন্যুদ্চ পণ্ডিতঃ।। ইতি বুক্ষবৈবর্তে শিক্ষ জন্মখণ্ড ।।

ভেজিতঃ ত্রি তীক্ষীকৃতঃ। শাণান ইতি ভাষা। তৎপর্যবিষঃ। নিশিতঃ ২ ক্ষুতঃ ৩ শাণিতঃ ৪ . ই ত্যনরঃ।।

(उद्योगाने जि (उद्यागुकः। यथा।
श्रक्तानी श्रक्ताः नश्रक्ति उन्ह स्रक्रमणा। (उद्योगमाः न (मायाय वद्यः मर्जन्यम् यथा। ইकि व्या-रेवरार्ज्ञ जिक्क स्मार्थः॥

(उद्धानष्टः ।पू•्ग्निकान्निका । ইতি রত্নালা।।

তে জোরপ (क्री तुका। मधा। मनतीतः विगुरु वृद्धिम्पा वह शिख्यः। यह-नाकि मर्दमाकि তে জোরপ ने मा-नारु । ইতি বুক্ষ বৈবর্তে একৃষ্ণ- 'दम्थलः॥

তেরোবতী জী গন্ধগিন্নলী। ইতি
শব্রহাবলী ॥ চবিকা। ইতি
রহুনালা ॥ মহাক্যোতিমাতী।
ইতিরাজনিষ্টাঃ॥

(उक्तावृक्तः प्• कृतान्निग्रहः। ইতি রাজনির্ঘটः।।

তেন ব্য তক্ষেত্ন। সেই নিমিত্তে ইতি ভাষা। ইত্যন্ত্র টাকাষাণ ভরতঃ॥

তেন: পু॰ গানাক বিশেষ:। যথা।
তেনেতি শব্দ স্তেন: স্যাৎ নক বানা॰ পুদর্শক: । তে শব্দেনোচ্যতে
গৌরীন শব্দেনোচ্যতে হর:।। তেন
মাক্ষ বিকশ্চাশ-শব্দ স্তেনইতিমৃতঃ
। ইতি সক্ষীতদামোদর: ।

তেপ খড় কম্পে॥চ্যুতৌ।ইতি ক্ৰিকল্পনঃ॥

(उन्नः भू जानी जायः। इंड्याः॥ (उन्नः क्री जानी क्रापः॥ याक्ष्मः। । इंडि मिनिनी॥

(उननी खी पूजी (जरः । ই जि , (इन जन्मः ।।

তেব ঋড দেবনে । ক্রীউন ইতি

যাবং । ইতি কবিক বৃদ্ধনঃ ॥

তেবন শ্লী কেলিকানন ॥ ক্রীডা।

डि (इमहन्द्रः ॥ डिक्रमः क्री घृडः । ইडिम्डिः॥

श्रिक्रमावर्खनी खी मूर्या टिक्रम

गनानमूही इंडि जाया। इंडि महः॥
रेडिक मी विवाद काद मकत गाउगंड हुई क्रांग । उन माठ क्ल यथा। क्लामू स्कानना जिना वी मूमूर्डि महर्षि कामस्परः। वका-एग्छः मनाः मूनीन क्टिंडि-नाथा क्रांग शुमूर्डो ॥ इंडि काशी भूनीनः॥

তৈতিকঃ পু• গওকঃ।ইতি নেদিনী॥ তৈতির• ্লী তিত্তিরিগণঃ।ইত্য-মর:॥

তৈভির: পু• তিভিরিপক্ষী।ইতি রাজনিষ্ঠিট: ॥ গণ্ডক:। ইতি নেদিনী॥

रैंड खितीयकः शु॰ रैंड खितीयी।
यजु (बंशीय माथा विष्मय (वडा।।
रैंड खितीया जी यजु (बंस म) माथाविष्मयः। यथा। (स्वतां उत्तृं इः
रम्भी स्पूर्ण वायज्ञाः भागः। एउ।
गाउ। श्यम्नाया मम् मुखान्य जूर्णगान्। यजु रिंड खिता खुत्र। खिलाने

যজু: শাখা আসন্ সুপেশলাঃ।। ইতি শ্ৰভাগৰত ।।

रैंडतभी जी क्षूपितिस्परः। छ९ भर्ग्रायः। डिंडतभः २ टेंडतः ७ व्यनीनी ८ त्राभमः १ व्यम्प ख्याः। स्थितित्रवृश डिंडावृश प्रमानिवृश । व्यक्षपत्रक्षमञ्जूष । ইতি त्राज-निर्चिषः॥

टिजन क्री जिङ्गकः। ই छित्रञ्जमाना।।। जिनामिकाञ्ज्यकः।यथा। जिना-**कि निश्व वस्ता॰ त्रह रेखन गूका** ছত•।ইতি ভাবপুকাশঃ॥ ডৎ পর্য্যায:। মুক্ষণ ২ স্নেছঃ ১ অভ্য-ঞ্জন ওাইতি হেমচন্দুঃ। অস্য গুণা । क्यायद्वा मयुत्रद्वा द्वारद्वा छेक्द्वः । ব্যবাবিত্ব•। পিত্ত কারিত্ব•। বদ্ধ-विग्रवद्रशास्त्रपायक्षं कद्वा महीवाङः विकात्र नामिष्यः। भिषाशिषणवर्षान षुक्षा नािं ठेवा ८ भव्र किक्ट ভেবল মাক্তাপহ । ইতি রাজ-निर्घण्डः।। खपः। सर्मु गञ्च। किकिन मही नज्क ॥ दुरामः (याता मःकृ उ उँ वामा मर्ब-(द्राग नः भिद्ध- ।। अवगाश्त्रमुकः তৈলস্য গুণঃ। শরীরবলকারিত্ব। निवामुच द्वामकून धमनी नाडी

দারা তৃপ্তিকারিত্বঞ্চা নিত্যু মন্তকে क्षिकरे उनमानगुगाः। भित्रः मृल् थानिङ भानिङ नामिङ् ो क्ष्यम् नमा मृत्र कातिवः । কেশস্যাপতন ঘনতা কৃষ্ণতা দীৰ্ঘ-कातिकः । इन्दिय भुमन्छा-गिम्बि कारिङ्क ॥ निडा कर्त टेडल প्রণम् गूगाः। मन्। इन् मश्गुरहारिहः नु जि वाधियं कर्गवा छ ब রোগাজন করু:।। মর্দ্দনৈতৈল স্চুগুণঃ । क्ञाम्धे गुगगुरुष्। ইতিরাজব-লভাদিঃ ৠ পাতঃ বানে বুতে শান্ধে षाद्रम्या गुर्ग उथा। मन्यवभ ममः रेजनः जयारिखनः विवर्कार्यः II इंडि कर्मालाहन II शृंडक नार्षभः टेडकः गटेडकः भूद्रवानिउः । अमूळे भक्टें उनक रेउना जारक ठ नि डामः। इंडि डिब्या दिखुः॥ 🗱 । वान्नविष्णत्य रेउन्गु इशक्तनः यथा। व्यथा र्षुागः भाषा की जिना छः क्रक मृजुः वृद्ध भूजाशिः गुरतो वर्ष श्वानः भूक स्माकः भानो नीर्यायः ॥ 🗱 ॥ यथनिविक्तिरिन टेउलगुइत (माव नाडार्थ (मय मुवा नियमः। त्रवी गुज्ञ गुरतो मूर्वा कुरत ज्याः 'শুক্রে গোম্যণ অন্য পুরাণ যথা।

व्यक्त नृन पर्वि क्र स्य कीर्वि । कर्वुवा शोग व क्य वाठ शुपर ना जन्ह (जाम (जो म मृजू (जंबि)) ना निष्य । ই जि ता क निर्म कि: ।। न्नानि जविष्ठ भूरती जार्भाव माक् माक्तकावनी ॥ युक्त रिष्ठना छ। इन वन य गरा १ मूर्या -(क शीर्वसः युः ॥ इंडि क्यांडिः-नात्रमःगुरुः॥ তৈলক প্লা অলু শরিমাণতৈল ইতি

व्याकृत्यः !! रेउलकातः शुः कल्लिक्षयः। ७९ ॥ भर्त्रायशास्त्रककः २ जिलास्य जिन्नहिक्यवकः e। यगः धनः (माल्युवितः। क्ष्रेतः। उष्युः। বাভাগনার বিষ শোফ নাশিত্ব• i রসম্য বন্ধ নি হিত্ব । দেহ নি ছিল । তৈলপর্ণক প্লী প্রস্থিপর্ণক । ়কারিত্বপু । ইতি রাজনির্ঘণীঃ।। टिजनवादः शृ वर्गमङ्गद्रजानि-

ইতি বুক্ষবৈবর্ত্তে/বুক্ষখণ্ড।। তৎ शर्ग्रायः। श्नतः २ हाकिकः ० रिजवी 8। इंजि (इम्राज्युः ॥ তৈল্ফিউ ল্লী তৈল্মল । খলিইভি খ্যাত। তৎপর্য্যায়ঃ। পিণ্যাকঃ ২

বিশেষঃ। কলু ইতি ভাষা। স

কেটিক গ্রাগর্ভে ল ব্রকারামজাতঃ।

र्तनगढ मन्द्रा भूवणा छ । अर्थ हिन्तनः भू प्रमिदिष्णयः। इति ভৈলটোরিকা স্ত্রী তৈলগাবিকা। इ जिल्ला हावनी।। रिज्ञानी की क्षेत्रग्रंड मङ्जनार्थ रे उन भूर्ग काष्ट्रानि निर्मित्र भाव বিশেষঃ ! ভতাবস্থি তিগুণাঃ। বাত লোগ ব্যাহ্মগুরোগ পত্ন বাধির্য্য িমিমিন গ্রাদ ধরুক ভারাগৃষ্ঠ পুচ-मनः ० कत्रवीतकलगण्डः ३ । बिल्याम गावकम्य कथाही ূ্ৰি এলাপততা ক্ষম ক্ষিরভব मृष्ट्र दिख (तार्यम् मेडव् । हैं ज दाज्यका कः।।

> इंजि जादशुकाणः॥ टेडलगर्निक ती श्रीजन्मन । इंडा-मतः ॥ जन्तनित्रणयः । उन् जिन शर्वकृषाजः ध्वनः भूमीजनः। ইতি ভরতঃ ৷৷:

रिज्याशी जी इन्द्रन ॥ बीवामः ॥ निष्टुकः। ३७ त्मिनी ॥ रेउनभा बी रेउनभाषिका। इंडि वाकनिर्वाः॥ थिनः ऽ देखन कनुष्ठः ६। यगुष्टगाः। रेखनभाषिक। खी. की देवितमयः।

ভाষा। তৎপর্য্যায়:। প্রোফী ২ । इंड्रामदः ॥ टेडनहोदिका 🤏 । ইঙি শন্রয়াবলী ॥ তৈলপা৪। हें जि ब्राइनिर्धकः॥ टिनायुका ६ थनाथाता ७। ३७ क्रीवतः॥ रें उन्दर्भगीनिका ज्वी शिशीनिका (जनः। उৎপर्यायः । उनन्या २ কপিলাজ্বিকা ৩ :ইতি রাজনির্ঘণীঃ!! है उनक्षाः शु॰ इङ्गरी ॥ विजीजकः। इंजि बाजानर्य है।। रेउन जाविनी खी बाजी भूमत्क इिंछ রাজনির্ঘণীঃ ॥ रे उन्मानी जी वर्जिः। ই जिम्मस्माना॥ रैं उनम्भाजा जी स्वाः जिनभारा-**२न्।। युरायाः ना।इठि विका**पि-স•গুহে অমর ভরতো॥ रिज्ञनाथन क्ली भक्तनुवर्गवरमयः।

সংগুহে অনর ভরতো।।
তৈলনাধন প্লী গন্ধনুব্যবিশেষঃ।
কাকনা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ
। কাকোল ২ কোলক ৩ গন্ধব্যাস্বল ৪ কল্পোলক ৫ কোষফল ৬
। ইতি শন্দ্যন্তিকা।।
তৈলমুটিকঃ পু ভূণনিং। ইতি

(इम्हन्मः॥ विकास

रिजनाएक जी माश्राह्म । इंडि बाजनिर्घण्डः॥

তেলাপোকাইতি আরশুলা ইতিচ " তৈলাটো জী ব্রুটা।ইতি হেমচন্দুঃ।।
ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। পযোফী ২ তৈলামুকা জী তৈলপাবিকা।ইতি
।ইত্যমরঃ।। তৈলটোরিকা ৩। জটাধরঃ।।
ইতি শ্যাব্যাবলী ॥ তৈলপাও। তৈলিকঃ পাণ তৈলকারঃ। ইতি

रेडिनिकः भू• रेडिनकातः । इंडि व्याक्रम•॥

रिजिनी खी की एडिनः । छए भगायः । रिजनकी छैः २ विष्कृता ७ एक्टनामिनी ८ । ইতि महाना विष्टः ।। हमाविद्धः । ইতि महाना ॥ रिजिमाना खी यखगृरः । कनूत घत हेडि डाया। ইতি रिमहन्तुः ॥ रिजने पुः खी रिजनकातः । ইতি रिमहन्दुः ॥ रिजनमञ्जनि वि॥ रिजनीनः की जिनस्कृतः । ইত্যमतः॥ रिजनीनः की जिनस्कृतः । ইত্যमतः॥ रिजनीनः की जिनस्कृतः । ইত্যमतः॥ रिजनी खी पुरानक्षवणुका (भोनमानी । ইতি मुखराधः॥

তৈক্য প্রী তীক্ষ্তা। ইতি ব্যাকরণ।। তোক প্রী অপত্য । পুরোদুহিতা চ । ইত্যমরঃ। গ

তোহা লী কর্ণনা ইতি হেমচনুঃ।। মেয়:। ইত্যজ্বপাল:।।

তোকা: পু॰ হরিন্দব:। অপক্সব:
। ইত্যমর: ॥ হরিদ্বর্ণ: । ইতি
হেনচর্ন্ণ:।
তোটক লী দাদশাক্ষরপাদস্থন:।

इन्तः मंद्य मुश्चेवारः॥ क्नः ।।

তোর• ক্লী গবাদিতাডনদঙঃ। भाँ हिनी इंडि थ्या उ: । उर भर्या यः ৈ প্ৰেন•২ তোদন• ৩॥ গ্ৰুস্য **्ञार.नम् ७:। ७९ श**र्य) यः। देव गुकः २ । इंडामदः । (वन्कः ७ । इंडि ভরতঃ 🏻

তোদঃ পু• ব্যথা। ইতি রত্নমালা॥ ভোদন জ্লী তোত্র । ইত্যমর:।। ব্যথা। ইতি মেদিনী॥

ভোনর: পু ক্লী ভাস্কবিশেষ:। मावनी इंडि डामा। उर्भर्गायः। শর্বনা ২। ইত্যমরঃ॥ হস্তক্ষেপ্য সশল্য দণ্ডঃ ৷ রায্বাশ ইতি **ভাষা । ইতি অস্থাভারতটাকা ॥** তোমরধরঃ পু• অগ্নিঃ। ইতি শব্দার্থ-क्वडकः॥

তোমরিকা জী रुत्तिका। ইতি मद्रवावनी॥

र्छाय क्षे कुन । इन्डानदः॥ তোयकामः भू भित्रवाधः। कन . (বভষঃ। ইতি कটाধরং॥ জলাজি-वाविनि वि॥

ইতি ছদেশমঞ্জী ॥ অস্য বিবরণ তোষক্ছু • স্ত্রী জলমাত্রপানৰূপ বুতবিশেষ:। ইতি মিতাকরা।। ঠোড খ সনাদরে। ইতি কবিকল্ল- । তোযডিন্তঃ পু॰ ঘনোপলঃ। ইতি हाद्रावनी॥

> তোযদ: পু॰ মেঘঃ॥ নুস্তক॰॥ খৃতে ক্লী। ইতি নেদিনী।। জলদাতরি ত্রি তোयधदः भु• भ्याः। मूखा।। भूनि-यः। कमाकः। इंडि मिर्नि।। তোযধিঃ পু॰ সমুদুঃ। ইতি পুরাণ।। ভোষবিপ্রিय॰ ক্লী লবঙ্গ । ইতি अक्टिन्कि ।।

. (डायनिधिः शु नमूनुः। इंडि भद-ब्रहावनी ॥

ভোষ্পিপুনী জ্বী কাঁচডাইভি খ্যাভ कनक भाक (छमः। उৎপर्यायः। वाक्वो २ नात्रही ७ नजवाहनी ६ । ইত্যমরঃ।।

ভোষপুत्री जी भाष्टिनार्कः। ইতি मद्भावा॥

ভোষপুসাদন জ্লী কতক। ইতি ভূরিপুরেযাগঃ ॥

अय्युमारनकन क्वी कं उक्कन। इंडि बन्नाना॥

তোৰ্ফলা জ্ৰী ইর্নকঃ। ইতি রাজ-निर्विः ॥

(जायवल्ली जी कात्रत्वलः। উह्ह

ভোগক

ইতি ভাষা। ইতি রহমালা।। ভোষশুক্তিকা স্ত্রী জলশুক্তিঃ।ইতি द्वाजनिर्घणः॥

ভোষস্চকঃ পু॰ ভেকঃ। ইতি नमार्थकनुष्ठकः॥

তোয়াধিবাসিনী জ্ঞी পাটলাবৃকः। ङ्ठि बङ्गमामा।। **ভো**याहिया**निन्**र-शि शाठेः ।

তোরণ ল্লী কন্ধরা। কণ্ঠা। ইভি श्वावनी॥

তোরণঃ পু• ল্লী বহির্দার•। ইত্যমরং! মূলদারাদাহাদার । ইতি কোর্টা-म्यः ॥ बाजार्ग् नियात उस्या क्शितिवष्कः नान। वञ्ज तञ्च। मिन्यः ধনুরাকার বলক্ষ্য ভভোরণমিতি বহবঃ॥উপব্নিসুগাদিযুক্ত স্তম্ভাদি षय निर्मिक शुद्राप्ति वहि ष्रांति । ইতি সাঞ্জঃ।। বন্ধননালেভিখ্যাত• ইতি কেচিৎ। ইত্যমূরটীকাযা। ভরতঃ ॥

তোল• ক্লী পু• ভোলক•১ যথা। এক তোল দি তোল বা ত্রি ভোল (वम (ठालक । ইट्याधिक नतः कृत्वा भागिक छीया अपूत ।। व छा-गमः ॥

তোলক জুী পু শাণছন্মান । ইতি

ভৌর্য্য ত্রি

শব্দালা।। খুশীতির জি পরিহারে। । তত্ত্ব ধোডশ মাসকঃ বাবতি র্ক্তি পরিমাণঞ। তোলা ইতি ভরি ইতিচ ভাষা। তৎপর্যায়ঃ । (कान-२ मुद्ध-० नहेक-८ कर्या स्ट्-**८: ই**তি निष्ठकादि जाया॥ कर्यः ७।३७ जीया जी।

ভোষঃ পু• জুজি: "ভিন্নর শিং।। তৌতাভিফ• গ্লিত্নত উত্ত শার্থ হয় বি লুবে হর্মের• न विनेष्ठ (अञा अस्म नर्भनः। তত্ত্ব জাত মহোন শালি চ গিলা। ब्राहम्मारङकादंबा। इडि भूवाव-हरिन् मनः॥

(ञेञिक क्वी गुका। हेञ्जिता प्रतिषंग्रेः ভৌতিকঃ পু॰ শুক্তিঃ। ইতি রাজ-निघं छैं ॥

छोर्गुः क्री ज्यम् गुत्रकारि ज्यः अद् ৰূপে । ইভ্যনর টীকাঘা ভরতঃ॥ छोर्गा किक ही हु छा भी उवा पा निष्-जन्दि उ॰ जगःन ह्रिका इंडरनद्रः॥ নট ময়ণি নৃত্য গীত বাদ্য মিতি-ভ্রয•।ইতি ভতীকা সারসুন্দরী 💵 ঞাবিষ্ণু গ্ৰেগীত বাদ্যন্ত্যকল• यथा। भाष्त- (यशुक्त विश्व सम क्या भन्नामाः । उत्रा वपट क्षाः

ভৌলিকি

ज्ति मृत्व गर्दा नम ॥ याविष काक्तद्वारार्ष्रव शीयमारन यमस्रिमि। छावष्ववं मह्मानि इन्दुरनात्क मही-्या । क्ष्यान् ध्पवान् मिषः সর্ববেদবিদাম্বরঃ। নিত্যু পশ্যতি दिव वज्रुभागि (एव न म मण्यः ॥ मज्ज्ङरेक्टव बार्य उ हेन्मुरना कशर्थ श्रिजः। मईकर्ष धगः मुक्ठ खजानि मम भूबकः ॥ इन्द्रेलाकाए भद्रि-ভুষো মম গীত পরাযণঃ। পুমুকঃ मई मः मात्राचम लाकाय गहिं।। যন্ত গায়তি সুশোণিকৌমুদ্যালৈ দ্বাদশীণা সর্বসঞ্চ পরিত্যক্র মন लाकाय गहु ।। यस गायि शी डानि सम जागद्राय महा। गर्व " সঙ্গাৎ পুমুক্তো বৈ মম লোকায .. গছতি গা এতাত্ত কথিত দেবি गायनम् कल भर्ट! यम् गीजम निष्न जात्र मात्र मात्र मागत्र।।॥। वाहित्रमः भुवक्ष्मीम उर मृगृष्ठ वर्त्रका । भार्क्षवाद्यन्ता यन ॥ ठोनिकः भू विवकातः । इंडि দৈবেভ্যঃ সমতা । সম্পং-काल भुर्याराण मिश्राराजन वा श्रुनः । नव वर्ष जरुमाणि नव वर्ष **শ**তানিচ ॥ কবের ভবন· গত্ত্বা भाषा देव यम्ह्या । अत्वद

ज्यनाष्ट्रश्चः सहन्त गमनानयः॥ भग्राहि छा**ल मन्नारिड र्मम**् লোকায গছতি॥ #॥ নৃত্যমানস্য वक्रामि उद्दृत्य वनुकात । मनुका বেন গছন্তি ছিত্বা সংসার সাগরণ ॥ वि॰ महर्य मह्मानि वि॰ महर्य **म**ञानिह । शृक्षत्र दीश भागाम्। ষ্চুন্দ গ্ৰনাল্যঃ॥ ফল-প্ৰাণ্নোভি जुर्माि यम कर्ष गद्रायगः। क्ष वान् अगवान् भूतः भी ववान् जूनाव श्रिकः ॥ यखक रैक्टर कार्यक न नात्र भत्रित्माहिखः । 🗱 ॥ यस **জাগরতো নিত্য• গীভ বাদ্যেন** नर्खकः। कश्रुषीशः नमानाष्ट्र द्वाक व्राज्ञ जागरा ॥ नव् कर्म नमा-युक्ता ब्रक्तिजा रेव महीनिज्ः। মন্তক্ত শৈচৰ জায়েত মম কর্ম-পরায়ণ:।। ইতি বরাহপুরাণ।।। **ভोनः** क्षी जूना।जूनावरवङ्गरर्थ कः॥ তুলারাশোপু তোলী।ইভিজ্যোতিৰ नद्रभावा॥ ভৌলিকিক: পু চিত্রকার:। তৎ शर्यायः। त्रकाषीयः २ विखक्र ० । ইতি হেম্চন্দু:।। ভৌলিক: ৪। इंडि मक्ताला॥

ख्राज्ञ,

ভৌষার॰ ল্লী তুষার**লল**। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥

তৌক্ষিক: পু॰ খনুরাশি: 1 ইতি দীপিকা॥

ভ্যক্ত তি কৃতত্যাগণ। তৎ পর্য্যায়ঃ।

হীন ২ বিধুত ৩ সমৃজ্মিত ৪

ধৃত ৫ উৎ সৃষ্ট ৬। ইত্যমর: ॥ বিনা
কৃত ৭ বিরহিত ৮ নিব্যহ: ৯।
ইতি ত্রিকাওশেব: ॥

छान छ हात्ने। हे जि कितकन्नक्षमः॥ छानन जी छानः। वर्जनः। छान-बाजी जीव चनहे शुकारः॥

ण्डर कि छ्टा (मई इंडि जावा। जम्ड भू विक की विक्राया क्रभः जाः म्हा। नईनाम माद्या १यः। इंडि यहाक्रमः॥

ख्राभः भू मान । ই उर्द्रद्रः ॥ वर्जन । । ইতি मिन्ने ॥ वित्विक्शूक्दः । ইতি मन्द्रद्वावनी ।

लाकी वि माला॥ मूदः। इति मिक्ती ॥ वर्जनमीनः । यथा। यस कर्म कन लागी न लांकीला-निषीयर । इति नगदम्भीला॥ लागिनः वि लाकः। लाक्तिनः। हित्राक्तिभः। लाकाः वि लागर्यागाः। दर्जनीयः वल्ष

। यथा । जीत्र भुजिब्र स्त्रीका स्त्राक्ता वर्षमा विक्यः । देनि भागकि उठवः॥

ত্রক ই ড গতৌ। ইতি কবিকল্লফম: ॥
ত্রগ ই গতৌ। ইতি কবিকল্লফম: ॥
ত্রদ: পুণ ক্রী পুরবিশেব: । ইঙি
ত্রিকাণ্ডশেব: ॥

ত্রদ ই চেপ্টে। ইতি কবিকল্পন:॥ ত্রপ নি উ ড ব 'ঘজ্জে। ইতি কবি-কল্পন:॥

विभा जी भू॰ विद्धा । ইত্যমর:॥ स्वार्गे। ইতি मिस्ति ॥ स्वरः॥ बीर्खिः। ইতি শহরহাবলী॥

ৰপাকঃ পু• মুেছবিশেষঃ। ইত্গাহি-কোষঃ।।

ত্রপারপান্ত্রী বেশ্যা। ইতি জটাধর:॥ ত্রপিষ্ঠ: ত্রি অতিলজ্জিত:। ইতি নুঝাবাবে:॥

ত্রপীয়ান তি ত্রিষ্ঠিঃ।ইতিব্যাকরণ।। ত্রপু ক্লী সীস্কৃ ।। রক্ষণ । ইতি মেদিনী।।

बगः हो द्रशः। इन्। हिन्द्रशाहित्का दः॥ बगुक्क हो सी बगूरी। इन्डि द्राह्न-निर्द्राः॥

बश्री की ज्लागा है जित इसामा।। बश्रा की तक्रा है जि चत्र ज-

কুঠ দিব পকোষ: 1i बश्य॰ द्री इक् । ইडि ভরতক্ত-षिक्शकांयः।। ভগুধীফল। সসা ইতি ভাষা। তৎপৰ্য্যায়:।কণ্টকি-क्व २ नूबावाम ० मुनी उव १ । े छल्लायु कल खगाः। नीलायुः। यल ত্ট্ ভুন দাহ পিত রক্তপিত नामिष् । श्रामुष् । नी उष्क ॥ **छर भक्कल ७१।। जमुद्र•।** हेकद्र•। शिखनद्व । कक वाक नामिद्वस ॥ **७**ष्ट्र क्ला थाः। मृबलपुः। भी उपुः । কৃষ্ণ। পিতাসু ক্টু নাশিতুক। है ि ভार भुकानः॥ यम् मामान ख्याः। त्रामूष्। हरूद्वः। विश्वेखिष्ः। भी उनद्राम्य भिरुद्र। कक्द्रा অতিন্তলত্ত। ইতি রাজবল্লভ:॥ बणूनी जी कई हो। इंडि इन्हजुः॥ मञ्जारञ्चालि भाठेः॥ बन्न की तक । ই ि ता बनिर्ध के ॥ बनुमी की यह मृतिक्री॥क्करी शिवञ्चित्रियः। यमा इंडि कीजा ' ইडिচ ভाषा। उर भर्यायः। भी उ-भूझा २ का अलू: ०, बभूक क्री 8 . বহু ফগা ৫ কোষফলা ৬ তুন্দিল-क्वा १ कफेकीव उा४ ज्यावामा २! षाम्याःकवामा खगाः। बहाव्। मध्-

রত্ব। লিলিরত্ব। ওকত্ব। ভুন নিত্ত विषाहार्खि वाडि नानिष्-। वह-ম্বদবৃক্ষাকা গুলু রিত্যব কটালু-त्रिंग गार्ठः। इंडि त्राक्षनिर्घणः ॥ অগ্ন্য জী দুগ্লা। ঘনেতরদধি। পাতল-**परे रेंडि ভावा। रेंड्यब्र**ी**काया**• **जत्र अध्य विम्यावितामः ॥** वय॰ क्ली बाउययन। जिन है जि छाता । ইতি সুধ্ববোধ।।। बयः भू विभ था। जिन हेजि छाता। बि नदम् वङ् वहना छ क्रमा १य॰। व्यम् जी निक्तीव निक्रया क्रा जिनुः बीनि । इंडि व्याक्रन ॥ उदाहकानि यथा। कालः ३ अप्तिः २ **ज्**वन २ गक्तामार्गः ८ निवहकः द खाः ७ ग्रीवाद्मधा १ कानिसाम्-कावा ৮ विषः २ मक्ता २० भूत्र >> शूक्रते >२ द्वामः >० विकृ: >८ ख्रशाहः २०। ইতি कविकन्नुजा। ত্রিসংখ্যা বিশিষ্টে ত্রি। ইত্যমরঃ।। #।।ভিন্তি। ভার্য্যা ত্রিশালাশ্য ত্রবে। ख्डाक वाक्रवाः । शुक् तिक বিক্লমাণ্চ ন ছেতে নুকুলপুদা:॥

हैं वि तुक्तिवार्स भुक्षिथं ।।

वरी जी अक् नाम रक् र्वन। अड-

भित्रयः । इंडामदः ॥ भूत्रक्षी ॥

मूमिकः। ইতি विश्वः॥ (मामद्रामीवृक्षः। ইতি नक्तानुका॥
विशेषकः श्रूष्ण मृर्याः। ইতি হলायुकः॥
विशेषकः श्रूष्ण अप्रमूः माम्राः विश्वानः।
विशेषकः श्रूष्ण अप्रमूः माम्राः विश्वानः।
विशेषकः श्रूष्ण वृक्षिणः। ইত্যमदः॥
विशेषकः श्रूष्ण वृक्षिणः। ইত্যमदः॥
विशेषकः। अश्रुष्ण । ইত্যमदः॥
विशेषकः। अश्रुष्णाः । । २ठि
किवकः। अश्रुष्णाः । । २ठि
किवकः। अश्रुष्णाः।

ব্যাদশং বি ত্রোদশানা•পূর্ণঃ। তের্ঞি ইতগদি ভাষা। ইতি ব্যাকরণা।।

वर्गाम्भी की जिथिविष्मदः। जा हिम्मुन्य वर्षाम्भ कला किया क्षाा वर्षाम्भ कला कियाकि इस काल क्षा वा। इजि जिथ्यामि छद्दः ॥ छव बाजम्य कल यथा। क्षान्जिः नाषिक छाव होनः मुशी ह वाल्य बननी श्रियम्मा नमालमः भिन्छरेग-कर्षा वर्षाम्भो बन्च जिन्धि यमि म्यान्य विश्वाम्भो बन्च जिन्धि यमि वर्षाम्य विश्वाम्भा वर्षा वर्षाम्य विश्वाम्य वर्षाम्य वर्षाम खन है कि जान। है क किंदि कन्नकाः॥ बन है १ ज्या है कि किंदिक न्नकाः॥ बन य ज्या है कि किंदिक न्नकाः॥ बनः न्नी यनः। है जि जिका अल्याः॥ बनः जि बन्नाः। है जानाः॥ बनाः जि बन्नाः। है जानाः। जानी है जिल्ला। जिल्लायः। जानी है जिल्ला। जिल्लायः। जानी है जिल्ला। जिल्लायः। जानी है जिल्ला।

্রসরেণঃ দ্রী সূর্য্যভার্য্যবিশেষ:।

ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ:।

वनति । जगताका सर्गां का म्यां कि ति । जगताका सर्गां का म्यां कि ति । क्ष्मी २। क्ष्मी १। क्ष्मी १। क्ष्मी १। क्ष्मी १। क्ष्मी व्या । क्ष्मी विष्णु । क्ष्मित्र वृक्षि विष्णु विष

बमृतः मूं जीककः। ই जि मिश्वः मात्र जेगानि वृद्धिः॥ बसः वि जीजः। ই जि बद्देग्यतः॥ भीष्य क्री। यथा। मित्रामः विजा-नक्ष अकः मृत्र स्थानतः। (मात्य बसः विजानकः (म्यमात्र हेजीर्य्याः)।

বকুঃ 🗿 তাসশীলঃ। ইত্যমরঃ॥ ত্রা ও পালনে। ত্রৈড পালন ইত্যুত্র े रिकन्तिममीएमें वा भठाउँ। इंडि कमरीयद्रः ॥ इंकि क्विक्क्षम् ॥ होकायाः मूर्गामानः ॥

জ্বাপ লী রক্ষণ।। তায্সাণা লভা।। 'ব্লক্ষিতে ত্রি। ইতি মেদিনী।।

ত্রাণা ত্রী ত্রায়মাণা। ইতি রাজ-निर्घणेः ॥

ত্রাত্ত 📵 রক্ষিত । ইত্যনর:॥ बक्रांग ही।।

व्याक्त्रा ॥

ত্ৰায়ভী জী ত্ৰায়নাণা লতা। ইত্য-নরঃ।। ত্রাণক্রী হ।।

ত্রাবনাণ ত্রি রক্ষ্যনাণ । ইতি व्याकत्रुगः॥

वायमाना की वना इंछि वक्ना इंडि ह भाजा। उर्श्यायः। वार्विक २ बावजी २ वन जिल्ला 8 । ইত্যমর: ॥ কৃত্তা ৫ তার্যমাণিকা , अवन जुन १ मूकामा ४ वार्षिकी २ लितिबा ७० चनुका ७७ माक्नार्श **३२ (एववना ३० शानिनी ३८ ७**य-नामिनी १० अवनी १७ तक्की ११ वाना १४। इंडि ब्राकनिर्घणेः॥ ত্রিক

मृजुर्गाभी १३ जितुनाभिका २०। हे जित्र द्वाला ॥ **च**न ८ ७११: শীতত্ব ৷ মধুরত্ব ৷ গুলা জুর ककाञ् जुम ठ्का क्रय ग्रानि विष ছুদ্ধি বিনাশিত্বগ । ইতি রাজ-निर्घणेः ॥ शिंख नामिष्ः। ইভি রাজবল্পভঃ॥

वानः भूः ভगः। इंडामदः॥ म्रा-र्मावः।इंडि सिमिनी॥

वामनायी वि चयनवा । उट পর্য্যাম্যা **শন্তু রঃ২া ইতিহেনচ**ন্দু:।। লাপুৰ ক্রি তপুষানিখিত। ইতি ক্রি-শঃ ক্রি ক্রি-শতঃ প্রণঃ। ইতি व्याकत्रगः॥

> बि मकः वि वि मए मग्रः। मग्रार्थ ডকপুত্যয়:।ইতি সুপদ্মব্যাকরণ।। बिल्मर खी मः थ्यावित्ममः। बिम ইতি ভাষা। এক্বচনান্তো হ্য। ত্রি-শন্ধ্যে ত্রি-শতৌ। ত্রি-শতে। ৰছত্ত্ব ব্ৰি-শতঃ। ইতি ব্যাকরণ ।। बि·मट् अब · ही अमूप । इंडि मद-मान ।।।

ত্রিক में পৃষ্ঠব শাধর:। ইত্যমর:॥ बर:। ইতি मिनि।। विश्य मः-স্থান । ইতি হেমচন্দ্রঃ। ত্রিফলা।। बिक्द्रें।बिममः। यथा। एएही मात्र नःगुकाधिकवय नमन्यार । वाड

রক্ত-নিহন্ত্যাশু সর্বরোগ হরন্ত্য:॥ ইতি সুথবোধঃ॥

ত্রিকলং পু॰ ত্রিকৃটপর্তঃ।ইত্য-শরঃ॥

ত্রিকটঃ পু• গোজুরকঃ।ইতি শব রত্নাবলী।।

তিব দুলি নিশুভশুগীনরীচপিরল্যः
। তৎপর্য্যাবং। লুফেণ ২ ব্যোবং ৩
। ইভ্যমরং॥ কটুত্রবং ৪ কটুত্রিকং ৫
। অস্য গুণাং। দীপনত্বং। স্থাস কাস
ত্বগান্য গুল্ম মেছ কফ ছৌল্য নেদং শ্লীপদ পীনস নাশিল্বঞ্চ।
ইতি রাজনির্ঘণ্টং।।

ত্রিকট • ক্লী নিলিত বৃহত্যশ্রিদমনী
দুসুশা ত্রব কপ । তৎপর্য্যায়ঃ।
কণ্টকারীত্রয • ২ কণ্টকত্রয • ৩।
ইতি রাজনির্ঘণীঃ।

বিকণ্ট: পু॰ গোক্ষরক:।ইতি শদ্-ররাবলী।। পত্রগুপ্তবৃক্ষঃ। তেকাঁটা-সিজ ইতি ভাষা। ইতি শদ-চলিকা।। মৎস্যভেদঃ। টেম্বরা ইতিভাষা। অস্য গুণাঃ,। পিত্ত কক্ষ নাশিত্ব। কক্ষত্ব। অগ্নি দীপনত্ব। লগুত্বক। ইতি ব্লাজ-বল্লভঃ।।

ব্রিকটক: পু॰ স্যুগর্গ্বৎস্য:। ইতি

ত্রিকাণ্ডশেষঃ।। গোল্লুরকবৃক্ষঃ। ইতি হেসচন্দুঃ।।

ত্রিকা জী ক্পোপরিছপউপান্ত ভাগঃ॥ ভ্রিষ্ঠক্পপউ॰ । ইভ্রেন্য ॥ ক্পস্য সমীলেরজ্বারণার্থ তিজি দাক যজ্ঞ। ইভিস্বামী ॥ ইভ্যমর টীকাষা ভরভঃ॥

ত্রিকায়: পু• বৃদ্ধ: । ইতি ছেমচন্দু:।।
ত্রিকার্ষিক• ক্লী নিলিত নাগরাতিবিষা মুস্তা ত্রয রূপ•। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।।

ব্কালজঃ পু· বৃদ্ধ:। ইতি হেমচন্দু: । সর্বজ্ঞি বি।।

ত্রিকালদশী পু• খবিঃ । ইতি হলাযুধঃ ॥ ভূতভবিষ্যদ্বর্তমান-বেভরি ত্রি॥

ত্রিকালবিৎ পু• বৃষঃ। ইতি হলা-যুধঃ।। ত্রিকালজ্ঞে ত্রি।।

ত্রিক্ট• ক্লী সিকুলবণ। সামুদুলবণ। । ইতি রত্নমাণা।।

जिक्षः श्र भेडे विष्णवः। यरमाः भित्र वका। उर्भग्रायः। जिक्क्र २। हेज्यतः॥ मूर्यवः ३ जिम्बरे ४। हेज् रूम्प्रमुः॥ जिम्बरः ६। विज्कृतिकः ४। हेज् भस्त्रज्ञावनी ॥ कोरताक ममुमु जीत्रक्ष भर्वजः।

यथा। मेर्ड बङ्ग मयः खिनाम् बिक्छी। নাম পর্বতঃ। সূতঃ পর্বত রাজস্য जुरमदा किञ्चत मुख्यः ॥ कीदाम कवरीह्या (यो आयन भिवा छनः । উল্খি ডঃ সা গর ভিত্নাদেবর্ষিগণ সেবিতঃ ৷৷ আশুরোভিঃ পরিবৃতঃ ं श्रीयान् श्रुम्दराञ्चलः । गन्नदिः ॥ किन्नरेत यं रेकः जिक्त ठात्रण भन्नरेगः ॥ विम्याद्रिः म्लङ्गीरकः अःयूरैज्ख **७** शसि :। मृग दी नि गर्हा न्ह বৃত গাত্রো হিরাজতে ॥ পুলাগৈঃ कर्निकारेत्रक विद्यागनक भाष्ट्रेनः । षृ उ निष्क करियण वन्तर्भाष्टक **हम्मरिकः॥ मारिन खारेन खमारिन**म्ह শवनार्ज्ञ न निभित्तः। उथारिन र्वि-विरिष वृ रिकः मईकः मननकृष्ठः।। नाना शादकिरिङः मृरिकः भुभुविष्डः সমন্ততঃ৷ শোভিতো ক্চির পুথৈয় जिভि इर्रिक जानु छि: ॥ स्रेशः नाथाम्राः तिरह याँ उरिक्क नमामरिकः। कीवछीवक नःवृष्टिकः-🔍 কোর শিথি নাদিকৈ।। ভগৈ্যক ° কাঞ্ন• শৃঞ্চ সেবতেখদিবোকরঃ । नाना भूत्र गमायुक्कः नाना शक्काधि-বাসিত ৷৷ দ্বিতীয় ব্যক্ষত শৃক্ (महाउ यहिमाकदः। भा खहार्षुन

সংকাশ ভূষার চ্যুসন্ধিত গাবজু मुनीन रिवम्यं (उरहाजि जीम-यन मिनाः। তৃতीय • तुकान मन • नुक् क्षे मूक मुख्यामं उट क्डवाः भण्ड-ন্তি ন নৃশ•সা ম নান্তিকা:। নাতপ্ত ভপলো লোকে যেচ পাপ কৃডো-জনাঃ।। তস্য সানুমতঃ পৃষ্ঠে সরঃ কাঞ্চন পক্ষজ । কার গুব সমাকীর্ণ রাজহণসোপশোভিত ৷৷ গজোই-চল সংকাশো মদাচলিত লোচনঃ । ত্ষিতঃ পাড় কামোসাববভীর্ণ क उड़िन ।। म नीनः शक्ष वाम মূথ মধ্য গত শ্চরন্। গৃহীত স্তেন होतुन गुरहिनावाक मृर्जिना ॥ পৰ্ডছো জগ্মাথো লোকাধার ন্তপোধন। গাহগুন্ত গজেন্দ্ ত॰ 'छक गुर्ह • बना निवाद ॥ উक्करादा-পুনেযাত্রী তরসামধুসূদনঃ৷ ছল-मात्रवानाम गु।इं • हाळण नाथवः ।। সোক্ষধানাস নাগেনু• পাপেভ্যঃ শর্নাগভ । ইতি বানন পুরাণ ।। विकृष्टिमवन क्ली (प्रानी वनन । इंडि

ত্রিকোণ ক্লী যোগিঃ। ইতি শব্দথি-কর্মতকংগা লগ্নাৎ নবন পঞ্চন লগ্নে । ইতি দীপিকা।। ত্যাসু ত্রি।। जित्कांग वस्ति यथा। इनः) भिविष्टकुः २ कामाथा । विक्रिम्ख-न १ ८ अकादः ६ वजुः ७ मृक्षां । १ भक्तिकि ७ (यानिः २ । ই कि कवि-कन्नवा।।

ব্রিকোণকল• ব্লী শৃঙ্গাটফ•।ইতি ॥ ভাবপুকাশঃ॥

ত্রিথ প্ল ত্রপুষণ ইতিশদ্চন্দ্রন।। ত্রিথউ প্লী থউত্তিয় । তিস্ণা থউনো সমাহার:। ইত্যমর:।।

विथेषे की विथेषे । ইভামরঃ॥

বিগণ: পু• বিবর্গ:। ধর্মার্থ কামা:। ইত্যমুর্টীকাষা: নীলক্ণঃ।।

ত্রিগর্ভ: পু• দেশবিশেষঃ। লাহোরাথ্যদেশৈক ভাগঃ। তৎ পর্য্যাযঃ।
আলম্বরঃ ২। ইতি হেনচন্দুঃ।।
তদ্দেশছে পু• ভূরিয়া গণিতান্তর•
। ইতি নেদিনীয়া

ত্রিগর্ত্তকঃ প্ ত্রিগর্তদেশঃ। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ॥

जिगर्डा जी युष् जिका॥ काम्याहरना । ইতি ग्रिपनी॥

ত্রিপুযোগ:।।

বিশুণ দী সত্ত্রজন্তমাংলি। ইতি জ্বীতাগ্রতা। তথাণাংগুরুণে গুণুত্রয युक्त वि॥,

ব্রি**ভ**ণাকৃত্ত বি বারব্যকৃষ্টকেব। ইত্যমর:।।

বিজ্ঞাতক ক্লী মিলিত তুলা বুণেলাপত্রাণি। যথা। এসাদি ত্রিভি
কন্দিপ্ত ক্রিজাভ ত্রিসুগন্ধিক
চাতুর্জাত সনাগন্ত দ্ব্য বাত
ক্ষাপ্ত । অপিচ। বুণেলা পত্রক্রেলা বি স্পন্ধি ত্রিজাতক।
নাগকেশর: সংগুক্ত চাতুর্জাতক
মৃচ্যতে।। ইতি রাজনির্ঘণী: ।।
ত্রিণ ক্লী ত্ণ। ইতি শহর্ত্বাবলী।।
ত্রিণ ক্লী ত্ণ। ইতি শহর্ত্বাবলী।।
ত্রিণ ক্লী ত্ণ। ইতি শহর্ত্বাবলী।।
ত্রিণ ক্লী ত্ণ। ইতি ত্রিকাওশেষঃ
।। ত্রিণবৃঞ্চ।।

বিণাচিকেতঃ পু॰ যজুর্রেদৈকদেশো-পুস্থ:।। তদ্বেদাধ্যায়ী। ইতি মনুং॥ বিতয় জী ব্যাগা•পূরণ•়। ইতি ব্যাকরণ•॥

ত্রিতক্ষণ লী জী তক্ষত্রয়ণ। ত্র্যাণাণ তক্ষাণাণ সনাহারঃ। ইত্যমরঃ ॥ ত্রিক্তঃ পুণ সম্প্রাসাশ্রমঃ। বথা। যন্ত্রসংয়ত বহুগাঁঃ, পুচণ্ডেনিয়াং সার্থিঃ। জ্ঞান বৈরাগ্য রহিত প্রিদ্ দ্ভ মুপকীবৃতিঃইতি শ্রীভাগবতণ

বিদ্ভী পু॰ বিদ্ওধারি যতি:। কায় বাহানো দ্ও যুক্ত:। ইতি

ভিষামা

श्री जागवं उशा याद्भागवी उश श्री का का का विषय विषय ।।

जिन्दा श्री (गाथानिती वाजा। देखि का हो । वा का का क्या किया ।

जिन्दा श्री क्या किया विषय । व्री का क्या किया ।

किया का को क्या किया विषय । व्री का क्या ।

जिएमः भुः (एतः। ই अग्वः॥ जिएमतीर्घका जी वर्गका। ইভি (इस्टन्मुः॥

विष्णमञ्जी खी जूननी। ইতি ताजनिर्विष्टः॥

ত্রিদশাযুগ নী বজুণ ইতি ত্রিকাও। শেষঃ॥

जिनमातिः शू॰ श्रमूतः। **ই ङ म**फ्-त्रज्ञावनी॥

ভিদ্লালনঃ পু• স্বর্গ:।ইত্যমরঃ।।

সুমেক পর্ব জঃ।ইতি হলাবুণঃ॥
ভিদ্লোবাসঃ পু• ফ্র্য:।ইতি হলাযুধঃ॥

विम्णाङ्गादः शू॰ अय्छ॰। ইতি:ছला-युषः ॥__

ভিনিস্থাক পু॰ তাইস্পার্লঃ । যথা।
ভিগ্তেছয় সেকো দিন বারঃস্পৃশভিয়ত্ত তভ্যত্যবস্থিন । তিদিন স্ক্ দিন ত্রয় স্পার্শন দক্ষঃ ।
তি জ্যোতিষ্ভব্তঃ।

जिहिनः शुः क्ली चर्गः। इंड्रामदः॥ जाकामः। इंडि (रुमहन्तुः॥ जिहिन। जी नहीं जिहः। इंडि (महिनी।)

बिनित्न शृ (स्वः। इंडामतः॥ बिनित्नाक्या की क्रिना। इंडि ताकनिर्द्गिः॥

जिम्म श्र निवः। ইতি एस्मिन्तः।।
जिम्म ने मिनः। ইতি हाजनिर्धिः।।
जिम्म वजः जि जिम्म किन्दः।
जिम्म वजः। वजः।। विज्ञानिक वा जिम्म किन्दः। किन्दानिक वा जिम्म किन्दः। किन्दानिक वा जिम्म विज्ञानिक किम्म किन्दः।।
जिथा वजः जिम्म हिन्दि हज्ञानिक कुमानिक कुमानिक वा जिम्म विज्ञान किन्दः।।
जिथा वजः जिम्म हिन्दानिक कुमानिक कुमानिक विश्वानिक विज्ञानिक विश्वानिक विज्ञानिक विश्वानिक विश्

ত্রিবাতুঃ পু• গণেশঃ। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ। ধাৰত্রযে ব্লী।।

ত্রিবানা পু• বিষ্ণুঃ।। শিবঃ।। তারিঃ।।
নৃত্যুঃ। ইতি শহার্থকল্পতকঃ॥
ধানত্রবেক্লীজীচ।।

বিশারক: গু॰ গুণ্ডভ্ণ•।ইতি রাজ-নির্ঘট:॥ খারকত্রযে দ্লী॥

विधातम् ही जी मुहीविष्णयः। उट शर्यायः। वानुः २ धाहाम् ही १०। देख ताकनिर्धकः।

क्रियमनः श्रू॰ मियः। ইতি ছলাসুধঃ।।
नवनकरम खी॥

जिराजः शुः निर्ा यथा। पिशीमा वृक्ताः म विज्ञि त्रीनिन्छ। पिणाः ज काम शुज्जावरत्राधिनीः। प्रधात भाषाति कृषः स्यादिकाः निक्र जिरान वावन्द्रद्वाधिकाः॥ इनि देन्यवः ॥ जन्य गणा यथा। उन्नः भाषात्रणाः नीम जिरानकानम्बर्णनः। कार्षे व म्हनूतानीनि क्रांत्रास्त्रणां य महनूतानीनि क्रांत्रास्त्रणां विविद्याद्रिन्छः। देवनिविधा स्टार्ट मूक्षि क्रांत्रा स्त्रण विक्रिनाः। इनि सरमाश्रुतायः॥

जित्ववृष्ठामिशः १: इन्द्रः। इंडि जिकाश्रामवः॥

ত্রিনেত্রা স্ত্রী বারাছীকল:। ইভি রামনির্ঘণ্ট:।। নেত্র ত্রয় যুক্তাচ।। ত্রিপত্তাক: শ্লী রেখাত্রয়াঙ্কিতভাল:। ইভি হারাবদী।।

ক্রিপত্রঃ পু॰ বিল্লা ইতিরাজনির্ঘট্ন।।

পত্রতথে ত্রিপজী।

ত্রিপত্রকঃ পু• প্লাশবৃহ্ণঃ। ইতি হেমচ্নেঃ॥

ত্রিপথ ক্লী ত্রিনার্গ । তেনাতাপথ ইক্তি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। ত্রিকং ২।ইতি হেন্যচন্দুঃ ।। শ্ন্যাগারে শ্নশানে বা নির্জনে বা চতুল্পথে । বিশ্ব পাত্রী ফ্রন্স্যান্ত ব্রিপথে বা ভল্লেলিশান ভবেৎ সর্বস্থীশঃ নর্বদেবিদান্তরঃ।ইতি গুণ্ডসাধন-তক্ষণ।।

विभागा ही गका। ইত্যময়:॥ दिशमा ही इंग्मिमीयृकः। ইতি दाक्षनिक्षिः॥

ত্রিগদিকা জী অর্চ্যার্থ ধাতু নির্মিত তিপাদ যুক্ত শহ্বাধার: । ইতি তজ্ঞার: ॥

বিপদী স্ত্রী গোধাপদী। ইতি রব্ধনালা।। হস্তিগাত্রদা:। ইতি
হেমচন্দুঃ।। ব্রিপাদ যুক্তা।। গদ্ধান্ত্রণ।ইতি ব্যাকরণ।। ভাষা কবিতায়াশুলোর বিশেব:। যথা। পল্প,
টিকাস্থা যদি ব্যাকান্তা দ্বালালী
পরিণত নাত্রা। কিমরগীতি স্তদি
ভি নিবীতিঃ ন্যার্জ সমাক্ষর গাত্রা।
।। ন্যগদান্ত উদাহ্বতঃ। বৈষাসন্থী-

ভকে নিভ্যা নিব্যতি: 'কিম্বা-থ্যিকা। সৈব স্যাৎ প্যাক্তে গানে 'ত্রিপদীভি পরিশুড়া ॥ ইভি কাব্যোদ্ধ:॥

वर्भाः भू भवामः। ইভি রাজ-নির্ঘটা।।

विभागिका की कन्म विष्मवः। छट भग्राप्तः। वृष्ट भवा २ विभगु हि-निका ७ कन्माणः ८ कन्मवस् ना ६ ॥ स्वाप्तकी ७ विनास्त्रः भ विभागि । स्वाप्त स्वाप्ताः। मध्देषुः। सी उष्टुः । स्वाप्त काम विष्ठ वृण विनासिष्टुः। भित्रभूकाभ समनद्शाः हिं त्रम्ब-निर्विष्टः।।

ত্রিপণী ত্রী শালপণী।ইতি ভাব পুকাশঃ। বনকার্পাসী। পৃশ্নপণী-ভেদঃ।ইতি রত্ননালা।।

নিগাৎ পু• বিষ্ণুঃ ইতি ত্রিকা গ্রশেবং
।। জুরঃ। যথা। বিদ্যুবিতে ভূতগণে
কুরন্ত ত্রিশিরা দ্রিপাৎ । ইতি
শ্রভাগবত•।। '

बिलापिका जी इ:नन्दीयाजा। ই ि रेतान निर्वाहे ॥

বিপিষ্টপ লী স্বর্গ: । ইত্যমরঃ ।।
্তাকাশ । ইতি শন্মরগ্রবলী ॥
দ
বিপিষ্টপ্রং পু দেবতা । ইতি

হলাযুধ:।। বিপুট: পু• সভীলক:।। তীর•। ইভি নেদিনী ॥ হন্ততেদ:।। তালক:। ইভিশন্বর্যবলী।।গোক্সবৃক:।

जबाह्य ॥

॥ जिन्हा , जी मिलका ॥ मूरेश्वना ॥ बिव्या इंडि मिनि ॥ कर्णसांहै। ॥ भूरेलवा ॥ ब्रक्ड बिवृद् । इकि त्राक्रनिर्घक्तः ॥ (मबीदिरम्यः । य**था** । क्षविः नत्याह्न नुत्तरा गाय्बी দেবতা পুনঃ। বিপুটাখ্যা দ্বিক্তৈ रिष्ठ बी कि क्रकानि वर्षे कमार ॥ অদ্যা ৰূপ• ব্থা। পারিজাত ব্নে রন্যেনভগেনণিকুডিনে।রল্পি-হাসনে রম্যে পত্মে বট্কোণ শো-ভিত্তে ॥ व्यवज्ञाय कन्नव्कना নিখ্যা দেবভা স্বরেৎ। চাপ भाषामुक महिनकान् कुष्ण भूद्र-বাণান্ স•বিভাূাণা• কর সরসিকৈ ब्रद्भोनी बित्वा । रह्मावू । जा क्र ह जुद्र न ठा॰ बङ्ग की व का की रेगु-रवयों नः दिवनिङ छन् जावरद-इ कि बार्गा ।। ठावताम में उ। चून कर्त्रथक नमृत्रकान् । वश्लीजिः স্চার্ডাভি দু তীভিঃ পরিবারিতা• ॥ कब्गागृङ वर्षिणा भनाकी

नाथकः मृणा।। ইতি उद्धानातः॥ जिलुही लु॰ এর अवृक्कः। ইতি শব্দ गाना॥

ভ্রিপুটী জ্রী ভিব্তা।ইত্যমরটীকা-যাণভরতঃ॥

ত্রিপুটীফলঃ পু· এরখঃ। ইতি ছারা-বলী।।

कः। ইতি इत्तावणी॥

विशृद्धः ती नयमानवनिर्मिष् भूद-वयः। भुत्रा अभुत्रा (एरिवर्निर्जिजाः ज्ञ भाषिनाः **भ**त्रवाहार्गः भयः শরণ মাযযুঃ সাগমনগিমনে তাদৃ-मा। मुर्विङकी शहिष्टमा देशी রৌপ্যাযসীতি তিসু: পুরো নিমায (टाक्या मामी एक व्ययुद्धा खानि পুরীভি রলফিডাঃ পূর্ব বৈর मम्बद्धः रमभंदान् जीन् रणादान् নাশ্যাঞ্জু স্ততঃ সেখ্র লোকা रुत डेभागाक्षकित्र स्त्रामारे छ-क्षिक मूतानुष्टार्य भन् व भन्न সন্ধাৰ পুরেষু ব্যমুক্ত তৈঃশরৈঃ म्मृक्षाः भूतोकरमा भूमा गुमनः সঙ্গেনিপেতুঃ মহাযোগী মুখ স্থান-मुतानानीय जिल्हा जिल्हा मृड রসকুপে ২িক্রিপৎ (ত ১সুরা স্ত-मुन- ग्लुष्टे। मृत्रभदीवाः मन छ उन् স্তদা বিশ্ব গৌরুক্ষাচ বৎসো ভূত্বা ত্রিপুর পুরিশ্য রসকুপা-**म्ड॰ भरती जन्ता विकु मागगा নো**হিডাঃ সভো ন নাবেবন্ তর্ম। নিফুঃ স্বাদিঃ শক্তিভঃ শন্তো-यु (जा शक्त तपः तथ नात थि धमु ई। पा-मिक·वाश्वाद उठः शासुः **नगरका**

त्रा वाद्यात सत्र कत्पि नकाय

ू । शावक ॥ বিশুর रহ্নঃ लृं॰ শিবঃ। ইতি হারা-वनी ॥

विश्वचित्रां वी शुक्षवृक्षविष्णमः। রিশ্যানিকা ইতি থ্যাতা। তৎ পার্যার্টা শ্লেম্মাই । ইতি ত্রিকাও-(ম্বর; II

बिश्वाहतः श्रु भिनः। ইতামরः॥ बिनुती औ। (मनतिरमयः। दिशुदा इंडि भारता उर्भागितः। व्हिन गनहीर। केठि (क्याज्ञनुः।। জিপুৰা প্ৰী কৃষ্তিবৃৎ; ইতি শন্ম-ए जना।

ত্রিপৃষ্টঃ পু• রাজভেদঃ। তৎপর্ন্যায়ঃ। । পুলোপ্লভ্যঃ ২। ইতি হেম্চন্দুঃ। बिकना दी निर्विड इति उकी विजी-**उक्यागनकी क्नानि। उ**९ भर्यायः । बिक्नो २ कन्जयः अक्नविकः 8 । ইতি রাজনির্ঘণ্টা। অস্যান্তণাঃ। • বিদোৰ নাশিব। নাত্যুঞ্ব। মল ভৈদিবৃঞা ইতি রাজবল্লভঃ॥ ত্রিফলী জী ত্রিফল। ইতি রাজ-

बिवनीक क्षी भागुः। इंडि (इसहन्मुः॥

নিঘ্ট: 🍴

बेड की जी जिव्जा। ইত্যমর: ॥ गलाक्तावा जिल्दा ममार । जिल्हा की मृतछ। इंडि दिकाछ-(খ্ৰঃ 11

ত্রি ভুবন গ্লী ত্রিলোকী। ত্র্যাণা•ভুব-नानाः अनाश्वादः। ইতিব্যাকরণ।। ভিননঃ পু• মুস্তাচিত্রকবিডকানি। इिंड रेन माजः॥

विष्युः शुः अधिरमकरमणः॥ मधु বাভাদি খাক্ এয বেভা। যথা। ত্রিনাচিকেত জিমধু জিসুবর্ণ: বড-क्दिए। इंडि भड्डिभावन वर्गन-• शृज्ञानः ॥

ত্রিমধু ব্লী মিলিত সিতা মান্দিক সপী • যি । তৎ পর্য্যায়ঃ । মধুরত্রয ২ মধুৰ্য• ৩ : ইভি রাজনির্ঘটিঃ।। বিমাণী ত্রী ত্রিপথ ব্রয়াণা মার্গাণা नगाशाहः। ইতি व्याकद्रणः॥ ত্রিমুসটঃ পু• ত্রিক্টপর্বতঃ। ইভি (इम्हन्दुः ॥

ত্রিম্থঃ পু॰ বুদ্ধবিশেষঃ। ইতি ছেন-**ज्यः**

बिगूणा ब्रेडी वृक्तरमवजारजमः । नामायाप्तवी। ७९ भर्यप्रायः। मात्री-চী ২ বজুকালিকা ওবিকটা ৪ বজু-वाजाही द भोजी ७ भाजित्रथा १ । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।।

ত্রিমূর্ভিঃ পু• বুদ্ধঃ ইতি ত্রিকাণ্ড শবঃ
। বুদ্ধ বিশু শিবাখ্য মৃত্তি কা বান্
। যথা। ত্রিমৃতি র্যঃসর্গান্ত তিবিধার
কর্মাণি তনুতে। ইতি গংক্শোপার্যায়ঃ।।

বিষ্ঠিঃ পু॰ কেত্রপর্গটি। ইতিরহ-নানা।।

बियामक की शाल । ই छ ण प्रमाणा। बियामा खी हा बिशा इति हु। ই छ । महा। यमुना। भी ली।। कृष्ण बिवृद्धा । ই छ । शिक्षा कि ।।

बिग्इः पु• किशनार्थः। ই**डि (इन** ठन्द्रः॥

বিরাব॰ ক্লী রাজিত্রব॰। তিল্ণা॰ রাজীণা॰ সমাহারঃ।ইতি লিকাদি-স্ণুহ টীকাবা•ভরতঃ।।

ত্রিরেথঃ পু॰ শহঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।।
ত্রির্বণ ক্লী সৈদ্ধবং বিড॰ ক্চকং
নিলিতৈভ্যাবণ ত্র্যণ। ইতি রাজনির্বিটঃ।।

जिलाकी छी ज्यागाः क्षाकानाः नगाहादः। यथा। जूलातः जुव-र्लाकः वर्लाकणः। ইতি निङ्गानि-नःगुरु होकायाः ज्वजः॥

जिल्हात्कणः श्रु मूर्ग्यः। **३७ ण**क्

बिलावनः शृ॰ सिवः। ইज्यमनः॥ विकाहना जी तूजन वीर छनः। इंछि विकाउल्ययः ॥ मुनाष् ॥ ত্রিংহাচনী জী দুগা। ইতি পুরাণ।।। ত্রিলোহক লী সুবর্ণরমত তামু अस्य कृत्रयः। ইতিয়ाয়निष्णः॥ किलोशे खी गुन्ति (भनः। यथा। **णथ राजिंग।** हिठाथीय जिलोही মুদু নিক্প্তে। কোন ন্যাগ্র-क्याः मु ईर्गा लोह वयः ख्या। রৌপ্য নিন্দুঃমৃত্যে হেন সূখ্য স্তান্ত্রে **्ञाननः ॥ (वाङ्** जागाः ममु प्रिष्ठे।ः र्वेताम्यकत्र मःथाय।। टिं लो रिहः कात्रविद्युम्। अगङ्गालिङ अञ्चलाः ।। এবু সরাঃ যৃতাঃসৌন্যাঃ স্পর্শাঃ (सोब्रा: मुलामगाः । वाश्या ব্যাপকাঃ সর্ব্বে সোম সূর্ব্যাণ্নি দেব-ভাঃ।। স্বরাঃ বোডশ বিখ্যাতাঃ ग्णमा एउ भक्षवि•मिडिः। व्यानका-मण उ काम थन थर्म शुमायिनः ॥ सार्थः सर्मुः सःबना म्यृष्ट्री छाः জুহ্যাভতঃ। তস্যা• সম্পাত্যূ-गञ्जी नर्लिया পূर्व मः थाया ॥ भिः-ক্ষিপ্যকৃষ্টে তা মুদ্রা মভিবেকোক্ত वर्जाना विषावाक् शृक्षरमञ्जो मुनहादि दिषान ७: ॥ जिन्हि विह्य

्रिकीकाय मन्त्राताः वृद्दिनः एकः ो हेन जुमा कृत्रतान विव क्य विना-मिनी । वडान छोत न्यानिङ्डा त्रकाः कुर्वं हिल्लवङः। युष्ट विकः य गाःशाष्टि धातरन् मनुष्ट दतः।। नञ्ज निष्किकदीभुःशः চতुर्वगकः পুদা। ধার্যমানুদো নিত্য দেব-তুল্যো ভবেছবি।।ইতিতজ্ঞ সারঃ॥ ত্রিবর্গঃ পু॰ ধর্মকানার্থাঃ। ইত্যনরঃ।। जिक्ना। विक्रो। वृक्षि **ङ्ग क्याः** ॥ সত্রগভন্তি। ইভি নেদিনী॥ न्नी कि:। इंडि निस्द्र श्वनी।। বিবর্ণক ল্লী গোক্তুরকঃ।। কিকলা ॥ बिकट्टे ॥ इंडि मिली ॥ ত্রিবর্ষিকা জী ত্রিহাযণী। ত্রিবর্ষাণৌঃ । इंडि (इमहन्दुः॥ ব্রিবিক্রমঃ পু॰ বিষ্ণু:। ইত্যনর:॥ ব্রিবিষ্টপ• ক্ল্রা ব্রিপিষ্টপ•। স্বর্গঃ।ইত্য-बद्रिकाया श्रामी ॥ विज्वन्य ॥ बिविष्ठेभम ११ जिभिष्ठेभम । ইতি স্লাযুধঃ 11 জিব্বীজ: পু- শ্যামাক:। ইতি রাজ-निर्घणः॥ ত্রিবৃৎ জী লভাবিশেষঃ। তেউডী ইভিভাষা। उৎপर्यायः। मर्दान् ভূতিং সুবহা ৩ ত্রিপুটা ৪ ত্রিব্তা 🎚

৫ বিভাগী ৬ রেচনী ৭। ইত্যেরঃ॥ সবহা ৮ সরণা ৯ সরম:১০ ত্রিপুটী ১১ রোচনী ১২। এতে ত্রিবৃতা সা-যান্যে শুল্ল ত্রিবৃতাযামিতিকেচিৎ । इंडि छत्र इः ॥ माल्यिका ১० ममृती ३३ लावा ३६ अपंत्रमु ३७ तिमना ११ गरवगी १५ कानिक्कि ১৯ कालामधी २०काली २) जित्वना ২২ ছিবৃভিকা ২৩ ৷ ইতি রাজ-নির্ঘণীয়া কৃষ্ণাবাঃ পর্য্যাবঃ শ্যানা > পाविष्मी २ जुरविषका ७ काना 8 मशुरुविषया ৫ अव्हिन्सा ७ कानस्मिका १ । हेट्यदः। शानिकी ৮ कानामिनिका २ ! इंडि ভরতঃ ৷ শ্বেভাষা: পর্য্যায়:৷ ত্রিবৃৎ ১ ব্ৰাফী ২ সুবহা ৩ ব্ৰিভণ্ডী ৪ विशृहे। ६ ॥ अक्गायाः भर्यायः । व्याद्याननी > अहेकगा २ निः नृङा ० ত্রিবৃতা ৪ অকণা ৫। ইতি রুলু-নালা। সামান্য ভিবৃতা ভণাঃ। কটুর্ণ উঞ্চর্ণ কৃনি শ্লেমাদরাহির क्ष क्षं तुन ना निद्ध । विस्त्र हत পুশস্তবৃক্ষ। ইভি রাজনির্ঘণ্ট:॥ व्यक्गवर्गा विवृह्म गाः। स्रामृष्ट् । क्या यवः। भृषुवः। (तहनवः। कि ऋषः। কট্ত্ব-ংদৌৰপাকে পিভ কফাপছ-

ত্রিল্ডা দি হা। **ইভি রাজবলভঃ।।** त्य छवि वृङ्गु १४३ : विस्त्र हमञ्जू • 1 सामु-ত্ব^{া ট্রান্}রণ বাবু কারিরণা র**ক্তর**ণ ।পিত জুরশ্লেষ্য পিত শোক্ষাদরা-। পহস্ক ৷ কৃষ্ জিবৃতা গুণাঃ খেতা-क्वीन गुणपुर । जीतुषुर। विद्वारमञ्जूर मूही मार मन जानि कछो ८ कर्या কারিত্বঞাইতিভাবপুকাশ:।।

ত্রিবৃং দরণ লী ক্ষিত্যপ্ তেম্বরণ मिन्नीवद्रभः। यथा । उठका कव ক্ষিত্ৰঃ পুডোৱে দ্বো বিভল্য এক স্মিমর্জে যে গ্রহোর জার্নে প্রক্রি ene । इंडि बाक्य हो कायाः नीनक्षेः॥

विवृৎপर्गे जो हिनामाहिक।। इंडि **अ**क् इ निष्क्रा

बिव्ञा जी बिव्ट। इंडामतः॥ ত্রিবেণী ক্রী স্থানবিশেবঃ। যুত্রগঙ্গণা যমুন।সরস্বত্যে বিযোগঃ।সাদক্ষিণ পुरागः। उम्र मीमनिर्गर्य) यथा। श्रृपुत्रमा इनाट यात्मा मृतस्रका खर्था बरत्। जम्मिन भ्यागस পঞ্চাতো যমুনাগতা ৷৷ ইতি প্রায়-**किंडड५** ॥ देग मूक्त्वीडि कथाड भुयाम युक्तवती॥

षुक्षा राज्य । का जा जा जा विष्टु या । बिष्य वा जी बिन्द्र दे कि ता क निर्द्धि ।। बिलकुः १९ म्याद-नीय अक्षिक्षसः । সত্ ইফুক্ বংশোত্ৰ গ্ৰুজ্যস প্রঃ: এব বলিউমাহ ৠছন্যুপ্রী-রেশ স্থর্গণান্ত গছেল বলিষ্ঠ এত-দশ শ্রমিভ্যাহ তভা রাজা ভদ্য পুরানুত্তে সম্পরীরো মতেরন স্বৰণ यथाम् या•ज्ञा स्वज्यम् ७२ फि: পরিভাক্ত ওদান্য ওক্ত মুগা নিষ্যে বিশিষ্ট্রা ভেচ্ছা রাজান মূচু র্যাসায়ে ভাষান লগজ্য হিতি र्ट्याङ् अम्याधिः तयः भकाः हारकावाह रहेश्नाः १८७ सनि ধ্যানি ভট্না থাগিপুতা রাজান• (मशुः भ काष्ट्राला खनियानि তলণারাত্যা মাধী তা্যাণন চাণ্ডাল দর্শনোভূত্বা বিশামিত্র-শরণমায-(योविश्वामिष्ठ छःश्रीय द्वाराश्वामया-মাস্ত্যিন্ যজে দেবা ভাগার্থ-নাগছন্ ততো বিশ্বামিতঃকোধাৎ वाकान मन्तीर मया वान्तार পুভূতি যৰপ: কৃত তেন জ্ব দিল বুজ তদা রাজা সশরীরো দিব যথেঁী ভহি শক্ত মুবাচ ত্রিশক্ষো জু ভূমৌ পত তভো হ্বাক্ শিরা: পতন্রালা পাছীতি কিখামিত্র

मुगांव विश्वाबिकः शिक्षं छ ज मुक् ॥

गमिक गमांग २ भवान गधि निमुद्देलावः नक ववकः गुड्डे मूल वक्षाम (मवाः ग्राह्मा श्राह्मा श्रीहमूण व्रमः भमा

बीवः श्रीं गहाः नाई विश्वाश्रीं वहां व्याम् विष्ठाः श्राम् व्याम् विष्ठाः श्रीं व्याम् व्याम् विष्ठाः श्रीं व्याम व्याम विश्वाम विश्व

विमङ्गः प्• इद्रिक्तसुद्राकः। हैिं स्प्रमुः।।

विशक्षाकी शुः विश्वाधिकः। हे छि (द्यानकः॥

ত্রিশরণঃ পু• জিনঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শৈবঃ॥

बिमक्ता जी निनिष्ठ छाडा । श्री द्वा । व्यक्ति । व्यक्ति

जिमका जी वृष्ठाईमाञ्तिस्यः। 'गावर्षभागाजा। इंडि (इमज्लुः॥ जिमाथशवः भू । दन्नः। ইटि ब्राक्तः॥

निर्वणेश। जिम्बर की जिम्बरा किती है। इंडिस्नज्युरा

ত্রিশিখঃ গৃ॰ রাজসবিশেষঃ। স রাবণপুঞাইতি হেমচন্দুঃ॥ বিদ্বঃ। ইতি রাজনিঘটিঃ॥

विश्विष्य वा जी गावाक्यः। ३७ तक्षिपिंगः॥

ত্রিশিরাং পু জবেরং। ইতিহেনচন্দ্রং

জর্মনথা ত্রিশির তে পুসমেছে

ব্যেত্র তেন নজ্র রাজক । ইতি

ত্রী ভাগকত । রাবণ পুত্র বিশেষঃ

। প্রদেনাপতি:। ইতি রামাযণ ।।

ত্রিশীর্ষক লী ত্রিশ্লা ইতি হেনচন্দুঃ।

ত্রিশ্ল লী অন্তবিশেষ: । তেৎ গর্য্যায়: । ত্রিশিখ থ । ইতি মৌদি-নী ॥ শ্লণ ৩ ত্রিশীর্ষক ৪ । ইতি হেমচন্দু: ॥

बेम्बी पूर्णितः। यथा। ब्राक्षा १-(छम् श्विम्बी ह त्यक वृ गंशावनः । ই कि कामश्राणि नीक के अवः। बिम्बः पुर्णिर्ब छः। ই छि मध्यश्रावनी । बिकामः विष्या। व्यवस्प श्रीन बिम्ब खम्ख विकि नात्रमृह्यः॥ ভিশ্সী পু॰ রোহ্তিন**্স্ঃ। ইতি** শহাথকল্পকঃ।।

जिहेले जी एत्सावित्मवः। इंडि

एत्सामक्षती॥ यंत्रा विवतगः एक्स
त्र मत्य पृष्ठेताः॥ यात्राद शिख्

यंथा। उत्ताकियानी ज्ञामत्यात्री

गायजी ए प्राणि विद्याः। जिहेल्

गायजी ए प्राणि विद्याः। जिहेल्

गायजी ए प्राणि विद्याः। जिहेल्

गायजी ए प्राणि विद्याः। विहेल्

गायजी ए प्राणि विद्याः। विहेल्

ग्राणि सु जा व्यक्षेत्र क्षणकाशः

ग्राणि सु जा व्यक्षेत्र क्षणकाशः

ग्राणि विद्यानिकः॥

देखि ज्ञानवकः॥

তিস্কি: ত্রী পুর্বিশেষ:। তং পর্যায়:। সাদ্ধ্যসমুনাং স্কিবল্লী ৩ সদাফলা ৪ ত্রিসন্ধ্যসমুনা ৫ কান্তা ৬ সুস্নারা ৭ সন্ধিজা ৮। সাংত্রিবিধা। রক্তা ১ সিতাং অসি-ভাচ ৩। অস্যা গুণা:। কফ কাস হরত্বং। কচ্যত্বং। ত্রিদোষ শানন-ত্বা ইতি রাজনির্ঘণী:।।

बिमका की प्राञ्च मथाश्राभवाञ्च कालः। ইত্যমরঃ। অস্য क्षाञ्चतः। बिमकी। ইত্যমরটীকাযা ভরতঃ। बिमम की ममबय । नम र्द्री उकी माग्र एउ क्ष । ইতি রাজ-নির্ঘটঃ।।

विनवः शृ क्लावः। ইভি ४ श्नक्तुः॥

ত্রিস্বন• ক্লী ভিকাল•। ইতিপুশ্য ক্ষিত্তত্ব ।

बिजवनतारी पु॰ विकासतारी हिन्ह

दिनिष्ठा डी किमक्द्रा। हेिज ब्राह्म-निर्घणः॥

जिनी छ। जि चात जग क्षे क्षा अः। इंडागतः॥

ত্রিদুগন্ধি ল্লী ত্রিকাতক । ইত্রি-রাজ-নির্ঘট: ॥ '

ত্রিসুপণ: পু• বস্থচানা• বেদভাদ:।
ত্রুতঞ্চ। ত্যোগাৎ পুক্ষোপি
ত্রিসুপর্ণ:।ইতিনানুটীকাবা•কুর্কেভউ:।।

ত্রিকোতাঃ জী গঙ্গা। নদীভেদঃ! ইতি নেদিনী।।

ত্রিহ্ল্য • ত্রি বার্ত্রযক্ষ্টক্ষেত্র • । তৎ পর্য্যায়: । ত্রিন্তুণাক্ র • ২ তৃতীযা-কৃত • ০ ত্রিনীত্য • ৪ । ইত্যমর: ॥

ত্রিহাবণী জী ত্রিবর্ষা গৌ:। ইন্ত্যনরটাকাবা রমানাব: ।। দৌপদী।
যথা। কৃতে বুগে বেদবতী ত্রেতাব্যু
জনকাত্ম জা ছোপরে দৌপদীছাবা
তেন কৃষণ ত্রিহাবণী।। ইতি বুগাবৈবর্তে শ্রীকৃষ্ণ জন্মখণ্ড।।

जिकातः द्वी कात्रदयः। निधि उ र्रार्ज-

ক্রিকার যাক্ষার টক্ষণকারাণি। ইতি রাজনিঘটিঃ।। বিকার পাং কোকিলাকার্ক:।

বিদ্ধার পূর্ণ কোকিলাজনুকঃ। অলেথারা ইতি ভাষা।ইতি রহ্ন মালা।

जूरे यान कि । इंडिक विकल्लक मः॥
जूरे के के कि । इंडिक विकल्लक मः॥
जुरे के के कि । इंडिक विकल्लक मः॥
जुरे के के कि । इंडिक विकल्लक मः॥
जुरे के के कि । जुरु । जुरु

बु हिनीकः श्र॰ कहुः। ইতি मद्याना॥
बु हो बी बु हिः। ইত্যনর চী काया॰
ভরতঃ॥

ত্বল

 বিষ । ইতি কবিকল্ফনঃ ।।

ত্বল

 ববে । ইতি কবিকল্ফনঃ ।।

ত্বলা প্রালি

 বিক্লালিঃ গার্হপত্তঃ

 সাহবনীয়ঃ একোক্তাইদ্নালিবয়

 পরিলাণ বঁথা । ত্বিচ্ছারিংশল্পন

 কেণ বিংশং সক্লাধিকেন্চ। চত্তু

বুলিং পরিলিতঃ নর্মান ক্রেণ্চ।।

বিষ্টু লক্ষ পরিলিতঃ ব্যব্তি

সংস্ক । তেতাযুগ পরিনিত। কাণবিডিঃ পুকীর্ত্তিভা ইতি বৃশ্ধ रैववरख्रुक्डिथल्याक्षाञ्चा वयां। যথা । ত্রে হা যুগে সম্বায়া**তে ধ্র্ম**ঃ পাছে।ন তা গতঃ। অল্ল কেশানিতা লোকাঃ কেচিৎকেচিৎ দ্যাশ্যাঃ ॥ বিকুধ্যান রক্তা লোকা যজ্ঞ দান পরায়ণাঃ। বর্ণা শুমাচাররতাঃ সৃথি নঃ সুস্চেত্ৰনঃ ৷৷ ক্ষত্ৰা ভূমিশ্সুলঃ मृ दाः नर्वि वाञ्चन (नविनः। वाञ्च-ণাশ্চ মহাল্যানো বেদবেদাশ পার-গাং। পুভিগুছ নিবৃত্তাশ্চ মত্যাস্ধা জিভেন্দ্িবাং। তথাে বুতরতা নিত্য• माजाता विक्रमविनः। कालवयी ভডিত্বা• শ্চ ব্রিয়ঃ **ন**র্বাঃগতিবুতাঃ॥ বসুর্রা চ শস্যাট্যা পুরাশ্চ্পিতৃ সেবিন: ॥ ইতি পামে কিया-যোগসারঃ ॥

ত্রেধা ব্য ত্রিধা। ইতি নুক্ষনোধণা ত্রৈ ও পালনে। ইতি কবিকল্পজনগা ত্রৈগুণুও ক্লী ত্রিগুণধন্ম:। সন্ধুরজ স্তনস্তুও । নথা। ত্রেগুণ্য বিষয়া বেনা নিস্তৈগুণ্যা ভবাজুন। ইতি আভিগবদ্যীতা ॥ শৈত্য সোগদ্য নাল্যেও। মথা। ত্রিগুণ্য ক্লিভৈশ্চাক নক্তিকপ্রীজিতে

। इंडिनिवद्राजियु उक्था :: विভिः | क्षेत्रतक्ष ॥ देवधः वा विद्या है जि गुक्ततायः ॥ ক্রৈপুরঃ পু॰ ত্রিপুরজেশঃ। তং (हिमः ८। ইजि (इन्हन्सः ॥ दिवाका ही बिलाकी। यथा। বৈলোক্য নেতদ্থিল-এরিপুনাশ-নেন আত ব্যাং সমর মুর্জনি তেপি হয়। ইতি চণ্ডী॥ दिवलाकाविषया जी जन्मा जाए ইতি খ্যাতা। ইতি শব্দন্ধিন।।। किविन्तः भू जित्रमञ्जः॥ जिविन्ता-विद्या । यथा । द्विवित्तरा रिश्कृकः सकी रेनक्को धर्मभाठेकः। वय-कामुनिनः भूर्व शतिष्ट माम ৃশ্মবরা। ইতি ন্যবহারতত্ত্ব• ॥ ভোটকী জী রাগিণীবিশেষঃ। ইতি इलायुषः॥ वाहिः जी हथूः ॥ करेकवना। शकी ।। मीनट छमः। ইডिस्मिमनी।। (वार्ष्टिखः भू॰ भक्ती। इंडि मदः

हिन्दुका। बाह्रों जी द्याहि:। इंडिन्द ब्रुवावर्षी॥ ब्रुवावर्षी॥ ब्रुवावर्षी॥ शुक्ति थालः । छ० भग्नाः ।
भूकितः २ (छात्रमः ७ भूवगाः छ।।
भक्रमा (कार्यक्षः छ० भर्माः ।
रेतपुकः २ (वपुकः ७०। ইडामाः
छतः । जायः । ईडि निष्णाष्ठ(कोग्नापुराधिवृद्धः । व्यक्तिनक्रियाः । वाधिएकः। ইडि नः
क्रियाः व धिल्याः। इडि निक्तिः

बाक्के न्द्री- लिकार क्रम्हशा (यो ठाछा-नी ! देखि (निष्मी !! बाक्के: पुः (यो ठाछानी । लिकार क्रम्ह ॥ देखाः । देखि (इम्बन्द्रः !! बाधुगा खी गक्षा । देखि विकास (लवः !!

बार्छन की जारा स्वयः। यथा। कालाः छनः श्रुनः छनः त्रमाछनः । इति त्राक्रनिर्यक्षः॥

ত্রাধকঃ পু॰ শিবঃ।ইন্ডানরঃ॥
ত্রাধকসথঃ পু॰ সবেরঃ।ইন্ডানরঃ॥
ত্রাক্ষঃ পু৽ শিবঃ।ইন্ডিন্রিকাওশেবঃ॥
ত্রাক্রঃ পু৽ ঘটকঃ।ইন্ডিন্রিকাও
শেষঃ॥

ত্যহস্পর্য: পু• ত্রিদিনস্ক্। ভিঞ্ । ত্রবস্পর্যক্ষকঃ ই ভ ভেডিক।। वाह्मण्मः ती व्यक्षणमः । उथाठ विभिन्नः । अकथिन् भावतः वृद्धि क्रिशीनाः विख्यः यमा। उमा मिन-क्रमः (भाक छत्र मार्श्युकः कनः ॥ कनमिनि विक्रिक कर्यभारः ॥ खिमार्ग मिन भार्छ धनुषि इरवो छान्न वृद्धि मानि । ठिकिनि मृत्ध क्रम्भाता माक्ष्माः विवारक्षिति छीमभात्राक्रमः ॥ मिनभार्छ मिन क्रारा ॥ व्यक्ष्मण्यः निवारक्षिति कृतः अवश्वद्धः कृति विवारक्षितः ॥ विवार यावा मृत्र भृष्टि कर्या मर्व न कार्यः जिकिमनम्भारम् छ ॥ देति रक्षािल्छवः ॥

ভ্যাহিক: ত্রি ভ্গীযে হিড্ডব:। যথা

। ঐকাহিক ঘ্যাহিক ভ্যাহিক
মত্ত্রিক সতত জুর বিষমজ্ব
ইত্যাদ্যপরাজিতান্তোত্র•॥

ব্যুষণ ক্লী মিলিড শুগ্রী সিম্নলী নরীচং। ইত্যমরঃ॥ ক্রিকাষাং ব্যুষণ ক্লী ব্যুষণণ ইত্যমরটীকাষাং ্রুডরভঃ॥

ত্বং বি ভবান। তুমি ইতি ভাষা।

যুবাছ দস্য পুথমৈক বচনান্ত ৰূপো
ইয়া লিক্কব্যে স্থানঃ । ইতি
ব্যাক্রণা।

वः वि ভिम्नः। चन्तः। ইত্যনরः॥ षुक् जी इन्द्रियदिष्णवः। यथा। भूई বিষিত্যভাদ্যকে দেহব্যাপি ত্বণি-निष्य । शागामिस महावायू शर्ध-ভো বিষয়ে। মতঃ।। উভ্ত সুর্শবদ্দু-ব্য গোচরংসোপিত বৃচঃ। ৰূপান্য ছক্ষুবো যোগ্য ক্**পমত্রালিকার**ণ• ॥ দুব্যাধ্যকে ত্বটো যোগো মনসা-জ্ঞান কারণণা ইতি ভাষাপরিছে দঃ ॥ वन्नन ।। ७७क्क् ॥ वर्ष । हेकि भिन्नी । भिरम्प्रभर्यायः। अम्-ধ্বরা ২। ইত্যনরগ্রা **অস্গ্ররা এই তি**্ ভটोका॥ क्व∙८ द्वा ६ वर्ष **५ हजी**ं १ इली ৮। इंडि नेम्ब्रङ्गवनी।। प्रमा मात्रिमी देखि ভाषा। देखि त्राजनिर्घण्डः॥

प्रक्ष शुर पुर:। ই ि श्रावावनी ॥ प्रकृष शुर की बी मन्कः। की ब क्ष्मकी हिंछ छ। या । ই कि बहु भागा॥

বৃক্পত্র: শ্রী ওডবুক্। ইন্ড্যমর:॥ তেলপত্র- ইন্ডি কেচিৎ। ইন্ডি ভরত:॥ তৎপর্য্যামঃ। স্থকটি ২ ভ্রু ত বৃচ ৪ চোচ ৫ বরাক্ক ৬। ইন্ড্যমর:।।

प्क्णबी की हिक्नवी। उद्भर्गायः

। काबवी २ भृथी ७ वाम्मीका ह । जाकूतः भुः तामाकः। इंडि बिंगां कवती ६ भृशुः ७। ইত্যमद्रः ॥ তৎপত্রী ব। ইতি ভরতঃ।। ত্বক্পুস্ ক্লী রোমাঞ্চঃ। ইতি বিকাও-(मक्क्षा किलामन इंडि (इंबर्म्स्य) पुरुश्रुका स्त्री किनामः 1 जूनी ইতি ভাষা।ইতি ত্রিকান্তশেষঃ॥ ত্বক্পুরী ক্রী কিলাসণ ইতিছটাবরঃ৷৷ खुक्त्रातः शु॰ यः मः। ইত্যমরः॥ **७७३क् । इंडि मद्यामुका** ॥ (भागवृकः ॥ त्रुवन्नः । इंडि क्राक्षनिर्घ छै:॥

जी क मालाइमा। इंडि क्राक्रनिर्घणेः॥

वृक्षाव्राक्षिनी जी कृपुर्वश्काः। क्ञि दाजनिर्घणः॥

वृक्जूगद्धः भू मात्रकः । ইতি ভাৰপুকাশ:॥

व्क्जूगका जी अनवान्क्नीजगक मुत्र । इंद्रिकोगनाः ॥ 🐬

पुक्कीयां सी स्भायादमा दिंछा-भद्रः ॥

'वृक्कीती बी पुक्कीता । इंडि वाज्ञ निर्घणः॥

पूत्र इ कष्णा। मस्त्री हैंडि कवि-कत्म्यः॥

(कानः॥ जुगाकी ही खगाकी श्री प्रश्ना লোচনা। ইভি কটাধরঃ॥ ত্রানঃ পু নাগরস্থা ইভি রাজ-निर्घणेः॥

जुग्ब की दान।। क्षित । है डि द्राजनिर्घणः॥

खुरम्बः भुः ८काठेरत्रागः । ইতি न्नानियं छै।।

ব্ৰুণ্মেৰাপহ। স্ত্ৰী বাস্চী । ইতি द्वाकनिर्घणेः॥

ত্বশ্বোবারিঃ পু হত্তিকন্দ:। ইতি त्राकिनिर्घणेः॥

ত্ত্বচ শ বৃত্যা। সমূরণ ইতি বাবৎ । ইতি কবিকণ্ণক্ৰমঃ॥

बुष्ठ॰ क्री वृक्षवित्मवः । मात्रविनी हेि जावा। छट्मर्यायः। युक् ३ ाबकुन २ ज्**र** ७ वडाक । ४ मूथ-(माधन ६ भक्त ७ जि इत १ ्यमा के जुद्रम् के कामवल्ल छ ३० एटकरें। ३३ वङ्गकः ३२ विकृष ्रेश वनित्य : ३८ वेष्टे भर्गः ३० शक्-वन् ५७ वतः ३१ भी छ अ। जन श्याः। कृष्यः। भीउत्तवः। कक কাস বিনাশিত্ব। শুকাম শমনত্ব॰

इंडि রাজনিষ্টঃ ॥ वद्यनः॥ हर्षा। ७५व है। इंडि ध्वलिः॥ पुना जी पुन्। ইতি भाषतञ्जावनी॥ खुठाभव की वृक्षवा। ই जिल्ल त्रवायनी ॥ चुिष्ठः वि चुठीयान्। छाउँमय ত্রশিষ্টঃ। ইতি ব্যাকরণ।।। জ্বচিসারঃ পু• বৃ•শঃ। ইত্যমর:॥ खुिन्नू ग्रांका खी कर्पूवा। इंडि हाजा-

वली ॥ ए॰ जि जिमः। इंडि कि विवद्यः॥ ভৰতঃ ৷ তোমাহইতে ইতি ভাষা । ইতি ব্যাকরণ ॥

ত্বনু উ ইতৌ। সভৌ। ইতি কবি-कन्नक मः भा

ত্বন উ ধ্ৰসক্ষাচে। ইতিকবিকল্পনঃ वृत्तीय वि ভवतीय दिं जिन्याकत्र गः॥ द्वत कि व उ म (वर्ग । इंडि कवि-কল্পজন: 11

ত্বরণ ক্লী ত্বা। ইতি ব্যাকরণ।।। पूजा जी रवगः। ७८ भर्यायः 🛚 সম্ভূন: ২। ইত্যমর: ॥ আবেগ: ৩ ত্বরি: ৪ ত্র্ণি: ৫ সম্বেগ: ७ । ইতি ं (इस्टन्मः॥ चाविष्टः। इन्डानत होकागाः मानी॥

। क्रिक्ष क्रा । नधूनका । प्रतिः जी ध्रा । इंडि (इमहन्मुः॥ वृति उ॰ ही भी यु॰॥ छिषिमा छै वि । ইত্যধারঃ ॥

ত্বরিভোদিত বি শীঘোচারিতবচঃ। তৎ मर्यायुः। निज्ञ रः। ইত্য मद्राः॥ দ্ব 🕏 ভন্ক্ত:। টাঁচা ছোলা इंडामि ভाषा । उर्श्यागः। उद्य: २। इंड/बार: ॥

द्वे। भू व्यक्ति डावित्मयः ॥ विश्वकर्षा । इंडि (इमहन्तुः ॥ वर्गमक्षत्रकाठि विलयः। ইভামরः॥ অস্যপর্যায় कांश्र हो मास डेट शिखक मृज्यात 'भाष मुष्ठेव्याश

ত্বক উ কার্ল্যে: কূলকরণ ইতি যাবৎ । ইতি কবিকল্পফনঃ ॥

व्यक्त 🤏 व्यक्तागुर्ग्य ॥ नस्त्रश्य १ इंडिकविक्तुक्यः॥

জ্বাচপুত্যক । প্ৰাপ্তান । मुव्यास्यः न्यामं द्वात्रा (वायः । यथा । यथ कान गाव दुडानः সে**ংযোগন**্য যদি কারণত্ব• তদা লাসন চাকুবাদি কালে বাচ 'भुडाक मार् केडि निवास-भुकावनी।।

बाद्रेः पु॰ व्वापुतः। ইতি विकाउ-रमयः ॥

বাধী ত্রী চিত্রানক্ষত্র । ইতি দেম-চন্দুঃ। সংজ্ঞানাম স্যাপগ্নী। ইতি শহরগ্নবলী।। রথিকা। কুদুরথং। ইতি ত্রিকাওশেষঃ।।

ক্টিই দ্রী শোভা ।! পুভা ।। কাক্।
ইতিনেদিনী ॥ ব্যবসায় গাঁজিগীয়া
। ইতি বিশ্বঃ ॥

विष के छ जाम। व्यवभूई (का १ वर्ग निवास मान मीछो छ । इंडि कविकन्न समा।

जिया जी मीखिश इं जि मस्त्र ज्ञावनीजियाम्म जिः पृ॰ मूर्य्यः। इं ज्ञावनीजियाम्म जिः पृ॰ कित्र १० । इं जि एक महन्त्रः॥
ज्ञाव • हम्म गर्जा । इं जि कि विकल्ल क्ष्मः॥
ज्ञाव • हम्म गर्जा । इं जि कि विकल्ल क्षमः॥
ज्ञाव • पृ॰ शङ्गमू छिः। इं ज्ञाम जः॥ उ॰
भर्यायः। मूदिः २ जान जनः ०
इं जि मस्त्र ज्ञावनी ॥

ર્થ

থ থকার: । সাব্যঞ্জন চতুদ্দি বর্ণ:। ভবর্গদ্বিতীয়বর্ণন্ধ । অস্যোদ্ধারণ হানং দন্ত:। ইতি ব্যাকরণ:॥ অস্য স্বন্ধপংযথা। থকার: চঞ্চলা-পান্ধি সপ্তলী মোক্ষকপিণী। ত্রিশ-জি সহিত: বর্ণ- তিবিন্দু সহিত: সদা ।। পঞ্চদেব ময়: বর্ণা পঞ্চ भूगि। ज्ञकः मृत्रा । जक्षे प्रिका महाणः थकातः भूग्रामा हरे॥
हेकि काम् (धमुक्कः ॥ जम्मु विश्यम भूकात्म यथा । क्षिका क्ष्यती ज्ञा वामान क्षिण क्ष्यती ज्ञा वामान क्षिण क्ष्यती ज्ञा वामान क्षिण क्ष्यती प्रकार ज्ञा वामान क्षिण क्ष्यती प्रकार वामान क्ष्या क्ष्या वामान क्ष्य वामान क्ष्या वामान क्ष्या वामान क्ष्या वामान क्ष्या वामान क्ष्य वामान क्ष्य वामान क्ष्य वामान क्ष्य वामान वामान क्ष्य वामान क्ष्य वामान वामान क्ष्य वामान वामान क्ष्य वामान वामान क्ष्य वामान

थ॰ क्ली तक्षणः।। सक्ष्वः।। नाधुमः। इक्तिः(समिनीं।।

থঃ পুণ পর্বতঃ।। ভবরক্ষকঃ। ইতি
নেদিনী ।। ব্যাধিভেদঃ। ভবচিত্রণ
।। ভক্ষণণ । ইতি শব্দরন্নাবলী ।।
থুড শি সংবৃতী।ইতিকবিকল্লফমঃ।।
খুৎকারঃ পুণ নিষ্ঠাবনত্যাগ্রানুকরঞ্জনঃ।।
শব্দঃ।।

थ्रं के वारा। इंकिकविक्क्षकाः ॥
थ्रं वा विशेवनजागानुकत्रगणमः ।
यथा। थ्रं क्रजा क्राण्यानुकत्रभणकोनक्रिजि क्षिक्रगान्यः ॥
देशेष वा वामानुकत्रगणकिरणवः ॥
इंजिक्राजिमास्यामतः॥

থোডন লী সম্বরণ । ইতি থুড থাডো ভাবে ২নট্পুত্যয়ঃ॥ म संकातः। म वाञ्चनः शक्षम्भवनः

. उवर्ग ज्जीय वर्गम् । व्यानाः हात्र ।

इत्तरः । इजि वाक्रतः । ।

व्यानः । इजि वाक्रतः । ।

व्यानः वर्षः । इजि वाक्रतः । ।

व्यानः वर्षः । व्या । मकातः मृ गु

हार्विम हजूर्वर्ग श्रम्यकः। शक्षः ।

विमक्ति हजूर्वर्ग श्रम्यकः। शकः । ।

विमक्ति महिजः । विविविम्ह्याहः

उः महा। वाज्यामि उज्ञ मः युक्तः

व्याः शत्रम व्यानाः। वक्ति विद्याहः

विकामाः मकातः क्रिमः ভावयः।

इजिकामायमुज्ञः।।

म श्री ভार्या। ইত্যেকাক্ষরকোর ॥

म: भू: व्यव्यः ॥ मण्डः ॥ माजा।

देशि विमिनी ॥ यखन । ইতি

मस्दद्भावनी ॥

स्रमाः शृ कीर्हितिमयः। प्राम इंडि

डाया! छ० शर्यायः। वनमिक्का
२। इंडिम्प्रः॥ शामिक्का ० जहगुम्रक्किका ८ डिड्रमालका ६ ।

इंडि म्प्रज्ञायनी ॥ शाम्प्रः ७
ए॰ मकः १। इंडि हाजावनी ॥ पृष्ठर्वाकिकिं। वर्षा। परम्पनः ।

इंडि प्रिमी ॥ थडनः॥ प्राप्तः॥

मखः। देख हमहण्यः॥

मखः। देख हमहण्यः॥

मखः। देख हमहण्यः॥

下邻

मः नकः शृ॰ मः नः । ইতি হারাवनी ।। मः नकर्डित जि ॥

सः ननः जी वर्षा। मङामिनाथछनः ।

कामणान ज्नक्ठान हेल्यामि

ভाষা। ইতি হেমচন্দুः ॥

रः भाडीकः श्रुः जी महिषः। ইতি ত্রিকা গুশেষः॥

দ॰শমূলঃ পু• শিশুঃ।ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ॥

म॰ শिङ: बि विधिजः ॥ म्रेंडः। ইজি (इस्टन्युः॥

দ শী প্রী ফুদুদ শাং। ছেটিদাঁশ ইতি ভাষা। ইত্যমরং॥

न•्ड्रे। खी मखिति। न्यः। ज्रष्ट्रश्यायः। । नाम। २। इंडि (इनम्नुः॥

पर्श्टिका खी पाषिका। ইভিছেম ह प्रुशाः।

प्रश्ली पृ जी मृकतः। ইত্যাतः॥
गर्भः। ইতি শক্র রাবলী॥ प्र श्लीविশিষ্টে জি। यथ।। प्र श्लिज्ञा अन्तिः।
ভির্নাপি, হতা শ্লেছেশ্চ ভক্ষরৈ:।
यে রাম্যথে হতা যান্তি রাজন স্বর্গ ।
ন সংশযঃ॥ ইতি শুদ্ধিতত্ব অগ্লি

ইতি নেদিনী ॥ থণ্ডন• ॥ দেশবং॥ দক• ক্লী জল• । ইতি ত্রিকাপ্তশেষং ॥

নশ্ম । সপক্ষত• । ইতি বিশ্বং ॥ দক্ষণ ক্লী কত্প•। ইতি রহানালা॥

দন্তঃ । ইতি হেনচ•দুঃ ॥

দক্ষঃ ত্রি ভশীকতঃ । গোডা ইতিঃ

ভাষা। ভংগার্যায়ঃ। শুষ্টং ২ প্লুষ্টঃ ॥
৩ উবিভঃ৪। ইত্যুসরং॥ পেত্রাণা
মান্ধিং পর্ণা) গোর্বর্জ্য নামিষং
ক্রীরং ফলেজয়ীর নামিষং। আনিষং
রক্তশাকঞ্চ সর্বঞ্চ দক্ষ নামিষ্য।।
ইতি কর্মালোচনং॥

দশ্ধকাকঃ পু॰ দ্যোণকাকঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।:

দধারথ: পু চিত্ররথগর্ন র । ইতি নহাভারত ।।

म्थाक्षः थु॰ डिन्कप्कः। ইভি রাজনির্ঘটঃ॥

मथाक्षा जी मथावृक्षः। ३७ आक्रमिर्धिः॥

मका ही इंडाक् मिक्। ই कि क्षिमि ।। वृक्ष विश्वानः। अक् इंडि श्वानः। । व्यक् इंडि श्वानः। । व्यक्षः। व्यक्षः। हिंडिशः। व्यक्षः। । व्यक्षः। व्यक्षः।

वावाणासिनया दहेगी जाम्यूरा-यनस्या पंत्राची कार्ज्कि माघरग र्वामणी। अम्हाः भुव्यादः यथा। षि जीया भीन धनुरवा "एजू वी वृव क् भुरयाः । यात्र कर्ह्र हेरयाः अधे कन्त्रा जिलून(कश्रेमी ॥ कण्मी বৃণ্চিক সিংহে দ্বাদশী মকরে তাল। এভি যাভো ন জীবেড যদি শক সংখ্য ভবৈৎ ॥ জ্ব ॥ অসণঃ পুতিপুসবো বথা। বৈশাথে শুক্লা वधी देवारक कृष्ण हल्ली जायारह मुङ्गार्थमी मुगनरम दृश्म यश्चे जार्म मुक्ता प्रमानी व्यास्थित कृष्णाध्यी কাৰ্ভিকে শৃত্লা ছাদশী অগ্ৰহামণে क्का मनागी लाख मुद्रा विशेषा माध क्षा दामनी क लात मूला **हरूथी** हिटल कृष्ण दिलीया । जाना नुमान यथा। (मृत्य मितना न्युरा ग्रालम् र्रक धनुः ए कल-(नह भुक्षा। अणीत कन्यां वि मृगाम्य गीन वृष्ययू क्षा खिथयः शुम्याः।। शा मिनम्का यथा। अविवास हाए भी आाम अकामभी मक्त मभर्मा মুখে তৃতীযা বৃহস্পতৌ বঙা শুক্তে शक्षमणी मानी मधनी। अन्। পুলাশ यथा। सामा कृष्किला রামাঃ ষট্ পক্ষ সুন্ব স্তথা। দক্ষ্যে তিথ্যঃ সপ্তসূর্য্যাদ্যৈঃ সপ্তসন্তভিং॥ -ইতি জ্যোতিঃসারসংপূহঃ॥

ক্ষিণ জী দ্ধান্ত। পোডাভাত ইতি ভাষা। চাঁটা ইতি খ্যাতা ইতি ফেটিদিতি ভরতঃ।। ডং পর্যায়ঃ। ভিন্নটাই। ইত্যনরঃ।। ভিন্নিটা হ ভিন্মিটা ৪ ভিন্মিটা ৫ ভিন্মিকা ৬। ইতি তট্টাকা সার সুন্দরী।। দ্ধাব্দাঃ। ইতি রাজ-নির্ঘটা।।

म (क्षेष्ठका जी कागक । इंडि श्राजा-वनी।

स्य ३ जाता। व्यवता ३ जि क्विक्रक्रक्रमः॥

দ্ব ন ঘাতনে। ইতি কবিকল্পন: ।।
দণ্ড ত ক দণ্ডপাতে। ইতি কবিকলুজন: ।।

म अः शू श्री व्यख्यः। इत्यम् द्रः॥ उत्या भावत ख्ताः। मृत्यकः मः शु तिष्ठानद्यः। न्यायुग्यदः। ज्यम् द्रकः। इति द्राम-वल्ल कः॥ नित्रभागक द्रक्षनामि । यथाः । नद्रभागक मः जानः ज्ञानामभा-हि मनः। वहिर्द्यम् व यम् । मञ्जीविश्वीयाः। हि द्राम्भ्यम्।

ए थः भु॰ एमन । म ताद्धाः छ्लूर्थाः পায়:। লচ ত্রিবিখঃ। বধঃ অর্থগৃহণ• বন্ধন তাডনাদিশ্চ। ইভ্যনরটাকা नात्रमुन्द्रती॥ उट्षयुग्रयः। नार्मः २ मनः १। इंडानदः॥ 🕸॥ छेर्जु-স্থিতঃ। দাঁডান ইতি ভাষা। इंडि नात्रमुन्दती ।। यू इंडिमः ॥ পুকাঙঃ ॥ অখঃ॥ কোণঃ॥ মন্থানঃ ॥ रेगन्यः ॥ कामः । घडी इंडि ভाষा॥ मान(७५:। काठा इंडि ভাষা॥ চণ্ডা শোংপারিপার্শ্বিকং॥ য্ম:।। অভিনানঃ। ইতি মেদিনী।। गुरु छिनः । इंडि (रुम हन्दुः ॥ ইঙ্গাসরাজপুত্রঃ ইতি পুরাণ।। 🕸 🛚 । कानरचम मधमा भुमान वया। বট্পল• পাত্র নির্মাণ• গভীর• চতুরস্থল । স্বৰ্ণমাৰেঃ কৃত ছিদু भू उ॰ भाव॰ उएकाल॰ म अस्मरह । ইতি বুন্ধবৈৰৰ্ভে পুকৃতিখণ্ড।। * ।। वाञान भुष्ठि मध्याम्। तम् मण्यान-পাতনেচ দোষোযথা। বিপু দণ্ডো-म्यान कृष्टु निकृष्टु निभाजान । इंडि भागिकिङ्बु १। 🕸 ॥ (कोंहे-माक्ष्य एका यथा। त्याचात्या-शास्त्रवाट कामाट कावाड

থৈবচ। অজ্ঞানাদ্বালভাবাচ সাক্ষ্য বিতথ মুচ্যতে ৷৷ এষা মন্যতমে ञ्चात्व यः जाक्कुप्रम् उत्र (४९) जन् ष्ट अविरणवा ख भूवक्ता मानू भू ई नः ॥ लाजा । मह्मू म् खुद्ध भाहा । शृई छ नाइन । ভयाष्ट्री म्यामी मरखो रेमबाद भूबं ठळुर्खन । কামাদশেশুণ পূর্ব কোধান্তু ত্রি গুণ পরণ অক্তানাৎ দ্বেশতেপূর্ণে চাশিষ্যাহ্ত মেব্তু ॥ এভানাহ किरिमात्कः (भाकान् मधामनी বিভি:৷ ধর্ম স্যা ব্যভিচারার্থ নগ্ন 📑 निधनायह ॥ (कोहेमाक्) छ कुईा-शान् जीन् वर्गान् शार्मितका नृशः। भुवानरमम् अयिदा वाक्षण्य विवा नरपट् ॥ 🗱 ॥ मण्डमा ज्ञानानि यथा। मण्डानानि मञ्जा सनुः श्वाराष्ट्रादा हेर्नुतीट । बित्रु वर्णमु यानिमु। तकाला वृत्काणा वृत्कए॥ উপস্মুদর জিল্পা হস্তোপাদেচ পঞ্চন। চক্ষু নাসাচ কণে চি ধন॰ (मक् छरेथव ह ॥ ज्यूवक् भिन्न-- জ্ঞায দেশ কালৌচ ভত্বভঃ। সারাপরাধৌ চালোক্য দশুদণ্ড্যেযু शाज्यर ॥ अ॥ अतिहिक माध्य क्षारयायथा। यथर्म म् अन वाक्

यागाइ॰ की खिं ना नन । जायगं अ পরত্রাপি ভস্মাভৎ পরিবর্জ্জায়ৎ, ॥ अम्बान् म्बरनाका म्बराः रैक्टवाभाम खयन्। अयरणा मङ्गा-भाि नवकर्ष्य गइ छ ॥ 🗱 ॥ म अन्य भित्र भर्यानियामा यथा। वाग्रहण सुषयण कुर्यप्राट विग्रहण **७**मन छत्र॰ ॥ ज्ञीय॰ **धनम** ७ छ वधमा अङ्गान वासनाथि यमा (व्याविग्रीषुण न मनुयार ॥ **उ**देरपु नर्व (भरेवड० भगक्षीक চভুষ্টশ । জ। দওস্য ভেদা শবা। श्वाना॰ एवं गाउ नार्च गुधनः जाहमः म्उश न्यामः शक्षि रिडिंड-যঃ সহসুদ্রেন চোত্রঃ ৷৷ ঋণে **দে**য়ে পুভিজ্ঞাতে গঞ্জক **শভ**ম ইতি। অগহবে ভদ্দি ভক্ত ভন্ম-भारत्नाभवन्।। 🕏 ।। स्वाव विभिष्ठे कन्याम्यात मर्क्षा यथा। यञ्च (मावः বতী কন্যা মনাখ্যায় পুযছতি । उन्। कूर्याम्र्ला म् ७ वर याविक भगान्॥ व्यक्ताति ह यः, कन्डा॰ व्याप्तु (वन मानेवः। म नाउने भाग याम ७० उन्। (मार सम्म-यन्।। 🛪 ।। श्वामीनाः नाम्। उक्ताः দণ্ডো যথা। পথি ক্লেত্রে পরিবৃত্তে

গুামান্তীযেথ বা পুনঃ। স পালঃ শত म शार्का विशालान् वात्राय शान्त्।। 🐉॥ (कड़ाहि त्रीमा विवाद में अ যথা৷ক্ষেত্ৰ কুপ তডাগানা মারামস্য भृहमात । नामंड পुंडार्या उद्धरः সীনা সেতু বিনির্ণशः।। সামস্তাশ্চে-ग्रा दुगुः (माजो विवन छा॰ न्गा॰। मर्खि मृथक् मृथग् आ हा छ। मधाम | সাহসং॥ গৃহ•তডাগ মারান• কেব• ॥ वा जीयया इतन्। मजानि शक्ष म छाः न्यान्द्वानाम्बिल्डा प्रमः ॥ 🕸॥ বাক্ পাৰুব্যে দণ্ডা यथा। শত॰ ব্ৰাশানাকুশ্য কৰিবো দণ্ড নহিতি। दिवामा। २ शास्त्रमं छ । एवा मृनु स वध मर्गे ॥ शकानम्याकारण म्थाः ক্ষতিব্যুগভিশ-সনে। বৈশ্যে স্যা-एक्शकामहृत् दाममाका मगः॥ अमे वर्ष विद्यालीना वाहरेगव ব্যতিক্রমে। বাদে স্ববচনীযে গুতদে ব ष्टिंग जिल्हा ॥ अक कांडि र्षिका छी • स वाहा माक गया कि शन्। किञ्चायाः भाग्नं याहिमः अधना भु-, ভবে। হি, স:।। নাম ক্রাতি গুহুস্তের। मिल्पार्वे वर्षे । मिःस्कर्णा .. १ (या भवः भक् ज्वं न मार्भः प्रभाक्तः ॥ ब्रामा शाम्य मार्शन विश्वाना मना

अर्वेडः। उश्वमाम हायदिन वर्कु শুতে চ পার্থিবঃ।। শুত দেশক জাতিঞ্চ কর্মশারীর মেব চ। বিভ-थिन तुतन् प्रशासानाः नाम्यान्डः मनः ॥ कागशामा थ्या यक्ष मनाशा-পি ভথা বিশ্ব॰। ভথ্যেনাপি বুবন্ माल्गा मञ्ज कार्याभगावतः ॥ मा-ভর পিভর জাযা ভাতর ভন্য **७क•। आका**त्रयन् चंड• मानः পস্থান চাদদদুরোঃ !' বাহ্মণ ক্তি-या नास प्रशः कार्य्या विकान न।। वाकारा जाइमः भूदः कविष द्वन गवामः।। विष् मृम्या द्वर स्व स-জাত্তি-পুতি তত্ত্বভঃছে দৰজ্জ-পুণ্যণ म श्रामाणि विनिक्त्यः ॥ 🕸 ॥ म्ख शाक्षा प्रशायथा। यन कनि माक्न क्रिन्डाहिट (मुंड नडाकः। (इंडव) उडाइवामा उजाना वनु-नामनः॥ शानिमृष्ट्रमा द ७ ता शानि (इन्न स्ट्डि। शास्त शुरुद्रन् কোপাৎ পাদছেদন নহন্তি। সহা-मन मिल्पुर्यों कर क्षेत्राशक्षेतः । किंद्रा॰क् डास्काः निर्वानाः शिक्रः वीम्यावक खरायः ॥ व्यवनिशीवाउ। मर्ना८ द्वारवारको एहमरयस्भः। व्यव-মূত্ৰতো নেতু নবশহ্বতো ওদণ

॥ रकरमम् गृङ्ग रजा इस्डो स्हमरयम-विठात्रयन्। शामत्या महिकायाञ्च श्रीवायाः ब्याप्यु ह ॥ वृत्युरकः मञः म्(अ)। (वाश्उम्) जुम्मकः। মাংসভেত্তা তু বণ্ডিন্পুবাস্যন্ত্ৰি ॥ ভেদকঃ॥ বনস্পতীনা সর্বেষা মূপ-लागा यथा यथा। उथा उथा मनः कार्या हि॰ नाया मिलिधात्रगा। मन् व्यागाः भण्नाक मृःथाय भुक्राञ मिछि। यथा यथा सहस्रू: थ॰ मेख वर्गाडवा ज्या ॥ चकाना नी छ- " नागाक भाग (मानिज्या उथा। नम्यान व्यक् मान्यः नर्बन्यम्था-नि वा॥ मुव्यानि हि॰ ग्यास्म। यम् জ্ঞানতো হজানতো হপি বা । স **जल्मार्शनरयञ्चि अल्कानम्या** তংসমণা চর্ম চামিক ভাণ্ডেষু কাষ্ঠ लाडेमरायु ह। मृल्या भक्ष खरना म अः भूत्र मूल करन्तु ह ॥ यान रेमाउ **जू याजू क यानशामिन এव ह। क्ष्मा** जि वर्डनान्राङ्ः (भारव माखा विधी-যতে।। ছিন্ননাস্যে ভিন্নযুগে ভিৰ্য্যক্ পুতিমুখাগতে। অক্ষভকে চ যানস্য চক্রভব্দে তথৈবচ।। ছেদনে हैंद যজাণা॰ 'যোজু রশ্ম্যে স্তথৈব চ। वाकला वागालशिक न मखन्

রবুবীৎ ॥ যত্রাপবৃত্ততে যুগ্য- বৈত্ত ণ্যাৎ শ্ৰাদ্ৰকস্য তু। তত্ৰ স্বামী ভবে-क्रिका हिन्त्रायाः विमुख् मन्॥ शाबक एक खाव माधः शाबाका माध मर्श्ड । यूग्रहाः भावत्कनात्ध नर्दिष्णाः मञ्मञ् ॥ न तिलु शिथ मः ककः भमु जि दी त्रायन का। পুমাপযেৎ পুাণভূত স্তত্ৰ দণ্ডো বি-ठात्रिजः ॥ मन्यु मात्राम किन्न कों वर कि क्षियी **ভ**रवर । भाग **ज्८ मूमरू८ यर्फः (गा गाका हे रुया-**मित्रु।। कुमुकागाः शम्नाक हिःगाः-याः विभाजा प्रमः। भकाभञ्ज छद म् अः मृ (ভ यु भ्गभिक्ष यु ॥ गर्म ङ् काविकानांक म् ७:ग्डाट्शक्यावकः । भारकञ्च ভবেদ ७: य भूकन्न নিপাতনে।। ভার্তা পুঞ্চ দাসক শিষ্যো ভ্রাতা চ সোদর:। প্রাপ্তাপ-त्राश लाजाः मृ त्रक्ता (वन् मलान वा।। भृष्ठे उस मही त्रमा (ना स्मात्न कथकन। चाउ। १नाथा जु भुरत्रन् शुक्षः नप्राहित किन्दरः ॥ 🗱 ॥ रहोत्रमाम ७ विधि यंथा। यस ब्रह्म यहे क्लामदा जिन्हा वः भुवा । न म्ख॰ भाश यासाय॰ छह जिसन् नवार्त्रः ॥ थान्। मण्डाः व्यक्त

ভ্যোহরভোভ্যবিক্ল বধঃ। শেবে-ः (भाकामण्डाः माभा उमा उपा া ভথা ধরিন মেযানা শভাদভ্য-वितक वधः। जूवर्ग तक छानीना मुख-मानाक वाममा ॥ भकामञ्जू ग्र-ৰিকে হস্ত ছে ৰ ম মিৰ্যতে। শেষেপ্যে-काम्म छन भ्वाम् ७ भुकन्तर् ्।। भूक्यांगाः स्वीनानाः नात्रीपाकः विरमवंडः । मूथ्यानाः देवव बङ्गानाः হ্রণে বধ নহভি াা মহাপশ্না• হুরণে শব্রাণামৌবধস্য চাকালমা-जाम्य कार्याक ताका मध्यम्बन्नस्य া গোসু বাহ্মণ সংস্থাসু স্পুরিকাযা-क उत्तर । श्रभूना इत्रा हिद मराः कार्या १ वंशाहिकः॥ भूव কাপাস কিথানা গোমবৃষ্য গুড় न्। प्यः कीत्रमः छक्रमः भानी-যস্ত্ণস্চ॥ বেণু বৈদল ভাণ্ডা-ना॰ नवगामा उरेथवह । मृग्ययानाक-र्त्रा गृह्णाञ्चन ववह ॥ मूट्ना नाः शकिगारिकत रेजनगढि च्उम्ह भाग्मिं सथुन रैक्टव यहाना९ राणुगञ्जवः॥ युद्धार्यादेश्व मानीनाः মহ্যানা মেদিনস্য চ। পঞ্চানাঞ্ - সংৰ্বা॰ তম্ল্যাদ্ভিণো 'দ্ম: ।। श्रीकृ रिविष्ठ शाना छना बली ॥

नागवुरु। जानाः वन्तिन्। उत् म अः म्। भक्ष क्कनः। भिर्मिष्ठम् शान्त्रमु भाक मूल करण दूष ॥ निवस्य निज मणः नास्य १ व मठ प्राः। मार मार्म वृद्यं वट भुम छ कर्म यट कृष्ण ।। नित्रमय ভবেৎ স্তেম্ কৃত্বাপব্যয়তে চ ব্ৎ । यंख्ञानु। भन्छानि पुरागि (खन-(यमद्रः ॥ छनाम्ध्रः म्खरम् जा यन्हाञ्चि । हात्रायम्गृहा ८ । यन यन যথাকেন ভেনো নৃষু বিচেষ্টভে।ভত্ত-'দেব'হয়েন্তন্য পুত্যাদেশায় পাথি-वः।। 🟶 ।। भन्नमात्र इत्राम् एकः। स्था । भवनावाजिमार्यवृ भुवृजान् नृम्भी शिक्षः । উদ্বেজনকরৈ দ্বি **कि** विदा भुवामयर ॥ भव्रम् भङ्गा भूक्षः मः जावाः याज्यन् तरः 1 পূर्वभाकात्रिका कारियः भाग् याट পূর্বসাহসং॥ পরস্তিयः याভিবদৈৎ जीर्ष १ तर्गु वरन शि वा ॥ नहीं ना-मिनि में राज्य म में गुर्ग मानु याद । উপচার ক্রিয়া কেলি: স্পর্ন্দে। ভূষণ वानकाः। जरु चहु। मन दिक्षव नर्हः गःगुरुष ७था।। जिय म्लामहामान यः ग्लाडी वा नर्याय ख्या। भन्नामानः म्।नूमा मर्ड मर्ड मःग्रहन मृत्र ।

चात्राक्षनः जःगुरुरा गुनिष्ठिः एउ নহাতি॥ ন সম্ভাষা পর্জীভিঃ भुजिविषः मभागत्त्र । निविष्का ভাষমাণস্ক সুবর্ণ দণ্ডমর্হতি।। নৈধ-চারণ দারেষু বিধি নাঁত্মোপ-बीविवू। मञ्ज्यिष्ठ वि रठनादी निंग्-छ। महात्रविष्ठ ह ॥ किक्षिप्तवजु দাপ্য: স্যাৎস-ভাষা ভাভিরাচ-त्रन्। (या १कामा॰ मृष्यय एकन्ता॰ म अत्मा यथ नर्शक ॥ अकामाः मृययं खला न रबः भाषु यावदः कन्रा छबडी बुटक्षे न किक्मिल माभारार ॥ कदनाः (भवनानास স•যতা। বাসবেদগৃছে। উত্তমা। (नवमानञ्च जचरन्। वध मर्शक ॥ मुन् पर्वाट (जवमानः जमामि-हिट्लिङ। यमि । अভिमश् जू यः कमा। अर्था। पर्शिष मानवः ॥ जग्राम् कर्डिमङ्क्त्री मुख्काईडि वर्षा छ । मकामाः मृययः सल्छा नाकृति (हम भाद्र यार्।। विশंउड मभः माश्यः शुभक विनिवृद्धस्य । करेनारव कनारा या अर्याए **, छनारः** माफिना मगः। मृत्रक विधाः क्लिशिक्षिका टेक्टवाय याक्रमा। यांजु कब्राः भुत्रक्रांट की मा माम्राः

मोश्र मर्शकः। जङ्गला दावह ছেদ থারেণোদ্বহন তথা । ভর্তার 🕆 नइयमा जु स्री छाजि ख्रामिनिछ।। **छा• श्रक्तिः शाहरमनुष्का न• ছान्** वक् म किर्छ ॥ श्रुवा म माइयद পাপ শয্নে তণ্ড আফসে। অভ্যা-দধ্যুক্ত কাপ্তানি তব্ৰ দহেত পাপ-क्ट ॥ यद्याजिमस्या पृष्टेगः ছিল্লা দমঃ। ব্রাত্যযা সহ সম্বাসে ठा आवा। **छा** वस्त्व जु॥ मृत्यु **७**छ म्र अधिया दिका छ । वर्षमात्रम्। यश्र नक नदरें खंख मर्खि शिया ।। रिवर्णाः महित्र हे छाः महार मद्दरमञ् निताश्वः। मङ्मु क्वित्या मर्थ्ऽ। মৌগু মূত্রেণ চাহতি ৷ বান্ধণী যদ্যগুণান্ত গছে তা• বৈশ্য পার্থিবৌ रिवण्डाः भक्षणं इः अर्यज्ञाः कवियसः সহসূণ ॥ উভাবপি ভু ভাবেব ব্ৰান্ধণ্যা গুপ্তথা সহ। বিশ্ব তৌ শূদু-वष्ट (अ) प्रकारको वा कठीशिना । সহসু বান্ধণো দণ্ড্যে ভপ্তা বিপাণ वनाषु जन्। णञांनिशकप ७१: महापि-इन्डा नर् नक् उः॥ स्मेखाः भाषानि কো দণ্ডো ব্ৰাহ্মণস্য বিপ্ৰীয়ভোইত (त्रवास तर्गामा॰ ए७: भागासिंकाः खरवर ॥ देव मारकर क बिया खस्र

दिनगा ना क बिर्या वुरहर । रया वा-ं ऋगामण्डागा जातूरको मधनई उः ॥ गर्नु , द्वाकाण मधः माला छाउ जू (उ वु झन्। मृ मुग्या क्विय वित्माः नाहरम् देव ভरवष्ट्यः। कवियाग न्छश्राया रेवरम् ११**३ म्ह ।** मुख्या (मोक्षा मृह्ह कु क्र बिर्या मण-নেব বা ।। অগুন্তে ফ ত্রিয়া বৈশ্যে म्राषा वाकारा व्कन्। मञ्जनि शकः म्खाः नहार मन्मुङ्ग्रेखाः जिनः ।कि। व द्वा यय एक पार्का यात्राय ব্ৰিক্ ত্যালেদিন। শক্ত কৰ্মণ্য मुडेक उरवा मंखः नंउ॰ नंउ॰॥ न মতো ন পিতান জীন পুত্ৰ স্ত্যাগ মহতি। ভারম পভিতানেতান্ রাজ্ঞা म्छाः मञानि वर्षे ॥ इंडि मनूः ॥ **क्ष्या ए अप्रु कल । एथा। एथः गः**त्र-करा शर्म छरेशवार्थ विश्वा छः। কাম সংক্ষাত ব্যাহ ত্রিবাগা দও উচ্চতে।। রাজদ ও ভবাল্লোকা: পাপা: পাপ ন কুর্যতে। যুদ্ধ . ভয়াদেকে পরলোক ভয়াত্তথা।। দণ্ড শ্চেম ভবেলোকে বিভন্ত সাধুসাধু प्रमण्ड

লান্ বলবভরাঃ। অপরাজেযু ভূপা-লোন ও জর্মাছথাঃবিধি। অন্যথা

कत्रगाड्या । त्राज्ञा छवछि किन्दि ।। विक्क मिन कन्ना छा मृछा मछा।
न जृङ्ठा । मृठ इडा जु नत्रक मावित्यः मिट मिन के विवास मिन मिन के विवास के नाहिता छ्टा मिछ न हाई छि। विश्वक वहनाम छः यामिन नत्रकः नत्यः ॥ इछि युक्तिकन्न इकः॥ मिन विश्वक प्रे क्षे प्राक्ति विश्वक प्रे के प्राव्यक प्रे विश्वक प्रे विश्वक प्रे विश्वक प्राव्यक्ति ।। प्राव्यक्ति प्राप्ति प्रे के प्राव्यक्ति विश्वक प्राप्ति प्रे के प्राप्ति प्रे के प्राप्ति प्रे के प्राप्ति प्राप्ति । विश्वक प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति । विश्वक प्राप्ति प्राप्ति । विश्वक प्राप्ति । विष्ठि प्राप्ति । विश्वक प्राप्ति ।

म् अकः खिल्वन्द्रान्। म् अकातगुः । इंडि करिष्द्रः॥

ए अकाकः भू (मानकाकः । हेडि (हमहन्मुः॥

म अपन्न जी वाम श्वित्मयः। माम मा इंड नागद्र। इंडिंग जाया। छ० भग्रीयः। नाणी २ यही ० यामनाणी ८ यामका ६ याम स्वांतः ७। इंडि जिका अस्मयः।। मस्माः १ मृन्यु जिः ४ जुन्युः २ गजीविका २०। इंडि सस्-द्रञ्जावणी ॥

म् अंग्री जी जागीवाम् । इंडि

्ताम अ कर्ता विश्व। विश्व। विश्व । म अवतः श्रू यमः। हे अमहः। दावा

। ইতি কটাধর:।।লগুডখারকে ত্রি॥ म खबाबः भू• भृषीनायः॥(भुजाबिभः ा इंडि (मिनी।। मध्यद्र बि॥ দওনাযকঃ পু॰ সেনানীঃ। স চতুরক বলাধ্যক:। ইতি হেমচন্দু:॥ म् धनी किः जी वर्षणाजः । इका-मतः ॥ ७९ ठानकाामि भूनी उ নীতি শাহ্রণ। ইতি ভরত:॥ তস্য बुर्श्व र्था। म्एवन नीय्र (চদ॰ দণ্ড॰ नयि वा भूमः । मन्ध নীতি বিতি খ্যাতা নীলোঁকানতি-বৰ্ততে ।। তह বুন্ধ কৃত শতসহসা-ধ্যায় পরিমিত। ভদ্নথা। ততো-ব্যায় সহসাণা শতঞ্জে স্বৃদ্ধি ছ-। यब धर्म खरेथवार्थः काम रेक्टवा-ভিবর্ণিভঃ॥ ত্রিবর্গ ইতি বিখ্যাতো गन अब ब्रयसुवा। हजूर्या साक हैर उर्व भृषगर्थः भृषशु गः॥ साक्ष-স্যাপি ত্রিবর্গো হন্য: প্রোক্ত: সত্ত্ব-त्रज्ञ खभः। शानः वृष्तिः क्रय रेक्टव विवर्गरेक्टव म अबः॥ व्याव्या (म नक्ट কালভাপ্যপাষাঃ কৃত্য মেবচ। गहायाः कात्रभरक्षव व फ्वर्र्गा नी-जिकः युजः॥ वयी हानी किकी दिव বার্ত্তা চ ভরতর্বভ। দওনীতিক विश्वा विमा उब निम्निंडाः॥

অনাত্য রক্ষা পুণিধী রাজপুত্রস্য नक्र । ठाउक दिविद्याभायः পুণিধেয়ঃ পৃথপ্তিশং 🕩 প্রাম ভেদ शुमानक अला मखन शार्थित। উপেका भक्षमी ठाव कार्फ् मुप्त সমৃদা জ্তা।। মৃত্রণ্ট ধ্ণিতঃ কৃৎস্ন স্তথা ভেদার্থ এবচ। বিভ্রম্-ैक्टव गज्जमा निकानिएकाक যৎফলণা সন্ধিশ্চ বিবিধাভিখ্যো शीता मदा खर्थाडमः । ७४॰ गएकात विखाशाः कार्यमान পরিবর্ণিত।। যাত্রা কালশ্চ চত্তার ज्ञिवर्गमा চ विखद्गः। विकाया धर्म मुक्क उथार्थविषयक र ॥ या मुद्र-रैक्टर विषय खया कार मान वर्गिजः । जक्र १ भक्षवर्गमा जिदिश काज বণিত া পুকাশকাপুকাশক দঙো হথ পরিশন্ধিত:। পুকাশো १इतिथ उब ७२ क वस् विखद्रः ।। ब्रथा नागा स्यारेक्द भाराजा रैक्टर भाखर। विश्वि नीय क्टबा . (क्रिक् क्रिक् क्रिक् मार्थे में ।। অক্লান্যেতানি কৌরব্য প্রকাশানি बनमाह । बनमाबनमा (कि।कि। कृर्गर्यामा विवाहयः ॥ न्यान চাভ্যবহার্য্যে বা পুগো শু জিবিখঃ

মৃতঃ। অরি মির মুদাসীন ইত্যে-(उन्रान्वर्गिजाः॥ क्टामार्ग खन ৈচৰ তৃথা ভূমিণ্ডণাশ্চ হ। আত্ম-রক্ষণ মাখাস: সর্গাণা চাব্বেক্ষণ ॥ कन्नना विविधाकाणि नृ नाग রথ বাজিনা । ব্যহাশ্য বিবিধা ভিখ্যা বিবিধণ যুদ্ধ কৌশৰ্ল। উৎপাতাক নিপাতাক সুসুদ্ধ जुनवायन । जाजाना नाजन জ্ঞান• তথৈব ভরতর্বভ ॥ বল याजन नियुक्ति उरिश्वत दल स्वर्गः । পীডা চাপদ কালক পবিজ্ঞানঞ্চ পাণ্ডব ॥ তথা খাত বিধানঞ য়োগ সঞ্চার এবচ। চৌরৈ রাট-বিকৈ শ্চোগ্রে: পররাষ্ট্রস্য পীডন ।। यशिर त्रमरे रेक्टर मुजिबनक कात्रकः। (नुनि मृत्यप्रान कालन वीक्ष (मृहत्वन हा। मृष्यान हना-भाना मानका बनतन ह। आद्राध-নেন ভক্তম্য পুক্তাবোপার্জনেন চ॥ मक्षाक्मा ह बाबामा श्रामवृष्की म-मक्षमः। मृ ज मामर्थ (यागान्ह ताहु-স্য চ বিবৃদ্ধনি অরিমধ্যস্থ মিত্রা-<u>श्रीक्तार्क</u> (ठाक भूंभक्त ।। व्यव नर्पः भुजीवाज उपारिहच दवीयमाः । युवहातः मुम्बन्धः छथा कप्टक

(भाधन ।। भुत्ना वरायान (यागक ভ্যাগো দুব্যস্য সংগ্ৰহ:॥ অভ্তা-नाक जत्रण ज्ञानाकान्त्रक्रण। व्यर्थमा काला मानक वाजान हो। পুসন্ধিতা॥ তথা রাজ গুণান্চৈষ সেনাপতি গুণা শ্চ হ ৷ কারণঞ্চ ত্রি वर्गमा खन दिनावा खरेबवह ॥ मृत्रे नि **७**क विविध चृच्चि म्हवानु की विनाः। महिउद्ध मर्बन्रभूमाम्म् চ वर्জ-म ।। यनक नाञा नक्तम् ७१ थ्य ह विवर्षन । शुनानक विवृष्तना পারেভ্যে বিধিবভদা ॥ বিসর্গো ২ থস্য ধৰ্মাথ কান হেভুক নৃচ্যতে । চতুর্থ ব্যসনাঘাতে তট্চবাত্রানু-বর্ণিত।। কোধজানি তথোগাণি কানজানি তথৈবচ। দশোকানি প্ৰকশ্ৰেষ্ঠ ব্যসনান্যত্ৰ চৈব হ।। মৃগ-যাক্ষা তথা পান ব্রিয়ক্ষ ভরত-ৰ্বভ । কামজান্যান্ত রাচার্য্যঃ (भाकानीश सगस्या।। वाक्शाक-रा॰ खरवागुद्धः मखनाक्या स्वत्र । निगुरहाथाञान उप्राग मर्थ मूयन **भ्**वष्ठ ॥ यद्धां गि विविधात्माव कियाखियाक वर्गिजाः। अवसर्मः <u>भुञेचाडः (कउनानाक उक्षन ।</u> रिज्ञक्रमावमृद्धाः त्राथः कर्याञ्च

नामनः ॥ উপস্কারোথ বসন ত্তথোপায়াশ্চ বৃণিতাঃ। প্রবানক भाइना॰ (जतीनाक गुर्विष्ठत्र । উপার্জনঞ্জ দুব্যাণাং পরিমর্জন " তানি বট্। লক্ষ্য চ পুশ্মন **সভা**?कवािं जिल्लान•ा। 'विष्रिक् রেকা ভারশ্চ দান হোম বিধিক্ততা । सक्नाम उनस्थित अजीवमा भु जिकिया। याश्त धाजने १४३ निका बाडिका स्वका धाकन ह श्राव्यार्थमः मङ्ज् मङ्जागितः ॥ উৎস্বানা সমাজানা কিয়াঃ কেতনজা তথা। পুত্যক্ষাশ্চ পরো-काक मदाविकद्रभिष्य ॥ वृडि र्खेत्र माफ्र्न निड्रोक्षिवाद्यक्राः । অদুঙ্যত্ত্ব চ বিশ্বাণা যুক্ত্যা দুঙ্ निপाउन ।। यनुबी विश्व बाडिए छा खरा जाक समुख्यः । त्रकारेकव (भोजाना जाडेना ह विवर्षन ॥ अक्षाह या हिला जाबन् बाहन ব্লাজিকা । দ্বাসগুভি বিধা চৈব শরীরস্য পুডিকিয়া। দেশ স্বাভি अवानाक धर्माः ममनु वर्षिकाः॥ थ्यां कार्यक कामक व्याक का वा-नुवर्गिङः । উপাयन्त्रात्र निङ्गाह विविधाः ज्विनिकः।। य्वक्षं

কিনাচার মানা যোগণ বর্ণিতঃ।

দ্বণ সোভসাঞৈব বর্ণিতঞ্চ

হিরান্তসালি বর্ণিবর্ণ কিরান্তসালি বর্ণিবর্ণ কর্মান্ত বর্ণানি বর্ণানি বর্ণ কর্মান্ত কর্মান্ত

मध्याः भुनः शृः हाज्ञभानः। ই5ि भद्रतज्ञादनी॥

म् अगागिः शुः यमः। काणी इणिव गगिविष्यः। म भूगे छप्यक्षशुः इतिक्षा नामा णिव मात्राध्य णिव-वत्र गे काण्याः म खनायक् व मवाध-वान्। यथा। छक्तम् श्रीत्रम्य छर्णा-निर्ध म मो एक बन्ध स्कान्य मम-जियम्य (छ। छनाधूना म खन्द्रकाः वत्राम्यम्। (इत्र व्याधूना म खन्द्रकाः वत्राम्यम्। (इत्र व्याधूना म खन्द्रकाः वत्राम्यम्। (इत्र व्याधूना म खन्द्रकाः वत्राम्यम्। (इत्र व्याध्यक्षाः मुक्तकाः स्ति विना प्रशिषाः । प्रशासि क्रियाः । प्रशासि म्याः । प्रशास क्ष्याः । प्रशास । प्रशास क्ष्याः । प्रशास । प्रशास क्ष्याः । प्रशास । प्रशास क्ष्याः । प्रशास क

म खगाक्या क्री ब्राक्का गर्थयामनाख ॥ गंज वामनिविष्णयः। ইতি হেমচन्द्रः ॥ ज्ञेष्ठामण विवाहाद्यगंज विवाह विष्णयः । जञ्ज जाउनाहि । ইতি मनूष्ठीकाया अञ्चक्र च छैः ॥ ॥

দ্ওপাল: পু অর্ধশকরমং স্য:।
দাঁডিকাঁ ইতি ভাষা।ইতি হারাবলী॥ দারপাল:॥

দণ্ডপালক: পু॰ শঙ্গলন্থস্য:। ইতি হারাবলী।।

म् अज् १ १ म अकातः । इंडि बिका अप्मृतः ॥ म अवात्रक बि ॥ सम्बद्धाः अ बी मिश्रिक्यः ॥ म॰ यान॰ ॥ - वत्रयाजा। इंडि (मिमिने ॥ म अयानः भू॰ यमः ॥ मिने ॥ जगस्रः । ইভি মেদিনী।।

দেশুরী জী ডক্রীফল। ইভি রাজনির্ঘণীঃ।।

म खराती श्रू॰ पर्विः । बात्रशानः । इंडि हात्रावनी ॥ म खरकति जि ॥ म खरानिः श्रू॰ इडी। ইंडि नम्-त्रञ्जावनी ॥

দণ্ডবাসী পু॰ ছারপাল:। ইতি ত্রিকাণ্ডশেব: ॥ একগ্রামাধিক্ত-জন:। ইতি জটাধ্য:॥

म् अविष्ठ आः पृः यव ख्यादि व्याक-र्यार्थः त्रज्ञा म् एक्षानिव्युट्ट नः । र्यानम् अयार्थे हो हे जि ज्ञाया। ज्य भर्यायः । क्षेत्रः २ । हेज्यतः ।।

দণ্ডবৃষ্ককঃ পু॰ সুহী। ইতি রাজ-নির্ঘণীঃ॥

म ७२७ क्री **७गत भूदः। ই ७ दाज**-निर्वाणः॥

म्खाबिन॰ ट्री माठेऽ। ইতি मदा-र्थकन्नड्यः॥

म आम खिं वा मरेखक मरेखक गुरु छ।
गृष्य गुरु ख । नाठा नाठि हे जि जावा
। है जि वा क्राक्र ग ।।

দণ্ডার: পু• বাহন•।। মন্তহন্তী।। শর্বজ্ঞক•।। সম্ভকারস্যাক্তক•। ইতি মেদিনী।। দ গুহত সী ঘোল । ইত্যমর: ।।
দণ্ডিক: পু • দণ্ডধারক: । ছ ডিবরদার
ইতি আসাবরদার ইতিচ ভাষা
।। মং স্য বিশেষ: । ডানিকণা মাচ
ইতি ভাষা। অস্যুণ্ডণা: । কফ বাযু
পিত্ত নাশিত্ব । তিক্তত্ব ব্যুত্ক ।
ইতি রাজবল্পভ: ।।

मिखिका खी हात्रितिस्मयः। ইতি कर्षा-श्रतः ॥ त्रड्कः । यथा । व्यक्रुत्तार-कर्षः मिखकाः हिनि । ইতি जूशमावातकत्राः ॥ मिखका त्रड्कु त्रिठि उष्णेकाकातः॥

मिख : बि क्डम्थः। खर्भर्यायः
। मानिकः २ माधिकः ०। ইिछ
(स्म्हन्मुः॥

मुखे श्रु किनिविष्मयः। ইতি विका ख्रामयः ॥ मननकवृष्मः । ইতি द्राक्रनिर्घण्डः। यमः॥ धाः इः॥ म्छु-गुर्क वि। ইতি হেমচন্দুः॥ চন্তর্থা-শুমী। यथा। काতে कगछि वान्मीरक कवि द्रिछा छिषीयछ । कवी ইতি ख्राधा द्राप्त कवय ख्रिम् छिनि ॥ ইতি কালিদাসः॥

দণ্ডোৎপল॰ ক্লী বৃক্ষবিশেষ:। ডানিপোলাইতি ডানসনিইতিচ ভাষা। অস্য গুণাঃ। ফ্য শ্বাস काम नामिष् । अप्तिनीशनष् । हिं ता बा नामिष् । अप्तिनीशनष् । हिं ता बा नामिष् । अप्तिनीशनष् । हिं ते वा नामिष् । शिव नामिष् । विश्व पित्र । विश्व

मखाद्याना जी स्थलनुष्ठमखाद-भवना इंडि बङ्गाना॥

म्खाः बि म्खनीयः।म्खिउताः। जद्भर्यायः। म्खारः २। ইতি क्षरीयतः॥

मर १९॰ मञ्जः। ইভি শব্চন্দ্রিক। ।। অস্থবহুবচনে দভঃ।।

प्रसः वि विक्रः । क्रमानः। वर्णग्रायः । विक्रः २ । इंडि
विकाश्यायः । विक्रः १ । इंडि
विकाश्यायः । विक्षः १ । इंडि
विकाश्यायः । विक्रः १ । इंडि
विकाश्यायः । विक्रः १ । इंडि
विक्रः १ । विक्रः । वि

म खक्र भू खा म म विश्व भू खा छ ।

ग्री विश्व विषय । प्रत्य । प्रत्य । प्रत्य ।

ग्री विश्व विषय । प्रत्य । प्रत्य ।

ग्री विश्व विष्य विश्व विष

প্তिगुरीयान् वसूनार्य तानि निरवर्ग निरवणनम् मर्स्य बग्रङ् विভি ছ द। পু**ভিগ্**হীয়াদিতি । ইতি বশিষ্ঠ:।। তদ্য গোত্ৰ ধন পাুপ্তি ৰ্যথা। গোত্ৰ ঋক্লে সমষিতু ন रात्रफाज्जिमः मुजः। शावश्रक्थान्-गः भिष्या वार्रभिष्ठ मम् उः स्वभा। পিতুর্গোত্রেণ য়: পুর: সংস্কৃতঃপৃথি-বীপতে। আচ্ডান্ত ন পুত্র: স পুত্র-जा॰याजि हान्रेजः ॥ हूडाम्या यमि সংস্কারা নিজগোত্রেণ বৈ কৃতা:। म बाम्या खनवा एवं म्य बन्ध मान উচ্যতে ॥ ॐ कुं छ नक्ष्माष्ठ्रयाम-मखाम्याः गूजा न्म । गृशेषा भक्ष-ववीय भूखिष्टे भूषम्कात्र ॥ ইতুগোহ তত্ত্ব।। দত্তকো দ্বিবিধঃ। (कवन मलकः म्याम्यायन मलकन्द्र ।কেবল দত্তকো জনকেন পুতিপ্ৰ-शीअर्थ (मव म हः उत्माव भूबः। ष्णामूष्णायगञ्ज जनक পुछिगुशीञ् ভ্যামাব্যোরব নিতি সংপুতিপন্নঃ न উভযো द्रशि পুত্র:। ইতি নি ভা क्रवा।।

म्खार्त्रमानिकः ज्ञी अक्षाम्मविवाम भगार्र्ज्ञ विवाम भम विष्मयः। म्ख्ना भूनदाष्ट्रद्वाः स्थिन् विवाम शास छ८। यथा नाइमः। मञ्जा मुत्रु-भगगायः भूनद्रामाञ् भिष्ट् छि। मखाभुमानिकः नाम त्रत्रहाद्रभमः हि छ८॥ व्यमगार्गितिह् भार्गि। १ हेडि निडाक्यता॥

দ্ভাত্ম। পু॰ পুত্রবিশেব:। যথা।
দ্ভাত্মাত স্ববংদত্ত:।ইতি কাত্যাবন:। অস্য বিবরণং। দ্ভাত্মাত
পুত্রোবোমাতা পিত্রিহীন স্তাভ্যাণ
ত্যক্তোবাতবাহংপুত্রোভ্রামীতি
স্ববং দত্ত উপনীত:। ইতি মিতাক্রমা ।।

দ্ভানপক্ষ লী দ্ভাপুদানিক। ইতিমনু:।।

मिं जी मान । इंडि मेम हज्जावनी॥ मालयः श्रु॰ हेन्तुः। इंडि बिका ७-(मयः॥

मम ७ मान।। धृर्छो। ই छि कवि-कन्नक्रमः।।

पमन॰ क्ली मान•। ইতি आदत्रक्रा-वनी॥

দক্ষঃ পু॰ রোগবিশেষঃ । দাদু ইতি ভাষা । তস্য ৰূপান্তরাণি। দর্কঃ ২ দুরু: ৩ দুরু:৪। ইতি ভরত ধৃত শব্দভেদঃ॥ তস্য লক্ষণ যথা । সক্তমুরাগ পিডক॰ দক্ষ মুবুণ मृश्वः । इति माध्यकतः ॥ उन्।

किद्भा यथा। स्र किमिएन एक
एन निमा रेनक्षय नर्यभाः। जम्भिक्षाः

भूताल्या १यः एक स्र निम्दनः ॥

मृत्रील्या रेनक्षय हक मम् स्टेतकाः

काञ्जिक जक्रिशेः । विज्ञः भूताः
रेभ त्रभि यक्षमृतः एकक्ष स्र स्र स्र स्र विनामयि ॥ इति ज्ञायभूकामः॥

कह्भः । इति मः क्रिश्चनात् उपा
कि वृज्ञः ॥

मक्षकः शृ॰ मक्षत्रागः। ইতি मन्-द्वावनी ॥

দক্ষরোগী জি দক্ষরোগ্বিশিষ্ট:। দেদুয়া ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়:। দক্ষণ: ২। ইত্যমর:।।

मद्भः श्रृ॰ मक्षः। ইত্যমরটীকাষাণ ভরত:॥

न्तुः श्र॰ नक्षः। ই जिल्लास्त्रज्ञावली।। न्द्रुतः जिल्लाः। ই ज्यूत्रत्र होकायाः जनानाथः॥

मध उ मान ॥ श्छो। ইতি कवि-कन्नक्रमः॥ . एवि क्री बीवामः॥ वंगनः। इंडि **ग**दत्रवावनी ॥ कीदाखत्रावञ्चा ভাবः। দই ইতি ভাষা। তৎপর্য্যাयः । क्रीवक १२ मक् ना १००० वित्रन १ । इंडि ताबनिर्घणेः॥ भयगु॰ ६॥ यान उत्र कि पुन्ना । इंडामतः ॥ वामा खनाः। वामावः। धक्वः। वा उ (माय भगनवः। मःगु।हिवः। म्वा-वरुष् । वनाष्ट्र । (भाक ककार्न) क्रा শননত্বণ বহিশোন্তিকারিত্বণ কাস খাস পীনস বিষমজ্ব শীতজ্ব হিতত্ব। রক্তোদেক শুক্রবৃদ্ধি কারি खुक । ইতি রাজনির্ঘণী: II উষ্ণরু° मीलनव्या निश्ववः।कवावान्त्रमव्यः। शाक श्लुवः। भिष्ठ मनः भूनवः। নুৰ্চ্ছ পুতিশ্যাবাতীসারাক্চি কাশ্যের শন্তবৃঞ্চ। ইতি ভাবপুকা-भाः ॥ यानुष्यः। इत्राष्ट्रः। त्राहनष्रः। মক্ল্যত্ব ইতি রাজবল্লভঃ॥ #॥ व्यथ शक्रमुक्ष मिथ खनाः। क्ठावः। निषदः। উভमछ्गृष्ः। शिडानिनाः **शह्युः। नर्वधावृशियलवर्ष्वनवृक्षाः ॥।** निः नात्र मुक्काम वि खनाः। न॰ गु। हि वृ॰ । नीउनद्भः। वाउनद्भः। नघूद्भः। विष्ठेश्चिषु । सीभनव । कठाव । ं गुरुगे द्वाग नानिष्य ॥ क ॥ वस्

मिर्वि खनाः । जूजिकात्तः । स्थूत्रज्ञः । नाजिभिडकत्रवृक्ष ॥ 🍇 ॥ नकंत्रा সহিত দধি গুণাঃ। (শুঃরু॰। তৃঞা **शिखान् मारु नामिजुक ।। 🗱 ।। ७**उ-যুক্ত দৰি গুণা:। বাত নাশিত্ব॰। व्यापुर। व्रश्वापुर। खर्मापुर। खर्मपुष ।ই ভি ভাবপুকাশ:॥ 🕸 ॥ বাভজভৃষা नाणिषु । ইতি চকদ खः॥ 🕸 ॥ द्राखी मिव (मवत्न विल्मास) यथा। **जा**खी দবি ন ভুঞ্জীত কিন্তু সঘ্ত শর্করণ नगुन्नमूष नाको ५ । उकः नाम्नकः ভূঞ্জীত। রক্তপিত্ত কফোণ্খেবৃ বিকারেষুচ অন্বৃ ঘৃতান্তিত মপি দৰি ন হিতে।। 🕸 ।। খাত্ত বিশেষে বিধি নিবেধী। হেমন্ত শিশির বর্ষাসু দধি भेड॰ भेत्रम् ग्रीय वनास्त्रयू श्रायामा विगर्हिउ।।#॥ यविधिना पिथ (मद-निर्मायः। जुत्राम्क् भिन्न वीमर्भ कुष्ठ भाषु चुन कामना (द्राग भाषिः॥॥॥ व्यथ (गाम् विखनाः। वित्मवसामुद्धः। वनाषु । कित्रमु पष् । भविवषु । मीनन्दः। त्रिअद्भः। भूष्टिकाद्रिद्धः। वायुवामिद्रः। जामवनविभाष्य छना-विकव्य ॥ 🕸 ॥ नाहित पविखगाः। मूमिश्वद्वः। भ्रम्मलद्वः। वाज शिख ना निष् । सामू भाकिष् । अभिवानित-

वि• । अक्व । तक कक म्याविषा। शा हानी मिर्व छगाः। উ छन्दः। गाहिद् । बिरमाव नालिषुः। यात्रकात्राणः क्रम कार्मामु मखद्र। मीननद्रक। ইতি ভাবপুকাশঃ।। 🟶 ॥ স্বাবিক मिष्णाः। पूर्वाम कक वराषि भुका-भनवुः ॥ 🕸 ॥ याश्री मिथ्याः । दाउ নাশিত্ব। দীপনত্ব॰ চফুহিতত্বঞ্চ ॥ 🕾 ॥ ॐड्रेक मधिखनाः। कात्रज्ञ। चाउत्रदु• । कर्तृशाकिवृक्ष ॥ 🗱 ॥ क्छिनी पिष्णाः। वीर्यग्राकृष् । कवायज्ञ । कक वाञ नानिज्ञक, ।। 🕸 ।। मानुषा मिष खगाः । मधुत्रवः । বল্বেণা স্থার্ণ। সন্তর্পণত্বকা ইতি ब्राक्रदञ्ज ७:॥ ४ ॥ यथ मधि (७ मा: । जात्नो जन्तः उडः सानू साहमूक ড়তঃ পর· অনুঞ্জুর্থ মত্যুরু• পঞ্ম• मिश्र ११ क्षेत्र।। क्षे ॥ सन्मामीनाः वाक-गानि खगाम्छ । सन्तः मूखवमवाङ রসং কিঞ্চিদ্রন• ভবেৎ। মন্দে•স্যাৎ ग्रे विशूदः (माववय विमेश कृट्॥ য়ং সম্গ্রনতা যাত ব্যক্ত सामृत्रमः ভবে । साम्यमा खगाः **८** ज्वाः नामान्य मधिवन्द्रिनः ॥ यखित्राहिङ माधुर्याः वाकामुद् তদুনুক । অনুত্ত দীপন পিত বৃক্ত

শ্লেখ্য বিৰদ্ধনিং৷৷ ভদত্যন্ত্ৰণ দস্ত রোম वर्ष क्ष्रीमि मार्क्टा अउन्न मीन-ন॰ রক্ত পিত্ত পুষ্টিকর॰ পরে ॥ ইতি ভावश्काणः ॥ 🕸 ॥ नवन अधूत्र निर्िः नर्केता मूम शाबी अनुमत्रन वि शैन रेन जम्म खिनि छ। न ह ना दिन वज्ञाल (नाककाल न द्राखी न मिश्र ক্ফবিকারে পিত্তদোষেপি নাদ্যাৎ ॥ ত্রিকটুকযুত মৃতদু। জিকা চুর্ণিমৃত্ कक इत मनिलध् विक्रिमसूक्र गक्ष। তুহিন শিশির কালে সেবিতঞ্চাতি পথ্য • রচয়তি তনুদার্চ্য কাস্তি সত্ত্ব নুণা ।। দধি মধুর নীষদন্নমাহিতঞ नाज्रुकः।याव यावस्युत्र रावस्त्रः তাবদুक्षिम्र ॥ हे त्राक्षिमर्थः ॥ 🕸 ॥ मिथ यथ सामू जत्ममः कका-ভিষ্যनर काद्रगः। रश्नु मृ मृ छ युमुक म्या॰ कक भिडक्र।। विमाहि मृष्टे বিণ্যুত্ৰ মন্দ্ৰাত ত্ৰিদোৰ কৃৎ। मिविवंगातः क्ष्मेख गुाहि विश्वेश्चि বাতল ৷৷ পীনসে চাতিসারে চ শীতকে বিষম্জ্রে। অকচৌমূত্র-कृष्ट्र ह कार्ला ह मधि मनाउ।। इंडि त्राक्षवद्गाः ।। 🗱 ।। शात्रगक्डिति खि। ইতি মুখাবোধ ।। मधिकृहिंक। जी व्यक्तिंगरकाकम्ब

पश्चित्र मः रागार काठा । इंडि किटि ॥ जेकपूर्ण पश्चिमः रागार काठा इंडिरन्ता ॥ हिना इंडि जावा । जम्मा खन्छ ने बांड नामिष्यः । मेरिष्यः। क्ष्रप्रकृति पृज्येषा केटि दाक्रवहाजः ॥

पिषिठोतः शु॰ पिष्मिथनप्रशः। ७८ शर्यायः । देवणाथः २ छकारेः ७ कत्रवर्षनः ८। ই कि हात्रावनी ॥ पिषक् की नवनी छ॰। ই कि त्राक्ष-निर्विष्ठः॥

प्रित्थः शृ किश्यः। इज्यानः॥
प्रित्थाथः शृ मतनपुतः। त्नावान्
इित्याथः शृ मतनपुतः। त्नावान्
इित्याथः श्र मतनपुतः। त्नावान्
इित्यायः जी प्रान्थित्यापितिर्मित्याः
प्रित्यः जी प्रान्थित्यापितिर्मित्याः
प्रित्यः। यथा। प्रित्यत्नार्म्यः त्राक्षः
विधानः मृणु जाम्युटः। जन्नित्थः
स्रो जाण लानत्यन नदाधिशः।
लाज्यं नात्व जू शृनः शृजुक्तः
त्माज्यः। जत्म नात्वारं त्रम्थाः
कृषाजिन जत्माख्याः॥ प्रिष्ठित्यः
जूनः शाशः जपाख्याः।। प्रिष्ठित्यः
जूनः शाशः जपाख्याः।। प्रिष्ठित्यः
जूनः शाशः जपाख्याः।। प्रिष्ठित्यः
निविष्ठः।। जाहामः वद्य युत्यान
शृत्रे गोष्ठास्त श्विजाः। वाक्षणाय
जिल्लीनाय जाधुत्वाय धीमाठः।।

क्रमामि ७१ यूकाय मम्मेखाः मि (धन्का॰। शृह (माभिविष्ठेस मृष्-কা কৰ্ণ মাত্ৰকৈঃ।। পাদুকোপান-हो इब पदा मख मनुमादि । দধিকারেতি মজেণ দধিখেনু•পুদা-शरयर्।। अव ॰ मधिमया॰ (धनू॰ मजा ভিঙেদপোচ न्भनन्तन ॥ यद्यभारना वरम् । बन् विद्रावक दिकालम । দীৰ্মানা পুপশ্যন্তি তে বান্তি পরমাণ গতি৽॥ যত্র ক্ষীরবহানদ্যো यक भायम कर्पमाः। मूनय श्रावयः সিন্ধা তত্ৰ গছ ভি খেনুদাঃ॥ য ইদ॰ नुवाय छ क्रा मृत्या हानि मानवः। (म। स्यानयकनः नाम। विकृतनाक স গছভি॥ ইতি বরাহপ্রাণ ॥ म्बिन्द्रिका जी जनदाबिछा। ই**ভि** द्राजनिर्घणेः॥

मिथ्री जी कानिमधी। इंडि वाजनिर्घणेः॥

मिष्या र्भः किषिय्य वृक्षः। इंडा-

मिष्यः পু॰ सञ्च। সাত্ইতি ভাষা । ইতিরয়মালা ॥

निषमाखानः शृ॰ निषमामुद्रः। ইঙি ভাগবত॰॥ मिन्थः शृ॰ वानवित्यवः। त्र तृः ॥ श्रीव श्रण्युतः उत्रा मध्वन शालकण्ठ । ইতি বামাযণ॰।।

मिश्रित्मानः भू• वानद्रः। ইতি बिका-श्राम्यः॥

मिथनकदः भू॰ कत्र भुः। मधुः श्रीनकाः नकदः। महे हाल हेि जाता। हे ठानतः॥ निकादक् दिनास्थाश्यः॥ मिथनात्र॰ क्षी नवनीष्ठ॰। हेि रहम हम्मुः॥

मिशित्रकः भू॰ मिशिन्यः। ख्रूष्ण्यायः । नतः २ मधुः खत्रगः ७ कद्वितः ८। हेडि तक्षमाना ॥

দধিষেদঃ পু• ঘোল•। ইতি জটাধরঃ॥ দধীচঃ পু• দধীচিনুনিঃ। ইতি শত্ব-ভেদ পুকাশঃ॥

मधीिकः श्रुः मूनिविष्मयः। म अथर्व मूप्त (द्रोद्रमाट कर्ज्य कन्यायाः भाष्ठिनाम्याः बाजः । वृज्ञ वशार्थः (परिव द्रम्याञ्चा वृज्ञुः निर्मिजः। ইতি श्री ভाগवजः॥

দ্বীচ্ছ ক্লী হীরক । ইতি ত্রিকাও-শেব: ॥ বজুঞ্।।

मध्क जि ध्रेः। ইতি जिका अल्पनः॥
मध्ः भू॰ यमः। ইতি मदत्रङ्गावनी॥
मध्याकतः भू॰ मधिममूदः। ইতি

मदार्थकन्न उंगः।।

प्रधानी जी मूर्णना। मूर्णन धन्य

इंडि ভाষা। प्रथान इंडि क्टिट । পুরাতি ইভি কেচিত। মূদ্র দর্শ ইভি হিন্দী ভাষা। ইভি রত্নমারা।।

पशुख्त की प्रविष्म हः। ইভি শক্ষ চন্দ্রি।।

पशुख्त की प्रविष्म हः। ইভি রত্ন

मथुः मः भू पित्रमूमः। ইতি को।-धः ॥

ग्रामा ॥

मनुः खी कम्प्रभानी। मा मक्कन्या मानव माजा ह। ইতি बिकाश्रम्यः मनुकः भू॰ अमृदः। ইত্যमदः॥ मनुक्रिं भू॰ (मदः। ইতি मम्दद्रा-वनी॥

पन्मन् शृ अमृतः। ইতি क्रिंगिवतः॥
पष्ठः शृ अनुक्रिकः॥ अक्षः।
ইতি নেদিনী॥ শৈলশৃষ্। ইতি
ক্রিকাণ্ডশেষः॥ চর্বসাধনাছি।
দাঁত ইতি ভাষা। গর্ভহ্ম্য বঙেনাসি গুহুদন্ত পদ্কি ভ্রতি। ইতি
স্থবোধং॥ তথ্পর্যায়ং। রদনঃ ২
দশনঃ ০ রদঃ ৪। ইত্যমরঃ॥ দিজঃ
৫ থকঃ ৬। ইতি শদ্রক্র্বলি ।।।।
রতিকী ডায়া। তস্যা ঘাত স্থানানি

यथा। खनया र्ग अस्ता रेक्टर अस्त हिन छथा श्रात्र ।/मञ्जाघाजः भुक-र्खनाः कामिनीनाः मूथावशः॥ कामभाष्ट्री # ॥ जथ में इतिगार्गाः निमानीकि श्रा (म) निज: म्डावार्क्टाजा यम्रा-कर्माट भुवर्डाउ । पूर्वकीन म कृष्येगि भुक्तिमीन मृम्निष्ठ ॥ मञ्ज भानि भौग्रांख भवि व भन्न ष्मात्र । भी आसा नाम म व्यादिः कक (मानिङ मञ्जदः॥ ১॥ म्छावा क्रि-यू वा यम्। श्रमणू कीया महान्। मंडनुत्र है (का नाम म वर्गाक्षः कक त्र क कः ॥ २ ॥ जुव छि भूय क धित्र॰ চলা দন্তা ভবন্তি চ। দন্তবেষ্টঃ স विरद्धारा मूळे **। ।**।। श्रयथु फंडम्लियु कजावान् कक तकः। नानाम्।वी म विष्क्रियः (मोवित्रा नाम नामजः॥ कण्मान् শৈশিরে। গদঃ। ইতিচ পাঠঃ॥ ৪॥ দন্তা শ্চলন্তি বেষ্টেভ্য স্তালু চাল্য-विभीर्याः । मन्ड भा•मानि भहारन मुथक भितिजूम्या ॥ यश्चिन् न সর্বলোব্যাধি মহাশৌবির সংভ্রিতঃ Hक्षा मञ्जूना नानि भीर्याख यिन-न श्रेष्ठि छाभाग्क्। भिडाग्क्

ककला व्यापि एक यः भित्रमात्रा हि मः॥७॥ (वर्ष्टेवू माहः भाकण **जान्याः मस्याः कविस्य है। अन्याः** হতাঃ পুসুবন্তি শোণিত দম্ভ-(वनना। व्याथनायस्त्र मुख्य द्रस्क मूथ 'পृडिष्ठ काया ॥ यश्चिम् সোপসশো নাম পিত্ত রক্ত কৃতো-गरः॥ १॥ घृष्टिषु रस मा॰स्यू न श्राया बाया महान्। जविष्ठ म्डाम्ह हनाः म दिक्त्जा २ जि-घाउनः ॥ ৮॥ नाक्छनाधिका माडा कायाज जीवुत्वमनः। थान-वर्षन म रख्डामी जाउ कक्ष भुमानप्रि ॥ ज्ञ ॥ मरेनः मरेनः পুत्रकाठ वागु मंड नमाणिकः। क्यानान् विक्ञान् म्यान् क्या-लान न निषाडि॥ २०॥ ज्ञानत्तर পन्छित्र राष्ठ सङ्गन् (माथा सङ्ग-कृतः । नानामाती ककक्छा विष्कुयः (मारुविमा॰नकः॥ ১১॥ एड म्न गंडा नाष्ट्रः भक्ष (छारा यथिति जाः। मीर्यामाराश्वित कन्ना यम्। म्टब्रु काय्ड ॥ मान्यानाम न वादिः नरागि निमिन्दकः ॥ ३२॥ क्षाहिम् भव्यः माती म न न दक्षा भशक्षः। अनिभिन्छ

म इथ्

ক্ষোবা লাংশ ক্ষেম ক্ষিদ্ভক: ॥ २० ॥ वर्ङ्। वर्क् **उद्यम्मा ५४** जन्छ बाय**्उ। कक् वांड क्रां**-यहाबिः म अञ्जनक म॰ ज्जिष्टः॥५८॥ শীত কক্ষ পুৰাতান্ন পাৰ্শানা ম-সহ। দ্বিদ্যা:।। পিত্ত মাৰ্ক কোপেন म उर्देश निर्मा ज्ञा । १०॥ मला দত্তগতো বস্তু কফ মাক্ত শোবি-তঃ। শর্করেব খরম্পর্শা সাজ্জেয়া मञ्ज्ञा॥ ১७॥ क्लालश्चि व मी-थॅं)८ मू रञ्जाना•रेमव् **मर्कद्रा।कथा**ः লিকেতি পঠিতা সদা দন্ত বিবা-मिनी ॥ ७१ ॥ (या मृष्यामुन भित्सन मध्या मञ्जूष्मवृजः । भागवजाः নীলতা বাপি গভঃ সশ্যাবৃদন্তকঃ ॥ ३५॥ इंकि साध्वकद्रः॥

म् छकः পু॰ পर्बज्रम्द्रः ॥ नागम् छः । इं । (इमहन्तुः ॥

बाह्य कर्षणः भू क्षेत्र । देखि भद्ध-बहादनी॥

দত্তকাঠি ক্লী বিকল্পতকৃক্ষ:। ইভি রাজনির্ঘট: ।। দত্তধাবনার্থকাঠ: । ভল্পা নরসিংহ পুরাণে। দন্তকাঠ ল্যু বক্ষ্যানি সমাসেন পুশস্তভাগ। লর্ষে কটকিন: পুণ্যা: ক্লীরিণক্ষ্ট শশস্থিন: ।। মুহাভারতে। তিক্রুণ

क्यायः कर्देवः न्याद्धिक्षेकान्न-कः। कोतिर्शाव्क अन्दार्ग **७क्र**विष्टु ४। विष् काष्ठानि यथा। अवाक जान हिड्डा-नाडवा अंडी ह (कंड की विश् क्र बाबिकलीह मेखिए जुनब बकाः ।। তৃণরাজ শিরা পরৈর্য: স্বর্য । দিও শাবন•। ভাবন্ডবভিচাওালে !্যাব-ন্নকা॰ ন পশ্যতি।।ঞ্চ।। তস্যহে वि । : शतिमागकाह विकः। कनिमागु সম ছৌল্য সক্র দাদশা-क्तः। भाउक् वाहयख्याक् जन (यफ् उधायक ।। अत्री हिः। बार-শাসুলম্ভ বিশাণা ক্ষত্রিয়াণা नवाकुषः। अष्टाकुष्ण देवनाग्रानाः न्मागास वजन्तः ॥ ठजुरस्त मारनन नाद्रीणाः विश्वि क्वाइरख । **चडत शु** ज्वानाक वष्टक्ल सूरा-ভূত ।। ইত্যাহ্নিকতত্ত্ব ।।।

मस्काधक जी चाल्नार्कः। इंडि जाननिर्विः॥

मस्हरः शृ॰ ७४:। ই ि इनायुषः॥ मस्हरमाश्रमा जी विषी। ই ि ब्राब-नियंगेः॥

मस्थावनः ज्ञी मस्भूषिः। छमः दिवि र्यथा। भुष्ठर्रुष्ठ्वाह मृष्ट्रुः कवाय

करूँ जिक्क । जक्ष्यम् उ भदन म्बना नाग्यास्यन् ॥ 🕸 ॥ उन्र काष्ट्रानि यथा। क्रमाञ्च कत्रवीताम् क्त्रक वस्ताम्पान्। मञ्जाशार्थ मकार्जू महान् अचिकिता अख्याः ॥ श्रीमंत्रम् कम्यन् कत्रक्षमः वहे-স্তথ্য। তিন্তি জীবেণুপৃষ্ঠক আমু निट्री उरेथव ह ॥ व्यनामार्गम्ह বিশৃশ্চ অর্কশ্চোডুম্বর তথা। এতে भुगंखाः कथिङा मस्यावन कर्णान ॥ 🗱 ॥ তল্য নিষিদ্ধকাণ্ঠানি যথা। खवाक जान शिखान थर्ड्ह्रोद्रः কেতকী যুকৈ:। নারিকেলেন ভাড্যাচ ন স্বৰ্যাদ্য স্থাবন ।। 🟶 🛭 खन्र निर्द्धारम म् जाम् ज कन ग्रा । मृजुः माप्त कियामान शिक्ता-স্যেন চাম্যঃ। পূর্বাস্যেনাত্তরা (म)न मम्मारि एडवारनार ॥ 🛊 ॥ তস্য তিথি বিশেষে নিষেধাে যথা । পুতिপদ में बड़ी वू नवरमाका हः ॥ শীবুচ। দন্তানা কাষ্ঠ সংযোগো **मर्ड्यामध्यः व्यवः ॥ क्षः॥ म्ड** ॥ धर्यगानस्तर हमूः (महन यथा। म्डान्क् नाथा घृष्ट्रा भांजः नित्कह - दिन । जाय भून भूथ एउन म् अभि अभि भुजीमि ।। क्रो। द्वाग-

वित्मार महका ह वर्डन । यथा। अफि छी कर्गम्बीह मस्दागी नवजुती। (भावी कात्रीह मूहार्खा मसकार्धः विवर्जायर ॥ 🕸 ॥ छम्। खगा यथा । निरु विकु विद्रमा किस्रा मसा-শ্রিত মল। আরোগ্য কচিমাধ-ৰে সদ্যো দম্ভবিশোধন• ॥ ইতি রাজবল্লভঃ॥ ৠ॥ কৃতশৌচ স্ততঃ शुक्तः वर्गाम् छम् शावनः । जिखाया गार्जनकाि त्रमान इप-নাদিভিঃ॥ দক্ষিণাভি মুখো ভূড়া পশ্চিমাভিমূথ তথা। न দ स धावन वर्गाट वर्गाहिनात्रकी ভवट ॥ मध्यानाभिकाञ्याक वृष्काकृष्ठन ह विकः। पष्टमा थावनः व्यर्गाट् छर्जन्या न कराहन॥ अथथ वह विलानाः शाब्धाः काष्ठिक्या वृथः। न पष्ठ शावन॰ अर्य्याख्यम् मुन्नम् স্য চ॥ নিভ্যক্রিয়া ফল পুগু স্তু-র্যা দন্ত ধাবন । পুভাতে জকতে भाकः म्रांगापय विविद्धित्व ॥ म्र्याप्राप्तय विकाम् । वर्षाप्त अ খাবন । নিত্যক্রিয়া ফল ওস্য সৰ্বনেব বিনশ্যতি ॥ যঃ স্থান সম-(य अर्था ८ किमित्न मस्वावन । নিরাশাঃ পিতরো বান্তি তন্যদেবা

ष छ्रश्.

नुत्रवंगः॥ रडमा वार्तनः वर्गात्म। मध्याद्वाभद्राद्ध्याः। उम्र भूष्ठः ন গৃহ ডি দেবতাঃ পিতরো জন।।। न्नान कारन भूष्ठतिग्रा॰ यः कूर्याप्त छ-থাবন । তাবজ্জেয়: न চাঙালো যাবদ্গঙ্গা ন পশ্যতিনা ভগ-वज्रिक्ट म्र्या यः अर्याप्त इ ধাবন । তদন্ত কাদ্বী পিতরো-जुका गहन्दि मुःथिनः ॥ উপবাস मित्न विश्रु भिङ्गु। प्र मित्न उथा। न ठ ७९ कनमाः शां छ परश्चावन क्षतः ॥ পুভাতে मार्बायप्रज्ञान्, वानना व्रननाः उथा। अर्यास्नाहन विर्मुन्द्र कलनानि करेन यू थः॥ উপবাসে পিতৃশ্বাদ্ধে বিধিনানেন दिक्रियान । मख्यावनक्चर्जाः म॰भूर्न॰ লভতে ফল ।। ইতি পাদ্মেকিযা-(यागनावः ॥

দেশুধাবনঃ পু॰ থদিরবৃক্ষঃ। শুছ্-করঞ্জঃ। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥ বঙ্গলঃ। ইতি শদ্চন্দ্রকা॥ দেশুপত্র॰ ক্লী কণ্ডলং। ইতি শদ্রজ্ঞা-বলী॥

मस्भवकः ही जन्मभूषः।ই**डिं नम**-চन्দ्रिका॥

मस्रभूद्र॰ क्ली कठककनः। इंडि

, अब्ह निष्क म्डकन क्री क्रक । इंडि नय-हिन्द्का। महक्ताः शुः क्रिश्यः। इति द्राज-निर्घणः ॥ म्ब्क्ना जी शिन्नी। ই**डिंब**काः निर्घणः॥ पष्ठ जागः शृ॰ शकाशु जागः। । <u>।</u> याव मूथ उ: ऋत्र भर्ग्राखा याश्यु जे कि স দন্ত সহিতঃ।ইত্যমর ভরতৌ॥ म्डम्ल॰ क्षी म्डलग्राकुमः। उर्श्वा-খঃ। পুন্নিকা ২। ইতি হারাবলী।। मस्मृतिका जी मडीव्यः। इंडि नद्रवावनी॥ पचवच की ७४:। ই**डि र्मिन्मः**॥ मस्यामाः भू॰ ७४:। ই**डि** बिका छ-(मयः॥

मस्वीष्ठकः भू॰ माफिनः। ইতি রাজ-নির্ঘটিঃ॥

म्डम्प्टः भू॰ म्डम्प्टः। ইত্যনর-हीकाया॰ मथुदानाथः ।।

प्रस्मितः शृ॰ कषीतः। किर्णियः॥ कर्मात्रकः॥ नागतकतः। ইতি (मिरिनी॥ यनः। ইতি (स्मिटिन्स्॥ प्रस्मिते। बी ठाक्ति। ইতি (स्पिनी ॥ कृत्नान्निका। ইতি ताक्री क्षेत्रः॥ मुडावि

पडी

पश्चमक्री जी कक वायू (भाविक || पश्चावनः पृ॰ जी हरी। इक्पानः॥
पश्चमक्री जी कक्ष वायू (भाविक || पश्चिका जी पश्चीवृक्षः। इक्पानः॥
यहावनाव वक्षाः। व्यमा वक्षाः | पश्चिका जी पश्चिका। इक्षिणपः
पश्चमाय पश्चाः।
विकास पश्चिमाः
विकास पश्चिमाः
विकास पश्चिमाः

माध्या के निक्रुवार निकि हैकि ।। हो निक्रुवार निकि हैकि

ा जो नागी। ইতি मद-निक्षिती।

बिह्न वंश्वा महत्रागिविष्मयः। इंडि नाथवकदः॥ जन्य नक्षन मछ-नाय मुद्धेवा ॥

म छ र्वकः भू॰ अञ्चीतः। ই जि अहै। ध्राः। म छ रुविः भू॰ अञ्चीतः। ই जि जिकाशः। (भावः॥

म्डाघाठः भू॰ निष्कः। ইতি রাজ-निर्विष्ठः ॥ म्मनाघाठः ॥ तिर्वि को प्रापृश् उत्रा झानानि म्ड मास् मुद्रेवानि ॥

দন্তাযুধঃ পু॰ শ্করঃ।ইতি ত্রিকাও। শেষঃ॥

म उ व दिन की भू म खरतागर जमः

1 जर्भायः । म उ मून २ म उ

(नाकः ० विक्र व् १: ह। ই जि ताक
निर्वाणः ॥

मर्डीषिका जी वन्ना। इंडि जिका ७-

मखिनी जी मडीवृक्तः। ইতি রাজ-নির্ঘটাঃ।।

पश्चिमपः भू॰ रुखिमपः। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

मडी जी यनामग्राखत्कः। ७८ भर्यायः । भोषा २ (मानघष्टे। ७ নিষম্ভী ৪ নাগম্বোতা ৫ দন্তিনী ৬ উপচিত্রা ৭ ভদু ৮ কক্ষা ৯ রেচনী ১० अनु कृषा >> निः मन्। >२ क्क-मडी ১० विनन्ता १८ मधुश्रुह्मा ১৫ **अ. १ ७ वर्ग २० वर्ष** পত্রিকা ১৮ অণুরেবতী ১৯ বিশো-थनी २० ऋद्वी २३ डेडू महत्वा २२ । ইতি রাজনির্ঘটিঃ ॥ নিষ্কয়ঃ ২৩ मिखिका २८ পुजाक्मनी २६ छेनू-ম্বরপণী ২৬। ইত্যমর: ॥ অস্যা छ्याः । कर्षेषु । एषष् । मृताम वृःगावारमा वृशमात्री मन्द्रामाभन्द्र॰ । मी भनवृष्य । इंजि ताक निर्घणेः।। অগ্রীলিকাধ্যান গুল্মাদ্র নাশিত্ব । সারকত্ব। ইতি রাজবল্লভঃ।। मडी भु जी रही। इंडान्यः॥

मसीवीलः ती स्वयभानः। ই द्विद्वास निर्वः।।

म्ख्यः वि उत्तरप्रः। (भँका है जि जाया।। उत्तर जा गर्थः क्रांति-।। क्रांतिप्रख्या गर्थः क्रांति-(ल्लागमः मृथी। क्रांति खिन्त्ला पुःथी क्रांतिह्रक्षना मठी।। इंजि मागूमुकः।।

इस्डब्हरः शू॰ वीजभूबः। ইতি बाजनिर्घणः॥

দভোলুথলিকঃ তি বানপুছবিশেষঃ
। দস্তনাত্ত্ৰণ ছিত্বা যো ভক্ষতি সঃ।
ইতি জীভাগবত ।।

দন্ত্যঃ ত্রি দন্তো দ্রবং। ইতি ব্যাকরণ ।।

দন্দশৃকঃ পু॰ সর্পঃ ॥ রাক্ষসঃ ।

ইতি মেদিনী ॥

मनु छैन पश्चि। ইতি কবিকল क्याः ॥
सनु क ए म॰ घाटा । ইতি কবিকল
क्याः॥

দর ঔ দ শেনে। ইতি কবিকর জন:॥

দভ ই ক নোদে। প্রেরণে। ইতি

কবিকর জন:॥

দভ ক নোদে। ইতি কবিকল্লফ্ম:॥ দভু বি অল্ল । ইত্যমর:॥ সমুদুেপু

। इज्रुगाहित्कावः॥

हम इत ७ व ६ माना भाडी छात्र

দ্যুগো

ইতি যাবং । ইতি কবিকল্পফন: ম मभः शु॰ मखः | इंडामदः।। मखना ज्ञका यथा। ज्ञानाम अनादे व ভমাদ ও- বিপুর ধাঃ। যত্র শ্যান্ ক্রোহিতাঁকো দণ্ড করিতি শিশ্ব । পুদা স্তৰ ন নুখ্ডি নেত্^{দকাঃ} সাধু পশ্যতি ।। ইতি হাদ্ত भूतात ॥ उभः क्रम मिश्राव-खर्भग्रायः। साखिः २ मन्यः छ ইত্যমর: ।। দমন । ততু বাহে-न्त्रि निगुरुः। ইতি বেদান্তসারঃ॥ विवयाद्यान्डमः सन्ता यत्य রিনিযোগযোগ্যতা। ইতি কেচিৎ ॥ एमना लक्ष्यः यथा। अध्नि-छा कर्माण विशु यह हि ख निवा-इन- । न कीर्जिला मनः भुरिकः সমস্ত তত্ত্বদৰ্শিভিঃ 🛭 ইতি পাদ্মে-ক্রিযাযোগসারঃ॥ কদ্ম:। ইঙি (सिमिनी।।

मगकः बि मगनकर्ना १ देखि वहाकत्रपन्॥

দমঘোৰ: পু॰ চন্দুব॰শীযরাজ-বিশেষ: । স চেদিদেশ পতি: শিশুপাল পিতাচ।ইতি পুরাণং॥ দমঘোবসুত: পু॰ শিশুপাল:। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ:॥

हमथः 🎌 ममः॥ मर्थः। इंजुलामि-্কোষঃ ॥ क्रिम् थः भू॰ म् धः ॥ म्यः । हेि ॥ - (मिनिनी। मिद्ध ही एउँ। यथा। वेड्रिक्ष्या । रमनी जी विश्वननीवृकः। इंडि ।। भून मूहिउक मुखी मुड॰। ইडि छ० रिवदाई बीक्षकमथ ७ ॥ नित्री भू श्रुष्मविष्मयः। (माना इंडि ्रिवा। उर्श्यायः। भूद्रामद्रः ২। ইতি ত্রিকাওশেষ: ॥ বীর:॥ উপশातः। ইতি मस्त्रञ्जावनी ॥ अन्तवृक्तः। ইতি त्राकनिर्घणेः॥ स्मनकः शुः वृक्कविष्मयः। स्नाना हेिंड जावा। उ९ भर्यायः। मननः २ मा छः ७ शासार करे। ८ मूनिः ৫ ক্রটিলা ৬ দণ্ডী ৭ পাণুরাগঃ ৮ ব্ৰন্ধছটা ৯ পুগুৱীক: ১০ তাপস-পত্ৰী ১১ পত্ৰী ১২ পবিত্ৰকঃ ১৩ (म्वर्णथंद्र: ३८ जनभः ३६ বিনীত: ১৬ তপশ্বিপত্ৰ: ১৭'। ইতি ब्राक्रनिर्घण्डः ॥ मुनियुदः ज्ञाधनः ३३ मामारकिः २० तुष्म प्रति २७ ज्ला भूवकः २२। ই छि ভাবপুকাশ:॥ यम् छंगाः। मीज-লত্ব:। ভিক্তত্ব:। কৰাযত্ব:। কটুত্ব: मधारीय द्या विद्यान विद्यान

ট বিকার হরত্বঞ। ইতি রাজনির্ঘ-णैः॥ क्रापुः। वृष्युः। जुगिक्षपुः गुरुगामु (द्वर कर्ण् नामिव्य । देखि ভাবপুকानः॥

द्राज्ञिवर्षिः॥ দম্যন্তী স্ত্রী ভদুনল্লিকা। ইতি

मद्रभाषा ॥ नल ब्राज भन्नी। ना विष्ठं (प्रभीय जीम ब्राज कन्ता। ইভি পুরাণ।।।

मिनः वि मासः। ইত্যার:॥ (क्रमगरमावः। ইতি ভরত:॥ ভার বাহনাদি ক্লেশ মহ:। ইতি সুভ্তিঃ॥

मनी गु॰ ममनविणिष्ठेः। मरमाश्रम्।-ন্ত গীন্ পুত্যুয়েন নিম্ন ॥ मम्नाः मु व्यापः । इंडायदः ॥

मुकाठार्याः। ইज्रुगानिरकारः॥

मम्नाः शृ॰ व्याः। इंडि मद्रशाः वनी॥

দম্পত্রী পু॰ ভার্য্যাপতী। ইত্যনর:!! म् अः पु॰ क्या । क्यु॰ ॥ नारि।-नारुक्छिः। इंडि नद्रज्ञावनी॥ म्(ञ्चानिः श्रु॰ वज्ञु॰। ইভ্যমরः॥ मगुः भू॰ व८मछतः। मञ्भाष ममन कालाशाः। इंडामदः॥ वनकान्।

ইতি রাজনির্ঘণিঃ।। দমনীযে ত্রি॥
দয ঞি ড গৃহণে।। গতৌ॥ বধে।।
দানে অবনে। পালন ইতি যাবৎ
। ইতি কবিকল্লফমঃ॥

मयः भू॰ प्या। ইতি नम्द्रज्ञावनी ॥
प्या जी कक्षणा। अन्धा नक्षणः यथा
। यञ्जापि शद्र द्वनणः स्त्रृ॰ या
स्पि कायटा है । ज्ञि नृद्वत्नुष्ठ
ना प्या शद्रिकी विंछा ॥ ইতি
शास्त्र कियायाणमादः ॥ ज्ञानि ।
जाञ्च य नर्बज् रुख्यु या हिछाय
न्यायाय नर्वा स्वा स्वा ॥ देठि
स्रास्त्र व प्या स्वा ॥ देठि
स्रास्त्र व प्या स्वा ॥ देठि
स्राध्या प्या स्वा ॥ देठि

मयाक्र्रः शृ• तूकः। ই उ एक्स हन्मः। मयालूः वि मयायुकः। उरशर्याय । काक्शिकः २ कृशालुः ७ मृत्र उः ८ । ইত্যমরः॥

पिछ॰ जि श्रिय॰। ইড अन्नतः ॥
पिछः शृ॰ शिक्षः। ইछि कि विश्वतः ॥
पिछा जी ভार्या। ইछि इलायुक्षः॥
पत्र वा देवपर्थः। ইछि स्मिनी ॥
पत्र॰ जी मङ्गः। यथा। विक्॰ वत्मर पत्र
कमन को सामकी ठकशानिमिछि
कमनी शिका॥

मत्रः श्रु क्षी ख्यः॥ गर्छः। ই छामत्रः

দরিদু
।। কন্দরে পু॰ জী। ইভামরটীকা।
বা॰ ভরতঃ ।।
দরকণ্টিকা জী শতাবরী। ইতি
রাজনির্ঘণ্টঃ ম

मब्भिः भु॰ कृत्व ज्यः। जायनहिङ जाया। जर्भर्यायः। कृत्व स्थः २। के जिस्त्र क्षावती॥ कृत्व अर्थाः १। के जिज्ञ कृतिभुर्यायः॥

मत्र हो भुगाउः॥ जयः॥ भर्वजः। इक्तिमिनी॥ स्नाह्माजिः। इकि विकामिनःगुरू व्ययतः॥ इट्॥ जीतः। इकि निकासकोमून्या मूनामिन्छिः॥

नवर॰ क्री शिक्षुन॰ 1 ইতি वाज-निर्घण्डः॥

দরদঃ পু॰ দেশবিশেষ: !! ভ্য॰ !! শ্লেছকাতিভেদঃ । ইতি শদ্রহা-বলী !!

पितः की पती। इंडि मप्तताविशा पति डं वि की डः। इंडि (इस्टिन्प्ः॥ पति पः पः निर्धनः। उर्श्यापः। नियः र प्रितः अपीनः ८ पूर्ण डः ६। इंडिम्बा । की किंदेः ७ पूरः १। इंडिम्बि वर्षः॥ अस् कात्रपः १था १ सनुशाय विद्यावाणि की थान ४विशेषा है। अरुदा (इस्ट्यूक्) मित्रिकावार नदः ॥ इंडिभाष्य-जूथ ७ ॥ मित्रिका यञ्ज्ञ हैः क्रिशा (या १ बिल्किस्यः । इंडि जागवज्ञः ॥

मितिम्। क व मूर्गडाः। ইडि करिकन्नक्रमः॥

मित्रम्।यकः जि मित्रमः । इंडि मुक्षाताथण। •

मतिन्जः वि मतिनुः। मातिनुऽयुकः। मतिनुषाराजाः कर्डति कः।।

स्तिन्जि वि स्तिन्यकः। स्तिन्ः श्राजाः कर्डति ज्न् शुरुषः॥

मः त्राम्बर क्ली मूर्याम्बर। **३७)भ**ब-हीकायाः ভवजः ॥

দরোদর: পু॰ দুরোদর:। ইত্যমর-টীকাযাঁ•ভরত:।।

मर्मातः शृ॰ भर्व जः॥ देव ख्या जाह्नात जि। देखि (मिमिनी ॥

मर्प्यामः भू वाद्धनिवासः। उट भर्यायः। भीनाभीगः। इंडि मद भाना॥

पर्मित्रोकः क्षी वाष्ट्रः । इज्यापि-कायः॥

म् प्रतीकः शृ (स्वः॥ वाम्राज्यः। । (ज्वः। ইতি সংক্ষিপ্তসারে উণা- हित्जिः॥ हफूति की गुप्तमानः। ইভি भिहिनी॥

मपूर्तः शृ जी (जकः॥ ইडामदः॥ मपूर्तः शृ भाषाः॥ वामाजाश्रास्त्रः ॥ ॥ भार्त्वविष्मयः। ইতি भाषिनी॥ द्राक्षनः। ইতি न॰किश्वनाद्रिजेग-मितृज्ञिः॥

मपूर्वा जी ठि का। ই उ मिनि ।। मपूर्व पु॰ मर्कावागः। ই उ मप-बद्दावनी॥

দির্জঃ পু॰ দক্রোগঃ। ইত্যুণাদি-কোষঃ।।

मर्ख्यः शृ॰ हक्रमर्पकः। ই जि मय-त्रज्ञावनी ॥

দক্ষণঃ ত্রি দক্ষরোগী। ইত্যমর-টাকাযাণভরতঃ।।

দর্ম: পুণ দজরোগঃ। ইত্যুণাদি-কোষঃ॥

দন্নোগী বি দক্ষরোগী। ইত্যমর-টীকাথা ভরত:।।

पर्शः शृ॰ উह्युन्यः। ইতি नीनक्थः।। कन्त्री। ইতি मिनि।। উদ্যা।
ইতি বিকাওশেষঃ॥ সহস্তিঃ।

उट्भर्यायः। गर्वः २ व्यक्तातः ० তাবলিপ্ততা ৪ অভিমান: ৫ মমতা ৬ মান: 9 চিত্তোন্তি: ৮ সাথ: ১ । इंडि (इमहम्सः॥ 🕸॥ चह्हात्र मह সর্বেশ পাপবীজ মনক্ল । বুকা-প্রেষ্ঠ সর্বেষা গর্বপর্যান্ত মুন্নতিঃ ॥ (यया॰ (यया॰ ভবেদ্দর্গো বুন্ধা ণ্ডেষু পরাৎপরে। বিজ্ঞায সর্ব সর্বাত্মা (তবাণ শাস্তাহ মেবচ ।। ফুরুণাণ মহতাক্ষৈব যেষাণ গর্মে। ভবেং लिए। এব॰ विव नइ॰ তেষা হুণী ভূত করোনি চাচকার मर्भ अझ क महावित्थाः পুরা विजुः । वुकानक उथा निकाः (भवनाह শিবন্যচ ৷৷ ধর্যাস্যচয়নস্যাপি শায়-न्। हन्तु म्यार्याः। शक्ष प्रमाह वरङ्गः म्ह खरता मूर्वामम खथा ।। (मोता-রিক্স্য ভক্ত্স্য জ্বস্যবিজ্যস্যুচ । সুরাণামসুরাণাঞ্চ ভবতঃ কাম-**ण**करयाः ॥ वाज्यामहाज्ञूनमहाशि वानमाह ज्ला उथा। मुल्दाम्ह সন্দাণা বাথোশ্চ ব্ৰুণস্চ ।। नवयज्ञानः पूर्वायाः भन्नायानः जू र खथा॥ नाविज्यारैकव गक्नाया भनमाया खरेबव ह ॥ भागाविश्वाक् रिद्याक श्रियायाः श्रागरा भिष्ठ।

भागिषिकाय। द्वाराया आत्रावा-भिकाकथा।। इद्वाप्तर्भक्ष महिंद्याः भूमामक हकाद्व मः ॥ इति द्वाः-देवाखं श्रीकृष्णकम्मथुः ॥ मर्भवः भूः कामामवः। इत्याप्तः॥ मर्भवः श्री हकः। इति क्रिमदः॥ मर्भवः श्री हकः। इति क्रिमदः॥ मर्भवः। इति म्भ्याद्यं मर्भाः॥ मार्थाः।

पर्भगः शृ की क्षणपर्भगधातः।

याभि इंडि डावा। उर्थिश्यः।

यूज्रतः र यादमः १। इंडियातः॥

याज्ञदमः ६ नम्पतः ६ पर्भनः ५

शृडिविषाउः १। इंडि मदद्रद्रावनी॥ कर्कः ५ कर्कत्रः २। इंडि

करोधतः॥ यमा छनः। यायः

वी कातिद्रः। भाग नामिद्धः। इंडि

ताबवहाडः॥

দপারম্ভ: পু॰ অহস্কারারম্ভ:। তৎ পর্য্যায:। মটয়ুটি: ২। ইতি জটা-ধর:।।

দর্বঃ পু॰ রাক্ষসঃ॥ হি॰সুঃ। ইতি স॰ক্ষিপ্তসারে উণাদিবৃত্তিঃ॥

দর্বীক: পু॰ ইন্দু:॥ বাযু:॥ বাদ্য-ভেদ:। ইতি সংক্ষিপ্তসারে উণা-দি বৃত্তি:॥

पर्विः पू॰ पखनामी। ইতি हातावली

पर्विः जी युक्षनापित्रावः। शांठा "
हेिं जावा। उर्भिश्चा किवः र
ंथकाका १ । हेंगुन्तः ॥ पर्वी 8
क्षी ६ थकाकतः ५॥ कृषा। हेिं
ंभमत्रद्वावणी ॥
पर्विकः शृः पर्वी। हेिं विक्षश्यकाः
पर्विका जी पार्विका। हेगुन्तहोकायाः त्रायनुष्टिः ॥ थकाका। ॥
हेिं विक्षश्यकाः ॥
पत्री जी पर्विः। हेिं भमत्रद्वावणी॥
पत्री कृतः शृः नर्भः। हेगुन्तः ॥

খলাকাকারকে বি॥

वक्ष नक मुर्थ वर्षः मर्बज्गानी छ গোভিলেন ভদ্যভিরিক্ত বল্লানাণ निरवरदा (दाक्रत्रः। भूकानि क्न-भूत मक्षर्य छानि (यशा॰ ज्गाना॰ সন্তি তানি শ্কত্ণানি ইতি ভউ নারায়ণচরণা:। গোক্ণিমিতা विख्ठाक्षुश्वानानिका भित्रमाणाः॥ রত্নিপুনাণাঃ শস্তা বৈ পিত্তীর্থেন সংফ্তাঃ। উপমূলে তথা ল্নাঃ পুস্তরার্থে সমোন্তমাঃ।। ইতি বাযু-পুরাণে ॥ ৠ। বর্জাপুতি পুসবাবাহ হারীতঃ। পথিদর্ভা ক্রিতৌদর্ভা (य म छ। यक्त जृ निषु । खत्र नामन शिए अषु वर्ष जीन् शिववर्षाय । পিণ্ডার্থ যে স্তৃতা দর্ভা যেঃ কৃত্ত॰ পিতৃ হপণি । মূৰোছিষ্ট পুলিপ্তেচ जाग (उवा॰ विशीयरङ ॥ श्रेड: কৃতেচ বিশ্নত্ৰে ভ্যাগ স্তেষা• বিধী-যতে । ধৃতৈ রিজুগ**লক্ষ**ণেন ত্তীয়া খুতৈ দভৈ ক্পলক্ষিতেন भूकरवा ॥ नीवी मत्था ह त्य मर्ज। বৃন্ধাসূত্রে চ যে ধৃতাঃ। পবিত্রাণ छान् विकानीयाच्या काय उथा वनाः ॥ चाहमा भुग्छा निजा পবিত্রেণ দিকোন্তমঃ। নোছিইন্ত ভবেৰৰু ভুক্তশেষ বিবৰ্জবেৎ

॥ क्ड॰ ममानिङ मिङ्रर्थः ॥ 🕸 ॥ 🍴 मर्ভ्बहू नक्रग मास् त्रवाकरत गृश्-नःगुरः । উक् किला ভবেषुका লম্বকেশস্ত বিষ্টরঃ: দক্ষিণাবর্ত্তকো বুকা বামাবর্ত্তন্ত বিষ্টরঃ।। শান্তি मीलिकायाः। मश्रु निविच हालि नाष वि उय (विश्वेष्ठ । । अँकारतरे । মত্ত্ৰেণ দ্বিত্ৰঃ স্বৰ্য্যাৎ স্পদ্বিত্ৰ ।। নবভিরিত্যত্র পঞ্চভিরিতি কর্মো-भाषान्त्राः भावः। मर्ज्यन्थ्या বিশেষাভিধান ছনেরাগেতরপর ॥ रब्हरास्ति मुद्रेशक सञ्ज तुका বটো তথা। দর্ভ সংখ্যান বিহিতা। বিষ্টরাম্ভরণেম্বুপি !৷ ইতি গোভিল পরিশিষ্টীয় বচনাং। ইতি শাদ্ধ-ভব্ব• ॥

দভটি॰ ক্লী নিভ্তগৃহ॰।ইতি ত্রিকা ওশেষঃ

দর্ভপত্রঃ পু॰ কাশঃ। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ।

দভাষ্যঃ পু॰ মূঞ্জঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণীঃ॥

हर्मः श्रु॰ व्यवावम्या।। ইउप्रवृतः॥ व्यान्याश्वरः हन्द्रमृत्यो छु हर्मना-म्हर्म উह्यात् । ইति वश्वरशृत्रागः ॥ व्यवताकनः। ইति (वहिनी ॥

পकः छक् **उ** यागविष्मवः। न याग-वयात्राकः। यथा। आधाराशकाक शानिन्दु मरेष्यन्दुशया यागा अया श्मावाम्यायाः मह यावन्त्रीवः कर्डः युः को छ्यापि कर्न्ड(यु) भाम সাধ্যক। ইতি মলনাসতত্ত্ব ।। नर्मकः पु॰ द्वात्रणानः। ইত্যমतः॥ मर्गियजा॥ भुवीनः। इंडि सिमिनी॥ रमंडः पु॰ मूर्गः॥ हमुः। इंडि निकान्डकोमुन्डामुनाहित्निः॥ मर्भान° क्षी नयन°॥ ख्याः॥ वृष्टिः॥ धर्मः॥ উপলক্ষিः॥ पर्शनः॥ नाजः । ইতি মেদিনী॥ শাক্সন্ত यড्বিथः। বৈশেষিক ন্যায় মীমাণ্ডা সাহ্য পাৰঞ্জল বেদান্ত ৰূপণ। এতানি-**उ**ज्ज ज्ञानार्थं (वनान् विठार्य) क्शान গোত্ৰম জৈমিনি কপিল পভঞ্জলি विषयात्रारिश मू नियदेः क्ञानि ॥ इंबा। इंडाबरः ॥ वर्गः। इंडि ত্রিকাওশেষ:।। চাক্ষুবজ্ঞান॰। (मथा इंडि ভाषा। उर्भर्गावः। निर्दर्गन॰२ निष्ठान॰ ७ जालाकनः ৪ ইকণ ৫। ইত্যমরঃ।। নিভা-जन॰ ७। इंडि जिं। १६ ।। 🗱 ।। भूग्रहणनानि यथा। नन्त छेवाह। रावाक्षर मान भूगाः भाभक यमा

मर्गात । उर मर्द यम मार्दम শোতু কৌতৃহল হি মে ॥ এভগ-वानुवाह । भृताञ्चणानाः जीर्थानाः रिक्यवानाक मर्गान। (मराजा नुकिमा मर्माद जीर्थमारी जरवस्त्रशा मूर्यामा **দ**र्भात ভक्ता मञीना मर्भात ख्या । मन्त्रामिना॰ यजीनाक उरेश्य दुका-চারিণাণা ভক্ত্যা গবাঞ্চ বহুীনাণ গুরণাঞ্চ বিশেষতঃ। গ্রেন্দু। গঞ্ সি॰হান ে স্বেভাশানান্তবৈব চ।। भूकानाक निकानाक थळनाना छ " रियत् ह। इ॰ मानाक मगूबागा॰ हामा-ना॰ मञ्ज शक्तिगाः ॥ वर्त्रभुयुक (धन्ना मथ्यानाञ्चरेथवह । शक्ति-পুত্রবভীনাঞ্চনরাণা তীর্থবাযিনা ॥ शुरीलानाः मूदर्गानाः मनीनाक বিশেষতঃ । মুক্তানা॰ হীরকাণাঞ্চ মাণিক্যানা॰ মহাশন ॥ ত্লসী শ্ব-পুরাণাণ দর্শনণ পাপনাশনণ, ফলা-নি শুক্ল পান্যানি ঘৃত দেখি মধ্নিচ ॥ भूगत्रमुक नामाक द्रारम् मर्गान कलाता भाषाक महत्रमूहाना" मृक्षा शृद्धः तरज्ञन्न तथा शास्त्राचनाक क्रभूद्र॰ जल उक्त महावद्र॰। भूद्रा-म्रान-भूद्रिः 🕾 मृष्ट्री भूगाः वर उन्नद्रः ी। (नवान्त्रिः । (नवष्ठे - मूगिक्तः भव-

न-उथा। भड़क दूनपुष्डि पृक्षा अपः भूगा॰ वा जमतः॥ मूक्षभक्तमा हन्मुका भीग्र॰ हन्तन उथा। कलूती क्कूम॰ **मृ**ष्ट्रीननत्र भूग्र• न(ভन्नद्रः॥ পতाका-नक्यवरे॰ उक् रिवाणिड॰म् छ । (मवानयं॰ (मवथाउ॰ मृष्ट्री शूग्र॰ वालमञ्जः ॥ मुक्तिः भ्वावः त्रमञः माढिकः अ**भग्व**कः । शक्षागृहः र्म जाम मृष्ट्री भूगु न ल जब है।। भूताग भूखक मूक नवोक विकु-यञ्जक । मिश्रम् इं मि छ । तन्न मृष्ट्री পুণ্য-লভেমর: ৷৷ তপস্থিন• সিজ मञ्ज॰ नमूनु॰ कृष्णमात्रक॰ । यञ्ज॰ महारमय मृष्ट्री मृश्रुगु गाउँ নরঃ॥ গোম্ত্র গোম্য দুপ্ত গোল্-লি॰ গোপ্ত গোম্পদ । পক্ষান্যানিত (क्का पृथ्व। शूग्र॰ न (छमतः ।। कि-রা॰ পদ্মিনী॰ শ্যানা॰ ন্যগ্রোধ পরি-म अला । मूर्व नका भुवन ना किया ভূষণ ভূষিতাণা বেশ্যাণ ক্ষেমস্করীণ गतः मर्बाक्ष उथुनः। मिषादः भन्नमाम्क मृक्षे। भूगुः वास्त्रमुद्रः ॥ कार्डिकी भूर्विभावीक दाधिकाशुटि-सारण्डार । मर्श्का मृष्टी नवात करताि अभ्यश्वन ।। शिक्ष्वावाः ज्यावैमामित्वमानि नित्र भूष्त्र।

मूर्गाभुडिया॰ मृष्ट्री करत्रां कि कय খণ্ডন । শিবরাক্রেচ কা**শ্যাঞ্** বিখনাথস্য দর্শন । কৃত্বোপবাস্ত পূজাঞ্চ করোতি জন্ম থ ওন ।। জন্মা-श्रेमी दित्न ज्ञा मृश्वी मा॰ वित्रमा-খব । পুণন্য পূজা ক্রাচ করোভি बग्रथ ७ न ।। উপোষ্য বৃত্ত ভূমেচ ভा शेरत मान जीवत। मः भूका तावा-নাকৈব করোতি জম্মথণ্ডনশা পৌষে মানি শুকু রাজৌ যত্র ভত্ত ছলে নরঃ । পদ্মাধাঃ পুভিমাণ দৃষ্ট্রা করে।ভি জন্মথণ্ডন ৷৷ সপ্তজন্ম ভবেত্তস্য পুত্রঃ পৌত্রো ধনেশ্বরঃ॥ উপোব্যৈ-कामभी॰ ज्ञादा शुकारक हामभी मित्न।। पृष्टे। का**ण्डा सञ्जूर्गः करत्रा** " **डि बग्नथ ७**नः। मञ्जा विकु भरम भिष विकु॰ यण्ड भुभूकरयर ।। निज्ना॰ দ্বাত্মনশ্চৈব করোতি জন্মথণ্ডন । भुषारम मूखन॰ कृषा यम भिजून পু उर्भाय ।। উপোষ্য निमिवाद्रापा করোতি জন্মখণ্ডন । উপোষ্য পুরুরে স্নাত্ত্বা কিন্ত্রা বদরিকাশ্রমে॥ जि॰ भूका मृक्षा भारमव करता कि बना-**थ** अन । जिला कृषात वस्ती: खूड्ट वर्षिका<u>ण</u>्य ॥ मृद्धे। मट পুভিমাণ নন্দ করে।তি জন্ম খণ্ডন• ৷

(मालायमान (गाविनस मृष्ट्री वृनसी-वत्न ह मा ।। मृक्ष्य अश्रुक्त नव्याह करतां बिका थ्यनः। जारम् मृष्ट्रीत मक्ड गामव नथुत्रनः॥ जन्तुका ৰত্বা ভক্ত করোভি জন্মথণ্ডন । त्रथरक क्रमशाथ (या मुक्का कि कली নরঃ৷ সংপ্রা ভক্তানত্বাচ করে।তি জন্ম থণ্ডন•। উত্তরায়ণ সংক্রাস্ত্যা• পुराश दान माठाइ० ॥ म॰ भृका नद्वा मात्मव करता ि बन्न थ ७ न । कार्खिकी भूर्निगायाक मृक्षा गर्भ **डिमा॰ भूजा॰ ॥ উপো**ष्ण भूका॰ क्षाठ करता कि बन्ध थ थन । हन्तु-जागा मभीत्म ह मायाम् मा नत्य न्दिः ॥ द्रावया मह मा मृद्रु। क्रां ७ बचनः क्रयः। तारमध्रः मञ्चरक्ष व्यावाही भूर्विमा दित्न ॥ উপোব্য দৃষ্ট্ৰ সংপ্ৰায় করোতি कग्रनः क्यः। मीननाथः मिनकद्रः লোলার্কে চোত্তরায়ণে ॥ উপোষ্য मृक्ष्ये। **ज॰প्**कार करता जिक्रसनः क्रय॰ । क्विकार्ध भूवभाग कनविष्क भूगञ्चात्र ॥ विमानमाक द्रावाकाश्व ननाक भूष्ट्र जुरक। भाई जी भुजि-मा॰ मृष्ट्रा कार्खिकय॰ गरम्यद्र॰। नित्न नक्दा मृथ्वा कर्त्राठि क्य-

नःक्रयः। जिक्रं मिन जिल्ह शिक् स्माद्दि मिस्सो। ममूरमाय दिस जाणा मार मुद्रे। मुक्तिमाय याट । देजिन करित्र करित उक्तिमाय थार । देजिन करित उक्तिमाय कर्मिन ।। देशिन कर्मिन ।। देशिन प्राक्तिमा ।। देशिन कर्मिन ।। देशिन प्राक्तिमा ।। देशिन क्षिम् ।। देशिन क्षिम ।। देशिन क्षिम क्षिम ।। क्ष्मिमा क्षिम ।। देशिन क्षिम क्षिम क्षिम ।।

শ দশ্যিতা ত্রি দশ্ক:॥ পুতীহার:। ইতি ভরত:॥ · ·

मनित्याकः भू॰ जूर्बवृकः। ইতি नम्भाना॥

े मननी की लाई । उना देख

ভाষা। ইতি শদ্মগ্রাবলী।। ভেদ-কর্ত্তরি ত্রি। যথা। সাদুর্গা ভবভী-তিরীতি শমনী লোকত্রয ত্রাহিণী ভ্যাদ্ব:প্রিপক্ষ পক্ষ দলনী বাঞ্চা কলোল্লাসিনী। ইতি বিশ্বযোদ-ভরক্ষিণী।।

मननः पु॰ द्वर्गः॥ नाद्वः। ইভূগা-मिकायः॥

मनभूता खी (कड़की। ইडि ताब-निर्चणेः॥

দলসারিণী জ্ঞী কেমুকঃ। ইভির্ত্ন - নালা॥

प्रतिमृतिः भू कि के कि । इंडिक् । द्वावनी प्रतिम्या जी भविषया। उर्भागाः । साहिः २। इंडि क्सिक्सुः ॥

प्रवाहकः भू॰ अव॰ बाङ जिनः ॥
भूती।। रेग दिकः॥ एकनः॥ थाङकः
॥ नागरकणदः ॥ मङ्खदः। ই ि
स्मिनी ॥ अन्मः ॥ कितकर्गः॥
णित्रीयः॥ वाङ्या। ই ि हिरम हन्मः॥
प्रवाहः भू॰ भक्षकर्व हैः। प्रवप्रवि
हे ि जावा। है ि बिका खाणवः॥
प्रवाहः की मक्य कर्मः॥ प्रमन्
वृकः। ই ि स्मिनी॥ मप्तनवृकः
। ই ि णप्तज्ञावनी॥
प्रवाहः की हूकः। ই ि दाक विर्मेणेः॥
प्रवाहः की हूकः। ই ि दाक विर्मेणेः॥

प्रतिः जी भू (लाई । प्रता इंडिएन।
इंडिट ভाषा। इंडि क्य द्रदावनी।।
प्रतिकः ती काई । इंडि (इ्यट्युः।।
प्रतिकः वि भुक्तः। इंडि (इ्यट्युः।।
प्रतिकः वि भुक्तः। इंडि (इ्यट्युः।
प्रतिकः। यथा। प्रतिकाक्षन (यथ भूखिकादि क्यतिभिका।।

দলেগিদ্ধিঃ পু॰ সপ্তপর্কঃ। ইতি ॥ ত্রিকাওশেষঃ॥

দল্ম: পু॰ পুতারণা।। পাপ॰।। মুনি-ভেদ:। ইত্যুণাদিকোব:।। চক্র॰। ইতিসিদ্ধান্তকৌমুদ্যামুণাদিকুলিঃ।। দিমা: পু॰ ইন্দু:। ইতি হেমচন্দুঃ।। বজু॰। ইতি সিদ্ধান্ত কৌমুদ্য। মুণাদিকুলিঃ।।

দব ই গতৌ।ইতি কবিকল্পজনঃ।।
দবঃ পু॰ বন॰।। বনাগ্রিঃ। ইত্যনরঃ
।। অগ্রিঃ।ইতি তউীকাষা॰ নীল-কঠঃ।। উপতাপঃ।ইতি কেচিৎ।।
দবথুঃ পু॰ পরিস্তাপঃ।ইতি জটাধরঃ।। চক্ষ্রাদিদাহঃ।ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

मवाणिः शृ॰ माधाननः। ইতি ছিকা-পকোবং।।

प्रविष्ठः जि जून्दः। অত্যন্ত प्रति । इठामदः॥ भ

षवीयान् जि मून्द्रः। ইত্যন্তঃ॥

দশ ই ক দীখৌ। ইতিকবিকলুফসং॥ দশ ই ক ড দশনে॥ দ•শনে। ইতি কবিকলুজনং॥

দশ ত্রি সংখ্যাবিশেষঃ। দ্বিশুনিতপঞ্চ ১০ । দশ বাচকানি যথা।
হস্তাঙ্গ্লিঃ ১ শুমুবাত্য: ২ রাবণ
নস্তক ৩ কৃষ্ণবেতারঃ ৪ দিক্ ৫
বিশ্বদেবঃ ৬ অবস্থা ৭ চন্দুন্থঃ ৮
পংক্তিঃ ৯। ইতি কবিকল্পতা।।
বত্বচনাস্তোধ্য শ্বঃ।। তৎসংখ্যাবিশিষ্ঠঃ।ইত্যমরঃ।।

দশকণ্ঠঃ পু॰ রাবণঃ। ইতি শব্দ-রত্নবেলী।।

দশকর্মির পু॰ রাম:। ই**তি** ত্রিকাণ্ডশেষ:॥

দশকরর: পু॰ রাবণঃ। ইতিহেমচন্দুঃ
দশগীবঃ পু॰ রাবণঃ। ইতি শব্দালা।।
দশতিঃ স্ত্রী শত॰। ইতি মহাভারতে
দানধ্যাঃ।

म्भवा वर म्मभुकातः। ইতিব্যাকরণ॰ म्मनः क्ली कवहः॥ मिथात पू॰। ইতিমেদিনী॥

দশনঃ পু॰ ক্লী দম্ভঃ। ইত্যমর ভরতৌ। স

म्भनवात्रः क्ली ७४:। ইত্যমর:॥ म्भनाष्ट्रा क्ली हुकिका। ইতি শক্ ठिन्सिका॥

म्मानाहिष्टेः शृ॰ नियानः॥ व्यवत्रह्य-न॰। ইতি মেদিনী॥ দ্ভত্যকে ত্রি॥ म দ্শাসমিতাধরঃ পৃ॰ বৃদ্ধः। ইতি হেমচন্দুঃ॥

দশপুর॰ প্লী কৈনত্তী নুস্তক। ইত্য মরঃ।(দৃশভেদঃ। সমালবদেশৈক-র্যন্তিঃ।। পুরভেদঃ। ইতি মেদিনী।। দশপূরণ প্লী দশপুর•। ইত্যমর-টীকাবাণভরতঃ।।

দশবলঃ পু॰ বুদ্ধঃ।ইতামরঃ।।
দশভূমিগঃ পু॰ বুদ্ধঃ।ইতিহেমচনদুঃ ।
দশভূমীশঃ পু৽ বুদ্ধঃ।ইতি ত্রিকা ওশেষঃ।।

मणाः जि मणानाः भूतगः। मण्डे हेड्यानि ভाषा। हेडि व्याकत्रगः।। मणानी जी डिथिविटणयः। ना हन्युन्य मणान कनाकियाक्तभा छन् भनकिड कानभा वा। हेडि डिथ्यानिडवः ॥ ना नर्बामाः निणामिडिश्या। यथा। मणमीह डिथिजामाम्बीत वन्यिडा छव् । छन्याः नश्याणताः यस्त्र मृत् डी छव्छ नदः॥ छन्य भाभ क्ष्यः डास्त क्रिंड्य इत्तरः॥ छन्य भाभ क्षयः उत्तरं व्याविन्याविद्यानि चन भूवं ॥

युकः शुन्य कर्छ। महनाधिक द्याः ।

छेराइहिन्छः मूगना ह्यानुः शुम् छि
कारन हमनो यहि मुग्रा । इछि
कारन हमनो यहि मुग्रा । इछि
कारन हमनो यहि मुकावहा ॥

मजावहा ॥ स्राह्म स्वर्यावहा
। इछि नानार्थ होकायाः छङ्ग छः ॥

हमनी जि स्राह्म विस्मयः स्वर्या ।

हमनी जि स्राह्म विस्मयः स्वर्या ।

हमनी ह स्राह्म विस्मयः स्वर्या ।

हमनी ह स्वर्या विस्मयः स्वर्या ॥

हमनी ह स्वर्या ।

हमनी ह स्वर्या ।

हमनि स्वर्य ।

हमनि स्

म्मन्थः श्रु॰ द्रावगः। ইতি दिकाछ-(मधः॥

त्ममूथाउकः भुः जीवामः। इंडि मम्बद्धावसी॥

प्रमायकः क्षे श्रु महिर्वाद्धे गवाक प्रमायः गर्ण्ड मानुव मानुवीनाः प्रमानाः भृषः। ইতি রাজনিঘটः॥ प्रमानाः क्षी भावनिविष्णयः। यथा। विद्य (म्यानाक गञ्जाती भावेला गनि-कार्तिकाः। पीभनः कक वाड्यः भक्षम्न मिष्यः मह्द ॥ मान्यभी भृत्वभी वृङ्जीवय (भाष्ट्रद्वः)।

वाउ लिख इब व्या कनीयः भक्ष्युवकः ॥ উভयः **দশ**মূলন্ত দলিপাত জ্রাপহ্ণ কাসে খাসেচ जन्मायाः भार्यभूत्वर ममाराज ॥ शिश्वीह्र्ग म॰गूक॰ कर्थ इम्ग्र नामनः। ইতি সুখবোधः॥ ष्मायागाड्यः शुः मःकातकर्यान नक्ष (वश्र विष्णयः। अयः थड्ज् त . (दक्षः । यथा । जिथ्यकः (दरिम्क-म्हानिविष्म टेडकाम्भाष्टीम्भ বিংশ সংখ্যাঃ। ইপ্টোডুনা সূর্য্যযুত্তা-जुनाह याशाहनूरकप्रणयाश्र छः ।। अमुर्विः । कर्यकानीन विवाहा-मुख्य नक्षाक द्रविज्ञ नक्षा क्षा (वार्ग यि अल अकाः मूह **छन्। मण्यागङ्गः न**ार्।। यना <u> श्</u>ञिश्रुत्रदा यथा। याहा शाह द्धि ज्यार्थं जूबी बा॰ मं॰ विवर्कायं ৷ দ্বিতীয়ছে তৃতীয়ঞ্ব বিপরীত নতো হ্ন্যথা॥ইতি ক্যোতিতত্ত্ব ।। ष्णव्यः शुः इकाञ्चवः भीयवातः विष्मवः । ज व्यायाध्याधिशिविः। অন্যোৎপত্তি যথা। সৌরাষ্ট্ **(দশো**ডিব ভিকু নাম দ্বিলপত্নী कलहा ज्ला गर गर्वरा कलहार म् जा (भुजद्द गजा ना क्राहिट

जुमही वर्ष मञ्जर ज्ञक विद्य मृह्य **७८मगी**भगागच्य उषस्य जुन् লীবারি সংস্থাৎপাপভাবং গরি-ভ্যক্স ভমুবাচ হেছিল'ম্বি কৃপাণ जरू यह कथ मुकि भ्यामानि थर्चन डाम्बाठ डीर्थनान वुडा-দিভিঃ পাপানি নশ্যন্তি তেবু তে-नश्रीकातः ख्यामाङ्य शर्याखः यग्रया कार्डिकवृष्ठ॰ कृष्ठ॰ जना। पर्व॰ प्रमामि देवृद्धि। जुनमीमिन्रिक खलन जानामहरू दामणाक्त লক্স নশু।ব্বছ ভতঃ সাদিব্য ক্পা षा छद ९ जमा मा क्रिया विमानम भण्ड विकुशन भूगुमीन मुनीना ভ্যা॰ সা ভদিনানে আরোহিতা ধর্মদন্ত ভদ্মিনান ভৌগণৌ চ দৃষ্ট্রা অতিবিষ্ফাৰেন ভূনৌ পপাত পুণ্য मीन मुमीलो उनुषामा भुममा किन्युः **दःभञ**क्तमार ভार्या-ভ্যা॰ नइ रेवक्रिक्षे॰ यात्रात्रि । उड बङ् मह्मु वरमद्राणि हिद्रा भुग्र क्राय সূর্য্যব•শোভ্তব দশর্থনামা द्राज्ञा ভবিষ্যति यनया कलह्या সহ ভাৰ্যাত্ৰৰ যুত্ত বৃাণ বিষ্ণঃ পিতৃত্বেন স্বীকরিব্যতি। ইতি পাম্মে উত্তরথও•॥

দশন্ত্রপভূথ পু॰ বিষ্ণুঃ। ইতি শবার্থ কল্লভকঃ॥

म्भवाकी पुर हन्मः। इति एमहन्मः॥ " मणा जी जवशाः मीभवर्खः। বস্তান্তে বহুবচনাতো হ্য শবঃ । ইতি मिनि ॥ (उठः। ইত্য क्य भानः ।। भारीयगः मण भणा यथो। गर्जवामः) बद्य २ दानां ॰ ७ কৌমার ও পৌগ'ও ও যৌবন ও স্থাবির্য্য ৭ জরা ৮ পুর্বাবরাবঃ ৯ नामः :। ইভিনোক্ষর্যটীকাবাণ नी न करें। । का न ज म म मा যথা। চফ্রাণী স্তদনু ননসঃ সঞ্তি ভাবনা চ ব্যাব্ভি: न्যा खरनू विष-য ঝুনতক্তেভসোহপি। নিৰুচ্ছেদ তদ্ৰু তৰুতা নিজ্ঞপন্ত্ৰণ তভোন্ आरि। मूंहां उनगु सद्गा॰ मूर्र €नाः পুক্রমেণ।। ইত্যলক্ষারশাস্ত্রণ।।।। কলৌ নরাণাং বথোক্তাবৃধঃ দূর্য্যা- ॥ দ্যষ্ঠ গুছ ভোগ্যাপ্ত ভাগ বিশেবঃ उब नाक्क बिकी, मणा यथा । यहे ज्यंत्रा मना उच्चयाः मनिता मन পঞ্চ। অষ্টাবহু।রুকে প্রোক্তা वृत्व जश्च मण स्र्टाः ॥ गरिनम्हात ्रम्भ (भारका खाद्रा (द्राकानिव भ-जिः। द्राष्ट्रा द्यारम वर्षाण ज्ला

রপ্যেকবি•শভিঃ ॥ ঞ্চ ॥ জন্মকা-লীন নক্ষত্ৰ বিশেষ ঘটিত গুহাণাং मना नियम। यथा । कृष्टिकाहि बर्य म्याः ननी (दोन् ठजूश्रेर्य। মঘাদি ভিত্তে ভৌমো বুংগা হন্ত **ह**ञ्केर्य ॥ अनुज्ञाशाबरय (मोत्रि र्खनः भूर्व ठ जुडे (य। धनिष्ठा वि उ (य রাহাঃ শেষে শুরু শচতুষ্টযে।। 🕸 🛭 স্য্যোপপ্লৰ ভৌনাৰ্কি দশাভিকষ্ট मा नृगाः । छक् ठन्मु क मुकागाः यर्था के कन्यू माः।। मणाकन्छ। উদ্বিগ্ন চিত্ত পরিখেদিত বিত্তনাশ ক্লেশ পুরাস গদ ভীতি মহাভি-ঘংকঃ। সংক্ষোভিত॰ স্বন্ধন বদ্ধ-विरयाग मुःरैथ जीताम्सभा खवि কষ্টকরী নরাণা । ১ ।। সৌখ্য नि ভर्खि यत्र याहन यान त्रव की खि পুতাপ বল বীৰ্য্য শুভাদ্বিভক। মিট্টান্ন পান শ্ৰনাশন ভোজনানি চন্দ্রে। দুদাতি ধন কাঞ্চন ভূমি সংয়ণ। ২ ॥ শঙ্কাভিঘাত বধ বন্ধ नातन्तु भी छ। विद्याङ्गद्र विकल ভাষ্ণ গৃহে করোতি। চৌরাগ্নিদাছ ভয ভঙ্গ বিপত্তি রোগ কীর্ত্তি পুতাপ ধনহাত দশা কুজন্য। ৩॥ **मिव्याक्ता वमनशक्त वर्ष् शम्बु॰**

লীলা বিলাস শ্যনাসন ভোজনঞ। নানাপুকার বিভবাগম কোষবৃদ্ধিঃ ক্ষিপু ভবেছুধদশাসু হিতার্থ সি-किः। ।। नियाभवाम वध वसन कार्य) इनि बंदिनयाँ युक् श्रिष मुथ-मुविरेग विशीनः। रेमर्क ह रेबत्रम्बि-বাশুতি বৈর যুক্তঃ কষ্টাসু পাপদ मनाज्ञ नरेनम्हत्रज्ञा १ । १। त्रज्ञाः गृरः *বিন্য সঞ্য মান্ত্জি পুণ্নোতি সৌখ্য ধ্ৰ বানা বিভূতিযুক্ত ধ্ৰ্মা-ৰ্থ কান সুখভোগ বহুপযোগ যাব-ष्रुणां प्रमा भुक्ता हि जातः 15॥বুল্ব্যাবিহীন মতিনাশ বিযোগ मूःथ नद्रार्थ निष्क ভय छत्र विवार्डि রোগণ! সম্ভাগ শোক পর্দেশগত করোতি রাহোদ্দশা ভবতি জীবন সংশ্যায়। ৭॥ নম্রপুভার বিশ্নঃ পুনদা বিলাসঃ খেতাতপত ন্প পুরিত দেশলাভঃ। হত্ত খ্লাভ ধনপূর্ণমনোরথঞ্গোকীদশা ভব-তি নিশ্চিত রাজলক্ষীঃ।। ৮।। 🎕 !। রবেরস্তদ শাক্ষাসাঃ ৪ তন্য ফল॰। উদ্বিশ্বচিত্ত পরিথেদিত বিজনাশ ক্লেশ পুৰাস গদভীতি মহাভিঘা-छान्। मूःथे भृत्यागं वश्च वक्क ख्यानि रेठव ভागार्षणा शुक्का थनू॥

রাজগীড়া । ১ ৷৷ সোমস্য মাসা: ১০ ফল॰।গৰ সক্ষট সংক্রাসং বেছ্া∽ হানি॰ মনঃক্তি। স্কৃতে রজনী नाथा ভारनावडम्माभ्यः । २॥ मक्लमा मानाः e मिन॰ ३० क्ल॰। সর্বেদাণ ভিলকো ভূঝা মণি রত্ন भुषानकः। भु। १९। ७ ४न धानानि **রবে**রন্তর্গতে **সজে** : ৩৷৷ নুখন্য মাসাঃ ३३ हिन॰ ३० कल॰। व्याधिः শञ्चन निङ्गः नर्बगाख विष्टर्हिक।। नन्माङि সর্বকার্শ্যাণি ভানোর তগভে বৃধে।৪॥ **শ্নেম্যান্য দিন**ং২০ফন্ত। সন্তাপ্ত বিত্ত নাশঞ্চ বন্ধুনাশে প্রার্থ । भोतिः करबाछि रेवकन्। जानाः त्रचर्माणाः गठः । १ ॥ ख्याविष्ः ३ रिन°२० कम्। ध्यार्थ कान शिथाः नि वहाडि चित्रवाहिङः। अहारि वर्गीय इंडा ह जारनाः भाकमभा॰ গতঃ।৬॥ রাহে।মাসাঃ ৮ কল॰। অশু ভানুভব॰ দ্বেষণ ব্যাধি ভীতি मु उक्क यान्। अका उनि विका मृन् রবিপাকদশা॰ গতঃ। १॥ শুক্ষ্য वर्षः > मार्गो २ कनः। (काश्र शीवा-मिद्धादाश जुदान् भृलाि मार्क्शान् । শোক করোতি ভ্ওজঃ স্থ্যস্যান্ত-फ्रिंगा॰गठः।।।।। वव॰वर्षाः ।।। ।।

हन्तुमा ज्नामा वर्षाः १४ । जरेमा-वाडर्मणा वर्षा २ मात्रः ३ कनः। অর্থ্যান্থ কর্মান্ত নাতপত্র र क्नेशुङ्ख्ल वन वीर्या नमन्त्रानि। নিষ্টান্ন শান শ্যনাসন ভোজনানি ठान्हीरमा পुठूब काक्ष्त्र ज्ञिराजी ।। ऋक्रमा दर्वः ३ मामः ५ मिनानि २० कन्छ-ः निख (णानिक भीषाक्ष क्टाइ.सीना॰ ज्यड्या । मक्षः ব্দক্তে নিত্যু বিখে।রন্তর্দশাহ্রতঃ ।। वृक्षम् वरको २ मामाः ८ मिनानि ১০ ফলং। সরত দুব্য লাভঞ্চ গ্রাপ্ত शाधनानि इ । हन्दुनः अक्छ (मोथ्यु॰ विरक्षा ब्रह्म शाक्र **डः ॥ श**न वंबः 🕽 मामाः ८ हिनानि २० क्न॰। বন্ধু ক্লেশং নৃপাতীতিং ব্যসনং শোক जन्मरः । तिनामः अकटा (मोब्रि- " कम् गाउफं नाक् उः॥ ध्रता व्यो २ मात्राः १ तिनानि २० कन्। हान भोथ्यानि मञ्जागः वञ्जानङात्र ভূষণ। अक्छ विवृश्वाही र्या विरश व्रष्टर्भाक्ष् उः॥व्राट्ग वर्यः भानाः कनः। विश्व णव् ७४॰ मृःथ॰ শোক বন্ধু ধন ক্ষয় বিক্তে বাহ विडार्थः हन्तु भाक मनाक्ष्यः ॥ मुक्तमा वाको २ मामाः ३३ कमः।

भिवार वत्रनात्री जिन्दी निकी क বৰ্তত। মুক্তা হার মণি প্রাপ্তি বিঁধো রন্তর্গতে সিতে।। রবে মাসাঃ ১০ कन । अश्वर्गं । वहा सी था का वि नाम मृति क्षय । नृপতে । রবিः व्याः २० ॥ क्ष ॥ ज्वन, ज्व मणा वर्षाः ৮। उम्राडमंना मामाः १ দিনানি ৩।২০ফল । কুরাভিঘাত বধ বন্ধ ভ্যানি খণ্ডে চিন্তাজ্ঞ: বিকল শ্ন্য গৃহাশুলঞ্চ। চৌরাগ্রি ভীতি ধন হানি নরেন্দু পীডাঃ वर्गाविनाम निधनक हमा व्यवग्रा। वूषमा वर्षः भागा । २०। कनः। **शहरेमश्र**यं मञ्चल नानाविश्व मूथा-শুষ্ণ। করোতি সোম পুরুদ্ कि छिबार प्रामान उः ॥ भारतभागाः ৮। २७। ८०। कन । त्रिशु होता वि ভীতিঞ্রোগনন্তর সম্ভ্ব॰। মহা-জন কৃত্যে দ্বেশঃ সজস্যান্তৰ্গতে শনৌ ॥ खरत्रावंबः १।८।२०।८०। कनः भूब्र श्भान वश्रोदि (र्व व्यक्ता প্রন । নৃগত্তল্য মাণ্নে।তি জজ-স্যান্তর্গতে গুরো। রাহোর্মাসাঃ ১০। २०। कनः। आञा कार्यार्श्व मूखिनः वक्ष होत्रामि नाधुमः। नक्छ

সি হিকাপুরে:ভৌমস্যান্তর্দশাক্ত: ॥ मुक्तमा व्रवः १।७।२०। कनः। धनवृधिः मूथामी ॰ म्ड नानाव**डः वत**-क्षम्याउनंट ज्लो ॥ इत्य यामाः ৫। २०। कनः। नानातङ्ग स्नीथाक ভূমিলাভ মথাপি বা । নৃপ প্রা भवाद्याञि अक्रमुग्डर्गछ त्रवी ॥ (नामम्) वर्षः)।)।>०। कनः। ধনলাভ॰ সুথ•ভোগ• শরীরারোগ্য নেব চ। লোকানভ্য ম্বাশ্লেভি ক্ষিভিজান্তর্গতে বিধৌ ॥ এব•বর্ষাঃ 🍴 b॥ श । व्यम् ज्वमणा वर्षाः २१। जगाउमंगा २ । ৮। ०। २०। कन्। मिव्याक्ता यहन शक्क बह्शहज् जीना विनाज वद्राजाग मूर्शाहरक । নানাপুকার বিভবাগন কোৰ वृक्षि॰ किन् भ्राक्षष्ठभा भ्रवनाक जिष्किः।। मारन वर्षः ১।৫।२७। ८०। ফল•। বাতশ্রেম কৃতাগীড়া বিরহো वज्जुिः त्रर । विष्टम ग्रमनेष्टिव वृथम्याष्ठर्गां महानी ॥ अता वर्षा ২।১১।২৬।৪০।ফল•। ব্যাঞ্চিশত্রু खय डाउका धनाराता नृभवल्लाः। णाज्यागाः मृभुवक वृषम्यासर्गाउ खाद्री ॥ द्वारङ्ग वर्षः ३। ७०। २०।

ফল । বন্ধু নাশ ননস্তাপ দেশ-**छ्यागक्ष वस्तनः । करतान्ति वङ्**-দু: ধানি বুধস্যান্তর্গত্তুনঃ।। শুক-न्य वर्षाः २।२।२०। क्ला भाषानागुः वज्नु नुबक धर्मा वज्दुः धनागनः। ज्ञक-**उ मानवाणार्या वृथशाकमणाञ्च**ः ॥ इत्य माञाः ১১ मिनानि २०। क्व॰ । लिया भन्नम्या यूटका शब दानि थनानि छः । शु छाकदः करता छ। भू বুধ পাকদশাক্ষতঃ ৷৷ সোমস্য বযৌ ২।৪। ১০। ফল । কণ্টকাদি পুবেশঞ্চ শৃঙ্গিভো ভ্যমেব চ। নিশাকরঃ করোত্যাশু বুধগাকদশাস্তঃ।। व्यवमा वर्वः १।७।७।२०। कनः। কফ পিত্ত সমৃজ্তা পির: গীডা ভ্যাবহাণ। নাহেয়: স্কৃত্তে শোকণ वूधमाउपां नाक्ष छः ॥ अव वर्षाः ১१ ॥ क्षा मतः ज्वम्मा वर्षाः २०। व्यम्राङमं**ना मानाः ১**১। ७। २०। कंतः। भिथ्राभवाप वध वक्ष নিরাশ্যত্ত চৌরাদি ভ্পতি ভুজ-क्रम ভोडि मूगु। । जाना निदान यथ ठाड्डन कार्य) शनि शक्षार्मा পুসকতে নিষত নরাণা ॥ গুরো वर्वः ११२ । २०। क्षा । (एव) তানুয়ত শাস্ত নানাপ্রান্তি করো-

তিচ। ভব সৌধ্য সনাযুক্ত পঙ্গো রন্তগতো ওক:।। রাছো র্বাঃ ১।১। >। कनः। नृभाख्यः जुदः (धादः मुः थे के खुर्भ मः गयः । धन करक বৰতে শনে রম্বর্গত স্তনঃ।। শুক্রস্য वर्षः)।))। १०। कनः। जुङ्किकु धरेनः পূর্ণো ভার্য্যা বিত্ত সমন্বিতঃ। স্বর্ণণ সুথ্যক্ষনভতে দৌরস্যান্তর্গতে সিভে । त्रत्व सामाः ७ । २० । कलः । भन्ना-ব্রাভিগমন করোভি খন্নদীধিতি:। कीवनमाठ मत्तरहर मत्न तस्त्रम्मा-क्टः॥ (मामम् वर्यः)। १। २०। জীনাশ স্ক্রিরোগঞ্চ কফ পিভ गम गणी। वसुष्ववक अवाउ পক्षा इन्हर्भाक्ष्यः ॥ व्यवना भागाः ৮।२७। ८०। कन्। (मर्-रैक्ग न्यूहादाग नानामूः थानि ज्भिकः। धननामक ज्रकाल मान त्रष्ठप्रभाक्ष्यः॥ वृष्यभ्वर्यः ১।७। २७। ४०। यन्त्र । आस्त्राग्रः विकंयः वाकाः वह्विडानि (माम्बः काबािक वामवः लाकि भान ब्रस र्मनाक्ष्यः ॥ अव वर्षाः ३०॥ 🕸 ॥ खाः इनम्मा वर्षाः १२ । छरे मा-वाञ्चर्यमा वर्वाः ३। ८। १। १०। कनः ভোগান্ পর্য্যান্ত সৌথ্য ধনধান্য नभाग्यक। विम्रा शुनाम वज्रजङ्ग স্থার্থ ভোগ নিজি॰দশা সুরগুরোঃ সকতে পূৰত্ব•॥ ব্লাহো ব্ৰৌ ২।১ । २०। कनः। वकुष्ववः स्वावादः इ।नजु॰मं॰ नित्रामुय॰ । कलइ॰ कात्रयमुङ् र्छत्रा त्रस्रम् नाक्षः॥ শুक्रमा वर्षाः ၁।৮। ७०। क्न॰। কলহ বন্ধুভি: সার্দ্ধ বিস্তনাশ মনঃ क्रि । जीविरयागक अक्र कीव-महाद्वर्गठः मिठः ॥ त्रत्व वर्षः 🤊 किनानि २०। कन•। वर् भिव॰ वर् -थन (जो जागा। त्राबदल ७ । जक्उ ভाক्তतः भाष्ठिः खूदात्रवर्षभाक्रः ।। সোমস্য ববে। ২। १। ২০। ফল॰ । (जागारा) वज् जार्यः मािष् রোগ বিবজ্জিতঃ। নৃপত্তল্যো-ভবেছৈৰ ভরে। রস্তর্দশাক্ষ্ড:।। व्यवभा वर्षः २।८।२७।८०। यनः। ভীক্ষরোষে রিপোর্হন্তা গলবন্ডীমদ-र्मनः। সুখ সোভাগ্য সংযুক্তः जला-চান্তৰ্গতে e রো: ।। বুখন্য বংষ (২ I ১১।२५ **%**•। कन•। जूःङा **२** जूङः जुशी पूरशी मजुवृिकः शूनःशूनः। দেবার্ছনপরে৷ নিভ্যু• জীবস্যান্তর্গতে वृष्या। भारत वंबः २। २। ०। २०।

कन । (वनातं बनान्याः स्तीथाः ভবেদ্বিত্ত বিবৰ্জিত:। লুগু নীতি मना निडा॰ एरता तहर्गाङ मानी ॥ वद॰ वर्षाः ১৯ ॥ 🗱 ॥ ब्राह्याः जुनम्मा वर्षाः ३२ । जन्याज्यम्मा वर्वः ১। ९। कनः। ভार्याहि मृत्रा নিদান বিবাদ বন্ধ শস্ত্রাভিঘাত ভয়হীন পরাক্রমন্চ। সপুাপ্ত সৌথ্য थन काक्षन मीनामाका द्वारामाना खर्दा की वन मः मेराय ॥ भूकमः ॥ *व*दवे २। यात्राः ८। लिखादीश॰ करम् क्यां जार्याक व्यवाः। वाक्तरेवः कलाहा निकार द्राष्ट्रावालः र्गाउ ज्लो। द्राव मानाः ৮। क्ला শিরে৷ রেগে ভয় ঘোর মৃত্যু (भाक्क माक् १। वृश्मश्र ७४० সর্য্যাদু।ছো রন্তর্গতো রবিঃ॥ সোম-न्य वर्षः ३।४। कनः। जी भुव कनः

व विखनाण ननः करिः ।
करता कि द्वाण मकुर्थः त्रार्थः त्रष्ठः
र्गाक विषुः ॥ अक्रमं भागः २०॥
२०। क्वा। विष णञ्जाति कोद्रार्थः
नियकः माक्षः ख्यः। निष्ठमु ।
नियकः माक्षः ख्यः। निष्ठमु ।
नियकः कर्यु । स्वानस्तः ॥
वृष्मु वर्षः ३॥ २०॥ २०॥ क्वा। ख्र

। ज्डां भाजायु विषयः सर्वार পা ভান্তরে বুধঃ।। শনে বর্ষঃ ১। ১। ১०। कन । जी शूरेबः, कन एका निकार বান্ধবৈ: সহ বৈরিতা। ভবেপ্টু রহুধা দু:খ॰ রাছো রন্তর্গতে শনৌ।। গুরো र्वायो २। ३। ३०। व्याहि मुःथ ভरिय छाङा (एव वृक्षिण भूक्षकः। कार्य) নিজি ভবেদিখ্রা রাহোরস্তর্গতৈ গুরৌ ।। धव • वर्ष १३ ८२ ।। 🕸 ।। भुक्र म । ज्रुक मना वर्षाः २३। उत्राष्ट्रमं न। वर्षाः ৪ : ১। মন্ত্রপুচার কচির পুমদা विलाम संयान कान नृशशूकन কোৰলাভান্। হস্ত্যস্থ যান পরিপূর্ণ म्तात्र**थक(मोकीम्मामृ**ब्रजिनिम्ह-व ताकविश्वीशद्भविर्यः । (पञ्छी वृ ব্ণকোন্ত ভীবুভালো জ্বাদিভঃ। जुकः मुश्वाक्षरिः महिर्व जीर्गवास्-প্তেরবৌ। সোম্স্য ব্যৌ ২।১১। সন্মান নাৰে। ব্লোগশ্চ কাৰ্য্যনা শশ্চ नि डामः। मुक्रमात्रगं छ हत्मु द्वी-नात्मा निय उ॰ ভবে ।। अ क्रमा वर्षः ১।৬।২০। উৎসাহী ধন ধান্যাচ্যঃ कन्रक मुमनाः मुधीः। ज्मिनारका ভবেছৈব শুক্স্যান্তৰ্গতে স্কলে ॥ वृषम् वर्षाः १।१।२०। मईव व् ७८७ (त्रीथ) नानमक्षयं जूराः। जारीः-

সুশীলভামেতি ভাগবান্তৰ্গতে বুংধ ।। मारन वंबः ১। ১১। २०। कल । मजू ক্ষয় মবাগ্লোক্তি মিত্রবৃদ্ধিক্ত জায়তে । होते।विवंगा वानः मार मुक म्याञ्चर्याः भरनी ॥ खरता वर्षाः ०। ৮ । २०। कना त्राजभूका मुथ भी छिः कन्याबननः (भवत् । जार्गवास्त्रगंटि कीर्व (होत्राम्छक वाजारक ॥ त्राहा र्वायो २ 1 8 । कन । वसन वसू भूजोरित वंजुनात्मा ज्ञित्मार्खय । শরীর• দৈন্যমাগ্নোতি ভূগো রস্ত গভন্তম: ॥ এব॰ বর্ষা: ২১। ইত্যন্ত-र्मा कथन ।। क्षा वय পुउ। छ-म्बना। गुरुष्डित किन क्वा विष्ठ नक्षः धुतः ভবে । धुतानि गनयकी-मान् ब्रव्धारमः कम्राटा यथा॥ ब्राती ह (वमा .वमवः मुक्षाःमो **अस्त** ह বাণাঃ শশিকে তথাকাঃ। শনাবৃত্ত र्मिक् ह वृङ्गाली महामुग्ही खत्रका ভ্ৰৱে চ ৰুদুা: ॥ গুহুস্যান্তৰ্দশা **बानान् मिनीकृ**ठा खगा **रु**जान् । बाह्र नतः विकानीया भुजा ह गुर वानवान् ॥ इंडिभुडाइमंना। इंडि ক্যোভিন্তত্ব ॥ 🛊 ॥ যুগভেদে দশা-क्रिंग्निया चथा। मञ्जू नद्ममा हिन বেভাষা হরগৌরিকা। দ্বাপরে

रगिनिनी हिन करनी नाक्क किनी मणा। इंडि ममयाम्ड॰ ॥ ॥ ॥ मण्या मणा यथा। यानिनी । वार्यिकी २ नाक्क किकी ० ना गिकी ॥ मूजन्ता १ वि॰ (णा खत्रा ७ कि॰ (णा-खत्रा १ श्रेडाकी ৮ इत्रागिती ॥ मिनम्णा ७०। इंडि का खत्र छु॰ ॥ म्णाकर्यः शू॰ शुमीनाः। इंडि (इम-म्णुः॥ म

म्माकवी पूर भुनीभः। ইতি हाता-वनी॥

দশাঙ্গণ লী ধর্জ।ইতিভাব-পুকাশঃ॥

मनाननः भू त्रावनः। ই जि नवतः। वनी।।

मगानिकः पू॰ महीवृक्तः। ইতি मञ्-চন্দ্ৰনা।

म्माक्श जी दैकवर्जिका। ইতি व्राक्रनिष्ठेः॥

मणार्गः भूः (मणविष्णवः। निक्रिः) भवंडमः भूवं मिक्गमः। मिण वर्ड्ड।। नमी विष्णव जी। ইडिं णकार्थकनुडकः।।

मणार्शः शुः वृषाः ॥ यमुप्रमाः ॥ उप्प्रमास् शुः ज्ञा । इति विका-अप्रयः॥ দশাবভারঃ পু॰ বিষ্ণঃ।ইতি ত্রিকা-ওশেষঃ॥ ভঙ্গ্য দশাবতারা যথা। ন্ৎস্যঃ ১ কৃষঃ ২ বরাছঃ ৩ নৃগি • হঃ ৪ বামনঃ ৫ জামদ খ্যঃ ৬ अभः १ क्षः ৮ वृषः २ कन्नी २०। इंडि वदाइ भूदान ॥ व्यक्ति । धर्मानातायगन्ताः मः मः ज्ज ना-क्कूरव २ छरत । युद्धक युद्धियानु र्फिना देववश्राव अता भाष्मु जीव ভত ত্তস্য ব্ৰহ্মা হ্বাসীৎপুরোহিত । यूगाथायाक जूर्याङ ज्ञानसम् जूदायु रेव ॥ म•ज्**डः न नभूमा**रङ হিরণ্যকশিপো বঁখে। ঘিতীযে নর-भिः हात्था काष्ट्रा शामी श्राता हिन ।। दिन न । इतु त्नाकितु ত্রেভাষা॰ সপ্তম॰ পুতি। তৃতীয়ে বামনস্যার্থে ধর্মেণ তু পুরোধসা॥ এতা তিসুঃ ষ্তা তস্য দিব্যাঃ न • ज्उरमा दिकाः। मान्याः मध যেংন্যে তু শাপজা স্তান্নিবোধত।। <u>রেতা যুগে তু পুথনে দ্বারে</u>য়ো বভূবহ।নষ্টেধর্মে চতুর্থা॰শে মার্ক-A ध्य भूबः मदः ॥ शक्षमः शक्षमः শ্যান্ত ত্রেতাযা॰ সম্মভূব হ। মাদ্ধা-ত। एकवर्ते उ उत्माउष्धः भूतः লরঃ ৷৷ একোনবিংশ্যাং বেতায়াং

সর্ব ক্রান্ত ক্ষিতুং। জানদগ্য তথা ষঠো বিশানিত পুর:সর:।। চতু বিংশে যুগে রামে।বিশিষ্টেন্ প্রো थना। मध्या द्वावनमार्थि धरु मन्त्रथाञाङः।। यष्टरम् धानात्र বিষ্ণু রপ্তাবিশশে পরাশরাৎ। বেদ ব্যাস তথা কন্তে জাত্কর্ণ পুর:-नतः।। क बु • धर्म वावक्षान मर्नुता-গাং পুণাশন । বুদ্ধো নৰমকে হজ্ঞে ख्यमा भूइदिक्तः ॥ (स्वक्रा॰ वमुरम् दिन दिन्नायन भूतः महः । जिमासिव यूर्ण क्योर्ग महा। निष्ठि ভবিষ্যতি॥ कली विक्यमा नाम পারাশর্য্য পুরংসরং। দশমো ভাব্য হস•ভ্তে। যাজ্ঞবল্য পুর**সর:** ॥ ইতি নৎস্যপুরাণ।।।

मणार्थः भू॰ हन्द्रः। ই जिल्मदत्र्वा-वनी ॥

দশাস্যঃ পু॰ রাবণঃ। ইতি ভূরি-প্যোগঃ॥

দশাস্তাজিৎ পুণ শ্রীরাম:।ইতি ভ্রিপুযোগ:॥

मरमञ्जनः शूरे शुरीभः। ইতি ত্রিকা-ওশেষः॥

मरमद्रः शुः शिः गुः। इज्रुशामिरकायः॥ मरमद्रकः शुः नकाममः॥ जाम े नहि भू॰ ज्ञा इंडि ह्महन्मः॥

प्राम्ककः भू॰ मक्रिमः। इंडि

ज्ञिभ्यागः॥

प्राम्ककः व उ उट्याक्रशा इंडि

কবিকল্প শৃষ্ণ।।

দৃস ইক ভাসি।ইতিকবিকল্প শৃষ্ণ।

দৃস ইক উ দৃশ্নে॥ দৃণশোইতি
কবিকল্প শৃষ্ণ।

स्याः शृ॰ यद्यमानः ॥ होतः ॥ इ छा-व्यनः । इंडि स्मिनि । थनः । इंडि व्यक्तव्यावनी ॥

म्भूः भु॰ होतः॥ त्रिभूः॥ मङ्ग्रा-ङ्गिकः। ইতি শব্রত্নাবলী॥

দসু॰ প্লী শিশির । ইতি স জিও সংরে উণাদিবৃত্তিঃ।।

ष्मुः शू॰ थद्रः॥ यथिनीमुङः। ইঙি (महिनी)॥

দলৌ পুশ অখিনৌ। ইত্যনর:।। দ্বিচনান্তোহ্য শক্ষা।

म्जुरिवजा जी अधिनीनक्षव । हेिज (इमहन्दुः॥

मनुन् जी निः जा। ना न्र्रानिः विकाश्यात नाउ। ह। ইडि जिकाश्यानः॥

प्रः ३ क ही छो ॥ नार्छ । ইতি क्विक्न्स्माः॥ দক্রঃ পুণ অগ্নিঃ। ইতি সিদ্ধান্ত কৌনুদ্যানুণাদিবৃত্তিঃ॥ দাবানলঃ। দহ্বণ ক্লী দাহঃ। তানীকরণং। পোডান ইতি ভাষা। দহ্ খাতো-ভাবে অনট্ পুত্যয়ঃ॥

দ্ভনঃ পু॰ অগ্নিঃ।। চিত্রকঃ।। ভল্লা-তকঃ।। দুপ্তচেতসি ত্রি। ইতিমেদিনী ।। কপোতঃ। ইতি রাজনির্ঘণীঃ।। দহনকেতনঃ পু॰ ধুমঃ। ইতি হেম চন্দুঃ।।

परनिश्या जी श्वारा। ইভি ত্রিকা-গুশেবঃ॥

मह्नाडक ही माहाडक। इंडि बाब-निर्घणेः॥

पर्नाद्राजिः भू॰ कनः। ইजिदास-निर्घणः॥

परनीयः जि पाशः। परनार्शः। पर-थाजाः कर्षागुनीय गुजुरयननित्रमः पर्याभवः भृ• मृर्यकान्त्रमाः। ইजि रस्माभवः गृ• मृर्यकान्त्रमाभागेः॥ रस्माभागः। पर्याभागाभागेः॥ पर्यः भू• मृर्यका॥ अन्न•॥ ज्ञाना॥ वानकः। ইजि विश्वस्मित्यो॥।

সূক্ষ:। যথা। উদর মুপাসতে য শ্বিবর্জাসু কুর্পদৃশ:প্রিসর পদ্ধ-তি হাদ্য মাকণ্যোদহর । ইতি ভাগবত ।। मह छ मार्। ज्योकत्र १ इंडि याव । इंडि किविक् स्माः।। हें जु । पिरकायः।। नत्रक ।। वक्षाः। हेंडि म ॰ किश्वमात्त छेगामि वृद्धिः।। मक उ महाम। जी युक्त । हेंडि याव ८ ॥ वृष्यो। हेंडि किविक् स्माः।। मक म य छ गडा ।। वर्ष। हेंडि किविक् सम्माः।।

मकः शु भुवाभिविदिग्यः। म वुऋगामिकगाङ्गशङ्काछः । उउः পুভ্তি মৈথুনেন পুজা काठा । यथा। नदीदानथ वक्त्यामि माञ् श्रीनान् भुवानाराः। यकुशास्ति-পাদ कः পুৰাপতি ব্লাযত।। যথা नमज रेहवारही छरेशव मृगु छ विकाः । यहा ज् मृबद्ध खना (हवर्षि गण পল্পান্।। ন বৃদ্ধি মগমল্লোক স্তদা रिम्थन (यागडः। मकः भूव जर-जुानि नडभक्ष मजीबन ।। ইडि মৎস্যপুরাণ।। অস্য ভার্য্যা স্বায-ञ्जूब मन् कन्। भुन् जिः । जन्र वाउन केन्या यथा। मुका ३ रेन्डी २ प्या ७ मास्टिः ८ जुटिः ६ পूरिः ৬ কিবা ৭ উন্নতি:৮ বুদ্ধি: ১ মেধা ১০ मूर्जि: ১১ ভিভিকা ১২ ছী: ১৩ ষাহা ১৪ মধা ১৫ সভী ১৬। তস্য

बि नह्म शूबाः । एक श्वां शिं विविध बन्नान प्रमाण हिन्द्र मूखा मुहिक्कात । ज्वा वर्षमञ्जाल श्वाल विक्रिक्तात । ज असिकाल श्वाल विक्रिक्ता प्रकार श्वां । बनियद्वा श्वां शिंक्षणाय मध्याय प्रमाण क्षां मा क्षां मा मध्याय प्रवां । हन्माय मध्या क्षां क्षां क्षां भाषाय प्रवां । हन्माय मध्या क्षां क्षां क्षां भाषाय प्रव ज्वाय प्रवां । अक्षित्र प्रवां । हेवि बिंकागवं ।। इत्वृवः ॥ क्षां क्षां । मूनित्करः ॥ इत्वृवः ॥ क्षां क्षां । मूनित्करः ॥ इत्वृवः ॥ क्षां क्षां । विक्रिः। हिंकि विष्यः ॥ महिंकाः । हेवि क्षां विवां । शिंकाः । हेवि क्षां विवां । शिंकाः । हेवि क्षां प्रविवां ।। शिंकाः । हेवि क्षां प्रविवां ।। शिंकाः ।

पक्षकना जी पूर्गा। हेि जिकाख-(मयः॥ पक्षका जी पूर्गा। हेि एक्षकनुः॥ पक्षका अठिः पू॰ कन्दुः। हेि एक्स-कन्द्रः॥ मिवण्हा।

मक्त नावितः शुः नवभमनुः। श्रमिन्
भन्न इति श्रम ज नामा जगवम्य जातः
। गुःज नामा हेन्युः। शात्र मत्रीति
गर्जाम्या (मवाः। मुर्जिममाम्याः
मश्चर्यः। ज्ति वृ मीशित्वज् शुःज्जत्या मनुश्वा जिवगृति। ইতি
শীভাগবতং॥

मका जी शृथिवी। ইতি মেদিনী।।

मकाध्रधः मक्ट श्रुः मितः। ইতি

हनायुधः॥

हनागुथः॥ मकागाः भू॰ गकउः॥ गृथुः। ইতি निकाष्ठ कोमूम्या मूर्गाम वृत्तिः ॥ मिक्न जि मिक्रिया कुउः॥ नद्रवः ॥ भत्रक्रनानूवजी ॥ व्यात्रामः । ङ्कि (मिनि)।। एकः।। ज्ञानवऽः। ডাহিন ইতি ভাষা। ইতি হেন-हन्दुः ॥ हजूर्श भन्तासर्गन भन् বিশেষঃ। তস্য লক্ষণ যথা। সক-न नायिका विषय अभ अङ्कान्-द्राभः। अरमहासाङ्द्र**१**० यथा । অন্তস্থার স্কুরতি পদাদ্শাণ সহসু गक्ति हर केथ्य अब नित्व मेराभि। हैज्याकनया नयनाचुकरह निभीना রোমাঞ্চিতেন বপুষা ছিত মচ্যু তেन ॥ इंडि दममञ्जूती ॥ 🗱 ॥ मिक्षिण्ड्डानुमात (मावा यथा। मकर्खाभूमाजा ह मर्गन्ह मक्षत्र-মসু। ততো ভবেষস্ত হীনো মান बक्त ७७: मूर्कि: ॥ ইভি कुन्नरेव-बर्ख भुक्षियं ७ ॥ 🗱 ॥ मिकन श्ख्यु विशु (इ। यथा। अकात्र मूह-ं तन् शुरक्का मुनिगः मर्क् सामनः। भ्शीयाम किए। इस्ड उपाउ बिङ कीर्ल्य ।। इन्डापिन्ड भूतागः।।
पिक्रणकानिका जी न्यापानिकः।
यथा। উष्कृ वाद्य क्रणागः कतकमन उत्त हिस्र मुखः ज्यादः मद्याः
हानी र्वत्र विक्रणप्य स्त पिक्षणः
कानिक ह। इन्डि ज्ञामातः॥
पिक्रणाः व पिक्रणमाः।
हिन्द्या जी भूत्र किण्याः।
पिक्रणाः जी भूत्र किण्याः।
हिन्द्या जी भूत्र किण्याः।
पिक्रणाः भूः भात्र थिः। इन्डामाः॥
पिक्रणाः भूः भात्र थिः। इन्डामाः॥

• मिक्कि शिक्ष (ठ कि।।

मिक्कि शिक्ष (ठ कि।।

। स्वा ही र क्षा स्वा । उपा से ३ देवव
स्वी। इंडि जा कि निर्वा है।। मिक्कि ।

वायु खाः। व पुत्र यु के वुः। ह क्ष्य हैं
ठ वुः। व व व व क न वुः। ज क लि ख मुक्ष सम्बद्ध । त क लि ख मुक्ष सम्बद्ध । तिमाहिकः।

स्वा । क्ष्य सम्बद्ध । विमाहिकः।

स्व । क्ष्य सम्बद्ध । इंडि मुब्र खाः

शिक्ष । स्व जा क व क विभाव । इंडि क विश्व ।

हेंडि (सिम् नी।। পु ठिक्ष । इंडि

हम्हन्यः।। यु का कि सम्भादकः **छन्ड विह्उ मान•। ना यञ्जश**्ची ॥ शिक्ष मिक्ता॰ म ज्ञा। यथा। कार्डिकी भूर्विवागान ज्ञारम ज्ञादा महादायाचाविज् अपिक्षण॰-मार कृष्मा (उन मिक्गा। का। एकिनाया अनारन छन्। वृद्धि र्यथा ৷ যত্তো ছিফিণ্যা সার্ভ্ত পুত্রেণ চ क्लन छ। कर्मिणः कननाउ। क्टाइन (वनवित्न विनुः ॥ कृत्र ॥ कर्चाः उदेनान कुर्नः मम्याह मिक्नाः । তৎকর্ম কলনাগ্নে। তিবেদৈ কক बिहः गत्न ॥ दर्खा कर्यानि भूगं ह ॥ ख कर यहि मकिना । न मन्।- | ছুলেণেভ্যুম্চ বৈবেনাজ্ঞানতো হুথবা।৷ মুহুর্ত্তে সমতীতে তু বিশুণা না ভবেদ্ধুব॰। এক রাত্রে ব্যতী ত ভু ভবে**ং শতগু**ণা চ সা। ত্রিরাত্তে তত্মশ গুণা সপ্তাহে বিশুণা ততঃ। লানে লক্তণা পুোকা বাৰ্ষণা-নাঞ্চ বন্ধতে॥ সম্বংসরে ব্য গ্রীতে-लूना जिलाहि खगा जरद्या कर्य তল্জনানানা সর্প নিয়ুল ভ (व । मह दुक्तश्वाभशात्री न कर्या-र्झा श्लुि नंतः ॥ मतिष्तु। नराधि যুক্তক তেন পাপেন পাতকী। ভদ্গৃহামাতি লক্ষ্মীক শাপ দ্বা

जुराकन• ।। भि**उदा रेनव शृ**ङ्का उल ड॰ माब उर्भग । धद॰ मूतान्त ভংগ্লা॰ তদ্ভা মুণ্ন রাত্তি॰ । इस माजान मीय उम्रोत- गृशीजा চনবাচতে।উভৌভৌনরক যাত-म्हिन बञ्जू र्वथा घंटेः ॥ नार्भयम्**ज**-মানশ্চেমাচিতারঞ্ছ কিণাণ। ভ-(रमुक्तसाथशही क्रञ्जीशाक र्यु क कृत ।। वर्व नक वरम बब यमन ত্তেৰ ভাডিভঃ। ভড়ো ভবেৎ স **हा शाला ग्राधियुक्ता महिमुकः।।** भाउत्यर भुक्यान् मध भूई। • क मश्रहन्मनः । इंडि द्रक्तदिवार्ख भुक्**डिथ७।। 🕸**॥ मो विका विस्म-वः। यथा। या भोतव । ভयः भूम जछारः भूत्रं नायरक। नगृक्ष्काना ञकालि ना (ऋया पिक्स गुरेशः॥ 'তি বিষ্ণুপুরাণ টীকাষাণ স্বামী॥ मिकिनाशिः शु. यक्ताशिविष्णयः। इंडामद्रः॥ पिक्नमा पिल्मा ६वि দক্ষিণারিঃ। ইতি ভরতঃ॥ অস্য नामकात्रग॰ यथा। पखानु पिक्रगा मामि जृक्षि ज्बा याजा श्मनान्। ন্যসে দক্ষিণা ভাগত দক্ষিণাগ্নি ন্ততো হভবৎ।। ইতি বরাহপুরাণ म्किगावनः शुः ननयश्रवं । ইতি ं रहमहन्तुः॥

कृष्णिगां हाय शृ व्याहा दि त्या । स्वया ने द्रा ख्रा ख्रा श्व व्याहा ख्रा श्व व्याहा ख्रा श्व व्याहा ख्रा श्व व्याहा व्य

किनाभथत्रमा भू काङिविष्णवः।
यथा। पिक्रिनाभथ प्रमानः मर्छ नत्र "
वताक्षकाः। छहाः भू लिन्द्राः मददाः
हुद्रुका मृद्रेभः मह्॥ উखत्राभथ
कमानः की खियग्रामि छानि ।
योन काषात्र गाक्षात्राः कित्राजा
वर्ष दिः मह।। এতে भाग कृ छ छ। छ हत्रिष्ठ भूथिवी मिमाः। हिंछ महाछात्र छ भूथिवी मिमाः। हिंछ महाछात्र छ भा क्ष्यंः।।

দক্ষিণানুখঃ ত্রি দক্ষিণদিলুখঃ।
বথা। অনাস্থান গ্রাশুদ্ধি দুক্ষিগামুখ ভোষন । ন জীবং পিতৃকঃ
স্ব্যাং কৃতে চ পিতৃহা ভবেং।।
ইতি তিথ্যাদিতত্ত্ব ।।

मिक्तिगायन क्री मूर्यामा प्रक्रिगागितः
। मा भावगामि यहेवूमात्म्य ज्यिक
। है जानदः ॥ ॥ ॥ जब काउमा क्व यथा। यामावत् यमा जिल्ला

তি: শঠ: কঠোর: গিশুন স্বভাব:। চ नुझ राष्ट्राः कृषिमान इ॰ यूर्वा हाम-मारता मनुबः পুতाशी ॥ ইতি (काष्ठी प्रतिशः ॥ का वक्षे म का डि:। गृथा। म्ग ककं रे म॰काश्ची দ্বেতুদশ্কিশাযনে। বিষুবভী ভূলা (मर्व (भानमस्वा ख्यानदाः ॥ इंडि डिब्धानिडद्व ॥ 🕸 ॥ व्ययन চক্র॰ যথ।। চক্র॰সার॰ বিলিখ্য শূহ্পতি র্যনে সংক্রমঞ্চেৎ করো-তি ব্যাম্ন ভদ্ক • নরণ ভ্য কর • म्लम्ल निष्धार। उर नम्हा-দার পূলে বিবিধ ভ্যকর শূল-পাर्ष्य १थं ना जः (नोथा ॰ माइक গভে বিবিধ মুনি নত বিদ্ধি বান ক্রেণ।। ইতি জ্যোতিষ্ণ।।

पिक्षिणकः शृ व्याधक क् क पिक्षगाइ वृणि ज्ञाः। इ ज्यादाः।।
पिक्षण के कि पिक्षणाया गर्रः। अक्षान्य पिक्षणा ज्ञार्क यः। इ जि
क् ब जः। क श्रियायः। पिक्षणीयः
२ पिक्षणाः । हे ज्यादाः।।
पिक्षणाय की की विक्रणांकः।

দক্ষিণাবর্ত্তকী জ্ঞী বৃশ্চিকালি:। ইতিরাজনির্ঘণ্ট:॥ দক্ষিণাশাপতিঃ পু॰ যম:। ইতি

(र्मम्मः॥

দাডিম

मिकिनीयः वि मिकिनार्शः। ইত্যমরः॥
मिकिनिन व्य मिकिनिमि। ইতি
রাষমুসটা। मिकिनिजारा। यथा।
मिकिनिन হরি॰ কদো গোবিন্দ
মিতিনেশ্বরং থেনেশ॰ হরি রীশস্তৃ॰
তেনেশ মিতিতো হর্দকাং॥ ইতি
মুগ্ধবোধা।

मिक्करायां शुः व्यावनद्राघाडां । मिक्कराय दुरगुक मृगः। उट शर्याः यः। मिक्कराकः २। इक्तप्रदः ।। मिक्कराः जि मिक्करार्यः। इक्तप्रदः।। मा पात्। इकि किविकत्रक्रमः।। मा पु क नि मात्। इकि किवि-क्रम्भः।।

मा न न्तो। इंडिकविकन्नक्यः॥
मा जी (भावनः॥ मानः॥ (इनः॥
उभावाभः॥ त्रक्षा। इंडि (मिन्ती॥
माकः शृ॰ यज्ञमानः। इंड्रागिमिकायः॥ माजा। इंडि भिकाष्ठकोमू
महामूगमिवृज्ञः॥

माछकः १० मञ्चः। ই जिमानार्थ-क्तु उक्शा

माजिमः वि थना। हेि (मिनि ॥ कन् वृक्षितिस्मयः । उर्भर्गायः । क्रकः २। हेड्यम्बः ॥ भिष्मुञ्जः ॥ माजियः ८ भवंकि ६ साहमः ७

পি গ্রীরঃ ৭ ফল শাডবঃ ৮ শুক-বলভঃ ৯। ইভি ত্রিকাণ্ডশেষঃ ॥ রক্তপুষ্ণ:১০।ইতি রত্নআলা।।দাডি-মীসার:১১ কডিম: ১২ ফলসাডবঃ >० मूर्कन्य यमस्याणि। त्रक्वीबः १८ मुक्नः १ द र खनी बकः १७ मधुनी बः ১৭ স্বচফল:১৮ রোচন:১৯ মণিবী-बः २० कन्द्रकनः २७ वृख्यनः २२ मूनीलः २० नील পतः २८। यम् গুণাঃ। মধুর স্লব্ধ। কবাযত্ত্ব । কাস বাত কফ শুম পিত্ত বিনাশিত্ব। गु।हित्रः। मीभनत्रः। मधुत्रः। উक्षत्रः । भी उनदुः। क्रिमाञ्चुः । ইঙি রাজনির্ঘণ্টঃ।\ভ্দ্যত্ত্ব ৷ অমুদ্র ৷ স্থা-माक्ति ज्का नामिष्य । कश्रेमाः ধনত্ব॰। কফ পিত্তাবিরোধিত্বঞ্চ ।। 🕸 ॥ দ্বিবিধ॰ তত্ত্ব বিজেন॰ মধ্-রঞ্গানুদেব চ। মধুর । তৎ তিদো-ব্যু মন্নু: বাভ ক্ফাপহ্ণ ৷৷ ইতি রাজবল্লভ:।। তাপহাার মধুর॰ वम् १९४ । इंडि दाबनियं हैः ॥ उर कन जिविष सामू साम् ः কেবলান্নক•। তত্ত্ব স্বাদু ত্রিদোষগ্ন ज्ड्मा**इ जुत्र नामन**॰ 11 वृद् करे মুথরোগয়৽ তর্পণ৽ শুক্রল॰ লঘু। कवायानुबन भूष्टि निकः (मरहा-

বলাবহণ।। স্বান্ধ্য দীপন কচ্য কিঞ্চিৎ পিত্তকরণ লঘু। অনুস্ত পিত্তজনক মন্ত্ৰণ কফাপহণ।। ইতি ভাবপুকাশ:।।

माजिमशृज्ञकः भू॰ (दाश्डिकवृष्णः। (दाश्डा इंडि थ्याडः। इंड्यमदः॥ माजिमशियः भू॰ मुक्रभक्षो। इंडि मामप्रज्ञावनी॥

षां जिल्ला क्षा भारत के प्राप्त के प्र के प्राप्त के प्र के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप

षाि भी नादः श्रु पाि भः। इंडि द्राजनिर्घणः॥

षाजिञ्चः श्रु॰ माजिमः। ইতি विका-अप्यवः॥

पाठा जी पछितिष्मशः। उर्श्वर्गाशः
। प्रश्लेश क्षेत्रः २। इंडि (इमहन्मुः
।। পূर्यना।। मम्हः। इंडि मदार्थकन्नु उकः।।

माणिका जो मूथावयवविरम्पः। माणि इंडि ভाषा। उर्भग्रायः। मः ध्रिका २। इंडि (इस्मान्द्रः।।

षाञ्जाबिनिकः वि ष्ट्रकः। ইতি (इमहन्द्रः॥

काठः वि हिमः। ই अभवः॥ काठा वि कानक डी। खट शर्यायः। रं काकः २ मूहिवः ०। ইতি विकासः (भवः ॥

माज्रहः शू॰ जी शकिविष्णयः

पाउँक इंजि जावा। जर्शरंगायः।

कानकर्षकः २। इंज्यानाः॥ व्यज्रहः

कानकर्षकः २। इंज्यानाः॥ व्यज्रहः

कानकर्षकः १ कानकर्षः ६

पात्रवः अनिजिक्षः १ कान्वितः ५

पेइंजि नद्यवायां॥ काकमम् इः

काकः। इंजि जिकाश्रामयः॥ जन

काकः। इंजि जाजनिर्वाणः॥ ठाजकः

पेइंजि प्राप्ति।। (मयः। इंजि नद्दः

रवावनी॥

माज्योहः शुः जी माज्यहः। ইতি मस्यक्षावनी॥

माव॰ क्षी अद्वितिस्यः। मा इंडि काल्या इंडिट जावा। इंडि ज्युटः ॥उ९ भर्यायः। मिविब॰२। इंडिम्बः ॥ श्रीक॰ ०। इंडि सम्बद्धावनी॥ माबी जी मानकवी। इंडि व्याकद्वगणी मादः पु॰ माडा। इंडि निकालको-मुम्यामूगामिवृश्विः॥

माधिक वि मधिम क्उवसा है जि (इमहन्तुः॥

मान् क आर्जात्। अजुकता है जि याव था हि मि। है जि कि विकल्लक मः।। मान की शब्द मा। भावन ।। (हमन ।। भूषिः। है जि (मिनी।।

व्कत्वाहेत के हैं व नधु। यग्रखनाः। कक्षद्व । मीभगद्व । कक् हर्मि (यह ना निवृक्ष। ই डि ब्राइवल छः॥ (५व-वु। जा १ : ति मन्त्रुतानक पुरारमा हन । ७९ मर्गागः। जामः २ वि**रामि**ङ ৩ উং নর্জন ও বিস্কান ও বিশা-ণন ৬ বি তরণ ৭ স্পর্মান ৮ পুতি-शाहर रु शाहरान रे निर्देशन ১১ অপবর্জন ১২ অ•হতিঃ ১৩ ৷ हेड्यब्रः॥ मायः ১८। ইভি विका-ख्यायः ॥ शुकानः ३० करनः ३५ विभुवन ३१ हिन्हिः ३५ अ॰इः हो ३३ উৎসৰ্গ: ২০ অভিসৰ্জন•২১ স্পৰ্শ: २२ विमर्गः २० क्षानाः २८ शुक्तमनः २०। इंजि मदत्रज्ञावनी ॥ 🕸 ॥ **जम्** वक्षनारि यथा। अर्थाना मुनिएड शाब मुख्या शुक्तिशाहन । हान নি স্তাভিনির্দিষ্ট ব্যাখ্যান তস্য वक्षात्त्र ॥ मणुनान यद्गानात्त्र দুব্য ত্যাগে। দানমিতি॥ৠ।।দাতা পুতিগুহी छ। ह मुकाल गंभ भर्मम्क । (नमकारको ह मानाना सङ्गात्नु-छानि विष्कृता ननना भाव मुक्ति ना ভূমৌ তোय॰ विनिः किल्य । विम्राउ সংগরস্যান্তো দানস্যান্তো ন বিদ্যু-তে।। পরোক্ষে কল্লিড॰ দান॰ পা-

वा जारव कथ॰ जावर। (गांबरज्ञ ज ख्या प्रमाट छम् जात्व १मा वसुयू ॥ यमा जून मझनाः नामक मयिक वाक्षवाः मम्राट्यकां जि भिष्ठा छ उम् ভाव २ भ् मु निः कि । भ भ भ भ শুদ্ধে সমে দেশে গোম্যেনোগলে-গিতে। বসিত্বা বসন শুক দান मन्त्राट अम्बिनः॥ 🕸 ॥ वकाःशः हर्नथमंगार नग्ननाह भागजी। भ छ॰ महमूस मिन्। र महमू॰ वछ्-गामनः।। गुनाम र्क मिन गुन मर्थि-ভsः किन्न मीयर**७। ইहा**मृक्ता दि-ভবঃ কদা কস্য ভবিষ্যতি॥ অপ-রাবাধ নক্লেশ • পুযন্তেনাজিত • ধন • खन्न॰ वा विश्वन॰ वाशि (मय निजुः ভिधीया ॥ 🕸 ॥ विक्यरेक्व मान-क न (नयाः मा तिन्द्रः। मात्राः म-वाक मर्बन्न माजात्मात ह रयाकरवर ॥ আপৎকালে চ কর্ত্তব্য দান বি-क्य अवह। यनाथा न भूवर्स्ड इंडि नाजार्थ निक्तयः ॥ 🕸 ॥ यख्वा मानः তপোজাগ্য শুজিঞ্সুরপ্রন । যর वायाः कृष्ठः नदः काि काि छन-ম্ভবেৎ।। শিবস্য বিষ্ণো রশ্নেষ্ঠ স-विषो पड नक्य। नालगाम निल्। -यब छडीर्थः (याबन हरः॥ छब मा-

মঞ্চ হোমশ্চ কোটি কোটি গুণস্তু-(वट् ॥ यस ब मूर्वा 5 ॰ मूना ॰ यसिन् कालिन वा भूनः। मानाःशि (मण-कालो (डो म्याडा॰ (मुक्ती न हान्य-থা॥ 🕸।। পাত্রেভ্যো দীবতে নিত্য बनशका भुरवाबनः। (कवन धर्मवू-क्ता यक्यरानः भूठकार्छ॥ मह्मू **७**१९ ड॰ मान॰ ज्रावन्त छ॰ गुनामियु। कर्पम्।कानिकरिक्व उथा मनुद्रता कियू।। अ।। वाहाद्र॰ रेम्थून॰ निम्।॰ नक्षा काल विव र्वायश कर्म हाथाय-नरेक्षय उथा मान भुजिगुरहो॥ 🗱 ॥ " তানসেন তু যক্তেন দানেন তপসা ख्या। निव्रत्य कचा (इफ्टा जू व् कि • वि-**र**্যা হামসী ।। রাজসেন তু যক্তেন मात्नन उপना उथा। नित्रय दर्भाया र्सं स कृत ताबा । भिया गुउ।। नाजित-न जू राउद्धेन मार्तिन जनमा उथा। (स्वलात्क धुन वात्मा (स्वनागुक्र) भिवह ॥ 🕸 ॥ भन्ना यम्हीय छ हान॰ **७**रन ड कन म् छ । मह्मु खनमाङ्य याहिट क कर्म क॰।। आणा॰ मदा श्रुनाञाद्र॰ मानकाल नित्यक्षक॰। দত্বা সম্ভপ্যতে যম্ভ ভর্মাত্ বুলি-या उकः।। (या १ मण्डाः भु छिगृशानि

স-কম্ কৃত্বা পরা স্তার্যতে হি সঃ ॥ 🗱 ॥ यम्। यम्रीयत्त्र वज्ज मलकात्रा-पि किक्षन! **তেবा- रिन्द उ**मूहार्यः कृत्वा (भाका भ्कान। छेर मृक्षा मृत म জেन भुजिनामा निर्वमस्य ॥ (या-টিভ: পুরিগৃহাতি দদ্যাদটিভ নেব বা। ভাবুভৌ গছভ: স্বর্গণ নরকংক विभर्यत्य ॥ इंडि मूक्तिउदः ॥ 🕸 ॥ দান ভিবিখ সাজিক রাজস তাম-সঞ্। সাজিক• यथा। দাতব্য মিতি य मान॰ मीयरं नूगकात्रिरा। सरम কুলে চ পাৰেচ ভদান সাত্ত্বিক म् ठ॰ ॥ त्राबन॰ यथा । यबु भुकुर-लकात्रार्थः कलमू फिला वा श्वः। দীযতে চ পরিক্লিষ্ট•। তদ্দান• রাজ-नः विष्टुः॥ जाननः यथा। जाहन काल यमान मशाखन्त की याउ অসংক্তমবজ্ঞাত॰ তত্তামদ মূদা-হাত ।। ইতি প্রভিগবদ্ধীতা।। 🗱 ॥ रुडाख॰ गा सन्दार् सि मुकारि কাঞ্চন•। পরোক্ষ• হরতে যস্তু প "ग्राम् ।न॰ भ्राष्ट्र जि॥ न म गष्ट्र जिरेव-স্বৰ্গ-দাভাৱে। যত্ৰ ভাগিন:। অনেন কর্মণা যুক্তাঃ পচ্যম্ভে নরকে ২খনাঃ ।। ইতি মৎস্যপুরাণ ॥ গ্লা নিত্য-र्नाः मण्डाः भुषष्ट् । यात्रानः । तिमिलिकारि (अरन उहत्र्विषः

यथा। निज्यः देनमिखिकः काम्यः बिविधः मान मूहारछ। हजूर्यः विम नः (भाकः नर्वपाता समास्मा चाइबाइनियर किकि मीगाउ नूश-কারিণে। অনুদ্দিশ্য ফলন্তৎ স্যা দ্রাহ্মণায় চ নিত্যক া যভুপাপো-পশাস্ত্যর্থ॰ দীয়তে বিদুষা॰ করে। रैनिमिडिक जबूफि है नान जि ब्रन्डम ।। व्यथक्र विकरियर्थ प्रशी-र्थ॰ यट भूमीया । मानखट कामा माथाङ मृविভि धर्मिष्ठिरेकः ॥ यमी अब भीगनार्थः वुकाविर नू भु দীষতে। চেন্তুসা ধর্মাগুক্তেন দান॰ ভিদ্মল শিব।।ইতি কুর্মপুরাণ **দানপতিঃ পু∙ সভতদাতা।ইতি**ছটা- ∥ ় ধর:॥ অক্রঃ। ইতি জীভাগবতণা कानवः भू॰ अभूवः। ই छामवः॥ भ मक्कन्या मनुगार्छ कन्याभाइलाङ **এक विश्व म॰ थाक (उन्न श्वा** ना (खराः नामानि यथा। बिमूर्का > माचतः २ व्यतिष्ठः ७ इंग्गीतः ४ वि-ভाবमुः ६ वारामू थः ७ मकु मिताः ० म जानुः ৮ किनाः २ व्यक्गः २० भूरनामा ३३ व्वभर्बा ३२ वकठकः ১০ ভাপनः ১৪ ध् मुरक्मः ১৫ विक-शकः ১५ विश्वितिः ১৭ मुर्क्क्यः

अश्र हिंडि क्षे जागवडं ।।

कानवजुः भू रेवणाः। इंडि भूतागः॥

कानवातिः भू क्विजा। इंडामदः॥

कानभौनः कि काजा। उर्ध्यायः। वः

कानाः वक्ताः। इंडि इम्बन्धः॥

कानाः वक्ताः। इंडि इम्बन्धः॥

कानीयः कि मण्यकानः। इंडि मुक्कः

(वाधः॥

मानः जि माठा॥ विकासः। ইতি

गिमिनी ॥ भर्मा॥ वायः । ইতি

गिक्षित्रभाद्र উपामिवृद्धिः ॥

मात्रः जि जभःद्रभमञ्दः॥ मिन्छः।

हेठामदः॥ माठा। ইতি म॰ किछः

माद्र उपामिवृद्धिः ॥ ममनकवृद्धः

भिक्षित्र वृद्य ह भू॰। ইতি द्राक्षः

निर्यण्येः॥

मासिः खी जभः द्विभगिहिक्ष् छ।। छ ८.
भर्यश्रायः। म्मथुः २ म्मः शहे छ म्मद्रः।।
माभिकः जि नाविकः। हे छ छ म्मद्रः।।
यनामिना व्यायकी कृष्ठः। हे छ छ ज्वाः। पृष्ठी हे छ थ्या छ । यस म्म् ख न हे छ ब्रमानाथः।। मिथिकः।
हे छ विम्यावित्नामः।। माथिक मुव्यः। हे छ नयनानन्तः॥ माथिक हे छ नाक्षे । हे छ का विक्रम् मान ही जी यर्जक मिन् वरु पुगुर गुरक जातक गाता वष्ठास छ । माउन हेडि मिंको हेडि ह जाका। छ ८ शर्यायः। मनतान २ । हेडि प्रमानः। ॥ तब्जुः। हेडिमासाम तम्मेना ।।। मान शर्व ही मन मन छन्नि । हेडि जिथ्याहि छ ।।

मामनी खी शण्यक्तनब्रद्धः। ७८-शर्यायः। शण्यक्रद्धः २। हे अमदः॥ मामनिष्ठः क्षी ज्ञानिष्ठात्णः। हेजि (इमहन्तुः॥ मामा खी माम। हेजि जब्रजः॥

मानाक्षन की अथारिः भामतक्षन-तब्जूः। ইতি एस्महन्मुः॥

काभाक्षतः क्री अकन्यकाङ्कितकः। अश्वासि शाह वक्षन ब्रङ्किः। ইতি ङातादनी॥

मारमामतः शृ॰ विकुः। ইত্যমतः॥ ভূতাই दिग्णयः। ইতি হেম চনদুः॥ मास्तिकः शृ॰ की वकशकी। ইতি द्राव्य विकित्तः॥ मस्युद्ध कि॥

त्राज्ञानयः है। मसुयुक्ति जा।

पाय था उ मान् । इंडि क्विक्न क्रमः॥

रायः पृ॰ (योङ्कामि (मय धन॰।

ंक्नप्रामानकाल ज्ञामा जंगिर क्रियं नु॰

ङक्षिकामो तुम्निगामिकाक यमु॰

याः भीषात छर। हेि छत्र छः।।
छर्भग्रायः। हत्र १ २। हेड्यातः।
।। मान्धे जावनः।। विज्ञत्यः
भित्रु पुराः। भानः। हेि मिन्नी
।। सानः।। थलनः। हेि मम्त्रद्वावनी।। नयः। हेड्यावस्नानः।।

सायकः वि साजा।यथा। स्ञातिगिङि सायक रेडि ङक्तित्रमाम्डिनिक्तः॥ सायवक्तः पू॰ ज्ञाजा। रेडि सक्तिज्ञा-वनी॥

" माय जागः भूण अविक्रियात्वर अञ्चिक्त थनवि ভागः। পূर्वपुवऽश्वाभिमश्रुका-धीन उर्यामु। भद्राय यव मुत्र चद्- ७व निकाल। मार्यम् उत्र विजागः। अकरम्मगउरेमाव ज् हित्रग्रामावू भाषा अञ्च मा विनि-গমনা পুমাণাভাবেন বৈশেবিক व्यवशादानर्रं उपा १वर्षि उन्र ওটিকাপাতাদিনা ব্যঞ্জন•। অথবা विर**मरिंग ভর্জ- শ্ববৃ**ক্তাপনিশ্ব) १ यब है क॰ मात्री गवामिक॰ वङ् সাধারণ তত্রাপি ভত্তৎকাল বি-**्भिक वर्ग (मार्ग कालन अव्** वाकारङ ॥ 🗱 ॥ व्यथ मायाधिकात करम भू धनाधिकात्रियः। जनारि म्डमान जित्रमणुबम्याधिकातः ।

ভদভাবে পৌত্রস্য। ভদভাবে পুণৌত্ৰস্য। মৃত পিত্ক পৌত মৃত পিতাসহক পুপৌ র্যোঃ পুরে**ণ সহ** ∦ তুল্যাধিকারঃ। এদামভাবে পত্নী থনাধিকারিণী। ভরাব॰ বিশেষঃ गद्यो धन॰ जुक्षीं वय नेजू जम्य मानाध्यन विक्यान् कर्नु गर्राठ किस ভ दु (तोर्द्ध (पश्किकियार्थ माना रि-কনপ্যনুমত। বর্ত্তনাশক্তৌ আধমন-ম্প্রন্তি তদশক্তৌ বিক্রব্যম্পি । जब्रिकेकियार्थ मथानु ৰূপণ ভৰ্ সপিও ভৰ্ ওক ভৰ্ দৌহিত্ৰ সন্তান ভৰু ভাগিনেয ভৰু भाकुलाजा मन्। । এতে वा मजार স্বপিতৃ কলে দদ্যাথ। পদ্ধভাবে দুহিতা। তহাপি পূথম প্ৰমারী। ष्यवायः वित्नवः कन्या सा वाश्विकात्रा পশ্চাৎ পরিণীতা সতী অবিদ্যমান পুত্রায়দিমৃতা তদাত**ে পিতৃদায়ে স**্ পূত্ৰায়াঃ সম্ভাবিত পূত্ৰায়া ভণিন্যা-স্থল্যাধিকার:। স্বমার্য্যভাবে চোঢা-याः भूबवज्याः मञ्जाविजभूबायाम्ह जुन्याधिकातः। अउरयाद्मक्जत्राजा-বে অন্যাধিকারিণী। এত্তযোরভাবে लि वक्षा शुब्दीन विश्ववाया नाथि-कातः। नर्वपृश्विचाद पोश्वि

न্যাধিকার:। তদভাবে পিতুরধি-কার:। ভদভাবে সাতুরধিকার: .। তদভাবে সোদরস্যাধিকারঃ। সো-দরাভাবে সমাতীয় বৈমাত্রেযাধি-कातः। उरजाय (भारत जुार्भू-वागामधिकादः । मः मर्ग्रमः मर्गि সোদর ভাতৃপুত্রেরু সংসর্গি ভ্রাতৃপু-खन्याधिकादः। **अदः नः न**र्ग्यनः नि বৈমাত্রেযভ্রাতৃ পুরে সভি সংসর্মি वियाखय जाज् পुबम्याधिकादः । যদা বৃসংসগী সোদরভাতৃপুত্র: সং नगी हारमाम्ब्रज्याज्भुव उपा उ यायू राभन विकातः। यना भूनः (मा-मन देवमाख्य जाञ्जू का मन्तर्ग-गावम•मर्गितो वा छमा উভय**रेथव** সোদর ভাত পুত্রস্যাবিকার:॥ ভুশ-ভৃপুত্রাভাবে ভ্রাতৃপৌত্রসূগধিকারঃ । অত্রাপি সোদর বৈমাত্রেয ভ্রাতৃ পুৰব্ কনো বোধ্য:। ভাতৃপৌ-बाजारव शिक्राहिबनाविकातः। অত্র সোদর ভগিনীপুত্র বৈমাত্তেখ ভिगिनी भूकरमाञ्चल । विकादः। शि-তুদৌ হিত্রা,ভাবে পিতামহস্যাধি-কার:। পিতামহাভাবে পিতা মহা অধিকার:। পিতামহ্যভাবে পিজৃ वामाधिकातः। छर्जाद निज्वा

পুৰস্যাধিকারঃ। ভদভাবে পিতৃব্য-' रुगोबन्याधिकातः। निज्वार्गो **ভাবে গিতামহদৌহিদ্র**স্যাধিকার: । পিতাম্ছদৌহিব্রাভাবে পিতৃব্য-দৌহিত্রস্যাধিকার:। তদভাবে প্র-**शिडामहत्र**ग्रिकामः । उपचारि পুপিতাম্হ্যা অধিকার:। ততঃ পিতামহ ভাতাধিকারী। তদভাবে পিতামহ ভাতৃপুত:। ভদভাবে পিতান্হ ভূ৷ত্পৌর: 1 ততঃ পুপি जानहात्रीहिरबा २विकाती । उउः পিত।মহভাত্দৌছিত্রে। ধিকারী। छम्ভार्य याजायहः । छम्ভार्य माञ्चः। उर जारव माञ्च मोयः। छर ভাবে মাতু न পু बः । छर ভাবে মাতৃলপৌত্র:। এষামভাবে সঙ্গল্য: । जञ्जलभि हिविधः व्यथसन উर्षः -তনক্ষ ভত্তপুপৌত্ৰ পুত্ৰা বধযোহধ-खनाखयः वृष्वभूभिजाम्हाम् वय **উक्षृ उना उडाम्यामावध्यनानाः म**-क्लानाः क्याशिकातः। (उवा-मजात्व डिक् उनानां कत्मगाधिकातः काः। उरजात जाहार्यः। उर-ोर्व मिष्ठः छर्नात् महरवरा-यायि वुक्कातिनः। उन्छादि गुाम

ছা: সগোত্রাঃ। তদভাবে তথা-विधाः जनानश्वताः । উक পर्या-खाञाव **उन्गामहा देख विमादा**-मिछगयुका व्याचाना धनाधिकादिनः। এতে যান্ভাবে ব্ৰাহ্মণ ধনবৰ্জ গা-काश्विकात्री। वाञ्चन धनमा जू खन-ব্দুক্ষেণপর্য্যন্তাভাবে ব্রাহ্মণান্তরস্য গ্রামান্তর্ছস্যাপি অধিকার: ৷ বান-পুছ যতি বুক্ষচারিণা প্ন প্রম जुः वृ निह्यागर्या गृङ्गीयः। जन-ভাবে চৈকৰবাসী একাশুনী বা গৃ-इोयाट। वुक्क हाजी ह चिविधः रेनिष्ठक **উপস**र्वागक **उ**व रेनिष्ठक धरन **हार्य्यत्राधिकादः । উপञ्चर्वानन्य जू** ধন॰ পিত্রাদিভিরেব গাুছা । ইভি शुः धनाधिकात्रिगः ॥ 🗱 ॥ व्यथ जी धनाधिकात्र कमः। তত समात्रीधान পূথম । तारत्र जा । छन ভাবে মাত্রা ভদভাবে গিতা। বর-**म्ख धानवात्राव्धिकात्री ॥ # ॥** व्यापाजी बनाबिकात्रकम निक्न-ণাৰ্থ॰ ভদ্দন॰ নিৰূপ্যতে। বিবাহ कालः वक्षः योजूकः धनः) जर्ज् নীয়মানা পিতৃ মাতৃ সলাৎ যদ্দন **লভতে তৎ ২ ভব্ৰ দৰ• ৩ ভ্ৰাত্** দৰ ৪ পিতৃদৰ ৫ মাতৃদৰ ৬

া শাযভা

विजीव विवाशार्थिना প्रविदेव भा-ब्रिजाबिक यम्स उ उ८ १ व्यक्षा हामन । अलह तग । श्रामि क-মিৰ্কণ শিল্প স্বভৰ্ছাৱেণান্যেৰা ग्रामि निम्नामनापूर्का विषया ॥ श्तारज्ञा यखन नक्त उर >० भूव-मख॰ ১১ माजूनामिमख॰ ১২ विवा-राट भव्रजः भिवामिना ভर्जामिना क यम्ब १०। छर्ने स्व सावज्ञानि-ब्रिकानात्मरज्याः धनानाः जी मानाः **रिक• कर्नु मर्शन्। #11 जरहर्न जी খনে নিৰ্কাপিতে তস্যা**ণ নৃতাযাণ **उद्य**नाथिकाद्गा निक्न भारत । उत्र योजूक धरन क्यार्यताः नुषम्यश्व-ৰুন্নঃ। ভদভাবে বাশ্বভাষা: ভদ-ভাবে চোঢাষা: পুত্রবত্যা: সম্ভাবি-छ পুबायान्ह यूगणमधिकातः। उन-ভাবে वक्षा विष्वत्या सुना वस्यिकातः । তত্র স্মারী বাশ্ভা জাতাবিকারা-नस्त्र॰ পরিণীত। সতী পশ্চাদ্দ্যা-(बनावष्डा भूबमन् भारेम् उव विषवा ভ্তাবা ভদা তদ্যাণ মৃত্যাযাণ ভ<্ न का अभाव्यान उक्तित्याः भूव-वजी मंझाविज পুजरगात जारव वक्ता विषवयात्रभाष्ट्रकातः। मर्बन्हिक-ভাবে পুত্রস্যাধিকার:। পুত্রাভাবে

सोहिता १ विकादी सिर्वाचीत ्लोबः। उर्जाद गुलोबः। उर ভাবে সগন্ধী পুৰ:। তদভাবে সগন্ধী পৌত্র:। ভদ ভাবে সপদ্বীপুপৌত্র: **७७८ १ य्या छा जात व्यास रेम वार्य १** क्षर् नाबान ज्याचा विवाह नक्षक वक्ष যৌতুকখনে ভর্ত্তিকার:। ভর্ত্তর ভাবে ভাুত্ব:। তদভাবে মাতাধি-কারিণী। তদভাবে পিতা। সপত্নী পুপৌর পর্য্যন্তাভাবে আসুর রাক্ষস रिममाहाथा विवाह जिक समारोजू क धरन जू शुथमः माजूत्रधिकादः। তদভাবে।পতুঃ।পিতুরভাবে ভ হু : ॥ # ॥ व्यथार्थाजूक जी धनाधिकात्रि কনং। ভত্ত বিবাহ পূর্বাপর কাল **शिक्रब** (योजूका ज्ञामिकिकिक श्री थरन कन्त्रा शृबरया यू ग्लमधिकातः । তথোরেকতরাভাবে অন্যতরস্য তত্ত্বন• তথোৰ্ঘারভাবে উঢ়াবাঃ পুৰ্ববস্তাঃ সম্ভাবিতপুৰাযান্চ তু-**न**ऽवम्थिकातः। अञ्चारत्रक् खता-ভাবে অন্যস্যা অধিকার:। এত-(या र्घरात्रजात (भोजः। (भोजा-ভাবে দৌহিব:। তদভাবেপুপৌব: । তদভাবে সপত্নীপুত্র: তদভাবে मभन्नीरभोजः । उम्लाद मभेदी

পুপৌর্ক্রৌধিকারী। ততো বন্ধ্যो\বিধ-वा ह जून । वरिकातिया। वर्णका রেকতরাভাবে চান্যতরস্যা:। বন্ধ্যা পুৰিষবাপৰ্য্যন্তাভাবে যৌতুক বং ব্যা नामि विवाह शक्क विवाहिजाया ধনে ভৰ্ ভ্ৰাত্ মাত্ পিতৃণা• কম-(भा श्विकांतः । विवाह काल उ পূর্বাপর কালে বা জীয়ৈ যন্ধন পি-वा रख॰ তव थान পृथम॰ कूमार्गाः। তদনন্তর মৃদ্ধোঃ পুত্রবতী স ম্রাবিত भूवर्तीः। जनगडतः वक्ता विधवर्ताः শ্চাধিকারঃ। সর্বদুহিত্রভাবে পুত্রা-(म यो जुक धनाउत व< करमणिधन</p> কারঃ। ততো বান্ধাদি বিবাহ পঞ্চ-ক লব্ধ যৌতুক খনেযু পিতৃ পর্যন্তা-ভাবে আসুরাদি বিবাহ ত্রিক লব্ধ যৌতুক খনেষু চ ভর্ত পর্য্যাভাবে দেবরাদে রবিকারঃ। তদভাবে দে-বর জুত্ খশুরযোঃ সূতানা যুগপ-দধিকারঃ। এতেষা মভাবে অসপি-ণ্ডোপি ভগিনী পুৰুঃ। তদভাবে ভর্ ভাগিনেশঃ। তদভাবে ভ্রাত্ সুত। उरजात जानाज। जामाञ् भर्य खाञाद मिश्रामस्य कर्मण येणुत ख्रुक् चनुतारीनाः मिश्रानामि कातः। मिल्राजात् मकुन्ताः म-

मातारकाः मरगाजाः ममान भूव-व्राण्ड श्रु श्नव क्या भाषिकातिनः। এতং সৰ্বাভাবে ব্ৰাহ্মণী খনে ৰুণা-म्भावियाम इधिकाइः। क्ववियानि ধনেরাজ্ঞ এবাধিকারঃ৷ইতি দ্রীধনা-ধিকারিণঃ।। 🟶 ।। অথ বিভাগানধি-কারিণঃ। শ্লীব পতিত জাত্যন্ধ জন্ম-বধির উমাত্ত জড মূক পঙ্গু পিতৃ বিট্-নিরিন্দুযৌপপাতিকাচিকিৎস রো গার্ত্তাঃ পতিত বর্ধ-এতে ভরণীযাঃ৷ পতিত পুত্ৰবৰ্জ মেতেষা পুত্ৰা যদি निर्फायाः जमा नागिनः। क्लीवामी-ना॰ অপুত্রা ভার্য্যাঃ यनि সদৃত্তা छना ভর্তব্যাঃ। এষা॰ দুহিতরে। বিবাহ পर्यप्रञ्ञ ভরণীयाः॥ ৠ। অথাবিভাজ্য বিভাগ্যধন নিৰ্ণয়ঃ ৷ তত্ৰপৈতামহ• পিত্রজিত সাধারণ ধনোপবাতে-নাৰ্জ্জিতঞ্চেতি ত্ৰিবিধণ ধনণ সৰৈরেব বিভাজ্যণ কিন্তু তত্ৰাৰ্জকস্যদ্বাবংশৌ অন্যে নেকৈকা শঃ সাধারণ ধনা-न्भवार्जन त्मोर्याश्चार्थः धनः वदः সাধারণধনাৰীপ যাতেনার্জিত বিদ্যা थनः . शिज् शिज्वतारि शुनारारिना লন্ধ: খন: ভাৰ্য্যাপুষ্টি কালে লন্ধ: ধন নিত্তা পাুগু ধন আর্তিগ্র লব্ধ এতান্যবিভাজ্যানি। বিদ্যা

ধনস্ত সম বিদ্যাধিক বিদ্যেভ্যোদেয় **এव॰ यिन विम्यागन्य अनु** কুটুম্ব মপরো ভ্রাতা মধন ব্যব শরী-রাগাসাভ্যাণ বিভর্ত্তি তদা ভদ্বিদ্যা-র্জিত ধনে মূর্থ স্যাপি অপর ভ্রাতু-র॰শিত্ব॰। স্বকুলাং পিত্রাদিতো লব্ধ-বিদ্যাৰ্জিত খনে তু সংৰ্বাণ মূৰ্থা ॥ मृर्थाना मः निष्यः। विष्ठा धनः यथा। যদি ভবান্ ভদুনুপন্যস্যতি তদা ভব-তে এতাবদ্ধন দাতব্য ইতি পণিত তত্র ভদ্যোপন্যাসেন যৎপণিত ধন লব্ধ ত**্ৰ অধ্যাপিত শিষ্যা**দ্বল্লব্ধ ' ৷ ঋত্বিক্ কর্মা করণেন যজমানা দ্বিকি-शांकिक शः वकः धनः । यः कि श्रिः বিদ্যাযাঃ পুশে কৃতে তত্ৰ সন্যুগুত্ত-রেণ পরিভোষাদপণিত মেব কিঞ্চি-क्षन प्रपाठि उर । या श्विन् भा-खार्थ मन मः भय मंगनयि उरम সুवर्गानिक मिन नामामीजुरक छम्। मः भय भभनीय यहातः। वाहि-**नाः कु विविध विविध अस्मार्थ निर्धाय** করণার্থ মাগতযোঃ সম্যাভ্যাৰপণে-न यल्लकः। भाजािित्यु मञ्जानः शुका-भा। शुिंगुशामिना यहासः। उथा ত্যর্থ বাদাদ্বাদ বিচারে বা পর নির্জি-छ। यहाता। अकिमन् (मर्य वस्ति वस्-

नाः द्वी ऋगानाः अमूत्यात रयन शुक्ष र्खिममधीला यहासः । চিত্রকর সুবর্ণ-কারাদিভিঃ শিল্লিভি মূল্যাদধিক यल्लकः। দূ্যতেনাপি পর • নির্জিত্য य-ল্লব্ধ । এতানি অবিভাজ্যানি ॥ 🗱 🏗 क्रभामख्रागंजः मुव्य मत्मान क्रजः यि नायानामा ममूमञ्जा लिया त्मक-তরেণ সাধারণ ধনানুপঘাতেন ইত-ু র ব্যাপার নৈরপেক্ষেণ চথন মুদ্ধরতি তদা তদ্ধন মুদ্ধার করু রেব। ভূমিস্ত यि व्यति। र्ञ्जा शकताकृजी जना-স তুরীযা•শ•গৃহীত্বা অবশিষ্ট ভাগ ত্রয়ণ অন্যৈঃ সহ সমণ বিভজেৎ। অ্য নিম্বৰ্যঃ বিভক্তেনাবিভক্তেন বা সাধারণ ধনানুপঘাতেনাপর ব্যা-পার নৈরপেক্ষেণ্যেন যদক্ষিত তত-দৰ্জক সৈত্ৰৰ নতু তদ্বিভাজ্য মিতরৈঃ । किन्छ विम्रानिक धननाविवित्नयः সচপুাগে বাভিহিতঃ৷ অস্বযোজিত वज्रमलकातः अशामि वाहनः लड्ड-কাদি কূপবাপ্যাদিগত পিত্রাদি স যদ্ধিজল• দাসী ব্যতিরিক্তা দ্রী গো-পূচারঃরথ্যা এতানি নান্যধনবদ্বিভা-জ্যানি কিন্তু স্বব্যাপারেণ তদ্গৃহী তব্য এব স্বস্থ ব্যাপারোপযুক্ত শ্ব নভোজন পাত্রাদি ন বিভজনীয় খেন

मायञे . पर्ग्रीके उउत्मात। भूख कड मेर्थन / গুৰ্ছ • কিন্তু পণ্ডিতেন তদন্তৰ্গত ধীং न जून। मुवाउतः म्नारमव वा मञ्चा গুহীতব্য এবং শিল্পিনা শিল্পোপ 🗸 কুক দ্ব্যা নাশিলিনা ত্রাপিপুত্তক বন্ধ্রহা। পিতরি জীৰতি যদিন্ বা-প্রৌযেনগৃহোদ্যানাদিক কৃত তস্যন বিভাগঃযদ্যপরেণাপি বাস্তৃত্তরে তথা কৃত ।। 🕸 ।। অথ সংস্প্ত বিভাগ ক্র-गार्थ गामि मः मर्ला निक्राउ । পিতৃ ভ্রাতৃ পিতৃব্যানা নন্যতরেণ সহ বিভক্তঃ সন্ পুন রনেগ্রন্যেছ্যা পূৰ্কৃত বিভাগ মপেক্ষ্য যত্ত্ব ধন তমমধন যমম তত্ত্বাপীতি ব্যব-স্থা একগৃহি ৰূপত্যানস্থান সং সর্গঃ।। অথ সংসৃষ্ট বিভাগঃ। অত जुाठ्गाः ज्ञात्रयाः जुन् मम्बिनाः वा मः मर्ग्यमः मर्गिगाः मरक्ष्यमः मर्गिः ণামেব পূথম • মৃত স • সর্গি ধনে **ং**ধি • কারঃ। তদভাবে তথাবিধা সংসর্গি-ণামিতিক্রমঃ।। #।। এব॰ यদা পিতা পুত্রান্ বিভন্ত যথা শাল্ত ভাগণ গৃহীত্বাপুত্রৈঃ সহাসংস্টএব পুত্রা-· खत्र मूर्भान्। मृज्छना विভागानस्त ক্যাত পৰ তদ্ধনাধিকারী নপূর্ধবিভক্তঃ এব পূৰ্ব ভ্ৰাতৃ বিভাগেপি বিভক্ত

बना नांभिष् । यिनजू यन कन চিৎ পুত্রেণ সংস্থঃ সন্ পিতা মৃতঃ তদা তদ্ধন সংস্থ বিভক্তজাভ্যা সম· বিভাজ্য· যথা ধনে তথৰ্ণে**পি।** যদ্যবিজ্ঞাত গৰ্ভাযামেব ক্সিয়া পুত্ৰা বিভক্তা স্তম্নৰ্ভজাতো বিভক্তদুব্যাণ্যে-কীকৃত্যপুনৰ্বিভন্ত স্বাংশংগৃহীযাৎ নতু বিভক্তজেন সহ পিতৃ দুব্যে **२•শিন্ত•॥#॥ অথপিতৃক্ত বিভা-**গো নি ৰূপ্যতে। যত্ৰ পিতৃক্ত বিভা-গ স্তত্র স্বোপার্জিত ধনে পিতুরি হৈব 'নিযানিকা। পিতানহ ধনে জু মাতৃ রজোনিবৃত্তি সহকৃতা তদিছা নিযা-মিকা ৷ স্বোপার্জিত ধনে পিতা ইছ-या धन- गुरीजू- माङ्गाजि करेमिहिम-थिक॰ करे मि हिम्रान॰ मा जूगई जि। रेश-তামছ ধন বিভাগে তু পিতা স্বয় ম•-শ দ্বৰ গৃহীত্বা পুত্ৰেভ্য একৈকা শ দদ্যাৎ। কিন্তু পৈতামহ মণি মুক্তা পुरालामियू निज्धमाह नाउ स्मिन-वक्ष विभागान उठाय न या इन्तु । या र्कि-ত ধন বিভাগে পিত্রা অপুত্র পত্নীভ্যঃ ধন• ন দত্ত• ক্ৰী ধনে দত্তে সতি অৰ্জ• দেয । পুত্র কর্তৃক বিভাগে ত বিমা जू व॰माजावः ॥ # ॥ म्मुना नानी

भूरवानि निज्तिह्या भनिनोज बी জাত পুত্রেণ সহ তুল্যাধিকারী মৃতে পিতরি তদ শার্জাধিকারী। তথা বিধ ভাৰভাবে দৌহিৰে চাসতি গি-তু: সর্বধনাধিকারী সতি দৌছিত্তে তেন সহ তুল্যাধিকারী ॥#॥পিত-রি মৃতে মাতরি জীবন্ত্যা পুত্রাণা विजारगा न १ बर्गाः यि की वर्णाः मा-তরি বিভাগণ কুর্রন্তি ভদা মাতাপি পুত্র তুল্যা শ ভাগিনী। বিমাত্ র भाजायः किंख जा शुकाहामनारिना ভর্ত্তব্যা। এবং পিতামহ ধনে পৌক্রৈ বিভন্তামানে পিতামহ্যঃ পৌত্র তু-न्तराः भंजाशिनाः ॥ 🟶 ॥ अंतरमन म्खकारीनाः विভागে खेत्रमगु ष्ठाः भित्रः नवर्ग मखकारम রেকৈকা:-শিত্ব ৷ বিভাগস্ত পিত্রাদে র্ধনিনঃ খণ পরিশোধ্য তদবশিষ্ট ধনস্য করণীয়ঃ। উত্তমর্ণেছ্য। বিভন্ত্য বা ত म्गः भितित्माधनीयः। একেन ज्राजाः দিনা বহুপোষ্যত্র্যা যত্রাধিক ভুক্ত তত্র ন বিভুক্তাংশে। বিভাগ মধ্যে शुर्वमनीयः । किन्न जुकावनिष्टम्। विष्ठामान धनरेमाव विजागः कार्याः ॥ 🟶 ॥ অস॰কৃত ভুত্ত ভগিনীনা পৈতৃক ধনেন সংস্কারঃ কর্তব্যঃ।

नायान

বিভাগ কালে কেনচিমিছ্ তদ্য প্রশাহ পুরিষ্ঠা সমভাগঃ কর্ত্তব্যঃ । ভুগাদিনা ক্তাশাদ্রীয বিভাগ ধনস্য পুনঃ শান্ত্রীয বিভাগঃ কার্য্যণ ॥ 🗱 ॥ অথ বিদেশাগতস্য বিভা গঃ। বিভক্ত হা দশাখা• দেশান্তর-গতস্য চিরকালানম্ভরাগতস্য স-প্তম পুৰুষপৰ্য্যন্ত তং সন্ততে রূপি भोन मामलामिना वा यकाशन शू ৰ্বক কনাগত ধনাং যথা শাস্ত্ৰ ম শভাগিত্ব মিতি স্থিত প্ৰবা ব্যবস্থা विरम्भागं विषयिनी रम्भ विष-যেতু ধনিন চতুৰ্থ পৰ্য্যন্ত এৰ তদ্ধন বিভাগার্হতা। সাধারণ ধনেপি স্বা॰শ দান• কর্ত্ব্য•। ইতি 🖺 কৃষ-**जर्कानकात्रक्**ठ कम्म•गुरुः॥ 🗱 🔢 দেশস্য জাতেঃ সংঘস্য পর্মো গ্রাম-স্যয়ে। ভূহঃ। উদিতঃ স্যাৎ স তেনৈব দায়ভাগ পুরুদ্রবেৎ ॥ ইতি দায়তত্ত্ব ।।

नायविज्ञां श्र. नायजां त्रः। यथा । किः नायम्। विज्ञां ता विज्ञां व यववः। किया नायन मह विज्ञाता। रमः युक्त वः। हेि की मृजवाहनः॥ नायामः श्र. मिश्रः॥ श्रवः। हेकः मदः॥ रायारी जी कन्या। इंडि मदार्थकन्न তৰঃ ৷৷

দাযিতঃ ত্রি দাপিতঃ। ইত্যমর-টাকাথা•ভরতঃ॥

मायकः भूः भूवः। इंडि रश्मान्सुः॥ वानकः। ইতি अमिनी॥ मानकः। ইতি শদার্থকন্নতকঃ॥

দারকঃ ত্রি ভেদকঃ। ইতিমেদিনী ॥ ं গ্রাম্যশূকরঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। দারকর্ম শ্লী বিবাহঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-(नियः॥

पातन॰ क्ली कठक·। ইতি **শ**प्रान्तुका ॥विमात्रनः। यथा। माकमात्रनभरेषः ममारुज । ইতি नीमावजी ॥

मात्रमः शू॰ मत्रमामाख्यविषाज्यः । ইত্যনরঃ॥ পারদঃ॥ হিঙ্গুল । इंजि लिमिनी ॥ ममूमुः । इंजि श्रावनी॥

मात्रतिवञ्च शृ वक्शकी। इंडि ত্রিকাওশেষঃ।।

मात्राः शूर कार्या । वश्ववनात्काश्यर । ইত্যমরঃ।।

म्लद्गा की माताः। ইত্যমন্ত্রটীকাষা . ভরতঃ॥

कन्नज्यः ॥

मात्रिका जी कन्ता। इंछि अधारतः॥ मातिजः विक्ञनात्रनः। उर्भर्गायः । ভিন্ন: ২ ভেদিত: ৩। ইত্যমর:॥ मातिमु १ क्ली मतिमुजा। यथा। भुगीय-मातिमु प्रतिमुजाः नृभः। ইতি नि-यश् ॥ निर्यकाद्वारखाश्रायः ॥ দাক ক্লী পু• কাঠ•। ইত্যমরভরতৌ।।

माक क्री प्रवसाय।। शिखन । ইতি व्यक्ति॥

मानः वि मिन्नी ॥ मात्रकः। इंछि ধরণী ॥ দাতা। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ माक्क क्षी (स्वमाक । ইতি রাজ-निर्धण्डेश

দাককঃ পু• ত্রীকৃষসারথিঃ। ইতি ত্রিকাওশেষঃ।।

मानकम्बी की वनकम्बी। इंछि त्राजनिर्यण्डः॥

मासका जी काध्ययजी। कार्छत भू-जून इंजि जागा। जर्भर्गागः। পুত্রিকাই দাক জী ৩ শালভঞ্জিক। अ मानज्ञी **८ मानाभी ७। ই**তি अपन्तरातनी ॥ मानशुक्तिका १ कू-কণী **৮ শাদ**পর্ভা ৯। ইতি হারা: वनी भ

साबिः की विस्तावकः। इंडि मकार्थ- प्रारम्भा की ठीए। नाम शक प्रयुः । े रेजिकानिसंख्या

नागर

माक्गर्छ। जी माक्यमुखी। इंडि श्वावनी॥

मास्कः भूः भर्मनः। ইতि भद्राष्ट्रा-বলী॥ কাণ্ঠনির্মিতে ত্রি॥

দাৰণঃ পু• চিত্ৰকঃ।ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ ভযানক রসঃ॥ ভয়ংইতৌ বি । ইত্যমরঃ 🏗

माक्षिमा क्री माक्ष्रतिमा। इंडि तक्षाना ॥

मार्गवी की रिक्नुभवी। ইতিরাজ-निर्घ छै: ॥

রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

मारुश्विक। जी मारका। इंछि श-त्रावली ॥

দাৰ নুখ্যান্ত্ৰ জী গোধা। ইতি রাজনির্ঘণীঃ ॥

দাক্ত্ৰী শ্ৰী দাৰকা। ইতি ত্ৰিকাপ্ত-শেষঃ !!

नाकर्तिना जी सनामश्राज्यक বিশেষ্ঃ। তংপর্য্যায়ঃ। পীতকঃ ২ कारणयकः ७ रतिकः ८ माद्ये C পচল্পচা ৬ পর্জনী ৭। ইত্যনরঃ॥ পীতিকা ৮ পীতদাৰু ৯ ছির্য়াগা > क्रामिनी >> कर्डकर्एकी पर शर्कन्या २० शीजा ३८ मा समिना ३०

मार्चाया

কাদ্ৰীয়ক ১৬ কামবতী গণ দাৰ-भीज >> वर्कानी भाग वनग्र গুণাঃ। তিক্তন্ত্ব॰ । কটুন্ত্ব॰ । উঞ্চন্ত্ব॰ । বুণনেহ কণ্ডু বিসর্প ব্রণ্যেষ বিষ-. কর্ণাক্ষিদোষ নাশিত্বঞ্চ।ইতিরাজ-নিৰ্ঘটঃ॥ কফ পিত্ত শোপ নাশিত্ব॰ ৷ বিশেষেণ কফাভিষ্যন্দ নাশিত্বঞ্চ । ইতি রাজবল্লভঃ ॥

माक्रुकः शुः कार्धनिर्धिण्रुखः। কাষ্ঠের হাতা ইতি ভাষা। তৎ शर्यतायः। जमृः २। इन्त्रतः॥ माक्षीण की माक्रिति । इंडि मार्चमवः वि मीर्घमव यात्र छवः। ইতি দিদ্ধান্তকৌমুদী॥

मार्गः क्री मृष्ठा। मृष्टमका ए जावार्थः क्षु शुजुरयन निष्णम ॥

मामू ति की मिक्गावर्ड नहः। करु॥ - बन । इंडि भरार्थकन्नु कः ॥ मम् त्रथर्गन्छ॥

দার্বট• ক্লী চিন্তাবেশ্ম। ইতি হারা वनीं॥

माई ७ १ गृ गृतः। ইতি नदार्थ-কলতকঃ ॥

मार्वाघारः शुः भाउभवकभक्ती। का ঠঠোকরা ইতি ভাষা। ইত্যমরঃ॥ नार्वायाञः श्रुः नार्वायार्वभक्ते। इंडि . भदत्रवावनी॥

দাৰি না স্ত্ৰী সাথো ভবতুথ ।। গো-জিস্থা। ইত্যনরঃ।।

দার্থিপত্রিকা দ্রী গোজিস্থা । ইতি রহুমালা।

দারী জী দা কহরিদা।। গোজিসা। ইতি নেদিনী।। দেবদা ক।। হরিদা। । ইতি বিশ্বঃ।।

দারী ক্বাথো ভব ুলী রসাঞ্জন । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ কৃত্রিমরসাঞ্জন । ইতি রহুমালা॥

मार्यमः बि मृष छवः। ইতি मिष्का छ कोनुभी ॥

माल क्री वन्यभु। इं जिम्मसार्थकत्र ज्यः ॥ इन्द्रनील मलाकात मृक्ष-निक्तिर १ भ में क्ष्म कार्रेत्राच्य ज्वः भर्ष । ज्यमुख्याः । कृष्ट्रेन । क्षायजः । ज्यमुक्त । मध्यकः । भिख्ताय कार्तिष्थ । इं जिज्ञाक-निर्विष्टः ॥

मानः श्रु॰ क्षिपुरः। ইতি ह्महन्दुः॥ मानदः श्रु॰ ছाবরবিষভেদः। ইতি হেমहन्दुः॥

माना की महाकानः। ইতি ভাব-পুকাশঃ॥

मानिका की महाकानः। ইতি ভাব-পুকাশ:॥ দালিমঃ পু• দাডিমা । ইত্যমর-টীকাথা• ভরতঃ॥

मानी की (स्वमानी नजा। इंडिं जाजनियंग्डेश

দানুঃ পু• মুনিবিশেষঃ। ইতি দাঁই^{নু} ভারত• ॥

দাল্মি: পু• ইন্দুঃ৷ ইতি ত্রিকাওশেষঃ৷
দাবঃ পু• বন• ॥ বনবহিঃ ৷ ইত্যমরঃ
॥ অগ্নিঃ ৷ ইত্যমর টীকাষা• নীলকণ্ডঃ ৷ উপতাপঃ ৷ ইতি ভরতকৃত
িরূপকোষঃ ॥

नावाणिः भू वत्नाख्याणिः। उर भ-र्यापः । नवाणिः २ नानानणः १। इंडि नम्बद्भावनी ॥ नवः ६ नावः ६ । इंडिअतः ॥

मावानणः श्र॰ मावाणिः। ইতি भप-बद्यावनी॥

দাবিকঃ ত্রি দেবিকাননীসম্ভবঃ । ইত্যমরঃ॥

मामा न त हि॰ সনে। ইতি কবিকল্ল-

माण अध्य क मात्रा इंडि कविकन्न-क्यः ॥

राण स क रात । इंडिकविकद्र इमः॥ राणः मू॰ ख्जाः हिंचामंत्रं तीकामा॰ त्रमानाषः ॥ नामभूषः द्वी मणभूतः । इंड्यात-होकायाः सामी ॥

सामत्रभः भू श्रीतामः। ইতি भक् तदावनी ॥

सामतिषुः श्रुः वितामः। ইতি एम-हन्मुः॥

माणार्थः भू॰ विकृशः। इंडि एक्स्टन्तृशः। मणार्वरमण्डणः॥

हात्मत्रकः शू॰ भावत (हमः । ইতি विकाश्रामयः ॥

विकाश्यम्यः॥

माथः वि माठा। ইতি जिल्लेष्टः॥

माथान् वि मखनान्। ইতি मृथस्वाथः।

माभ का न द्राव। ইতি कविकन्नक्रमः॥

माभ थ क मान । ইতি कविकन्नक्रमः॥

माभः श्रूः भृषः॥ खाठावा।। धीवतः
। ইতি মেদিনী॥ मानभावः। ইতি

विश्वः॥ भृषानाः नामाञ्ज श्रावाङः

माणि विष्यः। यथा। भर्माञः

द्राक्षनम् मृत्राः। वर्षाः क्रवियमः

ह। इत्र मामाञ्चकः नाम श्रुभेदः

देवभः भृष्याः॥ ইতু द्राह्यद्रशः॥।

मामारक मीयरक यरेया महा ठाकत

रैंजि जाया। जर्भर्यायः। ज्जुः

২ সানেরঃ ৩ দাসেবঃ ৪ গোপ্যকঃ

क्रिकेन अ निर्वाह्य १ विक्स

रेशुवाः २ ज्बिवाः २० भनिहान्नकः

১১ । ইতনেরঃ॥ প্রেব্যঃ ১ই প্রেবঃ ্ ১৩ পৈুৰঃ ১৪। ইতি ভরতঃ॥ পরি-कर्या २० शक्रिक्तः २७ महायः ३% উপস্থাতা ১৮ সেবকঃ ১৯ অভিসরঃ २० व्यनुगः २३। म शक्षम्म विधः। যথা নারদঃ৷ গৃহজাত স্তথা ক্রীতো नत्ता नागानुभागजः। जमाकान **ज्ञ खबनाहिक: यामिना ह** यः ॥ নোক্ষিতো মহতশ্রণৎ যুদ্ধে প্রাপ্তঃ পণে জিতঃ । তবাহ মিত্যুপগতঃ পু বুজ্যবসিতঃ কৃতঃ 🛭 ভক্তদাস-**क विद्याय अर्थिव विद्याक्**ठः । বিক্রেতা চাত্ম নঃশাস্ত্রে দাসাঃ পঞ্চ দশমৃতাঃ।। অস্যার্থঃ। গৃহজাতো माम्रामू भारः । मायामुभागजः क्रमागठः। यमाक्षिण्ठः मुर्ভिकः পোষিতঃ স্থানিনা আহিতো বন্ধকী-কৃতঃ ৷ মোক্ষিতঃ ঋণমোচনেনা-শীক্তদাসঃ। তবাহ মিতুপোগতঃ कन्राभामानः नन् स्यः मानाद्वन দত্ত ৰূপঃ। পু বুজ্যাবসিতঃ সম্যা-न जुरे: । क्ठः क्निहिमिनिस्डन अजाबर काम गर्गहर ज्याहर माम ইতি কৃত সমযঃ। ভক্তদাসঃ সুভি-किर्गि उकार्य महीवृत्र मान्।ः। বডবাকৃত: বডবা দাসী তালাভা-

मदी कृष माग्रः। इंडि बीक्ष-্তকালদারকৃত ক্রমস•গুহঃ॥তন্য ॥ কর্ম যথা। কর্মাপি দ্বিবিধ জ্রেয मणुं भूं ज भिवह । अभुं ज मान কর্মোজি • শুভ • কর্মকৃতা • মৃত • ॥ গৃহদ্বারাশুচিস্থানরপ্যাবক্ষর শো थन । अशाक न्यानिताहिश्व विगूज গুহণোজ্ঝন ।। অশুভ কর্ম বিজে-য় শুভ মন্যদতঃ পরণ ইতি মিতা-कताया नातमः॥ विशुग्र किहता ভূপো বৈশ্যে ভূপস্য ভূমিপ । मर्खिया॰ किहताः मृमु। वाक्रामा **न्य** थि ॥

मामनिक्ती जी मठावर्छी। ইতি भदत्रवावनी॥

रामभूत^{ः ।} ज्ली किवडी मूखकः। इंडि **न**मज्ञावनी

मानिका जी मानी। ইত্যমরটীকাযাণ ভরতঃ ॥

मानी जी जुिक्या। इंजियमिनी॥ उ शर्मायः। कर्मकती २। इंडि मुक्षातात्रशा मामनर्गाय नदाः जी-लिक्ट **अम**्राः भर्यत्राया ভविष्ठ ॥ काकबद्दा ॥ नीवामानः ॥ नीविषणी । ইতিরাজনির্ঘন্তঃ ॥ পীতবিণ্টী ।

ইতি রয়মালা॥ বেদী। ইতি বিশ্বঃ ॥ শ্দুপত্নী কৈবর্ত্তপত্নী চ ॥ नामीमञ° ही नाम्याःमञा। ইত্<u>र</u>-मदः ॥

मारमयः शृ॰ मानः। इত्यातः॥ रैकवर्जः । इंडि नमत्रशावनी ॥ मारमार शक्त वि॥

দাসেথী স্ত্ৰী সত্যবতী। ইতি ত্ৰিকা-खल्मयः ॥

॥ मारमतः शु॰ मामः॥ ইত্যমतः॥ कৈ-বর্ত্তঃ। ইতি শব্দরত্বাবলী॥ উষ্ট্রঃ॥ দাসিকাপত্যে ত্রি। ইতি মেদিনী ৷৷ বিশেষতঃ॥ ইতি বুন্ধবৈবর্জেগণে- । দাসেরকঃ পুণ উষ্টুঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ मात्रीतृजः। इंजि शक्रावनी॥ দাস্য॰ ক্লী দাসস্য ভাবঃ। দাস্ত্ব॰। यथा। अहंन॰ वन्तन॰ नञ्जाका भः সেবন মেবচ। মারণ কীর্ত্তন শশ্ব-स्गून भुवन भीक्निज् ।। निविसन॰ यम्। मामा नवशा ভक्तिनक्रन । ইতি বুদ্ধবৈবৰ্জে পুকৃতিখণ্ড।।।

मारुः शुर परंगरा जभीकत्रपरा। अथ नवमार विधियंथा। गठभाग- ऋ। ३१ পুত্ৰাদিঃ মাত্ৰা অন্ন কৃত্বা স্থাপথে ! ্ততোগতপুান ক্লাপযিত্বা বাসসাসর্ব > नतीत माहाम्याखीर्व कूनायाः ज्-स्रोहिक्शिनित मः शायर। उठा

ষ্তেনাভ্যন্ত্য ওঁগ্যাদীনি চ তীর্থানি যেত পুণ্যাঃ শিলোচ্যাঃ। কুৰক্ষেত্ৰঞ্চ পঙ্গাঞ্চ যমুনাঞ্চ সরিদ্বরা ।। কৌ-শিকী চন্দুভাগাঞ্চ সর্বপাপ পুণা-শিনী । ভদাবকাশা গণ্ডক্যা সর-যূ॰ পনসা- তথা ॥ বৈণবঞ্চ বরাহঞ্চ তীর্থ পিণ্ডারক তথা। পৃথিব্যা খানি তীর্থানি সরিতঃ সাগরা স্তথা ।। ইতি চিত্তবিত্বা পুনঃ স্নাপযেৎ 1 বন্দ্রান্তর• পরিধাপ্য উপবীত মুক্ত-दीयक पदा हन्तनारिताशविश्व कर्न নাসিকা নেজ হুহ মুখা নাকেষু সন্ত[ু] " ছিট্ৰেষু সগুসুবৰ্ণ খণ্ডিকা স্তদভাবে কা•স্যাদি খণ্ডিকা নিঃক্ষিপে**ংত**তো বস্ত্রাস্তরেণাদ্বাদ্যবহেযুঃ। বহনকালে षाग्नावद्यः जनमार्नः वर्षार्षः ত্যজেৎ অৰ্দ্ধণ পিণ্ডাৰ্থ মবশেষযেৎ। ততো ংশ্ৰিদাতা পুত্ৰাদি শ্চিতা ভূমৌ গত্ত্বা তদমার্দ্ধ তিলসহিত পিও-मानिकर्खवाज्या उँ मृखः । मा यथा गानियाना निष्ठायाः ज्यो পাতিত বাম জানুঃ প্রাচীনাবীতী কুশন্লেন ওঁ অপহতা সুরারক্ষা সি বেদি সদ ইত্যনেন দক্ষিণাগু রেখা कर्या ए उन्निति कूनानाखीर्य उन्ह পুত সৌম্য গম্ভীরেভিঃ পরিভিঃ

পূৰ্বিণেভি দেহি মভ্যু দুবিণেছ ভদু• রবিঞ্চনঃ সর্ধবীর· নিয় ইত্যা-বাহ্য সতিল জলপাত্র বামহস্তা-फक्ति श्राप्त गृशीया अँ अम्यामूक গোত্র প্রেতামুক দেব শর্মানবনেনিক্ ইত্যবনে জযে । । । जन्मामूक गाव প্রেতামুক দেবশর্মনেতত্তে ২ন মুপ-তিঃতা॰ ইতি বানহস্ত গৃহীতান शाबारमः मिण्यः मिक्षा श्रायन ग्रीजा कूरणाश्रीत एम्रार्। शिख-পাত্রপুক্ষালন জলেন তদুপরি পুত্র-वत्नकनः ज्रुकीः शक्षारिमानः সान-গেতরেষান্ত নাবাহন নিতি বিশেষঃ । ততঃপুত্রাদিঃ দ্বা হা চিতা বচ্যিত্বা তর দাক্চয় ক্র্য্যাং। তদুপরি বস্ত্র-দ্বয় সহিত দক্ষিণাশিরস সামগ मार्थामुथः शूमाः मः नप्रमः । नार्यप्र স্ত্রান দে**হয়• সা**মগেতরেষা• উত্ত-রাশিরন্তৃ । ততো দেবাশ্চাণ্নি মুখাঃ সর্বে হুতাশন গৃহীয়া এন দহন্ত ইতি মনসা ধ্যাহাগ্নি গৃহীত্বা ওঁ কৃত্বা তু দুম্ব কর্ম জানতা বাপ্ত হালতা। মৃত্ কাল বশংপ্রাপ্য নর পঞ্চত্ত্ব নাগত • ।। श्रमांश्यं मभायुक्क लाज मार সমাবৃত । দছেয় সর্বগাত্রাণি দি-वरान् लाकान् नगहजू॥ इंडि गठि-

বা বিঃ পুদক্ষিণীকৃত্য দক্ষিণামুখঃ ত্যেবপাঠঃ ন নারী মিতৃহহঃ । ততো मारक् व्राद्ध शापिम भुमानाः मधका-ধিকা গৃহীত্বা চিতামি সপ্তবারান্ পুদক্ষিণীকৃত্য সম্ভকাণ্ডিকা একৈক ৰুনেণ চিতাশ্ৰৌ পুক্ষিপেৎ। ততঃ " কুঠারেণ কব্যাদায় নম স্কভ্যমিতি || ম**ন্ত্র• স**কৃৎ পঠিত্বা চিতাস্থ জ্বল-फाक्न कि अर्थुश्त्रा प्रयाः जमि नशना कि बीमा वर्खन ग्राकु नभी গন্তব্যানাঃ শবংন দহেৎ শবসম্বন্ধি <u> वज्रानि गानानवामि हा खानानि एउ।</u> দদ্যা াসূতিকা রজম্বলাঞ্চ বজ্রান্তরা বৃতা সতিল পঞ্গব্য জলপূর্ণকু মুণ আপোহিষ্ট্রীয় বামদেব্যাদিভি রভি মস্র্যাপথিত্বা দহেদিতি বিশেষঃ। গর্ভবত্যাস্ত গর্ভ নিঃসার্য্য স্থানা-खात निःकिना उन्ता मारः कार्यः । ততো जनमगीপ॰ गद्वा পूंबाम्यः शुर्याण माना छिछः भागवका मिकः , शुर्थरगुरः। উদক कतियाम इंडि তেন চ কুৰুধ্ব মাচৈব্ পুন রিভ্য শতবর্ষে প্রেতে কুম্ধ্ মেবেতর-ক্রিন্ ইত্যুত্তরে দত্তে বৃদ্ধপুরঃসর মব তরণ জলে। ততঃ পরিহিত বস্ত্রণ

পুক্ষাল্য তদেব পরিধায় পুাচীনাবী-তিনো দক্ষিণামুখাঃ ওঁ অপনঃ শো-শুচ দঘ মিত্যনেন মন্ত্রেণ বামহস্তা নামিক্যা অপ আলোড্য একবন্ধাঃ मक् विभाषा अवाग का प्राचित्र प्राचित्र भी ন্তর্পযেযুঃ । ততঃ ওঁ অমুক গোত্রণ পুত্ত মমুক দেবশর্মাণ তর্পযামীতি जामगानाः भुर्यागः यजुर्विनिनास অমুকগোত্রপুতামুক দেবশর্মন্নেতত্তে जिल्लामक ज्भारत्रजिभकाञ्जलिमान নাবশ্যক অঞ্জলিত্রয় দানে ফলাতি-भयः। ততঃ श्राः मादा बनाम्यानः বাল পুরঃসর কার্য্য । ততঃ সাদ্ধলে छेशविषा नानूरवा करनी उष्ठ নিঃসারে সার মার্গণণায়ঃ করোতি স স·म्रा जनतुर्म मित्रा । शक्शा म मुञ्कारमा यमि भक्ष मागठः। কর্মভিঃ স্বশরীরোল্যৈ স্তত্র কা পরি-(एवन।।। गञ्जी वमुमञी नाम मुमि দৈবতানি চ। ফেনপুখ্যঃ কথ-নাশ मर्ज्याका न याम्या ॥ (मूपाप् বান্ধবৈ মু ক্ত পুেতো ভুছক্তে যতো হব শঃ। অতো ন রোদিতব্য হি কিয়া কার্য্য বিধানতঃ ॥ ইতি চিন্তবিত্ব। গৃহদার• সমাগত্যনিম্পত্রাণি দক্তৈ: थ्ययदा भभीभाभः भभयदि

দাহকঃ পু॰ চিত্রকঃ।। রক্তচিত্রকঃ।
ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। দাহকর্ত্তরি ত্রি।।
দাহন॰ ক্লী ভশীকরণ প্রেরণ•। দাহ
করাণইতি ভাষা।ঞ্যন্ত দহ ধাতো
রন্ট্পুত্যযেন নিষ্কম•।।

मारुमतः श्रु॰ गामानः। ইতি विका-ওশেষः॥

माश्रुवा। वीत्रगम्णः। ইতি भद-

माराख्य क्षी मूगिकपुर्वित्यकः । उৎপर्यायः । मारुनागुरू २ मारु-काष्ठः ७ थ्लागुरू ८ रिज्नागुरू ६ পূরः ७ वनवञ्च ७ १। जन्म गूनाः । कर्षुषः । উষ্ণदः । কেশবর্ষনদ্বः । वर्गद्वः किশদোষ নাশিদ্বः । সতত দাক্ষিক

সৌগন্ধ্য বিস্তার করিবৃঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।৷

माक्क की मकागा अगृहः। इंड्रिं-मत्रीकाया त्रायमूक्रेः॥

हाक्षायणी जी अधिनप्राम्यादिवज्ञान हा मधिव भाजि छात्राः। इंज्ञान । इंज्ञिलिनी ।। द्वाहिणी नक्ष्य । इंज्ञिलिना । इंज्ञिलिना ।। हिंजि तक्ष्मा । इंज्ञिलिना ।। इंज्ञिलिना ।। इंज्ञिलिना ।। इंज्ञिलिना ।। क्ष्मा मुद्दि (एवाः मवामवाः।। वस्रवा १८ हो हक्ष्माण आपिज्ञा सक्ष्य छथा । सामि मक्षाय मूल्माणी लोती एडाथ वस्त्रणा ।। पृहिज्दः भूता याहि क्ष्मुणा । स्वी भूवज्ञा । सामि प्रामा । सा ह मांक्षायणी एवी भूवज्ञा । स्वि वता इंज्ञिला ।। इंज्ञित्रा ।। इंज्ञित्रा ।।

माकायगीপिडिः शुः हम्मुः। इंडिः विकाश्रम्भयः॥

माक्रायगीत्रमगः श्रू॰ हन्मुः। ইতি ह्वायूथः॥

দাক্ষায্যঃ গু॰ গৃধুঃ। ইত্যমরঃ।।
দাক্ষিকত্বা স্ত্রী বাত্নীকেমৃগ্যমস•জ্ঞা।
ইতি নপু-সক লিঙ্গস•গৃহ টীকায়া।
ভরতঃ।।

माकिगाजुः वि मिक्रगम्हाभाष्यः। ইতি শবার্থকল্পতকঃ II নারিকেলঃ । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। माकिगा भ्री अनुक्वजा। **ই**जि रहम-চন্দুঃ॥ দক্ষিণার্ছে ত্রি ইত্যমরঃ॥ माकी शुक्तः शुः शानिनिमूनिः। इंडि ত্রিকাওশেষঃ।। माक्ययः शु शार्गिनमूनिः। इंजि व्यवन्तुः॥ माकाः क्षी मक्का। निभूगजा। मक भाषार जातका शुज्यः॥ पिक् बी **अ**वकाम नमाछिया। उर-পর্য্যায়ঃ। করুপ্ ২ কাষ্টা ৩ আশা ८ इति ८। इंडामतः॥ नित्मिनी ७। यम्रा दूर्शिख र्यथा। क्रेव्व गविषः जंबाहितः शूर्वकः शन्तिमः। ইতি দেশো নিদিশ্যেত য্যা সা দিগিতি সূতা॥ 🗱॥ তস্যা বাযো-र्खनाः। विश्वगृत्यु बनागुष्य अभागिनाः ॥ निक्ताय क्**ै। मर्बर्जु निन्मत्का रू**डा ক্ত্যোৎপাতপুরঃসর্গাইতিরাজ-वनस्था । गा मनशा यथा। भूती २ जाएगी २ मिक्स उति श जी 8 পশ্চিমা ৫ বাযবী ৬ উত্তরা ৭ · बेनानी ৮ উक् ॰ २ जवः २०॥ 🛊 ॥ 🍴 তাসা॰ উৎপত্তি यंथा। মহাতপা

উবাচ। শৃণু রাজন্বহিতঃ পুজা-भाव कथा निमा । यथा किनाः সমুং পদাঃ শুোত্রেভ্যঃ পৃথিবীপতে ॥ वृक्षणः मृह्याः मृद्धि मापि मार्ग সমুত্থিতে। চিন্তা ভূমাহতী কো মে পুজাঃস্টা ধরিষ্যতি ॥ এব চিন্ত-যত স্তস্য অবকাশ বুজব্বিহ। পাদু বভূবুঃ শোুত্তেভ্যে দশ কন্য मश्राजाः॥ श्र्वाट पिक्ता टिव পুতীচী চোত্তর। তথা । উদ্ধাধ এব ষ্মুখ্যাঃ কন্যাহ্যাস• স্তনা-নৃপ।। তাসা॰ মধ্যে চতসুস্ত কন্যাঃ পরনশোভনাঃ। যাঃ পশ্যন্ত্যে। মহাভাগা গাম্বীর্য্যেণ সমন্তিঃ ॥ তা উচুঃ পুণ্যাদেব পুজাপতি মকল্মৰ:। অবকাশন্ত নো দেহি দেবদেব পুজাপতে ॥ যত্ৰ তিগ্ন-নহে সর্বা ভর্ভিঃ সহিতাঃ সুখা পত্যশ্চ মহাভাগ দেহিনোৎব্যক্ত সম্ভব ॥ বুন্ধোবাচ। বুন্ধাগুমেতৎ मूर्णागुः भजरकाि भूविखतः । তস্যান্তে শ্বেছ্যা তুইা উষ্যতা • নাবি वश्रा ७ वृं भारत वः भुगहानि मृह्य क्रिया १नयाः। यथिः गग्राजाः प्राची यम् । या ज्ञाहरू श्रुना ।। **पवमूकान्ह जाः म**र्श यत्यहै शृयमू **क्टिश**

গুদা। বুকা সমর্জ তুর্ণ তান্ লোক | शालान् गरावलान् ॥ मृद्धा जूलाक পালাণ্ড তাঃ কন্যঃপূন রাস্ত্যন্! विवाह॰ कात्रवामान वुका लाक গিতানহঃ॥ একানিন্দুয়ে সপুদা-म प्रत्य २ न ऽ१॰ यमाय ह । निश्व जाय ह <u>বেবায বৰুণায নহা মনে।। বাযুবে</u> धनतमाय केमानाय ह मृत्र । खेब्बू ॰ चयगिष होय लियाया या वा वा वा স্থিতা। এবং দহ্বা পুনবু স্বা তিথি शुक्ताः किमांश्यूनः। ममभी छर् নাশুস্ত অর্ছানাশোদনঃ পুভুঃ॥ ততঃ পু ভৃতি তাদেব্যঃসেন্দ্রাদ্যাঃ পরি-কীর্ত্তিতাঃ। ইতি বরাহপুরাণ ll # II न्रायम् व विम्ताः **मर्व**गठद् १ পরম মহ্রুপরিনাণ। দূরাভিকারি " धीरहजू व॰ । निज्यवः । अकरइलि উপাধি ভেরাংপাচ্যানি ব্যপনে শ ला क्षु॰। अमृत्र खनाः म॰थ्रा > পরিনিতিঃ ২ পৃথক্ত্ব : ১ স ংযোগঃ ৪ বিভাগঃ৫। ইতি ভাষাপরিছে দঃ॥ किक्शिक्तः भू॰ किमधी धदः। उत्यथा। পুাচ্যধিপোরবিঃ৷ অশ্রিকোণাধিপঃ भूकः। पिक्रणिथिशः कुषः। नियं কোণাধিপো রাহুঃ। পুতীচ্যধিপঃ भनिः । वायूकानाधिभन्दनुः ।

निक्ष्

উ छ दाधिला व्यः। वैभानकानाः धिला प्रकः। उत्र श्रुमानः यथा ! स्थः मूकः कमाशृदः रिनः हिर्क्यः मनिः मनी। जोम् छिन्ममञ्जी छ श्रीह्यारि निगधीयताः ॥ ইতি ভ্যোতিত্তবः॥

मिक्शानः श्रुः श्रीमि मेन दिनाः शानः । यथा । श्रेन्ताः दिना इन्द्रः। जिल्लान विद्रः। मिक्साः माः मिन यगः । निर्धा जकान निर्धा जः! भिन्नमाः दिना वर्षः । वाण्कान मक्रः । উত্তরস্তাः दिना कृतदरः। मेना निकान मेनः। উন্ধৃ दिना वृक्षः। अधादिन जन् उः। ইতি পুরাণः ॥ क्ष्या यजाई । जि विद्या निक्शानातीः स्र कर्णिः । ज्व श्रूश्वत्यत्मः विदिः जागवजः मूकः।। ইতি পদ্মপুরাণः ॥

तिकन्तः श्ली दिशिष्णव गमति निविष्व दादाः। यथा। शिक्तियां। भूक देवी। উखद्रम्ताः दूथ मक्ति। । श्र्वम्ताः भनि स्मास्ति । दिश्काः मृतः दृश्यिष्ठः। उथा प्रभूकाः दिल्जिदिन न वाक्ष दिष्णः न द्रिः कृत्व काखद्राः मत्मरत्माः दिन न श्लककृष्ठः याम्ताः गुत्दौ न

. बुरबर । भूगानी छ विवद्य याडि ় মনুজা যে বিত্ত লাভাশযা ভুষাশাঃ পুন রা সতরি যদিতে শকেণ তুল্যা অপি ॥ ইতিজ্যোতিঃসারসংগৃহঃ য়। কেষাঞ্চিমতে । বৌধে পুরৌ-भिक्ताः ॥ वेशाःन क्वात रिव নৈশ্বতি মাৰুতে তথা।ন গন্তব্য मूताहार्यं भुजीहता दिव मुक्खाः ॥ ইতি সুথবোধঃ ॥ रिकः शुः कर्वेछः। इंडि मदत्रशवनी॥ रिइतः शू॰ यूना। ইতি मावही नाष्ठ-रकायः ॥ रिकाती की यूनजी। इंजि एक्स हम्मुः॥ নিগায়রঃ পু॰ শিবঃ ॥ ক্ষপণঃ॥ ন্মঃ ॥ जनः। इंडि मिसनी॥ रिणयती जी पूर्ण। पिणयतमार्भा । ইতি চুলার্ণবঃ॥ নথ্নে ত্রি। ইত্যনরঃ॥ **रिग़जः शृं रिग्रङी। यथा।** जेता-वञः शृष्ठतीत्का वामनः कूमूतन-९अनः। श्रूब्रम्बः मार्बछोगः मृश्रुी কশ্চ দিম্লাঃ।। ইত্যমরঃ।। এতে क्यावश्रहीत्। हेनिनाः इखिनः॥ कः श्र विवाकवानः। ज्र शर्यायः । লিপ্তক: ২। ইত্যমরঃ ॥ মেহঃ ॥ र्जाइः। इंडि ह्महनुः॥ शुवकः। ইত্যজ্যপাল: ॥

निकः वि निटः। ইতি मिनिगी।। नियानोः श्रुः निवः। ইতি एकन्तुः॥ नए। बि॥ निशिज्ञ शु विन्धा युष्कन वा निभा॰ বিজয়ঃ।যথা শঙ্করদিগ্রিজয়ঃ পাও-विभिन्नय इंज्यामि॥ रिकः शुर **উ**ৎकूर्गाउम्रः। ইতি **भ**दा-থকল্লভৰঃ॥ নিত॰ ত্রি ছিম। ইত্যমরঃ॥ নিতিঃ স্ত্রী দৈত্যমাতা। সা দক্ষকন্যা কশ্যপপগ্ন চ ॥ খণ্ডন । ইতি त्मिनी ॥ त्राजितिस्य भू इंडि শदार्थकन्नउकः॥ मिजिङः शू॰ रेनजुः। ইতি एस्नहसूः॥ निजिमूजः भू रेन्जुः। इन्जुमदः॥ मिजाः शु· रेमजाः। इंजिममार्थ-কল্পতৰুঃ॥ मिमूर बि मीश्विविभिष्टेः। ইতি मुक्राताथः ॥ मिधियानाः श्रु वातानि उदकुः। **ইতি সিদ্ধান্তকৌ সুদ্যানুণা দিবৃ** ভিঃ॥ দিধিযুঃ পু• দ্বিকালপতিঃ। ইত্যনরঃ ॥ द्विकाया श्री। इंडि भदद्रश-वनी॥ निधियः जी विकार। वात्रवयविवाहि-ा जी। उद्भर्गायः। मिथीयः र

পুনভূঃ ৩ দিধিষুঃ ৪ ৷ ইতি শদ-त्र झावली ।। विवाहिजाया किनेश्रा-যা॰ সত্যা• অবিবাহিতা জ্যে_{টা}-ভिगिनी। यथा। (बार्क्षाया॰ विनार-भानायाः कन्ता या गुरुहाउ शनुका। जाठार्गु निधिवृद्धिया श्र्वी हि पिष् মৃতা।। ইত্যুদ্ধাহতত্ব॰।। দিধিযুপতিঃ পু॰ দ্বিকঢাপতিঃ। দিধিযু ৰ্দ্বিকাত তস্যাঃপতিঃ স্বামী॥ मिन° त्री शू॰ कानवित्भवः। তৎ পर्यत्रायः। यमुः २ जरुः ० निवमः १ বাসরঃ ৫। ইত্যমরঃ॥ ভাস্বরঃ ৬ দিবা ৭। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ বারঃ৮ অ•শকঃ১ দুচে৽ অ•শক৽১১৷ইতি भदतक्षावली॥ जबू मनुष्र मानयि দগুল মক । পিতৃমানে গৌণচালু भागाञ्चकः। एवामूत भारत वर-সরাত্মক । বুদ্ধমানে দিব্যদ্বি সহ-जु यूगाञाक । मन्या मात वुकारी দিনস্য সংখ্যা । ৮৩৪০০০০০ । इंडि भूजानः ॥ उपन मन्यानाः সৌর সাবন চান্দু নাক্ষত্র ভেদেন ठञ्बिंद रथा। नावन म् ७ वि त्रकः यनग्थगुनाः नाएत खरेमन ञ्चत्य ।)। উपयाप्तापया जाता ভৌশ সাৰন বাসরাঃ। ২। তিথি- নৈকেন দিবস শ্চান্দ্রমানে পুকীর্ত্তিঃ ৩। আযুর্দাযে মৃত পুটের
নাক্ষত্র ষষ্টি নাডিক । ৪। জীমৃত
বাহন নতেতু সূর্য্যকিরণাবিটি ম
চতুর্যামশকে ।।
নৈকরঃ পুণ সূর্য্যঃ। ইতি হেমচন্দ্রঃ

मिनकतः श्रू॰ मूर्ग्यः। ইতি एम हन्दुः मिनकता ज्ञा ज्ञी यमूना। ইতি হলা-युथः॥

मिनाक भवः शूरं अक्षकातः। इणि भवतः वावनी ॥

দিনজ্যোতিঃ শ্লী আত্রপঃ। ইতি রাজনির্যণ্টঃ॥

मिनमूःथिठः शूः क्वी हकवारः ! ইতি

দিনপুণীঃ পু॰ স্ঠ্ঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ॥

দিনবলঃ পু॰ পঞ্চন ষষ্ঠ সপ্তমাষ্ট্রমৈন কাদশ ঘাদশ রাশযঃ। ইতি জ্যোন তিয়ণ।।

দিনমণিঃ পু• সূর্য্যঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ॥

हिनग्री श्र श्वीपुः। उपयाहनः। इंडि विकाख्रमयः॥

" দিশু ক **ড সংঘাতে। ইতি ক**ৰিক্দ ক্ষমঃ !!

मिना॰ मेः शु॰ श्राह्म नधाहा भनाहा , সাবাজাদিঃ । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ II मिनामिः शुः शुजाउ । ইতি রাজ-निर्घ छैं।। हिनान्तः शु॰ नायः। हिवावनान•। ইত্যমরঃ॥ দিনান্তকঃ । পু॰ অন্ধকারঃ । ইতি ত্রিকাওশেষঃ।। **দিনাবসান॰ গ্লী দিনাস্তঃ। ইতি হেন-**ठन्मः ॥ े दिनिक। श्री अक दिन क्उ कर्य मून्। क्रिंग है क (नाम । (भूतन हैं कि यावर हैंग युवा वें विकास स्वास्था कि यावर हैंग विकास स्वास्था कि यावर हैंग विकास स्वास । ইতি ক্ৰিকল্পছমঃ॥ । ইতিক্বিকল্পভ্যঃ ।।

নিশ্প ঞ ভ ক সংঘাতে । ইতিকবি
দিবস্পৃথিবেরী জ্রী রোদসী । স্বর্গ-কল্প নঃ।১ বিলীপঃ পু॰ স্ব্যবংশীযরাজবিশেষঃ
। স অংশুগতঃ গুত্রঃ ভগীরথ পিত।

त्रामाद्रः ॥ भिनीशङ्ग शृ॰ निनीशङ्गाङः। ইতি 🗕 ত্রিকাপ্তি শযঃ॥ দিলীর প্লী শিলীকুক। ইতি হারা-वनी॥ रिव य छ जिनीयायाः ॥ इहायाः ॥

পণে। ব্যবহারকরণ ইতি যাবং।। দুরতৌ ॥ ক্রীডায়া• ॥ গতৌ । ইতি কবিকল্পদ্রমঃ॥

দিব ক ড পরিকূজনে। ইতি কবি-कल्लक्गः श

" रिव क व्यक्ति इंजि कविकन्नक्रमः॥ **मिव॰ क्षी वर्गः ॥ आकाम॰। ই**তি त्मिमि ॥ पिया ॥ वन• । इं ि एक् म-हन्मुः॥

किवमः श्रु क्ली फिन । इन्जान ॥ रिवमक्तः श्रुः मूर्याः। ইতি एम हन्मुः॥

ज्लाते । विवहनात्वाश्य । इंडि হেমচন্দুঃ ॥ দিবা ব্য দিন । ইত্যমরঃ ॥

न् हिता श्र. हिन•। इंजुश्ना मिरकायः ॥ निवाकतः भु मूर्याः ॥ अर्कवृक्तः । ইত্যনরঃ॥ কাকঃ॥ পুন্নবিশেষঃ। इंजि भद्रुनिपुका ॥

দিবাকীর্ত্তিঃ প্• নাপিতঃ॥ চণ্ডালঃ ॥ উन्कः। ইতি হেনচন্দুः ॥ দির ই পুতি। ইতি কবিকল্লফনঃ।। দিবাটনঃ পু॰ কাকঃ। ইতি শবার্থ-

কল্পতৰুঃ।।

দিবাতনঃ ত্রি দিনভবঃ। যথা। সায স্তনী তিথিপুণ্যঃ পক্ষজানা দিবা তনী ৷ কান্তি কান্তা সদা তন্যা স্থেপয়ভী শূচি নিতা। ইতি ভড়িঃ। দিবাকঃ পুণ পেচকঃ। ইতি ত্রিকাও-

শেষঃ ৷৷ দিবান্ধাঃ প্রাণিনঃ কেচিদ্বাত্রাবন্ধা স্তথাপরে ৷ কেচিদ্বি
তথা রাত্রো প্রাণিন স্তল্যদৃষ্টবঃ ৷৷
ইতি চাণ্ডী ৷৷

रियाका जी वन्छना शकी। ইতি রাজনির্ঘণীঃ।।

मिवाक्तकी जी हूड्नाती। इंडि পুরাণ।।

रिवाजीजः शृ॰ উल्कः ॥ कूमूमाकतः ॥ होतः। ইতি मिनि ॥

দিবাভীতিঃ স্ত্রী পেচকঃ। ইতি শব্দ-রহাবলী।।

निदानिः शृ ग्र्युः। इंडि नम्तइः। वनी ॥

দিবানখ্য ল্লী নধ্যায়ঃ। ইতি হেন-

मिवाश्वाशा क्षी वन्छना शकी। इंडि ताजनिर्घण्डः॥

निविः श्रु চायशकी। इंडि अप-भावा॥

रिविकः क्रि मगीयः। ইতি मः क्रिश्च-

मातः॥

रिविषटे श्रू॰ (पदः। ইত্যমর:॥ १ रिविष्टः ि सर्गर्ः। ইতি **मःकि**श्च-मातः॥

দিবী স্ত্রী উপজিব্রিকাকীটঃ 1 ইতি হারাবলী ॥

हिरवाकाः श्रू (ह्य: !! हा उकः। इंडि सिनि ॥

দিবোদাসঃ পু• কাশীরাজঃ।স চন্দ্র ব•শীয ভীনরথ রাজপুত্রঃ। ইতি পদ্মপুরাণ•॥

मिता छवा छी अना। ইতি শদার্থ কল্পত্রুঃ॥ দিবিজাতে ত্রি॥

मिर्तिकाः श्रृ॰ (मर्वः । इंड)महः॥ ठाउकः। इंडि स्मिनि ॥

দিব্য লী লবক । ইতি নাদিনী।।
হরিচন্দন । ইতি রাজনির্ঘটঃ।।
শপথঃ। তন্ডেদা থথা। ধটোংগ্রি
কদককৈব বিষ কোষণ্চ পঞ্চন ।
বছঞ্চ তণ্ডুলাঃ প্রোক্তাঃ সপ্তন ।
তপ্তনাষক ।। অইন ফল নিত্যুক্ত নবন ধর্মাজ মৃত । দিব্যানিট্রা
নি সর্রাণি নির্দিষ্টানি ষ্যমুবা ।।
ইতি দিব্যতত্ত্বে বৃহস্পতিঃ।। এষা ।
বিবরণ তত্ত্বাদ্ধে কেষাঞ্চিৎ পরী
ক্রা শদে চদুইব্য ।। গ্লা গলাজল

স্পূৰ্ক শপথ ন্তৰ মিখ্যা রখনে দোষ চ যথা। বৃহ্ণণো বচন শুক্র জ্ঞানেশো জ্ঞানিনাম্বরঃ। গঙ্গাতোয় করে কৃত্বা স্বীকারঞ্চ চকার সঃ। গঙ্গাতোয মুপম্পূশ্য निथ्रा युनि वरमञ्जनः। न याञि कालमूजक यावरित्र दुक्तरा। वयः॥ ইতিবুদ্ধবৈবর্ত্তে পুক্তিখণ্ড•॥ *।। गङ्गाजनामि ग्लामं भूर्वक मानारथ দোষো যথা। তথা গঙ্গোদক े তানু• গোময• গোরজ তথা । **ধুল**ত্যু॰ কা যদি বাসত্যু॰ যদি দিব্যু॰ করোতি যঃ॥ কর্ত্তাচ রৌরব॰ যাতি ।তথা কারবিতা প্রিযে। উভযোঃ भून दाव्छि नंद यानियू नाछि दे।। তস্যান্তি পুন রাবৃত্তি ব্যাঘু শ্কর লোনিষু । দিব্য করু কারবিতু ॥ र्जभ भूजा वृथा यथा ॥ भायजी রহিতস্যাপি নর**কঞ্চো**তরোভর**া**। ইতি গাহত্ৰীতম্বে পঞ্চন পটলঃ॥ **मित्रुः वि गत्ना छः ॥ मिति छवः ।** क्षा हिनी।।

विद्रः शृ॰ यदः ॥ शृगगृष्टः । इठि त्राजनिर्वण्डः॥ ভावविष्णयः। यथा। गृंग् ভावज्यः प्रिवि पिवा वीत्र शृंग् क्रमारः । पिवास प्रवि प्रविद शृायाः বীরশ্চোদ্ধত মানসং॥ সত্যব্রেতাদ্র্ম পর্যন্ত দিব্যভাব বিনির্ণবং ।
ব্রেতা দাপর পর্যন্ত বীরভাব ইতী
বিত ॥ মদ্য মৎ স্য তথা মা সং
মু দা দৈব্যুন মেবচ। মাশান সাধন
ভব্নে চিতা সাধন মেবচ ॥ এতত্তে
কথিত সর্ব দিব্যবীর মত পুষে।
দিব্যবীর মত নাস্তি কলিকালে
মুলোচনে । ইতি কালীবিলাস
তম্ম ॥

দিব্যগন্ধ॰ শ্লী লবসং। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

দিব্যগদ্ধঃ পু॰ গদ্ধকঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

দিব্যুগন্ধা জ্ঞী স্থূলৈলা।। মহাচঞ্চ শাকঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

रिवार्गायनः श्रू॰ मक्कर्वः। वर्गगायकः। इंजि नेपत्रक्षायकी ॥

দিব্যবন্ধঃ পু: মর্কটঃ। ইতি শব্দনা-লা॥ সুগরুভেদঃ॥ অন্ধে সুলো চনে চ ত্রি। ইতি মেদিনী॥ চসনা ইতি খ্যাতশ্চ॥

দ্ব্যতেজাঃ জী বান্ধী।ইতিরাজ নির্ঘটঃ।।

দিব্যদোহদ • ত্রি উপবাহিত । দেব দেয বস্তু । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ ॥ যদীয়তে তু দেবেভ্যে মনোরাজ্য স্য সিদ্ধযে। উপযাচিতক দিব্য-দোহদ তদিদু বু পাঃ।। ইতি হারা ধনী।।

দিব্যাপঞ্চামৃত প্লী মিলিত্রগব্যাজ্য গব্যদ্ধি গব্যক্ষীর মাজিক শর্ক রা ৰূপং। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

मिवाशूनः श्रु कत्रवीतः। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ॥

দিব্যপুরা ত্রী মহাদ্যোণা। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ॥

हिवा श्री कि विश्व है । विश्व है कि विश्व कि वि

দিব্যরত্ব॰ ক্লী চিন্তামণিঃ।ইতি শদা-র্থকল্পতকঃ॥

पित्रतथः श्रु॰ त्त्राभयानः। एत्य विभानः। ইতি শদর ज्ञावनी।।

দিব্যরসঃ পুশ পারদঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

দিব্যবন্ত্রঃ পু• সূর্য্যশোভা। ইতি
শদরত্বাবলী ॥ সুন্দরবন্ত্রযুক্তে ত্রি
॥ সুন্দরবন্তে দিবিভববন্তে চল্লী ॥
দিব্যলতা জী মর্বালতা। ইতি রাজ-

দিব্যলতা স্ত্রী মূর্বালতা। ইতি, রাজ-নির্ঘণ্টঃ ॥

मिवक्रातः शुः भागगृकः। ইতি ज्ञानिर्यण्यः॥ দিব্যা জী ধাত্রী। ইতি মেদিনী ।।

বঙ্গান্ধকোটকী ।। শতাবরী ॥

মহামেদা ।। বুলিনী ।। সূলজীরকঃ ।।

শ্বেতদূর্বা ।। হরীতকী ।। পুরা । ইতি

রাজনির্ঘটঃ ।।

निवर्गानिवर्ग खी উপদেবী विश्वासः। इতि मदार्थकन जनः।

पिरत्राप्तकः क्षी आकाण जलः। उट शर्यरायः। थवाति २ आकाणमानि-लः । यम्रुग्नाः। विस्ताय नाणि । । अवत्रवः। शर्यर्पतः। शंत्रमकार्णः। अवत्रवः। शर्यर्पतः। शंत्रमकार्णः। व्याप्तवः। वृष्णः गुग्पत्रकः।। यमा-व्यम् उम्रु श्रः। मृद्वेषाः (महि-नाः विस्ताय अनक्षः। म्राप्ति। ज्यि-धम् उम्रु श्रः। कल्षेषः। (माय मायकव्रकः। (ध्वाक्रित्रम् श्रुणः। म्यावस्वकः। स्वित्राक्षित्रम् श्रुणः। मूर्यावस्वकः। स्वित्राक्षित्रम् श्रुणः। मिर्त्राम्भानूकः। वि (म्वजः। हेळ्डा-मतः॥

দিব্যোষঃ পূ• গুৰুবিশেষঃ। যথা।
নহাদেবো মহাকাল জ্ৰিপুরশ্চৈব
ভৈরবঃ। দিব্যোষা গুরবঃ প্রোক্তাঃ
নিজোষান্ কথ্যামি তে॥ ইতি

শক্তিরহাকর তঙ্গ ।। অপিচ ।। व्यथजात्रागुकन्वत्का पृष्टोपृष्टेकव-शुरान् । छक् किला विदासकिला नीनकरथे। व्यथ्कः ॥ दिस्तीयान সিদ্দিদান্ বংস শৃণুদ্বাবহিতো মুদ। । अशिष्ठ। भूगुव - ज नहारित गु बन् _ मूर्गा नम् छेवान्। शतमा श्रा भनाः ननः भरमधी भूजाम्यः॥ कृषः কালঃ কলানাথো ধিবেরীষা ভৈর-বাদিকাঃ। ইতি তল্পারঃ।। দিশ শ ঞ ঔ ওচে। ইতি কবিকন্ন-ঞ্জন: 11 ওচ ইছ দান মাজ্ঞাপনয়া থ্নেপ্যৰ। ইতি ততীকাৰা। দুৰ্গা-भा भा रि**म् जी रिक्। ই** ि व्याक्त्रमः ॥ नियाः जी निक्। ইত্যमत जीकायाः स्थूद्रामाथः॥ तिनाः जि. वियुववस्त । **३**ज्डामतः ॥ দিই ক্লী ভাগ্য । ইত্যারঃ ৷৷ উপ-দিঙ্কে ত্রি। ইতি ত্রিকাওশেব: ॥ पिष्ठैः **পু॰ कामः। ই**ত্যমর:॥ দাক-ि दिन्ता । इंकि **नद**माना ॥ किश्वेष्ठः भूग मत्रगगा इन्डाबदः ॥ मिकिः जी र्यः॥ शतिमानः। इंडि व्यक्ति॥ मिडेश का व्यानन्तः। ইত্যার: ॥

ভाष्मान। यथा। विद्याप्तरक कुन्निश-उः भरः भूमान्। ইভি এভাগবভः। रिकुः जि राउ।। इक्रुगारिकायः॥ मिर् क व छ ब्यथन। रेजिकवि कन्नक्रमः ॥ मी ७ ७ य करा। इंजि कविकन्नक्रमः॥ भीमितिः शुः ही समः। इंडामदः॥ वृह ग्राजे शुः। इंजि स्मिति ॥ मीनिविः जि उनिजः। ইकि अस्त्रशः वनी ॥ मीथिजिः जी कित्रनः। ইত্যমরः॥ भी श्री त उक्त नू (स्वत्न।। भी खो। ইতি কবিকল্লভ্নঃ ॥ मीन· क्री जगद्रभूम·। ইভি दाक निर्घणः ॥ দীন: ত্রি দরি দুঃ। ইত্যের:॥ ভীতঃ । इंडि (मिरिनी।। नीना जी मृतिकजी। इंडि सिनिनी॥ मीनातः श्रु सर्गज्या ॥ सुमु। इजु शामिरकाष्ट्रः ॥ निक्रशतिमागः । इंडानतः ॥ मूर्वनंकर्यप्रयः । इंडि उड़ोका नात्रमुन्दती ॥ नम्हणुव-राजार्थः मानवस्त्र ॥ लोकिकः ॥ ষাত্রি-শনুত্তিকাপরিমিত কাঞ্চন । ইতি ভরত:।। मीश में ड स् श्र मीशत। इंजि कवि-

कन्नजगः॥

रीभः भू वर्षिष्ठक्षवराः निथा। ত भर्यायः। गुतीभः र एक् माः ० দীপকঃ ৪ ক জ্লুব্ল: ৫ শিখাতৰঃ ও গৃহমণিঃ ৭ জ্যোৎসাবৃক্ষঃ ৮ দশেশ্বনঃ ৯ দোষাতিলকঃ ১০ দো-षामुः ১১ नयतार मदः ১२। ইতি नद्रवावनी ॥ 🗱 ॥ कार्जि न्यारम দীপদানস্য মাছা ব্যু । খ্ৰু-मीभगुभाश्याः कार्जिक हर्नि शिय। यम। भूवन माजिन मी शमाम मिं जिल् ।। मूर्ग गुरह कू क स्कि व नर्मरायाः मिन्युरः। ज्वा मानमऽ यः भूगाः उद्दर्ब मीनमानउः॥ ঘূতেন দীপক• যস্ত তিল তৈলেন বা श्रनः। जानस्यम्नि नाम्न जय-নেধ্নে তস্য কিণাতেনেষ্ট করুভিঃ সর্বণকৃতণ তীর্থাবগাছনণ দীপদা-ब·क् उ·यन कार्जिकक्मवागुजः॥ তাবন্ধর্জন্তি পাপানি দেছে মিমুনি-**न** उम । याव ्कार्खिकमात्मन मीপ-मान कृष्ठ छदर ॥ जावन असि পুণ্যানি ऋर्ग मर्ल्ड तमाउल । যাবৰু দ্বলতে দীপঃ কাৰ্ত্তিকেকেশ-বাগুঙঃ শুয়তেত্রাপি পিতৃভির্গাথা-গীতা মহামুনে ॥ ভবিষ্যন্তি কুলে

श्याके कराहित्व मुठा जूवि 1 कार्जिक भीभमोरेन वि ायिनगृष्टि কেশবণা অপি নত্তে ভবিষ্যন্তি কুলে मू रहिडा ग्रेमः। मील रानः, का र्डिक-रय माम्युष्टि इति जूरिमः ॥ गयाया शिक्षरात्मन क्छ न श्रीमन जूरि । रैयफालि कार्जिक मरजा मीन रुद्धि करता हरतः॥ मीशः मात्राधियं श्रुवा सुर्रार्थः চক्रभागिनः । कार्निक उ मू निर्मुं नहें का मुक्छ। वय॰ ॥ मञ्ज-शैन॰ कियाशीन॰ भूकिशीन॰ जना-र्मन। वुडः मन्त्राः यांज् का जिते ह मीनमानजः ॥ अत्तित्व हि महन्त मील म कन्नत्यम् त । मधुम्मन जुडी -র্থ- কার্ত্তিকে মুনিপুস্ব।। ইতি পামে উত্তরখণ্ডঃ॥ ৠ॥ অপিচ। দাস্যতে (स्वरम्वाय मील भूज्ञार्नुत्ललन । व्यित्र मः म कूल ज्यातिकारम्। जिएं। नदः ॥ कदिवरजूरभवामङ সর্বপাতক হানিদ । ই:খ পিতৃণা वहनः गुन्ना न्পिङ मखनः ॥ मरमो ह मीलान् विधिवः विकासिकार्यस्व विका । मूगक्रेडिन मः न्यूर्गन् मीलान् मघ्ड रिञ्चकान् । अर्यभागु मुरिञ्चन मधु काञ्जि अञ्चरिः ॥ भीश शुमानामंत्र-कानकागिनु म क्रकान् ॥ ठीवा

সভার্য্যাবুন্ধন্ বিষ্ণুলোক মগাভ-जः ॥ इं ि वामनপूत्रांग ॥ <a>॥ शिश लाही दिवशम्यं कद्रांग (माया यथा। मील न्मृक्षे जू त्या पिति सम কর্মাণি কারবেং। তস্যাপরাক্তি ज्य भाभः भाराजि मानवः॥ उह-_ শুষ মহাভাগে কথ্যমান মহান্যে। জাগতে ষষ্টিবর্ষাণি কু চী গাত্র পরি-শু তঃ॥ চাণ্ডালস্ গৃহে তত্ৰ এব মেব न मः भयः। वयः छ्दा जू जः कर्य 'সন ক্ষেত্রে মৃত্যা যদি।।ম ভক্ত শৈচব নিবৈত শুদ্ধে ভাগবতে গৃহে। প্রাথ-শিক্তর পুবক্ষ্যামি দীপস্য স্পর্শনা-ভূবি ।। তরন্তি মনুজা যেন কই॰ চাণ্ডাল যোনিয়। যস্য কস্যাপি মা-जना मूझलंकि व हारणी ॥ वजूर्व ভক্ত মাহার মাকাশ শ্যনে স্বপেং। দীপ দ্বাপরাধাদৈ তর্ম্ভি মনুজা-ज्वि।। भूठि ज् इ। यथान ताय॰ मम कर्म পথে স্থিতঃ। এতত্তে কথিত দেবি म्मर्नार रीभक्त्र जू॥ मन्त्रात -শোগনকৈব যৎক্রা লভতে শুভ । ইতি বরাহপুরাণ ।। # ॥ পুরুষস্য ' मील निर्वालान स्नारवा यथा। भील निर्वाशनार श्रुगः क्या ७ ८६ मनार जियः। चित्रितित्वे कात्वन वः भः নাশো ভবে জুবণা#॥দেবার্থ কল্পিড मीलमा निर्दालन माया यथा । रेनव निद्वांभय मीभः प्रवार्थ मूभ कन्निज्भ मील इंडा ज्यम्बः काणा-নির্বাপকো ভবেং 11 ইত্যেকাদশী তত্ত্বে কালিকাপুরাণ ৷৷ ৠ৷৷ কার্ত্তিক क्ष ठञ्चमाताः नत्रकनिव्खरय भीत्र मान यथ।। नत्रकाय श्रुमाञ्ख्रा দীপঃ সংপূজ্য দেবতাঃ । ইতি जिथि उद्ग ध्य निक्र्यू तागः॥ 🕸॥ श्थिवता मीला न मःशाभाः । यथा। मर्बन्महा वमुमजी महत्ज निद्वनः दयः। अकार्यः शाम्याउक দীপতাপ ভথৈব চ।। ইত্যেকাদ-শীতর ধৃত কালিকা পুরাণ ।।

मीलकः क्ली वाक्रानकातः॥ मीलिकात्रकि वि। इंडिसिनी॥ कुकूमः
। इंडिल्प्स्त्रश्वावनी॥ #॥ वाक्रानकात्रम् नक्षणः यथा। लपार्थानाः
भुख्राना मत्यां वा यमा ख्रद् । अक्ष्मां कि मश्रक्षः म्याख्रम्। जुन्य यानिका ॥ ख्रुख्रक शुक्रक्या मीलिक्छ निर्मम् राज्य । यथा माख्य। वना वरन भाम धुनालि शृई वय् भुमाध्यक उन क्रमिक्तिनीवृता । मठी ह याविय शुक्रिक्ति निष्टना

भूमा न मर्ज्यकि जनस्ति हिम्।। रेजि नाहिज्यमर्गः ॥ चनिष्ठ । क्रांजि किया गून मुव्र वाहरकुन शाम-न जू। अकब वर्खिना सर्व ताक्रार्था দীপক দ্ববেং। যথা। ভুমন্ত্রর अकात शुःकाकिय कर्ण धृनिः। মন্দ চন্দ্ৰ বাতোপি হরন্তি হৃদ্য न्गा ।। ইতি काव्यविद्वा।। मी नकः भू॰ यमानी। इं जि तबमाना॥ लाष्ट्रमञ्जूकः। ইতি भद्रद्वावली ॥ দীপঃ ৷৷ যেন পক্ষিণান্যে পক্ষিণা পৃহ্যন্তে সঃ। বাজ্ইতি শিকরা ইতি जाया। इेंछि (इस्किन्दुः ॥ ♣। ज्ञागितिस्भवः । व्ययः इन्मगरञ यजुरगयु विजीयवागः। সूर्यप्रनजा-मिर्गठः । जम्र जाठिः मस्न्।। गृरुख यज्बस्तः। गान ननयस শ্ৰীশক্তে সম্ব্যাহঃ। অস্ব্যক্তপণ্যথা । वर्णात्रकः । वज्रः भाष्टेववर्गः । यव ज्बनः वृह्युकामानाः। मखहसाः करा १य॰। वह जी भतिवृज्छ। কস্যচিন্মতে। অজ্ঞ্যা দীপনির্বা-পনেনান্ধকার ময় গৃহ প্রাদ্রীভী इम्राउ । ज्या द्वागिगुः शक्यथा । **(एमी) कार्याम् २ न**े ० क्लाद्र। ८ कानता ६ कार्गाणे ६। পুबान्हा हो

যথা। কুললঃ ১ কনলঃ ২ কলিকঃ ৩
কলিলু ১০ চন্দকঃ ৪ কুসু মুঃ ৫ কুসুমঃ
৫ রামঃ ৬ লহিলঃ ৭ হিমালঃ ৮
তরতমতে অন্য রাগিণ্যে যথা।
কেদারা ১ গৌরা ২ গৌও ০ গুজারী
৪ ক্ট্রাণী ৫ । তন্ততে পুলা যথা।
কুসুমঃ ১ টকঃ ২ নটনারাষণঃ ০
বিহাগরাঃ ৪ কিরোদন্তঃ ৫ রহ্মন্দ্রা ৬ রভস্মকলা ৬ মকলাইনকঃ ৭ অভানুঃ ৮ আভানা ৮। ইতি
তহকতোলহিক্যাথ্য সংগীতশাস্ত্র
সংগুহঃ ।।

দীপকিউ· শ্লী দীপজাত কচ্ছ্ল 🖟 ইতি শদার্থকল্পত কঃ ।৷

मीशक्भी जी मीशवर्जिः। मान्छ। इंडि ভाषा। उर्श्यक्षः। देन-गानी र मीशव्याकी ७ विमाहिक। 81 इंडि मदमाना॥

मीन(थाती जी भीनक्नी। इंकि.

मीनधुडः श्रु ही क्कून । इंडि कोध्यः॥

দীপন প্লী তগরস্ব । ইতি রব্নমা-বা।। কুছুন । ইতি ত্রিকা ওশেষ্ণা। দীপন: পু' মধ্রশিথা।। শালিঞ্ শাকঃ। ইতি শদ্চন্দ্রা।। কাস- बर्मः ॥ भनाकः। इणि ताजनिर्यकः १। मीभिष्ठिति जि ॥

मेर् भनी जी मिथिका॥ भागे॥ यवानी । इंजि जाजनिर्यण्यः॥

शिशनीयः शृ यवानी। ইতিরাজनिর্ঘ है:।। দীপনযোগ্যে ত্রি।। ঔষধ
वर्गविष्मये:। यथा। পিশ্নলী পিশ্নলীনুল চব্য চিত্রক নাগর । দীপনীয় স্তোবর্গঃ ক্কানিল গদাপহঃ
।। ইতি চক্রদন্তঃ।।

न्भिनामभः श्रु मीभवृष्टः। ইতি

· দি পপুরঃ পু• চপ্সকৃষ্কঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

मीलवृक्तः श्रुः मीलाधातः। लिलमूक इंडि (म्लूका इंडिंग जाया। उट शर्यत्रायः। मीलडकः २ (क्वाट्या-वृक्तः ७ । इंडि जिकाश्रम्भाः।। मीललाम्लः ८। इंडि नदार्थकम्न-उकः॥

मीशनिथा जी कक्वः। इंडिन्मना-_र्थ्कन्नडकः॥ शुनीशकाना ह॥ मीशन्दना जी मीशानी। इंडि - हातावनी॥ मीशानिका की स्थादकारणिका

দীপানিতা ত্রী মুখ্যচা**ন্দ্রণাবিনস**্য গৌণচান্দ্রেণ কার্ত্তিকস্যামাবাস্যা । यथा। (यय भीभादिका दाङन् খ্যাতা পঞ্চদশী ভূবি । তস্যা॰ मन्त्रावहिन्दछ॰ शिकृशा॰ वि सहा-नय।। তত্ৰ কৰ্মাণি यथा। পুদোষ সন্যে লক্ষ্মী॰ পূজ্যিত্ব। যথা ক্রম॰। मीभवृक्षा खथा कार्यत छकत (हव গৃহেম্বপি ॥ চতুম্বথে শাশানেষু नहीं भईं जानूत्। द्क्रम्रहत्यू গোঙেষু চত্ত্বরেষু গৃহেষু চ ৷৷ বজৈঃ পুষ্ণৈঃ শোভিতব্যাঃ ক্রয়-বিক্রয ज्मयः । **मीशमाना शतिका**ल পুদোকে তদনম্বর ।। ব্রাক্ষণান্ ভোজবিত্বাদৌ বিভাজ্য চ বুভুক্ষি-তান্। অনন্ধৃতেন ভোক্তব্য নব वाजाशाणिना ॥ शिष मूंरिक विनरेषण वासरेव ज्ञेकः मर । ইতি তিথিতম্ব• ॥

मीभानी जी मीभगाना। उर भर्यत्रायः । मीभण्ड्ना २ । इंडि स्रातावनी ॥ मीभादिजामावानता। उरभर्यत्रायः । यक्तत्राद्धिः २ । इंडि विकाश्रामयः ॥

দীপিকা জী মহিন্তাপনীয শ্রীনিবাস কৃত জ্যোতিগু স্থাবিশেষঃ। যথা। অন্ত: গতবতি মিহিরে ংতিমলিন দোষাকুলে চ গো বিভবে। উদ্বাহা- मिष्ठ मृक्षिणुक्शार्थः मीनिका किय-उ ॥ এত छिना जूदन छ छ छा उक मृक्ताित मीनिकाः मिछ ॥ तानिनी वित्मवः । मा हिल्लाण तानम् । भन्नी। जम्मा धानः यथा। भूताय काला गृक्षमण्युविद्धा भूतिभ इसा काला गृक्षमण्युविद्धा भूतिभ इसा काना गृज्ञ । मीनस मिन्ना विताक माना मृज्ञ मान्मा किन मीनिक्यः ॥ जम्मा गान कानः माराहः। हे जि मकी जरात्मारतः॥ भूनानिकायाः वि॥

मीभिञें जि मीधिकर्ज 1 हैिंड व्याक्त्रभः॥

দীও স্নী স্বৰ্ণ।। হিন্তু। ইতি রাজ নির্ঘণ্টঃ।।

मीधः पुर निष्कः॥ मिर्नः। ইতি ब्राजनिर्यण्यः॥

দীপ্তঃ ত্রি নির্ভাসিতঃ॥ দক্ষঃ॥ জ্লি-তঃ। ইতি মেদিনী ॥

मीछक क्री वर्ग । इंडि ताबनिर्यण्डः॥ मीछिबद्या जी प्र डेक्गम्थीम्गानी। इंडि हातावनी॥

দীপ্তপিক্লঃ পু সি হঃ। ইতি রাজ-নির্যণ্টঃ।।

দীপ্তরসঃ পু: কিঞুলুকঃ। ইতি শব-চন্দ্রিকা।।

मीश्वरकाहनः पुः विख्याः। इंडि जाकनिर्यण्डः॥

দীগুলোহ• ক্লা কা•স্য• 1 ইতি রার্ছ-নির্ঘণ্টঃ।।

দীপ্ত। ত্রী লাক্ষিকার্ক: । ইতি রঃমানা !!জ্যোভিম্যতী !! সাতলা । ইতিরাজনির্ঘট: !!

मिश्राप्तिः शू॰ या छाः। ইতি विकास-শেयः। ठीक्कठेत्राननगुरक वि॥

मीखाकः शू॰, मगूतः। ইতি **भपत**्रा-

भीक्षाकः शुः विज्ञानः। इति भाष-

मीखिः क्वी मीलनः। उर्श्वरायः।
शुं । र कक् ० किः ६ विहे ६ छ।
४ छाः १ इतिः ४ मूर्रिः ৯ क्वाि ।
४ छाः १ इतिः ४ मूर्रिः ৯ क्वाि ।
४० म्मिटिः ४० । ইত্যम् तः ॥ ताम दिगम् उति वृजा। क्विया व्ययः क्वाृमः
। ইতি হেমচন্দুः।। काश्वित्व वर्षा ভোল দেশ काल श्रमानिश्चः।
উদ্দীপিতাতি বিস্তারः शुश्चाटिमी-श्विकार्ण ॥ ইত্যুক্ত্ ननीलमिः।।
लाक्ष। ॥ का॰माः। ইতি রাজ-निर्देनः।।

मीखिकः श्रू॰ मूक्ष्णायापत्कः। इंडि

मीखालनः शु म्यंकासमिः। ইতি -द्राजनिर्यकः॥

দ্বীপ্যঃ পু॰ যামানী ।। জীরকঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।। ন্যূরশিথা। ক্দুভটা ইতি খ্যাতা। ইত্যমরঃ ॥

रीग्रङ ही অভযোগ।। বगानी।। বর্হিচ্ডা হৈতি মেদিনী॥

দীপ্যকঃ পু• অলফারঃ॥ যমানী॥ লোচমন্তকঃ। ইতি ভরত ধ্ত রভসঃ॥

দীপুঃ ত্রি দীগুবিশিষ্টঃ।ইতিব্যা-কুরুণঃ।

मीर्चः वि व्यायकः। इत्यादः॥
भीर्यः पू॰ नजामानकः॥ इत्यादः।
देवि त्रव्याना॥ ताममतः॥ उद्भः
। इवि त्रव्याना॥ ताममतः॥ उद्भः
गर्थमाद्रम तामयः। यथा। वृष्टिक
कन्या मृगशिव विगित्वा मीर्याः। इवि
व्याविष्ठः॥ विभाववर्गः। उपथा। वा ने उस्म विश्वे । स्वन्यर्गः
। इवि व्याक्तर्गः॥

দীর্ঘকণা দ্রী পৌরজীরকঃ। ইতি রাজনির্ঘন্টঃ।।

प्रीर्घकण्डेकः श्रू॰ वर्ब् तः । इंडि ताब-निर्घण्डः ॥

रीर्घक्छेकः शुः বঙ্গদী। ইতি

भर्ठिनुका॥ नीर्यकन्तक॰ क्री म्लक॰। ইতি दाख॰ निर्यक्तः॥

मीर्घकि प्रका जी मूवनी। ই छ द्राव-निर्घकिः॥

शীর্ষকন্ধরঃ পু॰ বকঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ॥

रीर्घका ७: १ ७ ७ ७ १ १ ३ इ। इन्हिन् । इन्हिन् । विर्वाण ।

দীর্ঘকাণ্ডা স্ত্রী পাতালগড়ুরীলতা। ইতিরাজনির্ঘন্টঃ॥

नीर्घकीनः श्रु व्यक्तार्ठवृक्तः। इंडि त्राकनिर्घण्डः॥

नीर्यकीलकः श्रु॰ व्याकाठेव्कः। ইতি अटेश्यतः॥

मीर्चकृतक॰ क्ली द्राह्मक॰। ইंভ द्राब-निर्चक्तः॥

দীর্ঘকেশঃ পু॰ ভল্লকঃ। ইন্তি রাজ-নির্ঘকঃ॥ আয়তকচে ত্রি॥

দীর্ঘকোশিকা জ্রী দীর্ঘকোবিকা। ইত্যমরটীকাষা ভরতঃ।।

नीर्यकाषिका जी विशायिका। विशूक् ইতি খ্যাতা। তংপর্য্যায়ঃ। দুর্নাদা ২'। ইত্যমরঃ॥

मीर्चगिठिः भू• উद्धुः । ইতি রাজ-

गजिभिद्रनी । इंडि॥ मीर्वगृष्टिः भूः त्राष्ट्रियंग्रेः॥

नीन(कोषः। इंजि ताजनिर्घकः॥ भीर्घराविकः शु॰ উद्धः। इंडिनद्याना॥ मीर्घ**बङ्ग वः पू**॰ जङ्गानमञ्जाः। ইতি नक्याना ॥

मीर्घक्षः शु॰ वकः। ইতি विकाखः শেষঃ ॥ উষ্ট্রঃ । ইতি জটাধরঃ ॥ আযতজানুযুক্তে ত্রি।।

मीर्घि ञ्चः शुः मर्भः। ইতি হেমচन्द्रः॥ भीर्यज्ञः शु॰ जानः। ইতি मदार्थ-कन्नजरः॥

मीर्याञ्चिया **जी** कर्किंग इंकि मद-माना॥

मीर्यञ्चा जी हुरू मती। इंठि का-वाउन ॥

मीर्घज्यः भू॰ भिन्नवारः। ইতিরাজ-निर्घण्डः॥

भीर्षर७: शु॰ अत्र धृकः। ইতি ভাব श्कामः॥

गीर्यन ७कः भू॰ अन्न ७ तृष्णः। ইতি किंगिष्त्रः॥

नौर्घर औ शातकी। ইতি दाब-निर्घकः॥

मौर्चमा पूर পণ্ডिত:। इक्जानदः॥ भीर्चभक्तः पूर तकनमूनः॥ वद्रशः॥

गृथुः। इंडि नम्बङ्गावली ॥ उस्कः। ইতিরাজনির্ঘটিখা দুর দর্শকে জি:1 मीर्धभीवः शु॰ উष्टुः। इंडि एक्मान्मुः॥ मीर्घमृष्टिः शु॰ मीर्घरमी । इंकि रनागुषः॥

रीर्घकः शुः जालक्कः। इंडि नपः ठिन्मुका।।

रीर्वक्मः शु॰ **मान्। निः। 'ই**তি রাজ নির্ঘণ্টঃ ॥

मीर्घनामः शू॰ मङ्गः । **इ**छि রাজ निर्घण्डः ॥

नीर्घगान भी न রাজনির্ঘণ্টঃ॥

मीर्यनानः श्रु॰ वृज्खका। यावनानः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ मीर्चनिमु। जी मृजूः । इंजि (इमहन्मुः il **रीर्यभागिका जी नजाकनियमिय** । भूँ मून इंठि ভाষा। यन्। छ्गाः। প্রিশারণ কর্টুরণ বিষ্টম্ভিত্বণ। শুকৃত্বণ । বাযু পিত্ত শ্লেখ্য কচি ভেদ কারি-व । मथूत्रव । भीजनव्य । इजि রাজবল্পভঃ॥

मीर्चभवः भु• ताबभना थुः ॥ विषु कनः ॥ इतिमर्ज्यः ॥ कुन्मतः ॥ **ञानः। इंछि রাজনির্ঘটঃ॥ কুপী**ः লুঃ। ইক্তিভাবপুকাশঃ॥

্ক্লিজনা। বেতসঃ। ইতি রাজ-ি নির্ঘণ্টঃ ॥ করীরবৃক্ষঃ। ইতি শব-ঁ ছিন্দুকা।। জলজমধ্কঃ। ইতি জটা-ধরঃ॥ লশুনঃ। ইতি হেমচন্দুঃ॥ रिर्येপতা দ্রী চিত্রপর্ণিকা। চাকুলি-वालिपः ॥ दूबकरूः। ইতি রর্মা-লা।। গন্ধপত্রা।। কেতকী।। ডোডী-কুপঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ দীর্ঘপত্রিকা স্ত্রী খেতবচা॥ যৃতস্ব-माती ।। नामभगी । ইতি রাজ-)निर्घण्डः ॥ দীৰ্ষপত্ৰী প্ৰী পলাশীলতা।। মহা-চঞ্চশাকঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ यीचननी हो मृद्रिमनी । इंजि जान-निर्घण्डः ॥ দীর্ঘপল্লবঃ পু॰ শণকৃক্ষঃ।ইতি রাজ-निर्घण्डा भाषा य उद्दर्भ की उद्घार वि।। मीर्घभाट भू॰ ककभकी। ইতি मद-त्रश्रवनी ॥ দীর্যপাদঃ পু॰ কম্বপক্ষী। ইতি হেন-क्नुः॥ मीर्घनामनाः भूग खानः॥ भूगः। ইতি त्रुक्तियंगेः॥ नीयंगृष्ठः शु॰ नर्शः।इछान्दः॥ नीर्यकनः श्रु बात्रग्रह्मः। इठि क्रामिष्कः॥

मीर्यक्तकः श्रु व्यगत्रत्रमः। इंडि त्राजनिर्घः मीर्यकना खी जजूका।। कशिनमुक्ता । ইতি রাজনির্ঘন্তঃ॥ मीर्यमाक्जः भू खी रूखी। इंछि ত্রিকা গুশেষঃ। দীর্যস্তঃ পু॰ মোরটততা।। বিহাতর-বৃক্ষঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ मीर्घम्व· द्वी वामन्ककः। ইতি রাজ-निर्यकः ॥ नीर्यग्लक भी गृलक । ইতি রাজ-निर्घकः॥ रीमम्ला जी नागाना ॥ नान-পণী । ইতি রয়ুমালা।। दीर्यभूमी जी मुत्रामछ। ইতি नकः याना॥ দীর্ঘরদঃ পু• শ্করঃ। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ॥ আযতদন্তে ত্রি॥ रीर्घत्रमनः शू॰ मर्भः l. इंडि भक्-हिन्द्रिका॥ नीर्यताना जी रुतिपु। ইতি রাজ-निर्घकः ॥ দীর্ঘরতে দ্রী চিরকাল । ইতি विका अल्यः॥ मीर्यानिमारः॥ मीर्यातामा पु• **उ**ल्लूकः। इंडि मनार्थ-কল্পতৰ:11

শীর্বরোহিষক লী কর্ণতেদঃ। সুগকিতৃণবিশেষঃ। বঙ্গাহিষ ইতি
ভাষা। তংপর্য্যাবঃ। দৃঢকাও ২
দৃচহদ ৩ ব্রক্তেই ৪ দীর্ঘনাল ৫
তিক্তসার ৬। অস্যত্ত্যাঃ। তিক্তত্ব । কটুর । উক্তর । কফ বাত
ভূত্তুহ বিষ নাশির । বুণ ক্ষত
বিরোপণর্ক্ষ। ইতি রাজনির্ঘনীঃ।।
দীর্ঘন শঃ পু নলঃ। ইতি রাজনির্ঘনীঃ।।
দীর্ঘনকঃ পু জী হস্তী। ইতি শ্বন্দনালা।।

দীর্ঘবছিকা জ্রী কুষ্টীরঃ। ইতি শব্দা-র্থকল্লতকঃ॥

मीर्घव की बी भरू मुवा की।। शाका-व गक्डी ।। शवाभी । इंडि ताक-निर्घक्तः ॥ आयुजाव जारु ॥

দীর্ঘবালা জী চমরী। ইতি রাজ-নির্ঘন্টঃ।।

मीर्घवृष्ठः श्रुः स्माताकवृक्तः । इन्डा-

भीर्घवृष्ठकः श्रूर त्मागाकः। ইতি नय-भाषा॥ त्मागाकशुर्त्त्वनः । ইতি आक्रमिर्घकः॥

नीर्घव्डा की इन्मुहिर्डिं। इंडि जाननिर्घणः॥ री यंग्

नीर्घर्डिका जी भनाभनी । इंडि

निर्घ**नदः श्रृ** यादनानः । ইতি त्राक्रः निर्घण्डः॥

रीर्घमाथः श्रु॰ भगक्कः। ইতি রাজ-निर्म् केः॥ भानव्कः। ইতি भद-চন্দ্রকা॥

पीर्यमाथिका जी नीनाहीकुनः। ইতি जाजनिर्यण्यः॥

नीर्घामिष्ठिकः शुः कदः। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ॥

मीर्घण्कक॰ ब्ली जाजाम॰। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

नीर्घमकु॰ जि नीर्घाक । ইতি ব্যাক-রণ• ॥

निर्मनिक क्री भकरें। शेंछ वराकत्रगः॥ निर्मनिक क्री यक्कविष्णमः॥ छीर्थ-विष्णयः। शेंछ भक्षाध्यकञ्चलः॥ नीर्यमूत्रजः पू॰ जी कूनु तः। शेंछ विकाश्रणमः॥

मीर्चमृवः वि वितिकियः। इक्रम्मः॥ श्रीर्चमृत्रक छत्यः मर्बक्सम्भानः॥ र्थितः। मीर्चमृत्रमा मृश्रास्तः कर्या हा नि खुं व छत्यः। तारम्बास्तक का स्मिव प्लारक भारभव कर्याण। जानुत्य रिव कर्ख्त्य भीर्चमृत्रक भागारः।। ইতিমং স্থাপুরাণ ।। বিজ্তেকটোচ।।

্বী তি দীর্ঘস্তঃ। ইতি হলা - ॥

বুধঃ।।

নীর্ঘসাঃ পুণ তালবৃদ্ধঃ। ইতি রাজ-

দীর্ঘক্ষাঃ পু॰ তালবৃক্ষঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

मीर्घा की शृनिभगे । इंडि ताक-निर्घन्टेः ॥

দীর্ঘাধৃণঃ ত্রি লেথহার:। ধাউডিযা ইতি ভাষা ॥ উদ্ভে পু'। ইতি নেদিনী॥

শীর্ঘায়ঃ পু॰ শালালিবৃদ্ধঃ। কাকঃ।। জীবকবৃদ্ধঃ।। নাকণ্ডেয়ঃ।। চিরজী-বিনি তি। ইতি মেদিনী।।

मीर्घायुथः शु॰ कृषाजः। ইতি विकाख-(भवः॥ भ्कतः। ইতি भक्ताका॥ मीर्घायुष्णः श्रृ॰ (भठमन्दातकः। ইতি রাজশ্বিভঃ॥

रीवानकं भू (यज्यनात्रकः। इंडि त्राजनिवंगः॥

বীর্ষিকা জী ত্রিশতধনুঃপরিমিতর লাশফ । দীঘি ইতি ভাষা। তৎ পর্য্যায়: । বার্গা ২ । ইত্যনরঃ ॥ জিলা শুণাং । শুকুরু । কটুরু । কারত্ব । পিত্রলত্ব । করু বাত রাশির্গ ॥ হিন্দুপত্রী। ইতি রাজ- नीर्चर्वाकः शृ उक्ती। इंडि ताज-निर्वण्टः॥

দীর্ণঃ ত্রি বিদারিতঃ। ভীতঃ। ইতি মেদিনী।।

मीविः श्र॰ किकीनिविः । ইতি **मन**-_माना ॥

দুঃ ব্য দুঃখভাবন ॥ কোপঃ। ইতি দুর্গাদাস ধৃত মেদিনী॥

দু • গতৌ। ইতি কবিকল্পদ্রমঃ॥
দু টু ওন অনুতাপে। ইতি কবিকল্পদুমঃ॥

मुःक्षः श्रुः চোরनामगक्तमुवऽः। ইতি ब्राजनिर्घण्टः॥

দুংখ ত ক দুংখক্তৌ। ইতি কবিকন্ন-জনঃ ॥

मुःथ॰ क्री मः मातः। ইতি क्रिकाख-শেষः॥ মনোধর্মবিশেষः॥ न।य মতে আয় গুণ ভেদः। তং অধর্ম জন্য॰ সচেত্রসা॰ পুতিকূল॰। ইতি ভাষাপরিছেদः॥ তং পর্য্যায়ঃ। শীড়া২ বাধা ১ ব্যথা ৪ অমানস্য প্র পুস্তিজ ৬ কষ্ট ৭ কৃছু ৮ আভিল ১। ভীল ১। ইত্যমরঃ॥ অর্তিঃ ১০

चार्जिः ১১ भीष्ठन• ১२ चवाधा ५०वा-थन॰ ७९ जामनमा ७० जामानमा ७७७ विवाधन २१ भी फिंड > ३५ विष्ट्रेन ১৯। ইতি শবর शवली॥ 🗱॥ সুখ॰ मूं शंक इर्घ लाक्य नक्तान्य । यया म डक उद्दक्ष या शिनाम नि मूर्च-ভ• ॥ ইতি বুদ্ধবৈবর্ত্তে ঐকৃষ্জন্ম-थ७ ।। अ ।। मुःथामवः शुवकामि ত চৃণুষ বসুন্ধরে । উচিতেনোপচা-द्भिष मुःथः भाक विनामनः॥ यह-ক্ষার কৃতো নিত্য নরো গোহেন চা-वृजः। य गा॰ देनव शुन्नमाख जला দুংখতরমু কিং।। সর্বাশী সর্ববিক্তেতা ন্মকার বিবর্জিতঃ।যেচমাণ ন পুপ-'দ্যন্তে ততে। দুঃখতরনু কিং।। সর্বামা-নি তু সিদ্ধানি পাকভেদন্ত কারযেৎ। অবৈশ্বদেব নরো হশুন্তি তত্র দুঃখ তরমু কিং॥পুাধকালে বৈশ্বদেবে দৃষ্ট• ষতিথি মাগত । অদহা তস্য যো ভুদ্ধকে তত্র দুংথতরমু কি॰।। অসম্ভষ্ট स्र देवरम् अन्नमान्नाज्यिम्ब्यंकः । পরোপতাপী মন্দামা তত্র দুঃখ जब्रम् कि ।। अक्द्रायू ईव कर्म गृ्ह সম্বসতে নরঃ ৷ মৃত্যুকাল বশংপুাপ্ত छव पूःथजतम् कि॰ ॥ इस्राय तथ यामानि शह्यानानि शक्यकि । नरेव

তস্যাস্তঃ পৃষ্ঠে তত্ত্ব দুংখতনীৰ কিং ॥ অশুষ্টি পিশিত কৈটিৎ ঘৃতশা वि मन्निष्ठः। भूक्षामः क्षिप्रमृश्चि ত্র দুংখতরনু কিং ॥ বরবজাবৃত্তাং শয্যা॰ সনাসেবন্তি ভূষিতাঃ। কেচিং তৃণেষু শেরন্তে ততো দুঃখ তরগু কি ।৷ বিদ্বান্ কৃতী ভশক্ত চ সর্বশান্ত বিশারদঃ ৷ কেচিয়ুকাত্র দৃশ্যমে তত্র দুঃখতরমু কিং।। বিদ্যমা-নে ধনেকেচিৎকৃপণা ভৌগবর্জিতাঃ ৷ দ্বিদুো জায়তে দাকা তত্ৰ দুঃধা তরমু কিণাপুৰুষস্যদ্যেভার্য্যে তযো রেকা॰ পুশ॰সফে । একাপি দুর্ভগা তত্র ততো দুঃখতরনু কি॰॥ नन्ता छ নানুষী সংজ্ঞাং পঞ্ভূত সমন্তি। । मात्मव न शुश्रमप्रः छ 'क्त्वा मुःथ-তরমু কি ।। লব্বা ব্রাহ্মঞ্ ভাষস্ক बया वर्गाः मूमश्रम । भानिकर्मतका शामः खाला मूः यञ्जाम् विद्रा अञ्च कथिउ॰ उत् पूर्थ कर्म वि नेक्य । সর্বভূত হিতাথীয় যত্ত্বা শরিপ্ছ ১-তে॥ ইতি বরাহপুরাশ্। 🗫 ॥ দুঃখ-मानि यथा। शात्रञ्जुर ३ जाविहर ব্যাধিঃ ৩ মানচ্যুতিঃ ৪ শবুঃ ৫ क्रजार्या ७ निः व १ क्यागवानः + अश्वामित्त्रवनः २ वक् कन्राः ४० वृष्यः ५

मुक्तार्भ

পরগৃহবাসঃ ১২ বর্ষাপুরাসঃ

তি ভার্যাদ্য ১৪ প্রভৃত্যঃ ১৫

দুর্ভলকরণককৃষিঃ ১৬। ইতি কবিকল্পলতা ।।

দুংথদোহ্যা জী দুর্দোহণারী । তৎ
পর্য্যায়ঃ। করটা ২। ইতি হেসচন্দুঃ।।

দুঃথিতঃ ত্রি দুঃথী । দুঃখ ধাতোঃ ॥

কর্ত্তরি ক্তপুত্যয়ঃ ।। দুঃখ জাতনস্যেতি ইতপুত্যযোগাপি।। ভাবেকে

দুঃখ তত্র ল্লী ।।

ন্

पुःशी जि पुःथानिजः। पुःथः विष्ठाल श्राजार्थं निन श्रुजायः॥ पुःवगम् वा निन्मनीयः। उৎ शर्यायः। निःवगः २ गर्डाः २। ইजामतः॥ पुःगमः जि समग्रामः। ইতি जिला-खामयः॥ पःगरः जी नागम्यनी। ইতি वाक

मूः महा जी नागरगनी। इंडि ताजः निर्यण्डः॥

मूः माधी शुर्शितातिकः। ইতি मदः भाषा॥

দুঃসাধ্যঃ বি দুঃখনিষ্ণাদ্যঃ। দুঃখেন-সাধ্যক্তে নিষ্কাদ্যতে যঃ॥

मुहर्षः वि पूर्ण जः ॥ मृथंशा म्हरथन ॥
जिष्ठियः। इंडि त्मिनी ॥ लुकः।
इंडि भदार्थक्सुडकः॥
पूर्णभंः श्रू पूर्वालका। इंडिज्यहः॥

मुख

লতাকরঞ্জঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ !।
খরস্পর্শে ত্রি। ইতি নেদিনী !।
দুংস্পর্শা ক্রী কপিকছুঃ !। আকাশবল্লী !৷ কণ্টকারী ৷৷ দুরালভা !
ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ৷৷
দুংস্ফেটিঃ পুশ শক্রভেদঃ ৷ ইতি হেমচন্দুঃ ৷৷
দুক্লণ ল্লী কৌমবন্ত্রণ ৷৷ সূক্ষবন্ত্রণ ৷
ইতি নেদিনী ৷৷

দুগূল প্লী দুক্ল । পউবস্ত্র । ইতি হেনচন্দুঃ ॥

মলুবন্ধান্ন কারিব। রক্ত পিত বি-কার স্বাসকাস সর্বদোয নাশিত্বঞ্চ ।। 🗱 ।। (गर्यी मुख खनाः ॥ खक्दः। স্বানুত্বণ নিশ্বরণ উষ্ণত্বণ কফ পিত্ত नानिज्ञा का माहिय मुक्ष खनाः। অতিরিধ্বর । নিদ্যুকারির । অগ্নি नानिद्ध ॥ 🕸 ॥ उड्डी मुक्त खगाः। क्षा उक्ष । भाष वाठ कक मानिद्वाक्षा अधी पूज अभाः। मनवगर्व । मधुत्राम्यत्र मद्दर्भ । नियुद्रभ । ।। क ॥ रुखिनी नुक्करणाः। मधुत्रद्रः। শুক কারিত্ব । ক্যাযানুরসত্ব । खकवृक्ष ॥ क्षा मान्य पूर्व खनाः । পুাণধারকর । শরীরহিত কারিত্ব l व्॰श्१वः। তৃপ্তিজনকত্বঞ্ ।। 🦇 II পুত্যুষ কালে গো দুখা পান গুণাঃ। अक्ष १ विश्वे शिद्ध । मूर्जत द्वा । ज माट मूर्यत्रवाट शतःयान यानार्व भिव वा উ**खीर्य्य भाषा गुग्रः ।** उ १९४९ मीभन वघु ॥ 🕸 ॥ विवयमा वानवर्गानाः शयः (नायनः । अक বৰ্ণ বৎস গো দু ঋ খেতবৰ্ণ কৃষ্ণবৰ্ণ গো দুগঞ্ পুশস্ত ।। 🏶 ।। ইক্লু ভক্ষক মাৰ পণ্ডক্ককোজ্ব শৃঙ্গ গো দুখা পিকুমপক্ষা হিত কারক ।। # ॥ পয়ুর্ণ বিত দুক্ষণ্ডণাঃ। গুরুত্ব•। বিষ্ট-

श्चिद्धः। पूर्व्हत्रवृक्षः॥ 🟶 ॥ व्यथक्ष গুণঃ। প্রাযোভিষ্যন্দিত্ব । গুৰুত্বঞ্চ ॥ 🕸 ॥ শৃতোঞ্চ কফ বাত নাশনগা। শৃত শীত পিত্ত নাশন ৷৷ ধারোক मुक्क अम्ज जूनाः ॥ खीउनाः मुक्क বিনা সর্বাপত্ন দুখা ত্যাহ্য ॥ স লবণ দুনাং বিশুথিতং নট ইতি খ্যা ত্রু मुक्क जुराहु ।। 🔅 ॥ पूकामखनाः। एक् र्हि उद्गः। यम काति वः। भिख नामित्र । जनायन इथा भा भाकाम পল পিণ্যাক সলত্থ লবণানিষৈঃ। कर्तीत मधि नारियक शुगिः क्रीतः বিৰুধ্যতে 🗓 ইতি রাজবল্পভঃ ।। अ 🗱 ।। अथ हजूर्दिव क्रीत खनः। কেপ্যাবিক পথ্যত্ন শ্তোফ

विखाशमः नामूचिछः मनामाः 🗯 ॥ जीर्ग ज्ञात करक कीरा कीत মুনাদন্তোপম। তদেব তুৰণে গী-ত॰ विषवषान्ति मानूष॰॥ 🟶॥ ऋीत ক্বাথ গুণঃ। চতুর্থ ভাগ• সলিল• निशाय रञ्जाचनावर्जिज मुजम जर। मर्वानयः वन शुर्छ काति वीर्ग्प्रभूर॰ क्रीत मिल्युमाउ॰ ॥ # ॥ गराउ॰ भू बीए काल गडामभवाद खू भी-হিন্ । ক্রার সশ্কর পথ্য যলা-का बाद्ध महीना ॥ # ॥ कीतः न जू গ্ৰী ক্ৰাপ্যভণ্ড তথ্য নৈতল্পৰ-ণেন নাৰ্ছে । পিপ্তান্ন সধানক নাষ मूद्ग का गाउकी कन्म कला मिरेक मह।। उथाठ। म ८ म। मा॰ म अउगुन म्वरिक সংমাবহার সেবিত পশঃ। শাক জামবরস্থাদি সেবিত মার্যত্যবুধ मामु मर्भ १।। शा तिकः मीठः छक क्रीतः मह्माणः न (मवरयः। मीछाः शि॰ अका मन्ति मन्ति मन्ति नहीं मन 11 # 11 নি**ট**্যন্তীবৃাগ্নিনা সেব্যু সুপত্ন गाहियः श्रायः । श्रूप्रांख वाजवः मर्ब व्याष्ट्र विवर्षनः॥ ॥ क्वीतः गवाः ारम मध्राः कातः नवंशुम्ञानाः 1 ৰুক্তঞ্চ পিত্ত নাহ্ করোতিরক্তানয় প্রক্তে।। # ।। মধুর বিদোষ শমন

क्रीतः मध्य भू मृजानाः। वर्षः मधूदः कीतः विमार जननः हित्र शुर्म्ञानाः ॥ खगहीन निःनात कीत शुथम शुमृजानाः । मध्य वयमाः तमायन मूक गिन पूर्वन इक्ताना ॥ जामा गाम वर्ग रुष् ॰ छिर्दिशीनाक रूट शयः । তদাহি লবণ ক্ষীর মধুর পিত্ত (मायकृ<।। क्षा मुकानुः भी उत्तः सानु</p> ব্ষ্যু বর্ণকর ওক। বাত পিত্তা**পহ**ণ क्टर॰ व्•इन॰ वनवर्ष्धनः ॥ ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।। 🗱 ॥ সথ ভাবপুকাশোক্ত मानाना मुक्ष खनाः । मुक्क सुमधुत দ্রিশ্ব॰ বাত পিত্ত ইর॰ সর॰। স শুক্রকর শীত সাত্ম্য সর্শরীর-गाः ॥ जीवनः वृःहगः वनाः रमशः বাজীকর পরণ বশঃস্থাপক মাগুষ্ড সন্ধিকারি রসায়ন ॥ বিরেক বান্তি বস্তীনা তুল্য মোজো বিবৰ্দ্ধন ৷ জীৰ্ণ ज्ञत नाताताल लाव गृही जुरम ৰুচ।। গুহন্যা॰ পা গুরোগে চ দাহে বভিরোগে গুদ্বঙ্কুরে ॥ রক্তপিতাতি नात ह यानिताल मुत्न क्रम । गर्ड স্থাবে চ সতত হিত গুনিবরৈঃ মৃত ।। वान वृष्त कुछ कीनाः कृष्णवाय **কৃশাশ্চ যে।তেভ্যঃ সদাতিশযিত**

হিত মেতদুদাস্ত ॥ ইতি ভাব-পুকাশঃ॥

দুখঃ ত্রি পুপ্রিতঃ। ইতিমেদিনী।। क्जमार्क ॥ (मार्व क्ली ॥ मुक्ककृशिका जी शिष्ठकविष्मयः। यथा তণ্ডলচ্ন বিমিশ্রিত নষ্টকীরেণ जान्मु लिष्डिम। मृष्क्लिकाः विमर्गा-खाक পচে नर्भिया मम्रक्॥ वर्थ তা॰ করোতি মধ্যা॰ ঘনপয়সা পূর্ণ গর্ভাঞ্চ। শউক মুদ্রিত বদনা তগু ষ্তেন পদ্বদনাঞ্চ। অতিপাপ্তু থ-ওপাকে সুগয়েৎ কপূরি বাসিতে ब्रमनः ॥ अमेत्रखनाः । अथ मूक्ष কৃপিকা সা বল্যা পিত্তানিলাপছা ব্ষ্যা শীতা গুৰী শুক্ৰকরী তৰ্পণী

मुक्कानीय॰ क्ली मुक्कागु॰॥ क्कीतरकनः । ইতি मिनिनी ॥ मूकागु॰ । ইতি হেন্চন্দুঃ 11

পুকাশঃ 11

क्ठा। विरक्षाि काय शूष्टि॰ मृष्टि॰ ।

দ্রপুসায়ণী সুচির ।। ইতি ভাব-

দুগ্দপাচন ল্লী দুগ্দপ্তাকপাত। ত পর্য্যায়ঃ। বজুক ২। ইতি হারা-वनी ॥

ুগোলা ইতি ভাষ।। তংপর্য্যায়ঃ।। विविकन्नवा।।

म्भागागकः २ मूकामा १ की ही ६ (गारमनमिष्ठः ६ वज्रा उ३ ७ मी ५ कः १ मुकी ४ कीत्रक्वतः २। यहा खनाः। कठादः। देवमूकदः। इत-পিত্ত হনোগ শূল কাসাধ্যান বিনা-मिज्रक। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

पृष्कपृही जी वृक्षविष्णयः। मुक्षःशया ইতি খ্যাতা। তৎপর্যায়ঃ। সেব-कालुः २ निमा ७ जका ८ नगहती ৫। इंडि भप्राम्युका ॥

मुक्षारकनः शुः कीत्रहिकीतः। उद-পर्यत्रयः। भार्कतः २। इंछि त्राज-निर्घ छै: ॥

मुक्षाकनी जी कृमुकूशिविष्य है। उ পर्यायः। शयःकिनी २ किनमूका ० পয়ধিনী ও ল্তারিঃ ৫ ব্রুণকেত্রী ৬ (गाह्याश्रेती १। यम्राज्येषः। करूदः । তিজ্জ । শিশির রূপ। বিষ রুণ নাশিত্ব । কচ্যত্ব । যুক্তক্রেসায় ত্বঞ্চাইতি রাজনিষ্টঃ।

पूषवीका की यावनानाम अर्ग्ठा उछ তপুল চিপিটঃ । অ্স্যা গণাঃ। मूमधूत्रद । पूर्धन्न द । वीय श्राधे-দাত্ত্বঞ। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

मूक्षभाषा १३ कु वृक्षविश्मयः। शित- पूक्षा कि उन्यं। जी विश्वीः । इंडि

कुकानमां श्रुः मधानायाः । इंडि र्त्त्रीकनिर्घणैः ॥

দুক্ষাকঃ পু॰ উপলবিশেষঃ। ইতি नदार्थकन्नुठकः ॥

चूषिका जी वृक्कवित्नवः। मूथी मूथा कीतर रेंजि চ ভाष।। ত शर्यशायः । बापूननी र की दावी अकी दिनी ৪। অস্যা গুণাঃ। উফর্॰। গুৰুর্॰। ৰক্ষৰ । বাতলক। গর্ভকারিব । बाहूकीबद्द । करूँ दु॰। তিজ दृ॰। মল মূতাৎ সর্গকারিব। পট্র। बामूद्रेशे विश्वे सिद्धाः वृष्ठ्रवः । कक হ্ব ৪ কৃমি নাশি বৃঞ্চ। ইতি ভাব-পুকাশঃ॥ কৃক্তভেদঃ। গদ্ধিকা ইতি थाजा । उर्भर्गयः । উडमा २ यूप्पकना 🖋 উख्यकनिनी ४। ইতি ब इगान**।**।

দুষ্ণিনিকা 🐧 রক্তাপামার্গঃ। ইতি রাজনির্যক্ষণা

मूकी की लीबानी। रेंडि लारिनी।। দুঝপাৰ 👣। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। मूहकः शुर्भाता नाम गन्न मुवारा विहा ক্ষাইতিমেদিনী॥

पूर्णिः जी पूजिः। कह्नी। ইত্যমর धैकाया॰ क्रोममूक्टः॥

मृषुङः शू॰ पृषु**ङमर्गः। ইजू**ागां पि

দুক্ষমঃ পু• হরিৎপলাঞ্ছাইত্যমরঃ॥ मुन्मनः शुः, पूनमु जिः। ইতি भपत्रशा-

मुनमुः श्र॰ वमुप्तियः। ইতি विकाख-শেষঃ॥ मृन्मू ভिवान १ । ইতি **नप** त्रश्वनी।।

मुन्मु जिः शु॰ वृष्ट्यकृ । उर्श्वराषिः। ভেরী ২ আনকঃ ৩। ইত্যমরঃ॥ वक्षाः ॥ रेमञ्जालितः । इंजि स्मिनी ॥ রক্ষোভেদঃ॥ বাদ্যভেদঃ। ইতি भदत्रशावनी ॥ विषः। ইতি इत-ठन्मुः॥

দুন্দুভিঃ স্ত্ৰী অক্ষঃ।পা**শকঃ। ইত্য**ু মরঃ।৷ অক্ষে পাশক বিষয়ে দান-বিশেষো বিভি ইতি খ্যাতঃ। ইতি किटि ॥ अक विन्तु विक धरा । ইতি রভসঃ।। বিন্দৃত্বিত চতুল্লার্থ . স্বর্ণশৃস্পাদি: ম্য দুয়তোপকরণ পা-🗆 শটী ইতি খ্যাতা। ইতি কেচিৎ ॥ ইতি ভটীকায়াণ ভরতঃ।।

प्नमुगातः श्रृ श्रृक्यातः। ইতি भपा-र्थकन्नज्यः॥

্ৰুক্ বি দুইছিতঃ।ইতি শবার্থ । দুরদৃষ্ঠ ক্লী দুর্ভাগ্যণ।ইতি স্তিতক্রে।

मूत्रत्रः शुः अभयः। ইত্য**मतः**॥ मूत्र डिगुरुः शुः जनामार्गः। ইতি ता जनिर्य हैः ॥ मूःथगुरश खि॥ पूर्विणुका जी किंगिकहुः॥ पूर्वा नजा। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।। দুরাকঃ পু॰ শ্লেছভেনঃ। ইত্যুণাদি-কোষঃ 11 नुताहातः शुः विकलाहत्रगः। यथा। शास्त्र किंगूर्ग चारत मत्राः भूग्र-বিবর্জিতাঃ। দুরাচার রতাঃ সর্বে मञ्जार्खा **প**রাধাঝা। ইত্যধ্যা ম রানায়ণ ৷৷ নিন্দি ভাচারবতি ত্রি ॥ मूतावर्षः शुः भोत्रमर्थभः। ইতি রাজ-निर्घण्डः ॥ व्यथर्गीय वि॥ मूत्राथर्या खी अहि यिनी वृक्षः । इंजि वाखनिर्घण्डः ॥ मताकशः भू विकः ॥ नातिरकनः। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ॥ मुज़ाकरा जी थ जूती। ইंडि द्राज-निर्घण्डः ॥ मुतारतारः भू जी भविः । इंडि वाजनिर्घण्डः॥ पूःथावार्गार्गाय कि॥ मुतारतारा जी भागावित्कः। ইতি जिना ७ (**लप्**रः ॥ **ञ्र**पन्नी । इंडि वाजनिर्घणः॥ ৰুৱালভা জী ৰনামখ্যাত কণ্টকযুক্ত

দুরাস

क्रुव्कवित्वतः॥ त्रववात्रशुख्तः । श्रिक्षा इंडि थ्राजा। उद्भर्गायः । नूतान मा २ श्वापातः ३ जानुम्मा 8 कहूता c मून्तर्भा ७ वरी न धन्-यवानकः ৮ भुवाधनी ३ म्बन्या > विक्रा >> पूजि**ण्या >> पूर्व**-**ভा ১**০ দুঃপূৰ্ষ ১৪। ইতি রাজ-निर्घण्डे ॥ यात्रः 🖈 यवात्रः ১৬ मुझर्मः ১१ ज्यानकः १५ (बारनी १२ व्यनसः २० मम् मुखा २५। ইउ।भद्रः ॥ गन्नात्री २२ कवाण २०। ३७ ভাবপুকাশঃ॥ অস্য গুণাঃ। সার-मञ् जुन्न हर्षि (न्या भि उ दिमर्भ रवमना नानिष्ण । इंडि द्राज-वज्ञञः॥ कर्षेषः। जिङ्कद्वः। উकद्वः । कातवः। अवदः। ब्यूतवः। वाज গুল্ম পুমেহ নাশি বৃষ্ণা ইতি রাজ-निर्वणेः ॥ स्वामम् । खरैन खन्त्र বুধৈ ককা দুরালভা 🕻 ইতি ভাব-भुकामः॥ दूतामञ्जीतः वि ।। प्राम्या जी प्राम्खा ई है जि ताब-निर्य के ।। म्बालाभः भू गानिः। देनि भ्रार्थः कन्न छन्।। मूत्राममः जि मूत्रामाः। यथा। मूत्रा-नारा पूर्विवरहा ज्ञानाः न वज्वर ।

্ ইতি শ্ৰিভাগবঙ ॥

্ষিত লী পাপ। ইত্যমর: 11 তব্তি বি।।

मूति उपभनी खी सभी। ইতি রাজ-নির্ঘণীঃ।। পাপনাশিনী চ ।।

দুরিষ্ঠঃ ত্রি অতিমন্দঃ। অযমনযো রেষা বা অতিশ্যেন দুঃ নিনিতেঃ। ইতি ব্যাকরণ ॥

দুরীষণা জী শাপ্তঃ। ইতি শবার্থ-কল্পতকঃ॥

দুরোদর॰ ক্লী দ্যুতভেদঃ। পাশ ক-ক্রীডা। ইত্যনরঃ।।

मूरतामतः श्रु॰ मृज्कृ ।। श्रापः। ইতি
यामिमी ॥

 ১৯১ अध्रायः ॥

मुर्गः शृ॰ अमृत्राख्यः। य॰ ह्या हिल-कार्या मूर्गिक नामाक्ट । इकि काणीथख॰ ॥ ख्युष्यः । इकि त्राख-निर्यकः॥पूर्गाम वि। इकिस्मिनी॥ पूर्गकातकं क्ली वृक्षवित्यकः । इकि भद्याणा॥ पूर्णकर्वति वि॥ पूर्गकः वि पतिषः। इक्यानः॥ पूर्गिकः जी नतकः। इक्यानः॥ प्रातिषुः। इकिस्मिनी॥

्र्गिजिशानिनी जी मूर्गा। यथा।
बुका अविकयम् प्राम्य कवरम् शुकाशिव्धः। अविन्त्रम् क गायजी रमवी
मूर्गिजनानिनी । इंजि दुक्तिवदर्खं
गरगमथ्यः॥

দুর্গন্ধ প্লী সৌব**র্চলল**বণ । ইতি হেমচন্দুঃ।।

1 है हिन्द महन्मुः ॥ उत् वह विष्यः । पूर्णकः श्रूः मूझेणकः । उट भर्यायः । यथा। ज्या पूर्णः मृशः अर्थाः यशाः भ्याः भ्याः । श्रुष्णकः २ । हे छात्रभ्याः ॥ आमु विष्याः । यश्रूष्णं महीपूर्णः विष्याः । हे छात्रभ्याः ॥ मृहेणकः विषयः । विषयः विषयः ॥ युक्तः वि॥ युक्तः वि॥

দুর্শদ্ধী ত্রি দুর্গদাযুক্তঃ। ইত্যমর টীকা-বাণ রাযমুক্ষটঃ।। দুর্গপুরী ন্ত্রী বৃক্ষবিশেষঃ। কেশপুর। ইতিখ্যাতা। তৎপর্য্যায়ঃ। মানসী

২ বালাক্ষী ৩ কেশধারিণী ৪। ইতি गप्रमिका॥ षूर्गनः जि पूर्णः। पुः त्थन गमनीय छा-ा नारि। ইতি শবসালা।। 👙 দুর্লদ্বনঃ পু॰ জ্রী উদ্রঃ। ইতি হেম-े हन्दुः ॥ दूर्वञ्चनीत्य वि ॥ দুর্গসঞ্চরঃ পু॰ সংক্রমঃ। সাঁকে। ইতি ভাষা। ইত্যমরঃ॥ দুর্গসঞ্চারঃ পু॰ দুর্গসঞ্চরঃ। ইত্যমর-**होकाया॰ श्वामी** ॥ पूर्णा जी नीनी । इंडि मिष्नी ॥ অপরাজিতা। ইতি শব্চন্দ্রিকা।। न्यामा शकी। ইতি রাজ निर्यण्डः॥ रिभाषय कन्छा । भा निवज्यंता। गणि कार्डिकयामां जा है। उर পर्यायः। উमा २ काञ्यायनी 🗢 গৌরী ৪ কালী ৫ হৈসবতী ৬ই শ্বরা १ मिवा ৮ ভवानी २ बमुागी > मर्वागी >> मर्वमक्ला >२ व्यश्ना > भार्वजी ४३ म्डानी ४৫ हिंका ১৬ অম্বিকা ১৭। ইত্যমরঃ ॥ नातना १४ हुओ १३ हुएवडी २० **छ** २३ हखनायिका २२ नितिका ২৩ মঙ্গলা ২৪ নারাযণী ২৫ মছা-गाया २७ विकवी २१ महस्यती २৮ मशास्त्री २२ विश्वी ७० वेश्वती ७०।

কোউবী ৩২ ষষ্ঠা ৩০ মাধবী ৩৪/ नगनिसनी ७२ जगडी ७७ जागंदी ৩৭ রম্ভা ৩৮ সিংহরথা ৩৯ সতী ৪০ **ज़ामती 8) मक्क कन्या ९२ महिय-**मिर्मि ३० (रुद्रश्वजनमे ४४ मादिजी-87 क्क शिक्ष वा 85 व्याक शावी 89 লম্ব। ৪৮ হিমশৈলজা ৪৯ কার্ত্তি-(क्यश्रुमू: ৫० जाम्ता ६) निज्ता ६२ বিদ্যা ৫০ শৃভঙ্করী ৫৪ সাত্ত্বিকী ৫৫ রাজনী ৫৬ তামদী ৫৭ ভীমা ৫৮ नन्दनन्दिनी ६२ महामायी ७० मृत-थरा ७> मूनना ७२ मू छ्या जिनी ७०। ইতি भद्दश्वावनी ॥ श्री ७८ পर्वठ-রাজতন্যা ৬৭ হিনালযুক্তা ৬৮ মহেশ্বরবনিতা ৬৯। ইতি কবিকল্ল-লতা!৷ সত্যা ৭০ ভগবজী ৭১ ঈশানা १२ मनाउनी १० महांकानी १८ শিবানী ৭৫ হরবল্লভা ৭৩, উশুচণ্ডা ११ हानु छ। १४ विधाजी १५ जानका ৮० महानाजा ४) महामू मा १२ माक-ब्री ४० ভৌभी ४४ कन्त्रानी ४৫ कृष्ण bo मानराजी be महालम्। ५b मा-निनी ४२ ठावेंकी २० वाली ३५ रेगा ৯২ বলেশী ৯০ জুমরী ৯৪ ভূষ্যা ৯৫ कालूनी २५ यजी २१ वुक्रमधी २५ जाविनी २३ (मवी :०० अविष्ठा २०)

बित्वा २०२ बिग्वा २०० ठर्ठिका - २०८ जीतु। २०७ नन्तिनी २०७ नन्ति। ১০৭ ধরিত্রিণী ১০৮ মাতৃকা ১০৯ **हिमानन्त्यक्रिणी ১७० मनियनी ३००** महारमवी ७४२ निमुक्ति ७४० छवा-निका ১১৪ তারা ১১৫ नीलमत्रवर्षी ১১৬ কালিকা ১১৭ উগুতারা ১১৮ कात्मधनी ১১৯ मून्पनी ১२० छिन्नवी ১২১ রাজরাজেশ্বরী ১২২ ভুবনেশী २२० वृद्धिजा २२८ महामन्त्री २२€ ब्राजीवरणावनी ७२५ थनमा ७२१ वा-गीयती १२४ विश्वता १२२ जाना-मूथी १०० वंगलामूथी १०१ निष्वि-हत २०२ व्यमभूर्ग २०० विभाजाकी ১০৪ সুভগা ১০৫ সন্তবা ১০৬ निर्छना ১০৭ ধবল, ১০৮ গীতিঃ ১০৯ গীত-वाम् प्रश्निया । ४० व्यक्तानवामिनी । ४३) अउँ उदातिनी ७४२ (याता ४४० (युना **)**88 वर्षे धन्नी ३80 कीर्जित ३8७ বুদ্ধিদা ১৪৭ অধীরা ১৪৮ পণ্ডিতা-লযবাসিদী ১৪৯মণ্ডিতা ১৫০ সমূৎ नद्रा २८ क्षिक्षा १०२ विविश्विया সুহঠ ভমুলা ১৫৪ কামিনী ১৫৫ কাম-ৰ্গা ১৫৬ পুণ্যদা ১৫৭ রিফুচকধরা ' ४०५ शक्या ४०२ वृन्तावन वक्तिनी १७० गायासा निभिनी १७१ मायावजी **७७२ बीम् उदमन। ७७० बगमा थन क**-পিণী ১৬৪ কৃত্তিবসনা ১৬৫ ত্রিয়ামা ১৬৬ बमलाबू नी ১৬৭ यामिनी ১৬৮ यत्नामा १५२ यामवी ११० बगजी १११ কৃষজায়া ১৭২ সত্যভামা ১৭০ সুভ-पुका ১৭৪ व **न** ना ১৭৫ मिगञ्जती ১৭৬ পৃথুকা ১৭৭ তীক্ষা ১৭৮ আচারা ১৭১ অক্রা ১৮০ জাহ্ন বী ১৮১ গণ্ডকী ४५२ (बाया ४४० क् मुनी ४४६ त्या इ-নী ১৮৫ বিকারা ১৮৬ অক্ষরবাসিনী ১৮৭ অংশকা ১৮৮ পত্রিকা ১৮১ পবিত্রিকা ১৯০ তলসী ১৯১ অতলা १३२ बानकी १३३ वन्त्र १३८ काम-ना ১৯৫ नात्रिनिश्ची ১৯৬ नित्रीणा २२१ माधी १२४ कन्यानी १२३ कमना ২০০ কান্তা ১০১ শান্তা ২০২ **জলা** ২•এবেদমাতা২০৪ কর্মদা**২০৫ সন্ধ্যা** ২০৬ ত্রিপুরসুনরী ২০৭ রাসেশী २०५ मक्य छ विनामिनी २०३ व्यन छ। २७ धर्मायती २७५ हरकयती २७२ थञ्जना २७० विषया २७८ ऋतिका २४६ विवार २५ मूलिया २७१ 🗸 🛒 २४४ ताका २४२ शुक्रा २२० अधिना ২২)তাপিনী ২২২ তপা ২২০ সুমন্ত। २२८ पूर्वी २२৫। इंडि जम्राः गर्मु नामाडर्गङ ॥ 🗱 ॥ अस मुगानाहाः

वु १ शिष्ठ रेथा। दूर्गा रिएउ। महा বিয়ে ভববদ্ধে সকর্মণি।শোকৈ দুঃ-খেচ নরকে যুন্দণ্ডে চ জন্মনি॥ মূহা-ভবেতিরোগেচাপ্য। শবে। इस्वांह-कः। अञान् इत्स्रुव या (नदी ना पूर्गा পরিকীর্ত্তিতা॥অপিচাদৈত্য নাশার্থ ব্যনোদকারঃপরিকীর্ত্তিতঃ৷ উকারো বিহুনাশস্য বাচকোবেদসমতঃ॥রে-কোরোগয় বচনোগত পাপয় বাচকঃ । ভয় শত্রুর বচন শ্চাকারঃ পরিকী-র্ভিতঃ।। মৃত্যুক্তি শুবণামস্যা এতে-নশ্যম্ভি নিশ্চিত । ততো দুর্গা ছরেঃ শক্তি হরিণা পরিকীর্ত্তিতা।। দুর্গেতি দৈত্যবচনোপ্যাকারো নাশ বাচকঃ । पूर्नः नामयि या निज्यः मा पूर्ना वा शुकीर्डिंञ।। विशव्धि वाहरका मूर्ग শ্চাকারো নাশ বাচকঃ। ত॰ ননাশ্ পুরাতেন বুধৈ দুর্গা পুকীর্ত্তিতা II # II অস্যাঃ স্বৰূপ• যথা। নন্দ• পুতি ত্ৰী क्ष वाकुः। जान्य नाक्षायनी मकिः সৃষ্টি স্থিত্যন্ত কারিণী। করোমি চ यया मृष्टि॰ यया वुकारि प्रवजाः ॥ यया अयि विश्वक यया मृष्टिः भूजा-यं । यया विना जगन्ना छ नया में जा-**णिवाय मा ॥ म्या निमु ह क्कू**बृश्चि ভ্না শুকা ক্ষমা ধৃতিঃ। তুঙিঃ পুঙি

তথা শান্তি ৰ্লক্ষাথিদেবতা হি সা।। বৈজ্ঞে সামহাসাধী গোলোকে রা-ধিকা সভী। মর্ত্যলন্ধীশ্চ ক্ষীরোদে पक्क कन्। जर्जी ह मा।। मा पूर्गा स्वन-का कन्त्रा रेमन् पूर्गिक नामिनी। वर्ग लक्षीक पूर्णा ना मकारीना॰ गृहर ग्रह।। मा वानी माह माविजी विशा-विश्वाकृष्मबङा । वरहो मा माहिका শক্তিঃ পুভাশক্তিক ভান্ধরে ॥ শোভা শক্তিঃ পূর্ণচন্দ্রে জলে শক্তিশ্চ শীতলা। শস্পুসৃতি শক্তিক ধার-ণাচ ধরাসু সা।। বা শ্বণ্যশক্তি বিপ্রে-ষু দেবশক্তিঃ সুরেষু সা। তপিষনা॰ তপস্যা সা গৃহিণা গৃহবেদতা।। মুক্তিশক্তিক মুক্তানা মাধা সাণ-भातिकम्। भाषा भाषा । भाषा । भाषा । मिकि गींग ভिक्ति भुमा गमा॥ नृशा-ণা॰ রাজ্যলন্ধীক বণিজ্। লভ্যৰ-পিণী। পারে সংসার সিমূনা ত্র্যী দুত্তরতারিণী।। সৎসু সদুদ্ধি ৰূপাচ মেধাশক্তি স্বৰণিণী।ব্যাপু্য়শক্তিঃ শুতৌ শান্তে দাতৃশক্তিক দাতৃষু।। ক্ষত্রাদীনা প্রপুভক্তিঃ পতিভতিঃ जञीयूह। এব॰ क्रशा ह या मिक र्यशा , पखा मिवाय जा॥ # ॥ जानिह। শঙ্গপুতি পার্হতী বাক্যং টবেন্সপ্তে

मुर्गा

१হ॰ মহালন্ধী গোলোকে রাধিকা শ্বয়**। ভাবাহ**ণ শিবলোকেপি বুক্দ-লোকে সরশ্বতী॥ অহ॰ নিহত্যদৈ-ত্যা॰ক দক্ষকন্যা সতী পুরা। ভ্রমি-नत्या भूता ठाङ्गा माठारः रेनव-कन्यका॥ त्रक्षीकम्य गूष्क व कानी व মূর্ত্তিভেদতঃ। সাবিত্রী বেদনাতাহ॰ সীতা জনক কন্যকা॥ কন্মিণী দার বত্যাঞ্চ ভারতে ভীম কন্যকা। जूमाः भाभा दिनवार व्यजान् मू जायूना ॥ धर्मभ द्वी ह क्षमा भूरा वृन्तावतन वतन ॥ # ॥ जानातकः। কৃষ্ণ পুতি পাৰ্বতী বাক্যা। একাহণ রাধিকা ৰূপাগোলোকে রাসমণ্ডলে 1 রাস শ্ন্যঞ্গ গোলোক পরিপূর্ণ স্বৰু পুড়ো॥ পরিপূর্ণতমাহঞ্চ তব-বক্ষঃস্ল স্থিতা। তবাজ্ঞবা মহা-লন্ধী রহ- বৈঙ্গু বাসিনী। সরস্বতী চ তাঁত্রব বামপার্ম্বে হরে রপি।। ত-বাহ•মনসাজাতাসিদ্ধুকন্যা তবাক্ত-या। मृर्गविजी (स्वमाजाइ॰ कनया বিধ্যু সঁমিধৌ ৷৷তেজঃসু সর্বদেবানা• পুরা সত্যে তবাজ্ঞয়। অধিপ্তান• কৃত তত্র ধৃত দিব্য শরীরক ।। শু-खारयण्ड रेरज्याण्ड निरुव्यण्डावली-লযা। দুর্গ নিহত্য দুর্গাহ অপুরা

ত্রিপুরে বধে।। নিহত্য রক্তবী 🚓 🗢 ব্ৰক্তবীত্ৰ বিনাশিনী। তবাক্তবা দক্ষ কন্যা সতী সত্যস্বৰূপিণী ৷৷ যোগেন ত্যক্তা দেহঞ্চ শৈলজাহণ তবাজ্ঞযা। ত্থা দক্তা শঙ্করায় গোলোকে রাস-মঙলে।। বিষ্ণুভক্তি রহণ তেন বিষণ-भाषा ह दिक्क्वी ॥ नात्रायगम् अ।या-হ• তেন নারাযণী মৃতা। কৃষ্পুগণা-ধিকাহঞ্চ প্রাণাধিষ্ঠাত্দেবতা। নহ-षिका काम स्व कननी ताथिका স্বয•॥ তবা জ্ঞথা পঞ্চধাহ• পঞ্পুকৃ-তিৰপিণী।কলাকলা॰ শ্যাহঞ্চদেব পত্নের গৃহে গৃহে ॥ 🟶 ॥ অও তস্যাঃ পূজা পুকাশ:। পুথমে পূভিতা সা চ क्ष्यन भवना यन।। वृन्ता वतन ह नृष्टेता-**मिशालाक तामम अल्या मधुरिक है-**ভ ভীতেন বুহ্মণা সা দ্বিতীয়তঃ। ত্রি-পুর পুেষিতেনৈৰ তৃতীযে ত্রিপুরারি-११॥ जुड्ढे निष्या मरहरन्तु । नाशा फूर्दा-সসঃ পুরা। চতুর্থে পূজিতা দেবী ভক্ত্যা ভগবতী সতী।। তদা মুনীন্দুঃ जिष्कतेनु परं रिक्ट मनू मानरेवेः। श् জিত। সর্ববিষেষু বভূব সর্বতঃ সদ।।। তে अः मू मर्दर वाना मावि र्ा १ शूरा मूल । मर्ख (एवा एमू छरेम) मजानि ज्यगानि ह।। मूर्गामय के रिन्छा क नि-

হতা দুৰ্গথা তথা। দ'ত্ত স্বরাজ্য দেবে ভ্যো বরঞ্চ যদভীন্নিত ।। কালান্তরে পুজিতা সা সুর্থেন মহাস্থানা। রা-क्का (सक्षम निष्युत मृत्यया) क महि-**ख**र्छ।। भिवारिं जिन्ह महिरेवः कृषः-मारिक गर्थकः। हारेन भी रेनन হ্বপ্নাথ্যৈ পক্ষিভি বালভি মুন।। বেদোক্তানি চ দবৈবসুপচারাণিযো **उन । ध्वा ठ कवठ॰ ध्रावा म॰প्**बर চ বিধানতঃ ।। রাজা কৃষা পরীহার॰ বর॰ প্রাপ যথেন্নিত । মুক্তি স প্রাপ বৈশ্যক্ষসপ্রাচ সরিভটে।। जूक्षाव ताकारिक्नाक मानुत्रवः शूरो-क्षंनिः। विममर्कं मृथयीज्ञाः गভीति निर्माल जला।। मृधयी॰ ज्नमयी॰ मृक्षे। कलायोजाः नदायिभः। कादाम जव रिनाउक उठः ज्ञानाउतः यर्यो ॥ ত্যকা দেহঞ্চ বৈশ্যণ্চ পুষরে দুয়রণ जनः। क्वा बगाम गालाकः मूर्गा-(रवी वरत्र ह।। त्राजा यर्यो अत्राज्यक পূজ্যো নিষ্ণটক বলী। ভোগঞ্চ বুভূ-ত্ৰে ভূপ: ৰাষ্ট্ৰ বৰ্ষ সহসূক।।। ভাৰ্য্যাণ चवाल ग॰न।म। भू वि म काल (या ग-তঃ । মনু রভুব সাবর্ণি স্তথ্বা চ পুরুরে ॥ তপঃ।। ইতেऽব॰ কথিত• বৎস সমা-रमन यथागमः । पूर्णायतानः मूनित्नुक

কি ভ্যঃ শ্বোত্মিছদি ॥ ইতি বৃশ্ধ-रैवर्जभूतान ॥ # ॥ जय पूर्गाभूजा বিধিঃ। শরৎকালে মহাপূজা ক্রিয-তে যাচ বার্ষিকী।শারদীয়ামহাপূজা চতুঃ কৰ্মন্যী শুভা॥ তা॰ তিথিত্ৰয गामाम्। अर्येता खळता विधान जः। हजूः কৰ্মন্যী মুপন পূজন বলিদান হোম ৰূপা সাচ পুতিবৰ্ষ কৰ্ত্ব্যা ৷৷ দ্বিশ-রীরে চরে চৈব লগ্নে কেন্দুগতে রবৌ। বৰ্ষে বৰ্ষে বিধাতব্য স্থাপনঞ্চ বিস-र्जन ॥ या भाराप्यवानम्याप्यवीः দুর্গাণমহোৎসবে। নপুজয়তি দম্ভাদ্বা দ্বেষাদ্বাপ্যথভৈরব।। কুদ্ধা ভগবতী **उन्र कामानिश्वामिश्व दि । वी**श्वा অকরণে পুত্যবাষ শ্রুতেন্চ সা প্জা নিত্যা। বিধি সমভিব্যাহ্নত ফলশু-তেঃ কাম্যা চ। যথা। কৃত্বৈর্বণ পরমা-माशू निवृं ि जिमित्वोक्तः । अव मत्नि। त्रिन मनारमव्याः कार्याः भुभूकः न ।। विভূতি মতুলा लकु ठजूर्वर्ग **পु**रायकः । कामाज्या भूषति कृत्ज পুসকাষিত্য পূজা সিদ্ধি:। उञ्ज्हा नाट क्षनवम प्राप्ति भुजिभमामि यः क्षेत्रापि मध्युतापि महाक्षेत्रतापि क्ववन भश्रभी (कवल भश्रानवभी भूजाकं-भाः कल्ला উम्मयाः। তদনম্ভद्ग मम्मीह-

गिन भुजिवक्षक ॥ 🗱 ॥ ना भूछ। जितिथा। यथा। **भा**तमी ठिखका श्रुडा ত্রিবিধা পরিগীয়তে। সান্ধিকী রা জসী চৈব তামসী চেতি বিশু,তিঃ॥ नाविकी जभ यक्तारेम्। रेनेविकाण নিরানিবৈঃ। নাছা ন্যা, ভাবত্যাক न्बाणारिक् ीर्विङ्॥ शाटेखग् अशः **९** जिं भाके प्रवी नना ख्या ॥ तिवी ॥ সূজ ভণ্টেচৰ ৰ জ্বা বিহ্নি যু তপণি।। " ज्ञाङ्गी दिवारारिंगक रेनरिंदेष अ निय छथा। मूदा मान्मा अहात र्झभ गरेक विना जुरा॥ विना गरेक স্তাস্থা স্থাৎ কিরাতানান্ত সম্তা। वा जरेनः कविये वि माः म्रेन् त-रिन्यक्त रमये कहा। १४० नाना स्मह्र १९८% পূজ্যতে সর্বদস্যুতিঃ। স্বয়ণ বাপ্যন্য-তো বালি পূহ্বেং পূজ্বতে বা ॥ অর্চকস্য তপোযোগাদর্চনস্যাতিশা-যনাং। আভিৰূপ্যায় বিশ্বানাং দে-वः भाविष्रामृह्छि ॥ 🕸 ॥ अथ नव-**ম্যাদিকল্লঃ।ইবে মাস্যমিতে পক্ষে-**।। कन्तात्राभि ग्रह्मत्रस्वो। नवम्ता रवा-शरापादी॰ की जा को जूक सक्रें नः ॥ জ্যেষ্ঠানক্ষত্র শুক্তাযাণ বৃষ্ঠ্যাণ বিশ্বাভি मजा। मध । ग्लयुकाया शवि-কাশাঃ পুবেশন ॥ পূর্বাষা। যুতা है:

ম্যা॰ পূজা হোমাৰু প্ৰপাষণ । উত্ত-রেণ নবন্যান্ত বলিভিঃ পুজযেছিবা॰ ৷৷ শুমণেন দশন্যান্ত পুণিপত্য বিস र्जारा । পু তिवर्षः कन्यार्कि कर्जव्यक्षा-নু গপত্তেঃ সি•হার্কেপি বোধন• তুলা-र्किश इंशिना रिक दिया हा मुक्-ত্যবাং কন্যার্কে মলনাসে ন তদার-ভ ९ उ यदि शृबंदात कः उमा मनमा-(मिश्रिश्हा (मधी मा शा श्रा शा है। मिकः পুত্যर कर्ज्दारमव॥ शावक् वायू दा-কাশ জল বহি শশি গুহাঃ।তাবচ চণ্ডিত্রা পূজা ভবিষ্যতি সদা ভুবি॥ তত্র কৃষ্ণনবম্যাওদেবকৃত্য: ন পূর্বা-ह्र (वाथन"। উভय दिन शृर्बादः न-वभी नारज्भ् र्विपत या द्वार्य जू পূর্বাङ्ग विन। रिवा नात्व युग्पानतः বিনাপি পরদিনে বোধন উভয়দিনে श्रवादः नवग्रापु नाज श्रवितन वानन यूग्ना ।। कन्तानि मीनशर्या-ন্ত যত্র সংপাপ্যতে শিবঃ। তর-वाधः शुकर्खवा (नवा ता छा। भू-**ভপুদঃ।।**(वाथन मस्त्रा यथा। ইरम मा-স্যানিতে পক্ষে নবন্যানাদু যোগতঃ। শ্রীবৃক্তে বোধয়ামি দ্বাণয়াবৎ পূজাণ करताम (इ॰ ॥ व तारगम) वथार्थाय तागनान् गुराय ह। अकाल वुकारा रवारक्षा (मयता खुवि क् जःभूता ॥ ष्यर-नभावित्व ज्वर वाष्यानि मूलबाती l **ল**ক্রেণাগিচ সংবোধ্য প্রাপ্ত রাজ্য সুরালযে ৷৷ তমাদহ• হা• পুতিবোধ-যানি বিভূতি রাজ্যপুতিপত্তিহেতোঃ ।। যথৈব রামেণ হতো দশাস্য স্তথিব শত্ন্ বিনিপাত্যামি ॥ বঙী বোধ নেত্র অহমপ্যাখিমে ষধ্যাং পায়ায়ে .वाथ्यामाठ इंडि शठेनीय ॥ 🟶 ॥ ष्यश्रु जिभमा मिक्झः। ष्राश्विरम भूङ्ग-পক্ষেত্ত কর্ত্তব্য নবরাত্রক । পুতিপ-मामि कत्परितव यावह मवभी ভवে<॥. পুতिशमामि उङ्खिथियू क्ठामाश ভবিষ্যে। কেশ সংস্থার দুব্যাণি পুদদ্যাৎ পুতিপদিনে। পউডোর॰ ছিতীয়ায়া কেশ সংখ্য হেতবে। দর্পণক তৃতীযাযাণ সিন্দুরালক্ষকণ তথা।। मृत्रकं ठठूर्थाञ्च जिनकः নেত্রন ওন । পঞ্চন্যা নহরাগঞ্চ শ-ज्यानकत्यानि ह। यश्याः विष्ठतो বোধ সায় সন্ধ্যাসু কার্যেৎ। সপ্ত-म्याः भाजहानीय गृहमास्य भुभूकायर ৷৷ উপোষণ মথাপ্তম্য় মঞ্চশক্তেঃ পু-शृजनः। नवभा भूगृह खाया उद्यापानाः ईनः रिवा॥ পূজा ह विवासन्थ उद्य-माजूः भुभूकाय । मनाती भृकनीया

ह ज्यनीया ह ज्यरेनः ॥ मन्म्बर्**भू**ब-१० वर्गाः मणगाः भावाताः गरेवः। व्यानन विधिन। यस प्रवीः श्रीपयएं नतः ॥ कन्त वर् भानयङ्ख प्रवी সর্বাপদি স্থিত। পুত্র দার ধনজী না সংখ্যা তস্য ন বিদ্যতে। ভুক্তেই পরনান্ ভোগান্ প্রেত্য দেবীগণো ভবে<।। ಈ।। অথ वश्रामिकन्नः। वाक्षयिष्ट भाशायाः यक्षाः प्रवीः ফলেবু চ। সপ্তম্যাণ বিশ্বশাখান্তা भाक्छ। भुष्ठिशृक्षरय ॥ भूनः शृका॰ ज्ञथाद्वेम्ताः विस्माखन ममाहत्त्र< । জাগর্ঞ স্বয়ণ স্বর্য্যাৎ বলিদান ম-श्वानिनि ॥ भुज्ज विनानक नव्यान विश्विष्टातः। भाराय मण्डूका॰ रची॰ मूर्गा मरञ्चन भूडरयर ॥ विमर्डन मन म्या अर्था दि भावताः निदः। धृति কর্দম বিক্ষেপৈঃক্রীড়া কৌতুক নঙ্গ-रैवः ॥ ভग विका जिथारेनक जग निक्शुगी उरेकः। छग निक् किया-किक अर्यप्राष्ट मणभी दित्न ॥ # ॥ नवनी (वाथनामामर्थि) ब्रह्मा मायः ताथन॰ यथा। यक्ष्रा॰ विम्वज्ह्नो वा-थ॰ जाय॰ जंक्याजू कात्रराष्ट्र। सक्ष्या॰ বোধনানত্রণ করণেপি পত্রী পুবেশ भू इंदिरन गाय वश्रे जार् अकरेर:

বোভয করণ যদা তু পূর্ব দিনে সায় मधीलाजः भत्रस्ति गायः विना यश्ची चां छम। भृदिंगु (दीधम॰ भन्नमित नायमागञ्चन । यहा ज्जय हिता नायः মধী লাভ স্তদা পরেহি মধ্যা বা- ॥ थन[•]। উভयन्तिन माय॰ यश्रजात भू बीरङ्गि यक्ष्रां वाधन ।। यान जन भञ्जल । भिक् मन्द्र देवनाम हिम-বছিথরে ণিরৌ। জাতঃ ঐকলবৃক্ষর ন্ধিকাষাঃ সদা প্রিয়ং,।। **এশৈন**-শিখরেজাতঃ শ্রিফলঃ শ্রীনিকেতনঃ। নেতব্যেসি ন্যা গছ প্জ্যে দুর্গা স্ব-क्लाजः ॥ मायः यशाख कर्ववाः পাৰ্হত্যা অধিবাসন । ষষ্ঠ্যভাবেপি कर्डवर मधनरामिश नात्रम ॥ 🛊 ॥ व्यथ मधगानिक इः। वासित मूक्-" शक्क जु मधनशिन हिनव्य। जब পূজা বিশেষেণ কর্ত্তব্যা মন মানবৈঃ া বিশেষ তত্ৰ বক্ষ্যানি শৃণু পুত্ৰক মমত । সপ্তন্যা প্রিকা প্রা রম্ভাদি নবভিযুতা ॥ মহীনথী চ मृर्डि (मं পুতायू र्धन वृष्काय। अडेमी সামহাপুণ্যা তিথিঃপুরীতিকরী মম।। सर्गाख्य महाद्वानः शक्षगवा यूरेज ন্তথা। গায়ত্ৰীভিঃ ক্ষাবৈশ্চ গন্ধানৈ 🗸 ন্তীর্থ বারিভিঃ॥ ওমধীভিক সর্বা-

ভি ভ্^হितः कनौम खथा । পুत्र রহাদি তোবৈণ্চ গলৈ মলবাছৈ তথা ॥ भी ত বাদিৰ নাট্যেন সাপযে নাঞ্চ ভক্তিতঃ। পূজা সদুপহারৈশ্চ নৈবে-रिरुफ मत्नाहरेतः॥ विन्तरिक च् का-किन्छ जिन्धानप्राप्ति नःयूरैजः। बूर् -या क्वित्व वाहरी उम्र भूगर कृतः শূণু।। স•সারে যানি সৌখ্যানি কা-म्यानि नत्रश्रक्त । भीर्यमायू र्यभाः भूव॰ বিপুল• ধন ধান্যক• ॥ লভতে নং-शुमालन वास मग शूतः वुराहर । বলি ন্তত্ৰ বিশেষেণ দেখে। মৎ পুতিষে नरेतः ॥ जातन विधिन। यस नवनी মতিবাহ্যে । ভুছকে চ বিপুলান্ ভোগানন্তে শিবপুর• বুঙেৎ ॥ ততঃ मधन्ता न्वयुकाया कवनाया वा পূর্বায়ে পত্রীপুবেশ উভয়ত্র পূর্বা-इ मध्यी नाष्ड भव्रज्ञ ॥ युगाम् त्र वर्षवृष्तिण मधनी भाई जी भूगो। तर्व ৰুদ্য মীক্ষন্তে ন তত্ৰ তিথি যুশ্মতা।। भू दी दि नवंश विका भूं जकती महीर्थ সিদ্ধিপুদা আরোগ্যে ধনদা করোতি বিজয় চণ্ডী পুবেশে শুভা। মধ্যাহে জনপীতন ক্ষযকরী সংগ্রাম ঘোরা वहा जायाद्द वर्ष वन्ननानि कन्नह॰ সর্পক্ত সর্বদা।। সন্তম্যামন্তগাযা।

मूर्गा

যদি বিশতি গৃহ• পত্ৰিকা শ্ৰীফলা-ঢ্যা রাক্তঃ সপ্তাঙ্গ রাজ্য জনসুথ মথিল হিত্ত মূলানুরোধাৎ। তথাৎ সূর্য্যোদযন্তা॰ নরপতি শুভবা॰ সপ্ত नी॰ भागा (नवी॰ ज्भावा (वन्य ত্তা॰ সকল জনহিতা॰ রাক্ষসর্ফ॰ विशय ॥ विश्व हा॰ भृजत्यत्वि॰ মণ্ডলস্থাণ তথৈব চাপুত্তকস্থাণ মহা त्रिं भारिक शुक्तिमात्रूष्ठ । हिट्क ए विभित्य थात इन्ब्राक्षा का शृद्धाय -॥ রারা যথাবিধি বিখেতি করাননা-ড্ঘু রাচন্য সম্পেন্ম ব্য জন্তঃ शुभागतना धनमिय स्तार वाशिवका गाना गणभणिष छन्य न रा ॥ वन्त भः इ त्रावीत्म मुङ्गाष्ट्रेम् १ शुश्रु যেৎ। সোগবাসো নিশার্দ্ধ তু মহা বিভব বিস্তরৈঃ ৷৷ পূজা॰ সমারভে-দেব্য নক্ষত্রে বাকণেপি বা। পশু **घाउ॰** कर्न्टरता गवलाङ वध खथा॥ উক্তবচনে পশ্যাতক কর্ত্ব্য ইতি नु. तुः । अष्टम् ता कि विदेश मा रिगः ञ সুমান সুগ क्षि जिः। পূ कर्य व 🔊 का-তীয়ৈৰ্বলিভিভোজনৈঃশিবাং॥ইতি कालिकाभुतानाह । अञ्चन्तरा विमा নেন পুত্র নাশো ভবেদ্ধুর : ইতিদেবী পুরাণীয় সদ্ধিপূজা বলিদান পর ।

তৎপূজায়া উভয় তিথি কর্ত্ব্যত্ত্বেন তন্বলিদানস্য নবম্যা সাবকাশ্ वाट । তৎপূজा विधानस कालिकी পুরাণে বচনাতর । অপ্তমী নবমী স দ্ধৌ তৃতীয়া খলু কথ্যতে।তত্ৰপূদ্যা-पुरु शूब (पानिनी गण मण्युटा ॥ **উ**-পवायः तहार्डम्यः भूववात्र मनाठ-ति । गया जिया भूजा शा वुछी पर-वी॰ पुश्रात्यः। म्यानन श्रु जिश्रात्य-ক্ত বর্তা হল্ডী পুরু পে কৃতি ধাইন্যা মূপাম নংযত বিশা ভক্ত্যা সনারা-श्रुष्ठ। नानालानुक मञ्जना न प्रदेशः कृदा नवगृतः विषः नक्षवः भूवतः তিথিঞ্চ দশনী সংগ্রাপ্য সংপ্রেব-(यः ॥ # ॥ जगवज्राः शुर्दभां पि विनर्गाञ्चाक याः कियाः। विधावूनय गाभिन्ता मही खाः कात्रयष्ट्रथः ॥ অত্রোদয কালীন ঘটিকা মাত্র তিথৌ সন্যক্পূজনাসামর্থ্যেকালিকাপুরা-१ । अगुर् काला रिजा शृहा विष কর্তু॰ ন শক্তে। উপচারা॰ স্তদ। मा ठू॰ श्रीक्षञाम् विजातक्मा ॥ गञ्च॰ शूङ्गक धूशक भी १० नित्र पारम ह । অভাবে গদ্ধপুত্নাভ্যা॰ তদভাবে চ ভক্তিতঃ ৷৷ সংক্ষপ পূজা ক্থিতা তথা বজ্রাদিক পুনঃ॥ পুাতরাবাহ-

हुर्गा

ষেদ্বী পুাতরেব পুবেশ্যে পুাতঃ পুাতক সংপ্জ্য পুাতরেব বিসর্জযেৎ ।। অত্ৰ পুতঃ পৰ পূৰা হ পর ॥ ॥ वु जी शुश्रृहत्यत्म् वी मश्रम्। पिन ত্রযে। দাভগে• চতুরহোভি র্বা হ্রাস न्बियणाजियः॥ ॥ गरुमामूश ৰাসঃ পুত্ৰবতো গৃহস্ত্স্য নিষিদ্ধঃ। यथा कानिका भूता १ । उभवानः गहार्रेगाः शूबवाम नगाव्तरः। যথা তথৈক প্তাত্মা বুকী দেবী ॥ शुल्काय ।। नवम् ११ विनान उ কর্ত্ত ্রেবথাবিধি। ভপে হোস্ঞ विधिवः कांत्रा इव विज्ञत्य ॥ जव নবন্যা কোন শুক্তেঃ পূৰ্বাষাতা युकाहेग्रा॰ श्झा शामापूरशायन॰ ইতি শুতেক্ষ উভয়ত্ত একতর্মিন্ वा क्षानः नात्रन्ताः भूकावा नवमता भित्र रिकिशारिया।। अ II अथार्डेम्जा-मि एववन गराडेमी (कवन मरानवनी कन्न। यथा । जनुकानी॰ भर्ते कृदा তত্ৰ সংপ্ৰযেৎ বিজঃ। আশ্বিনে শুকু পক্ষস্য চাষ্টম্যা নিয়ত স্ততঃ ৷৷ উ-পোষিতো দ্বিতীয়ে পূজ্যেৎ পুন-রেব তা॰। ইতি বিষ্ণুখর্মোত্তর•॥ यखुकम्या मधाह्रम्याः नवम्याः वाथ अ। १७: । अज्ञायः ज्ञानः (प्रवीः अक्

ভাবেন চেত্ৰসা।। ইতি কালিকা भूत्रापः ॥ 🗱 ॥ मूर्गाया धानः यथा। জটা জুট সমাযুক্তা মৰ্জেন্দু কৃতশেথ-রা । লোচন ত্রয় সংযুক্তা পূর্ণেন্দু সদৃশাননা ।৷ অতসী পুষ্ক বৰ্ণাভা সুপুতিষ্ঠা সুলোচলা । নবযৌবন সম্পন্না• সর্বাভরণ ভূষিতা•॥ সুচাৰু দশনা তত্ত্ব পীনোলত পযোধরা । ত্রিভঙ্গ স্থান সংস্থানা । মহিষাসুর गर्मिनी ।। गृगानायञ म मन दान् अमनिजाः। जिन्तः मिका পাণৌ খা; চক্র ক্রমানধ্য ॥ তীক্ষ বাণ তথা শক্তি দক্ষিণে সন্নিবে-শযেৎ।থেটক পূৰ্ণচাপঞ্চ পাশ মস্কু-শমেব চা। ঘণ্টা বা পরশু বা পি বান-जः मित्वभाष्ट् । अवसाम **हिय**॰ তত্রদ্বিশিরক • পুদর্শহেৎ।। শিরশে;-দোভব॰ তরদানব॰ থন্নপাণিন॰। क्रि मृत्वन निर्जिम निर्यम्ख विजू বিত্ত ৷৷ রক্তর্কীকৃতাক্ত্প রক্ত বিদু রিতেকণ । বেষ্টিত না । পা-लान जन्मी जीवगानन ॥ मनान বানহতেন প্তকেশঞ্চ দুৰ্গযা। বনজ-थित वं कुष एमवताः जि र शुम भाग ।। (मर्गास मिन्ना भाष भाष भाष পরি স্থিত।। কিঞ্চিদ্দ্ধ তথা বাস-

মঙ্গু মহিষোপরি। শত্রু ক্ষ্যকরী। एवी॰ रेम्छ। मानव मर्श्राः।। शुन्नम वहनाः (सवी॰ जर्बकाम क्ल्युनाः। ख्यमानक जुनुभ मन तः यमित्रनः विद्या हेर्गुइखा शुहदा ह हरवागु। **ह**खनायिका। हुछ। हुअपूछी हेइब हुछ ৰপাতিচভিন্দা।। আভিঃ শক্তিভি রষ্টাভিঃ সতত্ত পারিবেঞ্চিতা । চিম্ভ-যে হলগতাৰ ধাত্ৰী প্ৰয়কামাৰ্থ মো-क्षमा ।। इं ि ध्रादा सराप्तान श्रवंक ঘোডশোপচারারিনাবলিদানাদিভিঃ भृक्षयिदा यादद्वनः भृक्षय 🕻 ॥ 🛊 ॥ ত্বাথ দশনী কৃত্যে। সংপ্রা প্রেষণ व्यक्ताप्रभागाः भावतार्भार्भावः । पिती या बाकारण निर्माण्न विधि माइ পূজারত্বাকরে দেবীপুরাণ। ভক্ষ্যা शिक्षे भूरीभारित कृ जायव्यापि श-ह्मदिः। उपवीजिन्छ मध्याजिः गर्द-वीरिक र्यवामिष्टिः ॥ नव्मा भर्वता-লে তু যাত্রাকালে বিশেষতঃ। যঃ कर्या = भुक्या वीत (एवं)। नीताजन नदः॥ भड्ड छ्यंति निन्दि क्वंय-मरिम क शूक्रोकः। यावरण मिवनान् ৰীব্ন দেবৈ। নীরাজন কৃত ॥ তাবৎ कान महमानि मूर्ना लांक महीयरङ । यह सर्यप्राट श्रुनीत्मन सूर्यप्रकारक

মহীযতে॥#॥ তদিনে অপরাজিতা श्रुजन यथ।। आश्रित मूत्रशक्तमा मन्त्राः श्राह्म । वकामन्त्राः न भर्बी उ পूक्रनकाभनाष्ट्रिष्ठ ॥ 🗱 ॥ जिस्त बाजा याका वर्गा यथा। দশ্মী॰ বং সমুভ্লু পুস্থান জৰুতে নৃগঃ৷ তস্য সন্ধূৎসর গলে রাজ্যে নহাপি বিজয়ে। ভবেৎ ৷৷ স্বয়সশক্তৌ প্রাদি याजा कर्जवता यथा। कार्यत्रनाः स्य-মগমে ভূভ্তু ঃকেচিদাহ রাচার্য্যাঃ ष्ट्रवायुथान्। निश्चे दिक्षिकः निर्भाम अयंग्रं ।। *।। थअन मर्भन कलामि র্যথা। হস্তাগতে তু মিত্রে যথা দিশা श्रक्षनः यात्रः नृशः भागाः । ত्या পুযাতস্য ক্ষিপু নরাতি র্শমুগৈতি ॥ कृदा नीताजन ताजा वल कृष्का যথা বলং। শোভনং খঞ্জনংগশেৎ জল গোগোষ্ঠ সমিধৌ।। অব্লেষু গো-ষু গজ বাজি নহোরগেষু রাজ্যপুদঃ ঙ্গশলদঃ শুচি শাদ্বলেয়। ভয়াছি किन नथ लाम जुरययू मृश्वी पृथ्थ मनाजि वङ्गाः श्लू श्रुतीपः ॥ ष्राणुज्यक्षनः मृद्वीरमय द्वाक्षराशृहनः । मान अबी ज मर्गाह ज्ञान गर्बी यथी करेनः ॥ 🗱 ॥ व्यथ वित्रर्जनः । नो यारेन नंत्र यारेन द्यां नी दा जगवंठी॰

শিবা । দ্যোতা ভবে পুকিপেয়ঃ कीछा को ठूक मन्देलः ॥ श्रोत मी-ক্ষিপতে বস্তু পরণনাক্ষিপতে তু यः। लंग्र कहा जगवजी माश मन्त्रर मूमाका ।। ইতি তিথ্যাদিত व मूर्गा-हाज्य ।। विमर्कन मञ्जा यथा। मूर्ल দেবি জগন্মাতঃ স্থান গছ পূজিতে াসণ্বৎসরব্যতীতে তুপুনরাগমনায বৈ ৷৷ নিমজা মুসি দেবি দ্ব চণ্ডিকা প্তিনা শ্ভা। পুত্রায়ুর্ধন বৃদ্ধ্যর্থ হাপিতাসি জলে ন্যা।। 🕬। বিসর্জ-নানস্তর গৃহ্যাগত্য অন্তিদুবিধারণ कृ दाधि इ जरनन अं ि भाँ कि र्यं कि नान मिलियाक्ट। यथा। उँ उ जिस्तु मन ল্পতে দেবা যজন্ত ন্তেমছে উপপূখন্ত মকতঃ সুদানবে ইন্দু প্যাযুর্ভবাসচ। ॥ ওঁসুর। জ্বা মভিষিঞ্জ রুক্ষ বিষ্ণু गरम्बताः। वामूपरवा जगनाथ खथा जहर्यनः शुद्धः ॥ शुरुष्यकानिक्षकः ভবস্ত বিজয়ায় তে। আখণ্ডলো ংগ্নি र्छगदान् गामादि नियं उ खथा। दक-गः भवनरेक्व धनाध्यक उथा निवशा तुषाण महिजः त्याया रिक्शालाः পাস্ত তে সনা ॥ কীৰ্ত্তি ৰ্লন্সী ধৃতি र्भिशा शुद्धिः मुका क्रमा मजिः। वृक्ति विका वशुः भाषि सक्षिः कारिक

নাতরঃ॥ এতা ত্বা মভিবিঞ্জ ধর্ম-পালাঃ সুসংযতাঃ। আদিত্য कन्तु-মা ভৌমো বুধ জীব সিতাৰ্কজাঃ ॥ গুহান্তা মভিষিঞ্জ রাহঃ কেছুশ্চ তর্পিতাঃ। ঋষযো মুনযো গাবো দেব নাতর এবচ।। দেব পত্নের। २१র। না-গা দৈত্যা শ্চাপুরসাংগণাঃ। অজ্ঞাণি সর্বশস্তাণি রাজানো বাহনানি চ।। ঔষ্ধানি চর্ত্বানি কালস্যাৰ্থৰা চ যে। সরিতঃ সাগরাঃ শৈলা স্থার্থানি जनना दुनाः ॥ एत नानव भन्नदी যক্ষ রাক্ষস পমগাঃ। এতে ভাষতি-विकड वर्ष कामार्थ निकार ॥ इंडि বৃষ্মনিদকেশ্বর পুরাণ পদ্ধতিঃ॥ 🛊 ॥ व्यथ पूर्णानाम माहाबाउः। তবর্গস্ত তৃতীযোণঃ পঞ্মনর সংযুতঃ। কব-গ্স্য তৃতীবোর্ণো বহি স্তস্যেশরি ছিতঃ॥ দ্বিতীয় মন্ন সংযুক্তণ নামেদ পরিকীর্ক্তি । আরোগ্যস্য চ স-म्मार्ख र्खानम् १० मरहाम्य ॥ नात्नमः शद्राता एक्ट्र मू क्रिय ख्वमिनाः । কলিকালে বিশেষেণ মহাপাতকিনা मिलि।। निखात वीक विरक्कय नाम সম্মরণ পূথে। পরদার রতোপি স্যাৎ পর্যুব্যাগহারকঃ ॥ সোপি পাপাৎ পুসুচ্চ্যে বদি স্যাদতিপা-

তকী। বুদ্ধহত্য সুরাপান স্তেয खईक्नाभगः ॥ अञ्चानि विमू চ্যেত যদি নামশরেৎসুধীঃ। ইতি ৰুণুজামলঃ ।। দুৰ্গা দুৰ্গেতি দুৰ্গেতি দুর্গানাম পর॰ মনু॰। যো জপেৎ স-**७७॰ চণ্ডि জी**वसूजः मं मानवः ॥ महारभाउ महाताल महावि शिव मद्रादे। सङ्गपुः थ प्रशास्त्री মহাভয় সমুত্থিতে।। यः সারে । সতত দুর্গাণ ভাগেৎ বঃ পর্মণম ু । मजीव लात्का (सरविभ नीनकथे इ मान् वार्।। ইতি मू अमाना छ छ ।।। मुर्गाधाकः श्रुः मुर्गतककः। তगा लक्षण यथा। अनारार्याण मृत्रक उथा शा छः मत्वा इउः। पूर्गा श्रेकः म्राजा ताक उपुकः मर्वकर्मम् ॥ ইতি মৎস্যপুরাণ ॥

पूर्णानवनी जी कार्जिक मूझ नवनी।

ग। विजायुगाम् । उन जगमानी

शृजाकर्न्द्र । यथा। याणिनी उद्य

। कार्जिक श्रमम् श्रम् जगमानी

विकास । भूगमाक जगमानी

शृजायफी भ्रमानया।। उन्राज्यतः ।

विकास भूजायफी भ्रमानया।। विका विधानन

कारत । नाना विका विधानन

गी ज वाम । भूतः भूतः ।। कार्जिक मा

जिए भिक्त नवनशंध वित्नवजः। कृदेवन नाधकरणुरिश वाख्याका भक्केक ॥ ऋद्विका अखा कार्जिक मुक्रुशक्क जू नव्य प्रा॰ जगविकाः। मुना अभूडराख्ङ्र धर्म कागार्थ সিদ্ধয়ে॥ শক্তিসঙ্গয়তন্ত্ৰ। কাৰ্ডি-কন্য সিতে পক্ষে নবন্যা" জগদী-শ্বরী । ত্রিকাল নেক কালয়। বর্ষে वर्ष शुशृज्ञसद. ॥ निर्माय शृजिमाः শক্ত্য জগদাত্র্য বিধানতঃ। পূজ-িবিদ্বা পরনিনে পুতিমাণ তা**ণ** বিস জ্ববেৎ।। এবং কৃষ্ণ চক্রব ক্রা ভবেৎ সাধক সভনঃ। পুত্র পৌত্র ধনৈশ্বর্য্য সংযুতাস্য ভবেৎ পুরী ॥ দাস मानीगरेन यू रका मुकः नतर नान সকটাৎ। বিশেষতো বসুযুতা॰ नवभीः शाला मायनः। भूकविषा মৃমানী তা লভতে বাশ্ভি কল ॥ ভবিষ্যো সাসৈ শত্ত্ত হিৰ্ব পুণ্য বিধিনা পুল্য চাওকা । তৎ ফল লভতে বীর নবদ্যাণ কার্ত্তিকস্যচ ॥ ইতি তিখিতত্ব শা

मूर्गाञ्चः श्रुः ज्ञिकछशुनुः । ইতি त्राकिनिर्घणेः ॥ मूर्यायः श्रुः की जङ्ग्यः। ইতি ताक निर्घणेः॥ निम्हिजत्वः। তह्नि चि॥

मूर्बण

मूर्जनः वि थनः। इठानतः॥ पूर्जनः
गित्रक्रंताविष्णा नक्ष्णि नः
गिन्ना ज्विञः मर्गः किम्मो न
जियम्बः॥ इठि हानकाः॥
पूर्जयः पूर् कार्यवीर्या जवरणा ज्वान्यक्षः। इठि क्र्यंभूताः॥ पूर्जयः
गुरुवः। इठि क्र्यंभूताः।। पूर्जयः
गुरुवः। इठि क्र्यंभूताः।। पूर्जयः
गुरुवः। इठि क्र्यंभूताः।। पूर्जयः
गुरुवः। इठि क्र्यंभूताः।। पृर्जयः
गुरुवः। इठि क्र्यंभूताः।। एक्यः
गुरुवः। इठि क्र्यंभूताः।। एक्यः
गुरुवः। इठि क्र्यंभूताः।। एक्वः।
पूर्वाः। क्रितः।। प्रमाश्चारक वि
। इठि दिन्नी।। प्रममञ्जारक वि
। इठि दिन्नी।। प्रममञ्जारः। इठि
विकाश्यानयः॥
प्रमायः शर्मकाः।। वर्षमण्यः।।

मुर्गाउः श्रुः कन इः ॥ वट्म जतः।

इकि नाजनिर्यणेः॥ जनाउ जि।

पूर्णिनः की भ्रमाहन िनः। इक्य प्रतः

॥ वृष्टिः। पणा। यना करात वृष्टि। व् पूर्णिनः पृत्या विष्टुः। इकि माजः॥

मुन्निः पृर्णिनिष्ट्य मर्श कर्या छतः

जव। जः कर्य जनमाः माध्यः कर्या

णाकः मुज्युजः॥ इकि कुकरेयवर्षः

क्रिक्क ज्ञार्थकः॥ यन पुर्णिनः ।।

प्राचिनः महन्य भ्रमाहनः न पूर्णिनः॥

इक्य छहिः॥

इक्य छहिः॥

पूर्विः श्रुः नाष्ठिकः। ইতি की। धंतः ॥ দুদ্বিতা জ্ঞানিশেষঃ। ইতি
টাধরঃ॥

पूर्कगः शुः इति शनाष्ट्रः । ইতি
ताजनिर्घणः॥

पूर्वतः श्रु॰ नत्रकितिभिषः ॥ श्रवानि विश्वः । इठि मिनि ॥ श्रात्रमः ॥ ज्ञाठकः । इठि त्राजिनिर्यण्डः ॥ महिषामुत्रम् भागाति विष्णयः । यथा । पूर्वतः पूर्य थएका नित्र यमक्रयः । इठि ठि । पूर्थं थार्या वि । इठि ठि । पूर्थं थार्या वि । इठि एका नित्र । इठि । इति । इ

দুর্থবা জী নাগদমনী।। কছারীবৃক্ষঃ।
ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ দুঃধংঘর্ষণীযে ত্রি
দুজু কিটঃ পুশ যুক্তিমিনা গুক্তবাক্তরমনন্দানঃ। ইতি তত্ববোধনী॥

দুর্নাম ক্লী অর্শোরোগঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ॥

দুর্নামকু শ্লী অর্নোরোগঃ। ইত্যমরঃ॥
দুর্নামা পু জ্রী দীর্ঘকোষিকা। স্থিনুক্
ইতিভাষা।ইত্যমরঃ॥

पूर्नाभादिः शू मृत्रगः । ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ॥

मूर्नाती जी मूर्नामा। इंडि भयत्रा

मूर्वनः जि कृष्णः। তৎ পর্য্যায়ः। অ-गा॰मः २ हाजः ०। ইত্যমরः।। ক্ষাতঃ ৪ শাতঃ ৫ শিতঃ ৬ অবলঃ ৭ । ইতি শব্যায়বনী ॥

দূর্বলা প্রী অপুশিরীবিকা। ইতি ভাবপুকাশঃ॥

দুর্ভগা দ্রী পতিদ্রেহর হিতা। দুযা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। বিরক্তা ২। ইতি ত্রিকা গুশেষঃ।। বিষ্দ্তা ও নিস্বা ৪ সৌভাগ্যর হিতা ৫। ইতি শদরবাবদী।।

मूर्जिकः की जिक्राया अभी छिकानः।

यकान इंडि जावा। यथा। मूर्जि
क्रमणः सत्रभः हिताय। इंड्रुडिंगः।

जिक्रायाः भाषा निक्ष्णद निज्जिन
व्यविज्ञाव स्रामाः। यदम्यः यद काल ज्यम्भ ज्यकान यागः

स्मानिकः न कायर् ज्यम्भ ज्यामिकः

मा याह्यमान मुद्रामाजाद मूर्जिकः
काज्ञिजि व्यविद्यस्य मिजिति

मूर्यानाः वि हिडामिद्राज्ञणहिनः।

जद्रभर्यावः। विमनाः १ अञ्चर्यनाः

०। इंड्रिमकः। भाजावर्याः की।

ইতি রাজনির্থটঃ ॥

দুর্মরা জী দূর্বা। ইতি জটাপরঃ ॥

শেতদূর্বা। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥

দুৰ্মু থঃ পু॰ বানরবিশেষঃ। নাগভেদঃ
। ইতি নেদিনী॥ অখঃ। ইতি হেম-

हन्तुः ॥ विश्वामुत्र (मनाशिक वि-लगः। यथा। दृष्ट्यतः दृष्णू श्रव्हाञी भदि वित्ति यनक्यः। ইতি हशि॥ पूर्णा थः जि अशियवादी। उद शर्यत्रायः । मूथतः २ अवक्षमूथः । ইত্যাतः॥ पूर्णा जी गहार्घः। ইতি लाक शु-निक्षः॥

দুর্মেধাঃ ত্রি মন্দ্রমেধাঃ। ইতি ব্যাক-রণে ॥

দুর্ম্মোহঃ পু: কাকরুগু। ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ॥

দুর্য্যেধনঃ পু॰ স্থনামখ্যাত স্ক্রনংশ ভব রাজবিশেষঃ। স ধৃতরাষ্ট্র জ্যেষ্ঠ পুত্রঃ স্ক্রপাণ্ডব যুদ্ধে ভীনেন হতঃ । তৎপর্য্যায়ঃ। স্ক্রাট্২গান্ধারে যঃ ৩ সুযোধনঃ ৪। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ।।

मूर्लाङ: जि मूझानाः। ইতি म्दिनी॥
श्रान्तिः। ইতি स्म्यान्तः। पूर्लाङ
लीयः। ইতি स्म्यान्तः। पूर्लाङ
लीकः वाकाः पूर्लाङः स्म्याक्तः। पूर्लाङः स्म्याकः। पूर्लाङः स्म्याकः। पूर्लाङः स्म्याः। पूर्लाङः स्म्याः। ইতি চাণকাः।। স্প্রির সুলাজ। গলা তিমু ছানেমু দুর্লাङ
स্বিরপরে পুয়াগে চ গলাসাগর স্প্রে।। ইতি কর্মপুরাণং।।

मूर्विय

দুর্লভঃ পু॰ কারঃ।ইতিনেদিনী।।
কর্রইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥
দুর্গতা জ্রী খেতক উকারী ॥ দুরালভা
িইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥
দুর্গ ই বধে।ইতি কবিকল্লছমঃ ॥
দুর্গতঃ ল্লী মন্দ বাক্যং। যথা। অনহং
বুর্গতো জ্ঞাতের্মেরান্থরিতরৌদুর্থ।
ইত্যুদ্রটঃ ॥ দুঃখক্থ্যে অনন্ত গ্রি।

्छिषिर ी छ विनय शा है ि छात्र विशा पूर्वर्गः क्ली ज्ञ छ श है छान जेशा अनवाः ॥ नूक शहे छि स्मिरिनी ॥ मन्स्वर्ग खि॥ पर्वर्गक क्ली ज्ञ छ छ। है छि स्मिरन्सः॥

মথা। অগিবাগধিপন্য দুৰ্বচ বচন

मुर्बर्गकः क्ली त्रक्षठः। ইতি स्मिष्टन्दुः॥ मुर्वाके जि कष्ठमः। ইতি स्मिष्टनुः॥

मूळेवात्कः जी ॥

मूर्वामः शृ स्रिक्श्वंकपूर्वामः । इकि स्रिवेशका निम्मि वाक्ष्यः । म मूर्वामाः शृ मूनिविष्णयः । म स्रिवे मूनिश्वः श्रम्भाग्णकाठः । इकि श्रीभागवठः ॥ उद्भर्यग्रयः। म्रणा-द्राधः । इकि विकाश्यामयः ॥ उम्र भाग्या हेर्वि विकाश्यामयः ॥ मम्म विकाश्याम् विवास विकाश्यामयः ॥ मम्म विकाश्याम् विवास विवास विकाश विकाश विवास व

मूर्विशः जि मित्रमुः। ইত্যমরः।। थलः

मून्धिक र

। इंडि सिनि ॥ मूर्यः । इंडि णद-बद्दावनी ॥

मूर्बिनीजः পু॰ অবিনীতাখা। তৎ পর্য্যায়ঃ। শুকলঃ ২। ইতি হেনচন্দু ।। অবিনীত্যাত্রে ত্রি।।

मृब् खः जि मूर्जनः। यथा। मृब् ख क्ख-भागनः তব দেবি भीमः। ইতি छঙी

দুর্গ্ তি শবুং। ইত্যমর:॥ দুষ্ট-চিন্তে তি ॥

मूर्जनयः जि मूक्षास्थः कद्मनः । ইতি भाषा-र्थक्यञ्चः ॥

मून क উৎক্ষেপে। ইতি কবিবল্প-জনঃ॥

मृनिः शृ॰ मूनिविष्मवः॥कमठेताः श्वी । ইতি निमिनी ॥

দুলী জ্রী দুলি: । ইত্যমরটীকাষাণ ভরতঃ।।

শ্বরঃ পু॰ শাদ্কঃ। ইতি হারাবলী ।। ভল্লকঃ । ইতি রাজনির্ঘকঃ ।।
দুর্গমে ত্রি।।

मुन्हर्या श्रु॰ चशुन्वरमृद्धः। यथा।
मून्हर्या धक उन्नगः। इति मृजिः॥
उद्दर्शरायः। चिनग्नकः २ हथः ०
बिशिविष्ठेः ८। इति हमहन्मुः॥
काठे द्वागः। इति ताक्ष निर्वरेः॥
मून्हिकः भी नग्ना एवं विषयः। यथा

। थ॰ मियूत्र भार्त्या भारत्य भारत्य या भिव भेडितूर मृतका शि मूक् मृग्र्य जू हितूर शाजाय भारता शि ह। पूष्टिका महाक दम्हि नुनाया तिश्रः जाजा हा एष्ण यहार्का विश्वभित्य ति नवम (ज जा मार्र) जिल्ला श्रीनः ॥ इंजि मी शिका ॥

দুশ্চ্যবনঃ পু॰ ইন্দুঃ। ইত্যারঃ॥
দুব ইর য ঔ বৈকৃতে। অশুদ্ধীভাব
ইতি যাবং। ইতি কবিকল্পদ্ধনঃ॥
দুশর॰ ল্লী আকাশং। ইতি শদার্থ-কল্পতকঃ॥ দুঃখেন ল্রনং॥ দুয়েন ক্রিয়নানে ত্রি। ইতি মুধ্বেরাধং॥

मूक्स क्री शाशः। यथा। मूक्स कान्नाः त्रागायाखिरित क्रमां म्म्याकान्नाः स्त्रागायाखिरित क्रमां म्मराकरेलाः स्त्राई तिर्द्शित मीति ख्रियाः मत्ना ख्राइ ।। इंकि माठाउशीय कर्म विशाकः॥

मुक्र नीनः श्र कात्रनाजगक्त पृत्र । इंडि मपत्र ज्ञावनी । मुक्र लाख्य वि । इंडिम मार्थ हिन्न उकः ॥

मुक्क की भागः। इंड्रानतः॥
मुक्की के वि महार्दः। यथा। की द्वा मृ

त्वानयापुराः दृष्ठी कः मनात्क क्यी
। विद्मकुः भुजित्यस्य जिमामराः
क्रारिक्क कः॥ इंडि भुगिक्छ जद्व

নারদঃ ।। দুর্ব ক্লী দুংশ । ইত্যমরটীকাযা।

ভরতঃ ৷৷

मूद्रिमित्रः शृ॰ थिमित्रवृक्षाख्मः। ७२ भर्यशयः। कास्त्राकी २ कालककः ७ गात्रिः ८ व्यमत्रकः ६ भव्यकः ५ वर्षमातः १ मात्रथिनतः ५ गरा-मातः अकृष्यिनतः २०। व्यम् छ्याः । कर्षे १ । देखः १ । विक्रुः। त्रक वृत्याय प्रायक्षं कृषि विष वीमर्शद्व व्रत्याय प्रायक्षं कृषि विष वीमर्शद्व व्रत्याय एवं क्ष्य नामित्र । इति त्राक्षियोः।।

্ৰি লী স্বৰ্ধণ। সভ ইতি খ্যাত । ইতি শদচন্দ্ৰিকা॥

দুষ্টঃ ত্রি দুর্বলঃ ॥ অধনঃ।ইতি বিখঃ॥
দুষ্টবৃষঃ পু॰ শভোপ্যধুর্বহঃ। গড়া
গৰু ইতি ভাষা ভংপর্যায়ঃ। গলিঃ
২। ইতি হেনচন্দুঃ॥

पूर्व भी शू॰ कली। इंजि मस्त्र वावनी।।
पूर्व वर्ग निन्ता। इंजि मस्त्र वावनी।
पूर्व वर्ग निन्ता। इंजि मस्त्र वावनी।
पूर्व वर्ग विनी जः। इंजिशा पिका विशेष पूर्व शू॰ कावनी जः। इंजिशा पिका विशेष पूर्व शू॰ कावनी ग्रेस पूर्व । इंजिशा महावा ।

দুস্লর্শঃ পু॰ দুরালভা।ইত্যনরটীকা-যা॰ভরতঃ।। দুঃখস্পৃশ্রে ত্রি।। দুসুধর্মা শ্রী দুরালভা।। থক্রি। দুহিতা

ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ !!

দুয়ুপর্যণী জী বার্ত্তাকী । ইত্যমরঃ !।

দুয়ুপর্যণী জী দুয়ুপর্যণী ! ইত্যমর: নি

কাষা ভরতঃ ॥ কণ্ট চারী । ইতি
রাজনির্ষণ্টঃ !! বৃহতী ৷ ইতি ভাবপুকাশঃ !!

मृष्ट्रात्मा दी कञ्चती द्कः। इंडि

দুব, তঃ পুণ চন্দুব শীয় রাজবিশেষঃ।
স ঐতি পুতঃ। তস্য পুত্রো ভরত
রাজ্যন্ত্রী পদ্দী শঙ্গুলা। ইতি
ভিন্তাগ্যত্রণ।

দুস্থঃ পু॰ কুকুরঃ। জন্টঃ। ইতি শনার্থনামতবং।।

पूरु व क छ पूरि। (मारुन रेंडि यादथ। रेंडि क्विन प्रक्रमः॥

দুহ ইর এসর্দনে। বধ ইতি गাবং। ইতি কবিকল্পদ্ধঃ॥

দুহিতী জী কন্য।ইত্যমরঃ॥ কন্যা
দান পাত্রাপাত্র-যথা।কৃত্রাপরীক্ষাণ
কান্তম্য ব্লোতি কামিনী বরণবরায
কান্তম্য বৃদ্ধায় জ্ঞানিনে তথা।।
দরিসায় হ মূর্থান যোগিনে কুৎ সিতায় চাজত্তি চোলযুক্তায় চাত্যন্ত
দুর্মুখায় চা। পাপলায়াক্ষ্মীনায
চাল্বায় ব্রিরায় চ। জড়ায় চৈব

দুহিতা

मूर्थाय ज्ञीवजून त्रय शालित ॥ वुक-হত্যা লভেৎ সোপি য় স্বকন্যা দদাতি চন শাভাষ গুণিনে চৈব ফুনে চ বিদুষেপি চ।।বৈশ্বায সূতা দশ্ব। मण वानी कन नाउट ॥ # ॥ कन्ता विक्रस्य भारमा यथा। यः कन्ता পালন• কৃত্ব। করোতি বিক্রয• যদি । বিপদা খনলোভেন সম্প্রীপাক স গছতি ॥ কন্যা নূত্র পুরীযঞ্চ তত্র ভক্ষতি পাত हो। কৃমিভি দ্•শিত कारिक याविषमुग्नान्छवूर्यम् ॥ मृजन्ड ব্যাধ্যোনৌচ **স লভে**জ্ঞ**ন্ম নিশ্চিত**॰ া বিক্রীণীতে মাণ্স ভারণ বহুত্যেব দিবা নিশ•া৷ ইতি বু*া* বৈবৰ্ভে পুকৃতি थं ७ ।। ।। कन्यामान कव यथा। দশ বাপী সমা কন্যা দীয়তে ব্ৰাহ্ম-ণায তৎ। বেদক্তায় পবিত্রায় চাপু-তিগুহ শালিনে ৷৷ সন্ধ্যা যক্ত বেদ পাঠকারিণে সত্যবাদিনে। অস্মৈ शुम्खा कन्तराह मन वाशी कनशुमा।। ত্রিসন্ধ্যারীরণে সত্যবাদিনে গৃহ-मानित्। (यर क्काय ह विश्वाय र खार्ख कनमाथिनी ॥ भुजिनु र्शेजाय मक्राङ्गीनाय निज्यमः। मृथाय मखा कन्। ह ना हजूःकननायिनी ॥ পत দার গৃহীতায় যাত্রকায় দ্বিজায় চ। भठाय मक्ताशीनाय वारशुक कनमा সুতা ৷৷ সৰ্বসন্ধ্যা স্থপায়তী বিহীনাৰ শঠায চ। বিপ্যোক্তবায় দত্তা যা বাপ্যন্ধ ফলদা সূতা।। পাপিনে শ্দু জাতায বি**পুক্ষেত্রোন্ড**বায় চ। দত্তা **ঢা** ভাল তুল্যায কন্যা সা নরকপুদা ।। বিষ্ণু ভক্তায বিদুষে বিপ্ৰায সভ্য-বাদিনে ৷ জিতেন্দ্রিযায দক্তা যা বিণ্-नवानीकन्युना ॥ यश्चित्रं जर्गुनि দিব্য ৰূপণ বিধায় চ। এবসূতায দন্তা চ নোদতে বিষ্ণুমন্দিরে ॥ দত্ব। कन्ताः त्रूमीलाकः रताय रत्रयथय।। মারায়ণ স্বৰূপঞ্চ ভবেদেব শুতৌ সুত্ত ।। বিষ্ণুভক্তো যদা কন্যা দদাতি বিষ্ণুপ্রীতযে। স লভেদ্ধরি দাস্ঞ ধুব• বিপ্রোক্তবায চ ॥ 🕸 ॥ বিবাহা-নম্ভর• কন্যায়। ভত্গৃহ গনন সমযে পিতাদীনাং রোদনং শান্ত সিদ্ধং।

যথা দুৰ্বাসনা সহ ঔর্ব কন্যায়াঃ

कम्पन्ता विवार । कन्ता ममर्शन

क्वा सारामूटि करतां हि। गृहीय-

বাপ সমুনিঃ স্বকন্যা বিরহ্যাতুরঃ।।

অপত্যভেদ শোকৌঘঃ সাত্মারাস

ন মুঞ্চতি। ক্ষণেন চেতনা পুণপ্য

বোধ্যামাস কন্যকাণা মূৰ্ছিতা•ভাত

বিছেদান্দম্ভী শোক সংযতা ৰ 📗

ইতি বুন্ধবৈধৰ্ভে পুকৃতিখণ্ড শ্ৰীকৃক जन्या ।!

দুষ্ঠিতুঃপতিঃ পু॰ জাসাতা। ইত্যুস্র টীকা সারসুন্দরী ॥

मूश् क्री (मारुनयाग्रु॰। (माश्र॰। ইতিব্যাকরণণ।।

দূ ও ড য থেদে। ইতি কবিকল্লজনঃ। দূডাশঃ ত্রি গীডাযুক্তঃ। দুঃথেন দা-শ্যতে यः। ইতি সিদ্ধান্তকৌ মুদী।। मञ्जासांशि॥ 🤲

দ্ডভঃ ত্রি ব্যসনপ্রাপ্তঃ। বিপালুক্তঃ। দুঃখেন দভ্যতে যঃ। ইতি সঞ্চিগু-সারঃ11

मृष्ट्रः जि अथमः। मूक्ट अग्रयि युः। ইতি সিদ্ধান্ত কৌমুদী॥

म्गामाः वि मुःरथननक्षः। मुःरथन ना শ্যতে यः। ইতি সিদ্ধান্তকৌসুদী ॥ म्ठः भू वार्डाह्र ३:। उ भर्गायः। সন্দেশহরঃ ২। ইত্যমরঃ ॥ সন্দিষ্ট क्षंकः १। ইতি भदत्रवावनी ॥ **७**मऽ नक्षन यथा। यथाक्रवांनी मृजः महास्मिं ভाষा विभावनः । শক্তঃ ক্লেশ সহো বাণ্মী দেশ কাল বিভাগবিশ্ব বিজ্ঞাত দেশকালক্ষ मृद्धः गां भशिका जः॥ वका नय-म। यः काला म मूला नृभाव छवि ।

रून

इंडि मद्गार्भुद्रापः।। अनिह । गियावी वाक्णपूरे भा सः भविष्डा-शुक्रकः। शिद्धा यथाककानी ह ় এব দূভোবিধীয়তে। ইতি চাণকদ।। অন্য । পরে হিত জঃ পরবার্য্য-य्यार्थम्यार्थि ज्ज्विट्। मानादेशम् মতিধীরো দৃতঃ স্যাৎপৃথিবীপতেঃ ।। मृज्यका शुक्रही ज नर्मा जित শারদং । ইঞ্জিত্তত্ত তথা সভ্যুণ मकः गए अगम सुदः ॥ यानू बक শুচি দক্ষঃ মৃতিসান্দেশ কালবিৎ । বপুমান্ বীতভী বামী দূতো রা-় ক্তঃ পুষ্পারতে॥ দূত এবহি সমজে। ভিনত্ত্যে হি সঙ্গতান্। বিম্য্যা র্থোনিতার্থন্চ তথা শাসন হারকঃ ॥দূতাব্রযোমাত্যগুণঃ সমৈঃপাদা-क्वंवि देजः। विम्यु। यं कार्युवना ८ **मामनं न करताि यः ॥ मिठार्थः** कार्यामाखाङो न वर्यामुख्याख-त्र । यथा कवा री **मत्म महा**त्का-লেখহারকঃ ॥ তত্র দূতো বুরুমেব চিন্তবেদুভরোভর । বার্ভা বিশেষ ভূপায় ঝটিচিত্যঙ্গ বেশ্মনি।। দূতো হি ন লিখেৎ কিঞ্চিৎ নির্ণেতা বিনি-ज्ञान्य । शृह्याताशि न द्भार यामिनः दानि विभनः ॥ इंडि युकि.

কল্পতক্তা # ।। অপ দূতে বর্ণনীযানি
। নিজপুভূতেজঃ জীবিক্রমৌন্নত্যকর
বাক্যং > শকুক্ষোভকরচেপ্তা ২
অধর্ষণীয়তা ০ দক্ষতা ৪ নির্ভযত্ত্বং
৫। ইতি কবিকল্পলতা ।।
দূতনী জী কদ্যপুত্নী । ইতি শদ্দ্দিনা

मृजिक की मृजी। इंजि मदत्र का वली।।
मृजिक की मृजी। इंजि मदत्र का वली
मृजिक की मृजी। इंजि मदत्र का वली
मृजी की मातिका। इंजि ता का
निर्म के । पि जिज्ञ कर्मा निर्म का विद्या की
। की भूष्ताः मद्म मुश्रामिका। उट्ट भर्म प्रायः। मद्म तिका २। इंज्य ततः।
।। मृजिः ७ मृजीका ८ मृजिका ६।
इंजि मदत्र का वली।। प्रोज्य ता भात क्या । जम्मा मध्येन वित्र ह निर्म निर्म के प्राप्त क्या निर्म के त्र म

দূতীকা স্ত্রী দূতী। ইতিশাদরত্মাবলী।।
দূত্য শ্লী দূতকর্মা। দূতস্যভাবঃ।
ত্যমরঃ ৷৷ দূতসভাবঃ। ইতিমেদিনী ॥

দূনঃ ত্রি অধাদিনা শুগন্তঃ। ইত্যমরঃ॥ উপতথ্য:। যথা। পিত্তেন দূনে রসনে সিতাপি তিক্তায়তে হংসম্বলাব-তংস। ইতি নৈষধণ।। म्थः जि वनवान्। ইতি সংক্ষিপ্তসারে উণাদিবৃত্তিঃ।।

मृतः जि यनिकिः। यमिक्देः। उट शर्यायः। विशुक्देः २। ইত্যमतः॥ मृतमर्भनः शृः गृशुः। ইতি রাজনির্ঘন্তঃ॥ मृतमर्भा शृः পণ্ডিতঃ। ইত্যমतः॥ गृशुः। ইতি ত্রিকাপ্তশেষः॥ দীর্ঘ-দর্শকে ত্রি॥

मूत्रम्के भू॰ পণ্ডिতঃ। ইতি भपतञ्जा-वनी ॥ गृशुः । ইতি হেনচন্দুঃ ॥ मीर्यमर्भक वि॥

मूत्रमृणः भ् मूक्षञ्ः। ইতিরাজ নির্ঘণ্টঃ॥

मृत्रत्वथी वि मृत्रनित्कभाष्ठ•। उट भर्यायः। मृताभाजी २। इजि द्या-ठन्मुः॥

দ্রেরিতেক্ষণঃ ত্রি কেকর:। ইতি শদ্নালা।।

मूर्याः ज्ञी विश्वा इंडि मदद्भावनी।। मंगे। इंडि ब्राजनियंग्रः॥

দূর্বা দ্রী স্থনানখ্যাত হাসং। তৎ পর্য্যায়ঃ শতপর্বিকা ২ সহসুবীর্ষ্যা ০ ভার্গবী ৪ কহা ৫ অনন্তা ৬ । ইত্য-মরঃ ।। তিক্তপর্বা ৭ দুর্ঘরা ৮ । বহু-বীর্য্যা ৯ হরিতা ১০ হরিতালী ১১ कहरूर। १२ ॥ मूझायाः भर्तायः ।
मठवीर्याते भणानी २ मजनाक्षकः
० शास्तामी ८ । इंडि कहेर्युद्धः ॥
मठभवी ६ मिठमूर्वा ७ मिठा १ ।
इंडि द्वामाना ॥ जम्मा ७१३ । इंडि भिड कथ्र द्रामय नामिष् । इंडि दाजवहाडः ॥

मृनिका जी नीनी। ३७ मपत्रज्ञा-ावनी।।

म्बी की नीकी। ইতি भपततावनी।। भूगा की म्या विक्षण्डल हेजात-मेका मात्रमुनाकी॥

पृयकः जि शासार्भापकः। उर भर्यशयः। भा•मनः २। इति जिका-अस्मयः॥

। **দূষণঃ পু**॰ রাবণ ভ্রাতৃ খরসেনাপতিঃ াইতি রামাবণং ॥ দোষে ল্লী॥

मृषगातिः श्रू॰ श्रीतामः। ইতি मद-त्रज्ञावनी ॥

मृकिः की मृषि मा इंडि नय त्र द्वावनी
मृषिका की निवनन । शिष्ट्र हैं इंडि
ভाषा। इंडिन्तः ॥ उट्शर्यायः ।
शिक्षाप्रक रमृषिः व मृषी । इंडिन्य नत्र होकाया । जद्र ॥ मृषी । दे व शिक्षाप्रक हैं । इंडिन्य नत्र होकाया । ज्वाका । मृषी । दे शिक्षाप्रक शिक्षा । इंडिन्य त्र विवास । ज्वाका । इंडिन्य म्या

म्बिउः वि शुष्टिमोरः। उৎ शर्यायः । অভিশত্তঃ ২ বাচ্যঃ ১ कार्ति ३: ८

্রাইনিউ ছেমচন্দুঃ ।। দূষিতা জী দূষণপুষ্ণা কন্যা । তৎ

भर्यतयः। मस्यमा २ धर्यकातिनी ० भुमानिका ८। ইতি শদর জ্ञাবলী॥

দ্বী জ্ঞী দূবিকা। ইত্যার টাঁকাবাণ ভরতঃ।।

म्यीका जी म्यिका। ইতি नदत्रा-वनी :।

म्वीविषः क्ली खंबशादि अवीर्यः
विषः। ইতি হেমচনুঃ।। আদিগবাৎ দাবাণি বাযু রৌদুশোষিত
विषः। ষভাবতো গুণ হীনং বিষং।
অস্য গুণঃ। উদররোগ প্লীহ গুল্ম
সঙ্গ পুনেহ নালিবং। ইতি রাজবল্লভঃ।। যথা। জীণ বিষণ্ণো বিগিভ
হতয়া দাবাণি বাতাতপ শোষিতয়া। ষভাবতো বা গুণ বিপুর্হীনং
বিষংহিদ্বীবিষতা মুগৈতি।। ইতি
মাধ্বকরঃ।।

मूर्य की वज्ञ ॥ वज्जगृह । इंडि त्मिती ॥ श्य । इंडि (इस हम्मु ॥ ॥ मूर्य : जि म्य भीयः । इंडि (स्मिनी ॥ मूर्य । जी हडिकक्षत ज्ञू : । का हम डि इंडि जाया। उद्भर्य । यक्षा २ **मृ**द्गां व

বরত্রা ৩। ইতি হেমচন্দু: ॥ চূষা ৪। ইত্যমর:॥

দ্ ড স আদরে। ইতি কবিকল্লফসং॥
দ্ ড শ আদরে। ইতি কবিকল্লফসং॥
দ্ক জী চক্ষুং। ইত্যমরং॥ দর্শনং॥
বৃদ্ধিং। ইতি নেদিনী॥

দূক্ ত্রি বীক্ষকঃ।ইতিমেদিনী॥ জ্ঞাতা।ইতি শদরত্মাবলী॥ দূক স্লী ছিদু•।ইতি সংক্ষিপ্তসারে

উণাদিবৃত্তিঃ।।

দ্কাণঃ পু॰ দুকাণঃ। ইতি তাজকঃ।।

দ্কুণঃ পু॰ সর্পঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।।

দ্কুণঃ পু॰ দুকুণঃ। ইতি জ্যোতিষণা।

দ্ক্পুসান। জৌ জলতা।। জলতা।

দ্ক্পুয়া জী লোভা। ইতি রাজনির্ঘণীঃ।।

मृक्नु िः भू॰ मर्गः। ইতি क्लायूधः॥ मृगध्यकः भू॰ म्र्यः। ইতি नमार्थ-कन्नज्यः॥

म्यानः श्रुः थर्गानाइर्गठ गान विष्णयः । यथा । थम्रक्षिक ठायः मुद्धिक ठाम्रः कीनाको कृद्धा उरयाः श्रुविक मूथः मृद्याखनः कार्यः उद शूर्ववृत्विच्रः किक्षिम् नः कार्यः यथा थर्गानाम प्रभित्व यरम् क अव गुरू

(गान अरेनकरम्ब मृद्य अन्। (या या পুহে৷ যত্ৰ যত্ৰ বৰ্ত্ততে তস্য ত্ৰেস্যা-পরি পরিত্রামেগুরুষের বিন্যুস্য मृशु। मञ्चामिकः मर्भनीयः। ज्या शृथक् शृथशास्त्री मृद्या खनानि इहरय । তত্রাপ্টম॰ বিত্রিভলমুস্য তচ্চ দৃক ক্ষেপ মণ্ডলং তম্মিন্ খংগালে ধ্র **ष्टिङ्**रयार्निकाषय॰वष्द्रा उम्मिका-**धात्राम्य थरिमाला प्रिक् तक्रूल ज्या** ন্তরে দৃগ্নোবা রচযেৎ। কথিতৈঃ থগোল্ট্ৰ ৰক্ষ্যমাণৈ ভগোল-वृरिषः काष्ट्रिमश्रुवारिए (या निव-ধ্যতে স দৃগ্নোলঃ। যতোগ্যা কুজ্যা-ৎপম সম শঙ্গাদ্যক্ষ ক্ষেত্রাণি দ্বি-খগোল বৃক্ত মিলিতানি উৎপদ্যন্তে গোলবন্ধে সম্যুগ্নেপলক্ষ্যত ইতি मृत्भावः कृठः । ইতি সিদ্ধান্ত-नित्रामिशः॥ गेयः पुर नागः। इति एक्स हन्तुः॥ ॰ क्री लोर॰। इंडि सम्हिन्ता।। অতিশযঃ। ইত্যমরঃ॥ ः ত্রি স্থা। অতিশযঃ।। পুগাচঃ ॥ वनवान्। इंजि स्मिनि ॥ व्यक्तिः॥ ইত্যমরঃ ॥

मृप्रनी

আঁকড়া ইতি ভাষা । ইতি শব-छन्पिका॥ দৃঢকাণ্ড লী দীর্ঘরোহিষক। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ 11 দ্দকাণ্ডঃ পু• ব**ংশঃ। ইতি রাজ**-निर्घण्डः ॥ দূঢকাণ্ডা দ্বী পাতালগৰ্ডীলতা ! ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ॥ দুঢগাত্রিক। জ্রী নৎস্যপ্তী। ইতি भक्षिक्ता !! দৃদৃগুস্থিঃ পু• ব•শঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ॥

मीर्यादा इ

রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

গোল জাতানি ভ গোল ব্ত্তানি দৃততকঃ পু॰ ধববৃক্ষঃ। ইতি রাজ-निर्घण्डः ॥

> मृष्ठ्नः भू भूक्षर्नः। इठि त्राजः निर्घण्डः ॥

> দূঢতৃণা জ্রী বল্বজা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ मृष्युक् शू॰ यावनालणतः। ইতি রাজ-निर्घण्डः ॥

> म्पनः भकः शू॰ बन्बख्रियम् यः । হাঙ্গর ইতি ভাষা। ইতি শদার্থ-কল্পতৰঃ।।

मृण्नीतः भूः नातित्ववव्कः। इंडि त्राकनिर्घण्डः ॥ क्षिकः शुः कूमुकलक वृक्षः। श्रल-

দূচপত্রঃ পু॰ বংশঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ
দূচপত্রী খ্রী বল্ডা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ
দূচপ্রদা জী যবভিক্তা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ 11

पृष्णाशी जी ज्याननी। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ॥

দূদপুরোহঃপু• প্লফ্রফঃ। ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

मृष्कनः श्रु॰ नान्निक्ववृक्षः। ইতি
तान्निर्विः॥

দূঢবন্ধিনী স্ত্রী শ্যামালতা। ইতি শদ্চন্দুকা॥

দৃদ্দুষ্টিঃ পু॰ খঙ্গাদিঃ॥ কৃপণে ত্রি। ইতি বিখঃ॥

দৃদ্দৃলঃ পু॰ মুঞ্জত্ণ ।। মন্থানকত্ণ । ইতি রাজনির্ঘণীঃ ।। নারিকেলঃ । ইতি শহার্থকল্পতকঃ ।।

দৃতরঙ্গা স্ত্রী শ্বন্ধী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।
দৃতলতা স্ত্রী পাতালগৰুড়ী। ইতি
রাজনির্ঘণ্টঃ।।

मृह्यामा थ्रं जी मृकतः। ই जि मदहिन्दुका ॥ कठिन लामयू जि वि ॥
मृह्यमूनः थ्रं लक्ष्रः॥ श्राः। ই जि
ताक्षिर्णः॥

कृष्वना जी अम्रुष्ठा। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ
कृष्वीजः পু॰ চক্রমন্দ ।। বদরঃ।।

বর্রঃ। ইতি রাজনির্ঘন্টঃ।।

দ্চস্কিঃ ত্রি নিশ্চিদুঃ। তৎপর্য্যায়ঃ।

সংহতঃ ২। ইত্যমরঃ।।

দ্চস্ত্রিকা জী মূর্বা। ইতি শক্ষ্

मृष्ककः श्र. कीतिकावृक्षः। ইতি कोषतः॥

দৃদক্ষুরা জী বলজা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ
দৃদাস্ব লী হীরক । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ
দৃতঃ ত্রি আদৃতঃ। আদরার্থ দৃধাতোঃ
কর্মাণি ক্ত পুত্যযেন নিয়মঃ।

मृठा खी जीत्रकः। ইতি भन्द निपुका।।
मृठिः পু॰ वर्षाभू देकः॥ मट्नाः। ইতি
মেদিনী॥ পুথনস্য পর্য্যায়ঃ। বলঃ
२। ইতি হেমচন্দুঃ॥

দৃতিধারকঃ পৃ• বৃক্ষবিশেষঃ। আকন পাতা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যাযঃ। আনন্দী ২। মৃষিকারাবুঃ ৩ বামনঃ ৪। ইতি শব্চন্দুকা।।

দৃতিহরিঃ পু॰ अञ्चर्तः। ইতি মুধাः বোধব্যাকরণ ॥

मृन् वर्ष हि॰मा। ইতি मूबारवाध होकाया॰ मूर्नामामः ॥

मृद्धः न क्राम् । इंडि किवक्सक्सः ॥ मृद्धः जी नर्भः॥ ठकः। इंडि सिनिशे॥ मृद्धः भूः वृज्जः॥ मृर्युः। इंडि स्मिष्नपुः । त्राका । ইতি শদরত্বাবলী ।। অন্তকঃ। ইতি সংক্ষিপ্তসারে উণা-দিবৃত্তিঃ॥

দৃপ শ বাধনে। ইতি কবিকল্পন্ধনা।
দৃপ কি সন্দীপনে। ইতিক্বিকল্পদ্ধঃ
দৃপ ঞি য উ ই র হর্ষে।। গর্ষে।
ইতিকবিকল্পদ্ধঃ।

দৃশুঃ ত্রি গর্বিতঃ। ইতি ধরণিঃ।।
দৃশুঃ ত্রি দৃশুঃ। ইতুগাদিকোষঃ।।
দৃক প শ ক্লেশ। ইতি কবিকল্লফ্রমঃ।।
দৃক্কঃ ত্রি গুথিতঃ। ইত্যমরঃ।। ভীতঃ
। ইতি ভ্যার্থ দৃভ ধাতু দর্শনাৎ।।
দৃভ শ ই কি ভ্রনে। গুথন ইতি
যাবং। ইতি কবিকল্লফ্রমঃ।।

मृख में कि खरा। इंडि करिकन्नक्षमः॥
मृष्ण क ड क मः शास्त्र । ताणीकत्र ।
इंडि यावट् । इंडि करिकन्नक्षमः ॥

मृद्धः जी. नर्भः। ইতি निष्वास्यकोमूर्गः मूर्गारिवृष्टिः॥

मृक्षः जी मृत्ः। ইতি निकासकोगूम्ता मृगामिवृज्धिः॥

দৃশ ই র ও পুেক্ষণে। চাকুষজ্ঞান ইতি যাবং। ইতি কবিকল্লন্দনঃ।।

मृण्यः जी भाषानः। इंड्यादः।। निम्निष्णणणणः। इंडि त्मिनी मृण्यकी जी निर्मितिष्णयः। त्रा व्यार्थाः বর্জন্য পূর্ব সীমা ॥ কাত্যাবনী ।
ইতি মেদিনী ॥
দৃশা জী চক্ষুঃ । ইতি শব্দ নিব্নির ॥
দৃশাকাড্ক্স্য প্লী পদ্ম । ইতি শব্দ
চন্দ্রিকা ॥

म्भानः क्षी ज्यािजः। ইতি मिनी।।

म्भानः পু विद्याहनः। ইতি मिनी।।

॥ व्याहार्यः। ইতু भारिकावः।।

लाकभानः॥ द्राक्षभाद উপाध्याः।
। ইতি সংক্ষিপ্তসারে উপাদিবৃত্তিঃ।।

मृश्यो । हिन्द्र । इंडि नद्भवादनी ॥ मृश्यो । इंडि नदः ।

मृण् वि मर्गनीयः। पृष्ठेवाः। ই जिः वाकत्रभः॥

দূৰ এত্তী পাৰাণঃ ॥ নিম্নেৰণশিলা । ইতি মেদিনী ॥

দ্যৎ সার প্লী মুগুায়স । ইতি রাজ-নির্মণী: ।।

म्हेर क्ली स्रश्त्रक्र काल्य । इंज्या तः ॥
स्रिक्ट वि। यथा। मृष्टे मार्यित्र
विस्य समञ्ज्ञे हिट नः। इंजि ह की
मृहेतकाः जी शुभक्षतकका । उद शर्या यः। सर्था २ । इंज्या तः ॥

श्यापः। भर्याः । इत्यान् । श्रीता। इति दाजनियंगः॥

मृक्षोडः शू॰ छेमाङ्ज्ञगः ॥ भाजः ॥ মরণ । ইতি মেদিনী ॥ मृश्चिः क्री रुक्तः। इंडामदः॥ दुषिः॥ দর্শনণ ইতি মেদিনী।। #11 পুহাণাণ मृश्चि कथनः यथा। ত্তीयगृष्ट मन्मन গৃহে চ শনেঃ পূৰ্ণ্ ব্ৰু ব্ৰেয়েশণ भाममृष्टिः । शक्ष्मग्रह नवमग्रह ह গুরোঃ পূর্ণদৃষ্টি রন্যেষাম জ দৃষ্টিঃ। চতুর্থগৃহে অপ্তমগৃহে চ কুজস্য शृर्गमृष्टि द्रानामाः जिलाममृष्टिः मधनग्रह मर्खिषा भृतमृ द्विः। भक्षम প্রেসপ্তমে নবমে দ্বাদশে চরাহোঃ शृशं मृष्टिः। षि जीय मन्यान ठ जिनाम मृक्षिः। তৃতीस्य यक्षि ठलुर्ख अक्षरम हार्ष्क्षमृष्टिः ॥ 🗱 ॥ शुरुगगाः मृष्टेऽञाव নিৰ্ণযো যথা। স্থিতিভব্ৰে একাদশে চ রাহেছে ই।ভাবঃ। ছিতিভবনে विजीय यक्षे अकानमा बानमा ठात्रियाः म्केडजावः॥ 🗱 ॥ अयाः शुनान यथा। ত्जीय मनानं देव भारम्थि कपाश्ठा। वर्षत्षिक | नवरम भक्ष्य ह भुकी विजा। हजूर्थ চাষ্ট্রনে চৈব পাদোনা পরিকীর্ত্তিতা । সপ্তমে পরিপূর্ণা চ ফলনেব॰ **পু**उन्नाराज्य। ज्जीय मन्मायार्किः शमान् भूर्वकलभुमः। जित्कांगगान्

ध्वरिक्त ठजुर्था है मनान कुछः।। मूज मन नवार अपूर्व हिः मूद्राद यू नन एसम द्राली वृद्धिमाजा जवार्यः। महज दिश्र ठजूर्थ बृद्धेरम ठार्ष वृद्धिः विज्ञ ज्यम मूला छा निय वृद्धाः वि द्रारकाः।। प्रकानक विजीयक यह रमका महल्या। वा क्षा था न लगा । वि (स्व लगा हिल्ला था । वि (स्व लगा हिल्ला)

দৃষ্টিকৃৎ ক্লী স্থলপদ্ম । ইতি শব-চন্দ্রিকা।।

'मृष्टि ह्उ॰ क्ली इंलिशक्य • । ইंভि सद-तदावली ॥

मृष्टिखनः शुः वानामिनकाः। इंडि

দৃষ্টিবন্ধঃ পু॰ থদ্যেতঃ। ইতি শব-রত্নাবলী।।

मृष्टितिस्मिनः भू॰ कर्राक्यः। ইতি श्वायूथः॥

দৃহ

বৃদ্ধী।ইতি কবিকশ্লমনা

দৃহিতঃ ত্রি বৃদ্ধিপুাপ্তঃ। দৃহধাতোঃ কর্ত্রি জেন নিয় মঃ।।

দু ম ভয়ে। ইতি কবিকল্পদ্রমা।
দুয় গি বিদারে। ইতিকবিকল্পদ্রা।
দু গি ভয়ে। ইতিকবিকল্পদ্রা।

দে ত পালনে। ইতি কবিকল্লফনঃ।। (मही भागानः जि भूनः भून द्रिजनायन বা দীপ্যতে यः। অতিশয দীপ্তি বিশিষ্টঃ। ইতি ব্যাকরণং॥ (मय॰ बि माजवारः। मानीयः। ইতি वतक्रवनः ॥ দেব ঋ ড দেবনে ৷ ক্রীডন ইতি যাবৎ । ইতি কবিকল্পদ্ধ ।। (एवः क्ली इन्तियुः । इंजि (मिनी ॥ (मवः পू॰ (मवजा। नार्षितात्को बाजा। ইত্যমরঃ ॥ রাজা ॥ মেঘঃ । ইতি মেদিনী ॥ পারদঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ॥ ব্রাহ্মণানামূপাধি ভেদঃ। यथा। (पव शृक्षः नद्राथाः जार भर्मा वर्माि म॰ युज । इजि मृजिः॥ কায়স্থানীনা পদ্ধতি বিশেষঃ। তস্য বিবরণ কাযস্থ শব্দে দুষ্টব্যং॥ দেবকः পু॰ यमूव॰भीय त्राक्रविरभयः। স ঐকৃষ্ণা, মাতানহঃ। ইতি এ ভাগবত ॥

प्रतक्षमः श्रे मुगिक्षम्य विश्वासः।
म श्रीथ श्रीष्ट्रक कर्ण्त म्हूम मः मिमिति र्ज्य जि। इजि ता क्षिमिक्षः॥
प्रतका श्री (प्रवकी। इजि मदतज्ञावनी॥
प्रतकाष्ठः भी (प्रवहाक। इजि तज्ञ-

भाना। (प्रवहाक भुष्टिहः। उट भर्यऽ। भ्ठिकाष्ठः २ छुकाष्ठः ३ भूकाष्ठकः ८ निश्वहाक्कः टक्ष्यंहृहाकः ५। अभ्य खनाः। ठिक्कदः। উक्षदः। कक्षदः। (भूगानिवाशस्त्रकः। ইতি রাজনির্যক:॥

प्यितिती जी भिष्ठ तागम् जार्गा।
यथा। निजा मानमी गोती नाषी
प्यितिती जथा। भिष्ठ तागम जार्गा।
प्यितिती जथा। भिष्ठ तागम जार्गा।
यक्षिमाः मुम्ब माः॥ जम्माः
यक्षिभाः मुम्ब माः॥ जम्माः
यक्षिभाः मुम्ब मन्दि निजा प्यामाः
पूज्ञ पुष्ठ जल्मा। थ्राज प्यामाः
वित्री श्रिका कत्रार्भिज मधीकता।।
इठि मक्षी जमारमामतः।।

प्रविशे श्री (इवक द्राह्मकन्ता। मा
तमूप्तवभन्नी श्रीकृष्मभाठा। उद भर्यायः। देनविशे २ कृष्ण्यन्ती ० प्रविश्वाह्माश्चाहि णप्तद्रनावनी॥ हेयःकण्यभन्नी श्रिष्ठाःण ह्याठा। वर्था। प्रविश्वी श्रिष्ठाःण ह्याठा। यथा। प्रविश्वी श्रीक्षि (ह्या वमू-प्रविश्वी श्रीमञ्ः। द्राहिनी मूद्राञ्च प्रविश्विषि (प्रविशे श्रञ्द । हेि महाञाद्राञ्च हित्रवःणः॥ श्रीम् । कण्याया वमुप्तवण्ड प्रविभाजा ह प्रविशे भूव्याया हित्र दुष्तिव्याले ोक्क तमथंखः॥ (एउकीनम्दनः शू॰ बीक्कः। ইতি गुक्तकावनी॥

म्बकीमृनुः भू॰ ञ्रीकृषः। ইতি एका-

'দেবজল' ক্লী বিনামুখ'। দেউল ইতি ভাষা। ইতি হারাবলী।। অস্য বিবরণ । চৈত্যশব্দে দুপ্টব্য'।।

(प्रविश्वश्वा जी महापुरागा। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

দেবস্থস্ম শ্লী লংস্ব । ইত্যন্নরঃ ॥ দেবথাত শ্লী দেবথাতক । ইত্যন্নর -টীকাবা ভরতঃ ॥

দেবথাতক গ্লী পু অকৃত্রিমঙ্কাশবং । অপৌক্ষেয় দেব সপ্ত মিত্যন্যে । ইতি সুভূতিং ।। নাগাদি
ক্রপ্তম্মমিতি স্বামী ।। তথ্
পর্য্যায় ৷ আখাত ২ ৷ ইতি ভরতঃ
।। অখাত ০ ৷ ইত্যমরং ।। দৈব ॥
বিনির্মিত ৪ ৷ ইতি শব্রত্বাবলী ।।
ভহা ৷ ইত্যমর টীকাষা ভরতঃ ।।
দেবথাতবিল গ্লী ভহা ৷ ইত্যমরং ।।
দেবগদ্ধা স্ত্রী মহামেদা ৷ ইতি রাজনির্ঘণ্টং ।।

(मंत्रगाक्षाती खी बीत्रार्गमा जार्गा। ।। इंडि मेर माश्रुतान ।। (म्त्रालयक यथा। गाक्षाती (म्त्रगाक्षाती मालव | (म्त्रिकिट माक्षा श्रु॰ अधिनीसमाति)

শ্রীশ্চ সারবী।রামকীর্য্যপিরাগিণ্যঃ
শ্রীরাগস্যপ্রিয়াইমে।। ইতি সঙ্কীতদামোদরঃ ।। অস্যা গানসমযঃ
শিশির ঋতৌ তৃতীয পুহরাবধি
রাত্র্যজ্পর্যন্ত ।।

(मवशायनः श्रु॰ शक्षर्यः । इंडि (रुम-ठमुः ॥

দেবগিরী স্ত্রী রাগিণীবিশেষঃ। ইতি হলাযুধঃ ৷৷ সা সোনেশ্বর মতে বসন্ত রাগম্য ভার্য্যা বসন্তথভৌ সদা গেয়া। ভরতমতে হিন্দোল রাগপুত্র নাগধৃনি ভার্য্যা॥ সঙ্গীত पर्भग मा जुनहेकनाम जार्या। অস্যাঃ শ্বৰূপ• যথা। অত্যত্তি-রাম ঘনশ্যামতনুঃ উত্ত্রস্পীনস্তনী হারকণ্ঠভূষণা দ্রীপড্জিমধ্যস্থা मखहरकातनयना मूजक्रकीह অস্যা গানসম্যঃ হেমন্তে দিবা চতুর্থ পুহরাবধি রাত্র্যন্ত্রপর্য্যন্ত ॥ দেবগুৰুঃ পু• বৃহস্পতিঃ৷ ইতি পুরাণ• **(म्वगृह क्री ज्**र्य) हन्मु । मीना • (क्रांजि-र्यां अवानि । यथा । मनुष्ठात्रयू मार्सयू क्षक म्यं गुरामुया । जानि पव গৃহাণি সুঃ স্থানাখ্যানি ভবন্তি হি ॥ इंजि मर्मृतानः॥ प्रवालयः । ইতি হ্লাবুধঃ।। ঘিবচনাস্তো হ্য ।।।
দেবছন্দঃ পু॰ হারবিশেষঃ। সাশত
যপ্তিকঃ। ইভ্যমরঃ।। অস্টোত্তর শত
যপ্তিকো হ্য মিতি কেচিৎ। ইতি
ভরতঃ।।

দেবজন্ধ• ক্লী দেবজন্ধক•। ইতি হেম-চন্দঃ।।

দেবজধাক ক্লী কন্তৃণ । ইত্যনরঃ ।। দেবটঃ ত্রি শিল্পী। ইত্যুণাদিকোষঃ ॥ দেবটী ক্রী গঙ্গাচিল্লী। ইতি হারা-বলী।।

দেবতকঃ পু॰ মন্দারঃ॥পারিজাতঃ॥
সন্তানঃ॥ কল্লবৃক্ষঃ॥ হরিচন্দন•।
ইত্যমরঃ॥ চৈত্যবৃক্ষঃ। ইতি
ত্রিকাওশেষঃ॥

प्तिवा जी प्रवि मृडि की प्राश्चा ज्ञा जिया। उट शर्या याः। ज्ञम द्वाः निक्कं द्वाः अपिताः अ जिष्यः असूदः १ सूश्वां ४ सूमनाः अ जिष्नि विमान । पितोकाः ३३ ज्ञापित्वयः ३२ पितियट १३ त्वाथः ३८ ज्ञापित्वयः ३२ पितियट १३ त्वाथः ३८ ज्ञापित्वयः २० पित्वर १३ त्वापित्व ३४ अप्वाः ३१ ज्ञान १४ ज्ञापित्व ३४ अप्वाः ३१ व्यक्ष्यः ३४ ज्ञाप्ति ३४ व्यम्। द्वाः १८ । रे वर्षिम् थः २३ क्रुज्यूक् २२ शीं वां। २० पानवादिः २८ व्यमाद्रकः २८ । रेप्तवः २४ । ইज्यान्तः ॥ श्वाहाज्यूक्।

२१ मनुज्जिषि है २৮ मू उषट २० (म तोषट) ৩০ স্বৰ্গী ৩১ শৌভঃ ৩২ নিলিম্পঃ ৩৩ সুচিরায়ুঃ ৩৪ স্থিরঃ ৩৫৭ইতি नद्रवावदी॥ 🗱 ॥ उन्ताः रःथा खयंखि॰ में ८ कार्रयः। यथा। मनाता বিবুধাঃ সংহ্ স্বানাণ স্বানাণ গণৈঃ সহ। ত্রৈলোক্যে ত প্রযন্তি শৎকোটি সংখ্যা যথা তব !৷ ইতি পাদ্মোত্তর-थुः ॥ 🛊 ॥ , अनुस्त्व ज युशा । আদিত্যা স্তবিতা বিশ্ব সাধ্যা ভা-ষর নাক্তাঃ। মহারাজিক কুদুা-শ্চ বসবো গণদেবভাঃ।। আদিত্যা षाम्भ (श्राका ऋषि । क्रि॰ भारत्रि । বিখেদেবা দশ প্রোক্তাঃ সাধ্য षान्म कीर्खिजाः॥ याजानता ऋजूः विश्वे वी जाः शका मम्नकाः । भश রাজিক নামানো ছেশতে বিংশতি ত্তথা। ৰুদুা একাদশ প্ৰোক্তা বসবো **ংগ্রী সমীরিতাঃ।ইতি শবর**্বাবলী ॥ 🗱 ।: তেষा॰ চত্বারো বর্ণা যথা। আদিত্যাঃ ক্ষৃতিয়া স্তেষা্ বিপশ্চ মৰত তথা। অখিনোচ মৃতৌ শুদৌ তপস্যুগে সমাছিতৌ। মৃতান্তাঞ্চি-রসা দেবা ব্রাহ্মণা ইতি নিশ্চযঃ ৷৷ इंटि उट भर्वरम्याना काजूर्वर्गाः भू-কীৰ্ভিড। ইতি মহাভারতে মোক-

थर्यः ॥ शादिकवानाः शक्रवका यथा ॥ । यब यब मुद्राः शृङ्गा गलमाम् । ख কৰ্মিণাল বৈষ্ট্যনে তত্ৰ তত্ৰ বৈশ্বনা-ना॰ हि देक्कवाः॥ विश्वक्रमन• म म-नकः मनाउने मेजःश्रद्गः। मनमः मन সমারঞ্চ পঞ্চিব শুক্ষবেত্ততঃ।। ইতি পান্মে উত্তরখঙে।। # ।। দেব্যট্ক॰ यथा। (ानक मितनक विक्रि विक्रु শিবং শিবাং। দেবমট্কঞ্ সংপূত্য নসস্ত্য বিচক্ষণঃ !৷ ইতি বুন্ধ বৈবৰ্ত্তে " পুক্তিখঙা মাপচ। আদিত্য গণনাথঞ্চ দেবী । ক্ষু । যথা ক্রম ।। नातापन विश्वाधा मा क क দেৰতাঃ॥ ইত্যাহ্নিতত্ত্ব ॥ # ॥ ব্যক্তি-বিশেষস্য উপাস্যদেৰতা যথা াযাযস্যাভিমতাপু•সঃসাহি **তসৈ**্ব দেবতা। কিন্তু কাৰ্য্য বিশেষেণ পূজি-তा एष्ट्रेमा नृगाणा वित्मवाद मर्बमा नायः नियमा शनार्था नृशाः। नृशानाः रित्र विक् उरिथव ह भूतन्तः॥ বিপাণামগ্নিরাদিত্যে বুহু টেচব পি-नाकशृक्। (एवाना॰ रेम्कुं॰ विकू सीन-বাৰাণ ত্ৰিশ্লভূত ৷৷ গন্ধৰ্যাণাণ তথা লোমো যক্ষাণা মপি কথ্যতে।বিদ্যা-श्रांगा॰ वार्यायी माध्यानां जगवान् ছরিঃ।। রক্ষসাং শক্ষরে। ক্রুঃ কিন্

त्रालक भा**र्ब**ी। सवीनाः रेपवजः बुता सहास्तवक मूलप्र ॥ मन्ना॰ স্যানুমা দেবী তথা বিষ্ণু: সভান্ধরঃ । गृरुष्टानाक मर्विमू दुका वि वुमहातिगां।।विथानमामसिका म्रा-মতীনাঞ্চ মহেশরঃ। ভূতানা ভগ-वानु पुः अन्या क्षानाः विनायकः॥ भ-र्खिषा • ভगवान् वुका (एव (एवः भुका-পতিঃ। ইতেগ্ৰ॰ ভগৰান্বুকা স্বয দেবে। ভ্যভাষত ॥ ইতি কূর্যপুরাণ• ॥ 🗱 ॥ जामान १८५ व घडेन मिन १ यथा। তত্তোক্ত নক্ষতাণি। উত্তরফ্লুণুড্র-রাষাঢোত্তরভাদুপদ্যেহিণী চিত্রানু রাধামৃগশিরোরেবতীপুষ্যোৎশ্বিনী হন্তা শতভিষা শুবণা স্বাতী পুনর্ধসু র্থনিষ্ঠা। তত্র তিথয়ঃ শুভাঃ। তত্র চন্দু ख्ठीय मणन मधन ब्रिकामण्डः শোভনঃ।। ৠ।। অথ সামান্য দেব পুতিধানিনণ তত্র মাসাঃমাব ফাল্লুন চৈত্র বৈশাখ জ্যৈষ্ঠাঃ হরিশ্যনাত পূৰ্মাবাঢ়ক ॥ তত্ৰ নক্ষতাণিধনি গ্ৰ मञ्जिवारम्या भया भूनर्वत्रिभी ভরণী কৃত্তিকা বিশাখা ভিমানি ॥ তক্ৰ তিথ্যঃ শুভাঃ।। তক্ৰ লগানি বৃষ मिथून कन्तर अनुमीन म ऋकानि॥ उब हुनुः (नाजनः।। नगालक्या

বৃহস্পতিঃ কেন্দুছঃ শোভনঃ লগা-পেক্ষবা শুক্র স্থভীয় ষষ্ঠেকাদশস্থঃ শোভনঃ ।। ইতি জ্যোতিষ•।।

দেবতাডাঃ পূ॰ দেবতাডঃ।ইতি মলুমালা॥

(५वडाविभः शू॰ इन्द्रः। ইতি শব-রত্বাবলী॥

দেবত্ব॰ ক্লী দেবত্য॰। দেবসাযুজ্য॰। ইত্যমরঃ ৷! দেবস্য ভাবঃ কর্মা রা ৷ ইতি সংক্ষিপ্তসার ব্যাকরণং ॥

(त्वर खा जी नागवला। इंजि ताज-निर्वणेः॥

দেবদত্তঃ পু॰ বৃদ্ধানুজঃ। ইতি ত্রিকাশু- ॥ শেষঃ॥ অজু নশঃঃ॥ শরীরবাহ্য পঞ্চবাযুম্ভর্গত বায়ু বিশেষঃ। ইতি

मदार्थकन्न उकः ॥ विज्ञान (एव-एकः मूक्त्य हिक मिन्न । हिंछ मात्र पाठिनकहीका॥ म॰ क्रान्सिम्बः । यथा (एवए का कि म॰ क्रान्सम्भ मर्ब-निम्न जा किवा जावार का किव्य मान् या । इंकि पूर्णा पानः ॥

(नवम्खागुङः शृ वूषः। ইতি हम-हमुः॥

দেবদানী দ্রী ঘোষকাকৃতিঃ। হত্তি ঘোষাইতি ভাষা। ইতিরত্নমালা॥

ঘোষাইতি ভাষা। ইতিরত্নমালা॥ (एतराक क्ली वृक्कवित्भवः। उ श्वर्गायः। শক्रभाष्ट्रशः भाविज्युकः **৩** ভদুদাৰু ৪ জ কি লিম•৫ পীতদাৰু ৬ দাৰু ৭ প্তিকাধ্য ৮। ইত্যনরঃ ॥ जूतराक > माकक > > जिल्लाक >> अमत्रमाक >२ निवनाक :0 श्राञ्चर॰ ४८ ज्ञराति २८ जनमाक १५ जुरू ११ इनुराक १४ मस माक) अभूतज्बरः २०। इंजि ভাবপুকাশ: ॥ সুরাহ্ব । ২০ দেব-काष्ठ २२। ইতি রব্নালা॥ অস্ত গুণাঃ। তিক্তব্ব•। ৰক্ষব্ব•। শ্লেমানি-ল ভূতদোৰ নাশি ३१३। ইতি রাজ-निर्घण्डशा मयुद्ध । निषद्ध । উकद्ध । কটুপাকিত্ব। বিবন্ধাখান শোথাম उन्तु । हिङ्का ब्राजु शुरम र शीनम

শ্রেম খাস কণ্ড্ সমীর নাশিবঞ।
ইতি ভাবপুকাশঃ ।। তস্য লেপন
ভাগে কান্তিদত্ব । আনদোষ বিবদ্বার্শঃ পুমেহ জ্ব নাশিবঞ্চ। ইতি
রাজনির্ঘণ্টঃ ।। জ্ব কক্ষতাংলক্ষী
রক্ষোবিন্ন নাশিব । ইতি রাজবদ্বাভঃ ।।

(प्तवपाणिका खी महाकाणः। ইতি রাজনির্ঘটঃ।।

त्पवनानी खी नजाविष्मयः। ययत्र-বেল ইতি খ্যাতঃ। তৎপর্য্যায়ঃ। জীমূতকঃ২ কণ্টফলা ৩ গরা ৪ গরী ৫বেণী ৬মহাকোষ্ফলা ৭ কট্ফলা ৮ ঘোরা ৯ কদস্বী ১০ বিবহা ১১ কর্কটী ১২ সারসূষিকা ১৩ বৃন্তকো-শ। 78 वाथुविषहा २० मानी 79 রোমশপরেকা ১৭ তুরঞ্কো ১৮ সু তর্কারী ১৯ দেবতাতঃ ২০। অস্যা গুণাঃ। তিক্তবৃণ। উঞ্চৰুণ। কুটুবুণ। পাণ্ডুকফ দুর্নাম স্বাসকাস কামলা ভূত নাশিইঞ্চ ॥ তস্যাঃ ফলস্য खगाः। जिङ्कद्रः। कृमि (मुग्र छन्। **भूजार्मा वाउ नामिवः। जुःजनवृक्** ।। পীতা গরা খরস্পর্না বিষয়ী গর-নাশিনী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। দেবদাসী জী বনবীজপুরকঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।। বেশ্য । ইতি শাদা-র্থকল্পতকঃ ॥

দেবদীপঃ পু॰ লোচন•।ইতি **শদ**-রত্নাবলী।।

(मयमून्यू जिः शु॰ गम्भानाभा म त्रकः जूनमी। ইতি রত্নমালা॥ দেবানা॰ দুন্দুভি বাদ্যঞ্চ॥

দেবদূতী গ্রী বনবীজপুরকঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

(स्वरम्वः श्रु॰ निकः॥ वृक्ता। ইতি শহরত্বাবলী॥

'দেবদুোণী জ্ঞী দেবযাত্রা।ইতি হারা-বলী।

দেবৃদ্যু ত্র দেবপূজক: ।। দেব সমী-পগন্তা। ইত্যমর: ।।

(एवधाना क्री धाना विष्णियः। एधान इंडि ভाषा। (जाञ्चात्र इंडि हिन्ती ভाषा। তৎ পर्यागः। यवनाणः २ यानणः ० जूर्गाञ्चयः ८ (जाञ्चाणा ६ वीक्ष भू क्षित्र १०। इंडि द्रिक्त मुद्रः॥ (एवध्नः भू॰ ख्युण्यः। इंडि द्रिक्त मणा।। (एवन॰ क्री वावहातः।। जिलीका।। जीजा १ इंडि किर्ना अस्ति।। लीलाम्यान॰। इंडि किर्ना अस्ति।। लीलाम्यान॰। इंडि किर्ना अस्ति।। भृतिः।। इंडि भन्न मिन्ना।। भृतिरम्वन॰। इंडि मत्र विकायाः भृत्र इः॥ मूर्जिः॥ স্কৃতিঃ॥ কান্তিঃ॥ শতিঃ॥ শোকঃ। দেবপুত্রিক। জ্রী পৃয়া। ইতি রাজ-ইত্যমর টাকাযা সথুরেশঃ। দূতে । ইতি सामी ॥

দেবনঃ পু॰ পাশকঃ। ইত্যমরঃ॥ (मवनन्दी भू॰ हेन्द्रुवाद्रभावः। ইতি र्मिन्मुः ॥

(एवननः शू॰ ननाजिपः। उৎপर्यतयः। (मर्यनानः २ मश्नननः ७ वनः ४ नलाखमः ৫ ज्वनावः ७ ज्व-म् अः १ मूत्रनामः ৮ मूत्रक्यः २। অস্য গুণাঃ। অতিমধুরত্বণ বৃষ্যত্বণ नेषद्क्षाग्रु। ननामिक वीर्याज्य । तम कर्या भे भेखद्भा ३७ दाक-निर्घण्डः॥

দেবনা ক্রী ক্রীডা।। সেবা। ইতি শদ-ब्रञ्जावनी ॥

(एवनानः भु॰ (एवननः। ইতি রাজ-निर्यकः॥

দেবপতিঃ পু• ইন্দুঃ৷ ইতি হেমচন্দুঃ॥ দেবপত্নী স্ত্রী মধালুক। ইতি ত্রি-काश्रमसः॥ (प्यानाः जार्यत ह ॥

(मदशयः शू॰ (मवाना श्रष्टाः। उ পর্য্যায়ঃ ছায়াপথ: ২ সোমধারা ৩ নভঃসরিৎ ৪।ইভি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।।

দেবপণ ব্লা সূর ণ । ইতি রাজ-नियंकः॥

निर्घण्डेः ॥ (एवर्णुकी जी शृक्ष। ইতি कठा पतः॥ দেবপৃঃ জ্রী অমরাবতী। ইতি জটা-

(मवश्राः शुः शुरु नक्षजीमि घढिउ জিব্দাসা৷ তৎপর্য্যায়ঃ॥ উপশু,তিঃ ২। ইতি হেমচন্দুঃ॥

(मविश्वयः शू॰ शीउँ ज्ञताकः॥ वक-পুষ্ণ:। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

प्रविवा जी अहरमवी।। जाग्माना । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

प्रववस्र छः भू भूषागवृक्तः। इत्रामदः (मत्तृका भू॰ नातम्यूनिः। ইতি एम **इन्प**ः ॥

দেবভবন ক্লী অশ্বত্থা, ইতি শব্দ **इन्द्रिका ॥ दर्शन्ड ॥**

(দবভূ: পु: (দবঃ। ইতি শবর রাবলী।। यर्ग•5॥

(पवज्जिः की नन्ताकिनी। इंडि न्यत्रञ्जावनी ॥

(नवज्य क्री (नवड्र । (नवजायुक्त) । ইত্যমরং ॥

(एवम निः पूर जर्गः ॥ को खणः ॥ অখ্রোমাবর্জ চ্ইছি মেদিনী ।। (मव्यू

बर्गुयमा। ইতি মাজনির্ঘণ্টঃ ॥ দেবসাজা জী অদিতিঃ। ইতি ত্রিকা-তাশেবঃ ॥

দেবমাত্কঃ তি বৃষ্ট্যবুসস্মনীহি
গালিত দেশঃ। ইত্যমরঃ॥
দেবমানকঃ পু কৌত্তনণিঃ। ইতি
শদরত্বাবদী॥

(मन्यातः शृ गर्जम्याद्वेमयातः। ख्रः शर्यग्रयः। गर्छाद्वेनः २। इंडि विकाश्रः स्वरः॥ (मनानाः गानः। सगन्यग्रास विः स्वर्याव्यवः॥ (मनयकिः श्रः (मनश्क्रतः। मृनिः। यथा खार्या विकान् (मनयकीन् निरुषः। इंडि ভिष्टः॥

लवयकः भू रहामः। इंडिस्मिन्सुः॥ त्वराका की त्वरामनः। उट्भर्यत्रायः त्वरामानी २ । इंडि हाज्ञावनी ॥ त्वरामान्यसम्

(स्वयान॰ क्लिं स्विवियान॰। (स्वत्रथः। इंडि मदार्थकन्नड्यः।।

দেব্যানী জ্ঞা শুক্রাচার্য্যকন্য । সা

যথাতি রাজপত্নী ইতি জ্ঞীভাগবতং ॥

দেবয়ুঃ ত্রি ধার্মিকঃ।। লোক্যাত্রিকঃ । ইতি মেনিনী ॥ দেবে পুং। ইতি
শুদ্দদুমুবলী ॥ (पवत्र)

(एवर्यानिः शृ क्षी (एवश्व योनि निंदानञ्जा यम् अः। उपथा। विद्यापताः > अन्नतमः २ यकाः ३ त्राक्षमाः ६ गक्षवीः ६ किषताः ५ विलाहाः १ शृक्षकाः ५ शिकाः २ ज्जरनः २०। ইত্যেतः ॥

(मवद्रः भू भनुः किष्णुणा । (मध्द्र इंकि जाया। उद्भर्यः। (मवा२। इंकामद्रः। (काष्ठेख अमूद्र । इंकि जद्रकः।।

(स्वव्रथः भू॰ 'स्वाना॰विमानः । ইতি इलायुषः॥ अठ भूत्रकाषिः॥ (मवज़ा**ङ: পू: इन्मु:।** ইতি ত্রিকাশু-(भयः ॥ उत्र) नामानि यथा। इनुः সুরপতিংশক্রোদিতিজঃ প্রনাণুজঃ । সহসাক্ষোভগাস্ক ক কশ্যপাস জ बवह ॥ विष्डाङान्ह मूनामीरता मक्षान् शाक्षामनः । खंगल्डनिकः শ্রিমান্ শচীশো দৈত্যস্দনঃ ৷ বজু इड: काय्मश्रा भी उभी युज्नानन । वृज्ञहा वानदी कव मधी विषक्षि কুক:।। ভিকুত বামনভাতা পুক-ষ্তৃঃ পুরন্দরঃ। দিবলাতিঃ শত-मथः म्बानालाविष्ट्रिष्ट्रिशालयर्ग ভো বলারাজির্জন্তভেদী সুরাশুয-। नःकसता पुरित्र सत्रात्पार्यः বহিনঃ ।। আখণ্ডলো হরিহযো
নমুচিপাণনাশনঃ। বৃদ্ধশুবা বৃষ্টেশ্ব
দৈত্যদর্পনিস্দনঃ ।। ষট্চত্বারিংশ
লানানি পাপরানি বিনিশ্চিত ।
ইতি বৃদ্ধবৈবর্ত্তে জন্মথণ্ড ।।
দেবরাতঃ পুং পরিক্ষিৎ রাজা। ইতি
শ্রিভাগবত ।। সারসপক্ষিবিশেষঃ
। ইতি শ্বার্থিকল্লতকঃ।।
দেবরিঃ পুং সুর্বিঃ। তৃদ্ধথা। নারদঃ
১ অত্রিঃ ২ নরীচিঃ ১ ভরদ্বালঃ ৪
পুলস্তাঃ ৫ পুলহঃ৬ কতুঃ ৭ ভৃশুঃ৮
বিশিষ্ঠঃ ৯ পুচেতাঃ ১০। ইত্যমর
টীকাসারস্করী।। তুদ্ধকভরতাদিঃ
। ইতি তটীকাবা ভরতঃ। কণাদা
দিঃ। ইতি ত্রিকাপ্রশেষঃ ।।

प्रवनः श्रु॰ (एवाडीवः। जीविकार्थ॰
(एवान् गृहीज्वान्। शृङाति वामन्
हेिं जाय।। हेज्यतः।। (एवाशः ने
जीवङीवी। यथा। (एवाशङीव जीवे हेिं एववश्य श्रुकीर्डिजः। हेिं
तुकारवर्ज्यश्वागः।। हिकिट् मकान्
(एवलकान् माःम दिक्रिया स्था।
विभागन हेिं जीवा वर्जाः मुर् हेव्र कव्या तिजिमनूः। (एवलः श्रुजिमा भित्र नात्रकः वर्जनार्थः तिक्रिया स्था।
वर्षा तिजिमनूः। (एवलः श्रुजिमा भित्र नात्रकः वर्जनार्थः देन्यः स्था वर्षा १२० निर्देशः नन्धः स्था वर्षा १४० निर्देशः नन्धः स्था वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा १४० निर्देशः नन्धः स्था वर्षा वर् দেবকোষোপজীবী চ নাত্রা দেবলকো ভবেদিতি দেবল বচনাং।
ইতি তড়ীকাষা সম্ক্তউঃ ক্রেটা
ধার্মিকঃ।ইতুগুণাদিকোষঃ॥ নারদমুনিঃ।ইতি ত্রিকাপুশেষঃ॥ দেবরঃ
।ইতিশদরত্বাবলী॥ ধর্মশাজ বক্তা
মুনি বিশেষঃ। ইতি ভগবদীতা॥
স অসিত্যনুনি পুত্রঃ রম্ভাশাপেনাস্ভাবক্রো বভ্ব। ইতি বুদ্ধবৈধর্ত্বে
শ্রিক্ষজন্মখণ্ড ॥

দেবলক: পু॰ দেবল:। ইতি জটাধর:॥ দেবলতা স্ত্রী নবমল্লিকা। ইতি শব্দ-চন্দ্রিকা॥

(प्रवणाङ्ग्रीणका जी वृन्धिकाणिः। इंडि जाजनिर्घण्डः॥

(मवरनाकः भू॰ सर्गः। ইতি ভি নাও-শেষः॥ स्रिष्ठ। ভূর্কোকো १थ ভূব-র্কোকঃ স্বর্লোকো १থ মহ র্জনঃ। তপঃ সত্যঞ্চ সপ্তৈতে দেবলোকাঃ পুকী-র্ভিতাঃ॥ ইতি সংস্যপুরাণং॥

(मयवकु॰ क्ली जारिः। ইতি सम्हिन्तिकाः !! (मयाना॰ मूर्थकः।।

(त्यक्किः शुः विश्वकर्मा । इंडि ्रिमहन्मुः ॥

(एवर्कः शृ॰ मध्यर्कः॥ मन्तात्र . वृक्तः॥ ख्युनुः। ইতি मिरिनी ॥

व्यवनिश्वी (एवज्क नत्य पुष्ठेव्याः ॥ দেববুতঃ পু॰ ভীমঃ।ইতি ক্রিকাও-भारतका । (स्वानाः वृज्यः।। क्रवल्मथद्रः भू॰ प्रमनकः। ইতি রাজ-निर्घिष्टः ॥ (स्वाना भारतक्ष ॥ त्तवनुञः भू॰ देखदः॥ माञ्रः॥ नातरः । ইতি नदार्थकमुठकः॥ रिवर्णनी की गृजी। ইতিরাজনির্যটিशा দেবদভা ত্রী দেবানা সমাজঃ। তৎ পर्गायः। मूथर्मा २। इंडामदः॥ দেবসভ্যঃ ত্রি ক্রীডাসভাস্থ:1 তৎ পর্য্যায়ঃ। সভিকঃ২। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ ॥ দেবসামাজিকশ্চ ॥ (नवमर्यभः भूः वृक्षभुष्डमः। उৎ भर्यत्रायः। व्यथाकः २ वन्तः ० तकः মূলকঃ ৪ সুরসর্বপকঃ৫ সূক্ষদলঃ ৬ निक्कंत्रमर्भभः १ अत्रताह्निः ৮। अग्र खनाः। कर्षेषः। ऐकदः। कक ङङ (नाव त्रकामय नानिवः। क्ठाद्वः। इंडि द्राजनिर्घक्ता (एवजरु। की मत्था (शत्नोमधिः ॥ ভিক্ষাসূত্র•। ইতি বিশ্ব:॥ দেবসাৎ ব্য সকলজনাদেবভাবাশুযাঃ ॥ (भवाधीन ॥ (भवामय ॥ यथा। जाकन अधीन यह स्थार्थ्यं अत्र नः भूईभर क् ज्याख्यू भारत्यू प्रमाद

प्ति। शृं (प्रदेश: । इंडामंद्र: ।। इंडामंद्र। इंडामंद्र हें ।। विशेष हो । विष्ठ हो । विशेष हो । विष्ठ हो । विशेष हो । विष्ठ हो । विशेष हो । विशेष हो । विष्ठ हो । विष्ठ हो । विष

- शक्षामुरञ्जागगानः ॥

স্ত:। ছিত্তবান্ তদ্দিনাদের ক্ষেত্র। হরিহরাত্মকংগা দেবানা মটলটোর। দেবাট ইতি সংক্রিতং। ইতি বরা-হ পুরাণং।।

मिता श्री श्रूण वास्त्रा । इंडि व्यक्त इनित्रा ॥

দেবানাম্প্রিয়ঃ পু॰ খ্রী ছাগঃ। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ॥ ক্লান্মঃ। ইতি হেন চন্দুঃ॥

দেবাপিঃ পৃ৽ পুতীপরাক্তঃপুত্রঃ।

স সুমেক সমীপে কলাপ গ্রামে
বোগী ভূত্বা আন্তে স কলো লুগু॰

চন্দু বংশ পুনঃ সত্যযুগে ভাবিধি
ব্যতি। ইতি প্রভাগবত ।। স চ
স্কন্ধী পুজাভি রপধ্যাতঃ। ইতি
মৎস্যপুরাণ ।।

দেবাতী গ্রী তাদূলী। ইতি শদ-চল্মিকা॥

(प्रवायजन क्री (प्रवावयः। यथा। न (प्रवायजन ग्रह् क्षािं विष्य श्रुप्त क्षिन । नशीं उपदा वजानि न (प्रवा-यजनवृत्ति ।। ইजिक्स भूजान ।।

(स्वामुध क्षी अक्ध्रमुः। इंडि (हम-हन्मुः॥ (स्वामामकक्षः)।

(स्वार्धः क्षी मूर्तेनर्भः इंजित्राकनिष्यः॥ ॥ (स्वार्धाः क्षी मह्मिवीणाः । इंजि क्राक्रिक्डिः ॥

(एकामयः क्री वर्षः शास्त्रग्रः। ইতি महार्थकन्नज्ञकः॥ (एकाम्हाः क्री व्रामिनी विस्मयः। ইতি एकायुषः॥

দেবাবাস: পু॰ অখপ্যর্ক্ষ:। ইভিঃ ত্রিকাওশেব:।।

(मवाधः शूः हेन्द्रविकश উद्धिः नुवाः । इंडि ह्वायूभः॥

দেবিকা জী নদীবিশেষঃ। ইতি শক্ষ রত্নাবলী। তস্যাঃ পরিমাণ যথা। অর্জ বোজন বিস্তারাণ পঞ্চ যোজন মায়তাণ। এতাবদেবিকা মাহ র্দের্বি পরিসেবিতাণ। ইতি পান্যে ভূমিখণ্ডণ। পুসূরঃ। ইতি ভানপু-কাশাঃ।। দেবসমৃদ্ধিনি ক্রি!

पिताः विश्वितः। हेनुशापितायः प्रती विष्णा। हेनि ध्राणी।। नार्हेश-को कृञानित्यकातानगङ्गी। हेनुश् मतः।। मृद्या। शृङ्गा। हेनि स्मिनी ।। मामानऽप्रतमङ्गी। यथा। प्रतीनाः प्रतिनायतः हेनि कृष्टिः।। वृक्ति। जीनात्माभभमः। यथा। प्रवृक्षाहि जित्यामञाः। हेनुष्णाहेनुः।। व्य-भिष्ठाप्रवृक्षाहेनुः। हेन्द्रियः मर्वामोगङ्गाः। भूष्यानयः। हेन्द्रिक्यितभावः।। (एवीकार्टः भू" वागभूतः। इंडि विकाश्रामयः॥

्रद्धारकाः शृः तृरुगिजिः। ইতি भरे त्रञ्जारमो ॥

(मरवर्धः शृ॰ महारमना ॥ अशुन्। ইতি त्राक्षनिर्यण्डः॥ (मववाक्ष्रिक वि ॥ (मरवर्धा जी वनवीकश्त्रकः । ইতি त्राक्षनिर्यण्डः॥

(मरवाम्यान क्री (मवाना दन । जमवा । रेवजुाकः ॥ निभुकः॥ निधुकादः ॥ চৈত্ররথ•। ইতি ত্রিকাওশেষঃ॥ দেশঃ পু॰ ভূগোলভাগবিশেষঃ। ইতি जिषाचमक्षद्री।। जनशर बनशर ममूकारक अन्तर्भारकारका मजन নির্জল স্থানমাত্রেচ।ইত্যমরটীকা-যাং ভরতঃ ॥ স ত্রিবিখঃ। জাল্লঃ अन्भः ज्ञाक्षात्रगन्तः। उद्भर्गायः। कनभरः) नीर्**८**२ विषयः **७**.উপ-वर्खन । इंजि ब्राजनिर्धणः॥ भूरम-भः ৫ রাষ্ট্র• ৬। ইতি শবরত্বাবলী ॥ 🗱 ॥ अथ प्रत्म तर्ननीयानि । ऋष् ্ৰপনিঃই দুৱ্য: ৩পণ্য:৪খান্য:৫ক-রোভবঃ৬ দুর্শগাুমঃ ৭ জনাধিক্য ৮ ननीमाठ्कजारिक।। 🗱।। ज्यान वर्णनीयानि। श्रानुः ५ वाठा २ त्कः ৩ সরঃ ৪ পশুপুষ্টিঃ ৫ ক্ষেত্রণ ৬

व्यवष्टः १ (करातः ५ गात्मवीर्म्भः २ ৰিভুন: :০। ইতি কবিব দ্বতা।। #:1 जब मध्य पत्नीय जनभना यथा। जिस्सि अक्शाकानाः नाना रेक्द সজাস্লাঃ। শ্রসেনা ভদুকারা বো-थकाः मश्रेष्टेहवाः॥ यू नहाः विद्राजाः चन्त्रा क चड्यः कान्त्रि कान्नाः। আবস্তাশ্চ ভুলিকাশ্চ লোকাশ্চৈ-वाक्रतिः तर्।। मधुरम्भा इनश्रमः পাুযশঃ পরিকীর্ত্তিতাঃ।। 🛊 ॥ অথ उनीठारम्भायका। वाङ्गीकावादेश-নাশ্চ আভীরাঃ কালতোযকাঃ।। পরস্থান্ড পর্বান্চাত্ম থ-खिनाः॥ गामात्र। ज्ञवनारेकव निमू भोवीत गमुकाः। **म**का स्थाः शूनि-न्तान्त्रभाद्रमा शाद्रमूर्जिकाः॥ ताम्काः कश्रेकाताक क्किया (रभ्यानिकाः । क्वित्याभनित्वनाग्ठ देवना नृष् अ वानिक ॥ वार्त्वायाभः ভद्रषाङः পুছলা: সদশেরকাঃ। লম্পকা তল-गानाक टेननिकाः त्रहः त्रात्रहेः ॥ वा दिना उभी हा स् शुक्तात्म मा-बिद्वांष्ठ ॥ 🕸 ॥ जय भाहा ५ मा যথা। অহ বহু। মন্তর্কা অন্তর্গরি ব**হি**র্গিরাঃ। ততঃপুরস্বানাতস্থানল-या नवयर्षकाः हे मुख्या हताः शुदिः

क्षणार्जार्वाद्वय मानवाः। भारतुरा-তিয়াণ্চ পুঞ্জান্চ বিদেহন স্তানুদিন্ত-काः ॥ नाञ्चा मागव लामकी भुद्धि। जनभाः गृजाः।। ।। वर्ष प्रिना-नेश (एना यथा। उथानत जनगरा मकिलानयं वाजिनः। शास्त्रान्त क्रिवारिकवकालाः अवारा खरेश्य ह য় সেতুকা মুখ্যকাশ্চেব জপনাচার-वानिकाः । नवताष्ट्रा गाहियका किन्दिक्त अईमाः ॥ दशरवद्गाण्ड गरेहवीरेक तार्वेताः भवता ख्या । शृलिका विकार म्योका विकर्ण मखन किः मर ॥ जनीयाक नितानाक ৰূপসা স্তাপসৈঃ সহ। তথা তৈত্তির-কাশ্চৈব সর্বে কারক্ষরান্তথা।।ন্যসি-कान्त्रान्द्रयहारन्ध्यतेष्ठवास्त्रनर्स्याः। जानू कहाः नगारस्याः मर नात मरेज खथा।। कहीयाक मूबाङ्काक व्यानर्खा-শ্চার্নু দৈঃ সহ। ইত্যেতে অপরান্তাশ্চ **मृ**गु (य विकार्या जिनः।। #।। वार्य विकार वामि एमा यथा। भागवान कक-ষাশ্চনেকলাশ্চোৎকলৈঃসহ।উত্ত-নাসাদশার্ণাশ্চভোজাঃ কিন্ধিরিকৈঃ সহ ৷৷ তোৰলাঃ কোশলাশ্চৈব বৈ-भू द्वादि फिका छथ । जू यू द्वा समू द्वारेन्ड व शहुमाबियरेषः गर्।। अन्भा छ-

িভিক্রেশ্ বীতিহোত্রা অবস্ত^মঃ II এতে জনপদা: খ্যাতা বিষ্যু পৃষ্ঠ निवानिनः॥ 🕸॥ भ वंजाभूवि सम्भ যথা। অতোদেশান্ পুৰক্ষদ্যমি পৰ্ব-তালুবিণত বে া নিদারা হত্য-त्र्रान्त क्रमथा जम्भयाः थमाः ॥ अथशावतनारेन्डव अनी मर्जाः नम्ह-কাঃ৷ ত্রিগর্ভা মণ্ডদাক্তৈব কিরাতা-শ্চামরৈঃ সহ।। ইতি মৎস্যপুরাণ 11 # # 11 खिशिष्ठ । प्रभाव। वर्ष বেশি কথ্যতে শৃনু তৎপরা। বৈদ্য-নাথ সমারভ্য ভুবনেশান্তগ শিবে ভাবদক্ষাভিয়ো দেশো বাত্রাযাণ নহি দুষ্যতি ॥ রত্নাকর সমারভ্য বুক্ষপুত্ৰান্তগ• শিবে। বন্ধ দেশো ময়। (शुक्तिः गर्वनिकि शुक्तिकः ॥ जग-माथाट भृईভागार क्काजीवाडगः नित् । कनिक एमः मर्शुएका वाममार्ग भन्नायणः ॥ कविक एम মারভ্য পঞ্চাষ্ট যোজন শিবে। দক্ষিণস্যা নহেশানি কালিকঃপ-विकीर्जिङः ॥ 'मृतुक्षण' ममात्रज् यावर्षस्ता बनार्षनः । जावः रक-রল দেশ: স্যাৎ তথাখ্যে সিম্বকেরলঃ ।। त्रारमधेता ८ युक्तिमा ८ इन्म त्वत्रन नाम्लः। जनज्ञानव मात्रज्य यादः

माप्रवापः भाषा ॥ जानस् मार्वेन बाना जू ४ कदबाः शतिकीर्जिञ् । श्राहराय्ये मात्रका मक्नापु कोछ-कणा जावर कान्यीत सम्महन्त्रेतर शकानायाजनाष्ट्रकः । कारनश्तरः খেতগিরি ত্রৈপুর নীলপরত ।। কামৰপাভিখে দেশো গণেশ গিরি मुर्वानि। विश्वकृष्क मेमाइ छ। नहिं। **চোজ্জিयिनी निख ।। गार्ब्हा**त छीर्थः রাজেন্দুকোলাপুর নিবাসিনী। তাব-प्यामा गराताष्ट्रः कर्गार्रे शामि (गा-**ठतः ॥ जगमाथाम्क** जाग महीक् শ্রী ভুনরা শ্বিকাথা তাবদন্ধা ভিধে দে-भाः भोताहुः भृत् मानतः।। काक्षा পশ্চিন• তীর্থ• সমূদু প্রান্তগোচর•। रित्रुवाकाष्ठका (पवि पण याकन (मण्डः ।। स्मोताष्ट्रे (मरमा रंगरविम **जमानु एक्जिता** जिथा । दिल्लास সমারভ্য চোলেশামধ্য ভাগতঃ ॥ रेजनक (मर्गा (मर्विम क्यानीक्यम তৎপরঃ।সুদায়িকা সমারভ্যমল-यामुख्य नित्व ।। मनयानाजित्था (माना मञ्जिमिक भुवर्खकः। स्रामनाथः नमात्रका श्रीत्रकाङ वित्वसति॥ ্ৰণাট দেশে। দেবেশি সামাজ্য खागरावकः। जामुननी नमानाम्

শৈগাৰ্দ্ধ শিখরোশ্ব তঃ।। অবঁভী সং -জ্ঞকো দেশঃকীৰ্লিকা উক্ত ভিপ্তভি । जिनुकाली महाभूर्य तामपूर्णाहरी कि-(म। भी विष्ठिं। जिल्ला (करने) **उत्र ठि**ईठि । एक्क्रीं भूर्यजारा जू बात्रकांटा हि पिकला। गर्क দেশো মহেশানি উষ্ট্রোৎপত্তি পরা-যণঃ। ত্ৰীকোৰুণা দধোভাগে তাপী-তঃ পশ্চিমে পরে। আভীর দেশো (मरविमा विका**रेमार्ग व** प्रविश्व एक। व्यव-छीजः পूर्वजारम स्मानवर्ता खर्था-ख्दा । गानवार्था महामाला धन थाना भन्नायमः ॥ मुविष रिजनक्राया र्याथ्य कानारमः भुकी विदः। नम्-কর্ণান্চ তে পোকা ভডেদো বাছরে खत्र ।। अस्तक्षा भिक्त जु তথা চোত্তর ভাগতঃ। ইন্দুপুর্।-अरहणानि मण याजनक इरिय।। भा-काल (मत्ना (मत्विन स्नोन्सर्व) गर्ब ज्विजः। भाकान एम मात्रका द्व-हा फिक्किंग श्रृबंजः ॥ कारमाङ (फिक्का रररविन वाकि ज्ञानि भज्ञायनः। दैव-मर्छ प्रभाम्य क इन्तुन् शह मिक्त ॥ मकरमणार भूर्वजार्ग देवहार्छः পরিকীর্তিতঃ। কার্যোজাদ ক ভাগে 'वू रेनुनुराह शिकित्म ॥ शालु

(एक्ट्रा) नर्मानि नश्मृत्य कात्रकः । গণ্ডকী তীর মারভ্য চম্পারণ্যন্ত कः निरव।। विरम्हण्ः ममार्गाका छि-त्रज्का विधः त्रज्भाकात्या बरम्मातः ভ্যমহামেছাজু পূর্বকে। বাহ্নীক দে-শো দেবেশি অখোৎপত্তি পরায়ণঃ ॥ তপ্তমণ্ড॰ সমারভ্য রামক্ষেত্রা-ন্তক॰শিবে। কিরাত দেশো দেবেশি বিষ্ণ্য শৈলেবতিষ্ঠতি॥ করতোযা॰ नमात्र इ हिन्नुनाकाष्ठकः नित्र । মুলতান দেশে। দেবেশি মহামেছ भन्नायनः ॥ हि**न्**भीठे नमान्नछ्र मद्भगाउ॰ मरस्यति । थुतामाना ज्रिशाम्त्मा द्मह्मार्ग भन्नायगः । তন্মধ্যে চোত্তরে দেবি ঐরাক: পরি-কীর্ত্তিতঃ।কাশ্মীরস্ত স্মারভ্য কাম-क्षाञ्च भन्तिम । ভোটান্ত দেশো (मरविनानरमनाह मिक्सिशामानरम-भाषक भ्रति हीनामः भुकी विंठः। কৈলানীর সমারভ্য সর্যু-পরিতঃ পরে ॥ অমরগা মহেশানি মহা-**हीनां जिल्ला जल्द । ऋहे यदः मना** রভ্যযোগিন্যন্ত নহেশ্বর।।নেপাল (मरणा (मरविण णिवक्षे मृत् श्रिय । गराथतः चनात्र । गरहात्र स्रुडिंगः मित्। भिनर है। जिस्सा रामः भई-

তেতিঃতিপ্রিযে।বহুদেশ সমারভ্য जूवतमाष्ठगः मित्व ॥ भोउ ५मः नभाष्ठाञः नर्वविष्ठा विश्वानमः! गाक्र्णमार भृबं ज्ञारम वार्य। वर्जा वृ চোত্তরে।। তৈরভুক্তাৎ পশ্চিমে ভু मश প्र्याण नर्व :। मशाकावन तिमक मूर्यावः भ भवायगः ॥ व्यारम-শ্বর•সনারভ্য তপ্ত **স**্ঞান্তক• শিবে। नगशास्त्रागरा (तामा या वाया निर् मुयाजि॥ माका बनकाराविक कनार कीकर मागर्सी। हत्रगानिः मनात्र छ गृषु हृहो उकः नित्व ॥ जावः कीकहे रिनः म्याउर्ड मीगर्था ज्या জগমাথ পান্তদেশ শেচাৎকলঃ পরি-কীর্ত্তি হঃ ॥ কামগিরি॰ সমারভ্য দারকান্ত মহেখরি। 🖺 সন্তলাভি-(धारित्मा रून मृत् नरर अति॥ काम-গিরে দ্কভাগে মৰুদেশা ত্রপোত্তরে । হ্নদেশঃ সনাখ্যাতঃ শ্রান্তত্র রমন্তি **চ।। অথাভ্যস্থ স**মারভ্য কোটি-(मनगुमस्रागा नमू मु शुख्रास्ताः हि কোম্বণঃ পরিনীর্ত্তিতঃ ॥ বুক্ পুতাৎ কামৰূপাৎ মধ্যভাগে তু কৈকৰঃ। মাগধাদক ভাগে তু বি-क्रां शिक्यं भित्।। शिक्रां जिल्ला (नमः मृर्ग्यवाम भूकामकः।

श्खिनाभूत मात्रङ। जबल्कवाह . मिक्कित्।। भाष्मान भूर्वजारा जूबक रम्भः भुकी खिं छ। मक प्रमाट भूर्व-ভাগেकामापुर्निकलिलियां मि॰इ-লাখ্যে৷ মহাদেশঃ সৰ্বদেশোত্তা ত্তসং। শিলহটাৎ পূৰ্বভাংগকান-क्षां ख्यां खा श्रुविद् परमा **फिट्टिंग नज़नाज़ा**य्गः श्रदः । गराम्य-রাৎ পূর্বভাগে সমুদ্রাদুত্তরে শিবে। वह रामः ममाथाजः मूक्तमः मृगू गारतः । श्रूनिन्तारू खःत ভारा क-हाइ शिक्टमे मिर्वि।। मूर्माः मनार्थाराजा मध्मा बाज् ना का बकः । विवारे भाखाया ग्रंथा भृत एक कलिन जू ॥ यह एमः मगान्तराजा गारीश তब जिक्षति। मृतरमना९ পূর্ব ভাগেশগুক্রসঃ পশ্চিমে শিবে॥ भोबीक **(मामा) (स्टब्सि** सर्वस्मा-ধ্মাধমঃ। অবভীতঃ পশ্চিমে ভু रिवरकाम्बिम्बाखात ॥ नाव दिना সদাখ্যাতো वर्धतः भृगू भाईछि । भागाभूतः भगात छ। मधन्याखर्याः ন্তরে !!ব ররাখ্যো মহা দেশঃ সৈহক **ग्**तृ मारतः। वहा शुक्रम मात्र्छ। बहुँ । राज्य विश्व ।। राज्य वार्थ ।। महारमणः भवंति विष्ठि शिय ।

এতে ষট্পঞ্চাশদেশা ময়া পৌ্জা गर्श्यति ॥ अञ्चार्यः १ १ १ एतर-শিদেশভেদ। হ্যনেকশঃ।কোটিশঃ সম্ভিদেবেশি এতে মুখ্যাঃ পুকীর্ত্তি-তাঃ॥রহস্যতি রহস্যঞ্গোপ্তব্য শ্যাকটে। ইতি সংক্ষেপতঃ প্রো-क किराग (भाजू मिहिन।। इं जि শক্তিসঙ্গম তত্ত্রে ৭ পটলঃ !! েশ ঃ বি শাস্তা। ইতি হেন্চন্দুঃ!! जनाती जी तामिनी वित्नवः। ्नूमऋउ मिघ त्रागमा ভार्या । অস্যা জাতিঃ সম্পূর্ণঃ গৃহ ব্রুম্বরঃ গানসম্যঃবর্ষভৌ নিশান্তঃ৷অস্যাঃ ষনপূণ নুন্দরত্রী তিলযুক্তাননা कमन्यवाकी मार्डिमस्त्री भौता-की विस्ता ही मुखारातक ही कर्त **इन्सन विश्वाकी मानकाता नाय-**কেন সহোপবিশ্যহাব ভাব কটা-कान् अर्वजी। मकी उपर्भग गए व्यम् शानमगयः भाउ रिवंति तारिन्ता महाजनतः स कलः नाय-কেন সহ কেলি চৌতুক রতা শ্যানক্ষেতারা জিতশরৎ প্র্চ-न्यानना जनइताकिजाकी काकन কল্স্যুতিহারিজ্চা ক্ষলন্যনা ্দুভাষিণী। বৃতি সঙ্গীতশান্ত।।

দেশৰ্মণ ল্লী উচিত। ইত্যমরঃ॥ तिणाथी जी जानिनी विष्णवः। इन्-মন্মতে হিন্দোল বাগন্য দ্বিতীয রাণিণী। তস্যা জাতিঃ যাডবঃ গৃহ॰ गामात्रवतः गानमगरः वमछखी · 'भृदाङ्कः। अमृतः युक्तभः मृक्तभा नात्री हन्पुवरना काथना कनश्रुया রোমহর্বানিছোষ করবালকরা মল্ল ॥ वर्ष्नावर्षिठ वाजवकाः वनम ৰ্দিত কক্ষন্থাপিত শত্ৰপক্ষা সৰ্বদা - বস্মীপস্থাপিত নাযকা চ। রাগ-ৰীলা মতে ভূ তস্যাঃ স্বৰূপ মল বং পর শার মল্লকী ভাষা । নি ুক্তা। मा कीषा मन्नकारिः एक भग भूष त्रोपुरखालम ज्ञि लुर्थनामि क्शा। কলনাথমতে বসন্ত রাগস্য তার্ব্যা। সঙ্গীতদর্পণ মতে অস্যাঃ জাতিঃ সংপূর্ণঃ৷অস্যাঃম্বরপ কপূরাদ্পি कमनीयाञ्ची कमनताङ उनयना इ-র্যযুক্তা রসিকা অতিধীরা কিঞ্চিৎ अक्रुंटिक। रीर्येजुङा मन्नपूरिक स्मा-চিনী চ। ইতি সঙ্গীতশান্ত।! দৈশান্তর- ক্লী সুফেকলক্ষয়ে র্মধ্যব্রেখা ৰ্জপ <u>দেশ</u> ৰদেশযো রভর যোজন **ा ३**जि निवास्त्रहरूमा य उनयाः उत्र कर्मणा नक्षा (मोरियका गुरा

জাতাত্তে দেশান্তর কর্মণা ৰপুরো-मियकाः मुरः । जह मिविधः अकः প্রাপর দ্বিতীয় যামে প্রস্ক তার मः क्रमूकः । यथा । ययन निका-मय कालिका एउ प्रभाखदा **यशू**-त्तामत्य मूरः । **एमा**डतः शुगगनतः ज्यानार यात्माखतः जहत नः क মুক্ত।। ইতি সিদ্ধান্তশিরোমণিঃ ॥ 🕸 ॥ प्रभाइत भित्रज्ञायां वृष् মনুঃ। বাচে। যত্র বিভিদ্যন্তে গিরিহা व्यवशायकः। सङ्गनम् । अङ्ग वहः वहः वहः শান্তর মুচ্যতে ॥ দেশনাম নদীভে-দান্দিলটোপি ভবে অদি 1 তত্ত্ব দে-भाउत (পुङ् स्यत्मव स्यम् वा ॥ দশরাত্রেণ যা বার্ত্তা যত্র ন শুয়তে ংথবা ।। বৃহস্পতিঃ। দেশান্তর বদ ন্ত্যেকে **বস্তি**খোজন মাযত । চত্বারি --শদদন্ত্যেকে ত্রিংশদৈকে তথৈব চ ॥ हेजू प्राह्ण इन ॥ भूनि घर वहत्नाक वागारि (याजनारि उन मामक्षमतार्थ মেব ব্যাখ্যায়তে ত্রিতম বৈশিষ্ট্যে ক্রি•শংশান্ধনাভ্যম্ভরেদ্বিত্যবৈশিষ্ট্রে তদুপরি এক বৈশিষ্ট্যে চত্ত্বারি শেমা-कत्नाभित्र वागी गित्रि महानम् उछित-তত্বভেদাভাবেপি বঞ্চি যোজনোপরি বৈশেশ্য মিতি শুন্ধিচিম্বামনিং ম

দেশিকঃ পু॰ পথিকঃ। ইতি ছেম-চন্দুঃ॥ গুৰুঃ। যথ।। দেশিকো মূল মজ্জেণ-ইত্যাগমঃ॥

(मिनी जी जर्जनी। ইতি শবর্জা-বলী॥

(मणी जी जाणिगी विष्णयः। इन्म-মতে দীপক রা দদ্য ভার্য্য। অদ্য জাতিঃষ।ডবঃগৃহ৽ থাম ভস্রঃগান नगयः श्रीचार्छ। अध्राहः। अन्राः चनशः मूनशानाती रुतिष्यन। थलक्छ। योवन मामन कामा म-ক্তা সতী নায়ক শ্যনাগারনাগত্য নিধুবন রতা চ। ভরত মতে ভু মেঘ রাগস্য রাগিনী। সোমেশ্বর মতে বসম্ভ রাগস্য পত্নী। সঙ্গীত দর্পণ মতে হিন্দোল রাগস্য ভার্য্যা । তস্যা পান সম্যঃ যাম্যুগল । তস্যাঃ স্বৰূপ । নিদ্যুযুক্তন্যন। वानमायुका श्रियां जियू थी नाय-कम्। निम्ना ज्ञानार्थः मानावञ्जन তান•গাবভী রস্পেছ্যা রচিত্রেসা ভূষণগণশোভিতা গৌরাষী পরি-হিতহ্রিদর্শগাটকা। ইভিসঙ্গীত नाडः॥

দেশ্য ন্নী পূর্বপক্ষঃ। ইতি শব্দরত্না বৃদ্যী। দেশমুর্ছে বি ম

দেষ্ণু: ত্রি দাতা।। দুর্দ্দম:। ইতি হেম-চন্দু: ।। রজক:। ইতি সংক্ষিপ্তসা-রোণাদিবৃত্তি:।।

पिरुः श्रु क्री मत्रीतः। इंडिजिसः॥ ন্যায়মতে পৃথিব্যা দেহ থোনিজ অযোনিজঞ্ । যোনিজ জরাযুজ मुखब्ध। व्यानिक स्वर्का छि मान्कि । नात्रिक्षा भन्नीत्रमभा श्यानिक । कनीय । एक न्यानिक বৰণলোকে পুসিদ্ধাতৈ জসংদে হ ग्यानिङ भूर्यातात शुनिकः। বাথে।র্দেহ মধ্যেনিজ তদেব পিশা-চাণীনা । ইতি সিদ্ধান্ত মুক্তাবলী া। 🛊 ॥ অথ নরক ভোগ দেহ বিব-রণ। তত্র যম• পুতি সাবিত্রী পুশঃ । সদেহে ভশসাভূতে বাস্তি লো-কান্তর• নরাঃকেনদেহেনবাভোগ• ভুঞ্জতে চ শুভাশুভ ।। সুচির জেশ ভোগেন কথ দেছে। বিনশ্যতি। দেহোৰা কিম্বিংখা বুন্ধন্ তক্ষে व्राथ्यार्ज् भर्शम॥ यमस्माज्यः । मृगु (स्ट विवज्रगः कथयामि यथाः গন । পৃথিবী বাযু রাকাশ বেজ खाय मिछि चू हे ।। एहिना एह -वीडक जुड़े: मृद्धि विश्वा १ दर । श्थिवतामि श्येष्ट्रेष्ठार्थापरशिनः (मरुधि

দেহারী

দেহধৃক্ পূ
বাবুঃ। ইতি শদ্চ শিকা।।

দেহভূ
পূ
জীবঃ। ইতি হেনচন্দুঃ।

দেহবারা জী যমপুরীগর্মন
িবর

। ভোজন
। ইতি মেদিনী ।।

দেহলা জী মদং। ইতি শক্
িকার

श (ভाজন-१ है । ट्रिकाश (महला खी महा-१ है | ट्रिकाश (महला खी महा-१ है | ट्रिकाश (महला श्र-१ महली। ट्रिकाश वर्ती ॥

দেহলী স্ত্রী গৃহাবপুহণী। ইত্যারং।।

হারপিণ্ডিকা।। দারাপুস্থানং। ইতি

কেচিৎ।। হাতিনা ইতি খ্যাত ইতি
কেচিৎ।। অধ উডুম্বরং। তৎশিলাফা
আধানাক পাষাণোবা। ইতি স্বানী
।। ইত্যারতীকাষাং ভরতঃ।।

দেহসারঃ পু॰ মজা। ইতিরাজ-নির্ঘণীঃ।।

দেহক্ষয়ঃ পু॰ রোগঃ ৷ ইতি শব-

দেহারাবানী ত্রি চার্রাকঃ। তম্যের।
মত্রণ শরীর মেবারা।। পুরুলিত
গৃহাৎ মপুরং পরিত্যভ্যাপি বস্যা
নির্গন দর্শনাৎ হালাহে ক্লোহা
নিত্যনু ভবার। তর পুরাকরা দেহা
নাত্রং চৈতন্য বিলিপ্তসায়ে তিপ্রাক্তারাইতিশারীরিকস্তভাব্যা।
অপিচ।আত্রান্তি দেহার্যাভিত্রিক

র্মিতো ভবেৎ॥স কৃত্রিনো নখরশ্চ ভমসায় ভবেদিহা৷ বৃদ্ধানুষ্ঠ পুমা-ণঞ্চ যো জীব পুৰুষ: কৃতঃ। বিভৰ্ত্তি 🐰 সূত্র দেহস্ত তন্ত্রপণ ভোগ হেতবে॥ न (रहान ভবে छ म क् न म द्यो यना-वाय। जलन नष्टो (मरी वा शुरात সুনিরে কৃতে॥ ন শস্ত্রে চ ন চান্তে চ ন তীক্ষ কণ্টকেতথ।। তণ্ডদুবে তপ্ত লৌহে তপ্তপাৰাণ এবচ।। পুত্ত পুতিমান্নেৰে প্যত্যুদ্ধ পতনেপি চ । নচ দখে। ন ভগ্নন্চ ভুড্কে সন্তাপ নেব চ ॥ **কথিত॰** দেহ বৃত্তান্ত काরণঞ্চ यथागमः । इंडि गुःस-বৈবর্ত্ত পুরাণ ॥ 🕸 ॥ ঈশ্বর দেহস্য পুনাণে যথা। যমে গুহাতন দহ। সর্বাণ তত্ত্ব দর্শিনঃ। পুবিষ্ঠা মম সাগুজ্য লভন্তে যোগিনো হব্যয় ॥ ইতি কূর্মগুরাণ ॥

(एहरकायः श्रु॰ श्रकः। शाथा इंडि ভाषा। इंडि भए हिन्दुका ॥ (एहए: श्रु॰ शाउंपः। इंडिजा कि दिन्हेः॥ (एहथातक॰ क्षे जी जीव्ह । इंडि (हंगहन्दुः॥

দেহবিঃ পু• পক্ষঃ। পাথা ইতি ভাষা। । ইতি শহচন্দ্ৰিকা।। मृर्जिट्डाका मत्वाकास्त्रिकः कना-नाः। आत्मय भाकाम उत्झाः शुम्-नाट-शुक्षेत्रमः सापू कन शुम्र्टो।। इठि शुर्वाशहरन्यास्यः।।

(महिका जी की विदिष्टिका । उट्पर्या-यः। विदेश २ जिमानिकः २। इंडि जिका अस्मयः ॥ जिमानिका ॥ जिट्ट भानिका ६ जिल्हा हिका अनिथी १। इंडि हाद्वादनी॥

तर्ही कि मनीती। भूगी। जना खनायथा। वृक्तािम यहेक अण्यािम পঞ্চক ভাবনা তথা ৷ ধর্মাধ্যৌ গুণা এতে আয়নঃ সুত্ত কর্দ ল ॥ ष्य रेन्द्रियाम् विश्वाजा भूगु भा-পাশুযঃ। জ্ঞান সুখাদি যোগতো নানস পুত্যক্ষ বিষয়ঃ। পরদেহা-भी अव्खादिना शनूरमयः। जह-মিত্যাকার পুত্যবাসুয়ঃ সনো মাত্র-ন্যগোচরঃ। বিভূঃ পরম মহত্ৰান্ । ইতি ভাষাপরিছেদ:॥ তথা চ। (तरी निज् नक्ष्या श्वाप्तरह नर्ब-স্য ভারত। তমাৎ যুদ্ধান যুক্ত্যন रेननः भाभ सवाक्रामि॥ अभिक्र। मिहिताश्विन् यथा परह 'कोबाद्र' योवनः बन्ना। उथा त्रहा उन्न शासि

वित्र खळ न मृश्ि । इंडि शिष्टमा वित्रा ।।

रेम भ भाषान । इंडि किक्स्मिम्मा।
रेम्ला भू देम्ला इंडि किक्स्मिम्मा।
रेम्ला भू देम्ला इंडि म्हा वित्रा ।
इंडि प्रवा । पिछि मम्मिन वि ।।
रेम्ला एक्स भू व्या । इंडि विका एक्सि । इंडि विका प्रवास । इ

দৈত্যনাতা জী দিতিঃ। ইতি জিকাণ্ডশেবঃ॥ দৈত্যপরিনাণ কর্ত্তরি জি॥
দৈত্যনেদজঃ পু• ভ্নিজগুগুলুঃ। ইতি
রাজনির্ঘন্টঃ॥ পৃথিবরা• জী। মধুকৈটভ মেদ জাত হাৎ॥

रिन्छ। वृगः क्ली रिन्छ। नाः गृगविराधः।
उद्धारत পরিমাণেন द्याराध सहस्र वर्षाणि। मनुषं । भारतम हं खर्य सन्थाः।
। ইতি भदार्थकन्न ज्वः।।

रिस्का जी मूबानानगन्नपुराः। इकान मदः॥ हर्ष्टामधिः। इकि स्मिनीः॥ सम्। इकि जि हार्श्टामयः॥ रिम्का ভাर्या ह ॥ দৈত্যারিঃ পু॰ বিষ্ণুঃ। ইত্যমরঃ।। দেবতা। ইতিমেদিনী।। रिक्जारकात्रावः श्रु रेमक्राना मिवा নিশং সন্ব্যুম্ননেন ব্যৈকসংখ্যঃ । ইতি भदार्थकन्न उकः॥ रिमन॰ क्ली मीमजा।। मिनमञ्जिति जि॥ रिनिम्मन वि मित्न मित्न छव।। श्रार्थ-ক্ষেপুতিদিন ইতি নিপাতনসাধ্য रिननिस्नभुनयः भूः भूनयदिर्भिषः। यथा । ठडफंटमन्द्रावहिष्म वुकारा নিমুচ্যতে। তাবতী বুন্ধণো রাজিঃ ना ह वाकी निभा नृभ ॥ कानदाङि শ্চ সাজেয়া ধেদেয়ু পরিকীর্ত্তিত।। এব পশু কল্পজীবী সার্ক গুেষো মহা-जनाः । वृक्षाका कार्यः मर्दित्वाका দক্ষাক ভত্ত বৈ । উন্থিতে দৈব जहम। मक्षरी मूथाप्रिना ॥ वन्तु क বুন্ধপুত্রাণ্ড বু কলোক গতা হৃত্য। বুন্ধরাত্রে ব্যতীতে তু পুনন্চ সঙ্গজ विश्वः ॥ जम् द्राकी निमायाक ফুৰুপুল্ব উচ্যতে। দেবাক মুন্য-শৈচ্য তত্র দক্ষা নরাদ্বঃ।এবং ত্রিংশ-फिरवाद्रादि व करना मात्र भव हा। वर्षः कारण भारतक वृक्षत्रश्रक्ति देविक्। এব পঞ্দশানে চগতে চ বুন্ধণো न्भ ॥ रेमनियन्त्र भूवाया विषयु रेमभ वि भीभगयिक । मीभागाम-

পরি নীর্ত্তিতঃ। অহে। রাত্রিক সা প্রোক্ত।বেদবিভি: পুরাতনৈ:।। তরু गर्स भूमक्षा क हन्तु। की मिनिशी खड़ाः । আদিত্যাবসবো ক্রু। মহিন্দু। মা-नवाक्यः॥ अवःया मूनय देकत गक्करी त्राकनारमः। **नार्क**्षया (लाग्न-শ্চ পেচ ফ শ্চির জীবিনঃ।। ইন্সুদুগুরুল্চ নৃপতি কার্পারক কর্পঃ। না-फीकाङ्घात करेक । अर्थ नश्चाक **उ**क्रेंदि াাবুকলো ভাদধঃ সর্বেলো চা না গা-लगा छथा। वु भारता है ययुः मार्च वु स-त्वा हामय खथा।। गत्न रेमनिम्दन বুকা লোকা শ সমূজে পুনঃ। এব म जायुः भर्गाञ्चः भन्नमायुक्त वृक्षनः॥ ইতি বুন্ধবৈবর্ত্তে পুকৃতিখণ্ড ॥ ,দৈনার• ত্রি দীনার নিত স্বর্ণজাতবস্তু । मीनाःत ७४ मीनात्राम् प्रस्ति क পুত্যযঃ॥

रिनिकी जी पिनक्जिः। এक्रिंम कर्मभूषा । ইতি भद्या ना ॥ দৈন্য স্লী কার্পণ্যণ। ইতি ছেমচন্দুঃ। मीनञायथा। कार्कारेनगुभक्ताकि यन्। कलरागांख गिथ छ्॰ वृगु द॰ वृद्धि ত্যভিতো মুখানিস দশগুীবঃ কথ কথ্যতা । ইতি মুরারিনিশু:।।

्निउरर्थ क भुउरकः॥ रेन्चं। क्री मीर्चव । उट्भर्गावः । আষামঃ২আরোহঃএাইত্যমরঃ।৷ আরোহ স্থানে আনাহ ইতি ভরজঃ रिक्लीभिः भू॰ क्लिभन्नाङभूजात्रयूः। । দিলীপস্যাপত্যমিতিফিপুত্যবঃ। रिमव॰ ही (मवजीर्थ॰। उৎमक्रिंग रुखा क्वार्ग्वर्ति। इंड्रामद्रशात्य मध्कि নি ত্রি। যথা। পুনীতৌপিতরৌ যস্য त्तर उम्राम्हि ज्वला गानि रेम्द बवा भिकाः योवर्श्रानिवर् महः। इंडि मुक्षिडवः ॥ विवाह विभाष পু:। ইত্যুদ্বাহতত্ত্বা। অস্য বিবরণ উদ্বাহ শবে দুষ্টব্যণা দিবিভবে ত্রি। দৈব॰ ক্লী পু॰ ভাগ্য•।ইত্যমরঃ॥ 🛊॥ বৈবাধীন জগৎ সর্ব জন্ম ক ृ मुख्य मल्यागाक विखागाक नह रेनवाट भव्र वन ।! कृष्णयं उक् বৈদৰণ সদেবাৎ পরত শুভঃ৷ কজম্ভি সতত সন্তঃ পরমাত্মান মীশ্বর ॥ रिषय वर्षायिषु भक्तः क्रयः कर्ष् चनीनया। न रेन्दं वस खख्क का বিনাশী চনির্ভণঃ॥ইতি বুন্ধবৈবর্ত্তে गानम्थ ७ ।। # ।। भनुकवाह। रिनरव পুৰুষকারে চ কি জ্যায় গুদুবীছিনে ৷ অত্রমে সংশয়ে দেব ছেজুমর্হস্য- |

(भवठः ॥ 🛊 ॥ मू मा उवाह। स्मिव कर्षा रेनवाथा विषि एक । उना कि ত । ত মাৎ পৌৰুষ মেবেহ শেু । মা-হু র্মনীষিণ:।। পুতিকূল॰ যথা দৈব॰ পৌৰুষেণ বিহ্ন্যতে ৷ মহুলাচার युक्रानाः निज्य मुखान भौणिनाः ॥ विचाः भूईक्छः कर्य मादिकः मन् জোন্তম। পৌৰুষেণ বিনা তেবা॰ (क्रवाधिष्मृण्डाउ क्ल ।। कर्मना পাুগ্যতে লোকে রাজসম্য তথা क्ल-। क्र्हुन कर्मना विकि जान-ন্দ্য তথা ফল ।। পৌক্ষেণাপ্যতে क्राजन् नार्णिठवाः कलः नरेतः । দৈব মেব বিজানন্তি নরাঃ পৌৰুষ বৰ্জিতা: 11 ত্ৰ্যাপ্ৰিকাল সংযুক্ত रिरदन जकन जिंदर। श्लीक्र দৈর সম্প ভ্যা কালেফলতি পণর্থিব॥ रिदर शुक्यकात का का मन्द्रा ভম। ত্রয় মেব মনুব্যস্য পিগুড়েও म् अर्थ कलावर ।। कृत्व वृष्टि ममा-योगार म्मुरङ कविनक्यः। जास काल भूम्भारक निवाकाल कथ-क्ष्म II ज्यार मत्मव कर्खवाः मध्याः পৌৰুষ নৃভিঃ। এবন্তে পাগু বন্তী হ **शत्रा**कारक कवा॰ धुत्र॰ ॥ नावाजाः शाः वस्त्रशाम ह रेनव भन्नायगाः।

क्षमाध् मरेनव याञ्चन (भोक्षक वङ्ग कारुकः ॥ उउकानगरेण्य भक्तम् मन्यान्यान युकान् श्वयान् रि समीः। यदिया यद्मान्यू न्रममु তমাৎ সদোপানবতা হি ভাৰ্য়ণা इंडि मर्म्युकाल १२६ व्यक्तायः॥ रित्वकी जी क्ष्मभाजा। क्यूरम्वशङ्गी। ইতি শীভাগবত ॥ रेमवकीनन्त्राः श्रृः श्रीकृष्यः इंछ्यात्रशा

দৈককোৰিয়া জী দৈবজ্ঞা। ইতি শব-

त्रज्ञावनी ॥ रेप्तक्श खिए वि ॥ वास्त्राट्शिंख राषा। एक कुन्नन থনাপহায়ী ধূনাম নরক ভুক্তা শত জন্ম মূষিক নানাবিধ পক্ষি কৃষি কৃষ্ণ ভাৰ্ব্য বশ্শ হীন ব্যাঞ্চি युजः भवत्र वर्गकात्र मूवर्गविगिश्चवनः मिव विश्व वाञ्चनभनका ज्वा रेमव-জ্ঞোপন্ধীবি বিপ্ৰে। ভৰতি ॥ 🛊 ॥ जिनि । नाकाला शिक्ति गानाती त्रभारि विक्यी ह यः। म याचि नाग विश्वभारित्र विश्विक शव हा। बरम् च लाग मानाप ठेटवर नाग हर-निकः। ज्ञां अत्य म गगता दिन मान मध्यम्।।(मानाक वर्षकाः রক্ষরাক্ষকার ভতঃশুচিঃ৷ ইতি বুন্ধ

বৈবৰ্ত্তে পুকৃতিখণ্ড 🖫 🦈 বৈবক্তা। জী দৈরজভার্যা ।। পুরুষ तिमाः भूकानुष्डकाः । वक्रशारिना न् जाम्

বিপুশ্বিক ইন্দ্রদীকা জাইত দের रिएक्ज

वजानमूर ही। पदनद्विमिन विशा रेपकरी भः भूः हमूह। इंडि बिकास-त्नकः ॥ (स्व गर्सक शुरीशण ॥ দৈবপরঃ কি দৈবনিষ্ঠঃ। তৎপর্য্যায়ঃ । य छविष्ठ ३२। इंछि (इभव्रमु: ॥ रिस्वकः वि गानकः। इज्ज्यतः ॥ टिस्वश्राः श्रः श्राक्त मूजान्ज कर्ण बिकामा। उৎ পर्यायः। উপশুতिः ২। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ ॥

> रैमवयूग॰ क्षी (मवाना॰यूग॰। जह (मवं-मात्न बार्ण महमुदर्गः। मनुकु পরিমাণেন চতুরু গমারং ৷ ইতি मदार्थकन्न उक्ध ॥

> দৈবলকঃ পু' ভৌতঃ। ভূতদেবকঃ। इंजिए। तावनी ॥ एवन मध्यानि वि रिवरणथकः शुः (नोष्ट्रवंश गनकः। ইতি ত্রিকাওশেবঃ ॥

> रिवरात्री जी जाकानवानी। जगामू-वी वाक्। उद्भवायः। हिल्लाकिः ২ পুরাশকটাত দৈবপুশুঃ৪ উপশু,ডিঃ ৫। ইতি ত্রিকাওলেব:॥ সংস্কৃত

कागरायाजा महर्तिङ विकि पंछी 📑 प्रेकामा॰ श भीवीय यानी मस्य मूजना जः । हितनिक विशंतमञ्ज्ञीक। কীৰ্ত্তন ক্ষেত্ৰ্যুত্তবং হি লোকে সুসূত क भिजिस्ताम्मामनाः॥

रिषदाक्षिः अनु अभिः॥ यमः॥ वेमू नायाः जीत्वालमा नृतार्त्रणः यंबाग সম্পৃতি দৈবাকরিতঃ পরেমিতাশরি তাৰুণ করিতঃ।নাম্পকোপি বিশে में सहिल ज्ञानि वनालम् त्नवः १० ইতি কাদ্যোদ্য গৃত गৰীতক ।। रिकार या एठाया । रेमवामेशाक बनम॰ किन सामवज्ञाः । देनि क्यावग्राष्ट्रयः ॥

रेमबार्लाहा वः श्रू प्रवाना त्यक सिव मा । म मनुव्राणा गम् मन्द्री नपार्थकञ्ज्ञात्वः ॥

रेग्रिकः क्रि अब मध्की ग्रेटेग्रावज्येः। ইতি ব্যক্তরণ গা

देत्वी क्री स्पव मद्यक्तिनी । यथा । चुंदका -পাস্য নিভিশ্নক

्रिक्ति इम्बन्धिन

भूषता रेपती नका सकता। इंडि ् सहित्राकृष्ट्र । हितिद्वा नित्रम्यः। स्थानमञ्जूकी मानुकी रेक्की क्रिकिट मा मिनियामका। ब्रेजिरेवर्कः॥

-माका । यथा । जन्हुक नाम रेश्यी || देश्या न्ह्री देश्य । काना हेकामन

श्रुछ्यम निष्य ॥ नेयुक्तियासः । শৰ্প।কাল ভাৰধেশঃসধনীতি সূত্ৰ ভাৰঃ সভু-জা বিবিধ কালিক া দৈশিককেডিড কারক চাকৈ ভবাৰন সিজান্তবাগীল: মাদেশ ইনণ্ঠ বিশে-युवजा। इंजिरेक्याचिकाः॥

हेर्नाडेकः भू भिरहेन खदः। खागापीन ক্ষাতঃ।। কালেদুয়াতঃ। ইতি ব্যা-ः कद्रगः ॥

रिहिक जि एरमम्बि। क्था। छी-ৰশা ভৈরবাণা ভবতি সুবিহিতা रिक्ति (गाभिजाई। इंडि क्रिं-का उद्भ २ हर्या गः॥

पा व ছে**रि। ই**ডि कविकन्नकमः॥ ्राः भू॰ वाकः। इज्यातः॥ দোঃশিখর স্নী ককঃ। ইতি রাজ निर्घण्डः ॥

प्ताः महमूक्ट श्रः कार्क्तर्गाह्मनः। े इंडि रश्यवसुः॥ वाश्याका है॥ माथा भु वार्थाभक्की विकित्सिक् ं नः । त्यानामाः इति स्मित्री॥ গোহন কর্ডার কি ম

(माधी की गोः। ইতি রাজনির্ঘন্টা।
(मापुनामानः कि शूनः शून विश्वास्त न
वाम्यान विश्विक्षः। ইতি देशकर्याः।
(माधः शृ गादः मः। यथा। स्व
जामा कम्युजन क्षेत्र जादक
नाम श्रम्भा क्षेत्र जान्य विविर्णमः।
काल सन्न मिश्रमा क्षेत्र जान्य विविर्णमः।
विश्विक्षमा क्षेत्र जान्य विविर्णमः।
विश्विक्षमा क्षेत्र जान्य विविर्णमः।
विश्विक्षमा क्षेत्र विवर्णमः।
विश्विक्षमा मिश्रमी।।

(ताथकः श्रूष्ण हानताविष्णयः। यथा। काम्य हार्ष्य महीन निष्णाय मध्यकः सम्माम उथाद्यः। यज स्म शुक्रे अत तार्ग उटक्षितः छ्वः माधकः युक्तः॥ देवि पुज्यताष्रः ॥

रिष्यमानः वि भूनःभून ब्रिज्यस्य वा कृष्टा विशिष्टेः। यथा । नछ रहा-गक्ष छरयद साधी । रराध्यमधना विजी शञाका॥ हेि कृष्टा अजी ॥ भूषरिष हि। हेि शिद्यामितः ।।

(मात्रकः भू॰ जी वीगा उड्वक्तनत्रक्ट्रः । ইতি मदार्थक्ट्राज्यः ॥

(नार्गजुः भू- मधिज्यसः। जर्भर्गा-यः। सन्तः २ वाज्यकेः ०। ইতি स्क्रिकाः॥

लाग्रं सः वि वनवान्। उर भर्गायः। रेक्ब्राजः २ कामः १। ইতি हाताः रिनानः भू राजन। पूनक्षाका जार न्यक् शुज्रायन निज्ञमः ॥ शिक्करा याना विश्वयः। अम् अभाग-यथाः वित्मव्यः किन्यूरग स्नात्नार नाता বিধীয়তে। ফাল্পনে চ হতুর্মশ্রাস-क्षेत्र यान नः क्रांक ॥ अथवा लोर्न-ন্যান্যান্ত প্ৰতিপৎ সন্ধি সন্ধিতৌ। म्बायिषिवकका क्ष्नुहेर्न कर् ্রি থৈ: ॥সিত রকৈ গৌর পীতিঃ क्श्रामि विभिन्तिकः। इतिमा क्षांत त्यागाइ बच्च त्रिश्च ब्याहरतः ा जिंता की तक ब्रीमान श्रीगरंद পারসেখর। একাছপাঁটা সমারভঃ नक्याहर नमानावर्।। नक्षार्विन क्रशिनमुर्दालार नता विषीयत्ड । मिक्निगाजिम् १० क्या राज थान जक्षताः॥ १६। भताष निर्देष में जा

্তে নাত পশ্বং। ইতি পান্মে গা जानश्रेष्टा मा । योगित। विभिन्न क्षार। कांग्रान मानि वदीं उत्ती मातार्गम् मूहमः। यत की पिकिरणाः वित्तरा त्वाकानुगुरुगाव दि ॥ शुक्र हां प्रवास्त्र (भविन्ता था जा-म्रायटा नामारः नुम् जः मर्गाटामा एन उम्बूड्जि ॥ इड्रम् ह्यूपार ब्र॰ मख्यः विविकान्तिः। हाक हम्मु তৃপ-মান্য চামর শ্বন্ধ পোভিত য় ভদ্মদন বেদিকাখা ঞীপূণী ব্ৰেষ্ট निर्मिष्ठः। कल्गृद् मन् भूक् वी उन् क्षारानि बार्शित्।। का बुन्ताः পূৰ্বতো বিপা कडू पंग तः निमामूर्थ । बहु १८ नव शुक्र ही उ स्तावमा अश भूबं छ।। ५७९ मई भूसबी छ मान माउन न्द्राः। रनाविमान् ग्रीक्र याजानः उर्भुकीर्डिङः॥ माहार्रः निर्माश्ता छक्।

ज्ञि न म्हा विविद् ज्यानि सराद्विः ॥ ननम् कानविदा ज् तिहः जन विविक्तिन् । भूकविदा विदानन ब्या । विदिना स्टब्ट ॥ भाविषः भूकविदा ज्ञानस्य म ध जः विज् । जिनन् कारम स्ति प्री सर्वभारिभः भुनुम् हा ॥ यञ्चानः स्त ग्वंदिः गावमावा मुग्नाभारक ।। सः।। श्रीख यार्न हंजूपमाता लाचिनर श्र-**िमान मूं जाना। वाजयिद। इदि इत्यु** भूबर्यं भूकरवाउम । उभाजा-विनि हेस भुजाई। गणि भूकायट ॥ ততো বর্ক বসন্ নালাক বিজসত भाः। अहायाः विन्राम्बद्धः शद्रः ৰ্জ্যোতি বিভাব্যন্।। তত্ত্ব পুতিমা भाका । बायर श्रूकरवा खर्मा मञ्जा-'र्निता विकशा जा॰ रेव नरवर द्वान मुप्र म-खन्।। नाना ज्यं। निनिद्ध ने इस्नि भूतः मतः । क्य निष् स्था खादिः পুল্লকৃষ্টিভি রেব চা। ছব্দ পুল পতা काँ जिल्हामत वासीन खर्था। नित्र खत्र मीनिकां उपाष्णी प्राहित्य नवां। আগছন্তি তদা দেবা: প্রিতাস্থ পুরো र्गमाः। पृष्टु गृविगीतः नार्षः (गावि-माना मारा मत्।। जम्मानान १ विवा-रेमान श्रुक्त्यपुर्भागाविकः শ্বানস্থ বিধিনা শ্বপন্ত ত্ৰা কাৰণে থ পঞ্চামৃতিক সর্বৈ বৈতেষা মন্যত मन व। नानात्ष्र गक्तातायन कि मृत्क नोजिरकहर्ये ॥ मण्लाकः ज्याव-ष्ट्रिं वजानकात्र्भाग्रिकः। नीता-किया मः भूका भागारः भित्रविके रिन्। मध्यू उत्तर (तय रहान मध

भान्या नत्त्वा मुन कृत्वाता नत्रापा পতাকাতোরপাদিভিঞা স্থাপন্তার্থ मखन कः मखला च्रामसा का क् (नर्मा श्रूनः मध ख अतिर्गाखन्ध देव ।। या वावनात्नु ह भूत ज् भएयप्रकृतिः শতি ৷ইয় লীলা ভগরতঃ পিতামছ भूर्थित्र जा ॥ अ॥ जाकिर्गनुपुर्धन কারিতা প্রনেব হি। ফল পুয়াব-নীনুষ্টশাখাভিঃপরিকরিতে।। বৃদ্ধা-वन्। इत्त त्रा गंबगातम वादिनि। किंदि वान मध्य नाना शक्ति ग्र-गाँकत् । नाताभागा जात्रहित्व का वां एक मुंधू शिष्ठ । शुकूझ (कठकी-येथु गङ्गीत्मादि मिगछात्र।। मिल्ला-শোক পুষাগু চুস্থাকৈ ৰূপাশাভিত । उৎकाननात्र इंदिए मध्यम हात जित्रिं। जुनि ज्ञान । यून का मुद्र क्श माजिए। त्रव्यप्रात्माविका यो र् उमिर्या वा नर्यर शुक् ॥ व्यवस् नैविविविक्षित्वाका निज द्वाउ॰। निक्तिना (निक्तित्वकात्र ॥ त्रैक्षनं ॥ विकर्णां क मश्र हा विश्व-शवा निया युंड । ने इं ठेक गरा श्रम वादिरः वमना लिनेशी मून्मन मूना-भाज शीन दर्शः इति। इति। शुद्धा-त्याम क्टिं त्यूरिव र् क्रिकें क्रिक

क्रविद्याः ।।। कृष्यञ्चलि अहि । जिल्हा व्यय भरोप वश्चिक्ष्ण । शक्तव व्रव्यक्ष जिल्हा क्रिक्टेनर निष्कार पर थ। शक् कृष्य कृष्टिकः जयतः विद्या गायतिः । जर्ं नृर्किया नृष्ण गीउ यास्य काबििः॥ (नवाबुक मर्तिन्छन्ब। मान मुरादिरिकः। विकिन्न छः जर्ब-निक्गक्षक्तरम्बन्धकः॥ उन्तरम्य (गाविन्सः भ्जरपपू भावतिः। वस्ति वृत्राथ। इन कम्बेज्य म्बानः ॥ दाय-शम्। विवारिमक की उमान वनास्त्र । याभी जिल्हा (गाभारे नी ना-त्माणिकया मग्ना हि खरिष् । जनमा वन विकितित्व पृर्विकः। नक्श्रीत त्रक भी ज मुद्रि मिक् मरी छ ।।। भिरंब र विद्र र्मिया गोलिए सिंदा गरिकः मुष्र दिनः। क्षेत्रवारकाण्यान्त नीतः विजिल्ह 'नगहिन्। वात्मानंदर कानिका-कि में धरी देशि भरिकः भरिकः। उपार्शन শ্যম্ভিমে ক্লি মুভিতিকা ন সংশ্যঃ न। वृष्ण्हें जानि भानांना श्रकानां न कर्या जिल्दा विवात पानाय-अपस्यन सर्व मानां मरमा प्राप्ता ज्ञान मारकार्जार विकारकं कार्या की की किए किए में में के बिम ने में इंडिंग क्ष । एवड रनाय के गुरुष ने गूना विकास

निवर्डक । भगान् षिठीय इत्रि (गार्डामू, भभाउक ॥ किलार्ड-শেষপাপানি তৃতীয় নাত্ৰ সংশ্যঃ। मृष्ट्री (माना क्रिजः (मवः मर्ब भारिनः পুমুচ্যতে॥ আধ্যাত্মিকৈ রাধিদৈবৈ রাধিভূতৈ বিমুচ্যতে। ইমাণ যাত্রাণ কার্যিত্ব।চক্রবন্ত্র ভবেদৃপঃ।। ব্রাহ্ম- !! **१स हजूर्वभी कानवान् कायरंज श्व•** । ইতি ক্ষান্দে উৎকলথণ্ডে দ্বিচত্ত্বা-রিংশো ২ধ্যায়ঃ॥ৠ॥ ভঁস্য সংক্ষেপ व्यवशाया। यहा अक्लाह्य काला পৌর্ণমাসীলাভ স্তবৈব দোল যাত্রা। উভয দিনে অৰুণোদয কালে পৌৰ্ণ-मानी नाज भू ईिरान। मन्द्र मध्या কাল ব্যাপিত্বাৎ ত্রিসন্ধ্য ব্যাপিত্বেন जित्थ ईम वज्ञाह। यहा जिथि कय বশাদৰণোদ্য কালে ন পৌৰ্ণমানী वाञ छर। कराहि॰ महाव ভাবেन চতুর্দশ্যাদরঃ। এতেন পূর্বদিনে অ-क्लामयः विना भूबाङ्क (भौनेनाजी ना जः शतिरान मुश्डीन्।न जिथि नाज उना कन्गृरं नवः भूदिनित युग्भवहनानुदर्शाक्षा कि जि नित्रसः। উভय रित कर्मायाग्र श्रू भेखकान श्राध-় তিথি সন্দেহএব যুগ্মবচন পুৰুত্তঃ। এবং পঞ্চনী পর্য্যন্তাসু তিথিষু তৎ

क्द्रान अनरेयव मिना ब्रवस्त्राह्मायि । इंडि रिनामयाबाज्यः ॥ 🗱 ॥ हिटब मानि দোলস্য পুনাণ গাৰুডে । চৈত্রে মাসি সিতে পক্ষে দক্ষিণাভি-মুখ হরি:। দোলা নঢ সমভ্যর্চ্য मान मान्सानाय करनो।। उन्निज् তাচ পদ্মপুরাণে। উচ্চেরথ মধৌ নোলা শাুুুুুবণে তন্তু পর্ষচ। চৈত্রে মদনকারোপ মঙ্গর্জাণো বুজত্যথঃ ৷৷ বিষ্ণু দোলা স্থিত দৃষ্ট্বা তৈলোক্য-স্যোৎসবো ভবেৎ। তমাৎ কার্য্য শত ত্যক্ত্বাদোলাহে উৎসব সক্ষ ॥ অথ দোলোৎসব বিধিঃ। চৈত্রস্য শুল্ল দ্বাদশ্যা পুাতঃ কৃত্য সমাপ্যচ । निउर भूषा॰ विशायाय अर्यराष्ट्रा-**ला** अव• वुडी ।। उमर्थक वित्मारम निविদ্যाদিক মর্পযে । সংমান্য বৈ-ষ্ণবাণ স্তৈশ্চ গীত নৃত্যাদি কার্যেৎ ।। মহানীরাজন॰ কৃত্বা পুক্ষিপোদচুऽ-তোপরি। गन्नान्दलभ ह्र्णानि विकि ত্রাণি বিভাগশঃ॥ সম্ভোষ্য বৈঞ্বা॰ रिख क भी उ न्छ प्रिक्षिः शुकुः। नद् ভার্থ্যা श्পুমতঃ সন্দোলা মারোছ-যেहু ভা ।। নীত্বা বহি র্বে দিকায়া মু-जुरायाः यथा विधि । अंडाईतान्ता-লযেৎ কৃষণ সর্বলোকাবলোকিত।।।

भव मड्ड र्यन् यात्म यात्म द्वात्मालयन् পुंडू॰ । महा । स्वादन नमत्य
िम्न॰ द्राजिक यञ्ज्ञः ॥ अव॰ कानद्रान् कृद् । तिकतः मह तिकवः ।
भूनम् भूग्यं निर्मक्ष कृष्ठः कृष्ठः वालय
मानत्य ॥ ॥ तित्व मानि नित्व
भाका कृषीयायाः द्रमानि नित्व
लाकाः ममञ्ज्ञं माममात्मालत्य कलो॥ य कालुनम् द्राकामावृद्ध वाक्तुनी यम् । उमा माला ।
वृद्ध कार्यं सह शिनुक्र याद्य ॥
इति इदि छिन्विनामः॥

(मानायमानः जि (माननिविभिक्टेः ।

्यथा। क्रांचामनान शादिकः मकः इ॰ मधुन्तन । जधइ॰ वामन मृद्धाः भूनर्जस न विष्ठाउ ॥ हेजूर कण-थ७॰॥

(मानिका जी हित्माना। इंडि हातावनी॥

দোলী স্ত্রী দোলা। ডুলী ইতি ভাষা। ইতি শব্দরত্বাবলী॥

मायः शुः म्यतः ॥ भाभः। इंडि মেদিনী।। ঘাত পিত্ত কফাঃ। ইতি শব্চন্দ্রিকা।। গোবৎসঃ। ইতি **म**क्तज्ञावली ॥ काव्यख्ला जनः। म इ त्रमाम् अकर्यकः। यथा। मूर्थार्थ क्ि क्तिरवा द्रमक मूथ्र खना मुखा-बाठ्यः। তত्र अम्रामाया यथा। मुद्रे॰ **शह॰ मु**ंजिकद्वे हुं ज ज•क्छ। পुरुक মসমর্থ । নিহতার্থ মনুচিতার্থ নিরর্থক মবাচক ত্রিধা শ্লীল ।। मिन्य मभुजीज गुामा त्यार्थ मथ ভবেৎ क्लिष्टे•। অবিমৃষ্ট বিধে-যাংশং বিৰুদ্ধ মৃতি কৃৎ সমাসগত भिव ॥ 🛊 ॥ वाक्रामा वा वा । পুতিক্ল বৰ্ণ মুপছত লুগু বিসৰ্গ• বিসন্ধি হত বৃত্ত। নূ,নাধিক কথিত পদ পতৎ পুকর্ষ সমাগু পুনরাত্ত ॥ অব্দান্তরৈক বাচক মভবন্মত

যোগ মনভিহিত বাচ্য । অপদই। , अम ममामः महीर्गगिङ्कः भुमिषि হত ।। ভদু পুক্রন মনত পরার্থঞ্চ वाका (भव॰ उथा।। 🗱।। वर्षामा यथा। यार्था २ शू क्षेत्र करहे। वृताइ उ शूनक्क पूषत शुम्राः। निम्ताका निर्द्धः शुनिष्कि विष्ठा विक्षक ॥ অনবীকৃতঃ সনিষ্মা নিষ্ম বিশৈষা বিশেষ পরিবৃত্তঃ৷ সাকাড্কো ২পদ-যুক্তঃ সহচর ভিন্নঃ পুকা**শিত বি**ৰু-नः ॥ विश्रन्तारायुक छाक शृनः त्रीकृत्वा श्लीनः ॥ 🕸 ॥ त्रमामा যথা।ব্যভিচারি রস স্থায়ি ভাবানা• **म**म वाठाजा । क्ट्रे कन्ननया वाङ्कि রনুভাব বিভাবযোঃ 🛭 পুতিকৃল বিভাবাদি গুহে। দীপ্তিঃ পুনঃ পুনঃ। व्यकार अर्थन एक निवस्त्र मा अर्थित ख्**जिः ॥ अकि**रना श्ननुमक्कान शु কৃতীনা॰ বিপর্য্যয়। অনক্স্যাভি-ধানঞ্চ রসে দোষাঃ সুত্র রীদৃশাঃ ॥ উक भमामि मायाः ज्ञान वित्नस्य ক্বচিদ্ধুণা ভবন্তি। ইতি কাব্যপুকাশঃ ॥ 🕸 ॥ (मार्य विष्णवा यथा। यजः পুভবতিকোধ: কামোবা ভরতর্বভ। শোকনোছৌ বিধিৎসাচ পরাসূত্রঞ छवन ।। क्लांका माट्या भीवंतात

बर माम्या क्ला खरे। ইতি ताब-थर्पः ॥ 🗱 ॥ श्राष्ट्रमनः विना ७ कर् দোরাভাবো যথা। মধুপর্কেচ সো-(म ह जाक्नम) ह जक्ता। कन मृत्न तिकृष्टि न त्रायः शुं र वि मनुः॥ इंडि क्र्यंशुद्राणः॥ #॥ बाविःगट शुकाता (नाया यथा। यारेन बी भा-मूरेक बीलि गमन छगवम्ग्रह ! क्लिं। अवाम्यस्या व अर्थाम उपगुजः ॥ छहि। हे देव वालीक **७गवहन्तना** िक• । अक इस भुगा-मञ्ज उथा टिक शुरक्षिन ॥ भार शुजाद्रगकार्गु उथा भर्ग्य वस्तर । শ্যন ভক্ষণঞ্চাপি মিথ্যা ভাষণ মেবচ।। উদ্বৈর্ভাষে। মিথোজস্মে।রো-मनापि ह विगुरः। निगुरान् गुरहो চৈব জী যূথ ক্র ভাষণ ।। কশালা-वंत्रग रेक्षवं भवनिन्ता भवस्रिज्यः । গুরো মৌন নিজ স্তোত্র দেবতা निम्मन उथा ॥ ज्नाताश उथा বিষেণ দাত্রিশৎ পরিকীর্তিতাঃ। ইতি পান্দে পাতালখণ্ড•।। 🛊 ॥ व्यमाजा वः नारायन कर्याराया पर ति<u>पुर्जा। উद्या</u>प्तामाञ्द्रगायन शिञ् म्तारम मूर्य जा ॥ इंडि हानकाः ॥ (मायकः भू॰ (गाव<्मः। ইতি मप- ब्रज्ञावनी ॥

(मायगुष्टी कि (मायगुरु नकर्ता। उट् भर्यायः । चनः २ भूत्राकागी ० विविद्यः ४ मद्मती ६। ইতি हला युक्षः॥ विमृक्ष्य मूर्भविष्यायान् छ्गान् भृद्रिक माध्यः । (मायगुष्टी छन जागी जाननीय हि मुर्द्धनः॥ ইতि भूत्यागः॥

দোষজ্ঞ ত্রি পণ্ডিতঃ। ইত্যমরঃ॥

চিকিৎসকঃ। ইতি হেমচন্দুঃ ॥ ॥

দোষ বিষয়ক জ্ঞানযুক্ত শ্চা।

দোষত্রয• ক্লী বাত পিত্ত কফাঃ। ইতি রাজনির্যন্টঃ।।

प्ताया जी जाविः॥ जूकः। ইতি मिनि॥

দোষা ব্য নক্ত । রজনৌ ইত্যর্থঃ। ইত্যমরঃ॥ নিশামুখ । ইতি হেম-চন্দুঃ॥

দোষাকরঃ পু॰ চন্দুঃ। যথা। মূল ত্রিকোণ নিজ মন্দিরগোথ পূর্ণো নিত্রক্ষ সৌম্য গৃহগো ২থ তনী ক্ষিতোবা। যানিত্র বেধ বিহিতা-নপহত্য দোষান দোষাকরঃ সুথ-মনেক বিধি বিধত্তে। ইতি জ্যোতি-স্তব্বং।। দোষাণানাকর কা। रित्रायाद्वणी जी वनवर्वत्रिका। इंडि त्राजनिर्घण्डः॥

দোষাতনঃ ত্রি রাত্রিভব:। ইতি ব্যাকরণ ।।

দোষাতিলকঃ পু• পুদীপঃ। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ॥

मायामाः श्रृः गुमीभः। इंडि मद-निपुका॥

দোষিকঃ পু॰ রোগঃ। ইতি শহ-চন্দ্রিকা।।

(मार्घी जि (मार्ययुक्तः। जाश्वाशी।। (मार्य निम्नाम्ख्यार्थ इन् शुउर्यन निम्नमः॥

पितिकपृक् वि प्रिमावप्तभि । या ख्वः ठुक्ः (कवनः प्राम्यास्त्र अभेऽ-जि मः । प्राप्त अक्षित्रस्य ख्वानः यमऽमः। ইতি ভরতः॥ ज्यभर्तायः । भूत्रा जानी २। ইত্যনরः॥

দোছঃ পু॰ ক্রীডা ॥ ক্রীডকঃ ॥ সেবা ॥সেবকঃ । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ ॥ দোঃস্থিতে ত্রি ॥

पारः श्र् पार्नशावः। इति भद्र-চन्द्रिका॥ दूधः शार्नाका वृद्र-शिव वंद्यः॥

(मारुक की मुख । देखि मदार्थ-

पाइ जिंका जी इत्मादित्यः ।

(माइ जिंका जी इत्मादित्यः ।

(माइ जिंका जी इत्मादित्यः ।

नाइ जिंका जिंका विद्या है इत्मान्यः ।

क्षित्री । जम्म विद्या । ।

क्षित्र के जी शिंका । विद्या ।

क्षित्र के जी शिंका । विद्या ।

क्षित्र के जी ।

क्षित्र

নোছনলফণ ক্লী ব্যঃসন্ধিঃ। গর্ভঃ। ইতি সেদিনী।।

पांरु विशे खी श्रामाना पि पुरा दिल्या श्रिका यविशे शर्खविशे । इठि छत्र करा। उट् मर्या महा। मुझा लुः २ । इठा मत्रः ॥ आ। मिछा गर्ख कर्वद तक खंदा यथा। पिछा गर्ख म्या यद्या विश्वा उत्या श्रिक्य म्या यद्या विश्वा उत्या श्रिक्य मिछा गर्ख वता यद्या विश्व उत्या श्रिक्य मिछा गर्ख विषय उत्या विश्व अत्य विश्व ॥ मिछा गर्खि ।। मिछा अत्य विश्व ॥ मिछा अत्य ॥ मिछा अ

थंनापियू ॥ जनक नावगार्ह्ज म्-न्तागात्रक वर्द्धाय । वन्तीत्करू न जिर्देश न काषिय मना जल्द ॥ विविधिष नीथ ज्ञि॰ नाकाद्भण न ভयन। । न मेशामुः मना जिरध्या-यानक विवर्काय ॥ न जूयाकात ज्याहि क्लाल्यू जमाविष्ट । वर्द्धायं कनर लाक गांब उद्देश वर्द्धायर ॥ न मुकल्मा जित्रेञ नामुिकः मा९कमाहन । न मशीला-ত্তর শিরা নচাপরশিরাঃ কৃচিৎ।। ন বস্ত্রহীনা নোদিশ্বা নচাদু চরণা সতী। नाशाक्लां वर्षकाठ न ठ शामा विका ज्व ॥ वर्गाः एक भूत्राः নিত্য মঙ্গল তৎপরা। সরৌ যধীভিঃ कारकन वार्तिना ज्ञान गाव्यद्र ॥ কৃত রক্ষা সূভ্যা চ বাস্তপ্রন তৎ-পরা। তিঙেং পুসন্ন বদনা ভর্তুঃ পুিুুুুুহ্তে রতা ॥ দানশালা তৃতী-याया॰ भाईजा नक, माहरद्र । ইতি বৃত্তা ভবেয়ারী বিশেষেণ তু গব্ভিনী।। যস্তু তস্যা ভবেৎ পুঞ শতায়ু বুদ্ধি সংযুতঃ। অন্যথা গত্ত-পতন ম্বাণোতি ন সম্পৃধঃ।। ত-माजु मनया वृज्ता गर्ह शमिन्यञ्च-মাচর। ইতি মৎস্যপুরাণ।।।

দৌত্য

माहमार्क्ति भी माहमवरी। ইতি ह्याहनुः ॥

নোহন জী স্তনাদুধা নিঃসারণ । দোযা ইতি ভাষা । দুহ ধাতো । ভাবে ২নট পুত্যযেন নিয়ম ।।

(मार्नी जी (मार्नेशावः। उৎ शर्या-यः। त्वश्रनः २ श्राती ७ (मारः ४ (मार्ने ६। ইতি नम्त्रवादनी।।

(नाइनः श्रृ॰ (नाइनः। ইहा। ইভি শদার্থকলভকঃ।।

(मार्विकी जी (मार्विकी। इंडि मदार्थकन्युडकः॥

দোহলী স্ত্রী অশোকবৃক্ষ: 1 ইতি রাজনির্ঘণ্ট: 11

দোহাপনযঃ পু॰ দুগা । ইতি ত্রিকাও-শেষঃ ॥

(माशियान्

(माहि भदानीयमू भुज प्र निच्न मः।।
(माहनीय

ব্যং। ইতিব্যাকরণ-1।

দৌঃসাধিকঃ পু॰ দ্বাঃস্থিতঃ। দার-পালঃ। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ।।

(सोक्षः वि पूक्त्वनाव्य तथारि। इंडामत होकायाः चत्रयः॥ (सोडाः क्री पूडाः। पूजमा चारः॥

28C

(भोर्यान

দূতস্যকর্ম । ইত্যনর **নিকাশঃ** ভরতঃ ॥

দৌরা মা ১° ক্লী দুরা অনো ভাবং । দুরা আনঃ কর্মা। দুর্নিনিদত আন্ধা যত্তঃ প্তিঃ বুদ্ধিঃ স্বভাবঃ শরীর• বাষস্য স দুরাআ। তস্য ভাব কর্মার্থে ক্ষ্য পুত্যয়ঃ ।।

দৌর্গ্য॰ ক্লী দুর্গকৃত্তিথমাঃ। দুর্গসম্বন্ধি।
দুর্গস্য ভাবঃ দুর্গস্যেদ মেত্যর্থে ক
পুত্যযঃ।।

দৌর্জন্য॰ ব্লী দুর্জনত্ব॰। দুর্জনস্য ভাব ইদম্বেত্যর্থে ফ্যু পুত্যবং।।

(मोर्बन्धः क्वी पूर्वन्छ। अन्नवन्दः।
पूर्वन्मा छाव इंडार्थं का शुंडाः।
पोर्जामित्यः शृः पूर्वमाशूनः। इंडि
मद्दन्नावनी ॥ उम्राः कन्रा सो
र्जामित्यी॥

मिर्जार्ग की पूर्जममु पूर्जगाया वा जावः । पूर्जगदः । यथा । जूका भिर्गृरह नात्री जूड्रक मामि गृरह यपि । पोर्जामुः कायर जम्माः भगिष स्वापित्ञाः।हेलि क्यािज-खदः ॥ पूर्जामुस्य पोर्जामुः। हेलि मार्थि स्वुज्यः॥

দৌর্ঘনস্য ক্লী দুর্ঘনসোভাবঃ।। দুংখ নিবন্ধন চিত্তাবসাদঃ। ইতি চণ্ডী টীকাযা• নাগোদ্ধীভউঃ ৷৷

रोबी न जी इंडेशन ॥ मूर्बाद्रगः। ইতিমেদিনী ম लोर्ज्य की इहा। पाइम । इंडि · (इम्हन्मुः ॥ मीलयः शुः कद्दशः। इंजिट्सिक्युः॥ मिलाः श्र[•] हेन्द्रः। इंडि नदार्थ-कन्नउकः॥ स्रोवातिकः श्रु बात्रत्रक्रकः। उट भ्रायः। हाः इः २ क्छा ० म् ७ । বেত্রধর: ৫। ইতি হলাযুধ:॥ পুতী-হার: ৬ পুতিহার: ৭ দর্শক: ৮ দারী ৯বেডালঃ > দারপালকঃ >> (मो:माधिकः >२ वर्खक्राः >० गर्बाहैः -১৪ দণ্ডপা•শুলঃ১৫।ইতি শব্দরত্রা-वनी ॥ बाः ছि उः >७ विवधात्रकः >१ वर्डकरः १४ मध्वामी १३ । ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ তস্য লক্ষণ যথা। शाः भुः मुकला एकक श्रियवादीन काष ३:। विख्याह क मर्दियाः भू-তীহারে। বিধীয়তে ॥ ইতি মৎস্য পুরাণণ।।ইঙ্গিতাকারতত্বজ্ঞো বল-वान् श्रियमर्भनः। अश्रमामी जमा দক্ষঃ পুতীহারঃ স উচ্যতে ৷৷ ইতি ग्रान्कार भोद्यत्यः जि मुद्द्रत्वास्त्रयः। निमित्

वं भंजां जः। मूक्त भंदा ६ छवा (४) ষ্ণেয় পুত্যয়ঃ॥ सिया छिः भू मूय छता जभू वः। न पू ভরতরাজঃ। ইতি ত্রিকাওশেবঃ।। নৌহিত্র: পু॰ জ্রী দুহিতুরপত্য । ইতি ह्महन्मुः ॥ उৎপर्यायः। अञ्च २। इंडि नपत्रवावनी॥ 🗰॥ बीनि শাুদ্ধে পবিত্রাণি দৌহিত্র পতুপ ত্তিলাঃ। দৌহিত্র ধন্ন মিত্যাহ রপত্য দুহিতু खिलाः॥ किनलाया ঘৃতক্ষৈব দৌছিত্র দিতি চোচ্যতে। ইতি মার্কণ্ডেয় পুরাণ ।। পৌত্র দৌহিত্রয়ে র্লোকে বিশেষে। নাস্তি কক্ষন। তথোহি মাতা পিতরৌ সমূতৌ তস্যদেহতঃ॥ ইতি দায-ভাগ: ৷৷ দৌহিত্রোপি অমুত্রৈনণ সম্ভারবতিপৌত্র বদিতি মনুঃ।। म्प्रावाम्बिरवरी की वर्गभ्विरवरी । ইতি হেমচন্দুঃ।। म्यावाञ्च्यते जी वर्गभृथिति । इंडि (र्यक्षुः॥ দ্যাবাক্ষমে জী ষর্গপৃথিবের। ইতি (रमण्युः॥ विववनात्वायः॥ দু । व অভিসর্পণে। ইতিকবিকল্পদ্রমঃ त्री **मिन•॥ गगग•॥ वर्गः। इं**डि

मुक्षः भूरः अभिः। इंडि मिरिनी ॥ मूर्गः भू॰ भक्षी। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। मुर्गमः भू व्यर्गनः। उत्र गन्यनमाञ् া কৰিত কল্লগতো হক সমা গণা सहरेन গুণিত ন্তিথি সংযুক্তঃ পৃথ गरका १६क माम ममार्जा ।। রবি দিনাগুগতাধিক মাসকৈ: কৃত कितनः अक्टिं मूर्जा विरक्षाः । भृथगण्डः भविजावम मण्डगाहिषु দিনাপ্ত গতাবম বঙ্জিতঃ।। ভবতি 'ভাক্ষর বাসর পূর্বকো দিন গণো রবি মধ্যম সাবনঃ ৷ অধিক মাস रिन क्षय म्याञा मूर्व घर्षेकारिक মত্র ন গৃহতে ।। ইতি সিদান্ত निदायिक ॥

দ্যুত ৯ও দীপ্তো।ইতিকবিকল্লন্সঃ।। मूर पूर किंद्रभः। ইতি হেমচন্দুः॥ দ্যুতিঃ দ্রী দীপ্তিঃ।শোভা ইত্যেরঃ

॥ রশ্মিঃ। ইতি মেদিনী॥ দ্যুতিকরঃ পু• ধুবঃ। ইতি ভূরি**পু**যো-गः॥ मीखिकात्रक जि ॥

দ্যুতিত বি দীপ্তিবিশিষ্টণ দ্যোতিত । ইতি মু**খ**বোধ ব্যাকরণ ॥ ं

मुन क्री नगाएमधनवानिः। ইতি **জ্যোতিন্ত**্ব• ॥

मुतिभ न्नी व्यत्मात्रावः। ইতি वृताः कत्रशंशा यथा। ভবতি कि॰ मूर्रिमं দু,নিবাসিনা । ইতি সিন্ধান্ত শি द्यामिशः॥

দ্যুপতিঃ পু॰ স্ব্যঃ।ইতি হেমচন্দুঃ॥ व्यक्ता

मुप्रिशिः शु भूर्याः ॥ वक्ष्मः। ইত্য यवः ॥

पूर्मियी जी विश्वकर्षकन्ता। मा नूर्यर-পত্নী। ইতি ত্রিকাওশেষঃ॥

দুরে ক্লী ধন । ইত্যমরঃ॥ বল । ইতি व्यक्ति ॥

मूर्ता श्रु भूर्याः। इंज्रुशामितकायः॥ দেরীঃ। ইতি স**ংক্ষিপ্তসারে উণা**দি-বৃত্তিঃ ৷৷

দুগ্ৰৎ পু॰ দেবঃ। ইতি ত্ৰিকা ওশেষঃ ॥ गुरुः। ইতি গোলাধ্যायः ॥

पृज्यः शुः क्री भागकामिकिय। यशाः ণিকরণক ক্রীড়া। ছুবা ইতি ভাষা। তৎ भर्गायः। व्यक्तवर्धीर देवज्वरः ० পণঃ ৪ ৭ ইত্যমরঃ 🛚 🐞 🗈 দূর্তি नमा ख्याक्य ताजा ताडु । चिवर्क्य 7860 দ্যুতকারঃ) নি দ্যুতকার্যিতা। সদ্যুতকারকঃ) হিযার ইতিখ্যাতঃ। ইতি ভরতঃ॥ তৎপর্য্যায়ঃ। সভি-কঃ ২। ইত্যমরঃ॥ সভীকঃ ৩। ইতি मप्रवावनी ॥ मृज्रु वि मृज्युतः। अक्की प्रः। ইত্যমূরঃ ॥ দূতপূর্ণিমা জী কোজাগরপূর্ণিমা। ইতি ত্রিকাওশেষঃ॥ मृज्योगंत्री की मृज्यूर्गंमा। इंडि ভূরিপুযোগঃ 11

দ্যতপুতিগৰ জী কাৰ্ত্তিক শুক্ল পুতি-**१९ । जा**ह को मूरी । यथा । जूरे ऽर्थ॰ কার্ত্তিকেতস্য শুক্লা যাপুতিপত্তিথিঃ । বিষ্ণো দ্তা মহী তত্ৰ কৌমুদী সা মৃতা বুধিঃ।। জ শদেন মছীক্তেযা मूमा रखं ह रेव बिका। शाजूरेकः गर्व শদক্তৈ: সাচ বৈ কৌমুদী মৃতা॥ ইতি পান্মোত্তরখণ্ড• ৷৷ 🏶 ৷৷ অত্র जिरथी विन रेनजा शृक्षानि कार्याः। তম্ব। বামন পুরাণে কার্ত্তিক শুঙ্গপক্ষ মধিকৃত্য বলি•পুতি ভগ-বদাক্য । বীর পুতিপদা নাম তব ভাবী মহোৎসবঃ। অত্র ব্লা নর माप्त क्षाः भूष्टाः यनक्ञाः ॥ ल्झ मील जुमातन श्कविवर्ष

र्जिश

। রাজান্ত করণাবেতৌ ছৌ দোবৌ •পৃথিবীক্ষিতা॰॥ পুকাশ মেতত্তা ऋर्याः याप्तवन नमाख्यो । उत्या নিত্য পুতীঘাতে নৃপতি বল্লবান स्टावर ॥ मूर्ड नमा ख्रास्क्व यः व्यर्गा कात्रयं वा। जान् मुद्यान् याज्यमुका भूमुः क विक्विक्नः ।। অপু।ণিভি র্থ ক্রিয়তে তল্লোকে দৃতে মুচ্যতে। প্রাণিভিঃ ক্রিযতে যস্ত্র ॥ न विष्क्रयः नमात्रयः॥मृज्ञाज् भूता कल्ल मृष्टे॰ रिवतकत्र॰ नहर । তমাদ্যত নসেবেত হাস্যার্থ মপি वृष्किगान्॥ इंडि मनुः॥ 🕸 ॥ क्ष উবাচ। কিন্তে দূয়তেন রাজেন্দু বৃহ-**रित्यामानमारिक्ट वर्दा (माया** खयाख् शतिवर्द्धायः ॥ नुज ख यिन वा मृष्टेः भा अत्वा हि यू विश्वितः। न ताकाः नुमहर ग्रीठः जुाठ्ःक বিদশোপমান্।। দূতে হারিওবান্ সর্ব॰ তম্পাদ্যত• ন রোচযে। ইতি মহাভারতে বিরাটপর্ব॥ দ্যুতকর: তি দ্যুতকর্তা। সুগারী ইতি ভाষा। उৎ भर्य प्रायः। शार्डः २ श्र्डः **े अक्र**श्र्कं ८ अक्राप्ति ८ मूरता एत ৬ দূ্যতকৃৎ ৭ কিতবঃ ৮ কৃষ্ণকোছলঃ

२। ইতি भद्रद्वावनी ॥

মানবাঃ। অত্র মন্তঃ। বলিরাজ নম ন্ধভ্য॰ বিরোচন সূত প্রভা। ভবি ষ্যেন্দুস্রারাতেপ্জেষ পুতিগৃহ তা । বৃন্ধপুরাণে তু বলিরাজেতি भञ्जमा भूर्व । मञ्जासन त्रारकमु नमञ्जी नभूति। इठ। इठ। कः। পশ্চাদপি ৷ এবং পূজাং নৃপঃ কৃত্বা রাত্রৌ জাগরণ চরেৎ। ইত্যুক্ত।। পুন বু ন্ধপুরাণে ৷ শঙ্করণ্ট পুরা मृज् गमर्कं मूगता इतः। कार्डिक শুক্লপক্ষে তুপুথমে ংহনি ভূপতে।। জিতশ্চ শব্দর স্তত্র জয়ণ লেভে চ পাৰ্বতী। অতোর্থাছকরো দুঃখী গৌরী নিত্য পুথোষিতা ৷৷ তনাৎ ্দৃত্ত পুকর্ত্ব্য পুভাতে তত্র মান-বৈঃ। তন্মিন্ দূয়তে জয়ো যস্য তস্য সমূৎ সরঃ শুভঃ।। পরাজযো বিক-षाण वाका नाण करता ज्या ।। ভবিষ্যোত্তরে। যো যো যাদৃশ ভা-বেন ভিপ্নত্যস্যা॰ যুধিধির । হর্ষ रिम्यादिना एवन जम्य वर्षः भूगावि হি॥ মহাপুণ্য তিথি রিয় বলি-রাজ্য পুবদ্ধিনী। সাল দাল শত ং গুণ• কাঁর্ত্তিকে ২স্যা• তিথৌ ভবেৎ 🗜 ইতি তিথিতঃ ॥ ী নাজ শ্লী কপদকঃ।ইতি ত্রিকাও-

শ্বেষ্ঠ শেষঃ ।। দূত্তস্য কারণঞ্চ ।।

দূনণ লী লগ্নাৎ সপ্তন রান্দিঃ । হথা ।
ধীস্থানণ পঞ্চমণ জ্ঞেষণ যানিত্রণ সপ্তমণ মৃতণ । দুয়নণ দূয়নণ তথাস্তাখ্যণ

ষট্কোণণ রিপুমন্দিরণ ।। ইতি
জ্যোতিস্তত্বণ ।।

দৈয়ে ন্যক্করণে । ইতিক্বিকল্লফ্রমঃ ।।

দেয়াতঃ পুণ পুকাশঃ । আতপঃ ।

ইত্যমরঃ ৷।

দেয়াতনণ লী দর্শনণ । ইতি হেমচন্দুঃ

দ্যোতন শ্লী দর্শন । ইতি হেমচন্দুঃ

॥ পুকাশন । ইতি দ্যুত খাতো
ভাবে ২নট্ পুত্যুষঃ॥

দ্যোতনঃ পু॰ দীপঃ।ইত্যুণাদিকোষঃ॥ দ্যোতিত• ত্রি দ্যুতিত•। দীগু•। ইতি মুগ্ধবোধ ব্যাকরণ•॥

দ্যোভূমিঃ পু॰ পক্ষী । ইতি শবচল্দুকা।। স্বৰ্গপৃথিব্যোঃ জ্ঞী দিন্তু ।।
দ্যোষ্থ পু॰ দেবঃ।ইতি শব্দরত্বাবলী।।
ভি
দ্যোক্ত স্থা আকাশ । ইত্যমরঃ।।
দ্যোক্ত ক্লী জ্যোতিঃ। ইতি স • ক্ষিপ্তসারে উণাদিবৃত্তিঃ।।

দুগড়ঃ পু• বাদ্যবিশেষঃ। দগড় ইতি
ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। পুতিপর্ত্ব্য
২। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ।।
দুক্ষঃ ত্রি পুরী। ইতি হেমচনদুঃ।।

मृवव

पुरुक्तन की जानक । इंडि मदमाना
' ॥ उर भर्गागः। कान २ वर्षक ०
कर्यार्क । हिंडि विद्युक्त भित्र ज्ञाना॥
'कुं किमा भू । क्रिम्य ज्ञान भ्राप्ता
'कुं किमा भू । क्रिम्य । क्रिम्य मनया
'कुं कि के कि कि । क्रिम्य । क्रिम्य मनया
'कुं कि के कुं हिंगान् । क्रिम्य मनया
'कुं के कुं हिंगान् । क्रिम्य मनया

দুন্ন্য ক্লী ষনেতরদ্ধি ৷ ব্যাদই ইতি ।।
ভাষা । ইত্যারঃ ।। অস্য কপান্তরাণি ৷ দুন্ন ২ দুন্ন ৩ অন্ন্য ৪। ইতি
তউাকাষা ভরতঃ ।।

দুন গতৌ। ইতি কবিকল্পন্ধ।।
দুবঃ পু॰ পরীহাস: ॥ পলাযন ।

ৃত্যনর: ॥ রস: ॥ গতিঃ । ইতি
বিশ্বঃ॥বেগঃ। ইতি শদ্র লাবলী ॥
দুবজঃ পু॰ গুডঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥
দুবজাত বস্তু মাত্রঞ্চ ॥

पुवनः क्षी गमनः॥ क्षत्रनः॥ अनुजाभः॥ इंजि कथालार्जात १ निष् शुजुराः॥ पुवदः क्षी पुवमा जावः। जिप्प् विशः यथा। माः मिष्किकः पुवदः माः तिमिखिक मुनाक् छः। माः मिष्कि-कक्ष मिलल षिजीयः किंजि एक-रमाः॥ शर्ममानी ज्ञाल निजामनाः দুবিণ

তো ইনিত্য মুচ্যতে। নৈমিত্তিক°
বিহি যোগাত্তপনীয মৃতাদিষু ॥ দুবত্ত্ব স্থানে হেতু নিমিত্ত সংগুহে
ত্ তৎ। ইতি ভাষাপরিছেদঃ॥
দুবৎপত্রী জী শিম্ডীবৃক্ষঃ। ইতি
রাজনির্ঘটঃ॥

मृत्रतमा जी लाका। ইতিরাজনির্ঘণীः॥
मृताथातः পৃ॰ চুলুকঃ। ইতিশদার্থकল্পতকঃ॥ দূব দূব্য রক্ষাপাত্রঞ।।
দূবিডী জী রাগিণী বিশেষঃ। ইতি
হলামুখঃ॥

দুবিণ ক্লী ধন ।। কাঞ্চন ।। বল । ইত্যমর মেদিনীকরো ।। দুবিণনাশনঃ পু শোভাঞ্জনবৃক্ষঃ। দুবিণোদাঃ পু॰ অগ্নিঃ। যথা। দুবিণ॰ বল নিত্যুক্ত• ধনঞ্চ দুবিণ• ততঃ। দদাতি তভবানেব দুবিণোদাস্ততো ভৰ।। ইতি বরাহপুরাণ•।।

দুবীকরণ ল্লী অদুবস্যদুবকরণ । গলান ইতি ভাষা। ইতি দ্বিপুত্য-যেন সাধ্যং॥

मुवा क्री शिखन।। विखः॥ शृथि-ব্যাদি॥ বিলেপন•॥ क्लीव•॥ ভেষ-জ ॥ ভব্য ॥ জনবিকারে ত্রি। ₹ ि (मिरिनी ॥ अजू ॥ विनयः । इिं इ्मिन्मुः ॥ यम् १ । यथा। म **अदः** न शिरवष्तुवरः। ইতি क्लार्गव-**७**% ।। 🕸 ।। न्राय भए ७ अव विथ॰ यथा। किन्छ। প্ তেজো मक-ছেগ্রম কালা দিশে, ছিনৌ মনঃ। তেया॰ সাধর্ম্যাদি यथा। क्रिज्रा-मीना॰ नवानास पुराव खन वानि তা। किं जि बंग जथा जिंकः भव-ना मन वक ॥ भन्नाभन्न मूर्खंइ कियादगानुया अभी। काल शाबा **मिणाः न्र्बंगज्यः श**त्रमः मह् ॥ ক্ষিত্যাদি পঞ্ভূতানি চত্তারি শা-र्भविष हि । मुव्यात् छ क्वूयू न्यान-

मुथ

थाकाम भद्रीदिशा ॥ व्यवाश्र বৃত্তিঃ ক্ষণিকো বিশেষ গুণইব্যতে। क्र मृत्व शुठाक यागि नार शु-থম•ত্রিক•।।গুকণীদ্বে রসবতী দ্বো, र्निमिखिका पुरः। षात्राता जुञ বৰ্গাশ্য বিশেষ গুণযোগিনঃ।।ইতি ভाষাপরিছেদ: ॥ # ॥ मुद्राङ्ख जक्रनामि दिन्यादिनार्यो यथा। उद्दा-বচান্ন পানে্যু দুব্য হন্তো ভবেন্নরঃ। ज्यो निःकिं उपुरा नाहमा-ভুগ্ৰুবেৰু তৎ॥ তৈব্ৰস বৈ সমা-माय यमु । इसे। जतिष्ट्रः । जूमो निःकिशः उपुवः माठमः। जूःकरयः खू उट्या यम मुवा नमानाय जत मूरह्यनानिजः। जानिशायजनमुव्र মাচান্তঃ শুচিতা মিযাৎ।। বজ্ঞাদিষু विकन्नः म्रोख् म्रृष्ट्वा नाम्याप्ति । অরণ্যে পনুদকে রাত্রৌ চৌর ব্যাছ্রা-ছলে পথি।। কৃত্বা মূত্র পুবীষ॰ বা पुवा शासा न पुषा । इंडि कूर्य পুরাণ ॥

मा न सदा। भनायत । देखि कवि-कन्नकमः॥

দাক্ ব্য ক্ষত । শীঘু । ইত্যমর: ।। দাখ শ শোষ্ ॥ অলমর্থে । ইতি কবিকল্ল ধ্য: ॥ দাব খ ড ভূনে। আয়ামে।। শক্তো া ইতি কবিকল্লন্দমঃ॥

দুাঘিনা পু॰ দীর্ঘত্ত । দীর্ঘস্য ভাব ইত্যর্থে ইমন্ পুত্যুয়ে দুাঘাদেশেন , সিদ্ধঃ। ইতি ব্যাকরণ ॥ ভূশোল স্য দীর্ঘতা । ইত্যাধুনিক জ্যোতি বিকাঃ ॥

দু বিষ্ঠিঃ ত্রি অতিদ্বিষ্ঠিঃ। ইত্যমরঃ ।।
দু তে অ ড বিভেদে. । ইতি কবিকল্লদনঃ ।।

मुगः वि मृथः॥ श्रमायिजः। ই जि मृ शाजाः कर्ड वि ज् शुज्यम निञ्चमः॥ मृगः शु॰ श्रकः॥ आकाणः॥ कश्मी ।। मृथः। ই जिणकार्थकन्न ज्रकः॥ मृगिनः शु॰ চাণका्रम्निः। ই जि रम्ममृः॥

मावः श्रृ गमनः।। मुदगः॥ अनुजाशः
। ইতি क्र शाला जीव वक्षः श्रृ जुरुः
मावकः क्षी मिक्षकः। ইতি রাজनिर्धणः॥ श्लीश्र রোগস্য ঔষধ বি
শেষः। अम्य विवत्रगः मश्लावकः
स्वि मुश्लेवाः॥

्रावकः श्रु॰ शुखत्राज्यः॥ तिम्बः॥ गावनः। ইতি मिन्नी॥ निमः। ইতি भक्तेना॥ तुम्लमः। ইতি भेपत्रज्ञावनी ॥ इपयुग्रही ॥ पुव-कात्रकः। इंडि ध्रत्निः॥ पुत्रककन्तः श्रू॰ टिनकन्तः। इंडि त्राजनिर्घण्डः॥

দাবকর॰ ক্লী শ্বেতটক্ব । ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ।।

मुनिन क्री कठककल । निर्माली है जि

जारा। है जि तद्यमाला।। विमुनिन क्ष मुनिका क्री नाला। है जिमम् तद्यावनी मुनिफ: जि म्मिनिस्मर काऊः।। मन्था जिमः।। विश्वमूर्थाः। है जि यिनिनी।। कर्त् तः। है जिता क्रिनिर्मेः। ।। भक्षमुनिफाः यथा। मुनिफः के कर्ना है: २ खब्क ताहेः २ महाता हुः १ जिमः २ विका निर्मा विका मानिनः।। विफाः भक्ष विका मिना वा निनः।। है जिकम्भूतानः।।

माविष्ठक॰ क्ली विष्क्ववन॰। इंडि जाब-निर्घण्डः ॥

माविष्ठकः शृ॰ (वश्रम्थार्कः। किँवार्विष्ठ वश्री हेिं जाया। हें जाया। हों वाया। हों वा

ক্ষরণীয় ।। অবশ্যানুতপনীয় । ইতি ক ধাতোরবশ্যস্তাবার্থে ব্যণ্ প্রত্যয় ।।

দাহ খ ড জাগরে ।। নিঃক্ষেপে । ইতি কবিকল্পদ্রমঃ ।।

দাক ই কাঙ্কো। ঘোরকতে। ইতি কবিকল্লন্ধনঃ।।

मुका खी कनितम्बरः। माथ इठि কিশমিশ ইতিচ ভাষা। তৎ পর্য্যা-यः। मृषीका २ (गास्त्रनी ७ श्वाषी ८ মধুরসা ৫। ইত্যমরঃ।। চাৰুফলা ৬ কৃষ্ণা ৭ প্রিয়ালা ৮ তাপসপ্রিয়া ৯ . গুছফলা ১০ রসালা ১১ অমৃতফলা ১২। অস্য গুণাঃ। অতি মধুরত্ব•। অমুত্ব । শীত পিভার্ত্তি দাহ মূত্র माय नामिवः। क्ठापः। व्यापः। সন্তর্পণত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ রিপার। শীত বলকারির। ছাদ্য-দ্ব•। তৃষ্ণা বাযু রক্ত পিত্ত ক্ষত की-ণতা নাশিত্বঞ্চ। ইতি রাজবল্পভঃ।। ব্দুতৌ॥গভৌ।ইতিকবিকল্পদ্ধসং॥ ব্দ নর অনুতাপে। ইতিকবিকল্লক্রমঃ ফঃ পু॰ বৃক্ষঃ। ইত্যমরঃ॥ গতৌদ্রী। " ইতি শব্রত্বাবলী।।

क्षितिय॰ क्षी (एवमाक्यूकः। इंडऽ-मुद्रः॥ क्षाः भ् मूज्ञः। ইত্যারः॥ मृज् शातामि मूज्ञाकात लोरमयाज ভেদঃ। ইতি ভরতঃ॥ युक्ता।। क्योतः । ইতিমেদিনী॥ ভূমিচম্পকঃ। ইতি শ্বচন্দ্বা॥ দন্ত্যনান্তোপি॥

জড মজ্জনে। ইতি কবিকল্পজ্ঞমঃ।।
জড শি মজ্জনে। ইতিকবিকল্পজ্ঞমঃ।।
জণ শ অটিলীকরণে।। গতৌ ॥ বধে।।
ইতি কবিকল্পজ্ঞমঃ।।

শ্রণ লী ধনুঃ। খলঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।

দেশঃ পু বৃশ্চিকঃ।। ভূসঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।। পিশুনঃ। ইতি শব্দালা।।

দেশঃ ত্রি দীর্ঘনাসিকাযুক্তঃ। ইতি
সংক্ষিপ্তসার ব্যাকরণং।।

দেশহঃ পু খল্পিধানং। ইতি হারাবলী।।

দ্রণা ক্রী জ্যা। ইতি হেমচ্ন্দুঃ ।।
দ্রণঃ ক্রী দ্রোণী। ইত্যমর টীকাষা• ভরতঃ ॥

দ্রণী জ্রী কর্ণজলোকাঃ॥কছপী।ইতি লিঙ্গাদি সংগ্রহে অমর ভরতৌ॥ কাগ্রাম্বাহিনী।ইতি দ্রোণী শব-টীকাযাণ ভরতঃ॥

क्छ॰ वि ,काजमुती जातम् जन्तर्गामि । उৎ পर्येऽ। या विकार १ विनी न १ विकार १ विकार १ । विकार १ । विकार १ । विकार १ । विकार १ ।। विमान । इंडि सिमिनी ॥

कार की न्ड विषयक भीषु गमन ।

डिल मर्ड विषयक भीषु गमन ।

डिल मर्ड विषयक भीषु गमन ।

भीषु नयः । इंडि मथः ॥ न्ड जी डिल मुन्ति पहिंड ममूमाय गिंड भु मिन्ति पि क्ताम् या इंडि ख त्र । इंडि ख त्र । इंडि ख त्र । मार्ड । क्रिक ख त्र । मार्ड । क्रिक ख त्र । मार्ड । क्रिक विषय । क्रिक विषय ।

पूर्वा गार्ड । क्रिक मम्मा । निष्ठा ।

मून द्राधार्थ विषयि । निष्ठा ।

इंडि दिस्व । विषय ।

কতঃ পু॰ পলাযিতঃ।। হৃদঃ।। ইতি ধরণিঃ।।

क्षनथः शु॰ कण्ठेकः। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ॥

ক্ষাঃ পু॰ বৃক্ষঃ। ইত্যমরঃ॥ পারিজাতঃ॥ ক্ষবেরঃ। ইতি মেদিনী॥ ক্ষমনথঃ পু॰ কঁণ্টক॰। ইতি হারাবলী॥ ক্ষমব্যাধিঃ পু॰ লাক্ষা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

জ্মরঃ পু॰ কণ্টকং।ইতি হারাবলী।।
ক্লী সাউ্দভেদঃ। যথা।
কপিশীর্যু জনশীর্যু তথা চাথোট
। ইতি সাউদভেদাঃ সু
ঃ
শাদিকৈঃ সমুদাহতাঃ ॥ ইতি
শদ্রন্থাকী

कन(मुंधः भू॰ जोनवृक्तः। इंजिम्सार्थ-

কল্পতকঃ ॥ বৃক্ষপ্রেষ্ঠ ।।

ক্রমান্যঃ পু॰ লাক্ষা। ইত্যনরঃ ॥

ক্রমান্যঃ পু॰ হস্তী। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ॥

ক্রমাশ্যঃ পু॰ সরটঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ বৃক্ষাপ্রিতমাত্রেযু জি ॥

ক্রমেশ্বরঃ পু॰ তালবৃক্ষঃ । ইতি

ক্রমেশ্বরঃ পু॰ তালবৃক্ষঃ । ইতি

হরিব শঃ ॥

ক্রমেশ্বর বাব্বিশ্বরক্ষঃ ।।

জনোৎপলঃ পু• কর্ণিকারবৃক্ষ: । ইত্যমর: ॥

क्वयः क्ली शतिभागः। ইত্যমরঃ॥ क्रमञ्जकः श्रुः शियानवृक्षः। ইতি भद्रत्रश्चवी॥

ফ্র য উ ৯ জিঘা পদ। অনিই চিন্তন ইতি যাবং । ইতি কবিকল্পদ্দাঃ ।। ফ্রঃ পু পুত্রঃ । ইতি শ্রমার্থ-কল্পতকঃ ॥

ফহণঃ পু• বুকা। ইতি ভরতদিক্প-কোবঃ ॥ ।

ফহিণঃ পু• বুকা। ইত্যমরঃ।।
ফহী ত্রী দুহিতা। ইতি শদার্থকল্পতকঃ।। ই

म न क ग वर्षाकार्जा है जि कवि-कन्नक्रमः॥

पः श्रामिश्विः।।

(स्नानमू

দ্রমণঃ পু॰ জঘণঃ। ইতি ভরতিষিকপ কোবঃ। সংক্রিপ্তসারশ্চ।। দ্রণঃ পু॰ জণঃ। বৃশ্চিকঃ। ইতিশন্ধার্থ-কর্মকাঃ।। দ্রেক পাত খনোৎসাহে। ইতি কবি-কল্লক্ষাঃ।। দ্রেক্তঃ ।। দ্রেক্তঃ ।। দ্রেক্তঃ ।। দ্রেক্তা ।। দ্রেক্তা ।। শ্রেক্তা ।।

॥ ইতি জ্যোতি স্তব্ব ।। দৈ • ৰণে। ইতি কবিকল্লন্সঃ।। पुगः शृ क्री जाहकभित्रमान[।]।। আঢক চত্তপ্তয়ণা ইতি শব্দরত্নাবলী ॥ ৩২ শের ইতি লৌকিক মান । তৎ পर्यग्रयः । यहः २ कनमः ० উন্মান ৪ ললুণঃ ৫ অর্মণঃ ৬। ইতি বৈদ্যুক পরিভাষা।।দ্যোশস্তথার্য্যাঃ थनु याउमा॰मः। ইতি नीनावठी द्यानः श्रु॰ द्यानाहास्त्रः। एषकाकः। " इंजि मिनि । एव्निकः । इंजि রাজনির্ঘণ্টঃ ।৷ চক্তঃ শত ধনুঃ পরি-- निरु जनामयः।। यथा। माउन ধনুর্ভিঃ পুষরিণী। ত্রিভিঃ শতৈ দা যিক। চভার্ডি দ্রোণঃ। পঞ্চভিত্ত-**जागः। द्वानाम्म खना दामी। ই**তি । हम्मुः ॥

बनाभव उद्गारम्यनायकः। यथा।
वियु उभाक वर्ष जू इन्ड जिंद्यम्यजः क्रमाट । जावर्जः विकि मयर्जः
भूकतः पुग् भयूकः।। जावर्जा निर्जत्वारम्यः मयर्जः वक्ष्मकः। भूकतः।
कूष्ठ बजा पुगः भम्भ भूभूतकः।
केजि क्राजिन्छ पः।। य्यन्य कृष्यः
भूत्र वृक्षविष्णयः। यनयम्यः कृष्यः
भूत्र वृक्षविष्णयः। यनयम्यः।
वृक्ष विक्षः भिवामीनाः पुग्भभूतः।
वृक्ष विक्षः भिवामीनाः पुग्भभूतः।
वृक्ष विक्षः भिवामीनाः पुग्भूतः।
भविष्यः युद्धः पुर्वाभीनाः।
भविष्यः युद्धः पुर्वाभीनाः।
भविष्यः युद्धः पुर्वाभीनाः।
भविष्यः युद्धः पुर्वाभाः।।

पुगिकाकः श्र. वनकाकः। माँउकाक इंजि जाया। ज्यार्ग्यायः। काका-वाः २। इंज्यायः।। पुगिः ० जायग्यः वायगः ८ वनवानी ६ महाशुगिः ७ क्रायाती १ शवाशुगः ৮। इंजि ताजनिर्विः ॥ काकवः २। इंजि वांक्यावनी ॥

দ্রোণগন্ধিক। জ্রী রাসা। ইতি জটা-ধরঃ।।

पुगिषा की पुगिनूषा। इंडि अद-हिन्द्रिका॥

्रागम्या जी मागकी इस्त हें छि एक हैं। ्राहम्पुः ॥ प्रागम्या जी प्रागणितिमिजम्सनाजीगवी। उर भर्गायः। प्राणकीता र ।
इंड्रमतः ॥ प्रागमाना ७ प्राण्या ४ ।
भरविनी ६ । इंडि लेक्टिन्तुका ॥
प्रागम्या ७। इंडि इंस्टिन्तुः ॥
प्रागम्या ७। इंडि इंस्टिन्तुः ॥
प्रागम्या ७। इंडि इंस्टिन्तुः ॥

इंडि थ्राजा। उट्भर्यग्रयः। श्रेंब-পত্ৰা ২ জন্তবোদিঃ ৩ জৰু স্থিকা ৪ চিত্রাক্ষ্পিঃ ৫ অক্ষা ৬ সুপুরা ৭ চিত্রপত্রিকা ৮। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ দ্ৰোণা ৯ ফলেপুস্না ১০৷ ইতি ভাব-शुकामाः ॥ अमृत खनाः । करूष्- । उक्द । कठाप । वांठ कंकांपि মান্ত্র পক্ষবাত নাশিবৃঞ্চ। ইতি त्राक्षनिर्घं है। शक्षेत्र । सामूत्र । ৰক্ষৰ । বাত পিত্ত কারিব । স कारानेवगद्वै। स्रोमूशोकिद्वे। खिन-কর্। আম কামলা শোপ তমক খাস জন্ত মাশিব্ধ । ইতি, ভাব शुकानः ॥ 🗱 ॥ शानीर्वकर्कः । ঘলঘসিয়া ইতি ভাষা। ইতি রত্ন-माना ॥ अमा खनः। ककार्मः ক্রনিলা ক্রিমিশোর্থ নাশিবৃ•।ইতি রাজবল্পভঃ ॥

स्वापमाना के पुगपहुचा। इंकि नक विभुका। দ্যোণমুখ স্নী চতু:শতগ্রামমধ্যেমনো হর গ্রামঃ। ইতি হারাবলী ।। দ্যোণশ্যচঃ ত্রি দ্যোণপরিমিত বস্তপাক কর্ত্তা। ইতি মুখবোধ ব্যাকরণ ।। দ্যোণা জ্রী দ্যোণপুস্পী। ইতি ভাব-পুকাশঃ॥

দ্রোণি: জ্রী দ্রোণী। ইত্যমরটীকাথাণ ভরত: ॥

॥ (प्राणिका जी नीनीवृष्णः। ইতি भप-त । वनी ॥

पुंगी जी प्रभविष्मयः॥ काश्चाष्ट्रवाहिनी ॥ गवापनी । इंछि प्रमिनी ॥
नीली वृक्षः। इंछि मृस्तव्वावली ॥
रेमलाखपः॥ रेमलायाः मिक्षः। इंछि
एश्मप्रमुः ॥ इन्मुप्ति छिंगे ॥ पुंगीलव्गः। इंछि ताजनिर्यक्षः॥ निर्मि
विष्मयः। इंछु गापिरकायः ॥ विमूर्म
भित्रमागः। ४२৮ स्मत्र इंछि जाया।
ज्याभागः। ४२৮ स्मत्र इंछि जाया।

पुानीरनः भूः किउकीभूत्रः। ইতি शतावनी ॥

নোণীমুখ ক্লী দ্বোণমূখ । ইতি ভূরি-পুযোগঃ।।

पुगीनवनः क्ली उनकर्भारेषमभूमि-स नवन वित्नवः। उद्भर्यग्रयः। पुग्तयः २ वार्ष्वयः ० पुगीनः ८ वाद्रिकः ६ वार्षिच्यः ७ पुगी १ विक्रेनवनः ४। व्यमग्रद्भाः भाकः नाजुग्रुकः । व्यविनास्दः। जन-नदः। त्रिक्षदः। मृन नामिदः। व्यन-शिखनद्भः। ইতি রাজনির্গিঃ।।

पुष्टः भू किया गा। व्यक्तिक्षितः। उट भर्यादः। व्यभक्तिया २। इंडि स्मिष्टमुः॥ कः॥ प्रतिनुश्चाद्धुद्धाः पुर्वा रुः काढि काढि स्भाविकः। इंडि क्यंभूद्रापः॥

प्राक्षिका की भन्नानिश्विष्ठि। उट भर्गायः। र्गाभामः रं। इज्जननः॥ ॥ प्राक्षाः भू गाथा शुरुकाः॥ मृग स्कारः॥ रेत्राम्बु जिकः। इजि भिन्ने॥

দ্রোষী পু॰ দ্রোহকঃ। পরানিপ্রচিন্তকঃ
। যথা। নিজ্বাহী কৃতমুণ্চ যে চ

(मेशकी

বিশাস্থাতকাঃ। তে নরা নরকে মান্তি থাবচন্দু দিবাকরে।।। ইতি সসেমিরোপাখ্যানং॥

দ্রোণাযনঃ পু॰ জন্মথানা। ইতি ত্রিকাওশেষঃ॥

पुरिः शृ॰ व्यथ्यामा। ইতি स्पन् त्रश्चवि॥

দৌণিকঃ ত্রি শোণপরিমিতবীরবপন যোগ্যক্ষেত্র•) ইত্যমরঃ ॥

क्षित्रनी क्षी. संशहताककन्ता । उट भर्यत्रयः । भाष्मानी २ कृष्म ० रेम-রিদ্রী ৪ নিত্যযৌবনা ৫ বেদিভা ৬ याञ्जलभी १। ইতি एमहन्दुः ॥ অস্যা: পঞ্সানি কারণে ব্থা ! विक्रिकदार । भृगु ताम महाजाग সীতা সংগোপন ছক। সপ্তাহা-ভ্যন্তরে চৈব রাবণো দুষ্ট রাক্ষসঃ॥ मूर्निवार्यः शुक्तिन कानकीक হরিষ্যতি । রাম্উবাচ । সীতা॰ गृहीदादः गह हायादेवर जू ठिक्ठ्र। कवाज वर्ज्जन॰ कमा गर्हिवाक जूख-न्निजः॥ त्रीजाः गृधीया शुगयो ৰদন্তীক হতাশন:। সীত্যাঃ अपृन्ते हाया जरहाे श्री द्वाम अहिरक्षे ॥ मृष्ट हाया क्जा मूर्ड द्रावरपूर्व वनीयमा । मेर् ४ श्रह जा द्रात्मा

निरुठा ७ जवाकव ॥ वरहा भनी ँका कार्ल **ह** हाया वरही विद**न** ह। व्याप्ति मायाक मन्त्रका महिन त्रामाय कानकी ।। माठ हाया उभ क्रांक নারায়ণ সরোবরে । তপ ক্ষকার-বিব্যঞ্পত বর্ষঞ্প্লিনঃ।। বর॰ द्भुष जु प मूर्वाठ महत्र जि॰ । উবাত সা শিব্ ব্যগ্না ভর্তু দুংখেন **पूः** थिजा ॥ পजित्सिरि भक्षा ना বর• ববে ত্রিলোটন•া সর্ব সম্পৎ भूत स्थे खरेगा भर्दा वदः माने ॥ गशास्य डेवाह। जाश्चिषः शक्ष्या ব্রহি পতিনেং ইতি ব্যাহলা। প-ক্ষেন্দ্রান্দ হরের শা ভবিষ্যন্তি প্রি-या खव।। তে চ সর্বেচ পঞ্চেন্দা "চা-थूना शक्षशाखवाः। जाह हाया जी-পদী চ যক্তবঙ্গ সমুক্তবা।। কৃতে।। যুগে বেদবতী ত্রেতাঘা জনকাত্ম-का। बाभारत (द्रोभभी हाया उन क्षा विशापी।। विकवी क्ष एका চ তেন কৃষণ পুঞ্চিতিত। ৰৰ্গ লন্ধী र्भरम्पुागाः नार्ं भन्हास्विष्ठि

म्हिन्स कन्डा शान्त्र स्यम्बद्ध । ललुह माजद्र वीद्धा वस शास्ट महाधूना ॥ जनुवार्ह स्य माजा द्वा कुछिन्द्र महा स्टार्श व्यक्त भूर्यभ भराव माजू झाळ्या। (हो भाः मृतः श्रामिन खन एकूमा भकः भाखवाः। म्जूर्यभानाः निम्नुग्गाः भाक्षमुः शक्षभाखवाः ॥ ইতি वुक्तविवर्ष्य क्षेत्रक क्षेत्र था अक म्माधिक मजरकाष्ट्रायः॥

দদ লী নিথুন । ইতিশদর স্থানলী।।
দদ্ লী রহস্য ।। বলহঃ।। নিথুন ।।
যুগ্ন । ইতি মেদিনী ॥

विलाहित । नई मण्ण विष्: शूं (तांगिति स्वाः ।। नमाम खरेगा सर्वा वतः पर्ता ॥

उरिहा । नाश्च दः भक्ष्या किरार्था । भावा देवा । नाश्च दं भक्ष्या । भावा विवा । भावा विवा । भावा विवा । भावा विवा । भावा हाया । जा हाया । जा हाया । जा हाया । जा हाया । क्रिं विवा विवा । क्रिं विवा । क्र

ৰন্দানী পুং চক্ৰবাকঃ। ইতি দিকা-ওপেৰঃ।। सम्मृजः शृ॰ घिरमायब्रात्रागः । इंडि निमानः।। कनशब्दाजनः।।

ছব॰ শ্লী দ্ব্যাত্মক। দুই ইতি ভাকা। তথপৰ্য্যায়ঃ। উভৌ ২ দ্বৌ ত যুগল। ৪ দ্বিত্য ৫ যুগ ৬ দৈতে ৭ যম। ৮ দ্বন্ধ ১ যুগ্ম ১০ যমল। ১১ যামল। ১২। ইতি হেমচন্দুঃ॥

बगाग्निः भू॰ वृक्कालमः। त्रा॰ हिला इेलि लाया। जर्भाग्निः। भागि २ || कुशाग्निः ०। इंलि भक्तिमुका।। बगाजिभः जि त्रज स्ता स्न म्नाः। जन्न स्न युक्तः। इलाजनतः॥ त

ছাঃ জী দার । ইত্যমরঃ।। উপাযঃ। যথা। জ্ঞান দারা ভবেমুক্তি রিতি জ্ঞান শাজ।।

बाः इः श्रू॰ बात्रभानः। ইতি मद-त्रज्ञावनी ॥ निमत्कचतः। ইতি ভূ-त्रिशुर्यागः॥

ৰাঃস্থিতঃ ত্রি দ্বারপালঃ। ইত্যমর-কোষ শব্দরত্বাবলের ॥

দাঃছিতদর্শকঃ ত্রি দারপালঃ। ইত্য-নর টাকাযাণ ভরতঃ।।

ষাঃছিতদশী ত্রি ছারপালঃ।ইতি ক্ষেত্রগৃতরভসঃরমানাথক। বাচবারিংশৎ জী ফিরোরিংশং। ৪২ বেয়াল্লিশ ইতি ভাষা। ইতি ব্যাকরণ ॥

षाविः भट जी ष्ठाविकविः भट मः था। उटमः थायकः । उर विवास है कि छाषा । यथा । बाविः भट भूमारा नार्या कञ्जि भारत मृंग मिळारि जितिकदः ॥

দাত্রি•শদক্ষরী পু॰ গুস্থ:। ইতি ত্রিকাওশেষ:।।

দাত্রি-শল্পক্ণোপেতঃ পু • মহাপুৰুষঃ । ইতি শব্দার্থকল্পতকঃ।। তল্লকণানি यथा। ज्ञागः मधमू रुड यह्त्रिन শিশো রক্ষেত্র• তুক্তা বিস্তার ব্ৰিষু থৰতা ত্ৰিষু তথা গঞ্জীৱতা চ जियू। रेमर्घा अक्षम् किक अक्षम् সথে সংপুক্ষ্যতে সৃক্ষতা দাত্রিংশ-बत्र वक्षनः कथ्यामा (गालियु म-ম্ভাব্যতে॥ ইতি শ্রিহরিভক্তিরসা মৃতসিষু:।। #।। রাগ ইতি সীমদু-क्षित्रतः मुक्ति क्नि हिट नवयस्मा (गानगं) दाक अभिमः। नथम् (नडोड পাদ কর তল তাপ্রাই বি্যা नर्थयु यहिनू विकालको नथ नानिकी करि मुन्ययू। वियु करि क्रनारियकः । কেচিৎ কটি ছনতে শিৱ: পঠীউ।

পুন জিবু গীবা জহ্ব। মেহনেরু । পুন জিবু নাভি ষর সংবৃষ্ । পঞ্চসু নাসা ভুজ নেত্র হনু জানুবু । পুনঃ পঞ্চসু দ্বক্ কেশ রোম দ্ভাঙ্গুলি পর্যসু । লক্ষণে সামুদ্রক

গুছ পুসিছে: । দাবি শদরাণি ভব্তলকণেভ্যো ধন্যভ্যোপি শ্রে-ধানি লকণানি যুস্য সং গোপেষু কথমিতি ভগবদবভারাদিষ্প্যো-তাদৃশ বাশুবণাদিতি ভাবঃ। ইতি শ্রিক্রীব গোষামি বিরচিতা দুর্গম সক্ষনী নান্নী টীকা।।

बानमां वि ब्राधिकानमा । २२ वात हेि जाया । बानम मन्था उट मन्था गा । व्याप निज्य वह वह-नायः। विविद्ध ममान कन्यः। हेिंड वाक्रत्रणः।। बानम वाहकानि यथा। मूर्याः भामः २ तानिः ० मः कासिः ८ खह्वाहः ६ मातिकाक्षः ७ छह-नवः १ ताक्रम अनः ৮। हेि क्वि क्षुत्र जा।

ক্লন্দ: ত্রি দ্বানশানা-পূরণ:। বার্ঞি ইত্যাদি ভাষা। ইতি ব্যাকরণ ॥ বাদশকর: পুশ্রহস্পতিঃ। ইতি বিকাপ্রস্থান:॥ কার্ত্তিকেয়ণ্ট।। দাদশপত্ৰক স্নী যোগবিশেষঃ। যথা । পিতামহো **ংপি ত॰ পুত্র॰ সাধ্য**॰ मिबनिय तुष्ठः। मन्द्रमभातः (भा-বাচ যোগ• ভাদশপত্ৰক• ॥ শিখা সংস্কৃত্ত ওঁকার• মেষো ৎস্য শিরসি ছিতঃ। মাসো বৈশাথ নামা চ পুথম॰ পত্ৰক॰ মৃত॰ ॥ নকারঃ শিরসিপ্যোক্তো ব্যো ২স্য শিরসি ছিতঃ। জ্যৈষ্ঠ মাসক তৎপত্ৰ॰ দ্বিতীয় পরিকীর্ত্তিত।। মোকারো ভুজযোযু শ্ম॰ মিথুন তত্ত্ৰ স ছিতঃ। নাস আষাঢ় নামাচ তৃতীয় পত্ৰ-ক মৃত।। ভকার । নেত্র যুগল কর্ টম্ভত্র সংস্থিতঃ৷ মাসঃ শ্রাবণইত্যুক্ত • हजूर्थ• भवरः मृज• ॥ भकातः ছ্দয় প্ৰোক্ত সিংহা বসতি তত্ৰচ । মাসো ভাদু তথা প্রোক্ত: পঞ্চন॰ পত্রক্ত মৃত ।। বকার কবচ বিদ্যাৎ কন্য তত্ৰ পুতিষ্ঠিতা। মাস শ্চাশ্ব-যুজো নাম বঞ্চ তৎ পত্ৰক মৃত ।। তেকার মন্ত্র গুামঞ্চ তুলা রাশি क्ञानुयः। भामण कार्डिका नाम बछम॰ পরক॰ मृত॰ ॥ वाकाর॰ নাভিসংযুক্ত স্থিত স্তত্ত্ব চ বৃশ্চিকঃ। মাসো মার্গলিরো নাম বৃষ্টক পত্র-ক॰ युज ।। সুকার জঘন প্রোক্ত

ভত্রস্থান ধনুর্ধরঃ । পুষ্ঠোতি গদি তো भारमा नवमः भदिकीर्खिठः ॥ দেকারশ্চোক যুগল মকরোপ্যত্র সংস্থিতঃ। মাঘো নিগদিতো মাসঃ পত্রক: দশন: মৃত: ॥ বাকারো জান্যুগল• সম্ভ ত্ত্রাপি স•স্থিতঃ । পত্ৰক॰ ফাল্পুন• প্ৰোক্ত॰ তদেকা-म्म मूख्यः ॥ शासी यकादाःी-নে। হি স চৈত্ৰে বসতে মুনে। ইদন্ত দ্বাদশংপোক্তং পত্ৰং বৈ কেশবস্য शि ॥ बामनात खथा ठकः यमाजिः षिजूबडथा। विगृश् खुक मूर्खिक তথোক্তঃপরমেশ্বরঃ।।এতত্তবোক্ত• দেবস্য ৰূপ দাদশপত্ৰক । যক্ষিন্ জ্ঞাতে মুনিশুেষ্ঠ ন ভূযো মরণ ভ বেং ॥ ইতিবামনপুরাণে ২% পঞ্চা-শত্তমো २४ प्रायः॥

দ্বাদশলোচনঃ পু॰ কার্ত্তিকেয়ঃ। ইতি ত্রিকাওশেষঃ।:

দ্বাদশাংশুঃ পু• বৃহস্পতিঃ। ইতি ভূরিপুযোগঃ।।

দ্বাদশাশ্যঃ পু॰ বুদ্ধঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ।।

बाम्माञ्चनः भू॰ विज्ञाः। इज्यादः॥ बाम्माञ्ज्ञी भू॰ मूर्यः॥ वर्कवृकः। ইত্যমর: ॥

हामगायुः शृ अङ्गद्धः। ইতি भर-भावा !!

দ্বাদশার্চিঃ পু• বৃহস্পতিঃ। ইড়ি হেন্ডসুঃ॥

দ্বাদশাক্ষঃ পু• কার্ত্তিকেয়ঃ।। বু**দ্ধঃ।** ইতি হেনচন্দুঃ।।

हानमाकत्रमञ्चः श्रू॰ हानमवर्गञ्चक विक्षु विषयक सञ्च विल्मयः। रथा। नत्मा जगवत्ज वामुत्तवादगक्षात शूर्वकः। भद्दागञ्च मिमः श्रुष्ट छत्व-का हानमाकतः॥ देखि भाषा कियारगणमातः॥

बाम्भी की जिथिवित्मवः। मा हम्पुम्य बाम्भा का किया कथा। माठ विकृ जिथः। यथा। जिल्लांकः गामिनी एवी वन्नी एउस मना श्रिया। बाम्भी ठ जिथि एउस कामकशी ठ कायज।। य्ञामता जत्यस्स बा-म्माः ज्थानता जत्यस्स बा-म्माः ज्थानता ज्यास्स बा-प्रामा क्षी वा वित्मवजः ।। क्षा मार्गमीवीं या मूझ बारे की मथ्मा मार्गमीवीं या मूझ बारे की मथ्मा मार्गमीवीं या मूझ बारे की मश्मा मार्गमीवीं वा क्षा बारे की मी मार्ग विवार्षा की का सुवी न्माः रुषा मार्ग है हिंदी वामनदान-

नी द रेवमाथी कानम्युषामभी ७ জৈঙী রাম্বান্দী ৭ আবাটী কৃষ্ণ-बारमी ৮ भागी वृक्कारमी २ ्ञाषी कविषापनी २०जाविनी भगः-ने ज्हामभी ३२ कार्डिकी नातायण हाहभी ३२। এতাসा॰ नाम ध्रनी বুত । এত করণে নহাফন । ইতি वज्ञारभूजात ॥ 🗱 ॥ व्यथ भिभी-**७क दाम्भी । नात्रमीव्य । देवनात्थ** ुक्रभक्ष ज् **बारमी तिक्**वी जिथिः ৷ তস্য শীতল তোমেন শ্লাগয়েৎ কেশব শুচিঃ। ইবং পিপীতক দা-मभी ।। অञ । यही मामञा कर्डवता मंखनी नाईभी गुजा। পजस्मालाम-নাযেহ ষষ্ট্ৰানাহ্ ৰূপোষণ ।।একা-मन्त्रा॰ शुक्रदे छि उनियान-मनीविनः। উপাসনাय बाल्म्य १ वित्यः। यह दियः তথা।। ইতি ভবিষ্যপুরাণেন একা-म्मूरभवामान्डद्गः बाम्मतः विक्शाः সনাযা উক্তত্বাৎ। অত্রাপি তথা ব্যব रत्र श्री जिना व यूग्प्राम्तः। हामनी कर्य তুপুৰালনিত্তৰ্য্য বিনাপি প্জেতি। र्वेष भू ब्राया का यहायूका मध्यी ॥ व्यावाद्यानि बानभीयू भ्यनानिक॰ । अ। विष्युरेग दान्भी। मा छापू मूझ াদুশ্যাদ্দেব সম্ভবতি। ভবিষ্যো

ন্তরে। দাদশী শুবণোপেতা সর্বপাপ হরা তিথিঃ। বুধবার সমাযুক্তা ততঃ শত গুণা ভবেৎ ৷৷ তামুপোষ্য সমা-भाि **बार्य बार्यी कवः।** উভয দিনে তল্লাভে তুএকাদশী যুতৈবগুাছা । द्यारमीठ शुकर्खवत वकारमात्रीका বিভো। সং। কার্য্যা চ বিশ্বন্ডি বিঁকু ভক্তিক মানবৈঃ॥ ইতি ক্ষান্দাৎ॥ यनाञ्चकाममात्रास्य भुवना उमा जामू-পবসেৎ। তথাচ নারদঃ। যাঃকাन্চি-ত্তিথযঃপ্রোক্তাঃ পুণ্যা নক্ষত্র যোগ**তঃ** । তাম্বেব তদ্ভুত• স্বর্য্যাৎ, শুবণ দাদ-শী বিনা ৷৷ ভবিষ্যোত্তরেপি ৷ একা-দশী যদাতু স্যাৎ শুবণেন সমন্বিতা। বিষয়া সা তদা প্রোক্তা ভক্তানা বি-জ্ব পুদা ॥ তিথি নক্ষত্ৰ সংযোগে উপবাসো যদা ভবে**ে।** তাবদেব ন ভোক্তব্য বাবনৈকস্য সংক্ষ্য:।। বিশেষেণ মহীপাল শুবণ বৰ্দ্ধতে यित । जिथि क्रायंग (जाक्या) दान भी रेनव वहारय ।। তিথि क्रायन একাদশী তিথিক্ষযেণ ভোক্তব্যং দ্বা-দ**শ**্যা• পারযেদিত্যর্থঃ। অত্র হেতু ৰ্ছাদশী মিত্যাদি।যদা বেঁকাদশুপে-वात्रम्तिन भुवंश नास्त्रि शत मित्न म्राप्त-শ্যা শ্বণ তদোপবাস দ্বমাই বুন্ধ रिवर्कः। अकामभी मूरभारेवाव साम-भी ममुलाययः। न ठाव विधिला-পঃস্যাদুভযো দেবতা হরি:।। অত্র व्यममाश्च वृद्ध भूदि निव वर्षापुण-স্তর মিতিষ্তে:।। পারণস্যাকরণেন भूर्त्वाभवामाममा खावू भवामा ब्राह्म বিধি লোপো ন ভবেদিত্যৰ্থঃ হেতু माह উভযোরিত্যাদি। উভযো ক भवामामामर्था जू भुवनहामरमाऽ-বোপোষ্যা। তথাচ স্তিঃ। বরমে-कारमी : जुका बारमी : नमूरभावतर । প्रबीभवामकः भूगाः मर्बः भू।-भाजामभाष ॥ दिलाया हामभी॰ পুণ্যা॰ বিষ্ণুশক্ষেণ সংযুতা । একা-म्मूरखद॰ भूगर॰ नद्गः भार्याकः म॰-भयः॥ द्वारम् अवामः काम् १३। उपाठ भार्क्र श्रुवान । द्वाम्म्य गूलवा-त्मन मुक्तात्रा नृश नईमः। ठकदर्ख ৰ মত্তল সংপ্ৰাণোত্যতুলা শূৰণ !! ॥ 🛊 ॥ कार्खिक भूक्ष पानमी मन्डता। তথাচ ভবিষ্য নৎস্যযোঃ। অশ্বযুক্ मुद्ग नवनी बाम्मी कार्जिनी उथा। ইত্যাদি বচনাৎ। ইতি তিখিতত্ব• ।। #।। अगुरायन मूद्र बाममी अथ ७ बामभी। তত্তোপোষ্য विकु भम शुारि कात्मार्थअबाम्नाः विकुः भूक्वियिऽ

ইতি সংকল্প পঞ্চগব্যেন লাপযিত্বা বথা শব্ভুগেচারেণসংপ্রা যব ব্রীহি भूर्नभावः गृशिषा। ७ मधबबाम् य८ কিঞ্চিম্মথা १খগুবুত কৃত। ভগব্ खु८ भुमारान जम्थे भिरास दिशी यथा २४७ जग८ मई । इत्मव श्रेक-বোভ্য। ততো প্থিলান্যখণ্ডানি वुञानि मम मस्र वि ॥ इंजि शुर्थिऽ দক্ষিণা॰ দদ্যাৎ। ইতি কৃত্যচন্দ্রিকা ॥ 🗱 ॥ रेजिमी शत्र द्वारमा १० वर्षिन চরণ । যথা বিফুখর্মোভরে । মৃগ-শীর্ষে শশধরে নাঘেমাসি পুজাপতে ৷ একাদশ্যা সিতেপক্ষে সোপবা-(मा जिटिन्द्रियः।। हाममातः वर्छि-नाहातः क्या भाभार भुमूहारा । जिनदारी जिलाइडी जिलाइसी তিলোদকী॥ তিলস্য দাতাভোক্তা **চ य** एं जिल्ली नावनी पि ।। नक्लू यर् তিলী ভূষা সর্ব পাপৈঃ পুমুচ্যতে॥ वि•**म**वर्ष जरुजानि वर्गलाक नही-यछ ॥ 🗱 ॥ व्यथ गाविन हामभी । कालुत मूक्र शक्तार श्वारम् यि । शाविन बानभी नाम भाउक नामिनी ॥ **ज्या गङ्**।यार् शयर्नुतागीस मुद्ध । महाशाउक সংজ্ঞানি থানি পাপানি সন্তি মে ।

षाशतः शृ· मत्मरः॥ यूगवित्मयः। ইত্যার: ॥ তদুগপরিদাণ যথা। অঙ্ঠো শত সহস্থাণি বর্ষাণা নারু-यानिञ्। हजुः यि अरुमानि वर्गानाः দাপর যুগ ॥ ৮৬৪০০০॥ উস্ত श्रामा यथा। यञ डेखुं श्रीकारानि ছাপরস্য বিধি পুনঃ। তত্র ত্রেতা-যুগে দীণে দ্বাপর। পুতিপদ্যতে ॥ ঘাণরাশে পুজানান্ত সিদ্ধি জ্বেতা-যুগে তু যাপেরিবৃত্তে যুপে তমিং শুতঃ সা বিপুণশ্যতি॥ ততঃপুৰহঁতে ভা-সাং প্রানাং দ্বাপরে পুনঃ। লৈতো ভ্তিবিণিশ্যু**षाः** ত द्वानामविनि•ठयः॥ পুরুত্স তৈচব বর্ণানাও কর্মণাঞ্চ বিপ-र्यन्ति यद्भ वशः भरमा भरका मारना मर्भः कमावलना उथातक खरमा ज्यः भुव्रिक्षाभाव भूमः। जारमा क्रि ্দৰশো ২ডি সহেতায়া পুৰ্বৰ্তিতঃ।।

দাপরে ব্যাসলো ভূষা পুণশ্যতি कत्नी शूनः । वर्गानाः बालात शुः मः म कीयां उथा नुमाः ॥ दिवस मूर-পদ্যতে চৈব যুগে তন্মিন্ প্ৰতৌ মৃতৌ ॥ विधा गु.जिः मृजि निक्य निकर्य। नाधिनगुर्छ ।। अनिकर्याधिनम-नाष्ट्र अञ्चन विष्ठाउ। धर्म अञ्च श-বিজ্ঞাতে মতি ভেদন্ত জাযতে।। পরমুর বিভিমে তৈ দৃ স্টানা বিভুনে-ণ জু। ততো দৃষ্টি বিভিন্নৈ স্তৈঃ কৃত॰ भाजाञ्चल दिमः॥ এक विमः हि वि ব্যাসঃসংহত্যত্ত পুনঃপুনঃ। সংক্র-शारागुयरिकव म्माऽछ हाभातिविह। বেন্ট্ৰেচক কতুৰ্বাতু ব্যস্যতে দ্বাপ-রাদিবু ।। খাবি পুত্রিঃ পুন র্ভেদান্ডি-म्याखान् विज्ञान विन्तुरिमः यत् क्य विश्वस्तियः ॥ मः হিতা ঝাদ্ধ সামাণ সহিতা তৈঃ **तुः वर्षिः । मामान्यादिक्**ठादिव मृष्टि छिरेमः कृष्टि कृष्टि ॥ तु भन कन्न म्बानि ভाষ্য विन्ता खरेशव ह। অনে চতুপুছিতা স্তে বৈকেচিন্ন প্ৰত্য-বহি তাঃ॥ দাপরেষু পুবর্জন্তে ভিনা-रिशे टिखः मूमर्न देनः। अवसाध्यंप्रवः शूर्व मानी रेष्व्यः उठः भूनः॥ नामान् বিশরীভার্থিঃ কৃত শাদ্রাঙ্গল ব্দেণ

१ चार्यम्यत्वा शृक्ति वंश्वा वराब-जीकृत्य ।। তথৈবাথৰ্বণা সামাণ বি करेन्नः चम् मःकरियः । व्याक्ता দ্বাপরেম্বর্খঃ ক্রিয়তে ভিন্ন দর্শ নৈঃ।। ৰাপরে সন্নিবৃস্তা তে বেদা নশ্যন্তি दि करमा । তেষा॰ दिशर्यप्रयादशमा खविष्ठ **वाश्रत्र भूनः॥ अ**वृश्चिमद्रशेष्ठव ज्येवव ब्राशूश्रम्वाः । वाद्यनः कर्यः **जि पूरिस निर्दित। कायर** जाउः 11 নির্বেদাক্তাযতে তেখা দুঃখ নাক विठात्रना । विठात्रनायाः रेवतान्। दिवागप्राप्ताय मर्भन ॥ हायाना मर्भनोहिव खातार शिखक कायर । তেया भाविना भूव भारत का যমুবে হস্তরে। উৎ পদ্যন্তীহ শাদ্রা-गाः बागाः भित्रभिष्ट्नः ॥ जागुर्यप বিকন্নাশ্চ অস্থানা জ্যোতিষ্ক্য চ । অর্থশান্ত বিৰুল্লাশ্চ হেতু শান্ত বিকল্পন ৷৷ পুক্রিয়া কল্পসূত্রাণাণ ভা ষ্যবিদ্যা বিৰুল্লন•। স্থৃতি **শান্ত পু**-जिमान शृक्तानि श्वक् श्रक्।। ছাপরেম্বভিবর্ভন্তে মতি ভেদা তথা न्गा । मनमा कर्मना वाहा कृह्यमार्खा পুসিখ্যতি ॥ স্বাপরঃ সর্ব ভূতানা। কায ক্লেশ পুরস্তঃ। লোভো ভৃতি र्विण्यू क क्षाना मविनिष्ठयः॥ विम

भाक्ष भुगयन वर्षाणा महत्र उथा।
वर्णानुम भित्रधु मः काम एवर्षा
जरेशव हा। भृण्यं वर्ष महत्यु एव भद्रमायु उपा नृगाः। निः स्मार्य हाभाद्र
छिमान उम्र मक्ता ज्ञापकः॥
स्पर्शनाः जिश्वे वर्षम् प्रवाभित्रम्
जू। जरेशव मक्ता भाषान जः म उम्र भुजिश्विः॥ देखि मध्यम्
भूताण २० व्यक्तायः॥

भातः त्री निर्गमनः ॥ अङ्ग्रायः ।

हैि मिनि ॥ जान्या भर्यायः ।

भाः २ भुजीहातः ० । हेळ्यातः ॥

यात्रकः ८ । हेळ्णमत्रज्ञावनी ॥ ॥॥

गृहिनाः भूजनः न्नातः भागात्रमः

गृहमाः म्जनः नातः भागात्रमः

गृहमाः मूजनः नातः भागात्रमः

गृहमाः । न मधः मान कर्ववः

विक्षम् नाधिकः भूजः । हेळि तुक्षः

विवर्षः श्रीकृष्णः स्थाः ॥

ৰারকঃ পু- দ্বারকা। ইতি শব্রহ্না-বলী।

দারকণ্টকঃ পু॰ কবাট• । ইতি শদ-রত্নাবলী ॥

कात्रका जी मनानश्राउभूती। उट भर्यप्रायः। बात्रावजी २ बात्रव्जी ३ वनमानिनी ३ बात्रिका ६ अक्तिनगेत्री ५ बात्रकः १। इंडि भन्त्र द्वावनी ॥ छम्रा निर्माण श्रुकार्ता यथा। श्रिक्क

উবাচ।হে সমু দুমহাভাগ ছবঞ্পত যোজন । দেহি মে নগরার্থঞ্চ পশ্চা-माम्यानि निन्छि छ।। नगतः अस र কারো ত্রিযুলোকেষু দুর্লভণ রমণীযঞ্চ गर्दियाः कगनीयक यायिजाः ॥ वा ক্তিঞাপি ভক্তানা বৈষ্ঠ সদৃশ পর • ৷ সর্বেষাম পি স্গানা • পর • পর -मजीक्मिष्ठ-१। पिता निमः थगामुक्ष म মিধৌ বিশ্বকর্মণঃ। স্থিতি স্ক্ মহা-ভাগযাবনিশাতি দ্বারকাণ বিশ্বকার ৰুবাচ। দ্বারকাঞ্চ কিমাকারা কলো-মি জগতা বিভো ৷ কথ্যস্ব মহাভাগ निर्माण कम नी यत्र ॥ छगवानुवाह। শতযোজন পর্য্যন্ত নগর সুমনোহর । अन्प्रजारेण मंज्ञकरेज जिन्मुनीरेण ज-नुखरमः॥ कठरेकः भावि छर्दुक भा-वरिकम्ब मामस्रोकः। गन्नरेक गावितम रिक्व हम्द्रकाञ्जामि छथा। সূर्यका-ম্বাদিভিশ্চিব পুরেশ্চ মটিকাকৃতৈঃ ৷৷ হরিছপৈশ্চ মণিভিঃ স্যামৈ গৌর বুৰৈন্চ বৈ।গোরোচনাভৈঃ পীতৈন্চ माफिय वीज नशरैकः 11 शद्मवीज निरेजिटक व नीरेंगः कमन वर्ग दिः। মণিভিঃ কদ্ধলাকারৈ কৃষ্ণুলৈশ্য প ্রিষ্টেডীয় শেত চম্পক বর্ণাতৈ গুপ্ত-কাঞ্চন সমিতিঃ। স্বৰ্ণ মূল্য শত হগৈ

त्रीवजुरेकक कर्मरेकः ॥ गाहिरिक्रक वितिष्ठ निरम्पिक भृषि उः विथा विकान यामागा ग्या यम् मी क्रिंड । মণানা হরণীকের যক্ষ সংবাহিনা-नगाए। निकानिन कत्रियां सिक वियान भूर्वकः ॥ यकिक मधि र्ल-কৈঃ সবের প্রেরিতৈ রপি। বেতাল विकः अन्याक विकः नदत्र ह्या-ब्रिटेंड: ११ मानदेव वू क्रतरकाखिः लेन-न कन्। निर्याकिछिः। असं पिक्ष পত্নীনা সহসাুণাঞ্চ বোড়শ (অন্য পত্নী জনস্যাপি চীঠাৰিক শতস্য চ ।। শিবির• পরিখা যুক্ত মুদ্রৈ: প্রাকার বেষ্টিত । যুক্ত দাদশ সারক সি॰ হ দার পুরস্কৃত ।। যুক্ত চিত্রৈ বিচিত্র-क क्विरेमक कवाइरिकः। निविष বৃক্ষ রহিত পুসিদ্ধৈত পুরস্কৃত।।। मूनकन रम्द्रिय श्रामनक उरेश्वर । यम्नाभाभुभ पिवा कि का ना ना निष् वठ ॥ नर्बभुनिकः निवय मुगुरनमन् ज्ज्ञः । जानुमः **मर्व**ाज्यः वमू-(मयम्) गए भिजुः ॥ कथिछः लाक णिकार्थः क्य कार्रः विना भूती। मू-छक्षामा भूमा गह बट्म यथा जूच॰ ।। বিশ্বকর্মা হরি । মন্ত্রা জগামপ কিণা गर्। गम् पुत्र) सभीशक विभूषा में

নোহরণাসুস্থাপ তত্র নক্তঞ্চ কাৰ্শ্চ शिक्षणा मरु । बद्ध बाह्रव छी द्रम्या मम्भ भ्रक्ष उथा।। यटकिक्टिक ্**থিত** কাৰুঃ কৃষ্ণেন প্ৰৱন্ধান্ত্ৰনা · उत्तव वक्ता॰ गर्ब॰ नक्ष्मानगात ज्ञूत াকাৰু হসন্তি ৰণ্নেচসৰ্বেতেশিল্প काबिनः। गक्ष गक्षाकानात्रवन वञ्चण भिक्ति ।। युक्ता एमर्भ गरूए। বিশক্ষা চ লক্ষিতঃ৷ অতীর দার-কা॰ ন্নম্যা॰ শত বোজন বিস্তৃতা ।।। ্ বুক্ষাদীনাঞ্চ নগর•বিজিত্য চ বিরা-জিতা । তেজসা ছাদিতা সূর্ব্যুণ त्रज्ञानाक **প**तिष्ठ्ञा ॥ वानुत्रव উবাচ। পৈতৃকী তীর্থতুল্যা সা কি তীর্থ• দারকাপর•!৷ সর্বতীর্থ পরা-**শে**ष्ठा बादका वर् भूगाता । यमाः পুবেশ মাত্রেণ নরাণাণ জন্মখণ্ডনণ ॥ मानक बातकायाक नाषक पर भ्रात-। हजूर्सनक जीयानाः गना-**मीनाक्ष ज्यिश ॥ इंजि तुक्षरिवर्र्**ख किकरम्बद्धः॥

দারকেশঃ পু॰ প্রিক্ষঃ। ইতি শদ-রহাবলী।।

ৰারদাতুঃ পু॰ বরদাতুঃ। ভূদীসহ বৃক্ষঃ। ইতি ভাবপুকাশঃ।।

कातकानः विकासम्बन्धः। पत्रवान्

विकासमा कावा। उट शर्यायः।
शुकीकातः २ काःष्टः ० वाः क्रिकः ।
पर्मानः ६। इन्जातः ॥ त्ववधातकः
५ व्याःमाधिकः १ वर्जककः ५ गर्वाहः
२ प्रथानी २०। इनि विकाशः
त्वानः ॥ वात्रकः २२ कन्ता २२ वात्रः
शानकः २० त्त्रीवातिक १८ त्वी
२६ उट मात्रकः २५ तृत्वी २१। इनि
दम्मानुः ॥ व्यमा विवत्र १० त्त्रीवाः
तिक भाष वृद्धवाः ॥

ष्वात्रभागकः शृ॰ हात्रभागः। इंडि नेमतुङ्गावनी ॥

দারপিণ্ডী স্ত্রী দেহলী। ইতিজটাধর।। দার্বস্ত্র• শ্লী তালক । তালা ইতি সলুপ ইতিচ ভাষা। ইতি হেন-চন্দুঃ॥

দারবতী দ্রী দারকা। ইতি ত্রিকা গু-শেষঃ।।

षात्रविष्ट्रक् श्रु वकः। ইতি ত্রিকা-ওপোষः॥

॥ ৰার্ছঃ পু॰ দারপালঃ। ইতি ছেম-চন্দুঃ।।

ছারাবতী জ্রী দ্বারকা চইতি হেমচল্টুঃ। অযোধ্যা মথুরা নাযা কাশী
কাঞ্চী অবন্ধিনা। প্রী ধারাবতী
চৈব সভৈতা মোক্ষ দায়িকাঃ ।

ক্তান্তপৃথিবী মধ্যে নগণ্যন্ত কদাচন। পুরী দারাবতী বিক্ষোঃ পাঞ্চ
জন্যোপরি ছিতা।। মুক্তিদা এতাঃ
সর্বাণ্চ একত্র গণিতাঃ সুরৈঃ। যানি
যানিচ ক্ষেত্রাণি কাশীপ্রাপ্তি করাপি ষট্।। ইতি ভূতশুদ্ধি তম্রণ।।
কিকঃ প্রান্তি ভূতশুদ্ধি তম্বান

ছারিকঃ পু॰ ছারপালঃ। ইত্যার টীকা সারসুন্দরী।।

षातिका जी बातकाशूती। इंडि भद्रत्वावनी॥

ৰারী তি দারপালঃ। ইতি শদরত্না-বলী।।

দাবি॰শতিঃ দ্রী দ্যবিকবি॰শতিঃ। বাইশইতিভাষা।ইতিব্যাকরণং॥

দাসগুতিঃ জ্ঞী দিসগুতিঃ। যথা। দাস-গুতিশ্চৰন্ধ্যায়ামিতিক্ল্যোতিস্তন্ধ্যা

षाञ्चः পূ॰ দারপাল:। ইত্যমর টাকা-যাণভরতঃ॥

ৰাহিতঃ পু॰ দারপালঃ। ইত্যমর টীকাযা ভরতঃ॥

ছান্থিতদর্শকঃ পু॰ দৌবারিকঃ। ইত্য-মরটা কাঘা•ভরতঃ।।

ছি: ব্য দৌবারৌ।ইতি সূচ্ প্রত্যেন সাধ্য । দ্বি শব্দস্য পুশন রূপণ দৌ। ব্রিষাণ শ্লীবেচ দে। তদ্বাচকানি यथा। शकः) निक्ल र अभिकान ता व ताम शृक्षः ८ हकः ७ छनः १। इं कि कि कि स्वा । सर् हतो यथा। इन्त्रामी) नात्र मर्श्व छो २ असिनी अमारतो व जार्गा मर्जी ८ असिनी अमारतो व जार्गा मर्जी ८ । इं कि मरा जात्र जिल्ले ।। कि कि स्वा । यथा। अमी कि जान गृही यामा माद्वा क्ष्त्र स्व स्व । यथा। अमी कि जान गृही यामा माद्वा क्ष्र सिकः मंजार । कि कि मंज व ।। कि कि स्व ।। हे कि जा कि ।। कि कि श्रु कि कि ।। कि कि श्रु कि कि ।। कि कि कि ।। कि ।। कि कि ।। कि कि ।। कि ।। कि ।। कि ।। कि कि ।। क

দ্বিককারঃ পু॰ কাকঃ। ইতি শদ্রত্না-বলী।।

দ্বিক্ত পূ উট্টঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।।

দ্বিভঃ পু বট্ সমাসান্তর্গত সমাস

বিশেষঃ। সতু সংখ্যা পূর্ব পদানা

সমাসঃ।বোপদেবেনাস্যগ সংজ্ঞা
কৃতা। সচ ত্রিবিধঃ। তদ্বিতার্থঃ ১

সমাহারঃ ২ উত্তর্গদপরক্ত ১।

তদ্বিতার্খোপি দ্বিবিধঃ। তদ্বিত
পুত্যথ মাত্রস্য অক্রাদে ইসাদের্বা
অর্থে বিষয়ে ইত্যেকঃ। অপত্যার্থ

ক্যাদিক ত্যক্তা অক্রাদে স্ক্রার্থে বাচ্যে ইত্যপরঃ। তদ্বিতার্থ

বিষয়ে যথা। দ্বো র্যক্তো রপত্য ॥ विगाजुतः। शकानाः नाशिजाना নপত্য• পাঞ্চনাপিতিঃ॥ তদ্বিতা-র্থ বাচ্যে যথা ৷ পঞ্চতি পোভিঃ ক্রীতঃ পঞ্চন্ডঃ।। সনাহারো যথা। এরাণা স্থানা স্মাহারঃ ত্রিস খ । সমাহারে অদন্তানা জীব। পাতাদেন্ড ক্লীবত্ব•া৷ উত্তর পদ প রো यथा। शक्षगाया धनः यमु म পঞ্গবধন ইত্যাদি। ইতি নুধা-वाध ठीकायाः मूर्गामायः ॥ -ভ্যা**॰ যাতঃ**। ইতি দীলাবতী II দ্বিগুণাকৃত॰ ত্রি বারদ্বয় বৃষ্ট ক্ষেত্র•। দোচসা ভূঁই ইতি ভাষা। ইত্যমরঃ षिङः शुः मःकृত्युक्तिनः। यथा। जन्मना ব্রাহ্ণণেজ্বেং সংক্ষারে র্ছিজ উচ্য তোইতি মৃতিঃ॥ ক্ষবিयः॥ বৈশ্যঃ। ইতি নেদিনী ॥ দস্তঃ ॥ অওজঃ। স পুক্ষি সর্প মৎস্যাদিরাইত্যনরঃ॥ जुषुक्वृक्यः । ইতি রাজনির্ঘণীঃ ॥ দ্বিজাতে ত্রি॥

দ্বিজন্পতাল পু॰ শ্লেমান্তক বৃক্ষঃ। ইতি রাজনির্ঘন্টঃ শব্দালা চ।। দ্বিজদাসঃ প॰ শূদুঃ। ইতি রাজ

নিৰ্যণ্টঃ॥ দ্বিজানা দাসে ত্ৰি॥ विक्यों शु॰ वाक्रमाः ॥ पछः॥ शक्री। इंजि मदत्रञ्जावनी ॥ कवियः ॥ বৈশ্যক।। দ্বিবার জন্ম যুক্তে ত্রি।। দ্বিজপতিঃ পু• চন্দুঃ। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ ॥

ष्ट्रिक भूभा खी जानवान । उৎ भर्गा-यः। जल्ल॰ २ विद्ध॰ ७ তল• ८। ইতি ত্রিকাপ্তশেষঃ ।।

দ্বিজপ্রিয়া স্ত্রী সোমলতা। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥ দ্বিজস্য প্রিয়বন্তনি ত্রি षिछन॰ ত্রি দ্বাভনি॰ পূরণ॰। অকদনা- । দ্বিজরাজঃ পু॰ চলুঃ।। কপ্রঃ। ইত্য-নরঃ ॥ অনভঃ ॥ গৰুডঃ । ইতি विहिनी।।

> দ্বিজলিনী পু॰ ক্ষতিয়ঃ। ইতি ত্রিকা-ঙ্শেষঃ।। ব্রাহ্মণবেশধারিণি তি।। षिक्रवमूः श्रु ज्याञ्चनः। म छा दिन्य-क्छा पिः। यथा। खी मृ मु विकवक्ना॰ ত্রথী ন শু, তিগোচরা। ইতি মৃতিঃ।। षिज्युः श्रु मञ्जायू मः। ইতি রাজ-निर्घण्डः ॥

> দ্বিজবুবঃ পু॰ ব্রাহ্মণবুরঃ। সচ জাতি সাত্রোপদীবী ব্রাহ্মণঃ। ইতি হেম-ठन्दुः ॥ यथा । **সম मनु**ष्ट्रस्य मानः দ্বিভণ ব্ৰাহ্মণবুবে। অধীতে শত

সাহসু মনস্ত বেদপারগে ॥ ইতি ্স্তিঃ॥

দ্বিজসপ্তঃ পুং রাজনাষঃ। বরবটী ইতি ভাষা। ইতি শদ্চন্দ্রিকা।।

खिकारमवनः श्रू मृदुः। ইতি मदतज्ञावनी ॥ जिवर्गरमवा कर्जत जि॥
खिका क्षी तत्र का नाम मक्षप्र प्राप्टे क्र मतः॥ जानी । ইতি मिदनी ॥
भावकी। ইতি मदन्त्र का ॥

ধিজান্ধী স্ত্রী কটুকা। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।। ধিজাতিঃ পু॰ ব্রাম্মণঃ। ইত্যনরঃ।।

श्वकारिक मूर्ण दुर्गियाका २००४ महता श्वकः। ইতি মেদিনী ।। क्षविः।। रेत्रिकः। यथा। मृमु दिकाञ्चि-र्काला न जूम ज्ञान्यर्गि। ইতি श्रृिकः।।

षिकायनी खीँ यरकाशवीउ । इंडि भदत्रज्ञावनी॥

षिजानयः श्रृ॰ (कार्षेत्रः । ইতি. मदहिन्तुका॥ बिजानाः गृहकः ॥
पिजिञ्चः वि मर्भः॥ मृहकः । ইত্য
नतः॥ थनः। ইতি मिदते ॥ हिन्दे ।
। पूःमाध्यः। ইতি मदत्र ज्ञावनी॥
पिजाने श्रृ॰ वृष्ति । ইতি हनाः
यूषः॥

দিট্ পু॰ শত্রু: । ইত্যনর: ।। দেইরি ত্রি
দিঠঃ পু॰ বহিজাযা। স্বাহা ।। বিসর্গঃ
।ইতিকেৎকারীযতক্রণ। ঠকারদ্বয়ণ
দিত্য॰ ক্লী দ্বয়ণ। ইতি হেমচন্দুঃ ।।
দিতীয়ণ ত্রি দ্যোঃপূরণণ। দ্বয়ণ। ইতি
হেমচন্দুঃ ।।

দিতীয়ঃ পু• পুগ্রঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ।।

विञीया श्री श्रिक्मी। ভार्यता । ইত্য মরঃ ।। তিথিবিশেষঃ । সা চন্দুস্য বিতীয কলা ক্রিয়া ৰূপা। শুরুপক্ষে ২ কৃষ্পক্ষে ১৭ এতদফ বোধিতা। ইতি জ্যোতিষ•॥ 🕸 ॥ সাচ অ-বিনীজনারবো র্জনতিথিঃ। যথা। বুন্দোবাচ৷ ৰূপ• কান্তি রনৌপম্য• ভিষক্ত্ব॰ সর্ববন্তু । সোমপত্তঞ্চ লোকেষু সৰ্বনেতভবিষ্যতি॥ ম-**হাতপা** উবাচ। এত**্ৰ সৰ্ব•** দ্বিতী-যাযা মশ্বিভ্যা॰ বুন্ধণা পুরা । দত্ত वयाख्य एकाः जिथीना गुरुमा তিথিঃ॥ এতস্যাণ ৰূপ্যকামস্ত পু-ষ্লাহারে**। ভবেষর: । স**ণ্র**্সর**ণ শুচি নিত্য সুখৰপী ভবেনন্ন: ॥ ব্দখিভ্যা• যে গুণাঃ প্রোক্তা ন্তে ত-স্যাপি ভবস্কিচ। ইতি বরাহপুরাণ ।। 🗱।। অত্ৰ জাতফল•। নিথিল গুণ

गजीता मानमीत्वा मसामुः सवन अमूम हन्मुः ब्रह्हित्छ। २ जिम्द्रः। निक ভুজ বল গৰাছাদিতারাতি বর্গো ভবতি বিপুল কীর্ভির্যো দিতীয়া পু-সূতঃ ॥ ইতি কোষ্ঠাপুদীপঃ॥ 🛊 ॥ অথ রথ দ্বিতীযা। স্কন্দ পুরাণে। আষাচস্য সিতে পক্ষে দ্বিতীয়া পুষ্য সংযুতা। তস্যা রথে সমারোপ্য॥ द्रामः नाः ভদুষা সহ।। याखार जवः भुव्जाथ श्रीनरयह षिकान् वर्न्। শক্ষাভাবে তিথৌ কার্য্যা সদা সা श्रीजरवम्य।। मायाजा। मा बनमाथ • ।। 🗱 ।। অथ मनात्रथ विजीया। मा শাবণ শুক্ল দ্বিতীয়া।মনোরথ দ্বিতীয়া मा किया वामूलवाईन । ताबी व्लमु। मर्यर्श्य नक्क जाजनामिक । यथा বিষ্ণুধর্মোত্তরে। দেব মভ্যর্চ্য পুরিস্ক शून भीनानुत्नन्तिः । उन्नह्जन वारवान्सा मंग्रामर्घाः मनाहिजः॥ নক্ত ভুঞ্জীত চ নরো যাবভিষ্ঠতি চন্দ্ৰাঃ। মান্ত গতে ব ভূঞ্জীত বুত छक् । इसे १००० जुर् षिতीय। লিঙ্গপুরাণে। কার্ত্তিক তু विञीयायाः मुझायाः जुाञ् भूद्रनः। या न वर्ग्राविनमाहि जाउतः मध ৰুমনি ।। তদ্যা ইতি শেবঃ।। মহা-

ভারতে। কর্তিকে শুদ্রপক্ষে তু দিতী-वायाः यूथिष्ठित । यस्म। यमूनया भूई। ভোজিতঃ य गृहर स्य॰॥ उम्रा॰ नि-জ গৃহে পার্থ ন ভোক্তব্য মতো বুধৈঃ । যত্নেন ভগিনী হস্তান্ডোক্তব্য পুষ্টি वर्षन ।। मानानि ह शुप्तयानि छनि-নীভ্যো বিশেষতঃ। তথা। যুদ্ধ विज्ञास्य यमम् जा॰ म भूकाय । অর্ব্যকাত্র পুন্তিব্যো য্নায় সহজ षरियः॥ मरक षरिय र्जिभी जाञ्जिः॥ অর্ঘ্য মত্রঃ। ওঁএছে হি মার্ভওর পাশ-হস্ত যনান্তকালোক ধ্রামরে**শ।** ভ্রাতৃ দ্বিতীয়া কৃতদেব পূজা গৃহাণ চার্য্য ভগবন্ধন एए।। शुनान नचः। ७ धर्मा वाब नगरुजा नग एउ रमूनायुक्त । भाहि मा॰ कि हरितः मार्काः मूर्य भूव नमाञ्च उ।। यगूनाक नःभृष्य नगः कूर्यता । उँयम सम नेमाउँ यमुत লোক প্ৰিতে। বরদাভবনে নিত্যু **जूर्य) भू** थि नामाञ्च ७ ॥ यश पदा পঠতি। ভাত স্বানুজাতাহ ভুড্গা ভক্ত মিদ•শুভ•াপ্রীত্যেয্নরাজস্য যমুনায়া বিশেষতঃ৷জ্যেষ্ঠা তবাগুৱা-তাই মিতি বদে । তথা যম দ্বিতী-यायाः बाकायाः भवनः जत्र ।। 🕸 ॥ ্অনধ্যায় দ্বিতীয়া য়থা ৷প্লেকোচৈ চা

দ্বিধাতু

বিতীবাতাঃপুতপকে গতে তুথা।
বাচ কোজাগরে জাতে চৈত্রাবল্যাঃ
পরেপি য়া। চাতুর্নাস্যে সমাপ্তে চ
বিতীয়া বা ভবেত্তিথিঃ। পরাস্বেতা
বনধ্যয়েঃ পুরাশৈঃ পরিকীর্তিঃ।।
তি তিথিতবং ।। পক্ষযো মাষ

ত তিথিত বৃং ।। পক্ষাযো মাষ মাসস্য দ্বিতীয়া পরিবর্জ্বথে । ইতি বিষ্ণুপুরাণ ।।

দ্বিতীয়াকৃত॰ ত্রি বারদ্বযক্ষ্টকেতে । দোচসা ভূঁই ইতিভাষা।ইত্যনরঃ দ্বিতীয়াভা দ্রী দাক্ষ্রিদা।ইতি শ্বচন্দ্রনা।

দ্বিত্রাঃ ত্রি দ্বৌবা ত্রোবা ইমে ইতিসং
ক্ষিণ্ড সারঃ!!নিত্যবহু বচনান্ডোংফ
দ্বিদন্ ত্রি দন্তদ্বযুক্ত বৃষাদিঃ।ইতি
হেনচন্টুঃ !!

षिनाती जी तंब्बूबययुक्तालीः । इंडि गुक्षताथ वताकत्वनः ॥

দ্বিদেহঃ পু॰ গণেশঃ। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ।।

দ্বিধা ব্য হিপুকারণ ইতি নুষ্ধবোষণা। দ্বিধাগতিঃ পু॰ সম্ভীরঃ। ইতি হেন-চন্দুঃ॥ দ্বিপুকার গতিযুক্ত তি ॥ দ্বিধাতৃঃ পু॰ গণেশঃ। ইতি শদরত্বা-বদী ॥ ধাতুষ্বেক্তী ॥ विशाद

দিবাত্মক প্লী জাতীকোৰ । ইতি শহচন্দ্রকা॥

দিখানে খ্যঃ পৃ• হিস্তালবৃক্ষ:। ইতি রাজনির্ঘণটগ্লাদিপুকারলেখনীবেত্রি দিনমুকঃ পৃ• দুশ্চর্মা। ইতিক্মেচন্দুঃ॥ দিপঃ পৃ• জ্রী হতী। ইত্যনরঃ॥ নাপ কেশরে পু•। ইতি রত্ননালা॥

विशय की शश्य । (मामाजा शय इंडि जाया। उद्भर्य गयः। हाक-भथः २। इंडि (इमहम्मुः। (बोश-इानो स्टबर्डार्थ कि।।

विशमः श्रृ॰ की मन्य हा। एक।।
शकी।। त्राक्रमः। प्रथा। विशम्पनि

हज्जन न् एव शक्ति त्राक्रमाः।
इजि शुन्नाकः।।

দিপদরাশিং পু॰ নিথুন ।। তুলা।।

স স্তঃ ।। কন্যা ।। ধনুষঃ পূর্বার্দ্ধ ।

যথা। নিথুন তুলা ঘট কন্যা দিপা

দাধ্যা "চাপ পূর্বভাগশ্চ। ইতি

জ্যোতিস্তত্ব ।।

•

षिभगमः भू॰ इस्तिममः। ইতি রাজ-- निर्म्णः॥

দিপণী তী বনকোলী। ইতি রম্ব নালা॥ পর্ণন্তব কুকে জি।। দিপাটো বৌপানৌ ইন্য সঃ। নাদ **ঘিরশ**

वयगुकः। इंजिम्स्यापन्याकतः।।

दिशामाः ही विद्याप्यः। इंजानदः॥

दिशाभी श्रृः इडी। इंजि हातावनी॥

दिश्कः श्रुः ताकाजनः। उद्शर्यापः॥

1 तुक्रमञ्जवः २। इजि ह्मम्पुः॥

दिमाञ्कः श्रुः गण्मः। इजि हम
हम्यः॥

विमूथः श्रृ॰ द्राबनर्भः। ইতিহলार्थः ॥ मुथवय युक्ति वि ॥

विम्था जी कर्कती। गापु इंडि जाया । इंडि व्यक्तिमुका ॥ जलोकाः। काँक इंडि जाया। इंडि हलायुषः॥ विम्थाहिः शु अर्भविष्यवः। गाँथि-

नी रेजि ভाषा। ७८ পर्यायः। अरी-त्रिनः २ ताजारिः ० ताजमर्भः ४ वि-यूथः ৫ मर्भजूक् ७। रेजि रुवायुषः॥

धिमूर्थाद्रगः भू दाबनर्गः। ইতি कोषदः॥

विम्र्यः वि मडकवयगुरुः। ইতি म्य-

দিরদঃ পু॰ জ্রী হন্তী।ইত্যমরঃ॥ দিরদান্তকঃ পু॰ সি॰হঃ।ইতিরাজ-নির্ঘটঃ॥

ছিরশন এরী বার্ঘণভোজন । বথা মুনিভি র্ছিরশন প্রোক্ত বিপ্রাণাণ विवार्षि

মর্ত্য বাসিনা॰ নিত্য । অহনি চ তম্মিন্যা সার্দ্ধ পুহর বামান্তঃ।। ইতি তিথ্যাদিতঃ ।।

ছিরসনঃ পৃ• সর্পঃ। ইতি হারাবলী।। ছিরাপঃ পৃ• হতী।ইতি শদ্মালা।। ছিক্কঃ ত্রি ছিবারক্ষিতঃ। যথা। ছিক্ক যক্ষাদীছিঃ। ইতি মুক্বোণ লক্ষণ•।।

দিক্জিঃ স্থী দিবার কথন । ইতি সংক্ষিপ্তসারঃ ॥

विकान की विवादिवारिका। उट् भर्यायः । मिथियः २ भूनर्ज्ः ३ । इंजि. स्म्हनुः॥

विक्र शृ॰ घाकात नदारिः। यथा
। विक्रिक्षिकायारिः॥ विवातगृद्धावृज्ञिः। यथा। विक्रिक्ष छ्छारि शार्ठः
॥ क्ष्रवय गुल्क वि॥

वित्रकः श्रु की जुमतः ॥ वर्धत वि। इंज्यानः ॥

ছিবর্কা জী দ্বিছাকনী। দ্বিবর্কবযক্ষা-্লোঃ। ইত্যনরঃ।।

षिवर्षिका জ্রী । দ্বিবর্ষাদৌ: । ইভি হেমচন্দুঃ।।

षिप्यों १% जि षिपार्विकः। षिवर्यप्रकः । ইতি शागिनीय प्राकत्रणः ।।

षिवार्विकः कि षिवर्यक्यः। दृश्मव

ৰ্য জাতঃ। ইতিব্যাকরণণ।। ছিত্রাহিকা জী দোলা। ইতি শব-মালা।।

विविषः श् वानविष्मयः । ইতি

ह्मिन्पुः॥ न श्री वास्त्रास्त्र रुः॥ ॥ ॥

नम् पुरन्धा सद छीद विविष्य नाम

वानवः। बेकार्ट्रिक वृद्धः रुष्ठि छन्।

नामान् नीर्जनार। ইতি ह्या जिवः॥

विविष्त जी व्यव्यक्षः। उर भर्यायः।

गश्री २ वृष्ठी २। ইতি हातावनी॥

क्रिंशः वह क्षी क्षी हिन् वीद्वार्थ हण
न् श्रु छ एः॥

রিশকঃ পু॰ দিখুরপশুঃ। যথা। গৌ
রজা নহিষঃ কষণঃ শুকরো গবযো

ৰুকঃ। দিশকাঃ পশবক্ষেম অবিক্ট্রশ্চ সপ্তমঃ॥ইতি জ্রীভাগবতং॥
দ্বিদ ল ঞ ঔ বৈরে। ইতিকবিকশ্লক্রমঃ॥

দ্বিবতীতাপ: ত্রি দ্বিতী তপ্তি য: 1 জ্রী শত্রুতাপক:। ইতি সংক্ষিপ্ত-সার ব্যাকরণ: ॥

ছিষন্ ত্রি শতুঃ। ইত্যমরঃ ।। ছিষত্তপঃ ত্রি শতুত্তপঃ। শতুতাপ-জনকঃ। ইতিস-ক্ষিপ্তসারব্যাকরণণ ছিষ্টণ ত্রী ছাষ্ট্রণ। তানুশ। ইত্যমর চীণ

का नात्रमुन्दती ॥ स्वयविवस्य वि॥ विष्ठः वि बर्या सिष्ठेडियः। উভयण्यः । यथा । मन्यागम् विष्ठेड्यार्थि क्रमिणः॥

ৰিসপ্ততিঃ দ্ৰী ৰ্যাৰ্ক সপ্ততিঃ। ৭২ বাওবাৰ্ত্তর ইতি ভাষা। ইতি ৰ্যোতিকা।।

विगर्गुषः भू व्यन्डस्यः। ইতি रहमहम्पुः॥

দিসীত্য নি বারদ্বযক্ষ্টকেন । কো
চসার্ভ ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ

বিভগাকৃত ২ দিতীয়াকৃত ৩

শন্তাকৃত ৪ সন্ত্রাকৃত ৫ দিহল্য

১। ইত্যমর ভরতৌ ॥

विश्विमान की मिक्छ थुन । यथा ।
विश्विममन शृथ्य म्क प्रमा विष्मवर्ष । नाज्य मक विश्वान छकपाठ निर्वात । ज्ञान कि यजी नाक विश्वा कुक जिला । जान नक यथा
वृक्ष ज्ञान जिला वस्ती भूव ॥ इंडि
वृक्ष विद्राह वस्ती भूव ॥ इंडि
वृक्ष विद्राह वस्ती थुव ॥

ष्टिणाः वि षिशंकश्रेष्कवः। ईका-मृतः॥

विशे प् रखी। ইতি मक्तज्ञावनी ।। विशेषनी खी विवर्षाणीः। ইত্যমরः।। দ্বীপ॰ ক্লী ব্যায়ুচর্ম।ইতিদ্বীপি শব টীকাথা• ভরতঃ॥

দ্বীপঃ পু॰ ক্লী বারিসধ্যতা। জল বেপ্তিত ভূমিঃ। ত**ং**পর্যগ্রয**ঃ। অন্ত**-রীপ•২।ইভ্যনরঃ॥ দ্বীপোৎপত্তি र्यथा। मूर्य ५ मूरमक १ भुन कि नी अ-र्यम् अर्थाः शृथीः श्रुकामयि अर्काः তমসাআর্ণোতি। তদা ভগবদুপা-সনোপচিতাতিকান্ত পুৰুষ পুভা-বেগেন জ্যোতির্মধ রথেন রজনী ম-পি দিন করিষ্যামীতি পুতিজ্ঞাণ क्या मधवात विजीय मूर्या हैव मूर्या गनुभर्यकान्या जमा त्रभहत्रपति পরিথাতাঃসপ্তসিদ্ধবআসন্। যৈ-রেব সিমূভিঃ পৃথিব্যাঃ সপ্তমীপাঃ क्ञाः। खबस्) प्रकश्नाना वि ० सम ৪কৌঞ্চ শাক্তপুষর ৭সংক্রকাঃ। তেবা॰ পূৰ্বস্য যদিন্তারমাণ উত্তর ত স্ততো দিশুণেন বিস্তার নাণেনঞ্চ-

तिमानः। एउ मिन्नू एउ। विदः ममन्तक्रिजाश यथा मिन्नू एउ। विद तिक्कः
ला बीभाः এवः बीभानामभि विद्
मिन्नदः। म श्रियुकः विद्याजी भर्छ
कानमूगठाना प्रकान् चारिष्ट्रश्यकिस्र बख्यार रिव्रगुरत्राठा य्उन्हे
राथाठिथि वीजिरहाक मञ्छकान्
यथा मण्यान ঐकक्षिन् बीला
औरक मिश्रिजः विद्या है। क्रिज्ञ मिश्रिजः विद्या कार्यक्रिम् हीला
औरक मिश्रिजः विद्या है। क्रिज्ञ मण्यक्रिम् स्राज्ञभिष्ठ। मताः स्रायञ्जवमानन् मणश्रिवास उद्यमाः। रेय विद्यः श्रिवी
मर्वास उद्यमाः। रेय विद्यः श्रिवी
मर्वास उद्यमाः। रेय विद्यः श्रिवी
मर्वास उद्यमाः। मन्नु

यारखुरव श्रुद्ध शृर्व नात् । क्रिले यूर्ग जेता । श्रियत् जग्र शूर्व रेखः श्रीदिवः यायद्वनग्रज्ञ । श्रिय त्जार श्रीदिवः यायद्वनग्रज्ञ । श्रिय त्जार श्रीदिवः यायद्वनग्रज्ञ । श्रिय त्जार्य ।। कन्त्रा मा जू महाजागा कर्मभग्र श्रीद्धारिवः । कत्त्र व्य प्रभ श्रीवाण ममूद्धि स्थित् । क्रिलेश्व व्यायाग भन्नायगाः। काजियन महाजागा न नाक्राय मन् तमा प्रमुख्या श्रीदिवः वाम् मा महा । श्रियद्वा श्रीदिवः वाम् मा महम् भाषियान् । द्वीर्श्य त्ज्यू यार्मा क्रिशां स्थाप्त विरवाद्यामा अपूर्णा क्रिशां क्रिक् वाम्

बील जथानीषु ताकान क्उवान् শিতা মেধাতিমিঃ মৃতঃ।। শাদ্দে তু বৃপুমন্ত জ্যোতিমন্ত সশাস্থায়। কৌঞ্জ দ্বীপে দুৰ্যতিমন্ত হব্য শা-কাপ্তযে সূত ।। পুষরাধিপতিঞৈ-ৰ সবন কৃতবান্ সূত ৷ ইতি মাৰ্ক-ख्य भूतान ॥ \$ ॥ ज्य तक का-র সিন্ধো কদক্স শজদুদ্বীপ শ্পাত্-द्राकार्य। वर्षाः। वर्षः १नामिन् ही-প ফটক্স্য থাম্যে ক্ষার ক্ষীরাদ্য ষুধীনা নিবেশঃ ॥ শাক ততঃ শা-শাল মত্রকৌশংকৌঞ্ঞগোমেদক পুষরে চ। দ্বো দ্বো রম্ভর মেক भिक नमू मूर्या ही श मूराइब्रिश ইতি সিদ্ধান্তশিরোমণিঃ ॥ षी भक्श्रकः शु ठीनकश्राः। इंडि षी**नथ**क् तः क्री महानाहत्वन हिन्छ রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ षीপङ॰ क्री मश्राभावित्र । इंडि ताजनिर्घण्टः ॥ দীপবতী জী নদী ৷৷ ভূমিঃ ৷ ইতি (मिनि ॥ मीश्वान शुः समृदुः ॥ ननः । इंडि

व्यक्ति ॥ দ্বীপশত্রঃ পু॰ শতাবরী। ইতিরাজ-নির্ঘন্টঃ ॥ দ্বীপিকা দ্রী শতাবরী। ইতি রাজ-নিৰ্ঘণ্টঃ ৷৷ मीनिनथः भू• वताननथः। ইতি রাজ-निर्चणेः ॥ षीि नवुः शुः नाउम्नी। इंडि खो। श्रवाध দ্বীপী পু॰ চিত্ৰকঃ।। ৰ্যাঘুঃ। ইতি ় রাজনির্ঘণ্টঃ।। দ্বীপ্ত ত্রি দ্বৈপ্তঃ। দ্বীপেভব ইত্যর্থে का भुजायः ॥ इगता मः मत्र इंडि यावर । ইতি কৰিবল্লজনঃ।।বরণে। স্বীকার ইতি যাবৎ। ইতি গোবিন্দভটঃ॥ দেধা ব্য দ্বিপুকার । ইতি ব্যাকরণ ।। ष्वसः भूः भव्वा। उद्भर्गायः। दिदत २ विदत्राधः ३ विष्मुषः ८ ष्मुष् ৫। ইতি শদর্বাবলী।। অস্য কা রণ দিষ্ট সাধনতা জ্ঞান। ইতি जायान तिरहमः ॥ ष्वमः क्री ष्वयः। इंडि नयत्रावनी॥ ছেষশঃ কি শকুঃ। ইত্যমরঃ।। क्षिरी वि भवुः। इंडि एमहन्दुः॥

ধৈতবা

ছেই। ত্রি বিদেষকর্তা। ইতি দিষ থাতো ত্তণ পুত্যকেন সাধ্যঃ।। দেষ তি দেষবিষয়ঃ। বিদেষাইঃ। তং পর্য্যায়ঃ। অক্ষিপতঃ ২। ইত্য-নরঃ।।

ছৈগুণিকঃ ত্রি ক্র্ব্যান্ত্রীকঃ। ইতি ছেম-চন্দুঃ।। দ্বিগুণ গৃহ্নাতি ফঃ ইত্যুর্থ ক্ষিক পুত্যকঃ।।

দৈত নী দ্বা । ইতি হেমচন্দু ॥ লোকাদিৰপা । একাঘনোসাবিতি শ্লোক ব্যাখ্যায়া প্ৰীধ্যমামী॥

 टेक्शाय

ত্বা রবৈজ নাভিনত । নেতরে।

থনুপপত্তে র্ভেদ ব্যপদেশা চ মুর্ভেল

প্যস্পার ব্যপদেশালোকাশোর্থান্তর

আদি ব্যপদেশান্ডোগ মাত্র সাম্য

লিকাচেতি সূত্রে র্নোক্ষেপি ত্যো

কৈতি নির্নাণ গুরুর র্নোক্ষেপি ত্যা

কৈবি প্রাণ যুক্তরা যথ কলতি ত্
দেব সর্বাধ্যাত্মবিদ্যা পুতিপাদক

শুতীনা তাৎপর্যা । ইতি রামানুজ

মতঞ্চ !!

ষৈতীয়ীকঃ ত্রি দিতীয়:। যঁথা। দৈতীয়ীকত্যা নিতো হয় নগমন্ত্রস্থ পুরন্ধে নহাকাব্যে চাকণিনৈষ্থীষ্ চরিতে সর্গো নিসর্গোজ্জ্বলঃ। ইতি নৈষ্ধণ।।

ছৈধ ব্য দ্বিপুকার । ইতি ব্যাকরণ ॥ একেন সন্ধি রপরেণ বিগ্রহ: ইতিদৌপুকারৌ দ্বৈধ নিপাতিত। ইত্যমর টাকাযা ভরতঃ॥ বিবাদঃ
। ইতি ত্রিকাওশেষঃ॥

दिनाः श्रु बीभिव्याव्यत्यः। इयु-मदः॥ बीभमप्रक्षिन व्याष्ट्रव्य म-यक्षिनि व वि॥

रिषशायनः शु॰ वतामः। इंछि एश्महन्तुः

रिष्ठाः वि क्षीणमञ्जूषि । हीनामदाट विकास

व्याकत्रक्।।

दिमा खतः श्रु॰ गराभः। ইত্যमतः।।

कता मकः। ইতি मिनी।। विभाज्

क वि ইতি হেমচন্দুः।। वर्षा यी
का त्रभण्डाः। ইতি मूक्रत्यावः।।

दिमाण्कः श्रु॰ निन नृष्टि करणाष्ट्रण्याः

नि ज्राजितः। ইতি ताक्रनिर्यणेः॥

दिवसीया की नागवल्ली एकः। ইতি

वाक्रनिर्यणेः॥

स्तृक्ष्ण वि अकृ निषय शिति गिरु ।
यथा । अर्काकृ नाथ मृह्य ग्रा का के ।
स्तृक्षण गृनिका। मङ्गृहा या ज्व वि वि वृष्ण गृनिका। मङ्गृहा या ज्व वि वृष्ण गृनिका। वि

शतमानूष्रयाञ्चकः। उह भुज्जनाहि

। बार्कारिस বুন্ধাণ্ডাম্ভ উদাহত:। তস্য পরি-मान मनिज्रा यथा। अनिज्रा बर्ग कारो जू मःथ्याबन्यः मूनाङ्खः। ইতি ভাষাপরিছেদঃ॥ দ্যন্যঃ ত্রি দ্বাভ্যামন্য:। ইতি পঞ্মী ত श्वा ।। (इ जान। वन।। इंडि वस् वीहिः॥ द्वातन्यताः नमारा-রঃ। ইতি বাক্যে লী।। हार्थः जि वर्षप्र युक्त नकामिः। जमा भूनागः तास्य भाखवीयानि गुष्ट मुश्चेवार ॥ ছাষ্ট ল্লী তাসু। ইত্যসরঃ॥ 💍 🦠 ष्ठारुः शु अर्बरा । एवं अरुनी समाः হতে। ইতি পু[•]লি**দ স**্পুক্তে ভুৱতঃ ष्ठ्रकतः क्री वर्शप्यः ॥ चरवार्तकतः ॥ व्यक्तवस्य मुक्रमकारमे विश ष्ठाञ्चकः श्रु विश्रून कन्त्रः शन् की न तान्यः। यथा । ठत व्यत्र बतात्वाक नामस्या (भया-म्राः १मी कम्भः शुरिक्षाः। ইতি क्योजियद्वः॥ দ্যাহিকঃ ত্রি দিনম্ভবুঃ াদ্যাহ্যভবু इंडार्थ किक शुद्धारा

ধ থকার:।স তবর্গ চতুর্থোবর্ণো ব্যপ্ত-নোনকিংশক। অস্যোচারণ সানং দন্তঃ। ইতি ব্যাকরণ ।। অস্য ধকপা যথা। ধকার পরনেশানি স্বগুলীনোক্ষ কপিণী। আত্মাদি তত্ত্ব
সংযুক্ত পঞ্চদেব নয সদা।। পঞ্চ
পুণন্য দেবিত্রিশক্তি সহিত সদা
। ত্রিবিন্দু সহিত বর্ণ ধকার হাদি
ভাবয়।। পীত বিদ্যুল্লতাকার চতু
র্বর্গ পুদাযক । ইতি কামধেনু তন্ত্র
।। ত্রিকোণ কপ রেখাযা ত্রযো দেবা বসন্তি চ। বিশেশরী বিশ্বমাতা
বামতঃ ক্ষরতঃ স্থিতা।। ইতি বর্ণোকার তন্ত্র ।।

शः क्री थन । इंजि मिनि ॥
शः कृ कृषा ॥ अत्वतः ॥ थर्मः । इंजि
मिनि ॥
श्रिक के नामान । इंजि कि विकन्न क्रमः ॥
श्रिक के नामान । इंजि कि विकन्न क्रमः ॥
श्रिक के नामान । इंजि कि विकन्न क्रमः ॥
श्रिक कार्या । इंजि मिनाः विकास । यथा । जिल्हा न्यक मिनाः विकास । यथा । जिल्हा न्यक मिनाः विकास । यथा । जिल्हा नि नामान नामान नामान नामान क्रमा । इंजि कि नि क्रमा विवत । ज्ञा नि नि क्रमा विवत । विवत । ज्ञा कि नि क्रमा विवत । ज्ञा कि क्रमा विवत । ज्ञा कि क्रमा विवत । ज्ञा क्रमा विवत ।

षिठपाति भ पुक्कि। ইতि नीना-

वर्णे ॥

वर्णे की होत्रवक्ष । इन्छ मिनिनि
को होत्रवक्ष । इन्छ मिनिनि
को होत्रवक्ष । इन्छ मिनिनि
विकाश्वरण्य ।।

विकाश हो गर्जा वाना ने छत्र की मिन्नु
कानक होत्रवक्ष पान । यथा। मृत मृत
ग इस्छयू श्रूय गिनिजु । खत्रा मृत । मृग
लोक वही प्रयास्त्रोम । वात मृत्व
जियो। इन्डिक ग्राजिः मात्रम गृहः॥

वर्णे थात । इन्डिक विकल्लक्ष मः॥

পত্রঃ পু॰ ধুস্তরঃ। ইতি হেমচন্দুঃ॥
ধন রবে। ইতি কবিকল্পদ্ধনঃ॥
ধন লি র ধানেয়া ধান্যমিহ ধান্যকিয়া। ধান্যেৎপাদন । ইতি
কবিকল্পদ্ধঃ॥

थन॰ क्री (ज्ञश्नाकः। ইতি मक्त्रक्षावित्ती ।। श्राधनः। ইতি मिक्ती ।। क्रीतिताशायः। उट् श्रंशायः। पृत्रः। देवाः २ विखः २ साश्रात्यः। पृत्रः। २ विखः २ साश्रात्यः। ४ विखः २ स्वृतः २० व्यथः २२ ताः २२ विखयः २०। ইত্যা प्रः।। काश्र्मनः २८ वार्षीः २८ खागः। २० मण्यं २०। ইতি ताक्षनः १८ खागः। १ स्व वाश्राता प्रायः महितः। १ स्व वाश्रानः व्यक्षाः। धनानिता यथाः । स्व वाश्रानः अक्षानाः क्षीतानाः

পুত্রিণামথি। উন্নতানা তথাকানা अनुजारमा न विष्ठु । भयश्रमन शान माक हाया ठाव पूर्वि किया। क्ञावष्रीयरा दिन्द्रा नार्थ जाग रङ्गा-ছি তে।। ইতি বামন পুরাণে १৫ व्यथ्रायः ॥ अस्य व्यथना यथा। व्यय वाधना ताजन् जार्गा नाम ख्या मुजः । যত্তে সমধিগছন্তি যুস্য তে তুস্য তদ্ধন'॥ ইতি মাৎস্যে ৩১ অধ্যাयः ॥ अ॥ धनमा भागतना द्वा मुक् यथा। বদেতদুবিণ নাম প্রাণা এতে বহি-শ্রাঃ। স তস্য হরতে প্রাণান্ যো यमा इब्राउ धनः ॥ इंडि क्लार्य अध्यायः॥ अ ॥ अगनावाध महन्त्र भूयाञ्चनार्किछ । धन । अन्न वा बर्ग বাপিদেয মিত্যভিধীয়তে ৷৷ অপরা বাধ পরপীড়া ব্লহিত । অন্তেশ পাৰ ক্লোজনক । জি । তামুস ধন যথা। পাৰ্থিক দৃত টোৰ্য্যাৰ্ভিপ্ৰতি-कशक मार्रेमः। यहारजामाणिकं यञ्ज्य नम्भाक्षा नार्षिकः शान्यात्वा शर्वपिता वाद्या शत्र প্রিয়া। পুতিৰপেশকৃতিম রহাদি ॥ नो । मारुरम्न मधुन्यान सिर्याति रमितिगाद्याद्वव वाक्रनर्थम् मुक्ति। क्ष॰ जाममः॥ 🛊॥ क्राङ्ग

धन यथा। जनीर क्यि वासिक णूड़ গানানু বৃত্তিভিঃ।কৃতোপকারামাগুঞ बाबम॰ ममूराइउ॰॥ यनूव्डा म-वया॥ 🛊 ॥ जाजिक धन वथा। भुक् लोर्क उल्हें कर्ता निया याका द्यार পতে খন সপ্ত বিধা শুৰা মুনিভিঃ अमूमाञ्ज्या। द्वीराजनाश्रयस्म । स्थी-र्यातः कवादिनाः। उभनाः जभरहाम (स्वाई। दिना। कन्यागठ" कन्या ज-शागज यमुतार नंबन नियागज ध्य मिनामिमा। योह्यागठः चा-र्ज्जि नद्या अनुयागज नायाप-ভ্যোলনা শ্ৰা সাত্ত্বিশা ইতি শু षिठाषु (मयन नात्रामी ॥ #॥ धन भूरयाग नक्रजानि यथा। अधिनी। भूनसमूरा भूषाः उख्रकत्तुनी । रखा श्रिकाणाः। উख्ताकाणाः भ्रत्नाः। थनिशा नजिया। उत्तरं जापून्दा । इंडि रेक्गाडियः ॥ 🛊 ॥ वर्ग नुरंगांग निरंग्रिश ग्था। जाड यमिष्यम् महिवयं क मक्षय वाज्यूनः नि इमार। कार्रात न केर्ड्यू थन भुरयान लिम्म्रिनारा गुम्स म्नन्दिन इंडि

अभय भूतिनाः ॥ अर्थ भूमाना যথা। অথেভিয়থ পুৰুদ্ধভ্যঃ সংবৃ-(खर्ड) खर खरः। कियाः महीः भू-

বৰ্জন্ত পৰতেভ্য ইবাপগাঃ৷৷ অর্থে-ন হি বিমৃক্তস্য পুৰুষস্যাল্লটেতসং৷ বিছিন্যন্ত কিয়াঃ সৰা প্ৰীয়ে সস রিতো যথা।। সোঘনর্থণ পরিউট্টের সুথকামঃ সুথৈবিতঃ গাপ মাচ-রতে কর্তু • তদা দোষঃ পুরর্ভতে ।। यम्प्रार्था ेखम् । मिकाणि यमप्रार्था छम्। वास्वाः। यम्। याः न भूगान् लाक यम्राश्तः मह शिख्ठः ॥ यम् रार्थाः मह विकासा यम्रार्थाः न्ह वृषिमान्। यम् प्रथाः न महावाङ् र्यम्यार्थाः म ख्नाधिकः॥ अर्थ रेम्यार्ज পরিত্যাগেদোষাঃ পুর্যাহ্তা ম্যা । त्राज्य मु र मृज्ञ । श्रीत यन दूषि - স্ত্যা কৃতা।। যুস্তার্থা প্রম কামার্থা उम्र मर्ब शुरक्षिक् । अक्षतनार्थ कार्यन नार्थः भक्रः विविन्न जा। इर्वः কানত্দপ্ত বৃষ্ণ:ক্রোধঃ শ্রো-मगः। अर्थाएकानि मदीनि श्रुव-র্ভন্তে নরাধিপে।। যেয়াণ নশ্যভায়ণ ধর্মচারি

खिन मृण्डास मूर्मित्यू यथा गुड्या। केठि त्रामायण यूक्तकार्ण श्रित्रामः शुक्ति श्रिम्बन्धन वाकडः ॥ श्री श्री श्रीम्या श्री । अर्थ निन्ता यथा। अर्थ मनर्थः जावय नि जडः मास्ति जञः मूथलामः मजडः। পুলাদিশি ধনভাজা তীতিঃ সর্ব বৈষা বিহিতা নীতিঃ ।। ইত্যাদি মোহমুদ্ধরে দুইব্যা ।। জ্বা । অনুগু-হার্থণ ভগবতা ধনহরণণ যথা । রাজন্ যমনুগৃহামি হরিষেণ্ড জ্বাণ শিনঃ । ততো হধনণ ত্যজন্ত । স্বজনা দুঃখ দুঃখিতণ ।। ইতি শ্রী ভাগবতণ।।

ধুনকেলিঃ পু॰ ছবেরঃ। ইতি ত্রিকাঙ-শেষঃ ॥

ধন্যু: জ্রী করেটুপক্ষী। ইতি ত্রিকা ওপেষ:॥

त्रवावनी ॥

धन्न । धन्तारी भू । अशिः। इंडि भवत्रा रिनी।। धनमा छति वि॥ श्नमाकी हो वजाक्त्रक्षः। इंजि রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ ধনন্দ। স্ত্রী বৃদ্ধশক্তিভেদ:। ইতি ত্রিকাওশেবঃ॥ श्वनशिक्षः भू॰ ऋरवतः। ইতি धनक्षयः ॥ অস্য উৎপত্তি र्यथा। মহাতপা উবাচ। শৃণু চান্যা বসুপতে ৰুৎ-পত্তি॰ পাপনাশিনী । यथा वागुः भन्नीतरका धनुमः म•वज्व र ।। जा-म् भन्नीतः यखिम् वागू तस सि-তো ভবং। পুযোজনামূর্ত্তিমন্ত্বমা-मिनन् क्वाप्त्रजाः॥ जवाम्र्जम् বাযোম্ভ উৎপত্তিঃ কীৰ্ত্ত্যতে ম্যা ! তা॰ मृगृष् म्हा जाग कथा माना॰ मया नव ॥ वृक्षभः मृखठः मृष्टि मूथावायू विनिर्ययो। भुष् भक्ता वधी उ॰ दुका भुजारवध्य ॥ मूर्खा ज्वस শান্তক তত্রোক্তো মূর্ত্তিমান্ ভবন্। अर्बगोरक्षव (पवानाः यिवनः कन भिव है।। उट्यई शाहि याताङ

उथाकनभाउं जित्र । उम्र तुका

माने जुडे खिथि (मकाममी गुजू: 11

जन्त्रीम्निन्द्रामी रया जरविषयुकः

मूहिः । जन्म श्वास्य श्वास्य प्रदेश मर्ब श्वास्य वाश्वित्र मृद्धिः मर्ब किन्त्र वाश्वित्र । यथ्या मृत्या स्कृत श्वास्य श्वेरज्ञि वा । मर्ब काम मदार्गाजि वर्गर्या कक्ष गहर्षि । ইতি বরাহপুরাণ ।।

श्वनित्रभाविका जी श्वनामा। उट शर्यप्रायः। ज्या २। इंजिङ्ग्रावनी।। श्वनिभावी जी ज्या। धन्तानानः। इंजि विकाश्रम्भयः॥

यनशिया खी काकबप्ः। ইতি दाब-निर्घणः॥

धनवजी खी धनिष्ठानकवः। ইতি कार्राथतः॥

श्नवान् जि श्नविभिष्ठः। श्नी। इंडि रुवायुशः॥

धनमारकः श्रुः (गाष्ट्रद्रः। इंडि नय-চन्द्रिका॥

धनरती जी कात्रनोभगकपुराः एट शर्यायः। त्राक्रमी रे क्ला ० क्रमः ८ मूझकः ६ गगरामकः ७। ইত্যबतः ॥ धनरात्रक देनसः वि॥

খনাখিপঃ পু॰ ছবেরঃ। ইত্যমরঃ॥ অস্য খ্যান॰ যথা। ছবেরঞ্চ পুব-ক্ষ্যামি ছগুলাভ্যা মলক্ত॰। হা- म्बर्भे मिछ। मिछायत थतः मुङ्
।। भरायतक कर्ड्याः वतरः मूक्टानिङ । वत्रयुक विमानहः स्मयहः
वाशि कात्रयः ।। वर्णन शीजवर्णन
स्कृष्टिः शित्रवातिङः । मरहापतः
महाकायः सक्ता द्वेक ममनिङः ।। सकृष्टि वहा हिण् कः धनवा शुक्रेत स्था
।। ইতি मर्मा श्रुप्ताः ।।

भनाश्यकः श्रुः अरवतः। ইতি हलायूथः ।। धनाधिक्ठः । उहिल्लातः
हेि धालाकि हेि ह लावा। उत्रः
लक्ष्णः यथा। लाह वङ्गालनाहीनाः त्रञ्जानाक विधानविद्याविद्यावा
कल्लुमात्राणा मनाहार्यः श्रु हिः अह।
।। निश्र्ण काश्रु मल्डक धनाध्यकः
शुकीर्लिङः। खायबारतस् मर्स्य धनाधाक्रममा नद्राः ॥ व्यवधारतस् व था कर्वर्णाः शृथिवीक्षिण । हेि मद्रम्प्रताण्यक्र खशायः ॥

यनामा जी श्रां (वाजः। यथा। कीर्या खिन्यं कीर्या की विकास किर्या की विकास कीर्या की वाजि की वाजि कीर्या की वाजि की वाजि की वाजि कीर्या की वाजि की

ज्जीय जार्यता अन्तरा बाजिः वाज

वः। गृष्ट् च एक सदः। गान मगरः विगर्छो विजीय भुष्ट् का कम् प्रिकारिक् दिवार मानः। ता गमानाया मम् । क्षणः विरयाणिनी तम्भी त्रक्क रमनाः विरष्ट् प्रम्मा पूर्वणा कृणा क्ष्मा क्ष्मा किनी वस्रण वृक्ष उत्नाथिक्षा क्ष्म-छी। क्षमाथ मर्छ (मध्राणम्) हजू-र्थ ভार्या। ভत्र ज्याल माण्याणा शृज्य गामातं ता गम। श्री। ইতি मक्षी ज्यां जः।।

ধনিকঃ পু॰ ধন্যাকণ ইতি মেদিনী।। অমিমর্থে ক্লীব মিতি রাজনির্মক:।। ধবঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।।

ধনিকঃ ত্রি সাধুঃ॥ ধনী।ইতিমেদিনী ধনিকা ত্রী সাধুনারী।ইতিমেদিনী ॥ বধুঃ। ইতি হেমচ্দুঃ॥ যুবতী। ইতি শদরত্বাবলী॥ প্রিযকুর্কঃ। ইতি শদচদ্যিকা॥

धनिष्ठा खी अधिनाहि मधिन् । नक्ष वाष्ठर्गठ व्यानि म नक्ष व । ठ० शर्यायः। भूनिष्ठा २। ইত্য प्रदः॥ वमूदेनवजा ०। ইতি জ্যোতিষः॥ अमाः बन्तर यथा। बद्ध क्ष्मित्रि ममागठ धन नर्मनाकृ जिनि शक्ष-जात्र व । याष्ठि का जिस्स् व न गुडः मात्र माक्षित्र विश्व वाः॥ इकि कालिमान क्छ ताबिला निक्ला । उन कालिमान क्छ ताबिला निक्ला । उन कालिमान निक्ला । इकि क्ला नि श्री निः॥
वन कि स्नवान । उट लाकी लुमीनः॥
वा मीकित्वा नाम य्वीपान नि त्या
जित्द । जा उत्र लाक क्ला मानि त्या
जित्द । जा उत्र लाक क्ला मानि वा
कात्य अर्थावि ॥ इकि क्रिं मूत्रा
कात्य अर्थावि ॥ इकि क्रिं मूत्रा
कान्य क्लात्य । गृह काति ।
वि क्ला अर्थाव ।। गृह काति ।
वि क्ला अर्थाव ।।

ধনীকা জী যুবতী। ইতি শদরত্বাবলী ধনীয়ক জ্লী ধন্যাক। ইতি শদরত্বা-বলী।।

शुनुः शुः शियालतुकः॥ शुनुर्शत् जि। इंजि मिनि ॥

বৃত্ত লা । তৎ পর্য্যায়ঃ। চাপঃ ২ ।

বৃত্ত ভাষা। তৎ পর্যুগ্র বিশ্ব ভাষা। তার্বরণ

তৃণতা সং বিণতা সহ হৈছি বিনা খ **मियः॥ अञ्च १४** ५न्ट्रेट १ इंडि छो।-श्रः॥ क्रा जन्र नक्रा गया। श्रमुख দ্বিষ্ণ প্রোক্ত শার্ক বান্দ তথ্বৈচ াকোম**ল•** রর্ণ দৃঢতা তথো র্গুণ উদাছ^{দ্} তঃ। সুধ সন্সন্তি করণ সমমুষ্ট্যা-वजन्यनुः। विनामा भूष्टित्वत्मा जन-त्र जन भावत्र ॥ इंजि युक्तिकन्न-ज्यः ॥ 🗱 ॥ धन्रितिन तत्र अ मिन यथा । শনি ভৌম বুধান্যের বারের সুতি-श्यो रही। भुवुष्य ठाभ विद्यायाः অরিব্রঃ শুভদে। মতঃ।। ইতি জ্যো-তিঃসারসংগৃহঃ ॥ বিদ্যারস্ত্রোক नकवानि ठव मुंजीनि ॥ 🗱 ॥ हज ईंड भित्रमाण्या काठा इंछि छाया। यथा। इन्हेरिंगाङ्ग्रामी इस सहस्वद्र 'বনু: মৃত্ৰা ইতি ইনী । বতত্ত্ব।। জ।। लियापि हाम्भ त्रोन्। छर्ग छ नदम ता-णिः। उद्भर्गायः। रेखेकिकः २। ইতি দীপিকা।।অস্তদেবতা পূর্বাদ্ধ अनुग्राकात (भवाक्तांचाकात धनुर्धाः ती शूक्यः। मः मृलाः शृहीयाता ममू राखा बता गाउ शुभ्य भारत ज्वि । मह भीर्याख्यः भीजः सर्वर्गाः वा

यानी मृताकः काकः कविस्वर्गः देशः পিতপুক্তি রিত্র অগ্নসম্বানঃ व्यविभक्तः विश्वामिश्वाक्षा अ मुनिकाउ कृतः स्था। कारी कुछ বাক্ পুণ্যমতিঃ শুচিঃ পুৰুৱঃ সুখী সৰ্ব লোকালাপী চ। ইতি জাতক **ठिनुकाम्यः ॥ # ॥ अभि** । दङ् कला जननः श्वरता भशन् विभ লতা কলিতঃ সরলোকি ভাক্। भागवात कि धनुर्धद्राण नाता धनकाद्राः न करता ७ धनव ४ ।। 🗱 ॥ उन्न १ काउ कवा यथा। धनुर्वाः। नमूर्भः मा नीजिमान् धनवान् जूशी। इन नव्या भुषानक भुक्तः सर्वमा १०११-ষকঃ।। ইতি কো ছীপুদীপ:।।

थनुः श्रु हाशः॥ त्रामिविष्मयः॥ शियानवृक्तः। इंजि जिषा छकोमू-म्रामुगामिवृद्धिः ॥

थनुः भर्दे भियान वृक्तः । इंछि अपिकिस्का ॥

श्नुःभाशा जी मूर्वा । इंडि भूक-ठिन्तुका॥

ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

शर्व जिन्नः स्वामा प्रकृतः शूर्व दिक् । श्रमुर्थना जी सूर्वा। इंडि मक् नित्का। भनूक मार भू राज्या । ই जित्राक निर्वार श्मूर्थज्ञः जि श्नूर्थाती । जितानराज इंडि ভाषा। उৎ পर्यत्रायः। भन्नी २ वनुपान् ३ वानुदः ६ निवकी ६ खर्जी ७ ज्नी १ धनुष्८ । इंजि रश्यक्तमुः धनुशाही कि धनुश्रहः। जना नक्ष यथा। न्त्रक वनयुक्क ग्राम तथ काबिमः। धनुषात्री ज्वमुख्यः नर्व ল্লেশসহঃ শুচিঃ॥ইতিমৎস্যপুরা-(१) ३५३ व्यव्यायः॥

> श्नुर् श्रु श्नुर्थद्रः। ইতি एक कन्दुः॥ थनूर्यशु॰ क्री ठाशमशुर्खागः। छट_् পর্য্যায়ঃ। লম্ভকঃ ২। ইত্যমরঃ ম भनुयाना जी गृता। इंडि मफ-व्यक्ति ॥

श्नूर्यामः श्रु धन्यामः। मुनाला । ইত্যমর টীকাষা রাষমুক্টঃ।। धनूर्वका जी मामवज्ञी। ইতি রাজ-निर्घणः॥

श्नुव्कः भू श्रुनव्कः ॥ वःभः॥ ভলাতক:।। অস্থ:। ইতি রাজ-निर्यक्षः॥

क्नूरिमुणी जी मूर्वा । मरक्मुवाकणी। अनुकाः भू शानुका वनुक्रवा यन् देखि वर्धिकंत्रण वस् दीसि नवानः॥

शनुष्ठाः श्रू॰ शियान कृष्णः इन्छ प्रतः॥ श्रूष्णान श्रू॰ शनुर्वतः। इन्छ प्रतः॥ श्रूष्णान श्रू॰। इन्छ ब्रह्मेश्वरः॥ श्रान्छ स्रक्ष्य श्रम् व ह श्रू॰। इन्छ स्रक्ष्यः स्राह्माणिक्षिः॥

श्रानयक त्री श्रनेताक । इंडामब्रहीका या छत्रछः॥

ধনেশ্বরঃ পু॰ স্বেরঃ।ইতিহেমচন্দুঃ। ধন্যঃ পু॰ অশ্বকর্ণস্কঃ।ইতিরাজ-নির্মণটঃ।।

ধন্যঃ ত্রি পুণ্যবান্। সূক্তী। ইত্যমরঃ ॥ 🗱 ॥ सनामा श्रूकरवा धनः १ भिज् नामा ह मथुमः। अथरमा जुाज्नामा ্চ মাতৃ নামাধমাধমঃ॥ ইতি গো-यी हन्तु ध्उ शर्पाः॥ #॥ धनाङ्क क-थन यथा। जन क्रमात उवाह । বিত্তীৰ্ণ বালুকা মধ্যে কছপঃ শত যোজনঃ। ভীতক্ষ কম্পিত শুত্র দৃষ্টো দুংখী চ শুষ্কিতঃ।। নিঃসারিতো রা-ববেন মীনেন চমহাত্মনা। ধন্যে **সীতি ম**যোক্ত**ণ্চ** নাহ• প্রন্য উ্বাচ সঃ৷ কীরোদ সাগরো খন্যে জন্তবো-यज मिष्याः। इत्राम् शरमानि की-विश्व (अपनास्का नाज्ञ भिक्त)। शत्र नमूच्या (पदी युरेबद मध मानदाः

। धनशानि बनुस्बङ्ख्य नार्त्यक्रु वाठ मा। धरमा स्माला समाधातः क्कारमा नागनाष्ट्रिष्ट्रः । स्त्राजी-कुरकः भन्नत्मा सम्माना मृताह मः॥ ধন্যক্ষ ভ্গবান্ বুন্ধা বিষাতা জগতা মপি ৷ ধন্যোসি তত্র ধাজা চ ধন্যো नाइ मूवाह मधा धत्रा मरहचरहा रि-वा वागीन्यानाः खदार्थकः। यत्रा সীত্যুক্তঃ শমুক্ত ধন্যে নাহ মুনাচ मः॥ धत्रा गणभद्राक्तिक्ति क्वानाः शुरदाः भद्रशास्त्वयु श्रान्ता मात्नामी-्रवृत्रका गमभिक्त भया।। नारु श्रान्ता মুনিশুেষ্ঠ সমিত শেত্ৰুবোচ সঃ ধন্য विनाम्ह हवातः कर्मानि यहावङ्या।। তমান্ধন্যাশ্চ তে বেদা গছ তত্ৰ মনী-विनः। य्य धन्ताक मान्तारकवृत्का ৰেদা ম্থা ভতঃ॥ উচ্চু তে ন বৰং ধন্য यक मःघणः माणुकः । वेयः व्यवहा कर्जातायखोगः कृतमः स्व । उपा षम्।ः ऋववाशि शहेताह् म्हामूल ॥ শন্যাপি বজ্ঞসংযোগীত্যুক্ত তত্ত্ব ম-या विख्छा। उड्डू एक न ववः बन्ता धनाः कर्य मूज नुत्ना। मूजकर्यानि धना प्व नारः का मूनार छ । श्रेक्षः भन्न-बाजा ह बरब्रा बालाक निक्छि ॥

পদ্যা সীতি সবোক্ত ক দক্ষিণীতিঃ সহেতি চ ৷ ইত্যুক্তা, ভগৰতাপ্যত্ৰ कथिक गर्बकात्र १ । इंजितुक्र देवसर्ख - **बिक्क बमथाय ৮१ अधारः ॥** भून/वुज श्ली धनजनकवुजिवस्मियः। ब्रावदः भूबं भू मु आती ८ এउ हुउ । কুত্বা ধনপাতি রভূৎ। ইতি বরাহ-न्त्रागः ॥--शन्त जी त्रायनकी। इंडि सिरियी। थन्ताकः। इंजि स्वयवन्तः॥ ধন্যাক ক্লী ধনিয়া ইতি খ্যাত শস্যু । তৎ পर्यायः। ছতা २ विजूबक ० **সম্বাদ ৪। ইত্যমরঃ।। খান্যক** ৫ थनाः ७ थनिकः १ थनीयकः ৮ व्यञ्च चूती के थानजाक >० जूचूक >> **थ**न्या प्रेर जूबूकी ४० धानयक॰ ४८ । ইতি ভরত ধৃত কোকান্তর ।। शा-नकः १६ क्षान्। १५ क्षात्मयः ११ यनिका ७৮ इज़ांशाना ३३ जूगिक २० नाक्र्यामा २२ म्बनव २२ जनित्य २०थान प्रीक १२८ वीकवा न्। २० व्यक् २५। ইতি রাজ-निर्घकः ॥ इलिंगे २१ (धनिका २६ बन्डक २० धाना ७० थात्मयक १० । ইতি ভাবপুকাশঃ॥ অস্যত্নাঃ।

मध्रपः । जीजपः। क्यायपः। भिन्न बुद्र काच ज्या हिए कक भी नियः। मीशमप्रका हिंछि ताज-निर्वाष्टेः ॥ जिस्रवः। न्यापः। मूजन-ष् । वयुष्:। जिक्कष्-। करूषः। ্বীর্য্যকারিত্ব। পাচনত্ব। রোচনত্ব । गु।हिद्यः। सामू भाविष्यः। विस्ता-य पार यांनामार्गः कृनि नानिष्य ॥ 🗱 ॥ चार्षु छ जुन्म सानू विल्क ষাৎ পিক্ত নাশন । ইতি ভৰিপু-कामः॥ #॥ निवादाः मापु मः পিষ্ট ধান্যক বস্ত্র গালিত ৷ শর্করোদক সংমিশু কপ্রাদি ু-निष्कु ।। नदीति मृश्वास काः व **স্থিত পিত্ত হর পর্বাটি** রাজনিষ্টঃ ম

थर्न की थनुः॥ इनः। इंडि भिन्नि॥ थर्नः की थनुः। इंडिअनकी हाराः

11

ধ্বকঃ প্ ধ্বনবৃক্ষঃ। ইতি ভাব-পুকাশঃ।।

ধরদুগ• ক্লী নির্জলদেশগা ইতি মহা-ভারতে রাজধর্মগোল

शतनः श्रु वृक्षवित्नयः। धोननि हे जि

प्रक्रित्रभः २ धनुर्कः ३ महादनः

के का गरः ६ शिह्निकः ५ ककः

बानुकनः १। जन्य छनाः । कर्ष्यः ।

छेक्यः । कवायदः । कक ना निदः ।

मार मात्र कत्यः । गुष्टिदः ।

कक्षेत्रय समन्द्रकः । ইতি जाननिर्यण्यः ॥

धरुखितः शुः (मवरिवम् १:। म जगवम-वजातः। यथा। धनु छति न छ गवान् यगानव की र्जिनीया नृगां श्रुक्क डा॰ ৰুজ আশু হন্তি। ৰজ্ঞে চ ভাগ मग्ठामु त्रवायकक्ष व्यापुष्ट विम मनुभाखाव जीर्य (बारक ॥ स रेव ভগবতঃ সাক্ষাৎ বিষেধরংশাংশ সম্ভবঃ। ধরম্ভব্রি নিতি খ্যাত আ যুর্বেদ দৃগিজ্যভাক্॥ইতি জ্বভাগ-বত । 🚁 নারায্ণাংশা ভগবার্ खरा धर्डित यहान्। शूत्र। समू पू नथान ममूखाङ्गो नार्गनाथः॥ मई विस्तृ निकाला गञ्ज उञ्ज विभा রনঃ। শিষের স্থিবৈনতেয়স্য শহ-রস্যোগশিষ্যকঃ ॥ ইতি বু**ন্ধবৈ**বর্ত্তে **बिक्कडमथएं ८२ वर्**तरः॥ 🕸 ॥ অন্য চাকাপ্রস্য কাশিরাজঃ তস্য मीर्घ अगाः भू त्वाज्रः । भन् इति स रीर्यजगरमाज्यानिह मः निषा कार्यः

কারণঃ সকল সমূতিয়দৌৰ জ্ঞান-বিজ্ঞগবতা নারাযণেন চাতীত স-क्रिके ज्या वरता एकः। काणितास গোত্রেবতীর্য্য ত্ব মপ্তথা সম্যুগাযুর্বে-দ করিবংসি। যজ্ঞাক্ত্ত ভবিষ্ সীতি। তস্য চ ধরম্ভব্নেঃ পুত্রঃ কেতু-মান্ কেবুমতো ভীমরথঃ। তস্যাপি लिया तामः। इंडि विक्शुद्राणः॥ #॥ অস্যার্গঃ। সংসিদ্ধ কার্য্য কারণঃ জ-রাণি রহিত নেহেন্দ্রিয়:। সম্বত দেহেন্দ্রি ইতি বা। সকল সম্ভূতিষু সর্বেগ্নপি জন্মসু। অশেষ জ্ঞানবিৎ সর্বশান্ত বিং। অতীত সমূতৌ की तास्तो असनि। अडेशा अडेश नागुर्वन । जनुक नमुवायुर्हे। काय यानगुः हार्काक भना प्रकृ जता বিষণ অপ্তাবস্থানি তস্যাহ্ছ শ্চিকিৎ-সা েয়ু ব•স্থিত্ৰেতি। ইণ্টি তট্টাকা-यान्यानी॥ # ।। भिरतानामः। इंडि তি লাওশেষঃ।। বিজ্ঞাদিত্য রাজ-ল্য নবরত্বাভূপত রত্ন বিশেবঃ। যুখা। ্বরভরি ক্ষপণকাদরসিংহ শকুবে-তাত্ত্ত ঘটকর্পর কালিদাসাঃ। খ্যাতৌ বরাহ নিহিরৌ নৃপতেঃ मञाया॰ त्रज्ञानि रेव वतक्ति नंव विकंगम्या। ইতি,नदत्रन्नः ॥

শাৰরিগুভা জী কটুকী।ইতি শব-চন্দ্রিকা।।

ধ্রযবাস: পু॰ দুরালভা। ইতনের টাকাযাণভরত: ॥

ধর্যবাসকঃ পু॰ দুরাজভা। ইতি রাজনির্ষণ্টঃ ॥

भन्नगमः शृ मूजानका। इक्तानः॥ भन्नौ श्रु मक्रमाः। इक्तानः॥

ধ্বী তি ধনুর্ধরঃ। ইত্যমরঃ।। বিদশ্বঃ । ইতি বিশ্বঃ।।

भरी न्याना ॥ अब्दू नवृक्तः॥ वद्यनः। ইতি রাজনির্ঘণ্টः॥ পার্থः । ইতি বিশ্বः॥

খন থানে। ইতি কবিকল্পদ্ধনঃ।। সোত্রো হয় থাতুঃ।।

ধনঃ ত্রি অণ্রিসংযোগকর্তা।। শব্দ কর্ত্তা। ইতি ধন ধাতোঃ পচাদিত্বা-দন্ পুত্যযেন সাধ্যঃ।।

धमकः शुर् कर्मकातः । इंजूरणि (काषः ॥

ধ্যন: পু॰ নল:। ইত্যমর:।। ভক্তাখ্যাপকে ক্রেচ তি । ইতি মেদিনী।।

ध्यतिः जी ध्यनी। ইতিশদরবাবলী।।

শ্বনী জী নাডী।। ইউবিলাসিনী। ইত্যমর: ।। হরিদা ।। গুীবা। ইভি হেমচন্দু: ।। প্রিপদী । ইভি রাজনির্ঘটঃ।। নলিকা। ইভি ভাব-পুকাশঃ।।

ধথিকা: পু॰ সংঘতাঃকচাঃ।থোপা ইতি ভাষা। ইত্যময়ঃ ॥ अসুম গর্ভো মৌক্তিক পদ্মরাগ লতিকা-দিনা বহিঃ সংঘতো বদ্ধঃ কেশ কলাপঃ। ইতি ভরতঃ।।

भूतः शृ शर्वजः ॥ कार्शामञ्चकः॥ कृर्यत्राजः॥ वनुर्ज्जाः हेजि त्मिनी भूत्रा क्री मानर्जमः। मजू हजूर्विः म-जित्रक्तिका कशः। हेजि नीनावजी ॥ शन मम्माः । हेजि विमुकः॥ भात्राः। हेजि त्मिनी॥

ধরণ: পু• অদুপতি: ।। লোক: ॥ ন্তন: ॥ ধান্য: ॥ দিবাকর: । ইতি হেমচন্দু: ॥ সেতু: । ইতি ত্রিকাও-শেষ: ॥

थत्रिः जी शृथिवी। ইত্যনतः॥ थत्रिनथतः शृश्विकः। ইতি হলायुधः॥ थत्रनी जी शृथिवी। ইতি मिक्नी॥ मान्यित्कः। ইতি मक्तिनुका॥

नाजी।। कन्तिवालयः। उट्भर्यग्रायः ी बाजनीया २ बीजनाबी ० जूकनाकः ८ कन्साश्चः ৫ वनकन्तः ७ कन्सार्धः १ ए७कम्(कः ৮। अग्रा ७५ः। मधूत्रपः। कक भिडामय त्रक मात्र ষষ্ঠ কণ্ডৃতি নাশিত্বক। ইতি রাজ-निर्घफेः ॥

थत्रगीकनः श्रु॰ धत्रगी नाम मृत्र दिल्म-यः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

थत्र शकी वकः शू॰ भ र्जः। ইতি **भद**-त्रज्ञावनी ॥

ধরণীধরঃ পুণ বিষ্ণুঃ। ইতিহেমচন্দুঃ।। कह्भः। ইতি রাজনির্ঘণ্টः॥ পর্বতঃ .। যথা। যো জাতো ধরণী ধরেন্দু जनया नाथाहि भार्याक्श जरू इंड्राहि (गानीनाथ उकां हार्य):॥

थत्रगीशृतः शु॰ ममूपुः। इंडि भय-बद्भावनी।।

ধরণীপ্লবঃ পু• সমুদুঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেবঃ ৷৷

थत्रगीयतः श्रु भितः। इंडि भदत्रश्री-वनी॥

ধরণীসুতা জ্রী সীতা। ইতি হেমচন্দুঃ वता जी भृषिवी। इंडामद्रः॥ गर्छ। । महिवानन भूवकः॥ मुद्रमानग्रयत्र

रानवित्ययः। उम्बर्धाः व्यथिषः जिं भूतक तिमि ध्रा मान मन्खम । পাপক্ষ কর নূণা মমঙ্গল্য বিনা-भनः ॥ कात्रयट भृथिवीः रेहमीः कपूबीभानु कातिनी। भर्यप्रामा शर्बंड বতী মধ্যে মেৰু সমন্বিতা ৷৷ লো-ক পালাইকোপেতা নব বর্ষ সমা-চিতা ৷ নদী নদ শতোপেতা সপ্ত সাগর বেপ্তিতা ॥ মহারত্ন সমা-कीर्भाः वन् कपुकि मःयूजाः ॥ तस्त्रः পল সহসেুণ তদর্জেনাথ শক্তিতঃ । শতত্রযেণবা সর্য্যাৎ দ্বিশতেন শতে-न या। वर्षाए शक्शवाम्ब नम-क्लानि विव्रक्षनाः ॥ जूनानुक्य व अर्यप्राक्तार्कणावारुनः वृथः। अदि অওপ সভার ভূষণাছাদনাদিক।।। বেদ্যা কৃষ্ণাজিন কৃত্বা তিলানুপরি विनप्रम् । ज्याहामम थानुगनि त्रमान्य नवनामयः ॥ उथास्त्री भून कलमान् ममञ्जाद भन्निकन्नयर । वि जानकक को लाय कनानि विविशा-নিচ।। তথা শুকানি রম্যাণি এখণ্ড শকলানি চ। ইত্যেব রচমিত্বা তা भयः ॥ त्मनः । इंडि त्मिनी ॥ । श्रद्धाः भूकाञ्चन ज्विजः। श्रमकिनः नाजी। हेि ब्राक्षनिर्वण्डः ॥ महाः 📗 ७७: कृषा ग्रीठ क्रमूमाक्षानः ॥

भूग्रः कान गयामार्। मङ्गाख्यान् ॥ मीत्रराथ। नमरल मई (मवाना॰ खरमव ভবন যতঃ।। ধাত্রী চ সর্বভূতানা মতঃ পাহি বসুষরে। বস্ন্ ধার্যসে 'यमाम्रम्याजीव निर्माल' ।। वस्मता ততো জাতা ত্মাৎ পাহি वाट । हरू प्राणि नागाह ब्याप **७**वाष्ट्रल ॥ अन्डारेय नम खमार शाहि मः मात्र कर्पनाथा पुराय नन्त्री র্গোবিন্দে শিবে গৌরীতি সংস্থিতা ।। গায়ত্রী বৃহ্মণঃ পার্ম্বে জ্যেৎস্থা, हान्तु इत्वो भु छ। वृद्धि व्र्माछी খ্যাতা মেধা মুনিষু সংস্থিতা॥ বিশ্ব॰ ব্যাপ্য স্থিতা যমাত্ততো বিশ্বস্তুরা हिजा। थृजिः कमा हिता कोनी शृ থী বসুমতী রসা।।এতাভি মূ বিভিঃ পাহি দেবি সংসার কর্মনাৎ। এব मूहार्ये जा॰ (मवी•े वाक्र (१८७)। निरव-मराष्ट्र ॥ ध्रतार्फ्तः वा ठखर्जागः स्रतेश्व ु शु जिला पर्यं । त्नव देशवाथ अचि गुः श्रीभेषा विमुद्धियः ॥ जान् विधिना यस मन्त्रा प्रवी धता वूथी। भूगाजाल जूम भा ध म भर गाउँ देवस्व व ।। विभारननार्क वर्णन किसिनी बालमालिना। नातायश श्रुबः गर्दा

কল্লব্য মথো বসেশা পিতৃ পুত্ৰ পু পৌত্রা•শ্চ তারবেদেকবি•শতি•ী ইতি গঠতি য ইত্থা যা শ্ণোতীহ निज्र गठ कन्त्र विभारिन मू करण इः সমস্তাৎ। দিব সমর বধূতি যাতি मः शुर्थात्रानः भूत ममत महरेमुः सन-विज हम्मुमीलः ॥ इजि मूट्मु-भूतारग २०४ व्यथायः ॥ थवाकरयः शुः थावाकस्यर्कः। इंछि हात्रावनी ॥ धताबाहः भू॰ मक्लभुरः। ইতি (इयहन्दुः ॥ ধরাধরঃ পু॰ বিষ্ণুঃ ॥ পর্বতঃ। ইতি व्यक्ति॥ थतानतः श्रु॰ दुष्टिनः। यथा। रियर्न भुजः ভাগবত পুরাণ নারাধিতো যৈঃ श्रुक्यः श्रुतानः। मृत्य इउ रेय न ध्रा মরাণা তেষা বৃথা জন্ম নরাখ্মা-না ।। ইতি পৌরাণিকাঃ।। ध्वित्री खी श्थिवी। इंडानदः॥ ध्रतिमा भू॰ करां। इज्रुगारिकायः।। जूना । यथा । ज्या ४तिन ग्रामाना॰ শতাদ্ভ্যধিকে বঞ্চ। ইতি মনু:।। शकाः भूः कुन्ना। वर्गः।। नीतः॥ गणजः। ইতি भिनि ॥

श्रुवंद्रिः वि श्रात्रगीयः ॥ श्राञ्द्राः ॥

अञ्गीयः । ইতি ध्धाः कर्माः ।

उद्र श्रुव्रायन माध्रः ॥ जाद क्षी ॥

१वं क्षी गृष्टः । ইত্যুगाहिरकायः ॥

कञ्गा धर्मः। ইতি मःकिश्रमात्रागाहितृविः ॥

वर्षः शु क्री मुजाम्हे । उट भर्गायः । भूगा र (मुयः ० मूक्छ । ८ व्यः ৫ । ইত্যনরঃ ॥ न্যুফ্ঃ ॥ স্বভাবঃ ॥ আচার:॥ উপমা॥ কবু:॥ অহি॰ जा॥ उनियद् । इंडि मिन्नी ॥ मानामिक ही। इंजि एमहन्द्रः॥ বর্মঃ পু॰ ধনুঃ।। যমঃ।। সোমপঃ। ইতি भिष्ति॥ जर्जकः॥ वर्म्। इंडि व्मिष्यः ॥ 🗱 ॥ प्रवतः वित्मयः । স বুন্ধণো দক্ষিণ স্তনা জ্বাতঃ৷ তন্য ভार्या। एकुमा व्यापम कन्।ः। তস্য চতুর্দশাপত্যানি যথা। প-গুনা শুদ্ধাযা পত মৈত্র্যা পুসা-मः २ म्यायाः अख्यः **३ मां**स्ट्राः मूथ 8 जूडेत गूट ६ शूडेत गर्बः ৯ ক্রিযাযা থোগঃ ৭ উন্নতৌ দর্গঃ ৮ বুদ্ধ্যা অর্থ: ৯ মেধাযা মৃতিঃ ১০ মূর্ব্যাণ নরনারায়ণৌ ১১ তিতি काया क्य > १२ क्रीम जाया शु-ট্ৰুখঃ ১০। ইতি শ্ৰিভাগৰত ।। # ॥

অপিচ। শুদ্ধা লদ্মী ধৃতি ৰঞ্জি: भूडि रर्भशा उथा किया। वृक्ति नंद्या वश्ः भाषिः निष्कः कीर्खि खायारभी ॥ भन्नार्थ भुजिबगुार धर्मा माका-যণীঃ পুভুঃ॥ বিষ্ণুপুরাণ সতে সিদ্ধি **স্থানে ঋদ্ধি द्रना९ जूनाऽ ॥ जामान-**পত্যানি যথা ৷ শুদ্ধা কামঞ্চ 🕮 দৰ্পণ নিয়ম॰ ধৃতিরাত্মজ॰। সভোষঞ্চ তথা তুষ্টি রোভ পুষ্টি রস্যত ৷ মেধা नुज्ञ किया म्ख नय विनय स्मवह। বোধ वृद्धि खथा वङ्जा विनय वशु-রাত্মজণা ব্যবসায় পুজজে বৈ কে-ম শান্তি রস্বত। সূখ সিদ্ধি র্যশঃ কীর্ভি রিভেণ্ড ধর্ম সুনবঃ॥ কামে। ननी जुल इर्ष धर्म लोख मजूरड ॥ 🗱 ॥ व्यवस्य वर्षा यथा। हिन्सा ভার্য্যা বৃধর্মস্য তস্যা॰ জক্তে তথা নৃত্। ফন্যাচ নিকৃতি স্তাভ্যা• সুতৌ (स) नद्रक॰ ভय॰।।आयाह (वहना टेहन) भिथून वर भिज्याः। ज्याद्धाः (৭থ বৈ মাণা মৃত্যু ভূতাপ হারিণণা বেদনা স্বস্তঞাপি দু:খ॰ জক্তেথরৌ-বাৎ। মৃত্যোর্ব্যাধি জন্নাশোক তৃষ্ণাঃ काथक जिल्ला। मुर्था खताः म्ठा गर्दा ठाथमं नक्षाः। रेनयाः গোঞ্জিপুৰোবাসৰ্বেতে হৃদ্ধু রেড-

धर्म

मः ॥ इंडि मार्काख्य श्रुतानः॥ 🗱 ॥ श्रापाट्रशिख र्यथा। ज्रापाट्रशिखः পুবক্যামি ধর্মস্য নহতো নৃপ। মা-হাত্ম্যঞ্চ তিথিকৈব ভন্নিবোধ নরা-्रिश्र ॥ नर्बः वुकाव्यः मुक्त श्रतानः পর সংক্রিতঃ। স সিস্ফুঃ পুজান্ত্। নৌপালনঞ্চব্যচিত্তয়থা তস্যচিত্তয **७ खुत्राम**िकगाह्छ **व**रनः। शुपू ৰ্ব ভূব পুৰুষঃ খে ত্নাল্যা**নুলেপনঃ**।। ত• मृष्ट्वीवाठ **ভगवा• म्हल्ह्वा ८ म**हा८ কৃতে যুগে। ত্রেতাযাণ ত্রিপদশ্চাসৌ দ্বিপদো দ্বাপরে ভবং॥ কলাবেকেন' भारित भुकाः भानयः भुकुः। य-ন্নেহো ব্ৰাহ্মণানা স ত্ৰিধা ক্ষত্ৰে ব্য-বঙ্হি তঃ॥ দ্বিধা বিশ্যেকধা শূদুে ছিতঃ সর্বগতঃ পুভুঃ। গুণুদ্ব্য ক্রিয়া ক্রাতি **म्जू**द्वारः भुकीर्खिजः॥ विम्क्लामी স্তোবেদে সস-হ্তিপদক্রমঃ।তথা व्याम् । अध्यात्र विश्विताः मश्र श्रुवान् ॥ উদান্তাদি ত্রিভি বৃদ্ধ এবং ধর্মে, ব্যবস্থিতঃ। বুক্ষোবাচ। অদ্য পুভূ-। তি তে ধর্ম তিথি রস্ক ত্রযোদশী 🎼 যন্তা মুপোষ্য পুৰুষো ভবন্ত সমুপা ব্রুবেং। ক্রাপাপ সমাচার ত্র্যা-মুঞ্তি মানবঃ॥ ইতি বরাহপুরুদার্গ ॥ 🛊 ॥ उत्र श्वा यथा। धर्मम

ভার্যা १हि॰ সাখ্যা তর্স্যা॰ পুঞ চন্ত-इय । जन्मा छ गूनि मा प् व (यान-শাস্ত্র বিচারক ॥ জ্যেষ্ঠঃ সন্ৎস্কমা-রো ভূৎদ্বিতীয়ক সনাতনঃ। তৃতীয়ঃ সনকো নাম চত্তর্থক সনন্দনঃ ॥ সা-খ্যবেত্তার মপর- কপিল- বোঢ় गामुद्रिः। मृङ्घे। शक्ष नियः (८, १० या-গ যুক্ত• তপেঃনিধি• 1' জ্ঞান যোগ• নতে দৃদ্য জ্যাশাংসাগি করীয়সাং ॥ ইতি বামনগুরাণ ॥ 🗱 ॥ धर्म লক্ষণ বথা। পাত্রে দান নৃতিঃ ক্ষেমাতা পিত্রোশ্চ পূজন । শুদ্ধা বলিপ্বাংগ্ৰাসঃ ষদ্বিধং ধর্ম লক্ষণং ॥ ইতি পাছোত্তরথত ।। 🗱 ।। ধর্মা-क्रानि यथा। तुम्रावर्षां भारता उभ-ना ह शुवर्ख्छ। मात्मन नियसनानि क्रमा (भोरात वज्रज्या अहि मरा সুশাভ্যাচ অন্তেবেনাপি বর্ত্ততে। ঐত দশিভি রকৈন্ত ধর্ম মেব পুস্-চযেৎ।। ইতি পাদ্মভূমিখণ্ড•।। 🟶 ॥ वर्ष गृन यथा। अपुार कान्यता-ভশ্চ দমো ভূত দ্যা তপঃ। বুদ্ধচর্য্য ততঃ সত্য মনুকোশঃ ক্ষমা ধৃতি:। সনাতনস্ ধর্মস্য সূল মেতদুরাসদ° ।। ইতি মৎস্পুরাণ ।। # ।। কলে-मंनजर्जुवर्वास्ड धर्माम्या स्दाः भरः

गिनिय जिया। भानगामा इत्रम् जि ক্র্যানাথশ্চ ভারত । কলে দশ সহ-<u>जुास्त्र गर्यो उङ्गा हरतः भरः॥ गर्यः</u> থর্মণ সত্যঞ্চ বেদাশ্চ গ্রান্দেবতাঃ। दुङ उन कानमन ययू रिष्टः नार्ष নেবঢ়া। ইতি বৃন্ধবৈবর্ত্তে পুকৃতিখণ্ড ।। # ।। धर्माथात इत्रानानि यथा । বৰ স্থান তবাধারো ৰবানি স্নয়তা विच्चा । रेवकरवयूष्ठ गर्बयू यिख्यु तृषा চারিষু ॥ পতিবু তাসু প্রাক্তেষু বান भुष्टिषु जिक्कृथु । नृश्विषु धर्मणीलियु নত্মু সৰৈশ্য জাতিষু 🖟 দ্বিজসেবিষু मूर्पुषु न मन्मर्गरिख्यू ह। এयु वु সম্ভত পূর্ণো ধর্মারাজ বিরাজসে॥ শুগে যুগে তবাধারা এতে পুণ্যতমা জনঃ ॥ 🕸 ॥ অপিচ অখ্য বট বিশ্বেষু তুলসী চন্দনেষুচ ৷৷ দেবাৰ্ছে-ষুচ পুল্লেযু বিদ্যমানোসি শাথিযু। দেবালযেষু তীর্থেষু সতা॰ শম্দৃগৃহে-यू ।। (वन (वनाक मुवन ज्ञान म-ভাসুচ। श्रीकृष ध्य नात्माक मु. जि গীতছলেষুচ॥ বুত পূজা তপো ন্যায यख माकि इलियु हामीका शदीका শপথ গোষ্ট গোষ্কদ ভূমিষু ৷৷ গবা• ग्र्ह्यू (गार्श्रयू विम्याना हि भण्ड-

इत्तर्ह ॥ क ॥ धर्मा गम् इन्नान यथा। এতদনে पूर्वा वस्त्राम् उटम्गृ। भू-कनीयु उएग्रव्यू ग्र्व्यू नत्रयाञ्चिमाः ॥ नत्रयाञ्चि नीत्रमू মূর্খেবৃচ থলেবৃচ।দেবতা গুৰু বিপ্রেবৃ भानपाना धनशतिष् ॥ व्यमसतिष् ধ্রেরু চৌরেষু রতিভূমিরু। দুরোদর সুরাপান কলহানা হলেযুচ।। শা-লগাম সাধুতীর্থ পুরাণ রহিতে বুচ। ममुशुरखयू (मरवयु जानहायामू ग-विश्व।। यनिकीति यनीकीति (प्रवन गुामया ि मू॥ वृषयाइ चर्गकांत कीव-शिःरमाभकी विषु ॥ . ७५ विनिष्ठ नातीयु जीजिएज्यू ह शुः मू ह। नीका-সন্ধি বিষ্ণুভক্তি বিহীনেষু দিলেষু চ ॥ साक् कन्याविकयिषु सरगाविषि-ক্ষিম্বথ। শালগাম সুর গুছ ভ্মি বিক্ষিষু পুভো মা গিত্রদাহি কৃত-ষুষু সত্য বিশ্বাস্ঘাতিবু। শরণাগ-তহীনেষু আশ্বিতমেষু তেষু চ। শশ্ব-चिष्णां भीत्वयु ज्था नीमान-रशित्रु॥ कामार काशाख्या ला-जिमिथा गाकि भुवंपियू। भूगा क्य विशास्त्र भूगा कर्य विद्राधियू।। ইংতু নেতেবু নিন্দ্যেবু নাধিকার স্তব সি। কৃশতা তে ন ভবিতা ধর্মৈতে বু পুড়ো है ইতি বুন্ধবৈবর্জে প্রকৃষ

कत्रभाख हर जयात्रः ॥ 🗱 ॥ पिर्वा मीना॰ थर्म्या यथा। मूर्किनकिया । কি লক্ষণো ভবেজর্মঃ কিমাচরণ সং कियः। यमाणिुठा न जीमिश्र (मदा-**म्राञ्च ज**मूहऽजाः॥ श्वयय अहुः। (मया-नाः भव्रत्या थर्यः जना यद्धां निकाः ক্রিযাঃ।। স্বাধ্যায় বেদ বেভৃত্ব• বিষ্ণু প্ৰারতিঃ মৃতিঃ।। দৈত্যনা বাহ भाविषु भाष्मर्यं युष्क निष्किया। বিন্দন নীতিশাজাণা হরশক্তি ৰদাহতা।। সিদ্ধানা মুদিতো ধর্মো याग्युकि त्रनुष्ठमा। श्राध्राय• वुक्त-বিজ্ঞান ভক্তিৰ্ছাভ্যা মপি ছিরা॥ উৎকৃষ্টোপাসন জ্ঞেয় নৃত্য বা-**দ্যেষু** বাদিতা। সরম্বত্যা স্থরা ভ-कि गाञ्चरर्व। धर्म উচ্যতে ॥ विদ্যाधन ष মতুল বিজ্ঞান পৌৰুষে মতিঃ। বিদ্যাধরাণা•ধর্মোক্থ ভবান্যা•ভ-कि त्रवछ। गामर्ब विम्ताविमिन् ভক্তি: স্থানী তথা স্থিয়। কৌশল্য॰) সর্বশিল্পেষু ধর্মঃ কৈম্পুৰুষঃ মৃতঃ 📭 वुष्कवर्य्य समानिष् यागा ज्यानत्रि म् । गर्वव कामठातिषु धर्मा ११) रिপত्कः मृजः॥ वृक्षवर्गः यजामिर्दर्भ बन्ध कानक शक्ता । निर्मा धर्म

र्विनिष् भार्यः थर्यः शुहक्तरे ॥ शा-श्रायः वृक्ष ठर्ग्यक्षमानः यजनस्मविः। অকার্পণ্য মনাযাস দ্যা হিংসা क्रमानयः ॥ जिल्लिनुयदः भौहक भाक्षा ७ ७ कि का । भेक्र ভাস্করে দেব্যা• ধর্মো ২য• মানবঃ স্মৃতঃ ॥ ধনাধিপত্য ভোগানি साध्रायः भक्ताईनः। अश्कात्रनः শৌচঞ্চ ধর্মো 'হয়ণ গুছাকেয়িতি ।। পরদারাভিমর্ষিত্ব পরার্থেপি চ লোলুপা। স্বাধ্যায় ব্র্যম্বকে ভব্কি र्थस्य। १य॰ ज्ञाक्कमः मृजः॥ अवि-বেকতাথাক্তান শৌচহানি রস-ত্যতা। পিশাচানা ময় ধর্মঃ সদ। চানিষ গৃপুতা।। यোনयस हामरेल-তাঃ সহ ধর্মান্চ রাক্ষস। বুন্ধণা কথিতাঃ পুণ্যাদ্বাদশৈব গতিপুদাঃ ॥ ইতি বামনপুরাণে ১১ অধ্যাयः ॥ 🛊 ॥ धर्मा दर्भ टाक्र १ । यथा । অহি-সা লক্ষণো ধর্মো হি-সা চা ধর্ম লক্ষণা। ইতি মহাভারত ॥ বেদপুণিহিতো ধর্মো হ'ধর্ম স্তবিপ-পর্য্যঃ । ইতি 🖺 ভাগবত ।। বি-হিত ক্রিয়ানাধ্যে ধর্মঃ পু•সা• গুণো মতঃ। পুতিবিদ্ধ ক্রিয়াসাধ্যঃ

थर्षभू

স গুণো **ংখ**র্ম উচ্যতে ।। ইতি ধর্ম দীপিকা ॥

वर्षकर्ष क्री वर्षकार्याः शृंकामृष्टेषु जिन् भामकिकिया। यथा। यम भुगिरिकः वर्षकर्ष उन्नक्षः भन्नः। ইতি वृष्ण-रिवर्र्ष्ड भुक् जिथ्यकः ॥ वर्षकायः भुः तृष्णः। ইতি जिकाक्ष-भाषाः॥

श्चिकीलः शू॰ गामन॰। त्राडमामन॰।

ইতি প্রবর্গে ক্রিকাওশেষ: ॥

থর্মকীলক: পু॰ বুদ্ধাশাসন । ইতি
পুরবর্গে শদর হাবলী ॥

থর্মাকেতুঃ পু॰ বুদ্ধা । ইতি শদ
রহাবলী ॥

ধর্মচকঃ পু॰ বদ্ধঃ।ইতি শবরত্বাবদী ধর্মচকভৃৎ পু॰ জিনঃ।ইতি ধরণিঃ॥ ধর্মচারিণী জী জাযা।ইতি শব

बद्भावनी ॥

ধর্মচিন্তা দ্রী পুণ্যভাবনা। তৎ পর্য্যায়ঃ । উপাধিঃ ২। ইত্যমরঃ।।

ষ্মতিন্তন॰ ক্লী ধ্যতিন্তা। ইতি হেম-চন্দুঃ।।

ষর্মজঃ ত্রি ধর্মজানবিশিষ্টঃ। যখা। ধর্মজ্ঞশ্চ কৃতজ্ঞশ্চ হ্রীনিষেকী দৃঢ় বুজঃ। ইতি বিশাটপার্ধ।। ধর্মণ: পু॰ বৃক্ষভেদ: । ধামিনিয়া ইতি ভাষা।। সর্প বিশেষ:। ঢেমনা ইতি

ভाষা। ইতি মেদিনী।।

१ वर्णद की वृजिमद । আংথবদ্ধনিতিয়াব এয়থা। গগণাদে বৃ জিমদ্ধ জক্ষণ পর্মান্তাবাদিতি জগদীশঃ

१ वर्णपूर्वी জী গঙ্গা। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ

१ वर्षशाजूঃ পু বৃদ্ধঃ। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।।

ধর্মধৃন্ধী তি নীবিকার্থনটাদিধারী।
তৎপর্য্যায়ঃ। লিক্ষ্ব্ভিঃ২। ইত্যমরঃ॥

ধর্মপত্তন শ্লী সরিচ । ইত্যমর:।। ধর্ম পুরী। তৎ পর্য্যায়ঃ। শুবার্ডী ২। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।।

ধর্মপত্র• ক্লী যজ্ঞোডুম্বরঃ।ইতি শব্দ চন্দ্রিকা॥

শ্বর্শপুতঃ পৃত্যুধিষ্ঠিররাজঃ। ইতি
বিকাওশেবঃ।। নরনারাযণাক্ষী।
ইতি পুরাণণা। ধর্মতঃ কৃত পুতঃ।
ধরম্বেটা ইতি ভাষা। যথা।।
বাবজুর্জাটি ধর্মপুত্র পরশু কুরাখিল
ক্রিয় শ্বেণী শোণিত পিছিলা
বিষ্কৃতী কোন্যা মধান্য পদত।
বিশেষকাত্য দান দক্ষিণ ভুজা-

ধর্মসা

वश्चे मित्राम् रा। प्रति १य॰ पिन कृट क्रेलक जिल्लान शुा अविष्ठ स्मित्।। इंजि महाना हेक॰।।

ধর্মভাণকঃ পু॰ ভারতাদিপাঠকঃ। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥

ধর্মানুঃ ত্রি ধর্মবিশিষ্টঃ। ধার্মিকঃ। ইতি ধর্ম শন্দেস্ত্যথে যু পুত্যযেন নিষ্কুষঃ।।

ধর্মপূক্ ত্রি ধর্মপুক্তঃ। ধার্মিকঃ। ধর্মণ ফুনক্তীত্যথে ক্বিপ্পুত্যযেন সাধ্যঃ॥ ধর্মরাজঃ পুণ জিনঃ॥ যমঃ। ইত্যমরঃ ॥ নরপতিঃ॥ মুধিষ্ঠিরঃ। ইতি শব্দ-রজাবলী॥

थर्मवान् वि थर्मविश्विः। भूगुवान्। इं शिक्त द्वावनी ॥

ধর্মবাসরঃ পু॰ পৌর্ণনাসী। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ ॥

ধর্মবাহনঃ পৃ॰ শিবঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ॥ ধর্মস্য যানে ক্লী ॥ ধর্মশান্ত্র॰ ক্লী মন্নাদিপুণীতশাত্র•। তৎ পর্য্যাযঃ। ফ্লতিঃ২ ধর্মসংহিতা ৩। ইতি হেমচন্দুঃ॥ ধর্মশান্ত্র প্র-যোজকা যথা। মন্বত্রি বিষ্ণু হার্মীক যাজ্রবল্পোশনোজিরাঃ বিমাপক্ষ

সন্থৰ্ত্তাঃ কাত্যায়ন বৃহস্পতী ॥ প্ৰ-রাশর ব্যাস শত্ন লিখিতা দক্ষণো-তমৌ। শাতাতপো বশিষ্ঠশ্চ ধর্ম-শান্ত্র পুযোজকাঃ॥ ইতি মৃতিঃ॥ এতে পুধানানি অন্যে হপি সন্তি।। অমিন্ দেশে পুচলিত ধর্মশাস্ত্রাণি ষথা।মলিমু চে দাযভাগে সংস্থারে শুদ্ধিনির্ণযে। পুাযশ্চিত্তে বিবাহেচ তিথৌ জন্ম। श्रेनी तुर्छ।। দুর্গোৎ সবে व्यवज्ञादकाम्मामि निर्गर्य। उ-ডাগ ভবনোৎসর্গে ব্ষোৎসর্গ ত্রযে বুতে॥পুতিষ্ঠাযা॰পরীক্ষাযা৽জ্যো-তিষে বাস্কস জ্ঞকে। भीकाया ना-হ্নিকেক্ত্যেক্ষেত্রে শ্রপুক্ষোত্তমে ॥ नामभाषि यङ्गाषि नृपृक्ठ। বিচারণে। ইত্যপ্তাবি শতি স্থানে তত্ত্ব॰ বক্ষ্যাদি যত্নতঃ।। ইতি রঘু-नत्त्व ভউ। চার্য্যঃ॥

ধর্মশীলঃ ত্রি ধার্মিকঃ। যথা। ধর্মশীলো বদান্যক বৃদ্ধক সুমহাধনঃ
। ইতি বিরাটপর্ব ।।
ধর্মস-হিতা জী মৃতিশাজ্রণ। ইত্যমরঃ।।
ধর্মসাবর্ণিঃ পুণ একাদশোমনুঃ। অমি-

্শারন্তরে ধর্মাসেত্ররবতারঃ। বৈধৃত इन्द्रः। विश्वम्य कामगमान्ता (मवा 1 जक्नाम्यः मश्रवंयः। मञ्रधर्मा দযো মনুপুত্রা ভবিষ্যন্তি ৷ইতি ভাগবতং॥ৠ। ভবিষ্যধর্মপুত্রস্য সাবর্ণস্যান্তর• শৃণু । বিহঙ্ক নাঃ কা-মগনা নির্মাণ রত্য স্তথা।। ত্রি পু-কার। ভবিষ্যন্তি একৈক ব্রি॰শকো-शनः। गाम बूर्वित्रा (यख निर्मान রত্য স্ত তে !৷ বিহস্পনা রাত্রযোথ मूर्डाः कामरमा गनः। इत्मु। व्या-খ্যো ভবিতা তেষা• পুখ্যাত বি-ক্রমাঃ ৷৷ হবিদ্যাণশ্চ ধনি গ্রশ্চ ঋষি-त्रना उथाक्षिः। निम्हत म्हान्य-टैक्टव वृक्षि कारना सहामूनिः ॥ সপ্তর্যযো হন্তরে তমিন্নগ্রিতেজাক সপ্তনঃ। সর্বানুগঃ সুশর্মাচ দেবা-নীকঃ পুৰুদ্ধঃ॥ হেমধনা দৃঢাযুক্ত বিভানু স্তৎ সূতা নৃপাঃ ৷ ইতি মার্কণ্ডেযপুরাণ ॥

धर्ममूजः भू॰ यूधिश्वित्रताङः । इजि. भमत्रद्वावनी॥

थर्गमः श्रु ध्मप्रावेशकी। इंडि नेय-बङ्गावनी॥

धर्माक्व की अक्तकंव । यथा। वृक्ष-

বেদিঃ সক্ষেত্রেপঞ্চরাম হুদান্তরণ
। ধর্মক্ষেত্রণ সক্ষেত্রণ দাদশ যোজনাবধি।।ইতি হেমচন্দুঃ।।অপিচ
। তরস্কলারস্ককযো র্যদন্তরণ রামহুদানাঞ্চ মচকুকস্য চ। এতৎ সক্ষক্ষেত্র সমস্ত পঞ্চকণ পুজাপতে ক্তররবেদি ক্চ্যতে।।ইতিভারতপাদ্যে
।। ধর্মাধারে ত্রি।।

थर्माजा श्रु थर्मनीनः। यथा। मर्घ र्जगवान् व्यात्रः कृत्वभाः निश्वाः পুরা। শ্লোকৈশ্চত্তুর্ভি র্ধর্মাত্মা পুত্র মধ্যাপয়ৎশুকং॥ইতি মহাভারত• गांधर्मगतीकन क्री भत्रीकावित्न-यः। यथा। अधूना मः भुवक्र ग्रि ধর্মাধর্ম পরীক্ষণ । হস্তুপা যাচ-यानानाः शुायन्त्रिखार्थिनाः नृगाः॥ রাজত• কার্যেৎ ধর্ম নধর্ম• সীস-কাযস। লিখেৎ ভূর্বে পটে বাপি ধর্মাধন্মৌ সিতাসিতৌ।।অভ্যুক্ষ্য भक्षगत्तर्न गन्नमस्वाः ममहत्य<u>्</u> । সিত পুস্নতু ধর্ম:স্যাদধর্মো ৎসি-ত পুষ্পৃক্॥ এব॰ বিধাযোপ লিখ্য পিওযো ভৌ নিধাপযেৎ। গোম-यन मृगावानि निर्छोकार्य्यो मम-ভতঃ। মৃত্যাওক উপজ্তে সাপে গ্ৰ

চানুগলক্ষিতৌ ৷ উপলিপ্তে শুচৌ দেশে দেব ব্ৰাহ্মণ সদিখৌ।। আবা-হ্যেৎ ভতো দেবান্ লোক পালা क भूई वट् ॥ श्यावाहन भूई छ পুতিজ্ঞা পত্ৰক বিখেৎ । यদ পাপ বিমুক্তো ২হ ধর্ম স্থাযাতু মে করে॥ অশুদ্ধ শ্চেন্মমকরে পাপ মাযাতৃ ধর্মতঃ। অভিযুক্ত স্তযো-ৈচক পুগৃহীভাবিলম্বিতঃ।। ধর্মে गृहीर मुक्तः महामध्यांख म शीय-তে ৷ এবং সমাসতঃ প্রোক্ত ধর্মা-ি ধর্ম পরীক্ষণ ॥ ইতি মিতাক্ষরা॥ ধর্মাধিকরণ ক্লী রাজ্যোবিচারস্থান। यथा। धर्मनाजानुजादान वर्षनाज নিৰূপণ । যত্ৰাধিক্ৰিয়তে স্থানে **धर्माधिकत्रन हि उट्या इं**जि वीत भित्वाप्रत्य काज्यायन वहनः॥ 🗱 ॥ পুৰুষান্তর তত্ত্বজ্ঞাঃ প্রাণশব স্চা-প্যলোলুপাঃ। ধর্মাধিকরণে কার্য্য জনাস্থানকরা-নরাঃ॥ ইতি মৎস্য-शूत्राण २४३ व्यक्तायः ॥

श्यांशकः नक्षणः। यथा। नगः भाजो ह भाज ह नर्त्रभाद्ध विभाजमः। विभूष्शः सनीनक श्यांशिकत्रणा जल्दा। इंडि म न जुन्ना ति कि विषिक्त विष्नि विष्नि के विष्नि क

ধর্মাধ্যক্ষঃ পু॰ ধর্মাধিকরণী। ইতি হেমচন্দুঃ ॥ ঋ॥ জল শীল গুণো-পেতঃ সর্ব ধর্ম পরাবণঃ। পুরীণঃ প্রেবণাধ্যকো ধর্মাধ্যকো বিধীয-তে॥ ইতি চাণক্য॰ ॥

ধর্মারণ্য ক্লী পুণ্যবনবিশেষঃ। তস্য নাম কারণ যথা। স ধর্মঃ পীডিতঃ সর্ধ সোমেনাজুত কর্মণা। তারা। জিঘূক্ষতাপদ্নী জাতু রাঙ্গিরসম্যুচ ।। সোপ্যযা দ্রীষিত তেন বলিনা ক্র কর্মণা। অরণ্য গহন ঘোরণ পুরিবেশ তদা পুজুঃ।। ঝুক্ষোবাচ। যহারণ্য মিদ ধর্ম ব্যাব্যাপ্ত চিরণ বিভো॥ নামা ভবিষ্যতি ছেতছ-র্মারণ্য মিতি পুভো। ইতি বরাহ-পুরাণে।।

थर्मा गन की विहासागन । विक इंडि इंक्षाओं जाया। यथा। श्रमीगममधि-. श्राय गन्नी जाकः गमाहिणः। शुनमा 'लाकপालिखाः कार्या मर्भन मातः रिख्याः इंकि मनुः ॥

थर्भिनी जी त्रन्ता। इंडि ताजनिर्यणः थभी वि धर्मनान्। भूगुनीनः। ईंडि मफ्तद्वावनी।।

थार्याशामकः भूः एकः । ইতি

ধর্ম্য: ত্রি ধর্মাননপেতঃ। ধর্মযুক্তঃ।

যথা। ধর্ম্যান্ধি যুক্ষাৎ শ্রেমান্যৎ

ক্ষত্রিয়স্য ন বিদ্যুত্তে। ইতি

গবদ্ধীতা।। ন্যুনাধিক বিভক্তানাং

ধর্ম্যঃ পিতৃ কৃতঃ স্তঃ। ইতি দায়ভাশঃ।।

ধর্ম্যবিবাহঃ পু॰ বিবাহবিশেষঃ।
সচ পঞ্চবিধঃ। ব্যক্ষ দৈবার্য গান্ধর্ব
পুজাপতঃ কপঃ॥ অধর্ম্য বিবাহ
ক্রিবিধঃ। আসুর রাক্ষস পৈশাচ
কণঃ। যথা। ধর্ম্যেরেব বিবাহেষু
কাল পরীক্ষণ নাধর্ম্যেষু । ইত্যুদ্বাহত্ত্বং॥

धर्मः भु॰ भागनुऽ।। अमर्यः॥ मिकि वन्तनः॥ म॰ रुजिः॥ हि॰ मा। इजि ध्र थाज। जीत ९० भुज्रत्यन माधः॥

धर्यकः वि मुद्रेः। इंडि मदत्रवावनी ॥

शर्वकातिनी जी मृतिजाकना। इंजि नमत्त्रवावनी।।

थर्षन ती शति ज्यः ॥ ति । इंडि मिनि ॥ धर्ष मदार्था श्रवः ॥ थर्षनः जी वक्षकी ॥ व्यवः । इंडि मर्गक्षिमाताना दिवृद्धिः ॥ थर्षनी जी देविनी । अम्बी । इंडिभन्न गैकीया ज्युका ॥

ধর্ষিণী জী পুশ্চলী।ইত্যনর: ॥
ধর্ষিত ক্লী রতিঃ। নৈথুন । ইতি
ক্রিকাণ্ডশেষ:॥ কৃতধর্ষণে ত্রি॥
ধর্ষিতা জ্রী অসতী। ইতি শন্দ্র-রত্নাবলী॥

थलखः शृष् मृष्ठकष्ठकृकः। थलखाँक्षा इंडि ভाषा। इंडि न्यहिन्युका
थव हे गठी। इंडि किविक्सकृष्ट्यः।।
थवः शृष् शिडिः॥ नतः। इंडिप्रदः॥
शृद्धः। इंडि प्रिम्ती ॥ यनामथाउ
देकः। उर्वश्यायः। धूतकृतः २
नाकष्टार्थः ०। इंडि तन्नमाना।।
मृष्डकः ८ शोतः ६ क्यायः ५ मधूत्रकः १ न्यू इक्षः ৮ शाखुरुकः २
थवनः २० शाखुरुकः २
थवनः २० शाखुरुकः २
थवनः २० शाखुरुकः १ शाखुरुकः २
थवनः २० शाखुरुकः । वना ज्या

প্রকারের । শীতবং । পুনেহার্শঃ
পাও পিত্ত কফাপহরণ । মধুরত্বণ ।
ভূবররণ । তিজ্ঞত্বক ।। তক্তকণ
ইয়মপুরণ । ইতি রাজনির্ঘণ্টা ।।
কলঃ পুণ ধবরকঃ ।। চীনকপূরিঃ ।
ইতি রাজনির্ঘণ্টা ।। কুমুশুস্তা । শুরুঃ
।। সুন্দরে তি । ইতুলাক্তকাবঃ ।।
কেতত্ব মুক্তে তি। ইত্যুমর্ল্লান্তাবঃ ।।
রাগবিশেষঃ। ভরতমতে হিন্দোল
রাগস্যান্তমপুত্রঃ । ইতি সংস্থিতশারণ ।।

ধ্বলগলঃ পু॰ হ॰সঃ। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ।। শুরুপক্ষ ।। ধ্বলপাটলী জী সিতপাটলিকা। ইতি রাজনির্ঘটঃ।। ধ্বলমৃত্তিকা জী খটিনী। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ।।

धवनयायनानः भू यायनानित्भियः।
छ भर्यायः। भाष्ट्रवः र जात्र छ प्रनः
च नक्ष्यका छिविछातः ४ वृद्धः ६
सोक्षिक छ पूनः ७। जन्य क्ष्याः ।
सोन प्रवः। यन प्रवः। वृद्धः। क्ष्यः
पुष्यः। भण्यः। विद्यायाः भा सम्म

धवनी जी मूझारगीः। इंडागतः।

ধবলোৎপল স্নী সমুদশ ইতি রাজ-নির্ঘটঃ।।

ধবাণকঃ পু॰ বায়ুঃ। ইত্যুণাদিকোষঃ॥ ধবিত্র; ব্লী মৃগচর্যরচিতব্যজন । ইত্যমরঃ॥

ধা ডু লি ঞ ধারণে॥ পুঙৌ ॥ দানে । ইতি কবিকগ্নকদঃ ॥

भाः शृ तुका ॥ शातकः। ইতি मिनि नी।। वृष्णकृष्णिः। ইত্যেকाक्षत्रकायः शाकः शृ वृषः ॥ जाशातः । हेज्यः गानिकायः ॥ जामः ॥ खद्धः। हेजि सन्तिश्वनात्त উनानिवृज्ञिः॥

পাটী জী শতুসংস্থাসন । তৎ পাঠ্যায়: । পূপাতঃ ই অভ্যবন্ধনাঃ ৩ অভ্যাসাদন ৪। ইতি হেমচন্দুঃ থানকঃ পু॰ দীনারভাগঃ। ইত্যুগাদি-কোষঃ ।।

शाउकी खी भूत्रविष्मयः। शारे कृत हेि जाना। उर भर्यायः। विहरः भूत्री २ जामुभूत्री ० शावनी ६ व्याप्तः बाता ६ मूजिका ७ भार्यजी १ वहः भूत्रिका ৮ समूरा २ नीष्भूत्री सक्षता > भर्या

थाजू

্ঠত সম্ঘপুদ্দী ১৪ রোখুপুদ্দিনী ১৫ जीतुङ्गामा ३५ विश्व मिथा ३१ सम्। পুরা ১৮। ইতি রাজনির্ঘন্টঃ॥ ধাতৃ-পুরী ১৯ ধাতুপুত্রী ২০ ধাতৃপুত্রিকা ২) ধাত্রী ২২ ধাতুপুদ্মিকা ২৩। ইতি नमत्रवावनी। यम् । खनाः। करूपः । উঞ্জু•।মদকারিজু•।বি**বপু**বাহি-কাতিসার বিসর্গ বুণ নাশিত্ব। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ । শীতত্ত্ব । রক্ত পিত্ত নাশিত্বশ ইতি রাজবল্পভঃ।। খাতা পু• বুন্ধা। ইত্যমরঃ॥ বিষ্ণু: 1 ইতি হলাযুধঃ।। পালকে ত্রি। ইতি मिनि ॥ थात्रकः । ইতি धत्रिनः॥ ख्खमूनिপूबः। उम्र जार्गा मिक কন্যা আয়তি:। তস্য সুত: মৃকণ্ডু: তস্য চ মার্কণ্ডেয়ঃ। ইতি শ্রীভাগ-বত ॥

बन ।। उबः ॥ वागुः ॥ चाकानः ॥ जुना। यथा। गक्षः ॥ त्रमः ॥ क्रि ।। न्नार्कः ॥ नामः ॥ इनिर् यानि। यथा। हकूर।। (जाव ॥ युनि ।। जिस्रा ॥ पुक्।। जन्मविक् छिः। माजू रेगतिक मनः भिनापि ॥ नर्-(यानिः। जाह जाबू भय शुक्षिः। **ज् अठ अठ अ्ड्डिः ॥ यगिरिः ।** ইত্যমর ভরতৌ ॥ 🛊 ॥ নবধাতবো यथा। হেন ভারার নাগাশ্চ ভানু বহেচ তীশ্বক । কা॰স্যক कास-লোহশ্চ ধাতবো নব কীর্ত্তিতাঃ।। ইতি সুখবোধঃ॥ 🗱॥ अञ्चेषाতবো যথা। হিরণ্য রজত কা স্য তামু नीनकरमव ह। तक्मायन देवजुक ধাতবোষ্টো পুকীর্ভিতাঃ।।ইতি দান-मागद्रः ॥ चिनिष्ठ । मूर्वर्गः प्रबन्धः जामु· (बोर्· क्रम)क भावमः। वक्क সীসকক্ষৈব ইত্যপ্তৌ দেবসম্ভবাঃ।। हैि देन 🕉 ॥ 🗱 ॥ मध्या जत्या वथा। वर्ग कनात्रक जामुक त्रवः यमस्याय ह। जीमः लोर्क मरिश्रत ষাত্ৰবো গিব্লি সম্ভবা: ॥ ইতি ভাৰ-शुकानः॥ ।। जामामुर्टमिं र्यथा । मृग् उत्वन म ज्रम कथामान-

'পভুরা

मयानत्व। अकागुः हिन्न माथाय त्यन তামু•মম প্রিয•॥ পূর্ব• কমল পত্রা-ক্ষিণ্ডডাকেশো মহাসুরঃ৷ তামুৰপ । সমাদায় মহৈযবারাখনে রতঃ ৷৷ তঞ্চ **দৃষ্টা ম্যাপ্রো জ**ণপুদরেনান্তরাত্মনা। ভডাকেশ মহাভাগবৃহি কি করবা ণিতে॥চক্রেণবধ মিছামি ত্বামুক্তে-ন কেশব।বৈশাখন্য তু মাসন্য শুङ্ग शक्क जू हामनी ।। मम তে बामय **ठक॰ वाथ**यिष्ठ जिल्लाय । जिल्ल চক্রেণবিপাটিতোসৌ প্রাণ্ডোপি না ভাগবত পুৰানঃ ৷৷ তাসুস্ক তন্মা•স गम्क् मूयर्भमङ्गिनि क्रा त्रव्धा उव-শ্চ। রঙ্গঞ্জ সীসং ত্রপু ধাতু সংস্থ কা-স্যঞ্জ রীতিশ্চ নলস্ত তেষা ।। **এত छा** गवरिं कार्यं गम श्रियद दिः मरा। এव॰ তাमु॰ সমূৎপদ गिতि म जावां हि उटा। इंडि न्ताइ भूताप॰॥ # !! हति जान हति वी र्या वाची वीर्यं भनः निवा। शाहरः निववीर्याः मां १० गन्नकं भावं जी तकः ॥ इंजि रेवन्रकः ॥ 🛊 ॥ माथान शाउता यथा। नाकिक जूथिका-**ज्**ठ नीवाक्षन निवाबकाः। त्रमक-শ্চেতি বিজ্ঞেয়া এতে সপ্তোপধাতব: ॥ 🛊 ॥ भन्नीतङ् मध्याज् ভव

माछाभधाउता यथा। उनाः महन्ति ।
नात्री । काल ज्वाकि गहिति ।
मूक मा म जवः त्राहा यः मा म कीर्काल वमा ॥ व्याम महा उपा
तम्मा खरेथत्वाक्षम मध्य । इति
था ज्वाकिया अत्व मध्याभवाव वः ॥ इति मूथताथः ॥
था जूकामीम ही कामीम । इति
रम्म नाम्म ॥

ধাত্ম শ্লী কাঞ্জিক । ইতিহেমচন্দুঃ॥ ধাত্মশন শ্লী কাঞ্জিক । ইতি ত্রিকাপ্তশেষঃ॥

भाजूनः शृ मतीत्र स्थुप्र न भाजूनः ।

त्र महे जि गाजः। हे जि मस् हिन्तु का । भाजू शृज्ञिका की भाज्यु ज्ञिका। भाहे क्या हे जि मस्त ज्ञावनी भाजू शृज्ञी की भाजकी। हे जि जावन श्रुक्ता ।।

भाजू कृष्ट शृ भर्द जः। हे जि मस्त ज्ञा विन ।।

भाजू कृष्ट शृ भर्द जः। हे जि मस्त ज्ञा विन ।।

भाजू कृष्ट शृ भर्द जः। हे जि मस्त ज्ञा विन ।।

भाजू का भाज्ञा कि का निक्क का । माज्ञा का ।

भाजू मातिनी की मिक्क का । माञ्च का ।।

भाजू मातिनी की मिक्क का । माञ्च का ।।

भाजू मातिनी की मिक्क का । माञ्च का ।।

भाजू मातिनी की मिक्क का । माञ्च का ।।

भाजू मातिनी की मिक्क का । माञ्च का ।।

भाजू मातिनी की मिक्क का । माञ्च का ।।

इन्द्रिका ॥

ধাত্ৰক্ষত স্নী টকণ। ইতি রাজ-নির্বট: য

शाजूतारी भू॰ कात्रक्षमी । इंजि हात्रावनी ॥

খাতুবৈরী পু॰ গন্ধকঃ। ইতি শব-চন্দ্রিকা।।

ধাতুশেখর भ কাসীস । ইতি হেমচন্দুঃ।। .

ধাতৃপলঃ পৃ• কঠিনিকা। ইতি হারাবলী।।

षाज्भूबः भू नन क्रमातः। इंडि भदत्रश्वावनी।। दुक्र गः मृज्या बक्षः।। धाज्भू श्विका भी धाजकी। इंडि प्रतः॥ धाज्भूशी भी धाजकी। इंडि णद-

ধাত্র॰ ক্লী ভাজন । ইতি সংক্ষিপ্ত-সারোণাদিবৃত্তিঃ।

ধাত্রিকা জী আনলকী। ইতিব্রাজ-নির্মণ্টঃ॥

वाजी जी माजा। उँवानाजा। कि जिः
॥ यामनकी। इंडि मिनि ।। के।।
याभ वाजामु ८ পত্তি काद्रगः। क्ला
मत्रगामुक्ता विका मोहाशनामाय कपुवाकतामार्गः मेकि॰ इद-

তো দেবান্ পুতি সা আহ। অহনে-ত প্ৰিবা ভিন্না তিষ্ঠানি ক্ৰিনিধৈ খণৈঃ । গৌরী লক্ষীঃ স্বধা চেতি রজঃ সত্ত্ব তনো গুণৈঃ ৷৷ তত্ৰ গত্বা তথা কাৰ্য্য বিধাস্যন্তে চ তাঃ সুরাঃ। তা তথা তান্ সুরান্ দৃষ্টা পুণতান্ ভক্তবৎ-সলাঃ।। বীজানি পুদদু স্তেভ্যে বাক্যা-नि खगमु उसा। ইमानि (स्वा वीजानि বিকু ৰ্যতাবভিষ্ঠতি ৷৷ নিৰ্বপশ্ব• ততঃ কাৰ্য্য ভবতা সিদ্ধি মেষ্যতি। ক্লি-প্তেভ্য স্তব্ৰ বীজেভ্যোবনস্পত্যঃস্ক্ৰিযো **९** जन् ॥ थाबी हमा न ी दिव जून भी চ নৃপোত্তম। বাজুদ্ভেবা মৃতা ধাত্রী মা ভবামালতী মৃতা।।গৌরী ভবাচ তুলসী তনঃ সত্ব রজো গুণাঃ।স্ত্রী ক্-পিণ্যে বনস্পত্যে দৃষ্টা বিষ্ণু স্তদা-নৃপ।। উভঙ্গে সমুনা হৃদাৰপাতি-यथा। শृत् प्रधाजी नास्त्रजा । सर्वाश হর শুভ । যৎ পুরা হরিণা প্রোক্ত विशिष्ठ भुजि नात्रमः ॥ शाकी वट्म নৃণাং ধাত্রী মাতৃ বৎ স্কৰতে কৃপাং। मन्त्रानायुः भयः भानः नानामि वर्ष मक्राधा वाच्यी नामन मारा श्राष्ट्र

निर्दाण (मवछ। विद्यानि निव कायरह शाबी ज्ञातन रेव मृगा।। जनाए पु জ্ব বিপেন্দু পাত্রী স্নান হি যন্নতঃ। প্র্যাস্যাস হরেধান দেবত্ব প্রাপ্য নারদাযেত্র যত মুনিশুেঃ থাত্রী স্নান• मगाहरद्र । जीर्थ वानि गृह वानि তত্ৰ তত্ৰ শ্ৰিযঃ স্থিতাঃ॥ ধাত্ৰী স্নাতা-नि फ्विंस यम्त्राञ्चीनि कल्ववात । शुकाविजानि विश्वमुन म मामर्ज मञ्जदः ॥ शाबी कलन विल्नुमु যেষা॰ কেশাশ্চ রঞ্জিতাঃ। তে নরাঃ किनव॰ याखि नानयिद्वाकत्न स्वनः।। ধাত্রীফল মহাপুণ্য স্থানে পুণ্যতর • মৃত । পুণ্যাৎ পুণ্যতর र र म जक (१ मूनिश्क्व।। न गका न गरा भूग्रा न कामी नह शुक्रतः। এकिव ह यथा পুণ্যা ধাত্রী মাধব বাসরে॥ কার্ত্তিকে भामि विर्णुन्तु शाबीत्रानः मगाहरत्र । यण उद्धन मनीयाए (मा श्यामध भवानु याए ॥ शाजी कनः स्वातन्त्र म रित्व मूनिमंखन। शुश्चिमनि क् छाए পাপাৎ মুচ্যতে নাত্র সংশযঃ॥ সং মরেশস্ত ধাত্রী তা নহন্যহনি মান-বং। মুচ্যতে পাতকৈঃ সর্বৈর্মনো বাক্ काय मञ्जरेवः॥ शाजी कनान जाता-न्त्रा महेमी नवमीयू ह । इतिवाद्य ह

ज्ञास्त्री मध्यातम् नि शूक्त ॥ यम् গেহে মুনিশেষ ধাত্ৰী তিষ্ঠতি সৰ্বদা 🔻 তস্য গেহণ ন গছন্তি পুেত সন্মাও वाक्रमाः ॥ शाजी नात रुवर्नानि জাগরে হরিবাসরে। জন্ম বন্ধো বিন-শেত হ্যমেধাযুত কল ।। স্বাধা-मामलोक यंख कार्खिक एत्रिव**्मल** ৷ পরিতোষণ সমাবাতি তস্য বৈ মা-थवः स्रयः ॥ श्वीहायाः स्रामान्ड वर्गाए माना या मूता मूकि भु-যান্তি পিতরঃ পুসাদান্তস্য বৈ হরেঃ ৷৷ মৃদ্ধি পাণৌ মুখে কণ্ঠেদেহেচ মুনি সত্তম। ধত্তে ধাত্রী ফল শ্বস্তু সমসাত্ম। সপুণ্যভাক্॥ধাত্রীফল বিলিপ্তাঙ্গো ধাত্রীফল বিভূষিতঃ। ধাত্রীফলকৃতা-हाता नता नाजायला ভविटा। यः কশ্চিষেফবোলোকেশ্বভেপাত্রীফল• মুনে। প্রিষো ভবতি বিষ্ণোঃ স মনু-यताशक का कथा ॥ शाजी कनानि যো নিত্য বহতে কর সংপুটে। তস্য नाजायां परिता वज्र भिकः भुगहि ॥ शाबीकनः म भाकवाः कराहि क्त मः भूषेषः। य ইছে विभूवान् छा-গানছেয়ে। মুক্তি মিছতি।। ধাত্ৰীকল क्ञाः मोनाः कश्रहाः या वरहवहि । স বৈশ্বোন বিজেবোবিশুভজি 😽

থাত্ৰীফ

রোপি চ॥ ন ত্যাজ্যা তুলদী মালা ধাৰী মালা বিশেষতঃ। তথা ৰুদুাক মালাপি ধর্ম কামার্থ মিছতা॥ যাব-क्यूठेि कथे हा थानी गाना नवंग्र हि য় তাবন্মনসি হৃৎছোপি সদা লুঠতি किम्यः ॥ याविष्मनानि वहरा शाबी মালা॰ করে নরঃ। তাবন্দুগ সহস্যাণি বৈঙ্গপ্ত বসতি ৰ্ভবেৎ ॥ সৰ্বদেব মথী शाबी वामूरिव मनः श्रिया। आस्ताश-ণীয়া সেব্যাচ সেচনীয়া সদা বুংখঃ।। এতত্তে সর্বনাখ্যাত ধাত্রানাহাত্ম্য মুন্তন । শ্বোতব্যঞ্চ সদা সন্তি শত্তু-র্বর্গ ফলপুদ্ণা ইতি পাদ্মোত্তরখণ্ডে ১২৭ অধ্যায়ঃ॥ #॥ অপিচ। তুলসী বৃক্ষমাশ্রিত্য যা যা স্তিষ্ঠন্তি দেবতাঃ। সামলক্যা সপিপুাক্ত তাস্তাএববস-ष्ठित ॥ अभूक वा भूक वाशि य कर्पामलकी जला। कियरज मानरिव र्विशु ভবেङ मई मक्स्य ॥ भविव র্তনৈঃ পত্রৈ র্ধাত্র্যা যঃ পূজ্যেজ্রি। স মুক্তঃপাপজালেন সাযুজ্যণ লভতে रुप्तः ॥ शाबी ह जूननी एउनी ्निज-ষ্ঠেমত্র জৈমিনে। স্থান তদপরিত্র न्यामह भूग्र किया करन्य। शंक्रा रीन॰ जूलगा ह निवय॰ यंगा जूमूत । শেলদীঃ পাতক সর্ব কলিশ্চতেন

তোবিতঃ॥ ধাত্ৰী কাঠস্য মালাঞ্চ (या वर्र्मिजिमामतः। उৎ गर्व म-ক্ষয় প্রোক্ত শুভ বাশুভনের বা।। यस धाजी कन जूरङ्क मानता श्थिन उप्रिट्। उत्प्राजास्त স্থাযি সর্ব• পাপ• বিনশ্যতি ॥ ধাত্ৰী ফল ম্যী মালা বছতে षिकमखमः। युवीमि मृत्माकाचार नर्वभाभ इतः मूछः॥ ग्रामातिभ यमा मृजूर खमर महारिएव यागजः। गक्रामद्रगङ भूगं म भूगािक न স•শযঃ॥ নিত্য• গৃহাতিবোধাত্রী जूनजी ज्न कर्पन । फिल फिल লভেৎ পুণ্য সো ংশ্বমেধ শতো-ন্ডব । ধাত্ৰী তৰুঞ্চ যে। হন্তি সৰ্ব দেব গণাপুৰ ॥ সু দদাতি হরের-**কে** বাত• নাৰ্স্ত্ৰ সংশযঃ। সৰ্ব-**(व म्यो था जी विस्मिया क्या व** প্রিয়া॥ সম্যাকু গুণ তস্যা বুদ্ধ-ণাপি ন শক্যতে।ইতি ক্রিযাযোগ नात २० ज्याग्यः॥

भारत २० व्यथ्यायः॥ शाबीलवः क्षी ठाणीमलवः। इंडि ज्ञाजनिर्वण्यः॥ व्यामलकीमलकः॥ शाबीलवः शुः नहेः। इंडि रहमहन्तुः॥ উপमाত। मूजकः॥

थाजीकन त्री जामनकी। इंडि

कर्राथवः ॥

থাত্রেয়ী দ্রী থাত্রেষিকা। ইতি থাত্রী
শবাৎকেষে ইপ্ পুত্যুযেন নিম্নন্না।।
থাত্রেষিকা দ্রী থাত্রী। পাই ইতি
ভাষা। যথা। পঠেন্ধাত্রেষিকা বাক্যুং পুরুষ্থো বাপুদ্রম্থাং। ইতি
চতুথী পুকরণে তিথিতত্ত্বং।।
থানকং দ্রী ধন্যাকং। ইতি রাজনির্ধক্তঃ
থানা দ্রী ভৃষ্টবরং।। ধন্যাকং।। অভি-

ইতি মেদিনী (হমচন্দু)।।

शानाः खी ज्क्षेयदः। दङ्वहनास्त्रायःभयः। ইত্যনরः।। यवास्त निद्धवा

ज्क्षेः सृठा थाना ইতি खियाः।

शानाः मूर्र मूर्कता कका छ्रेभुता

खतवक जाः।! ज्था (समः कक हर्षि
नामन्रः संभुकीर्खिजाः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

নবঃ। অঙ্কুরঃ।। ভিনঃ। চূর্ণসক্তবঃ।

श्वानाकाः ज्ञी श्वानाः। निज्जवङ्वहता-खार्यः भद्रः। ইতि भद्रज्ञावनी॥ श्वानाहृर्यः क्षी ज्ञेयवहृर्यः। मक्वदः। ইতি ह्यहन्दुः॥

थानी जी शीनू वृक्तः। ইতি রাজ-নির্ঘণীয়া আধারঃ। धीयতে धार्ग्या १ व्या थाया जनहें हिंदानी श्री । यथा । सूट्याशीनी ताजधानी। ইত্যাদি ভরতঃ ॥

থানুষঃ ত্রি থনুর্ধরঃ। ইত্যনরঃ ॥

থানুষা জ্রী অপামার্গকৃষণঃ। ইতি

শব্দানুকা॥

থানুষ্যঃ পু॰ বংশঃ। ইতি রাজনির্যন্টঃ॥

থানেয় জ্বী ধন্যাক । ইতি রাজ-

খানেযক ক্লী খন্যাক । ইতি জটা ধরঃ।। খান্ধা জ্রী পৃথীকা। এলাইচ ইতি ভাষা। ইতি শব্দ ন্দ্রকা।।

निर्घण्डः ॥

ধান্য স্ত্রী চতুন্তিলপরিমাণ। ইতি मुङ्कतः॥ धनतकः॥ शतिरायनः॥ সত্যতপুলাদি। ধান ইতি ভাষা। তৎ পर्यत्रयः। ভোগ্য २ ভোগাई• ৩ অন্ন ৪ অন্য ৫ জীবসাধন ৬ স্তয়করিঃ ৭ ব্রীহিঃ ৮। তত্র শুক **খান্য গুণঃ। ত্রিদোষ শমনত্ব॰ তে-**জा वना जिन्य वीर्य दिक्क ना ज्य क ॥ 🛊 ॥ भन्नी थाना खनाः। ७कपुः । श्चियु । विवक्षमाञ्च्य ।। 🗱 ॥ তৃণ ধান্য গুণঃ। বাতাত্মকত্ম । नि-শিরত্বক। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ ।৷ 🛊 ॥ শ্বান্য ত্রিবিধ । হেমন্তো জ্বঃ শা-निः > शीयाकः वश्चिकः २ शुक्रि কালভব আশুঃ ৩। এতেষা• গুণা **उट्टा**म् पुष्टेवृतः ॥ स ॥ वानिकृ बाना खनः। धक्यः। ॥ व्याभिज थाने अने वाशिजवान खना कि कि भीनः ॥ 🕸॥ द्वान्त्राज्यितान्य शन्य खनाः। मयुष्। मीतुभाकिषः। खना-खत्रप्रभाष्ट्रिके। (मार्थ इतेष्ठे । ्रवण्डिकः। मूज् विवस्तिन्द्रकः।। 🟶 ॥ नवः थानाः अञ्चित्रानित्।। भारतः जित्राथिक भानाः मयू।। जन्देर जन ছবাদ্ৰু পোন্ত বাত পুকোপন कंक॰ वायुज्र न् नु वृष्ये कि ।। नू न थान्। भभी थानाथः दर्जनाम्स् अनुष्य ॥ नमी थाना वर्षाम्की उ বাতকৃৎ ৰক্ষণ 11 অভিনৰণ তং शुरित्व ध्रक ॥ नवा यव भाक्म नाय তিলা হিতাঃ। পুরাণা বিরসা कका न उथार्थकदाः ॥ यनार्ख्यः ব্যাধিছত অপর্য্যাগত অভ্নিত্র नवक थाना न स्ववंद ॥ अकान काउ॰ धाना वित्रमः मर्ब धाजू भूम्-यनका । २७ वाजवल्लाः ॥ 🗱 ॥ वुकारने व्यक्त जारम वर्षनीय शानानि यथा। अकारमहाः वित्नस्यन स्व মাত্র পরিত্যজে । কল মূল ত नारीन किष्णुक्तरः शुक्नायः ॥ नमञ्जभाना म मुंड शिविदा यि दा पूरिक । शान्तानि विविधानी इ जगज्जा

मृग् यङ्गजः ॥ मार्गम मार्ग नम्बीन्ह धान। (कामुव नर्यभाः। गूडें(का त्राज-गांचाक जूमूरता ज्मत उथा ॥ यव গোধ্ম মুনাশ্চ তিল কলু অলথকাঃ । গবেধুকাশ্চ নীবারা আডকশ্চ কলাযকাঃ।। মাঞ্কো বজুকোরকঃ কীচকো ৰডক স্তথা। তিলকা শুণ-कारप्राम्ह थानप्रानि कथिजानि वि ॥ এডকান্য সমুজ্ত মন ভবতিশো-ভনে ৷ অনত্যাগে বুতে ভক্ষ্য মেত त्व विवर्काद्ध ॥ ३७ भाष्माख्य-थंडिशा क्षा विश्व वान्य हिन्श ত্তর তিথ্যঃ রিক্তাতিরিক্তাঃ। বারাঃ -রবি শুক্ত সোম বুথ বৃহস্পতীনা । নক্ষ গ্রাণি কৃত্তিকা ভরণী অস্মেষা পূ-वं जापू भर शनिष्ठा अविधाता (काष्ठी চিত্রা উত্তর্গক্ত্রী উত্তরাখ্যাল উত্ত-রভাদুপথ-এতানি। তব চন্দুঃ (भाजनः। नमानि वृष ति इ वृन्हिक बस मिथून ज्वा कन्। धनुःश्रवीर्ष बकीय बन्नवा नकत मण्डकानि া। #। অথ পান্য ছাপন দিন। তত্ৰ नक्षकाला जन्भी जानुग क्खिण विशाशा श्र्वकत्नुनी श्र्वी-माण भूर्वकामुभए (क्युंश गया छि-मानि । उक वाझाः णुज ग्रागाः ।

मशानि मकत व्य मि॰ इव्फिक क्छ मिश्न कना थ्यू मी न म॰ छकानि ॥ क्षा व्यथ शाना कि कृषि कान किन॰ । छा नक्ष जाि मुद्रेना थनिश मछे छिया निमाथा छै छत्रक हुनी छे छता या। छे छत्त छा पूर्ण ८ (द्वाहिनी द्व-वछी भूमर्ब मूं श्रृष्ठ । व्यथिनी (काऽश भूजानि । यादाः द्र्थ छिषाः । इंछि (काऽोठियः ॥

পান্যক॰ ক্লী থান্যাক । ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ।।

धान्यकाष्ठकः त्री धान्यत्रकार्थगृहः।
रागाना ইতি ভাষা।ইতি হলাयुधः॥
धान्यकारः भुः विभिष्ठेकः। ইতি
विकाश्यानः॥

शान्त्रश्यम् श्री मानार्थ शान् निर्मित्र श्रिक्तः । यथा । विषुत्व हायत्न वाशि कार्डिक्तास विष्मयकः । छिन्नानीः श्रुवक्तामि शान्त्रश्यम् विश्वः शत्रः ॥ याः नद्मा मर्बभाश्यम् विश्वः शत्रः ॥ याः नद्मा मर्बभाश्यम् । व्यक्ताः व त्राह्मा। नत्रः । क्ष्माद्धिनः त्राह्मा । श्रुव्हा नत्रः । क्ष्माद्धिनः ज्ञः कृषा भाग्यद्याः । श्रुव्हास्ताः व शाम्यवान् विश्वायाः स्माजनाः व स्मान्यवान् । श्रुव्हार्यद्वि स्वर्थः ।

त्वन निर्द्धाव मक्रेनः ॥ अख्याधामु (वन्ः महास्त्रातः काणि हेषुटेरिः । मध्या ह जराबन विज्ञाह्यः न का-त्राय ।। हजुर्था रमन (भन्नोरेष वर मन्ड পরি কল্নযেৎ। কর্তব্যে কন্ম শৃকে তু রাজত কুর সংযুতা।। গোকংঃ পূর্বদ্যুগণ মগুৰুঞ্দদে জথা। মুকা कनमया रहा ब्उ (क्रोमुमय॰ मूथ॰ ॥ পুলন্ত পত্ৰ লুবিণা কা স্য দোহন-कानिजा। इक्ष्यिश्वाः शामाः क्लोम श्रृह **সম**न्निजा ॥ नाना कव जाना-পেতা রত্নগর্ভ সমন্বিতা ৷ পাদুকো-পানহৌ ছগ্ৰে ভাজন তৰ্পণ তথা।। ইত্যেব রচযিত্বা তা কত্বা দীপার্চ-नामिकः। शून्यकानकः मःशुन्य ना-ण्डः मुङ्गाञ्चरत्रा गृशी। बिः भुनक्ति। ना-वृত্য मञ्ज्ञिगातमे कीर्खराय । उर বিপু মহাভাগ বেদ বেদাক পারগ॥ या मिलाक मया मखा गृहीय पु वि-জোত্তম। প্রীথতা**• মম** দেবেশো ভ-গৰামধুস্দনঃ॥ ভ্ৰমেকা লক্ষি পো-हिल्म बहि। या চ বিভাবসোঃ। শকে শৈচীতি বিখ্যাতা মেধা মুনিষু সন্তম ॥ जमाद गर्बमयी (मवी शान) करना न हिजा। अव मुहार्यं छा । (थन् त्राक्षणाय निर्वष्ट्य ॥ महा श्री

शानायः शु॰ शानाविक्यी। इंडि न किथ्नात वाकत्र ।।

ধান্যক্রি ক্লী বাজুব্য । ধানের বাড়ী ইতি ভাষা। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ।।

भानाताजः भू॰ ययः। ইতি রাজ-निर्यकः॥

भानावीकः जी भनातकः। श्रान्त क्राबा निर्मण्डः॥

शानाजीतः श्रुष् माषः। ইতি ताल-निर्यकः॥ वाना भीवक ही धाना महाद्री। धारमेत्र শীৰ ইতি ভাষা। ইতি জটাধরঃ।। थान्त्राकः ज्ञी धन्त्राकः।ইতিएए महम्मुः॥ यानाहनः श्रु नानार्थयाना निर्मिज भर्दछः। जग्र विधानः यथा । भूषरमा धान्रिभवः जामिजीया লবণাচলঃ। ভড়াচল ভ্তীয়ৰ চতু-र्था एम शर्वजः ॥ शक्म खिन-रेणनः न्तर्भन्नः कार्याने भईजः। সপ্তমো ঘৃতলৈলক রত্ন লৈল ভথা ষ্ট্ৰমঃ ।। রাজতো নব্যত্তীক্শীমঃ শর্করাচলঃ। বক্ষ্যে বিধান নেতেবা॰ यथा बहनू भृद्येणः ॥ व्ययमि विद्रोद পুণ্যে ব্যতীপাতে দিনক্ষে। শুদ্ধ-পকে তৃতীয়ায়া মুপরাগে শশি-कर्य। विवादार ग्रन्थरक् वाम-नारामध्या श्रूनः । नुद्रायोः लक मन्त्रा स भूगप्रक वा विधामका।। , शाम द्रामानिया यानि एकाः भाज विकानजी। जीर्थ वार्यजन वाभि भारि वा उवनाक्ता। नथ-ण॰ कात्ररिक्का ठकूत्रम् त्र्मशूर्थ॰ ी। ग्रीस्टर प्रथमः छहट श्रीदीयक विधाने छः । रंगामयनान् विश्वायाः **ज्यावाडीर्वा दे मणान् ॥ उत्राध्य** পৰ্যত ক্ৰয়েৰিক্স পৰ্যতানিত।

ধান্য দুেরা সহস্তেণ ভবেদ্দিরি রিছো-खमः॥ मध्रमः शक्ष्मिठिकः कनिष्ठः স্যাঞ্জি: শতৈঃ। নেক মহাবীহি-भगस गत्भा भूवर्ग वृक्तक्य भ्रान्यूकः न्तार । পূर्वि मूकाकन तकु यूका यात्मा ह स्थानिक शुद्रवारेगः॥ शण्ठाइ गाक्याञ् नी नत्रोतः स्नामा रिवर्गं माता बतारिंगः। श्री थ ७ थरे ७ রভিতঃ পুরাল লতাবিতঃ শুক্তি শি-नाउनः मप्तरः ॥ वृक्ताथ विकु र्छग-वान् भूजािक रिवाकरताभाव हिन শ্বয়ঃ স্তাহ । মূর্দ্ব্যবস্থাগত মৎস त्रिंग कार्य्याञ्चलक ह भून विद्वीषाः ॥ চ্ডারি শৃকাণি চ রাজতানি নিতয় ভাগেম্বপি রাজতঃ স্যাৎ তিবেফু বংশাবৃত ক্ষেত্রস্ক ঘৃতাদক পুসুবণ-क रिक्रु ॥ श्रुक्तेत्र्त्ताग्रपुषद्वावणी न्तार भूर्वन बीवार्नि इ मुक्कितन । वानाः निभक्ताम् थकव् तानि तकानि हित्वाखद्राठा घनानी ॥ दोभाग (इन्द्रु अमूथानंथाक्षे मंश्राभः ला-, काश्रिभाजीन् करमण्। नाना कवानी **চ मगड्डः म्यास्तात्रमः गान्यः वि** লেপানঞ্ ।। বিতানক কোপারি পঞ্ বৰ্ণ ক্রিনি পুরাভরণ সিতঞ্ । ইখা

इस्र गित्रीन् करमण।। जूतीय जारणन हर्जू मिक माझा भारत शुम्र हिल-भनाष्ट्रान्। शृद्धि मन्तत्र मत्नक कल। वनीजि यूकि । यदिः कनक जुनु कनम विद्याः ।। कार्यन काश्वनमस्यनः वि-वाजमान माकावराय अभून वज বিলেপনাচ্য । ফ্রীরাক্ণেদ সর-সাথ বনেন চৈব রৌপে গ্রেশক্তি ঘটি-তেন বিরাজমান ।। যাম্যেন গন্ধ गरनक निरतकानीया रगाधूम मक्ष्य নশঃ কলবৌতজো বা। হৈনেন ৰক্ষ-পতিনান্ত নামনেন বক্তৈশ্চরাজত वस्य र मन्युडः महाद्या भक्ता खिला-व्याप्तक मूचिक शृङ्खः जोदर्ग शिक्ष-उदितथय इ॰म युक्क•। व्याकात्रय-দুজত পুষ্ণ বনেন তদমজান্বিত দধি-সিতোদ সর স্তথাগোগ্রাস স্থাপ্য ত विभूग लिन मर्था उत्तर देनन मू-পার্থন্পি মাষ্ময় সুবছ । পুরেত হেন বটপাদপ শেখরন্ত নাকারয়েৎ क्नक (धनू विज्ञाजमान ।। माक्नीक जमुमुद्रमा इन्दर्भन जन्द्रभीरमा जा-স্পূর্বতা হ যুক্ত বিধান। হোনশ্র তুর্ভিরথ বেদ পুরাণ বিক্তি দাঁজৈ র-নিন্দ্য চরিতাকৃতিতি দিকৌনুঃ গ্র नित्न नामत्र मिन्न मृत्र प्रात्ना स वि- । शूर्वन रख मिन मन विश्व स्

कार्य। खिला येव घृरञ्न मिश्करिण क । त्रें को हं जागत मनुष्ठ गीउ ज्रेंग्र त्रावार्नक कथरामि निलाह्यानाः ॥ दः गई (मवगंग भाग नित्ध विकक मयम् गृह्युम् अर्वे नामयाणु । ক্ষেম• বিধৎ ব স্বৰু শান্তি মনুত্তমাণ 'নঃ সংপ্রজিতঃ পরম ভক্তি মতা ম্য। হি।। ত্বনেব ভগবানীশো বুদ্ধা বিষ্ণু किंवाकतः। मृजीम् वें जगबीज द॰ नः शाहि **मना**जनः ॥ यमाङ्गः लाक शानाना॰ विश्वमृर्त्जिक मनिरद्गः । ৰুদাদিত্য বস্নাঞ্ তমাছান্তি পু্য-इ मा। यमामम्बर ममदि नीती छि-শ্চ শির স্তব। তমালামুদ্ধরাশেষ দুঃখ সংসার সাগরাৎ।। এব নভ্যগ্র ज॰ गिक॰ मन्त्र क्षािल्श्डराय । যথাছৈ এরথেন ত্ব॰ ভদান্থেন বিশে-ষতঃ॥ শোভসে মন্দর ক্ষিপু মত ন্তুঙ্কি করে। ভব। যসাহ্ডানণি র্জছু-बील दः गक्तमारन।। गक्क वन ला-ভাবানতঃ कीर्खि म् जिस्रामः। यसादुः (मञ्मात्वन देवज्ञात्वन दरान दो।। হির্মবাশ্বথ শির তমাৎ পুঞ্জিপু वास ता । उँखेतः मक्खि रंभाए नावित्वन वत्वन ह।। मूना र्व ताकरम 'নিতানতঃ 🗐 রক্ষান্ত গে। এব 🏽 गामख्रजान् नहीन् शुङाख विभाग शूनः ॥ श्रादाथ खत्रत्व मन्त्राद्यश्रमः পৰ্বতোত্তম•। বিষয় পৰ্বতান্দ্যো-मृजियुः कमाना मूल ॥ गान पर्। हजुर्विः भामथवा मन नाम । भाकिजः मध वारशे वा शक मुक्री मणिकमान् ॥ একাপি গুরবে দৈয়া কপিলাথ প্ৰয়েনী। পৰ্বতানা মশেষাণা নেষ এব বিধিঃ সৃতঃ ৷৷ তএব পূজনে মস্তা স্তএবোপস্করা মতাঃ। গুহাণাণ লো-क्लानाना वुकारीनाक मर्वरा। अ-ৰ্মন্থেণৈৰ সৰ্বেষু কোমঃ শৈলেষু প-ঠ্যতে ৷৷ উপৰাসী ভবেমিত্য মশক্তৌ নক্ত নিষ্যতে। বিধান সর্ব শৈলানা कमनः भृश् नात्रमः ॥ मानुकाल ह य ম ত্রাঃ পর্বতেষুচ गृद्धकैन। অয়৽ বুক यञः (थु। क मृत्रे भागाः भूकी विंठाः ॥ অমার্ভবিত্তি ভূতানি জগদমেন ব-র্ত্তে। অমমেব ততে। লক্ষা রমমেব জনাৰ্দনঃ॥ধান্য পৰ্ৱত ৰূপেণ পাহি তমানগোত্তম। অনেন বিধিনা যক্ত দদ্যান্ধান্যন্থ গিরিং। মনুন্তর শতং मानुः प्रवाचाक महीवा । अन রোগণ গন্ধবৈ রাকীর্ণেন বিরাজতা।। विमातन मिवः शृष्ठ मायाणि मूत সেবিতঃ। ততঃ কর্ম ক্ষয়ে রাজ্য মুহ

-

গ্লোতীহ ন সংশযঃ ॥ ইতি নৎস্য পুরাণ ॥

ধান্যায়॰ ক্লী কাঞ্জিক। ইত্যময়ঃ ।।
ধান্যায়॰ শালিচূর্ণানা॰ কোদুবাদি
কৃত॰ ভরেৎ। ধান্যায়॰ ধান্য যোনিজাৎ পুঁণিন॰ লঘু দীপন॰॥ অৰুচৌ বাত রোগেষু সর্বেশ্বাহাপনে
হিত•। ইতি ভাবপুকাশঃ॥

ধান্যারিঃ পু• মূষিকঃ। ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ ।। ধান্যস্য শত্রৌ ত্রি ।।

थात्तराखमः शृ नाविशानरः। ইতি ॥ রাজনির্ঘণটঃ॥

খান লী গৃহ ॥ দেহ: ॥ বিট্॥ প্রভাব: । ইত্যমর: ॥ রশ্মি:॥ স্থান-ং জ্ম। ইতি মেদিনী॥

ধানকঃ পু• না কপরিমাণ । ইতি বৈদ্যক পরিভাষী খ

थामनिशिः शृ म्र्यं । इंडि जंहा थ्रः।। थामनी जी थमनी। इंडि नद-हिनुका।।

ধানার্গবঃ পু॰ অপানার্গঃ। ইত্যমরঃ
।। ঘোষকঃ। ইতি মেদিনী।। পীতঘোষা। ইতি রত্ত্মালা।।

थायः जि थात्रगकर्खा। ইতি मुक्तकाथ वृत्रकर्तनः ॥ धान

খাযাঃ ত্রি ধারণকর্তা। পোষণকর্তা ।

যথা। ভূরসি ভূমি রস্যদিত্তি,রসি

বিশ্বস্যধাযা। ইত্যাদ্যধিবাসমন্তঃ

ধায্যঃ পু- পুরোহিতঃ। ইতি মুখ

বোধ ব্যাকরণ ॥ शायत जी चाय मिनकार्थे अक् ! অগ্নি পুজালন মন্ত্রঃ। ইত্যমরঃ।। श्रातः क्री वर्षाच्छवः जनः। তिष्विविधः। गावः) जार्य मुक्ष २ । यथा। यमा-म्त्रामासिंत मानि मूर्याः साठी वि भाश्याः। जमायु जनरेम मूकः গাৰু মুক্ত॰ মনীষিভিঃ।। অন্যদা म्गनीयापि नकारवयु यमशूरेमः । অভিনৃষ্ট মিদ॰ তোয• সামু দু মিতি म·क्किङ ॥ তर्यार्खनाः । गा**म**॰ डल बाहू मूनी उनक कि शुहर পিত্ত কফাপহঞ্চ। নির্দোষ মিষ্ট॰ বঘু তচ্চ নিত্য গুণাধিক ব্যোদ্নি र्ग्हीज माङः॥ मामूमु मनिन॰ শীত কক বাত কর ওক। চিত্রায়া , সাখিলে উচ্ন গুণাঢ্য গাল বন্ধ-বেং ৷৷ পতিত ভুবি তত্তোৰ গা क नामु पु भिव वा स्वाभुग वनाम-हिमन् अन् भुजारिकः। इंछि त्रान-निर्घणेः ॥

ातः भू॰ गुावाडतः ॥ २४१०। इंडि त्रिमिनी ॥ जनभ्तामात्रवर्षनः। इंडि रूमहम्पुः॥ श्राडः ॥ मस्रोतः। इंडि मस्त्रद्वावनी ॥

शातकः भू॰ कन्मः। ज्याराष्ट्रभन्तादि मर्ग[। पुरकारोह। छेट शिक लक ণ নান কথবানি মহামুনে। ধার काः कनमारिकद एन लाक शुकी-र्खिजाः ॥ अमृष्ठं मथ्यमात्म जू मर्ब (ररेवः नमानरेवः । गृंशानः नम्हतः কৃত্বা নেত্ৰ• কৃত্বা তু বাসুকি•। উৎ-পদ নমৃত তত্ত নহাবী ঠ্যুপরাক্রম । তস্যায় ধারণার্থায় কলসঃ পরি-कीर्जिजः॥ कनाः दनाः गृशीया বৈ দেবানা॰ বিশ্বকর্মাণা। নির্মিতো **২**য• সুরৈ র্যমাৎ ক**লস ন্তেন** উচ্য-তে।। কলসম্য মুখে বুন্ধা গ্ৰীবা-যান্ত মহেশবঃ। মূলে তু সংছিতো বিষ্ণু মধ্যে মাতৃগণাঃ স্থিতাঃ ॥ শেষান্ত দেবতাঃ সর্বা বেপ্টয়ন্তি ठजूर्षिणः। मरको जू मागताः मध नथ बीপास न निजाना नक्वानि गुराः गर्द जरेषव जनभविषः। হিমবান্ হেমকুটশ্চ নিষ্ধো মেৰু **दिय है ।। दिश्ला भाग वस्त्र** সূর্য্যকান্তিক পর্বতাঃ। গদা সর- चर्जी निषुः गूरुगा यभूना नहीं ॥ थै-ज्ञावजी मज्जूमा जया दिज्जनी नही। (गानावती नर्यता हमशी नाम सहा-नहीं।। अक्षक्व भुयाग मध्यक र न পृथ्रकः। अमात्रभतः भू अतिकः ग का मागत अवह ॥ श्रृथिवता यानि তীর্থানি কলসে নির্বসন্তি তে।পুহাঃ भाष्डिक शृक्षिक श्रीजि शीय बिद्रवह ।। यादारा २थ यज्जूर्वमः माम विम স্তথ্যে চ। অথর্ব বেদ সহিতাঃ সর্বে कनम म• ছिजाः ॥ नरेवव कममाः পুণ্যাঃ শমুমূর্ত্তি সমুক্তবাঃ ৷ গো-ভ্যেপগোভাগ गक्दः सम्म তথা পরঃ।। মনোহরঃ খলু ভদুঃ পঞ भः পরिकीर्खिजः। वित्र छन्पूरण ষষ্ঠসপ্তমকাবুভৌ।। সন্তমিন্তি নিদুযো-(भारता नवरम) विजयः भारतः। नरेवव কলসাঃপ্রতা অধিদেব নিবোধত M শূণু বৎস যথা তেবা দিশা ন্য-সো ব্যবস্থিতঃ ৷ নব্নো বঃ সমাখ্যা-তো বিজ্ঞবো नाम नामजः ॥ निक् ন্তত্ৰ স্থিতঃ সাক্ষাৎ সৰ্ধপাপ হরঃ मूज: । किञीत्ना जाई कवामा षिजीया बन मख्यः॥ ज्जीयः भवन দৈব চতুৰ্যন্ত হতাশনঃ। পঞ্মো यबमानख वश्र्याकाम मस्रवः॥ मा-

10/

মস্ত সপ্তমঃপ্রোক্ত আদিত্যক তথা-श्रेमः। এতে চোৎপাদিতা দেব্যা শিবেনাধিষ্ঠিতাঃ পুরা ॥ ইন্দুস্য मूर्ख्य कार्ष्ट्री मूर्यप्राष्ट्रा नवमः निवः। कि जीनुः भूर्वरा नामाः शनित्म बन मञ्जवर्ी। वायरवर वायरवा नरामर আশ্রে ইংলি সম্ভবঃ। নৈশ্বত यक्रमान्छ अभीन्याकान मञ्जदः ॥ সৌম্য মুত্তরতো যোজ্য সৌরণ मिक्ताला नारम्या नारमाव कलमा-**नाङ्ग्रं**क्षभःविज्ञ्छिख्ट्॥क्विमानाः भूर्थ तुका श्रीवायाः विकृतिव हि। मक्षु माञ्गनाः मर्द्ध (मन्द्रा (पर्वा-क शवगाः ॥ अस्को जू नागता खियाः मश्रद्वीशा ह (महिनी । निया हित उत्थामा ह गक्त दी सवय खथा।। পঞ্জুতা স্তথা ধার্ব্যেষা সবকৃতাঃ ছিতাঃ । পূর্ণাঃ প্রেন্তাযেন সিদ্ধাস্ত্রেকান্ততোমুনাে। সরিৎস্রঃ नथा उन उपार्यन बरमन्य।। वाशी क्ला हिर्दा न नामू (मृं भ्रावकाः ॥ সর্বন্ধল মাঞ্ল্যাঃ সর্ব কিল্বিষ नामकाः। अভियেक जमा गु। शाः क्लमा हर्भाः मुजाः॥ याजा विवा-र कालाना भुविधा यद्ध हर्याते। (याजनीया दिः नास्य गर्सकान शु-

वात्रनी ं

माथकाः ॥ शृहान् धात्रयत् ययान्ति स्वाज्ञाः विविधा छथा । पृति छा । पृति छा । प्रति छा ।

ধারণ দ্লী বিধারণ ৷ ধরণ ইতি ভাষা। ইতি মেদিনী॥

शात्रा की वृक्तिः। ইতি রাজনির্ঘণ্টা।
न्যाय्य পথ ছি তিঃ। তৎ পর্য্যাयः।
সংস্থা ২ মর্য্যাদা ও ছি তিঃ ৪।
ইত্যমরঃ।। যোগাঙ্গ বিশেষঃ।
ইতি মেদিনী।। সতু অদ্বিতীয় বস্তু
ন্য ভারে বিদ্বুষ ধারণা। ইতি বেদান্ত সারঃ।। যে বিজ্ব স্থা ছি র বন্ধনা।
ইতি হেন্দ্রন্তুঃ।। তন্ধাৎ সমস্ত শ্রীনা মাধারে তত্র চেতসঃ। স্ব্ বি সংছিতি সাতু বিজ্ঞেয়া শ্রু ক্ষধারণা। ইতি বিষ্ণুপুরাণা।

थात्रभी जी नांजिका॥ तूष्काक मञ

भावाक

ुंखिरः। इंडि विषिनी ॥ (भूगी । " इिंद्धिमन्मुः॥ भारतीया जी धर्मिकनरः। ইতি রাজ-निर्विग्रेः ॥ शार्ये वि ॥ ধার্যিত্রী জ্বী পৃথিবী। ইতি শম-उद्गार्की ॥ ধার। দ্রী অস্থানা পঞ্চধাগতিঃ। তনথা। আস্কন্দিত ১ ধৌরিতক

২ রেচিত ও বন্ধিত ৪ শ্লু ত ৫। इंजान ।। रिमना श्रिमक कः ॥ यहा-**रिहर्•॥मङ**िः॥मुवम्। शुभाउः ।। খ্যাদেনিশিতমুখ । ইতি মে मिनी ।। उँ दर्याः ॥ तथहकः। इंडि **ए**सहसुः ॥ य**मः ॥ অ**তिवृष्टिः ॥ भग्रः। ইতি শदत्रशावली ॥ धनाः সার বর্ষণ।। সদৃশঃ। ইতি বিশ্বঃ॥ দক্ষিণ দেশস্থ পুরীবিশেষঃ। ইতি বিক্রমচরিত ।। 🟶 ।। অথ জুরাদি শান্ত্যর্থ শ্রীনরসি-হাদি মৃধ্রিজল-ধারা পা তন বিধিঃ৷ তথা নহাজুর-পুত্তে ধারা॰ দেবস্য মূর্ক্তনি। সন্ততা॰ नात्रिनः इन्। वर्गाषा कात्रमः वि-জৈঃ।। হোনঞ্চ ভোজনক্ষৈব ত্রী (मायः भुभागाजि । ইजि नृतिः इ-श्रुवागः ॥

। । । क्ष्यं क्ष

थात्रिगी

किनिकमम् इंडि जागा। उट-भर्यागः। भाव्याः २ भूवकी अ ভৃষবল্পভঃ ৪ মেঘাভঃ ৫ প্রিযকঃ ৬ नीभः १ शुाव्यगुः ৮ कलम्बनः २ १ ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ।। ধার্মকদম্বকঃ সং । ইতি ত্রিকাওশেষঃ

शाज्ञकुतः श्रुः नामीर्तः॥ भीकतः॥ यानाशवाः। इंजि सिपिनी ॥ ধারাহঃ পু॰ তীর্থ• ।। খদ্ধঃ । ইতি হেমচন্দুঃ॥

ধারাটঃ পু• চাতকঃ।। মেঘঃ।। তুরঙ্কঃ ॥ भउरुषी। ইতি শবরত্বাবলী॥ ধারাধরঃ পু• মেঘঃ।। থরঃ।ইতিমেদিনী থার। ফলঃ পু॰ মদনবুক্ষঃ। ইতি রাজ-निध्कः॥

थातावनिः शृ वायुः। रेटि विकाख-म्बः ॥

ধারাবিষ্: পুর্শ খন্ন:। ইতি ত্রিকাণ্ড-त्रायः ॥

धातामन्नाजः भू महावृष्टिः। जथ পर्यत्रयः। जामातः २। ইত্যমतः ॥ ধারায়ু হী জ্রী ত্রিধারসু হী। তেকাঁটা-সিজ ইতিভাষা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ वातिनी जी धतनी। ইতি भदत्रः।-वनी ॥ भान्मनिवृकः। ইতি नद-

छिम्का।।

ओ

কণ্টকারিকা। ইছি

थात्री र्यू॰ भी लूर्कः। इंडि ब्राग्यत्रः॥ ॥ शायनिका থারবিশিস্টে ত্রি।। त्रज्ञभावा ॥ **হাকঃ ত্রি পানকর্তা। ইতি জটাধরঃ॥** वार्डशिक्षः शुः क्कवर्गद्रक्षुष्ठत्रगयुक इ.भः। हिंडि शत देखि ভाषा। ইত্যমরঃ (সর্পবিশেষঃ ।। গ্তরাষ্ট্র

धार्तताद्वेभनी जी इन्मभनी। इंजि রাজনির্ঘণ্টঃ 11

পুত্রঃ। ইতি মৈদিনী।।

धार्मिकः वि धर्मनीनः। उट्शर्यप्रायः । দেবযুঃ ২। ইতি জটাধরঃ।।

शार्यं वि शात्रीय । यथा। शाजानू রাধ বসু পুষ্যবিশাথ হস্তা চিত্রো-ত্তরাশ্বিপবনাদিতিরেবতীযু। জন্ম-क्र बीन वृक्ष मुक हिताए नवाहरी थार्याः नवः वसनेक्री यत्र विशु जूरश्रो॥ ইতি সমযপুদীপঃ ৈ ়

78.

ধাব উ জ জবে। শীযুগতৌ।। মৃজি। শুদ্ধীকরণে। ইতি কবিকল্লফনঃ।। धारकः वि धारनकर्ता। भीषुगमन কৰ্ত্তা। ধা উডিযা ইতি ভাষা। ইতি ধাবপাতোর্ণক পুত্রবেন নিম্নম: ।। थावन॰ क्री गमनः। मुक्तिः। ইতি (मिनिगी। ধাবনিঃ জ্রী পৃশ্নিপণী । ইত্যমর:।।

शावनी खी शृतिशर्भी। इंजिसिनी ॥ কণ্টকারী॥ ধাতকী। ইতি রাজ-निर्घण्डे ॥

ধাবিতঃ ত্রি গতঃ॥ মার্চ্চিতঃ হৈতি ধাবধাতোঃক পুত্যযেন নিয়মঃ॥ धामाः श्र शर्बठः । ইতি বৈদিক श्रागः॥

ধি শ ধৃতৌ। ইতি কবিকল্লন্ধনঃ।। **षिक् व**र्ध निर्जञ्ज निशानिन्छ। ইত্যमतः विकातः शृ विक्। उट शर्यप्रायः। নীকারঃ২ অবহেল° ৩ অমানন° ৪ क्लिशः ६ निकातः ५ व्यनामतः १। ইতি শদরত্রাবলী॥

ধিক্বৃতঃ ত্রি নির্ভব্ধি তঃ। অসৎ করণাদিনা ধিগিত্যস্য করণ ধি-ক্লারো নিন্দা ধিগিতঃ ধিক্তঃ ধিক্ ত্বা ইতি ভদ্নিতা ধিক্তুত ইতি याव । इंठि ভत्र उः ॥ उ शर्य प्रयः । সপদ্বর্ভঃই। ইতি প্রাণিবর্গে অমরঃ া। নিন্দিত মাত্র•। কৃত ধিক্বারস্য পাণিবর্গোক্তম্য পর্য্যাযান্তর মিদ॰ অপুাণি বিষ্যার্থ । ধিগস্ত ত্বা • ইতি কৃত: শদিতো ধিফুতঃ৷ ইতিভরতঃ î

👔 उट्भर्गामः। जवबीयः २। इंजि 🛙 वित्यवर्गनिष्य वर्ण व्यमतः ॥ थिक्किया भी किमा। इंछि एस हम्मुः ধিশ্বণঃ পু॰ বর্ণসক্ষরবিশেষঃ। তস্য वर्षकार्वा । यज् वाकानारा-প্ৰব্যা: জাতঃ। ইতি মনুঃ॥ धियाम्मि जिः भू भूई जिनिवित्नवः। মঞ্জুযোষ ইতি খ্যাতঃ। ইতি ত্রি-কাণ্ডশেষঃ ॥ আত্মা। ধ্যাত এব ঘিষাম্পতি রিতিপুযোগ দর্শনাৎ॥ বিব ই ন প্রীতৌ ॥ গতৌ ॥ ইতি কবিকল্পদ্রুগঃ ॥ ধিষ লির রবে। ইতি কবিকল্লন্ডনঃ॥ ধিমণঃ পু॰ বৃহস্পতিঃ। ইত্যনরঃ।। **धियना जी वृक्तिः। ३७**९मद्रः॥ विक्रेर॰ क्री इमन॰॥ गृह॰॥ नक्कज॰॥ অগ্নিঃ। ইত্যমরঃ।। শক্তিঃ। ইতি (मिनिनी।। षिष्ठेऽः शु॰ यशिः॥ मूकाठार्यऽः। ইতি **পু** का ७ २ म त म खः ॥ **धिक**ुः त्री थिष्ठेऽ । इउँ) भत्त हो कार्याः ভরতঃ হেমচন্দু ।। धिक उ जन्तील।। क्लान्।। जीव। ইতি কবিকল্পদ্ধঃ।] शी उर ७ जातायः॥ जनामता

इंडिकविकन्नकर्भः॥ ধী জী বুদ্ধি:। ইত্যমর:।। ধীতঃ ত্রি পীতঃ।ইতিধেধাতোঃ ক পুত্যয়েন নিম্নমঃ॥ ধীতিঃ ক্রী পিপাসা। ইতি হেমচন্দুঃ शीना जी कन्त्रा। मनीया। इंडि र्विम् हमुः ॥ श्रीनियः ही जातनियः। उपशा मनः) (नव र ल्यांक ० वक् 8 রসনা ৫ ঘ্রাণ ৬। ইত্যমরঃ॥ शीमान् श्रु वृहम्मिजिः॥ भिखिष्ठिव । इंजि त्निमिनी।। धीमणी जी वृष्तिमणी। ইত্যमद्रः॥ थीतः ही **अकू**म । इंडि मिन्नी।। ধীরঃ পু॰ ঋষভৌষধিঃ!ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ।। বলি রাজঃ। ইতি শব্দ-बङ्गावुनी ! **बि रेश्वर्गादिजः ॥ रेश्वरः ॥** পণ্ডিতঃ। ইতি মেদিনী।। বলযুতঃ। इंडि नपत्रशावनी ॥ मनरः । इंडि ত্রিকাণ্ডশেষঃ ॥ বিনীতঃ। ইতি न् किथमाता गारिवृद्धिः ॥ वीत्रपः ही बीत्रण। यथा। भागत्ही দার্য্য মাধুর্য্য শোভা ধীরত্ব কান্তবঃ । मीथिफायञ्जा ভाव राव (रणार জিযোকজা: ॥ ইতি হেমচন্দু: ॥ ধীরপত্রী জ্রী ধরণীকলা: । ইতি রাজনির্ঘন্ট: ॥ ধীরক্ষম: পং মহিষ:। ইতি হেম-

थीतककः श्र॰ महियः। ইতি एम-हिन्दुः ॥ हे

बीवा जी कांकानी॥ गराबिति-गाजी। ইতি রাজনির্ঘন্টঃ॥ মানাব-স্থাণ মধ্যা পুগল্পা নাযিকা ভেদঃ । অস্যা লক্ণে। ব্যক্ষ্য কোপ शुकाना धीता । मधाया धीतायाः কোপ ব্যঞ্জিকা ी:। প্রোটা ধীরা-, **বান্ত** রতাবৌদাস্য• ৷ সা দ্বিবিধা ৷ জ্যেষ্ঠা কনিষ্ঠা চ।। মধ্যা ধীরা যথা । লোলালি পুঞ্জে বুজতো নিহঞ্জে क्रांता व्जूवः नुभ वादि धाताः।(मरह সমীছে ভবতে বিধাত্র ধীর স भीतः निवनी मरणस्।। (भ्रोणधीता यथा। ता उन्नः जन्नरम में बन्नमि সুধাধারা নুকারা গিয়ো দৃক্পাত• কৰ্ষে নবা পরিজনেকোপ প্রুদাশ হলাৎ। ইঅ॰ কেতক গর্ভ গৌরি দ্যিতে কোপস্য সংগোপন কিং न्तारम्य नरह भूनः महहत्री क्वीं उ সাচিমিত ॥ ইতিরসমঞ্জরী॥ बीताबीता की मानावसायाः मस्त

धीवबी \

भूगता नायिका (छेमः । **अने**प्रान वक्रा । वाक्रावाका (काल शु-कामा । मध्याया धीताधीतायाः काभ वाक्षिक वहन क्रिए । প্রোঢা ধীরাধীরম্বা রতাবৌদাস্য **उर्द्धन** ठाउनाहि ह काशमा भू কাশক। সাছিবিধা। জ্যেষ্ঠা ক-निष्ठा ह ॥ नथ्यावीज्ञाधीजा यथा। কান্তানুরাণ চত্রোসি মনোহরো-সি নাথোসি কিঞ্চ নব যৌবন ভূষি-তোসি। ইप्थः निगम् । सूम्भा वम्त প্রিয়স্য নিঃখস্য বাস্প ল্লিতা নিহিতা দৃগভাঃ ৷৷ প্রৌঢাধীরাধীরা यथा। তল্লোপান্ত মূপেযুষি প্রিष-তমে সাগীকৃত গ্ৰীব্যা কান্স ব্যা-वन वाि गाि रिंग क्राइंट कल्भान निया। इस नास करत भून म् गम्भा नाकात्रम कानिज्लोशी পুেষ্ঠ মযুখ সা•সলকচো বিস্থারিতা मृष्टेयः॥ ইতি রসমঞ্জী॥

... हिःखी-मूक्डि

धीर्वी श्रुः ही धीरतः। यथा। यह धीरती रहधीरा। इंडि मुखदाधः॥ धीरतः श्रुः किन्दं। इंडिंग्नतः॥ धीरती की धीरतशङ्गी। दिन्दंी। तुत्र क

है जि पूजारवातः ॥ मध्यप्रविनी हे जुरुगारिकायः ॥

शिणिकिः की वृक्तिमामर्थाः। त्र शर्यायः। निष्कृतः २। ইতাमतः। माम्हिषा। यथा। मून्तनः मुद्दर्शः गुरुषः श्वातः जथा। উराणारार्थः विकातः जवकानक बील्पाः॥ देखिन्यः।

श्वीमधः शृ मखी। ই ७ (हम हम्पुः। श्वीम हिदः शृ मजी। ই ७ प्रवासः॥ श्व क न करणा। ই ७ कि विव्यक्तमः॥ शृ जी कण्यनः। ই ७ कि विव्यक्तमः॥ शृङः जि कालाः॥ शिक्षः। दिक्षः। दिक्षः।

ধুনিঃ া নদী। ইত্যারচীকাষাণ তরতঃ॥

शूनी खी मनी। इंड्यातः॥ धूनीनाथः भू मनू मृः। इंडि ताज-निर्यकः॥

ধুন্ধুমারঃ প্ কবলযাম্বরাজঃ। তাতু বৃহদম্পুশঃ। ইতি পদ্মপুরাণ ॥ শক্রেপিঃ॥ গৃহধুমঃ॥ পদালিকঃ । ইতি মেদিনী ॥/

ধুরন্ধরঃ পু॰ ধবকৃক্ষঃ। ইতি রব্নালা ।। রপ লাক্লাদি ভার বোঢ়া। তৎ পর্য্যাবঃ। ধুর্বহঃ২ খুর্যঃ ১ ধৌরেবঃ थुख

৪ পুরীণ: ৫। ইত্যমর: ॥ পুর্বাহ্ব মাত্রে জি॥

ধুরা জী ধ্ং। ভারং। ইত্যমর**ীকা**-যাণভরতঃ।।

প্রীণঃ তি ভারবাবঃ।ইত্যমরঃ!।
পুরীদঃ পু• দমস্বান্ ইতি রাজনির্ঘটঃ।। ভারবোশ্যে তি ।

ধুর্য্যঃ ত্রি ধুর্বরঃ । ইত্যমরঃ ।। খব-ভৌন্থে। অনভুহি চ পু: । ইতি ্যজনির্বন্টঃ ।।

ার্ব ই হিশসে। ইতি কবিকল্পদ্রমঃ।। ধুব**া স্ত্রী পুরকা। ধুগাইতি ভারা।**ইত্যণানিকোষঃ।।

धूवनः श्र् अप्निः। ইতি निषास-कोमूरी ॥

ধুবিত্র শ্লী যত্তা হি জাল্যার্থ মৃগ চর্ম রচিত ব্যবন ! ইত্যমন !! রঃ প্রত্রঃ। ইত্যমরটীকাষাণ অরতঃ ।।

युज्रः श्र क्रिनिस्यः। युज्रा हेि जावा। उৎ श्रद्धाः। उधादः २ किउदः अपूर्वः। क्रिनियः। युज्रः। जूनः ७ महनः १। हेज्यतः॥ युज्रः ৮। हेिज हिमहन्तुः॥ मक्षः २ माजू-नकः २० महामः १२ नियम्बदः २२ युक्तं द्वः २० काह्नाश्रुवः २८ थनः २६ कण्ठेकन१२५ (माइनः २१ कन्न छः
२৮ मङः १२ तेनदः २०। ইতি রাজनिर्यण्टः ॥ দেবিকা २२ ज्री २२
महात्माही २० स्निविभुगः २८ ॥
अम्र छनाः। सम वर्ना द्वि वाक कार्तिइन क्षेष्ठ यूका निक्का तुन स्मयः
कञ्क्षा विष नाम्निदः। कषायदः।
मधूतदः। जिक्रदः। উष्टदः। छक्द्वक। ইতি ভাवপুकामः॥ कहेदः।
काङ्कितिदः। दश्याय थङ् ज्रुम
नाम्निद्कः। ইতি রाজনির্ঘটः॥
यूक्षं। ইতি রাজনির্ঘটः ॥
यूक्षं। ইতি রাজনির্ঘটः ॥
यूक्षं। ইতি রাজনির্ঘটः ॥
यूक्षं। ইতি রাজনির্ঘটः ॥

ধুক্ষ ড সন্দীপনে।। ক্লেশে॥ জীবে। ইতি কবিকল্পদ্দমঃ॥

धू न शि धू निक धू न अशि कमः॥ इंडि कविकः धू न अशि कमः॥

পূ: ত্রী যানমূপ•। রপাদেরগুভাগঃ। ।

ইত্যমরঃ।। ভারঃ।। চিন্তা। ইত্যেকাক্ষরকোবঃ।।

ধ্ক: পু॰ বাযু:। ইত্যুণাদিকেংয:॥
পূর্ত:॥ কাল:। ইতি স॰ক্ষিণ্ডসারোণাদিবৃত্তি:॥

ধ্তঃ ত্রি কম্পিতঃ।। ভব্নি তঃ। ইতি নেদিনী ॥ ত্যক্তঃ । ইত্যমরঃ ॥ তর্কিতঃ। ইতি ধর্ণিঃ ॥ ধূনঃ ত্রি কম্পিতঃ। ধূধাতো ক্রঃ দ্বাদি ত্বাত্তস্য নাদেশঃ। ইতি সংক্ষিপ্ত-সারব্যাকরণং॥

খূনকঃ পুণ বহি বল্লভঃ। খূনা ইতি
ভাষা।ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।।
খূননণ ক্লী কম্পনণ।কাঁপান ইতিভাষা।
ইতি ক্রয়ন্ত ধু ধাতো রনটা সাধ্যণ।।
খূনিঃ জ্রী কম্পনণ। ধু ধাতোঃ জিন্
হানে লাদিছামিঃ।ইতি কবিবল্ল
ফন টাকাষাণ দুর্গানাসঃ।।
ধূপ ক দীভৌ।ইতি কবিবল্লজন্ঃ।।

पूर्श जार्श। इंजि कविव झक्तः ॥

पूर्शः शू॰ शक्त पुर्व विष्णुक्त स्व स्व स्व स्व क्षिण जिल्ला कि कि विष्णु कि कि विष्णु कि स्व क

অভ লঘু পত্ৰ বিশেষাঃ । বক্ৰ বিব-॥ জ্রিত বারিজ মুদু ধ্পবর্তিরিহ সু नेत्रि छम्।। जुन्। म। मभु मुख घ्उ॰ गिक्ती खर्रीना ७क रेगन इ.। मतन निङ्ग निषार्थ· म्मात्मा ध्रा উ**চ্য**ত १। 🕸 ।। रवाउमात्का यथः । श्रुवृ• **ग**त्रल॰ मारू शब्द॰ भलय गञ्जव॰। ट्री-বের নগুৰু হুট গুড় সাজরসং ঘনং 🗸 🔃 হরীতকীং নখীং লাক্ষাং জটানাং-नीक रेग जब । स्वाउमाक विषु ध्रा দৈবে পিত্র্যে চ কর্মণি ॥ ইভি তন্ত্র-भातः ॥ 🕸 ॥ किम्पार्गाराः वाफ-भान श्रभा यथा ॥ गुलक खुशुनुः क्ष्टं कश्रवः भनत्याख्यः। (मय-माक बहागा॰ भी बा जी का यक वा-লক ।। মুরানা সৌ হুগুৰুক বৃগুলী রঞ্চ কেশর•। এলা তথা তেজপত্র• সৰ্বনেতন্যৃতাক্তক•।। ধূপো ২য•ষো-ডশাকঃ স্যান্নোবিন্দ প্রীতি কারকঃ ॥ 🕸 ॥ द्यारणात्रा यथा। अशुन् "ठन्मनः পত्रः अश्रकाश्यक अक्रूमः। জাতীকোষঞ্চ কপূরি জটামাণ্সী চ वालकः।। दुङ्मीत्रकः शूला श्लो यातमादः शुकीर्खिठः ॥ 🗱॥ ममा-द्भा यथा।। कर्भा तः अर्थ मध्य एशुन्

র্যলযোদ্ভব । কেশর বালক পত্র ত্বগ্ৰাতীকোষ মুক্তম॰ ॥ সৰ্বমেতদ্-ষ্তযুত• দশাকো ধূপ ঈরিতঃ॥ 🕸 ॥ অষ্টাঙ্গো যথা। গুগ্লন্বগুৰুক তেজ-পত্র• মলয সম্ভব•। কপূরি• বালক• बक्ष न्जन बक्रम जंशा। जहाकः কথিতো ধূপো গোবিন্দ প্রীতিদঃ मुजः ॥ अ। शकाका यथा। ठन्मन॰ बक्रमः नृष्टः कर्ग् तः ख्युत्वा १७वा। ধ্পো ংয় ঘৃত সংযুক্তঃ পঞ্চাকঃ সমুদাহতঃ।। # ।। মুসনদ श्रम वर्ड-नीय पुवरु । यथा। अक्कव भाग निर्वा-সং পামকং সরলঞ্জু। বচা মধুরিকা टिजन गन्नका ४ कन युक्।। गन्नक ऐक्प का जा विक्रु नक मनश्मिना। करकाल म्यत माबी गन्नमानी तमा-क्षनः।। अष्ठेवर्गः मधी मिनाकि-मक् ठन्तन । जन्मू क त्र पूक तात्राक (भारा শতপুষ্পিকा।। হরিদু। জীরক॰ वृक्षकीत्रक त्रकानस्न । कर्ह् द्रक भक्षवक॰ यवानी शृष्टिकडणा।। देन जाडा॰ ধাতকী পুদ্ধ নখী মোচরসাদিক । मुजन भूरभ प्रवर्ष मर्दाम छिवर्द्ध-यिट।। इंडि शाल्या खत्र थर्ड ।। 🛊 ।। धृश मान विधियंथा। मध्याना मिकाण्या ह

मूल मधुलर्वि एमिकः । जन्धार्युन क्टिक्नि भृजा भूभः निर्वम्दि ॥ भूभ इ।न॰ चम्राडा उद्धना वाग्या-ण्या श्रम जाडन महान श्राकता कार्य ज्लानू ना। पेकार्य मुक्तिनर्याङः यकाः वाम किलि क्ञिः॥ नाक्यन् वाम एटडन म्यन इस्डिन ठार्शस्य ॥ ইভি তদ্রসারঃ ॥ 🛊 ॥ পদ্ধ নাল্য मन्द्राध्यनात प्राया यथा। अन्द्रा **গন্ধ মাল**্যানি যো দে খৃপণ পুৰছতি। **দ**ণপো জাযতে ভূমে যাতু্থানো ন नः नयः ॥ वर्षानि रेजक्दिः भानि অযক্ষার নিবাসকঃ। ভিচতেত্র মহা ভাগে এবমেতগণ শথঃ ৷৷ ইতি वज्ञारभूजान ॥ # ॥ विवन्न भूरभा यथा। मकुः नर्छारमारभठः मर्यभा । वनरामुकः। मुवर्ग जन्द्रज्ञाः ममूरेन बर्ज्ननगु जू ॥ श्ला वाम গৃহে হন্তি বিয় জাবর জন্ম । নতত্র कीं। न विषं न महूर्त गतीम्थाः॥ न क्उत कर्मन छ ३ धूला ९४॰ यब मश्उ ॥ का मर्गनिर्धाहन थूरणा " यथा। कार्शामाञ्चि जूबक्ना उंथा निर्स्मारमः ভবেৎ। সর্প विर्मारहा श्राः भुगढः गठउ ग्रह ॥ इंठि । धूनः श्रु जापु क्रनशुख्यः।श्रुँग इंठि

बट्नानुदार्ग ३३२ व्यवायः॥ धूशनः श्रु॰ लालवृक्षिनिश्यः। श्रा इंडि ভाষा। उट्भर्गायः। मान-(वहै:२ मर्जन्म: ० विद्वित्र कि: १। इंडि नक्याया॥

ধূপবৃক্ষঃ পু॰ সরলবৃক্ষঃ ় ইতি ত্ৰিকাওশেষ:॥

ष्भव्ककः भू मतलम्बन्धः। ६७० नक्तज्ञादकी अ

श्भारूम हो • नारायक। इं जिनाज-निर्दे छैं।

ধ্যাকঃ পু• এবেটঃ। ইতিরাজ-निर्केश

धूलाविजः कि जन्न छः। अश्वादिना-শাভঃ। ইত্যমরভরতৌ ॥ দভ্রপ गृशिमि। यथा। भूतील शतिनी-পিতে বিবিধ ধূপ ধূপাবিতে। ইতি **उत्रशामः** ॥

ধুপার্হণ ল্লী কৃষ্ণাতক। ইতি রাজ-निर्घणेः ॥ धृशायाण जि ॥ **धू**शिठः बि महाशिठः। यदारिना , শাস্তঃ। ইত্যনরভরতৌ ॥ দত্তপূপঃ এ यथा। यवानिमा পোহদ धूमिाजा क्रमः। इं ि वृक्षायूर्वमः ॥

ভाষা। उद्भविश्वारः। ভक्तः २ गर्कः हारः ० थउमादः ४ निथिष्वाः ६ अग्नितारः ४ न्त्री १। ইতি जिकाश्व लियः ॥ अम् ४ श्वः। वाठ शिष्ठ वृक्ति कातिष् । ইতি ताजवल्लाः॥ मह स्वाञ्जनस्वार्जनकः॥

ধূমকেতনঃ পু॰ অগ্নিঃ।। কেতুগুছ। ইতি মেদিনী।।

ধুমকেতুঃ পুণ অগ্নিঃ 🛭 উৎপাত विष्मिरः। न धूमां जात्रका । ইত্যমন ভরতৌ॥ গুহভেদঃ। ২তি বিশঃ ৷৷ জ্ব ৷ কেতবশ্চ শিখাবন্তি জ্যোতী ৰ স্থিয়াণু পোত ৰূপাণি । जनूमरय कालान्यि यंथा। धूमरक-॥ **ा जिममू शास गुरु ए हन्मु मू**र्ग्रायाः । गुरुशाः अङ्गति दिव न अर्था गुरु ল কিংগা । উল্লাপাতে চ কিদিন্ ধুনে পঞ্চ দিনানি চাব্ডুপাতে দি-নঞ্চৈক বৰ্জ্জয়েৎ সৰ্বকৰ্মসূ ৷৷ ইতি গর্গবচন । ভোজরাজঃ। গুহে রবী-নে ধরণী পুকম্পে কেত্রমোলাপ-তनामि (मार्य । वुर्छ मणाशानि বদ্ভি তজ্জা স্তযো দৃশাহানি বদ-ভিক্চেৎ॥বজুকেত্র্র্য়েৎপাতে गुर्ल हन्तु मूर्यहराः। भूयान्छ छन জেৎ ক্র: সপ্তরাত্র মৃতঃপর ।।।

वाञ्चनः कविया विना छात्वर क-र्मा वितावकः। मृमु छ ङ्वा हिक्तावः मईकर्म ममाहाद्र ॥ इंछि गवमान তত্ত্ব• ।। 🕸 ।। অথ কেত্না• স•স্থান• 🖡 শত মেকাধিক মেকে সহসু মপ্রে বদন্তি কেতৃনা । বহুৰূপ নেক নেব পাহ মুনি নারদঃ কেতু ।। তথা চ পরা**শ**রঃ। শতমেকোত্তর কেতৃনা ভবন্তি তেৰা॰ ষোডশ মৃত্যু নিশ্বা-সজাঃ । দ্বাদশানিত্য সম্ভবাঃ । एक पक्ष नथ विवायान क्षृत्काश्वाः । मध रिभाजामहाः। शक्षमण वर्ष वीषानिकम् श्वाः। मध्यम् म-রীচি কশ্যপ ললাটলা: ৷ পঞ্চ পুজাপতি সহজাঃ। এযো বিভাব-मुकाः। ध्रमाख्यरेणकः। ठजुमंग ন্থ্যনানে ংগ্তে সোমেন সহ সমু-তাঃ। একন্ত বুদ্দকাপদঃ ॥ 🏶 ॥ গর্গাদযঃ সহসু বদন্তি। তথাচ গর্গঃ । अभित्रिप्रमय हात्रां मणुङानाक मर्मनः। আगञ्गाः मह्मु महाम्गु-शाना जनित्वाथ (म ॥ नात्रमार्थ) সুনিরেক মেব কেতু বহুরপণ প্রাহ। ্যথা ৷ দিব্যম্ভরীক্ষ ভৌমস্থ একঃ কেতুঃ পু ীৰ্ত্তিতঃ। শুভাশুভ ফল लाक ममाजाखन्याम्य ॥ # ॥

তত্ৰ ধ্নকেতু লক্ষণ । উক্ত বিপ-॥ রীতৰূপোনশুভকরে।ধূনকেতুৰুৎ পন্নঃ। ইন্দ্রাযুধানুকারী বিশেষতো দ্বি ত্রি চূলো বা ॥ ছুরতনুঃ পুসন্ন ্ইত্যমাদুক্তাৎযোবিপরীতোবিশে-ষতঃশক্রচাপৰ্পকেন্তৰ্ৎপন্ন: স ধূমকেত্তঃ সচ ন শুভকরঃ পাপ• ক- _{।।} রোতীত্যর্থঃইন্দুধনুঃসদৃশোনশুভ কর এব তথা দ্বিশিখ ক্রিশিখক বিশেষতঃ পাপ ফলদঃ ৷ তথাচ সম্য সংহিতাযা । অচির স্থিতো-তি वृष्टे खुष्ठभिजः त्रिक्षमूर्खि कम्ख-দিতঃ। হুশ্বতনুঃ পুসন্নঃকেন্তর্লোক-স্যাভাবায় ন শুভো বিপরীতো বি-শেষতঃ শক্রচাপ সঙ্কাশঃ। দ্বি ত্রি छ क्ला वा पिक्त अ•इक मृजूऽ-করঃ।ইতি ভটোৎ পল কৃত বরাহ-म १ इंजा होका ॥ ধ্নগন্ধিক স্নী রোহিষত্ণ । ইতি ভাবপুকাশঃ ॥ 'ধ্নজাঙ্গজ' ল্লী বজুক্ষার'। ইতি রাজ-निर्चण्डेः ॥ ধূমধৃজঃ পু॰ অগ্নিঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।। ध्मश्रु जा छी ध्माक्षकात्रनत्रकः। इंछि

হেম্চন্দু:।।

भूममहियी जी असूषी। इंडि

ত্রিকাগুশেষ: ।।

পুন্যোনিঃ পু॰ মেবঃ ।। মুস্তকঃ । ইত্যা

মরং ।।

পুন্লঃ পু॰ কৃষ্ণলোহিতবর্ণঃ ।। তদুর্ভি

তি । ইত্যমরং ।।

পুন্সংহতিঃ জী পুন্সমূহঃ, । ইতি

হলাযুধঃ ।।

পুন্সী জী রোটিকাবিশেষঃ । যথা।

ধ্নসী প্রী রোটিকাবিশেষ: । যথা।

মাধাণা দাল্য ভাষে স্থাপিতা

স্তুক্ত কঞ্কাঃ। আতপেশোবিতাঃ
পাত্রে পিপ্তা স্তা ধ্নসী মৃতা ।। ধূনসীরচিতাসৈব প্রোক্তা ভুভুরিকা
বুধিঃ। ভুভুরী কফ পিঙ্গা কিঞ্চিঘাতকরী মৃতা।। ইতি ভাবপুকাশঃ
ধ্মাভঃ পুণ ধ্মুবর্ণঃ। ইতি শদ্মালা
।। তদ্বতি ত্রি ।।

थ्गावजी जी मन्मस्वादिन ग्रास्तं ज विन ग दिल्मदः। यम ग थ्या । विवृत्तं हक्षणा मुद्धा मीर्घा ह सणिना-यदा। विमुक्त मरणा क्रका विश्वा विद्या क्रिका । काक्ष्म द्रशाक्ति। विणयि भर्या थदा।। मूर्न इस्राजि-क्रिका का थ् उरुस वदा दिला क्रिलाक्या ।। क्रुट भिभागार्क्ति निर्ज छ्यम। क्रिका मार्ग । ज्ञान्य हक्क्र हक्क्र-

্শ্রণ পূর্বস্চরণ সিদ্ধবে ॥ ইতি ্তিম্বসার: ॥ ধূনিকা জ্রী ভুজুনিকা। ইতি ত্রিকাও-लगवः ॥

ধূনোত্থ ন্নী বজুকার । ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ॥

ধ্যোণা জী যমপত্নী। ইতি ত্রিকাও-म्बा ।।

ध्रमार्गाशिकः श्रु यभः। ইতি হার। वनी ॥

ধ্ম্যা জী ধৃনসমূহ:।ইত্যমর:॥ थ्मऽारेः भु शक्किवित्नयः। किन्ना ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ।ক**লিহ্নঃ** ২ ভৃকঃ ৩। ইত্যমরঃ।।

ধ্মুঃ পু॰ শ্যাম রক্ত মিশ্রিত বর্ণঃ। তৎ পर्यप्रायः। धूमनः २ कृषः लाहि-তঃ ৩ ॥ তদ্বতি ত্রি । ইত্যমরঃ ॥ তুৰকঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

ध्रुकः पु॰ উद्देः। ইতি को । । ধূমুপতা জী ক্ষুপবিশেষঃ। তৎ পর্য্যায়ঃ। ধূমুাস্থা ২ সুলভা এ স্বয-মুবা ৪ গৃধুপতা ৫ গৃধাণী ৬ কৃমিমী ৭ এমলাপহা ৮। অস্য ধণা:। রসে তিব্দত্ব। শোক কৃমি কাস

नानिष्रा डेकष्र। क्ठाष्र्र। जाप्ति-

পন কারিত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘণীঃা। ध्युम्लिका जी म्लीज्गः । इंजि রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

ধ্মুলোচনঃ পু॰ কপোতঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ শুদ্রাসুর সেনাগতিঃ ।যথা।হে ধুমুক্তোচনাশু বৃ ৰ সৈন্য পরিবারিত:৷ তামান্য বলাদুষ্ঠাণ কেশাকর্যণ বিশ্বলা।। ইতি মার্ক-প্তেবপুরাণ:॥

ধূনুবর্ণঃ পু• তুক্ষঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ কৃষ্ণ লোহিত বর্ণ যুক্তে ত্রি॥ ধূমুবর্ণা স্ত্রী অগ্নেঃসগুজিস্থান্তর্গত জিহ্বাবিশেষঃ। ইতি জটাধরঃ॥ ধ্মা জী শশাপুলী। ইতি রাজ-निर्घण्डः ॥

ধূমুকা জী শি॰শপাবৃক্ষ:। ইতি त्राजनिर्घण्डः ॥

श्त्र 🎘 ७ य वर्ष ॥ गछो । इंडि কবিকল্পদ্ধঃ ৷৷

ধূর্জটিঃ পু॰ শিবঃ। ইত্যমরঃ॥ ধূর্ত্ত॰ ল্লী বিড্লবণ । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ लोइकिউ॰। इंडि (इम्हन्तुः॥ थ् कः भुः भुख्तवृकः। ইতি यानिनी ॥ চোরকঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

প্ৰ্ৰঃ ত্ৰি দ্যুতকৃত্।। ৰঞ্কঃ।। শেষস্য

- **अ**र्यप्रशः। मायी २। इंजि (इमहन्पुः ॥ বিটঃ ৩। ইভি মেদিনী॥ शूर्डकः शृ॰ म्यावः। इंडि मदत्र।-वली।। शृक्षणा शूर्बक्ट. भू॰ शुख्तः। ইতি भन्माना

॥ वश्रक काइतक जि ॥

बूर्डब्रुः भू॰ मानूयः। ইতি नप ठिम्प्का ॥

श्रृज्यान्या जी त्रात्रा। इंडि भप-व्यक्ति ॥

शूर्य तः পূ॰ शूतकतः। ইত্যমরটীকাযাং त्रमानाथः ॥

श्र्वरः वि धूत्रमतः। ইত্যমतः॥ भूबी जी तथागुजागः। उৎ भर्यायः। यानमूथ २ वधः १ इ जिल्म हन्दुः॥ ধূলক জ্লী বিষ । ইতি শব্দ ন্দুকা।। ধুলিঃ দ্বী পার্থিব ূর্ণণ ধূলা ইতিভাষা । **उ**८ अर्थ प्रश्रास्त्रपुः २ ला॰ मुः ३ तक ৪। ইত্যমরঃ।। ধূলী ৫ পা•সুঃ ৬। ইতি ভরতঃ।। র**ন্ধঃ** ৭ ক্ষিতি কণঃ ৮ कोषुः २ हुर्गः २० ज्यः १२ महीपुरः >२। वाज्यक्जूः > २ चः (कजूः: ४ क्वा a कि उठ्ना >७: इंडि मस्त्रक्षा-वनी॥ 🛊 ॥ मील थहें। उन्हाया छि- রেণুক্ত হম্ভিপুণ্য পুরাকৃত।। ইতি কর্মলোচনঃ 🕴 অজরজঃ গররজ ख्या मणाक्किनी बद्धा जियः शाम त्राका त्राकन् भकामिश इरत् प्रिय॰ **।। ইতি লর্দ্মা**চরিত্র• ॥

ধূলিকা জ্রী জজুটিকা। ইতি শক্ষ ब्रञ्जावनी ॥

॥ धूलिकिरातः भू॰ वनुः। किव॰। ইতি ত্রিকাণ্ডাশযঃ।।

प् निक्ट्तः श्रु॰ शहदामतः। क्लुर्र्॰ । २७ किका अल्य ।।

খুলিধুকঃ পৃ॰ পবনঃ। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ !!

ধূলিপুষ্পিকা স্ত্রী কেতকী। ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ 11

श्नीकम्भः भू नीशः॥ जिनिमः॥ বৰণতৃক্ষঃ। ইতি নেদিনী।।

ধূলীকদম্বকঃ পুণ নীপণাইতি জটাধরঃ श्नीभरेनः शु उडीयगानश्नीमग्रः । যথা। ধূলী পটলে ধূমত্ব ভুমে তত্রা-मठा धूमाद्वन । ইত্যानि मामान्। ्र वक्षगायाः भिरतामिः ॥

ধূশ ক) কান্তিকৃতৌ। শোভাযুক্ত ধূষ ক) করণ ইতি যাবং। ইতি भरकण नथापिदः । अक माजात श्रृम क) कदिकन्नकनः।।

ধুসরঃ পু॰ ক্রবৎপাপুবর্ণঃ।। তদ্বতি ্ত্রি। ইত্যমরঃ।। ইষ্ট্রঃ।। গর্মভঃ।। ু পাতঃ। ইতি পাজনির্ঘণ্টঃ।। তৈ নার: · ইভি **হেমচন্দু:।। 🟶 ।।** ध्मन दर्ने रथा। ध्विः > न्छा २ করজ্ ৩ গৃহগোধিকা ৪ কপোতঃ ৫ মূষিকঃ ৬ রহণ ৭ কাক্কও: ৮ 🐃 দিং ৯। ইতি কবিকল্পলতা।। ধুসক্ষা জী খেতবুর।।ইতি রত্ন म्बा।। ধূনরপ रेक। ही হন্তিশুগুকু नः। ইতি রাজনির্বন্টঃ ৷৷ ধুসরা স্ত্রী পাণ্ডুরফলীক্ষ্পঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ৷৷ ধূসরী স্থী কিম্নরীভেদঃ। ইতিমেদিনী थ्यू तः भु॰ धु खूतु वृक्षः। ইত प्रात्र हो का-रा॰ जन्न दः ॥ পূদ অবধৃংস। পতন ইতি যাবং। ইতি কবিকল্পদ্রমঃ !! ধ 🐗 👌 হিতৌ ॥ ধৃতৌ । ইতি प् न ड) कविकन्नकमः॥ ধ্ক ধৃত্যা । ইতি কবিকল্পজ্যঃ।। ধ্জ • ' গতৌ। ইতি কবিকল্পদ্ধ ।। "

ধ্তঃ ত্রি ধারণবিশিষ্টঃ। ধ্রা ইতি

ভাষা ॥ অবধৃত্ত: । পতিত ইতি যাবং ॥ ছিতঃ। ইতি ধৃ ধাতোঃ কর্মাণি কর্ত্তরিচ ক্ত পুত্যযেন নিয়মঃ श्जताद्धः शृ मूर्य्याधनशिजा ! म শান্তনুপুত্রঃ বিচিত্রবীর্য্য ক্ষেত্রে ব্যার্ সাজ্জাতঃ। ইতি মহাভারত•॥ সু-রাজা।। নাগভেদঃ। ইতি মেদিনী।। পক্ষিভেদঃ।ইতি বিশ্ব হেমচন্দুে।। ধৃতরাষ্ট্রী জ্রী হংসপরী। ইতিমেদিনী थ्जिः श्रु॰ इंद्रिः। इंजि मिरिनी ॥ প্রতিঃ দ্রী তুঞ্চি: ॥ যোগভেদ: ॥ ধৈর্য্য ॥ ধারণ । ইতি মেদিনী ॥ সুথ । ইতি হেমচন্দুঃ।। যোডশ মাতৃকান্তৰ্গত ত্ৰয়েদশ মাতৃকা। ইতি ভবদেবঃ।। অপ্তাদশাক্ষরা-वृक्ति इत्मा भाव। ३७ इत्मा-মঞ্জরী।। #।। ধৃতি যোগ জাত ফর্শ যথা। ধৃতি যোগ সমুৎ পন্নঃ शुक्तः मण्ड्रे मानमः । वावम्कः मञायाकः मूलीत्वा विनयादिजः॥ ইতি কোষ্ঠাপুদীপঃ॥ ধ্বরী জী ভূমিঃ। ইতি সংক্ষিপ্ত-जांद्राणा दिवृज्जिः ॥ ध्यौ शू॰ धर्मः ॥ द्विशुः ॥ अमू पुः ॥

अड़रीकः ॥ (मर्वावी ॥ विकृ: १

ধেনু

ইতি সংকিও সারোণা হিব্ভিঃ।।

থ্য উ সংহতা।। হিশনে। ইতি

কবিকল্পদ্দমঃ।।

থ্য কি আন পুগাল্যে। ইতি কবি

কল্পদ্দঃ।।

থ্য ক ড শজিবদ্ধে। শজেবদ্ধন

ইতি যাবং। ইতি কবিকল্পদ্দমঃ।।

থ্য আ কি অমর্যে। কোথ ইতি

যাবং।। অভিভব ইতি ভউমল্লঃ।

ইতি কবিকল্পদ্দম শুড়ীকাচ।।

ধৃষুঃ পুং দক্ষঃ। ইতুগাদিকোবঃ।।

সংঘাতঃ।। পুগলুঃ। ইতি সংক্ষিপ্ত
সারোণা দিব্ভিঃ।।

ধৃষ্ট: ত্রি পুগল্পঃ। ইতি মুখবোধ ব্যাকরণণ।। নির্লজ্জঃ। তৎ পর্য্যায়ঃ।
ধৃষ্ণুক ২ বিষাতঃ ৩। ইত্যমরঃ॥
ধৃষ্ণুঃ৪ দপ্ক ৫।ইতি ত্রিকাগুশেষঃ
।। চতুর্বিধ পত্যস্তর্গত পতিমিশেষে
পুণ। তস্য লক্ষণণ যথা। ভূষো নিঃশঙ্কঃ কৃতদোষোপি ভূষো নিবারিতোপি ভূষঃ পুশুষপরাষণঃ। ইতি
রসমঞ্জরী।।

ধৃষ্টা জ্রী অসতী। ইতি শদর্গাবলী জ ধৃষ্ণক্ ত্রি নির্লজ্ঞঃ। ইত্যমরঃ॥ ধৃষ্ণিঃ পৃ• কিরীঃ। ইত্যমরঃ॥ श्रूषः जि श्रुष्टः। ইতি जिका अप्ययक्षो किकिकायाः भू । ইতি सन्दर्शनाः। (ध हे भाने। ইতি क्षिक्यक्रमध्याः। (धनः भू ममुष्टः। ইতি (इमहर्म्युः॥ नमः। ইতি (मृष्टिश) ज्याकी (क्ष्मणः। ইकि

(थना की मरी ॥ जात्रजीरजूरः। इंजि (इंगज़न्दुः॥

খেনিকা দ্রী ধন্যাক । ইতি ভাব পুকাশ:॥

ধেনুঃ জ্রী নবপুস্তাগৌঃ। তৎ পर्यऽायः। नव्जृ उिका २। ইত্যনরः॥ নবপুস্তিকাত। ইতি শবরব্বাবলী ॥ 🕸 ॥ मानीय मम्भः (धनत्वा यथा । या 😸 পাপ বিনাশিন্যঃপঠ্যন্তেদশ ধেনবঃ ৷ তাসা• স্বৰূপ• বক্ষ্যামি নমামি চ थनाधिन ॥ भूषमा ७ उरधनुः जा-म्घ्ठाधन् রथानि वा। जिनाधन् স্তীযা চ চত্তথী জলস-জ্ঞিকা।। ক্ষীরধেনুশ্চ বিখ্যাতা মধুধেনু तथानि वा । मध्मी मक्तारधन् र्मिश्रियु त्रथाडेमी ॥ तम्रियुक नवर्गी मन्त्री महाद बक्श ।। बद्धाः मूर् प्रव (धन्ना मिठवामा ख রাশযং॥ সুবর্ণধেনু মপ্যত্র কেচিদি-इंडि मानवाः। नवनीर्जन रेजरणन

सन्

कथात्र जू मर्श्वयः।। अञ्चर विशा-व् नता खबरवा शक्तीः गृजाः। मजा-वीर्न मणुक्ता राभईनिभईनि॥ খীথা শাদ্ধ পুদাতব্য ভুক্তি মুক্তি क्ल भूमाः। ७५(सुन् भूमाव्यन मर्बा ন্তৰ মৰোদিতাঃ॥ অশেষ যক্ত ক লদাঃ সর্বপাপ হরাঃ শুভাঃ। রুতানা मुख्या यमाहित्माक दाहमी वुछ ।। **जिम्हाद्या कियावं खडासनुः भुग**-স্যতে। অয়নে বিষুবে পুণ্যে ব্যতী পাতে २थ वा भूनः ॥ ७५४४ ना-मर्या (मया खुन द्वागामि न द्वा इंडि ॥ म भा अध्याप १५ व्यक्तियः ॥ शूर्वाक (४न्ना मान विधय छिट भारत पुष्ठेवताः ॥ 🕸 ॥ व्यथ कशिना-থেনু দানাদি ফল । হোতোবাচ। অথাতঃ সংপুরক্ষ্যামি কপিলা ধেনু মুত্তমা । যৎপুদানান্বরোযাতি বিষ্ণু लाक मनुखम॰ ॥ शृर्द्वात्कन विधा-त्न पर्ाष्कृ नव नका । नहीं লক্ষার সংযুক্তা সর্বরত্ন সমন্বিতা ।।। किशवायाः भित्राशीत्व मर्वे जीर्थान ভানিনি। পিতামছ নিযোগায় নির-সম্ভিহি নিত্যশং॥ প্রাত্ত কথাযথা-गर्जाः किंगना गन मुखकाए। हु उन्ह ভক্ত্যা পানীয় শিরসাবন্দতে শুচিঃ

॥ मराजन भूगारकारयन उटकामस्य-किन्यः। जि॰मधर्ष क्छ॰ भाश पर-ত্যুদ্রি রিবেন্ধন ।। কল্য মুম্পাব যো मर्जाः वर्गाखामाः शुप्तिनः। शुर-ক্ষিণী কৃতা তেন পৃথিবী স্যাৎ বৃসু क्रात ।। भूम क्रिएन हिरकन भूषा मुख्य তৎক্ষণাৎ। দশত্তম কৃত। পাপ। তস্য নশ্যত্যসংশয়ং ৷৷ কপিলায়াস্ত মূত্রেণ স্নাত্বা চৈব শুচিবুতঃ। স গঞ্চা-দিযু তীর্থেবু স্নাভো ভবতি মানদঃ॥ তেন স্নানেন চৈকেন ভাবমুক্তেন বৈ নরঃ। যাবজ্জীব কৃতাৎ পালাৎ সুচ্য-তে নাত্র সংশযঃ॥ গোসহসূত্ত যো म्मार्क्ष किला न्द्रः। मम म-তৎপুরাপাহ বুন্ধালোক পিতামহঃ ৷৷ গবা মস্থি ন লত্ত্বেত মৃতেগদ্ধে ন দূব-যে । যাবজ্জিঘুতি ত॰ গন্ধ• তাবৎ পুণ্যৈন্ত পূর্যতে ৷৷ গবা ৽ কণ্ড্যন শুষ্ঠ • তথাচ পরিপালন। তুল্যা পা मानम् छ्यं द्वागामि भाषाम। ज्-लामकानि या मम्राट क्यू विजाना॰ গবাহ্নিক ৷ সোখনেধ ফল দিব্য লভতে মানবোত্তমঃ ॥ বিমানৈ বি বিধৈ দিং বৈয়ঃকন্যাভি রভিরচিতৈঃ। भ्यानक गन्नरे मि श्रीमात्मा यथा-गुयः॥ #॥ এकारम शुकात किना

वक्रन॰ यथा। সুবর্ণকপিলা পূর্ব॰ দ্বিতীয়া গৌরপিঙ্গলা। তৃতীয়া চৈব রক্তাকী চতুর্থী গুডপিঙ্গলা ॥ পঞ্চমী বহুবৰ্ণা স্যাৎ ষষ্ঠী চ স্বেত-**शिक्ला । म**श्रमी (अंज्**शिक्**।की षश्ची क्ष्मित्रवा ॥ नवमी भाषे-वा उद्ध्या रमभी शृहिशक्वा। এका-দশী খুরখেতা এতাসাণ সর্ব লক্ষণা ॥ मई लक्ष्ण मः युका मई। लक्षात **जुन्मती ।** कुञ्जनाय ह माउव्या नर्ब-मुकि शुरायिनी। जुकि मुकि शुरा-তেষा॰ विकु नार्ग शुमायिनी। इंडि কপিলা সাহ্ব্যু॰॥ 🗱 ॥ অথোভব মুখী থেনু দানাদি বিধান। হোতো-বাচ। অতঃপর• মহারাজোভ্যসু-**थ्राः म**मामञः। विथान यद्यज्ञाता-**হেধ**রণ্যঃ কথি**ত পুরা।। তদহু স**--পুবক্ষ্যামি তব পুণ্য ফলঞ্চ যথে ধর-गुर्वाठ। यंड्या किनना नाम भ्रेमूट পাদিতা পুভো ৷৷ হোম ধেনুঃ সদা পুণ্যা সাজেয়া কতি লক্ষণা। কিয-স্ত্যঃ কপিলাঃ প্রোক্তাঃ স্বয়নের স্বয়-खुवा॥ भुम्य माना नातन कि॰ भुगु॰ न्तराह माथव। এउ निहाम रहः ल्या दूः বিস্তরেণ জগদুরো॥ 🖺 বরাহ উবাচ্ট্ (धनू

। य॰ भुद्धा नर्बशाशान्त्रा मूह्य नी-व जः भयः ॥ किलना जाः हावाः र्थ যজ্ঞার্থেচ বরাননৈ উক্ত্যু সর্গত-জা•সি বুন্ধণা নির্মিতা পুরা ৷৷ পবি-ত্রাণা পবিত্রঞ্ মক্লানাঞ্চ মৃস্ল। शुग्रानाः भेत्रमः शूग्रः किलाह व-সুন্ধরে ৷৷ তপস স্তপ এবাগ্যু বুতানা वुठमूखग॰। मानाना मूखन॰ मान॰ निधीना । एक उ मक्क यः शृथिवता । यानि তীর্থানি গুহান্যুতনানিচ। পবিত্রা-गाक भूगानि नर्वावातिषु मुन्दि॥ হোতব্যান্যশ্নিহোত্রাণি সায় পুত-ৰ্দ্বিজাতিভিঃ ।। কপিলাযা ঘৃতেনেহ पक्षा की दिन वा श्रनः ।। जूक्र क् श्रि-रशाजानि मरिजन्छ विविदेशः मना। পূজ্যমতিথী • শৈচৰ পরা ভাক্ত **मूপाग**जाः॥ তে यास्त्राहिन्। वर्तन्ह विमारिन विंक जखमाः। मृर्या मध्न मर्थ्या तृष्मण निर्मिता भूता ॥ क्लिना या लिझनाकी मर्वाभेश शुनायिनी। त्रिक्ष वृक्षि कड़ी पंची किनानस्किनि।। भूर्वाङ। यास कृशियाः महत्वक्रंग निक्काः। अञा म्माः नगाथाजाः किनना एउ वता-ননে।। সর্বা হেতা মহাভাগা স্তার-यि न मः भयः। मक्तियू भुणका ह

नई भाग भुगानिकी ।। अग्निश्हा-विश्वी विद्वामा श्ननशुका। उपादिशी मेरी प्रवी मूवर्गाथा भूव-र्खाउ॥ 🛊 ॥ मृमुष् किना भुजि गुर्ह (नारवा यथा। गृहीका किनवा॰ मृपुर कामजः बेम्रमा ভदर । भ-**তি**ज्ञः म बिबाजीनी हा थान मन्त्ना हि गः॥ न जमारः भुजिग्रीयार শূদাদ্বিপু: পুতিগুহ: । দুরাত্তে পুতি र्खन्ताः यि खन्ता रेनाशृत्त ॥ সর্বকালে হি সর্বে বৈ ৰব্জিতাঃ পি তৃ দৈবতৈঃ। অসম্ভাষ্য ংপুতিগ্ৰাছাঃ শুদা তে পাপ কর্মিণঃ।। পিবন্তি যাবৎ কপিলাণ ভাবত্তেষাণ পিতা-महाः। ज्या र्यानः नमन्त्रि बायस्य विष्जुष निष्य भागम् पुत्र प्रकिता ক্ষীরাদি পানে দোষো যথা৷ তাসাং कीत प्रः वाशि नवनी जमथाशि वा। উপজীবন্তিবে শুদু।छেষা॰ গতি নঁথো मृगु ॥ किनवा जीविनः मृमुः क्रा गहन्ति (त्रोतवन। (त्रोतव जू महाद्रोत्नु বর্ষকোটি শতংখরে।। তত্তোপি মুক্তাঃ কালেন স্থানযোন্যা॰ বুজন্তিতে। স্থান বোন্যা বিমুক্তৰ বিশ্বায়াণ জায়তে किनिः।। विश्वासात्र नानिश पूर्गः কিবুচ নিত্যশঃ। ভূযো ভূযো কায়মানা

স্তৰোভারণ ন বিন্দতি॥ ব্ৰাহ্মণতৈব र्या विद्याम् अर्यप्राखियाः পुछिगुरः। ভঙঃ পুভ্তামেধ্যান্তঃ পিতর ত্তম্য শেরতে ৷ ন ত বিপুত্ত সম্ভাবেদটৈ-বৈকাসন বিশেখােস নিত্য বৰ্জনী या हि मृतालु वाकाला वृद्ध । य खन সহ সভাষেত্তথাচৈকাসন বুজে।। পুাজাপত্য চরেৎক্ ছু তেন শুখ্যতি म विकः ॥ 🗱 ॥ অथामन भूमव कशि-वा रान कवारि। এकन्र (गा शुरा-नम्। महरमुग ज् भूर्यारा किमरेना বহুভি দানৈঃ কোটি সংখ্যাত বিস্ত-देतः। ल्याबियाय मित्रमाय मृत्छाया-হিতাগ্নযে।। আসন্পুসবা ধেনু मानार्थः शु जिलानार्ये । कलिनार्ष-পুসূতাবৈ দাতবঁগাচ দ্বিজমনে।।জাষ-मानम् दर्मम् मूथः यान्। नुमृ-**ग**्रार्ड। जावर्जा পृथिवी (कंग गाव-इर्ज नमुक्षिणा (धना याविष द्वानानि म वट्माया वमुक्तात । जावरज्या वर्ष কোট্যস্ত বুন্দবাদিভি রচিভাঃ৷৷ বস-डि उन्नालाक रैंव एक रेंव किना शुनाः। त्र्वनं मृत्री यः कृषा तीना मुकार्त्रा उथा।। दान्यनमा करत नदा 'मूर्वर्ग' (द्रोभ) (स्वह। किन्नाया उपा शृह • वाक्राना करत नारमधा छैरक

करत परशाहाठया भूक्या पिछा न সমুদ্যবৃতা তেন স শৈল বন কাননা া রক্ন পূর্ণা ভবেদরে পৃথিবী মাত্র जः भरः । शृथिवी मान जूला न स्ति নৈতেন বৈ নরঃ।। নন্দিতে। ব্যক্তি পিত্তি বিফ্লাখ্য পরম প্রদং॥ বুন্ধব্যুরী গোম্ব জুণ্হা পাপদে-হকঃ॥ মহাপাতক্যুক্তোপি বঞ্কো वुकाम्यकः । निनम्ति। वुक्तिगानाकः তথা কর্মোপদূষকঃ ৷৷ এতৈঃ পাতক যুক্তোপি গবা॰ দানেন শুদ্ধ্যতি। यु শ্চোভযমুখী দদ্যাৎ পুভূত কনকা ব্বিতা ।। তদ্দিন প্রযাহারঃ পায-সেনাপি বা ভবেৎ। সূবর্ণস্য সহস্রেণ তদৰ্জেনাপি ভানিনি॥ তদ্যাপ্যৰ্জ-শতেনাপি পঞ্চাশচ তদৰ্জক ৷ যথা শক্তি পুদাতব্যা বিভ্রশাঠ্য বিব-र्क्तर्य । हैना॰ गृह्मा जयमू भी मूज-यब भारमाञ्च देव। सम व॰म विवृक्तार्थ॰ সদা স্বস্তিকরী ভব 🛭 🗱 🛭 গোশরীরে দেবতা নিবেশে। যথা। দম্ভেষু মৰুতো দেবা জিস্থাযান্ত সরম্বতী। খুরমধ্যে जू गक्रवीः थूबार्गुयु जू शक्राः॥ मर्ब সন্ধিষু সাধ্যাশ্চ চন্দ্রাদিত্যে তুলো-চনে। कञ्चिम गई नक्षव नाञ्चल थर्य जामिजः॥ जनात मईजीयानि

शुमात जारोवी नही। नाना बील नगाकीनी मन्त्राद्वः मागदा खथा।। अययातानक्शियुरगीनप श्रेश রিণী। রোনযু-সন্তি বিদ্যাশ্চ ত্বক্লে-শেষ্যন দ্বা (ধ্বিগ্ত ধৃতি ক কান্তি-क शृष्टि वृष्टि अस्थित ह। सृजि रम्श তथा वृद्धा तुथुः की विं खरेथव ह ॥ বিদ্যাশান্তিশৃতিশ্চিব সন্ততিঃপর मा ज्था। गहन्नी मनुगहन्ति अजा गा॰ दिन স॰ শयः॥यञ गार्वाङग उज দেবদেব পুরোগমা। যত্র গাব স্তত্র লক্ষীঃসাংখ্যধর্মশ্চশাশ্বতঃ॥ সর্ব-ৰূপেষু তাগাব স্তিষ্ঠন্ত্যভিমতাঃ সদা মা গাবঃপবিত্রা নঙ্গল্যা দেবা নামপি দেবতাঃ। য স্তাঃ শুশ্রুষতে ভক্ত্যা স পাপেভ্যঃপুমুচ্যতে॥ ইতিবরাহ-পুরাণ ॥

পেনুক

(धनूकः शृं अमूत्रवित्मवः। म नि कृष्णिन रुठः। रेठि श्रीकागवठः॥ वाप्रम तित्रकान्तर्गठ वाप्तम वकः ।यथा।मूक्षाः जियः मनानिक्र प्रयः मुखात्रस्थान्तरः॥ नयू निकः है।न-यास्य। वाकायः (धनूकः श्रृठः॥ रेठि तं जिमक्षत्री॥

(धनुकमूहनः ं शुः वीक्षः। इंडि विकाखस्यः॥ ধৈবত

'(धुनुका जो इंडिनी 11 (गीः 1 ইंडि 'मिरिनी !!

ধেরুদ্ধ ক্রী চিভিটঃ । ইতি রাজ নির্ঘণ্টঃ ।। গোফীরঞ্চ ।।

ধেনুদুধানরঃ পু॰ গৈজরঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণটঃ।।

বেনুষ্যা দ্রী বন্ধকে স্থিতা গৌঃ। ইত্য-মরঃ।। বাংবন্ধকেনু দত্বা অর্থং নীত-বান্ সা।গৌ র্মান্থবী রায়া দুগ্ধ বন্ধ-কে স্থিতা সা বেনুষ্যেতি বৃদ্ধাঃ। ইতি ভরতঃ।।

ধৈনুক॰ ক্লী ধেনুসমূহঃ। ইত্যমরঃ ।।
ধৈর্যঃ ক্লী ধীরতা । ধীরস্য ভাব

ইত্যথে ক্ষ্যপুত্যয়ঃ ।। তস্য লক্ষণং
যথা। ছির চিক্তোন্নতি বা ভুতদ্ধৈ

র্য্য মিতি কীর্ত্ততে। ইত্যুজ্জ্বলনীলমণিঃ ।।

বৈবতঃ পু॰ সগুষরান্তর্গত্যপ্তমরঃ।
সতু,নারদ মতে অশ্ব মর তুল্যঃ।
তানসেন মতে ভেক মর তুল্যঃ।
অস্যোচারণ স্থান॰ ললাট়ে । ব্যা
করণ মতে দন্তঃ। অয়॰ ক্ষত্রিযবর্ণঃ।
অস্য জাতিঃ যাডবঃ। অস্য তান॰
৭২০ পুত্যেক তান॰ ৪৮ সমুদায়েন
০৪৫৬০ তবন্তি। ইতি সংগীতশান্তঃ
।। গত্বা নাভে রধ্যে ভাগা বন্তিং

পুাপ্যোর্দ্ধ গঃ পুনঃ। ধাবনিব চযো যাতি কঠদেশ স ধৈবতঃ॥ অস্ত শ্রুত্য স্তিসুঃ। ইতি সংগীতদামো-দরঃ॥

(थाएः श्रू॰ नर्भवित्मयः। (थाए। ইতি ভाষা। তৎপর্য্যাযः। রাজিলঃ २ ডুগ্রুভঃ ০ দুগ্রুভঃ ৪। ইতি শদর্রা-বলী।।

খোর খ গতি চাতুর্য্যে। ইতি কবি-কল্লজমঃ।।

খোরণ ক্লী সর্বাহন। হস্ত্যশ্বরথ দোলাদি। ইত্যমরঃ।। অশ্বপুথম গভিঃ। তৎপর্য্যায়ঃ। খৌরিতকং ২ খৌর্য্য ৩ খোরিতং ৪। ইতি হেম-চন্দুঃ।।

খোরণিঃ দ্রী পরস্পরা। ইতি জটা-খরঃ॥

ধোরিত• ক্লী ধোরণ•। অস্বপূথনগতিঃ । ইতি হেমচন্দুঃ।।

খোরিতক• ক্লী খৌরিতক•। ইত্যমর-টীকাযা• রমানাথঃ॥

খোত ত্র নার্জ্জ্ত । খোষা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। নির্নিক্ত ২ শোধিত ৩ সৃষ্ট ৪ ক্ষালিত ৫। ইতি হেমচন্দুঃ।। #।। ইয়জোত ত্রিয়াইবীত য়জোত রজকেন চ। ধৌরিত

अश्वीतः छिब्बानीयाम्मा प्रक्रिय शिक्ता। इति कर्मालाहनः ॥ शिक्तः क्षी क्षाः। इति बाबनिर्वकः॥ शिक्काः प्रः मृजवतिक्वातः। शोककाः प्रः मृजवतिक्वातः। शोककाः इति शाजः। उद्भर्यायः । स्मानः २ मृजः अभुस्मदकः ॥ इति बहायतः॥ मृज्ञः ६ स्माजः ७ । इति जत्रव शृव कायान्तः ॥ श्वीतकायकः क्षी भ्रावार्तः। इति भ्रम्बद्वावनी॥

থোতকোষেয় গ্লী প্রোর্ণ। ইত্যমরঃ

। কৌষেয়মের থোত পুক্ষালিত
প্রোর্ণাথ্য বট লঙ্গচাদি পরেষু
কিমিভি কর্ণাযাঃ কৃতত্বাৎ পর
সম্বন্ধিনী উর্ণা অরেতি প্রোর্ণ।
ইতি ভরতঃ।

থোতশিল• ক্লী স্থাটিক•।ইতি ত্রিকা-শুশেষঃগা

থৌমকঃ পু• দেশবিশেষঃ। ইতি ় কেচিৎ।। •

থৌরঃ পু• ধববৃক্ষঃ। ইতি ভাব-পুকাশঃ॥

থৌরিতক স্নী অস্থানা পঞ্চবিধ গত্যন্তর্গত গতি বিশেষঃ। ইত্যমরঃ ।। তব্র সম্যক্ গতি রাক্ষনিতে গাম ইতি খ্যাত ততো ৎধিক। थाइन

চতুরা গতিঃ। ইতি ভরত: ।। থৌরেথঃ ত্রি রথবাকুলা দিভারবোচা । ইত্যমরঃ ॥ অনডুহি লু । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

(धोर्खिक वि धृर्खिम प्रमः।। धृर्खम प्रजादः
। इंडि धृर्ख मदा ८ किक शुरु रयन
निम्नमः।।

ধৌর্য্য ক্লী অখস্য প্রথম গতিঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।।

থা। • অণ্নিসংযুতী।। ধ্বনী। ইতি কবিকন্মজনঃ !!

থাকারঃ পু• লোহকারকঃ। ইতি ইতি হলাযুধঃ॥

খাছুঃ পু• কাকঃ॥ নৎস্য ভক্ষক পদ্দী। ইত্যমরঃ॥ তক্ষকঃ॥ ভি কুকঃ। ইতি নেদিনী॥

খাছুজ্বা জী কাকজন্ব। ইতিরাজ-নির্ঘন্টঃ।।

খ্যাত্ম জঁষ্ঃ জ্ঞী কাকজষ্ঃ। ইতিরাজ-নির্ঘটঃ।।

থাঙ্কুতৃপী স্ত্রী কাকনাসালতা। ্ইতিরাজনির্ঘন্টঃ।।

था। इन्डी की काक वृशी। इंडि ताब-निर्घण्टः ॥

पाष्क्रनथी जी काकजू थी। इंडि त्राजनिर्घण्डः।। ্থ্যান্দ্রনারী জী কাকোদুঘরিকা। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ।

খ্মাছুনাশিনী স্ত্রী হপুষা। ইতি ভাবপুকাশ:।।

খাঙ্কনাসা । কাকনাসা লতা। খ্যাঙ্কনাসিকা) ইতিরাজনির্ঘন্টঃ॥ খ্যাঙ্কপুষ্টঃ পু• কোকিলঃ। ইতি

श्वावनी ॥

খাছু,নাচী জ্রী কাকনাচী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

थाडू वल्ली जी काकनात्रा। इंडि बाजनिर्घण्डः॥

धाङ्कारनी की काकजू शी। इंडि ज़ाजनियंगेः॥

धाङ्काताजिः शूः (शहकः। इंडि | रुनायुषः॥

धाङ्की जो कङ्गानिका। इंजिसिनी।। धाङ्कानी जी काकानी। इंजिज्ञाज-निर्यण्टेः॥

शामा श्र शिव्यापण। आरलाकः॥ शानः। इति मिकाष्टकोमूर्गमू-शानिविद्धः॥

খাক ই কাছে, ।। যোরক্তৌ। ইতি কবিকল্পদ্মঃ।।

ধ্যাত ৰি চিন্তিত। যথা। ধ্যাত।

বিত্ত নহর্নিশ নচ পুন বিকোঃপদ শাশতমিত্যাদি শান্তিশতক ।। ধ্যান ্দ্রী চিন্তন । ইতি ধ্যৈ ধাতো-र्ভात १ निष् ॥ शाद्रना विषय अक পুত্যয় সন্ততিঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।। व्यक्ति व ब्रिन विहिन्द्र विहिन्द्री-স্তরেন্দ্রিয বৃত্তি পুবাহঃ। ইতি (वहास्त्रातः॥ 🕸॥ जनुश शुज्रत्य-বৈক সম্ভতি শ্চান্যনিস্প্। তদ্যা-न भूषरेम ब्रोकः या निम्नाम्य न्भ ॥ अम्रार्थः । उद्गमम् भावता সিদ্ধস্য বস্তুনঃ পুত্যুয়া যুস্যা• সস্ত-তৌ সা একাবছিন্না সম্ভতিঃ। অন্য निम्ण्रा विषयाखद्मगाव।वधीयमा-না। ৰিজাতীয় পুত্যযান্তরিতঃ স-জাতীয় পুত্যুয় পুৱাহো খ্যান মি-ठार्थः। **उह भूष्यम र्यमा** निज भारत-ণান্তৈঃ ষষ্টিরকৈ নিদ্ধাদ্যতে। ইতি বিষ্ণুপুরাণ তউকৈ। চ ॥ 🏗 🕮 কৃষণ উবাচ। সর্বে দেবাঃ পুাকৃতিকা যা-. বস্তো মূর্ত্তি ধারিণঃ অহমাত্মানিত্য (मरी ७७ कानानु(त्राव्यः ॥ ইতি तुंकरिवदर्ख जन्मथ्रः ॥ अप्रानस्मागः भू अप्रानक्शरमागः। यथा

। विविक्तानवी नम्। भाय उवाक् काय

मानमः। श्रानरयाम भारता निक्रः॥ ভগবন্ধীতাযা ১৮ অধ্যায়: 🗓 म्राभल वि। ইতি सिमिनी।। ধ্যামক ল্লী রোহিষতৃণ। ইতিরাজ-निर्घण्डः ॥

ধ্যামা পু॰ পরিণামঃ॥ চিন্তাযা॰ ক্লী। ইত্যুণাদিকোৰ:॥ (थ्रयः बि थ्राज्यः । श्रानीयः । চিন্তনীयः। यथा। (४)यः সদা সবিকৃ मखन मध्रवजी नातायनः मतिमजा-

সন সমিবিষ্টঃ। ইত্যাদি জ্বীনারায়ণ

थ्यानः ॥

থৈ। • চিন্তনে। ইতি কবিকল্লফনঃ।। পুজ ই । গতৌ। ইতি কবিকল্পদ্ধনঃ॥

ধুণ • খ্বানে। ইতি কবিকল্পক্ষমঃ।। ধুস গ উ উদ্যেইতি কবিকল্লহমঃ।। . धुम क উৎकित्य॥ छित्। इंडि কবিকল্পকনঃ ৷৷

शुर्थ प मार्य।। जनमर्थ। इंडि কবিকল্পদ্ধঃ ॥

ধাৰ পড় পক্টোইতি কবিকল্পদ্মঃ।। প্রাক্তিঃ জী বাতালিঃ। যুরণ বাতাস

ইতি ভাষা । ইত্যুণাদিকোষ: ॥ रेवत्रागुः ममूनानिजः॥ इंकि 🗐 शुाउ य उ मीर्गि। विराह्म इंकि যাবং। ইতি কবিকল্পক্ষঃ ॥ शागः ज्ञी ममनकवृक्षः॥ गञ्चक्ं।। अशु प्रिः पूर भू श्रवारः। इकुर्गामित्कायः ধ্রাক্ষ ই কাছে ॥ ঘোরকতৌ। ইতি কবিকল্পদ্ৰমঃ 11

ধ্রিজ ০ পতৌ। ইতি কবিকল্পফনঃ ॥ थु, नि) रेड्रायंत्र ॥ मर्भाग । ইতি धु अ कि कि विकन्नक्रमः॥

ধুব॰ ক্লী নিশ্চিত।। তর্কঃ। ইতি यिनि ॥ जाकाम । इंडि एम-ठन्पुः ॥

ত্রি সম্ভত।। শাশ্বত। ইতি (मिनि) ॥ हित्र ॥ निक्ठि । ইতি হেমচন্দুঃ॥

धुतः श्रु॰ मक्रः॥ रतःश विक्रुः॥ विहेश উত্তানপাদজः॥ वजूलिमः॥ याग-**(७**नः । इंजि मिनिनी ॥ ज्ञानुः । ইঠ্যমর: ।। শরারিপক্ষী । ইতি ত্রিকাওশেবঃ॥ ধুরকঃ৷ ইতি সঙ্গী-उपारमापदः ॥ 🛊 ॥ शुद्राकारकार्-় পত্তি ৰ্যথা । পিুয়বুতোভানপাদৌ मताः, बार्य्युवम् । हा शुक्ती **जून हा वीर्यों) वर्षाको कविर्छो उव** ॥ ज्या क्वानभाषम् जूक्छा

मूखमः मुद्धः। अजीक्षाया मञ् हुकन् পিতু রত্যন্ত বলভং।। সুনীতি নাম या ताडा उन्जा ज्यारियी विजा न नाजिश्रीजिमाः खन्याः जन्याः ना ভূৰুব: সূতঃ॥রাজাসন স্থিতস্যাক পিতৃ জু তির মাশ্রিত। দৃষ্ট্বোত্তমণ পুর শ্চক্রে তমারোচু মনোরপ।। मभन्नी जनगः मृष्ट्री जमकात्राश्रास्पार-সুকাপুঞপিতৃত্তথাৰ্চ সুৰুচি বাক্য मव्वी ।। এতদাজাসন সর্ব ভূভ্ৎ **जः न्**य क्उनः। (या गाः नरेमव भू धनाः কিমাত্মা ক্লিশ্যতে দ্বযা।। উৎসূজ্য পিতর বাল স্তৎ শুত্রা মাতৃ ভাষিত । জগাম ছপিতো মাতু নিজায়া দ্বিজ मन्दितः॥ उ मृद्धे। स्निजः भू अभीवर পুরু রিভাধর:। সুনীতি রক্ষমারো-প্য নৈত্রেষেদ মভাষত।। বৎস কঃ কোপ হেতুত্তে কশ্চ ত্বা নাভিনন্দত্তি । কোবজানাতি পিতর• তব ক্সেপ-রাধ্যতি।। ইত্যুক্ত: সকল• **মাত্রে** ক-थयामाम जमशा। मूकिः शुार ভূপাল পুত্যক মতিগর্বিতা।। সু-নীতি কবাচ। সুক্চি: সত্যুমাহেদ। बन्नजारग्रानि भूथक। निष् भूग्रवः **णः वद्म मभरेष प्रव मूठ्राउ॥** यिन

চেদ্রংখ মত্যর্থ সুক্চ্যা বচনাস্তব। उट्भूरिगाभाइय यद्भः अस मई कन शुरम् ॥ भद्रान्यत्र उँवाष्ट्र । निर्क्रणाम গৃহামাতু রিভুজ্য মাতর পুরঃ। পুরাচ নির্গম্য তত স্তদ্ধাহ্যোপবন य्यो।। म एए में मूनी खब मध शृही-गजान् थुवः । निर्जगाम वनाख्याट পুণিপত্য সতান্ধীন্।। মধু সংজ্ঞ নহাপুণ্ড জগাম যমুনাতটি । যবৈব দেব দেবস্য সামিধ্য হরি মেধসঃ॥ সর্বপাপ হরে তিমান্ তপ স্তীর্থে চ-कात मः। भाषाकूर धन मः भीष्ण यहा ह বসুধা ছিতঃ। তদা সমস্ত ৰসুধা চ-চাল সহপৰ্বতি:।।ভগৰানপি বৰ্বা-ন্মা তন্মযন্ত্ৰেন তোষিতঃ। গল্পা ধুব মুবাচেদণ্চতুভু জ বপুষ্রি:॥ উভান-পাদে ভদুম্ভে তপসা পরিতোবিভঃ ৷ वहरमार मन्भारका वह बहर मृब्ड ॥ धुव डेवाच । जगवन् मई जूरजम मर्बम्यारस ख्वान् इति। किम्छा छः. **उर सागिन् गनमा समाराष्ट्रिछ ।। रेन**-ভদুাজাসনং যোগ্য মূজাতস্য মুমো-দরাৎ। ইতি গরাদবোচমাণ সপত্নী माजू कहरिकः॥ आधात ज्ञ वगजः मर्दिया मुख्यमाखमः। भार्थयासि

পুভোস্থান-বৃৎ পুসাদাদতোব্যয়।।। **এভিগবানুবাচ। ত্রৈলোক্যাদধিকে** স্থানে সর্বতারা গুহা শুয়ঃ। ভবিষ্য-তिन मल्पहा मल्भुमामां ख्यान् ধুর।। স্র্ব্যাৎসোমাৎ তথাভৌমাৎ সোম পুঞাৃদৃহস্পতেঃ। সিতার্ক তন-यानीना॰ महक्ताना॰ जथा धुत॰ ॥ अश्वरी ना मत्नवाना विष्ठ दिमा-নিকাঃ সুরাঃ। সর্বেষামুপরি স্থান॰ তব দত্ত•মযা ধুর।।ইতিবিষ্ণুপুরাণে >> अथायः॥ 🗱 ॥ धुरायाग जाउ कन यथा। नदीन विवाशी मना वकु পদ্মে চরীকর্ত্তিকাব্য বরীভর্ত্তিব-मृन् । धुतार्था शुत्र्वि धुता उना কীৰ্ত্তি দিগন্তে নিতান্ত ভবেচাৰু মূর্জি:।। ইতি কোষ্ঠাপুনীপঃ।। #।। ধ্রবগণো যথা। উত্তরফল্লুণী ১ উত্ত-त्रायाण् २ डेखत्र जामुभम् ० त्राहिभी ৪। ইতি জ্যোতিষ ।। 🕸 ॥ তার। বিশেষঃ। যথা। নেরে। কভযতো মধ্যে ধ্রুবতারে নভ স্থিতে। নিরক্ষ দেশ সংস্থানা মুভযে ক্ষিতিজাশ্রি-তে।। ভচক ं धुत्रया र्वक माकिश्व পुवशानिताः। পर्य्याज्य अमृ जम्मा गुरुकका यथाकम ॥ इंडि मूर्या-

जिकारि >२, अध्रायः ॥ ধ্রকঃ পু॰ স্থাণুঃ। ইতি হেমচন্দুঃ॥ গীতাক বিশেষঃ। পুথা ইতি ভাৰা । जम् नक्न थया। উख्यः यह-পদঃ পুোক্তো ম্ধ্যমঃ পঞ্চমঃ মৃতঃ । কনিষ্ঠশ্চ চতুর্ভিঃ ন্যান্ধ্রকে। १व॰ भरया रिजः॥ উক্ত विश्व सूर्भुष्ट দ্বিথ'ণ্ড॰ ধুবকে মত॰।ততো দ্বিথ'ণ্ড॰ মাভোগে তাল মান রসৈঃ সহ।। আভোগে কবি নাম স্যাত্তথা নাষক नाम ह। उम् गुाइ • शुक्म • गीजा धुव • গায়েব্রতঃ পর ।। ততোম্বরা ধ্রুব স্তবাদাভোগ ধ্রকৌ ততঃ। উদ্-গুাহঃ পুথনঃ পাদঃ কথিতঃ পূর্ব সুরিভিঃ॥ গীত্বা পূর্র পদ • ন্যাসো যত্র স ধ্রকো মতঃ। যুক্তির কবি নাম স্যাৎস আভোগ ইতীরিতঃ॥ ধ্রুর कार्मियु गर्सियु ज्याप्तियिक्षः कमः। ् अकू (या उमा विश्वः। यथा। क्रयसः ल थाता ए मारहो मधुत्रानिर्यल खथा। अ उत्तः कमलिक्त माननः कन्मुरक थतः॥ मूथमः जगूता कारी कम्म-পো জয়মক্ল:। তিলকো ললিত শ্চেতি পুরকাঃ বোডশ মৃতাঃ।। अकारभाक्षत शरास्ट्रिकाक्षत

বর্দ্ধি তৈঃ। থতে প্র্নাঃ বোডশসুঃ
বিদ্বিত্যক্ষরাবিধি।। দিগুণৈ রক্ষ
রৈ রেব পদনেক নিহেষ্যতে। উদ্
প্রাহ প্রকাভোগৈ রিঅ॰ বট্পদ
নির্নাঃ। পঞ্চপাদে তু গ্রাকে পদে
নৈকেন তদ্ধরা। চতুয়াদে তু প্রকে
প্রশাস্ত্যব তদ্ধরঃ। ইতি সঞ্চীত
দামোদরঃ।।

ধ্বকা জ্ঞী ধুবকা। ধুবা ইতি ভাষা॥ সংজ্ঞা। ইত্যুণাদিকোষঃ॥

ধুবা স্ত্রী জুহু: । বর্টপত্রাকৃতি যজ্ঞ-পাত্র- । ইত্যমর: ।। সূর্বা ।। আটা ।: শালপণী ।। গীতভেদ: । ধুয়া ইতি ভাষা । ইতি মেদিনী ।। সাধীস্ত্রী । ইতি শদরত্বাবলী ॥

ধ্রেক ঋ ড ষনে।। উৎসাহে। ইতি
কবিকল্পজনঃ ।। উৎসাহে। বৃদ্ধি
রৈতি চন্দুঃ ।। উন্নত্যমিতি ক্ষীরমানী।। মনেন উৎসাহঃ মনোৎ সাহ
ইতি কেচিৎ ।। তন্মতে শদেনোৎ
সহতে ইত্যর্থঃ । ইতি তটীকাষাণ
দুর্গাদাসঃ ।।

ধ্রি • তৃপ্তো। ইতি কবিকল্পদ্মঃ ।।

শুসঃ পু• নাশঃ। যথা। জন্যাভাবত্ব•
শুসত্ত্বনিতি সিদ্ধান্তমুক্তাবলী।।

ধৃ-সন স্লী ধৃ-স:।। গমন-।। অধঃ-পতন । ইতি ধৃদ্বধাতো ভাবে ২নট্ পুত্যয়ঃ।।

ধৃ-সী পু পর্ব তসম্ভবিশীলুর্ক্ষঃ। ইতি
শব্দরহাবলী।। ধৃ স বিশিষ্টে ত্রি।।
ধৃ-সী ত্রী ত্রসরেণুপরিমাণ । যথা।
জালান্তর গতে সূর্য্য করে ধৃ-সী বিলোক্যতে। ত্রসরেণুস্থ বিজ্ঞেয় ত্রিণশতা পরমাণুভিঃ। ইতি বৈদ্যকপরিভাষা।।

প্রজ ॰) প্রজ ই) গতৌ। ইতি কবিকল্লন্সমঃ ॥ ধৃজঃ পু॰ শৌণ্ডিকঃ। ইতি নেদিনী।! ধুজঃ পু॰ ক্লী পতাকা॥ থট্টাঙ্গ•॥ बादु ॥ हिङ्क । इंडि सिनिनी ॥ গর্বঃ॥ দর্পঃ। ইতি শব্দরত্নাবলী॥ পূর্বদিশোগৃহ। ইতি ছেমচন্দুঃ।। পতাকাদণ্ডঃ। তৎপর্য্যায়ঃ। কেত-ন•২।ইত্যনর টীকাযা• ভরতঃ॥ #॥ ধৃজ যুক্তি র্যথা। সেনা চিহ্ন • ক্ষিতী - • শানা॰ দণ্ডো ধৃজ ইতি মৃতঃ।। স পতাকো নিম্নতাকঃ স ক্তেয়ো দ্বি-विरवावूरिक्शा शङाका मार्ख रेमरर्थ्यः ণ দওৱ পৃথিবীভুজা । সপতাক धृजम्यार्ग् यमा रखः भितन्यत्यः॥

জয়হন্তো খুজো নাম নৈন সামান্য মহতি ৷ বংশো ২থ বাজলঃ শালঃ शानाभ काम्भक खथा ॥ रेनला निया २थवा म् ७ उथा विज्ञा जवाजनः । व्यवकारिक मञ्जानाः वर्ग कश शुकानिजः ।। मर्दियास्थित वः**न**स् দণ্ডঃ সম্পত্তি কারকঃ। অ ক চ ট ত প যশাঃ৷৷ পুতাপায পতাকাস্তঅস্থা-বেব পুকাশিতাঃ৷ পঞ্চস্তাযতা হস্ত পরিণাহা জয়াভিধা ৷৷ জয়াচ বিজয়া ভীমা চপলা বৈজ্যন্তিকা। দীর্ঘা বি-भावा वावा ह छिया श्खेक वृक्षि তঃ৷৷ পরিণাহে পাদ বৃদ্ধি রথ বর্ণস্য নির্ণয়ঃ া রক্তঃ শ্বেতো ২ৰুণঃ পীত निहाला नीरना २थ कर्नु द्वः ॥ कृष শ্চেতি পতাকানা বৰ্ণ ৰূপ পুকা-শিতঃ। অবদ্ধাদিক সংজ্ঞানা মঞ্চানা मञ्जेक वयः ॥ कलामा मर्भाग महन्तुः পদ্মকোষো যথা ক্রম। বুক্স ক্ষত্রিয विष् भूमु जांजीना मंभुका भिजः॥ গজাদি যুক্তা সা প্রোক্তা জয়ন্তী नर्भक्षा। गजः नि॰ हा र्या षीপी চতুর্না॰ পৃথিবীভুজা॰ ॥ হ॰-সাদি যুক্তা বিজেয়া রাজ্ঞাণ সৈবাপ্ত भक्षा। इ॰मः किकी मूक कारमा

तुक्तामीना॰ यशा कम॰ ॥ **ठाम**तानि সমাযুক্তা সা ছেয়। সর্ব বুদ্ধিদা। চানর শ্চাসপক্ষাণি চিত্রবন্ত্রণ তথা সিত ।। চতুর্ণা বেদ নয়ন পক্ষেন্দু গণিত क्रमाए। छम्त्यू यिन विनाउउ॰ পতাকা দ্বিত্য• ভবেৎ 💵 ইয• হি সর্বতো ভদু। পতাকা চক্রবর্ত্তিনঃ। **उम्नर्भः** भूवं वक् एक यः भूमानः विधि বোধিত ।। কানক রাজত তামু नाना शाञ्चयः कमार । ऋग्राप्तिकः পুশ•সন্তি পতাকাণ্ডে মহীতুভা•॥ তত্রা শিরত্র বিন্যাসো বিধেযোরাজত कमः । চভুর্ভি মকরাস্যাদ্যৈ যুক্তা एट अई मिषिन। ११ जमा (न्यक्री নান সা পতাকা বিভাষতে। মকরো **২থ গজঃ সি**•হো ব্যাঘ্রা বাজী म्गः मुकः ॥ भूषि (क्वि ममुफ्रिष्ठे भारिकारि मन। जूवा । इंकि ल्या ক্তঃ পতাকানা নিৰ্ণয় পৃথিবীভুজা ॥ 🗱 ॥ অথ নিয়তাক ধৃজঃ। পূৰ্ব-म् । नियम खब रिर्मा विश्वना দণ্ডঃপক্ষাণিপদ্মঞ্চন্দ্ৰমুক্ষ বিহুগো মণিঃ।। নিষ্ণতাকো খুরো রাজ্ঞা॰ ষম্ভি রেতৈঃ সুস-ছিতৈঃ। ক্রয়ঃ কপালো বিজয়ঃ ক্ষেত্ৰ ভত্ত শিবঃ

क्रमाट ॥ রাজঃ পুরুষ নানেন দও- ॥ মান্-পুকীর্ভিত । উদ্বাধিঃ ক্রমযো-গেনতদ্ভাদিক মৃচ্যতে ৷৷ কেকী চা-সো মৎস্যরন্ধ স্ত্রিবিধানা মহী-जूडा । श्रुडा (गुरु वित्ययानि शकाणि শূি্যনিষ্কৃতা ।। পামঃ अग्रुक विङ्गा मिं। रेक्ट्र यथा क्रमाट । उनगूर्न রিতোধেয়ে। নিয়তাকে মহীভুজা॰ ॥ অষ্ট ৰোডশ দাত্ৰি•শচ্তুঃৰষ্টি দলা- ॥ मूजः । वृद्धार्थे मिग्रिकन्ठाण्डः ष्रञ्जः সম্পত্তি কারকঃ ৷৷ হংস শ্চাসঃ শুকঃ কেকী পক্ষিণশ্চ যথা ক্রমণ ৷ বভুঞ্চ পদ্মরাগশ্চ নীলো বৈদ্র্য্য মেবচ ॥ वुक कविय विषे मृषु काजीना॰ म्रा-মথা ক্রমণ। কনক রব্ধত যুগ্মণ দ্বি বিধানা মহীভুজা ৷৷ নিম্নতাক थुजाद्वामि निर्माण याग इवाउ । পতাকা যদিহান্ত্যেকা সর্বাণ্ডেযোগ্য वर्ति ।। अयः शुक्ता विनालात्थी বিজ্ঞেয় শ্চক্রবর্ত্তিনঃ। তবৈর চামরে (यारग्र विख्छयाः मर्बमम्भरः॥ ইতি রাজ্ঞা•সমুদ্দিষ্টমন্যেবা•ধৃজ উচ্যতে ানোজ্ব বিশতি হন্তেভ্যোনচাৰ্বাক্ मण रखकाए।। रख रखिक अध्कत খুজো দশবিধো মতঃ। সহস্যাধিপ मात्रज्य यावर महामयुजाधिकः ॥ न

সহসাধিপান্তনো ধৃজ ধারণ মহতি। অপি কোটিপতে ক্রেযো ধ্বজো বি•-শ্তি হস্তকঃ ॥ তত্রাপি বন্ধ বর্ণাদি নিৰ্ণয়ঃ পূৰ্বক্ষতঃ । ছিবতা চিত্ৰতা চেতি নিম্নতাক ধ্বজে গুণুী।। যদেত-দুভয় চিহ্ন মুভয়ো সিণপুকাশিত । তৎপুমাণ ধ্বজে জ্ঞেय মপুধানে ন নির্ণযঃ।। নিম্নতাক প্বজোদ্দেশঃ পূো-ক্তো १४॰ ভোজ ভূভুজা। এতদ্বিমৃষ্য মতিমান্ চির• সুথ মবাগু যাৎ।াযো-म्खाम्थ वा छानाषिन द्वयि भानवः । স বিধীদতি নশ্যেত তস্য কীৰ্ভিঃ **সল॰ বল•।।ইতি** যুক্তিক**ল্গতৰঃ।।ঞ্ছ।।** মাৎস্যোঘণ্টা বিতান বরতোরণচিত্র যুক্ত• নিত্যোৎসব পুনুদিতেন জনেন मार्षः । यः कात्रयः नूत्रगृरः विधि-वष्वाकः श्रीष्ठः न मूक्षि जमा मिवि প্জ্যতে চ।। #11 थुजयक्षेत्रां मिन-मार रगनीर्य शक्षतावः ॥ श्रुवरःनः পুকর্ত্ব্যে নিবুণঃ সম্প্রণা দৃচঃ। ত-मृष्क् • जामुङ ठक मृश्व अर्याष्ट्र-জোত্তম ॥ পুাসাদস্য চ বিস্তারো गान मधना की खिंछ। श्रुक्य हि एवं ग्रह अभानता दिनि एनिरेकः॥ शांभनीयाथ वायत्य मान्यु ७ थुड मुह्य । शष्टे कार्भाम को मारिष्य व

স্বৰ্য্যাৎ সুশোভন•।। এক বৰ্ণ• বিচি-ত্র•বা ঘণ্টা চামর ভূষিত । কিঞ্চিণী ল্লালকোপেত বহিপত্র বিভূষিত । भूक्रांकि वर्ष विश्वािकः कमाचा का-त्राय थुज नी मखागाषात्री गाव श्खिकः विखरिते । जू। महाधुष्ठ वि-थ्राञ अर्दकाम शुरु भूञ ॥ श्रुष्तन রহিতো বিপু প্রাসাদস্ত বৃথা ভবেৎ। भूजा रहाना दिक मर्ब जिंशाना य कृ छ भेरतः ॥ 🕸 ॥ भिव मईत्य । एरव-ভ্যশ্চ গৃহ पर । द्वा इरेन क्र शामा जि-७॰ । जूबक्ष्यन স্र्यामा इत्रा व्या **চিङ्किण।। विकाद गर्क डाइस्ड पूर्गारेय** সি-হচিহ্নিত । কার্য্য পুর পতাকাঢ্য मन्।। न कथ्यन।। अ।। गक्उ नक्रन भार नातम्भक्षतात्व। उरममुन्ता-পুতঃ পক্ষী ভডাকেশঃ কৃতাঞ্জলিঃ। সব্যজানুগতো ভূমৌ মূৰ্দ্ধাদৌ মণিম-ণ্ডিতঃ ॥ পক্ষি জঙ্গে। নরা দ্ভি শ্চ তুক नारम। नदा इकः। विवादः शक्युक्रम् कर्खवता विनञात्रुजः॥ शा विकुथार्या-खात्र। भुठिभान्। विकामना ५ थुक ত্রিদশ বেশ্মনঃ'৷ নির্দহত্যাশুপাপা-নি নহাপা ত কজান্যপ।। ইতি পু-তিষ্ঠাতত্ব ॥ 🕸।। স্থ ধুজচিত্ন বিধিঃ । ति शक्ता थुरक यगा न्लामा दिलू

হা উমা। দারস্থা প্রতে বৎস ন তস্য রিপুজ ভয়।। কপি সুঙ্খ। ম-राभाषा नदमञ्जू विवालिनी । वृष यत्विञ्च मम्बाद्य क्वाञ स्मृय उखन ॥ হণ্সে বিদ্যার্থ কামন্ত বর্হিণে সূত মিষ্টদা। গৰুতাগা মহামাঘা সর্ব রোগ বিনাশিনী। মহিষস্থা মহামা-রীঃ শনহেৎ ধৃজ সংস্থিতা। করিণা नर्कार्यायु न्रेशः कार्या जिन्विनी ॥ পর্ছা চরিকা রৌপ্যাধর্ম কানা-র্থ নোক্ষর। পেতৃ তত্তা সর্বভয়ছা নি-ত্য পশু নিপাতনাথাপুজিতা দেব-রাজেন্দু নীলোৎপল করাবরা। ভ বতে সিদ্ধকামস্য চিহ্নাণ্ডে সংব্যর্-ছিতা।। গন্ধ পুল্লাছিত। কৃত্বা বন্ধ (रम मूठिई उ॰। कन मानि यव मूहि-বৰ্জনান কিভূষিত ।। শোভনে উছু-যেল্লগ্নে পতাকা॰ বা মনোরমাণ। চা-হর কলস শহ্রমাতপত্র বিতানক ॥ ভবতে সিদ্ধকামস্য নৃপস্য কল-मायकः। नमा विष्यश्रती मूर्ण हामू ए ठ अशांति । धुक नमू हु विवासि क मार्थाद्वाः मुथावहाः ॥ 🛊 ॥ जथ श्रुकमान विधिः। विष्युचत छवा । যদে বিশ্ব নহাভাগা বুন্ধ বিষ্ণু পরা পরা। তদহ প্রোত্নি হামি পুলমান

বিশানতঃ।। অগন্ত্য উবাচ। যথা दः পৃষ্কদে বৎস তথা শক্রেণ বুন্ধণি। পৃষ্টঃ পূর্ব তথা তেন শস্ত্রগীত পু-কাশি হং ৷৷ শুক্ষ্য ভাব যুক্ত্স্য তদ-श्ख गराज्यनः। तृथयानि यथा न त्राय श्वनानः भश्यकः॥ भूकडेवाछ। দেব্যাপ্তর পুমাণন্ত বিধি দত্তস্য লা कुन । भीयां ह यथा नाथ जनामय बुवीहि नः ॥ देशकेष्ठेवात । अधकः কৃমিজ বাপি ধৃজ কেশ বিবজ্জিত 1 नव॰ जमक भूक्क श्रामानाम ७ व-क्षि जः॥ मगः भक्षः गृहः भुजुः निव বা ধাতুর ছি বা ।। তন্মিন্ পটে লিখেৎ সি॰হ॰ সর্বলক্ষণ লক্ষিত॰। রোচনা সহ চন্দ্রেণ হেম লেখাদ্য দূ-र्या॥ श्रामाना मान मान कि তি॰ বিস্তর তঃ কর॰। ধর। পাদেন ক-ৰ্ব্যা দৰ্শবেদিকু দেবতাঃ ॥ সর্বা বাহন লাঞ্চেন লাঞ্ডিাঃ সহজেন চা কিন্ধিণী চামরোপেতা ঘণ্টা দর্পণ **(मा**जिजाः।। इज्रहामा महाशुक्तिः সহকার দ্বারিতান্। মহামঙ্গল निष्द्रन (मर्त्राः अभार शुशृहरयद् ॥ সুগন্ধপুত্ন নৈবেদ্য যথা বিভব বিস্ত-রৈঃ৷ কন্যকা ব্রাহ্মণান্ ভোজ্য দবি भायममर्क देतः ॥ ज्ञानास विनः म

ত্বাতথা তমুপরোহযেৎ॥ সর্বকামা-ন বাগ্নোতি বিদ্যাধরপতি র্ভবেৎ ॥ নোদতে বিবিধান ভোগান্ সর্ব বি-म्हार्थ भातगः। अथ्वा रहनः क्लाङ बा वार्कः भार्थिव रेमलेकः ।। कात्रय-মৃগরাজন্ত মহাকরি নুষাপই । মহা नथ करता ८ था । मुकाकन भन পুর•। এব॰ বিধ• ততঃ কৃত্বা নবম্যা• भू जरयहिवाः।। स्माभवामः भू वि मंकः সর্ব সঙ্গ বিবজ্জিতঃ। কন্যকাঃ পূজ যিত্বা তু বিপান বেদ বিদ স্ততঃ॥ দেব্যা ভক্তাঃ সদাচারা স্ত্রিকাল হ-বন রতাঃ।তে যথা শক্তিতস্তোষ্যা थुकारतार्ग कर्यांग ॥ कन्त रम्द्रत ৰবং প্ৰোক্তাঃকন্য ৰূপা তুশ্লিনী। यावरक्षठ वानी म्याखावष्प्रवी मू-রারিহা।। দ্বিজা বুন্ধ। শিবে। বিষ্ণুঃ यकीय दुज भानकः। भूष्किरेज रेखः मना मुक मर्बरम्यास পृक्षिणाः॥ भी-নান্ধ ক্পণানান্ত অন্ন দেয়ন্ত শক্তি-তঃ। যথা সর্ব গতা দেবী তদুদ্দিশ্য-ক্ষ্য ভবেৎ।। নানা ভক্তাক্ষত দধি मूर्वी उद किनकाद्विछः। विनिर्देव अर्ब ज्ञाजा मण मिक्क निविषय ॥ বজুঘোণা তথা জপ্তা অষ্ট্রবিংশাক্ষরা-পি বা। সি॰ ছ॰ স্তম্ভে সমারোপ্য সর্ব

মক্ল শব্তি ।৷ বেদগুনি মহানত্ত কালিকা চণ্ডিকাপর । ন্যস্য সি হ পর । भाराबाम्म । পূর্ কল্লিত ।। এবস্ত বস্ত্র সম্বীতে সর্বাভরণ ভূষিতং । (मव्या मङ्गद्कः न्यान्यानामि विनारमेट भारतम विकिन्म कपारा मान मूर्य दिखोकना । धुक मानः गरामानः मर्ब माताखनः गठः॥ যাবমো দীয়তে শুক্র ধুজঃ প্রাসাদ , ধুজভঙ্গঃ পু॰ : ক্লীবত্ব জনক রোগ-মূর্দ্ধনি। তাব্তু ন ভবেদ্বৎ সপ্রাসাদে। रिववाक्षिजः ॥ भूग्र श्रुकः महा ज्ञा নানা গন্ধর্ব রাক্ষসাঃ। বিদুবস্তি মহা-জ্বানো নানা বাধাঞ্চ হ্বর্বতে।। তহ্মা-দ্দেব গৃহ দ্বার পুর পর্বত পত্তনে। উ-<u> ছিতা: শান্তি কানায় পুজা: শুক্র সদা</u> হিতাঃ ৷৷ নহি চান্যন্ধ্ৰনদানুত্ৰন• ভারতে হুচিৎ। দান নিইঞ্চ পুইঞ্চ দেব্যা দীপ खरेथव हा। ज्ञानन विधिना यस धुजः भूक निदम्पयः। সর্বকাসা-নবাংগ্রাতি স্ নরঃ শিবৃতা॰ বুজেৎ।। তস্য দর্শন সম্ভাষাদপি পাপরতা নরাঃ।বিমুক্তাঃ সর্ব পাপেভেতা দিব॰ যান্তি ন সংশ্যঃ। রাজ্ঞা চানেন বিধি-ना (मर्वी लाकुन द्रक्षिञाः ॥ मञ्ज हक বৃষভার্ক হ॰স বর্হিণ বারণৈঃ।সাচা-রো ভক্তি মাসায ধৃত্ত যপ্তি সমু हু

যেখান তস্য সঙ্গরে শুক ব্যাথবা नह रेविति १ रेनिव शक्त दुग शीफा ভবেছা• স সমৃ ছু ফেং ॥ ইতি দেবী श्रुवागः ॥

थ् जक्रमः शु॰ जान्त्रमः॥ माउत्मः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

ধ্বজপুহরণঃ পু॰ বাযুঃ। ইতি **শদ**-बङ्गावनी॥

বিশেষঃ ৷ তস্য নিদান যথা ৷ অত্যন্ন লবণ ক্ষার বিৰুদ্ধাশন ভোজনা
। তথা दूर्भाना विषमा পিষ্টাম গুৰুভোজনা থা। দধিক্ষীরা-न्भ मा॰म मिवना हा शि कर्य गाए। क्नाभी गमनाहानि वित्यानि गम-नामि ॥ मीर्घात्रामी विद्यारम्-ষ্ঠা॰ তথৈব চ রজম্বলা॰ । দুর্গন্ধা॰ দুইযোনিঞ্চ তথৈব চ পরিস্কৃতা। अपूर्णी॰ भूगना॰ माश्र यिन गह-তি মানবঃ॥ চতুঃপদাভি গমনাছে-ফস শ্চাভিঘাততঃ। অধাবনাচ নেটুস্য শব্ৰ দম্ভ নথক্ষতা ে। কাঠ পুহার নিয়েষ শ্কানাঞ্চ নিষেব-নাৎ। রেতসক পুতীঘাতাৎ ধৃজ-**च्यः** পुवर्द्धाः ইতি চরকः।। #॥ जगु विक्र[•] यथा। भूरक विक्रां

পুষিচ্যেত শুক্রণ শোষণিত মেব বা । তোদোত্যর্থ বৃষণযো মেঁচু ধূপা-যতীব চ ॥ ইতি বাভটঃ ॥ 🟶 ॥ অপিচ। তৈত্তৈ ভাবৈ রষ্ট্দ্যক রির সে। র্মনসি ক্লতে । ধৃঙ্গঃ পত-ত্যধा नृगा द्विवा मनाः शुकायत् া ভক্ষ্যে রশ্লোঞ্চ লবণৈ রতি মাত্রো-পসেবিতৈঃ। সৌন্য ধাতু क्षराष्ट्रश्टः ক্লৈব্যুণ ভদপর• মৃত• ॥ অভিব্যুবা-यभी वा या नह वार्किकिया तुउः। ধুজ ভঙ্গ ম্বাণ্নোতি স শুক্র ক্ষয হেতুক• ৷৷ অসাধ্য সহজ দ্লৈব্য गर्माहरमा खत्रक यट । जनावताना॰ विश्विना॰ कार्य्त वाजीकरता वि-ধিঃ ॥ 🕸 ॥ তস্য চিকিৎসা यथः। সুবর্ণা সুবৎসা শুভা ধেনু ধন্যা ঘৃত যোগ বোগে পুশন্ত সপুস্থ । মৃদৌ বা দরাশ্রৌ পচেৎ পাক শূর স্তদা তে-জপত্র হরিদ। সুপিষ্ঠ ॥ বিধী শুদ্ধি হেতৌ সমুস্ত সুপিষ্ঠ বিধেয नुगक्षाय वृष्काशामणा । नमृनाय-गक्का मशुष्ट विहूर्न मुख्यादि पद्भा-গুণ বেদ যুক্ত।। यहा শেষ ভূত उना खाग खारग शहर भाक-विख्डा जृनः पर्दि ठावा । शक

রাবি দুখা ঘ্তস্যাপি জ্ল্য বিদান রী সপুস্থা তথা তেন বৈদ্য ।। তথা শাল্মলী তোয দত্ত সপুস্থ বিতার্য্যাবতিষ্ঠে হ্লুত যোগরাজঃ। ইতি বৈদ্যক ।।

ধুজবান ত্রি কেতনমুর্জঃ। ব্রিক্ষণো ব্রাহ্মণ ঘাতবিত্বা উস্তৈর শিরঃ क्लान मानाय जीर्थानऽनूमक्राद्व । यथा। निजः कभानी वृज्यान् जिकाशी कर्म (वन्यन्। तुकार। चामभादानि भिजज्र मुक्तिमानु যাৎা৷ ধুজবান্ কৃত্বা শব শিরোধুজ-মিতি মনুষ্যবণাৎ অন্যচ্রিঃ কপা-লন্দগুগুসমারোপিত ধ্বজ শন্দ वाहाः गृङ्गीयामिति मिठाकता ॥ প্বজিনী স্ত্রী সেনা। ইত্যমরঃ।। थुकी शु॰ तु। ऋगः ॥ शर्ब छः ॥ तथः ॥ সর্পঃ ।। ঘোটকঃ । ইতি মেদিনী ॥ মযূরঃ। ইতি রাজনির্ঘণীঃ।। শৌ-ণ্ডিকঃ। ইতি ছেমচন্দুঃ॥ ধ্বজোত্থান ল্লী শক্তোৎসৰ:। ইতি विकालममः॥ वंड ए जार मूक দ্বাদশ্যা ভবতি। ইতি মৃতিঃ যা ধ্বণ • ধ্বানে। ইতি কবিকল্পক্ষনঃ॥

ধুন মি রবে। ইতি কবিকল্লফমঃ।।

13

ধুন এক শবে। ইতি কবিকল্পদ্ধনঃ।।
ধুনঃ পু॰ শবঃ। ইতি ভরতদ্বিৰূপকোষঃ।।

श्वनत्मानी भ्र क्रुमतः। ইতি भपतंत्रा-

श्रीतः श्रृ भदः । इंड्रामदः ॥ मृत् क्रापि भदः । यथा । भदा श्रीतम्ह वर्णक मृत्कापि छव श्रीतः । कथे भराग जन्माता वर्णास्त कामराग मञाः ॥ इंडि ভाषाभदिष्क्रमः ॥ উত্তনकाव्यः । यथा। इमगुख्यमञ्ज् भाषिति व्यक्त्य वाह्यास्त्रति व्र्रेषः कथिङः। इंडि काव्यभुकाभः ॥

ধুনিগুহঃ পু॰ শোুত্র•। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ।। শব্দক্তানঞ্চ।।

ধ্বিতঃ ত্রি শব্দিতঃ। কৃতস্বন মৃদস্থাদিঃ।ইতি ভরতঃ।। তৎপর্য্যাযঃ
। স্থানিতঃ২। ইত্যমরঃ।। ধ্বনিকাব্যযুক্ত বাক্যাদিশ্চ।।

श्विनाना जी वीगा। (वन्ः। काश्नः । ইতি मिनिनी।।

ধুনিবিকারঃ পু॰ কাকুঃ।শোকভ্যা-দিনা শদ বিক্তিঃ। ইতি ছেন-চন্দুঃ॥

ধ্র উড্জ সতী।। ভুংশ। অধঃ-

পতন ইতি মাবৎ। ইতি কবিকল্প-क्यः ॥ ध्यः वि চুত। गनिज। इर्जे। महाः।। नष्ठक ॥ थ्वानः श्रु॰ भदः। हेर्डागतः॥ ধান্ত শ্লী অন্ধকারঃ। ইত্যুসরঃ॥ ধান্তবিত্তঃ পু॰ খদ্যেতঃ। ইতি শব-ब्रङ्गावनी ॥ ধান্তশাত্রবঃ পু॰ শ্যোণাকবৃক্ষঃ। ইতি नद्रिक्।।। म्र्यं वन्तुः ग्रयक्।। ধান্তারাতিঃ পু॰ স্র্য্ঃ।ইতি হেন-हन्दुः ॥ हन्द्राशीह ॥ श्वाखात्मयः शु॰ थान्त्राजः। ইতি ত্রিকাওশেষঃ॥ ধৃ ৽ কৌটিলের। ইতি কবিকন্নজনঃ॥

निकातः। उनर्ग शक्षम नुष्ठान निःम नर्गः। जारमु । जारमु । जारमु । जारमु । जारमु । इं जि निकालियानः । कि ।। जारमु । इं जि नी का जियानः ।। कि ।। जारमु ।।

তত্র•॥ #। বামতঃ সঙলী রেথা াথঃ ক্রমতঃ ছিতা। চন্দুস্ব্যারি কপী সা নাকা বাণী পুকীর্ত্তিতা।। ইতি বর্ণোদ্ধীরতত্র•॥

न वर्र निरम्भः ॥ उन्नमः । इंडि स्मिन् ॥ जामरम् भर्यप्रायः । निरू २ जा अना ४ जा वा वः ६ । इंडि अन्न वः ॥ जा ४ ना १ । इंडि अन्न वः ॥ नक्ष्यं म्ह ॥

नः श्रु जूगठः॥ वद्यः॥ वित्रशः॥ स्रुठः। इंडि भिनि ॥ तद्रः। इंडिऽ काक्षत्रकायः ॥ विजीय, ठजूथी यशे वक्ष्यवनात्रजामह्यम् जात्र कालायकः॥

नःकृपुः बि कृपुनानिकः। ইতি
(रुमहन्पुः॥

নংশুকঃ ত্রি নাশকঃ। ইতি সিদ্ধান্ত কৌমুদ্যামুণাদিবৃত্তিঃ।।

ন•%। ত্রি নাশাশুষ্ঃ। ইতি নশধাতোঁ স্থৃণি গুনাগম নিগ্লমঃ॥ নঙ্গটি৽ শ্লী নাসিকা। ইতিশন্মালা॥

नक्षः श्रु बङ्घित्भिषः। ति उषा।
इंगितिबी इंगि ज्या। उर्भिर्याः
यः। शिक्ष्णः २ मर्शरा उ वक्षः ४।
इंगि रम्म मुद्दा मृतीवहनः द मर्शाः

तिः ७ (काश्जाननः १। जम् मान्म खगाः। शिह्विद् । वाज नामिद् । श्री शिक्ष कातिद्या है जि त्राक्ष-निर्विष्टेः॥ शाश्रु ताज्ञम् ४ ठ्यूर्थ श्रूथः। । म नापीशर्स् अश्विनी स्मात काजः। । हे जि महाजात्रजः ॥ श्रीक्षः। है जि भक्ताका॥ निवः। यथा युधिश्वित-म्याका॥ निवः। यथा युधिश्वित-म्याका॥ निवः। यथा युधिश्वित-म्याका॥ निवः। यथा युधिश्वित-म्याका॥ निवः। यथा युधिश्वित-म्याका महरूर्विन विवाहिज।। श्री जिस्ति महरूर्विन विवाहिज।। श्री जिस्ति। हिज स्कृष्टि विवश्वमूथ-मश्विनः॥ स्वत्वहिर् वि॥।

नव्याष्ट्रा जी गद्धनाव्यकी। इंडि ज्ञाबनिर्यण्डः॥

नक्की की कक्षी।। भागि। इंडि भामिनी।। भाईनी। इंडि ध्रानिः।। कक्ष्म • । इंडि इ्या क्षा इंडि वी का जिथान ।। नक्षण मु जार्या ह।।

नक्नीणः भू रेज्यविद्यायः। यथा।
नक्नीणः कानिभीते मक्कभामाक्र्न मम। इंजि भीठेमाना॥ इकायः।
भाः

शुंशा २क्रमः शुंख । मरहरमा नक्ती रेठव वदारहा गन्नम द्रविः॥ विकः मृत्ना महामृनाः शुंशकः

नकमू পরমেশ্ববি। ইতি হকার পর্য্যাযে বীজাভিধান ৷৷

नव्यक्षे जी ताना। इक्तरहः॥ बङ्क क नाम्बल। हे जिकविकन्न कमः ॥ मकः े वृऽ क्रकारो। ইত্যমর: ॥ मक् क्षी दां विश ॥ नक्ष गया नक्र यु ७ । যথা। উপৰ্বাসাৎপর• ভৈক্ষ• ভি-ক্ষাপর ম্যাচিত ৷ অ্যাচিতা ৎপর नकः जमान्नाकन वर्जयः।। पित्र ভুক্ত পূৰ্বাহে মধ্যাহে ঋষিভি তথা । অপরাহে পিতৃতি ভুক্তি সন্ধ্যা যা-গুছকাদিভিঃ৷ সর্ববলামতি-ক্রম্য নক্তে ভুক্ত মভোজন । বামা-চারো মহাদেবো নক্তে নৈবোদ্ধরে-মৃণা• ॥ ইতি দেবীপুরাণ• ॥

নক্তকঃ পু॰ কর্পটিঃ। ন্যাক্ডা ইতি ভাষা। ইত্যনরটীকাষাণ ভরতঃ॥ नक्छाती^म भू॰ विजालः॥ शिठकः। িইতি ত্রিকাণ্ডশেষ: ॥ রাত্রিচর-নাৰে তি ii

बक्कद्रः भू॰ द्राक्रमः। ইতি হলা-यूथः ॥ ख्युनुः । ইতি क्रिवितः ॥ চৌর:॥ পেচক:॥ রাক্ষস:॥

নক্তমালঃ পু॰ করঞ্জবৃক্ষঃ। ইত্যমরঃ॥ नकमूथा जी ताकिः। ইতি रुवायूथः॥

নজ্ৰুত• ব্লী দিৰাজোজনাভাব বিশি-🕏 রাত্রি ভোজন । যথা । হবিষ্য ভোজন•স্থান•সত্য নাহার লাবব । অগ্নিকার্য্য মধঃশর্য্যা॰ নক্তভোজী বডাচরেৎ।। ইতি ভবিষ্যপুরাণ।। नका जी कनिकाती। देशनाक्ना ইতি ভাষা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। नकः क्री अगुराकः ।। वागकार्वे इंडि ভाষ।।। नात्रिका। ইতি মেদিনী।। नकः পू॰ अंडीतः। ইত্যমরः॥ नकताकः भुः जनकस्विरमयः। काँकत केंजि जाया। उट्मर्यतायः। शारः २ जनिकतारिः ७ जनारिकः ४। इं ि श्रावनी॥

नका जी नामिका। ইতি শবর্মা-वनी॥

সর্পণে। ইতি কবিকল্পদ্ধ।। नथः ही श्रु अष्ट्रनीकर्षेकः। नश्हेि হিন্দী ভাষা। তত্তু উপধাতুবিশেষঃ গর্ভস্থ বালকস্য ষষ্ঠ মাসে ভবতি। इंडि मूथरवाषः॥ उৎ भर्यायः। भून र्ভवः २ केन्नक्रः ७ नथनः । ইত্যমनः ।। কামান্তুশঃ ৫ করজঃ ৬ পাণিজঃ १ অৰুনীস্মৃতঃ ৮ পুনৰ্বঃ ৯। ইতি व्राक्रनिर्घण्डः ॥ क्रागुकः २० कत्रकः केतः १२ स्वाक्रमः १२ तिव्रथः १० कत्रम्मः १८ कत्राक्रमः १८ । इंडि सम्प्रवादनी ॥ ११। तिङ्की-छाया॰ नथीवाड ज्ञानानि यथा । नथाघाडः श्रुकाड्यायथा ज्ञानानि कर्माम् । शार्थयाः जनया रैक्व

ो रैठव निञम्नरक ॥ कक्ष इर्ण ह কর্ণাম্ভ কপালে বাহুসূলকে। গ্রীবা-যা• কণ্ডদেশে চ নথাবাত• সমাচ-রেৎ।৷ তথা সর্বশরীরেষু নথ দ **ए**त्रं भरेनः भरेनः। ইতিকানশাস্ত ।। 🗱 ।। न नरेथ विनिध्य क्ति॰ गाक अधिभार्यमञ् ॥ न सारक् नथवाम्। रेव ऋर्यामाञ्जलिना शिरवर। इंजि কুর্মে উপরিভাগে ১৫ অধ্যায়ঃ॥ नथ॰ क्री जी जूगिक्षमुव।विरम्यः। नथी इंडि थेऽाउः। उৎপर्यऽायः। শুক্তিঃ २ শঙ্কঃ ৩ খুরঃ ৪ কোলদল॰ ৫। ইত্যমরঃ।। করজাখ্যঃ ৬ অস্থ-थूतः १ नथः ५ वतात्रुनथः २ नथी रे०। षिक्षा **म**ञ्जनथायजनज मुक्जायज वनतीहनः। इंठि तज्ञालाः।। कतः करः १) मित्री १२ मकः १० वनः १८ কোশী ১৫ कब्रजः ১৬ हनूः ১৭ नाग-हनुः ১৮ পাণিজঃ ১৯ বদরীপত্রঃ ২০ ৰূপ্যঃ ২১ পণ্যবিলাসিনী ২২ সন্ধি- 🛚

नानः २० भागिकरः, २८ । ইতি वाजनिर्घण्टः ॥ वराष्ट्रायूषः २० ठकः कात्रकः २५॥ सम्भनथमा अर्यायः । नथी > इनुः २ इखेविनाजिनी ०। তযোর্গনা: । **গৃহ শ্লেম** বাতাসূত্র্র-क्ष नाणिष् । वयूष् । उक्षद् । मुकलद्भा वर्ग्यद्भा सामूद्भा जुन विवानकी मूथाने गंका नामिदः। পাক রসযোঃ কটুত্বঞ্চ। ইতি ভাব-পুকাশঃ।। কণ্ডু ভূত বিনাশিত্ব। रेंजि ताजनियंग्रेः ॥ तत्कानुष् । ইতি রাজবল্লভঃ॥ 🗱 ॥ শৈল্ৰহ• व्राघुनथः श्नू र्रे हे विवासिनी। भूवि-ब्राञ्जनकभी ह क्लाजाह्नु नेनी थूतः ॥ यद्मभव खुरमो मुक्ति नंथती वनती हमा। गरा॰ खुरनो भाइनथः শব্বাথ্যো গন্ধসারণঃ ৷৷ ইতি ভরত ধৃত বাচস্পতিঃ॥

নথঃ' পু॰ খণ্ড॰। ইতি হেমচন্দু ।। নথস্টঃ পু॰ নাপিতঃ। ইতি ত্রিছা-ণ্ডন্মেষঃ।।

नथनिष्ठावः श्रू॰ निष्ठावी (छमः। उ९ शर्यायः। अङ्गुलिक्ष्णा २ वृद्धनिष्ठा-विका ० गुागत ८ नथल्हक्ष्णा ६ गुामक्षनिष्ठावी ७ नथक्ष्णिनी १। श्रुजत छगाः। क्षायद्रश्मधूत्रद्रश क्षेण्डिक्यद्व । त्यश्व । शिनन-च । किर्कायिष्य । ইতি याख-निर्वकः ॥

নখপণী স্ত্রী বৃশ্চিকাকুপ:। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:॥

নথপুদ্ধী জী পৃঞ্চাইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। নথমূচ প্লী ধনুঃ।ইতি সংক্ষিপ্তসার

वं त्रक्त १ । नथ म (स्मान्स वि ।।
नथ सः भू की नथः। इं उ । स्मान ।
नथ संख्या की नथ हिम्मा क्षियः।
नक्ष इं जिल्ला । यथा। जन स म्या वि । वि । वि । जन स्मान ।
मून्य हिम्मा । वि ।
मून्य हिम्मा ।
हिम्मा ।
हिम्मा ।
हिम्मा ।
हिम्मा ।
हिम्मा ।

नथत्रायुषः श्रु जि॰ इः ॥ व्यायुः ॥ सङ्कृष्टेः । ইতি द्राजनिर्यण्टेः ॥

नश्रासः श्र॰ कत्रवीतवृक्तः। ইতি ॥ त्राक्षनिर्धण्डः॥

नथर्ग जी नथी। ইতি শক্ষালা।।

कुमुनथी। ইতি কাচিদুত্বমালা।।

नथर्कः शु॰ नीलर्कः। ইতি রাজনির্ঘন্টঃ।।

নথশন্ত্রঃ পু॰ কুদুশন্তঃ।ইতি শব্দ-রত্নাবলী।।

नथाक॰ क्री वृत्राचुनथी। ইতি শব-वृत्रावणी।। नथाकः क्री नणी। ইতিকাচিদুর্নাणा नथाकः পু॰ व्याष्ट्रः । ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ॥ সি॰হ জরুটো চা। নথালাঃ পু॰ কুদুশর্রঃ । ইতি শদ-চন্দ্রকা ॥ নথাশুণী চ॥ নথালাঃ পু॰ নীলব্কঃ। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ ॥

नशाभी भू॰ (शहकः। ইতি विकाख-(भवः॥ नथजककमात्व वि॥ नथी जी नथनामशक्षपुद्यः। ইত্যमतः ॥ मि॰ (इ इनडः शू॰। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ॥ বিদারণ ক্ষম নথ যুক্ত পশু মাত্র॰। यथा। नथिनाक नदीनाक শ্বিণা॰ শক্তপাণিনা॰। বিশ্বাসো নৈব কর্ত্ব্যঃ জীযু রাজজলেমু চ॥ ইতি চাণক্য॰।।

नगः श्र॰ शर्ब जः ॥ वृक्षः । ইত্যমরः ॥
नगकः श्र॰ रखी । ইত্যমর । का मात् সুন্দরী ॥ পর্বতজাত বস্তু মাত্রে ত্রি
নগজা জী কুদুপাষাণভেদা । ইতি
রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

নগণা জী লভাবিশেবঃ। নথাকট্কী ইতিভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। পারা-"বতপদী ২ পিণ্যা ৩ মু টবন্ধনী ৪ জ্যোতিমভী ৫ পৃতিতৈলা ৬ ইসুদী ৭। ইতি রক্ষনালা।। नगननित्नी जी पूर्गा। इंडिअपडाः।-वनी।।

নগপতিঃ পু' হিনালয়পর্বতঃ ইতিঃ ত্রিকাঞ্জশেষমা চন্দুশ্চ ॥

নগভিৎ পূর্ণ পাষাণভেদনঃ। ইতি রাজনির্ঘটঃ॥ ইন্দুক্তাঃ

নগভূঃ পুঁণ কুদুপাষাণভেদা। ইতি রাজনির্ঘন্টঃ।। পর্যতক্ষাতে বিঃ।।

नगतः ली नगा इक्शामानात्यः मिष्ठियव । भरत देखिलामा। जन्मर्गायः। भृःर পুরী এপুরি:৪পুর ৫ নগরী এপত্তন • প্পউন ৮প উনী ৯পুটভেদন ১০পট ভেনন•১১ স্থানীয়•১২ নিগমঃ১৩।ইত্য-মরভরতৌ।কেচিজুনগরপত্তন হা-বীযানা ভেদনা হঃ। তত্র পুরাদিত্রয भुत्राभन्न नारि हर भन्न स्वानी-यानि षय॰ इननीरय। ইতি मन्तरस । যক্রাপ্ত গ্রামীয় ব্যবহার স্থান मध्यविष्ट नगदः। यव द्राष्ट्रा उट পরিচারকাশ্চ তিপ্তস্তি তৎপর্ত্তরশা शुकादा दिना पूर्ण याजन विखीर्गः " নগর স্থানীয াকেচিজু পুর নগর যো রপি ভেদ মাহুঃ৷ বহু গুামীয ব্যবহার স্থান পুরুষ। তর পুধান ভূত- নগর• ৷ ইতিভরতঃ॥ 🗱 ৷ অথ নগর নির্মাণকালঃ৷ ভির রাশি গতে

जातो हत्मु ह इत्रिज्ञाम्य । भूत्य काला दित्न किव नगद्र काद्रायम्भः ॥ 🛊 ॥ তস্য : লক্ষণ ভবিষ্যোত্তরে । দীর্মদা চতুরসুদা নগরণ কারযেদৃপঃ । তব্ৰুসু-বৰ্ত্ব" বাপি কদাচিদপি कात्रयः ॥ मीर्यः शारिकशुगत्रथः जूत्रमु भागि हिंज विज्ञिः शारिः मम बार्तु वर्ष वन यनगक्रि॥ नीर्यः महासीर्व कालाय मूथ मणाखः হেতবে। চতুরসু চতুর্বর্গ ফলায পৃথিবীভূজ:।। ত্র্সুণ ত্রিশক্তি না-শায বন্তু ল॰ বহুরোগ ক্ৎ। রাজঃ: **स**्रहेख भंग**ी ब्राह्मरख उ**रा**ह्मउः** ॥ त्राबरुखिक ममें । त्राबम्खः উদাহতঃ৷ রাজদধ্যৈক দশভী রা-জহুএ মুদাছত ॥ রাজছ্যৈক দশভী রা**ন্ধ**কাণ্ড উদাহ্নতঃ। রাজ-কাণ্ডেশ্চ দশভী রাজপুৰুষ উচ্যতে ॥ রাজধানী তুকথিতা দশভী ব্রাজ-श्करेयः। ताजधानी मण खना ताव কেত্রমুদার্ত II সপ্তিব পরিমা^ন ণানি প্রোক্তানি পুর পত্তশৈ। ভযতা ভোগসম্পত্তি মৰ্ত্যুকীৰ্ত্তি সুখার্থি-না বাজ ক্ষেত্রেগ নৃপতিঃ পুরপত্তন गात्राज्या नची हिंगः क्या जोशः পঞ্জ ভঙ্গ একতা ৷৷ সমৃদ্ধি বিত্ত

नानक मञ्ज्लक वल क्यशम्भाका ॥ ভোগ সম্পত্তি রিতি যোড়শ কীর্ত্তি-তাঃ।। যথার্থ স•জ্ঞা নগরা মুনিনা তত্ত্ব रिविना । ইতি युक्तिकन्नठकः॥ #॥ অপিচ। নৃপাবাসঃ পুরী প্রোক্তা বিশাস্থার মপীষ্যতে একতো যত্র তু প্রামো নগরঞ্চৈকতঃ স্থিত ।। মিশুন্ত चर्ब है॰ नाम नहीं शिवि जनानुय । বিপ্যাশ্চ বিপুভ্ত্যাশ্চ যত্ৰ চৈৰ বস-ম্ভি হি॥ সতু গুান ইতিপ্রোক্তঃ শূদ্ধ-ণা॰ বাস এবচ। পণ্য ক্রিয়াদি नि शूरि का वूर्वर्ग जत्न यू उ॰ ॥ जत्नकं জাতি সম্বন্ধ নৈক শিল্প সমাসলং ৷ সর্ব দৈবত সম্বন্ধ নগরম্বভিধীয়তে [।] ।। ইতি বিশুপুরাণ টীকাযাণ ত্রীধর-स्रामि ४७ ভ्७ वहन ।। 🕸 ।। अन्रह । নগন়॰ সর্বতোভদু॰ কর্ত্তব্য॰ রোধক• হিব।। স্বত্তিক সধ্যুগ কার্য্য সমারী পূৰ্মনেৰ বা ৷৷ চতুষ্পথ চতুৰ্ক সৰ कांग जुशावङ् । ছिमकर्ग विनाजक मुः क्षि छ क्षा पूर्वन ।। नगत न शुर्माः সন্তি গ্ৰুঁনিদ্ধা বিভেদিত । অগুতঃ अम्भानामः हिम्यानः विमू त्थाः॥ দ্বিমুখণ কৰ্ণহীনন্ত কৃশ্যধ্য কৃশ বিদুঃ। দুঃ ছিত নিম্বাম্যন্ত নৈশ ত॰ थन पूर्वल । (जोग्र॰ नर्वजूथाङ्गाप

পূরিত বাৰ্ণে বশ। যাম্য মাযুঃ शुमःश्र्नं नगतः श्री जि वर्षानः।। जेम-वामव मः भूनं महीता ग्रम्थं भूमः। মধ্যঞ্জুব্লথোপের্জ নচ ত॰ পীড-যেৎ ক্বচিৎ।। বুক্ষস্থান হি ত বিপু শিব স্তত্র সদা ছিতঃ। চতুর্বি•শতি নাড্যস্ত হস্তান্যপ্ত শতং পরং॥ অত্র मधाः भूमः मिख्या ८क्टे विविद्धिः তণঅথ কিছু শতান্যপ্তৌপ্যাহ্ মু খ্যু নিবেশন াা নগরার্জঞ্চ বিষ্কয়ত থেটি গ্রাম• ততো হর্দ্ধতঃ৷ নগরাদোজন (थिं (थिं । पृश्वास्त्र)(यां विः । व ক্রোশ পর্যা সীমাক্ষেত্র সীমাচতু-र्थनुः। जि॰मक्षन् वि वि शिर्णा (मरमा मार्गञ्च रैंडः क् डः ॥ वि अक्षम् गुर्म मार्गः भीमामार्गा मरेणव ज् । थन् वि मम विखीर्नः अभानीक भयः क्उः॥ ন্ বাজি রথ নাগানা মসয়াধঃ সুস क्षतः। धनु श्व टिव हजाति भाशा द्र-খ্যান্ত নির্মিতাঃ ॥ ত্রিকরান্চোপর-थ्रास दिक्ताभू। भव्याना । बद्दा-পথ শতন্ত্রাদ জিপাদস্যগৃহান্তর• ॥ व्जीनाम सुर्वानामः भाषः म शामंकः मृजः॥**ই**जिमिवीशूत्रागः॥ নগরঘাতঃ পু• হস্তী ৷ ইতি সংক্ষিপ্ত-नात्रवृताकत्रंगः ॥

নগরী জী ল্লী নগর । ইত্যমর: ॥
নগরীবকঃ পু॰ কাকঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড
শেষঃ॥

নগরোপা জী দগরমূস্তা। ইতি রাজ নির্বণ্টঃ।।

नभरतोषिः जी कंपनी। इंडि मद-ठिन्मुकी।।

নগাটনঃ পু॰ বানরঃ। ইতি ত্রিকাও শেষঃ॥

নগাধিপঃ পু• হিমালয়প র্বতঃ। ইতি জটাধরঃ।।

नगानुयः शु॰ হস্তিকनः। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ॥ নগবাসিনি ত্রি॥

নগোকাঃ পু॰ পক্ষী। ইত্যনরঃ।।
সরভঃ॥ সি॰হঃ। ইতি নেদিনী॥
কাকঃ। ইতি শব্দিন্দুকা॥ নগবাসিনি ত্রি॥

नगः जि विवजः। (नक्षे देखि जाया।
जल्भग्रीयः। जवामाः २ मिगद्यतः
०। देख्रमतः॥ ॥। जथात कृषः।
विकक्षा १नूखतीयक नगः कावज्ञ जव वा। (भीजः सार्खः जथा कर्मन नगः किखर्यम्भि॥ विकक्षः भित्रधाना मःवृक कहः। जथात र्याभि याख्व-वगुः। भित्रधानाहिः कंका निवका सामूती जरवः। मृजिः। वारम भ्रिष्ठ

তথানাভৌকক্ষত্রয় মুদ্যুদ্ধত । এভিঃ ককৈঃ পরীধত্তে বো বিপুঃ স শুচিঃ म् जः ॥ वोशायनः । नाः शृ क्रकः य-वज गाहापयि जानूनी । वाज्जीयं भूगयः जनाइम मूख्या खायाः ॥ আচারচন্দ্রিকাযা। দ্বিকছঃ কছ শৈ-यन्ह मूक्क इ खरेथवह । এक वाना अवामान्ह नगः भक्षविषः मृठः ॥ ইত্যাহ্নিতভূ• 🛚 🗱 🖛 নানা• জিয गीत्क उ शुक्ष वा कराइन। नह मूब॰ भूतीय वा नरेव अ अपूर्क रमधून ॥ নোहिष्ठेः निव्यत्मितिष्ठाः न नगः नान गारुदार। न गाइम्लाटिषानि नरेंद्र স্বশিরঃ স্পৃশেৎ !! ইতি কূর্মপুরাণে উপরিভাগে ১৫ অধ্যায়: ॥ # ॥ পারিভাষিকন্মাযথা ৷ যে**ষা॰ সলে** न (वरमास्ति न भाजः रेनवह वुकः । তে ন্যাঃ কীৰ্ত্তিতাঃ সন্তি তেষামৰণ विभिर्हितः॥ इति मार्कत्थ्यनुताल मनानात्रायाः ॥ 🕸 ॥ अग्रेकः माम मरख्य वंशी वर्गावृठि र्षिक ! এতা নুষ্ধতি যো মোহাৎ স নগং পাতকী মৃতঃ॥ यस সণত্যন্ত্য গা र्रु वानशुर्श न जायर । भिन ব্রাডপি মৈত্রেয় স নাঃগাপক্ষরঃ ॥ ইতি বিষ্ণুপুরাণে ১৮ অধ্যাयः॥

नगः प्रविधा मिन्यम्पर्यागः।
नगिकः २ निग्रं इकः २ ज्वलः ॥
नगिकः २ निग्रं इकः २ ज्वलः ॥
निग्रम्नकः १। ইजि शानावनी ॥
नगकः प्रविश्वा नगः। नकाज व्यक्ताज देजि
नगकः अनम् जी द्वि देज्या एकः
नगकः अनम् विश्व देज्या देवि देज्या देवि विश्व विश्व

नग्रह की नग्रह्भ है छि छत्र छ श्राम-त्रमाना ॥

नग्रहः श्रुः नानापुराक्ठम्तावीकः ।

वाथत हेि च प्राजः । हेि जन्न जः ।।

ज्यान्यायः । किन्न २ । हेज्य नः ।।

वा की वित्रकामाती । जन्म भर्मायः ।

का वित्रकामाती । जन्म भर्मायः ।

का वित्रकामाती । जन्म निकास नग्रावेश ।

वावित का हेि सम्बन्धाननी ।।

नग्रावेश श्रुः पिणस्तर्याणी । हेिज

हात्रावनी ।।

নকি জী অপুণগুরুজনা। তে পর্য্যায়ঃ। গৌরী ২ অনাগতার্ত্তবা এ।। বিষক্তা তেৎপর্য্যায়ঃকোউবী ২কোটবী একোটরী ৪। ইত্যমর-স্তুড়ীকাচ।।

নজ ও ড के ছিমি। ইতি কবিকল্লফনঃ নঞ ব্য অভাবস জ্ঞক । সমাসে ছি-ত্তস্যাস্য সানে স্বরে পরে ৭ন্ ব্যঞ্জ-নে পরে অকায়ে বিকল্পেন ভবতি यथा। अनन्नः नाष्ठः। अहू ७०: नहू ७०: ॥ अन्तर्रार्थाः वर्षे। नाम्नर > यथा অব্ৰাহ্মণঃ। অভাবঃ ২য়থা অপাপ• ॥ অন্যত্ত্বং ৩ যথা অঘটঃ পটঃ ॥ अन्नदः ८ यथा अनुषत्रीकन्या ॥ अः পু।শন্ত্য ৫ যথা অকেশী।। বিরো-ধঃ ৬ যথা অসুরঃ। ইতি মুখবোধ **ठीकायाः पूर्जानामः ॥ अ ॥ नवः** ংভাবে নিষেধে চ স্বৰূপাৰ্থেপ্যতি- कत्म। वैयम्दर्श व नाम्र्या जिन क्ष उपन्याः॥ इंजि मिसनी॥ नकात्रक ॥

न्हे ॰ , नृत्जु।। हिन्दम । ইতি কবিः कन्नक्षभः॥

নট ক ছুণুশ। বিবি। ইতি কবি-কল্লফমঃ।।

न्द्रेः श्रु ल्रागाकवृक्तः।। नर्द्रकः।

निर्वृया इंजि ভाषा । उৎপर्यतायः । े रेग्नामी २ रेमन्यः २ जायाजीयः ३ ক্ষামী ৫ ভরতঃ ৬। ইত্যমরঃ।। সর্ববেশী १ छेत्र उপু একঃ ৮ ধাত্রী পুণ্র: ১ রঙ্গ জীবঃ ১০ রঙ্গাবতারকঃ ३०। इंडि (इंग्रह्नुः॥ जामाक-• वृक्तः। इंजि सिनि।। किंद्रु शर्वा। नन इंडि ভाষा। ইতি ब्रह्मेषदः ॥ वर्गमञ्ज्ञ काञि वित्मयः । यथा। শৌচিক্যা• শৌণ্ডিকাজ্জাতো নটো বৰুড এবচ। ইতি পরাশরপদ্ধতিঃ ॥ वृाजावा॰क विषाद्धा उई जिमनुः 11 # 11 हन्मका भी भक जागमा রাণিণী। অস্যা জাতিঃ সংগ্রা। गृशः यज्ञ अतः। ग्रीयाः छो भिव-সান্তো গানসম্যঃ । রাগ্যালাযা-मन्त्राः यक्षत्रः बक्रवर्गा नाती नव योवना मालङ् जा अश्वाक्रा शूक-यव श्रिति छ वनना निष्माय केंद्र . বাল পূড়। শত্ৰাক্সমাণা। ইতি मक्रीज्याद्वः ॥ नारभूदान मरज গ্রিরাগস্যপুশঃ 🛚

নটন লী নৃত্য । ইত্যনর: ।।
নটনারায়ণ: পা রাগবিশেষ । হন্
নমতে নেররাগস্য তৃতীয় পুগ্র: ।।
ভরত মতে দীপক রাগস্য তৃতীয়

शृधः ॥ स्मार्थित मर्ट कलनाथ मर्छ ह यद्धागानाः स्मित्र तागः । जम्र जार्गाः यद्दे। यथा। खाउँकी देविज्ञी २ शृद्धी २ शाक्षात्री १ वेदि ने स्मार्थित । स्मार्थित जार्थित । स्मार्थित मर्छ जम्र तागिराग्रया। कामना २ कल्यानी २ जार्जी वी २ नाउँकी १ मात्रकी ६ नाउँकी १ मात्रकी १ मा

ন্টভূষণ॰ ক্লী হরিতা**ল•।ইতিরত্ন** নালা।।

নটমণ্ডন শ্লী **হ**রিতা**ল । ইতি** হেনচ**ন্দুঃ**।।

নটবরঃ পু॰ নটশেষ্টঃ। যথা। বর্হাপীড॰ নটবর বগুঃ কর্ণনোঃ কর্ণিকার মিতি শ্রীভাগবত•।

निष्ठमः छ ११ (शार छा थ) इति जान । इंडि जिका छ । में एक । निष्ठा छी निष्ठा। इंडि हातावनी। निष्ठी जी निनाम शक्षपूर्य । इंडि मास्त ज्ञावनी ॥ निष्ठी है।

নটে শ্বরঃ পু॰ শিবঃ। ইতি হেন্চল্টঃ।।
নড ক ভু॰শে। ইতি কবি নল্লনঃ।।
নডঃ পু॰ নলত্ণ॰। ইত্যমরঃ।। জাতি-

(छरः । इंछि भू नभू मक मण्यूर होक्या भथू तणः ॥ नफ्येयः जि नवसम्हरूषः । इंछि क्या

न्छशुरिः वि ननवङ्गापणः। उट शर्यप्रायः। नफ्नीयः २ नङ्गान् २ नङ्गः ४। ইতি হেনচन्दुः॥

निष्ठा खी निष्ठमगृरः। ইত্যमतः॥
निष्ठनः जि निष्ठविष्ठामतः॥
निष्ठान् जि निष्ठविष्ठविष्ठामतः॥
निष्ठान् जि निष्ठविष्ठविष्ठाः। ইতি प्रतिनिष्ठारः॥
निष्ठारः॥

সূর্ত শ্লী তগরপাদী। তগরমূল । ॥ ইতি নেদিদী॥

নতঃ পৃ• জন্মনাডিকাৰিশেষঃ। তদ্মথা
। অসকৃৎ কর্মণা যেন যান্তি দৃক্তুল্যতা॰ দিবি। নতোমতৌ ততঃ
সাধ্যে ভাবাঃ থেট বলানি ষট্।।
দিনার্দ্ধান্তরিতা জন্মনাডিকানত না-

ডিকা। পূর্বাপরার্মে কাতম্য প্রাক্ পরাথ্যা দিনে ভবেৎ।। রাকের্মত-ঘটা শেষঘটা দিনার্ম্ক সম্পুর্তা। পর পূর্বাভিধা জ্রেযাপ্রজন্যা নত না-ডিকা।। ইতি কোপ্রাপুদীপঃ।। তঃ ত্রি ফটিলঃ।। ন্যুঃ। ইতি মেদিনী।।

নতজ্ঞনঃ পু॰ লতাশালঃ । ইতি রত্নমালা॥ •

নতনাসিকঃ ত্রি অল্পনাসিকাযুক্তঃ।
শাঁদা ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ।
অবটাটঃ ২ অবনাটঃ ৩ অবভূটঃ ৪।
ইত্যমরঃ 11

নতাকী জী নারী।ইতিরাজনির্ঘণিঃ।।
নতিঃ জী নমন । নমুতা। যথা।
নীতি ভূনিভূজা নতি গুণবতা
ত্বীরক্নানা গ্লিড দিশত্যাঃ শিশবো গৃহস্য কবিতা বুদ্ধেঃ পুসাদো গিরা । লাবণ্য বপুষঃ মৃতিঃ
সুমনসঃশান্তি বিজন্যক্ষমাশক্তম্য
দুবিণ গৃহাশুনবতা ৰাহ্য স্তা
নগুন ।। ইতি নবরত্ব ।।

নদ টুই সংবৃধি। আননদ্যুক্তভাবে। ইতি কবিবল্লহমঃ॥

নদঃ পু• পু•বাচকাকৃত্রিম থাতাবছিন্ন জল পুবাইঃ।সচ সিন্ধু ভৈরব শোণ मात्मानत वृक्षभू श्रामिः। उट भर्य।

वृः । भूनर्वरुः २ जिन्द्रः ३ जेन्द्रः ४

नेत्रसन् दे। ইতি एक्सम्मुः ॥ अडेविडेस जीयानि ननाम्म नम कार्यः
। ইতিপান্ধে ज्थापन व अध्यायः॥

नन्नः भू॰ भ्याः। ইত্যাদিকোৰः॥

ि। ই। ইতি শ্বনাল।॥

नहीं जो अक्षेमञ्जूषन्तन् जन्या अरजाया মোচ গঙ্গা যমুনা সরস্বতী কাবেরী গোদাবরী পুভ্তিঃ। তস্যা লক্ষণ মাহ ছন্দোগপরিশিষ্ট•। ধনুঃ সহ-সাুণ্যপ্তী চ গতি যাসা । ন বিদ্যতে। নতা নণী শব্দ বহা গর্জা স্তাঃ পরি-কীৰ্ত্তি ঠাঃ।। ইতি তিথিতত্ত্বু ।। তৎ 'পর্য্যাযঃ। সরিৎ ২ তরক্ষিণী ৩ শৈ-विनी 8 उदिनो ६ कुरिनी ७ यूनी १ সোতৰতী ৮ দ্বীপৰতী ৯ সুৰম্ভী >০ নিমুগা **১১** আপগা ১২। ইত্যমরঃ।। शुनिनी १० धूनिः १८ (मुाजिसनी १० স্থেতোবহা ১৬ সাগরগামিনী ১৭ অপণা ১৮। ইতি ভরতঃ।। নির্ধ-রিণী ১৯ সরস্বতী ২০ সমুদুগা ২১ क्लक्षा २२ क्लवजी २० रेमवा-निनी २८ तिकुः २० जगुपुकाँडा २७ मागद्रगा २१ क्कां २४ द्वा ध्यावजी २३ वाहिनी ७०। जन्मन

थगाः। बह्यः। वद्यः) मीशनयः। भावनञ्जः। क्वादः। ज्याभरदः। भथ्रद्धः। मध्रद्धः। देवपूक्षद्धः। सः॥ नर्वा खरी शुर्यथी वाहिनीन ग्रामधी शकाषाहिनी निकायन । पर्ण् रित्म ज्रुता मा वित्मवारेषवाक्षात्व भोत्रव नाघवक ॥ शासा मृन्वश खर्रता वर्डः भीयुवकाः स्ठाः। नराः भाषाग जिक्छा वाश्तिरा वि-भलामकुाः॥ हिम वर् शुख्वा यान्त बन जारम् जाभा । विकार शाही शुाह्यवाही शुजीही याकामीही म्या-মনী সা কমেণ। বাতারোপণ শ্লেম **পिडार्डि (नाभ॰ भिर्जिएक॰ भ**थ्र পাকঞ্ ধত্তে ৷৷ পারিপাত্র ভবা যাশ্চ বিষ্যাখ্যপুভবাশ্চযাঃ। শিরে। ছদুো-গ স্থানা তা হেতুঃ স্নীপদস্য চ 🔃 ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥ 🗱 ॥ ভারত ব-र्व निष्ठा यथा। गक् । निकुः नेत्रवी শতফঃ বিতন্তা বিপাশা চন্দুঞ্গা नत्रगृः यगून। ইরাবতী দেবিকা बस्ट গোমতী ধ্তপাপা বাহুদা দ্বদ্বতী কৌশিকী নিমীরা গগুকী চক্ষুমতী लाहिजा। ইত্যেতা হিমবৎ পाদ নিৰ্গতাঃ ৷৷ বেদমৃতী বেদবতী সিন্ধুঃ অপর্ণা চন্দ্র। সদাচরা রোহিপ্যারা

িচর্মাণ্ডী বিদিশা বেত্রবতী বয়ন্তী।" ইত্যেতাঃপারিপাত্রোন্ডবাঃ।শোণা জ্যেতীরথানর্মদাসুরসামন্দারিনী .দশার্ণা চিত্রকূটা তমসাপিল্ললাকর-তোযা পিশাচিকা টিত্রোৎপলা বিশা-না বঞ্জুকা বালুকা বাহিনী ভুক্তিমতী বিরজা পঙ্কিনী রিবী। ইত্যেতা ঋক পুস্তাঃ ৷৷ মণিজালা শুভা তাপী भाषाकी भीष्यामा विका भाषा वि **তরণী** यिमी शाना अभूक्ती छाया " দুর্গা অন্ত্যা গিরা।এতা বিষ্ণ্য পাদো-फवाः ॥ भारावती जीमत्रथी क्का বেণা বঞ্জুলা তুঙ্গ ভদ্য সূপুযোগা বুন্ধ कारवती भञ्जाला তागुभगी भूय। ৰতী উৎপলাবতী। ইত্যেতানলয-জাঃ।। ত্রিযাম। ঋবিস্বল্যা ইক্ষুরা ত্রিবিদাল। মূলিনী বংশবর। মহেন্দু-उन्या अयिका नुष्ठी नन्तरामिनी भन्भिनी। ইত্যেতाः मुक्तिमर् भू প্ৰবাং। এতাঃ প্ৰাধান্যেন অলপৰ্ৱত नम् । भियाः कृत्नम् । इंडि वता इ পুরাণে॥ #।।কৈলাস পাদ সমূত शुगुः भी उज्जलः भुजः। मल्मा दकः নাম সরঃ প্যস্ত দ্বি সন্ধিত · ৪ তি मा ८ शु ७ र ७ मिवता न ती नन्ता किनी ্ শুভা। দিব্যঞ্চন্দনন্তত্র তদ্যান্তীরে

गर्हन ॥ श्रान्तंत्रग किनाजाट मिवा भोगिष्किक गिति । गर्वीपाञ् मयः स्विषः भवनः शईजः शुन्जि ॥ চন্দুপুভো নাঘ গিরিঃ সশুকো রত্ন সন্ধিভঃ। তৎ সম্পূপে সরো দিব্য ম-हारमाम विनु उ।। उमा भु उवर उ দিব্যা ননী ছাছো কো শুভা। তস্য ন্তীরে বন॰দিব্য॰ মহট্চৈত্ররথ॰ শুভ॰।। তিমান িরৌ নিবসতি মণিভদুঃ সং হানুগঃ। যক্ষঃ সেনাপতিঃ কুরৈ র্গুছকৈঃ পরিবারিতঃ॥ পুণ্যা মন্দা-किनी टेव नधी ऋएएका णुजा। নহীনগুলনধ্যে তু পুৰিষ্টেতে নহো-मिष्।। देवना माम् किन शुक्ताः नि-व निः ही पिदि गिति । गनः निवा নয় দিন্য শবল পর্বত পুতি॥ লোহিতো হোশৃসন্ত গিরিঃ সূর্য্য পু:ভा नशन्। उम्रशास महिस्तरः ्लाहिङ मृगइए मद्रः ॥ ज्याए পুঁভৰতে পুণেগ লোহিত্ৰ নদো সহান্। দেবারণ্য বিশোকঞ্চ তস্য-**ी**द्रि महद्व∹।। তश्चिन् गिद्रो निद-ज्ञि यक्का मिश्रिश्व। वली । क्लिक्ष সধামি কৈ শৈব গুছুকৈঃ পরিবা-बिटः । किनामा**ः श**न्धिमानीह्याः কঙ্গদানোষ্ধী গিরিঃ। কঙ্গদ্মতি চ

ৰদুস্য উৎপত্তি জি'কম্মতঃ।। ত मध्रन खिकस्म रेमल विकस्म পুতि। म्बंशाञ्च भय खब मूगश्वपूर-তো গিরিঃ॥ ফুস্য পাদে মহদ্বিত मानमः मिष्तमिष्ठः। यथाः शुज বতে পুণ্যা সরযুর্গোকপাবনী।। কৈ--नामार शिक्ता गामा पित्रः म-বে বিধি গিরিঃ। অৰুণঃ পর্বত শেষ্টো ক্মধাতু বিভূষিতঃ। ভবস্যদ্যিতঃ গ্রীমান্ পর্বতো হেমগদিভঃ। তস্য शास महिस्तार मतः काक्षनवानुकः ।। তস্য পাদাৎ পুভবতি শৈলোদ• नाम उद मतः। उमाद भुजवाउ भृग्रा नहीं रेनलाहका भूखा ॥ जा .. বন্ধু শীতযো মধ্যে পুবিষ্ঠা পশিমে। मिये । अञ्चालात्र किनाम निय সম্বে বিধি গিরিণ।। গৌরন্ত পর্বত-শেষ্ঠ হরিতাল ময পুতি। হিরণ্য . मृद्धः मुगकान् हित्योविध मर्गा भिः क्रिः॥ उत्र शास सङ्ख्वाः नंतः काक्षनवाज्वा त्राडि विम्मु मत्ता नाम यक ताका जगीत्रथः॥ गकार्थ मजू রাজবি কবান বহুলাঃ সমাঃ। ত্ত্র ত্রিপথগা দেবী পুথমন্ত পুর্তিষ্ঠিত।।। मामशाहार भुम्जामा मध्या भुजि ভন্ত। ভন্স্য সাকে গতিতা সং-

ৰন্ধা যোগমাযযা॥ তৰ্তে বিসৰ্জ্যা-মাস সপ্তসোতা সি গঙ্গা। ত্রীণি পুচৌ মভিমুখ পুতীচী জীপ্টথবচ॥ (मुंग्जा·नि विभथायास भुजाभूमास मक्षभा। निवनी कुमिनी रेठव भावें চৈব প্রাচ্যগা।। শীতাবঙ্কু শ্চ সিদ্ধুশ্চ **তিসু ভাবৈ পু**তीहागाः। मध्मी पुन्गा তাসাণ দক্ষিণেন ভগীরথণ ৷৷ তমা-खागीतथी मालि भ्वविश्वा मिक्तानाम-**थि॰। मुख्जाः न्नावयस्यि वर्षस्रका**न মাশ্বय-॥ পুস্তাঃ সপ্ত নদ্যন্ত শুভা-विन्तूनादाखवाः। जान् प्रभान् द्वावयस्त्रिय स्निष्ट् श्रायाः महमाः॥ मनिनान् असुदाः भीनान् वर्वदान् यवनान् थमान्। मृत्यनाग्म अन-थाःक अकलोकावताःक यान्।। क्षा दिशा हिमवड भूविशे मिक-(भारिष । जाश हीन मक्रेन्हिन कानैकारेक्वर চूनकान् ॥ जुबै तान् वर्वतान् कातान् शङ्कवान् शातमान् नकान्। अञान् जनभाग् वहु ব্লাবশস্থ্যদধিংগতা।। বরদান কৃটজা॰ रैण्डव शाम्नातात्नीत्रज्ञान् अष्ट्न। भि-वरमोतानिमुनकन् वमाजीन् ममर्ज-क्रमा ॥ रेमक्रवात्र के कारवतान् अशः थान् जीमद्रोककान् । भूनामूथाः

শ্চোদ্ধ নাধন সিদ্ধু রেতামিষেবতে।। शक्त बान् किन्नतान् यकान् तका वि-म्राध्द्रातिभान् । कनाभगुामकाः ৈশ্যৰ তথা কিংপুক্ষালৱান্।। কিরা-र्नी भारत श्री विनमा भारत अवन् वि छत-তানপি। পাঞ্চাল কৌশিকান্নৎ-স্যানাগধান্ত্রাণ স্তথৈব চারেক্ষোত্ত-त्रा·**•**চবহ্দा•**•**চ তামলিপ্তা• खरेेेेेेेेेेेेेेेेेेेेे पर **এতান্ জনপদানার্য্যান্ গঙ্গা** তার্য-তে শুভা॥ ততঃ পুতিহতা বিস্ক্যে পুবিষ্ঠা দক্ষিণাদধি । ততন্ত হ্ৰা-मिनी शुन्ता शुाही मिल्यूथा यरगे ॥ প্লাব্যন্ত্যপকাণকৈব নিশাদানপিস-इंगः। धीवतान्षिकारेम्ध्व उथा লীনসুখানপি॥ কেকরানেকবর্ণা॰ ক কিরাতানপি চৈব হি। কালনরোন্ বিবৰ্ণাণ্ড জম্পিকান্ স্বৰ্গভূমিকান্॥ সামুঞ্জেল সমু দুস্য তিরোভ্রাতু স-র্না:। ততন্ত পাবনী চৈব প্রাচীনেব अन्न ग्रयो॥अभयान् भावयञ्जी माहेन्द्र-मृत्र महा महिला । ज्या थड्र भया न्दन । শান্ বেত্ৰ শক্তুপথানপি॥নধ্যেচো-ड्डानक मक्न् अथ्यु।वद्गानि । इन्द्र ही भाट अमू दु मा भूविक्षे वर-(गामिष्णा उउस भावनी भाषा পুাচী মাশা॰ জবেন তু। তোমরান্

প্লাব্য**ভী সাহ**শ্স মার্গান্সমূদ্ধকান্।। পূর্ণান্ দর্ভাণ্চ সেবম্ভী ভিত্ত্বা সাংবহু থা গিরি॰। কর্ণপুরবরণান পুরাপ্ত গ-তা সাখ্যুখানপি ম সিকতা পর্যত मकन् गद्मा विकार्षित्रान् यरयो। वामि নওলকোগন্ত সা পুবিষ্ঠা মহৎসর ॥ তাসা॰ নদুপেনদ্যক্ত শতশো 🔫 সহসুশঃ৷ উপগছন্তি তা নদ্যেয়তো বর্ষতি বাসবঃ । হেমক্টস্য পৃষ্ঠে তু नर्भागा मूट्नवः म्जः। नत्रक्री भु-ভবতি তস্মাৎ জ্যোতিশ্মতী তু যা ॥ অৰণাহেতোভযতঃ সমুদ্ৰে পূৰ্ব প-किरगो। मद्भा विकुशमः नाम निक्रध পর্বতোত্তমে ৷৷ তমাৎ দ্বয় পুভবতি গন্ধৰী নজলা চ তে ৷ মেরোঃ পা শ্বাৎপুভবতি হুদ শন্দুপুভো মহান্ ।। जबूरेक्व नही शून्त्र यम्ता काबूनहर म् छ । भारयाम् स दूरमा नी नः म मुं छः भु अतीकवान्।। भु अतीका भरगाना ह তৈমাদৈ সংপুসূযতে। সরস্ত সরস-শৈচব স্ত মুক্তর মানসং।। মৃগ্যা চ মৃগকান্তা চ তমাদ্বৈ সংপুস্যতে । ু হুদা: অৰুষু বিখ্যাতা: পদ্ম নীন জ-नार्नभाः॥ नाम्। তে विजया नाम बा-দশোদধি সন্নিভাঃ। তেভ্যঃ শান্তা চ माधी ह एवं नाम्त्री मः भुम्यजः ॥ इंजि

मवे मार्भुद्रार्थ ३०३ व्यथायः ॥ 🗱 ॥ অৰ সিপ্যাদি সপ্ত নদুছে পত্তি কার-१९ । अवस् विवा श् विशिव एकोवर्ग মানসাচলে i অৰুৱতী বশিষ্ঠস্ত নোদ মাপ তথা স্কু!৷তত্র যৎ পতিত তোय॰ गानजाज्य कन्मद्भावियाहाव-चृथार्थायं भाष्ट्रपः वज्ञ्या क्छः॥ वृक्ष विषु महारम्व भाषिज्ञिमन्शित्छ। তত্তোষ নপ্তথা ভূহা পতিত মান্ नावनार ॥ व्यापुः जनत्त्र नाती সরস্যাঞ্চ পৃথক্ পৃথক্। তত্তোব পতিত সিপ্রেদেব ভোগ্যে সরোব-রে।। তেন সিপ্রা নদী জাতা বিফুনা পুেরিতা ক্ষিতি । নহাকোষী পুপা-তেচ यद्दाরিপতিতন্ত জৈয়।কৌষিধী ॥ নাম সা জাতা বিশামিত্রাবতারিতা৷ উমা ক্ষেত্ৰে হ**ৎ** পতিতণ তোয়ণ তেন মহানধী ৷৷ কাবেরী নাম সা জাতা তদাকাবের স•স্তা। মহাকালে স**্** র: শুেষ্ঠে পতিত তব্জল গিরেং।৷ হিমাদেঃ পার্শ্ব ভাগেতু দক্ষিণে শস্ত্রু সনিধৌ। গোমন্তি নাম তৈ জাতা নদী গোমত্যুদীরিতা ৷ মৈনাকোনা-म यः भूयः मिनदाबम् ६,र्शियः । যন্ত ভিষ্মন্ সমুৎপন্নো মেনকোদর-🕒: পুরা ॥ ভত্তৰ পতিত তোব

ज्याकाण महानती। व्हिकाथा মহাদেব প্রেরিতা সাগর পুতি॥ তত্তোয় সঙ্গত সর্ব্যা হস। বডব मिवादी। उनाज्८ मत्रपूर्नाम्रो√निनी পুণ্যতমা শুভা ॥ যান্যস্তা**ণস মই**দ शास्त्रं था खरात्र्भु मिल्ली। श्मिर् कन्मत्त्र यास्य इत्रोवज्रुम सथ्य उः॥ ইরাবতী নামনদীতৈন্ত জাতা সরিদ্ধ-রা।এতাঃ সর্বাঃ স্থান পানাৎ ম্বরণৈ बाइवी यथा।। कल ममि मर्जाना मिक्सिशामिश्रीः जना। धर्मार्थ काम মোক্ষাণা বীজ ভূতাঃ সনাতনাঃ।। महानम्रह्म मरिश्रजाः मर्द्यमा (मवर्जा-गनाः। अव· नम् ।: मश्र कालाः **मना** भू ণ্যতমোদকাঃ।। অকন্ধত্যা বশিষ্ঠস্য বিবাহে দেব সন্নিধৌ। ইতি কালিকা-शूजारा २० अधायः ॥ # ॥ बन्रामी-না কপ ছয় যথা। নদ্যক প্ৰতাঃ সর্বে দ্বিৰূপাশ্চ স্বভাবতঃ। তোঁয় নদীনা॰ ৰূপন্ত শরীর মপর তথা।। স্থাবরণ পর্বতানান্ত রূপণ কায় স্তথা পর:। শুক্তীনা মথ কষূনা• তথৈবান্ত-ৰ্গতা তনুং।৷ বহি রঙ্গিষ্কপন্ত সর্ব रिनरं পुवर्व्हर्ण । जेव॰ कनः सावत्रक नही পर्देजरा। खथा ॥ यस देनजि কাযম্ভ সতত নোপপদ্যতে।

প্যায্যতে স্থাবরেণ শরীর পর-**७**म् जू ॥ जथा नहीना॰ कायस তোরেরাপ্যায্যতে সদা। নদীনা॰ কৃমিৰূপিত্ব॰ পৰ্বতানান্তথৈব চ।। জগৎছিতৈঃ পুরা বিষ্ণু: কল্পযা-मान युद्भ जः। द्याय शालो नही मुःथ॰ জাযতে সতভ দ্বিজাঃ ॥ বিশীর্ণে স্থাবরে দুঃখ-জাষতে গিরিকাযগণ। इिं का निका भू द्वारा २२ व्यक्ष प्रायः॥ নদীকদয়ঃ পু॰ মহাশ্যুবণিকা। ইতি व्राजनिर्यण्डः॥ निमम् स् ही ॥ नरीकाषः शुः मगुपुः॥ इब्ह्वनर्कः ॥ সিশ্বুবারকঃ। ইতি মেদিনী॥ निर्माणा खी जमून्मः॥ काकजाङ्गी-**यथिः। ইতি মেদিনী।। লতা। ইতি** (र्यान्मः॥

नतीक्षित्रः भू कषावज्यः। इंजि कर्माश्वः ॥

मनीब श्री जालाक्षन। इंडि एम-व्युः ॥

नमीकः शु अब्द्निकः। इठितन गाना ॥ यावनाननतः ॥ शिक्जन व्कः। इंजि बाजनियंगः॥ नमी-ৰাতে ত্ৰি॥

निर्यण्डः ॥

मरीजब्रहान न्द्री चडेश ইতি জ্রি-भुरवागः॥ नहीजिम्हानकः॥ नशीनः शुः जगुपुः। ইक्रिजिका ७-(नवः ।। वक्गः। त्रार्थाः। व्ययः नरीन ইত্যাদ্যুক্তরনৈমুধঃ।।

निम्नावः भू॰ धान्यस्करः। उ পर्यत्रयः । कर्द्रेनिञ्चादः २ कर्त् तः निमीकः ४। यम् छनाः । ठिक्दः । कर्षेत्रः। अञ्जूष्मद्रः। धक्रद्रः। वाज-वद् । करा रद् । क्षा द । क्षा रद । বিষ দোষ নাশিত্বঞ্চ। ইতি রাজ-निर्घण्डः॥

निभाज्कः जि नम् अस्माम्बीहि পালিতদেশঃ। ইত্যনরঃ।। नभीवकः शुः वकूतः। वाक इंजि ভाषा। ইতি भद्रभाषा।। निर्मातिः शुः वहीत्कः। ইতিরাজ-निर्घणः॥

, निष्कः जि निष्ठात्राङ्नप्रकः। निष् সান সশলঃ। ইতি ভটিটাৰাফা পুগুরীকাক্ষঃ॥ নদীক্ষঃ। ইতি পু-करमाख्यः॥ यथा। ठरठा नमीकान् পথিকান্ গিরিজ্ঞানিত্যাদি ভাউ: निमक्रिः शु व्यब्जूनवृक्तः। इछ । मतः॥ नरीका की विश्वन्य वृक्षः। इंडि ताक नाम्यी की नाम्यी। वृत्रिक्षः। ইতি পদচন্দ্ৰকাা

नकः जि दकः ॥ उष्टः । इठि मिनि ॥

नकी जी हम्बङ्धः। ইত্যারঃ॥
नम्यामः शृ व्याप्तिका वृक्षः। ইতি
রাজনিষ্টঃ।

ननमा की जुड़ जिनि। ननम इंडि • जाया। जुड़ भर्यग्रायः। ननामा। २ निम्ति। ० नमा ८ প्रजियमा ६। इंडि मफ्त्रज्ञावनी।।

नगन्ते जी ननन्ता। ইতি শব্ররা-বলী॥

नन् या श्रुमः। शृहा ॥ व्यवधात्रः ॥

निम्हरः ॥ व्यनुका ॥ व्यन्निकः ॥

व्यन्नदः ॥ व्यनुका ॥ व्यन्निकः ॥

न्याधनः॥ वर्षाः शृद्धाक मूमाहतः

गानि यथा ॥ श्रुम्म नन्नद्धाकामहः ॥

व्यथात्रता नन्न् ग्रहामः। व्यनुक्हायाः

नद्धान् न्यामव्यान् गृह्माः। व्यनुक्हायाः

नद्धान् न्यामव्यान् न्याम् ॥ विति
गृहः ॥ व्यनुभूमः ॥ व्यन्न् व्या ॥ विति
गृहः ॥ व्यनुभूमः ॥ व्यन्नक्षः ॥

व्यक्षित्राः ॥ भुवुन्निः ॥ वेदः ॥

व्यक्षित्राः ॥ भुवुन्निः ॥ वेदः ।

व्यक्षित्राः ॥ भुवन्निः ॥ वेदः ।

व्यक्षित्राः ॥ भुवन्निः ॥ वेदः ।

व्यक्षित्राः ॥ भुवन्निः ॥ वेदः ।

व्यक्षित्राः ॥ व्यक्षितः ॥ व्या ॥ मत्नाः

व्यक्षः ॥ वेदिः (व्यक्षः ॥ व्या ॥ मत्नाः

व्यक्षः ॥ व्यक्षः ॥ व्या ॥ मत्नाः

मह्ह शुव नृन किया शारिगन्तिय-ह। ननु नाम हि कानीनि उँ ८ (भूका ্ব্যঞ্জকানিচ।।ইতি বাব্যচ্ন্দ্রিকা।। ননুচ ব্য বিরোধোজিঃ। ইত্যব্র:॥ नन्राव्हि मन्दिन विद्याध वेष्ट्य नन् भाषा विद्वार्थाको ठकात्राध ননুচেতি বা। ইতি ভরতঃ।। नन्तः श्रुः विकुः। यथा। श्रानतन्ता मन्द्रतानन्द्रः। ইতি শান্তিপর্ব।। নর-পতিভেদঃ। স তু মহানৃদিং সুতঃ ক্ষপ্রিয়ব•শান্তঃ!৷ গোপভেদঃ।সচ बैक्ष्भिजा ॥ जानमः॥ निधि বিশেষঃ। ইতি পুরাণ শবরত্না-विल्यो ॥ नन्मः भूता पुगन नामा वमू द्राभी १। यथा। (मुाला वम्ना॰ ্পুবরে। ধরষা সহ ভার্য্যা।করি-यामान जाएमान् दुक्त समूवाह १॥ काउरगानी महारारव जूवि-বিশেশরে হরৌ। ভক্তিঃ স্যাৎ প-রনা লোকো য্যাঞ্জো দুর্গতিস্তরেৎ ।। यडी वृहकः म जगवान् बुद्ध द्वारा महायमाः। ज्ञाङ्नम ३ वि थ्राजा য়শোদা সা ধরা ২ভবৎ ৷৷ ইতি ঞ্জিভাগৰতে দশমস্বন্ধে ৮অখ্যায়ঃ ॥ # ॥ (वन् विष्णयः । यथा। मस्

नम् छथोन्ति। विकास १० क्रवर्छथ। । हजात উख्या दःगा माउक मूनि मण्डार

मीम वकाममाञ्चलः। इति नक्षीठे मारगामतः ॥

নন্দকঃ পূর্ণ বিষ্ঠ খন্নঃ। ইত্যাসরঃ।।
তেকঃ। ইতি ত্রিকাওশেষঃ।। হর্ঘকে
কলপালকে চ ত্রি। ইতি নে দিনী।।
কৃষ্ণপিতা।। আমন্দিঃ।। আনন্দ
কারকশ্চ।।

मन्दिः श्री शिन्ननी। इंडि नद-, চন্দ্রিকা।।

नन्तकी श्रुः विष्कृः। यथा। भङ्गज्ञ नन्तकी ठकी भार्यथः। यथा। भङ्गज्ञ नि

নন্দগোপিতা জী রার।।ইতি শহ-চন্দিকা।। নন্দ গোপ জন্মভূম্যা-দিশ্চ॥

नन्त्रथः पूर् जानन्तः। ইতি भवत्रञ्जाः वनी ॥

नन्तन की इन्मुवन । इन्जान ।। इर्वाक वि। इन्जि मिरिनी ॥

नम्तः श्रु ही मूजः। ইতি मिरिनी
।। ভেকঃ ॥ ইতি भद्रद्वावनी ॥
श्रानम्कात्रकः॥ विकृः। यथा। जान-

निर्मानमात्ना पण हेजा कि भाकि स्व नम्तनक क्री हित्रहम्तन । हेजि शक-निर्मिष्टः ॥ हर्यका छ वि सं

नन्तनम्बः शृ बिह्यः। इंडि नम् রত্নাবলী ॥ 🗱 ॥ (১স) লীলা সন্থর-ণাত্তে তর্মাহিষীণা দস্য হস্ত গতন্ত্ কারণ যথা। ব্যাস উবাচ। কঃ मुफ्दग्र म शाक्यान् इन्राखुः नर्व कोत्रवान् । वाजीत्रज्रन्ह ভবতঃ কঃ শুদ্ধ্যাৎ পরাভব ।। পার্থিতৎ সর্ব ভূতস্য হরে লী'লা বিচেপ্তিত ৷ ত্বয়া য়ৎ কৌরবাগুন্তা 'यमाजीत जंतान् जिजः ॥ गृशीजा দস্যুতি যাশ্চ ভবতা শোচিতাঃ 'দ্রিয়ঃ। তদপ্যহ॰ যথা কৃত্ত• কথ-যানি তবাৰ্জুন।। অষ্টাবকঃ প্রা 'বিপ্রোভলবাস রতোভরেশা বহুনন্দ गनान् भार्थ गृनन् युक्त ननाउन ॥ জিতেম্বসুর সংযেধু মেৰু পৃষ্ঠে মহো-ৎসবঃ৷ বভূব তত্ত্র গছন্ত্যে দদৃশু স্ত वत्रजियः॥ त्रष्ठा जिल्लाख्याम्। च मज्ञा १० रेक्नुमः ॥ जृहेत् छ॰ महार्कानः शुमामः मुण्ड भाखव । আকণ্ঠ মগ্ন• সলিলে ক্ষটাভার ধর• মুনি া। বিনয়াবনতালৈ নং প্রণেমু

रखीं उट भनाः। यथा यथा भुजिली श्ली जुरू वृष्ठ ज्या ज्याश मर्दा खाः কৌরব ক্রেণ্ঠ বরিস্ঠন্ত ছিজন্মনা। 🕮 ष्ट्रीवक उवाह । शुनाबाह गरा-ভাগা ভবতীনা শ্বদীষ্যতে। মন্তন্ত-ष्ट्रियञाः नर्बः भुराम्याम्याञ्चलं । ম শ্রিপরাশর উবাচ। রম্ভা তিলো-ভনান্য ন্ত বৈদিক্যে ংশ্লরসোবুর-न्। शुनाम च्यानिश्वाधः किममाक মিতি দ্বিজ ॥ ইতরান্তবুরন্, বিপু शुनका जनवान् यहि । जिन्हानः পতি॰ প্ৰাপ্ত্ৰ বিপ্ৰেন্দ্ৰ পুৰুষোত্তম।। **শ্রিব্যাস** উবাচ ৷ এব• ভবিষ্যতী-ত্যুক্তা প্রোত্ততার জলামুনিঃ। তমু डीर्नक मम्भू विक्शः वक महेशा। **७**न्मृ श्रृ ग्र्भानाना॰ यात्रा॰ रात्रः যু টো ভবৎ৷ তাঃ শশাপ মুনিঃকোপ মবাপ্য সক্দনন্দন।। খ্রীঅষ্টাবক উ বাচ। যুখাছিক্স ক্প মা . নত্ব। হাসাবমাননা। ভবতীভিঃ কৃতা ज्यादिय नानः मनामि वः॥ मट्नु-नारिन छर्जात विद्या जू श्रूकरवाख्य 1 মহাপোপহতাঃ সর্বা দসুত হস্তঃ गमिष्रथ।। এবস্তম্য मूनः नानाम-ষ্টাবক্রস্য কেশব । ভর্ত্তার পুাপ্য जा योजा प्रमू इंख॰ वदाक्याः ॥^१

नगरी

छक्या नाज कर्डवाः स्मार्कास्मानि हि भाखन। छोननीथिन नार्थन मर्वेष्ठपूर्भमः इंछ ।। इंछि स्ट्रिश्नुज्ञा-रंग २৮ व्यथायः ॥

नन्तनित्नी जी मूर्गा, इंडि मरे त्रज्ञावनी॥

नन्तनभाना जी क्ष्णुीिक्यानिका वित्मवः। यथा। ज्ल नन्तनभानास्ड क्षण्ड क्ष दिणानि। त्व कन्ता क्षण्ड क्षः त्यग्र क्षण्यास्व ॥ इंजि नाजका भारात्यग्र हिन छक्ति विनामकृज विकुष्यणान्तरः॥ नन्तना जी मूरिजा। इंजि क्रोप्रवः॥ नन्तरसः पू॰ भूजः॥ त्राजा॥ भिज् । इंजि म किश्मात्वाभातिक्षः॥ नन्तरसः जि जानस्कनकः। इंजि मिक्षास्टकोमून्यास्वभातिक्षः॥ नन्तरसः जि जानस्कनकः। इंजि मिक्षास्टकोमून्यास्वभातिक्षः॥ नन्तर्यसः जि जानस्कनकः। इंजि मिक्षास्टकोमून्यास्वभातिकः॥ नन्तर्यसः पु॰ वक्षाः। इंकि भद्म-तञ्जावनी॥

নন্দপুত্রী .প্রী পার্বতী। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ।।

নন্দা দ্রী গৌরী। অলিজ্বঃ। নাদা ইতি ভাষা॥ তিথিবিশেষঃ। তাশ্চ উভয় পক্ষযোঃ পুতিপথ ষঠ্যেকা-দশ্যঃ। ইতি নেদিনী । ননানদা। ইতি শদরত্বাবলী॥ সম্পথ্য ইতি

(स्महनेनुः॥ #॥ पूर्णाया नन्ता नाम কারণণ বর্থা। এব মুক্ত্বা ভবণ বুক্ষা भूनामनी महाव्वी । इशा पित बेहर कार्याः कर्खवाकानामिस मः॥ ভবিষ্য নৃহিষাখ্যস্য অসুরস্য বি नामन् विव मुक्ति ज्ञा वका मर्द দেবাশ্চ পার্থিব ৷৷ যথা গতা স্ততো জশ্ম দেঁৰী স্থাপ। হিমে গিরৌ। সং-शाला निक्जा यमाख्यामना जू मा ভবেৎ ॥ इंडि दहाइभूहान ।। 🟶।। অপিচ। নন্দতে সুর্জোকেষু नन्दि বসতে १थवा। হিমাচলে गहाशूला नन्तारम्यी उठः य्ठा ॥ 🗱 ॥ जम्रा माहाजारानि यथा। यथा गन्। निनास उन्तराद्व वात-স্থিতা। তদ্বন্দগৰতী নন্দ। উত্তম-**व्या म**िष्ट्रा ॥ मास्म ভाদुशाम **प्रिति मुक्कशस्क वुरक्ष अमा। जरम**ु-इ। मांवनावार जन्या न कराइन ।। তেষাঞ্চ हन्द्र नागस्त शीडा॰ अ-र्य्याट मुलाहत । न गहाँ मूताः निकाः कि श्रूनमानु यान्रः॥ विष বাত হতাঃকেচিৎ বিষ বাত পুপী-ডিতা:। বিমুহুন্তে নর। দেবি যাত্তি **प्रवाह भुगान्छः ॥ इं**छि (नदी-श्रुवानः॥

नम्ताबाहः शृ श्रीकृषः। इणि मंद-तद्वावली।। पूर्णायाः खी।। निन्दः शृ क्षी मृज्ञावः।। प्रधानम्दः॥ निन्द्रक्षात शृ । इणि मिन्ने॥ विष्यः। यथा। मन्ति (खंत्राणि नंद्रिक्षः। यथा। मन्ति (खंत्राणि नंद्रिक्षः। इणि मद्रक्षः।

त्रज्ञावनी॥ ज्ञानन्त क ॥
निम्तका खी इन्तुकी छाङ्गानः। इंडि
भक्ताना ॥ ज्यानक्षतः । इंडिभक्रिज्ञावनी ॥ वश्री छिथिः । यथा ।
क्रित्रा मध्य त्रावी भक्त मूला मात्र छ।
निम्तकाः। इंडि छिथिछदः॥ शुं छ।
शासका हरणा । ह

निस्तिथेतः श्रुः निवहात्रशानः।
ज्रुश्यायः। नन्ती २ मानकायनः
० जाउवजानिकः ८। ইতি जिकाउत्पायः॥ नन्तीयतः ६ उञ्चः ७।
ইতিহেমচন্দুः॥ পুরাণবিশেষणः॥
निस्तिवायः श्रुः অङ्क् नम्यत्रथः॥ वनिस्तिन्दायः। ইতি নেদিনী॥
नक्तादायः। ।

नित्वकः भू॰ ध्वक्षः। ইতি ভাव-পুर्भाणः॥ नित्नी जी प्रमा॥ गक्षा॥ ननाम्स॥ विष्ठित्वनुः। ইতি मित्नी॥ त्रभू-

को। इंडिज्ञानियकः॥ अ॥ माठ (धर्नुः जूत कि कन्ता। यथा मिली शंभुिक विनिष्ठ राका । भूता नक मूनकीय তবোৰী • পুঁজি যাস্যতঃ। আসীৎ কল্পভৰ ছাযা মণিশুতা সুরভিঃ পথি ॥ ইমা॰ দেবী মৃত্যুয়াতা॰ শুকা স-श्रापि मंद्र :। शुपिक् । किया ठी छ ন্তস্যাঃ কোপ মজীজনঃ।। অবজা-নানি মাণ যসাদত তেন ভবিষ্যতি। নৎ পুস্তি মনারাধ্য পুজেতি ত্বাণ শশাপ সা ॥ ইতি বাদিন এবাস্য **रहा** ज्ञ जाहि जादन । जनिन्छा নিদ্দিণী নাম ধেনু রাববৃতে বনাৎ।। ইতি রতুঃ ॥ 🕸 ॥ তস্যাঃ পুভাবো यथा। विभिष्ठमहानुन शमः वुका सान মনুভন । অংগশ্যজ্ঞয়তা প্রেটো বিধামিত্রে। নহাননাঃ !! ততো ব-শিষ্ঠো ভগবান্ কথান্তে সুনিসত্তনঃ। विश्वाभिवः गिरम्वाक्रम्यात शुरून हि म।। आडिया-कर्लिमहामि वनगा न्। महात्वा । उव दिनां शुरुवयन्।॥ ৰথাই পুতিগৃহতা।। বাচ মিত্ৰেব गारक्रया विभिन्न भुकुतिक है। अव ' মুক্তো মহণতেজা বলিটো জপতাণ रदः॥ बांबूहाव ७७:श्री उःकन्यारीः

धू उनना या । खाबानन महार्दिन मद्कात उद्दिश्य म् ।। এव मूका विभाष्ट्रिन भवला भवु ज्रेम्ब , विभाष विविधान् कामान् यम्। यम्। सार्थ-श्चिजान्।। मासः भूद्रहत्ना बाबा भ ব্রান্ত্রণ পুরোহিতঃ । যুক্তঃ পরম-र्यंग विभिष्ठ भिन्न भवुवी ।। गवा॰ শতসহস্ত্রেণ ধীয়তা॰ শবলা মম। এব মুক্তস্ত ভগবান বলিঙো মুনি-गखमः॥ विश्वाभित्वन शर्यात्रा भु-ত্যুবাচ মহীপতি । কারণৈ বহুভী वाजनगरमा निस्नी ज्य ॥ काम-ধেনু বশিষ্ঠোসৌ ন তত্যাজ যদা মুনিঃ। ততো ৎস্য শবলা॰ রাজা বিশ্বানিত্র স্তদাহর ে ॥ তস্যা হ-মারবাজ্জাতাঃ কাম্বোজা রবি স মিভাঃ। উধস ক্যাভিস-ভাতাঃ প-इताः भड भागयः॥ त्यानिक्माह যবলাঃ শকৃ দেশো ইকাতথা৷ রোন-কূপেষুচ শ্লেছা তথা রাম কিরাতকাঃ ।। তৈ তামস্দিত । দৈন্য বিশ্বানি-্ৰস্য তৎকণাৎ। স পদাতি গঙ্গ नीय न तथ तयूनन्त्र ॥ इंडि त्रामायरा जारिका ७ ॥ निम्ति अनवः श्रू व्याष्टिमूनिः। मर्ट-

ভিধান কারকঃ। ইতি হেমচস্দুঃ।। নন্দিনীসূতঃ পু॰ ব্যাডিমুনিঃ। ইতি জটাধুবঃ/।

निम्बिनः शृ भिवः॥ शकासः॥ श्रृकः। ইতিমেদিনী॥ भिवः। ইতি শদরত্বাবলী॥ श्रानमः বর্षकण्ड॥ निम्बृकः शृ नमीवृकः। ইতি শদ রত্বাবলী॥

नन्ती की पूर्गा। यथा। मूद्राः मू जिहना। एत्वाननिती पून्यू जिर्माण। उपाक्ष वाहिनी नन्ती मेनाज्ञां जिम्हान यदी।। ইতি দেবীপুরাণ।।

मनी भू॰ गर्म जा खर्मः ॥ यह म्मः ॥
इं जि सि दिनी ॥ मियमात्र भानः । म मिया मा मानकारन मूनि भूमः । यथा । जन हि उ भुवक्त ग्रामि भतः खरू व मूक्त । जभ जु खर्म जु मून ती भतः जाव खादा दिवा महि तः । मून्द सुभतः क्षणः धृदा मृद्धि मूथा वर्षा । मानकायन भूभ दः या-गनाया मूभा मुजः । भादा जि उ न काना जि पिक्ष भार्य नाहि जः ॥ माया याग वत्ना (भार्ज क्राक्का दि मूनभा विष्क् । क्षयान् खावाः

ৈচৰ বপুৰানিত্য সমিভঃ॥ সাত্ত নজাযতে জাত মমৈবারাধনে স্থি छः । अथ नन्ती शुरुम्।इ॰ महारा-वाक्कय। मूनि॰।। উ जिक्के मूनिमाम् न मकन एउ ग्रात्रिश । जुम्हिक्शक्रा জ্ঞাতোমি পুগ্ৰন্তে শাধি মাণ পুভো ।। व्या जभः जमात्रक भी श्रांत्रण जम् সূত । পান্ধগানীতি জতো নছ। जम् । मार्गान न कन्छन ॥ विष्ठार्यं । তবাহ বৈ জাতোমি স্বযমেব হি । ইতি বরাহপুরাণ।। 🗱।। সৈব কল্পা-छात निवाः मकनिवास्यू नः शूणः । यथा। अकाश कृषु मनिन यं ननी মহাগণঃ। পুতি স্তস্যমহাদেবো দে-वता नर लिनाक ध्क्॥ रवा ठावा न-मानवः मृज्रुवक्षन मित्र । अज्रुविः সধর্মাত্মা শিলাদো নাম ধর্মবিৎ !৷ व्यात्राध्यन् महारम्यः भूधार्थः वृष्ठ-পুজ'। তস্য বর্ষ সহসাত্তে তপ্যমান-म् विचक् ।। मर्दः (मार्याच विष्ठा বরদোশীত্যভাবত। স ববে বর মী-শান বরেণ্য গিরিকা পতি ৷৷ অ-'বোনিষ্' মৃত্যুভীত তবা চৈবোমবা नमः। उथाख्उार जगवान्तिया नह भरहचत्रः॥ भन्। उ सम्। विभूर्य-

नन्दी वृ রষ্ঠর্ধান গভোবিভু: ৷ততো বিযক্ষ: ॥ चा ज्ञि भिनादा धर्म विखमः॥ हकर्व न्यूक्र त्वाना ही ' जिन्ना मृम् उठ म्माजनः। मञ्चलकाननभूथाः क्रा-तः शृहमिव ॥ ज्ञ नावन्। मन्नम **ভেরসা** ভাস্বন্ দিশ । স্নার ্তুলেণ্ড **ংগু**তিমোনেষগন্তীর্যা গি-রা॥ শিলাদ তাত তাতেতি পুাহ ननरी श्रूनः श्रूनः । ज मृक्ष्मे ननिसनः জাত भिनामः পরিষর্বজে॥ সুনি-**ভ**্যा हर्मयामा मध्य उहा मुम वानि-नः । ইতি कृष्मं ८० णश्रायः ॥ नन्ती नूथी जी जन्तु।। ইতি एक महन्तुः॥ नन्तीवृक्तः शुः काइनातम् शुनिष त्रु-गिक्षिवृक्ष विष्मवः। उৎপर्यतायः। ত্ণীকঃ ২ তুণিকঃ ৩ তুণী ৪ পীতকঃ ৫ कह्नाः ७ नन्ती १ झरठेत्रकः ৮ कासः ৯। অস্য গুণা:। কটু বু॰। তিব্ৰুত্ব॰। শাতত্ব। পিত্ত রক্ত দাহ শিরোর্ত্তি खिर क्षेत्र नामिष्। मूगिक्षव्। भूषि वीर्यं माञ्च्छ । इंडि तान्निर्विः ॥ 🗱 ॥ अथथाकातः कीत्रवान् य-

নাম পুসিদো বৃক্ষঃ। ইতি, তরতং

॥ जुँर इंडि प्राप्ता वृक्त इंडि

किटि ।। उट्भर्गायः । जूनः २ म-

(वज्ञकः २ स्पिः ६ कहः १ कार्यकः ৬।ইত,মর:।। তুণিঃ৭।ইতি ভরতঃ ।। निम्त्कः ৮ क्षिः २ जुन्मः २० निस्कः ১১ निसर्ककः ১२। ३७ मदत्रवावनी ॥ 🛊 ॥ भिष्मूकी वृक्तः। ইতি রবুমালা॥ স্থালী-वृक्तः। ইতি ভাবপুকাশঃ।। नम्रीमः भू नम्री। इंडि एमहम्मुः॥ ভরতোক তালপুভেদ:। যথা। नि॰ इनम्बन नम्बीम हमुविष्य विजी-यकाः ॥ उन्। वक्र १ यथा। रगा वर्ष ली वीषः भू उ खाल नन्ती यात्र मजाः। ইতি সঙ্গীতদামোদরঃ॥ नन्ती थतः श्रू॰ भितः। ইতি भदत्रञ्जा-বলী।। নন্দীশতালঃ। ইতি স की जनारमानदः ॥ मित्रवादशायः। তস্য শিব পার্যদত্ত্ব কারণ যথা। তত ব্ৰেতা যুগে কালে নৰ্মী নাম मरामूनिः। आतिताथियुः मर्व • उभ खिल मूमाकग ॥ उउस जगदान् পুতি ঊষে বিপাৰ শবরঃ। উবাচ **চ वहः माका खम्यिः व्यसः भुजूः॥** वक्षान् व्गी विरशुमु यानिहिन भक्ष मूत्। जा॰ एड मर्बान् भुयहामि मूर्व-ভানপি মারিব॥ ইত্যুক্তানৌ ভ-

शवका भारती मुमिश्क्रव । (भारति वनमः (मवः शुक्र(क्षेनाष्ट्रमाञ्चना ॥ যদি প্ৰীতোসি ভগবৰ অদুকোপ-उर्या सम । अनुगारका करः पर-र्ष्यावनाः जूदािश्य ॥ यथा नात्र ভবেক্তক্তি স্তৃথি নিত্য মহেশর। তথাহ• ভক্তি মিছামি সর্বভূতাশযে ত্ববি ৷৷ এতজু বচন শুক্তা নদিনেঃ স মহেশবঃ। পুহস্যোবাচ ত প্রীত্যা ততো মধুর্য। গিরা॥ মন্ত্রপধারী ম-ভেজা জ্ঞাক: সর্ব গুণোভন:। ভবি-**ষ্যসিনসন্দেহে।দেবদানবপ্**জিতঃ। **অনেনৈব শ**রীরেণ ভরামরণ বর্জিতঃ । मुझालाय मवानाता (दिव नात-শ্বরীগতিঃ।। পার্শ্বদানা•বরিষ্ঠশ্চনা-भकाना॰ षिरङा छम । नन्ती थत इंजि খ্যাতো ভবিষ্যসি ন সংশযংগা অদ্য পুভৃতি দেবাগুও দেবকার্য্যেষু, সর্বতঃ । ত্ব॰ পুভূ ভবিতা লোকে মৎপুসা-मासूनी अत्र न। ज्वारमवाच्छ विक्रि সর্বভূতানি সর্বতঃ। মত্তঃ সম্ভি-वाक्षः भूमाम भार्यमाधिभ॥यद्या षिष्ठि न मार्षि रेख्नामनू नमा मन्। नावरया , तच्चत्र किकिम्बनानिवरया-ु दिन १। बाद्ध जू मिक्त निज्य व्या

নপু•স

स्व भगविभावात्मन विजूता बालि महाकात्वन सर्वमा ॥ ইতি वताह-भूतापः॥
/

नन्तीमद्भः ज्ञी इन्तुमद्भावदः। इंडि

नमर्गावर्कः शृः केश्वत्रमध् वित्मयः।
इंड्रमतः ॥ उम्र नम्नः वर्षा।
मिक्नान्गञानिम वंवः रद्शिकः
मामूथः। शृजनीया खतहायः नम्रा-वर्कः वमित्र उद्या इंडि चत्रु शृञ्ज माक्षः॥ उगत्रक्ष्यः। इंडि विष्यः॥
मद्म्या उम्र क्षित्र विनामिद्धः।
इंडि ताक्षवस्यः॥
इंडि ताक्षवस्यः॥

नशुः नकः क्री क्रीयः। शिक्षि । हेिल ভाषा। हें ज्ञानतः।। जम्य कातः यथा। उन्ध्या वी क्र मानारन्य क्रीयः खिर्म नशुः नकः। हेि म्थाबाधः ।। क्षा। नशुः नक गर्जम्य हिङ्गः यथा। नशुः नकः यमा गर्छ। ভবেদ্ধ र्छ। स्त्रु माकृष्टिः। उन्धर्ण ভवजः भार्षः श्रृतस्त्र मह्द्र। क्षा। नशुः नक विरम्यानाह। আम्मिक् म्यु मिन्न म्यादाष्ट्रं या अभूका खुगमः खेकः

॥ #॥ (ज्याः मक्तनानप्रक्। शि बाज बन्नवीर्याकारामकाः शुक्रामा ভাৰ**ে । म भूकः भागः ब**ज्ज যোনৌ জায়েত সহি সৌগদ্ধিকো च्दर्भि खर र नुक्र हर्या घः श्रीय পুष्रः भुवर्त्व । म बद्धीक इंडि किया अन यानिस म मृज्या मृह्य वर्गान भरारुषा॰ वर्गारंग यः भूत-र्खा व वर्षा करें कि मजू विख्ला मृष्टि-यानिक म मृजः॥ #॥ या जार्गा-্বা মৃতৌ মোহাদক্ষনেব পুবৰ্ত্ততে। ্তৰ জ্ঞী চেপ্তিতাকাকো জামতে শণ্ড ু মুজকঃ॥ ইতি ভাবপুকাশঃ ম नहाः मुर्भि भक्तारवाद्याद्य । मिर्जि িইতিভাষা ৮তথ পর্য্যাবং পৌশঃ ২ मुजमार्गुउ: २। इंजि (इमहमु: ॥ न्धी खी श्रू अकन्रायाः भूभी । ना-जिनी इंकि छाया। उध्वर्यगुरः। ্পৌত্রী ২ সুতার্জা ৩। ইত্যানরঃ ।। নপ্তা ও পৌ্ঞিকা ৫। ইতি রুভদঃ পুরস্য পুর্যা ভাপত্যু পৌরী অত্ৰৰ পৌগোপি নপ্তা। ইত্যার **होकायाः ज़ब्दाउः।**।

নতঃ পু॰ শাৰণনাসঃ। ইতি শব-त्रञ्जावनी ॥ ন্ভঃ প্লী আকাশ । ইত্যমূরঃ।। थुकामिक ममः भयः॥ ॥ यः भूकि । नक्षकानी भूः मिः इः। इकि मद-याना ॥ नज्ञानः शुः भवनः। ইতি ত্রিকাও मियः ॥ নভঃসং পু॰ দেবঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড শেষঃ ॥ নভঃসরিৎ জ্রী স্বর্গস্থা। ইতি ত্রিকা-खान्यः॥ নভঃস্থিতঃ পু॰ নরকবিশেষঃ। ইতি হেমচন্দুঃ॥ আকাশস্থিতে ত্রি॥ नज्यमाः श्र् हन्मुः॥ विवाश्रशः॥ रेनुबान । रेजि मिनी॥ नक्षकार श्रु भक्ती ॥ विन्तायतः ॥ भिषः।। वार्षः। ইতি मिनि।। नज्काकुः शु मूर्यः। इजिमक्नावा নভদ॰ ব্লী আকাশ । যথা। নভদ । খ ्र त्मवर्जा विशायम मिछि निगमः॥ न्छमञ्चनः भू भकी। इन्जानः॥ ॥ मूजम् मूजाया का बाहायां नहीं नजम् भु जामुमा मः। इंड्रांमतः॥ नडमान् श्रु॰ तायुः। इंडाम्बः।। नजार श्रेर श्रीकामानः ॥ व्हनः ॥ मातः ॥ वर्षाः ॥ विम्जन्नः ॥ भन्नाः ।

नंडर

इंडि स्विति। शिवाडमीर्य । इंडि

নভাক ন্থা তমঃ। ইত্যুণাদিকোবঃ 11 নভোগজঃ প্ৰকাশ্ত শেবঃ।

নভোগতিঃ স্ত্রী আকাশগমন । ফথা । পুডীনোত্তীন সংগ্রীন ডবনানি নভোগতেতী। ইতি হেমচন্দুঃ ॥

নভাদুকঃ । ইতি শন্ধ-নভোদীকঃ পুশ্ নালা।। নভোদুমঃ

নভোনদী জী স্বৰ্গজা। ইতি ভূরি-পুযোগঃ ॥

नरकामिशः शृ मूर्यं । इंडि एम-हन्दुः ११

নভোৰুপঃ পু॰ চাতকপকী। ইতি হেমচন্দুঃ॥

শভোরজঃ শ্লী অন্ধকারঃ। ইভি শস্ক নালা।।

নভোরেণু: খ্রী পদ্ধটিকা। ইতি বিকাওশেবঃ॥

न्यानयः शृ श्रमः। इकि नम्बद्धाः वनी ॥

'নত্য' কি নভসম্বন্ধি। নতস্যেদনি-ত্যুৰ্কে ক্যু পুভাগঃ ॥ नगर्भा

नजुष् श्रू (नषः। ইতি रूपहेन्तुः॥ नगः वेऽ नजिः। ইত্যবরং॥ ত্যাপः

श क्उं हिन्नाि हिकार्यः ॥ नगजः श्रु॰ श्रुव्यः ॥ श्रमः ॥ निः । हेन्रुगाि हिकासः ॥

नगमः भू वन्क्वः । ইङ्गारि-कार्यः ॥

নমসিতঃ ত্রি কৃতনমস্বারঃ। প্রিতঃ
। তৎপর্য্যায়ঃ। নমস্যিতঃ ২ অর্হিতঃ ৩ অপচাষিতঃ ৪ অর্হিডঃ ৫
অপচিতঃ ৬। ইত্যমরঃ ।।

नमकातः शृ विवाद्णमः। ইতি नक् जिनुका ॥ निज्योगः । उद् वद् निग्नेका ॥ निज्योगः । उद्व वद् निग्नेका । विष्णवः। ইতি मुक्कावाय जिनावाः पूर्णामाणः॥ आगर्वेजाणि नमसूर्युः मर्वावसात्र मर्वमः॥ अ-जिवामरयिम् उप्नृत्राखी भद्धः। ना भूयजायाभूयज्ञाः। ইতि मुक्कि उद्धः ॥ जिर्या नमग्रा दृक्षाण्य वर्यमाः भूज्ञायाभूयज्ञाः । ইতि मृज्ञ्यभादः ॥ के ॥ रमवः विशुः छकः मृद्धा न नस्मक्ष मञ्जूमारः । म काल मृदः वृक्षि यावहन्यु रियाकरत्रो ॥ व्राक्ष-वृक्षि यावहन्यु रियाकरत्रो ॥ व्राक्ष-वृक्षि यावहन्यु रियाकरत्रो ॥ व्राक्ष-वृक्षि यावहन्यु रियाकरत्रो ॥ व्राक्ष-

यानकीवन भर्ग्ड मन्दि यवानी विर ॥ इंडि कुक्वविवर्स्त है बच थ ७३ ॥ 🛊 ॥ (एवजावजनः मृद्धा मृद्दे। जुमिलन छवा। नमस्रातः न क र्यायः श्रायिक्त खर्वमद्रः॥ मजा-बा॰ यख्डमानाया॰ मियञायञ्चर ह । পুত্যেক্স নমক্ষারো হন্তি পুণ্য भूताक्छ । उभिविमा माम मृद्धा मीधायू कु कारण वैरम् । न म्रांपु নরক যাতি ব্রাহ্মণো যাত্যধোগতি ।। 🗱।। मृत्र 🗷 • जनमथ्र 🗷 • था वस्त • मन-পর্বিত ৷ ক্রোধবস্ত বিজ্ঞানীযাৎ নম-कांत्रक वर्द्धारपट् ॥ 🗱 ॥ शूझ श्रंखा वादि रुख देखनाज्यका बनाइजः। व्यानीः कर्डा नमऋडी উভযো नंत्रकः **ভবে<।।ইতি कुर्यामा**ठन-११ 🛊 ॥ माजूः शिकुः कनीया • म • न नाम वयमाधिकः । नमकूर्गामुद्धाः भन्नी । ज्राज्कायाः विमाजद्र ॥ यमः। चिच्चाप्रयज्ञः পূर्व मानियः न পुराहित । यमुङ्खः ভবেন্তস্য তমান্ডাগ পুপদ্যক ॥ बडीिं कुकरण कुरार बागू दानिंजि রাজনি। বর্জতানিতি বৈশ্যের শ্দে षारताम्। रमयह।। इंडिंगनं नी जेंड्ड् ॥ अ। एकमञ्जि यून्जी नास्ति। (एउड भागरयाः । भवी उ वन्तन

ज्या जरेगा तार मिजियुनन् ॥ वि-(शुर्य) भारगुर्ग मन्रका छिवानन । एकमातियु अही ज जाा धर्म मनू-गत्न। অভিবাদনশীলঃ म्याबिख्य वृष्मत् शर्मे जैश अभावश्खा नामिछ मग्रक् भुगि भूर्यकः॥ चायु जाति।-ग्र मिक्रियं उन्द्रामि शतिविक्किं :। আযুদ্মান ভবসৌনে তিবাচে গ বি-(शांजियानी ॥ अकातकानी माद्मा ए वार्ष्ट्रं भूबाकतः मुखः। यान .বেক্ত্যভিবাদস্য দ্বিজঃ পুত্যভিবা-मन्।। नाजिवाम् । न विमूवा यथा मृ पु खरेंचव मः। नवाख भागिना-कार्य। मूश्रमः गुरुषः खताः ॥ नर्यान नवा न्युडेरवा मिक्शन जू मिक्श । লৌকিক•বৈদিকঞাপি তথাখ্যাত্মি-क त्ववं वा ॥ व्यापनीज यरजा उद्योन **उ॰ शूर्व म**िवामस्य । द्रांचनान् म-ननः शृहर कव्यक् गर्नामयः।। विनाउलक्यः समागम् अनु मीतिना भिव जू। अ ।। अ जिवासनीया अवरवा यथां ।। उभावत्रयः भिज खितेश भाजारेव महील जिशामा जूनः चेनुत ज्ञार्जी माजामर् भिजामरही ॥ वहु बाहा शिक्वान भू भारत धर्माः म्जाः। माजा मेजिन्ही सबी लिखू

র্মাতুশ্ সেদরাঃ॥খন্তঃ পিতামহী ·ব্যেষ্ঠা খাত্রীচ শুরবঃ ক্রিযা • ৷ ইতুকো ্থকৰৰ্গোয় মাতৃতঃ পিতৃতো দিচাঃ াচস্বনুবর্ত্তনমেতেষা মনো বাক্ কায कर्षाजः। धनन् मृक्षे। नमू जिर्छम् जि-वार) क् जा क्ष निः ॥ इ जि क् यं श्वार ১) व्यथायः ॥ 🗱 ॥ व्यथ अक्षया निक गक्तगानि । जित्कान मथ यहेत्कान गर्कान्तुः शुरक्तिनः। मखमडीक मृश्क সপ্তধা নতি লক্ষণ ॥ ঐশানী বাথ कोरवती फिक् कामाथत भुभू जता। পুশন্তা স্থিলাদেচ সর্বমূর্তেম স ब्रा । जित्कानामि वृत्रकाक यमि श्रवनूर्था यहिए। शन्त्रमार भाष् तीः गद्दा व्यवसाः निर्मित्यद्वना ॥ समाज्यामूथः कर्गाट माध्या एव श्रुक्तः। उपा याम् । जू वायवताः गद् क्र्यालु म इिं जि॰ ॥ मिक्र गाहा यवी॰ ,গত্না দিশ-তমাচ শাস্ত্রবীণ ততোপি দক্ষিণ গড়া নমস্বার জ্রিকোণবৎ ॥ ত্রিকোণোয়ে নমস্কার ত্রিপুরা পুীতি मायकः ॥)॥ मिक्नगाबायवीः गञ् ৰাযব্যাৎ শাস্তবী ততঃ ৷ অতাপি দক্ষিণ গড়া তা ত্যক্তায়ৌ প্রবিশ্য চ। অগ্নিতো রাক্ষসী॰ পদা তত-काशुख्याः दिनः। উख्याह उथा-

रायी॰ जुनन वि कि कार्यदः ॥ ষট্কোণো যো কনকার: প্রীতিদ্বঃ निव पूर्णत्वाः ॥२॥ प्रक्रिगामाम्बीः भद्भा जमाम्यात्का मिक्श । भद्भा (यश्रम) नमक्तिः (माक्त्मुः भूकी-र्खिङः॥ ७॥ जक्ट शुरक्षिणः कृत्रा ববু লাক্তি সাধকঃ। কুমন্ধারঃ কু-খ্যতে ংলো পুদক্ষিণ ইতি দিলেঃ ॥ ।। जुका वंगानन द्यान शका-इंज्या नगक्षिः। शुप्तकिनः विना श কুনিপত্য ভুবি দওবে।। দওইভু **छ्राञ (मरेवः मर्बाम**्बोम्सा) भूबंबप्र थ वर्ष्ट्रामी मिथाजा इप्राप्त जू। हिंदुक्त मूखनाथ नामगाइवि-क्निह॥ वुस्तर्क्षिकर्गाज्याः यस्ति न्यानन क्यार के उन्हें हैं है (शुरका नमसाता मनीविजिः ॥५॥ शुरकिन वयक्दा माश्राका कहिना-कृष्डिः। कुमात्रामु । अभ्यानाः विकारि म्धाममञ्ज्यो ॥ म उनु इंजि प्रावी-हिस् स्वाप्त विकृ जुडिमः॥ १॥ नमाना॰ मागरता याम्ग दिशमा वाकारा स्था ा ननीना काइ वी सम्राह्माना जिव स्कर्क ।। नमकात्रयु नार्वम् उद्देश द्धानुः शुन्तम्। एउ। बिकागरिषः नम-ক্ষারঃ কৃতি বাব ত্ ভ কিতঃ ॥ চতু-

র্থন লভেন্ডকো ন চিরাদেব সাধ-কঃ। নমস্বারে। মহাযক্তঃ প্রতিদঃ সৰ্বতঃসদা।। সৰ্বেধানপিদেবানা-भत्म वामि छित्रव। यामावृत्रा নসন্ধার: প্রীতিদ: সতত্ত হরে: ।। भशानाया श्रीिककदः म नमऋत-ণোন্ত্ৰসং।। ইতি কালীপুরাণ ॥ नमकाती औं थरितिका नाकः। ना-জালু ইতিখ্যাত ইতিকেচিৎ। কিন্ত इंडिएन दहा रकारा नक्का नूर जम-का जनकात्रिकि अमित्रिकायाः । সঙ্কোচপত্রী লব্জালুরিতি লব্জা-नूकायाः मठिउ। अक्षनिकम भ-व्यामक्षल नंभकात बाक्षकदार ননস্বারশীলেব নমস্কারী।ইত্যমর টীকাথা• ভরতঃ॥ नमज्रः जि नमकात्रयागुः। यथा। जित्या नमन्त्रा वृक्ताक क्यमा शजूर রেব তাঃ। ইতি মলমাসতত্ত্ব ॥ नगरा जी भूबा। इंड्रामद्रः । 'ন্যসিঠে: বি'প্রিত:। ইত্যার:॥ ন্মিতঃ কৈ জাতন্মকারঃ ৷ ন্মো ংস্কাতইত্যৰ্থ ইতপুত্যৰ নিম্ন-मः। निमिक्ति यथा। जनःनान-**ंग्रामान्न्यम्बरमान्नान्नम्**षाः

কোবা কৌপী রপি নমিত মূর্জা ন शिवजिधेइजि विषयमाध्यना हैकः॥ नमूष्टिः श्रुः कन्दर्भः॥दिरज्जाजनः। ইতি নেদিনী।। স यथा। कनाऽशजऽ मनूनीय ভार्याजीषिक्षमत्वम । ত-স্যান্ত দ্বৌ সুতাবাত্তা॰ সহস্থাকা-ष्रवाधिको ॥ (ब्राप्तः भुम्र ३७ খ্যাতো নিশুদ্ভ শাপরো সুরঃ৷ তৃতী-বো নমুচিনীম সহাবল সমহিতঃ।৷ क्छि कामान (१२ स्रथ)।यः ॥ ममूठिषिहें भू इन्मुः। यथा। विशृश চকে नगू চि षिया वंशी य देश मन्त्रा इ। मर्काप्त कियः। इंडि माघः॥ नमू ि मूरनः शु इन्दुः। इंजान इः॥ नमिकः भू क्षुकः। ইতি जृति-পুযোগঃ॥ সুরপুমাগঃ। ইতি রাজ-निर्घण्डः ॥ नत्माधकः भू नमकादिर्धकः। वाक्रनः । ইতি কাচিৎ শদরত্বাবলী।। নয় গতৌ ইতি কবিকল্পজনঃ।। न्मुः वि नजः। ইजिङ्गायुद्धः।। ন্মুকঃ পু॰ বেতসং। ইতি ভাব-পুকাশঃ॥ নতে ত্রি॥ ন্য ড গতোঁ। ইতি ক্ৰিক্সক্ষ:॥ वयः नुः नीजिः। ७८ शर्यायः। नायः

হণ ইত্যনিরঃমা দূতে বিশেষঃ। ইতি ं व्यक्ति॥ रेनगर्नाप्ति। इंडि एईम-চন্দুঃ॥ ন্যায্যে নেতরি চ ত্রি। ইডি नमज्ञावनी ॥ नगन क्षी ठकः। इंज्यानाः। शानाः ा नी कशुरशाप इंज्रमाष्ट्रात स्निह शु जावः ॥ नयनी जी करीनी। इंडिन यह निपुत्न।। नगमार्जवः शृ शुपीशः। इंडि भदत्रवावनी॥ **व्यूक्ट्यदम्**। नयरमाशाः शुः प्रशाकः। इंडि ताकिनिर्वन्छैः ॥ नगतोषध क्षी शृज्ञकात्रीतः। ইতি (र्गम्युः॥ नग्भीशे जी अडेकाद्र । इक् इंडि ভাষা ৷ ইঙি ত্রিকাণ্ডশেষঃ ৷৷ नयदिमात्रमः शु नोजिमाज्ञङः। ্যথা। বাড্গুণ্য বিধি তল্পজ্ঞোদেশ ভাষা বিশারদঃ। সান্ধিবিগুহিকঃ কার্য্যে রাজ্ঞা নয বিশারদঃ॥ ইতি गाटामा ४२ जवागः॥ नत्र॰ द्वी त्रामकल् त्रज्गः। ইতি (मिनि ॥ मद्रः भू भन्य है। इंड भ्रद्रः॥ भूक्यः।

इंडिजा जनिर्घणेशा विक्था जर्म् नहा

्रेजि मिनि।। मनुः। इकि नीमाः ব্ৰকীনা 🛊 ॥ অথ নৱজন কারণ । পিতুঃ শুক্রোন্তরোনরংবা অন্য 1 ् वियमायाः जिल्लो किछः वर्गाची-জন্ত কৰ্যকা•।সমাযা•পুৰুষ• নূন• কেচিদাভূৰ্মনীবিশঃ॥ইতিসুখবো-श्वः॥ 🛊 ॥ छजूतमी जि लुकारस्र शा ক্রমা তৎপর নরঃ। 5তন্ত ব্রাহ্মণ শ্চস্যাদভব নাত্র সংশ্বঃ॥ ইতি शास्त्राख्त्रथाख ४० ज्याग्यः॥ নরকঃ পু॰ দেবরাত্রিপুভেদঃ।ইত্যু-ুণাদিকোৰঃ ॥ দৈত্যবিশেষঃ। স পৃথিব্যা গর্ভে বরাহ দেবাজ্জাত:। যুপা। রজয়লাযা গোতায়। গর্ভে বীর্য্যেণ পোত্রিণঃ। যতে। জাত স্ত-তো ভূতো দেবপু্গোপি সোৎসুরঃ 11 🕸 11 जन्य नाम काइनः यथा 1 মানুষম্য শির তত্ত মৃতস্য প্রাপ্য वानकः। व भित्र छ्व विनात्रः कृषः छाञ्चो ऋगः जना ॥ नद्रमा शीर्ष ब निर्दा निधाय इंग्जिंगन् यजः। তমান্তন্য মুনি শ্রেষ্টো নর্ক নাম रिव वर्षाए ॥ भग्ना ना ना ना ना া শ্রীভগবানুবাচঃকরতো্যালত্য গঙ্গা পূৰ্বভাগাৰৰি প্ৰিকা ৷ বাবল

বিভকাভান্তি ভারদেশ পুর বর। ॥ अब (एवी अङ्ग्लाम्स (बाध निम् बग्ध शुमृः। कामार्था क्ल मानाय সদা তিষ্ঠতি শোভনা ।। অবাস্তি नम्बारका १य॰ स्मोक्रिक्त वृक्तनः मुजः। व्यक्तिव एम् रिक्शालाः स-ষেপীঠেবুরহিতাঃ।। অত্র ম্বৰ মহ। अस्ता तुकारि।इक्ष्म इन। हन्मुः मूर्य। **" । मञ्ज वमाज इतिव भू धक।। मर्ख** कीषार्थभाषाजात्रुगुः ४ मभूखमः ! অত্ৰ শ্ৰীঃ সৰ্বতো ভদু ভোগ্য মত স দা বহু॥ অতৈবহি ছিতো বুন্ধা পুাত্ন क्व॰ ममर्ब्बर। उठः शुरशुराठिया-থ্যেষ পুরী শকপুরী সমা ৪ অত্র ত্ব-বস ভদুন্তে হৃতিবিক্তো ন্যা শ্ব্য-१ क् उनातः मश्मारिका ताला ज्वा महावज्ञ ॥ 🗱 ॥ जन्य महियी गाय। যথা। ততো বিদর্ভ রাজস্য পুত্রी॰ गागाश्वराः इतिः। भूभार्थं वत्रया-भाग नबक्त्र भमार ब्हेराः ॥ ज्यम् षाक् क्वीत्कन समिन् भूत्रवात स्य॰ । जया नमः च जनयः त्राकत्त्रनाञ्जरयः **हर** ॥ 🛊 ॥ उन्र भूम यथा। श्रु मञ्जाक जायायाः कारवान नत्रवः के-गाए। जगरक गरामीय गरवस नुभाजिन ।। ठळात्रा अन्यामान श

थाः छ। फ किए । यहा महाम् बङ्गवीर्गान् (स्रेयज्ञीन) प्रायमान्।। इंडिकानीश्वारा ३३ वर्गयः॥॥॥ क्षेत्रकृष्ट्रानः। उद्भग्रायः। नात्र-়কঃ ২ নিরয়ঃ ৩ দুর্গতিঃ ৪। ইত্যমরঃ ॥ ॥ नत्क जिल्या यथा। उत्पादक् নরকাঃশক্রেট্যঃপঞ্চাশ নানতঃ। চলারি শঝ্ত তেয়া পুধান তরি বোধত।।উন্মোদ্ধে পাতালেকালাগ্নি क्रुन्। भूतारक्ष्या अवीहिः क्रिंछ-ক্যুন্চ তথা বৈতরণী মহান্। কুটশা-नानि कहु। म यूग्र भई छ (दो दर-॥ निक्हा गः श्रिभाः ग उधना का हि-उ क्ला करहर उथा शह क्री-यम मुजाशिवः॥ भृजिभूवं ख्या सम তম্ৰ কৃষির বসা। তামির স্থপ-जु ७ क जीका मिक्स मुश्मकः।। (बोह ভঞ্জবেশ ভীমা অকার রাশিকো-शक्ति। बद्धीशाकः कृतस्त्रदाः गः छी-বন সূতাপন ৷৷ কালসূত্র মহাপঞ্ শীতোক কুরদেবদা অমূরীক তথা কোর মহারৌরপ সংক্রক:।। স্চী-मूर्थक्रवक्र ठिनः उधवर् रुपा। অসিণত্ৰ তথা শত্ৰ ভূমিৱাগপ श्राजिका ।। इंजिएकी भूजान ।। 🛊 ॥ । नद्रकामा भिर्ता युवा यस प्रेयान। नग-

इंडि नता यात्रान् वहरवा १४म निर्मि जान्।विधाः क मूबक् खब्लाने विख् ज-পোধन।। विख्रातन जू उद गई पुरीमि মুনি সভম। শ্ৰযতা তথ্য ভাগ नुजा हित्वाभिशात्रम् ॥ नानिहिष्ठेषत्रकः याि न मर्भुबी न ज्यिमः। मृत्रक नं जनवीं ह (तमानिष्यंत भारत्यः ॥ পতিবুতান গছন্তি সত্যবাক্যাক যে ' নরাঃ। অজিতা শ্চাশঠাশ্চৈব স্থামি ভিকাশ্চযে নরাঃ।। তিল•গাশ্চ হির-ণ্যঞ্চ পৃথিবীঞ্চাপি শাস্থতী ৷ ব্ৰাহ্ম-ণেভ্যঃ পুযছন্তি ন গছন্তি ন সংশযঃ। बरात्र नित्रका राष्ट्राः शतरात विव-ব্দকাঃ। সর্ব ভূতাত্ম ভূতাক সর্ব ভ্তানুক পকাঃ।।ন গছন্তি তু ত দেশ পাপিষ্ঠ তম্পাবৃত্ত বাতনাছান मःभूर्गः हाइ। भु जिज्य सनः।। ज्ञान-বন্তো দ্রিজাবেঁচ বেচ বিদ্যাপর গতাঃ া উদাসীনা নগছন্তি স্বান্যর্থেচ ইতা-নরাঃ ৷৷ নগছভাতে দীতারঃ সর্বভূত হিতে রতাঃ ৷ শুশুবকা মাতৃ পিত্রো र्न गहुं डि नेंग नेवः ॥ व्यक्तिनेका नेश-**ছিন্তি বুন্দচর্য্যব্যব্**ছিতাঃ। পতিব্রতা দানবন্তো দিজভক্তাশ্চ যে নরাঃ।।।। কাঃ সহ্বিভেতারঃ পর্যভূপেজীবিনঃ माथाक मक्यानाक मक्याकिन क बह । त्यं क्यांना क्या त्य ह त्य विका

व्यक्तिश्वाश्वाः । एकिछान् भागान् कृष्ठितात्मीनयक्तिजाः। निष्ठाचार्गा-यित्नामाञ्चाः मना मञ्जामाद्य नद्रीः॥ गानरान् भूबयस्य दि व्यावाजादन ভাবিতাঃ। অপৰ্ব মৈথুনা যে চ ৰগ-इडि विकाखगाः॥ दाक्तना व्यमप्रव-क शानु विश न मन्यरः 🏋 नित्रामाः সর্কামেভ্যো নিরাশার্ধ সুজিতেন্দ্রি-যাঃ ৷৷ ন গছন্তি হি ত ঘোর যত্র তৈ পাপকমিশ:। ইতি বরাহ পুরাণি ॥ 🗱 ॥ नज्ञकंशामित्ना यथा । नाज्ञम उवाछ। मुक्क्यांगालि वक्कामि नतकः रियः भुयास्ति हि । मर्खायुव जू का-র্যেরু দেব প্রেবু ভূমিপ ॥ হন্তি श्यान् भण्न क्र ज्ञान वाकागाठि-कमः क्ञः। छईर्थः वा ज्याईः ।वा वर्द्धियां मरीभाउ । य १न्उ "क-থ্যন্তিম তে বৈ নির্যু গামিনঃ।। পু-পাণাঞ্চ সভানাঞ্চ সংক্রমাণাঞ্চ মা-রিব। জাগারাণাঞ্চ ভেক্তারো নর। নির্বি গামিনঃ !৷ যে পরস্বাপিইন্টারঃ भत्रवानाक नामकाः। मूंहकांक भ-রেবা॰ হি তে নরা নরকানুগাঃ॥ সূচ-া অকৃতজ্ঞান্য মিত্রাণাণতে বৈ মিরব भामिनः ॥ भानुः भूनकार्ष्कित् ज्ञन-

वानाक म्यकाः। (य शुज्रविश्वारेण्य তে বৈনির্যগামিনঃ।। বৃত্তিছেদ • গৃহ-ह्रमः मानहम्य शार्थित। भिवहमः তথাশাযাঃ কৃত্বা নরক ভাগিনঃ ॥ বিষম ব্যবহারাক বিষমাকৈর বু-कियू। लाउंबू वियमारेकव नता नि রয় গামিবঃ।। কৃতাশ কৃতনির্বেশ কৃতভক্ত কৃতশুম। ভেদৈ থে ব্যপ कर्यक्षि তে বৈ निर्देश गामिनः॥ मृऽञ স-ব্যবহারাশ্চ নিম্নরীক্ষাশ্চ নান্বাঃ । পু। ণিহি॰ সা পুরুত্তাক্ষ তে বৈ নির্য গামিনঃ ৷ বেদ বিক্রযিণ কৈচব বেদা-'নাঞ্চৈব দূষকাঃ। বেদানা কেথকা-रैक्टर उटेर नित्रय गागिनः॥ किन বিক্রায় কারাজন্ বিষ বিক্রায়কাশ যে। ক্ষীরবিকাযকা শৈচবতে বৈ নির্য গা-निनः॥ ठाजूतानुम। वाशाक नुजि-বাহুশক্ষেনরাঃ।বিক্শভিক জীব স্তিতেৰৈ নিরয় গামিনঃ ৷৷ ব্রাহ্মণ্যানা∙ || গবাঞ্চৈব কন্যানাঞ্চ মহামতে। যে-স্তর-যান্তিকার্য্যেষুতে বৈ নির্মণামি - || नः ॥ भाजविकायका रैक्टर कर्खातक নহীপতে। শল্যানা প্ৰব্যাঞ্চিব হে रेव निजय भागिनः ॥ मिलाভिः म-স্কৃতি ৰাপি শ্বলৈ ৰামনুজৰ্মত।যে-নাৰ্ক মূক মুক্তি তেবৈ নির্য গামিনঃ

৷৷ অগোপ্তারক্ত রাজানো বলিষভাগ তন্ধরাঃ। সমর্থাশ্চাপ্যদ্যতারস্তেরৈ नित्रय शामिनः॥ भाषान् मासान् পুद्धान् नीर्घकाल मरहाविजान्। जुरु জিঙি কৃতকৃত্যা যে তে বৈ নির্য গা-निनः॥ वालानाम्य वृक्षानाः मामाः नारिकद (य नद्राः। अम्ख्रा ज्यन्यस्त्राः তে বৈ निव्रय भागिनः॥ ইত্যেত क्थिज नाइन् धर्माधर्म विनिर्गर । विगृष् शुक्षः कर्य धर्मामव नमाइ-রে ।। ইতি পান্মে স্বর্গথণ্ডে ৩৪ অ-খ্যায়ঃ।। 🤻 ।। নরক বিশেষ গামি-পाপिনा यथा। कृषेमाकी उथा म-ন্য স্পক্ষপাতেন যো বদে । यन्छा-ন্যদন্ত বক্তি সনরো যাতি রৌরবণ ॥ जुगरा भुतर्खा ह (गाम्न मूनि-সক্তন। যান্তি তে নরকেরোধে যশ্চো-हु।म निরোধকঃ॥ সুরাপো বুক্ষহা-হ ভা সু বর্ণস্চ শ্করে। পুযাতি নর-কে যশ্চ তৈঃস**্স**র্গ মুপৈতি বৈ ৷৷ রা-জন্য বৈশ্যহা তালে উথৈব গুৰুতন্ন-গঃ। তগুসম্মে মসাগামী হন্তিরাজ ভটা॰ म यः ॥ जाशी विक्यक्षश्र-भांनः किमाति विक्यी। उक्षामार जू পচ্যমেশ্চভক্ত পরিত্যরহাতে কে-শরী অশঃ > শু ষা পুতাঞ্চাপি গড়া

মহাজ্বালে নিপাত্যতে। অবনতা ও ॥ क्षा॰ या यन्त्राकाष्ट्री नहायमः ॥ विष्मृष्यिका यक्त विषदिकायककः यः। जगम्रा गामी यक्तम्राः ख याखि সবন•দ্বিজ্ঞা চৌরো বিনোহেপততি नर्गामा मृषक खथा। एत पिछ शिज्न দ্বেষ্টা রত্ত্ববিতা চ यः॥ স বাতি कृभि ज्या देव कृमी ल ह पूर्वि हेक्ट । পিত্দেবাতিথীন্ যন্ত পর্যশাতি ন-त्राध्यः॥ नानाज्यक म याजूरण् नत কর্ত্তা চরোধকে। পের্যন্ত্রাতি পরিত্য: জ্যপাদৌ ভুড্কে) করেগতি কর্ণিনা যস্ত যস্ত খ্যাদি কৃষরঃ॥ পুযান্তি তে বিশসনে নরকে ভূশদাক্রে। জ্ব্ত পুতিগৃহীতারো নরকে যাস্ত্রধোন্বথে ৷৷ অ্যাজ্য যাজক স্তত্ত্ত্ত্ত্ত্ত্বানক্ষত্ত্ৰ সূ চকঃ। বেগা প্যবছকৈকো যাতি নি-क्षेत्रचूर्भवः ॥ (दिगी नार्भकाती) रू भारीन् वर्ड्डियदा अक अव निष्ठाम-**ভূক্) वाका ना•म तमानाक ভिना-**না॰ লবণস্য চ। বিক্রেতা ব্রাহ্মণো यां ि जानव नत्रकः विकास नार्कात मकू हागान् य वहा इ विक्क्नान्। পাল্যমরক থাতি তমেব দিভসত্তম ।। त्रामा की दी रेकवर्जः मखामी ग-अन खथा। मृही माश्यिकरेन्हव भई-

কারী চ যোছিজঃ ॥ং পত্যৌ জীবটি লারাজ্ঞাতঃ স্বণ্ড: তদম ভোগী (नाहित्या नहित्वाभकीवी। यहा। মহিষীতুক্ততে ভার্য্য ভগেনোপা-হ্বিত খন ১ উপজীবতিয় স্তস্যা: স বৈ নাহিষকঃ মৃতঃ॥ইতি মৃতিঃ॥) (शर्वकाती श्नामित्नाम् जनाशर्वम् व्यमावाम्यापि किया नुदर्खकः। वा-গারদাহী মিত্রই শান্তনি গ্রান যা-জ য়ঃ। কৃধিরান্ধে পতন্ত্যেত সোম বিক্রীণতে চ বে ।৷ নধুহা গ্রামহন্তা চ ষাতি বৈতরণী• নরঃ। রেতঃপা-नारिक खीरता नर्यप्रामा ८ छ मिनम्ह रय।। তে কৃষ্ণে যান্ত গুলীচাশ্চ অহকাদ্ৰী-বিনশ্চ যে। অসিপত্র বনংযাতি বন-हित व्रिथव यः ॥ छेत्र जि्रका नृगवता-स्था वश्किष्ण পত्रि वि। याख्य ছিজ তবৈব যক্ষাপাদেক বুবক্লিদঃ॥ वु उत्र (नाभरका यक सामुना षिठू। उ শ্চ বঃ ৷ সন্দ[্]শ যাতনা নধ্যে গতত ন্তাবৃপি ॥ বিবায়শুষু স্বন্তি যে নরা ব্রহ্মচারিণঃ।পুলেরধ্যাপিতা যে চতেপতম্ভি শভোজনেয়া এতে চা-ন্যে চ নরকাঃ শতশো ২থ সহসুশঃ। যেৰু দুষ্ত ক্ৰমাণঃ পচ্যন্ত হাতনা গ-তা: ॥ তথৈব পাপান্যেতানি তথা

र्मानि जर्जुणः। जुङ्गुर्छ यानि श्व-यि नेव्काष्ट्रतः गाहितः ॥ वर्गामुम विक्षकि कर्ष अर्वे छि (य नत्राः। कर्मना মনসা বাচা নির্যেষ পত্তি বৈ ॥ व्यथः मित्ना जि मृभाउ नातरेक र्मित (रवजाः। रिवा कारशाम्थान् न नान कर्मा हि नातकान्।। स्वत्ताः কৃনযো ব্রাশ্রপক্ষিণঃ গশাবা নরাঃ। ধার্মিকা ক্রিদশা তদ্বী আরিকণশ্চ যথা কর•॥ সহসু ভাগপুর্থমা দ্বিতী-যানুক্ৰমা তথা। সর্বেহেতে মহা-ভাগ যাবনু ক্তি সনা শুষাঃ॥ যাবস্তো **इ. छवः ऋर्ग्ग** जादाङा नज़रकोकमः । শাপকৃষাতি নরক পুষ্যিত প রাদুখঃ ৷৷ ইতি বিষ্ণুপুরাণে দ্বিতী-यि भा अथुनयः ॥ 🗱॥ अभिह। कथ्यामि विविद्यानाः कर्मनाः विवि-ধা গতীঃ। তাঃ শৃণুষ মহারাজ যাঃ पुत्रा (माक मात्रु या ८ ॥ शत्रुविख॰ পরাপত্য কলত পারকঞ্ধ যঃ। হর-তে বৃদ্ধি মোছেন সোম্ভে মৃত্যু বৃশ গতঃ ৷৷ কালপাশেন সংবক্ষো ব্য-দূতৈ মহাবলৈ:। তানিসে পাত্যতে তাৰৎ যাবদ্বৰ সহসুকং॥ ভত্ৰ তাডন ष्क् यः अवंखि यमिक स्ताः। भाभ ভোগেন সমাত্ত স্তাতা যোনিস্ত শৌ-

कती।। তত্ৰ ভূজ্। महादूः थः मानुषषः গনিষ্যতি।ব্লোগাদি চিহ্নিত তৰ मूर्यः न। ज्ञानक अक ॥ ज्ञान् ।। ज्ञान् ।। ज्ञान विश्वारेयवः किवनः सम्बद्धिकः। शुका-তি পাপনিরতঃ সোদ্ধতানিসুকে প-) তেখাবে নরাইহ জন্মা•বধ্ব দর্মন্ত বৈন্যা।তে রৌরবে নিপাতঃ ছে খা-म् प्रस्त क्कि रिष्टः ॥ यः स्वानतार्थः ভূতানা॰ বধ নাচরতি সুটি । মহা রেরবসংজ্ঞে তুপাত্যতে স্থনাজ্ঞ-्या ॥ त्या देव निजन्न जनकः वाक्रानः (इडि भाभक्षा कानम्
म् । कानम् দুষ্টে যোজনায়ত বিভ্ৰতে ॥ যাবৃত্তি পশুরোমাণি গবা ছেষ করোতি যঃ ৷তাব্ধর্যসহস্থাণি পত্যতেম্ম কিন্ধ-रितः ॥ या ज्यो ज्षि ज्वा रखा-যোগ্যন্ত মণ্ডবেৎা করোতি ব্রাহ্মণ-मािशि (पृष्क्षि विकाल्यः। मण्-कत्र मूरिच मूरिक्षेः शीउप्रज समकिक-दिः॥ शन्हामुद्धाम् (यातीव् जायर भाभ जुक्त्य । <u>नामः</u>गानाः गवाः य ভূ দুব্য• বিত্ত• তথাল্পক•॥ কৃব্তি•বা गृङ्ख भाराञ्चलाञ्च व वनामताः ৷ তে পরত্রান্ধকূপে চ পাত্যন্তে চম-रामिजाः॥ यार्थः ययमुभार्ठ। मधु-त्रकाखि लालूभः। न प्रवाय न मूक्टर

হদাতি রমনাজুর: 11 স পততে ব নরকে কৃমি ভোজন সংজ্ঞকে। অনা-अपि नाहा यस हित्रगानीनशास्त्र ।। दुक्तसःवा महापृष्ठेः म मः भ नत्रक शहर। यः ऋष्य : भुभूका जिनानाः कानां मृष्धीः ॥ मनमा कङ्गिजः দুব্য বিদুষে যোদদাতি ন। সপুনান্ন-ंत्रकः याजि याविष्मुग्राम्हजूर्मम ॥ शन्द्राम् शामीयू कायं वर्ग-नक्तः। मानानि वाज्य मञ्जा भूनः **मूर्त्का** ভবিষ্যতি।। বাচা দন্ত মনো मख गिछि नाश्- वरमधि । कम्मास পিতর শুস্য নরকাষ সমুৎসুকাঃ॥ বাচা দত্ত মনোদত্ত দত্ত পাণি স্ব-**(भारक•। अउम् ख मम्ख• म्रा**८कि-बा मू ८ भा हेरय प्रमा ।। मं या छ । ए তৈলতণ্ডে সম্ভীপাকেতিদাৰুণে । যো নগম্যা প্রিয় মোহামোষিভা-वाह कागराए।। उ॰ उया किन्नताः শূর্য্য পশ্লিবদ্ধ**ঞ্চ হার্তে।** যে বলা- " षिन्मर्यतामा ज्लुम्मिखि स्वतामा जाः॥ তে বৈতরণ্যাং পতিতা মাংস শো-क्षा उरा शाईइ। माहत्त्र ।। भूया-দে বিপ্তত্যে নহাদুঃখ সমন্তিঃ। व मञ्जानानुमस्य रेन ध्र्वा (माक्न)

বঞ্চনে।। বৈশসে নরকে মূঢ়াঃ পত্রি যমতাডিতাঃ। যে সবর্ণা॰ ব্রিস্॰ সূচাঃ পায্যম্ভি মরেতসং॥ রেতঃ দল্যাসু তে পাত্যা রেতঃ পানেষু তৎপরাঃ । य को इ। वहिना मुर्डी गतमा गुम **नु**ष्ठेकाः ॥ সার্মেযাদনে তে বৈ পা-ত্যন্তে পাতকাবিতাঃ ।/কূটসাক্ষ্য वरञ्जा भुक्षः भाभगम् जः॥ भा-রকীযন্ত দুব্য যো রক্ষতি পুসভ वनी। त्या वीहि नद्राक शाल श-বায়কুঃ পতত্যধঃ ॥ তত্র দুঃখ নহ-खुका भाभिष्ठा॰ यानि मानुः इट । या नति। तमनाश्वामा ८ मूद्राः शिव्छि मृष्धीः॥ जम्मायगि लाइमा तमः পর্মাস্য কিঙ্করাঃ। যো গুরুনব্মন্যেত স্ববিদ্যাচার দর্পিতঃ:৷ সমৃতঃ পাত্য-**७ कातम** जिल्ला १ था पूर्यः भूमान् । विश्वामघाउ॰ ऋर्बन्डि (य नद्रा धर्म নিষ্কৃতাঃ॥ শূলপ্রোতে তুনরকে পা-ত্যন্তে বহুয়াতনাঃ ৷৷ যৈ ন শুক্তা রাঘ **কথা ন পরোপ**কৃতিঃ কৃতা ॥ তেষা॰ সর্বাণি দুঃখানি ভবন্তি নরকাভরে। व्यव यम्। मूथः ভृय सम्। द्वा देजी-র্ব্যতে। যে দুঃখিনো রোগযুতা নর-কাদাগতান্ত তে ॥ ইতি পাদ্মে পা जानचर ७ ८৮ जधायः॥

77	4	1917	
नंब्कप्रख क्री या	তনাস্থা	ন-। তম্পা। যম উবাচ। নরকাণাঞ্চ ক্রঞানি স	ाडि
नोच् বিধানিচ।	নানাপু	রাগভেদেন নামভেদানি তানিচ॥ বিস্তৃতানি গ	डी-
नानि क्रमनानि	ठ जीवि	না। ভযক্ষরাণি ঘোরাণি হে বৎসে হৎসিত	1नि
		নি সংযমন্যাঞ্চ সন্তি চ। নিবোধ তেষাং নামা	
		॥ इंजि.तुकारेवबर्ल्ड शुक् ठिथर ७ २१।२४ अ४ ऽ१य	
তত্রনরকঙ্গ ও		পাপভেদাৎ সভ বিশেষ গামিনঃ	
वश्चि ५	*	কটুবাচা বান্ধক দঞ্চকুৎ	5
তপ্তস্ত ও• 🔪	4	ব্ৰান্ধণাতিথি ভোৱনাপুদঃ	২
कात्रव ७	3	निविष मितन वाज कात मःयोजनः	3
विदेश ७	8	'বুন্ধ বৃত্ত্যপহারকঃ	8
मूबर्थः	œ	পরতভাগ- খনিত্বোৎসর্জ্জকঃ	¢
श्लियाक ७॰	৬	একাফী মিষ্ট ভোজী	3
গরহ্ব ও॰	4	পিতৃ নাতৃ ভক ভার্যাদ্যপোষকঃ	9
দ্বিকাসও"	ь	অতিথি দৃষ্ট্বা বক্রচক্ষুঃকারী	ъ
বসাসও•	2	बिल्याय मञ्चा जम्द्रवर मन्द्रिय माजा	3
শুক্রস্ত্ত• .	>0	পরজীগামী পরপু-গামিনীচ	20
অসৃক্স ও•	>>	গুর্বাদি তাডক শুদুক্তপা তকারক ক	22
অশুক্ত ও	25	হরিসকীতে কদ্যায়ন্দ্রদভক্তোপহাসবৃ ৫	75
गावनवञ्खः	20	শখদশুদ্ধ চিত্তঃ খলতাকারী	35
কৰ্ণবিট্ৰ ও	38	বধিরোপহাসকৃৎ	78
मक्लम् ७॰	26	লোভাৎস্ব ভোজনার্থ• জীব হস্তা	36
মা•সঙ্গণ	70	অর্থ লোভাৎ কন্যা বিক্রাধকঃ	19
নথন্ধ ও	79	לישני בי שישים בי שישים ובי מישים לי	59
लामक्ष.	26	न्याकाभवाभाषियू मण्यम जागी	74
কেশহণ্ডে	72	সকেশ পার্থিব শিবলিক ছিকঃ	35

নর	T	লয়ক	
নরকঙ্গ গুরামানি		পাপভেদাৎ জও বিশেষ গামিনঃ	
অছিল্ও•	2.	বিষ্ণুপদে পিতৃপিণ্ডাদাতা	' ? •
তামুঙ্গণ	22	শ্বরিশামী	रऽ
लोश्कु ७॰	২২ ′	পভসাতা থবীরযো রমভূক্	२२
তীক্ষকণ্টক্ষণ্ড•	২৩	কটুবাচা স্বামিতাডিকা [`]	২৩
বিষন্ধ ও॰	28	বিষেণ জীবন হস্তা	२8
वर्गञ ७॰	30	मधर्मश्खन (দবদুব) म्मर्गक्	20
তপ্তসুরা ন ণ্ড•	२७	শূদ্যনুক্তাতঃ শূদামভোজী	२५
পুতগুতিলম্বণ	29	मर्खन वृष्ठाएकः	২৭
अ खम् ७•	24	স্বন্ত লৌহ বডিশৈ জী বহন্তা	24
কৃমিঙ্গ ও॰	रु	মৎস্যা ভূণিপো বৃথামা সহরের নৈবেদ্যভূ	क्रञ
भ्यञ् ७.	90	भू मुगाकी ত ्रभाष स्क् उहवना शिष्ठ द्वाञ्च	1:00
जर्भ म ७॰	3)	শিকৃষ্ণ পদচিহ্ন মন্তক্স্য সর্পস্য হন্তা	cc
नमञ्ख•	20	विधि पञ्च कृपुजस रसा	ं
मः भन् ७	23	विधि मच्ना कीव इंडा	22
গরলঙ্গ ও•	28	मिक्का॰ रेषा मधुगु। शी	28
वजुन-ध्रुव-ख-	SC	वम्खा विशुरयामं खक्ट	20
বৃশ্চিক্স-ও•	25	, वर्षानाजार भुकाम ७क्ट	25
শরক্ত:	90	Among out to the first the state of	09
म्वज्र ७ •	40	শেত্রধারী ধাবকঃ সন্ধ্যা হরিভক্তি হীনক ব্রাহ্মণঃ	46
খ্ৰুস ও॰	22		22
গোলস্ও•	8.	यद्गात्वा कात्रायाः भुकावन्तनकृष्	80
নক্তস্ত্ত '	82	জলাদুখিত নকাদি হস্তা	82
কাকক্তণ্ড•	83	कारमन भन्नजी वकः ल्यागुरामा पृष्टी	8
जकानज्ञ ७	80	ৰণ্চৌর:	80

ं नेब्र	*	নরক	
नर्कत्रथनामानि		পাপভেদাৎ কণ্ড বিশেব গামিনঃ	
वाडोक्ख॰	88	তামু লৌহ ঢৌরঃ	88
বজুপণ্ড	8@	म्ति (नवुन्द्र) (महोद्रः	98
उधनामानम ७	83	দেব দ্বিজয়োরৌপ্য গোবস্তাণা চৌর:	85
তীক্ষপাৰা পৰ্তত	89	দেব দ্বিজযোঃ পিত্তল কা স্য পাত্র চৌরঃ	89
नानाव ७	86	বেশ্যামভুক্ তদৃত্তি জীবীচ	84
मनीव ७५	82	सहरमवी मनीकीवीह वृश्वितः	82
চূ र्गञ्र ७॰	C.	দেব দ্বিজযোঃ শস্য তাদূলাসন চৌরঃ	©
চক্রমণ্ড•	co	বিপু দুব্য হত্ত্বা চক্রকারী	69
বক্স ও	œ2 .	বিপু বান্ধবয়ো ৰ্বক্তাকারী	æ
क्रम्बर्ड-	CD	হরিশ্যনে কুর্মমাণ্স ভুক্ ব্রাহ্মণঃ	co
জ্বানাস্ত্ত•	89	(एव विकरण वृं ठ ठिलाहि इंट	89
ভষাস্থ্ৰ•	20	,	22
म्क्र ७•	৫৩	দেবদিজযোধাতী শৃন্ধতৈলদুব্যাণামপহর্তা	es
उधम्मी अख॰	69	বল খলত্বাদিনা পরভূমিহরঃ	69
অসিপত্ৰজণ্ড•ু	ap	व्यर्थ लाভाट थरतन बीविरह्मी नत्रयां ीह	ap.
क्त्रभातक ७	¢5	शुभ नगतामि मारुक्ट	¢9
ज्हीम्थक ७॰	Só) शत्रकर्ण मूथ मद्भा शत्र निनरकः शत्र दिन	•
		्रभाषी (यम युष्क्रण निनम्कन्छ	5 •
(गाधाम्थञ्खः	92	গৃহ ভিজা বস্তু গো ছাপ মেব চৌর:	53
নকমুখসও•	৬২	मामाना पुरा कोतः	કર
गबर भन्न ७॰	33	গজ তুরগ নর চৌরঃ	50
গোমুখন ও	98	कणिवंद्भावाद्रकः	58
		(गा की जिक् जुन तुक्त र गम्। गामी मीक	
मसीभाकम् ७	66.	नका हीन डीर्थ भुजिगाही गामगाबी (प्रव	i:
		শু দুস্পকারে৷ ব্যলীপতিক	50

नत्रकन्धन्त्रमानि		পাপভেদাৎ হও বিশেষ গামিনঃ	
কালসূত্রপণ্ড॰	৬৬	বেশ্যামভুক্ তৎসংসগী চ	৬৬
প্রটোদসও•	৬৭	क्रमहो पि ये एवं ने जा गानी विकः	৬৭
ञ्क्छम्म ७•	34	চন্দু সূর্য্য গুহুণে নিষিদ্ধকাল ভোজী	34
পা॰শুভোলক্ও•	৬৯	একমৈ বাক্ পুৰত্ত কন্যায়া অন্তেম দাত	1 53
পাশবেষ্টস্তত্ত	90	म् जाश्रहाती	90
শূলপোতসও•	97	অভক্ত্যা শিবলিঙ্গ পূজ্কঃ	97
পুকস্পনন্ধ ও	92	বিপু দঙ্কৃৎ তৎকম্পক্ত্যদাখ্য	92
উল্লামুখন্বগু•	ep CP	गरकाश्वरमा यागिनि करूपामिनी	90
অকুপস্ও•	98	म् षु ভোগ্য व्यक्ति।	98
বেধনক্ত ও	90	(वन्ता। नाह शक्ष यह भू गमना खरि	. 90
मखठाउनमख•	95	যুষী। সাচ সপ্তাষ্ট পু॰ গ্যনান্ডবতি	43
কালবদ্ধস্ত ও	99	মহাবেশ্য । সাচাষ্টাধিক পুণ গমনাজ্ব	ত ৭৭
(म्हर्क्ष्ड-	96	জলটা। সাচ পু॰ দ্বয় গমনান্তৰতি	96
प्रत्यक्र ७•	92	रिम्रतिगी। व्यली। जाठकः भू॰ गमना खर्ना	ত ৭৯
শোষণঙ্গ ও•	50	श्रे।। शु भन्नी। माठ विशु गम्ना छवरि	
ক্ষম ও	67	नवर्ग भव्रमात्री	67
ज्बन्	K	वाक्रगीगामी कवित्या दिनाउन्ह	b 3
		क्दा जुननी शकाजन (एविनाम क्	5 1
कुानामूथक ७॰	ca	পুতিজ্ঞাক্তদপালকো মিথ্যাশপথী মি	
•		দুৰ্গী বিশ্বাস থাতী নিৰ্গ্যাসাক্ষ্যদক	 64
	e t	্ নিত্যক্রিয়া হীনো দেববাগনা স্থিকো মন্দে	ก-
জিম্বত '	78	श्रहा भी व	•
ধুমায়জও•	ÞŒ	দেব বিপুযো র্ঘনহারী	ba
	LL		
ना गरवञ्चन अ॰	PG	े रिवर देवक वृक्तिकाती लाका लाइ वर्ड जाती त्रनादिक वीष्ठ वाक्षणः	64

নরক্তিৎ পু॰ বিষ্ণঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড শেষঃ।।

নরকান্তবঃ পু॰ বিষুঃ। ইতিপুরাণ।।
নরকানসং পু॰ পুেতঃ। ইতি শব
্রের্বিলী।। নির্ধরোগশ্চ।।
নরকীলকঃ পু॰ গুৰুল্বঃ। তৎপর্য্যায়ঃ
। গুক্ছা ২ ৷ ইতি হেমচন্দুঃ।।
নরগণঃ পু॰ নবনক্ষত্রবিশেষঃ।। তজ্জা-

ज कनः। यथा। इस माजि म्गाभि नी इति ६ वः शोकानु ताधा पि जि मामा (ता हिनि का जितानि जित्रनी भूकानि जानि करः। (का का शास्त्र वि-माथ मूल वक्ना वस्ति किता मधाः कथा अ मूनिज यथाक्रम वनाएए वा नत्र। ताक्रमाः ॥ इति पीलिकाः ॥ ॥ अमा क्लाः। नानु (सा मृषु, कर्ष महत्र मनः भीकानिकां भी-युजः। हिज (का क्षेत्रभूती शः॥ नत्र- সন্হশ্য।
নরকঃ পুণ বরগুকঃ। নারাকা ইতি
ভাষা ॥ নেহনে শ্লী । ইত্যুগাদিকোষঃ॥

नतरमवः शृ॰ ताजा। ইতি হলायूथः॥ नवनातायां श्रु अपि वित्नारमा (जो ঞিকৃষ্ণার্নী। ইতি মহাভরত ।। তয়ে। কংপত্তি যথা। অথ চিন্তয়ত **उস्**। साद्य क्षा क्षा क्षा क्षा उट मई । জ্ঞাপযামাস বরাহ বপুষো হিত ।। ততো দেহ পরিত্যাগ করু • সমভ-- বন্দা। তদা দ'খ্রাগু ঘাতেন নরসিং र भरावण।। সরভোভগবান্ভ-র্গো দ্বিধা মধ্যে চকার হ। নরসিংহ দ্বিধা ভূতে নরভাগেন তস্য তু॥ नव्यक्त मन्द्रशा दिवाक्ती न হান্ধিঃ। তস্য পঞ্চাস্য ভাগেন नातायन इंडि मुद्धः ॥ अ. अवर म महाराज्या मृतिक्षी बनार्मनः। নরো নারায়ণ শেচাভৌ সৃষ্টি হেতৃ गरामजी ॥ यरगाः भुजारता पूर्वारः শাত্রে বেদে তপঃসু চ।। ইতি कानिका भूतारा २ २ व्यथ प्रायः ॥ 🗱 ॥ कन्नाज्य को धर्मभूको। यथा। धर्मगा मक मूहि ठर्ग किनिडे मूर्ला।

নারাযণোরর ইতি স্ব তপঃ পুভাবঃ
। দৃষ্ট্বাত্মনো ভগবতো নিয়নাবলো
পা দেব্য স্ত্রনঙ্গ পৃতনা ঘটিতু ন
শেকুঃ।। ইতি শ্রীভাগবতে ২ স্কন্ধে
৬ অধ্যায়ঃ।।

नत्रপ्रिः भु• त्राजा। ইতি শদ্রত্না-বলী।।

নরপ্রিয়ঃ পু॰ নীলবৃক্ষঃ। ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ।। নরস্য প্রিয়বস্তানি ত্রি।। নরভূঃ জ্রী ভারতবর্ষঃ। ইতি ত্রিকাঞ্ড-শেষঃ।। নরোৎপত্তিক।।

নরভূনিঃ স্ত্রী ভারতবর্ষঃ। ইতি শন্ধ-রত্নাবলী॥

नत्रमानिनी द्वी न्यमुगुक्तनाती। इंडि विकाश्यमयः॥

नत्रमानिक। जी नत्रमानिनी। ইতি
भक्तप्रावनी।।

नद्रभाना की मन्यान् धमाना। यथा। विठिव थहाक ध्रा नद्रभाना विज्-

নরমালিনী জ্রী শাশুযুক্তনারী। ইতি হেমচন্দু:। নরমালাযুক্তা চ।।

नद्रामशः श्रु नद्रवधात्रक यक्कविष्यः। वः। मञ् कत्नो वर्क्कनीयः। यथा। ममुदु याजा त्रीकादः कमश्रमु विधातन । विकास ममदर्शम् क न्याम्भयम् छथा ॥ एवदत् । मु-তाৎ পত্তি मंधूभर्क भर्णाईथः । भाग्मापन उथा मुख्य देनमुद्धा-मुम छथा॥ प्रज्ञास देनम् कन्यासः भूमण्य वर्ते स्प्रा शिर्मकान दुक्क-प्रमान वर्ते स्प्रा शिर्मकान दुक्क-प्रमान वर्ते स्प्रा शिर्मकान दुक्क-प्रमान भर्मान क्रांस्य प्रमान छथा मथः । ইमान भर्मान क्रांस्य एव वर्ष्म्यान स्मीयगः ॥ हेन् प्रमान छ्या न्यः सनीयगः ॥ हेन् प्रमान छल् वृह्मा-त्रभीयगः ॥

নরবাহনঃ পু॰ স্পবেরঃ। ইত্যনীরঃ ।।
পুক্ষ যান বিশিষ্টে ত্রি।।
নরবিষ্ণঃ পু॰ রাক্ষসঃ। ইতি ত্রিকাওশেষঃ।।

নরসিংহঃ পু॰ বিষ্ণুঃ। ইতি শদরত্বাবলী ।। সতু হিরণ্যকশিপু বধার্থণ
ভগবদশাবতারান্তর্গত কতুর্থঃ পূনাবতারঃ । ইতি বরাহপুরাণণ ।।
নরশুেষ্ঠঃ। যথা। সুযুক্তরপদে ব্যায়ু
পুক্বর্যভ কঞ্জরাঃ। সিংহ শাদ্লা
নাগাদ্যাঃ পু৽সি শেষ্ঠার্থ বাচকাঃ।
ইতি বিশেষ্যনিত্বে অমরঃ।।

নরহরিঃ পু॰ নৃসি॰ছাবতারঃ। যথা। কেশব হৃত নরহরি রূপ জয় জগ- मि इति। ইতি गीजगादिनः॥
नेता विशः श्रुः नेता विशिज्ञिः। ताङ्गा।
यथा। नेता गर्भः नेता विशेषाः। ইতি
श्रीजगिता।।
नेता विशेषाः। श्रीजातायगः। श्रीजातायगः। श्रीजातायगः। ইতি स्वान्तायगः। श्रीजातायगः। ইতি स्वान्तायगः। श्रीजातायगः। ইতি के विश्वान्ता।।
नेती श्रीजातायगः। ইতি के विश्वान्ता।।
नेती श्रीजातायगः। ইতি के विश्वान्ता।।
नेति श्रीजातायगः। ইতি क्यान्ता।।
नेति ।।
भूक विकः क्षी नामिका। ইতি क्यान्ताः।।

नर्खकः श्र॰ (भारिशनः ॥ ठाइतः ॥

ं (कनकः ॥ नरेः । उৎ शर्यप्रायः ।

गर्ब(यमी २ नयानम्नः ७ ठानदा
ठनकः ४ । ইতি मदत्र नावनी ॥

दिशः । ইতি (इम्हम्पुः ॥ ॥ म्
ठ्यकर्जुर्नक्षिण यथा। याम्मः नृज्य

भाजः म्यामीजः (याङ्यक ठाम्मः ।

नृज्य धात्रार भाजः नर्खकः भ
दिकीर्खिः ॥ अभि छ । अमम्बः

भूनाभी छ नम्। जुक्रि उर्भद्रः ॥

इाम भूराम छ्जूद्रा वाष्टाला नृज्य

(काविमः॥ ইতি स्रहीजमात्मामतः

नर्खनी खी न्छाकारिनी। वाई देखि ভाষা। তৎ পर्यायः रेलामिका २ । इछामतः ॥ नयপूजी ० नि ६ लमा ६। इछि नम्द्रज्ञावनी॥ क-द्रिपुः। इछि ध्रिक्ती॥ निका नाम मूगिक पूराः। इछि द्राजनिर्धणेः॥ नर्खनः क्षी न्छाः। इछामतः॥ नर्ष भाषा। इछि कविकन्नक्रमः॥

নর্ম ক্লী পরীহাসঃ। ইত্যমরঃ।। নর্মকীলঃ পু• পতিঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ॥

নর্মটঃ পু• খর্পরঃ।। সূর্য্যঃ। ইতি হারাবলী।। .

নর্মাঠঃ পু॰ চূচুক॰॥ বিল্লা। পরিহাসরতঃ। ইতি শব্দরত্বাবৃলী ॥
নর্মাদঃ পু॰ কেলিসচিবঃ। ইতিমেদিনী
ন্র্মাদ। স্ত্রী প্রা। ইতি হেমচন্দুঃ॥
্নদীবিশেষঃ। সা বিদ্ধ্য পর্বতালিঃ
স্তা পশ্চিমে তম্সানদ্যা পুবিষ্টা
। তস্যাঃ পর্য্যায়ঃ। রেবা২ নেকল-

नर्था र কন্যা ৩ সোমসুতা ৪। অস্যা জল खनाः। नयुद्रभा नी उनद्रः। मुलयादः । मार लिई मननद्वः। वाजमाञ्द्रक । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ 🕸 ॥ তস্যা জল॰ ममिक मारेम की यंत्रि । यथा । ত্রিভিঃ সারস্বত তোষ সগুভি স্তৃথ यामुन । नार्मन मणि मीरेम भाद्र वर्षिम् बीर्याजि ॥ इंजि शुर्याकिल তত্ত্ব ৷৷ 🗰 ৷৷ তুস্যা উৎপত্তি মাহা জ্যে যথা। নর্দ্ সরিতাণ শুেষ্ঠা क्षुरम्हाधिनिः मृठे । তात्रर्थः मर्व ভূতানি স্থাবরাণি চরাণ্ চ।। সর্ব-পাপ হরা নিত্য সর্বদেব নিত্তা। भ•ऋठा (দব গন্ধ है तु भू (द्रा ভि खेरे द ह ॥ क ॥ उत्र । उत्र । व्या । नमः পুণ্যজলে আদ্যেনমঃ সাগর গামি-নি। নম স্তে পাপশমনি নমে। দেবি ব্রাননে ৷৷ নমোস্ত তে পাষিগণ সংঘ সেবিতে ন্যান্ত তে শঙ্কর দেহ নিঃ সূতে। নমোস্ক তে ধর্ম ভূতা• বরপুদে नमास्र उं गर्बभिविजः भावत्न ॥ যন্তিদ॰ পঠতে স্তোত্রণ নিত্যু শুদ্ধ-মনা নরঃ। ব্রাহ্মণো বেদ মাগ্রোতি क्विया विक्रयी ज्या । विक्रांस

শুভতে লাভ শুধুকৈব শুভা গতি

। अवाथी वज्र श्वार्गापर নিত্যশঃ ৷৷ নুর্যাদা সেরতে নিত্য स्यान्त्रा ग्रह्यद्रः। एवन श्र्गा নদীজেয়া বুদ্ধহত্যাপহারিণী॥#॥ नर्याराया जलः शीदा अईप्रिवा त्य थुडा । मुर्ग डिक्ट् नशमा हिं जमा जीर्थ পুভাবতঃ ॥ এউড়ার্থ সমাসাদ্য यस शुगान् भविजादि । मर्बभाभ বিশুদ্ধাত্মা বুজতে ৰুপু মন্দির ।। कल शुर्वमा॰ यः वर्ष्याखिमा॰ छीर्ष नता विशा ई॰म यूट्डिन याः न कपू लाकः न गहि ॥ यावहन् कर्ने শ্চ হিনবাংশ্চমহোদধিঃ। গঙ্কাদ্যাঃ সরিতো যাবভাবৎ স্বর্গে মহীবতে।। यनामक्ख्यः अर्यप्राखिमः खीर्थनद्रा-विशागर्वाम जू बारबन्तु न भून की-या नदः ॥ इंजि मार्राम् ७५०। ७५० विद्यायः॥ 🛊 ॥ मा ह शूक्ष्यः म ভার্য্যা। তদ্যাঃ শ্বরণে বিষ নাশো। ভবতি। যথা। সকল পদ্দগ পত্ৰয়ক नर्गाराय वत भूः। यखनुमात्र भ সবেত নাম গৃহণ করিষ্টি ন তম্য সর্পবিষ ভবিষ্যতীতি। व्यव ह । नर्मनीय नमः भाउ नर्म-मारेय नाम। निर्मि। नामास्त नुर्यास

তুভ্য ৰাহি মা বিষসপ্ত:॥ইতি विकुशूद्राति ८ जन्म ७ जन्मारः ॥ নল দ বন্ধে ৷ ইতি নল শহস্য

बु ५९ ननः जी निप्। इंद्रि जाजनिर्धनः॥ न्सनः श्र ज्विनियः। जद्भर्गायः। ধ্মনঃ ই পোটিগুলঃ ৩। ইত্যুদরঃ ।। नाणः ४ नेद्र ६ व कित्रकः ७ की ठकः १ मीर्घव॰ শঃ ৮ শ্ন্যমধ্যঃ ৯ বিভী-यतः > हिन्। छः १२ मृनुभवः १२ ্ৰশীপতঃ ১০ মৃদুছদঃ ১৪ নালবংশঃ ১৫। অস্য গুণাঃ। শীতত্ব: । ক্ষা-যত্ত্ব[া] মধুরত্ত্ব<u>া</u>ক্চি কারিত্ত্বশারক্ত ्शिक शुभमनद्रः। हीशनद्रः। दीर्यं क्षित्वक । ইতি রাজনির্ঘটঃ।। #।। मृर्ग्य व॰मीय-निषध ताज्ञ शूधः। यथा াঅতিথিন্ত সশাক্তাজ্ঞে নিষধন্তস্য **ठाञ्च**ः। नवस्र देनवश् स्यामञ खमारकाय्जा # ॥ वीतरमनं ताङ भूधः। यथा। नत्नो हात्व्व विश्वताः বংশে কশ্যুপ সম্ভবে ৷ ৰীৰ্নেন সূত তদ্বদৈষধশ্চ নরাধিপঃ॥ইতি गारमा ३२ व्यथायः ॥ #॥ हन्तु-बन्नीय नियथ ताङ्जू यः। यथा।

भग। किशानि करने पुरि गुरा। इंडि দম্যন্তী পুতি নল বাঁক্য । ইতি নৈষধঃ ॥ 🗱 ॥ বানর বিশেষঃ। সতু খতধুজ মুনি শাপাৎ বানর ৰূপ বিশ্বকর্মণ ঔরসেন . ঘৃতাচ্যশ্ররসো গর্ভে গোদাবরী তীরে জাতঃ। ইতি वामत ७२ व्यथायः ॥ 🟶 ॥ शिकृ (मवः। ইতি মেদিনী।। 🟶।। रेमज्ऽ-विल्मयः। यथा। रेम्ड मानव मान যোগাজ্জাতান্তী বুপরাক্রমাঃ। সৈ-হিকাষা ইতি খ্যাতা জ্রযোদশ ম-श्वनाः॥ व्यनः भन्यक वनवान् নলশ্চৈৰ তথা নলঃ৷বাতাপি ৰ্মনুচি শৈচৰ ইপুলঃ খস্ন স্তথা।। অঞ্জকো नद्रक टेन्टर कालनाज उटेशर है। नवमान खथा हिव मूजकन्न क वीर्याः ৰান্॥ইতি বুৰূপুৱাণে ২ অধ্যয়ঃ॥ नवकः क्री नाशास्त्र।इंक्टिश्मवनुः॥ नविनी खी जङ्गा। ইতি एक्स हन्तुः॥ ननकीनः शृं जान्। १ जिं एमहन्द्रः॥ नलक्वतः পু- অবেরপু এঃ। ইত্যমরঃ ।। স ভ্রাত্রা মণিগ্রীবেণ সহ বাঞ্ণী॰ পীত্বাকৈলাসোপবনে গঙ্গাযাণ স্ত্ৰী करेनः की फिতवान् अभव् उ दाहो मुक्षः मू वः मना कती द्रामा माः नि- ा ् ा एके मुक्षे नात्रमः ममान उद्दारमन

यमनाब्द्र्री ज्वा बिव्नावत वाजर्खः हात्याहरद्वन नाम नियू-জৌ ত॰ নুদ্ধা স্বগৃহ॰ জন্মভঃ। ইতি শ্ৰিভাগবতীয় দশমক্ষঃ।। ननमः क्री भूत्रद्रमः॥ उनीदः॥ मा॰मी । ইতি মেদিনী।। নল দাতরি ত্রি।। পুযোগঃ ম

ननमा जी करामान्त्री। इंडि एम-ठन्मुः ॥

নলপডিকা জ্রী তলাচী। দর্মা ইতি ভাষা। ইতি হারাবলী।।

नवमीनः शृ हिनिहिममए मु १ ইত্যমরঃ 11

निका जी नाजी।। मूगिक पुवार जनः। নলী ইতি খ্যাতঃ। উত্তরাপথে পুদিছা পুবালাকৃতি: পঁঠারী ইতি कृतिए 'भूजिका । उए भर्गायः । বিষ্কন্দতিকা ২ কলোতবাণা ৩ निवाभि निर्यायता ६ मूर्यिता ७ जा-थानी १ छजा ५ ब्रक्कम वा ৯ नर्खकी ১০ নটা ১১। অস্যা গুণাঃ। তিক্তত্ত্বণ । কটুত্ব । তীক্ষত্ব । মধুরত্ব । কৃমি वाजानदार्ज्या भून नामिष् । य লশোধনত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্ঘন্টঃ ॥ নলিতঃ পু॰ শাকবিশেষঃ। নালিত। ইতি ভাষা। অস্য গুণাঃ। মধুরত্ব॰ । পিতনাশিত্ব। শুক্রবৰ্ষকত্বঞ্চ। ইতি দুব্যগুণঃ ॥

নলিন ক্লী পূদ্য । ইত্যমরঃ।। নী-विका॥ इनः। ३ उ स्महन्द्रः॥ ननम्बुः পু॰ নিষ্ঠুকঃ। ইতি ভূরি- । নলিনঃ পু॰ সারস্পকী (ইত্যমরঃ॥ কৃষ্ণপাকফল:। পুশী আমল।ইতি ভাষা। ইতি শব্দ নিদুকা॥

> निनी जी शद्म युक्त प्रमुख्य সমূহঃ॥ পদ্মলতা। ইতি ভিদ্নকা প্রমাত । ইতি রায্নুষ্টাদ্যঃ।। उৎ পर्यप्रायः। विभिनी २ शिचानी ७ ইত্যাদি। ইত্যারঃ।। বেরামনি**রুগা** ॥ करवाकतः । इंजि स्मिनी ॥ न-লিকা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ নারি-কেলসুরা।ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ निनीकृष्ट॰ क्री मृगाल। इंजिब्राक-

निर्घकः॥ दुक्ति भू॰॥ নলিনেশযঃ পু॰ বিষুঃ। ইতি ত্রিকা-ওশেষঃ ৷৷

निकी जी मनः भिना। ইতি विश्वः॥ নলিকা। ইতি ভাবপুকাশ: 11 তৎ পর্য্যায়ঃ ৷ শুষিরা ২ বিজ্ঞমলতা ৩ কপোতা ছ্রি:৪ নটা ৫। ইত্যমর:॥

🗕 নলোভনঃ পু॰ দেবনলঃ। ইতিরাজ- ॥ निर्घण्टः ॥

নশ্বঃ পু॰ কিষুচতুঃশত । চতুঃশত হস্ত পরি(মত দেশঃ।ইত্যমরভরতৌ।। नयुवया यो जी काकाश्री। इंडि नय ্চন্দ্রকা।। নণ্ পরিমিত পথশা-মিনি वि॥

नवः পू॰ खंक्षा इंजि मिनी॥ ब्रक्तः পুনর্ব।।ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। নৃতনে ত্রি। ইত্যমরঃ॥

র্ব তি ন খ্যাবিশেষঃ। ৯ নন ইতি ॥ ভाষা । वह्रवह्रनात्डा १य॰ । ইতি वताकत्रभः ॥ नव वाहका यथा। अञ्च-·দ্বার• ১ ভূথও•২ কৃত্তরাবণ**নস্তকঃ** ৩ সুধান্ধণ ৪ ব্যাহ্রীন্তনঃ ৫ সে-বধিঃ ৬ অঞ্চ ৭ রসঃ ৮ গুহঃ ১। ইতি কবিকল্পলতা ॥

নৰকারিকা স্ত্রী নবোঢা। ইতি শদ্ মালা ।। নৃতনঃ **স**ংক্ষিপ্তো বিবরণ শ্লোকঃ !! নবীন কত্ৰী চ ৷৷

নবকালিকা জ্রী নবীন:।ইভি হারা-वणी ॥

नवगुराः भू भूर्गामर्या नव। यथा। নৰগুহ মথ কৃত্বা ততঃ কর্ম সমার

ন্য জায়তে বৃচিৎ।। ইতি ভি**থিত**ত্ত্ব ॥ # ॥ তেষা সংস্থান । यथा। ज्ञ র্যোজন লক্ষে তু সৌর মৈত্রেয় ম-अंव । वंक रिवाकत्रम्याभि मख-ল- শশিনঃ স্থিত ৷৷ পূর্ণে শতসহ-**लु जू याक्रनाना** निमाक्द्रा । नक्षव नखन क्रम मूर्शिक्षेट পুকাশতে ৷৷ দ্বিলক্ষে চোভরে বু-ন্ধন্ বুধো নক্ষত্ৰ মণ্ডলাৎ। তাৰৎ পুমাণ ভাগে তু বুখস্যাপুঞ্না স্থিতঃ॥ অস্বারকোপি শুক্রস্য তৎ পুমাণে ব্যবস্থিত:। লক্ষদ্বযে তু ভৌমস্য স্থিতো দেব পুরোহিত: ॥ সৌরি বৃহিস্পতে শ্চোচ্ছৃ • শ্বিলক্ষে সমবস্থিতঃ । ইতি বিষ্ণুপুরাণে ২ वार्ष १ व्यथ्रायः ॥ 🗱 ॥ उदाः রথাদি যথা। যোজনানাং সহসাণি ভাষ্যস্যরথো নবা ইশাদও তথে वान् दिख्ला मूनिमङ्ग ॥ नार्ष कािं खर्ग मंख नियुजाम। धिकािन বৈ।যোজনানাস্ত তদ্যাক ক্ষত্ৰ ।যুত্ৰ পুতিষ্ঠিত ৷৷ চত্বারিংশৎ সহস্থানি षिजीरवारका व्यवस्थिः। भक्षान्।-नि जू नार्चानि नामन्त्री गहागाउ ভেटा यनाथा कनमः भूकाः नका ॥ विक्शुमान मुखायाः भुमानः उत्पू

गार्चाराः। द्रामाक छत्र्गार्कन ध्र वाधाता प्रथमः दे । विजीयक जू তঃৰু স ছে ত মানসাচলে।। হ্যা-শ্চ সপ্ত ছন্দা•সি তেবা• নামানি মে শৃণু। গায়জী চ বৃহত্যুকি দ্বগতী ত্রি-ষ্টুবেবচ।। অনুষ্টুপ পণক্তি রিত্যক্তা भूनता मि इत्रया त्रतः॥ म त्रव्याधि-ষ্ঠিতো দেবৈ রাদিভৈঃ শ্ববিভি তথা। গন্ধবৈ রম্পরোভিশ্চ গ্রামণী সর্প রা-करिनः॥ स्वरिष्ठ मूनयः मूर्यऽ गक्ति व গী যতে পুর:। নৃত্যন্ত্যশ্লরসো যান্তি সূর্য্যস্যানু নিশাচরাঃ।। বহুভি পদগা यकः ক্রিয়তেভীযু স•গুহঃ। বাল-थिला उर्थितन शतिवार्या जनाम-তে ৷৷ সো ংয় সপ্তগণঃ সূর্য্য মণ্ডলে মুনি সত্তম। হিমোফ বারি বৃপ্তীনা॰ (रुजुद् ममूभागजः॥ 🛊 ॥ রथ জ চক্ৰঃ সোমস্য স্থলভোত্তস্যৰাজিনঃ া বাম দক্ষিণতো যুক্তা দশ তেন চর-ত্যসৌ ॥ 🏶 ॥ বায়ৃশ্নি দুব্য সমূতো ॥ রথ কন্দুসুতস্যচ। পিশকৈ স্থরগৈ যু কঃ সোষ্টাভি বাযুবেগিভিঃ ॥#॥ गवकथः मानुकर्या यूका ज् मंहरि ৰ্হ যৈঃ। সোপাসঙ্গ পতাকন্ত শুক্ৰ न्ताि तथा महान्॥ 🕸 ॥ अड्डानुः 📗

কাঞ্দঃ জ্ঞীমান্ ভৌমস্যাপি প্লৰো মহান্। পদ্মরাগাকণৈ রখে: म॰. वृत्का विश्व महारेवः ॥ 🕸 ॥ व्यक्षाेिः भा**खें**त यूं कि वार्कि जिः काक्षत রথে। তমিং ভিষ্ঠতি বর্ষ বৈ রাশৌ तारमी वृहत्मिञ्डिः,॥ 🛊 ॥ व्याकाम সম্ভবৈ রশ্যৈ: শর্শলিঃ স্যদ্দেন বুত। मनाकश्र भरेन यां जिन्मनाभी भ নৈশ্চরঃ।। 🕸 ।। বর্তানো স্তরগা হৃষ্টৌ ভৃষাতা ধৃসর রথ । সক্ষুকান্ত মৈত্রেয় বহন্ত্য বিরত সদা ে তথা কেতু রথস্যাখা অঞ্চৌতে বাং র•হসঃ। পলালধূন বণাভা লাক।-রস নিভাকণাং॥ # ॥ এতে স্যা गुरागा रेव जवार्याजा तथा नव । সর্বে পুবে মহাভাগ পুবন্ধা বায়ু র শ্মিভিঃ ॥ ইতি বিষ্ণুপুরাণে ২ অ•-(म > । > । > व्यथ्रायः ॥ # ॥ পু্ঠাণা নশুভ পুতীকারঃ। রাজনা-र्खेख । দোষো नम्ताम्युशानाः मनि শির কিরণে তামু মিনেন্টে শঙ্ক পৃথীপুত্রে পুবাল শশধর তনযে **भाञ्ज्ञः** जूद्धन । দেবাচার্য্যে চ मुक्का॰ मि ममूत खरतो मीमक॰ मूर्यऽ-जूनो ब्राही लोइ॰ जुनि के कम वड

তন্যে রাজগাউ বিভতুঃ ॥ শাত सम्बन्धः भूवर्गः। ब्राज्यभाषे कर्ष्वागीजि খ্যাত ।। অপিচ। বুদ্মপুকাশে। जिम्मी कीविका मृन (गाजिसा व्यमातक । वृक्षयि निन्द्रभूही ্ৰাট্যাল চন্দন সিত। অখগনা क्याः व्यापन्यापारवाशणाखर ॥ ইতি জ্যোতিস্তন্ত্ব ॥ 🟶 ॥ स्बन्ध-রাশ্যবধিনবগুহ শুদ্দি র্যথা।কেন্ত্প প্লব ভৌনু ঘনদেগতথঃ য'ন্তা দ্ৰি স'স্থাঃ শুভা কন্দাকাবপি তেচ তৌচ দশ हमी वन्तुः भूनः मध्यः। जीवः मध्य-ৰ দ্বি পঞ্চন গতো যুগ্মেৰু সোনাত্মজঃ শুক্রঃ ষড্ দশ সপ্ত বর্জ মিতরে স র্ষেপ্যপান্তে শুভাঃ। ইতি দীপিকা ॥ इविह् ७ । ७ । ७० । ५५ । ज्ञान्यक्षः ॥ त्नामः १। ५। १। २०। २२ मुङ्ग शक्त २। ৫। ৯। জন্ম कर्न विद्धित जन्म हम्मुः मुजः ॥ सङ्गः ७ । ७ । ७० । ४० ॥ बुषः राष्ट्राकाकामा ५० । ५४ । ५८ ॥ ब्रुगिजिः र १ ६ १ १ १ ३ १.५० ॥ नुकः भराकाशाबामाकाका रशासनिक जा **छ। रन। रहा। बा**ल्क अशाप्ता १५१ । १५ । १५ । १५ । १५ । ३३ ब्राल्यः ॥ इ ॥ गुरागाः वानि

खाग निर्गयः। यथा। द्ववि मानः निः नानाथः जभार दिवजद्वै । शक्वयः ज्ञिशु (का वृश्या २ द्वापम वामद्रान्।। বর্ষমেক সুরাচার্য্য শচাষ্টাবিংশ দিন **ভূতঃ। শনিঃ नार्क वयुग्वर्यण वर्जानूः** नार्कवद्भवः ॥ व्रविः > भाभः ॥ (मामः २।॰ दिन'॥ इन्छः ३৫ दिन॰ ॥ वूथः 🔑 मिनः ॥ वृष्टम्मिजिः 🤉 वय-नद्रः ॥ भूकः २५ मिन ॥ भनिः २॥º वर्ष्ट्रमद्रः ॥ द्रोत्तः ५५ वर्ष्ट्रमद्रः ॥ ্কেতু: ১॥ বৎসর:। ইতি জ্যোতিষ ।। # ।। अब हन्तुमि वर्श्वशाः मखान्य क्वानः। यथा। व्यथा-मयाख नगरगाः शतिकान शुकी-र्ख्या । पिवाकत्र कत्राकास मृखी ना-मञ्जाजकार ॥ সূর্য্যাদপ্যধিকাঃ প "गामख" जीवस्कार्ककाः। जनाः शुः खन्यः याखि भूकत्छो विकर्णा उथा ॥ অল্পা বিবস্বতঃ প্রাচ্যা মন্ত চন্দুক্ত ভার্গবাঃ। বুজন্ত্যভাষিকাঃ পশ্চা-मूनयः भीषु यायिनः ॥ अ ॥ वयाः कालान्ना यथा। এकारना नात्र जाता তিথি সম্ব্যাক্ত্রস্য চ। অন্তা ভূমিপুএম্য দশ সপ্তাধিকা স্ততঃ ॥ ्भागामखगायाश्चाकि कन्यः शुद्धा-

इखगा। भागल उत्रवः शकानल्याः দশভি র্কুগোঃ।। এবং বুধো দাদশ-ভিশ্চভূর্ঘশভি রংশকৈ: বক্র শীযু गञी हार्काट करता गुडिंगरशामस्यो ॥ এষ্যাধিকঃ कानजारेग म् भाग न्रोन রদর্শনাঃ। ভবন্তিলোকে খচরাভানু-তা গুন্ত মূর্ভ্यः॥ ইতি সূর্য্যসিদ্ধান্তঃ ॥ 🕸॥ (ज्या म्एकाम्य मिन ऋ॰थ)। क्कान । यथा। जुङाकि हन्द्रा ३२२ जिम्माक ०० ५डा ०२ (वमावना ६१ রাম কৃতে৪০জমেণ:ভৌনাদিকস্যা-ন্ত দিনানি বক্তে বুধস্য ভূপা ১৬ নশ ज्ञार्यम् ॥ अवा॰ अक्साम्ख्य **यादूरयाचा অভু**ध्रयाख ज्ञान॰ यथा। তথান্ত বৃকাৎ সজতোন্ত বকে ভাত্য २२ २ बि ६ विरिष्ठ २० भिगि २० विन्छ २२ মাসৈঃ। মহাস্তৰ্কান্ত বিধী খিতস্য करमन वंक्रस मर्दिन भारिमः 🔊 । 🕬 ।। গুরো ক্দয্স্য পুরক্ পশ্চাৎ শুক্রস্য তু উদয় বক্ৰ মহাস্তানা পুাক্পশ্চাৎ वाला वृष्क मिन उद्यान यथा। वृष्कः भूत्र आपूरयम् १ भग्हा ८ वा वा मह १ कः ৯৫ বচসা পতিঃ স্যাৎ। এব সি**ডঃ** পঞ্চ দিনানি বৃদ্ধো বালো ভবেগ্রীণি मिनानि वत्क ॥ वृष्यत्र शकः १६ जु

श्राका महारख वानः श्रूम खब मनी-হ মেব ম ইতি সিদ্ধান্তম্ঞ্ররী ॥ 🗱 ॥ অথ নবগুহ ভোত্র•। জবা-জসুন সকাশ কাশ্যপেষ সহাদু্য-তি । খ্ৰাম্ভাৱি সর্বপাপর্ পুণতো-मि पिराक्त > 11 पिरा मह जूरा-রাভ॰ ক্ষীরোদার্গ্রব সম্ভবং। ননামি শশিন• ভক্ত্যা শদ্ধ্যে মুৰ্পট ভূষণ• ২ ৷৷ ধরণী গব্ধ র্জ ক্রত বিদ্যুৎ পুঞ্জ यगशुज्रा अगातः मुक्ति इसक ब्गिश्किकः नगाम्रहः ० ॥ शियुक् কলিকাশ্যান• ৰূপেণাপ্ৰতিম• বুৰ ' । मोन्ऽ॰ नर्ब ध्यात्मञ्॰ नमानि শশিনঃ সুত ৷ ৪ ৷৷ দেবতানা মৃষী-ণাঞ্চ গুৰু কনক সন্দিভ । নাস্যভূত ত্রিলোকেশ পুণমামি বৃহস্তি ৫॥ श्रि बन्स मृगाना छ रेन्छ्याना॰ পরমণ ওক।। সর্বশান্ত পুবক্তারণ जार्गव भुगमामाइ ७॥ नीवाक्षन চবপুথ্য রবিসূনু মহাগুহ ৷ ছাষা-যা গ্রহসমূত বন্দে ভক্ত্যা শনৈক-व्र. १॥ वर्षकायः महारवाद्रः हन्ताः দিত্য বিমর্দক । সি ছেকায়া: সুত त्रोपु॰ ত॰ त्राङ्• शुगमामाह• ৮ गा পলাল খুম সক্ষাশ তারা গুৰু বিম- मंकः। स्निष् कृषाश्चकः कृषः छ क्ष्रः भूगमामग्रः २ ॥ वग्रास-नाकिमिनः खाकः यः भर्यः भूग जः भूषिः। दिवा वा यिन वा ताकी भाष्ठि सम्भ्रः न मःभयः ॥ केयर्। मञ्जकाशि आस्त्रार्गः भूषियक्षनः । नत नाती श्रिग्रुकः निख्नः अस्मा-शकाय्रातः। क्ष्रात्रकः । एक सर्वः। श्रुणमाः याति वग्रास्मा द्वासमःभ्यः श्रुणमाः याति वग्रासमः। श्रुणमाः याति वग्रासमः। श्रुणमाः याति वग्रासमः। श्रुणमाः याति वग्रासमः। श्रुणमाः याति वग्रासमः।

নবচাত্রঃ পু॰ পুণম মধ্যবনে পুর্ত্তঃ।
নবীনবিদ্যালী । তৎপর্য্যায়ঃ।
ক্রিশাকারঃ২। ইতি ত্রিকাওশেষঃ॥
নবতঃ পু॰ জ্বঃ। করিক্য়লঃ। ইতি
হেমচন্দুঃ॥

নবতিঃ ত্রি সংখ্যাবিশেষঃ। ৯০ নবৈ ইতি ভাষা। ইতি শব্দরত্নাবলী।।. নবতিকা জী তুলিকা। ইতি হারা-বলী।।

নবতিশঃ ব্য বহুনবতি। নবতি নব-তীতি বীশ্ধাযা চশস্পুত্যয় ।। । নবতী জ্ঞী নবতিঃ। ইতি শদ্মজ্ঞা-ৰদী।।

নবদপ্ত শ্লী রাজ্ঞা:ছত্র বিশেকং।
যথা। মনোহর তি ফ্নক দপ্তক
নবদপ্তক । ছত্রক ত্রিবিধ জ্ঞেষ
তিরিধানা মহীভূজা ।। ইতি যুক্তি
বল্পতকঃ।। অস্য বিবরণ ছত্রশদ্দে
দুষ্টব্য ।।

नवम्यः क्षी अग्रम्याद्यम्बर्गमिशः म्याभीताः क्षिकाकात नव भवः। उद्भग्रीयः। मम्प्रिकारः। इज्यादः॥ मम्प्रिकारः। इज्यादः॥ मम्प्रिकारः। इज्यादः॥ मम्प्रिकारः। इज्यादः॥ मम्प्रान्य भवः । इजि इष्टम्पुः॥ म्यमावः। इजि मथुः॥

नवभी धििः शृ म**क्तगुरः। इ**ि को भिन्नः॥

नवमुर्गा की नवशिक्त । यथा। शिक् क नवमूर्ग दे सहारित मराना दर्स । शृक्षाः ममछाः मः गृक्ष द्रक्ष माः कि-पर्माथित ॥ इंछि वृह्म निर्देश्व श्रूद्राणः ॥ अभाविका > किम्-र्क्षिः २ कन्तु गी ० द्राहिणी ६ कानी ६ हिंदिका ७ मा ख्रुदी १ पूर्गा ४ छन्। ३ इंछि नवना मिका कन्तु । यथा। मक्षाक्रद्र मरीः वर्ष्माः माञ्गाः क-श्थादिनीः। नवपूर्गा ख्रिकाः माक्ना ९ कन्त्र भावाइयाम् १ ।। इंडि निर्ण-यिनकुः ॥

नवरमाना जी न्ञन्त्रुश्व। अम्रा विवत्रनः हजूर्मान भरम मुहेवाः।। जमादाहन मिनः यथा। উर्जुन्मू गूनाहि भिवाशिवर्जः भरत्रम् ठाता जिथि नश्च रगारा। विश्वि क्रमा भूज यमाह वर्जः रमानामिकादाहनः माम्र मिक्टेः। ইতি সমयभूमीभः॥ नवशा वर्ष नवभुकातः। यथा। आ-हादा। विनया विम्रा भुजिष्ठा जीर्थ मर्भनः। निष्ठा वृज्ञि ज्ञर्भा मानः नव-शा कन नक्षनः॥

नवना जी हक श्री ता ख्डा नव नक क युक वक तिथा बवा ख्रक हक । यथा । जमान । कर्म छ छ जिल मन्म न ना शा जिक । तिनान न छ । नमून्य महो मन् ।। ना छ । नमू श्री शक्ष वि न्म । वि नक ।। ना छ । नमू शक्ष वि न्म । नव नक जा मून जिः मुझ नि मन । चि वक कि ।। हे छ जा छि छ ।। नव नक जा मून छिः मुझ छ । जिल्ला । चि वक कि ।। हे छ जा छि छ ।।। नवनी खी नवं नी छ । यथा । जा हा देशक वी ना । नवनी ना । नव न मू म् । लाषु का ना । नक ता ।। च छिका ।

नाक गङ्गजः॥ इंजि तुक्तरिवर्जभूतात শ্ৰিকৃষ্ণ জন্মখণ্ডে ৪৫ অইনেয: ॥ नवनी उ॰ क्ली भव। विष्णवः। भाषान्हें उ ननी ইতিচ ভाষा। उंद्रश्रायः। নবোৰ্ত হ। ইত্যমরঃ। সিরজ ০ मञ्ड॰ 8 रियम्तीन १। इंजि... রত্নমালা।। দধ্জি•৬ সার• ৭ হৈয-व्योनक ৮। यम् मामान उपाः । भी उद्गः। वर्गः दनाव इद्गः। जूमधूः त्रवः। व्यऽवः। **मःशुःहरूषुः।** कक ৰুচি কারকত্ব•। বাত সরীসংশ্**ল**্ काम मुम नामिष्। मूथकब्रष्। कांखि शृष्टि शुन्दः। हक्क्यादः। সর্বাবাপহত্य। *।। নবোদ্তব গব্য নাহিষ নব্নীত গুণাঃ। বাল-वृकानाः शुक्तखद्यः। वनकात्रिद्यः। বাতবৰ্জনত্বঞ্চাঙ্গা মাহিব নবনীত खनाः। कषायद्यः। भषुतप्रः। भीठप्रः । क्षाप्तः। वलापः। गु।हिषः। शि-खन्नवः। ज्नामव्याक्षाक्षाक्राग्नव-নীত গুণাঃ৷ কৃষকাশ নেত্রাম্য কফ नामिषु । वन्रषु । मीशनषु स्।। আবিক নবনীত গুণাঃ। হিমন্ত্ৰণ। লঘুত্ব ৷ যোনিশূলে কফে বাতে গুদ শূলে হিতত্বক।। #।। ঐডক নবনীত

खनाः। क्रिष्ठेगमञ् । भी उन्नज् । त्मधा नामिष् । खक्षः। शृष्टि होन। कात्रिवः। यन्तात्रि तीशनद्यः॥ 🕸 ॥ रुखिनी नवनीज रुगाः। कषायपु । শীতলত্ব• ৷ লঘুত্ব• ৷ ঠিক্তত্ব• ৷ বিষ্ট-ম্ভিত্ব । জম্ভ পিত্ত কফ কৃমি নাশি-पुष् ॥ 🗱 ॥ अशी नवनी उर्गाः । क्यायदः । कक वाज नानिदः । ठक्ष्यातुः । कर्तुत् । **उक्षत् । दे**व-षाजाभशातकद्वश्री। 🕸 ॥ गर्मजी न्यनीञ खगाः। कवायद् । कक वाञ नामिव्। वन्रव्भ मीशनव्। शाकः वयुष् । मूज्रामाय नामिष्का। #॥ পৃষ্টু নবনীত গুণাঃ। পাকে শীত-লত্ব•। বুণ ক্রিমি কফাসু বাত নালি-पुष्णा 🗱 ॥ नाजी नवनी उर्णाः । ब्हाजुः। शाक वयुजुः। हक्क्वाजुः। भीशनवः। সর্বরোগ বিষ নাশিবৃঞ্ ।। 🟶 ।। ज्ञाय जाशाद्रण नवनी उ रंगाः। শীত কচ্য নবোদ্ত সুমধুর ব্ষ্য ঞ্ বাতাপহ• কাস্মু• ক্রিমি নাশন• क्करत नेशिर म्वाभरः। वन्र शृष्टि । इंगर्सि समन गडा १ दि-ছেদন চকুষ্য শুনহারি তপণ কর मध्राख्य शिखिष्ट ॥ # ॥ वका-

হাখ্যবিত প্রোক্ত মুক্তরোত্তর গন্ধ-म॰। অक्टर्रः मर्दाद्रागांष्टरः मधिकः তদ্ধিত মৃত ।। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।। # ।। অপিচ। গব্য নবনীত গুণাঃ। নবনীত হিত গব্য ভ্ষ্য বর্ণ মলা-पि क्ट। मःगुाहि वाजिश खाम्क् क्यार्मिकिं काम इट्।! उक्किउ॰ বালকে কৃষ্ণে বিশেষাদমূত শাশোঃ ॥ #।। মাহিষনবনীত গুণাঃ। নবনীত॰ महिष्णास वाज भ्रम्यकतः खका हा-হ পিত্ত শুনহর মেদঃ শুক্র বিব-र्षनः॥ 🟶 ॥ व्यथं शयस्या नवनी जर्मः ঙণাঃ। দুম্বোত্থ॰ নবনীতস্ত চফুষ্যু৽ রক্ত পিত নুৎ। বৃষ্য বল্য নতি সিশ্ব॰ মধুর॰ গ্রাহি শীতল॰।। 🕸 ।। **অথ সদ্যঃ সমুদ্ধ্**ত নবনীত গুণাঃ । नवनीज्य मन्यकः सामू गुर्हि हिम लयू । त्मधाः किथिए कर्यायाम् भी-बंदुका म मन्क्रमार ॥ ॥ यथ **छित्रस्थन नवनीञ खगाः। नक्षा**त्र कर्षू-कान्नपाहराणीः कष्ठकात्रवः। (न्यम् नः **अक (मरम्) नवनीज् कित्र छन** ॥ ইতিভাবপুকাশঃ 🛭 🟶 🛭 নব্দীতণ नव व्या शाहि वर्ग वला मि क्टा , ठक्क्षा वृष्ट्ग विषः गुर्गाणा वि

কার নুং ।। ক্ষীরোথিত হিম॰ গুছি রক্তপিতাকি রোগ নুং।। ইতিরাজব**লভঃ**।।

নবনীতক শ্লী ঘৃত । ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ॥

नवनी ज्राप्त की मानार्थ क्ज नवनी ज ম্য ধেনু বিশেষঃ। যথা। নব্দীত मयी॰ (श्रनू॰ मृतू ताकन भूयञ्ज ः। ষা• শুত্ৰা সৰ্ব পাপেভ্যে মুচ্যুতে নাত্র সংশ্यः॥ গোন্যেনানুলিপ্তা-বা॰ ভূমৌ গোচর্ম মাত্রতঃ। কৃষ্ চর্ম মৃগলৈয়ব তস্যোপরি চখার-বেৎ ॥ ऋग्जुङ নবনীতস্য পুস্থ " भावमा भातराय । यथमः ठजूर्थ ভাগস্য তস্যা উত্তরতো ন্যসেৎ ॥ কৃত্বা বিধানেন চ রাজসিণ্হ সুবর্ণ मुकी मुमूथी ह कार्य। । नित्व ह তস্যা মণি মৌক্তিকৈন্ত কৃত্বা তথা-ন্যছ গুডেন জিহ্বাণ।প্রচৌচ পুষ্ণৈক करेनक म्साः शुकन्ता मानाक मि তৈশ্চ স্ত্রিঃ॥ নবনীত স্তনী॰ রাজ-विक् भाषाः भुकन्नरयः। जागुभृष्ठीः কা স্বাদাহা দর্ভরোম কৃত ছবী H বর্ণশ্কী রৌপ্যথুরা পঞ্রত্র সমন্বিতা । চতুর্ভি স্তিলপার্বৈস্ক

সশ্যুতা সর্বতো দিশঃ৷৷ আছাদ্য বন্ত যুগ্মেন গন্ধ পুষ্মৈ রল কৃত । मिकू मीभा क श्रृक्षान। तुष्कागय निर्वत्रयः ॥ त्वन त्वनाकः विमूर्व আহিতাট্নি জিতাত্মবান্ । মন্ত্রা ন্তএবজিগুৰ্গাঃ সৰ্ব খেনুষু যে সৃতাঃ ॥ भूता (एवा मूरेतः मरेर्तः मागतम्) তু মন্থনে ৷ উৎপন্ন দিব্য মম্ত নবনীত মিদ• শুভি•॥ আপ্যাযনঞ্চ ভূতানা• নবনীত নমোন্ত (ত ৷ এব-मूहार्ये जाः प्रमाबाञ्चनाय महिष्-ति ॥ (धनुष पद्मा मूमूमा भाषा-शाना॰ नरमः, इ॰ विशु वर्ग्यन ज्यः। হবিষ্যমেব সরসক্ষোপভুক্তা তিপ্তে फिन (धनून जीनि विशुः॥ यः शुन-শ্যভি তা॰ ধেনু॰ দীষ্মানা॰ নরে।-ত্তম। সৰ্বপাপ বিনিমুক্ত: শিব-সাযুজ্যতা বুজেশ। পিতৃভিঃ পূর্ব-জৈ: সার্দ্ধ• ভবিষ্যক্তিশ্চ মানব:। বিষ্ণুলোক বুজত্যাশু যাবদাহ্ত जिंद्य ।। य हेर मृत्या खेळा मा-ব্যেদ্বাপি সানবঃ ৷ সর্বপাপ বিশু স্কাত্ম। বিষ্ণুলোকে মহীয়তো। ইতি दबाह्रभूबान ॥ नवशार्वकः भू न्जनावत्रभकः। इंजि

जिकान्डकोमू ही ॥ चंत्रकालका जी नवडा । नवजा जत-जाकना। इंजि सिहिनी॥

• नवनः ত্রি নবানা পূরণঃ। নযঞি ইত্যাদি ভাষা। ইত্রি ব্যাকরণ ॥ নবসন্ধিকা ত্রী নবসালিকা। ইতি শদরত্বাবলী॥

नवमानिका स्त्री नवमिक्तकालुझः॥
त्यानि इंजित्स्यात इंजित् छाया
1 जद्धश्रयायः। व्यक्तिमानः र तुः
स्त्री २ श्रीत्यास्त्रवा ८ मधना ६ मु
स्माती ४ मृतिष्टः १ श्रीत्मिक्ता ४
मृतका ३ सिथिति ३० नवाकी ३३।
इंजि ताक्तिवंगेः ॥ छुत्वस्रो ३२
त्वन्ना ३०। इंजि सम्हिन्स्त्रि ॥
गक्तिन्या ३८ मानिका ३६ नवमस्निकः ३७। इंजि सम्त्रज्ञावनी ॥
उम्रा ख्याः । व्यक्तिम्ब्रुकः ।
मृत्रिकः । मर्त्रज्ञावनी ॥
उम्रा ख्याः । व्यक्तिम्ब्रुकः ।
मृत्रिकः । मर्त्रज्ञावनी ॥
उम्रा ख्याः । व्यक्तिम्ब्रुकः ।
मृत्रिकः । मर्त्रज्ञावनी ॥
स्निकः ३७। इंजि सम्त्रज्ञावनी ॥
स्निकः ३७। इंजि सम्त्रज्ञावनी ॥
स्निकः १७। मर्त्रज्ञावनी ॥
स्निकः । व्यक्तिम्ब्रुकः ।
स्निकः । स्त्रिकः । स्त्रकः । इंजि

নবমী দ্রী তিথিবিশেষঃ। সাচন্দুস্য নবম কলা ক্রিয়া রূপা। শুক্লপক্ষে ৯ কৃষ্পক্ষে২৪ পঞ্জিকাকার সঙ্কেতে ন এতদক্ষ বোধিতা॥ অথ নবমী ব্যবস্থা। সাচাইমী যুতা প্রাহ্থা

युग्राए। ভिविष्य। भारिम क्यूर्डि-र्यं भूगा विधिन। भूका विधिका । তৎ ফল• লভতে বীর নবম্যা• कार्खिक्म्र हा। 🛊 ॥ उथा ভবিবের। भाष्य भाषि जुया मूझा नवभी लाक প্জিতা। মহানদেতি সা প্রোক্তা जमाननरकती नृगाः ॥ त्रानः मानः जः পোহোমোদেবার্চন মুপোষণা সর্ব जनकर (शुक्ति यम्म्या: किय्**उ** नरेतः॥ 🕸॥ তथा कालिकाभूतागः। नवम् ११ नव वर्षा नि ताजन् निष्ठा नत्ना ভবেৎ। তস্য তুষ্টা ভবেদ্নৌরী সর্ব-কাম প্রদা শুভা ॥ অদ্যেত্যাদি নব-म्याजियावात्रच्य नववर्षाणि यावट পুতি শুকু নবন্যা পিষ্টেতর ভোজন নিবৃত্তি বুত মিতি সক্ষল্পে বিশেষঃ। সৰ্বকান পুদ গৌরী তোবঃ ফল।। ইতি,তিথিতজ্ব ।। জীরামনবমী ব্য-वस्। उ९ माम मुश्चेवता ॥ # ॥ इयः দুর্গাডিথিঃ। তত্র তস্যাঃপ্রাকর্তব্যা यथा । वुक्कावाह । इस एन विद्या-(दारा या जू रे**नव॰ रिभाठन॰। उ**ज द्रं मुद्राः मर्द्ध गद्मा नन्तु भावित्र ।। नवगाक मनाभ्का इंग क्वी मनः थिन। । बद्रमा गर्व (वाकाना । ভবি-

ষ্যতিন সংশ্यः॥ নবন্যা यक्ति श्रामी ভবিষ্যতি हि मानवः। नात्री বা তস্য সম্পন্ধ ভবিষ্যতি মনো-গত॰ ॥ ইতি বরাহপুরাণ ॥ 🟶 ॥ कार्खिक मूक्त नवम्याः जनकावी शृका **পু**मागानियथा। शुशृहाय ब्ह्रगकाजी ।। कार्खिक भूक्न शक्करक। मिरनामरय **চ मध्राट्स जायाद्य नव्यम इनि ॥** ইতি মাযাতন্তে ১৭ পটলঃ।। সম্ভ **রাশি গতে চন্দ্রে ন**বম্যা কার্ত্তিক-मा ह । উषमार्क्तां फिला जानू मूं পামারাধ্য যত্নবান্ ।। পুঞারোগ্য খন লেভে লোক সাক্ষিত্ব মেব চ তা তিথি প্রাপ্য মনুজঃ শনি ভৌ म दित यदि ॥ अुशृक्षयग्रहादूर्गाः ধর্ম কামার্থ মোক্ষদা ।। ইতি काज्रायनीजस्य १४ भटेनः ॥ का র্ত্তিকে শুক্ত পক্ষে তু ত্রেতাযাঃপুথ-भ इनि। बिमक्षाः भूकायाम्यीः मुर्मा॰ मम्मर शुर्**षा**यं ॥ इंजूजित-कामार्थप्राज्यक ३२ भरेनः ॥ 🛊 ॥ অথ নবমী জাত ফল । বিরোধ कर्खा जूडरेन द्रगमाः भद्राभकांद्रार्थ मिं के भीवः । जातात्र हीनः क् भनः करोत्रः भुग्ठि कात्व नर्भी

যদি স্যাৎ॥ ইতি কৌষ্ঠীপুদীপঃ॥ नवरवोवना जी युवजी। उৎপर्यायः। भिक्रती २। **इं**जि **हा**तावली॥ जन्नी **ু স**হেলী ৪। ইতি **শব্**দালা।। नवत्रकः जी कायक मूथ्य कलीनानाः পঞ্চদান চতু গু হণাত্মক হল বি-শেবঃ। ভদ্মথা। সমানে পুথম॰ দান দ্বিতীয়ঞ্চ কনিষ্ঠকে। ষড্ভ্রা-তরি তৃতীযঞ্চ মধ্য শ্রেষ্টে চতুর্থক ॥ তেওজে গঞ্চম॰ দান• হ্বৰ্য্যাদেত-দ্বিধানতঃ। গুহণ জন্মনি সমে ক-নিষ্ঠেচ দ্বিতীয়ক•।। তৃতীয়• **জন্ম**-নধ্যা শে ভেওজেপি চতুর্থক । নবরঙ্গ মিতি প্রোক্ত মুখ্যানা হি মহাগুণ ।৷ ইতি হলাচার্য্যকারিকা নবরত্ন: ক্লী নবপুকারমণবঃ।তদ্মথা। युका यानिका रेवम्या शासमान् বজু বিৰুমৌ। পদ্মরাগণ মরকতণ नीवाक्षि यथा क्रमार ॥ इंडि তব্রসারঃ॥#॥নরগৃহদোষ শান্ত্যৈ शार्याि नवद्रज्ञानि यथा । तिनूर्याः थातराष्ट्र मृर्या नीलक मृगलाकुन। আবনেযেপি মাণিক্য পদারাগ শশান্ধজে ৷ গুরৌ মুক্তা ভূগৌ বরু मान्। नीयः विषु वृशाः। बाएरी

नव्दा

हेनात्मकः वार्युः क्ला भन्नकः स्था ॥ इंजिनी निका ॥ अ ॥ विक-मानिज्य नास मजास् नव मन्ध्रक भाष्ठाः। यथा । थन्नस्ति सम्भग कामनिन्द्र मङ्गु विज्ञानस्य स्टिन् कर्मन कामिनाः। ध्यात्जे वनास् मिस्ति म्भाजः मजायाः नद्वानि देव वन्नस्टि नव विक्रमम्य ॥ इंजि नवन्नद्वः॥

নবরাত্রণ ব্লী আখিন শুব্ল প্রতিপদা-कि नवभी भर्ग्य नव हिन कर्खव्य मूर्गा बुज विश्नियः। जमताबस्तः। দেবীপুরাণে ডামরতত্ত্রে চ দেবী बहः। अभायुका न कर्खवा शुिलश् भूडान सम । सूर्क् मावा कर्डवता षिजीयारि छगादिजा ॥ मार्का खर पिरीशृद्धा^रयाः । शृद्धिका वृ या **भू**द्वा ভবেৎ পুতিপদাশ্বিনী। नव-ब्राब वुङ उम्मा न कार्याः नुङ মিছত। ।। অত্যোপবাশাদিক মুক্ত॰ स्मापुरे ভविष्ठा भाक विकाता-সিন্যা॰ নবরাত্তোপনাসতঃ। এক. ভক্তেন নক্তেন তথৈবায়াচিতেন চ ।। প्रकीया बरेन एक्वी सात सात भूष भूष । शहितः ममूनिरेज क्रि

वा करेनः कथिय व रिनः।। विलि मृत्यु जिंकपूरिक । व्र देह वरेन। क मान-रेवः ॥ समनत्राक् तमवीभूत्राति । कन्। नन्द्र ततो नक नूझा गात्रख्र निक्का ।। अभागी एथ विकामी नकाभी वाथ वायुमः। ज्यो भयीज **हामख**्र क्याती खिङ्ग्यमूमा ॥ বজালকার দানৈক্ত সভোষ্যাঃপুতি वामतः। विषक्षः भुज्रहः मम्त्रारमाः मन भाग भाग वटा। विकाल भूक . (याम् वी॰ क्रम लाज मदायगः ॥ कात्म । भानि हाश्वयूष्क भूद्ध नव-द्वाद्ध विस्मय उः। जन्मू का नव मूर्गाक नकः कर्गाए ममारिजः॥ नवदाजा-ভিষণকর্ম নক্তবুত মিদ- মৃত। তিথি वृष्को जिथि शास नवता व मनार्थक । ॥ अर्डेदाव्य न प्रायायः नवताव তিপি ক্ষয়ঃ।। 🛊।। তক্ত পূঁজাবিধিঃ। मा ह अयञ्जीजामि गत्कृ नवाक्रात्र वा कार्या। यथा। मक्त्र विभाग ঘটি সংস্থাপ্য তত্ত্ত দেবী মাবাস্থ ৰোডশোপচারৈঃ পু্জযিত্বা মাক **७क विन भर्मा आहि विन वा नि**-विषय ॥ 🗱 ॥ उठः समादी भूका ! उर्क श्मापी साना। अरेक्का

भू जारा कन्यां भक वृष्त्रा उरेश्व ह । দ্বিগুণ ত্ৰিগুণ বাপি পুত্যেক নৰ কন্ত বা ।। তথা। নবভি র্লজতে ভূমি 📗 रिमयर्ग्र विख्यान जू। अक वृक्तां न ভেৎ ক্ষেম মেকৈকেন শ্রিয়ণ ব্যভেৎ 11 🕸 11 जारा इस्माही निर्मयः 1 अक বৰ্ষ। তু যা কন্যা পূজার্থে তা॰ বিবৰ্জ (यट । शक्र शृज्ञ कनारीना॰ श्रीजि ন্তস্যা ন বিদ্যুতে।। তেন দ্বিবর্ধ মার-ভ্য দশবর্ষ পর্য্যন্ত **সমারিকা ১** विगृर्जिः २ कवाां । ७ त्राहिनी ६ কালী ৫ চণ্ডিকা ৬ শাস্ত্রবী ৭ দুর্গা ৮ সুভদুতি নব নামভিন্তাঃ পূজনীযাঃ । जामा मावाइन मदः । यथा। मद्रा ক্ষর ম্বীণ লক্ষ্মীণ মাতৃণাণ কপথারি-गी·। नवपूर्गाजिकाः माक्वाः कन्ता मानार्याग्रर ॥ धन मज्रईन क-र्या अनात्री गा॰ भुयन् छः। कक्रिक শৈচব বক্তিশ্চ গন্ধ পুস্লাক্ষতাদিভিঃ ॥ नाना বিধৈ ভক্ষ্য ভোৱৈ। ভোৱ-যেৎ পায়সাদিভিঃ ॥ তাঙ্গা ত্যা-काइ गार । गुस्यु हिठ भीर्गाकी রক্ত পূয বুণাঙ্কিতা। জাত্যন্ধা কে করা কণী ছৰপা তনুরোমশা ॥ मञ्जरकापुरियो कन्तर स्नेजी

গর্ভ সমুক্তবা ।। তাসা জাতি বি-শেষে ফল বিশেষো যথা। ব্ৰাহ্মণীণ मईकार्यं। ह जगार्थं नृभ व॰मञ्जः। লাভার্থে বৈশ্য বংশোত্থা সুতার্থে শূদু বংশজাংগা দাকণে চাস্ত্যজাতানাং शृक्षरयिष्ठिभिना नद्रः ॥ 🗱 ॥ व्यव (वन हा भारे छैकः। क्रुयाम्ला। **এव॰ ठ**ञ्दर्वन विष्मा विश्वान शर्बान् भुमानरय । (क्यांक वतन कार्य)· বেদ পারাযণায় বৈ ॥ তথা ৷ একোত্ত-, ব্লাভি বৃদ্ধ্যা ভু নবদী• যাবদেব ছি। **छ** शार्टन अलिहिन जानरम्बा नि-ধানতঃ ॥ 🕸 ॥ অত্রাশ্বতো ২শ পূজন মুক্ত। মদনরত্নে দেবীপ্রাণে । অশ্বযুক্ শুক্ল প্রতিপৎ স্বাতিযোগে मू (छ फित । পূर्व भू दिः भूवा नाम भुषम भिष भारतए॥ जमाए मा-খৈ ন রৈ শুত্র প্রেগ্রাসৌ শুদ্ধয়া সহ । शृक्षनीयाण्ठ जूद्रगा नवनी यावाप-विह ॥ भान्तिः श्रेष्ठायनः कार्यप्रः তথা তেবা॰ দিনে দিনে। ধান্য॰ ভল্লাতক• ঙ্বষ্ঠ• বচা সিদ্ধাৰ্থকা তথা ।। পঞ্চবর্ণেন সূত্রেণ গুছি ছেবান্ত বন্ধ-(य८। वायरेव) वाक्रिः लोहिः ना-कि र्स कि: न दिक्दिः ॥ दिक्पारिक

खेशादारेय रहामः कार्यता फिल फिल ॥ 🗱।। তত্র গজ পূজাপি। কন্নতরৌ াজ্যেষ্ঠা যোগে পুরা তত্র গভালাষ্ট্রো महावनाः । शृथिवी गवहन् शृर्वः नत्मव वन काननाः॥ अमूरेमद्राव-তৌ পদঃ পুষ্কদন্তো ২৭ বাসনঃ। मूनुजीका क्षता नीन खमाडा खब भू ब्रदय ।। 🛊।। यथ भू जिभना निष् वि শেষে৷ দুর্গভেক্তিতরঙ্গিণ্যা ভবি-(व) । किन मन्यात पुराणि भूम-म्sा८ शुजिनिम्ति।। नक्रेजन हि-তীযায়া কেশ সংযম হেতবে। **मर्भाक्ष ज्ञीयायाः जिन्म्तावकक** ত্তথা।। মধুপর্ক• চতুর্থ্যান্ত তিলক• त्व मुखन । भक्षम् । मक्र्रागक **भक्रावह्र**तभानि ह ॥ यष्ट्रा॰ विवृ उद्गो (वाश नाय नक्ताम् कात्राय । मक्षम्याः शाज्जानीय गृहमाध्य शुर्वमय्य ॥ উপোষণ मथोडेम्रा माञा भक्ताञ् श्रुनः। नवमता मृगुः ठखायाः भूजाः अर्यग्रहिन ख्या । मःभ्राक्तारभाषनः वर्गाट मन्मगाः भावत्त्राध्यरिः॥ यत्नन विधिना यस দেবী প্রীণয়তে নর:। ক্ষমবৎ পাল (यापियी जः भूय धन की खिनिः॥ 🛊 ॥

जासिन भूज शक्क मृत नक्छ नत-बजी ज्ञाभनः। यथाकः निर्गयाम्ख (म्दी भूद्रात्। मृत्वयु शाभनः (म्द्राः श्रीयामांत्र भूजन ॥ उँखतात्र व नि पर्तार मुवरान विमर्ख्यर ॥ क्द्रगामलि । मूल क्ल मुताथीम পূজনীযা সরস্বতী । পূজবেৎ পুত্য-र प्तर यावरिषक्य मृक्क ।। नाथ्रा প্रयम् वित्थमाधीयी कम्राहन। পুস্তকে স্থাপিতে দেবি বিদ্যাকামো षिरकाखमः ॥ ॥ खीनाव्य नवताख তাদূলাদি চৰ্বণ ভবতি। তদুক্ত• वु उरहमार्भे गाक्ष । गन्नानकात जाश्व भूग्नगानानूलभन· । **উ**প-वारम न मूम्रिडि मञ्चावन मञ्जनः ॥ এতৎ সভত্ কোপবাস বিষয়।। 📽।। (इमाप्ती। आधिन नाघ रेवृ मु।वरन-जिमाम हजूहेर क्काहेम ति भक् দশরাত্র বুত নভিধায়। অথবা নব ताबक मेर्छ शक बिके दिया। इंजु क । (नवीशृहात । नवत्राव दुरु २मक जित्राजिक ताजक । गुउक রতি বো ভক্ত ত্তমৈ দাস্যামি বাঞ্চি ७ ।। 🛊 ।। अथ नवत्राक भात्रधा नि-र्शयः। नाह मन्त्रम् कार्यप्रा ॥ 🛊 ॥

দশন্যা বিশেষস্ত ভার্গবার্চনদীপি কাথা ভবিষ্যে। শনীযুক্ত জগন। थः ভক्তाना मजरकतः। महिराषा भगी वृक्ष गईरयह उद्धः भूनः ॥ শমীমস্কঃ। স্কান্দে ছেনাদ্ৰৌ গো-পথবান্ধণে। অনক্লানা শন্নী भगनी॰ मूक्जमाह। मुःबन नामि नी॰ धन्ताः शुकात्रहः मनीः मूला ॥ उथा ভবিষ্যে। मभी भगगर भाभ· भभी भव् विनामिनी ॥ व्यक्त्ना धनुधांती तामना शिय-বাদিনী। করিষ্যুমাণা যা যাত্রা যথা কাল সুখ মযা।। তত্ৰ নিৰ্বিদ্ন কৰী বৃণ্ভব জীৱানপ্ছিতে।। #॥ व्यथ वन नीवाजन । कन्नवरङ्ग । **७** अवः। ह्यूत्रश्चः वनः मश्चः निव्रनिष्ठे वुक्षिक् ॥ मर्वक विकारगाः म्ब प्रभुनामार नूत्रचति।(गी-ডনিবন্ধে জ্যোতিষে। কৃত্বা নীরাজ-न द्रामा वस व्रेक्त वशा कम । শোভন থঞ্জন পশ্যেৎ জল গো-ष्ठम्। मिष्यो॥ इंजि निर्गयमिष्टुः॥ नवताबिक जी नवताब । दथा। व्या भिरम्भू भाक जू कर्खवा नव-बाबिक । शुजिभनामि करगरेश्व

गावह नवभी खरवर ॥ ইতি छवि-विगाखन ॥

नववश्ः जी नत्वाछ। नवीनाভार्यतः यथा। अमञ्जयद्वनतमा मञानि गन (मिविछा । क्त्र॰ न मङ्ख् क्रांबन् ज्भि नंववथ् त्रिव ॥ **इं**जि मुर्थकावुः ॥ #॥ नववश्वागमनिमन यथा। उत वाडेम मन्मम बामन बिष्ठ ठ वृर्थ वर्षाणि निविद्यानि। मात्रा मार्ग कानून বৈশাথা বিহিতাঃ। পাদ্ধঃ শুলুঃ। বিহিত নক্ষত্রাণি পুষ্য স্বাতী হস্তা **थ**निष्ठाखत्रायादग्रखत्रकृतुः छत्र-ভাদুপरा রেবতী মৃগশিরে। রো-श्गि भूनईम् भृ वीयाणः। वाताः বৃহস্পতি বুধ শুক্ত সোমানা।। जिथ्रया याजा भुक्तराभाकाः। क्रक्लामं वाद्यवना रिक् म्नारीन् পরিত্যজ্য তারা চন্দু শুদ্ধৌ কাল শুন্ধী 5 কাৰ্য্য ।। ইতি জ্যোতিব॰ ॥ अभिष्ठ । या जी भूम भून र्व म्खद्र-क्द्राः व्विज्ञानुद्राथा दिनी द्वाञ्चिगुः भुवना विज्ञागम विस्थी भूषता थनिश्रा তথা। ভর্তু র্গোচর শোভনে দিন-পতৌ কালে পুনঃ শোভনে মন্তা-काणि द्रावी मूख मूखिख्यो वा-

कृषि यात्वानित्व। विभाश मार्ग-भीर्षे, हि काल्युत हि भू छ त्रावी। नववंद्वा गम अर्ग्यानन्य मात्म विव-क्वरण्य ।। इकि मथु द्रमा ठकवर्षि कृष्ठ मात्रम गुरुः ॥ नववंद्रिका की नव्याण। इकि हाज्ञा-वनी।।

नवरक्षकः क्षी माशास्त्र । हेकि ताबः निर्वाणेः ॥ नवीनिशुर्य वि ॥

নৰবন্ত্ৰ• ক্লী নৰীনবসন•। নৃতন কাপড इंडि 'ভाষा। তৎপর্য্যাম্বঃ। অনা-হত ২ আহত ৩ অহত ৪ তমক ৫ নিষ্কুবাণি 🕒 । ইতি শব্দরত্বাবলী ॥ नवाञ्चतः १ । इंड्याबः ॥ 🕸 ॥ অথ নববন্ত পরিধান দিন । তত্ত্ব বারাঃ বুধ বৃহম্পতি শুক্রাণাং । नक्वाि द्वाहिनी म्गिल्ता मधा-न्ताक्षा धनिष्ठा भूष्य विमाथा इसा চিকোত্তরকলুণুগুত্ররাবাঢোত্তরভা-मुशनिश्वनी याठी शूनईमू (त्रवंड)ः ॥ धनिष्ठा जाहिंगी रुखा विमाधा চোত্তরাসুচ। জ্যেঙা পুনর্বসু স্বাতী চিত্রাধিনী চ রেবতী।। ইতি সার_্ সংগ্ৰহঃ ॥ 🗫 ॥ অপিচ। ধাজ-न्त्राथ वम् भ्वा विभाश इसा हि-

वाक्ता वि भवना मि कि दिव की मूं।
ब का कं जीव वृथ मूंक दिता ए मवादी
कार्यं कर वमन भी भन्न विश्व कृष्टी
।। मीर्ग नव वमन भी भन्न विश्व कृष्टी
।। मीर्ग नव वमन भी भन्न विश्व कृष्टी
नित्न कि कि मूं कु वृथ मित्र क कि
विकाय । का ना य मित्र कि कृष्णी
श्विय मक्त्राय मत्म्य मत्म्य मान्य मन्त्राय के नवा भन्न
था नव मायकः भू नव भाषा भाषि का कि
विष्य कः । नव मान के कि का सा ।
विष्य कः । नव मान के कि का सा ।
विष्य कः । नव मान के कि का सा ।
विष्य कः । नव मान के कि का सा ।
विष्य कः । नव मान के कि का सा ।
विष्य कः । नव मान के कि का सा ।
विष्य का । स्वा मान विष्य कि । कि सा ।
विष्य का ना भिर्त्य वा नव मायकाः
।। के कि भन्न मान कि का ।।

निवम् जिका जी (धनुः। इंडामद्रः॥ व्जन भूमवायाकः॥

नवाः शृ (नवािम्बाद्रणवाा् वाः नव जानः। यथा। চরাণাः न वि-काणानाः उहतान्ता नवाः गकाः। देजिमीश्रक्षाात्मय क्रमात्र श्रन्याः स्मानाञ्च नवाः गकाः। व्य कन्ताः म्गानाकः मकताि नवाः भकाः॥ जूका मिथ्न ब्रह्मामाः जूकान्ताः। ममूनाङ्गजाः। कर्कि वृण्ठिक। भीनाः नाः कर्काम्याः नवाः गकाः॥ स

নবাংশস্ত রাশীনাং বর্গোত্তম ইতি মৃতঃ। ইতি জ্যোতিস্তভূণ।। नवाक्। खी कर्क्रहेम्क्री। इंछि রাজ-निर्वरिक्षाशाहन विस्मास् क्री।यूथा। विश्वाम् जाद ज्निसिः शक्षेम् नी नम-ি শ্বিতৈঃ। কৃতঃ কৰায়ো হন্ত্যাশু বাত পিত্তোন্ডব॰ জ্বর॰॥ইতি বৈদ্যক॰॥ ্নবান্ধণ স্লী নৃতনান্ধণ ৷৷ তমিমিত্তশুদ্ধণ । यथा । वदा इ उवाह । अक्षा (या नवामानि सम क्यं शहायगः। ভুঞ্জন্তিযে নবামানি পরৈঃ শক্তানি क्न र ॥ नारु लाजन हामि পুন র্ভোগেন সুন্দরি। অবশ্যমেব कर्डवाः मम कर्म भन्नायरैनः॥ ততো ভাগবতো ভূত্বা নবান্ন•যো ন কার-থেৎ। পিতর স্তস্য নাশ্বন্তি বর্ষাণি मम भक्ष है।। जम्बा यस चूक्षीज नवाद्यानि कथ्थन। न जन्य थ्राया বিদ্যেত এব মেতন্স-শযঃ ॥'অন্য-**ছ তে পুৰক্ষ্যানি যেন তত্ত্ব পুনুচ্যতে** । পুাযক্তিত মহাভাগে মম ভক नूथावरः ॥ উপবাস· **वि**तावस তজ্ঞকেন বা পুনঃ৷ আকাশ শয-न क्षा हजुर्थ इनि मुध्रि ।। वर তত্র বিধি কৃত্বা উদিতে চ দিবাকরে

।পঞ্চগব্য ততঃ পীত্বা শীঘু মুচে ত কিল্বিষাৎ ॥ य এতেন বিধান্তেন शुग्यकिलं नमाहाद्व । नर्वनकान् পরিত্যজ্য মম্ লোকাষ গছতি॥ ইতি নবান্ন ভক্ষণাপরাধ প্রাযশ্চি ख ।। ইতি বরাহপুরাণ ।। 🟶 ॥ তস্য नियिष्क दिन यथा। मूर्यं। रेठव বিশাখণে মার তিথৌ পাপে ত্রি জ-ग्राविष्ठ नन्तामन्त महीन काव्य দিবসেপৌষে মধৌ কার্ত্তিকে।ভেষ্-गुाहि मिरवयू विकु भगत कृत्क শশিন্যপ্তমে শাুদ্ধ ভোজনক নবান্ন विश्विक शूडार्थ नामशुरः ॥ मूर्यीः চৈব বিশাখণে নাৰ্গলীৰ্যস্য বিংশ-তি দণ্ডাধিক পুথম দিন ত্রবাবছিতে मूर्यं। सद्गिष्णे वर्याम्नाः। পাপে পঞ্চন তারা ত্রযে। উগুঃ পূর্ব। **बर मदा छत्र**ग्धः। चक् त्रस्नदा । শিব আদুর্ণ ॥ জ্যেষ্ঠা শেষার্দ্ধগে সূর্ষ্যে মৃগনেত্র। নিশাত্মকে । নবারৈ र्ভाइन गुष्क इम्हत्नु जित्थो न ह।। অন্নেৰা কৃত্তিকা জ্যেষ্ঠা মূলাজপদ-কেবুচ। ভৃগু ভৌম দিনে রিক্ত তিথৌ नाम्रामस्बोमम् ॥ # ॥ ज जर् विधि र्यथा । भाभीयाम्स्य मःयूकः नवः

'বিপ্রাভিমঞ্জিত। দীপিকাযাণ। ভেৰুগুণিহি শিবান্যেৰু বিভৌম শনি-वामरति। व्यम्भागन वर वर्षामवाम কল ভক্ষণ ।৷ অধিকন্ত। হস্তা স্বাতি भूनईम् म्गमितः भूय्रान्ताथा उथा মূল্যযা শুবণে চরেবতি থনে চিত্রা-नल वाक्षा । वास्त्र भक विभाध-যোশ্চ তুরগে সৌম্যেন্দু জীবাহকে চন্দে শোভন তারকে চ শুভদ• শাুদ্ধ নবাকৈ: কৃত ।। ভোজরাক:। বুন্ধা বিষ্ণু বৃহস্পতী শশধরে। মার্ভ-ও পৌঞ্চাদিতী মৈত্রে চৈব বিশাপ वायू थना मृनाचि वाही उथा । শক্তে বাৰণ ঋক্ষকে শুভ দিনে শাুদ্ধণ নব॰ শস্যতে নন্দ। ভার্মব ভূমিজে-ৰু নভবেদ্বাদ্ধ নবামোক্তব ॥ ইতি জ্যোতিস্তত্ত্ব্ ॥ 🕸 ॥ স্বাধিনাধিকা-রে। শুরুপক্ষে নবংধান্য জ্ঞাত্বা পত্ব मूर्णाजनः। गरहर किंबी विशानन গীত বাদ্য পুর:সর: ॥ ইত্যাদিন। वुक्तभूत्राणन भाक्षिविधानार। व्यनि-छ । শहबनस्रायाः (किहन्यस्त्रः भुः চক্ষতে। ধান্য পাক বশাদম্যে শ্যা-নাকে। বনিনঃ মৃতঃ ।। ইতি মলমা-'সতত্ত্ব• ॥

नवायवः जी न्छनवद्धः। इंडिजिन्द्रः। नवाहिः श्रु मक्नगुरः। इंडि जिका-ওশেষঃ।। নবশিখা চ।। नवाहः भूः नवितनः ॥ भुजिभितिषः । ইতি বিশ্বঃ॥ नविका जी नवनसम्का। नव कायं जि ইতিবৃৎপত্তি সিদা। ইতি দ্রীত্য शुकद्राण पूर्णामानः ॥ नवीन वि न्जन। इंज्याहा। नरवाण जी न्जनविवाहिजा। उं পर्यग्रायः । वश्ः २ जनी ०। इंडि क्रोधदाः ॥ नवविद्यका ८ मिक्क्षी ए नवरयोवना ७ । इंडि हाद्रावनी ॥ मुक्षानायिकारजनः। जन्ता नकनः यथा । व्यक्ता ७व भन्नाथीन त्रि र्नताणं ॥ जम्त छेना इत्रंगः यथा । বলাদীতা পার্শ্বণ মুখ মনু মুখণ নৈৰ अक्ट धुनान। मूर्खानः, किशेडिः वननः हुम्रन विरथी। इति गुरुः इन्ड॰ ক্ষিপতিগম্নারোশিও ম্নানবো-ঢাবোঢার• রম্যতি চ সম্বাপয্তিঃ ह।। इंडि ब्रममञ्जूबी।। नवाक्ष्य क्री नवनीय । इक्राम्बः ॥ মুতনোত্মিতে ত্রি॥ नव्रः वि म्छनः। इंड्रमद्रः॥

नवाः भुः तकभूनर्वा। ই उ द्राष्ट्र- । विक्रिः ॥ स्र जिः । वृत्त स्र जो जात ॥ व्यत्त नव भक्षा स्र प्रार्थ (य निव्रसः ॥ नभाकः भूः काकरजनः । ইजुर्गानि कियः ॥

নশিতা ত্রি নাশাশুয়: । ইতি নশ ধাতোঃ কর্ত্তরি তৃণা নিম্লম্ম: ।। নশ্যৎপুস্তিক। জী মৃতবৎসা । তৎপর্য্যায়: । নন্দুঃ ২ মৃতপুঞ্জিকা ৩। ইতি হেনচন্দুঃ ।।

নশ্বঃ ত্রি নাশপুতিবোগী। দ্বংস বোগ্যঃ। ইতি নশ ধাতোঃ কর্ত্তরি বরপুত্যব নিম্ননঃ।।

नडे: जि जम्मनिविभिष्टे: । उट्या दे । जिरदाहिक: २ । इट्या दे । । नामा पुरः । यथा । यारगान हे: भद्र- स्म । इटि जी जगद्री का ।। नामा दी ।

नक्षेत्रमुः शृं भोत्रजानुरम्गाज्यंभाक्ष हज्थंत्रमूषिज कन्द्रः। स्था। नक्षे क ल्मान मृभा क जात्म् मानि निज्ञानि छ । हज्थंत्र मूर्षिर्छ। स्भूकः श्रुडि-विका मनीविज्ञिः॥ हन्द्र खात्राभ-इत्रो कनक मि पृक्तः। ज्या हन्दि रहं नन्द कामरा विक

শঙ্জি।। অকামতো নরো দৃষ্ট্র। মঞ্চ भूजः जनः भिरदः । छरा मुख्याः **ज्यव्य अरम् अ निष्कृतको असी जल** ॥ जि॰ इः भुष्मन भवधीय जि॰ हा জাম্বতা হতঃ। সুসমারক নারোদী ন্তব ক্ষেব স্যামন্তকঃ ॥ ইতি মন্ত্রেণ भृउक खनः जाधः भिविष्तुवः ॥ পুরা তারা গুরোঃ পত্নী নব্যৌবন সং যুতা। রত্ন ভূষণ ভূষাত্যা রত্ন সূক্ষাম-वा मजी।। मूल्यानी मुम्याजा वमन मुन्दती मूमता इता। अजीव कवती রম্য মালতী মাল্য ভূষিত। ॥ त्रिन्त् विम्नूना भाकः हाक हन्तन বিন্দু জিঃ। কন্ত্রী বিন্দুনাধশ্চ ভাল मध्य इलाब्द्रवा ॥ त्राष्ट्रन्यु मात्र निर्माण इंग्बाकीत त्रक्षिण। मूवक व्याप्तामा मुहाक कड्यु वास्त्वा ৷৷ সুচাৰু চাৰু মুক্তাভ দম্বপঙ্কি भारतारुद्रा। तङ्क अथव यूर्णान ठाक गश्रहामा ।। काभिनी पञ्चा वाना गरा भू अन्तर भिनी। भूका-मना हन्पुर्थी कामाराजा ह कामूकी ा। वर्गनमाकिनी जीत द्वाजा दिया-भ्रता वदा। ध्रायडी ध्रुक्शार मा यग्रः गमताम्थी ॥ मृद्रा जनताक

मक्षाक् भनक वाग भी फिला । जाए छज्येन भन्य कहात्र १ठजन वृत्त ।। क्कानः करानः मन्त्राभाः तथरम् तः जित्का वनी। त्रच मात्रास्यामान করে ধৃতা চ তারকাণা কানোমন্তঃ कामिनीद्धाः नमान्तिय। हुत्य ज्ञा भ्-द्मात्र कर्जु मूर् । उ॰ उम्वाह अब श्रिया ॥ তারকোবাচ। ত্যন্ধ মাণ ত্যন্ধ মাণ **हन्द्र मूद्रक् म्बनाः** मक् । एक गड़ी॰ বান্দণীঞ্চ পতিবৃত পরাযণাশা। ধক পন্নী সদ্দদনে বুদ্ধহত্যা শতংগভেৎ श्रिया सुर जवः माजार रिषरी प्रक সুরেশর ।। বিক্ দ্বা॰ শুদ্ধা সুর্ভক র্ভমীভূত করিষ্যতি। শুক্সত্মী বি-পুপত্নী যদি সা চ পতিবুতা ৷৷ বুন্ধ-रुठ्या मर्मुक उम्राः मक्शक वः ভেছ। পুত্ৰাধিকক শিষ্যক পিছে। मध्यामित्ना ज्वाम्।। यः वर्षाः व्रक পাপিষ্ঠ মামেকমাতর "ত্যজ দেন नग्रामि कीवश जूज्य यि मार मर्गु হীষ্যসি ॥ বিলহ্ন্য তারা বচন তাঞ্চ প্রাকু সুদ্যক। শশাপ তারা। প্ৰাণেন নিহানা সা পতিবৃতা'॥ নাহ প্রৱো বদ পুরঃ পাপযুক্তা व्यान जन। कनकी यन्त्रा गुरहा

ভবিষ্ঠান न नःশरः ॥ চন্দ্র মেবং उना जून-कामानव- ममान मा। তেম্বারনা কেনচিত্ত্বণ ভন্মীভূতো ভ विवामित्री हन्द्र खादा गृशिका ह क्षा ह द्रमण वुक । कार निशाय भुगरयो कम्खी जाः मूहि मिजाः॥ निर्कत निर्कत द्राया रेमल रेमल मत्नाहरतः। उकः मृक्षे। श्रृत्रधकः विन लिहा र नमा गठ।। भुवम् नर्व मुख्ना ह हन्मु खः नत्राः यत्यो। भूक खः 'ৰোধ্যামাস বচন' নীতি যুক্তিতঃ ৷৷ मुक उवाह। मृत् वट्न भुवक्रामि ওরবে দেহি তারকা । ভবপত্নী মাতৃপরা" ত্যক্র মন্বচনাদিখে। ॥ ককলাল ক্যোলায়ণ নিবৃত্তিত্ত ন-राक्ता। मठीमाः ख्वभन्नीनाः पुर-**लनवल्यक ॥ वृक्ष**रेजा मर्गुागाः পাতক লভতে জনঃ। স্মীপাকে পচ্যতে চ বাবৰৈ বুন্ধণঃ শত।।। বৃহস্পতিশ তেমধী ত্বাণভমী কভু মীশরঃ। ন চকার কৃপালু শেহ প্রিয শিব্যেণ হেতুনা ।েউভপ্য म्क्षे **न**े भूदा दिस्स नकामछः /। उट পতেঃ শাপতো হলৈ কি পরপুৰা প্রিয়া সতীন্ত্র প্রতমিষ্টরে বুক্লা বো

धरिष्वा कविः विजूः। সমানীय निषा | মাথ তারকা সহিত <u>বুজা। শম্ভোশ্</u>চ চরণাম্ভোজে চকার চ সমর্পণণ শস্ত্র-ন্ত পুতি যুক্ত চ বাস্যামান বিশ্বসি গামভা তমৈ পানরেণু নিম্নাপঞ্চ চ-কার সংগদভাত মতকে হস্ত কৃপালু ॥ अञ्चन भरमो ॥ क्वीरब्रास्य नामियञ्चा ठ भूगगन्तिखन नक्तः। ठकात हन्तुः निम्नाभ वृक्षण महिङः मूहिः ॥ रयाराम हन्दुः रयानीतन्त्र विश्वक्ष চকার সং। ররক্ষার্জ- ললাটে চ সো প্যব্ধ বৃশ্বণঃ পুরঃ।। অতএব মহা-দেবো বভূব চন্দুশেশরঃ। মৃগাকো चक्कि उद्धव कनकी स्व अभिन ।। **বজ্জ**্বাচৰ বোগেৰ দেহত্যা**গ ঞ্**কা-द्भ मः। তৎ শরীরঞ্চ ক্রীরোদে বৃক্ষণ। क नमर्भिजः॥ क्रानाविक कृभया भूठा कीर्तामस्य खर्छ। अर्ज न्ह्रकू ৰ্জন॰ তস্য পপাত চ জলে বুজ।। তশাস্থ ত্র চন্দুণ্চ নিল্লাপো দেব সং-সদি। বুন্ধা চ ভগবান্ শভ্রু রভিষেক कर्मा उ ॥ डेवाह ह मशापता निर्र्थ (रव मन्मि । महारम्य छैदाह । ई इनि गह भुक द अक ब विवयः भूषा ॥ भण्डः ेश्रणुद्र भा-

्थन ग्रम्भृत्छ। छित्राकि। घेर्ष াপতিবুতা শালা করুমীপটি কো-জুবি।। মনাশিষা যত্ত্বণ কৰ্পতিকা-রোভবিষ্যতি।বৃষ্যান্ডাদুচতুর্থ্যান্ড ওক্পত্নী ক্তা ক্তা। তমান্তমি-निर्त्त वर्म भाश्रम्रभग्रयूरगयूरगः মা ভুক্ত ক্ষীয়তে কর্ম কল্প কোটি **শ**তৈ র পি। অবশ্য মেব ভোক ব্য কৃত॰ কর্ম শুভাশুভ ।। দেহত্যাগেন হে বংস কর্মভোগো । নশ্যতি। প্রায়ণিভান্নসন্দেহে৷ ছস্ত মেব ভবিষ্যতি ৷৷ তারাপহরণ কংস ৰুলক শচন্দু মণ্ডলে।মৃগাকৃত বি-লাঞ্চ ভবিষ্যতি যুগে যুগে॥ ইতি नुकारिवराखं शिक्षण कमश्राण ৮०1 ৮) जश्रायः ॥

नहेरिहेण की शुन्यः। रेण्याः।।

त्माकारिना भित्रणम् नात्मा नहे

रिहेण छव भुन्यः भुनीयर् इत्म

न भुन्यः नी क य अ सिवि जन्।

भुन्यः मादिकाज्यः मृह्ण्यः।

रेण मर्द्यः। र्य त्माकारिक

तत्मय रिहा नामः भुन्य रेण्यः।

रेण छत्रजः॥ येश मृनुजा ह॥

नहादिः भुः यम्राशिकाविकः भुमा-

निर्माक कार्यना छात्र ने विश्वास्त्र ।

विश्वास्त्र मान्य मः। उट्मर्यायः।

विश्वास्त्र से किक्ष्य भाष्ठ कित्र नीउ प्राप्त । उट्मर्यायः। व्याष्ट्र से किक्ष्य भाष्ठ कित्र से विश्वास्त्र । व्याष्ट्र से विश्वास्त्र । व्याष्ट्र से विश्वास्त्र । व्याष्ट्र से विश्वास्त्र । व्याष्ट्र से विश्वास्त्र । विश्वास्त्र से विश्वास्त्र । विश्वास्त्र से विश्वास्त्र ।

वास्त्र मुक्ता की सर्वास्त्र विश्वास्त्र ।

वास्त्र मुक्ता की सर्वास्त्र विश्वास्त्र ।

वास्त्र मुक्ता की सर्वास्त्र विश्वास्त्र ।

वास्त्र मुक्ता की मानिका। इति विकाष्ट ।

रखः পू॰ नामिका। ইতি শব্দালা।। নস্যে ক্লী। ইতি রত্ম্যলা।। পঞ্চবিধ নস্ত কর্ম্ম যথা। পুতিমর্কো হবপীড-শ্চ নস্য পুধমনম্ভথা। শিরো বিরে-हनरिक्षव नस कर्या जु शक्या ॥ नेय-मूह् मना ८ त्रारा या वान् वकुः भुभार তে। নন্তে নিষিক্ত ন্ত॰ বিদ্যাৎপুতি मर्वः भुमागजः॥ भुजिमर्यक नम्।-র্থ করোতি চ ন দোব ভাক্। শো-ধনঃমন্ত্রমুনস্কস্যাদবপীডো দ্বিধামতঃ ॥ व्यवनीष्ठ मीयः ययाम्बनीष ে স্ততঃ মৃতঃ। স্বেহার্থণ শূন্য শিরসাণ গুীবা কন্ধোরসাণ তথা ৷ বৈলার্থণ 🛚 দীযতে স্বেহে৷ নন্ত শব্দো ৎত্ৰ বৰ্ত্ততে । नगुगु दिन्दिकमुद्धित्वा स्टिश ्जू विनावेः ॥ शुर्खाकरमा नहकरा

न् ना बिक्ति विभिन्नहरः H इकि वि-দ্যক পরিভাষা ৷৷ 🗯 ৷৷ শুক্তিক পাণি শুক্তিশ্চ মাত্রা ন্তিসুঃ পুকী-विकाश दावि निष्म के निष्क রিত্যভিধীয়তে।। ধিশুকী পাণি भूकिक प्रयास अनीत ने देतः॥ তৈল ককে চ বাতে চ কেবলো श्रवत वना ॥ मन्त्रामन्तर नेना পিত্তে সর্পি মজ্জা সমাক্তে। খ্যা-भन दिहन हुन युक्क गाल मूथ वायु-नाना वजकून विमूथया नाउन रेखव-জ গর্ভথা। সহি ভূরিতর দোৰ **ठू**नंद्वामशकर्यां ॥ भित्रा विद्राहन मुरेकः एत्रेक् वा रिजः भुजाधिकः। निता वित्त्रवन मम्बार दास्मिर्च-छितू वृक्षिमान्।। शोद्रात निवनः म्त जाए। बंधन्त्वाचीन्त्य। विशेष গণ্ড জিনি গৃছি জন্তাপনার প্রীন্টে ৷৷ তোৰ মদ্য গর স্নেহ পীতানা পাতু মিহতা । ভুক ডক্ত শির: न्नाठ नाजूकाम नुज्ञ नुका भा भव-পীনস রোগার্ভ স্তিকা খাস কা-निनाः। भूषानाः एख वडीनाः उथा मार्खव पूर्णिया। व्यव्यान्त्रशिक माध्ये रेन्याः नमाः सुरवांक्रपृक्षः ।

म नगाः नृत्न मक्षात्म बाजीजा भी-जि वद महा। गरान बामाण प्यः कराजा नान शक्षाम । न भूषि नृर्भ नवत्म नाजिकास मक्षाको स्थान सम्म महाः भन्नः शुज्भियंस विस् वदः।। ইতি সারকৌমুদী।।

नखा जी नामाक्ठ कि पु । इंडि नखिउ मक होकायाः जनकः॥ न खाज्यन माद्याजाः कर्न माद्याद्य जात्यन माद्याजाः कर्न माद्याद्य ज्यतः। व्यक्तिमाद्याज्ञ क्रिक्श वस्य हान्यायनक्षत्रिक्ति मृजिः॥ वस्तिः भू नामानिहिज्यक्कृवनीः वर्षामि। नाक् क्षांजा वसम् इंडि जाया। उद्भवित्रायः। नत्माजः २। इंडिअन्नः॥

নন্তোতঃ পু• নন্তিতঃ।ইত্যমরটী কাষা• রুমানাথঃ॥

नगः क्री मानिका (एय ह्नांपि। उट शर्यायः। नसः २ नादशः ०। ইতি इक्ष्माना ॥ दमनः (तहनः नगः। निकरः कानुवामनः। (क्रायः शकः विषः कर्यमाना जमः शुवकः। (ज्ञायः। ইতি देवरुक शिवजाया।। नामायाः रिट केट्स्यक्तिन ह कि।। शृशुद्द शूर्वे कि मानिक्षमात्र व्याक्षताः।। नम्त्रा की नामिका। यथा/। युगाः गद्यका नामा नमा नमा न मा है जिल्ला का है कि जज्ञ उक्क माहमानः ॥ नाम ति जज्ञ क्ष्य माहमानः ॥ नाम ति क्ष्य महिलः। है ज्या । ॥ निक्षः। या विवादः। विवादः। ज्या गर्यायः। या २ त्ना २ न १। है जिल्ला । या १। है जिल्ला । ।

নহবঃ পু॰ নাগভেদঃ। চন্দুবংশীয রাজভেদঃ। ইতি মেদিনী।। স চ পুরুরবসোল্ডেঃ পুশ্রস্যায়ুষঃ মৃতঃ াইতি পুরাণণ।।

नष्याथा॰ क्री जगत्रभूष्मः। ইতিরা-জনির্যক:॥

নহৰাত্মজঃ পু॰ য্যাতিরাজা। **ইতি** পুরাণণাঃ

नकवः क्री मूका । इंछि রাজনির্যকঃ।।
छाরा। তৎ পর্ব্যায়ঃ বক্ষণ ২ ভং ত
তারকা ৪ উড় ৫ । ইত্যমরঃ।।
তারক ৬। ইতি শাখতঃ ।। তারঃ
१। ইতি ব্যাডিঃ ।। দাক্ষায়ণ্যঃ।
তম্বা । অধিনী ২ ভরণী ২ কৃ
ভিকা ও রোহিণী ৪ ন্গশিরঃ ৫
আনুণ ৬ পুনর্বন্থঃ ৭ পুরুঃ ৮
ভারেন ৯ মনা ২০ পুর্বন্ধনী ১১

উ खित्रक्लुमी >२ रखा :० हिंबा >8 बाष्टिः ३० विन्ताथा ३५ जनुताथा ३१ জ্যে। ४ म्वा ३३ भ्दांगाण २० फेल्डवायाप्त २२ भूवणा २२ श्रनिष्ठा २० শতভিষা ২৪ পূর্বভাদুপদা ২৫ উত্ত রভাদুপদা ২৬ রেবতী ২৭। ইত্যমরঃ **জ্যোতিষ্চ ।। এত। অভিজিত**। **সহ অষ্টাবিশ্বতি নক্ষ**ত্রাণি ভবস্তি ॥ 🗱 ॥ जामा कत्मनावित्तवज्ञायथा । जिस्ति । यस २ म्हन ७ क्मना ८ भाभ ৫ भृव इ ५ मिं उ १ बीव ৮ किंग र्रे किंग्डितः रेका (यान्) रेरे २र्ग्या २२ मिनक् २७ खुष्ट् 78 शवन ২৫ শকাগ়ি ১৬ নিত্রাশ্চ ১৭ ॥ শকো ১৮ নিশ্বতি ১৯ স্তোয়ণ ২০ र७ इति २२ ईमृ २०

र्बक्गः २४। जनभारा २६ १ हित्युः २७ भृषा २१ ८० जी खता जाना ११ ॥ जाना ११ गा यथा। छेगुः भूर्वनथा छ-काः १२ १२०। २६। २०। २। धुन्यम खीगु ज्वाि सज् १२। २५। २७। १॥ वीजा रिज इत्रिवय रुत्रभगः २६। १॥ २२। २०। २८। भूषु । भित्र मृणा छाङ् । १८। २१। ६। २१। मृष् । छोङ्ग ११६

क्षुन्तु युक् २। ७५३४। २२। मिल्नु ৰিয়িঃ স বিশাথ ভঃ ৩। ১৬। শুভ कनाः गर्दा सक्छा गनाः॥ 🛊 ॥ व्यक्षमूर्थनकवानि यथा। व्यस्त र বহি ৩যম ২ পিত্ৰ্য ১৯ বিশাখ ১৬ যুক্ত॰ পূর্বাত্রয়॰ ১১। ২০।২৫। **শত**-ভিষা২৪ চ নবাপু্ডেনি।এতান্যধো-মুখগণানি শিবানি নিত্য বিদ্যার্ঘ্য ভূমিখননেষু চ ভূষিতানি॥ 🛊 ॥ 🛪 नक्ष वादि नक्ष वागा क्य मन्त्र मि . कथन यथा। जग्र मन्न हिनद क्म्यः প্রত্যরিঃ সাধকো বধঃ ৷ মিত্র•পরম भिजक जगजाह भूनः भूनः॥ नर्ब मक्न कार्याि वियु बन्यम् कात-(यद् । विवास भाषा रिजयका याजा क्कोतानि वर्ड्स्यए।। याकायाः शिष वन्नन क्षिवित्थो महीर्थनात्मा ভবেৎ ভৈষ্ক্যে মরণ তথা সুনিয়ত দাছো গৃহারম্রণে।ক্ষৌরে রোগ সমাগমো वर्विषः भुंतिक श्र्यनामं ख्या वात्र বুদ্ধি বিনাশন স্থারিভয় প্রায়োত্য भा जग्रा ॥ 🛊 ॥ नक्ता वाद्या রোগেষু ভোগাদি वथा। जनाधान निधन ए शुर्जाती ह सिशटकात । यनि वर्राधिः সমুৎ शवः क्रिमाय सत-

वायवाः। कृ जिकासू यहा वराधि न् नाष পুতিপদ্যতে ৷ নব রাত্রণ ভবেৎপী-ডা ত্রিরাত্র রোহিণীয়ু চ। মৃগশীর্ষে পঞ্রাত্র মাদুর্যি শুচ্যতে **ংসুর্ভিঃ**॥ পুনর্বসৌ তখা পুষ্ঠে সপ্তরাক্র বিধী-খতে। নবরাত্র• তথাশ্লেষে নাস মে- ॥ कः भवाम् ह।। हो नारमो भूईक्लुन्त मुखतामू जि शक्षकः। राख्यू मधाम মোক্ষ শিত্রাযামর্জ মাসক ।। মাস ছয় তথা স্বাত্যা বিশাথে দিন বিংশভি ৷ মৈত্রে চৈব দশাহানি জ্যেষ্ঠায়া নৰ্দ্ধনা সকণা মূলে নজায়তে भाकः भृदीयार विभक्षकः। উত্ত-রা দিন বিশ্বত্যা শুবণে দ্বৌচ মাস কৌ ॥ ধনিষ্ঠায়। মন্ধ্রমাস বাক্ণ্যাঞ্চ मणाङ्क । नव जापुश्राप साक উত্তরাসু ত্রি পঞ্চক•। রেবত্যা॰ দিন বিংশত্যা চাহোরাত্র তথান্দিনী ৷ প্রাণৈ বিমুচ্যতে নিত্যু ভরণ্যা নাত্র স•শযঃ ৷৷ কৌশিকেন সদা দিষ্টা ন-ষ ব্যাধি সম্ভবাঃ। নক্ষত্রে পুতি কর্ত্র্য নক্ষত্র পথ জানতা।। 🗱 ॥ নক্ষ্ চতু র্ভাগ বোধকানি চত্ত্বারি नामान्यक्षानि यथा। य उ इ ००।

কু ঘডছ ৬। কে কো হ হি ।। হহে হোড ৮। জিডু ডে ১৯৮৯। म मि मू (म २०१ (मा है हि हू >> १ हि ही न नि ३२। भू य ग ठे ३३। পে পোর রি ১৪। ব্ রে রো ত ১৫। তি তু তে তো ১৬। न नि नू (न ১৭। নো য যি যু ১৮। যে যো ভ ভি ১৯। जू १ क ए २० । (ज (ज) क कि २) । জু জে জো খা। অভিজৎ। थि यू (यं (था २२। ग गि ख (ग २०। गान नि मू २८। लिला मि रिए मूथ या क २७। (म (मा व वि २१। इ ए ए। व । वि चू (व (व। २। খন যুক্ত শ্চাকার যুক্তেন জ্ঞেযঃ। <u> হুম্বেন দীর্ঘো জ্ঞেयः । তালব্য</u> শকারেণ দস্ত্য সকারো জ্ঞেয়: । ইতি জ্যোতিস্তত্ত্ব• ॥

নক্ষত্রকান্তিবিস্তারঃ পু• ধবল যাব-নালঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ।

নক্ষত্ৰচক কী মন্ত্ৰ গুহণোক্ত ষট্
চক্ৰান্তৰ্গত চক্ৰ বিশেষ: । তথাচ
বৃহদ্বীক্ৰমে । উত্তরাদ্দিশাগ্ৰান্ত
রেখা স্বৰ্যাচতুষ্ট্ৰী । দশরেখা:
পশ্চিমাগ্ৰা: কৰ্ত্ৰত্যা বীরবন্দিতে ॥
অকারাদি ক্ষকারান্তান্দ্ৰি চন্দ্ৰ

विक्ति (त्रकान्। ज्भीनम् (नव हन्मु। क अस्त्रवास्र थरगो शिय । विज् নেত্র নেত্র যুখ্মাণ শ্চেন্দু নেত্রাগ্নি চন্দু কান্। মহাদি জ্যেষ্ঠ পর্য্যন্ত দ্বিভীয नव जातक ।।विद्य ज्ञीन्यू ठन्मु। भ যুণ্মেন্দু নেত্র বিহ্লিকান্। বেদেন ভে-দিতা বর্ণা রেবত্য শগতাঃ ক্রমাৎ।। **নিবন্ধে।পূর্বো**ত্তরা ত্রবঞ্চৈব ভরণ্যা-দুঠি রোহিণী। ইনানি নানুষাণ্যাহ ৰ্ক্ষতাশি দ্ৰীষিণঃ ৷৷ জ্যেষ্ঠা শত-ভিষা মূলা ধনিষ্ঠাশ্লেষ কৃত্তিকাঃ। **ठिबागेया विभाशाः मु**ऽ खाता ताक्रम দেবতা: ॥ অশ্বিনী রেবতী পুষ্যঃ স্থাতী হস্তঃ পুনর্বসুঃ। অনুরাধা মৃগ-শিরঃ শুবণা দেবতারকাঃ।। তথা। স্বজাতৌ পরমা প্রীতি র্মধ্যমা ভিন্ন कािं वृ । त्रका नान्यया नात्ना दिवन मानव (मवर्याः ॥ गनाशवाम মাহ গবাক্ষ তত্তে। পুণব স্ত্র্যক্ষরী भाषा (वृताम वृताशी यउक्क दः । शुमारमा वर्षिशी ह मध माधावनाः मृजाः ॥ भातनायाः। क्य मण् ্বিপৎক্ষেমঃ পুত্যরিঃ সাধকো বধঃ ৷ মিত্রণ পরম মিত্রঞ্চ জন্মাদীনি পুনঃ श्नः॥ जम् जि शक् मश्रानि वक्तनी-

यानि नक्क वाि। छथा ह ता घर छ छैं।

1 त्र मार्ट नव छ पुः शि यूग यूग्म गठानम्भा । इंछ ताि न छ पुः शि नक्कवाि । इंछ ताि न छ पुः शि नक्क ने गर्मनीयः । जर छात्न स्र नामा प्रक्र में
मित्र नक्क वाम् गनीयः । जथा ह ।
श्राप्त किल्यान गण्य मार्थ मार्थ का प्र मुन्ताः ।

नक्ष विक्र में में हिंछ उच्च मातः ।

नक्ष वित्र में स्त्र विद्या । यथा । नक्क व ।

। ইंछ विक्र में स्त्र मार्थ । ह मुन्ताः ।।

धुदः ।। दिव छ । की। इंछ मित्र ।।

धुदः ।। दिव छ । की। इंछ मित्री

नक्ष विशः । प्र ह ।।

धुदः ।। दिव छ । की। इंछ मित्री

नक्ष विशः । प्र ह ।।

भाषि ह ।।

नक्ष जश्रक्षः शृ वु जिति निष्धा यथा।

पुत्र जा कथियगानि नक्ष ज श्रक्ष

वु ज । नक्ष जाकानि (नवस्र) यानि

यानीर नात्र ।। गृलक्षं हत्र (ने विष्णा

र्जाह (द (तारिनी चि जा। (द जान्नी)

जथा थितो म खि ज्या (द जान्नी)

जथा थितो म खि ज्या (द जान्नी)

जा वा ए द जथा हा कि ज्या (द जान्नी)

नी वय । कि हा कि जि लि का रे कि वा

गृर तम्र म कि जा। (श्री क्षेत्र का

य भार्य कि कि जा। (त्र वेजी चि जा

। जितः म इ। द्यु ताथा भृतिका भृष्ठे

স ছিতা।। বিশাখা ভুজযো হস্তঃ ক तहरा मुनाइछ । भूनई मु तथा कुला । নথাঃ সর্ব তথোচ্যতে॥ গুীবা স্থিত। তথা জ্যেষ্ঠা শুবণঃ কর্ণযোঃ স্থিতঃ 1 মুথ সংস্থ তথা পুষ্যঃ স্বাতি দ্ভাঃ পুকীৰ্ত্তিতাঃ॥ হন্দ্বেবাৰণ শ্চোক্তো নাসা পৈত্র, মুদাহত । পুরাজাপত্যক নেত্ৰাভ্যা• ৰূপধায়ঃ পুতিষ্ঠিত• ॥ मित्रात्रोमु खथारिव नक्क वाक मिन॰ **₹**रतः । विधान• म•श्रुवक्कानि यथा যোগেন নারদ।। সংপ্জিতো হরিঃ कामान् विमधाि यथिक्किजान् । হৈত্রে নাস্যসিতাইন্যা যদা মূল-গতঃ শশী।। ভগবন্ত সহ লক্ষ্য शृङ्खर विधानजः। नक्षव अविधी मन्। विश्वमृग्य व छाडन ।। कानूनी **চাश्विनी (यार्ग भृ**क्षयम्थ ভक्किउः। (राहरर ह इतियाम शृक्विष्क ভোজন ৷৷ আষাঢাভ্যা তথা দ্বা-ভ্যা॰ भार्क भूकरयमू थः। সলিল॰ मिमित्र॰ তত্র দোহদে চ পুকীর্ত্তিত॰ ॥ क्छुनी दिउरा छश् भूजनीय॰ विष्करेगः। (माइएम ह श्राया शव्रः দেয়ক দিজ ভোজন ।। কৃত্তিকাসু किः भूका लाभशोम बिंजिन

रेयः। रतयक रमाइरम विरकाश्युगिक अमृत्मापक ॥ भार्य जामुभर पूरिय পূজ্যিত্বা বিধানতঃ। গুড় সশাবি-क॰ मम्त्रात्माइरम् स्व श्रीजिमः ॥ দ্বে সক্ষীরেধতী যোগেদোছদে শুক মোদক। অনুরাধাসু ভঠর সলখা। ন্তত্ৰ দোহদে ॥ শুৰিষ্ঠায়া তথা शृष्ठः भावि छङ्क (माइम । शृष्र) मूथ॰ शृह्या (माइप घ्उभायमः ।। স্থাতি যোগে চ দশনান্ দে। হদে তিল শকুনী। ভুজ যুণ্মণ বিশাথাসু माइम भन्नामन ॥ इस्ड इस्डो उथा भूख्ती यावकः (माहाम मृजः। भूनर्बमा वक्नु निक्त भारतिकः छव দোহদে।। দাতব্য কেশব প্রীত্যৈ বাহ্মণস্য চ ভোজন ! হনূ শতভি-याया॰ देव भूकत्य खु भुय कु छः। भिर्य कू त्रक भान। मः (मारुम्क मधुष्त्रियः। यघानु नानिका भ्कार नधु मन्त्राह ভোজनः॥ मृशाखरात्य नयत मृग गांनक (नाहर । हिजा खारम ननारेक (मार्प ठाक ভाজन ॥ ভরণীষু শিরঃ পূজ্যা চাক ভক্তঞ্ मिहरम। मण्डनीया विषक्ति तामु যোগে শিরোকহাঃ॥ বিপ্রাণ্ট ভো-

नाञनी

खराष्ट्रका माश्य ह अपानुंकः। নক্ষ যোগেছেতেৰু সংপ্ৰ্যৱগতঃ পতিং৷৷ ততন্ত দক্ষিণাং দদ্যাৎ স্ত্ৰী 'পু'মো 'চাৰু বাসস'। ছগ্ৰোপা-नम्बूगरिक्त मध धानंत्रानि काक्षन॰ ॥ व्डभाजक गा॰ त्राक्षी॰ द्राक्षनाय नित्वरप्र । भुक्ति नक्कव त्यारगन পুজনীया दिजाजयः ॥ नक्रवछाय विशाय श्थप्ताइ मिक्ता नक्क পুৰুষাখ্যু ছি বুতানা বুত মুন্তম ।। **७**व॰ विधाना वृक्षन् नक्षवाका बनार्चनः। পृक्ति ত। कश्यात्री यि रेखः পুাণ্ডা চ সুকামিতা।। এতত্তবোক্ত• পরমণ পবিত্রণ ধন্যা যশস্যা শুভ क्रमरायि। नक्ष्व भूष्मः भत्रमः वि খান শৃণুষ পুণ্যা মিছ তীর্থ যাত্রা ॥ ইতি বামনপুরাণে ৭৭ অধ্যাযঃ॥ নক্ষত্রমালা দ্রী সপ্তবিশ্শতিমৌক্তিক -কৃত হারঃ। ইত্যমরঃ॥ নক্ষত্র শ্রেণী ह ॥ 🕸 ॥ मधिवः मि क्शिरिः ৰূপকৈ ৰূপ ৰূপকৈঃ। নৃত্যে নক্ষ এ মালাস্যান্যুক্তাবলি রিবোজ্জ্লা।। इंजि मक्रीजनारमानदः॥ नकरवनः भू हम्मुः।। दभ्दाः। इंडऽ-मनः ॥

না ব্য নহি। অভাবঃ। ইত্যমরটী-কাযাণ ভরতঃ॥

न। পू॰ পूक्षः। इठ्यमतः।।
नाकः भू॰ सर्गः। इठ्यमतः॥
नाकनाथः भू॰ इन्द्रः। इठि विकाखः
भ्यः॥

नाकनायकः शृ हेन्द्रः। यथा। म वऽठीठऽ वियम्ख्रतगाथः नाकनायक निक्ठन माश। ইতি निष्यं क्र मर्शः नाकनायकश्रद्धाहिठः शृ वृहम्मिडिः । यथा। साय धर्म ठनय मूऽन हिर्छ। नाकनायकश्रद्धाहिठः भूजः। ইতি জ্যোতিস্তত্ত্বः॥

নাকী পু॰ দেবতা। ইতি হেমচন্দুঃ ॥
নাকুঃ পু॰ বন্মীকঃ। ইত্যনরঃ ॥
মুনিবিশেষঃ ॥ পর্বতঃ। ইতি মেদিনী ॥

नाकृनः शृ नञ्चनश्राः । इं ि जिलाछरकोत्रूपी ॥ नञ्चन गञ्जकिति जि ॥
नाकृनी जी ञ्रकूषोकन्मः॥ ताञ्चा॥
प्रिका। इं ि मिप्ती ॥ यविका
॥ यि कण्डेकाती ॥ कन्मिति मयः ।
नाई इं ि था। जा। उर्वेशिका ।
जन्में गक्षा र जूगका ० तकंशिका ।
है यती द नागगका छ व्यहिजूक् १

महमा ५ मर्शाहनी २ वडाव्यका २० १ व्यमडा खनाः। जिङ्का १ कहुँ दः । উक्षदः। जिल्लावात्मक्ति सामि पुक्ष। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

नाग॰ क्री विक्:॥ भीनकः॥ क्रा विश्नियः । इंजि शिक्ति ॥ #॥ नाग কর্ণ জাত ফল পথা। নাগোড়বো নাগ ধনাভিলাষী বক্তোক্তি জালো নিতরা শুশীলঃ ৷ ক্রোধায়ি সম্ভা-भिज वस्रुवर्शा ज्रांभागः महा किन तक जूमी ॥ इंजि काशी-शुपीशः॥ #॥ विष्ठाक त्राक् भी-সকে চ পু•। তয়োঃ পাক হীনযো र्भाषा यथा। भाक शैतो नाग-विको क्ष एन्य क्षा क्री। भिश् পাণ্ডু করৌ বাত কফ মৃত্যু করৌ भूनः ॥ তया मात्रनः यथा। जन्य विका द्वक् वृर्ग व्यूर्था स्मन निः किरिष् । मृथ्भाख विकाउ नाम लोह नर्वरा ह हाम्यय ।। यारिमरकन ज्यक्य ज्वूनाक मनः मिना। काञ्चिकन ब्यं निक्षे भएम् পুটেন চ।। স্বাঙ্ক শীত পুন: পিঞ্জী मिनया काश्चिरकन ह। भूनः भूरहे ছরাবাভ্যামেব বঞ্জি পুটি মৃ জিঃ

११ क्षा नागः निम्त वर्गाः निय-उ मर्बकार्यं कृ । मिन्क नर्ब्रा नागा मृजा जवि जयमा ।। प्रायः कीर्न्तः वीर्यं वृद्धिः करतानि स्मवना मन। स्तागान् रिष्ठ मृजा नागा वश्चवृत्तु कात्रकः ।। ইতি मूथ्यायः ॥

नागः श्रु॰ शहगः॥ रखी।। क्द्रा-ठात्री ॥ स्वयः ॥ नागरकणदः ॥ श्रुमागः॥ नागरष्ठकः ॥ मुखकः॥ (**ए**ङ्। निष्यु (७ पः ॥ डेख त्र भ प 🕸 -তে শুেধঃ। ইতি নেদিনী।। উদ্দারে নাণ ইত্যুক্তোনীল জীম্ত সমিভঃ। ইতি সারদাতিলকটাকা।৷ তামূলী ॥ (स्माजिनः। इंजि नानार्थि। का-যা॰ ভরতঃ॥ নগে গিরৌ চন্দ-नामि जाती वा जवः। न गहजीजि অগঃন অগঃনাগঃইতি বা৷ তক্ষ্ करकी े शुक्छि प्रविशानि मन्या-कातः क्वानाकृत युकः। ইতি ভর-जः ॥ जर्भर्गायः । कामुत्वयः २ । इंडानद्रः॥ नारगाए भन्नि यंथा । স্কতা বৃদ্ধণা সৃষ্টি নরীচিঃ সৃতি কারণ । পুথম মনসা ধ্যাত ভস্য भूधव कमाभः॥ उना माकायभी

ভার্য্যকন্ধ নাম শুচিমিতা।মারীচো कनेयामान जन्गा भू शामकावनान् ।। অনন্ত বাসুকিঞেব কম্বলঞ্চ মছ।-বল । ককোটকঞ্চ রাজেন্দু পদ্ম চান্য সরীস্পা । মহাপান্ত তথা শহ্ব স্বলিক ক্ষাপরাজিত। এতে कमार्थ पायापाः भुधानाः भित्रकीः র্বিতাঃ।। এতেষাম্ভ পুস্ত্যা তু ইদম। भूति उ॰ जगर। अधिवा शीन कर्मान खीक्षात्म तथ विरवान्नाः॥ मृष्टेरा म॰-म्भा मनुकान् छम अयुर्ः कनाखुव॰ । नक्गामी यथान्त्रामां मन्द्रामाः নরাধিপা। অহন্যহনি জাযেত ক্ষযঃ रात्रम माकनः। जाजानस क्रय मृक्षा **পুজाः मर्दाः ममञ्जः॥ जग्नः म**र्गार শরণ পরস্ত পরমেশ্বরণ ইন সে-वार्थमू फिना। भुनाः मही महीभएउ ॥ अष्टूः कमलकः (एवः भूतानः तुक् मः क्छिउ । दिवा के दूर । दिव दिवा লোকানা• পুসৃতিঃ পরমেশ্বর I ত্রা-हिन छीक् प॰रड्रेएजा जूबकानो॰ गर्।-ক্মনা॰।। অছন্যহনি যে দেব পশ্চে-वू कत्रगा मृना। मनूष्र म्गग्य वा ७८ नई • ज्यमाख्य द्रा व्या म्डिः क्ञा (पव नीयां ना जूबक्रानः ।

वज्ञापा जू पूर्व उ उ नक्य মহামতে।। বুন্ধোবাচ। অ**হ**• র**ক্ষা•** বিধাস্যামি ভবতীনা ন সংশ্यः। বুজধৃ স্থানি ধিষ্ট্যানি পুজাপালাঃ বুন্ধণা ব্যক্ত মূর্ত্তিনা। আগতাসূ পু-बादाम् उत्तरम्य जुङ्कमान् ॥ भ-শাপ পরমকুদ্ধো বাসুকি পুরুখাণ ख्या। वुष्कानाह। यत्ज्वभाँ ८ भूज-वानिजाः कराः नयज मानुवान् ॥ ভবান্তরে তথান্যমিন্মাতুঃ শাপাৎ সুদাৰুণা । ভবিতাতিক্ষয়ো ধো-ता नृन• श्रायञ्जूनाष्ठत ॥ अव मुकास्त বেপম্ভো বুন্ধণো ভুঙ্গোন্তনাঃ। নি-भठा भारत्या छमा इमम्हू ईह उमा।। नागा छेहुः। छगवन् अिटना ল্লাতি রস্থাক ভবতা কৃ হা।বিবোদ্-गद्दः ज्रुद्धः मृक्षञ्चर्यः नसुरा ॥ मन्पाहित पुरा तिय इतानी नम यानु उ । बुक्तावार । यनि माम नया সৃষ্টা ভবস্তঃ স্ফিলাশ্যাঃ॥ তত্তঃকি মনুজাগিত্য ভক্ষবৃধ্ গভ ব্যথাঃ । नागा अदुः। नर्यप्रामा अस परतम शानरिकव श्थक् श्थक् ॥ नागाना॰ बहन प्रज्ञा (मरवा चहन नवुवी८ ।

অহু করোমি বো নাগাঃ সময় মনু जिः मर ।। তদেक भनमः मर्दि भृगृश्वः মন শাসন । পাতাল বিতলকৈব **সুতলাখ্য**॰ তৃতীयक ।। দক্ত: देव वस्त কামানা গৃহ তত্র গমিষ্যথ। তত্র ভোগান্ বছবিধান্ ভুঞ্জগ্ব॰ মন শা-मना ।। जिश्रवः मधमः यावृनाव्यः ম্ভন্তে পুনঃ পুনঃ। ততো বৈব্যুতস্যা-**क्षिकान्युरश**या ভবিষ্যুপ।। कायाकाः সর্বদেবানা সুপর্ণস্য চ ধীমতঃ। তদাপুস্ তির্ব: সর্বাভোক্ষ্যতে চিত্র- | **ভানুনা ॥ ভবতা॰ নৈব দোমে। २य॰ ভবিষ্যতি न সংশ**यः। यে देव क्রा ভোগিনো দুর্বিনীতা স্তেশানন্তা ভ विजा नान्रिथ एट। कान श्राधः जक्यश्व॰ मन्ध्व॰ जथा भन्नान् ठाभ কৃতো মনুষ্যান্।। মন্তৌষধৈ গাৰ্ড मर्खिन क रिक्क मृष्टि। मानवारय हुत छि । তেষা• ভীতৈ ৰ্বন্তিতব্য• নচান্য-हिन्दुः कार्युः हानुशा (वा विनामः॥ ইতীরিতে বুন্ধণা তে ভুজন্ধা জুণ্মঃ হান স্থাতলাখ্য হি সর্বে। তছু-र्ভागान् जूअमानाः সমগ্रान् त्रमांज-লে নীল্যা সংস্থিতা স্তো এবং শাপং ত जू नका भुजामक ठजूम् चार .!

ज्डूः भाजान निनय मूपिए नाः खदाखना। ७७९ मर्दक शक्रम्याः তেষা জাত মহাত্মনা। অত বি্য তিথি ধন্যা সর্বপাপহরা শুভা।। এ-তদ্যা সংখতো যদ্ধ অন্নন্ত পরিবর্জ-(यट । कीरतन मानविद्यागा उम्र यामाछ भिवला ॥ इंकि वतार भूद्राग ।। # II अवा · निव ज्वन भु-नान- यथा। वामूकतानताम्ह (य मर्शा यथाञ्चानक उ इतः। ভ्रयाककू ৰুয়ন্য শিরে। বাস্থাদিযু দ্রত ।। ইতি কালিকা পুরাণে শিব বিবাহে ১৮ व्यथ्रायः॥ 🗱॥ कञ्चलायञ्ज नागरयाः সরস্বত্যা গান বরপান্ডি র্যথা। এবং স্তুতা তদাদেবী বিক্ষোর্জিস্থা সরস্বতী । পুত্যুবাচ মহাত্মান• নাগ মশ্বত-র॰ ততঃ।। সরস্বতুগ্বাচ। বরম্ভে ক त्रव जाुं अयहागुः त्रगाधिका । जपुः **চ্য**তां॰ भुनाम्यामि याख मनिम বর্ত্ত।। অখতর উবাচ। সহায় **(महि (मिव जु॰ शृर्ब॰ कञ्चल (मव मि ।** नगर प्रतमञ्च मूजरगाः मः भुगह ह।। সরস্ভূরাচ। সপ্তররা গ্রাম রাগাঃ गोउकाना

जावज्र काणि गृह्नाः।। जामारेक

(कानभक्षाणंख्या गाम खगक यट । अउट **मर्ब**॰ खबान् गाठा कम्र**न रि**क् তে সথা। জ্ঞাস্যতে মৎ প্রসাদেন ভুজকেন্দু পরস্তথা। চতুর্বিধ পদ তাল বিঃ পুকার লেখ এব ।। যতি ত্ৰয় তথা তোদ্য ময়া দত্ত मार भन्नरगन्ता भन्नक यर। अम्रा-खर्गक मानमः सद वुद्धनयान यू ॥ जन्द्रभाष् भया म्ख ७वजः कव बग्र ह । यथा नान्त्रम् जूर्वाक পাতালে বাপি পদগ ৷৷ পুণেতারৌ ভবন্তৌ চ সৰ্বস্যাস্য ভবিষ্যতঃ ৷ পাতালে দেবলোকে চ ভূলোকে रिव भग्नाभी ॥ हेजून्का ना जना **(एवी अर्च किञ्चा अत्रस्ठी। क्रगामा** मर्भन मारा नागम् कन व्यक्ता॥ इंडि मार्काख्य भूजान ॥ # ॥ कानिय वन्य नाग इनत्न प्रतिका यथा । ज्वन्भवाजान् मर्भाः क इति र्या मानवायमः। वुकार्छा नमः 'গাপ' ভবিতা তস্য নিশ্চিত ।। মৎ 🍴 পাদ পদা চিছে বঃ করোতি দঙ ত্তীতন-। দ্বিভণ-ব্ৰহ্মহত্যায়। ভৰিতা **७ग**ऽ किन्दिन ॥ नामी यागाजि उत्पू-

श्राट माभा प्रजा मूराक्षा । वःमार्य র্যশসাণ হানি ভবিতা তস্য নিশ্চিতণ ॥ ধুর বর্ষ শত কালসূত্র যাস্যতি मिख्या ॥ इंछि वृक्षरेववर्ड भूताए। बीक्कबन्धशायः १३ व्यंत्रायः ॥ # ॥ वास नाग मुक्ति यंथा। वास भुमात्वन তু গাত্রকেণ বামেন শেতে থলু নিত্য কাল । ত্রিভিন্ত মাসেঃ পরিবৃত্য পাৰ্যণ তণ বাস্ত নাগণ পুৰদন্তি সি-দ্ধাঃ৷৷ ভাদুাদিকে বাসব দিক্শিরাঃ म्यात्रार्गापित्कयु विषु याम्य भूषी। পুত ।क् भिताः मत्र थन् कानुना को देखा है। कि को त्वत निजाः म नागः ॥ মৃদ্ধি বাতে ভবেমৃত্যুঃপৃষ্ঠে স্যাৎ পু अ जार्य्याः। जवतः १० कराः विन्ता नर्व मन्त्रख्याम् त ॥ वकः नारगाष्ट्र मः मुख्यो (व रहम्दिकन भः क्तिम। वि नान भू बंखा श्रीन स र्य्यामा भाग विद्धि उ ॥ (कि प्रिक्षिण ভাগে जू वरस्डाक गृश् वृशाः। न কোণেयू गृरु वर्गामान प्रस नानि मध्रजः॥ काल ह थन शनिः म्रा मस्य त्रिभू खर॰ खरवद् । मस्या ह नर्वनामः न्याख्यारमञ्चित्रक्रत्य ॥ इंजि ब्लाजिखब् ॥

नागकनरः भू' इंडिकनरः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ নাগদ্ধঃ পু• রকৈরওঃ। ইতি রাজনিঘণ্টঃ !! নাগকিজন্তু : ভ্লী নাগকেশরপুয় । ২তি রাজনিঘটিঃ॥ नागकू नातिका ही ७ फ्ही॥ मक्किशा ইতি রাজনিখটঃ॥ নাগকেশরঃ পু॰ নাগকেসর বৃক্ষঃ। ইতি ভরতঃ॥ নাগকেসরঃ পু•্ফ্বিশেষঃ। না-গেশ্বর ইতি ভাষা। ভৎপর্য্যায়ঃ। চাম্পেয়ঃ ২ কেসরঃ ৩ কাঞ্চনাস্থয়ঃ 🞖 । ইত্যমরঃ ॥ কেশরঃ ৫ নাগকে-শরঃ ৬। ইতি ভরতঃ ॥ কিঞ্জল্পঃ ৭ নাগকিঞ্জল্পঃ ৮ নাগীয়ঃ ৯ কাঞ্চন ১০ সুবর্ণ ১১ হেমকিঞ্জল্প: ১২ ৰুক্ম ১৩ হেমৃ ১৪ পিঞ্জরঃ ১৫ ফণিকেসরঃ १५ भन्नगाकमद्रः ११ । उट भूज्ञ গুণাঃ। সল্লোফল্ব•। বঘূল্ব•। তি-ক্তব্ব। কফ বস্তি বাতাম্য কণ্ঠ শীর্ষ

ब्राकनियंग्रः॥

द्रागना**णिषुक्।** ইতিরাজনির্ঘন্টঃ।। नागगन्ना खीं नान्ननीकन्तः। इंडि नागगर्ङ द्री निम्द्र•।ইভির্∤ञ-

নির্ঘণ্টঃ য় নাগছুপা জী নাগদন্তী।ইতিরাজ-निर्मण्डः ॥ নাগজ॰ ল্লী সিন্দুর॰। ইতি রাজ निर्घणेः। तुक्। इंछि रूमहन्तुः॥ নাগজাতে ত্রি ॥ नागिकञ्चा जी भातिया। अनल्यम् । ইতিরন্ত্রনালা॥ নাগজিস্থিকা জ্রী মনঃশিলা। ইত্য-মরঃ॥ নাগজীবন ক্লী বঙ্গ। ইতি ছেম ठमुः॥ नागम्बः भू॰ इसिम्बः॥ गृशासर्गं দাৰু। দাঁতিয়া ইতি দাণ্ডা ইতি চ ভाষা। ইতি মেদিনী॥ নাগদন্তকঃ পু• নাগদন্তঃ। ভিত্তিদাৰ-चय । उ भर्यायः। निर्वः २। ইতি জটাধরঃ॥ 'নাগদন্তিকা জ্রী বৃশ্চিকালী। বিছিটী ইতি ভাষা। ইতি রন্নালা।। नागम्यी की कञ्चात्मग्रा शिक्षिती । হাতিশুঞা ইতি ভাষা। ইতি मिनि ॥ (भवन) शर्यायः । বিশল্যা২পর্বপুদ্ধী ০ বিবৌৰ্থী ৪ শুরপুরা ৫ ইতদন্তাস্থা ৬ কাণ্ডেরী

11

नागनि

न काम किका का इंजि तड़ माना।।

त्यं ज्यू झा ३ मध्यू झा ३० वित्मा
विनी ३३ नागरहाजा ३२ विमाना
की ३० नागहणा ३८ विष्क्र ना ३०

मर्ज्यू झी ३५ मूझ्यू झी ३१ सामूका

३७ मंजरिङ का ३३ मिज्यू झी २०

मर्जरिङ १३ नागिनी २२ । जम्मा

द्याः। कर्षू खुः। जिल्ह खुः। कक्र खुः।

वाज कक्ष खुना म्हामान वाधि

कर्षरिताव नाभिद्यक्ष । इंजि ताङ
निर्धरिंः ।।

नागरमनी खी क्षूपुक्ष्म शिवासाः।

उट्शर्यायः। क्षृः २ काञ्चव छै । ठ्वा ।

४ तक्ष्म १ काञ्चव । ४ मन् १ व पूर्वि । ५ पूर्वि । व्यापा छनाः।

उक्रवः। उक्षवः। कर्षेष्वः। व्याप्ताः।

विक्रवः। उक्षवः। कर्षेष्वः। व्याप्ताः।

वापताधान (द्याप नामिवः। (काष्ठः)

(माधन कातिवृक्षः। ইতি त्राक्तः।

निर्वारेः।।

नागम्त्वाभमः क्ली शक्षवकवः। इंडि तक्षमावा।।

नागकः शुः সমস্থা। সিজ ইতি
ভাষা। ইতি শব্দিন্দুকা।।
- নাগনিযুহ: शुः नागमग्रकः। ইতি
कोषतः।।

নাগপত্রা জ্রী নাগদমনী। ইভি ভাবপুকাশ:॥ নাগপত্রী জ্রী লক্ষণা। ইভিরাজ-

निर्घणैः ॥

নাগপদঃ পু॰ বোডশর তিবদ্ধান্তর্গত্ত দ্বিতীয় বন্ধঃ। তস্য লক্ষণ যথা। পাদৌ ক্ষদ্ধে তথা হস্তে ক্ষিপে-ল্লিক্ ভগে লঘু। কাম্যেৎ কামু-কো নারী বন্ধো নাগপদো মতঃ॥ ইতি রতিমঞ্জরী॥

नागलामः श्रु जीगा कत्र १। वक्षायुदः । इंडि भिर्मि ॥ मार्षव्यावर्जनाजु नागलाम इंडि म्डः ।
वुक्र गृष्टि नथा हम् । मार्था मार्ग भाम मार्था । विश्विष्ठः नाग लालित जुक्षी जीवगानन निजि
रम्वी श्रुवागीय श्रानः ॥

नागशासकः श्रुः त्रिविक्षितिस्ययः। उत्राजकानःयथा। सक्षद्वायवस्याद्याः स्वाजाः वात्रय्यः स्वाती। त्रानिः सक्षिजः कानी वरका १यः नागशाः सकः॥ ইতি त्रिक्षित्रक्षती॥

नाभभूषः भू भूषागवृष्णः॥ नाम-क्षितः॥ हण्यकः। इंडि स्मिनीश-नाशभूष्रकता जी क्यांशे। इंडि ब्राजनिर्यक्तः॥

नागभूञ्चिका जी सर्ग्यी। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ ।।

নাগপুশ্লী জী নাগদমনী। ইভি ভাবপুকাশঃ॥

নাগকলঃ পু॰ পটোলঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।

नागवद्भः भू• अथ्यव्दकः। ইতি मद-**टिन्द्रका !! नागाना॰ वाऋवण्ड !!** নাগবলঃ পু• ভীমসেন:। ইতি ত্রি-কাওশেষঃ॥ হস্তিতুল্যবলবতি ত্রি।। नागवना जी वनाशुर्खनः। (गातक চাউলিয়া ইতি গুলশবরী ইতি ক-करी ইতিচ ভाষা। তৎপর্য্যায়ঃ। গাৰেৰকী ২ ঝসা ৩ হুম্বগবেধুকা ৪ । इंज्यान ।। गाक्करी ७ गात्र-**ক্ষতণ্ডুলা ৬। ইতি ভরতঃ।। ভদ্রো**-मनी १ थर्मगन्ना ৮ ठजुःशना २ म-शिष्या ३० मश्रावा ३३ मश्रामा-था ३२ महीकना ३० विश्वरहवा ४८ অনিষ্ঠা ১৫ দেবদণ্ডা ১৬ মহাগন্ধা २१ वकी २४। अमृत खनाः। सथुता-इष् । कवायषं । उक्दः। रक्षं। কর্তুতি লগ্ধ বাত বুণ পিত নাশি-व्यक्ष देखि द्राजनिर्यकः॥ शिषद्रः

আযুষ্যন্ত্ৰ । বৃষ্যন্ত্ৰ । প্ৰাহিন্ত । কৃছু ক্ষীণ ক্ষয় রোগেষু হিতত্বক । ইতি রাজবল্লভঃ॥

नागड्ट **পू**॰ पूष्मर्भः। ইতি ত্রিকা-ওশেষः॥

नागमलः शृ॰ अतावजः। ইতি नद्-त्रवावनी ॥

নাগমাতা দ্বী মনঃশিলা। ইতিছেম-চন্দুঃ।। মনসাদেবী । ইতি শদ্ধ-রত্নাবদী ।।

नागमातः श्रृ॰ (कणताकः। ই उ किकाश्रम्भवः॥ श्रस्तिमात्तक वि॥ नागगिः की श्रम्भतिमापि श्रिक का-श्रितिम्भवः। त्रश्रेकाठे श्रेणि ज्या। ज्रथ्यायः। नागाक्षमा २। श्रेष्ठ कोषतः॥

নাগর॰ ক্লী শুগ্টী। ইত্যনরঃ ॥ সুস্তা। ইতি মেদিনী ॥ রতবন্ধঃ । ইতি বিশ্বঃ। নাগরদেশীযাক্ষরঞ্চ॥

নাগরঃ পু• দেবরঃ।ইতি ত্রিকাও-শেষঃ । নাগরকঃ।ইতি শব্দরত্না-বলী ।। বিদধ্যে নগরোন্ডবে চ ত্রি। ইতিমেদিনী ।।

नागतकः भू॰ त्रिवक्षवित्भवः।यथा।
जन्मूलाभिति हिषा ।याविष्क वयः

वित । श्रीया॰ ध्या कता जा क वस्ता नागतका मजः॥ इंजिति जिमक्षती॥ नागतका॰ क्री मिन्द्र॰। इंजि इस्म-हन्द्रः॥ नागमा (नागिजका। नागत्रयनः श्र॰ नागतम्य।। इंजि ताजनिर्वकः॥

नागत्रकः शृ वृक्ष विश्विकः। नात्रकी

रानवृत्र गाष्ट्र इंडि ভाषा। इंडिंग्सदः

।। उट्शर्यप्रायः। नात्रकः र नार्यकः

कागत्रः ८ वेजावदः द नागः

क्रकः ७ ठकाविवानी १। इंडि स्पन्तः

त्रज्ञावनी ॥ उट्यकः द्वा प्रश्चतंषः

। अडिल् । विशादक द्वा द्वा व्याप्तः

। अडिल् । विशादक द्वा द्वा व्याप्तः

। अडिल् । विशादक द्वा द्वा व्याप्तः

। वाडि विनानिष्कः ॥ उद्य दक्षः। इंडि

ताजवल्लाः ॥

নাগরসূতা জী মুন্তাপুডেদঃ।নাগর
মৃতা ইতি ভাষা। তৎপর্ফাযঃ।
নাগরোপাংনাগরাদিঘনসংজ্ঞকা
০ চকান্ধা ৪ নাদেখী ৫ চ্টালা ৬
পিওসূতা ৭ শিলিরা ৮ ব্যথাদ্ধী
১ কছক্যা ১০ চাক্রেন্সরা ১১
উচ্চা ১২ পূর্ণকোচ্যজ্ঞা ১০ ক্লাপিনী ১৪। অসার গুণাঃ। ক্লিক্ল

ष्। কটুত্ব। কষাযত্ত্ব। শীতলত্ত্ব। কফ পিত্ত জ্বাতিসারাকটি তৃকা দাহ ভুম নাশিত্বক। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ।।

নাগরাজ: পু॰ শেষঃ। অনস্তঃ। যথা।
পাতালে নাগরাজ• ভুজগ যুবতযো
যস্য গায়ন্তি কীর্ত্তি•। ইতি কবিকল্মজনঃ।।

নাগরান্ত শ্লী শুগী। ইতি রাজ-নির্ঘণীঃ।।

নাগরী স্ত্রী সূ হী।ইতিশব্দ নিদুকা।। বিদক্ষানারী। যথা । হস্তাভীরীঃ শর্কু সাকথ সম্বতো নাগরীভিঃ। ইত্যুদ্ধবদূতঃ।। নাগরপত্নী।। নগর ভবে বি।।

নাগৰুকঃ পু॰ নাগরঙ্কঃ। ইতি শব্দ রত্নাবলী।।

নাগরেণু: পু• নিন্র•। ইতি রাজ নির্ঘটঃ॥

নাগরেষকঃ ত্রি নগরপর্যন্ধী।নগর স্যাব নিতি ক্ষেম পুত্যমান্তাৎ সার্কেকঃ।।

নাগলতা ত্রী লিস্ণ।ইতি ত্রিকাও শেষঃ।।

নিসাল্যকঃ পু॰ পাতাল। ইত্যারঃ

নাগবল্লরী জ্রী নাগবল্লী। ইতি ভাষ-পুকাশঃ ।।

নাগবল্লিকা জ্ঞী নাগবল্লী। ইতি রয়নালা॥

নাগবল্লী স্ত্রী। ইত্যনরঃ।। व्यन्तराः भर्गराया सामृववस्त्री भरक গুণাশ্চ তামূলশব্দে দুপ্তব্যাঃ।। সা চ विवाहीस्वाहीि नाना गुामक ञ्चान (जनारमय जिमा । अका लाउवा प्रमा म्ट्या वित्मवामाना কার• যাতি কাযে গুণে চ। এবাটী মধুরা তীক্ষা বাত পিত্ত কফাপহা। त्रमाछ। हत्रमा इछ। विशाक नि শিরা মৃতা ৷৷ স্যাদম্বাটী কটুকাম তিক্তা তীক্ষা তথোষ্ণা মুখপাক ভত্তী। বিদাহ পিত্তাসু বিকোপনী চ বিষ্টম্ভদা বাত নিবৰ্হণী চ :11 সপ্তনী নধুরা তীক্ষা কটু ৰুক্ষা চ भावनी। अन्यापताथान रता कि कृष्रीश्रनी श्रम्रा ॥ अन्। इ । इश्राश्रम কণ্ডশিরা প্রসিদ্ধা তৎপর্ণ চূর্ণাতি রসাতিকচ্যা। সুগন্ধি তীক্ষা মধু-ज्ञािङ्ग्रा मंन्तीभनी भू खुक्ता ह वैन्त्रा।। बिरत्रहमी वकु मूगिक काति-नी ॥ नाड्वा याज्ञनता मूजीक मुद्रुवा 🎚

क्टा हिमा हार नू शिखापुक रता मुनीभनकती वर्णा मूथाया हिनी । खी मोजागा विविधिनी महकती एक या महा वेद्या अला धान विविधित कि किथा मा मान-वि वृ श्रिणा। अभिश्रुक्ष निका नाम क्यारगाका कर्षे छथा। मनाभक्षी क्षेमा शिख हृद्याक नामिनी ॥ दिविधीया कर्षे छीन्। इन्हा नीर्यह्या ह मा। क्या वाज रता.क्हा कर्षे शिभन शाहनी ॥ ইजि ताख-निर्यक्षी।

मागवातिकः भू॰ ताककक्षतः॥ इति-भेः ॥ भगक्षताकः ॥ भक्षपः ॥ स्र्यतः। ইতি मिनि ॥ नागवीरेः भू॰ रोक्षतः। एतकता ইতি

খ্যাতঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড শেষঃ।।
নাগরীথী জ্ঞী অখিন্যাদি নক্ষত্র ত্রষ্
হাতি গুরু স্থান ত্রয়ান্তর্গতোত্তরস্থানস্থ পথ বিশেষঃ। যথা। সর্ব
গুরুণাণ ত্রীণ্যের স্থানানি দ্বিজ্ঞসন্তন্দার বিশ্বানর দক্ষিণরাবত মুত্তরং।। বৈশ্বানর দক্ষিণতো নির্দিপ্ত মিস্ক তত্ত্বতঃ। তদেবৈ
স্থান্যেত্তর দক্ষিণ নার্গ ত্র্যুণ প্র-

নাগাখ্য

তে कि विशे विश्व विश्व

নাগশুগু স্ত্রী ডঙ্গরীফল । ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

নাগসম্ভব ক্লী সিন্দ্র ।ইত্যনর ।। নাগসুগন্ধা জ্ঞা ভূজঙ্গান্ধী। সর্পসুগ-ন্ধা।ইতি ভরত ধৃত স্বানী॥

নাগস্তোকক শ্লী বৎসনাভঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

্রনাগয়োতা ক্রী দন্তী।। নাগদন্তী ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

নাগহনুঃ পু॰ নথ নান গদ্ধ দুব্যু॰। ভৌতি রাজনির্ঘটঃ।।

नागर्खी जी वक्ताकर्त्कार्की। इंडि जाजनिर्घण्डः॥

নাগাখ্যঃ পু॰ নাপকেশরঃ। ইতি

<u> নাচিকে</u>

ত্রিকাওশেষঃ।।

नागाक्ष्मा जी नागगिष्टः । ইতি जोगिषतः॥

नागाञ्जन। जी रुखिनी।। नागगिडः। इंडि मिनिनी।।

নাগাধিপঃ পু॰ অনস্তঃ। ইতি ছেম-চন্দুঃ॥

নাগান্তকঃ পু• গৰুডঃ। ইত্ত্যেরঃ।। নাগারাতিঃ পু• বন্ধ্যাকর্কোটকী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

नागानातुः जी कृष्ठजुशी।ইতিরাজ-নির্ঘটঃ॥

नागाननः श्रृ॰ गरूजः। ইতি হারা-वनी ॥

নাগাস্থ• ক্লী হস্তিনাপুর•। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥

নাগাস্থা স্ত্রী লক্ষণাকন:। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

নাগী জ্রী নাগপদ্বী।ইতি মুক্ষবোধণা। নাগোদ॰ শ্লী উদর্ভ্রাণ । ইতি

(रुगम्मु: ॥

নাগোদর• ক্লী উরব্রাণ•। ইতি হারা-বলী ॥

নাচিকেতু: পু॰ অগ্নি: ।ইতি ত্রিকান্ত

নাটঃ পু• নৃত্য় । দেশবিশেষঃ। কর্ণাটক ইতি খ্যাতঃ। ইতি শব-রত্বাবলী।।

नार्धकः ज्ञी शर्श भर्श शुंक् छ। या भय गुष्ट विष्मयः । তৎ পर्यत्रयः । মহারপক•২। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ ।। তস্য লক্ষণ যথা। নাটক খ্যাত वृतः म्तार পঞ্চ कि मगन्वः । বিলাসৰ্দ্ধ্যদি গুণ বৎযুক্তণ নানা বিভূতিভিঃ ৸ সুথ দুশ্ব সমুজূতি नान। तम मनविजः। शक्षां किका सम পরা স্তত্রাক্ষাঃ পরিবীর্তিতাঃ ॥ পুখ্যাত বংশে৷ রাজর্ষি ধীরোদা-खः भुजाभवान्। मिरवता २थ मिनता দিবেয়া বা ওণবাদাযকে। মতঃ ।। **এक এব ভবেদকী শৃক্ষারো** বীর **এব বা। অঙ্ক মন্যে রসাঃ সর্বে** কার্য্য নির্বহণে হজুত ৷৷ চত্বারঃ পঞ্চ বা মুখ্যাঃ কার্য্য ব্যাপ্ত পূ क्षाः। (गाभूषाग् नगागुक वक्षन॰ তন্য কীৰ্ত্তিত। ইতি সাহিত্যদৰ্গ-यः ॥ 🛊 ॥ व्यक्ति । नाउंकः महा পুকরণ ব্যাযোগো ২ক্ক তথা ডিসঃ **ा वे शम्**गः शुरुमनः जानः ममद्रकाः त्रकः ॥ धीषी जि जत्र जः श्राह नार्हे नि

क् मण नंशकः। नाहिका (शुक्रगरेक्द ত্ৰেটক শাক্ট তথা।। গোপ্ত সংলাপ শিল্পানি ভানী হল্লীশ রাস কৌ। উল্লাপক জ্বীগদিত পুস্থান नार्देशिका मानिका ह कावा (कवूरभक्षभक्रा मार्। नश्रम সংখ্যন্ত লক্ষণ নত্ত কথ্যতে॥ পুখ্যা তোত্তম নাথক রসময় রাজর্ষি ব্-**শো** खव• जाइ॰ जङ्ग खयानिज॰ वय-मग॰ তड्ड 'भूतानामुगः। जाया-বৈভব সুন্দর শুবিলসন্নানা বিলাস বলদৃত্তি বৃণ্যু মংশ্য সন্ধি সহিত मक्षाक् वद्यादिक ॥ जत्मा । एत তানা॰ মনুষ্যাণা॰ রাজ্ঞা• লোকে মহাত্মনা॰। পূর্ব্তানুচরিত। পু খ্যাতোদাত नायक ॥ श्रुतिन कि বিস্কস্তাদিভিঃসন্ধিভিন্ননিত । ইতি-शाम कर्था छ ् ज मूथ दः श्वादर्य पू ज ।। यह श्रक्ष मण मधा है नवारिक तनू-ज्विज । नाना विवा**न वीवा**जिः সর্বসিদ্ধিভি রন্বিত ।। নানা ভাব র-रेम बाह्य नाहेक मूबर्या विषु: 🗥 কিঞ্চিদ্ৰ বিহীনন্তন ত্যাক্য দাটক कृतिए ॥ जात्र स्वन्त श्रुवञ्चक श्राधिः मस्य व्यव । नियं ह कनश्राधिः

ফলযোগ তথাপরঃ।। ইত্যবস্থা প-क्षक नामा नामा कार्य व्हानः । সংস্কৃত প্রাক্ত ভূত ভাষাপড় - _॥ শিকা গিরঃ 11 নাটকে নিয়তাঃ শন্তা এষা ভাষা রসাবহা । ভাষা বিভাষা ভেদেন প্যাকৃতত্ত্ব চতুৰ্দশ ।। মাগধ্যবন্তিকা প্রাচ্যা শৌরসে-न् अर्वनागधी। वाङ्गीका नाकिनाज्रा-শ্চ ভাষাঃসপ্ত চ পুাকৃতে॥শকারা-ভীর চাণ্ডাল শবর দুবিডৌডুজাঃ। বনৌকসী বিজাতীনা বিভাষাঃ স ध कीर्खिञाः॥रिकरक्यी**लो**त्रस्मनी ह काकी भाकान मागशी। माविडी भा-খুদেশী চ ভূতভাষাঃ পুকীৰ্ত্তিতাঃ॥ বৈদভী সাগধী নাটা কাম্বোজীচোপ-না গরী। পাঞ্চালী ষ্ডপভু•শ ভাষাঃ मु (पर्म (जनजः॥ (नवजा मर्मना उक्ष कर्डवार नार्वक बूरेयः। ज्ञाकि मर्भः নান্ত বা তেপি দেবৈঃ সমা মৃতাঃ ॥ উদাহরণ । মুরারি করে রনর্ঘরা-খব॰ ভবভূতে ৰুত্তরচরিত কালি-मास्म्राजिकानमकुष्ठनाक्ष्ठामि । ইতি मेरिक नक्षा । ইতি मधीज-। मारगामतः॥ नार्हेकः श्रु कामार्थाञ्च भर्वञ् (ज्रुः।

यथा। वेशानऽा॰ नार्हें क रेशां व शः क्रिका विश्व कर्मा क्रिका नहा भूमः। निज्य विश्व विश्व क्रिका खारीना जू शाई जी ॥ इंजि का निका भूता १। नर्जं क विश्व है जि व्याक्त विश्व है जि

নাটাসুঃ পুণ তরমুজঃ ৷ তৎপর্য্যায়ঃ
৷ চেলালঃ ২ চিত্রফলঃ ৩ সুখাশঃ ৪
রাজতেমিষঃ ৫ লতাপর্নসঃ ৬ সেদুঃ
প ৷ ইতি ত্রিকাগুশেষঃ ৷৷
নাটারঃ পুণ নট্যা অপত্যা ৷ ইতি
মুশ্ববোধ ব্যাকরণ ৷৷

भिजः शुद्धः ॥ यूवा ख्रिभिं शुया निज्ञः काम माहद्धः । कन्णा
भिक् भित्रिष्य विषयाः प्रविश्विधाः
महियीः खान विद्याः । अक्जू।
हजू दिव्याः विश्वाः । अक्जू।
हजू दिद्याः विश्वाः । अक्जू।
मायकः । यद किमिकी द्रम्भागः
नाहेकः मिव नाहिका ॥ भूर्वक्रमाः
माहेक कमामुद्धावनी नाहिका। अव मन्द्राः । इति मनीजः
मारामद्वः ॥

নাটেযঃ পু॰ নট্য অপত্য । ইতি ॥ মুধ্ববোধব্যাকরণ ॥

नार्हितः श्रु॰ निम्यूजः। ইতি ছেম-চন্দুঃ!!

नाहें। जी नृज्य गीज वाहाः। जट शर्यप्रायः। जोर्यकिः २। इज्यातः ॥ नहीनाः समृदः। इजि व्याक्तः ॥ अ॥ नाहिप्रात्रस्य नक्ष्याणियथा। सम्वाथा ११ थिनिष्ठा २० श्र्यप्रः ५ इस्रा २० हिंको १८ खार्था १८ ख्रिष्ठा १५ भजिख्या २८ द्विजी २१। इजि एउपाजियः॥ अ॥ नाहिप्रक्षः यथा। एवर्षि किजिशान शूर्व हित्रजान्।-लाक्ष्यमाह्य स्ट स्वावाण्डि ज् रिके खिनयस्न म्याहर्थ मिल् भिद्रे ।

। नै॰গীতাযুত চিত্ত বৃত্তি ভরণা বশ্যা ভবন্ত্যক্ষনা জ্ঞান প্ৰক্ৰির সে বযেতি কথিত নাট্য চতুৰ্গদ ।। যো য**স্য দ**ৰিতো ভাবঃ **স ত**• নাটে**্** নিরীক্ষতে। অতঃ সর্ব মনোহারি नार्रे) क्या न ब्रक्षक ॥ 🛊 ॥ ना-ট্যেৎগৈত্তি র্যথা ৷ ইহানুশ্রয়তে বুন্দা শক্রেণাভ্যর্থিতঃ পুরা। চকা-রাকৃষ্য বেদেভ্যো নাট্য বেদ**ন্ত প**-क्षम ।। उन्नित्ति। १० त्वमान् ह-ত্বারঃ কথিতাঃ মৃতৌ। তত্ত্রোপবে-দো গান্ধৰ: শিবেনোক্ত: स्ययुत्य।। তেনাপি ভরতাযোক্ত স্তেন মর্ত্যে পুচারিতঃ ৷ শিবাব্ধযোনি ভরতা खमारम् **পু**याबकाः ॥ ইতি **म**-क्रीजमारमामब्रः॥

नार्गेऽधिर्मिका क्षी पर्मनार्थ माखाक-नार्गेऽ। यथा। गीठ दाप्तः न्ठा वयः नार्गेऽ। रठोर्गेऽविकथ उट् । मःगीठः श्रिक्षाः र्थ श्रिम् माखाः क नार्गेऽ-धर्मिका।। ইতি रहमहन्तुः।। नार्गेऽशियः भूः मिदः। ইতি ११म-

ঁ চন্দুঃ ॥ নিট্যশালা জী প্রাসাদ দার সমাপ-গৃহং । নাটমন্দির ইতি ভাষা ।

नांडि

निज्यः नांरकाषियु स्तिजिः॥ इंदि

यथा। नार्रे भागा ह कर्खवा बात- " मिन न्यान्या। ইতি गरू प्रवागः नार्टे । विकास का भू नार्टे । **স** ञू अश्वेषश्चि शुकाता यथा। त्रिकि-র্মনোরথো ভুেশো নিৰুক্তিশ্চ বি-শেষণ । গুণাভিপাত উদ্দিষ্ট বি-চারপাপ্তি নীতবঃ ॥ गेजिপুাবঃ भजीशाता गर्शनानुनायी उथा। অর্থাপত্তিঃ পুসিদ্ধিক দাক্ষিণ্য श्रियভाषण ॥ অভিমানাখ্যান गर्ब। इर्व कार्ভान्यागुगः। १-শাভাপ: স্হাক্রনৌ কপটঞ্চ পুবর্ত্তন ।। উত্তেজনঞ্চ দৃষ্টান্তঃ শো-ভোদাহরণে অপি। সম্পায়া १-ক্ষর সংঘাতো বিমলোক্তিঃ পদো-ह्रयः ॥ अत्रीवारमा श्नुकिमिक वक्रमाध्यमायको । (भाष्माइ-न जूनाउक उन्ने जन्म ।। निरवहनक जाङ्गयाः स्नाद्धां शृहाः॥ বিশোষণ । অভিজ্ঞান ধ্ সাৰূপ্য खनकीर्जन मुक्तयः ॥ विनर्सप्रय का-विশया ज्या एक निम्मन । माना লেশ কর্স কেপ সমীহ। এবিসপ काः॥ উল্লেখ উপনিষ্ঠা চেত্র विष्ठि निजा वामी। वानकाता गर्जा विज्ञाः॥

मनी उपायापतः॥ नार्हितंकिः जी नार्हेकं विवयक वहः। निहाना कर्य नाहें। उत्वाकिः ना-ট্যোক্তিঃ। ইতি ভরতঃ॥ তদ্মপা। वार्य्या कुष्य मार्थ । कि विय मार्थ-রাজেতি। স্থী হলেতি। নীচ হণ্ডে ইতি। চেটী • হঞ্জেইতি। বা-भिन भाग्रेशू (अठि । द्राक्रमानः রাষ্ট্রিযেতি। সমান হংহো ইতি। রাজান দেবেতি। সার্বভৌম ভ-উতি। ভণিনীপতি মাবুত্তেতি मस्याथरण् । इंडि मक्री उपामा-দর:।। গণিকাষা• অজ্জুকা। বিদ্বতি ভাবঃ। জনকে আবুকঃ। সমারে যুবরাজ ভত্ দারকৌ।রাজ্ঞি দেব ভক্টারকৌ। রাজসূতায়া• ভর্দা-রিকা। কৃতাভিষেকাদা রাজ্ঞ্যাণ पिवी। ইতরাসু রাজ্ঞীযু ভঙ্টিনী। অবধ্যোক্তো অবুন্ধণ্য । মাতরি व्यश्व। वानायाः वामुः। वार्याः মারিষঃ। জ্যেষ্ঠাভগিন্যা• ऋष्ठिक्। । निष्ठायाः निर्वरुषः। इञ्जबः॥ नाष्ट्रिः जी नाषी। इंडामतः होकाराः

গ্রেড়ক• ক্লী ক্লি**লশাক•। ইতি ভাব-**প্কা**শঃ**॥

नाफिका जी बहेक्कनः। घिष । इंजि ভাষা। তৎ পर्यत्रयः। नाथातिका ২ ঘটিকা ৩। ইতি হেমচন্দুঃ॥ #॥ যটিকাজ্ঞানোপায়ে। যথা। নিমি-ৰোমানুষোথো ২য় মাত্ৰা মাত্ৰ পু-মাণকঃ। তৈঃ পঞ্চদশভিঃ কাপ্তা ত্রি•শৎ কাষ্টা স্তথা কলা।। নাডিকা তু পুনাণেন কলা দশ চ পঞ্চ। **डिमा**निनासुमः मा ज् भवानऽर्श्व वर्यापम ॥ रून मारियः क्उहि मु हर्जिक कुत्रकूरिनः। भागायन शु-भारतन यक शुक्छ मःशृजः ॥ ইতি বিষ্ণুপুরাণ।। 🕸 ।। নৈমিত্তিক লয• शुशक्षिय। मिरमयानि करमण शु-থনাংশোক্ত মেব কল্প পুনাণ মনু-স্মার্যতি নিমেষ ইতি সগুভিঃ । गाविव गावः शुमागः यम्। একমাত্র লেম্ব্রুকরোচারণ কাল স্'মিতে। হি নিমেষঃ । নিমেষ कान जुन्ता हि माजानम्बन्द्रक ৺য়নীতি বুন্ধাঞোক্তেঃ ॥ নাডিকা-क्ट्रिर्नाभाग मार । उचात्तति সার্ভেশ ৷ অন্তস উন্নানেন উন্পত্নি

যতে অনেনেভুগমান পাব। অ-किन रशारण जरशामण जाककारिया-ত্যৰ্থঃ। উন্মান ৰূপেণ ঘটিতানি जार्ष दारण श्रवानि जा नाडिका । সার্চ্চ দাদশ পল তানু নির্মিত পা-ত্রেণ সা নাডিকা জ্ঞাতব্যেত্য**ং: ।** कि शुन्। ' ত< शाब कार्या **उ**-मार गार्शायन शुगारान दलशृश्ख সংমৃত ইতি। সার্দ্ধ দাদশ পল জলেন হি নাগধ দেশপুস্থঃ পূর্য্যতে। তং পুমাণ পাত্ৰ কাৰ্য্য মিত্যৰ্থাৎ সিদ্ধ। ননু তথাপি পাত্রেণ কথ॰ নাডিকা জ্ঞান ক্রিয়াপরিছেদ্যত্ত্বাৎ কালস্যেত্যা**শ**স্থ্য ক্রিয়া সি**দ্ধ**য়ে পুস্থাদি বিশিনপ্তি হেমেতি। মাষঃ পঞ্ভঞ্জঃ। হেশ্বে। মাধৈ শততুর্ভি শ্চতুরস্থলেন শলাকা ৰূপেণ রচি-তৈঃ কৃতিছিদা । এতদুক্ত ভবতি সাৰ্দ্ধ দ্বাদশ পল তামু ময় মাগধ পুস্ সংখিত মৃদ্ধাবিত পাবে চত্ত-র্মাষ চত্তরঙ্কুল হেনশলাক্যা কৃতা-ধশি দু• জলে স্থাপিত তেন ছিদ্ৰেণ , शावञा कारणन भूग्रा इतिन् कारमा नाफिरकि । उथा मुक्री धारणार्क शालामान हे छार्चिक हु-

केक्ट्रेन्। वर्गमारेयः क्जिह मु यात्र भूच को भू उ मिछि। इंछि उडी कायाः श्रीध्वसानी ॥ ना फिरकनः श्रु ना तिरक्नः। इंछामत्र-রটীকাষা• ভরতঃ ৷৷ साफिनेत सी निर्दिश्चन । निनी इंडि ভাষা। ইতি হারাবলী। बार्डिकमः शु॰ सर्वकातः। ইত্যমतः॥ नाष्टिश्वयः श्रु जी नाषीशानकर्छ। ইতি মুধ্ববোধ ব্যাকরণ।।। बाफिशवः ही नाफीकः। देखि नद भाना॥ नाछी की नान ॥ दुशा इत ॥ नित्रा ा। १ अहूदी ।। कुरु नव्यंता।। बिह्मन-कानः। ইতিমেদিনী॥ उৎপর্য্যায়ः। ধননিঃ ২ সিরা ০। ইত্যমর: দ্বাডিঃ 8 नाविः ६ नावीं अध्यनी १ निकार ।ইতি ভরতঃ॥ ধরণী ৯ ধরা ১০ ড-क्री ३३ बीविछ्का १२ मिन्हा ३०। इंजि दाजनिर्धण्डः।। 🛊 ।। काय नाजी

বিবিধা। একা বাযুবহা। অপরা इ दम वाहिनी। ज् শিহার বাহিনী। ইতি ভরতঃ মা তুগর্ভহ বালকস্য মপ্তভিঃ

নাডীক্রম মাহ। সার্দ্ধ ত্রিকোট্টের নাড্যে। হি ভূলাঃ সূজাশ্চ দেহিনা। नां छि कन्त निवर्षा छ। खिर्वा गृष्ट् भक्षः ছিতা:।। দ্বিগুতি সহ্সুদ্ধ **ভালা**ণ **ज्नाः शुकी**र्खिजाः । (मरह धमनित्र) वन्त खाः भरकन्तिय स्नावशः। তাসাঞ্সুন্ধ শুবিরাণি শতানি সপ্ত मु अनि रेव त्र मकृषम तमः वक्षिः। আপ্যায্যতে বপু রিদ । ছি নৃণা মমী-যা মৃ**দ্রঃ সুবন্ডি** রিব সিন্ধু শতৈঃ স মুদুঃ॥ আপাদতঃপুতত গাত্র মশেষ भिया मामलकामिश ह नाजि शूतः **इ** छन । **এछ स्म इ** हेन इस हर्यन নক কাৰ নৃণা নিহ লি ্লত সপ্ত-क्ति॥ #॥ मथनाजानाः नारा हजू-র্মিকা বিশ্শতিঃ সুটা ভাসাং একা পরীক্ষণীয়া যা দক্ষিণ কর চরণ বিন্যস্তা। চতুরধিকেতি তদুক্তণ। তি-र्याक् कृत्या (पश्जा: नाजिएएन वास्म वकुः उम्र शृहकः वास्म्रा **উদ্বে** ভাগে হন্ত পাদৌ চ বামৌ ভ-স্যাধন্তাৎ স'হিতৌ দক্ষিণী ভৌ ।। बद्ध नाजी हर उन्। शूरिकाजी ।।। शक शक करत श्रीर में बाम रेग चंदि । इंडि मुचरवारंः॥ 🛊 ॥ ितार् जागर्याः ॥ चेनि । नार्यः

खरकि अकेम्या अव भाराम्य भारा मार मिक्तिनिक शाक्षात्र श्रूक्या भुया। यहूकः। वात्म जारग जिया व्याना माजी श्रू यञ्जू मिना । ইতি প্রোন্ডো ম্বাদেবি সর্ব দেহেষু দে-हिना ।। 🕾 ।। नत् अकमा जू जी ্ ... রন্যতরাকার পুকটিতা ম-(शक्र) शतीका। मानाङ नम्ताप्तव। ক্রিমস্য ভু পুকৃতিস্থতা। চরণেতি বামস্য তু দক্ষিণ গুছি পশ্চাৎ পা-भंका मिक्तमा जू वामगु हि न कार भार्भ रेष्ट्र अपुश्रामण । कत्रष्टा जु বক্ষ্যতে॥ 🗱॥ পরীক্ষাপুকার সাহ । সব্যেনরোগধৃতি **সর্পর ভাগভান্তা** পীড্যাথ দক্ষিণ করালু লিকা এযেন। অনুষ্ঠ মূল মধি পশ্চিম ভাগ মধ্যে ৰাড়ী পুৰঞ্জন গতি সতত পরী-(कृष्या। गरवान करत्र। **। तांगध्**जि র্গদধারণ মিত্ত্যাপীডনেকেতুঃ। রো-গানাং বাতাদি পিশুন বাষ্নাং ধার-ণ যথা স্যাত্তথা পীড্যেতি কশ্চিৎ । ভাঁগ ইতি সমুদিত ককোণি পর॰ অংকতি পরীকা কালে ৎপি তত্ত इस दिवार वानीएएउ अधिक दिना भागीनः मूथांत्रीन नहीकार्थ मूला-क्रमहार्श्वाचन वाजामि (श्रीकार्श्या)

वाधनाय । व्यव्यज्जाभी जन्मिन्छन् न তু পরীক্ষা কালেপ্যাপীডন ছিতিঃ । দক্ষিণেতি প্রাথিক বপরীকাযা यन्त्रथादाः । व्ययं ि याग्रज्या **उर्हा न्यामामिका गुरुवः। श**-न्हिरगञ्जू क्षेत्रप्राक्षा जागः। मृत्वि कर्कः (अङ्गुष्ठम् जू मृत्व वा यम्नी बीवनाकिनी। ভন্যা গতি বশা-षिम् १९ सूथ मृश्यक प्रक्रिना ॥ পু ভঞ্জন পতি ৰ্যত্তেতি নাড্যম্ভর নি-রাসঃ। সতত মিতি সুস্থ দশাযা-নপি। তদুক্ত•। ভাবি রোগাভিবো-ধাষ সুস্থ নাড়ী পরীক্ষণমিতি॥ 🕸॥ পরীক্ষণীয়মাহ। বাত পিত কক धन्द्वः निर्माण अर्थित ह। नाद्याः সাধ্য বিবেৰঞ্চ সর্ব নাডী পুকাশ-বেৎ।। সমিপাত মিতি সামান্যতঃ। সাণ্যাসাধ্য মিতি বিশেষতক্ষেত্য-र्थश महीमिछ्राज्यन्। इति गारिक-मिज्रुभंभ शातः। इंडि नाडी भु-কাশে পুথমোদ্যেত: ॥ 🛊 ॥ भेष नाषीकान अभव भारर शुर्छः कृष नमाहातः क्जाहात शतिशुरः । नू मान्या भागवित्रिक भागिक मर्ग क्र उस्का इंजुरकः ॥ # ॥ निवि দ্ধকাল থাহ। সদ্যঃ স্নাতস্য ভুক্তস্য क्र्इाउन मिविनः। व्यायामाकार **(मह्न्य) मम्बद्धनाधी न वृष्कुछ ॥ रेठ**-माज प्रकृष्ट मुख ह उथा है खास-नाख्य । তथा न द्धाय टिना जी यथा मूर्गज्रा नहीं ॥ मूरक्ष निर्मा कारन ভোজনান্তর ভোজন নধ্যেভোজনা-वनान मात्व ह। वाछ म्हीरि किनि क রোগে নায॰ विधिः॥ 🟶 ॥ अथ वाजिति बलाव कम भार । आमी চ বহুতে বাতো মধ্যে পিক্ত তথৈব চ ৷ অন্তে চ বহতে শ্লেমা নাডিকা बंग नक्रन ॥ जानाविजि करकानि পীডিত দিতীয় ফণে। ন ত্ তজ্জনী নিবেশ ছলে স্থান ভেদস্য স্ত্রাপ্য-वक्रमानवार ॥ ॥ मूच्छा छा-नार्थ मारु। जूनजा गमन भागा महा 'बाइ, मयी निता। भारति वाह-ল্যেন। স্বহাপরিতো জাডীস্থহিতা। ৰাষ্ট্ৰামধী সুস্থতা ব্যঞ্জিকা চ। তথা । शुन्हः तिन मयी नाजी मधादा क्रिकिंगिका। जायाद्भ भावमान

श्रामिकानारम्य ॥ स॥ वाजानामाः । ক্ৰনেণ গতি মাহ্মীবাভাষকগতা नाडी हशना शिखवाहिंगी। हिन्ना শ্লেঘ্ৰবতী জেবা মিশ্লিতে মিশ্লিতা **खदर्या वर्ष्कि वार्या सिर्यप्राम्मा**-ভিরে। বহুভীতি। এবং ভৎ পুর্কো-পাদিনাবার্ত্তাদি পতি রপি জ্ঞাতব্যা । हशानि वाहर काम ज्ञानाम्म ह-'क्या। श्रिति कवम्। नीवंगननाम-নুল্ণা। মিশিতে মিশুটিছা ভবতি। তেন দ্বিদোষজে উভয় চিক্লা। সর্বন্ধে সর্বচিছেতি। চপলতা ছিরতযোঃ जभय (जरमना विरद्राधः ॥ #॥ उक वकारि नामान्यम् करम् वित्नव गार। मर्भ इत्नोकामि गणि वम्सि বিবুধা: পুভঞ্জনেন নাডী। পিত্তে চ कांक मांवक एकांमि गठि विष्टुः मू-वियः ॥ ताखर म मय्ताना शाता-वं करभाकरमाः। क्रूकोमि गर्छि॰ श्रास्त धनमी कष मः क्ञा।। आहिम। বাতে বৃশ্চিক গড়ি দোলাৰিজ্ णामि नापान शिर्ख किछिड़े कुनिन कामि अि:। करक गत्र वताक नामि ह दितापुर्ग विविद्धि ।। विवादि ।। विन्यु जगाणि है श्रुवीजानाग्रवाया बर्या त्रभूतिकः म- । विनितिकः। यूकः मार्ग मिकः नार्वाः

মুহ তেক গতি তথা বাত পিত ছ-যোজ্তা পুর্বদন্তি বিচক্ষণাঃ।৷ ভুজ-পাদি গতিকেব রাজহুণস গর্বত ধরা বিভিলেশ সমুজ্তা ভাষতে তদি-(मा बनाः॥ मथ्कामि गठि॰ नाजी॰ भग्रापि गठिः ज्या। भिङ द्वारा **अमु**क्ठा श्वमि महावियः॥ #॥ जित्नायजा मन्त्राहः। उत्रापि ना वकारि इंगारीनाक विजुजी गमन वाङानीनाक नमः वमनी नम्म স্নাধন্তে। সম মিতি ন্নোধিকতা নি-द्रामः। कमगछ्रा जू नामादादः। তথা। লাব তিতিরি বার্ভাক গমন गित्रभाउठः। कराहिमन्गा नाषी कराहिहीयुगा जत्दः॥ वित्राय भुज-বে রোগে বিজ্ঞেয়া হি ভিষশ্বৈঃ। পিত্তক্ষভ্যাক্ছু সাধ্য মসাধ্য ক श का जामानुष्ठः जूथजाशुष् मार । यहाय- शंजू नात्माजि उदा नाडी छ्या-गण्डिः। उथाहि मूथ माध्य नाजी उद्यासन बुद्राउ ।। अयमर्थः। व्यनवाहारको नाजी वारजान्ता शु-ৰম- বৃতি গতৈয়ৰ বছতি ভতো যথা श्रीक शिकापि गछ। नकु विद्वार जीति थे थि: । उक्कानाक भिने। क्ष विजिपि भन्। जनाम् निष्म

ৰ্যতিয়েকেশ ব্যতিরেক:। তুর্ন্তি ম-निद्धा नाजी क्या काम गरिष्ठ अयागा॰ পুকোপ শাস্ত্যাহিভিরেক তৃষঃ॥॥॥ ज्यानाथ क्ष माइ। मन्तः मन्तः निश्चित निश्विक व्याञ्चल व्याञ्चल वा छिषा व्हिषा वहिं धननी गाठि नामक र्का। निज्य हानार मनिज भून द्रश्रक्त्वि न न म्म्राम्ब जारेव রেব॰ বছবিধ বিধৈঃ সমিপাতাদসা-र्गा। सन्तः सन्तः मूर्वन् छहेः जनुः খর মিতি বাবং। শিথিলেতি স্বল-মুতি **ৰূপ•।** ব্যা**ললে**তি ত্ৰস্ত ব্দিত-खाः। वा भनः मगूहरम्। हिद् ছিত্বেত্যাব্স্ত্যা চ ত্দুপৈৰ গতিঃ। नाम नम्भन । शह् ि कमाहिमाडी ম্পান্দাপি ন সম্ভাব্যন্ত ইত্যৰ্বঃ। সূক্ষেতি যদি লভ্যতে তদা তথৈবা-निला भागः सान मक्षे म्ब जना হ্বলতি ক্লাপি তত্ৰ ন স্পন্ত ইত্য ৰ্থঃ। তদুজং। হস্তি চ স্থান বিচ্যুতেতি কিঞ্চিৎ কুরভীতি জ্ঞাপি। পুন त्रभीिं कियहिनस्यन अनुनी मङ्ग मी मृम भिक भिराज्य की भे किई ভাগেপি শীভব্ শীভবে তাংগ্ৰা

निद्धाः नाना विध गाँउ रामा उमा म्जू। न भुष्णयः ॥ मरहजाभयाक्ष পিক্তাদি কৃত তাপ নিরাসঃ।শীতত্ত্ব ইত্যাপি মহেতি সম্ব্যুতে। তথা । जिलाक नामाज नाजी कालिशि निकला। निक्रा जन्म-नामान्याज्ञाववजी । वजीनाताली रुख भागामि (यगामिना निरम्ताभ-बम्राट ॥ তথা। পূৰ্ব পিত্ত গতি। পুভঞ্জন গতি শ্লেঘাণ নাবিভ্ৰতী সম্ভান ভুমণ মুহু বিদ্ধতী চক্ৰাধি बाग भिव। जीदुद्द मध्जी कनानि ণতিকা॰ সূত্মত্ব মাতবৃতী॰ নোসা-भा भगनी वमि जूथिया नाजी गिठि छा।निनः॥ ययमर्थः। शूर्व मिठि ৰুম ৰিপৰ্য্যয়ে পিভাদি গতিমতী• বার বার মেৰ ক্রমেণ চক্রোপরি-ज्ञान जिंद। उथा जीवृष् मिछ-न्यरत्भ अवस् करारि असू विज्ञाना ৷ তথোজরোভর কৃশতা বা পাদয শীতি বিশিষ্টো হেতুঃ। তথা চান্যত্র যোতু ছোচ ছিক্নাত্যন্তা যাচেব মা'-न हास्टिनी या ह मृत्या ह वकाह उ र्ममाथ ता विष् व् वाः । अञ्रहा म

নাড়ী कमाविषि छित्र। श्रीनिधारनरेनेक गम्यान न्यन्ता ह। मा अवाहिनी মা•সাহার ইব গতি মতী লভডপুা-যেতি। তদুক্ত না পেন লগুডাকুট্রিঃ া মা**ণসেন সমণ বহ**তীতি ন যুক্ত**্ত**্ৰ-পপরিজ্ঞাপক পুকারস্যানুকত্বাৎা इयमिन विभिष्ठ (वाधनाय । या ह স্সাচ বকা চেতি পৃথগিৰ বাক্যা-স্তর মিতি।। # ।। অসাধ্যত্বাপবাদ-মাহ। ভার পুবাহ মূর্ছা ভয শোক · शुनू थ कात्र गामाजी । ज•मृहिं जानि গাঢ়ে পুনরপি সা জীবিত ধরে ॥ চিত্রতর বহুল ভারোদ্বহনেনবাবিষ-त्रग थाता वाशि कथित पर्मनापि कनिछ मूहर्या वा बाक्स माहि मन्दर्भ-नारि छरवन वा शू थारि विवर कनिक শোকাতিরেকেণবাস•মূহিতাপি অ-তিমিশীন্দাপি। গাচমিতি স্তরাণ कार्मापि यागिभी उर्थः। भूनति उ माध्राजाः योजीर्थः। छारानाः तज्रा-দীনা পুৰাহ ইতি ন যুক্ত ভব শো-करगाः भ्विषानार । भुगूरवरुरानम् হেব্ভরাভিধান। তদুজন শতিতঃ শিস্থা কিছু বুধাঃ ৷ অভুচো ক নিজ্বতাভেদী নষ্ট শুক্রণ গো নরঃ।
ক্রতোপুচভরা পৃথগিবোমভা বা

্কারণ ॥ পতিতঃ উচ্চাদি**তঃ সন্ধিতঃ** অস্থ্যাদি সন্ধানেন সং**হিতঃ ভেদী** षञीगातवान् 'न्हे भूटका यक्का दि-ুনাতি রমণেন বা শুক্ত ক্ষযবান্। विधासा श्नाम्यानुमानः भाग्या নাবভরতি। কারণ পুশগুক্ত তত্ত-দেব। অন্যত্রাপি। তথা ভূতাভিস ঞ্চেপি ত্রিদোষ ব্**দুপস্থিতা। সমাস্থা** বহুতে নাড়ী তথাচ ন ক্রম•গভা 11 অপন্তু ্ব রোগাঙ্গা নাডী তৎ স-মিপাত ব**ং৷ ভূতাভিষ**ঞ্চে তথা ভূত সামান্যভিষকে চ দেবজুষ্টাদৌ না **টা সন্নিপাত ধর্মশালিনী উপস্থিত।** । আপাতত এব ভবতি ন তু তৎ ফলপুদা।ভেদদাহ। সমেতি বাত পিত্ত ক্ষ স্বভাবক্রম বতী তথাক্রন• ব্যতিক্রন ন গতা। তসাদেব অপ-মৃত্যুঃ অপগতো মৃত্যু র্ফানঃ সা তথা-পির্মার্থতঃ সদিপাত বদপি সনিপাত জন্যান স্যাৎ ইতি। তদু-ক্ৰণস্থাৰ খীনেশোকেচ হিমাকা-🕫 হ নিৰ্গদাঃ। ভবস্তি নিশ্চলা নাড্যো न कि शिक्त प्रेश गिछि। यहानहीन উहारिकः शाउत्। अक्षु भ्रम् मुन्द्र महत्। विकासना ह इं दिनिष्ट्रान् मुन् से जिसर्थः । निर्गरा विकरिते 🗒

তিঃ নিৰ্গদা অপি নিশ্চলা ভুকুতি . দূষণ মসাধ্যত্ব ভুষঃ। অৃ ন্যেজাভঃ। **ভোক**ণ বাত কফণ বুষ্টণ পিত্ত**ণ বহুতি** मारूपः। शिख ज्ञानः विकानीया८ ভেষ্জ তস্য কার্যেদিতি ॥ অ্य-मर्थः। वृष्ठ ककान्तरः नाजी किष्क দ্বহতি ঠিং ক্ষীণত্বাধিকত্বাভ্যা মপি বিশেষ নুল্বণ পিত্ত বিষম বেগেন বহুতি তদা তৎ পুতিকারার্থণ ভেষ-জ• স্বৰ্যাৎ। অসাধ্যতান স্যাদিতি যাবং। অত্র কশ্চিং। স্বস্থান চ্যবন॰ যাব**জ্মনন্য নোপজাযতে। তাব্**ছি-কিৎসা সত্ত্বেপি নাসাধ্যত্ত্ব মিতি স্থিতি রিতি।। তচ্চ প্রাথিক॰ বঙ্ধা ব্যভিচার দর্শনাৎ। হস্তিচ স্থান বি-চু্যুতেত্যত্র চকারস্যাযোগ ব্যবছেদ-কত্ব মিত্যর্থঃ॥ ৠ ।। পুসঙ্গাৎ কাল निर्गय नार । ज्लाजा जूबगाका ना जी (मर्ग्र) मुः क्यां । विश्वीर्ग क्वीनक्र!-याि श्रामास्य मद्राग ভবেৎ ॥ कमाहिए सशीना वर क्ना उनु दि বদতি মসৃণ বক্রগমনা চ ৷ কদাটিৎ 🥠 সর্পবৎ পরিপুষ্টা তদ্ধি বর্ত্তর্তর দশাতো ভেদঃ। ইত্থঞ্চ কদার্চিবল-

नाजी

ফা্ডোমতি কৃশতাঞ্চ যদা গছতি। ॥ নেহেতি দহক্রম মপেক্ষ্য তেন দে-हाशियमा दृनः (नाथानिना कमा-চিচ্চ কৃ**শঃ** স্যাৎ তদা দ্বিতীয়ে মাসি ্ মূিযত ইতি। তথা। ক্ষণাদ্ব ভি বেগেন শাস্ততা॰ লভব্ৰে ক্ষণাৎ। সপ্তাহান্ত্রণ তম্য যদ্যকৈ শোথ বজ্জিতঃ ৷৷ ক্ষণাদিতি ফুত• দ্ৰুত• নতু করাটিদিতি। শান্ততা মনুপ-লভ্যনানত্ব•। শোথেতি তন্মাত্র স ম্বন্ধে তু নাচির• মরণায **চিরমেবেত্**ড-र्थः। उथा। हिम विष्यमा नाजी ত্ত্বর দাহেন তাপিনা । ত্রিদোষ স্পর্শ ভন্নতা• তদা মৃত্যু দিন ত্রহাৎ ॥ य-দা নিরম্ভর• জ্বর দাহ তাপৌ শৈত্য ঞ্নাড্যাঃ। ত্রিদোষেতি সদিপাত লক্ষণ সম্ভূএব ভবতি। তদা নিরীক্ষ্যা দক্ষিণে পাদে তদা চৈষা বিশেষতঃ -। মুখে নাডী বছেনিত্য চুৰ্ভন্ত দিন তুর্ব্যক•া। গতিস্ক ভুমরসের্ব্র বছেদেক দিনে ন তু। কল্ফেন স্পন্তে নিত্য পুন লগতি চাৰুলো।। নধ্যে দাদ শুন্দামাৰ্শি মৃত্যু ভ্ৰতি নিশ্চিত र किंग इंडि शू भः । जिया खवा म

क्कानार्थ। यि हा ज्यमी जानि मूर्थे পুরো ভাগে নিত্যু সদা বৃহতি তদী দিন চতুষ্ট্রয় প্রাপ্য ভুমরস্য পরি-ভূনণ ৰূপণ গমন মিব মুখএব হাই বহুতি তদৈক দিনেন। কন্দে মূলে স্প-न्तन ञ्रात्न कमाहि**९ न म्मन्तर सन्न॰** ম্পন্তে ইতি সম্ভাব্যতে। নিত্যু शुगः भूनका भूतने उम्राल कमा शि লগতি তদা তমাদারভা দাদশ পু-হর নধ্য এব মৃত্যু রিতি। তথা। স্থিত্বা नाडी मृत्थ यम। विम्रुट रम्रां छि तिरव-ক্ষ্যতে। দিনৈক ভীবিত তস্য দ্বি-তীবে শ্রিয়তে ব্রুব ।। স্থিত্বেত্রগার্ভর্জী **डिया डिया विद्युर मृत्रग निव नक्ष्यु**-তে দ্বিতীয় ইত্যপ্ত পুইারাদৃদ্ধ মি-जुर्थः। उथा। यहान विहुत्वा नाजी यमा वहिं वा न वा। ज्ञाला ह इन्त्य जीका जमा द्वानाविष शिक्तिः ॥ नत्व তি ञ्रिष्। शिष्ठिपुष्ट । इत्थक यह-नाश वक्षण मुक मवशामानश्यान বিরছে সতি তস্যার্থ পূরেশো যথায়থ মার্য্য মতিভি রবগন্তব্য ইভি নেই পুতন্যতে পুছগৌরব ভর্মীশ্রে নন্দে মন্দ নিতি অনেন ন চ ভুল া গুসুনা-কথেতি করছেব বিশেষতো বিশেষ নি কাঠি বিশ্বপাতে তদ লৈছিল।

निक नज्ञ विवयदार । नर्व जिन সর্বরোগ এব বেদিতব্য জ্বনাত্ত ভু जुम अरवि । इंक्रिना जी भुकारण विजीयाति । । ॥। वय द्वारम् নিৰপণীযেষু পুখানত্যা পুথম জ্ব निक्शनभार। उब ब्रुज्र क्लि। **শব্ গুহেণ নাডীনা** ভবস্তি মন্থরাঃ প্রবাঃ। প্লবঃ পুরলতা । যাতি ভ্র দাহোভিভূতযে॥ সাদিপাতিক ক-পেণ ভবস্তি সর্ব বেদনা: ॥ 🛊 ॥ জুর-ৰূপ মাহ। জ্বকোপে চ ধ্মনী সো-শ বেগবতী ভবেৎ। উন্মা পিত্তাদৃতে नाखिक्दा नाखुण्या विना । उका বেগ ধরা নাডী জ্বকোপে পূজাযতে ॥ অন্যত্র চ। জুরে চ বক্কা থাবন্তী তথা চ মৰতঃ প্লৰে। ব্লমণান্তে নিশি প্ৰাত खुशाहीश मिथायथा।। 🛊 ॥ ठवानि বিশেষ মাহ। সৌম্যা সূত্ৰা ছিরা भन्ता नाजी सहस्र वाउद्या। भूवा ह কঠিন। শীষু। শানতে তীবু মাকতে॥ কতা চ সরলা শীয়া দীর্ঘা পিত্ত জ্ব ज्रविद् । भीषु मारुननः नाष्ठाः का-विन्ता ज्या । यदा बीर्राना-তিত্রাগ সাদন । পুকীর্ত্তিত। না-जैपिक स्मा मना भीउना देश

(मारका।। का। वन्यक गार् 15 कुला **जब्रमा क्**मा कठिना बाउ मिखका। बेसह म्मार्ड ज्याममान्तर (भूष বাতজা ।। নিরম্ভর• খর• কক্ষ**-** নন্দ শ্লেমাতি বাতল। ৰক্ষ ৰাত ভৰে তস্য নাড়ী স্যাৎ পিত্ত সন্ধিতা 🛭 স্কা শী/তা হিরা নাডী পিত্ত শ্লেম্ব ममूखवाीं भुमकामार । महा कात वर्षमाडी यिन मसाभिष्य धुवः । তদা ন্ন মনুষ্যস্য ক্লিরাপ্রিতা মলা:।। 🛊 ।। আগন্তক ৰূপ ভেদ মাহ। ভূত জ্বে সেক ইবাতি বেগা-ধাবন্তি নাড্যে হি যথাকিগানাঃ। उथा। अकाशिकन कुन भुम्द्र क <u> गांडभामा विषमञ्जूद्रम ! विजीयत्क</u>-ৰাপি তৃতীয় তুষ্যে গছন্তি তপ্তা ভুমি वद करमण।। #॥ जनावानि। उका বেশ ধরা নাড়ী জ্বরকোপে পুজাযতে । जिल्लग व्हाधकारमयु ७ य विष्ठा भुरम ---यूर ॥ अप्रेट कीन गिर्ज नाजी ज्वाज-वता दिक्त अखरेमः ॥ शुभकाकार 🛴 ব্যাযামে ভ্রমণে চৈব চিন্তাযা পুশ শাকতঃ। নানা পুভাব গমনা হিরা गृष्ट् विष्युत्त ।। 🛊 ।। अजीर्ग द्रुन् मार। सबीर्ल जू जरवराजी काळी।

পারতো হতা। পুসন্না চ হতা শুদ্ধা ष्त्रिजा ह शुवर्ख्य ॥ 🗱 ॥ उब वि-त्मय मार्च। भक्षाकीर्त भूष्टिकीना नन्त रन्त रहस्का। अमृक् भूनी छत्द रचका छन्, नामा गई ॥ 🕸 ॥ १ जवा एक ग ऋन नार। जूबि रिटन एडाशांत माणम ह न स्टाकृतिका कीख ह खिया विशा মৃত্র তেক হা ভিঃ ॥ র**স্তা গড বটা**-হারে ৰক্ষ শুঞ্চাদি ভোজনে : বাত পিকার্ডিকণেণ নাডী বহুতি নিষুষ• ।। अ।। ज्य तम ज्जानः। मधुतः दहि শমনা তিকে স্যান্ড্রতা গতিঃ। অ-শ্লেকোশা প্লবদাতঃ ক্টুকে ভ্**ন্ন সমি**-छ। ।। कपार्य कठिया ह्यामा **नदरा** সর্বা হতা। এবং দ্বি ত্রি চতু র্যোগে नाना ६ यां वडी १३।।। ७था। मुख १७ कठिना नाडी (कामला कठिनागतन। मुर मुरामा काछिना स्वान्वा कि नाशि ह।। क्लोपु भूथम् शुड्रित्व িষ্টে পুষ্টের ভাষতে ।। 🕸 ॥ অগ্নি-स् निर्धाञ्काय वक्का मार । मन्ता বেঃ ক্লীণ গাতোশ্চ নাডী ম পভরা। प्रतिर । उपूक्त । भीग शालो ह

তথা। মন্দেশ্নে কীণতা । যাতি নাজী --হ॰সাকৃতি স্তথেতি। অন্যেতু। স্বা-নাশুযে পৃষ্টি বির্দ্ধনেন ভবস্তি না-ড্যো খ্যুভুজাভিব্তাঃ। আছার মান্দ্যাদুপবাসতো বা তথৈব নাড্যো ज्ञगागुनानाः ॥ 🛊 ॥ शुजकाम्ती-প্তামি জ্ঞান মাহ। লম্বী ভবতি দী-গুাণ্নে স্তথা বেগবতী মতা।। # ॥ भुननात्युर्गी नभार । भार ह হংস গমনা করে মঞ্ক সংপ্রবা। ্ভস্যাগ্নে র্মনতো দেহে ত্বথব। গুহণী गरि ॥ उथा । তেদেন শান্ত। পুহণী গদেন নিবীর্য্য রূপাত্বতিসার ভেদে । विविधिकाया॰ প्लवका कमाहिमाना-তিসারে পৃথুতা হুডা চ।। 🕸।। অথ বিস্চিকা জ্ঞান । নিরোধে মূত্র শ-ক্তো বিডগুহে দ্বিতরাশ্রিতাঃ। বি-স্চিকাভিভ্তে চ ভবঙ্কি ভেক ৰথ कनाः॥ #॥ शुत्रकामानाः ग्यक्षु জ্ঞান মাহ। আনাহে নৃত্ৰকৃছে চ ভবে-माजी गतिष्ठजा।। भा भ्वज्ञान नार । বাতেন শ্লেন মৰুৎ প্লবেন স্ট্রব্ बक्री हि भित्रा वर्डी । क्रानामगी পিত্ত বিচেপ্তিতেন সাধ্যা ন শূলে নচ मक्तादा नाडी कीनजमा दुदः । भू भू क्ला ॥ ॥ अव भू मा

েপুনেহে গুছি ৰূপা সা সুতপ্তা ত্বাম मृष(१।। 🕸 ।। विच विश्वेस ७ न्या ज्जान मान् । उर्गिरमूजभा विष तिष्ठिः কাষা॰ বিপ্তম্ভ গুল্মন চ বক্ৰ কপা। অত্যৰ্থ বাতেন অধঃ মুব্ৰন্তী উত্তান ভেদিন। সমাপ্তিকালে ॥ 🕸 ॥ ४ 🖭 वित्मय नार किन्द्र अलान नत्ना। **২**থ পরাক্রমেণ পারাব্তস্যেব গ-তি॰ করোতি।। 🗱।। অথ ভগন্দর क्कान । दुरार्थ किंटन फर्ड श्रुवार्जि পৈৰিক কম । ভগনরানুকপেগ नाजीतुन निर्वत्ततः ॥ शुराजि वा-তিক ৰূপ নাড়ী পাবক ক্পিণী ॥ 🤲। অথ বান্তানি জ্ঞান । বান্তস্য শল্যাভিহ্**তস্য জন্তো বেঁ**গাবরোখা **জ**লিভস্য ভূষঃ৷ গ**তি**• বিধন্তে ধননী श्रानु ग्रज्ञाच मानिव व्यकान्यान ॥ 🖰 ॥ জ্রী রোগাদিক মপি রক্তা-पि ज्ञान करमा का उवार II कृष्टि श्रु । त्राताद्वाथार कृतिको विका मा-जा शिक्तिमाट कृष्टिट कानाट निक्शिन श्रम निर्नयः ॥ नाषी शतिहर क्कान् श्रायां निव म्माउ । उन । क्रिक्ता ইতি ত্রীশঙ্কর সেনুকব্রি-/।

नाडीज রাজ কতৌ নাডী পুকা**শে তৃঞ্জী**বো দ্যোতঃ।।

नाष्टीकः श्रुः भाकिहित्भवः। शाह्-শাক ইতি নালিতাশাক ইতিচ ভाষा। उৎপर्यत्रायः। পউশाकः २ नाछीमाकः १। जम् छनाः। तक-পিত্ত নাশিত্ব । বিষ্টান্তিত্ব । বাত কোপনত্বঞ্চ। ইতি ভাবপুকাশঃ॥ गांजीकवाशकः शुः मशाकी। इंडि ভাবপ্কাশঃ ॥

नाडीक्नः शु॰ नातिक्नः। ইতি শद्रज्ञावली।। नाजीहः शृ॰ भाकदिरभवः। नानिजा

ইতি ভাষা।তৎপর্ব্যাবঃ।কেচুক• ২ পেচুলী ৩পেচুঃ ৪ বিশ্বোচনঃ৫। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ 🕸 ॥ नाডीह শাক দ্বিবিধ তিক্ত মধুর মেবচ। রক্তপিত্ত হর তিক্ত ক্রিনি স্বষ্ঠ বিনাশন ।। মধুর পিছিল শীত বিষ্ঠন্তি কফ বাত কৃৎ। ইতি রাজ-বল্লভঃ।।

নাডীচরণঃ পু॰ পক্ষী। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ 11

थाईत गरमाङ॰ यस्ट ममाराय मू- । नाजीकाः भूः काकः। ইতি किकां छ-(न्यः ॥ मूनि वित्भवः । यशा

नाजीन

ना प्रेक्षः भूत्रक्ष गूनि विक वृष्टि त्रका नो मानाद्यको न भूक कन्दि। श्रीय गायो न भ्यान । इकि मन-गानकक्षः ॥ वक विष्मयः । यथा ॥ चाक्रगान च क्वन पुत्र लाका । चर्याक्रमः नाडी अह इकि थ्याका मिर्या पुत्रकः मथा ॥ वक त्राक्षा गराशुक्तः कम्याभाग्य मस्यवः त्राक्ष पर्याक विथ्याका वस्ताशु जिद्दा कृति ॥ हिने माहिश्विति ताव्यर्यः ॥

নাজীতরক্ষঃ পুশ্ কাকোলঃ ॥ হিওকঃ
॥ রতহিও দঃ । ইতি নেদিনী ॥
নাজীতিক্তঃ পুশ্ নেপালনিম্বঃ । ইতি
রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

নাডীদেহঃ পু॰ ভৃঙ্গী। ইতি ত্রিকা গুশেষঃ॥

जीनकव॰ क्री कचनकव॰। ठमाफ्रम्भ (वाज्माश्चापम व्यापि॰म श्क्षिव॰म नक्षवाणि हिन्यथा। जन्मामु॰ कर्म ठाउँ। प्रमुख्य मश्चा-वाजिक॰ (वाज्माज॰। ममुप्य मश्चा-माणुः मुद्रः शक्षिव॰म॰ मानम (यूक्-नद्रः वज्नः महार । नव नक्षाविः नाडी गु

নৃপতিঃ স্বজাতিদেশাভিষেক**জৈ:।।** ইতি জ্যোতিস্তত্ত্ব ।। নাডীবিগুহঃ পু• ভূঙ্গী।ইতি **হেন**-চন্দ্রঃ ॥

नडी वृषः शु॰ अर्वेमा शलाबुषः। नाली-ইতি ভাষা। ইত্যময়ঃ॥ তস্য নিদান যথা। যঃ শোথ নাম নিতি পত্ব মুপেক্ষতে ২জ্জো যো বা বুণ• পুচুর প্য মসাধু বৃত্তঃ। অভ্যন্তর॰ शुविभाजि श्रुविमार्ये। जमा स्नेनानि পূৰ্ব বিহিতানি ভতঃ সপ্যঃ ৷৷ ত-স্যাতিনাত্র গর্মনামতি রিষ্যুর্ভে তু নাডীব যদ্বহতি তেৰ নতা তুনাডী ॥ 🗱 ॥ वाजानि मात्र छात्रन তস্য ৰূপাণি যথা। দোৰৈ দ্ৰিভি র্ভবতি স। পৃথগেকশশ্চ সমূৰ্দ্ধি তৈ রপি চ শল্য নিমিন্ততোন্যা। ত-वानिवार शक्य मृद्य गूथी मण्वा रफनान्विक मधिक जुवछि क्रशी-मू ॥ शिंखा ख्वा कुंब केंद्री श्रीत्रनाइ যুক্তা পীত সুবত্যখিক মুঞ্চ মইঃ সু চাপি। জ্ঞেয়া কফাদ্বন্থ ঘন। জু न পिहिलामा छक्ती मकखूत कजा त्रक्रनी अुत्का ॥ हाइ ज्तं अनन 'মূর্ছন বব্দুশোষ। যস্যাণ ওইওর্গক

नाथका

্হিতানি চ লক্ষণানি । তামাদি-শেৎ পবন পিত্ত কফ পুকোপাল্লো-রামসু ক্ষযকরী মিককালরাত্রি•॥ मायह्या ७ इंड वक्त . मर्कारनन তিসোগতী ব্যতিকর পুভবাস্থ বি-म्राष्ट्रा 🛊 ॥ भवा निमिख वक्षण यथा। नक्षे कथिक मनुमार्ग मूमीति-তেবু স্থানেবু শল্য মচিব্লেণ গাতি• করোতি। সাফেনিল নথিত মছ মস্থিমিশু মুক্ষণ করোতি সহসা जक्षक निज्रः ॥ 🗱 ॥ व्यक्ताक्र क्हुमाधाया लंकन यथा। नाजी जिएाय भुज्या न जिएशुर भाषा শতসুঃ খলু যত্নসাধ্যাঃ। ইতি भाषवकद्रः ॥ 🟶 ॥ विषक् विक्ना क्षा हूर्न नीए मनाकिक। इडि व ४ क्मीत्मर नाडीवुन जरमाता ন্॥ ইতি গৰুতপুরাণ ॥

नाडीमाकः शु॰ नाडीकः। शार्माक ইতি ভাষা। ইতি ভাবপুকাশঃ।। नाफीरत्रशः भू॰ जुकी। इंजिमम-॥

ब्रञ्जावकी ॥ नाजिहिक् ही हिक्र्राजमः। कवाः ॥। १७ नामकः ११। इंडि व्यनहन्तुः॥ ्रार्प्यः। शनाभामः २ दख्काः ।।

রামঠী ৪ বংশগত্রী ৫ পিশুছা ও म्वीर्या १ हिब्रुना फिका ৮। श्रम् গুণাঃ। কটুত্ব•। উষ্ণত্ব•। কফ বা-তার্ত্তিশান্তি কারিজুণ ৷ বিপ্তাবিবন্ধ-(मायानाक्मय नामिष्क। ইতि ব্ৰাজনিহণ্টঃ।।

नापक क्षी मूमुाहिङ्गिजनिङ्गानि । यथा। जूना भागन गानानाः ूरेक् भागकमा ह। अভि क यायहाँ यः म माला एख मूजम ॥ ई छि मिछा क्रवायाः मारम भुद्रवधिय बाद्ध বল্পু ব্চন- 11

नाव॰ क्षी विविवः॥ পুজঃ॥ শিবঃ। **ইতি সংক্ষি**গু সায়ে।ণা দিবৃভিঃ ॥ নাথ খাড দবে। উপভাগে ইতি यादट् ॥ व्यामिषि ॥ वेरम्। ॥ वः র্থনে। ইতি কবিনম্পদ্দাঃ।।

नाथः भू• जेमार्युङः। उ८भर्यरायः। ্ অধিপঃ২ ঈশঃ এনেতা ৪ পরিবৃঢঃ ৫অবিভূ: ৬পতিঃ ৭ইন্দুঃ ৮ মানী ৯ আর্য্যঃ ১০ পুরুঃ ১১ তর্ভা ১২ ঈ-শ্বরঃ :৩ বিভুঃ ১৪ ঈশিতা ১৫ ইনঃ পতिहिक् द्रें ि हिन्ती जाया। उट | नाथवान कि शताथीनः । इक्राम्बः।

नाथरतिः श्र श्रम्ः। ইতि मृष्याश

नामः शु नदः। ইত্যমরः॥ व्यक्ष চন্দ্রাকৃতি বর্ণঃ। সচানু স্বার বদুছা-र्याः। यथा वार्षाः तन्तुः, शनुसातः। इंजि जूरानश्रती माज क्कानमः॥ उर शर्यतायः। जार्षानमुः २ जार्षमाञा ० कनातानी । मनानिवः ৫ अनुहार्यता ৬ তুরীযা ৭ বিশ্বমাত্কলা**৮ প**রা৯ । ইতি বীজবর্ণাভিধানণা বৃক্ষ মক্স शाय विष्णवः। वथा। महिनाननर বিভ্ৰাৎ সকলাৎ পদ্মমেশ্বরাৎ। আগীइकि खला नार समाहिन्तू गम् छवः ॥ नातः विनत्गः वीङकः স্পা ত্রিবিধো মতঃ। ভিদ্যনানাৎ পর। বিন্দাক ভবাক্সপ্রবোধভবৎ ॥ म तवः भु ि मण्यमः भाषा वृक्ता **९** ७व९ भवर। नक्नामिकि मूर्छाए । नारमा रहायः। विन्तुः शुग्वः नह-ं वीषक मर्ददर्ग भुखनदार। उशाह । সমাহিতাজানো বৃক্ষন বৃক্ষণঃ প-त्रदाष्ट्रितः । इत्राकानाम् पृशापा বৃত্তি রেম্বাদিভাব্যতে ॥ তর্জো ९ ज्ञिविदासकाता या १वा छन् প্রভব: মরাট্। ইত্যার্ভ্য কর্তে: 🕆

क्त मगानाय मम्बद्धगवानकः ॥ টতি শ্রীভাগবত।॥ ইভ্যলভার-को सज्मः विजीय स्ववः ॥ 🛊 ॥ নাভে বৃদ্ হিদ ছানামাৰতঃ পুাণ সংজ্ঞকঃ। নদতি বুন্ধরক্সান্তে-তেन नारः शुकीर्खिठः ॥ व्यशिष्ठ । আকাশাগ্নি নৰজ্জাতো নাভে ৰ ष् ' সমুষরন্। মুখেতিব্যক্ত মাযা-তি यः স নাদ ইতীরিতঃ॥ সচ প্রা-ণি ভবো ংগ্যাণি ভব শ্চোভয় স-खवः। जाम्रः काग ভरता वीगामि **ভবস্ত** विछीयदः ॥ ज्ञीरयानि ह वंभापि छव इंग्यं बिक्षा मेछः। यमुक दुलाः सान दुल गुस्कि या मङः॥ उत्राक्ष मं डि उः भुषः शुगगषद्भि ममुख्यः। विद्यागक्छ न रागामामः नमू शकायत ॥ न नारमन विना भीछ॰ न नारमन विना -चतः। न नारमन विना त्राग छत्रा-मानायाक कगए ॥ न नाएन विना क्छान न नारमन विना मिवः।। नाम • क्र भद्र ख्यां कि नी क्र भी शद्र হরিঃ।। ইতি সঞ্চীতৃদামোদরঃ।। नारमय॰ क्ली रिमक्षव्यद्वगः। इन्छि तकः . माना ॥ (मोबीबाधन । ইতি झकः

¶क । यथा। नन्त्रा नन्त्र दा नीत॰ নানেয় নিতি কীত্তিত। অস্যুগুণাঃ । नारन्य यूनक॰ कष्म॰ वाजन॰ नषू দীপান । অনভিব্যানির বিশদ ক টুক কফ পিত্ত নুং।।ইতি ভাবপু-कामाः॥

नारमयः शुः कामञ्गः॥ वानीतः বৃক্ষঃ। ইতি রাজনির্যন্টঃ।। नारमयी की अमूर्वजमः ॥ ज्ञिलपूका ॥ रेवजयस्विका । इंडामतः ॥ नाग-ः ॥ ब्या ॥ याङ्काः । इंडि

श्चिम्नि॥ अधिमद्यः॥ काकबद्रः। ইতিরাজনির্ঘটঃ।।

नाथ य क्रमार्थ। म्वामितियर्गार्थरन ইতি যাবে ।ইতি কবিবল্পদ্ধঃ।। নানা -ব্য জনেকার্থণা। উভযার্থণা। विनार्थ। इंडि टासिनी॥ नानाकन्मः श्रु॰ शिखानूः। ইতি রাজ-

ु निर्द्ग्छैः ॥ द्रष्ट्गृलकः ॥ नानावृनिः शृ॰ कारुना तिगुवीगामि শবঃ। ইতি হারাবলী।। নানাৰপঃ ত্ৰি অনেকপুকারঃ।তৎ

পर्यप्रायः। विविधः २ व**ष्ट्रविधः ० श्**-

পৃথিধঃ ৪। ইত্যমরঃ।।

, निर्यक्ति।। नशी नम अञ्चिक कलारमी । नानावर्णः श्रु॰ वङ्विथ भूकामि वर्णः। ইতি ভরতঃ॥তৎপর্য্যার্যঃ।চিত্রণ २ किमो द्वः ० कल्याकः ८ शदनः ৫ এতঃ ৬ করুরঃ १। ইত্যেরঃ ॥ वाञ्चन क् वियामिक ॥

> নানাবিখঃ ত্রি ত্মনেকপুকারঃ। विविधः। यथा । उथा नानाविदेधः भूरिम पू रेव। वी वक्तभाक्रेवः। इंवि হরিভক্তি বিলাসে ১৬ বিলাসঃ।। नानूर्ष्ठय॰ ति अननूर्ष्ठय॰। अकर्खवाः। ইতি ব্যাকরণণ।।

नाबु॰ क्री खाब॰। ইত্যুণाদিকোষঃ नान्तिकद्रः श्रु॰ नान्तीकद्रः। ইত্যমর होकाया॰ त्रमानाथः॥

नानती खी नाष्ट्रेकान प्राप्ते मञ्जलार्था प्तव विकामीना नामीः। यथा। আশাৰ্দন সংযুক্তা স্ততি ৰ্যমাৎ शुवर्खरङ । एनव विक नृशामीना॰ তৃষ্ণদান্দীতি সা মৃতা।। কেচিভু। ভেরীপ্রায়া নান্দী। ইত্যমর ট্রাকা-যা॰ ভরতঃ।। 🟶 🛭 নাটকে বিশ্ব বি-घा जाया हो नामती कार्यता । यमा इ ভরতঃ। যদ্যপ্যকানি ভ্যা॰সি পূ र्ब तक्ष्मा नारेक । जेथा भारतना कर्डवता नान्सी विश्व श्रुमाडेर्य ॥

नान्तीगू

एव विक न्लारीना मानीतार ल রায়ণা। নন্দন্তি দেবতা যক্ষাত্তমা-बान्ती शुकीर्खिंग॥ अन्तरहा ५ द षिक नृशालीमा नाभी बंग्रन शृर्विका । नाम्तीमूथः शु क्शालिम्थवक्षवः। 1 नान्ती कार्या दूरिश ग्लामनकारतन স•যুতা।। গঙ্গা নাগপতিঃ সোমঃ मुधानन्ता जयानियः। এভি नीम প-रिः कार्या नान्ती धात्राजित्रक्षिजा॥ भुभख भर विन्तामा हन्तु मःकीर्ख नादिजा। जामी दीर, शदा नान्ती यारकार्यः सङ्गाजिका ॥ काहि-म्ल्लामा नान्भी काहिम है शमा ज्था । সূত্রধারঃ পঠেয়ান্রী । মধ্যম सর-মাশ্ৰিতঃ॥ ইতি মালতীনাধৰ চী-का ॥ अ ॥ अमृष्तिः । यथा । नानरी সমৃদ্ধি রিতি কথ্যতে। ইত্যুদাহ-তত্ত্বে বুহ্মপুরাণ ॥

নান্দীকঃ পু• ভোরণস্তম্ভঃ। ইতি ত্রিকাণ্ডশেশ:॥

मान्तीकद्रः वि मान्तीत्माकशाठेकादी । उৎभर्गायः । नाम्तीवामी २। ইত্যমর: ॥ কেচিন্তু। ভেরীপুাযা नानती उद्गारनभीवः। अञ विष क्त्यो वामनाथाविज्याहः। इति তর্ত: ॥

नानीभरेः शुः क्लापित्र्थवक्रनः। **७८ शर्यतायः। नान्तीमूथः २ वीमारः** ७। इंडि-(इम्हन्दुः।।

इंडि रूमहन्दुः ॥ वृक्षिनाष कूक् পিতৃগণঃ। যথা। নানদীমুখা পিতৃ-গণ॰ প্রয়েৎ পুষতো গৃহী। ইতি বিষ্ণুপুরাণ ।৷ স চ পিত্রাদি ত্রিক মাতামহানি ক্রিক্ট। ইতি গো-जिन मूबः।। कृषिकुराम् क्षी। स्था। नानती मूर्व विवारक ह शुनिकाम क भूर्वकः । अब नाक्तिभूथ भहनऽ শান্ধ পরত্বে ইতু ক্লাক্ত জ্বিথনা-मन्। ब शास भन्न दे । जिन्छिन्छ-ব্যতা-যথা।কুব্ৰ গোড়িবঃ৷ আথা-चुप्रयिक भारत युग्नानामानस्य शुरुषिमा मूलकातः अञ्जादाः मर्जाः य-বৈ ভিলার্থ: সম্পদ্দিতি তৃপ্তিপুন: দ্ধি বদরাক্ষতাজ্য মিশ্যুঃ-পিণ্ডাঃ मानरीयूथाः शिख्वः श्रीयसा निष्ठि रिहरव वाहसिद्धा नामतीमु (अञ्चार्का) ভূভ্যঃ পিতামহেভ্যঃ পুলিতাম-হেছ্যে মাতামহেভ্য পুমাতান-হেভ্যে বৃদ্ধপুদাতামুহেভ্যুক্ত প্ৰী-यञ्जामिकि मस्यायः शुबुकी उन्हे।

অপিচ। স্বধ্যৈতি পদস্থানে পুষ্ট্যাশ-पः वरमिक्। भिज्निजि भमार भूर्वः वरम मान्तीमूथानि छ।। कर्मानियुष्ट সর্বেষু মাতরঃ স্বগণাধিপাঃ। পূজ-নীযাঃপুৰত্বেন পূজিতাঃ পূজ্যন্তি তাঃ া৷ পুতিমাসু চ শুভ্রাসু লিখিতা বা भोगिष्यू। अभिवाक्ष्य भूरक्षयू रेन विराम भृथियेशः॥ कछा नगाः বসোধারা সপ্ত বারান্ হতেন তু। कांत्रराष्ट्र शक्याताम् वा नाजिमीहा॰ निकाहिजां।। वायुवंतिक भाष्ठार्थः ৰপ্তা তৰ সনাহিত:। ষ্ড্যঃ পিতৃ-**७) उपन् माम मान मुभकरम् ॥ व-**मिरिशाका विधिः क्टाना मुद्धेरवत १व নিরানিবঃ বিভাগর পুরক্রনি বিশেষ ইহ যে৷ ভবেৎ ৷৷ প্রাভ রান-ব্রিতান্ বিপুান্ যুণ্মান্ভয়ত তথা। छेशरवन्तर बनान् मम्रामृङ्क्रीनव शि পাণিনা ৷৷ নিপাতো ন হি 'সব্যস্য बानुत्ना तिम्राउ इहि । यमा शति-**চ্রেক্তক্ত**্য পিতৃনপ্যত্র দেব বং ॥ পিতৃভ্য ইতি দন্তেষু উপবেশ্য জ-শেষু তান্। গোত্র নানভি রানজ্য लिज्नर्याः भुमानरयः।। नावानमवा

नान्सीभू

जागा॰ भ्रतगामीनि रेम्रावरेनव कू का-त्राय**् ॥ (छ**) रिष्ठा खत्र क्तान् यूंग्यान् করাগাগু পবিত্রকান্। কৃত্বার্য্য স ম্পুদাতব্য নৈকৈকস্যাত্র দীয়তে ॥ মধু মধ্বিত্বি য স্তত্ত ত্ৰি জপো পশিতু মিছতা । গায়ত্রনম্বর সো ২ত মধু মজ্ঞ বিবজ্জিতঃ।। নচাশ্রৎসু জপেদত্র কদাচিৎ পিত্ সংহিতা।। जन् अव जनः कार्यः त्मान नाना-रिकः मूछः ॥ य ख**ब शू**क्रामम् **তिन वम्पव वख्या । উहिन्हे म**क्षिकी সোত্র তৃপ্তেযু বিপরীতকঃ ৷ সম্পদ नि उ देशाः इ भून कारन विधीयत्व। সুসম্পন্ন মিতিপোক্তেশেষ মন • নিবে-मस्य ।। शुभगरभुञ्चय मर्द्धयू ज्यान । या-मख्र भू वंबर। जभः कि भिग्न ल (मान **ংবনে নিক্ষেতি নিস্তিলাঃ॥ দ্বিতী**ং**ঞ্চ ज्ञीयक मध्यातमानु तम्**दाः । মাতামহ পুভৃতী স্ত এতেষা মেব-वामञः॥ महमारम मृष्ठ । वाकित-क्षितिहरुह। मःखाङ्य यवं कर्का मः विजिः भाषाय छकः। व्यवत् जन-वट शिखान् में विन भुमानकान्। उৎপाত कावाननाय भून तम् । क्रवन न शिबु । जीर्थ नियु रज्य शा विवाद । जिंदा ना जिंदा ना

मुख्रताख्तः । ভবেদখणाण्याम-(बाबः भाष कर्यम्।। उमार भाष-व् गर्बव् वृक्षित्र विख्य दिव्य है। मून मध्राशु (मरमयू केवट् मङ्गां क निर्व-পে ।। গদ্ধানীমিঞ্চিপে ভূঞী তত षाठानत्य हिकान्। यथागु ज्ञि गामित्थर मुम्लाकिठ मस्जि ॥ শিবা আপঃ সম্ভিতি চ যুণ্মানেবো-परकन ह। मौमनमा मिख्छि ह शूत्र मान समस्त[ा]। व्यक्ते उका ति है ঞ্চান্ত্ৰিত্যক্ষতানপি দাপযেৎ। অ-कारगोपक मानक वर्षा मान वरि-बाराजा। बरिश्वाव निजा जिल्लाम ह्यूर्था कनाहन । शुर्थनाम् शुठि প্রোক্তে সর্বায়ের দিলোক্তমে:॥ প विवाष्टर्श जान् शिखान् शिक्षमुखान পাত্র কৃৎ। যুশানেক স্বস্তি বাচ্যান-कू है गुरुग नमा।। क्वा धूर्याना विभुः न्। भुगम्। नृबुद्धख्यः।। क्षा विभि-खानि येथा। विकु भूतारग किन्ता भू व विवारह ह भूतित्य नव विभानः। नान কর্মণি বালানা চূড়াকর্মাদিকে তথা ॥ जीमखामयत रेठक जुलाहि मूथ म्मात । नानतीयू व शिक्गन भूव रिष्ट भुवाका गृशी।। मटना भूवाता। गिशिठ .

অনপ্রাশে চ সীম্ত্রে পুগ্রেৎ পত্তি নিমিত্তকে । পুংসবনে নিষেকে চ নবরেশ্য পুবেশনে ।। দেব বৃক্ষ অ-লাদীনাং পুতিষ্ঠায়াং বিশেষতঃ । তীর্থযাত্রা ব্যোৎসর্গে বৃদ্ধিশাদ্ধং পুনীর্ভিতং ।। কূর্মপুরাণে । তীর্থ-যাত্রা সমারস্তে তীর্থপুত্যাগমের চ । বৃদ্ধিশাদ্ধং গুস্কীত বহু সর্গিঃ সমন্তিং।। ইতি শাদ্ধতত্ত্বং ।। নান্দীমুখী জ্ঞী সামণেতরবৃদ্ধিশাদ্ধ-ভূল্যাত্গণঃ। ইতিয়ন্ত্র্বেদীয় বৃদ্ধি-শুদ্ধা পদ্ধতিঃ ।।

नानितानी जि नानित्नाक्नाठकाती

1 नानित्रन्नीनः ॥ (जतीतानन
नीनः । इज्ञात्रहीकायाः जतुः ॥

नानिकः भूः वर्गमहत्रकाितित्नयः ।

गजू शिकार्याः मत्तिर्माकाणः ।

इति भत्रान्तरभक्तिः ॥ मृनुषाः

कवियाक्ताणः । इति विवासार्यन
रमजः ॥ जम्य क्लोतः कर्म । उर्थः । वर्षायः । कृती र मूजी ० रिवा
क्रिक्तिः ॥ जम्य क्लोतः कर्म । उर्थः । वर्षायः । कृती र मूजी ० रिवा
क्रिक्तिः ॥ जम्य क्लोतः वर्षा । उर्थः । एवी ७ वर्षायः । वर्षायः । कृती र मूजी ० रिवा
क्रिक्तिः ॥ जवादमीमुकः भ नथक्षः ।

एवी ७ वर्षायः भीमुकः भ नथक्षः ।

प्रामितः २० मूखः २० जाखभूदेः १२

न जिल

। ইতি জটাধরঃ॥ नाशिज्यानिका खी नाशिज्याना। नाभिजगृह । उৎभर्यायः। थन ষ্টী ২। ইতি ত্রিকাণ্ডলেশং॥ वािं श्रु गूर्ग्ना किमश्रा। क्रियः। ইতি मिरिनी।। शुरवुठ-রাজপুঞ:। ইতি পুরাণ ।। গোত্র । ইতি সংক্ষিপ্তসারোণাদিবৃত্তিঃ।। माजिः शु जी शागुक्। मारे रेजि ভाষ।। ইতি মেদিনী।। তৎ পর্য্যাयः । নাভী ২ ভুন্দকৃপী ০। ইতি শবর-ত্মাবলী।। উদরাবর্ভঃ ৪। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ।।সচ গর্ম্কস্ত সগুভি র্মা-সৈ ভ্ৰতি।ইতি সুথবোধঃ।। অমিন্ স্থানে মণিপুর নাম দশ দল পদ্ম-**म**खि।यथा। जन्द्रक् नाजिद**रत्य** जू विश्वः मह८ शुज् । त्रवाज বিদ্যুদাডঞ্চ বহু তেজো ময•ুততঃ II মণিবন্ডিম তৎ পদ্ম মণিপূর° তথোচ্যতে। দশভিশ্চ দলৈ যুক্ত फांकि काञ्चाक्रवानिष्ठ ॥ निरवना-থিষ্ঠিত পদ্ম বিশ্বালোকন কারণ ॥ इंडि उत्र ॥ क्षृत्रिकामा जी

। इंडि (मिरिनी।।

नाष्ट्रिक हेकः शु भावतः। (गाँउ

ইতি ভাষা। ইতি শবরত্বাবলী। নাভিকা জ্রী কটভীর্কঃ। ইতিরাজ-নির্ঘন্টঃ।।

নাভিগুডক: পু॰ স্থীতনাভি:।গোঁড ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়:। গর্ভগুঃ ২। ইতি ত্রিকাগুশেষ:॥ নাভিক-ন্টক: ৩ আবর্ত্ত: ৪। ইতি শব্দরত্থা-বলী॥ গোপুঃ ৫ নাভিগোলক: ১ । ইতি জটাধর:॥

নাভিগোলকঃ পু॰ নাভিশুডক:।
ইতি জটাধ্র:॥
নাভিজঃ পু॰ বুকা। ইতি ধ্রণি:॥
নাভিজয়া পু৽ বুকা। ইতি ত্রিকাণ্ড-

नाजिनाना जी नाजिमञ्जिनिनाजी। जद्भर्यप्रायः। जमना २। इंडि जिकाश्रम्भयः॥

নাভিত্ঃ পৃ বুকা। ইতি হেমচন্দুঃ।।
নাভিবর্ষঃ পৃ ভারতবর্ষঃ। যথা।
যোসৌমনু পুঞঃ পুিষ্বুভো নাম সগুদ্বীপাধিপতির্বভূব তস্য চাগ্নীপ্তাদযো দশ পুঞাবভূবঃ ত্রমঃ পু বুজিতাঃ শিষ্টানা সপ্তানা , সপ্ত দ্বীপাঃ
পিত্রা দক্তাঃ তত্র জদুদ্বীপাধিপত্তেশাগ্নীপুল্য নব পুঞাবভূবুঃ। না
ি

কি প্ৰথপৈত হরিবর্ব ইলাব্তঃ ।
ব্রুন্যে হির্ম্য কৈব লক ভূনুত্ব
কেতুমান্ ॥ নব বর্ষ। নিতেষা পিজা
দন্তানি বন পুরিশতা চাল্লীপ্রেণ
হিমাল্যস্যাধিপতে নাভে প্রভঃ
পুথো বভ্ব প্রবভান্তরতঃ ভরতেন
চিরকাল পর্মেণ শাসিতবাদিদ
ভূথু ইতিমা

७० व्यवतायः॥

नाजी द्यी नगजिः। ইতিশব্রহাবলী।। नाजीलः ही नार्य्यावङ्कराः॥ कृष्ट्रः॥ গर्हाए॰ । ইতি মেদিনী ॥ नार्जि-गाञ्चीर्याः। ইতি ছেমচন্দুः॥ ত্রি নাভিসম্বন্ধি। ইতি व्याक्रवण ॥ नाम वर शुक्तिमरः॥ मञ्जावना॥ काराः ॥ উপगमः ॥ ष्ट्मनः । ইত্যমর: ।। প্রাকাশ্যে যথা। হি-. भावत्या नाम नगावि द्राजः। हि-নালয়: পুকাশো হতিপুসিদ্ধ ই-ত্যৰ্থ:॥ সম্ভাব্যে সম্ভাবনাযা- ইহ নান সীতা ভবিৰ্যতি।। ক্লোৰে ম मानि नाम मनाननम् भरित्र इहि ं जनः॥ उनगमः माम्या श्लीकानः ्नागांच।। चर्त्रात्वानामा

यः गिवज् करत्य साश्रामयः विश्वत्यः ।। विश्वत्यः । ज्याका मात्र शिक्तिमात्वाक्ति । इति छुष्टोकायाः छत्रञः ।। विश्वयः।। स्वव्यः । दिक्तः । इति ।
तिश्वयः।। स्वव्यः।। विक्तः । इति ।

नाम क्री दायरं पंजानप्र ये उर १ তৎ भर्गायः। जायग्र २ जासा ३ ष्य ভिधान । ४ नामरथ्य । ६। ३७ ५ न तः ॥ जाजान ७ लक्न १ व तुशादनाः ৮ আছ্যঃ ৯ সংজ্ঞা ১০ গোত্র ১১ चाजिथा १२। इंकि नेपत्रवादनी ॥ विक् । उह माि विख्काई: শব:। তত্ত্ব পঞ্চবিধণ যথা। উণা-माड क्रब्ध उिक्र नेमानं । मदानुकत्रनर्कतं नामं शक विश् म्ज ॥ इंजि भाषीवनुः ॥ 🛊 ॥ অবক্তব্য নামানি যথা। আজু না-म प्रदानीय नामानि क्षाना है। পুণোত্তে ংপি ন বক্তব্যু জ্যেষ্ঠপুত্ৰ क्नवयाः ॥ इं कि कर्यानावनः ॥ । भक्तं १ की माना विषयः । ত্ত্ৰোক্ত নক্ষকাণি ৰূপা ৷ অখিনী ১ রোহিণী ৪ মৃগশিরাঃ ৫ পুনর্যসুঃ 🕈 উত্তরফল্লুনী ১২ স্বার্তী ১৫ অনুরাধা ११ जेंडब्राबाण २२ मुक्ना २२ विन

ু ধা ২০ শতভিবা ২৪ উত্তরভাদুপদা ২৬রেবতী ২৭ ৷৷ তত্র লগ্ন• যথা৷ যল্ল-्राम्। भूषम हजूर्य मधम म्मम सात শুভ গুহা ভিষ্ঠন্তি তল্পণে নাম করণ कार्याः ॥ छव हिन नियुगः । हम २० थकारम १२ हारम १२ मञ २०० हि-নানি। ইতি জ্যোতিঃ সারসংগৃহঃ।। সমুৎসরে বেতি গোভিলঃ ॥ এতা পুশন্ত তর তম পর পর কাল কর্মে তরপর ৷ একাদশাহ ইতি মুখ্যঃ ক द्भ ইতি রযুনनरमञ्गा का जरन् शानः यथा। हमगृशाजा जात वन्तु मर्मना शाह् माञा मूहिना वाद्य व्यात माहाम्। जुर्जू मंकिनजः स्वा भूग-हुजुरक् नित्रमः शन्तिम (एम। गद्मा উত্তরত উদগগেুষু জশেষু উপবি-শতি অতঃ গিতৈবাধিকারী। অথ জুহোতি পুূজাপত্ত্যে সমারস্য তি থ্যে নক্ষত্রায় । তিথি নক্ষত্রয়ে। র্দেবতাবৈ ভাষ্ট বুন্ধ ত্বস্থ বিষ্ণু যম रमाम अभात सूनि वमू शिमाह धर्म क्षु वायू मूत्रये एक भिड्दाः भोन मान्तरः वित्यप्तयाः। वकाः स्ताम वित्मव गारु इत्मागभिति निष्ठे । नामाध्य गूनि वम् शिमाहा वह-

ब्ध्नमा यकान्य भिज्ञा एका प्र-ষ্টব্যা জিথি দেবতাঃ ॥ তেन म्बुडा-দয়ে। বহুৰচনাম্ভা হোতৰগ্ৰঃ। ন-क्षानि अधिनामीनि। उपर्वजान জ্যোতিৰে। অখি যমেত্যাদয়গ্ৰাম-ক্ষত্র হোমে ছন্দোগপরিশিষ্ট । व्यादायाम् १थ नशीम दिनाधाः (म् । जरेथ्व् हु। आयाहारम् । श्री श्रीरम् । अभिनाराह्य उरिषद ह ।। **इन्हा**त्ना-जानि वक्षवृकागा खूक्या मा । ष्ट्रन् षय पित्रह्य स्विश्वान्त्रेशकः ৰ্থাতদেবতা হোমে বিশেষঃ।দেব তা অপি হ্যন্তে বহুৰ সৰ্গ বৰপঃ। নেবাশ্চ পিতর শৈচব দ্বিবদেবা খিনৌ उथा।। (एवाः वित्यस्वाः। कवर्गामि शक ज्ञीयाहि वर्धानाज्य वर्शाहा-स्तर्रः यत्र न वारानाज्य वर्ग मधाः विश्व अताहि वट कृष्ट महाद्वादनाड॰ मीर्घ विमर्गाष्ठ ह नाम वर्ष्ता । विषक सर्ग्राक्ष्या ८ शुम्ख भरः। जन-দেবতা নক্ষত্রাভি সমৃন্ধ চনাম স্ব-ৰ্য্যা**্ৰতলম্ভ**লিখিত বচনামামান্তর ক্রণ ব্যবহারঃ। অত্র মক্ষত্র সমুদ্ধেন নাম করণ শতপদ চকানুরোধাৎ बनक्रव शामानुगादिना छउ क कर

न्निज्ञ नूथ ख्यान् शुग निर्मामाय अवार्षिषु वित्यवान् मध मूथ म-িকিণী নাসিকে কর্ণাবিভি। স্বাভি-मुत्थान न्यूमन् कानि कजमात्रीजि ্ৰব্ৰ-জপেং।।#॥তচ নাম শৰ্ম বৰ্মা मूज्नाना अरद्भ कर्खवाः। यथा। छे छ स নাম জৰী ত পিতৈব দশমে হনি। एक श्रव नज्ञाचा हि अर्थ वर्षािक न पूछ ।। मापिछ दोक्रारम ग्राक व-র্মেতি ক্ষণ্ডসংশ্রুয়ণ। ওপ্ত দাসাত্মকণ नाम शुभाखः विभाग्र मृ मुत्याः ॥ नार्थ ॥. ষ্ঠীন নচাশন্ত নাপশন যুত তথা। ॥ नामाक्वा कु खु कु रा नाम कर्गार नगाकत ।। नाठि हीर्यः नाठि दुषः नाठि खर्बकतातिष्ठ । मूर्थाहार्य्या-कतः नाम क्रयप्रह পुरुगाकतः॥ इंতि विकुश्रद्भारत ७ जः स्म ३० जन्नायः ॥ পুরণাক্ষর লফ্তরাক্ষর ।। ইতি ত ডীকাকারঃ ।। # ।। গোভিলঃ । অযু-শ্মক দান্ত• তথা জীণা• ১ সমুশ্মক• व्ययूगकतः। माउ मकाताउ। वदा যশেমনত্যাদি॥ 🕸 ॥ তস্য 🗐 शूर्वकष्णयथा । (सवः ७कः **७कञ्**।-' ন ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰাধিদেৰতা । সিদ্ধ क्तिताना कि श्रव भग्न मानी न

प्यः ।। इं क ताप्य ७ उँ श्व शुर्याम मर्मनाथ सर्गका मिद्या दिना निष्या-देविकार शिम सामिद्यः नाद्या न म्-जानाः उरथि निश्चां हातः ॥ ॥ ॥ रगाजिवः। मार्खि हनः शुष्यः नाम द्य मार्थाय यथार्थ मुनीहाः वाम-द्य मार्थाय वथार्थ मुनीहाः वाम-द्य गानासः अर्थाय रगोर्षिक्या। । ইতি मःकाइज्द्यः ॥

नामहारणी जी वुञ्वित्णयः। यथा। भोती कानी उसा जुना पूर्णा का खिः সরবতী। মঙ্গলা বৈশ্বী লক্ষীঃ **नि**वा नाङ्गायगी कमार ॥ मार्ग ज्-তীৰা মারভ্য প্রোক্ত লভতে कल । भूरबीक कल भार्मा कि हा-म्य भारम क्याईमी वुठ कन । व्यक्तात्रीयतः कृत् मथवा उम न-इतः ॥ भू अयि विधिवनाती न वि-याग भवानु याट । अथना विकू क (भग भूकरयह चत्र नर्ग ॥ मकत्र वाम जागर महकाम गवान यांटा गार्गाभवारि क्यां नावायनमा · श्वान् श्कायः । श्रंथ क्रियोशारिकः ৰুপোষ্য সংগৃজ্য দক্ষিণভিক্ষ না মভিঃ। **অখ্যেষ** নৃপদ্য বাজপেষ মতিরাত্র নক্ত মথাগ্রিপ্টোমোপ-বাসমেব। পূক্বমেধ মৌক্রামণি পঞ্চযক্ত ছোন গোলক সর্বমীন ছাপ্যান্তে নিত্য মরণার্চনাত্রমান্ন। ইত্যাদের নামদ্বাদশী। ইতি দেবী পুরাণ ॥

নামবেয় জী নাম। ইত্যমরঃ।। নামশেষঃ ত্রি মৃতঃ। ইতি হেমচন্দুঃ ।। মরণে পু॰।।

नामाशत्राथः श्रु नाधु निम्हादि क्श मुत्रमृष्टे जनक व्याभात्र वित्मयः। यथा । শ্রীনারদ উবাচ। কে তে ংপরাধা নিপ্রেন্দু নাগ্নে। ভগবতঃ কৃতাঃ। বিবিন্দন্তি নৃণাণ কৃত্যুণ প্ৰাকৃতণ क्षानमिष्ठ है।। उट कथ्राजाः म्हा-ভাগাপরাধ নাম কেশবে।কেন কেন পুকারেণ ভবেদ্বৈ তজ্জনাদিযু ॥ সনৎস্কনার উবাচ। সতা। নি-ন্দা নামঃ পরম মপরাধ বিতনুতে যতঃ খ্যাতি যাত স্তমুপ হসতে ॥ গহঁযতিচ কুথা বিষণে রিষ্ট য ইহ গুণ নামাদি সকল পিয়াভিন প (म) ६ र्भ थंनु इतिनामा हि**छकं**तः॥ ভরে। রবজ্ঞ। শুতি শান্ত নিন্দন ज्ञथार्थ वारमा इतिनानि कन्नन । ॥

नामा वनाम्यमा हि शाशवृष्ति न বিদ্যক্তে তস্য শঠস্য শুক্তিগুল দিৰৌক্ষা গুরোঃ পিত্রো ভূসুরা **गाक गर्ना । नाना शदाम यख अ**त दिक्षवानाः उथा नृगाः ॥ (भाषायः जूनभी थाजी न्'शामिनहिं नात्रम । नामाशताथी म ज्यानमा गाविनर रिक्षवान् ॥ नर्वजीर्थान (क्यानि চাবমন্যতি নিন্দাত। नक्। সর্মতী যানী কাপরাধী ভবেষরঃ !৷ জ্রীন-স্তাগবত মহাভারত ব্রাহ্মণান্ত-ৰু• 1·মৃক্ত• মহাপুসাদঞ্চ যো **ং**বম-ন্যতি নারকী।। অবতারান্ হরে স্ত ত্তন্বান ভক্তা॰ক নিন্দতি। অবমন্য-তি দেব্যে নারকী স জনো १९भः॥ (गाविन्त्रजाईनः अर्य्याप्त्रम्नार्ज বৈশ্বান্। নিন্দ্ভীস্চ নামানি স नात्मानारभवाषक्ट् ॥ वर्गामुबानस्र কা-শ্চ জাতি বুদ্ধ্যাবমন্যতি। বৈষ্ণ-वान् अकृष्ठ निन्हा मशत्राधी नद्राधनः ।। विकरकुः जियः भूपुः क्वां जिल्हा বৈষ্ণব•। যেবমন্যন্তি নিক্ষন্তি তে বৈ नित्रय गामिनः ॥ यहं वित्याः नि-लाशी र्थक्षु नव्रमि देवेक्ष्त् काञि वृष्ति सिका की विकवाना किल हैं

म्बान भारजीर्थम् युक्तिः। विस्था ্ট্রিজাল্য নাম্মোঃ কলুষ দহনযো রন্য 'मामान्। वृषि विंखी मर्बिश्रादाण छ-क्लिज्ज नमधी यंग्र वा नाजकी नः॥ পূজ্যতে দেব সামান্য-কৃত্বা নারায-ণ নরঃ। নানাপরাধী স ভবেদ্বৈঞ-वान् या न स्मवत् ॥ नात्रम उवाह। ন্যুন্পরাধা ছপরাঃ কুতি সম্ভিত-পেমধন। ৩০ কথ্য छो। भा अकन। যদি যোগ্যে ভবামি তে ৷৷ সনৎ স্ব মার উবাচ।বৈশ্বে শঠতা বিকৌ গুরৌ পিত্রোশ্চ ভূসুরে । নিন্দা रঃ হৃকতে সোহাদপরাধী স নারকী ॥ ইতি পাদ্মোন্তরখণ্ডে ১০২। ১০৩ **অ**ধ্যায়ঃ ॥ ৠ ॥ অপিচ । ধর্ম বুত-ত্যাগ হতা দি-সর্ব শুভ ক্রিয়া সাম্য মপি প্রমাদঃ। অশুদ্ধোনে বিমুখে-প্যশ্বতি যশ্চোপদেশঃ শিব নানা ়পরাধঃ॥ শুদ্ধাপি নাম মাহাত্ম্য যঃ প্রীতি রহিতো নর:। স্রহণ মমাদি পরনো নান্নি সোপ্যপরাধ ক্থা। 🛊 🛚 ।। অপরাধ ভঞ্জন মাহ জাতে নামা-भद्रात्थिभ भूमारम्य कथ्कन। अमा न की खरमान जानक महाला जातृ नामाश्रदाथ युकानाः नामात्मात् । नाय

হরন্তার । অবিশান্ত পুরুক্তানি তান্যেবার্থ করাণি চ।। নামৈক যস্য
বাচি স্মরণ পথগত শোক মূল
গতয়া শুদ্ধ বাশুদ্ধ বর্ণ ব্যবহিত
রহিত তার্যত্যের সত্য । তচেদেহ দুবিণ জনতা লোভ পাষ্ড
মধ্যে নিক্ষিপ্ত স্যাম্কল জনক
শীষু মেবাত্র বিপু॥ ইতি শ্রহরিভক্তি বিলাসঃ॥

नामाश्रावी जि नामाश्रावक्ट ।
यथा । नात्मा जनार्यनम् । नामाश्राथ यः स्वरं श्रिक्ष । नामाश्राथ क्लात्मा याजि मज्य मर्थाण्डि ।। विनामयि नामाश्राथ श्रिक्ष ।। विनामयि नामाश्राथ श्रिक्ष ।। विनामयि नामाश्राथी क्ष्म मामाश्राव । नामाश्राथी क्षम मामाश्राव । नामाश्राव ।। श्रीक श्रिक्ष श्राप्त । नामाश्राथी मनुका मृत्य ज्वि नामाश्रायी मनुका मृत्य ज्वि नामाश्रायी मनुका मृत्य ज्वि नामाश्रायी नामाश्राय ।। याज्य नामाश्राय ।। याज्य ।। याज्

नायः পু॰ नयः। नीजिः। ইত্যময়ः। পু।পণ॰। ইতি ণী ধাতু দর্শনাৎ।।

ना विका

नायकः श्रु (नजा।। (भुक्षः।। सात-मथ्रमिः । ইতি चिहिनी ॥ चार्गु সরিকঃ। নেনাপতিঃ। ইতি ত্রি-का अल्परः ॥ भृकात्र नाथ् हः। न ह ত্রিবিখ:। পতি ৰূপপতি বৈশিক শ্চেতি। বিধি বৎ পাণিশ্ৰাহকঃ পতिः। अनुक्ल मिक्ष ध्रे मठे ভেদাৎপতি শতুর্ধ। সার্ব কালিক পরাহ্বনা পরাত্মথত্বে সতি সর্ব-काण मन्दरका रन्क्लः। नकल নাযিকা বিষয় সম সহজানুরাগো **मिकाः। ज्**या निः**भकः** क्जरा-ৰোপি ভ্যে। নিবারিতোপি ভ্যঃ পুলুষ পরায়ণো খৃষ্টা কামিনী বি-वय कला लिंदुः मठेः । जाहात दानि **হেতুঃ পতি ৰুপপ**তিঃ ৷৷ বহুল বে-শ্যাভোগোপরসিকে। বৈশিকঃ। বৈশিক ভূত্তম নধ্যমাধ্য ভেদাৎ ত্রিবিধঃ। দিবিতা শুমপুকোপে হপি উপচার প্রায়ণ উত্তমঃ। প্রিয়া-হাঃ পুকোপে ুয়ং পুকোপ নৰুৱাগণ বা ন পুকট্থীত চেইখা মনোভাব गृहाजि। नश्नी । जय क्ला सञ्जा भ्नाः कान् की जाया नक्ठ क्ठा क्ष्रविषाद्या २४मः॥ 🛊॥ मानी ह-

ভূরণ্ড শঠ এবান্তর্ভবভি চনাক্টেখ্রা व। क। ममागम क्लूब्रः। भाषानुन-তি ৰূপপতি বৈশিকণ্ট ভৰ্তি ৷৷ অনভিক্ত নাযকো নাযকাভাসএব ৷৷ তেষাঞ্চ নৰ্ম সচিব পীঠমূৰ্দ্দ বিট চেটক বিদূষকভেদাচতুর্ধা। সপিত जी भूनारकः भीठेममः। नर्ममुकि-বোপ গ্রেষ্ব। কামতক্র কলাধকা-विष्ता विष्टेश महान ए जुन ८-एक्टिश व्यक्तामिः विक्रेज्य र्शमूकाती विम्-यकः ॥ # ॥ তেবা ম**ই** সাত্ত্বিক **ওণা** यथा। (सन खद्धा २० द्यामाकः স্বরভঙ্কো १थ বেপথুঃ। বৈবর্ণ্য মশু পুণযাবিত্যপ্তৌসাত্ত্বিকা গুণাঃ॥ 🛚 ॥ তেবা॰ দশাবছা যথা। অভিলাব ख्या विषा सृष्टि क छन की र्डन । ্উদ্বেগক পুলাপক উন্নাদো ব্যা-थि (রব চ !। জডতা নিধনান্যেব **দ**-শাব্ছা: পুকীর্ত্তিয়া। ইতি রস-गङ्बी ॥

নাযকাথিপাং পু॰ নরেন্দুঃ। রাজা। ইতি শব্দরত্বাবলী।। নাযিকা জী দুর্গাশজিঃ। সাঅপ্তথা। যথা। ততোপ্ত নাযিকা দেব্যা হন্দ্র-তঃ পরি পূজ্যে এ উপুচ্থা।

क्षक कर्जाना क्षमायिको ।। याजि ক্রমঞ্চ চামুখা চন্ডা চন্ডাতী ভথা । भाषा ठाडे मार्न टिजाः भाषामि ক্ষত তথা। পঞ্চোপঢ়ারেঃ সংপ্র ভৈরবামধ্য দেশতঃ। ইতি পুত্তি-सल्ड ५२ व्यद्धायः ॥ मृकात त्रमा শস্থ বিভাব কপা নারী। সাচ किंदिया। श्रीया २ शतकी ग्रास्नागान्। বনিতা চেতি। তত্ত্ৰ স্বামিন্যেবানুর-का शीया। श्रीयाशि जिविशा मूका मध्रा भुगना ह। उथा यहू ति उयो-दना मूका । मा ह उद्घाउरयोवना वा-क्टाउत्गेदना हारियद क्याला नक्ता छत्र भवाशीन इंडि नरवाजा। रेमव कारणा का उभुमुया विभुवनरवाण ॥ यनान ः उद्धायमना संश्रा। अटेबन চাতিপু খুনাদতিবিশুর্মবোটা॥ প-তি মাত্ৰ বিষয় কেলি কলাপ কো রিদা পুনৱান মধ্যা পুগত্তে মানাব-স্থাণ পুত্যেশ ত্রিবিশে। ধীর। অধীরা ধীরাধীরা চেতি। ব্যস্থ্য কোগ পুকাশা ধীরা অব্যস্ত্যকোপ পুকাশা অধীরা। ব্যস্থ্যাব্যস্থ্য কো-প পুৰাশা ধারাধারা। এতে ধারা: " ्रा विद्या अवस्ति । ।

জ্যেষ্ঠ। কনিষ্ঠা চা। পরিণীতত্ত্ব সভি ভতু রধিক শ্রেহা জ্যেষ্ঠা ৷ পরিশী-তত্ত্ব সতি ভৰু নূৰে শ্ৰেষ্ঠা কনিষ্ঠা ॥ 🛊 ॥ अभुक्छ भन्न भूकवानुतामा পরকীয়া। সা চ দিবিখা। পরোচা कन्यका है। एथा विषयों विकिठा वनहा अनुभगाना मूक्ति शुज्जीनाः পরকীয়ায়া মেবান্তর্ভাবঃ ৷ হুন্তা বি-পিধা। বৃক্ত সুরত গোপনা। বর্ত্তিব্য-मान मूत्रेज रमाभना। वर्खमान मूत्रेज োপনা চ ।। বিদধ্যা দ্বিবিধা। বাপ্তি-দধা ক্রিবাবিদধা চেডি ৷৷ অনুশ্যা-না ত্রিবিধা। বর্ত্তমান স্থান বিষ্ট্রদেন ভাবি স্থানাভাব শঙ্ক্ষযা স্থানধিষ্ঠিত मक्षि इता जुर् रामनानुमातन ॥ 🗱 ॥ विख मात्वाभाषिक जकन পুক্ষাভিলাষা সামান্রনিতা। এতা অন্য সম্ভোগ দুংখিতা। ব-কোজিগরিতা মানবত্যক তিসে ভবস্তি। বক্রোক্তিগর্মিন্ধ দিবিধা। পুনগৰিতা দৌন্দৰ্জীৰিতা চা৷ गानवृत्री यथा। द्वित्र भूति गृहिका किंडा मानः। म ह नेर्दे मधीरमा एक শ্চেতি। অন্নাপনেয়ো লযুঃ। কষ্টা-भरनर्या वर्षा मः। क्षेष्ठमा भरनस्य

ক্তি রব্সাভিঃ পুত্ত্যেক নপ্তবিধা। শ্লোষিতভত্কা খণ্ডিতা উৎকণ্ঠি ভাকলহাভরিতা বিপুলর। বাসক সজা স্বাধীনপতিকা অভিসারি কা চৈতি গণনাদপ্তাবি শত্যধিক শত ভেদা ভবতি। তাসা মুক্তম বিধ্যমাধ্য গণম্যা চতুরধিকাশী **তি শত**ত্রফ ভেদা ভবস্তি। তত্রা ना मित्र अमित्र मित्रामित्र छ-(एन ग्रान्या विश्वकानमधिक न-ভ যুত সহসু ভেদা ভবন্তি। ইতি त्रममधाती ॥ 🏶 ॥ कस्त्री वित्मयः । यथा। চূর্ণাকৃতি স্ত খরিকা তিলকা **जिना** छाने थे वीज मह्भी ह দ্লিখিকাখ্যা। স্থা তডঃ কিব-**हिय** , किल शिखिकाम प्राडम प्राच्छ किक्मिर्भिकाणि ह नायिदेक्या ॥ ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

নার॰ ক্লী নার্ল নিহা । ইতি ব্যাকরণণ।।
নর সমৃদ্ধি জি । যথা । মল মূত্র
পুরীবা ক্লিটিল ক্লিড ভাশুচি মূতণ।
নারণ পৃথা ভূলাবাহণ সচেলো জল
সাবিশেৎ ।। ইতি সামান্য নিক্ল

শুক: ।। এতাঃ বোডশ অপ্ত। নারঃ পুণ তর্ণকঃ।। জলণ ইতি সেদিনী ভি রব্সাভিঃ পুত্ত্যক নপ্তবিধা। নারকঃ পুণ নরকঃ।। নরক্স পুত্রশান প্রোবিভত্ত্ কা খণ্ডিতা উৎক্তি ত্রি । ইত্যমরঃ।।

नातकी वि नतकङः। यथा। शहर।
विश्विक कर्म सकरमं ि वरमह यः॥

ज उठाउ दुक्क हा की महानातकि

नातकी ॥ दे ि वृश्क मं श्रृतात्व के

छत्था के अभ्यक्ति ।।

नातकी दे अ अभ्यक्ति ।।

विश्वा दिल शिक्ति ।।

নারস্থ শ্লী গর্জর 1ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ नाइकः श्रुः शिक्षवीद्रमः॥ यमकशुःी ॥ विषे:। इंडि जिमिनी॥ कलवृक्ष-विल्मवः। नात्रकी देखि जावा। उ भर्यग्रयः। नागत्रकः २ मूदकः ७ ज्ञ-ন্ধঃ ৪ ঐরাবতঃ ৫ বজুবাসঃ ৬ যো-गात्रवः १ (यो गत्रवः ৮ मत्रवः २ ग-काण्डः २० गक्षभवः २२ वित्र ४: २२। वांमा खगाः। मधुत्रदः। वामुदः। अ-ৰুৰ্ণাল্ফৰ্ণ। রোচনত্বণ। বাতাৰ कृति मूल मुम नानिष्। वन्रष्ः क्ठाज्य । इंछि द्राजनिर्दकः ॥ छ८ কেশর গুণাঃ। অত্যন্ন নীবন্মধুর व्वा वाक विनामनः। क्षाः वा-ভ হত্তকৈৰ নাগরক্ষ্য কেশ্বর্ট হি

ইতি প্লাজবল্পভঃ॥ अद्भरः श्रु । प्रविधिविष्णयः। त्र जू कागाभी वुष्रमाभाष्ट्रभवर्शनामा गक्तर्व। ज्वा भून दुं का दीर्यता मृतु **भन्ताः काणः। यथा। त्यानक** ेवाह १ नुक वीर्यप्रहृष्ट्र भङ्गाः गहार्बरका পবর্ছণঃ। জাভঃকেন পুরারেণ ত-্ভব্। বৰু মহন্ত। কৌতি কবাচ। क्षेन् अव्युहि एए एक स्मित्वा शान ব্লাজকঃ।কলাবভী তম্য পন্নী বন্ধ্যা চাপি পতিবৃতা।। স্বামি দোষেণ সা বন্ধ্যা কালে চ ভরু রাজ্ঞযা। উপস্থিত বনে ঘোরে নারদ কা-, भाजा मूनि ।। काममानक अक्ष क्वाउ॰ वुक्तवहंगा । जरङ्गे मूर्यण क्षा मा ध्रानाडक मूनः भूतः ॥ উবাচ বিনযেনৈব কৃত্বা চ 🖺 হরি• क्षि॥ (गानिकाइ॰ विक 📆 ह क्रिवम् ह कामिनी । भूआर्थिनी हागडाइ॰ उम्म क्रम् ताख्या॥ बीर्य्याशानः जरू मिय जी नार्श-का। रूप्रशिका। (किनीयना निम्-बाव वरहः नर्ब ज्वा यथा।। व्यकी कन प्रता हरकाश मूनि शूक्तुः। न्वनी बर श्रव छात्र मुद्द करशेष्ठ-

তালুকা॥ এতি মন্নিভারে তেন পথা-याम्य कि यानका । जम्या क्षेत्रहनः म्ह्रीम् निवीर्गः अभाजह।। अजुनाजा ह व्यमी क्षा उद्धक्त भूमा । मा-বিপুগেছে সাধী চ সুসাব তনয় বরু । जश्र काक्षन वर्गाजः ब्रुवाहः वृक्ष তেজসা। অনাবৃষ্ট্যবশেষে চ কালে वाला वज्र र। नात र माने बसका-লে তেনায় নারদাভিধঃ।। দদাতি नात्र जानक वानक जुन्ह वानकः। জাতিমরো মহাজ্ঞানী তেনায• না-द्रमाज्यिः ॥ वीर्य्या नाद्रम**रेम**प्र व-**ज्**व वा न का भूति। भूती न्यु भ ऽ व्यत्रे त्व তেনায় নারদাভিধঃ। কল্লান্তরে বুক্ষ क्शेष ज्वू वंश्रवा नजाः । नजान्त्राम তৎ কঠঞ্চ তেন তন্ত্রারদ: সৃত: ॥ ज्जा वज़्व का**लक ना**त्रहा**८ क** দেশতঃ। তজে। বুন্ধা নাম চকে নার-দশ্চেতি মঙ্গলং ৷৷এত স্মিন্নস্করে বিপুা वाययू विश्व मिन्द्रिः । निम्नवः शक वर्गीन्या महाएउडाब्रिना यथा ॥ हजू-র্বেকো মুনি স্তব্যু ব্রুগ্রাশ্য কপাল वंश वृक्षशू वा मिर्मू का का विक्रमक मरमोत्रुमा ॥ शङ्खान्त्राची चिक्ताव्यक् शकाकीत सत्मारत । एक शाका

विश्र म्ड॰ विकूमञ्ज॰ संबोध गः॥ দিব্য বর্ষ সহসূঞ্ নিরাহার: কৃশো-मतः। मनर्भ वालका ध्रात्न मिव्रुः লোকক বালক ।। দ্বিভূজ নুরলী क्छ क्षन्तरमन विविद्य । विद्य द्याम व **ा**कार्खा यना यमुद्दे मकनः॥ क त्रानाथय मूल ह न मृथ्वा वालक॰ শিশু:। বভ্ৰাকাশ বাণীতি ৰুদত্ত বালক পুতি॥ সক্ৰদৰ্শিত ৰূপ छरम्य नाधुना श्नः । शून पुंकाति গোবিনদে জন্ম মৃত্যু হর হরি।।ইতি শ্রন্থা বালকশ্চ বিররাম মুদান্বিতঃ। কালে তত্যাল তীর্থে চ তনু• কৃষ্ণ• । হ্রদি মরন্।।বভূব শাপ মুক্তিশ না-**রদস্য মহামু**নে। তনু- ত্যক্ত্বা স धी-বশ্চ বিলীনো বুন্ধ বিগুহে ।। কতি কল্লান্তরে পভীতে সুষ্টু পৃষ্টি বিধৌ পूनः। मत्रीं वि मिर्नु मू निज्ः मार्कः কণ্ঠাদ্বভূব সঃ॥ নারদশ্চেতি বিখ্যা-তा मूनीन्दु (स्नू क्रूजून। ११ # 11 इंडि वुक्रतिवर्खि वुक्रिशुं ७ २०। २२ जधा-यः॥ তস্য সর্বী ভুন্ন কারণ यथा । তা কাপি ने होर विकाय পুঞাन **দক্ষ পুজাপ**কিঃ। ক্রোধঞ্জে**৹**মহা ভাগ নারদ স শশাপ চ ॥ নারদ

नातान

শাপশ্চ প্রভাগবাতাক্তমা তথা-स्मात्कर् ए मूर्ण न ख्व ुन छे श्वर নিতি। ইতি বিষ্ণুপুরাণে ১ অংশ a विशाय खड़ीका ह ॥ नाता दी बन्। इंडि नम्द्रद्वावनी॥ নারাচঃ পু॰ সমুদায লৌহ্যয বাণঃ। उद्भर्गायः । भूष्युः नः २ । इंड्र गतः॥ (वार्नानः ०। इठि नकः ब्रवादनी।। मूर्फिन । इंडि नं प्रणानाः নারাচিকা জী নারাচী ।ইতি শন্ধ-ब्रञ्जावनी ।। नातारी जी अर्गकातारीना नातारा-क्ञिलोश्जूना। निक्कि इंजि ভाষा 1 ज्थार्यायः। नात्राहिकार अविका

০ এষণী ৪। ইতি শব্দরত্বাবলী ॥ নারায়ণঃ পু• বিষাঃ ৷ তস্য চত্বারো ब्रहाः । वामुत्तव मक्क्वं भुर्माः নিৰুদ্ধাখ্যাঃ। ইতি মহাভাৱতং॥ 'বেদাস্তমতে। শুদ্ধান্তর্যামি সূত্র বি-द्राणथ्राध्य ज्ञान कुर शिख यंशा । गा बना मुक्ति वहरना नारति ह বিদু বু ধাঃ।যো দেবো প্যায়ন তস্য 'স চ নারায়ণঃ মৃতঃ।। নারা শ কৃত পাপাশ্চাপ্য্যন গমন মৃতি ৷ য-তোহি শম্ৰ তেষা লো ংব না

शायनः म् जः ॥ ना दक त्याकन भूगा नर्गन खानगी क्रिंड । जर्गा क्रांन **जित्रमार ला २ग॰ नातागनः मृटः** ।। ইতি वृद्धतिवर्द्ध निक्षकमधर् २०२. अथायः ॥ 🟶 ॥ जात्या नाता ইতি প্রোক্তা আপো বৈ নর স্নবঃ। অখন তস্য তাঃ পূর্ব তেন নারায়ণঃ म्र्लं ना इंजि विक्रू सङ्गान ॥ यशा । नात्रो ङाञीन उङ्गानि नात्रां नी जि वि मू व्धाः। जात्न व वायन जना जन नातायनः स्टः ॥ उथा। यहं किंकि-জনৎ সর্ক দৃশ্যতে প্রতিগিকী। অন্ত বহিশ্চ তৎসর্বণ ব্যাপান নারী যাঃ স্থিতঃ।। তথা। পুন্তঃ পর এ वागुः म नदः शंकवित्मकः। उत्मु गानि ह ज्ञानि नाता ीि शुरुकरे ा। তেवा नका प्रनः वैकालका का जाने-नः म्उः।। कृष्टिम्बिल्डात नव नाम न বে রপত্যতা গতঃ। ইতি নারাখ্যঃ া ইত্যার টাকাবাং ভরতঃ ii # ii भना इक्ला यथा। जीक्कक विवा ৰূপে। দ্বিভূজণ চত্ভু জঃ। চত্ভু জণ্চ दिन्नरिंशालाकि विज्वः स्रा ॥ हे-**जुर्ज्जगाम**की हमहावासी: गर्जस्थी । गर्ने ह जुलनी रहद स्वरी नातायन

शिया।। ইতি वृत्तरिवर्स्स शुक्रिक्षे८७ ४८ व्यथायः ॥ अ।। उन् अति।
यथा। (थायः निता नित् नित् निक्षानि निता यः निता नित् निता कि निक्षानि नित्रेः। कि नृत्तवान् कनद व्यक्ष्यस्म नित्रेः। कि नृत्तवान् कनद व्यक्ष्यसम्
किती हो दाती हित्रभाष दश्र ६० व्यक्ष्यसम्
किती हो दाती हित्रभाष दश्र ६० व्यक्ष्यसम्
किती हो द्वार्थ हित्रभाष दश्र ६० व्यक्ष्यसम्
किती हो दित्रभाष दत्रभाग वित्रभाग हित्रभाग वित्रभाग वित्र

কিরীট মুলটোজ্বলং নিরাকারণ জানগম্য সালারণ নেইবারিণণা নিত্যানন্দে নিরানন্দ স্
ক্রিপ্তল নধ্যসণান্দেশ নিরানন্দ স্
ক্রিপ্তল নধ্যসণান্দেশ নিরানন্দ স্
ক্রিপ্তল নধ্যসণান্দেশ নিরানন্দ স্
ক্রিপ্তল নধ্যসণান্দেশ নিরানন্দ দেবেক্রিপ্তল ভঙ্গ কুলাননে ॥ইতি কালিক্ষাপুরাণে ২২ তথ্যাবঃ ॥ ই ॥ উ

কান নাই জ্বাং হথা । নারাফণালু জ্বান্ত বাসুদেবেতি থি নক্র। সত্তণ
কির্থেৎ ত্নে যাতি গ্লেম্তাণ প্রিষ্
।।ইতিবরাহপ্রগিণাস ক্রারামণা
ত্যক্তা প্রান্ত ক্রমণাত্রমণা গ্রাদি
সর্বতির্থির রাতো ভবতি নিশ্চিত।
ইতি শ্রক্তর্মথন্তে ১০ স্ব্যাম্থা
ইতি শ্রক্তর্মথন্তে ১০ স্ব্যাম্থা

নারায়ণেতি শক্ষে ২ন্তি বাগন্তি বশা 🛭 ব্রিনী।তথাপি নরকেম্টাঃপতভীহ কিন্দুত ।।ইতিনহাতারত ।। 🛊 ॥ छम्। जूषि जनक कर्मानियशा है क्ष प्रवाह। कर्मना दान विरशुन्तु जूशियां কুদি জায়তে। ক্রোধ্ন তৎ সমন্ত॰ ত कथगानि यगामणः।। त्या म्यानू षिज्ञामुक्ष गर्बज्ञ गर्बमा । अइ-স্কারেণ হীনক্ষ তস্য তুঃ ষ্ট্রাম্য্র স্ব দা।৷ কর্ম জুর্য্যামদর্থ যে৷ ধর্মণ ভক্তি সমহিতঃ ৷ ব্রুতে যথার্থণ পৃত্তণ তস্য जूरक्षेत्रग्रहः गरा॥ मिक्षेः वस गनाः नाम्। मञ्जास याजि मानवः। मानाः প্রমান সদৃশ স্তস্য ভুষ্টোম্যহ সদা ॥ সর্ব দ্ত শরীরছ॰ যো না॰ জানা-তি মানবঃ। পরছি সা বিহীনো य सम्बद्धामाइ मा। कर्मान व्यक्त यस भूविहार्या भूनः भूनः । গোরান্ধণ হিতৈথী চতস্য তুপ্তোম্য্য-रः मना ॥ ﴿ विकक्तः वहनः यङ्गाः ष्यः भित्रभाक्तियः । भूभमः भाजि यङ्गाम सुम् अद्भेष्ट्रामा ११ नमा ॥ मानानुन्नका तिष्ठा या ममाजि দ্বিজোক্তম। भियि চিত্ত সদা বস্ত ত-ग्र जूदीयार गरा ॥ कर्पना उन

তুঠোৰি নিক্ত তৎ স্মাসতঃ ॥ #॥ ভস্ত রোষ জনক কর্মাণি বথা। क्छोत्रि क्रम्या यन विश्व विद्य मृगूष ত ।। পর हि॰ সা রতো यस निर्फराः न ईब छत्। थह गृः नर्दम कू पः न-না বৰ্তি শৰুতা ৷৷ অসত্য ভাষী ক্রশ্চ পরনিন্দাপরস্ত যঃ। পর ব-র্ত্তন বিধৃ প্রি-মূমা নয়তি শ্রুতী ।। व्यम्डे मायो भिजतो क्षी जुार्ज् ज-গিনী স্তর্থা। মোহান্ত্যজতি মূঢ়ো यः **স মা•ন**যতি শত্ৰুতা•॥ পিতৃ নিৰ্ভৎ-नान यस बकार मृष्यी नंतः। अई-বক্তাঞ্চ বিপ্রেন্দু স মাণ নযতি শত্রু-তা ।। দশত্যে র্ভেদন বস্তু হেতু नावि कनिए। वक्छ दुक्ति শুেষ্ঠ স সা নয়তি শত্তা ৷ বিপুৰ रिवजा नुवार भन्न नुवार मानवः । হরতে যন্ত বিপ্রেন্দু স মাণ ন্যতি শ-ত্র্তাঁণ। সারাম ছেদিনোযে চ জলা-**শ**य दिक्स्भिनः। शुभनाम कद्रा य **ट उवा॰ क्रिय**्रह• जना ॥ शत्र-ক্সিয় সমালোক্য বিবাদ যান্তিযে জনাঃ। শৃবন্ধি পাপচর্গাণ যে তেষাণ क्रहोम्प्ररु नमा ॥ विवस्त्रनाथ् (य म्हा अने अन् रहिष्ठ (व । विश्वात

যাতিৰোঁ যে চ তেবা॰ ৰঙৌৰ্য্যই॰ 🕴 नार्।।(य ह भा वीर्य) रहारता व्वनी পত্যক বে। অত্বত্থ হাতিৰো বেক তেবা॰ काक्षामा ३० नहा ॥ बुका विकू সহেশানা• মধ্যে যে ভেদকারিশঃ! (तम निन्ता करा। य ह उचरा करही-मार्र मना। वकारमाराः जूकाल य মোঁড়াৎপাপথিয়ে মরাধাপরদারা-দূরকা যে তেয়া॰ কঠোষ্যেক সদা।। পাপবুদ্ধিপুদাযে চ যে চ নিত্ৰ হৈ। দিজ। ধাত্রীতক 🕸 যে মুস্তি ভেষা॰ काक्षामा १२ असा ॥ मिवाम नियम যে চ স্বৰ্যতে কাম মোহিতাঃ। রজ-ষলা জিয় যান্তিতেয়া কণ্টোষ্য হে जना। य ह म्द्राजूता नाती साहा-মুছন্তি সন্তম ব্রুত্ছাঞ্চ সদা তে মাণ নগম্ভি শত্ৰুতা ভুবি ৷৷ অমাবাস্যা তিথৌ যে চ **দৰ্**তে নিশি ভোজন_।। ভোজন प्रय मिकार्क ल्वा क्रि माइ॰ नमा। वाभियं स्मिथ्न टेजन मभावामप्राप्ति विकाः। नत्य ज्रुबस्टि বিপুেন্দু তেষা কঞ্চোম্যহে সদা ়া৷ বহুনাত্র কিনুক্তেন সংক্ষেপান্তে বদা-मारः। निम्हि देवस्यान् त्य हृत्ज-याः महोम्परः नमाभ्र रेखि कियाः

स्योगमाति २५ वर्षायः ॥ 🗱 ॥ अक्रांभिल भूधः। यथा। काने। ब्राह्म দিজ: কশ্চিদাসী পতি রজামিল:। नामानके मनाजाता नामताः मःमर्ग দ্ষিতঃ ।। তস্য পুব্যসঃ পুত্রা ধশ-एउवान्ड (या १वगः। वाला नाताय-ণো নামা পিৰোশ্চ দ্বিতো ভূশ।। म्रा की उनका मकः भूशः नातायगा-ख्य । तावित्वन स्वादिशिह तानू-श्वाक्तनिपुयः ॥ निमम् भिष्-मागमा मूथाला रित की उने । जर्ज नीम महाताज शायनाः जरुना भाजन् ॥ विकर्याजाङ्कनयामानी-পতি মলামিল । ইতি প্রভাগ-वा यहका भूषमायायः ॥ # ॥ रेमन् विष्मयः। यथा। यथ मण्डनन जुनानाः (गाभाना मह्मः मह् । নারায়ণা ইতি খ্যাতা: কর্মে সংগ্রাম (याथिनः ॥ मूर्य्याथनम् उर रेमन्र नर्व नावांत्रयखज्ञात्रभागाः मह-সুঞ্ধ বোধানা পুলি। ভারত।।ইতুঁ व्याममर्थित १ ज्ञेत्यः ॥ 🛊 ॥ ध्रम-भूवर्षि विष्णयः यथा। वर्षम् मक मूरिंचर्ड कनिटे मूर्ख्ता नातायाना नत ইতি মতপঃ পুভাবঃ। ইতি এডা-

्र ग्रुड विकीयकत्त्व १ व्यवग्रस्थाक्रा। म् अञ्चल नार्वण नाता नाकारता , ज्यार । इंडि ग्रिंश्याः ॥ माबाबगरेज्यः ही अवश्र शहरेजन . शुर्जरः। তिलिविधः। यद्गः वृक्ष सर्ह। यथा। विदाधिमम् व्यापनाक भारेना भारत जुनाः। भुनात्। শুগৰা চুব্হতী কণ্টকাৱিকা ॥ ব-ना हाजियना हिन अर-क्रा म भून-नेता। এया॰ मन भनान् जागान् हर्ला (१ रस्तः शहर ॥ शाम শেষ পরিসাব্য তৈলপাত্র প্রদা अयट । भउभू झा स्वराक नाः नी শৈলেযুক্ত বছা।। চন্দ্রত ভগরত ্ষষ্ঠ এলা পণী চত্তইয় । রাম। खत्रगणका ह रेमकव म भूनर्व ।। **এবা॰ ছিপালিকান্** ভাগানু পেয विदा विनिः किराय । गठावती ्रत्रमाक्षव रेजन जूना श्राभाय ।। णाज वा यहिंद्या गदा की ब हजा **हर्स्थिं। कि** शिशास वास्त्री उथा-ভাষে ভোজে চৈব পুশস্তে ॥ वार्या वार्वित से ज्या गरका वा यरि वा नतः। शक्तः भीठेमभी ह তৈবেনাৰেন সিধ্যতি॥ অধ্যেভাগে

क्ष दाजः निद्धानश्य शेषाने । नम्राखास नेवान रहा। गुन्ध भूबाजि हैक्सब १ १६० र्मम् ह विश्ववा। कीलिमुना महेनूका क्वकीगांक रव नहां: ॥ पश्चित वल-जिखानक मन्दरमध्य अवगा असूनु-बाह या नाही याह शर्छ न दिन्हि ।। वाजाखीं-वृज्ञां एका मजुव्कान माक्गा। अञ्ख्ल यतः (उषाः नाम नात्रायपः मृजः ॥ इजि यन्न नात्रायप रेजन ।। #।। मञानदी जा-मूमजी श्चित्रगी मही दला। अत्रखना ह म्-লানি বৃহত্যোঃ পৃতিকস্য চায় গবে-थुकमा म्लानि ख्या मक्ठबमा है। **७व**ि न्**मशनान्** छागान् खलानुरा विभाइत्र ॥ भारत्भात्य द्वरमभूट गर्छ रहन अनावाला भूनर्यदा यहा मास मञाला उन्त्या एक। रेमानय তগর প্রত্বর বাংশী স্থিরা বলা ম व्यथा वात्रेमस्य द्राज्ञा भगार्खा निक श्याद्र गर्गाह भयनः शुर्हो हो षावक श्रुमाशदार ॥ माठावडी दम शुर रेजनशृक् विभाज्य । 🐔। षम्। रेजनमः मिष्ममः नृग् वीर्यः নতঃ পরে শৈক্ষ্রানা কভিত্রানা

नात्राय 🦯

ज्ञक्षत्रार्गः उथा नृनाः। रे**उन** मिउ९ পুথেক্তিব্য সর্ববাত নিবারণ।। আ यूयाः क नतः शीवा निकत्यन कृता ভবেৎ। গৰ্ক্ত মশ্বতরী বিন্দ্যাৎ কি शून गानुकी ज्था ।! ऋह्वं शार म् लक उरिथवाक्तावरकरकर। जनहीर পণ্ডনালাঞ্চ বা তরক্ত॰ হনুগৃহ• ॥ কানলা-পাঞ্রোগঞ্ অস্মরীঞ্চাপি নাশহেৎ। তৈল মেতন্তগৰতা বি-ষুণা পরিকীর্ভিত ॥ নারায়ণ মিতি খ্যাতংবা**তাম্ভ**কর**েশুভণ ইতি বৃহ**-मातायगरेजन भा 🗱 🛭 विद्यार्थ । का व्रजी चम ध्रे। (म्जानाक वार्वजानक পারিভদু॰। কুন্ ংঠিন্যাতিবলাগ্নি मञ्-मृनानि हिया नतनी युजाना ।।। মূল বিদদ্যাদৰ পাটলীনা পুত্ত্যক নেষা॰ পুৰদন্তি ভজক্তাঃ। সপাদ পু স্থ বিধিনোদ্ধ্ তাঞ্চ দ্বোণৈ রপামপ্ত-ভিরেব পক্তা। পাদাবশেষেণ রসৈন তেন তৈলাঢ়কা ভগ্ন **সম সেব দুধা**। ছাগস্যমাণসদুব মেব তুল্য মেকত্র मग्रिशिषाट मूर्विकः ॥ मन्त्रामुमः दिक्षव मञावंतीगा रेजलान जूनार श्रुन रत्रव उका तात्रा भगका कम माक न है भवी हजू हा एक किनाना । L

नात्राय:

निकृष गा॰ नी त्र ज्ञी. षयक रेमान-यक हन्सन शुक्रताति। এला न यडी তগরাদ পত্র• ভূঙ্কাপ্টবর্গাস্ত বচা প-লাশ । ছৌণেয বৃশ্চীরক চোরকা-थ्राप्ति मनदे दिशन शुमारेगः। क्श्रं कान्यीत गृगा अजानाः मन्त्रा मूगकाय वर्षा किटि ॥ भूत्वर দৌগন্ধ্য নিবারণার্থ চূণী কৃতানা षिभव भूगां । जालां ५ मन् थिविविष्ठिकः नातायगः नाम महह . रेजन ।। 🐉 ।। मरिनः भुकारेत विश्विव शुर्याका मधना श्रु॰माः भवनार्ष्मि जा-नाः। य शक्षः भीठेवित्रर्भगाः व-কান্ধহীনাৰ্দিত বেপমানাঃ।।বাধিৰ্য্য मुकक्ष्य भीषिठाक्ष मन्त्रा इनुससु শিরো গদার্তাঃ। মুক্তা নরা স্তে বল বৰ্ণ যুক্তাঃ সংসেব্য তৈলং সহসা ভ-বন্তি ৷৷ বন্ধ্যা চ নারী লভতে চ পুত্রণ वीदाश्याः महिल्लाश्रशः। माथा শ্রিতে কোষ্ঠ গতে চাৰ্ট্যুত বৃদ্ধৌ বি-(धरा भवनार्षिजाना ।। जिल्लानित्नु मस गाउँ ह मृत्व जिमाम् को बु बुक কৰিতানা ৷ প্ৰাণোতি অসী পু-गमा श्रियद् शीविष्ठत गानि छ्रा च्युत्वव।। (पवाजूत युक्ववत मभीका

সাগৃস্থি ভগ্নানসুরিঃ সুরা॰ দ। নারাযণেনাপি স্ববৃং হণার্থণ স্বনাম তৈল।
বিহিতন্ত তেষাও । ইতি নহা নারানণ তৈলে ৩। ইতি সুখবোধঃ ।।
নারাষণপ্রিয় পুও শিবঃ । যথা ।
নারাষণপ্রিয় মনস্থ মদাপহারও ।

শারাণসী পুর পতি ভদ্ধ বিশ্বনাথ

॥ ইতি তৎক্ষোত্র•॥ नातायग्राक्षवः क्ली शक्राशुवाद्यवि হস্ত চতুষ্ট্রথ মিত নারায়ণ স্বামিক इनि । यथा। भुवाइ मयि क्वा বাৰদ্বত চতুষ্ট্ৰয় । অত্ৰ নারায়ণঃ স্বামী নান্যঃ স্বামী কদাচন ॥ ইতি বুন্ধপুরাণ ।।

॥ অত্র কিঞ্চিন্ন দদ্যা-ह সাক্ষাৎ পাত্রায পুণ্যবান্। অত্র পুতিগুহে রাজন্ বিক্রীতা জাহাবী ভবেৎ ॥ বিক্রীতাযাঞ্চ জাহ্ব্যাণ विकीला ज्ङ्जनार्षनः। जनार्षत চ বিক্ৰীতে বিক্ৰীত ভুৱন ত্ৰয় ॥ কোপি ন'দ্রাণ কর্ত্তাস্য নিঃসম্বন্ধ পু जक्जः ॥ #॥ उज कर्डवरानि यथा। मिकाक (मर्रभ्डाक डाभ गका उटि हरत्य। भूक वागः शिथायाशि नाविजी ज्ञंश भाग्दहर ॥ भाक्ष ত্রপণিষ্পব পরোপকার কর্মচ। প

নারায

রোদেশঞ্চ মনসা ত্যক্ত ব্রুব্যস্যদা-পনে। স্তব পাঠঞ্চ মৌনঞ্চ নীচালা-প বিবর্জন ।৷ কেবল বারিপা ক কর্ত্তব্য বুন্ধভাবতঃ। এতানি কিল कर्मानि किंद्ध नात्रायण हात्र ॥ ইতি বৃহদ্ধর্মা পুরাণে ৪৫ অধ্যায়ঃ ।। \$11 व्यविष्ठः शक्ना मत्म मुक्टेवारः।। নারাযণাক্ত ক্লী বিষ্ণোরস্ত্র ভেদঃ ৷ তৎস্বৰূপ॰ যথা। তদা দান্য নাথেন युक्छ भारायन भार । भार हक गमा :হস্ত• খন্ন পৃষ্ঠ ব্যবস্থিত•॥ইতিদে-বীপুরাণ ॥ অপিচ। ততো হরি-इतः गुष्क मञ्चापु । स्पृः পাশুপতান্ত্রেণ বিব্যাধ হরি মো-कमा॥ इति नीत्रायनास्त्रन कृषुः वि-ব্যাধকোপবান্ । নারায়ণ পাশু পত মুভেঙ্কে ব্যোদ্নি রোষিতে॥ যুবুধাতে ভূশ• দিব্য• পরস্পার জি-হা-স্যা। দিব্য বর্ষ সহসুদ্ভ তয়ে। यू कां मञ्चमा।। जरेवक मुक्राती वकः नृष्यं न अवेजानकः। এकः शुक्षाशः যहडू মন্য ডমৰুক শুভ ॥ এক **ঋত্ন কর**ণ তত্র তথান্য: দুওধারিণ:। এক কৌস্তভ ভীমান্দ মন্য ভূতি विज्ञिन्या अकः गनाः जागगरः

দ্বিতী**শ** দণ্ড নেব চ। একঃ **শোভ**-॥ তি কণ্ঠস্থৈ র্মণিভি ভৃঙ্গিভিঃ পরঃ। এক পীতাম্বর তত্র দ্বিভীয় সপ মেখল ।। এবস্তো স্পর্দ্ধিনাবস্ত্রো ब्द्रु नात्रयगाञ्चाको। ज्यानानाि -শযোপেতৌ তদালোক পিতাম-হঃ৷৷ উবাচ শাম্যতা মস্ত্রে শ্ব স্থ ভা-বেন সূবুতে। এবস্তো বুন্ধণা চোক্তো শান্তভাব॰ পুজগ্মতৃঃ ॥ তথা বিষ্ণু হরৌ বুন্ধা বাক্য মেতদুবাচ হ। উ ভৌহরিহরৌদেঝেলোকেখ্যাতি গমিষ্যতঃ ॥ ইতি বরাহ পুরাণ ॥ नातायनी जी मूर्गा। वक्तीः।। भेजा-. বরী। ইতি হেমচন্দুঃ।। 🛊 ।। তস্যা বুৎপত্তি ৰ্যথা। যশসা তেজসা किल नीत्रायेग ममा खेलः। मिकि র্নারায়ণস্যেত্ব তেন নারায়ণী স্মৃতা ।। ইতি বুন্ধবৈবর্ত্তে পুক্তিথণ্ডে ৪৫ व्यथ्रायः॥ व्यशिष्ठ। नाद्रायगोकाकः ভূতা তৈন তুল্যা চ ভেলসা। তদা তস্য শরীরস্থাতেন নারায্ণী স্মৃতা ॥ ইতি শ্ৰীকৃষ্ণজন্মখণ্ডে ২৭ অধ্যা-यः ॥ 🕸 ॥ शब्दा । यथा । शक्दारेय विश्वमूर्थारिय निवाम् जारेय नाता-येगा नमः। इंजि जनका। मूहन

মুনি পদ্মী। ইতি পুরাণ ।।
নারিকেরঃ পু• নারিকেলঃ। ইতি
শদর্মাবলী।।

नातिरकवः श्रु सनामश्रुमिक कवार्क वि**ष्मगः। ७८ श**र्यतायः। ना**त्र**नी २ । ইত্যমরঃ॥ নারিকেরঃ ৩ নাডিকেলঃ ৪ নারীকেলঃ ৫ নারীকেলী ৬ নারি-কেরী ৭। ইত্যাদি ভরতঃ।। নারি-কেলিঃ ৮ সদাপুষ্ণঃ ৯ শিরংফলঃ 🎾 । ইতি শব্দমালা ।। नाबिक्तः ১১ রসফলঃ ১২ সুতৃঙ্কঃ ১৩ ক্র্ছশে-थतः १८ मृष्नीयः १८ नीय छकः १५ गक्नाः ११ উष्टजकः १४ ज्नतानः ১৯ কদ্ধতৰঃ ২০ দাক্ষিণাত্যঃ ২১ मुत्राक्षः २२ व अप्रक्षकः २० मृष्-ফলঃ ২৪। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ কূ-ईमीर्यकः २৫ जुद्धः २५ ऋक्षकणः २१ উद्दः २৮ मनाकनः २५ । ইতি ভাবপুকिष्ः।। अम् खनाः। खक-ত্ব । ব্রিপাত্ব । শীতত্ব । পিত্র না-শিত্ব ॥ # ॥ অর্দ্ধপন্বস্য তস্ত खर्गो। ज्या ल्लाय मञ्जू । पूर्व तद्य ॥ **॥ ।। वान**नां व्रिकेन जन खगाः। वयुष् भी उवैष्। त्रमभाक মধুরত্বণ পিত্ত পীনস তৃষাসু বিদাহ

37**3**7

नाती

जुा डिल्मा व भगन ३०। मुथना यिद्ध ॥ #॥ भक्नातित्व कव ख्नाः। কিঞ্চিৎ পিত্ত কারিত্ব । কচিদত্ত । अधुत्रषुः। मीलनषुः। वन्नकत्रषुः। क्ष्युः। द्यादः। वीर्यः वक्षनद्यः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। 🗱 ।। নারিকেল कनः भी उ॰ मूर्डितः विख (भाधनः। বিষ্টম্ভি বৃংহণ বল্য বাত পিতাসু .**দাহ** নু< 11 বিশেষতঃ কোমল না-রিকেল নিহস্তি পিত্তগ্ব মূত্র দো-यान्। उत्पव कीर्नः ध्यः शिखकाति বিদাহি বিষ্টম্ভি মত ভিষণ্ডঃ।। **जिम्नाद्धः भी उत्तः इत्रः** हीशनः ুশুকল লয়ু। পিপাসা পিত্তভিৎ चामू विख मूक्ति कद्र॰ शद्र॰ ॥ # ॥ তস্য মন্তিক গুণাঃ । নারিকেলস্য তালদ্য ,খজুরস্য শিরা দি তু। क्याय तिश्व मधुत वृष्ट्गानि शक्ति ह ॥ इंडि जादर्शुकार्महा। 🕸 ॥ वालमा नातित्वलमा दल शाया _িবরেচন•। ইতি রাজবল্লভঃ॥ 🗱 ॥ কা•স্য প্যাত্তে তব্জল• মদ্য তুল্য•। यथा। नातिरकरणामक का भारता মুপাত্রে স্থিত নধু। গব্যঞ্জ তামু भावस् मरा ज्वाः श्वः विना ॥

कें कर्याताहन ॥ नाद्रिक्नकीती खी गिठा गवरोक्र সংযুক্ত গোদুধ পক্ষ সূক্ষীকৃত নারি-কেল থও। যথা। নারিকেল। তন্ কৃত্য ছিন্ন প্রাস গোঃ কিছে। সিতাগৰ্যাজ্য সংযুক্ত তৎপচেন্য-मूनानिना ॥ जम्रा ७गाः । नाति (क-লোভবাক্ষীরী দ্রিকা ীতাতিপু-किना। अभी भूगधुरा द्वता इकिन-ত্তানিলাপহ।।।ইতি ভাবপুকাশঃ।। नात्री जी नू नंतरा वा धर्माठादता-२म् ११ । मू नंत्रमा त्या । एट পর্য্যাযঃ। শ্রী ২ যো হিৎ ৩ অবলা 8 याया ७ जीम जिमी १ वशृः ৮ পুতীপদর্শিনী ৯ বানা ১০ ব্নিতা **>> महिला** >२। इंडें प्रमतः ।। अन्ता উৎপত্তি কারণ যথা। নাভূ রক্তো-खत्रा नाती ॥ अन्। वियमाताः তिथो किथ॰ **अ**य्या बी बख कन्यकाः । ইতি সুখবোধঃ।। #া তস্যা শ্চ-**उत्ना**काउयः। यथा। अस्तिनी हि-ত্রিণী চৈব শদ্বিনী হস্তিনী তথা ৷ চতসো জাত্যো নার্যা রতৌ জ্ঞে-,या বিশেষতঃ।। ইতি রতিমঞ্জরী । #। मिन्द्रिविश यथा। याविज

জিবিধা, বুন্ধন্ গৃহিণা মৃত চ্তে-সা• । সাধী ভোগ্যা চ স্বলটা তাঃ महीः सार्थ उৎপत्नाः॥ भत्राताक ভয়াৎ সাগ্ৰী তথেছ য়**শসা**ত্তারঃ। কান স্নেহার সক্তে ভর্তুঃ সেবাঞ্চ **স**র্ম্বত• ১॥ 🕸 ॥ ভোগদ ভোগদ থিনী শশ্বৎ কাম স্নেহেথ কেবলং। **ল**ক্তে পতি সেবাঞ্চ নচ ভোগ্যা দ্ঢেকণা। বন্তালন্ধার সম্ভোগং সু-निकाशत मुख्य । गाद श्रात्राजि সা ভোগ্য তান্ত বশগা প্রিয়া ২ ॥ 🕾 ॥ अनाकात नना नाही अन्छ। **সল নাশিনী। কপটাং স্বৰুতে সে**-वा॰ मानिया गर जिल्ला ।। गराश्रू॰ व्याग मान्यन् भन्या मनगाजूता। व्याक्षतान वितः जातः शुर्थयन्ती नवः " নব॰ !! জারার্থে স্বপতি॰ তাত হন্ত নিছতি পু•শলী ৷ তস্যা• যো বিশ্ব मिम्हा जीवन उन्ह निक्रन ।।-कथि তা বোষিত্ৰঃ সৰা উত্তমাধ্য মধ্য-মাঃ। খাত্মারানা বিজানন্তি মনসা-তা॰ ন পাঙ্জিতাঃ ৩॥ 🗱॥ তস্যাঃ ऋजादा यथा। ऋत्य॰ क्रूतशाताज॰ महर् भाषा एमदः मूथः ॥ मूर्याः शनः मूमधूतः वहनः बार्थ निष्यत्य ।

পুকোপে বিষত্ব্যু উদন্হণ শীল बर्भिज ॥ मूर्क्किय जनजिशाय নিগ্ট॰ কর্ম কেবল। তদা তাসাম-বিনয়: পুৰল জাছস পর ।। দদৌ कार्य) इनाट कार्य) भश्यमाया पूत्र-ত্যবা। পু•স শ্চাপ্ত গুণঃ কামঃ শশ্বৎ কামো জগদ্ধরো ॥ আহারো দ্বিও-ণো নিত্য নৈষুর্য্যঞ্চ চতুর্গুণ ।কোপঃ পু•সঃ ষড্গুণক ব্যবসায়ক নিকি-ত ।। যতেমে দোষ নিবহাঃ কাস্থ। তত্ৰ পিতানহ। কা কীডা কি॰ সুখ॰ পু॰সো বিণ্মত্রাশ্য বেশ্মনি ॥ তেজঃ भुनक्षे माखाण मिवानाल स्मः क्रयः। धनक्रय खुिजी छो त्रजाम-ক্তৌ বপুঃ ক্ষয়ঃ ৷৷ সাহিত্যে পৌৰুষণ नहे॰ कलाइ मान नामनः। मई ना-শশ্চ বিশ্বাসে বুন্ধনারীযু কিং সুখ ॥ বাৰ্জনী চ তেজখী সহীক্ষা বো- . गार्जं भाराभाषी दमीकर् ममर्थ खावरमव कि ॥ (ब्रालियः नि-র্গুণ বৃদ্ধ যোষিদ্যাপেক্ষতে প্রিব । লোকাচার তথা তথৈ দদাত্যাহার मद्भकः ॥ ইতি तुष्मदिषर्खश्रवाण वु-ক্ষথণ্ডে ২০ অধ্যানঃ ॥ এ॥ অগ্ন্যা নাৰ্য্যে যথা। <mark>মাতা মাতৃত্বনা শ্ৰ</mark>

মতিলানী পিত্রসা। পিত্ব্য স্থি ॥ শিষ্ট্রী ভগিনী তৎ স্থী তথা॥ ভাগিনেথী তথা চৈব রাজপত্নী ত থৈব চ। তথা পুরুজিত। নারী ব-र्लाटकृष्टी जरेशव ह ॥ इंजागमा ख 'নিদিন্তা ভাসান্ত গমনে নরঃ। শিশ্ন-স্যোৎকর্ত্তন কৃত্বা ততন্ত বধ মর্ছ-তি।। ইতি মৎস্যপুরাণে ২০১ অ भागः ॥ 🗱 ॥ जन्ताः मूज वकःः ষথা। নিগৃঢ় গুল্লৌ পতিতৌ পদ্ম-কান্তি তলৌ শুভৌ। অম্বেদিনৌ মৃদু **उत्नो मध्माङ मक्**राहिको ॥ वङ्गाबु इन हिस्तो ह मान्याः शामी ততো ২ন্যথা। জঞ্জে চরোন রহিতে সুবৃত্তে বিশিরে শুভে॥অনুন্বণ সন্ধি দেশ সম জানু দ্বয শুভ ৷ উৰা করি করাকারা বাধামৌ চ সমৌ শুভৌ ॥ অধ্বল পত্র সদৃশ বিপুল গুহা मुखन । त्यानी बना देक खीता मुक क्र्यामण न्जा। ग्रा मिनिक न् উদে। নিতমুশ্চ গুৰু: শুভ:। বিশ্বীৰ্ণ মাংসাপ্চিতা গম্ভীরা বিপুলা শু-**जा ।** र्भाजिः शुप्तिगावर्जा मध्र ক্রিবলি শোভন•। অরোমশৌ স্তনৌ ्रशीतो घनावविवयो भुष्डो ॥ कठि

सायदाभ मूरता मृद् शीका ह क्यूजा। व्यातकावश्रती (मुर्छी भा नन व-र्जु व॰ गुथ॰ ॥ जन्मश्रु इ नमा म्स ভাষিত কোকিলা সম্। দাক্ষিণ্য युक्त मन्ये इन्म नद मुथावर ॥ नामा ममा ममश्रुहा खीगान कहिता मुखा। नीला ९ भव निख र मु नी-मः नद्भी त नम्दि।। न भृश् वातम् নিভে ভূবৌ চাথ ললাটক। শুভ ম-(र्सन्मू अ॰ सान मजूक राजामान । ॥ তল্। भनः কর্মুগ সম गृषु সম।-हिज । शिक्षा नीमाण मृहत्वा मूर्ज-জাঃ স্বন্ধিতৈ কজাঃ।। জীণা॰ সম॰ শিরঃ শুেষ্ঠ পাদে পাণিতলে তথা। বাজি লঞ্জর ঐ্বৃক্ষ যূপেয়ু যব তো-गरेतः । धृक ठामक मानाजिः निन **ঙ্গলু** বেনিভিঃ॥ **শত্ত্বাতপত্র পদ্মৈ**-क मट्मा रखिक मुर्थिः। वक्करि রস্কুশাদ্যৈক স্ত্রিয়ঃ সূত্র রাজবল্লভাঃ ।। নিগ্ৰ মণি বন্ধৌ চপদ্মগর্ভোপমে। করৌ।ন নিশ্ন• নোন্নত• দ্রীণা• ভবেৎ করতল শুভ ।।রেথাবিতাম্ববিধবা वर्गाए मामानिनी जिया । तथा या मिनिवस्त्राच्या गठा मध्याकू नीः करत्।। গতা পাণি তলে বা চ যোগা পান তলে

নারীচ

ছিতা। দ্রীণাণ পুণ সাণ তথা সাস্যা पाजायह मूथायह ॥ कनिश्विका मूले রেখা সর্য্যাচ্চৈব শতাযুষ । পুদেশিনী মধ্যমাভ্যামম্বরাল গতা সতী॥ উনা ख्याग्र- बर्गापुथा ठाकु । गृनगा। - বৃহত্যঃ পুত্রা স্তর্যস্ত প্রদাঃ পরি-कीर्जिजाः॥ जन्नानुत्य लघु हिद्दा मी-र्घा हिन्ना मङ्ग्यूरव । भुज् वक्क वन জীণা প্রোক্ত বৃশুত মন্যথা।। 🛊।। তস্যা অশুক্ত লক্ষণ যথা। কনিষ্ঠিকা नामिका वा यम् । न म्पृषां य मही ।। অমুষ্ঠ•বা গতাতীত্য তৰ্জ্জনী মলটা চ সা॥ উদ্ব দ্বাভ্যা• পিঞ্জিকাভ্যা• জন্মে চাতিশিরালকে৷রোমশে চা-তি মাণসেচ সম্ভাকারণ তথোদরণ।। বামাবর্ক্ত নিম্নমল্লণ দুঃথিতানাঞ্চ গু-क्कः। श्रीवया दुश्रया निश्वा मीर्थया ठ क्ल क्यः॥ পृथ्लया भूठ खाक जियः मुर्गाव मः भयः। क्कात शिक्षा नित्व **म**हार्व लालकना १मछी-॥ সিতে কুপে গগুযোশ্চ সা ধ্রুব ব্যর্ভি-ठातिनी। शुलिश्विन ननार्छ ठ एमवत्र॰ रुष्डि ठाक्ना ॥ উদরে শ্বশুর रुष्डि পতি 'হন্তি বিচোর্ছবোঃ। যাতু রোমোভরৌधो महामूका जबू तिव

हि ॥ उत्ने मद्भामाव पुर के कार्ने ह विषयो তथा। कजान विषया प्रखाः क्षिमाय ह ज्यायह ॥ क्रीयंत्रय कृष्ट गा नाम भीषा जबूम म्जात । क्रवाम करिंग ई खिक व्क काका मि निवादिः॥ निदारित विविधः नूरिक বিত্ত হীনা ভবস্তি হি। সমুমতোত্ত-রোষ্ঠা या कलोइ कक किमिनी।। জীযু দোষা বিৰূপাক যুৱাকারো গুণ স্ততঃ।। ইতি গৰুড়পুরাণ:।। नातीकविष्टः शुः न्याविश्लीय म्लक-রাজঃ। স চ অশ্মক পুত্রঃ। সৌদা-न (भोवण्ड। या १रमो निःकृत्व স্মাতলে ধ্যিন্ ক্রিয়মাণে জীভি-বিবস্তাভি: পরিবার্ব্যরক্ষিত: তে-**७ छ॰** नातीकव्र मूमार्बि®। ≷ि विकुशूताति अन्ता ३ वाश्रायः ॥ नादीक्वः भू । नादिक्वः । इंडि नात्रीरकनी औ र्मसत्रवावनी ॥ নারীট॰ শ্লী শাক ছিশেৰ:। নালিত। ইতি ভাষা॥ তদিবিধণ তিকণ ম ধুরঞ্চ। তিক্তস্য ৩৭:। রক্তপিত্ত स्त्रवः। क्षि अप्त विग्मिव्य ॥ मधूतमा खगाः। शिह्नियः। भीठ ত্ব। বিষ্ঠমি কক বাত কারিত্বঞ্চ।

ৃতি রাজবল্লভঃ।।

ग्वा।।

मात्रीपृष्प॰ क्ली खीगा॰ (पायः। न ह यिश्विशः। यथा। भानः मुर्व्छन जःजर्गः পত্যা চ বিরহো ২টন ৷ স্থায়া ২ন্য (गर् वामन्ड नाजीगा मूरगानि बहे।। ইতি মনুঃ॥

नाती**क्षे। जी मिल्लका। ই**তি রাজ-निर्घणैः ॥

नार्याञ्चः भू॰ नागत्रकः। ইতি শद-त्रवावनी॥

नान क्री उट्भनामिष्णः। उट्भर्या-यः। नामा २। इंड्रामदः॥ नामी ० নালিকা ৪। ইতি ভরতঃ ॥ ६दि **जान•।** इंजि साभी ॥ नत्न 🐠। ইতিরাজনির্ঘন্টঃ।।

नालव भार्श शु॰ नलः। ইতি রাজ-निर्घण्डः ॥

नाना की नान। डाँही इंडिनाडा

नानिः ज्ञी नाजी। निद्रा। ইতি দি-ৰূপকে বিঃনা

ना निकः शू॰, महियः। ইতি विकाखः রহাবলী।।

त्रज्ञावनी ॥ नाती उत्रक्षकः श्रू॰ विनः। इंडि भद्द- भाविका क्षी नावा। इंडि भद्दा ना বলী।। নালিতাশাকঃ। ইতি শব-माना।। हर्मक्या। ইতি बढाँ । । रिखदर्गत्वधनिका। ইতি राजावनी नानिकाः भू॰ नातितः नः। इउं 🛒 त **होकाया॰ त्रमानाथः ॥**

> नानिद्धः शुः पुंगकात्रकः। ইতি श्वावनी !!

> नानिতा द्धी बनानश्राङ्भाकः। यथाः নানিতা পউশাকঞ্চ মিষ্ট পত্তে তু नालिका। इंडि भद्रमाना ॥ अम्। क्याः नादी मास मुश्रेवताः॥

> নলো জ্ঞী শাক কডয়কঃ। ডাঁটা ইতি **ভाষा। ३७ मिति।। इंडिक्**र्न বেধনী ৷৷ ঘটা ৷ ইতি ত্রিকাগুশেষঃ ॥ নাডী। ইত্যনর বিকাশা ভরতঃ ॥ भग्नः। इंडि भक्तज्ञादनी ॥

भानीतः भू भद्रः। भन्ताकः॥ व्यद्भग्रं की। इंजि मिनि।। ইতি চ ভাষা। ইত্যমর ভরতো।। । नानी किनी क्षी পশ্রসন্হঃ। ইতি नद्रज्ञावनी ।।

मानी दुनः श्रु ना धी दुनः। इं जि भद

শেষঃ ॥ পদ্ম শ্লী । ইতি শন্দ- নাবিকঃ পূ॰ কর্ণধারঃ।ইত্যমরঃ॥

नाम नावा : कि नोकागमारम्यापि ₹ठ∫मतः॥ नव∫ष्थः॥ नामः श्रु॰ शनायनः ॥ निधनः ॥ ञनूशवसः। अम्मनः। ইতিমেদিনी ।।পরিধৃন্তিঃ।ইতিহেনচন্দুঃ।।#॥ र्जीवानाः नाम एक् यंथा। मना সংজাষতে কামঃ কামাৎ ক্লোধে **২ভিজাযতে।কোধান্ডবৃতি সংমা** হঃ সমোহাৎ সৃতি বিভুমঃ ॥ সৃতি जुःगावृष्क्रिनाःगा वृष्किनागाः शु পশ্যতি। ইতি জ্রীভগবদ্দীতা।। 🛊 🛚 । ঙ্গল নাশ কারণ যথা। অনৃতাৎ भातमार्गाह उथा १७कामा छक-गाट। अरम्बि शर्माहतनाट किनुः নশ্যতি বৈ স্বলগা অশ্যোত্তিবে বেদ দানাৎ ব্যলেষু তথৈবচ। বিহি-**ट**ाजातशीस्तृ किशुः नभाउठि वि বল ।। ইতি কুর্মে উপনিভাগে ১৫ . अथायः ॥ 🗱 ॥ ननाउठाः भृवंत-পাণি যথা। অত্রি ক্রাচ। मन्। তो॰ পূৰ্বৰপাণি জনানা কথ্যস্ব মে। নগরাগা তথা রাজ্ঞা বৃংহি সর্বণ विषयुति ।। गर्ग उवाह । शुक्वा-

চার নিয়মাৎ পরিত্যজতি দেব্তা

া ততোপরাগাদেরানা মুপর্কাঃ পু

नामा

वर्त्ता कितास्त्री कि कि निष्ठ विक्षा श्री कि निष्ठ भारती विक्र । श्रू के दिक्ष कि कि निष्ठ भारती कि निष्ठ कि निष्ठ

নাশী ত্রি নাশবিশিষ্টঃ। নাশ শবাদস্ত্যথে ইন্পুত্য নিয়নঃ।।
নাসত্যে পুণ অথিনীজনারো।
নিত্য দ্বিচনান্তো থ্যণাইত্যনরঃ।।
এতৌ শূদুী। যথা। আদিত্যাঃ ক্ষত্রিয়া স্তেষাণ বিশশ্চ মকৃত স্তথা।
অথিনো চ মৃতৌ শূদুী উপস্যুগ্রে
সুন্যান্থিতো ॥ মৃতা স্ত্যান্ধিরসা
দেবা ব্যান্ধা ইতি নিশ্চমঃ। ইতি
নুহা ভারতে নোক্ষমঃ।।

নাসা জ্রী নাসিকা। নাক্ইতি ভাষা
। সা তু গর্ত্ত বালকস্য পঞ্ছি
নামৈ ভ্রতি। ইতি সুখবোধঃ।।
তস্যাঃ শুভাশুভ লক্ষণ যথা। শুক্

मानः मूथी नाह मूझनारमिछिकी वनः। हिमागु क्ष्णनामः मानगमा। गमत त्रञः ॥ भीर्य नारम् ह न्नो छ। गाः होत आक्षिर्छ निष्यः। खी मृञ्य किषिरेनाम अबु छा गाः वजाः छत्यः ॥ अब्रहिमा मूश्रुरे। ह व्यवका ह न्रश्यद्व । कृत्व पक्षिण वका माजिष्यद्व । कृत्व पक्षिण वका माजिष्य भागाः ॥ क्षा वात्राभित्व हिल्ल पायानकार्य हेकि क्षणाणि हेलिह छाषा। हेल्यावानिष्य हेकि क्षणाणि कृत्यः। हेलि वाक्ष निर्यण्यः॥

নাসাছিমী স্ত্ৰিকাপকী। ইতি ত্ৰিকাওশেষঃ।।

নাসাদাক দ্লী দ্বারোদ্ধ স্থিতকাষ্ঠ । কপালি ইতি ভাষা । ইচ্চ্যমর টীকাষা স্বামী ॥

नामान्दः . शृ कर्कनर्कः । इंजि । भद्रान्त्रका ॥

নাসাসয়েদনঃ পু• কাণ্ডীরলতা। ইতিরাজনির্ঘণ্টঃ।।

नामिकसमः वि नामिकाः भदाय-मानाः कदाि यः ॥ नामिकया भद्रकर्ता ह ॥ नामिकाशश्राद स्वा धाराः थम् भुजारम् स्नारम्भ নিয়ুদ্ধঃ। ইতি ব্যাকরণ ।।
নাসিকস্বয়ঃ ত্রি নাসিক্যা পিয়তি য়ঃ
। নাসিক্যা পানকর্তা। নাসিকোপ
পদান্দেট থাতোঃ থশ পুত্যয়ে শপা নিয়ুদ্ধঃ। ইতি ব্যাকরণ ।।

নাসিকামল শ্লী নাসাস্থিতমল ।
শিক্নি ইতি ভাষা। তৎ পর্য্যায়ঃ।
শিদ্ধাণক ২ শিদ্ধাণ ০ শিদ্ধণ ৪।
ইতি শব্রত্বাবলী ।। সিংহান ৫।
ইতি ভরতঃ ॥

নাসিক্ত ল্লী নাসিকা। ইতি ত্রিকা-গুশেষঃ॥

नामिकाक क्षी नामिका। इंडि अप-गाना॥

নাক্ষত

नामित्नां न्यू॰ विश्वनीस्यादी।

विविद्यास्था १य॰। ইতি হেমहमुः।

मामीतः क्षी नायकम्णाश्यमातिकारम्यः।

॥ व्यूमस्त थू॰। ইতি भद्यद्वावती

नास्ति वर्र वस्तिद्वास्थवर । व्यविर्मामाना। नाई ইতি स्वाय। ইতি

नास्तिका भद्य हीकाया॰ स्वदः॥

यथा। व्यतिश्वि वीक्य रिक्य तादः।

स्था। व्यति विश्व ह। वस्ति नास्ति न

सानसि स्वि एकि शूनः शूनः॥

हिति हाथकरः॥

नाखिकः भू॰ भाष्यः। प्रेश्वत नाखिद्व-वामी । दिमाश्रामाग्रवामी । उद भर्यप्रायः। वार्चन्यज्ञः २ हार्बाकः २ लोकायजिकः ८। ইजि स्मिहन्तुः॥ मह विद्वारः। भाष्यप्रिकः २ योगां हातः २ सोजाखिकः २ देवज्ञाषिकः ८ हार्बाकः ६ मिणस्रतः ।।

मासिका जी कर्मकवाभवामक का न । তৎ भर्यायः । मिथापृष्टिः २। देउप्रवः ॥ नास्ति यक कव • नासि भवावाक देउप्राप्ति • कायि ना सिकः मममञ्जू यदि नासीज्यायं देक् मस्य पः। नासीज मन्या देवि स्थिका वा जम्य जादा नासिका ত্বতৌ ভাবে ইতি তঃ। নাস্তি সুকৃত নাস্তি পরলোক ইতি বুদ্দি নাস্তি-কতা \ ইতি ভরতঃ।।

।। অগুসরে পু॰।ইতি শব্দরত্রাব**ী । নান্তিদঃ পু॰ আমু**বৃক্ষঃ।ইতি শব্দ-ন্তি ব্য অন্তিত্বাভাববৎ। অবি- চন্দ্রিকা।।

नामां कि नामाया छवः। यथा।

हिम्नारमा जिम्मूर्ण ठिर्ग्यक् शुकि
मूथा गर्छ। ज्ञक्क छह्म ह यानमा

हक्क छर्क ठरेथव ह।। ইতি मनुः।।

नाइः शुः वक्षनः।। कृषः। ইতি मिनी

नाइनः शुः (सहजा छिविस्मयः।

. ইতি হেম हन्दुः।।

নাহুষিঃ পু• য্যাতিরাজঃ। **ইতি** ভূরিপুযো**ণঃ।।**

नाक्षवः ज्ञी नक्षवमञ्चि । नक्षवः

त्रिप्त निर्णायं भू गुरुत्यन निष्मः

। माम विष्णायं भू । म व विविधः

। मधिवः मित्र नक्षवाञ्चकः এकः ।

यथां विक्षुधार्माखाः । नक्षव मवाः
गुर्यनानि (विष्णा मीतिन सर्वताकः
गणाचाकन । मधिवः मित्र नक्षवाः
चाकन । मर्वक् भित्रविक्षः माक्षवः

देशका नाक्षवः । सम्म भू भूत्याक्रनः

नक्षव सवादो । क्रम नक्षवः मृनि

ভৌম বার যোগে মনো দুঃখ দানে ॥ ह। यथा नीलिकायाः। जन्मन् यि जा जा वीस्ति (जो म्याँन क রৌ ৷ স মাসঃ কল্মসো নাম মনো-मुःथ भूमायंकः।। 🗱।। विजीयः विश्व দুখাত্মক নক্ষত্ৰ ভোগ কাল ৰূপ দিন ত্রি•শদ্পত্মকঃ। যথা স্ব্রসি कारि । नाडी यक्षेत्र जू नाक्ष्य म-হোরাত্র• পুচক্ষতে । তগ্রি:শতা ভৰেন্সাসঃ সাবনোর্কোর্ন ইয় স্তথা।। षिञीयमा अर्याजन आयूर्गननायाः । यथा । जायूनीय मृठः शुरिक नाक्रवः चि नािष्ठः। इणि भवः মাসতত্ত্ব ॥ नाक्र विकः शृ॰ नाक्रवमानः। यथा। नक्षव भगतिनव नाक्षविक उना-क् उः। इंडि मदत्र शवनी ॥ नाक्षविंकीं ही नक्षवरणा।यथा। करली नाकृषिकी मुना। इंडि জ্যোতিষ॰ ॥ অস্ব বিবরণ দল। শব্দ पृष्ठेवऽभा नक्क द्रशस्त्रिंग लिए।

यथा । नित्यक्षः । निक्रयः । इंडि 🛚

ञ्च्रादाक होकाया मूर्जामानः ॥

निद्यणः॥ जृमार्थः॥ निज्योर्थः॥

मि भेगः ॥ (कशः ॥ क्लेमन ॥ উপরমঃ॥ সামীপ্রা। আশুষঃ॥ দান ।। মোক্ষঃ ॥ অন্তর্ভাবঃ ॥ বন্ধন ।। রাশ্যধোভাবঃ ॥ বিন্যা-मः। ইতি মেদিনী।। त निः व्यः निर्गयः॥ निरम्यः। इंडि व्यक्ति॥ निः वर् निष्ठयः॥ निरम्वः॥ माक्नरः ॥ অতীত । ইতি মেদিনী।। নিঃকাসিতঃ ত্রি নিম্বাসিতঃ। বহি-ষতঃ॥ সে তুক খ প ফে বেতি বিভাষ্যা বিসর্গস্য সকারাভাবঃ৷ ইতি ব্যাকরণ ॥ নিঃকাগিতঃ ত্রি নিষ্কুগণিতঃ।ইত্য-भविषे भावभून्यती ॥ निःशुङः वि निर्मुङः। निर्नासि পুতা যস্যেতি সমাসে সে তু ক থ প ফে বেতি বিভাষ্যা বিসর্গস্য मकाता जादः। इंछि व्याकत्रनः॥ निःभवांकः जि. तरः। निर्द्धनः। ইত্যমরঃ ॥ नि वर উপসর্গবিশেষ । জন্ম । निःभन्ता ही म्डीवृक्तः। ইতি রাজ-निर्घण्डः ॥ निः भयः शृ॰ भयत्रि छः। हुभ् इंडि ভाষा। यथा। निःभक्षः कात्रयिदा

निःश्निगी

ज्र निरं श्री स्मामृत । इंकि मार्क एवं मुख्णानिः। इंजि ताज निरंणकः श्रू मुख्णानिः। इंजि ताज निरंणकः ॥ निरंणकः कि ममसः। मण्र्नः। इंजि मतः॥ (णकति क्ष्णः। निरंणाक्षः वि (णाक्षिकः। मृद्धः। हिल्लाकः वि (णाक्षिकः। मृद्धः। हेज अतः॥ निरंणका क्षी काष्ठ्रका अभानः।

কাঠেরসিজী ইতি ভাষা। তৎপ র্যানঃ! নিঃশ্বেণিঃ ২ অধিরোহিণী ৩ নিঃশ্বেণী ৪ নিঃশ্বেণী ৫ । ইতি শব্দরত্বাবলী।।

निः गृथिनी खी निः गृथनी। इंडि नमः त्रञ्जावनी॥

নিঃশেণিঃ দ্রী অধিরোহিণী॥ খর্জু-রীবৃক্ষঃ। ইতিমেদিনী॥

निःश्णिति हो ज्वित्ययः। निःश्णिती इंडि काकरा भुजिका। उद्भर्या-यः। श्णितिका २ नित्रमा २ वस्त्रक्षती ६। अन्त्रा ख्वाः। नित्रमञ् । उक्ष्य । भण्नामवनभुष्य । इंडि त्राक्ष-निर्यक्षः॥

निःरणुशि की निः भूगशी। ইতি नयः क्षावनी॥ নিঃসর

निः(भुषमः क्री भूजः॥ याकः॥ বি্দ্যা। অনুভাবঃ।। ভক্তিঃ। ইতি न पत्रक्षेत्रवा र्रा निःश्युयजः शृ॰ मक्तः। ইতিমেদিনী।। निःषमः वर् निन्ता। ज्र भर्यरायः। गर्हा॰ २ दूःवम॰ ० । ইত্যমরঃ ॥ **भाकः। ইতি भप**तञ्जावनी ॥ । নিঃসন্ধিঃ ত্রি দৃঢ়ঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-**म्परः॥ मित्रविश्वकः।।** निःमञ्जाजः शुः निमीथः। इंछि ত্রিকাওশেষঃ॥ निः नकः जि (मनन त्रिः । यथा। ম্প্রান্তবন্ধ বোমে সুতা-দি রাগো মৃ্যিতোন্তিতেন। নিঃস-**ক্তা নুজিপদ• যতীনা• স্থাদশে-**ষাঃ পুভবন্তি দোষাঃ॥ ইতি বিষ্ণু পুরাণে ৪ অংশে ২ অধ্যায়ঃ ।। ফলা-निञ्जित्वभवान्। यथा । त्वैत्ताक त्व अर्वाणा निःमः अभि उ भी यात ্র্টনৈষ্কর্য্য সিদ্ধি লভতৈ রোচনার্থা क्वनुजिः ॥ इठि मनगामञ्जू **बिजागवरिजनाइमाङ्गक्षव्हनः ॥** निः नर्तं १९ क्षी नद्र १ । উপायः ॥ (गहा मिमूथ ।। निर्द्धा ।। निर्क्रमः । ই তি হেনচন্দুः॥

নিঃসারঃ পু॰ শাথোটবৃক্ষঃ।ইতি শद्रविदुका ॥ भागनाकशुर्छमः । ইতি রাজনিয় দ্বামারকুহিতে ত্রি । यथा। मानूष्य करनी खन्न निः निः मुनदः शुः ভक्त मः। ভक्रमनु সারে সার নার্গণ 1 যঃ করে।তি স সংমূচে। জল বুদুদ সমিভে ।। ইতি শুদ্ধিতত্ত্ব ৷৷ জগৎসর্বন্ত নিঃসার মনিত্য দুঃখ ভাজন। উৎপদ্যতে क्रगाम् उदक्रगाम् उद्विभम् १ए७ ॥ যথৈবোৎপদ্যতে সারা মিঃসার• कगम् अना। शून खिमानिवीय छ म-राशुन्य मङ्गान्।। উৎপত্তি भून-যাভ্যান্ত জগনিঃসারতা॰ হরিঃ। পতিঃ॥ ইতি কালিকাপুরাণে ২৭ अध्रायः ॥

নিঃসারণ ক্লী নিঃসরণ । গৃহাদীনা পুরুষনির্গমাদিপথঃ। ইতি শব-बङ्गावनी ॥

निः गाता भी करनी वृक्तः। ইতি द्रोक নির্ঘণ্টঃ]]

পর্য্যায়ঃ। অবকৃষ্টঃ২ নিষ্কাসিতঃ ৩। ইতি জটাপ্রঃ॥ সারাভাববাণ চ।।

সেহ কীটদ্ষিত মিত্যাদি স্তি:।। নিঃসেহা দ্রী অতসী।ইতি ত্রিকাও-শেষঃ 11

ভবনওঃ ৷ নাড ইতি ফেন ইতিচ ভাষা। তৎপর্য্যয়ঃ। আচাসং ३ মাসরঃ ৩। ইত্যমর হেমচন্দ্রে।। নিঃমঃ ত্রি, দরিদুঃ। ইত্যমরঃ।। তদ্য **लक्ष**नः यथा। সূপीकारतो विकल्की চ বকৌপাদৌ শিরালকৌ। স॰-শুষ্কৌ পাওরনথৌ নিঃস্বস্য বির-লাঙ্গুলী॥ইতি গাৰুডে সামুদুকণা ক্তাতিরহিতক।।

শস্ত্রবে দশ্যানাস ভাবেন জগতা া নিঃক্ষত্রঃ ত্রি ক্ষত্রিযশূন্যদেশাদি ৷ যথা। অবতারে ষোডশ মে পশ্যন্ ব্রুক্ষজহো নৃপান্ ৷ ত্রিঃসপ্ত কৃত্বঃ ঙ্গপিতে। নিঃক্ষত্রা মকরো মহী ।।। ইতি শ্ৰীভাগবত পুথমস্বন্ধঃ।। 'निकृष्टे॰ जि अमृत्र॰। उৎপर्यायः। मगीशः २ जाममः ७ ममिक्षेः ४ मनीष द। इंज्याबः॥

ত্রি বহিষ্কৃতঃ। তৎ निকরঃ পু॰ সমূহঃ।ইত্যমরঃ॥ সারঃ ॥ न्रायरम्यथन ॥ निधिः । इंडि विषिनी॥

निঃস্থেষ্ট ত্রি স্বেশ্ন্যঃ। যথা। নিঃ- নিকর্ষণ্ ক্লী সন্মিবেশঃ। ইত্যমরঃ॥

নিস্মা

शबनारिय मिगापि शिव्हिम श्र दिनाः। ইতি ভরতঃ॥ श्र्विमिगाः प्रविहम गृशानामशीिक किन्द्रः॥ श्रुवाप देशि विश्वत ভृगिः। ইতি सामग्राप्यः॥ श्रुविभाषि मिन्दिनाः निक्यः श्रु भागः। कश्रिभाणत ইতি

নিক্ষা জ্রী রাক্ষসমাতা। ইত্যমরঃ॥ সা সুমালি কন্যা বিশ্বসো ভার্য্যা চ।ইতি রামাযণণ॥

ভাষা। ইত্যমরঃ॥

নিক্ষা ব্য নিক্ট । ইত্যমরঃ॥ মধ্য । । ইতি মেদিনী ॥

নিকষাত্মজঃ পু॰ রাক্ষসঃ।ইত্যমরঃ॥ নিকসঃ পু॰ নিকষঃ।ইত্যমরটীকাষা॰ ভরতঃ॥

নিকাম• ক্লী ইপ্ত•। যথেক্সিত•। ইত্য-মরঃগা

निकायः श्र्॰ लक्ष्यः।। अधिर्मश्रुभिः ज•रुजिः ॥ ज•रुजानाः अमूहयः॥ निवयः॥ शत्रभाञ्गा। देजि सिमिनी

নিকাষ্যঃ পু॰ গৃহ•। ইত্যমরঃ।। নিকারঃ পু॰ বিপুকারঃ। অপকারঃ ।। উৎকারঃ। খান্যস্যোজ্ব ক্ষেপণ॰ । ইত্যমরভরতৌ।। খলীকারঃ। ইতি স্বামী ॥ ধিক্লারঃ। ইতি শহ-নালা ॥

নিকারণ ক্লী মার্লণ। বধঃ। ইত্যমরটীকা নিকাসঃ ত্রি নীকাশঃ। ইত্যমরটীকা নিকঞ্চকঃ পুণ পরিমাণবিশেষঃ। কডবপাদঃ। স চ পুস্ত ইতি খ্যা-তঃ। ইতি ভরত ধৃত সর্বমণ। বা-নীরবৃক্ষঃ। ইতি ভাবপুকাশঃ।। নিক্ষঞ্চিত ক্লী অক্সহারান্তর্গতশিরো বিশেষঃ। যথা। আকম্পিত ক-ম্পিতঞ্চ ধুত বিধুত নেবচ। পরি-বাহিত মাধৃত মবধূত তথাঞ্চিত ।। আক্ষিত পরাবৃত্ত মুক্তি-ঞ্চাপ্যধোগত । লোলিত পুকৃত-ঞ্চেতি চতুর্দশ বিধ শিরঃ।। ইতি সঞ্চীতদামোদরঃ।।

निज्ञ अ॰ भू॰ क्री ज्ञ अ॰ । ইত্যমর: ॥
निज्ञ क्षिकामा जी जिल्लकाम् क्षु लुः

नः । उट भर्यायः। जिल्लका २ ज्ञ अ॰

नक्षिका २ ज्ञ अ॰ १०० व्यक्ति ज्ञ ज्ञ निज्ञ ।

हिं ताक्ष निर्विष्टः ॥

निष्ठाः श्रृः ष्युकर्गश्रवः॥ म्डिका वृक्षः। ইতি মেদিনী।। निष्ठश्राथावीकः क्षी क्षृशावः। ইতি রাজনিষ্টা।।

निक्कारकः भुः जास्वार्वज्ञः। ইত্যারঃ

নিষ্ঠিত নী নৃত্যবিষয়কাঙো জরশত করণান্তর্গত করণ বিশেষঃ।
যথা।করণানান্ত সর্বেষা সামান্য
লক্ষণ ন্তিদে । প্যাযো বাম করো
বক্ষঃ স্থিতোন্যঃ পুরতোনুগঃ।। পাদাভ্যা করণ জ্বেষ তদি হাপ্তোজর শত । নিষ্ঠিত পার্যকান্ত
মতিকান্ত বিবর্ত্তক ।। বিদ্যুজ্বান্ত
গজকীত কান্তঞ্চ গক্তপ্প ত ।
ইত্যাদি সঙ্গীতদামোদরঃ।।
নিষ্ঠী ক্রী দ্রীবক্ষঃ। ইতি রাজ-

নিষ্ট্রী জী দন্তীবৃক্ষঃ। ইতি রাজ-নির্ষ্টঃ।৷

নিসরয় শ্লী সমূহঃ। ইত্যমরঃ॥

নিক্তঃ ত্রি পুত্যাখ্যাতঃ। শঠঃ।

ইত্যমরঃ॥ বঞ্চিতঃ॥ নীচঃ। ইতি
মেদিনী॥

निक्जिः खी ७९र्मन ॥ किशः।
गठः॥, भाठे । इंडि त्मिनी॥
रिन्न । इंडि भक्तकावनी॥

নিকৃষ্টঃ ত্রি সাধুনঃ। ইত্যসরঃ। জা-ত্যাচারাদি নিন্দিতঃ। ইতি ভরতঃ নিকেতঃ পু॰ নিকেতন । ইত্যমর-টীকাযা ভরত্র ।।

নিকেতন ক্লি গৃহ । ইত্যমরঃ ॥ পলাভৌ পু । ইতি শদ্চন্দ্রকা ॥ निर्स्तार्ठकः श्रृ॰ निर्काठकः। ইত্য
सन्निर्धा शृ॰ वीगाया जन्य न्या ठिक्सन्नारमः

मनः। जद्द भर्य प्रायः। निक्षाणः २

कृगाः २ कृगः ८ कृगनः ६। ইত্য सन्दः

।। श्रारम त्रभू प्रभागां मुखनगाः कृषाः। शृक्षाः ५ शृक्षाः १ ইত্য मनः

स्यः श्रुर्यागां जवित्र। जामिना

मूक्षाः मृक्षः উপकृगः উপकृषः

हेज्यामि। ইতি जन्न ।।

निक्षानः श्रू॰ निक्ष्मः। ইত্যারঃ।।

निথর্ব॰ ক্লী দশথর্ব সংখ্যা। দশসহসুকোট্যঃ। ইতি লীলাবতী
হেনচন্দুক।। পু॰ লিক্ষো ২প্যয়॰।
যথা। বৃন্দঃ থরো নিপ্রর্কেত্যাদি॥

নিথর্বঃ ত্রি বামনঃ। ইতিহেনচন্দুঃ॥

নিথল॰ ত্রি সমস্তং। ইত্যারঃ॥

নিগড়ঃ পু৽ ক্লী হস্তিনা॰ লোহম্য
পাদব্দ্ধোপকরণ॰। আদু ইতি দাঁণ
ডুকাইতিচ খ্যাতঃ।ইতি ভরতঃ।।
তৎপর্য্যায়ঃ। শৃদ্ধলঃ ২ অন্দুকঃ ৩।

ইত্যারঃ॥ হিঞ্জীরঃ ৪ অকুঃ ৬।

ইত্যারঃ ॥ হিঞ্জীরঃ ৪ অকুঃ ৬।

ইত্যারঃ লিক্ষারলী।।

হাত শব্দর্ভাবলা ॥ নিগড়িত: ক্রি বৃদ্ধঃ। ইতি হেমচন্দুঃ॥ নিগণঃ পু॰ হোনধূমঃ।ইতি কিকাও-।। (निषः।।

निगमः भू॰ ভाষণ। कथनः। তৎ नर्यत्रयः। निनासः २। ইত্যমतः॥ छहि अभाग्या निगम् अत्मार्थम्। ্ইত্যাপন:॥

मिगमः भू वानिकः॥ भूती॥ करेः॥ तिरः ॥ विवक्षयः । इउ इंडि यावर । इंडि मिनी ॥ निक्रयः ॥ वाशा । इंडि रूमहन्पुः १।

নিগরঃ পূ্ ভোজন । ইতি রাজ-निर्घण्डेश ॥

निगर्न की स्कार । ইতি मिनिनी ॥ निमञ्जाः भू॰ गैनः। इंडि मिनि ॥ (राग्यूमः। ইতি भवत्रवावनी।। निगापः भू॰ कथमः। ইত্যমরः॥ निगाकः शूर निगद्गण । अभाग i ইত্যমূরঃ ম

निगानः शुः अयगद्याद्याप्तनः। इउप्राज्ञः मिगानवान शुः अप्रः। इंडि नेप-हिन्द्रिका ॥

দিত্য পূৰ্ণ নদঃ। ইতি ত্ৰিকাণ্ডলেবঃ।। मनना मृतंना गामा छ ।। विकर्म हिंडि में बिल्ड मार्ताना पिट्डिः,॥ निग्रहः शुः वनमृत्रह। इति स्मिन्तः॥ मिश्रुहे की मृहे । वायपः । हिक

स्ट जि। यथा। जारू विश्वः भन्न নিত্ত এব **নোলো শ**স্তো রি**তি ত্রি**-জগতী জম চিত্ত বৃত্তিঃ। অন্তর্নিগৃচ नयनानन शुक्ष पारः जाना ि कः सय মৃতে বত শীতরশ্মেঃ।।ইত্যক্তিঃ।। নিগুহঃ পু॰ অনুগুহাভাবঃ। ইত্যমরঃ ।। वक्षनः।। ७८र्जनः।। जीमा। इंडि (मिनिवेद स्महामु)।। हिकि भा । इंजि जाजनियं कै: ।। विकुः। यथा। পুগুছো নিগুছো ব্যগ্রো নৈকশ্লো गरांगुकः। ইতি তन्। मर्मुनाम ॥ निगुरः पुर निगुरः। यथा। निगुर ए ज्यार । इंडि न कि धमात-व्याक्ष्रण ॥

नियः भू विश्वक्ममः। ममसा८ जुनाति। इ निवाहः। इजामद ভরতৌ 🛭

निविष्का जी उनक्षनमः। इंडि इंग्जिनिर्घणेः ॥

নিবণুঃ পু॰ নানসংগ্ৰহঃ। ইতি হেম:_ म्बर्धः म

विषयः भू जाश्रादः। इउभावः॥ निवाजिः ही (नाइकानी। (नोइभय-मखः। इंज्रुगामिकियः।-

भक्तज्ञावनी ॥

নিঘ্যঃ পু॰ খুরঃ। ইত্যুণাদিকোরঃ॥ নিছবিঃ জী তীরভুক্তিদেশঃ। ত্রিন্থোত্ वायुः ।। ध्वः ॥ भागः ॥ ववाहः । ইতি সংক্ষিপ্রসারোণাদিবৃত্তিঃ।। নিমুঃ ত্রি অধীনঃ। ইত্যমরঃ।। অক ् भूतपः। ইতি नीनावञी ॥ निहरः श्रु अमृहः॥ निक्रयः। ইতি भदत्रावनी ॥ निर्वि जी निर्विश उन्नालीः। इन्डाम्ब होकायाः जब्रजः ॥

निर्विछ वि প্রিত। ব্যাপ্ত। ইতি (र्गठमुः।।

निচूदः पुः ইब्बल्य्कः। ইত্যমরः॥ বেতসু বৃক্ষঃ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। निकावः। ইতি (इमहन्दुः॥

নিচোলক । ইতি श्वावनी।।

নিচোলঃ পু॰ যেন স্যুতেনাস্যুত্তন বা বন্তান্তর নাহাদ্যতে। পাছুডি ইতিথ্যাতঃ । ইত্যারভরক্তৌ ॥ उट शर्यतयः। निहुलः २। उ खत्रहरः ० शुह्रम् श्रोहे ३ । इंजि एस्महन्द्रः ॥ निकानकः मु॰ ভটाদেশোলাকৃতি नमार्ः। उट्भर्यप्रायः। अर्भामः २ বারবাণঃ ৩ কঞ্চুকঃ ৪। ইতি

(रगान्सः॥

ইভিন্ডায়া। ইতি ত্রিকাওশেষ: ॥ निहितः शू॰ वर्णमक्त्रकाजिरछमः। ইতি হটাবরঃ।। কথা। কলে। নাল চ রাজন্যালাত্যা নিছিবি ধরব ঠ। নটশ্চ করণ শৈচব থসে দুরিত এব **চ ।। ইকি मनुः ॥**

নিজ কি ৰকীয়ানিত্যাইত্যময়া নিডীন দ্রী পাক্ষণতিবিশেষঃ। শ্রমির্যান । ইতি জটাপ্পরঃ।।

নিণ্ডিকা দ্রী কলাযবিশেষঃ ৷তেওডা इंভि ভাষ।। তৎপর্য্যাय:। সভীলা २ जिपी १। इंजि मफ्हान्तुका॥ निज्यः श्रु जीकर्राः शकाष्टागः। পাছ। ইতি ভাষা। ইত্যমরঃ ॥ क्रमः ॥ द्वाधः ॥ कर्रेकः ॥ क्रि-মাত্রণ। ইতি মেদিনী।।

নিতমিনী জী পুশন্তনিতম্ববিশিষ্টা। हेर्णभन्नः ॥ जीनावः । ইতি नान-निर्घणः॥

निভরा वं मूज्द्रा । यथा। नारगा-ভবো নাগ ধনাভিদাসী বক্রোক্তি ्बाला निज्ञा॰ बनीनः। ইতি (काक्षेत्रमीनः॥

নিতল শ্রী সপ্তপাতালান্তর্গর্পাতা-লবিশেষঃ। ইতিশ্বরেক্সাবলী ।। নিতান্ত শ্রী স্থাতিশ্যঃ।। তদ্বতি জি। ইত্যমরঃ।।

নিত্য স্নী নিরম্বরক্রিকাবচন । তৎ পর্য্যায়ঃ । ষত্তত 🗢 অনারত 🔿 🛚 অশাস্ত ৪ সন্তত্ ৫ অরিরক্ত ৬ অনিশং ৭ অনবরতং ৮ অঙ্গু ৯৷৷ তদ্বতি ত্রি। ইত্যুসরঃ॥ পুত্ররায জনকীভূত্যভার পুতিমোগি। যথা একাদশ্যা মুপোষণ নিত্যা ধ্রুপ পুাগভাবাপুতিযোগি।যথা গমণ ু নিত্যু ।। অহরহ জায়নান । যুপা , निज्रः की एडि समाताः॥ वहतर ক্রিয়ন্যণত্ত্বন বিপ্লি ব্যেধিত । যথা मान उर्भगारिक निज्रा । अन्बहिम शतस्थाताकः। यथा वर्गा निज्जाः। निजाः वि कानवयवाभी। ज शर्यतायः। भाषकः २ धुतः ० गर्।जः নঃ ৪ সন্তনঃ ৫। ইত্সেরঃ॥ সমুদু পু[•]। ইতি রাজনির্ঘটঃ ॥

নিত্যকর্ম দ্লী পুত্যবাষ জনকাভাব পুতিযোগি কার্য্য । ইতি মৃতিঃ।। তদ্মথা । নিত্য নৈদ্মিজিকঞ্চৈব নিত্য নৈদিজিকস্তথা । গৃহস্ক্স্য

তিপা কর্ম তরিশান্য পুএক।। পঞ্চ-যক্তাশ্রিত নিত্য যদেত্ কঞ্চিত তব। নৈমিত্তিক তথাচান্যৎ পুঞ-ब्रग कियापिक ॥ निज्रोनिमिकिक• জ্ঞেয় পৰ্যশাদাদি পণ্ডিতঃ। ইতি मार्काख्य भूत्रान ॥ 🛊 ॥ जन्तान (राया यथा। निक्रानाः कर्मनाः वि-शु जम् शिन तक्तिमः। जन्द्रन् বিহিত• কর্ম শক্তঃ পততি তদ্ধিনে।। পুায়শ্চিত্তেন নহতা শুদ্দি নাগ্নেত্য-নাপদি ৷ পক্ষ নিত্যক্রিষা হানেঃ कर्जा सिरवय मानवः॥ मःवट्मद्रः ক্রিযাহানি যস্য পুশসা পভিজায়তে । जम्रावरनाकनार मूर्यंत्र निद्रीक्राः नाश्रु जिः गरा।। न्यूर्छ मान नकन न्। मुक्तिरहजू महामूत्न। भू पना छ-वि उरम्याका न मुक्तिः भाभ कर्मान া ইতি বিষ্ণুপুরাণে ৩ অংশ ১৮ व्यक्ष्रभ्यः ॥ 🕸 ॥ क्ष्रज्ञास्मे निज्रकर्म করণ নিষেধা যথা। জানুর্দ্ধে ক্ষতজে कार्जिनिज्यकर्मन हाहरत्यातिमित्रि क्ष जन्यः भुव मुद्धा न ठाठदा ॥ लाज्य ह मगुर्भास सुत्रकर्मान रेमथूरन। भूरबाद्गारत ख्या वारहो निः ज्यक्यानि मं जेर्डिट ॥ मृत्व। ज्रुक

वृज्ञीर्प ह रेन्द्र जुक्त ह किक्न । कर्ष ষ্ঠ্যময়ে। মিত্য সূত্রকম্তকে ত-था।। भवः भू सक् जार्षः छ व कर्षन कन्निज्। क्यांदि भिन्नव उन्न कन जुक्। न ठाँठात्र ।। खन महानि नत्र শুেষ্ঠ ভোজনাজেষজাদৃতে ৷ নিত্য-किया निवर्त्वं मह निनि खिकः मना।। जलोकाः गृष्धामक क्रि गञ्जनाहिकः । कानाषरञ्जन मः म्मा निजाम्मानि मण्डाहर ॥ বিশেষতঃ শিবাপ্রা পুনীত পি-' ज्रका विकः। गाववर गत्र भर्ग्ड॰ मनमानि नहाहित्य ।। महाख्य नि भारत जूकाम १ किक्षिक हो हेरत थ। वार्षिका दुन्नरेकक मुक्तिः विक यूजक यट ॥ धक माकिन दिन्तक পুক্তৈয়ৰ চ পাণিনা। নমৰ্য্যামিত্য কর্মাণ।রেতঃ পাতে চ ভিন্নব।। इंजिकानिकाभूताल ८८ वर्ष गयः॥ निउ।गणिः भू वायुः। इंडि (इंगि मुः॥ निजुरा वर अवना येथा। भूगर নধুবন তত্ৰ সান্নিধ্যু নিভাদা হয়েঃ । ইতি ঐভাগবতে ৪ কন্ধ: ॥ 🐪 निर्णान शेल्पुडिपिनकर्वरापान।

यथा ्मिजु रेविमिन्तिक काव्।

विम्न मान भी तिछ । जर्म हिने

यद कि कि मि या र नृश्व का ति ।।

जन् कि कि कि उट मा मुक्त गाय

जू निज्र कर । रेजि गक्फ भूता ।।।

निज्र भूग्यः भू क् क् कि श्वा । निज्र म
देन का जाना । या निनामा कि ना

निम् । , रेजि विक् भूता । भ्रा विभागा कि ना

विभागा मिन निज्र निम् ना

विभागा मिन निज्र ना

विभागा मिन निज्र ना

विभागा मान निज्र । रेजि ज्यो ना

विभागा मानी ।।

निज्रत्योवमा जी त्नुभनी। ইতিছেম-চন্দু: ॥ श्रित्रत्योवत्म जि ॥

निर्हा तेष्ठिः भू विकाः शानि विकार विकार

নিত্যান

ভক্তানুগৃহ কারক: ৷৷ ইতি বুন্ধবৈ-বৰ্ত্তে পুকৃতিখণ্ডে ৯৫ অধ্যায়ঃ।। নিত্যক্ষোরণ প্লৌ বৈধেতরক্ষোরণ। ज्ञाश्रमुखि किमाहमन । यथा । हू-**छोमिछ जिथावृक्ष वृक्षिनम्। र्मि-**বসে নরঃ ! নিত্যক্ষোর পুস্বী ত জন্মনাসে নতু স্বৃচিৎ ॥ ইতি জ্যো তিঃ সাগরসারঃ ॥ 🕸 ॥ রাজমার্ত্ত-ণ্ডে তু। न স্থান মাত্র গমনোৎসুক ভূষিতানা মভ্যক্ত ভুক্ত শ্বণ কাল নিবাসনানা । সক্তা নিশা শনি সজার্ক দিনেযু রিক্তে ক্ষোর পহিত প পুতিপদক্ষি নচাপি বিষ্ট্যা ।। ইতি জ্যোতিস্তত্ত্ব• ॥ 🖚 ॥ তত্ত নাসাঃ সৌরাঃ ভাদু পৌষ চৈত্রা নিষিজাঃ এখনাসোপি নিষিজাঃ তদিতরে বিহ্নিতাঃ । বার**স্ত**ুৰু**ণ** সোমযো বিহিতঃ। সামগানা गक्नवादानि । जिथ्यक नम्त तिका शूर्णभाभावामगृष्टभी जिमा বিহিতাঃ। নক্ষতাণি রেবত্যখিনী পুষ্যঃ ধনিষ্ঠা জ্যেষ্ঠা শুবণা স্বাতী হস্তা মৃগশিরঃ শতভিষা পুনর্ধসুঃ চিত্রা রোজাদেশে দ্বিজাদেশে বি-বাহে নৃতস্তকাশোচে বন্ধমোকে

यक्कवर्षां भित्रीकायाः निर्विक्त मान् जारिविश कार्यः । जनकल्किनि-विकाश मित्न । किन्त मानर्जभूतः भाष्टिनिभू अनुतीम शिष्ट्याः । पिठि मिर्गिष् अनुताः क्षीत विक्षो ख्वि कन्याः । शृज्याः कार्यः । शृज्याः । शृज्याः । कार्यः

निज्य खी भार्वजी ॥ ननमाप्तवी ।
इंकिन्द्रज्ञावनी ॥ निक्कि विष्नियः
। जमप्र मत्जा यथा। वाग्यवं काम
विक्क निज्ञिक्षम मप्ती भुनः। मृत्व
विक्कि निज्ञिक्षम मप्ती भुनः। मृत्व
विक्कि विश्वर्यत्वा हामनार्ताय भीकिजः॥ ब्रानः यथा। जार्चन्तु भोनि
मक्षा ममजाञ्चिन्त्रा मर्ज्ञाक
भाना मृति भूतं कभान इन्छाः।
प्रकान ज्ञान वमनाञ्ज्ञाः विदनजाः क्ष्रात्यद्दिनम् वनिजाः मम् विखनाक्षीः॥ ইতি जञ्जमार्वद्या।

निज्यानेश्वायः शृ सर्वथादक्तिये दिन्त्राठे कालानिः यथा। इमाहि-ज्य मन्ध्रायाः नधीयात्मा दिक्के रयटा अथ्याश्वनकः स्वर्तानः लिय्या-नाः दिश्व शृर्वकः ॥ कर्नमूद्य २ नि ला जात्वो निवा अयः स्वर्ण्य सम्बद्धाः अर्जो अर्व्यक्तिशाया विश्वा सङ्ख्यः পুচক্ষতে।। বিদ্যুৎ স্তনিত বর্ষেষু স হোলানাঞ্চ সংগ্লবে ৷ আকালিক সন क्षाव (मर्ज्यू मन् इदुवीर ॥ अजा॰ खु चूर्रात्कान् विम्राट्यमा शुमू ह তাগ্নিষু । তদা বিদ্যাদনধ্যায মন্-তৌ চাভু দর্শনেয় নির্ঘাতে ভূমি চল-নে জ্যোতিষাঞ্চো**পস**ৰ্জনে ৷ এতানা कालिकान् विम्तामनश्रायान् जाविश ।। প্রাদুষ্তেম্বামু তু বিদ্যুৎ স্তনিত निश्चत्व । जल्लािकः जामनशायः শেষে রাত্রো যথা দিবা ॥ নিত্যানः ধ্যায এব স্যাদ্গ্রামেষু নগরেষু চ। थ्यं तिश्रुग्र कामानाः श्जिशस्त ह সর্বদা।৷ অন্তর্গত শবে গ্রামে বৃষলস্য **চ मित्रि : अन्य्रार्या क्रम्यान** अम्यार्य क्रम्भ ह ॥ उत्तक म्थ ব্লাত্রে চ বিশ্বত্রস্য বিসম্ভ্রনে। উছিষ্টঃ भाषार्ज्य रिव मनमानि न विखयर " ।। পৃতিগৃহ দিজো বিদানেকৈ। দি-ষ্টস্য কেতন । ত্র্যুহ ন কীর্ত্যেদুক্ষ রাজ্ঞা রাহোশ্চ সূতকে।। যাবদে-কানুদিষ্টস্য গদ্ধো লেপশ্চ তিগ্ৰতি। বিপুস্য বিদুরো দেছে তাব্দুকা ন कीर्ख्यू ॥- मयानः (भूरिक्शामण क्षा हेह्रसावमाक्षिका•) माशीगीठा-

নিব প্রপ্রভা সূতকাদাদ্য মেবচ।। নীহারে বাণ শব্দে চ সন্ধ্যযোরেব-চো ভযোঃ। অমাবাস্যা চতুর্দশ্যোঃ लोर्नमामाईकाम् ह ॥ अमावामा গুৰু হন্তি শিষ্য হন্তি চতুৰ্দশী। বু ন্ধাইকা পৌর্ণনাস্কেটা তন্মান্তাঃ প-तिवर्द्धाय ।। भा भूवार्य मि भा मार रगानागु विकार जथा। च शाह्र চ ৰুবতি পজ্জী চ ন পঠেদ্বিজঃ॥ ৰাধীয়ীত শুশানান্তে গ্ৰামান্ত গো-वुरक्षि वा। विभिन्न रेमथून वामः শু। জিক পুতিগৃহ্ছ চ।। পু।ণি বা यि वाशानि यट किक्षिट भाकिक ভবেৎ 1 তদালভ্যাপ্যনধ্যায়ঃ পা-ণ্যান্সোহি দিজঃসৃতঃ॥চৌরৈ ৰূপ-প্লুতে গ্রামে সম্ভূমে চারিকারিতে। व्योकालिक मनश्रायः विम्राट गर्बा-फूउवृ ह ॥ उभाकर्यान हार मर्ल ত্রিরাত্রণ ক্ষেপণ মৃত। অপ্তকাসু দ্ব-হোরাত্র সূত্রাসু চ রাত্রিবু॥ না-ধীথীতাশ্বমাৰটো ন বৃক্ষণনচ হস্তিন• । न नावः न थद्रः नाङ्कः नाद्रशस्त्रा न यानगः॥ न विवास न कलार न तन-नायाः न मह्दान जुक्मात्व माकी র্ণেন বমিত্বা ন স্তকে॥ অভিপিঞ্চা-

निराघ

ননুক্তাপ্য মাৰুতে বাতি বা ভূ**শ**। ৰুধিরে চ সুতেগাত্রাছন্ত্রেণ চ পরি कर । भान धुनातृश्यक्षी ना शीयीञ कमाठन । (वम्मार्गिका বাপ্যন্ত মারণ্যক মধীত্য চ।। খ-श्वामा (एवं रेनव्राज्या यकूर्वमञ्जनाः নুষঃ। সামবেদঃ মৃতঃ পিত্র্য স্তমা-खन्राम्ह संनिः ॥ अञ्चित्रस्य विषा अ ख्यी निष्कर्य मन्द्र । कम् उः পূৰ্ব নভাস। পশ্চাদ্বেদ মধীযতে।। शम् म क्र मार्जात य मर्भ नक्षा-খুভিঃ। অন্তরা গমনে বিদ্যাদন श्राय गर्कांन ।। हात्व वर्द्धाय-. बिंड्र मनक्षायो शुरुबंडः। साक्षाय ज्ञिकाण्या नाजानकाण्ठि विदः ॥ ইতি সানৰৈ ৪ অধ্যায়ঃ॥ নিত্যানিত্যবন্ধবিবেকঃ পু॰ বুকৈব নিত্য বস্তু জতোন্যদ্থিল মনিত্য মিতি বিবেচন । ইতি বেদার্ভসারঃ নিত্যুভৈরুবী জী তৈরবীবিশেষঃ। वामा धाना दिक वर्षे क्री रेज्यवी श्रानामि वट् ॥ श्रानः स्था। वान স্ৰ্য্য পুভা• দেবী• জবালসুম সমি-छाः। मूखमानावनी त्रमाः वान-न्यं। नमाः भूकाः ॥ नूर्वं किनाः

কার পীনোমত প্রয়েশ্রন । পাশাঙ্কুশৌ পুত্তকঞ্চ তথা চ জপনালিকা ।। দপ্তী মিতি শেষ: ।
ইতি তম্মসার: ।।

निमः क्री विषः। ইতি नंसहितुका।।
निमकः श्रः मन्यः। ইতি नंसहितुका।
निमकः श्रः मन्यः। ইতি नंसहितुका।
निमकः क्री मृक्षासः। উদাহরণः।
यथा। वऽकः श्रास्त्रकाः मृक्षासादुएक नास निम्नंत। ইতি नामार्थ
गिकायाः ভরতः।।

•नित्रभंना जी कार्यानकार्यायामाः।

ठम्य नक्षणः। अर्थान्त भुरुद्धन

किक्षिन्धः मृणः कनः। महमञ्जा
विद्रार्था यदि मा म्याकित्रभंना।।

छेनाइत्राः यथा। উन्यान महिला

गाम्म र्वानाः कनः मूक्षम्मूष्टः। इनि

हशी।।

निनायः शृ श्रीयकानः ॥ উकः ॥ वर्षः। इंडं अत स्मिनीकात्रो ॥ नि-माय वर्गनीयानि यथा । भार्मेश्-म्राच वर्गनीयानि यथा । भार्मेश्-म्राच वर्गनीयानि यथा । भार्मेश्-म्राच वर्गनीयानि यथा । भार्मेश्-म्राच वर्गनीयानि यथा । भार्मेश्-१ भार्कः । भूभा असी ३० मृग्ज्या ১) सम्मानिकेन्श्रीकः रूरे । इंडि কবিকল্পলতা।।

निनाघकतः शु॰ मूर्यतः। ইতি হার।-वनी ॥

निराधकानः शृ॰ शीगार्जः। मञ् जिप्रधाषाण मारमे। यथा। शुरुख मृर्यप्रः म्पृह्मीय ज्नुमाः महावगाह् कु वाति मक्ष्यः। दिनास त्रस्मा कु वाति मक्षयः। दिनास त्रस्मा कु श्रमास मग्राया निराधकानः मग्रागणः श्रिय ॥ देखि अञ्-मंद्रातः॥

निरानः नी जारिकाइनः। ইত্যময়ঃ

श काइनः ॥ वट्यमायारि ॥ काয়नक्यः। ইতি মেদিনী ॥ শুक्तः ॥
उत्थः कव्यान्ने ॥ অवयानः। ইতি
र्वयः॥ उट्यर्गायः। রোগলক্ষণ
र जारानः अद्यंगयः। রোগলক্ষণ
र जारानः अद्यंगयः। রোগলক্ষণ
र जारानः अद्यंगयः। । निरानः भूवंक्षाणि क्षाणुश्रम्य खुर्था। यगुजुर्यात्यान काद्रोनः । निरान
भक्तः পर्यगरिंः भुग्युशः यन लक्कः।
उ ॥ ইতি-সাধ্বক্রঃ॥

निष्यि विलगीमिनाद्रोक्टिं। उट

পর্যায়ঃ। উপচিত হ। ইত্যমরঃ।।
নিদিশ্বা জী এলা। ইতি শদচন্দ্রিকা
নিদিশ্বিকা জী কণ্টকারিকা। ইত্যমরঃ।। এলা। ইতি শদচন্দ্রিকা।।
নিদিশ্যাসন লী পুনঃপুনঃ মরণ।।
অদিতীয়বস্তুনি তদাকারাকারিতায়া বুদ্ধেঃ ম্বজাতীয় পুরাহঃ।
ইতিবেদান্তসারঃ।।

নিদেশঃ পু॰ আক্তা। ইত্যমরঃ।। কথন• ধ উপান্ত•। ইতি মেদিনী॥ ভাজন•। ইতি ধরণিঃ॥

নিদেশিনী জী দিক্। ইতিরাজ-নির্ঘটঃ।।

निमाव

জীর্ণাতিসারিণা- হিতত্বঞ্চ।। 🗱 🗓 वाजीनभूवनायिकाः उनविषः निमावणारम्। लाग्यान्मा अनः। अ-क्क दः। व्यविष्ठानिरद्धाः #॥ নিদা সাত্ম্যী কৃতানা দিবা রাত্রৌ চ স্বপতা॰ জালুতা॰ বা দোষো ন ভবতি ৷৷ ইতি রাজবল্লভঃ॥ #া নিদারহিতা যথা। সতো নিদাদ-तिपुत्र। भद्र (भुष्र) कद्रत्र १ १ । भद নারী পুসক্তস্য পর্দুব্য হরস্যত ।। #।। **मूर्यमूक्षायक्षा मूर्य ऋतिक**ाः নৃণবান্ ব্যাধি মুক্তশ্চ হো नतः। সাবকাশস্ত যো ভূড্কে যন্ত দারৈ-ৰ্ন শক্ষিতঃ।। ইতি পাৰুচ্চে নীতি-সারঃ ॥

मिनुनिः वि निनुनिकः। उद्भर्गामः।

मिनुनिः वि निनुनिनाः। उद्भर्गामः।

निनुनिः वि निनुनिनाः। उद्भर्गामः।

(। स्यक् र मयानुः ०। ইত্যমतः॥

पिनुनिः की न्याकं की । यनवर्षतिका।

देवि ताक निर्यक्तः। ननी नाम नकः

मुद्रः। ইवि सक्रिन्दुकः॥

নিদাবৃক্ষঃ পূণ অন্ধকার: । ইতি শব-্নালা,11 নিধি

बाजा। त्रियद् । ज्हे **ण्न** रिका । निमान जनन की सूद्या। इंडि मन-कीर्गाडिनातिगा - स्जिद्धा ॥ । नामा ॥

নিধন স্নী নাশ:। স তু অদর্শন মর
শঞ্চ । জল । ততু সলস্থান জল
মুখ্য চ । ইত্যমর ভরতৌ ।।

নিধন: পুণ স্লী মরণ । ইত্যমর: ॥

বধ্তারা। সা তু জন্ম নক্ষত্রাৎ স-

গুনী তারা। যথা। জন্ম সম্পদ্ধিপৎ ক্ষেমঃ পুত্যরিঃ সাধকো বধ ইত্যা-দি ।। পুত্যরৌ লবণং দদ্যাদ্রিধনে তিলকাঞ্চনণা ইতি জ্যোভিক্তভুং।।

धनशैत जि।

निश्वनः क्षी निश्वः। इंडि (इनहमुः ।

जाश्वादः । यथा। निश्वन छ गठः

महः मर्बः नमिश्वाहु छ । इंडि जोनेगः॥ कार्यायमाद मुद्दम इनिः।

यथा। अञ्चानाव जातानाः निश्वनः
वीक मव प्रवः। इंडि क्षी जायव छ ।।

मिशिः भू निकानाम गक्क प्राः। ममूपः। इंडि क्षा निर्देश । क्षी विद्याः।

यथा। उनि विद्या क्षी निश्वः। क्षी निश्वः। ई
ज्या । उनि विद्या क्षी निश्वः। इंडि क्षी निश्वः। ई
ज्या । उनि विद्या क्षी निश्वः। इंडि क्षी क्षिः। इंडि

अन विद्या वर्षः। इंडि क्षी क्षिः। इंडि क्षी विद्याः इंडि

अन विद्या वर्षः। इंडि क्षी क्षिः। इंडि क्षी विद्या वर्षः। वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः। वर्षः वर्षः वर्षः। वर्षः।

শেবধিঃ ২ । ইত্যুদরঃ ॥ সেবধিঃ ৩ । ইতি ভরতঃ।। তন্তেদা যথা। **পদ্মো** পুত্রিয়া: মহাপদ্যঃ **শ**ঞ্জো মকরুক-.इली। गूम्म अस नेवाक बहा **২**পি নিধ্যো নব॥ ইতি হারাবলী॥ মার্কণ্ডেয় পুরাণে তু বর্চ ইতি হিত্বা অপ্তাবেব উক্তাঃ।ইতি ভরতঃ॥#॥ তল্লক্ষণ যথা। পদ্মিনী নাম যা विम्रा वन्त्री उम्राधित्वजा। जना-थात्। क निथय छात्य निगम् छः भृत्॥ ।। তব্র পদ্ম মহাপদ্মৌ তথা মকর कह्लो। मूत्रक गीलो क्कार मह रिक्रवाष्ट्रस्या निविः॥ मज्रा मृद्ध्याः ভূবন্ত্যেতে স্ভি: সহ ভ্রন্ত্যমী। এতে ছঙ্গে স্থাখ্যাতা নিংয স্তব কোষ্ট্রকে॥ এভি রালোকিত চিত্ত -মনুষ্যস্য মহামতে। বাদ্ক্ স্বৰূপণ . जर्का जिलाहकः मृत् ॥ शाम्त्रा नार्य निषः भूर्तः म यम् ७५७ षिज। म् ज्ना उ न्तृतांनाक उ निवानाथ मान्। महाकिन। मा ্ৰঃ পুৰুষ তেন চাৰিষ্ঠিতে। ভবেৎ। সভাধারে৷ নৃষ্ঠিগো যতে প্রসৌ সাজিকা নিধিঃ ৷ সুবর্ণ রৌপ্য তা-নুংকি বা তুন ধি পরিগৃহ। করোত্য-

তিতরা পো ২৭ তেমাঞ্চ ক্রয় বিক্র-य ।। करता कि ह जथा यद्धान येजि-नाक भूगहे जिल्लामगा के का गारक সরানেব বথাক্রণ। সভা দেব নি-কেতা॰ শ কার্যতি তম্নাঃ। #। সভা্বারে। নিধিশ্চানেরা মহাপঘ . ইতি শুক্তঃ৷৷<mark>সজু প</mark>ুধানো ভবতিতে-ন চাধিষ্ঠিতো বরঃ। করোতি পদ্ম-तागामि तद्भामाथ शतिगुरुगा नियो-জিক পুরালীনা তেষাঞ্চ ক্রয বিক্রমণ া দদাতি যোগশীলেভ্যন্তেরা মাব-नथा॰ उथा।। न कात्रगं ि उहीनः স্বেধনেব চ জায়তে। তৎপুসূতা স্তথা শীলাঃ পুত্র পৌত্র ক্রমেণ চ ।। পূর্ব-किंगावः मशामो शूक्याः क न मू-ঞ্তি। মহাপদাস্ত বিপাণা। যজ্ঞে সমুপজাযতে ॥ 🗱 ॥ তামসো মক-রো নান নিধি खেনাবলোকিতঃ। श्वरमा १० उमः शुग्यः मृभीलाशि हि जाया । यान थ निष्ठ सन्या वर्षाक भीतिभूश्च मण्यानीयाक्ष्य ৰতে যাতি নৈত্ৰীঞ্চ রাজভিঃ।। দ-माठि मोर्ग्ध वृद्धीनाः ज्जूकाः य ह তৎ প্রিয়াঃ। ক্রয় বিক্রয়ঞ্চ শ্বস্তাগাণ भाग्य প্রীতি মেতি চ।। একসৈয়ব

ভারত্রেষ নর্স ১ব সূতানুগঃ পুরুর গর্থ দসুতো নাশং সংগ্রমে বাপি সংবু हिट्या महिलात्या निविध्यात्मा নর ক্রেনাভিবীক্তিঃ তমঃ পুথানো ভবতি ফুতা সৌ তামুসো নিধিঃ॥ ব্যবহারান শিক্টেশ্চপণ্যজাত করো তি চ। कयो जानथिना रेम्हर न वि-খসিতি কস্যুচিৎ ।৷ সমস্তানি মুথা-স্থানি নিগৃহ্যান্ত হিক হপঃ। তথা-বস্তুত্য রক্ষানি তিপ্তত্যান্ত মানসঃ ।। ন দদাতি নবা ভুড্কে তর্দ্ধনাশু ॥ ख्यां अवः । निश्रानः मूर्वताः अ**क्ष** নিধিঃ সোপ্যেক পূৰ্যঃ॥ 🛊 ॥ রউে গুণময় भारति । मुक्रानितः नाम (य। नि ধিঃ। নরোবলোকিত স্তেন ভুদ্রণে 🕻 ख्वि दिक ॥ वीना विनू भ्रम्भामि গীত বাদ্য পরিগুহ•। করোতি বা-দ্যতা॰ বিত্ত• নৃত্যতাঞ্চ পুযছতি ॥ বন্দি মাগধ সূতানা বিটানা লাষ্য भाठिना । मनाकुर्विम । जामान् इस्ट देव स नगणित।। जनगण्य রতি শ্চাস্য ভবত্যন্যৈশ্চ তদ্বিধঃ। পু্যাতি সঙ্গ মেকঞ্চ স নিধি ভ্ৰভ্ৰতে नत्र ।। इकः मञ्जूमय कात्रा न ন্দ্যে সাম মহানিধিঃ। উপৈতি শুদ্র

'মধিক্• নর স্তেনাব্**দ্যো**কিতঃ গ্র**সম**স্ত ধাতু রব্বানা পণ্ডবাদ্যাদিকস্য চ। পুতিগুহ• করোত্যের তথৈর ক্য বিক্রয়ণ ।। আধারঃ মুজনানাঞ্জা-পতাভ্যাগতস্য চ। সহতে নাৰ্মা নোজি बन्ना मिश महामूत ॥ खूर-নানক মহতী পুতি বগ্নতি বছতি । य॰ क्ष मिছতি বৈ কান॰ মৃদ্ধ মুপ-্বাতি চ্যা বধ্বে ভবন্ত্যস্য সন্ততি ামভ্যেতি শোভনা । সন্তল্পী সন্ত চ नतामिषि नंत्मानुवर्ल्ड भूवर्क-गातान् नत् मष्टेक्श्यन मेक्ग । भीषायुष्ठाक महिंवा श्रूक्षागा श्रु-ষ্কৃতি॥ বন্ধুনা মেচ্চু ভরণ থেচ দূর:-দুপাগতাঃ। বেষা করে।তি বৈ नन्तः भव्रत्नाक नेहाम्जूः ॥ 🗯॥ ভবত্যস্য নি বেহঃ সহবাসিষুকা-या । शूर्व भिष्वेषु रेम शिन्। भी कि गरेप का वाजि है। जैयन ने वृत्तक नी यि विञ्रु मिन्नि भिः।। मनीन म खे छ मदी नते उद्दीग उद्दूर ভবে । द्य कार्भाम थान ग्रामि कन श्रुष्ठ शतिभूरः रे जुला विक्रम नद्भानाः मुक्तानीनां र्शामुत्न। काशानीनाः করোত্যেষ যহান্যজ্ঞল

क्य विकय सश्ज्याः नानाव वमाज মনঃ। তজাগান পুষরিণ্যক্ষ তথা-রামান্ করোতি চাবে**ন্ধঞ্ স**রিতা• বৃক্ষা॰ তথা রোপখতে নরঃ। অনু-লেপন পুষ্লাদি ভোগ ভুক্ বাপি জায়তে ৷৷ ত্রিপৌক্ষ শ্চাপি নিধি ব্রি লো নামেতি বিশুক্তঃ। 🕸। স্বজ ন্তমে। ময়শ্চান্যঃ শহ্ব সংজ্ঞো হি যে। निधिः॥ তেनानि नीयए विशु उहु-ণত্নু• নিধীশ্বরঃ। একসৈত্র ভবতেত্রৰ नतः भाना मूरेशिक है।। यभ गद्मा निर्दि उम्र मुक्तः कार्थेक मृत्। ৰ্থক এবা আনা মৃষ্ট মম ভুড়কে তথা_ত বর"৷৷ কদম ভুক্ পরিজনো নচ শ্রোট ভन वृद्धक्टा नेप्रमाञि मूक् **डा**र्या। जूउ (भो्ब मुर्वि मियु।। यशायनभाकः শ্রন্থীনরে। ভবতি স্কর্মন। ইত্যেতে নিধ্যঃ খ্যাতা করাণা মূর্যদেবতাঃ ो भा मिणुक्त नाकिर के भिन् य ভাব ফল দুর্ঘিনঃ। মৃত্যু খ্যাতঃ ুৰুভাৰমভৰত্যেক ব্যিকাকনাৎ॥ সর্বেষা মাধিপতে 🛊 চু-জীরেষা ু দ্বিজ পদ্মিনী ॥ শ্বি ইতি মাক্তেব পুরাণে নিধি ক্রেক্ট্রণা ানবিদ্ধান্ত পুণ কবেরঃ। ইতি ত্রিকাও

निन्ता **(भवः**।। निधीभः अनिधीश्वतः। निधि-**পु**जूः। इंडेप्रस्यः ॥ निधुवन॰ ङ्गी निथुन॰४। ইত্যমরঃ॥ नर्भाः। किलः। इति ममुद्रद्वावनी ॥ कन्नः। इंजि स्मिनिनी ॥ निध्यान द्वी पर्यन । इन्यान ॥ निधानः श्रु भयः। इंछि भयत्रा वनी ॥ নিনদঃ পু• শবः। ইত্যারঃ।। निनामः श्रुः भयः। ইव्यवहः॥ निन्तकः जि निन्ताकातकः। यथा। ন ভারাঃ পর্বতা ভারা ন ভারাঃ সপ্ত সাগরাঃ। নিন্দকা হি মহা-ভারা ভারা বিশ্বাস ঘাতকাঃ॥ **ইতি कर्मा**लाচन•॥ निनर्जनः बि निन्तिज्ञ सः। इंडि भदवज्ञावनी ॥ निन्मन क्री निन्म। इंडि नम्बद्भावनी নিন্দা জী অপবাদঃ।। দুষ্কৃতিঃ। ইতি नम्बद्भावनी॥ निन्तनः। उट्शर्याः) यः। अवर्गः र आक्तिकार निर्देश्स ৪গরীবাদঃ৫অপবাদঃ৬ উপকো-मः १ जुख्या ५ ज्र मा २ गईन १०। ইত্যমরঃ।। গর্হা ১১ রৎ সমূণ ১২ প-রিবাদঃ ১৩ জুভপুন: ১৪ অপক্রোশঃ

अर्थे के किया है। इंडि ममनेनावनी । अर्चभ १८ थिक कियी। भा इंडिएस्यहन्तुः ॥ # ॥ इर्वे (इ-अविञ्चलकि विनरायाः प्रार्था यथा । হর কেশব্যে আক্র যেচ নিন্দ্ স্তি भाभिनः। कृतिवान् वाञ्चनाः देकव ষ শুৰু শচ পতিবুতাঃ ॥ যতি ভিক্ষু वुकाराति भृष्टिवीकान् भूताः ख्या। পচ্যান্ত কাল সূত্রে তে যাবচন্দু দি-वाकरतो ॥ स्त्रया मृत भूदीरवकु म् রতে তে ক্লিনিশ। ভক্ষিতাঃ বী निकरेतः भूमः कर्वस्रिकाजताः॥ নিন্তি চ্বুকাণ সুইার• জগতাং एक । निव मूर्ताना भुवद मूर्गा লন্ধী সরস্বতী ।। সীতাঞ্চ তুলসী বিস্ফোর্যায় 💀 🕸 🕸 🚓 গঙ্গাণ বেদাণশ্চ বেদমাতর । বৃত তপস্যা প্রাঞ্চ মন্ত্র মন্ত্রপুদ গুৰু । তে পচ্যন্তে শ্বকুপে ৰৈ চা-यूर्याक् विष द्राहा। जिक्नाः नर्श म-रेघ्क नकः कर्नुहि मञ्च ।। या নিন্তি জ্বাকেশ দেব সাম্য বি-शाय है। विकुछिक्त्रुत्तरेकव भूजानक नुस्यः भवः ।। द्वाक्षाः उपक्रका (गार्शी ता वार्षा का महाद्विज्ञान्। एव भूष्ठा-। एउ १ वर्षे एक देशक व्याप्त मान ।।

निन्ता वाशाम्या उक् द्या मृशामारान বেষ্টিতাঃ ভক্তি বিকৃত্বিকারেঃ कीरिः गोर्भः नगौत्री ७: ॥ अधीव কাতরা ভীতাঃ সাক্ষ সরস্তি সম্ভত । त्याचा म्ब शूतीयाणि धुत जक्षि क्वाञ्जिः॥ उन्नाः मर्गे क्ट्रीन् তন্মুখে যম কিন্ধরাঃ ৷ ক্রিমন্ত্রিত-र्जन कृषा अर्देष्ट्रिस खठाएन ॥ अ-মন্তি মূত্র শাসক পুহারৈ ভ্ষিতা ভি या। उमा कद्मारुख गुर्दे मृत्ये भूष म भूनः ॥ जिना जत्र पुरीकात इंड्राइ कमर्जी ख्या श्रातनित्र वि नामां विनिन्ता य्माम नेत्र । इंडि বুকবৈৰ্ত্ত ত্ৰীকৃষ্টীমখণে ৪০।৪১ मर्छ्यान (एक निन्तात्रका क्षेत्रा। विक निक्तात्र्जा रेजिय भनमाशि ने रय ।। व ठाजार शुन्र स्मु

क्रिंवि । यह निन्हा । एहर निनतः नुसान्त निक्ट्रिय ॥ यर (मवा न्यी रे वेदम वा निक्रि हि कः। न उने प्रिकृ ि मृश्री नारक्षि र गूनी यत्राहेम निम्तिए एक वर्ष स्वमः वा त्यार्श्यस्ता केन क्रिक শত সাগৃ রৌরবে সচাজেনির

निन्तोस्र

ज्वै नामीतं निन्तायाः निव्यार किकिम्डदः किलो शिर्याय गरुष्ठः न किनामवानोकारणः ।। वर्कारदेष श्रद्भान ग्रद्धां गर्ना वृद्धान न नित्नत्याणिनः निष्नान् वृद्धिमाना येजीः ख्या। प्रवज्यायनः शास्त्रा प्रितामाकृति ख्या। हित कोर्प्य उभिति जार्गा १० ख्या। । हित कोर्प्य

निन्ति स्विक्ताः द्वाद्याच्याः गम्यः द्वाद्याः स्विक्ताः द्वाद्याच्याः गम्यः द्वाद्याच्याः स्वित्यः स्वतः स

নিক্সিন্ত কিন্দ্রান্ত তি বপুষা ইতি কাব্যপ্রকাশ: II নিপাত

নি দিন্দ্র বিদ্যায়িক। উৎপর্য্যায়ঃ শ বিষ্ণুতঃই অসম্বর্তঃ নিউৎসিতঃ ৪ ৷ ইতি জটাধরঃ গ

निन्तुः ेी मृठवर मारे निन्तु हैं है के बादिना में निन्तु हैं है कर माया मिन जाति हैं जाति के जुड़ारा निन्तु हैं के जाति के जुड़ारा निन्तु हैं कि भागे हैं स्था निष्टु भूमित का निन्दू विकि एक महन्तुः ॥

निश्रः श्रू क्षी कव्यमः। ইত্যমরः॥ क्षित्रं पृश्मः भूगः ইতি भवतिमुका

নিপটঃ পু॰ পাটঃ। ইত্যমরঃ ।।
নিপত্য জী বুজত্মিঃ। ইতি মুগকোৰ টীকারা দুর্গাদানঃ ।।
নিপাঠঃ পু॰ পাঠন । ইত্যমরঃ ।।
নিপাকঃ পু॰ পাকঃ। ইতি শদররা

वनी ॥

নিপাতঃ পু• মৃত্যুঃ। ইতি ত্রিকাও-শেষঃ।। পতন•। বথা। বনে বা হর্ম্যে বা সম কর নিপাতো হিম-করঃ। ইত্যানন্দ্রহয়ী।

निमाजन क्री थणीकातः । इंडि ज्यजः॥ व्यक्षानयन । इंडि मर्बस् ॥ ज्यभर्गासः। व्यक्तायः २ । इंडिम-त्रः॥ नियाजन २ । इंडि नेयनानम् ॥ प्राक्त्रण व्यक्त (र्नुष्ण मे स विश्व

क्न । यथा। निया छन्। हिनिकः

भा देशकार्ग ना नुस्तिक उटे नवं नि

পাতন সিদ্ধ নিতি ভাষ্ট্য ॥ निकाइ कार्न रथा। वर्गामाना वर्ग विश्वर्यक स्थित्यन्ति वर्गव नात नार्मो । शाला उत्थानिमायन যোগ স্তুচ্যতে পঞ্চবিধ নিৰক্ত ৷৷ इंजि शाकः। इंजि मूर्गामामः॥ छप्यथा। वर्गागरमा गरवज्ञारहरें जि॰ ह वर्ग विश्वर्यंत्रकः। त्याउँगार्भे वि-कातः मोट वर्गनामः श्रमारत ইতি কলাপপঞ্চী॥ নিপান ল্লী কূপ সমীপ শিলাদি নি-্বদ্ধ পশু সানাৰ্থ কৃত কূপোৰ্তাম স্থান। ইতি ভরতঃ॥ তৎপর্য্যায়ঃ । আহাবঃ ২। ইত্যমরঃ ॥ গো-দোহনপাত্র•।ইতি ত্রিকাণ্ডশেষঃ॥ निश्राः वि कार्यक्रमः। उट्शर्यप्रायः। পুৰীণঃ ২ অভিজ্ঞঃ ১ বিজ্ঞঃ ৪ নি-ফাতঃ ৫ শিক্ষিতঃ ১ বৈক্তানিকঃ ৭ কৃতমুখঃ ৮ কৃতী ১ লশলঃ ১০। **इ**ज्या अध्यायान् ३३ मिल्यान् >२ ब्रमागीयमिकः १० कृष्टिः १८ विषुत्रः १० वृषः १५ मकः ११ तिषि ४: ১৮কতথী: ১৯ সুখী: ২০ বিদ্ধান ২১

कृ उद्या २२ विद्वा गः देश विषयः २८ वर्षाः २० ल्या ११ রিশারদঃ২৮ সুমৈধাঃ ২৯ সুমতিঃ ०० जीमः ११ क्रिक्नवान् १२ विवृधः ०० विष्ने ०८। इंजि नाजनिय्यः ॥ निकना जी ब्लाजियुजी । शैं ভাবপুকাশ: বা ন্নী অঞ্চন । ইতি রাজ-নির্ঘণ্ট হয় निवद्यः भी भी जा विकास मानावनी निवदः शृ (याना हाता के भ्राइम्। বৃত্তি: । ইব্রি হেমচনু:।। নিয়বুক: ा इंडिंट हो धतः ॥ यकत् प्यथा । रिक्वी अन्त्रिष्टिक्षिकाय निवक्ताया-সুরী মতা। ইডিঞ্জী উপয়েরীতা।।। निवकन की एक्जूः। है कि एक्सहम्मुः ॥ उपनारः भिजु वीना जर्जनिव-ন্ধনোদ ভাগঃ ইত্যমরঃ মুব্রুবঞ্চ निवचकर्छ। । गुष्टकर्छ। । निविक्षि औ वकः। निवक्तं २ म জাতঃ ইত্যুথাইতপ্তুগ্ৰ নিম্নন্ধা निवर्ग की सम्बंग । देखामबर्ग

রন্ধবলী। নিভাল্যা স্নী কৈনিং। ইড়ি ত্রিকাও শেষঃ।।

নিভ্ত বি স্ত্তি। ভ্তকাল:। ইতি রাজনিষ্ট: ॥"

নিভূতঃ ত্রি বিনীতঃ ।। নির্জনঃ। যথা।
বিন্তৃত নিজ্ঞা গৃহ• গত্যা নিশা
রহসি নিলীয় বুসন্ত•। ইতি শ্রীজ্ঞা
যদেবঃ ।।

निमक्तिष्टः श्रु भयनः। यथा। उत्तर कार्यक्षाः नाष्ट्रं भरनाहः विद्य-

निभक्कनः क्री ज्ञानः। श्वन्ताहनः।
या। नाख्यानः क्षतक वर्णस्टिनः
या। नाख्यानः क्षतक वर्णस्टिनः
यः श्रेष्ट्री प्रमुश्रामाः मृद्धिमञ्जन न
योग ज्यायाः। ইতি নৈষধে পयभ्य गर्शः॥

निमञ्चनः क्री निश्वाकनिद्धनेष्ट्रः। णव यम् । क्रिक्ट जुकी जुन्तान् ।। यम् । यथा । इंट जुकी जुन्तान् ।। यम् । क्रिक्त शुज्जवाद्धिक्षां । व्यक्तान् । स्वानः । इंट्यूस्ती ज ज्वान् । रेजिनिक्रिक्तान् । व्यक्तान् । विनिक्र क्रिक्ताः पूर्णामामः ॥ निभयः (शुः विक्रिनयः। ₹ ७ भावः।। নিমিঃ পু॰ ইক্ষর্ভপুঞ্চতস্ निम्बर्व शिक्ष कात्रने र्या। निमि नाम ज्ञाः जीिं। श्रुवा इंडि-मही-ব্যত। তঞ্জাম্বরেক্তাজগাম বলিগ্রে वुका मख्यः॥ उम्र भूका सम्बंह॰ শশাপ সমুনি ন্প। বিরেতা স্তৃ। च्याब्रि मेखर नाग्रामी भूनः॥ অন্যোন্য শাপাচ তথো বিশরীরে विक्रिज्ञी॥ बग्रज्ः मान नामाय বুন্ধাণ জগতঃ পতিশা অথ বুন্ধণ আদেশালোচনেষু বসমিনিঃ। নি-भियाः मुरण लाकाना जिल्लामा-य नात्रम ॥ ইতি নই সঁত্ৰুরাণে ৫৫ व्यथायः ॥ 🗱 ॥ मञास्त्रः यथा । নিমিঃসহসু সংবৎসর সত্র মারে ভে।বশিষ্ঠঞ্ছ হোতার বর্ষামাস । जमार विभिष्ठः। यर मित्नुग शक् বর্ষ:শত যাগার্থ- পুথমতর- বৃতঃ। वाग्रञ खवालि विद्युदिष्ठाभी-ज्याक त्यामि उर्देश वितानि র্গোতনাদিভি র্যাগ মুকরোৎ। স-मारि हामत्रशिक यार्ग जुतावान् विनिष्ठ जाजगान। उटक्य कर् प्रशाजनमा पृक्षेत् वायः बिहर्रा

क्वियाजीजि साथ मामी । । । मधीत गाम । मृज दिन जिल्हो। य-क नगुंद्धी जाग गुहनारामठान् प्ततुर्भ अविक छेठूः। यक्रभागाय व-রো দীয়তামিতি দেরৈ স্কর্ছ নিতো নিমি রাহ। নহেতাবতি জগত্যন্য मूः च मिंख यह ती ताजा (न) विरंपात्र ভবতি। उদহ निद्दामि সকল লো-চনেষু वस्त । न शूनः मतीत शुरु १º কর্ত্তু মিত্যের মুক্তে দেবৈ র্সাবশে-ষ ভূতানা নেভেন্বাসাণ কারিউটী 🕽 ততো ভূতানুগৰেষ নিনেষ চনুঃ 🕻 ইতি বিষ্ণুপুরাণে **৪ অণশে ৫ অ**-भ्रायः ॥ के

নিমিত্ত শ্লী হেতুং ৷৷ চিহ্ন ৷ ইত্য गतः॥ मञ्जनः। यथा। निमिक्तानिष्ठ পশ্যাম বিশরীতানিকেশব।ইতি গ্রিভগবদ্ধীতা।।

নিনিত্তক॰ ল্লী চুম্বন॰। ইতি শব্দালা। ा। निनिच्छ ॥

নিমিক্তনশঙ্গণং দ্রী সমবাধিকারণা **স**মবাযিকারণাভ্যা ভিমণাতৃতী ষ কারণ। য়থা। ঘট পুতি জলা क দওচৰু সলিল সূত্ৰাদি।ইতি ভা ्यानिहिष्ट्र निषाञ्च मुकाबलाने ॥ निम्बक् र्र्जी

নিমিত্ত ুৎ কাকঃ। ইতি রাজ-निर्घक्ते॥ নিনিত্তবিৎ পূ हैंप के खिरा गर्नकः। ইতি হেমচন্দুঃ निभिषः शूर विकृत्या यथा। निभित्या **ৎ**নিমিষঃ সুগী বাচস্পতি **ৰুদার্থী**ঞ্জ । ইতিবিষ্ণুসহসুনাম।। কালিকি यः ॥ ठकुर्निगीननुः। इंजि सिरिनी निभी लन श्री मृत्रंगः।। निस्मयः। ইতি (इगठनंतुः॥ निभी निको जी नाजः। इंडि नम-बजावनी ॥ भिनीनः 🛊 ॥ जित्मयः अभितिम्यः। श्राहीवर्छः । ইক্সমরটীকাষা • ছবুতঃ।। নিমেয়ঃ পু॰ পদ্ম" ক্লালঃপপ-नक् इंठि ভाषा। उक्तीर्यं । निभिषः २ मेडिनिभी जन ० १-३६७० नमत्रवावनी ॥ १ एमा सावट कान

মক্তিয় নত বিক্শান্তর পদ্মা-ব্যঞ্চন বাদতে স ব্রিম্যঃ। ইত্যমর টীকাশা পত্নী শ্লী অফিপ্ৰ ন্যঃ পরিকীর্ভিতঃ भ तिस्किरशा नि १ (को निरम्पूर्वे क्रिक्ट्रिया एक जूरे) हैं। बदः मृठः ॥ स्वीतिभूतानः॥ भव्यानाः!

निम्बक्के (गून थान्त्राजः। ইতি जिका अल्बिकः॥

নিমুণ ত্রি নিজুরার অভ্যাস: শীল মত্র তথা নিচু ইাও নাবাল ইতি চ ভাষা। তথপর্য্যায়: 1 গভীরণ ২ গ্রেম্বারণ ১। ইত্যমর: 11 গভীরক ৪ । ইতি শক্রেরাবলী 11

নির্গা জ্রী নদী। ইত্রেরঃ ॥ নীচ পামিনি ত্রি ॥

नियः भू वृक्षिविष्मेषः। निम् इंडि लाया। ल्य्भर्यायः। अतिश्वः २ সর্বতো ভদুঃ ৩ হিন্তু নির্বাসঃ ৪ ম लकः ६। शिर्मियः ७। ইত্যাतः ॥ অক্সাদ্পঃ ৭। ইতি হেমচন্দুঃ 11 रिक्रियः ৮ वज्र वृत्दः २ इ सिन्धः १० । देजि दब्रगाचा ॥ এভদুঃ ১১ পারি-**जिं**क प्रे का क्वा के की दि है: ১৪নেতা ১৫ ুমনাঃ ১৬ বিশ্বর্ণপর্ণ ३९ यवरमञ्ज ३৮ की क्यांत्रकः ३३ भी ७: २०। इति, नार्जा नर्यक्टः ॥ शिहूमनरः २**३ छिन्नदः २२ । ই**তि ্ভাবপুকাশে । প্রস্যু গুণাঃ। শী-ত্ত্ব । তিক্তবি । কিফ বুণ কিমি শাফ শান্তি ক।রিব্ৰণ বলা-

ज क्ट्रविध शिख्रमाय इम्युदिनार नामिद्व । इंछि ताजन्द्रिकः ॥ वयुष् । गु।हिष् । स्रूप। किष् । আই বাত কারিত্বণ অক্সংগ্রন্থ <u>ज़्र क्रे काम इताविधि इपि अर्थ</u> इब्राम (गर्मानिप्क।। उट भव গুণাঃ। নেত্রহিত কারিত্ব কৃমি পিত্ত বিষ সর্বারোচক অন্ত নাশি-ত্ব• । বাতলত্ব• । কটুপাকিত্বঞ্চ।। তৎ ফল গুণাঃ। রসে তিক্তত্ব॰। পাকে কটুত্ব॰। ভেদনত্ব॰। স্থিত্ব৽। वयुद्ध । उकद्भा मह खनार्भः কৃমি মেছ নাশিত্বঞ্চ। ইতি ভাব-भूका**नः** ॥ # ॥ ज्रेडन खगः । নাত্যুক্তবং। কৃমি জ্প ক্ফ ব্ণোষ বুণ কণ্ডৃতি শোফ হারিত্বণ। পিত্ত-ल पुष्ण। इंजि ताक निर्घणेः ॥ 🗱 ॥ নিম্বণ পিত্ত কফ ছদি বুণ জ্লাস ষষ্ঠ ৰুং । নিয়পত্ৰ• ইতি বা পাঠঃ ।। 🗱 ।। করঞ্জ নিম্বজ ফল॰ কৃনি স্ব 🔊 পুমেহ জিৎ ॥ 🗱 🖫 নিশ্বতৈলন্ত অধ্বন্ধ তিক্ত ক্মি হর পর । ইতি রাজবল্লভঃ।। নিম্বকঃ পু॰ নিম্ববৃক্ষঃ। ইতি ভূরি-

भुयागः॥

নিশ্বতকঃ পু॰ মন্তারবৃক্ষঃ।ইত্যমরঃ॥
নিশ্বনীজঃ পু॰ রাজাদনীবৃক্ষঃ।ইতি
রাজনির্ঘণীঃ॥

निष्कः, शुः वृक्षवित्नयः। क्राग्की-तिवृ इं ि आ्या।, लक्ष्मर्यप्रायः। ॥ অমুনশ্বীরঃ ২ বহিঃ ৩ দীপ্তঃ ৪ ব হ্রিবীন্ধঃ ৫ অমুসারঃ ৬ দন্তাঘাতঃ প শোধনঃ ৮ জন্তমারী ৯ নিদূঃ ১০ রোচনঃ ১১। তৎ ফল গুণাঃ। তম্ম त्रमञ् । कृष्ट्द । े कद । अन्याम-বাত কাস কফার্ত্তিকণ্ঠ বিছাদ ই রত্ব॰। অগ্নিবৃদ্ধি কারিত্ব•। চঙ্গুষ্য ত্ব-। পরিপক্ষে অতীব ৰুচ্যত্ত্বঞ্চ। ইতি রাজনির্বণ্টঃ ॥ পাচনত্ব• । ল-'য়ুত্ব॰। ক্মি সমূহোদর পুহ নাশি-ত্ব । তীক্ষর । বাত পিত্ত কফ শ্ লিনে। হিতত্ব•। কপ্ত নপ্তক্চি রোচ-নত্ত্ব বিদোষ বহিক্ষয বাত রোগ নিপীডিভানা বিষ বিশ্বলানা ম-লগুহে বন্ধগুদে বিস্চিকায়াঞ্ পু-দেয•। ইতি ভাবপুকাশঃ॥ 🕸॥ ভাগৈক নিষুজ তোয় বড্ভাগ नर्कतामकः। नवन महितामिनुः পানক পানকোন্তন ৷৷ নিধু ফল ভব• পান মত্যন্ন• বাত না**শ**ন• ।

বিয় দীপ্তিকর কচ্য সম্প্রাহার
পাচক ।। ইতিরাজীনির্ঘণ্টঃ ॥
নিযতঃ ত্রি সংযতঃ । যথা । কার্ত্তিক
শুল্ল পক্ষস্য দিতীর্ঘাযা নরাধিপ।
পুল্লাহারোর ব্যেক তত্রৈব নিযতাঅবান্ ॥ ইতি ভবিষ্য পুরাণে দ্বিতীয় কল্পঃ ॥ নিত্যঃ। যথা । অন্যথ
সিদ্ধি শ্ন্যস্য নিযতা পূর্বর্তিতা।
কারণর । ভারত্তম্য তৈবিধ্য প্রাণি
রিকীতিত ॥ ইতি ভাষাপরিছেদঃ
নিযতিঃ ত্রী ভাগ্য । দৈর । ইত্যমরঃ ॥ নিয়মঃ ইত্রি

नियं की पूर्ण। यथे। याजिः मः

यात्रशाप्ति नियं के विवास छ।

के जिप्ति भूतारा निक काथः। यः॥

नियं कि मुक्ता वि मः या । अख्या ।

के नियं के निय

नियक्षिजः वि^{र्} व्यवाशः। व्यन्ति । स्मिर्जन्मुः ... নিবসঃ পু• শৌচ• সম্ভোষঃ তপঃ साधायः स्थ्रित्रभूनिधानकः। ইতি विनाडमातः ॥ शुचिका । यदी কার ইতি যাবি ।:ব্রিত । তাদাপ বাসাদি ॥ অনিভঃ নাগত সাধনং কর্ম। ইত্যমরঃ।। মন্ত্রণা।। নিশ্চশঃ 1 ইতি মেদিনী II # II নিয়মাঃ পঞ্ সত্যাদ্যা বাহু মাভ্যম্তর দ্বিধা। **भोठ**• जूडि क मस्त्राय स्थारकिन्त्र्य निगुहः ॥ त्रान भोताशवासका ষাধ্যায়োপস্থ নিগৃহঃ। তপঃ ক্রো-খো গুরৌভক্তিঃ শৌচঞ্চ নিয়মাঃ মৃতাঃ ৷' যমাঃ প্রকাথ নিয়মাঃ **ए**। हिप्त भीति । माहाय छ्लमा॰ रूलाः वामू (मवाईन॰ मन ।। हो े गक्उभू द्वां १ ॥ अ ॥ वुका চর্য্য মহিংসাঞ্চ সত্যান্তেয়াপরি-शुहान् ! (मद्यर याशी निद्धारमा दर्गाणा **स॰ पत्ना नय**्वा साथ्रा-**য শৌচ সভোষ তপ্য সি নি**য়তা-चातान्। नशि कुर्रा ज्या भन स्थिन् श्रुवन भन्ः॥ ७८७ यमाः म नियमाः পঞ্ পশ্ পু নীর্তিতাঃ ॥ হৈতি বিষ্ণুপুরাণে ৬ অংশ ৭ অধ্যা ্ৰা ৠ৷৷ তপঃ সন্তেৰি আন্তিক্য

मान (मरा) श्बन्ध मिनाइ मुत्रा-रिक्षव ही भेडिक हाला छउ। मरेन তে নিয়মাঃ প্যোক্তা হৈছেশান্ত বি-শারদৈঃ।। ইতি তন্ত্রসারঃ।। ১৯।। कि विजा दियमाः। युवा । वर्गसम मन প্যেত মিযমে। १थ পুদর্শ্যতে। ভূক্জ ত্বশ্বিনবত্যের মল্লেয়ে ছেব চন্দ্র-।। সামান্য বর্ণনে শৌল্যু॰ ছত্রাম্ভঃ **পুञ्ज वाममा॰ । क्ष्यदः क्रम का**का-हि भाषानिधि भाषामूहाः । इक-দ্বার বন্ধু ন বিদ্যান্তোজ বিবস্বতা। । তথা বসন্ত এনান্যপুটানা॰ কল-কুজিত ।। বর্ষায়েব মযূরাণা কত न्ठा 🗢 वर्गरय था 🐞 🗓 नियन मा वि-শেষোথ পুনঃ কশ্চিৎ পুকাশ্যতে।। कमलामन्त्रामाः कृष श्रित्ता नीत मर्भाराः । भी उ लाहि उत्याः सर् পরাগাণ্নিশিখাদিরু॥ চন্দেশ শৈ-वार्याः कामश्रु नकत्र मू मार्याः। **मानवामुब देमञ्जाना देनक्र (नवाञि**-সমত ।। বহুক। ল জন্মনোপি শিব-চন্দুস্য বালতা। মানবা মৌলিতো বর্ণ্যা দেবা ক্ষরণতঃ পুনঃ ৷৷ ইতি কবিকল্পলভাযা৽ ১ স্তবকে বৰ্ণ্যস্থিতি ৰ্নাম তৃতীয় জনুম ।।

(नियुज

नियमन की नियमः श्रेष्णा मंडवाणिथा नियमन जिन्न गाँ । इंडि कार्य भुकार्म किंडी याक्षा मः ॥ वक्षन ।
यथा। दल नियमन मिजू प्रकृष्टिः ॥
नियमिजः वि कृजनियमः॥ वक्षः ।
स्था। कृमाः मञ्जाम माउ विक्षरिज इत्रयः कृत्र माज्ञ मञ्जा यूगएए दिष्ठ नुक्का म्यिजिशतम्भी मायका निञ्ज जा । एमोभित्व िष्ठ शाव प्रमिश्र निक्ष जुञ्ज नीना नियमिञ
कनिष ताम मद्ययामि ॥ इंडि
ग्रामोदिक ॥

নিয়াতন শ্লী নিপাতন ইত্যার ট্রী নিয়া ন্যনানন্ত ।।

नियानः श्रु॰ नियमः। ইতি শব্देशः। वनी ॥

নিযামকঃ পু॰ পোতবাহঃ। ইত্য নরঃ॥ কর্ণধারঃ॥ নিবস্তা। ইতি মেদিনী।।

निगुङः कि नियागिविणिश्वः॥ अवधातिजः॥ आक्छान्छः। यथा। जानानि
थर्मा निव् कि भूवृद्धि जीनाम अर्मा निव् मि निवृद्धिः। द्या क्षीतिम कि मि विद्धाः। द्या क्षीतिम कि छि उन यथा नियुद्धामि उथा करतामि॥ इक्ताङ्गिक दुः॥ निगुष्ठ सी निम् । इक्तमद्वः॥ यथा। **নিযো**জ্য

सिन्नाः नियु छ श्रामा मिनि नियु छ निका । इनि के सिन्ना ।। मान महम मयू छ नियु छ श्राम ।। मान महम मयू मयू छ नियु छ श्राम । इनि कमा प्रमा छ ।। इनि कमा प्रमा । कि एक मान कि नियु छ ।। प्रमा कि मान कि नियु छ ।। प्रमा कि मान कि ।। विका प्रमा हिन्म ।।

निगुषा॰ क्री वाल्यूषा॰। इत्रानतः॥ नियागः शृ॰ व्यवधातः। ইতি पूर्णाः मामः॥ व्याद्धाः। ইতি इसटन्मः॥

নিযোগী ত্রি নিযোগবিশিষ্টঃ।নিযুক্তঃ। তৎ পর্বাযঃ। কর্মসচিবঃ ২
আযুক্তঃ এব্যাপ্ হঃ ৪। ইতি হেমচন্দুঃ।।

नियागाः ि नियागाईः। शृङ्ः। इंडि गुक्षाः एत्रकः ।।

नियाजन ने नियागः। (পुत्र १ । यथा। द्विय ट किय जागि कि-याजू नियाजन (পুत्र १ । ই जि मूर्गा-मानः॥

িযোজ্য: ত্রি পুেষ্য:। কি

নিরব

পু॰ অঙ্কুটঃ। ইতি রাজ 🝴 निर्धकः॥ देश्यिक्षकाती ह ॥ नित्रकूणः वि अनिवार्याः। वाशाण्ना । ইতি জটাধ্রঃ ॥ नित्रक्षना जी भूगिना। इं भाष-भाना॥ अक्षनम्त्र वि॥ নিরন্তর • তি নিবিড । ঘন • । ইত্যমরঃ ॥ ञनवकामः ॥ ञ्रनविदः॥ ञ्रन तिथान• ।। **जन्**खधान• ॥ ष्राट्यनः ॥ अजामर्थाः ॥ यहिष्टुः ॥ वनावी যগা গাবিনা।। অবহিঃ।। অনবস-इः॥ অমধ্য ।। অনন্তর । আ এতে 🖈 নি ৰুপ্সৰ্গ পূৰ্ৱকান্তর শব্দার্থাঃ 🕦 निवृद्धान्तानः श्रू सार्गायः। इति (ক্রিকাঞ্জাবঃ।। সততাবৃত্তিক।। নির্গএপঃ তি পৃষ্টা নির্লজ্জঃ। ইতি জটাধ্রঃ !! নিরপেক্ষঃ ত্রি অনপেক্ষঃ। যথা। অভিধাতু প্রে ২ন্যামন নিরপে-ক্ষ রবা শু ঠঃ। ইতি নলনাসতত্তু नित्रयः शूर्भनत्रकः। इंग्युन्दः॥ निवर्गनः वि क्रिंग्शंनः (अवाधः । ইত্যনরঃ॥ निवर्थकः वि निद्वनः। उৎ शर्यप्रायः। 🗸 भारा २। इंडाम्ब्रः॥ ন্য । পু॰ নীরবঃ। রবাভাবঃ। ইতি

পূৰ্ব ক খাতে। রলি নিল্লমঃ॥

ज्ञाननक म

নিরবগুহঃ পু॰ সত্তঃ।ইত্যারঃ॥ বৃষ্টিপুতিবস্বাভাবেট।! নিরবহালিকা জ্রী পাচীর•।ইতি শব্দালা॥

নিরশন প্লী ভোজনাভাবঃ। অন-শনং। ইতি নির্পূর্ব অশ ধাতো রনট্পুত্যধ্নিয়নং॥

নিরসঃ পু॰ নীরসঃ। রসাভাবঃ। রসস্যাভাবঃ ইতি তৎপুরুষ স-নাস নিয়মঃ॥ তদ্বতি তি॥

নিরসন শ্রী পুত্যাখ্যান । ইত্যারঃ
। বধঃ।। নিষ্ঠাবন । ইতি মেদিনী ।।
নিরসা শ্রী নিঃশ্রেণিকাতৃণ । ইতি /
রাজনির্ঘণ্টঃ ।।

নিরস্তঃ ত্রি পুহিতবাণঃ। ত্যক্তশরঃ।।
ব্রিতোনিতং। শীঘুোছারিতবচঃ।।
নিরাকরণবিশিষ্টঃ। তৎপর্য্যাঝঃ।
পুত্যাদিষ্টঃ ২ পুত্যাখ্যাতঃ ৩ নিরাক্তঃ ৪ নিক্তঃ ৫ বিপুক্তঃ ৬।
ইত্যমরঃ ।। পুতিক্ষিপ্তং ৭ অপবিক্ষণ ৮।ইতি হেমচন্দুঃ।। নিষ্ঠ্যতঃ।।
পুবিতঃ।। সংত্যক্তঃ।। পুতিহৃতঃ।
ইতি মেদিনী ।।

नित्रक्रातमः श्रु व्यक्तारमः। श्रम
. जाम्न्यज्ञानः। म ज् श्रद्धं ज्यायवर्षं यमरकाहिः। हिक्ताः जात्रज

বর্ষে লক্ষা। পশ্চিমে কেতুমালবর্ষে রোমকঃ। উত্তরে অকবর্ষে সিদ্ধপুরী। এতাঃ ভূবৃত্তপাদ বিবরাঃ অন্যান্য পতিষ্ঠিতাঃ। তার্সান্যপরিতা বিষুবস্থা দিবার্করো যাতি। তাসু বিষুবস্থায় প্রস্যোমতিক্ষ নদ্শ্যতে। তত্ত্ব দিবানান রাত্রিমানক্ষ ত্রিংশলাডিকাঃ। ইতি সূর্য্য সিদ্ধাহনতং।।

নিরাকরণ শ্লী নিবারণ । নিরসন । ইতি নিরাকরিষ্ণু শন্দ টাকাযা । ভরতঃ ॥

निताकित्रकृः वि निताकत्रभगेनः।

जट्भर्यप्रायः। किन्नुः २। इज्प्रमतः॥

निताकातः भू॰ भत्रत्मभतः। नुक्रा॥

यथा! माकात्रक्ष निताकातः मछन॰

निर्छन॰ भुङ्। मर्वाथात्रक्ष मर्वकः

(महाक्षभः नगानप्रशः॥ यभिष्ठ।

रञ्जः यक्रभा जगवान निताकातः।

निताभुयः। निर्वित्था निर्छनः माक्षी

यायातामः भत्राष्ट्रभतः॥ थप्रायष्ठि

रयाभिन स्यक स्रुनीय मणतीतिनः।

रिक्योरेण्य माकातः कमनीयः म
राष्ट्रतः। किविवृज्कं कः मान्तः

नाष्ट्रतः।। किविवृज्कं कः मान्तः

नाष्ट्रतः।। किविवृज्कं कः मान्तः

नाष्ट्रतः।। किविवृज्कं कः मान्तः

नाष्ट्रतः भावावतः।। विज्कं

कमनीयकः किर्णातः भागमनून्यतः।

শান্ত গোপাঙ্গনা কান্ত রব্ন ভূষণ ভূষিত।।। এবং তেজস্বিনং ভক্ত্যা সেবন্তে সতত মুদা।ধ্যায়ন্তিযোগি-নো যুত্ত হত ভেজস্বিন বিনা॥ অ-পিচ। যো ির্গুণঃ স নির্লিপ্তঃ **শক্তি**-ভেগ নহি সংযুতঃ। সিস্কু রাশ্রিতঃ শক্তো নির্গুণঃ সম্রণো ভবেৎ ॥ যা-বন্তি চ শরীরাণি ভোগার্হাণি মহা-মুনে। প্রাকৃতানি চ সর্বাণি ত্রীকৃষ বিগুহ॰ বিনা।। ধ্যাযম্ভে যোগিন শুঞ্চ শুদ্ধ জ্যোতিঃ স্ক্লিণ্। ইস্ত পাদা-দি রহিত । নির্গুণ পুক্তিরপর ।।। বৈঞ্চবা স্ত: ন মন্যন্তে তক্তকী সূক্ষ দশিনঃ। সতা বভূব তভ্রেগতি র-হো তেজস্বিনং বিনীয় জ্যোতি রভ্য-ন্তরে নিত্যু শরীর भग्रमসুন্রে। অতীবামূল্য সদুত্র ভূষণেন বিভূষি-ত ৷৷ এব তক্তাক ধ্যায়ন্তে শশ্বচ রণ সেবিনঃ। যোগিনে। যোগকপ্ৰ কালে ভক্তি বিসাকতঃ। জ্যোতি রভ্যন্তরে মূর্ত্তি পশ্যন্তি কৃপয়া পু-ভোঃ॥ ইতি বুন্ধীবৈবর্ত্তে গণপতি খ-(७०२। ११ ८२ अथ्रायः॥ 🕸॥ उन्र षिठ दातिः नजानानि यथा। जगाना রযোনি স্তু মনস্তো হব্যয় এবচারের তিঃ স্বৰূপো হ্যান্থ সংগ্ৰা महान् ॥ ज्कानूरताथाँ 🕄

নিরাবা

नित्राकारतः। नित्रकृषः । नित्रं रहा
निथ्नाथारतः। निःश्वरकः। निक्शपुतः
।। निक्शाधिण निर्नारधः। निर्दाशिन्याः। स्वायाः निर्वाशिकः। साञ्चातामः श्र्वेणाण्यः। स्वायः
स्वर्वरकः। साञ्चातामः श्र्वेणाण्यः। स्वर्थः
सर्वरकः। स्वरं सर्वण्याण्यः। स्वरं स्वरं स्वरं मुर्थः। स्वरं स्व

নিরাক্তঃ ত্রি পুত্যাখ্যাতঃ। নিরন্তঃ । ইত্যমরঃ॥

नित्राक्िः जी नित्रमतः। नित्राकतः। । ইত্যমतः॥ অनः कात्त असास्ता-यह। जि। ইতি मिनी॥

নিরাচারঃ ত্রি অনচোরঃ। আচারেশ্ন্যঃ
।নির্ন বিদ্যুতে আচারে! যস্যুসঃ।।
নিরাতপা জ্রী রাত্রিঃ। ইতি শব্দ
চিন্দুকা।। আতপশ্নেগু ত্রি।।
নিরাবাধঃ ত্রি পক্ষা ভাসবিশেষঃ।
ক্রিয় অপুসিদ্ধ নিরাবাধ নিরর্থ ।
বিশ্বিদ্যাজন । অসাধ্য বা বিশ্বদ্ধ ।

নিরাহা

বা পক্ষাভাসং বিবৰ্জবৈ । নিরাং বাধং অমদ্গৃহ পুদীপ পুকালে-নাযং মগৃহে ব্যবহরতি। ইতি মি-তাক্ষরা।

निज्ञानयः नि जागज्ञहिनः। छ

भर्गायः। वार्जः २ कनाः १। इन्छान्

नजः॥ नीक्षः ४ भट्टः ६ উद्धारः ५

नजः १ व्यापः ५ निज्ञान्यः २।

जनान्दक्षाभि भाठेः। इन्जिज्ञाङ्गः

निर्वाणः॥

निकामयः श्रृ॰ ইডিকু: i वनहशनः । ইতি मिनि ॥ शृककः । ইতি শক্-माना ॥

নিরামালুঃ পু॰ কপিন্থঃ। ইতি শব্দ-চন্দ্রিকা।।

নিরালয়া জী আকাশনা পী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

নিরাশঃ ত্রি আশাশ্ন্যঃ ৷ যথা ৷
ভূতাহে যে পুসর্বন্তি উল্ল: গুছ মচেতসঃ ৷ নিরাশাঃ পিতরো যান্তি
শাপ• দত্বা সুদারুণ• ৷৷ ইতি তিথিতত্ত্ব• ৷৷

নিরাসন• ক্লী নিরসন•। ইতি নিরাজ্-পূর্বাসধাতো রনট্ পুত্যুব নিষ্ণন্ধ• ।। আসনাভাবক্ষ ।।

নিরাহারঃ ত্রি আহারর হিতঃ। যথা। নিরাহারাক্ষয়ে জীবাঃ পাপে থর্মে नित्रीकि

রতাশ্চ যে। ইনি তর্পণ পুকরণা-।

বাহিকাচার ধৃত বচন ।।

নিরিক্ষণী জী তিরক্ষরিণী। তৎ
পর্য্যায়ঃ। অবশুধিকা ২ পটি। ৩

যবনিকা ৪। ইতি ক্রিকার্স্থেশেষঃ।।

নিরিন্ধিয়ঃ ক্রি ইন্দিয়শূন্যঃ। যথা।

অনংশৌ ক্লীব পতিতৌ জাত্যন্ধ বথিরৌ তথা। উন্মন্ত জড মূকাশ্চ
যে চ কেচিন্নিরিন্দিয়াঃ।। ইত্যাদি
দাযভাগঃ।।

নিরীশণ ক্লী কালঃ। ইত্যমরঃ।।

ইশশ্নের নান্তিকে চ ত্রি।।

নিরীষণ ক্লী নির্রীশণ। ইত্যমর টীকা

যাণ ভরতঃ।।

নিরীক্ত হাক্ মবীক্ষিত্র দ্পা।

নিরীক্তি নির্বাহিন নিধনান্ত
কঃ। ইতি বুস্বাবৈবর্তে প্রক্রিক্তর
থণ্ডে চলারি শেষাম কথনে প অধ্যাবঃ।। ইহাশ্নের ক্রি। নথা। নি
রীহস্য ত্বা নৃপাঃ। ইক্যুক্তটিঃ।।
নিরীক্ষণ লী দর্শনা যথা। দুবাত্তথা
মারিশি সেবিতান্ন বিন্যুক্তবাত ক্রম
নিশ্লের। বাশে গুছাৎ সূর্য্য নিরী
ফ্রণান্ত নেত্রে বিকারান্ ভ্নমন্তি
দোবাঃ।। ইতি মাধ্বকরঃ।।
নিরীক্ষিত হাক্ মবীক্ষিত্র দ্পা।
নিরীক্ষিত হাক্ মবীক্ষিত্র দ্পা।

निक्शं

পিবন্তী রভসেন তস্য। সমান মা-নন্দ নিয়• দখানা বিবেদ ভেদ• ন বিদর্ভসুভুঃ॥ ইতি নৈষধঃ !।

निक्कः क्षी (वराक्षणाञ्चविष्णयः।
यथा। निका कल्ला व्याकतः निककः ज्ञाि विष्ठथा। इन्स्राण्डि
यप्रशानि (वरानाः विक्रिंग विष्टः॥
इठि भस्तज्ञावनी॥ वर्गागत्मा वर्ग
विशर्यप्रण इठ्याि ना निक्रियानाः
कः निक्कः। इठ्यात ीकायाः
छत्रज्ञा। भम् छङ्गाः। यथा। भूछाः
वङ्ग भूकतः। निक्कः भम् छङ्गाः।
इठि (इमहन्दः॥ कथिए जिः।
यथा। निक्का भूक्षि (वंधा। इठि
द्रगदीनः॥

निक्षक वि मः क्षः। (तां धिविणिष्ठः।
इं जिन्द क्ष मक हो कायाः ज्यञः
निक्ष्या भः वि निक्षत्र मः। উष्पाभाजाव विणिष्ठः। निर्माण विष्या गायक्ष्य विश्व वि निष्ठः। निर्माण निम्न मः।।
निक्ष्य वि उेट भाउत्र हिनः।
निक्ष्य वि उंट भाउत्र हिनः।
निक्ष्य वि । (भोज प्रृष्ठि जेंदा गुंकाः।
विक्ष्य कृष्ठे वि विष्य विश्व विक्रा विक्षा कृष्ठे विषय । विक्रा विक्रा विक्र विक्रा विक्र विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्र विक्रा विक्र व

নিষ্ণানঃ ত্রি উপন্যরহিতঃ। অনু পদাঃ। যথা। নৌড॰ রাষ্ট্র ননুত্রনী

নিৰপুৰা তত্তাপি নাচাপুৰীত্যাদি शुद्धाक्ष्ठान्युमायः ॥ নিৰুপেক্ষঃ ত্ৰি অনুপেক্ষঃ।উপেক্ষা-भूनाः। नाछि उलायन यमा मः॥ নিৰ্চঃ পু॰ নিৰ্চ লক্ষণাকঃশবঃ ৷ यथा। शृहिवानि नम्नवाशीन छ८ স্বামু/পরনে খত্র দুব্যে স্বত্ত্ব তত্ত্ব নি-करा। माय भक्तः। ইতি मायञागः॥ निकारणका जी मुक्तिवृष्टा का। यथा। নিক্ত লক্ষণাঃ को सिट का-শ্চিমৈব্ত্বশক্তিতঃ। ইতি কাব্য शुकान हीकायाः महत्रहः॥ निक्रा दी वक्गाविष्यः। यथा। · কাচিৎ লক্ষ্তাবছেদ*ীভূত* ত্ৰন্ত मुल्पन भूई भूवं भुज्रायक पाट नि कारा । यथा जाक्नामि पुराजन जमाणुन पुरानु ভाরক दाम **कर**ानि পদস্যাইতি শদশক্তিপুকাশিকা निक्शनः की ज्यान्याकः॥ विठातः॥ निम्भॅन । इंडि (निम्नी ॥ নিৰ্কাপতঃ ত্ৰি কৃতনিৰ্পাণঃ।। নি-যুক্তঃ। ইতি জীবরস্থানী ॥ रथा। নিৰূপিতো বালক এব যোগিনা॰ সুশ্রবণে প্রাবৃষি নির্বিবিক্ষতা । ইতি শ্ৰীভাগৰতে > স্কন্ধে ৫ অধ্যামঃ ॥ ्निकरः भू॰ वंखिएं हमः। यथा। विख

, ৰিখানুবাসাথ্যে নিজ্হতে তি সং-

ক্রিভঃ। যাং দেহে দী যতে স স্যাদনুবাসন নাসকঃ। কষায় ক্ষার
তৈলৈ যোঁ নিজহং স নিগদ্যতে ।।
ইতি সারকৌমুদী ।। উহ্দূন্যঃ ।।
নিশ্চিতং। ইতি নেদিনী ।। নিগুহঃ
।। তুকঃ। ইতি হেমচন্দুঃ ।।
নিরোধঃ পু॰ নাশঃ।। রোধঃ। ইতি
নেদিনী ।। নিগুহঃ। ইতি হেমচন্দুঃ

নিরোদ্ধব্য ত্রি রক্ষণীয় । ইতি মহাভারতে রাজধর্মঃ ॥

नियंजिः की अनक्षीः। इन्। भतः।। অস্যা উপাখ্যান যথা। সমুদু ন-থনামানি রহান্যাপুঃ সুরোত্তমাঃ। শুেধক কৌত্তভ তেমু বিফবে পু-मनुः भूताः ॥ या सम्भी हकातास्मी वाष्ट्री॰ ভार्य्यार्थ माञ्चनः। ভাবদ্বि-জ্ঞাপযামাস লক্ষ্মী স্ত চক্রপাণি-ন· II **লক্ষ্মক**বাচা অসংস্কৃত্য কথ• জ্যেষ্ঠা॰ কনিষ্ঠা পরিণীয়তে ৷ তমা-ন্মনাগুজামেতামলন্দী মধুসূদন॥ বিবাহ্যোদ্বহ মাণ পশ্চাদেষ থৰ্মঃ সন্তনঃ। তসাজ্বর্ম ব্যতিকাম্ণ ন সর্য্যা নধুসূদন।। সূত্টবাচ। ইতি তদ্বচন•শুত্ৰাস বিষ্ণুর্লোক ভাবনঃ৷ উদ্দালকায় মুনয়ে সুদীর্ঘ তপসে ত-দা।।আগুৰাক্যানুরোধেন ভামল-श्री मारी किन। श्रुता ही मुस्यर- भाः विक्षाः विञ्जे । उन्।। जुदमाः ব্ৰক্ত নৰ্না ক্ৰম পিক শিরোক্ছা ৷ স মুনি বিশ্বাক্যান্তা সঙ্গীকৃত্য अभागुरशायमध्नि मनायुका नान यामाम धर्माविट। एकामधूल मुनका-**ভ্যু: বেদধ্যেবেণ নাদিত: ৷৷ আশুন** ত বিলো দ্যাথ ব্যথিতা সা বুৰীদি-দ । জ্যেষ্টোবাচ। নহি বাসোনুধাপা **~য• বেদধুনি যুতো মন**ানাত্রাগমিন ব্যে ভো বৃন্ধন্ নযন্থান্যত্র মাণ থবণ ।। उपराण ह उवाह । कथः नायात्र কিঞ্চাত্র বর্ত্ততে স্বনত• তব । তব বোগ্যাচবসতিঃকাভবেত্তরদস্থনা ।। জ্যেষ্ঠোবাচ। বেদগ্বনি ভবেত্দি भिज्योनाक भूबंन । युद्ध माना मिकः যত্র নৈব তত্র বসাম্যহ। পরস্পরানু-রাগেন দাস্পত্যু যত্র বিদ্যুতে ॥ পিঠ্দেবাৰ্চন যত্ৰ তত্ৰ নৈব বসান্য হে । দানশৌচে न বিদ্যেত পরদু-ব্যাপহারিণঃ ॥ পরদাররতা যত্র তত্র স্থানে রতি র্মম। বৃ**দ্ধ সক্ত্র**ন বি-পুরণাণ যত্র স্যাদপ্রমানন ।। নিধুরণ ভাষণ যত্ৰ তত্ৰ সম্যুসাম্যহ । সূত উবাচ। ইতি তচদ্বন শুত্ৰা বি-সন্ন বদনো ভবৎ।। উদ্দালক স্ততো " वाकाः जामनाची मूवाहरः। उपरानक उवाह। अथथ वृक्त म्राविमामनकीः

লুমতা কাগু । আশুন-হানিমালো-का यावना याना इन भूनशा मू उउ वाह ।ইতি তা তত্ৰ সংস্থাপ্য জগাৰো-দালকো মুনিঃ। পুতীক্ষণী চির• . তক্র यस। ত॰ न समर्भ जा।। जना य-রোদ করুণ ভর্স্ত্যাগেন দুঃখিতা। তত্তস্যাঃ ক্রন্দিত বর্জা বৈশ্বপ্তভ-বনে ংশৃণোৎ॥ তদা বিজ্ঞাপযাদা-न विकृ गृषिय भानना। वन्त्रीकराह া সানিকভিষিনী জ্যেষ্ঠা সামি ত্যা-গেন দুঃথিতা। তাম খোনবিতু याहि क्लारवा यम् १२ श्रिक्स मृज উবাচ। লক্ষ্যা সহ ওতো বিকুত্ত ত্রাগাৎ কৃপয়ার্বিতঃ। জাপান্সয়ন-**णजी** जागिम वोका मथाव्वी शा विकृषवाह। ज्ञान्यवृक्त नानाम्। সদাপ্ৰস্থী: ছিরাভবান্যাংশ স-ম্ভবে।ছেৰ আবাস ন্তেম্যাকৃতঃ॥ गन्तवादा नमानून नकी त्रवागिन-ব্যতি। সম্পূদ্যে ংসৌভবেভ্সা-মন্দ্রোর• বিনা কিল॥ প্রত্যুদ্দ ম-हियम् छिला । क्षित्र क्षेत्र वर्षिनः। তেন্বিয•্শীঃ কনিষ্ঠা তে সদা তিষ্ঠ-ত্বনাম্যা ॥ ইতি পামোভরখণ্ডে ५७७ व्यथायः ॥

मिनि।। म जू रेन १ उ कागाबि-পতিঃ। তস্য বিবরণ যথা। পূর্ব-महास मुकासमह तकक्रीस्वाया गि-রিঃ। যত্রান্তে সতত দেবে। নির্মতী রাক্সেশ্বরঃ॥ খন্নহন্তো নহাকা-যে। বানে চর্মধর স্তথা। জটাজূট সমাযুক্তঃ প্রাণ্শু কৃষ্ণাচলোপনঃ ।। দ্বিভুজঃ কৃষ্ণৰন্ত্ৰন্ত গৰ্দভোপরি न इ उः। शुाखाभादी विम्मू नर्ग महिलो वाहिए इव ।। देन बंका **কথিত: ব্রীজংতেন ত*প**রিপূজ**ে**ৎ । त्रक्रक्षे नमाक्ष्य निर्वाउ दा-ृक्करमञ्जदः ।। यः शृक्षरयिषधाः नन b-ভিকা• রাক্ষসেশ্বরী•। ন তদ্যরা ক্ষসেভেগুন্তি ভিষ্ বাপি কদাচন li রাক্ষ**নাশ্চ পিশা**চাশ্চ বেতালা गगनायकाः। उ॰ मृष्ट्वा शुक्य वार न সর্ব দৈব পুবিভ্যতি II ইতি কা-निकाशुकारम ४ अश्वायः ॥ निर्यायः श्रु॰ नामात्रमः। इनुगामि নিৰ্গঃ পু॰ শেশঃ। ইতিছিমচন্দুঃ!! নিৰ্গতঃ ত্ৰি নিঃশেষেণগতঃ ! বহিঃ-शुक्ति। यथा। निगठ सुमहरखब স্তহৈক্য সন্গছত। ইতি দেবীমা-

. श्वाः॥

निर्गञ्च कि गञ्जग्ना । यथा। कभ

योवन जन्मना विन्नान कल छ्वाः विम्हा होना न ल्यां छछ निर्गक्ष हैव किल्मुकाः ॥ इंजिह्मा कहा। निर्गक्ष की निर्मु इन । मात्र १ । हेज्य मही की नान्य निर्मकः। इंजि न कहान्त्र ॥ । निर्श्व भू मञ्ज ब्रह्म छता छवा छी छ। निर्श्व भू मञ्ज ब्रह्म छता छवा छी छ। न ब्राम्बद्ध । यथा । माका इक नि-द्राका वर मछव निर्श्व भू छु। मर्ब्य

भारतभाष्ट्र । यथा । माकादक नि-बाकाद्र मखन निर्द्धन भुड्न गर्दा शादक मदक खहाकन निर्माण ५० धादक मदक खहाकन निर्माण ५० धादक तुक्र तिवर्द्ध गरामाथ ७० व्यथायः ॥ खन्डि विक्र महान्। हेडि विक्र महमुनाम ।। विद्यामिन म्यान । विद्यामा निर्द्धना निर्द्धना निर्द्धना विद्यामा विद्यामाल ।। विद्यामा

নিষ্ঠী ত্রী নিষ্ঠি। ইত্যমর টাকা যা॰ মধুঃ।।

निर्श्व की नीन म्यानिका। वृक्ष-विष्मिषः। निमिन्तः हिं छाषा। जर शर्यप्रायः। मिन्तुकः २ मिन्तुका-तः ० हेन्दु मित्रकः ६ हेन्दु क्रिका ६। इंज्युम्बा भिक्रुकः ७ मिक्रुवातः १ इंन्युम्बमः ৮ निर्श्वो २। इंजि ख्रा ल्लांकामी >> नकानी >२ का न-नान्दिनी >>। ইতি রত্নকোষঃ॥ क রহাটঃ। ইতি বিশ্বঃ॥

নিগৃতিঃ পু॰ বৃক্ষকোটর॰। ইতি শব-রত্নাবলী।

निगुष्टः भू नग्रकः॥ निष्ठः॥ वालिणः । ইতি দেনি ॥ মূনিঃ। ইতি হেম-**टन्मुः ॥ मृ** उकातः। ইতি कटार्थतः ॥ गुष्टिर्ভानिर्गठः॥ निवृक् इत्य পুছিঃ। যথা। আত্মারামাণ্ট মুন-या निगुं हा अभुक्काम । इंडि ভাগবত শ্লোক টীকাথা-স্বামী 🛚 ।৷ निग् इकः श्रु कश्राः॥ निक्काः॥ অপরিহ্বঃ। ইতি মেদিনী।। নিগু ছন ল্লী মারণ । ইত্যনরঃ।। निगुष्टिकः शुः कश्वाः॥ निश्रुत शैल्फ कि। इंकि मस्त्रक्षावनी।। निर्यष्ठि॰ क्री वद्यानुषमकी पर्षे ! इंजि हातावली ॥ क्त्रम्नाइरें। इिं नम्बद्भावनी ॥ घटेन्न् १ ॥ নির্ঘণ্টঃ পু॰ নির্ঘণ্টন । নিষ্টুঃ। গণ नःगुरः। गृष्टानाः न्हीि थाताः। यथा। धनुखदीय महनाहि इलागुधा हीन विश्वश्रुकान। भवतकाव भागव बाह्यान्। बालाक्यलाक विकिञां॰ क विविद्धाः नदान् पुराजिधान गः १म भुरू भ्र मृद्धेः ॥ निष्मं न नक्ष পরীক্ষণ নির্ণযেন নানা বিধৌষধ বিচার পরায়ণো যঃ। সোৎধীত্য যৎ সকল মেন মবৈতি সর্বণ তথা-দয়ণ জগতি ভাতি নিষ্ণটুরাজঃ।। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

নির্যাতঃ পু॰ বায়ভিহতবায় পুপতন জন্য শব্দ বিশেষঃ। যথা। বায়না-ভিহতে বাযৌ গগণার পতত্যধঃ। পুচও ঘোর নির্যোধা নির্যাত ইতি কথ্যতে॥ ইতি শব্দনালা॥ অ-পিচ। যদান্তরীক্ষে বল্বান্ মান্ধ-তো মন্ধতাহতঃ। পতত্যধঃ স নি-র্যাতো জায়তে বায়ু সম্ভবঃ॥ ইতি জ্যোতিষ॰॥

निर्धायः भू॰ भद्दमाञः। इंड्रानदः॥ निर्द्धनः जि जनग्नाङ्गनामि। वि-जनः। ইতি विविकापि शद्द दीका-या॰ সারসুন্দরी॥

निक्क् तक श्रुष्ट (एवः । १० ज्यान ।। जन्नात्र वि वि । १० जन्म त्र वि ।। मुशायाः न्नी । १० निक्क तमर्यकः । रिक्क तमर्यकः भूः (एवं मर्यक् कृष्टः । १० ताक निर्देशः ।।

নিহর। জী গুড়ুচী। তালপণী। ইতিনেদিনী।।

निर्क्कनः वि जनम्नग्रहनाहि। ইতি नक् नम् होकायाः छत्रजः॥ यहुकेः ा जम्मुनिक्षा एमसे धुकाम् गेरिना जग्रहिका निर्वास कृष्य द्वाम गेरिना की मिक्रासिकाम गां छनी। मा विक्षेत्र अभिक्षमम् । नवसञ्चः मक्ष्मी विद्धिका पुराद्या का होने विद्या कि ।। देखि बसाम स्मान

নিজ্জিতঃ ত্রি পুগপ্তপরাজ্যঃ। তৎ পর্য্যায়ঃ। পরাজিতঃ ২ পরাভ্তঃ ১ বিজিতঃ ৪ জিতঃ ৫। ইতি শব-রত্নায়লী॥ বশীক্তঃ। যথা। ধ্যা-যক্ত শরণাম্ভোজ ভাব নির্জিত চেত্রসা। ইতি শ্রিভাগবতে ১ ক্লব্লে

৬ অধ্যায টাকাযাণ স্বামী ॥ নিৰ্জ্জিতেন্দ্ৰিয়ণানঃ ত্ৰি যতিঃ। ইত্য-মরঃ॥

নিজী বিঃ ত্রি জীবান্মর হিতঃ।। প্রাণিশ্ন্যঃ । যথা । চিতা চিন্তা দ্বাে।
মধ্যে চিন্তা এব গরীয়সী । চিতা
দহতি নিজী বি চিন্তা দহতি জীবিতা ।। ইতি প্রাঞ্চঃ ।।

নির্মরঃ পুণ পর্বতাবতীর্ণজলপুবাহঃ
ইতি ভরতঃ ৷৷ সুত্র৷ অন্যথা রা
গিরৌ জল পুবাহঃ ৷ ইতি মধুঃ ৷৷
পর্বতাদ্বেগিন পতজ্জল ঝোরা
ইতি খ্যাতশা ইতি কোক্টাঃ ৷৷ তথ পর্য্যায়ঃ ৷ ঝরঃ ২ ৷ ইত্যমরঃ ৷৷ নি अती शाहिक अपत्रवावनी ११ छ-स्त्रन खपाः । वायुद्धः । अथ्रद्धः । मीभनद्धः। कक नामिद्धः । इछि वाजवन्न छः॥ #॥ मूर्य्याहेकः ॥ जूवानवः। इछि निमिनी ॥

নির্মনী জী নির্মনঃ। ইতি শব্দপ্রা-বলী য় নদী । যথা । জটা কটাহ সম্ভূম ভুময়িলিস্পনির্মনী বিলো ল বীটি বল্পনী বিরাজমান মূর্জনি । ধগদ্ধগদ্ধগদ্ধলাটপউ পা-বকে কিশোর চন্দু শেখরে রতিঃ পুতিক্ষণ মম ॥ ইতি রাবণকৃত শিব স্তোক্ত ॥

নিৰ্বারী পু॰ পর্বতঃ। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ॥

নির্মারিণী জী নদী।ইতিত্রিকাগুশেষঃ
নির্মারণ পুণ অবধারণ । তৎ পর্য্যায়ঃ
। নিশ্চয়ঃ ২ । ইত্যমরঃ ॥ নির্মারণ ৩
নিচ্যঃ ৪ । ইতি শব্দরত্বাবলী ॥
বিচারঃ ৷ তৎ পর্য্যায়ঃ ৷ তর্কঃ ২ গুজ্ঞা ০ চর্চা ৪ ৷ইতি ত্রিকাগুশেষঃ ॥
বিরোধপরিহারঃ ৷ ইতিমিতাক্ষরা ॥ অধিকরণবিশেষঃ ৷ যথা ।
বিষয়ে বিষয়াকৈব পূর্বপক্ষ স্তথোত্তরণ ৷ নির্মান্টেতি পঞ্চাক্ষণ
শাল্রে হধিকরণ স্তণ ॥ ইতি স্তি নীমাণ্যা ॥ ন্যায়মতে তদ্ব-

ভাবাপুকারকত্বে সতি তথ পুকারক জ্ঞান । যথা । বহি মান পর্বত
ইত্যাদি বোধঃ । ইতি ভাষাপরিছেদঃ৷৷ তদ্ধর্মানছিম পুকারত্বান্য
পুকারত্বানিক্পিত পক্ষতাবছেদকাবছিম বিশেষ্যতাশালি জ্ঞান
। ইতি জগদীশঃ ।৷

নির্ণয়ন ক্লী নির্ণয়ঃ। ইতি শব্দ-রত্নাবলী।।

নির্ণবাদঃ পু চতুল্লাদব্রহ্যরান্ত-পত ব্যবহার বিশেষঃ। তস্য রূপণ । মিলিতানা সভাসদা পরাজি-তো হ্য মিত্যবধারণ । ইতি ব্যব-হারতক্ত্বণা

निर्नायन॰ क्ली भाउकाशाक्रास्मः। ंड शर्यप्रायः। निर्याणः २। इंडि भक्तकावनी॥

নির্ণিক ত্রি অপনীতমল। শোধি-ত । ইত্যমরঃ॥

निर्गी ज॰ वि क्जनिर्गः। निक्यी-क्जः। यथा। निर्गी क्ज ग्रवहादं जू भूमान मकन॰ जद्द । निथिज॰ माकितावाणि भूबं मादिष्ठि॰ न-हिट। यथा शरक्ष व्यात्त प्रृ निद्माः भुग्रवा छनाः। निर्गे ज व्यवहा-वाना॰ भूमान मकन॰ जथा।। ইजि व्यवहात्रज्दु॰।। निर्पंडकः शृ॰ ब्रह्मकः। ইত্যমনः॥
निर्पंडः जि श्रदाश्वानम्बद्धः॥ एयास्वप्रः॥ जीतुः॥ सञ्जः॥ निद्यपंडनः। ইতি सद्यद्भावनी॥
निर्प्यः जि ह्यास्तुः। ইতি জটাধ্রः

নির্দ্ধ জ দ্যাশূন্য: । ইতি জটাধ্র: নির্দ্ধ লী নির্ভ্য ।। সার ।। কঠিনে অপত্রপেচ জি। ইতি মেদিনী ।। নির্দ্ধ লঃ পু ভক্ষাতকঃ। ইতি রাজ-নির্ঘটঃ ।। অগ্রিশূন্য চা।

निर्फरनी जी मूर्वाणजा। ইতি রত্ন-মালা।।

निर्फिकः वि वनी। गा॰ मनः। ইতি रम्भः।

নির্দিপ্ত: ত্রি নিশ্চিত্: । যথা। নির্দিপ্ত
বিষয় কিঞ্চিদুপাত্ত বিষয়স্তথা।
অপেক্ষিত ক্রিয়ক্ষৈব ত্রিধাপাদান
মিষ্যতে॥ ইতি রামতর্কবাগীশঃ॥
নির্দেশঃ পুণ আজ্ঞা। ইত্যমরঃ ॥
কথন ।। উপান্তঃ। ইতি মেদিনী ।।

निर्फाषः वि ए। यह हिन्छः। यथा। निर्फाषः मर्भायदा जु नरमायः यः भ्यहि । न मृन्ता क्रिंगः मार्भा विनयः जावरमय जु॥ इति मिन्ना क्रा।।

निर्धनः श्रु॰ कत्रम्नदः। ইতি मद्दारित्व।
।। धनम्ति जि । यथा। तुक्रशि
नद्रः श्रुक्ता यम्रास्ति विश्वनः धन्।

নির্থাত। ইতি চাণক্য । রিভূযতে। ইতি চাণক্য । নির্থাঃ ত্রি ধর্মারহিত:। যথা। সহা-পরাধে নির্থার্ম কৃতদ্বে স্নীব কং-সিতে। নান্তিক ব্যাত্য দাসেষু কো-শপান কিবজ্জবিং ।। ইতি মিতা-ক্ষরা।।

निर्धातः श्रू॰ निक्ष्यः ॥ जाि छन कियानामू कर्त्यनाश्वर्यन या म-काि वाट श्यक्कतन । यथा। म-नुष्राना ज्यक्षाः (मुश्रः॥ गवा क् काव्यक्षीताः॥ अथुगाना धावसः भीष्ठमाः। ইতি हुर्गामामः॥ था तुत्रहिज्य ॥

निर्धातन क्री निक्यः॥ निर्धातः। यथा। निर्धातन यष्ठ्राः समारमा न स्त्रा-मिलि पूर्शामासः॥

নির্ধারিত তি কৃতনিশ্যঃ। যথা। কিন্তুনির্ধারিতৈকত্বানেকত্ববিশেষ-স্য। ইতি বিজ্ঞারক্ষিতঃ।।

निर्धारं कि निर्धाद्वभीय । निर्धादि তব্য । निर्ध्यकर्यकं की । इंडि वि-'भिष्य निर्धारं भिष्म होकाया । द्वभानाथः ॥

নিধৃতি তি শুণ্ডিত । পরিত্যক্ত । যথা। নিত্য নিধৃত বৃদ্ধি পুবল রিপু ভয় বিত্তনাশক্ষ জীবঃ। ইতি জ্যোতিকৃত্ব ।।
নিধেতি তি প্ৰকালিত । যথা।
তস্যাঃ পাটল পাণিজাকিত মুরো
নিদা কৰাবে দুশো নিধৌ তো ২ধর
শোণিমা বিলুলিত সুত্তসুজো মূর্ভ
জাঃ। ইতি শ্ৰীজযদেবঃ ।।

নির্বন্ধঃ পু॰ অভিনিবেশঃ নিবনো-পি পাঠঃ । ইতি হেনচন্দুঃ ।। অ-ভিলসিত পুাপ্তৌ ভূবা যত্নঃ। যথা । শিশুগুহঃ।। শিশুরা পেছা কিশে-যঃ। আথটি ইতি খ্যাতঃ । ইতি কেচিৎ । ইতি গুহু শদ টীকাযা। ভরতঃ ।।

নির্বর্গণ ক্লী নিবর্ধণণ সারণণ ইত্যালকণ্ঠঃ ॥
নির্ভাটা বি দৃদ্ধাইতি বিকাপ্তশেষঃ
নির্ভাটা বি ভ্যার দিতঃ। তৎপর্য্যায়ঃ
। অজানেয়ঃ ২। ইতি বিকাপ্তশেষঃ
নির্ভারণ ক্লী অতিশ্যং। তদ্বতি বি ।
ইত্যমরঃ ॥

निर्लं निर्मा थनीकातः ॥ जनककः
। ইতি मिर्मि ॥ जन्न निष्ण ॥
निर्लं कि विक्रिन जन्न निर्मा उट्ट भर्गायः । निन्मि जः २ धिक्र जः ० जनभ्यः ६। ইতি क्रियः ॥ निर्णा कि जागृत्र हिन्दः । यथा। मृहान्नाभर्षे निर्णागृत मन्माः मृदः । इंडंड्रमतः ॥

निर्मारः श्रू॰ कालवन्गानिर्गानाञ्च ।

इंडी। उट्श्यंडायः । उन्नाडः २ ।

इंड्ड्रमजः ॥ मर्ग्नाड वि ॥

निर्माया क्षी निर्मा । ইতিভাব-

নির্মান্থ্য দাক ল্লী অরণিঃ। যজ্ঞে অনু এথাপনার্থ বর্ধনীয় কাঞ্চ । ইত্যনরঃ।।

निर्यान ही निर्यानु ॥ श्रुष्ठ ॥ ग्रनश्ति जि। हेजि मिनि ॥ निर्यानाभनः भू स्थिकः। हेजि प्राक्षिकः ॥

নির্মাণ ক্লী নির্মিতিঃ !৷ সারঃ ॥ সমঞ্জসং। ইতি মেদিনী ॥

निर्याणाः की प्रदाहिश्चमुदाः ।
यथा। अर्ज्ञक् विमर्कानामृदाः निर्वताः अर्ज्ञक् विमर्कानामृदाः निर्वताः अर्ज्ञक् विमर्कानामृदाः निर्वताः अर्ज्ञक् अर्ज्ञाः । विमर्कालाः अर्जाः विमर्गानाः अर्जाः विकार्णः विमर्गानाः विकार्णः कृष्या निर्याणाः विकार्णः निर्वाताः । विकार्णः कृष्या निर्याणाः विकार्णः निर्वाताः । विकार्णः कृष्या निर्याणाः विकार्णः निर्वाताः । विकार्णः विकार्णः निर्वाताः । विवार्णः विकार्णः निर्वतः । विवार्णः विकार्णः निर्वतः । विवार्णः विकार्णः विकार्णः । विवार्णः विकार्णः विक

उँ पे हिन्द्रेहा खालिरेग नमः। उथाह विष्ठानगरनिवस्त्र। मूर्य्यः भगशाजातू গুে শাক্তে শৈবে ২থ বৈষ্ণবে। তে জশ্ও নথোছিষ্ট সোজ মুছিষ্ট প্-ৰিকাণ। চাণ্ডালী পোষকা চণ্ড বিশ্বক্সেন• ক্রমান্সভে<u>ে।।</u> সোজো গ रामः॥ इपय व वहि प्वी नमर्ग्र विधिवज्ञ ३:। निर्मान । क्ष मूर्हो (मर्म নৈবেদ্য ভক্ষযেৎ সুধীঃ॥ তন্ত্ৰান্ত-द्धि । निर्माला • निर्मा भार्या अर्दा-**१ हान् (नशन । रेन**(वह) (काशजू-ঞ্জীত দত্বা তম্ভক্ত শালিনে। ইতি **ত अभा**तः॥ #॥ উদকে তৰুমূলে বা निर्मानु उक्त मः जारबद् । इंदि का विकानुद्राण ८६ जयप्रयः ॥ 🕸 ॥ निर्मान् कात्ना रथा। मनि मुका मूर्वर्गना॰ प्रवस्खानि यानि ह। न নিৰ্মাল্য দাদশাৰ তামুপাত্ৰ ত रेथव ह ॥ भही भाजी ह. यथा म रेन-বেদ্যু দ্ভিগাত্রতঃ। মোদক কুশার্ ঞ্চৈব যামার্জেন মহেশ্বরি ॥ পউবস্ত্র• विमामक यक मृबंबुईः मृज। यात-**मम** अवमुक भारताम खरेथवं ह।। है-ত্যেকাদশীতত্ত্বে যোগিনীত স্থাাঞ্চা 'শিব নির্মালে । বিশেষো যথা। স্থা-ন্দে। নিৰ্মাল্য পোহিনে ভক্ত্যান্দি-রসা ধার্থিব্যতি। অশুচি ভিন্ন ম-

র্য্যাদো নরঃ পাপ সমন্বিভঃ॥ নরকে या । तुक्त शांभि मूं हि जूं दा निर्या ला प्रमु शाहरप्र 11 उम्र भाभः মহছীঘু॰ নাশ্যিষ্যে মহারুতে 1 শুচিঃ স্নানাদিনেতি শেষঃ ৷৷ এবঞ্চ স্পৃষ্টা ক্দুস্য নির্মাল্য সবাসা ণ অশুচি বিষয়। অনুপনীত বি-ষ্য মিতি শ্ৰীদন্তঃ 11 বস্থাচ গৃষ্ঠ-পরিশিষ্টণ অগ্রাহ্যণ শিবনৈবেদ্যণ পত্ৰ পুত্ৰ ফল জল ৷ শালপাম শিলাম্পর্শাৎ সর্বণ যাতি পবিত্র কা॰।। ইতি তিথিতত্ত্ব• ম নির্মাল্যা ব্রী পৃষ্ণাইতি শব্দরত্বা-वनी।।

নির্মিত তি কৃতনির্মাণ। গঠিত।
রচিত। যথা। নিজনির্মিত কারিকাবলী মৃতিসংক্ষিপ্ত চিরন্তনোক্তিভিঃ। বিশানীকরবাণি কৌতুকাৎ
ননু রাজীব দ্যা বশাস্থদঃ। ইতি
সিদ্ধান্তমুক্তাবলী।।

নির্মিতিঃ দ্রী নির্মাণে। গঠনং। রচনং
। যথা। নিযতি কৃত নিযম রহিতাং
ক্লাদৈক নযী মনন্য পারতন্তাং। নঁব
রস কচিরাং নির্মিতি মাদধ্তী
ভারতী কবে র্ম্মতি ॥ ইতি কাব্য

য্যাদো নরঃ পাপ সমান্তঃ । নরকে পুকাশঃ ।।
পচ্যতে ঘোরে তির্য্যগ্যোনী চজা । নিমুক্তঃ পুশু মুক্তকঞ্চকঃ। অচিরাৎ,
যতে । বুদ্ধহাপি শুচি ভূবা নির্মা ত্যক্ত বৃক্ সর্পঃ। ইত্যমরঃ ॥ ত্যল্যাং যস্ত্র ধার্যেৎ ।। তস্য পাপং ক্ত সংযোগে ত্রি। ইতিমেদিনী ।।

निमू है॰ क्ली क्राम्नाइ छै:। ज शर्या-यः। शन्ता क्षित्र २ क्ष्म् न ०। इंडि

नदत्रशावनी विका छल्पस्यो ॥

আগু তঃশুচি রিতি কালিকাপুরা নির্টিঃ পুণ বরস্পতিঃ। অপুস্লবৃক্ষঃ।
নণ অশুচি বিষয়ণ অনুপনীত বি
ইতি ত্রিকাগুলেষঃ ।। সূর্য্যঃ।। শ্ব
স্য মিতি শ্রিদক্তঃ ।। বস্থাচ গৃহ্ণ
প্রাঃ ইতি হারাবলী ।।

निर्माकः शृ मर्गप्क । उट शर्यायः १ श्रह्णवादः २ निर्म् यनी ० क्ष्रुकः ॥ १ देखि एक्सक्नुः ॥ स्माहन ॥ श्रा-कामः॥ महादः । देखि स्मिनी ॥ निर्मञ्जा खि श्रदाध । निर्मा । देखि । देखि । देखि । देखि । निर्मा । देखि । देखि

निर्याम क्री यजाशास्त्रामणः॥ स्माकः
॥ अध्निर्यमः॥ इठि स्मिन्नि॥

নির্যাতন॰ ক্লী বৈরশুদ্ধিঃ।শতুপুতীকারঃ।। দানং। ত্যাগঃ।। ন্যাসাপ্রণান্যন্তদুব্যস্য সমর্পণং। ইত্যমরঃ।। খাণাদিশুদ্ধিঃ। ইতি ভরতঃ
।। মারণং। ইতি হেমচন্দুঃ।।

निर्यामः शु॰ পোতবাহঃ। ইতি হেম-চন্দুঃ॥

निर्यामः श्रृ॰ कषायः। शृथः। इंडि नद्माना॥ वृक्कािकीत्रः। आहे। इंडि ভाষा। उৎপर्यशयः। (वश्वेकः २। ইতি রন্ত্রনালা।।

नियूं किक कि युक्तित हिन् । यथा।
निर्का ति विका ति युक्तित हिन् । यथा।
निर्का क्षिया ति हिन् किक दाम मुएक्ष यः। ই निर्मा मा किल्युका मिका।।
निर्मा के भू कि में मा हिन् कि में मा ना।।
निर्मा के भू कि में मा हिन् के में मा ना।।
कि स्वा । निर्मा मा । का थत मा । ना ।
कात ।। निर्मा मा । का थत मा । ना ।
कात ।। निर्मा मा । का थत मा ।। ना ।
कात ।। निर्मा मा । के छ । ना । निर्मा कि कि ।
निर्मा के का के ह्य । ই छ । मत । मिन ।
नी करतो ।।

নির্লক্ষণঃ ত্রি লক্ষণহীনঃ। তৎপ র্য্যাযঃ। পাঞ্রপৃষ্ঠঃ ২। ইতি হেন-চন্দুঃ।।

निर्निष्ठः शृ श्रीकृष्यः। यथा। निक-शाक्षिण निर्निस्था नित्री हि। निध-नाष्ठेकः। इठि तुक्तित्वर्त्व श्रीकृष्य जन्मथर्ष्य १ अथ्यायः॥ त्नश्रत्रहि-তে वि॥

নির্লেপঃ ত্রি লেপশ্ন্যঃ । আসঙ্ক রহিতঃ । যথা । নির্লেপঃ জন্মগু লোম্গদ্শা হারাবলী নির্গুণানে-ত্রাস্ত্রোক্ষ মঞ্জনেন রহিত নীরা - , গমোধাধর । ইত্যানন্দ্রম্পু গুম্থে বি শতি স্তবকঃ ।। পাপশ্ন্যঃ । যথা । লোক বেদ বিক্ষেরপি নির্লেপঃ यउप (१००० गराभाम्भाजाः । इठि अनुगाञ्जाताः ॥ नित्र्वा जी कक्ष्कः। मर्भावक्। इठि (स्मार्ट्युः॥

নির্বচন লী নিক্জিঃ। নিশ্চযকথন। যথা। নাম নির্বচন তস্য শ্লোক মেক সুরা জন্তঃ। ইতি শ্রীভাগব-তীয় নব্যক্ষরঃ।।

निर्वर्गन क्ली मान । इंज्या सहा।
निर्वर्गन क्ली मर्मन । इंज्या सहा।
निर्वर्गन क्ली की निष्ठा। इंज्या सहा।
निर्वर्ग क्ली की निष्ठा। इंज्या स्वा ।
ज्जु भू काडा जिनय निर्वारः। किञ्चा ना हेर्क भक्ष महत्या जवि । यूथ प्रिम्थिक गर्छा विमर्य खेव ह।
ज्ञा निर्वर्शक गर्छा विमर्य खेव ह।
ज्ञा निर्वर्शक गर्छा विमर्य खेव ह।
ज्ञा निर्वर्शक गर्छा विमर्य खेव ह।
ह्य निर्वर्शक गर्का मारिक गर्छा।
ह्य भक्षम मिक्त मारिका। भू खेन ज्ञा भाषा वि ज्ञि या प्रेश । येथ ज्ञा मारिका की मार्ग्य । निर्वर्शक निष्ठा की मार्ग्य निर्वार । निर्वर्शक निष्ठा की मार्ग्य निर्वार । निर्वर्शक निष्ठा की मार्ग्य निर्वार । हिंज म्यू मार्थ्या निर्वार ।

নির্বাণ ক্লী অন্তগম্ন । নির্বিঃ।।
গজনজ্জন ।। সঙ্গমঃ।। অপবর্গঃ।
ইতি মেদিনী ।। বিশান্তিঃ। ইতি
হেনচন্দুঃ ।। নিশ্চল ।। শ্ন্য ।।

বিদ্যোপদেশন । ইতি শবর্বা বলী ৷৷ নাভিদেশে জপ্য পুণব পু-টিত মাত্কা পুটিত মূলমন্ত্ৰ। যথা । সল্লুকা সৃদ্ধি স জপ। হৃদি সেতু विविद्याप्त। महाराज्य विमुख्य यू **रवाज्या**ति अमुद्धात्व ॥ मिनशूत ष्ठ्र निर्वाणः भशास्य अनिनी नयः ॥ স্বাধিষ্ঠানে কামবীজ রাকিণী মূ-कि निः इ उ । विकिन्त विविद्यापि মূলাধারান্তিকাছিবে ॥ বিশুদ্ধান্ত॰ ্**শব্দেবি বিশ**তস্ক তনীয়সী°।দে-বীস্থান দিলিস্থান্ত মন্ত্ৰসূলাবৃত • मूरः॥ निर्द्या १ यथा। अथ वक्ष प्रानि নির্বাণ শৃণু সাবহিতানছে। পুণব अन्बंगूहायं। माज्कामा मगूहात दा। गाज्काना गगसाक भूनः भूनव মুছরে । এব পুটিত মূলস্ত পুজ-পেমাণিপূরকে।।এব॰ নির্বাণ দীশা-নিশোন জানাতি পামরঃ। কল্পকো-**টি সহসেুুু তস**্য সি**দ্ধি** ৰ্জায়তে।। ইত্যাগ্মতুভূবিল।সঃ॥ निर्दानः वि मुकः। य्या। निर्दारा

मूनिः ॥ नष्टः । यथा । निर्वारा विद्रः ।। निमगः। यथा। निर्दारा रुखी। ইতি বিশ্বের্গনিম্বে অমরঃ । বাণ-ال عدالا

নিষ্ঠাতঃ তি বাযুর্হতঃ। ইত্যমরঃ॥

গতেবায়ে পু•।। निर्दापः श्रु शतीवाषः। क्रानवाषः। ইত্যমরঃ॥ অবজ্ঞা।। নিশ্চিতবাদঃ ॥ বাদাভাবঃ। ইতি ভব্নতঃ॥ নির্বাপঃ পু• নিবাপঃ। পুেতভিন্ন মৃত পিত্রদেশ্যক দান । ইত্যমর্টী-কাযা তর্কবাগীশঃ॥ নির্বাপণ ক্লী বধঃ। ইত্যনরঃ॥ দার্মণ

। ইতি হলাযুধঃ।। निर्दार्यः वि अञ्चलका मन्नजन কার্য্যকর্ত্তা। ইত্যনরঃ॥ ভয়বিক্রম व्यमनाज्यस्यास्य निर्विकातः सनः **जवु॰ ७८ मम्मारा मम्म**खन् छेर्। स॰ वर्षन् या निः भक्ता ज्ञा क्या व-কতে স নিৰ্বাৰ্য্য উচ্যতে। ইতি ভ त्र अधाय वात्र भीय का

निर्दाञन क्री नथः। इंडान्दः॥ नगत्रापिर्देश्कित्रगण्डेजिसंपिनी॥ निर्दाहः श्रु निम्नजिः। समाधिः। यथा। यि जिथा कर्यानिबार महाय ভাবেনান্য তিথ্যনুপুবেশাদুপবা সাদ্যাচরণক। ইতি ডিথিডভু॰ ॥ व्यिक्त । यावजा महार सनिर्दाहः मीमर्ग्राङावनर्थित । जाधिका নূ,নভাষাঞ্চ চ্যুবতে পরমার্থতঃ।। ইতি ভক্তিরসামৃতসিদ্ধৌ নারদীয भूत्रागः ॥

নির্বাহণ ক্লী নির্বহণ । নাট্যেক্তৌ পুস্ততকথাসমাপ্তিঃ । ইত্যনরটী কাষা ভরতঃ ॥

निर्विकन्नक नी भुकात जाविष्णेष । जा नाभन भग्न नाभन निर्मान का निर्मान की स्मृत्य छा निर्मान । यथा । जिल्लुमाना भुमाना भि छान व्यविद्य के । भुकात जा मि स्नृत । के जान व्यविद्य के निर्माण कि का मान की निर्माण कि व्यविद्य कि व्यविद्य के निर्माण कि व्यविद्य कि विद्या कि विद्या

নির্বিকল্পকসমাধিঃ পু॰ জ্ঞাতৃজ্ঞানা- ।
দিভেদ লযে অদ্বিতীয় বস্তুনি তদাকারাকারিতাযা বুদ্ধিকৃত্তে রতিতরা মেকীভাবেনাবস্থান• । ইতি
বেদান্তসারঃ ।।

निर्विकातः जि. विकातम्न १३। यथा। तामः विश्वि शतः वृक्ष महिमानम्सः महयः। जामन्दः निर्माणः भारतः निर्विकातः नित्रक्षनः॥ ইত্যধ্যाञ्च-तामायः॥

নির্বিদ্ধ্যা স্ত্রী বিদ্ধ্যপর্যতনিঃ স্তনদী বিশেষঃ। ইতি শ্রীভাগবতে ৫ ক্ষ-ক্ষে ১৯ অধ্যায়ঃ।।

निर्सिकः बि निर्विजितिणिष्ठेः। निर्वित युक्तः। यथा। समृह्या नट कथा-प्रो जाज भुक्तस्य यः भूमान्। न नि- বিন্নো নাতিসক্তো ভক্তি যোগো হস্য সিদ্ধিদঃ il ইতি ভক্তিরসামৃ-তসিষুঃ il

নির্বিষ স্ত্রী তৃণবিশেষঃ। নির্বিষী ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। অপ-বিষাং নির্বিষী ৩ বিষহাও বিষা-প্রহা ৫ বিষহন্ত্রী ৬ বিষাভাবা প্রত্যায়ঃ। কটুত্বং । শীতত্বং । কফ বাতাসু দোষ নাশিত্বং । অনেক বিষহস্ত্রং বুণ নির্ভ্র কারিত্রগা

নিখিষ্টঃ ত্রি কৃতনির্দ্রেশঃ।। পুরাপ্তঃ।

হথা । যত্র নিখিত্ত নরণ কৃতান্তো
নাতিন্ন্যতোইতি শ্রীভাগবত ।।
ছিতঃ। যথা । স্বনির্মিতেরু নির্বিষ্টো ভুড়কে ভূতেরু ত্যুগান্। ইতি
ভাগবতীয় ১ ক্ষমে ২ অধ্যায়ঃ।।
বিবাহিতঃ।। কৃতাগ্রিছোত্রঃ। যথা
।জ্যেষ্টেশ্নির্বিষ্টেকনীয়ান্নির্বিশন্
পরিবেতা ভবতি।ইত্যুদ্বাহতত্ত্বং।।
নির্বিজ্ঞা ক্রী কাকলী দ্বাহ্বা। ইতি

নিশ্বীর জি বীরশূন্য । যথা। না কৃষ্ট নচ টক্ষিত : ন নমিত নোত্থা-পিত স্থানতঃ কেনাপীদমহো ম-স্থানুরীতো নিশ্বীর মুখী তলা ।

রাজনির্ঘণ্টপা।

ইতি মহানাটক ॥ निहीं ता खी अवीता। পতिপু ध विशिना। इंजि श्मिष्टनुः॥ নিব্ভিঃ জ্রী সুস্থিতিঃ॥ অন্তক্ষন-॥ সুথ । ইতি गिषिनी ।। भाकः ॥ মৃত্যুঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।। নিবৃ ভিঃ তি নিষ্কনঃ। ইত্যমরঃ॥ निवृक्तिः जी निञ्चामः। তথাচ। यथा দুষ্টেন দোষেণ যথা চানু বিসর্পতা । निवृं खि जामयम् जारमो मन्त्रां ख র্জাতি রাগতিঃ!! ইতি নাধ্বকরঃ ॥ বৃত্তিরহিতে ত্রি॥ নির্বেদঃ পু॰ স্বাবমানন । ইতি হেম-চন্দু: ।। সতু ত্রযক্তি•শদ্যভিচারি " ভাবানামাদিমঃ৷ শান্তরসম্য স্থা-বিভাবশ্চ। যথা। নির্বেদ স্থাযি-ভাবোন্তি **শান্তোপি নবনো রসঃ।** ইভি কাব্য**পু**কা**শঃ ৷৷ তস্য লক্ষণ**ণ यथा। তजुङ्काना अभीय प्राप्त निर्द्धनः श्रावमानमः॥ जनूनाइश्रगः। यथा। মৃৎপি ও বালুকা রন্ধ্র, পিধান রচ-नार्थिन। एकिगावर्ड मृख्या २य॰ इ-ন্ত চূণী কৃতো নৰা।। ইতি সাহিত্য-দর্শণণাপুরবৈরাগ্যণ। যথা। ততঃ কেনচিন্নিবেঁদানিরাকারাশ্রিতেনচ

। লোকতন্ত্রণ পরিত্যক্তণ দুঃখার্ভেন

ভূশ• ন্যা ৷৷ ইতি নোক্পৰ্যঃ ৷৷ বৈ- 🖟

রাগ্য । যথা । তদা পন্তাসি নিবেদি শ্বোতব্যস্য শুত্রস্য চাইতি
ভীতগবদীতা ॥ বেদরহিতে ত্রি ॥
নির্মেণ পুণ ভৃতিঃ ॥ ভোগঃ । ইত্যমরঃ ॥ ভৃতি বেতন ভোগঃ সুথ
পালন মভ্যবহারো বা। ইতি ভরতঃ ॥ মূর্ছন । ইতি মেদিনী ॥
নির্পূর্ব বিশধাতু বিবাহার্থঃ ।
ইতি মৃতিঃ॥

निर्विष्टनः क्षी नाषिष्ठीतः। ইতি হারা-वणी।। বেश्वनत हिए वि ॥

निर्वेषनः क्षी हिष्टुः। ইত্যমतः ॥

व्यथाज्ञावः॥ निर्वेषन्थः।।

निर्वेषः वि ত্যকः। ইতি ত্রিকাপ্ত-শেষঃ॥ সমাপ্ত। যথা। অবদানস্ত যৎ কর্মা নির্বৃতি মতিশোভনং।

নির্হরণ ক্লী শবদাহ: । যথা। তস্য নির্হরণাদীনি সম্পরেতম্য ভার্গব । যুধি চিরঃ কার্যাত্বা মুহূর্ভ দুঃখি-তো ২ভবং ॥ ইতি শুদ্ধিত্ত্ব ॥ নিঃশেষেণ হরণঞ্ছ।।

ইতি জটাধরঃ॥.

निर्शतः श्रू॰ मन्तिराप्तक्ष्शादेन ।
इठि छत्र छः ॥ छ्र श्र्यतायः । ज्ञुन्वक्ष्य २ । इछ्यतंत्रः ॥ मन मूवाप्ति छत्र श्रुशः । यथा। ज्ञाहात्र निर्शत्र विरात (याणाः मूम् छ। थर्म

विमा ज् कार्या। इन्जाहिकन्दः।।
मारुः। यथा। यमि निर्ह्तनि (भूनः
भूत्वानाकान्त्रभानमः। इनिम्निः
।। यथिष्ठेविनियागः। यथा। नं निर्हातः ख्रियः स्युर्ः स्रोमा वस्मध्र-

गाए। यकामि ह वृद्धांकि यम्

ভর্ত রনাজ্ঞ বা। ইতি মনু: ॥

নৈহারী ত্রি চ্রগামিগন্ধ: ইত্যমর:॥
নিহাদি পুণ ধুনি:। ইত্যমর:॥
নিলম: পুণ গৃহণ। ইত্যমর:॥
নিলম্প: পুণ দেব:। ইতি ত্রিকাণ্ডশেষ:॥

নিলিম্পনির্বরী স্ত্রী গঙ্গাযথা। জটা-কটাই সমুসজুমন্নিলিম্পনির্বরী। ইত্যাদি রাবণকৃত শিব স্তোত্রণ।। নিলিম্পা স্ত্রী স্ত্রীগবী। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ।।

নিলিম্পিকা স্ত্রী সৌরভেয়ী।ইতি । হেমচন্দুঃ।।

নিলীন জি নিঃশেষেণলীন । স্ণাণ 1 যথা। বনানি তোষানি চ নেত্রক-ল্লৈঃ পুস্থৈঃ সরোজৈশ্চ নিলীনভূষ্ণৈঃ 1 পরস্পরা বিষ্যুষ্বন্তি লক্ষ্মী না-লোক্ষাঞ্চকু রিবাদরেণ ॥ ইতি, ভক্তিঃ ॥

निवर्णन क्री भिजुर्फ्स्मरक्रानः। इंजिम्बद्गद्वावनी।। নিবার

নিবরা স্ত্রী স্বমারী। অবিবাহিতা। ইতি মিতাক্ষরা।। 💣

নিবসতিঃ দ্রী গৃহ । ইতি শব্দ-রজাব্লী।।

निवमथेरे भू-गुगमः । ইতি हमहम्पुः॥ निवमनः क्ली गृरुः। ইতি मस्त्रज्ञावली ॥ वज्रः। ইতি হলागुधः॥

নিবহঃ পু• সমূহঃ। ইত্যমরঃ॥ সপ্তবায়ন্তর্গত বায়ু বিশেষঃ। যথা। নিবহো যত্র বাতেশঃ কেষাঞ্চিন-

সুথপুদঃ। ন পুচপ্ডো নচ মৃদুঃ পুমান দীচ পুভঞ্জনঃ।। ইতি জ্যোতিষং।। নিবাতঃ ত্রি. আশুযঃ। নিবাসঃ।। অবাতঃ। বাতশুন্যঃ।। শস্ত্রাভেন্দ্যংবর্ম। শক্তেণন ভিদ্যতে যথ বর্মা কবচং। ইত্যমর্ভরতৌ।।

নিবাতকবচঃ পু॰ দৈত্যবিশেষঃ।
সতু হিরণ্যকশিপোঃপৌত্রঃ স॰
স্থাদ পুত্রঃ। ইত্যশ্বিপুরাণঃ।।

निवाशः श्रू॰ मृट्णाप्त्रमांकमानः । তৎপर्यतायः। शिक्मानः २। ইত্য-मतः ॥ शिक्ठर्भनः २ । ইতি ছে-महन्दुः॥ मानमावः। यथा। यंठा. निवाशाञ्जनयः शिक्नाः। ইতি ভंরতः॥

নিবারঃ পু॰ নিরারণ•। ইতি নিপূর্ব বৃ খাতো তাঁবে ঘঞ পুত্যব নিষ্করঃ।)

निवृद्धि

নিবারণ দ্লী নিশ্চযেনবারণ। নিরা-করণ । মথা। যদ্বাক্যতো ধর্ম ই-তীতর ছিতো নমন্যতে তস্য নিবা-রণ জনঃ। ইতি শ্রীজাগবতীয পুথমস্কন্ধঃ।।

নিবারিতঃ ত্রি কৃতনিবারণঃ। যথা। নিবারিতা স্তেন মহীতলে হথিলে। নিরীতি ভাব• গমিতেতি বৃষ্টবঃ। ইতি নৈষধ•।।

निवामः भू॰ गृरु। ইতি एरगहमुः॥ ||
निवामी वि निवामविभिष्टः। निवा
मंकर्त्ता। यथा। তেতু कायत मन्निष्ठ
• एरवतः পতি क्ष्कला। धन्ताः का
नी नेभी जीत्त कान्यस्त निवामिनः
॥ ইতি काव्यामयः॥

নিবিড॰ ত্রি নিরবকাশ • 1 তৎ পর্য্যা-যঃ ৷ নিরন্তর • ২ নিবিরীষ • ৩ ঘন • ৪ সান্দু • ৫ নীরন্তু • ৬ বছল • ৭ দূচ • ৮ গাঢ় • ৯ অবিরল • ১ • । ইতি হেন -চন্দু • ॥

নিবির্বাষ বি নিবিড । ইতি জটাধরঃ

নিবিষ্ট তি নিবেশযুক্ত আবিষ্ট ।
পুবিষ্ট । যথা ডিডুগণ পরিবারো
নাযকোপো গ্রেধীনা মন্তম্য শরীরঃ কান্তিযুক্তোপি চন্দুঃ ৷ ভবতি
বিকলমূর্ত্তি গ্রেল পুলিও ভানোঃ
পরসদন নিবিষ্টঃ কোঁ লযুন্ত ন

याजि॥ हेवू प्रकृष्टिः॥

নিবীত তি আছাদনবদ্ত । উডনী ইতি ভাষা। তৎপর্য্যায়ঃ। পার্ত হাকেপ্তলম্বিত্যজ্ঞসূত্রে স্লী। ইত্য-মরঃ।। যথা। উপবীত ভবেনিত্য নিবীত কণ্ঠসজ্জন । ইতি কুর্মা-পুরাণ ।।

নিবীতী পুণনিবীতযুক্তঃ। কণ্ঠলমিটে
যক্তর্গ্রুবিশিষ্টঃ। যথা। কৃতোপবীতী দেবেভের নিবীতী চভবেক্ততঃ। মনুষরাণ স্তর্পর্যেক্তক্তর শ্বামিপুপ্রান্ধীণ স্তথা।। ইতরাহ্য কতত্ত্বণ।।
নিবৃত্তণ ত্রি নিবীতণ। উডনী ইতি
ভাষা। ইতরমর নীকাষাণ স্বামী।।
পরিবেষ্টিতণ। ইতি হেমচন্দ্রনা

নিবৃত্তঃ ত্রি নিবৃত্তিবিশিষ্টঃ। বিন্তঃ
। যথা। নিবৃত্ত ত্রেষ্ঠ কপগীবমানাভবৌষধাছোত্রে মনোভিরা মাৎ।
ক উত্তমশ্লোক গুণানুবাদাৎ পুমান্
বিরজ্যেত বিনা পশ্লাৎ ॥ ইতি
শ্রিভাগবতং॥

নিবৃত্তাত্থা পু• বিষ্ণুঃ। যথা। অনি-বৃত্তী নিবৃত্তাত্থা। ইতি তস্যসহসু-নাম।।

নিবৃত্তিঃ জ্রী নিবৃত্তিঃ। অপুবৃত্তিঃ। তৎপর্য্যায়ঃ। উপরমঃ ২ বিরুতিঃ এ অপর্চিঃ ও উপরতিঃ আর্তিঃ

নিবেশন লী গৃহণ ইতি জটাধরঃ॥ ,, নগরণ ইতি হেমচন্দুঃ॥ পুবেশঃ। যথা। নিবেশনমস্য ব্যাহ্যতিভি হু ত্বেতি মৃতিঃ॥

নিবেশনীয়ঃ ত্রি নিবেশনার্হঃ। যথা।
তৎ পুৰুষীয় সাধারণ্যাদি শরীরে
নিবেশনীয় ইতিনায় দোষঃ। ইতি
সব্যভিচারে গদাধরঃ।।

নিবেশ্যঃ ত্রি নিবেশনীয়: । যথা।
পুতিৰদ্ধকতায়া দিবেশ্যত্তাদিতি
শক্ষ্যতে। ইতি বাধ ট্রীকায়া পদাধুরঃ।

निषकः श्रु वनायकात् धः। यथा। विषक्षाः विषक्षिः विषक्षाः विषक्षिः । को भूवावजनयः। इंडि विकूभूताः

त्व अश्म १८ अध्यायः ॥

निम्मानः क्षी मर्मनः॥ मुद्रमः। इंडि

त्मिति ॥

निमा रक्षीः ताविः। उर्देशयः ।

तावी २ तत्काजननी २ मद्दरी ८

ग्रम्मा ४ त्वावा ४ म्यामा १

याम्या ४ त्वावा १ व्यावा ४ प्रमा १

याम्या ४ त्वावा १ व्यावा १ व्यावा १ व्याव्या १ व्

निमाकतः श्रुः हन्मः। इंड्राप्ततः॥ अकूरिः। इंडिम्ब्स्तङ्गावली॥ निमाशनः श्रुः क्वाबित्रमृहः। उट् शर्यायः। श्रुवावः २। इंडि इम् हन्दुः॥

নিশাচরঃ পু॰ রাক্ষসঃ। শৃগালঃ।।
পেচকঃ।। সপাঃ। ইতি নৈদিনী।।
চক্রবাকঃ। ইতি শব্দর্থাবলী।।
তৃত্যাইতিধ্রণিঃ। প্রেকেঃ। ইতি
রাজনিষ্টায়। রাজিচরমাত্রে তি ।।
নিশাচরী স্ত্রী সলটা। ইতিনেদিনী
। কেশিনী নাম. প্রাদ্ব্যুণ। ইতি
কটাপ্রঃ।। রাক্ষ্মী। ব্র্ঞা। জ্বনির্তিনিশাচরী মন গৃহান্তরালে

স্থিতা নিহন্তি নিগমাগম স্তি পু 📗 রাণ শাক্তোদিতা । ক্রিয়া তদ-रगा क्यान कारतः द्वामा , रक्यनः ভূপতে ॥ ইত্যুক্তটঃ ॥

নিশাচর্ম ব্লী অন্ধকারঃ। ইতি ত্রিকাওশেষঃ ।৷

নিশাজল ল্লী হিমণা ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ ৷৷

নিশাটঃ পু॰ পেচকঃ। ইতি হেনচন্দুঃ १। निमाहत्रक ॥

मिमाहेकः शुः खशुनुः। ইতি दाजः নির্ঘণ্টঃ ॥

নিশাটনঃ পু॰ পেচকঃ। ইতি হলা यूषः ॥ निन्धानंत्रकः ॥

নিশাতঃ ত্রি শাণিতঃ৷ ইতি হেম-ठन्मः ॥

নিশাদঃ পু॰ নিষাদঃ। ইত্যমরটী-कायाः त्रमानाथः ॥ निमाज्क् छ ॥ निশापिः खी मक्रा। ইতিরাজ-নির্ঘণ্টঃ ।

নিশান্ত ব্লী পৃহণ। ইওগুমরঃ।। উদা ।। भारत बिं। हें कि सिनी।। নিশান্ধ। জ্ঞী, জতুকালতা। ইতি

রাজনির্ঘণ্টঃ॥ রাত্র্যন্ধ তি॥ निमानिः नुः हमुः॥कन् दः। ইত্যমরঃ॥

निभाश्यः क्षी उद्भावः। इछितान-्रिम्धं केश्मी । विकास विकास विकास

न्गा अशी शहर अर विषा दिश्व - निमाननः श्रु भिष्न कर्इ है ধনু মকর রাশফঃ। ইতি জ্যোতিষ निमा उद्या जी मूक्ष शृही। मूक्त भया ইতি ভাষা। ইতি শবচন্দ্রিকা।। নিশামশিঃ পু॰ চন্দুঃ1ইতি ত্রিকাণ্ড-(শ্যঃ শ

> नियामनः क्षी पर्यनः ॥ जाःलाहनः १ ইতি নেদিনী ॥ শুরণ•। ইতি হেম-हमूः ॥

> নিশাম্গঃ পু॰ শ্গালঃ।ইতি শব্ बद्भावणी।।

> নিশারণ ্লী সারণ। ইত্যমরঃ।। त्रावियुष्तकः।। द्राविशस्य शुः॥ নিশারত্র: পু॰ চন্দুঃ। ইতি হেমচন্দুঃ॥

নিশাৰকঃ পু॰ ৰূপকভেদঃ। যথা। দ্তঃ পৌতো ২থ খচরে। বিভব ক-তুরকমঃ। নিশাককঃ পুতিতালঃ কথিতাঃ সপ্ত ৰূপকাঃ ৷৷ 🕸 ৷৷ তস্য क्षक्र वर्षा। वयुष्ठन्तृ । ख्रुक्रन्तृ তম্যাসতালকঃ মৃতঃ। চতুর্বিশা-তি বৃণৈস্ত রসে হাস্যে নিশাক্তঃ 11 🟶 11 जानिविष्णयः । यथा । भु-বিশ্য নর্ত্তকো রহু • বিকীর্য্য হৃ সুমা-দিক•। নিশাৰুকেণ তালেনু কো-মল প্তামাচরে । ইতি স**র্**তি-

े पानापतः॥ विष्युकारमञ्जूषा

নিশারনঃ পু• শণঃ। ইতি রাজনি-র্ঘটঃ ৷৷

षिणावृन्तः क्ली त्राजिशनः। वङ्गिणाः। इंजिल्यत्रज्ञावनी ।।

निणारविन शृ अङ्गुष्ठः। ইতি इन हम्मुः ॥

নিশাহসঃ পু॰ জমুদ•।ইতি ত্রিকাও-শৈষঃ ৷৷

নির্শাস্থা জী হরিদু।।ইত্যনর:।। নিশিত: শ্লী লৌহণ।ইতিরাজনির্বন্টঃ নিশিত: পু॰ শাণিত:।ইত্যনর:।। নিশিপুল্লা জী শেকালিকা।ইতি॥

ত্রিকাণ্ডাশ্যঃ ॥

নিশিপুদ্ধিকা স্ত্রী শেফালিকা। ইতি শব্দরত্বাবলী।।

নিশিপুদ্ধী জী শেকালিকা। নিশি রাত্রৌ বিকশিত পুদ্ধ নস্যাইতি বুয়ৎ পন্ত্যা মধ্যপদলোপঃ সপ্তন্যা অলুক্চ ততো জাতেরতইতিইপ্ নিশীথঃ পুণ অর্দ্ধরাত্রঃ। ইত্যমরঃ।।

রাত্রিমাত্র•। ইতি মেদিনী।।
নিশীথিনী জী রাত্রিঃ। ইত্যমরঃ।।
নিশীথিনীনাথঃ পু• চন্দুঃ। ইতি
হলাযুধঃ।।

निशीशां जी त्राकिः। इठि ज्ति - शुर्यागः॥ मिणुष्ठः शृ॰ वक्षः। ইতি एक्स हन्तुः ॥

मानवित् नक्षः। यथा। क्ष्णाश्रमप्र

मन नीम कार्या मी पिन जलमा कर्मा का
मन नीम कार्या मी पिन जलमा कर्मा का
हन्न विक्रो। (का हैः न्यु है कि था।
हन्न विक्रो। (का हैः न्यु है कि था।
हन्न विक्रा। (का हैः न्यु है कि था।
हन्न विक्रा। (का हैः न्यु है कि था।
हन्न विक्रा महावन ममित्रः।।

हिन्दा नम्या महावन ममित्रः।।

हिन्दा नम्या मात्रः। है कि हना युवा।

हिन्दा नम्या मात्रः। है कि हना युवा।

हिन्दा नम्या मुस्राथनी की मूर्ग। रथा।

हिन्दा न्यु मुस्रमथनी प्रिती (वर्ष यु गी
यत्न। है कि (म्वी श्रापः।।

নিশুম্ভী পু• বৃদ্ধবিশেষঃ৷ তৎ পর্য্যায়ঃ

া হেরমঃ ২ হেককঃ ৩ চক্রসমূরঃ ৪

দেবঃ ৫ বজুকপালী ৬ শশিশেখরঃ
পবজুটীকঃ ৮। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ৷৷
নিশেতঃ পু• বকঃ। ইতি ত্রিকাগুশেষঃ
শেষঃ ৷৷

निक्यः श्रृः निःमः संयुक्तानः। उट् शर्यप्रायः। निर्वयः २। ইত্যमतः॥ निर्वयनः अनिहयः ६। ইতি सम्बद्धा-वली। । ॥ ।। जम्म्रीया शुकाता श्री उट्शुकात् ज् निर्वयः। ইতি ভা-याशिक्षाः॥

निक्ता जी भावनेगी । इंडि इंडि-निक्तुः ॥ शृथियो ॥ जहान वि ।

যথা। নিবস তু তব গেহে বিশ্চল निष्मुन्वी । ইত্যাদুস্ভট: ॥ निम्हनामः शुः वकः। ইতি वाज निर्घन्तः ॥ शर्वजामी स्थनावि তে চ ত্রি॥ निकायकः वि निक्यकर्त्व। निर्नायकः। यथा। अनुभाधि द निन्हायक मर्मन ए নহেত্তত্বনিতি ব্যাপ্তিগৃহমাথুরী।। निक्तात्रकः शृ शूत्रीयक्षयः॥ वायुः॥ यहन्द्रः। ইতি मिनी।। নিশ্চিন্তঃ ত্রি চিন্তারহিতঃ। যথা। মূর্ধর্•সুদ্দভ• ভঙ্কম সমতে মূর্থস্য চাষ্ট্রেগুণা নিশ্চিস্তো বহুডো রকো-তিমুখরো রাতিন্দিবা মণ্নভাক্। कार्यप्रकार्य। विठातशामि त्रशिष्ठा भानाभगात मरम पद्मा मईकनम् मृष्ट्रि हत्राणी मूर्थ कित्र कीवजू ।। इंज्रुख्हेः ॥ नि•हीयभानः बि निक्ष्यविक्यः। যথা। বনু তথাপি এবকার ম্য नि कीयगानरे मार्थकदाञ्चार মতঃপুক্তিকামিতি শৃৰশক্তি পু क्षिका ही श्या आग्रह मुहा। भिष्कृत्रण क्षी महानीमः। भिनी इंडि ভাষা। ইতি ত্রিকাওশেষঃ।। निएम्डे बि किंद्रीति उः। निएम्डि

े छः। वथा। गनगुरु निक्ताक्षी रिन

ত্যে নিৰ্গত লোচনঃ । অব্যক্তরাবো ন্যপত শহবালো ব্যসু বুঁজে ।। ইতি শ্রীভাগবতে দশনঃ ।। নিশাসঃ পুশ বহিমু থিখাসঃ । তথ পর্য্যায়ঃ । পানঃ ২ এতনঃ ৩ ৷ ইতি হেমচন্দুঃ ।।

নিখাসসংহিতা জী শিবপুণীক্তশাস্ত্র বিশেব: যথা। এবনভাগিত তৈ স্তু পুরাহণ দিজ সভনা: । বেদ কির্যা সমাযুক্তাণ কৃতবানিম সংহিতাণ।। নিখাসাখ্যাণ তত স্তন্যাণ লীনা বা ভুব্য শাণ্ডিলাঃ। নিখাস সংহিতাণ যাণ হি লক্ষ মাত্র পুনাণতঃ।। সৈব পাশুপতী দীক্ষা বোগঃ পাশুপত-স্যহি । এতুমাদেদনার্গাদ্ধি যদ-ন্যদিহ জায়তে।। তৎ ক্ষুদ্ কর্মবি-জ্ঞেণ রৌদুণ শৌচ বিবজ্জিত।। ইতি বরাহপুরাণণ।।

নিষকঃ পু• ত্পীরঃ। ইত্যমরঃ॥ সকঃ । ইতিমেদিনী॥

नियक्थिः शृ जमानिकः। वानि-वनः । इज्रामितकायः ॥ धनी ॥ तथः ॥ ऋषः ॥ ज्ये ॥ जात्रिः । इजि जिल्लाकात्रभाषिक्विः ॥ नियक्तिः शृ धनुर्धदः । इज्रामाः ॥ नियकः शृ । नियम्बः ॥ इज्रामाः ॥ विवागः यानी ॥ নিষ্যক প্লী সুনিষ্মক। ইতি শব্দ রত্নাবলী।।

नियामः श्रुष् ठिशामः। ইত্যমরः॥

यथा। मथामान ততো রাক্ত स्टब्स
म्दो शुक्कितान्। दुःसार्श्विभक्ष
यःक्ष स्टब्स् शुक्कितान्। दुःसार्श्विभक्ष
यःक्ष स्टब्स् शुक्कितान्। दुःसार्श्विभक्ष
यःक्ष स्टब्स् शुक्कितान्। दुःसार्श्विभक्ष
स्टब्स् स्टिस् विद्वन् मृक्षे निर्माप्ति ।

स्टब्स् स्टिस् विद्वन् मुक्कित्रानम् वन्

याणि यणः कन्प्रस् मञ्जवान्। यं

हारना विकानिकाः स्टब्स् नाह्मा
स्टः॥ स्राम् क्रायाः स्टिस् विदेख-

नियार

नान् (वन मञ्जवान् । ইত্যশ্বিপুরাণ ॥ 🛊 ॥ পারিভাষিকভোলো यथा । আশাকতু স্তুদাতা চ দাতুশ্চ পু-তিষেধকঃ। শরণাগত য স্ত্যজ্জিত म हिंदाना १४(मा नदः ॥ इंडि भाक (अयभूतान ॥ शीवतविष्णयः। ইতি নেদিনী।। #॥ সপ্ত স্বরান্তর্গত শেষ ষরঃ। স তু নারদ মতে হস্তি-ষর তুল্য মর:। অস্যোচারণ স্থান ननारे"। व्याकद्रग मर्ख्य म्सः। अयः े देन्नावर्गः । महत्रतागाः मर्था जेहः। অস্য জাতিঃ সম্পূর্ণা। অস্ত কুটতা-নাঃ ৫০৪০। পুত্ত্যেকভান ৫৬ সমু-कारयन २४२२८० जवि ॥ अन्। य-ৰূপঃ গণেশ তুল্যঃ। কৃষণেত বৰ্ণঃ। शान शृक्त ीशः। एवजा मूर्याः। बाबः गनिः। भनयः निनास्त ৮ দও ৩৪ পলান। অস্য শুতি: উগ্র (माजिनी ह। मूईना मन्द्र शान স্থা। মধ্যস্থানে অহন্ধৃতা। তার शान लाहन। है।। नियाम विक्रिं ब्राणिणी आंगावती गुनावी है।। ना-म्भूदानगठे । निःमेखाना १य ॥ वीगाया रेथवजाविध युद्ध आन পর্যন্ত: পূথন সুপ্রক:ত্তীয়া:শুসু भिय अभूमाय वीर्ग उजी नियान হান ভথত। ইতি সন্বীতশাস্ত্ৰণ

निमानी शृ॰ इछात्राङ्श माङ्ड् ইতি খ্যাতঃ। ইত্যনরঃ।। भिषिषा जि निष्यथितियय । यथा १ তীর্থে তিথিবিশেষে চগঙ্গাযাণপু-ত পক্ষকে। নিষিজেপি দিনে স্বৰ্য্যা--ত্তর্পণণ তিলমিশ্রিতণাইতি ভিথি उद्भ ॥ # ॥ निषिक्षकर्याणि यथा 1 মান্ধাতোবাচ। বুহি ধর্মান্ সু-(थानायान् अविधानाः সূথাवहान्। নিবিদ্ধ মূপি যদেবাণ তদেব পুথ-यः तम् ॥ नातम खेवाठ। जातक्रमणः मानुनिवर्रवक क्षि वंशिका शिभू भावनक । भूग्रवनकाभि ज्यार्थ-হেতো রকার্য্য মেতৃৎ পরমণ ব্রাহ্ম-गर्जा के क्षित्र क्षित्र कीव-नक विश्वत्या रिकी विवाद कीवा **गियक अमीनक विवर्ज्जाद्वर ॥ भूरम्।** -বান্ত্রক্ডিথ্যাপেতো দুরা-চরঃ। ব্ৰলী রমতে যন্ত পিশুনো नर्खन खथा।। गुाम(भुर्ख्न) विकर्ण।

চ যো দ্বিজ শ্চরিতাছুতেঃ। বেদান-পি জপন্ শ্ট্রেঃ সমঃ স পরিকীর্তি-তঃ ৷৷ কৃত্যেষু বৰ্জনীযোগৌ বৈদি-কে তান্ত্রিকেপি চ। নির্মাধ্যাদে চা-শুচৌ কুরবৃত্তে হিংসাত্মকে ত্যক্তথ-**মে খ**বৃত্তে। হব্যঞ্চ কব্যঞ্চ নদেয**েন**ব। मानक एक विकवा गात्रम् ॥ 🕸 ॥ न्नाजनजानाः कत्रामानः विनादैववाहिर क्ष यः। পুতিগৃহः न नित्मा क्र त्रज ठानूथभुमः॥ मूरक्ष भनायनरिक्ष তথা কাতরতার্থিয়ু। অপালন পু-জানাঞ্চ দামে ধর্মে বিরক্ততা ৷৷ অম-(वका बबाड्डेम् वृष्यभागाननामतः। অমাত্যানা লসমান তেষা কর্মা-नरवक्षण ॥ ভৃত্যানাঞ্ পরীহাসো নিষিদ্ধঃ ক্ষত্ৰভন্মনাং ॥ স্ক্র ॥ বৈশ্যা-नाः धनः वार्छन निष्रान्न भूकाः শনা অপালন পশ্নাঞ্ অনিজ্যা বিভবে সতি॥ #11 শূদাণাঞ্ মহা बाज़ वृरेषव ध्य मक्ष्यः। भूत्राकाः ক্তকার্য্যস্য কৃতসন্তাম কর্মণঃ॥ অ-ভানুজ্ঞাত রাজ্যস্য শূদুস্য জগতী-পতে। অল্লান্তর গতস্যাপি দশধর্ম ্গভস্য ह।। আশুমা বিহিতাঃ সরে বৰ্জবিত্বা নিরাশিষণা ইতি পার্গদ্ম-चर्गथए७२१ व्यथ्जायः॥ 🗱 ॥ व्यश्निह् । যস্ত ভাগবতান দৃষ্ট্বা ভূত্বা ভাগবতঃ

भूिकः। यञ्जूषान न मही o वह তেनाशि हि॰निजः॥ यण कन्ता॰ পিতা দত্বা ন পুষছতি ভা॰ পুনঃ। অষ্টো পিতৃগণা স্তেন হি•সিতা নাত্র मःगयः ॥ ভार्याः श्रियमशीः यस সাধী হিংসতি নিঘ্ণঃ। নতে নৃতাণ পুঃ বৃত্তি হি॰সকা দুষ্ট যোনিজাঃ।। বুক্ষুণ্ট কৃত্যুণ্ট গোমুণ্ট কৃতপাপ-কাঃ। এতান শিষ্যান্ বিবক্তেত উ-ক্তাযে চান্য পরিতকঃ ৷৷ শালপত্তে ন ভোক্তব্য ন ছৈত্তব্য কদাচন। অখ-त्था वर्ष्ट्यक क न हि खति हो कमाइन।। न (इंखरव्या विन्ववृक्त रे जुस्त्र कि कमा-**চন। कर्ण**गुर्ग रेक्टव (य रक्का न (इक-वृताः कमावन।। यभीरह् ८ शहमाः मि-कि भाक धर्म गनाउन । ७क्ता-ভক্ষ্যঞ্জে শিষ্য বেদিতব্যু তদন্ত-त्र ॥ कत्रीत्र में उपः में खः क्वारिते-ডুম্বরস্য চ। সদ্যে ভক্ষী ভবেত্তেন অভক্ষ্যাঃপৃতিবাসিকাঃ॥নভক্ষণী য বারাহ মা স মৎ স্যুস্য সর্বশঃ । अधका वाक्ति रहारे में किरेड र्हिन मः भयः ॥ शितिवामः न स्वी उ न हि॰ मा॰ वा व्यमाहन। रेभणूनाक न कर्खवुर रेखनां वाणि करावन ॥ य-जिविकागज॰ मृक्षा मूत्राक्षानागम॰ হুচিৎ। সংবিভাগস্ত কর্তব্যে যেন

কেনাপি প্এক।। গুৰুপত্নী রাজপত্নী ব্ৰাহ্মণী বা কদাচন। মনসাপি
ন গন্তব্যা এবং বিষ্ণুঃ পুভাষতে।।
কনকাদীনি রত্নানি যৌবনছা চ
কামিনী। তত্র চিত্তং ন কর্তব্যমেবং
বিষ্ণুঃ পুভাষতে।। দৃষ্ট্বা পরস্যু ভান্
গ্যানি আত্মনো ব্যসনন্তথা। তত্র
মন্যু ন কর্তব্য এবং ধর্মঃ সনাতনঃ
।। ইতি বরাহপুরাণং।।

निरमकः भू॰ गर्जाधानः। ইতি निरमका का निरम माम हो का या। छत्र छत्रा ।।।
निरमका झा छ छ भन्नी छन्न छर्जा माम छा मुखः। माम मिन्न माम छा मुखः। माम मिन्न माम छा मुखः।।
निरमका निरम का थर्छ २० ज्ञाधानः।।
निरमका निरम भू॰ गर्जाधाना मिन्न छ।
। ज्ञामिना मीम छा मयना माम मिन्न विम्हामाना एक गृहनः छ द कर्छ।
भिना मि छनः महा । ইতहमन छन्न छा छ।।

নিষেধঃ পুণ পুতিষেধঃ। নিবুজিঃ।
বিধিবিপরীতঃ। যথা। তিথীনা
পূজ্যতানাম কর্মানুষ্ঠানতো মতা।
নিষেধস্ত নিবৃত্তাত্মা কালমাত্র ম
পেকতে।। ইতি তিথিতকু ।।
নিষেবন ক্লী সেবা। যথা। স্যামহৎ সেব্যা বিপ্রাঃ পুণ্য তীর্থ নি-

বেবনাৎ। ইতি ঐভাগবতে ১ ক্ষ-क्रिश्चित्रायः।। निरुवद्ध वि (भवनीयः। यथा। म्रानमु े इव विकारम निरवत्वता हिन्नवानिव া**ইতি ভাগবতে ১কন্ধে ১২ অধ্যা**য় নিষ্ক ড ক সানে। ইতি কবিকন্নদনঃ निकः भु॰ ही जाष्ट्रेम उजूवर्गः॥ (इम ा। উরোভ্বণ।। পল•।। দীনারঃ ।। यम् । होका यथा । माजीय (वा-**एम** गांग्रू शतिभिज् मर्गः मूर्गः তেবা সুবর্ণানা অপ্তাধিক শত।। ংকন বৰ্ণ নাত্ৰণ উরোভূবণ বক্ষে। रनकातः। भनः माखीय मान वि-শেষঃ। উরোভুষণ পলঞ্ছের এ-বেতি কেচি**ে। দীনারঃ সম**্যশ্ব্যব-रातार्थः भान वस्त अयु निष्कः। (क-চিত্তু দীনার ইতি পল ইত্যস্যবি-শেষণ । দীনারে পলে লৌকিক পলেনতু শান্ত্ৰীযে ইত্যাহঃধা মা-র্ভান্ত দাত্রি-শদুক্তিকা পরিমিত• का्क्षनः मीनातः। उथाहि। भीना রো রোপীকৈ রপ্তাবিশ্যত্যা পরি-की उटः। সूर्वेन मध्छिखा। छो-গো রোপক উচ্যতে । ইতি বিষ্ণু -एधः भ-नुवर्गि १ मी जि विका পরিমিত কাঞ্চন তস্য সপ্ততি-, তমোভাগঃ সপ্তমাশাধিক ছেম

त्रिकाया (ताशकः छम्श्रं विन्मछ। वाकि ममुक्किका शतिन्छ (हम मीनात है जि शर्य प्रमुखी छ। इन्
भ मीनात है जि शर्य प्रमुखी छ। वर्ष
भ ना । है जि स्मिष्ट मुः॥ क्षेण्या।
है जि कि । भाषक हिल् है ये ।
है जि दिवस कि शति छाया। (वा एममुगुः। (वा नका हन है जि जाया।
है जि नी ना वर्षे।।

নিষ্ঠঃ পু॰ বৰুণবৃক্ষীঃ। ইতি শব-চন্দ্ৰিকা।।

নিষ্ক পুণ নিশ্চম:। যথা। অত্রায়ণ নিষ্ক ইত্যাদ্যাপরাহিক শুগদাদি ব্যবস্থায়ণ নূর্যহা।।

निष्ठनः जि कलाम्नऽः॥ नश्चेवीर्यऽः।
इंडि (मिनी ॥ आधादा पूर्ः। इंडि
मद्गिका ॥ तुक्ता यथा । विद्ययमुशिक्वीयम् । नष्ठनग्राम्बीदिशः
। উপাসকানাং কার্য্যার্থণ বুক্রণো
ক্রপ কল্লনা।। ইত্যেকাদশীতত্ত্ব জামদগ্যবচনং॥

নিষ্কণা দ্রী বিগতার্ত্তর। ইতি শবররাবলী॥ বৃদ্ধা । ইতি রাজনির্ঘটঃ
নিষ্কলী দ্রী পতুহীনা। নিবৃত্তর জন্মা ।
ইতি শবর্রাবলী ।।

निष्ठावकः शु॰ मुखिल्स्वागाघ्ठा्छ। ख्रिशायिष्डारः। यथा। मुखिल ব্যোদ্যালকৈ যুতাভ্যক্তন চকহ্ব্যানিষালকৈ যুতাভ্যক্ত হন্তা।

ন্য নরণাৎ প্রোভক্তাতি বিজ্ঞাযতে। ইতি বশিষ্ঠ
মরণাৎ।ইতি নিতাক্ষরা।

নিষ্কাশঃ পু॰ পুলাদাদ্যপন্থান•।
নাজাইতি বারাভাইতিচ ভাষা।

কিটি মহাভারতে রাজধর্মঃ।।

নিষ্কাশিতঃ ক্রি নিষ্কাসিতঃ।ইত্যানরঃ
নালিতঃ ক্রি বহিষ্কতঃ। দূরীকৃতঃ।

ংপের্য্যায়ঃ।অবক্ষঃহাইত্যনরঃ
।। নিঃসারিতঃ ০।ইতি জটাধরঃ।।

নির্দ্ধিতঃ।। আহিতঃ।। অধিকৃতঃ
।ইতি মেদিনী।।

নির্দ্ধিতঃ প্রাক্তিঃ।

निष्कृष्टेः श्रू॰ गृहमभी(भाभवनः। ইত্যনরঃ।। ক্ষেত্র॰ ॥ কবাটঃ। ইতি
মেদিনী ॥ পর্যাটঃ। জানানামহল
ইতিপারস্যভাষা। ইতি হারাবলী
নিষ্কৃটিঃ জী এলা। ইত্যমরটীকাযা॰ ভরতঃ।।

নিছুন্তঃ পু॰ দ্ভীবৃক্ষঃ।ইত্যমরটা কাষা রাষমুক্টঃ॥ দ্যুশ্ন্যে বি নিছুশ্মিতঃ বি নিছাসিতঃ। যথা। কাকৈ নিছুশিত গভঃকবলিত বীচাতি রান্দোলিত । ইত্যাদি বাদ্মীকি কত গৰা ভোকা।

নিষ্কৃহঃ পু: বৃক্ষকোটর । ইত্যমরঃ।

নিষ্কৃতিঃ জী নিমু জিঃ। নিজারঃ।

যথা। বৃদ্ধান্ন চৈব নিজনে সুরাপে
ভক্তলগে। সর্বত্ত বিহিতা সন্ডিঃ
কৃতন্নে নান্তি নিষ্কৃতিঃ। ইতি প্রান্

নিষ্কুমঃ পু॰ ধীশক্তিঃ। ইত্যমরঃ॥ निर्गमः॥ पूष्क्षणः। ইতি मिनि ॥ निष्कुमगमः कादः। यथा। अहत्। कारम नाम हजूर्थ गामि निद्युमः । ইতি মলমাসতত্ত্বে যাজ্ঞবল্পঃ॥ নিষ্কুমণ ক্লী দশস কারান্তর্গতস কা-त्रविरम्यः। जर्नुशन यथा। जा-তে স্নারে জন্মবাসরাম স্তীযঃ শুক্লপক্ষ স্তস্য তৃতীয়ায়া তিথো शुाजः क्रमातः माशिवदाः नायः म-দ্যায়া মতীতায়া চন্দ্রাভিমুখ:ক্-তাঞ্জলিঃপিতাতিং ছে। রূথ মাতা मूहिना वाज्य मनात्र नाहो मुहक्ति-**१म्रा॰ फिलि जर्जू वीम्रशास्त्रं श**-किमाजिमूथी ज्य के उर्वे निवमः সমার পিত্রে পর্মপ্যতি। ততা माठा जुर्: शृधारामन उँ उत्रम्। दिनि गड़ा हन्त्र्राहिशू<u>शी स्य प</u>न्त मिक्निनभाष्यं जिष्ठि। अये भिजा জপতি পুজাপতি খবি রনুষ্টুপ্

ছन करमु। (मवठा अभाक्षमः) हन्तु मर्भात विनियागः। उँगाल मुसीता হৃদয় হিতনন্তঃ পুজাপতৌ বেদা-হ শ্নে তদুকা নাহ পোত্ৰমহ নি গা॰। ততঃ পুজাপতি শ্ৰেরনুষ্টুপ্ इन्त म्हत्मु। (पवंजा अभातमा हन्तु ॥ मर्मान विनियागः। ७ यट भृथिवता অনামৃত দিবি চন্দুমসি শ্রিত বে-দন্তস্যাহে নাম্মাহং পৌত্রম্ঘং ঋষ । ততঃ পুজাপতি র্থবি রনুষ্টুপ্ इन्त हेन्तुानी (एवर७ इस्मात्रम्) हे-न्तुमर्भान विनियागः । उँ इन्तुानी नमं यहुङ भुकारियम भुकाभजी যথায় ন পুমীয়েত পুগ্ৰো জনিত্ৰ্যা অধি। ইতি মন্ত ত্র্যণ জপ্তা সমারণ हन्मु॰ मर्भविष्ठ । शिका हन्मुाय अर्घाऽ॰ দদাতি চ। ততঃ পিতা তথা ভূত মেব সমার মুত্র শিরসংমাতে দত্তা বামদেব্য গানান্ত কর্মকৃত্বছিদু মব-'বাৰ্য্য পৃহণ পুরিশেদিতি। অত উদ্ধৃ^ৰ মপর শুরুগক্ষ ব্রয়েপি তৃতীযাযাণ তিথো সাই सक्ता निक्का हन्द्रा-·ভিমুখঃপিতা জলাঞ্জলি· গৃহীত্বাপু-জাপতি খ্রিরমুষ্ট্রপ্ছন্দ্র-চন্দ্রোদে-क्ता अपातमा हेन्द्र मर्गान विनिया-नः। अयहमण्डम्यनि क्षः भृषिवता क्रयः भिुछः उपरः विद्यां ख८ शण्ड-

নাহ পৌত্রস্ঘ কর্মিতি পঠিত্বা कना अलि॰ उर्राह्मर । वात्र हरा॰ जू-की । ততে। वागरमवा भी वाहिष् মবধাৰ্য্য গৃহ॰ পুৰিশেদিতি। এতা निकुन्न क्यांक् ज्ञ मू री हर कर्य পত্নী পুলোপাদান বিরহার্থ পুরা-সিনাপি কর্ত্তব্যমের।ইতিনিষ্কুমণণ ইতি ভবদেব ভটঃ॥ গ্লা তত্ৰ বিহ্নি ত দিন' যথা। রিক্তাতিরিক্তা ক্তিথ-যঃ।শনি মক্ল বাসরেতরে বারাঃ । আনু শ্লেষা কৃত্তিকা ভরণী মথ। विभाश भृइंक हुनी भृइंगिषा भृ-ৰ্মভাদুপৎ শতভিষাভিমানি নক্ষ ত্রাণি। কন্যা তুলা মন্ত লিংহ সং क्किन नद्मानि । वानकम् । ठजूर्थ মাসি তৃতীয়ে বা চন্দুাদি শোভনে कर्जवारः। ইতি क्राािंठियः॥

निद्रास्त वि निर्मठः। यथा। जुल्हो

कारिका खना वनार कनका मुंड ।

कानी कर्तान करना विनिद्धा छ। जि
निक्षिण की तुका यथा। निक्षिण निर्श्त नाष्ठ निर्द्रा मा किया ।

हे कि विनास मूस का विन्धा मा किया ।

हे कि विनास मूस का किया । किया ।

क्रिका विन्ता विश्व किया । किया ।

क्रिका विन्ता विश्व किया । किया ।

क्रिका विन्ता विश्व किया ।

क्रिका विश्व विश्व किया ।

क्रिका क्रिका विश्व ।

क्रिका क्रिका विश्व ।

क्रिका क्रिका विश्व ।

क्रिका क्रिका विश्व ।

क्रिका क्रिका क्रिका विश्व ।

क्रिका क्रिका विश्व ।

क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका विश्व ।

क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका विश्व ।

क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका ।

क्रिका क

निवायः श्रु॰ मा॰मापिकाथः। त्यान इंडि ভाषा। তৎ शर्यप्रायः। त्रमकः २। ইडि एक्सम्मुः॥

নিষ্ঠ্যঃ পু• শ্লেছজাতিবিশেষঃ। ইতি হেমচন্দুঃ।।

নিষ্ঠঃ ত্রি স্থিতঃ। নিতিষ্ঠতীতি স্থাপ-তো র্ড পুত্যুয় নিষ্কনঃ ॥

निक्षी जी निम्न जिः ॥ नामः ॥ चनः ॥ निर्वह । । विक्र । विज्ञा । विक्र । विज्ञा । विज

তে পপি তস্য। তলা ভবেনাচ্যুর रेमिक क्वा विशेष विशेष में क्या नि সিদ্ধিঃ॥ ইতি বৈদ্যঙ্গলঠাত্ত্ব ভন্ন-उमझिकः ॥ भाभाः। यथा। छन्न-বৃত্ত হরি পাযোন ভরভ্যাত্ম বি-ত্তমাঃ।তেবা মশান্ত কামানা কা-নিধা বিজিতাত্মনাণা ইতি প্রভা-গবতৈকাদশক্ষৰ পঞ্চনাধ্যায় শ্লো-क होका वृत्रभूतायाः श्रीश्रवसात्री ॥ নিষ্ঠান ল্লী ব্যঞ্জন। ইত্যমন্ত্রনা নিষ্ঠিত ত্রি নিত্রা স্থিত ক্র্যুক্ষা। দেবদ্বিশা নিগমবন্ত্র নিনিষ্ঠিতানা পূর্ভিমযেন বিহিতাভির দৃশ্যত্রভিঃ ।লোকান্ মুতাং মতিবিমোহমতি পুলোভ বেশ বিধায় বছভাষ্যত উপধর্ম।। দেবছিন্তা হৈত্যানা। নিষ্ঠিতানা নিতরা স্থিতানানিতি । ইতি এভাগবতে ২ ক্লেন স্ব थ्राय श्रीध्वसामी ॥ निष्ठाविनिकेः ॥ निकारमनञ्चिकका।। निष्ठीयः পू॰ निष्ठीयन । ইতি दिवान-কোষঃ ॥

কোবঃ ।।

নিষ্ঠাবন ক্লী সেমাদীনা মুখেন বসস

ক্ষেত্ৰ ক্লী সেমাদীনা মুখেন বসস

ক্ষেত্ৰ ক্লী ক্লোডিব পুতু ইতিচ ভাষা।তৎ
পৰ্য্যাফ ৷ নিষ্ঠেব হ নিষ্ঠুক্তিঃ তংগ্ৰহ

ক্ষেত্ৰ হ ৪ ইত্যুসরঃ ।। নিষ্ঠেব ৫ ।

নিষ্ঠেব ১ ৷ ইতি তড়ীকা ।।

নিধুর কি পৰ্য। াকঠিন । ইত্যমর: নিধ্যুত কি কিন্তঃ। ইত্যমর:॥ নিধ্যুতি: জী

निष्ठियः बि निष्ठीयन । इंडानियः ॥ निष्ठियन क्षी

নিষ্ণাতঃ ত্রি বিজ্ঞঃ। নিপুণঃ। ইত্য-মরঃ।। পার•গতঃ। যথা। বৈশ-ম্পাযন এবৈকে। নিষ্ণাতো যজুষা-মুত। ইতি ভাগবতে > স্কন্ধে ৩ অধ্যায়ঃ।।

নিম্নন্থ তি অতিপদ্ব্যঞ্জন দশমূলাদিন ইতি ভরতঃ ।। তৎপর্য্যাযঃ ।
দ্বিথিত ২ ৷ ইত্যমরঃ ৷৷ পদ্বতাশূন্যঞ্জ
নিম্নজিঃ জী সনাপ্তিঃ ৷৷ সিদ্ধিঃ ।
যথা। কিযাযাঃ পরিনিম্ন জি র্যদ্যাপারাদন্তর ৷ বিবক্ষতে যদা তত্র
করণত্ব তদা মৃত ৷ ইতি রান্তর্কবাগীশধৃত কারিকা ।।

নিম্ন এক্তিঃ খ্রী সপত্রাকৃতিঃ।
অত্যর্ভপীড়া। ইতি হেনচন্দুঃ।।
নিম্নত্রিকা খ্রী করীরবৃক্ষঃ। ইতি
রাজানঘন্টং॥

निव्वयः वि निव्वेखिद्गिष्ठः। गम्भाः। তৎर्यग्रयः। निषः २ निर्न्छः ०। इत्यावः॥

নিক্লাদন লী भिन्न জিঃ। নিন্ন জিনিযু-জিঃ। যথা। ধাত্বৰ্থতানছৈদক কল নিম্নাব

নিল্লাদকত্যা দদ্ধেত্য কুমতি পু-কাশনেন কর্তু রিছা মুৎ প্রাদ্য দান নিল্লাদনেনবৈতি কারক চক্রে ভ-বানন্দ সিদ্ধান্তবাগীশঃ ।।

নিয়াদনা জ্ঞা নিয় ভিপ্তেরণ । যথা।

যদা নিয়াদনার্থ কৃষু স্তদ্ধ হৈ তঃ

কট করোতি। যদা নিয়ভ্যর্থ স্তদা
কিষতে কটঃ স্বযমেবেতি। ইতি
রামতর্কবাগীশঃ !!

নিয়াদিত তি কৃতনিয়াদন । যথা।
নিয়াদিত দৈবক্ত সবশেষ প্র
তীক্ষতে। ইতি ভাগবতে সক্ষে
১০ অধ্যাযঃ ।।

নিক্সাদ্য তি নিক্সাদ্নীয় সাধ্য। যথা। চেষ্টা ব্যাপারেণ ছেদ্নাদ্ নিক্সাদ্যরাৎ সাধনত্ব নিতি রাম-তর্কবাগীশঃ॥

निश्चादः भू॰ वान्यामीना निवृ वीकत्रापः । वह्नीकत्र १ । ए० भर्यायः ।
भवन २ भवः ७। इज्यादः ॥ भूभवायः ॥ त्राक्ष्मायः ॥ कर्ण्यतः ॥
भनीत्र ॥ मिश्चित्र ॥ निर्वित्र म वि। इजि क्षामिनी ॥ त्याजनिश्ची ।
इजि त्रञ्जनाना ॥

নিদ্বাবকঃ পু॰ খেতশিদ্বী। প্রসিৎ ভুপ্ত ফল গুণঃ। মল্ল-রন্ধ কারিব্রণ। গুরুষ্ক। ইতি রাজবল্পভঃ।। निश्चार्ग .

इति छोदाः ना. विश्व । छत्र रहि-वर्गार्थाः नेर्वरायः । ग्रामका २ किन-नी ० नथल् विका । मुश्नित । किन्नित्त का ७ निश्ची १ एएकना ५ दिणान-किन्नित्र निश्चादिः ३० विलिवि ३० ॥ मृञ्जीयाः भर्यरायः । व्यक्तिशादिका ० १ ग्रामरा । वर्षात्र ।

নিষুত্তহ: ত্রি নির্বিদ্ধ: । যথা। নিষুত্ত ত্তহ মুপামহে ভগবত: কৌমো-দকী লক্ষণঃ। ইতি মুরারি: ।।

निष्ठुकः जि शुकाम्नाः। नीश्वितिहरुः। ष्ट्रभर्यायः । विभवः २ पात्राकः ०। केष्ठानतः ॥

निश्र्याजन कि भ्रायाजनग्रहिण।
यथा। जनापि सि महावादा नघ्नाम्भरमण्डः। खन्नाम्भरमणा हि निश्र्याजनजा नुरहर ॥ इंडि॰ भ्रायन्डिज्युः॥

নিমুবাণে তি উত্তাবিমূক্তবাস: । ন ত্ন

বজ । ইতি হারাবলী ॥
নিমুবাণি ত্রি নৃতনবজ । তৎপর্যাবঃ
। অনাহত ২ তজ্রক ৩ নবামর ১ ৯
। ইত্যমরঃ ॥

निइनः जि कृतम्नाः। यथा। शृनाः लि रिजी म निइनः। ইতামরः॥ निइना जी श्रक्षश्रकामप्रसञ्जा जैक् गठत्रज्ञसा। ইতামतः॥ उद शर्यायः। निइनी २ निक्की २ नि-क्वा ८ विक्की ६ विक्का ५ चजु-रीना १। ইতি भवत्रज्ञावनी॥ नित्रजाः ৮ विश्वार्ख्या २। ইতি कर्षाथतः॥

निङ्गी की निङ्गा। हैि **मन्द्रन**् वनी ॥

निमम्माउः भू निःमम्माउः। नि-मीथः। ইতি मदत्रद्वावनी।।

নিসৰ্গঃ পু॰ সভাবঃ। ইত্যমরঃ॥ ৰূপ॰॥ সর্গঃ। ইতি নেদিনী॥

निमिन्नः श्रृण् वृक्षवित्नयः। निमिन्नः
इठि ভाषा। उद्भग्रीयः। मिन्न् कः
र मिन्नुः अठाशिक्षः क्षण्यास्त्रकृष्ठकः
व मिन्नुवादः ७ इन्दुर्ग् द्विषः १ निर्धजी ६ इन्द्रार्गिका २। इठि नद्रहिन्द्रका है

निम्हन की निक्षिण्यन । व्याः इंडामकः ॥

নিস্তা জী ত্রিব্তা।তেউডি ইতি ভাষা। ইতি রত্ননালা।। निमृष्ठ वि ন্যস্ত•। ইত্যমর:॥ नप्रश् । ইতি তিকাওশেयः॥ निमृष्टीर्थः भू॰ मृजवित्मयः। यथा। কিস্টার্থো মিতার্থক তথা কলেশ হারকঃ। কার্যপ্রেষ্য দ্রিধা দূতো म्जुम्हानि उथा विद्या।। उल्लक्ष् यथा। উভযো ভাবসুদীय सय॰ वम-তি চোত্তর•। সুশ্লিষ্ট• স্কৃতে কর্ম নিস্প্তার্থন্ত সমৃতঃ॥ ইতি সাহি **ज्रमर्भाग अभित्राह्मः ॥** নিন্তনী জ্রী বটিকা। বডি ইতি ভাষা । ইতি भद्रविद्वा। खनशीना ह।। निखद्रग॰ क्री উপायः॥ निखादः॥ **जद्रन** । इंडि स्मिरिनी ।। निर्गमः । ইতি বিশ্ব:।। निखर्रनः क्री मात्रनः। ইত্যमद्रः॥ নিত্তল॰ ত্রি বর্ত্তুল॰। ইত্যুসরঃ॥ চল॰ । इंडि (मिरिनी ॥ जन । इंडि (इ-महम्मुः ॥ निखातुः भूः निखत्रगः। উष्मातः। বৃথা চৌণীত্রি: সরিদ্তীব গভীর ্ নীরা বালা ব্যুণ সকল মিত্থ মনর্থ एकः। निखात्रवीक विरितिये कृ रमारतीना मुद्याध्य वंगति मन्त्रु তि कर्नशातः॥ इज्राख्यः॥

निद्धिः श्र निखात्रवीकः क्री मः मात्र जतपुर्वादगः। **७ वथा। यत्र १० की र्ड्ज १ विस्था तर्ह**न भारत्यवन्। वन्तवः स्वतनः निकुरः **७ कुरा रेनरवम् एक्क् १** ॥ हब्रत्मास्क शानक जगन कशन जथा। इन-निखातवीकक मर्दिया मीन्निज् छ-वि ॥ इंडि वुक्तिवयर्ख् श्रुक्डि-थाख ०० जवतायः॥ निखिजीर्यः बि निखित्रजूभिहरः। यथा। जेनः जन्म निर्णा शाबा मूख র• নিন্তিতীর্বতা•। ইতি শ্রীভাগ-वाज रे ऋष्म रे व्यथायः ॥ निस्वक्नीतः (गाथूमः। ইতি त्राजनिर्घणः॥

निस्त पत्र को स्रिकः। ई जित्राब-निर्घणः॥ निस्त पिठः जि ज्युकः॥ प्रशिश्ताः॥ वष्ठ्रः। इजिस्त निर्मे॥

निख्डाः वि एउडाइहिन्। यथा।
हेम क्वर मद्धाद्या क्वरानाः शछेखु यः। मर्ब जमा क्था एपि निएउड़ा नर मिस्सः। हेि दुक्कामनीय गायजीकवर्ण्युः।।
निक्षिणः शूर्व थनः। हेजामदः॥ निप्रिय वि। हेिज प्राक्ति।। विश्वरमनाः। हेिज वाक्तिणः॥

निजिम्माती कि अवसीती। उन्ने

গেবরীভাষা'

वदा! मूक्ष खरूनः शुम्मू प्रांख-जिः करनाहिजः। मृतः क्ष्मिनश् रेक्ट स्प्रवाती शुकीर्डिजः॥ इंडि माट्रा ४५० वद्यायः॥

নিজ্ঞ-শপজিকা জী সু হীবৃক্ষঃ। ইতি -রজেনির্ঘণ্টঃ॥

নিজৈণশুল্লিকঃ পু॰ রাজধন্ত্রক:। ইতি রাজনির্ঘণ্ট:।।

নিসেহফলা স্ত্রী খেতকতকারী।ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ ॥

্নিম্পন্দঃ পু•্স্পন্দন•।ইতি ত্রিকাণ্ড-শেষঃ ॥

निम्मनः वि म्मन्द्रिकः। हैयर-कम्म्मृनः। यथा। कार्त्रती जीत-ज्नीकर जूजगत्रशृ जूक मूकात-मिक्टः कार्नाती हीन शीन खन वमन म्मान्मान निम्मन्द्र मम्दः। ইতি विक्रमामिल। द्रीक मजायाः द्राक्ष-म्मारः।

নিশান্তর । ত্রি একাস্তম্পান্তর হিত।

যথা। স্ক্রে ঘনে নৈবধ কেশাপাশে

নিপত্য নিম্পান্তরী ভবস্ভাগ ।

উস্যানুবন্ধা ন বিম্যোচ্য গস্ত মপারি তল্লোচন থঞ্জনাভ্যা ।। ইতি
নৈবধে ৮ সার্গাঃ।।

निर्मृशः जि न्यृशाम्न्द्रः। यथा ।

ं निर्मृशः नर्वकारमञ्जा युक् हेजूः "

७ व्यथायः ॥
निन्ध्रः जी श्रीशिधात्कः। यथा।
व्यक्ष्या निष्ठ्रः। ठाशि मानिनी विकृतस्त्रा। देखि भद्रातिपुरु।॥ न्थुहाया व्यक्षयाः।

निमान्तः भू मान्तनः। कत्रगः। यथा
। भाकन्त त्रम निमान्त मून्ततात्तात्तः
कात्रिः।। भूवगानन्तिनात्वरको वनितनाविव त्राक्षकः॥ ইভি भूनवत्राववनार्धेरक भक्षश्रतिभुः॥

নিসাব: পৃ॰ ভক্তসমৃদ্ভবমঙ:।ফেন ইতি মাড ইতিচ ভাষা। তৎ পর্য্যায:।মাসর: ২ আচাম: ৩। ইত্যমর:॥

शूर्णमः । इंडामद्रश्ना

निशानः शिनामणण ।।

निश्नानः जी भाजगः। वधः। ইত্যমतः

निश्चा वि स्ननकर्ता। यथा। निश्का

देवलकातामाः मजाः वस्कतः महा।

भाजचिषक तामम् भाक तस्कः

दा तिशा स्री शिक जिल्हे।।

निश्चा स्री शीरातः। ইতি समज्ञाः।

निश्चा स्री स्री स्री स्री स्री स्री स्री ।

निश्चा वि स्री शिकः। ইতি स्राः।

ध्हारा॰ महाबत्मा (वन गण्डः न পছা:। ইতি মহাভারত ।। निहि नेन जी मात्रगरे। हेछ अद्भाग निशीनः कि नीतः। गामसः। इकु मद्रः ॥ निहरः भू जनगानः। (वन वहन निक्र्यरङ जः। यथा। श्रावयत्वन न थात्रयामीजि। इंजामत जत्राजी ॥ **७८ भर्य)ायः । निङ्** जिः २ व्यशङ्क তিঃ এ অপত্ন বঃ ৪। ইতি শদর্মন वनी ॥ निक्षिः ॥ व्यविभागः । इेडि (मिनिरी।। एथः। इेडि मफ् ब्रङ्गावनी॥ निश्रुणिः बी निक्रवः। ইতি भाष त्रज्ञावनी ॥ निकृतः श्रू निक्ते। देखानदः॥ নিক্ষণ ব্লী চুম্বন । নিক্ষ চুম্বনে ইত্য मामनिष् शुउर्य निज्ञनः ॥ निका जी लिथ्य। ग्कः। निकी इंडि ভाষा । इंजु शाहित्कायः ॥ निकिथ वि उङ्गा उर्भागायः।

পরিজিগুঃ ২ নিৰ্তণ ৯ পরীত 8

পরিবেম্বিড ৫ ন্যন্ত ৬ নিস্থ ।

देि बढ़ोधदः ॥ श्राभिउधनानि ।

ত্যোপনিহিতন্য চ। রাজা বিকি

र्गः वर्गार्किक्षान शाहितः।

- यथा । निकिश्तंत्र धनान्दिन भी-

इंडि मेन्डेमाथप्रयः॥ নিক্ষেপঃ পু॰ কেপ্র॰। ত্যাগঃ।। সম-পিতৰৰ। গহিতদুৰ্য ইতি ভাষা। उद्भर्गामः। उभनिषः २ न्यानः ०। ইতি रमप्रमुः॥ यथा। बमुवा যত্র বিশুম্ভাগিকিপত্যবিশঙ্কিতঃ निकाशा नाम उर (शुक्त वात-হারপদ বুবৈঃ॥ অসম্গ্রাত মবি-জ্ঞাত- সমূদ্ৰ যদিধীয়তে। তব্দা: नीयापूर्वानिधः निक्कार गनिजः विषु:।। निरक्षभः वृद्धिः। निरक्षभः वृद्धिः। বিক্রয় মেবচ। যাচ্যমানো নচেন্দ্র-দ্যাঘৰ্ষতে পঞ্চক শত।।ইতি মি-जिक्कायाः नात्रमः ॥ अ।। अलाख বৃত্তসম্পনে ধর্মাজ্ঞে সভ্যবাদিনি। गराशक धनिन। र्यं। निक्त १ नि-क्लिवृक्षः॥ वाविः त्रीमा वावध-ন পিকেপোপনিধী জিয়ঃ। রাজৰ শ্রোত্রিয়ম্বঞ্চ ন ভোগেন পুণশ্যতি ॥ बयत्मवज् रया मन्त्राम् छम्। भुज्-नस्तत । न म ज्ञाञ्जा जिरमाकांवत न निक्शुक वसूजिः ॥ या निक्ला नार्भयिक एकानिकिना याहरक। जावूरको छोद्देवहारम् हो माला वा . छर नमः मुर्मा। इकि सनुः॥ नीकः भू वृक्तविष्णवः। वृज्जाहि-(कावः।

नीकत्रिः शुः न्रङ्गाद्रः। ইতি শব-ब्रज्ञावनी श नीकां व जूनाः। छेनमा। इंडा मतः॥ निकरय श्रुं। इंडि संमिनी नीकः वि शैनका जिक्या। তৎপর্য্যা-यः। विवर्गः २ भागतः ७ भाक्षः ৪ পৃথ্যুনঃ ৫ নিছীনঃ ৬ অপসদঃ ' প জান্মঃ ৮ কুম্বকঃ ৯ ইতরঃ ১০। ইত্যমরঃ ৷ অপশদঃ ১১ খুলকঃ **५२। इंडि ७, इन्हा। नीव में क्रिक्ट** यथा। न जुाद्माजि जूब किकि-बीठ मक्बाब्यश्वामि । (भुजनका-बाहार्मरवा नरा। जय विज्यिजः॥ शुदिमा निवयः नीहः खी धनापिक মিষ্যতে। শ্বंয নেতু न শক্নোতি . जमा नाययंजि धुन ॥ क्रिक खर्ग-भि नीवस यद्मांक्रायः शुन्नम् १८७। किष्णिले नवनानामा उनुक नार मनाजमः॥ मजाः नुद्रा खनः नीहः ामुक्ते मायाजि वश्ववद्। जजः मम-य योगामः शुकानगि ज्यानम्॥ मम्त्राकः वहल्याकः कृष्णाकः म-राजानाः। नममुन् बहुमानाः कं-र्मग्रनामूत्राचनाः । द्वि शास्यः कियारयागमात्र ए व्यव्यायः ॥ वा-, निष्ठ। वृक्षिण शैयक भूमा नी-हिंद नर नमागमादा मदारंगम्- । नीहना जी नियना । नेनी ।) था।

ধ্যতা যাতি শুেঠতা যাতি বিভ্ৰ-भाइि मार्रेडिशई॥क्षा व्याहः। **उट्नर्ग्रा**यः। वामनः २ नुष्० थर्दः ৪ হুস্বার্চ্ছ। ইত্যমর: ।। 🟶 ।। নিমুঃ । यथा। रेणजुर नाम खन खरेवव प्रश्न बः बाजाविकी बहुजा कि॰ वुमः भू-চিতা ভবন্তি শুচ্যঃ স্পর্নেন বস্যা-পরে। কিঞ্চান্যৎ কথ্যামি তে স্ত-जिनमः दः कीविनाः कीवनः दः (अमीर পথেन गहमि भयः कञ्जा॰ निरमकु कमः॥ इंडि नक्रगामनः ॥ #॥ हातक नाम शक्तुत्वर भू । ইতি রাজদির্ঘণ্টঃ॥ ত্রি বামনঃ। খুরঃ। ইতি **न**षद्भावनीता নীচক। জ্রী নৈচিকী। উত্তমগবী। नीहकी भू॰ উद्देश उभित्र जागः। इंडि र्नायुषः॥ উख्यगवीयाः के॥ नीहर्तकः वर नीरिहः। नीरिहः मदन्र किः भूद क्रिंजनाका निर्मेशः । यथा । फेर्दि विख्यानि ॥ নীচগ শ্লী জল। ইতি কোষান্তর ।। भीमात वि.। यथो । नैिंह गा मक्ना~ भागा हम्सीन मंध्री निर्वर । ইতি ভূতভামরত এ।।

नीहणा जुनही नीहा नीहरणा नीहणः खद्वा इंडि कायः ॥ अभिहा न्य-नयंडि विरेट्य नीहणा भ नदः म-दिए। ममू मूनिय मूर्क्षरं नृष्णः जाग्र नोहः भद्रः।। ইতি হিতোপদেশः॥ नीहर्जाकाः भूः भवाषुः। ইতি मदहिनुका॥ भागद्र ज्ञाङ्ग जि॥ नीहरकुः क्षी विकास्त्रनिः। ইতি दाक्षनिर्देशः॥

नी िकी खी रेन िकी। इंडा भविषा-या • ভवडः॥

নীচে: ব্য অল্ল । অনুচ । ইত্যমর: ॥
নীড়ে: পু লী পক্ষিবাসস্থান । পাকিরবাসা ইতি ভাষা । তৎ পস্থায় পিলামী: ২। ইত্যমর: ॥
স্থান । ইতি নেদিনী ॥

নীডজঃ পৃ॰ পক্ষী। ইতি হেমচন্দুঃ।।

ডিজন্দুঃ পৃ॰ গৰুডঃ। যথা। অন
কিত নীডজেন্দু বেগে কৃত নিবিডাসন মুজ্বতাঘ পীডে। মার শমন তডিৎ কডার দৃষ্টি॰ মৃড মুড়হাডিব শোভি চ্ড মাডিড।। ইতি
প্রাচীন শিবস্তুতিঃ।।

-নীডোডবং পু॰ পক্ষী। ইত্যমইং ।। নীত জি প্ৰাপ্ত । নেওয়া ইতি ভাষ। । যথা। নীত যদি নবনীত নীত নী । কিনেতেন। আতপ তাপিত ज्रूमो माध्य माधाय माधाय। इंजूउ-॥

नीजिः जी नगः॥ भाभगः। इंडि (मिरिनी ॥ # ॥ व्यथ नीजिनाजः লিখ্যতে। নয়স্য বিনয়ে। মূলু • 🍇 -नयः भाज निम्हयः। विनय्। शिन्तु-যজ্য স্তাহ্য কৰা বিছতি।। আ-ন্থান পুথম রাজা বিনযেনোপপা मरय । उटा १माज्यान् उटा ज्-ত্যা স্ততঃ পুৱা স্ততঃ পুজাঃ॥ স-मानूतकপुक्षिः পुकाभाषानउ८-পরঃ। বিনীতাত্মা হি নৃপতি ভূ্য-ষী শূষ মশু তে।। এব করণ সাম-র্থ্যাৎসংযম্যাত্মান মাত্মনা।ন্যান-यनবিদাজা জরী ত হিত মাজানঃ।। জিতেন্দ্রিয়স্য নৃপতে নী তিশাস্ত্রা-नुमातिगः। ভवर्षु उद्घृ विठा वन्द्र ३ কী ব্ৰয়শ্চ নভঃস্শঃ।। ইতি নীতি-भर्थ विजीय পুरयागः॥ 🗱॥ नगत উবাচ। যথা নীত্যা পুযোক্তৰ্ব্যঃ সুত আত্মাপুয়াতথা।তেবা বিশেষে: महिन मेलाहात्र वस्य व ॥ अर्व উবাচ। क्रामे मृश् द्वारकम् यया नी-ত্যাবিযুক্ত আত্মাসুতো বা ভা-र्या कृ जिम्निष्णयः मृगुत्र मा छान-वृक्षा अध्यावृक्षान् वर्षीवृक्षान् भूम-ক্ষিণান ।সেবেত পুথম বিপানস্যা

পরিবজ্জিতান্।। তেভ্যক্ষ শৃণুষা-मिछ्ड (वम्भाज विनिर्गयः। यमृहू उठ उ कार्याः भारेक रेम्ठ म्भारक त्र ।। *।। भाषा निष्यानि भकाषाः 🏸 রীর• রথ উচ্যতে। আত্মা রথী कना द्धान नात्रिथ र्मन উচ্যতে॥ व्यथान् जूनां छान् व्यदी उ जात्रिष् 'हाजााता वर्षः। वना ज्ल मृहा कार्यत শরীর ছিরতা তথা।। অদান্তা मगाक्क रमक्षवान् मान्तनी यथा। व्यथाना मिह्या गह्रमु ८ १२० शु जिन-দ্যতে ৷৷ যত্রাবশঃ সার্থিস্ত স্বেছ্যা (भुत्रयन् इयान् । नरय भन्नवन म-ম্যক্ পুথিত বীর মপ্যুত।। যথে-सिर्याण न्भि विषयाणा भित्र হে। ষবশ্যানি পুসরী ত মনোজ্ঞা-न मृत ज्या।। क्वांत मृत कमाया वा मृहायाः नृषमखम। मात्रथिः च व- १ ला माखारनीमः (भुत्रियजू स्यान्।। पार्छ। विन्युयानि वान कृत्या म-म उथा। ज्ञानमार्ग मिक्शाय शुक्र ही -তাৰ্মনে। হিত ।। #।। কেকিব্য ৰেই-या ज्ला न वर्ग्राम् ्नाथ त्रिः। मु-इवा मिलिमुहेवा न मुहेबुक सहया ॥ শ্রোতব্য মিতি শ্রোতব্য সাধিক। मुत्रा हार्वर्। भाजक वृत्र्रक श्रीतः नुष्ठिवल्गा ভবেষहि॥ वव॰ शुनु॰

ত্বচ• বাপি বশ্বিক্ত্যেছ্যা নৃপঃ। স্বে-**ছবৈবোপভূঞ্জীত নোদ্দাম• বিষয়**• बुष्डर ॥ १ वर्॰ यमि छरवमुङ्गा छमा म म्राङ्क्तिर्जिन्त्यः। बिरजिनुयद् र्रेज्य भाष वृत्काशामवन ॥ वर् দ্বসেবী শান্তজ্ঞানৃপঃশতুবশো ভ-বেং। তমাছান্ত মধিষ্ঠায় ভবেদুাজা किञिन्प्रशाक्षा ष्ठिः शुग्रागु मूट-नारश वाक्श्रहेवः विवहनः। मक्क ধার যিকত্ব দান নৈত্রী কৃতজ্ঞতা।। দ্ঢশাসনতা সত্য শৌচ মতিবি-निन्ह्यः । भद्राजिभाग्यविषयः हा-बिष् रेथ्य्यानानि ॥ क्लम थात्न मं-क्रिक एक (पव विकाईन । अनम् যা ইংকাপিত্ব গুণানেতীমূপোভ্য-(मर्। 'कार्यप्रकार्य) विजाशक भर्या-থৌ কাম নেব চ। দানস্য বিষয়ে সাম যোগ মেবোপলকতে॥ সত্ত পুতি यूर्षां अर्याम्यमात्रि उद्ाे # 11 সাম দানঞ্চ ভেদশ্চ দপ্তশ্চেতি চতু-**४४** ।। क्कांप्ताभायभञ्ज उट्यान जानुभायान् भुरगाङ्गरार। नामुक्कवि-

जुमा गर्धामः शतिकी विजः॥
मानमा विवास माथा ज्ञंधमः शति की विजः। मध्यमा विवास मान ज्ञंधमः शान ज्ञंधमः भान ज्ञंधमः मान ज्ञंधमः मान ज्ञंधमः मान ज्ञंधमः मान ज्ञंधमः मान ज्ञंधमः मान ज्ञंधमा म

সতত জেম ভুল্ভো ভেদ দও-याः॥ जाद्या मानम् रु उथा जो-कन्। याजि शाहरत ॥ 🛊 ॥ कामः क्रिक्क लाउक इसी मान मानी তথা। এতানতিশযানালা শব্নিব বিশাত্যেৎ ৷৷ সেব্যাঃ কালেয়ু যু-रेक्टारक व्याच गरबो विवर्क्सय । তেজ এৰ নৃপাণান্ত তীবু সূৰ্য্যস্য বৈ যথা।। তত্র গর্ন্ত রোগযুক্তকা-यवज्ञ मः छाइबर्। व्यास्थिकाः क्को जीत्मवा भान त्कवा जान्यण ॥ वाप्खरमाक भाक्ष्य अरेखजानि विवर्क्करवर । भन्नजीषु विवरकामू সেবা মেকান্তত গুরেছে।। সতী্যু निकनातीयू (भुना क्याह (भुन्न । রতি পুঞ ফলা দারা স্তা•স্ত নৈকাড-क खारा ।। जयाः मिरेका जियः সেব্যা বৰ্জ্জবিত্বাতিসক্ততা । মৃগ-याख भुषामानाः सानः निज्यः विव र्व्हारए ।। अका उथा न ब ही उ न कार्याज्ञ किनाननात्। व्यत्नुः কৃতৃ কদাচিতু ষেবেত নাত্মনাচরেৎ ॥ अकार्यं कद्रांग वीजः क्उरानाक ्विवर्क्कन । अकारण मञ्जद्विति है क-वार न क्विक्य ।। वर्काय मज-छ भान भोठ माक्ला नामन । अ-র্থক্ষ্করণ নিত্যুণ ত্যক্ষেরা আ দূর-

ণ• ৷৷ 🗰 ৷৷ অভিশন্তেমু চৌরেমু যান্ত-কেন্বাততাথিবু। সতত পৃথিৱীপা-लामखनाक्या मान्द्र ॥ मान्य म्खनाक्ष्यः वर्गाम्नि जन्मः। वाक्शाक्षाज अर्बंब रेनव अर्वाध करावन ॥ ब्रक्क शेषं अस मुख् । म-ত্যমেক পরাষণ। ক্ষমা তেজৰি-ভাকৈব পুস্তাবাদৃপ আচরেৎ।। यो नामनाभूग दिवध मक्तरमा थिगुर उथा । অভ্যমেৎ ষড্গণানেতান্ তেৰা। इ। नक नायं छ ।। यः भूमान न जा-नाठि ज्ञान कृष्को उथा कररा। (का-ষে জনপদে দণ্ডেন স রাজ্যেবতিষ্ঠ-ভেমকোষে জনপদে দণ্ডে চৈকৈকত্ৰ ত্রণ ত্রব । পুস্তাবাদ্বিনিযুঞ্জীত র-ক্ষেকান্তত ব্ৰিমান্ ৷৷ নিব্ৰেশবা-वृहामीत भुजाव विश्वभीव्रावे ॥ উৎসাহে। विकिशीयायाः धर्मकृत्जुः-है वर्गरक ॥ भनीन याजा मिर्बाए किरवे गे उठ ने शिः। मेख्रीन क्रम সমূতা ্বুদ্ধি সর্ব বোজঞ্ ॥ অমাত্যে শাত্রবে রাজ্যে পুরেছত্তঃ शूद्रम् ह ॥ अ। क्षि मूर्गक वाणिका . थन्तानाः कृत्रभाषनः।। जानानः रेम-न् क्रवर्श इंकन शक वाकिताः। भू-न् मेर् मुश्मनाक योजिन मज्ज करेनः ॥ भुभाषागात्र म्यूनाः त्रक्ष

ধ্কেতি চাষ্টন• ৷ এতদ্বাসু ৰগেষু চা द्रान् मन् क्र्याब्द्र ॥ कार्याः कार्य। विजागाय ठा द्वेर्गाधिकाति-गा॰। अश्वी हाजामियुक्कीयामश्चेवरर्गः यू भार्थिदः ॥ मन्यस्मार्यु यूक्षी छ क-এতঃ শৃণু তানিমে। স্বামী সচিব রা-ड्रेशि भि्ब कारिया वनस्था॥ पूर्गं ह সপ্তন জেই রাজ্যাক ওক ভাষি-· उ॰ । पूर्व क्षेत्र हो हे वर्श हो तुः नाजानि (पाजरपर्थ।। ज्यापिनानि (नेयापि शक ठाउममानि ज् । मुकार उर व शूट वर् मुक् शृशासी महानाम ॥ भ-क्षात्रीमस्यारेन्डव वनावन विमिन्ड-যে। খাদৌ দশসু চৈতেষু চারানাজা পুৰোজ্যে ে!৷ ন যৎ পুকাশ জানী-याय ज्लु हाँदि निक्लार्य । निक প্য তৎপু গী নার মবশ্য চিদুত क्टद्रष्ट् ॥ यथा निरमाश मिर्छमा॰ या एग यदानाथा हरत् । उड़ाज़ी **उब न्श्रम्हा** ति में खरमहा निरमां करण्ड ॥ हार्नाःस मिला मार्षः वर्रमः मिश्रा न्भः। भूरमाय् म्यार्य भ् हिंडरानीत्मव नांधरव ॥ चनुत्व **চाथ मुझारि ए द्रुक्ता गरानरम ।** निःका छान् मध्यारिको शृहिष कालि मिलि।। अञान् हात्रोतु चय॰ मामा मुश्रिक में खिला विना निना

क मिला नार्छ निक्षा अपिरमंद कन ।। निकृत्वभवत कारता निका **(ना** भारविद्धिय: । मण्डाका निर् স্বিত্ৰ নাতি বিহোন বামনঃ॥ সতত न दिवाद्में निद्धांगी नाश्रवृष्टिमान् । নবিত্ত বিভবৈ হী'নোন ভার্য্যাগুঞ্জ বজ্জিতঃ।। কার্য্য শ্চারে। নৃপতিনা গুছাতত্ত্ব বিনিৰ্ণয়ে আনেক বেশ গুছণ क्रमः ভार्यता मूरिल यू जः ॥ वह पम বচোভিজ্ঞ• পরাভিপ্রায বেদক•। দূচভক্ত পুসরী তি চার শক্ত মসা-, धुमः॥ अविज्ञिष्ठः सगः ताडा क्वि माञ्च मरेम खथा। विनक् भाष ह मू-र्गामि (उर् नेका वियादार ।। य-उत्पूरत পिত्युवर्गन् शीनान् द्वामि-(याकेस्ट्। युक्षान् शक्षाः खथा व्-कान् डिरिंग या वृष्ट्रि उर शताः॥॥॥ শুकाउ हाति गृक्षीयाद किया वृक्षा ननीविभीश रेन हैं। बल्ट क्लाहियू रेगरके। जुङीज शार्षिवः।। रेनकाकि नीख गरीयीं वुष्डरेमजाय रेनककः। व्यमाज्यान् नदा मुकान् छार्याः शू-धा खोष क । जुझर्या र महरु न्त्र भः बश्चामः नमाहब्र। धर्मार्थकाम व्यारिक के भूख्य भित्र भारति ।। **উপেত** धीयं क्यम् पूर्णभागविकी र्वित। यथ कामा ग्रामा जाउँ का

কিল্পাল্ট শৈচব ছার্ডঃ। পুত্রবিত্ব विधातन कथ जूनः मूनान याद।। ততে। দুর্গ नृभः अर्याप्ट मृहेठ जय वृष्त्राय ॥ #॥ न वृष्ट्रभगार्ग् नेना दाञ्छ। कराविषयमगढ्या अर्मुख्य म्राप्ताः বিপ্রান্ প্রেত্যের দুম্মভান্তবে । ন বিরোধস্ত তৈঃ কার্য্যঃ স্থানি তেযা• নচাদদে ।। ক্ত্য কালেষু সতত॰ जातन পরিপ্রয়ে । तियाः निन्ताः शुक्र ही उ नाज्यम्या उथा हाइट ॥ 🗱 ॥ এव- नृत्था महावृद्धि उक् म ७ व म थ य । य शुमा भी हा तह कू র্গণবান সুপুষয়দঃ॥ প্রেত্যেহ নহ-তী • সিদ্ধি • প্রাম্নোতি সুখভোগবান रियर्श्वरेगर्साकिङ काचा रेजः भू था-নপি যোজযে ।। নৃপস্য চ স্কৃত্রত্ব সতত স্ব॰ বিনাশ্যেশ্যে স্বৰ্তজ্বো ভূ 📗 श जनायां विकातः याजि निक्रयः॥ নির্বিকারায় সতত তমুদ্রৈঃ পরিপ্ জ্বেৎ। ভোজনে শ্যনে পানে পুক-ষাণাঞ্চ বীক্ষণে॥ নিযোজহৈৎ সদা-হারান্ ভূপঃ কাম বিচেইনে। অস্বত-व्याः ज्ञिर्या निज्यः हान्रयं मण्डव-ষ্ঠি হি ৷ তমাৎ জনায় মহিষী মূপ - शां ि स्तार्देतः ॥ (न्यापिया नि-मूक्षीञ् (योवताक्रावताश्रवाः। व्यष्ठः शूद्रभुर्माण जू स्ठाज दः निरंत्रशय

নীতিঘোষঃ পু• বৃহস্পতিরথঃ। ইঞি ত্রিকাণ্ডঃশ্বঃ॥ নযধুনিশ্চ॥

नी जिमाझ भू॰ इन्तुं॰ भू ि व्हम्मजुऽ॰
क नी जिमाझ विष्मयः। अय॰ हा॰
गक्र म॰ गुह्मून॰। गक्ष अभूताए अ॰
डे१ प्रशास्त्र सि वाङ्ग अक्षित्र जिल् ममूमारः न निश्चित्र अहे। ना म॰
श्रायाना॰ भाषित्रकाहे द्याका नि॰
थऽस्त्र। यथा। प्रस्किः मदः भू अ॰
डी ज मिक्किंगः ममा नतः। नाम॰
फि विह लाकाय भूत्र लाकाय वा हिन् भाष्त्र। आभम्दर्थ थनः द्वाक न्त्र

कातानुक्कुति त्री । काचान गउउरे त्राक्षणारेत त्रि ध्वेन त्रनि ॥ २ १(ए) ध्वानि भविज्ञा **প্রবাণি চ সেবতে। প্রবাণি তস্য ন** শ্যন্তি অধুর নষ্টমেন চা। গারাজ্য পালযতে নিত্যু সত্যু ধর্মা পরা-यनः। निर्द्धिका शतरमनानि कि ् छि॰ शर्मान भे जाराष्ट्र ॥ ८ ॥ ज्ञा বহুবিধা ঠেবা উত্তমাধ্য মধ্যমাঃ । नियाकवता यथार्थम् जिविरथ-ণেব কর্মসু।। ৫।। গুণবন্ত নিযুঞ্জীত खगरीम विवर्द्धारय । পश्चित्र গুণাঃ সর্বে মূর্থে দোষাশ্চ কেবল II ৬ II ন কশ্চিৎ কস্য চিক্সিত্র ন ক-न्द्रिट कम्याहिष्ट्रिश्रुः। काइगारमव কাঁয়ন্তে নিত্রাণি রিপব তথা।। १।। **স**ভার্য্যাঞ্চ সমিতৃক্ত সরাজান স-नौक्रम । क्रिक्कुक अरम मक मृत्र छः পরিবর্জনে ।। ৮॥ ইতি গাকডে নীথঃ পু• নিষম্ভা।প্রাপযিতা।ইতি সি-का अरको मूप प्राम्या पिवृक्तिः ॥ इतन न्नी। इंजि ने किसनारता श्रीमवृज्धिः नीषु की वनीक ॥ वनु ।। तन् ।। চন্দুঃ। রেবতীনক্ষত্র বৈতি হেম-हम्मुः॥ नीत् मुनिनार्थः ।। नीताः । भू॰ क्रम्यर्कः। इउ म्बरः॥ बाजाकमञ्जूष । देखि जुम्बानियकः॥

नीद्रह

वक्कर्कः ॥ निवारमाकर्कः । इंडि क्षिनी ॥

नीयमान वि शुलामान । यथा। नीयमाना ने गहिएहमाहियी मद्रा॰ उम्राप्टिकानिकाश्वान ॥

नीत की जन। इंड्रानतः ॥ तमः । इंड्रांशां मिक्षां । नीति व्यक्तनः गीयानि यथा। निष्ठीवाम्क् मक्स्व विद्यानान्त्र न मं किला । इंडि न क्षत्राने ॥

নীরজ শ্লী কঠোবধিঃ।। পদ্ম । ইতি 'মেদিনী ।৷ মুক্তা । ইতি রাজনির্ঘক্তঃ ।। জলজাতে তি ।।

नीत्रजः श्रू॰ উपुक्तसः। इंडि नंब-त्रज्ञावनी ॥ উभीती । ইতি त्राज-निर्यण्डः १६८८

नीव्रजः जि निश्र् लिएण श्रृष्टां ि॥
- অव्रज्ञकाया जी॥

<u> নীরাজ</u>

वि । यथा । जावानु नित्रवर्णयः ।
वित्रहित्धूनाः मृन्नि माः द्वानि । क
त्रकानियम सत्य निशेषि नीतः
एना श्ङीनि ॥ इंजु इंद्याः ॥
नीत्रिशः शूः सन्दुः । इंजि सम्
त्रज्ञावनी ॥
नीत्रनिधः शूः समुद्रः। ইতি सम्
त्रज्ञावनी ॥

नीत्रकुः वि यनः। ইতি एक प्रमुः॥

हिमुत्रहिछः। यथा। विभग्नाथ छ

वार्क्किलार्क्किछ्यमः मः मुक मूकावनी मानारिय विश्वि विश्वि मृत्रमनः शतः प्रनीरिय छ राः। नीतृष्णा

गवाना महा छेट नि मृ ग्रं नाइत ममित्र छ। स्रा छेट नि मु ग्रं नाइत ममित्र छ। स्रा छेट हिल्ला ॥।

हेकि का निमामः॥

नीतमः शृ पार्डिमः। ইতি হারা-विद्याना तम्मूर्ग् जि। यथा। मृक्षा बी हिंद किरिकार्त्य जा छ तमम्म क्रम् । मृक्ष्य हिंदम्काती नीतमः मर्वस्य छ । ইতি প্রাঞ্চঃ।।

नीताथः शृ छेनुः। छिष्ठिण इणि ভाষা। छ० शर्यप्रायः। अन्यस्त्रनः ३ क्रमविछानः ० कन्यतः। इणि इ।-श्वनीशे। छेनुं १० कन्युः ७ नीत्रकः १ नोतनः ४)। ইতি सम्त्रदावनी ॥ नीतात

नीवाइन) ही / वारनायशास किं-নীরাজনা জ্বী সশেষেণ র জনা যত্র मा नीतार्बना। नीतम् भाकु एकम् অজন কেপোযত সানীরভিনানা । ইত্যমর টীকাযা• ভরতঃ ॥ 🕸 ॥ उिषयान यथा। नत्र कारन महा-ষ্টন্যা॰ দুর্গাযাঃ পরিপুরুন । নীরা-क्रन॰ मन्नगाख् अर्शिष वन वृक्षाय ।। विधिः नीताजनम् दुः मृत् भा র্থিব সত্তম।কৃতেন যেন চাস্বানা• গ্রানামপি চেষ্টন্র ম আশ্বিনে শু ক্লপক্ষে যা তৃতীয়া স্বাতি যোগিনী । अभानता अभूतरेमत्व गृङ्गीयाए স্থান মুক্তন ।। নীরাজন ততঃ স-र्यप्राप्ट मन्भुगरथ मिवरमञ्चरन। नीता-बनग्र कानस्र शृर्दगूक्स एवं मधा ।। 🕸।। বিধান্ মত শৃণু নে কৃতক্-ত্যে ভবিষ্যাপ ন্ত্রক হয় মহা সত্ত্ব॰ সুমনোহর নেব বা ॥ পূজ্ঞেৎ मश्र रिवमान् गन्न शृङ्गारिकाः गुजिः ৷ ভৃতীযাদৌ পুজযিত্বা নযেত্ত যুক্ত म ७१९१ \$11 (ठ हो। निक् शय उत्र জানীযার শুভাশুভ। পররাষ্ট্র বি-मर्पः मामेर्सि यमि भनाया ॥ मिया अंब भू वस् यि ठाम् नि मू-ां नीयभारता नेश्राहरहत्व्य हिर्यो मद्रग दिन्।। ठरेथव मूथ नामाकि

न्त्राज

नाम अर्गाष्ट्राकारा येकि। यूर् कार्श-चिम्यक्ष्मर्यप्राख्यका क्षाम्म कर्यम् श्रम् उर मिला मिलार्ज्ड अन म्हारा जिर्देश भूता। जना कर्यं म मुखाः में नृशिक विकायिष्रिम्न्।। #11 ्रशाउ नी ताजन अर्गाफ्नना । न्श नखम । जुम्भारको जु बाम्मा उ न्या भित्र नेस्तृहात्र ।। कार्जिक श क्रत्नाः ज्ञां ज्ञां जा जात् जू नार्थितः। वेगांनाः अर्थुत्रसारिह र्रञ्जातन रवाजना। मन्हलल विश्वन अर्याहि তত্র তোরণ । দাত্রি শব্ধস্তমাত্রস্ত হস্তবোডশ বিস্তৃত ।। যজ্ঞার্থ মণ্ড-भः अर्याग्रास्था (विनः विनिर्गरायः । বেদ্যাশ্চোত্তরত শ্চাশ্ববেদি সর্য্যা দ্ৰুভমাণ।। যত্ৰ সংস্থাপ্য চাম্বাচ পূ-জিত্ব্যঃ পুরোহিতৈঃ। সর্জ্জোডুম্বর भाशाना मक्त्रिनम् राथवान् भः॥ मर-স্য শত্ত্বাঙ্কিতৈ শ্চকৈ ধু['] জৈ শ্চাপি বিভূষযেৎ। তোরণ কনকৈ রব্দ্ন खथा नानाविदेध माँ रेजः॥ जल्लांजक॰ मांनि कर्षः मिकार्थः द्वित्तवमा जू। कथेरमा निवधीया श्री भाषार्थ भिवह। #। दिक्विश्विष्ण कृषा हि-क्लाला॰कं नवगुरान्। विस्थरित्वा॰ खबाद्यम् विकु मूर्यान् भुश्केत्र ॥ वारिका खिलाफ श्रीमिक मिञ्जिक्- नीताज

ত্য शुक्ताहिङः । রবেস্ত यक्न रिमान পুজেশদ্য উমেব চা৷ পুৰুহ্তস্য বি-स्थान ज्यान नेथार नाहरत । একৈকস্য বংহসু বা অষ্টোত্তর শত ঞ্বায় স্থ্যান্তু পুত্যহ : হোম চতু-বৰ্গস্য সিদ্ধয়ে। সমিধকাপি হো-তব্যাঃ পলাশ খদির তথা ॥ ঔ-ভুমরঞ্চ কাশার্য্য নশ্বঅঞ্চ পুরোহি-তঃ। 🗱। সৌবর্ণান্ রাজতান্ বাপি भार्खिकान् वा यश्यह्या।। अर्यप्राञ्च कन-मानश्चीकव भन्नवया जिलान्। कि-পেত্তেমু ঘটেম্বেব সনস্থা হরিতাল-कः ॥ ठनरनकः उथा जन्नः श्रियक्रकः मनः मिना । अक्षमक र्रेतिमुक्त एक-जा मधी जरेशव है। उद्योजक भून কোষ: সহদেবাং শতাবরী । বঁচা সনাগ অসুমাণ সোমরাজী কভিন্তি का ।। जूथक कत्र वीत्रक जून भी हे ল মেব চা এতানি নিঃক্ষিপেরপে कलमानाः भूरदाहिजः।। कनरैक त्रषूरिक यंद्रक माक्षा मुक् मुक् তথা। কর্ত্তবেটা শান্তি কামেন নীরা कन विरधो नृशां # 11 वव नशाई भागा भू भूकां इ दरेन खथा। भू ৰোক্তান পূজ্যিত্বা তু নূপঃ সপ্তাহ माहरत्र ॥ यादमीतात्न अर् जिन वमुन्जा वर्तमण्ट्रं । ब्राप्टी न् यञ

क्यो जू निदलहाड़ि मिहुदः । ना-রোহযেতু তুরগ গজ বা তব পা-র্থিব: 1 যাবৎ সপ্তাহ পর্যন্তে যানে-नात्नान रेव वुरङ्धा का जिका मी-नाविरेष रेक्टव नषु भाषम यावरिकः । त्याररेक दी विनः क्रयाहाम 😅 क्षन मञ्जदेदः ॥ भूर्खाकामाञ्च (मया-ना॰ मधाइ॰ यातमूखनः। मधामद्भि **छ्** त्रमञ् भूकायत्कादगाञ्चतः ॥ भूर्य। পুত্ৰ- মহাবাহ-দ্বিভুক্ত-কবচোজ্জল-। ज्वान्तरः भूत्रवाज्ञन (कमानु मु थ) वा-সসা।।কশাং বানকরে বিভুদ্দক্ষিণস্ত कद्रः भूनः । जर्मः न्यज्ञः दङ्गायाः সিত সৈৰ্ব সংস্থিত ॥ এবিশ্বধৃদ্ভ त्रमञ् शृष्टिमायाः यरहेशिया। সूर्य পূজা বিধানেন পূজ্যেন্ডোরণান্তরে ॥ 🗱 ॥ পূজবিত্ব। তু রেমস্ত ছিরদ । ভুরগভথা। আহতাম্বর সংবীত সুক্ **इन्ह**न गमन्निज् ॥ সুবর্ণাব**দ্ধ নিজ্ঞি**-শ॰ বিচিত্র কৰচাদিভিঃ। যুক্তস্ত হোম সওস্য ঐশান্যা মশ্ববেদিকা• । भूर्बः कृष्। नयम्य गक्षभावः भृ থক্ পৃথক্। নীযমানে গজে চাঞ্চে পূর্বোকঞ্চ নিমিত্তক ।। বরাদীক্ষত নৃপতিঃ ফল॰ চৈব্যবধার্যে । হো-य क अरम्। इत्रम्। रेवरा मु हम् वि शिक्षः !! देनविनि शिक्षा अहि-

তো রীশ্য সৈদ্ধব । নীতা্য তুরগা-याम्। जंदिन छी॰ मुनिक्षिति ॥ प-म्राट भूता हिंछ खब मन्मखः भा-डि मखिकः। उरक्रगायां किंदुः उरत्रीयाचा रयः मह ॥ उमा महाद সর্বকল্যাণ বিপরীত মতোন্যথা । 🗱। भाथा (मोजूबद्री मानुनिः मनः नाक घटि। एक ।। जानी विश्वावर जूबगान् शकान् जूशक रिम्निकान्। तथा क म म्मामबाद्यः माहितः (भोश्रिक खथा।। (मन्यन् महिरेड বি প্রৈ শতরুরক পুরোহিতঃ। দি-क्शालाना गुरानाक म्टिस्ब म-বৈষ্টবৈঃ॥ বহুধা চাভিষিচ্যাথ ত-जः भोवर्ग मर्भगः। वीक्वयिदा म्श्र-🌞 ত্বি ক্ ততো মন্ত্রিণ মেবচ ॥ রাজ-পুত্রাণ স্তথানাত্যানন্যানপি চ পৌ-त्रवान्। कन्नयन् विक भार्भ् वः नदी-त्व जू मर्गाय ।। क ।। ठजूतक वन मति कृदेवन भाषि भोडिएक । मृग्रयं नाजवं कृदा च छिठातक म-ন্দকৈঃ।। ছবি শূলেন বিজ্ঞা ত॰ শিরঃ थाइन एह माय । 🛊 । आहार्याः कवि-কা পশ্চাদভিম্ব্র্য হ্যায় বৈ ৷৷ ঐ-रेन्द्रः शुाञाकरेत्र व्यं टिक नेम शहरकु य-यः श्रुनः। তম্বেন তু মাজে । সমাক্ষ नृश उरा ।। गर्यु उर भूदा छ निष्

नीवान मर्व वरेमपू जः। शिवक् मुहारिज। **हार्गाः गर्व** वर न्शास्था।। यू तर्शा निमिजानि बालाक्यन्। 'বাদিএফাবৈ ন্তমুলৈ রাতপত্রৈ বৃত ख्या ॥ गह्मीताज्ञत्न ज्ञाजा नाम्रय-विव व्यक्तिं। यशि विकयः मुकाति ৰণ রবৈ প্রসম্ভূতং ।। কোশনাত্র ত তো পত্ব। পূর্বদারেণ পার্থিবঃ। स भूतः भुवित्मिष्टिशु र्यकः यायादः भू রোহিতঃ।। তত্র গত্বা দক্ষিণান্ত হি-রণ্য গা তথা তিল । দত্বা পশ্চা-দ্বিজেড্যন্ত দদ্যাদ্দানানি শক্তিতঃ৷৷ **এব॰ नीताबन॰ क्**षा वनानाक मही-কিতঃ ৷পেত্ৰেছে চান্তিরাং লক্ষীং नृशिविः भागु याख्या॥ ॥ व्रमकाम्-ত সংজাত সাগরো ভব সৈক্কৰাযেন সত্যেন বহুসে শ কু তেনেছ মাণ বহু ॥ যেন সত্ত্যেন রেমন্ত । যেন সত্ত্যেন ভাক্ষর•া বহুসে তেন সত্যেন বিজ্ঞ ৰায় বহৰ না ।। আভ্যান্ত নৃপান স্থা ভ্যানখারোহণ নাচরেৎ। অ্যকৃষ্ণ-ণুে মহিষ্যান্ত শুদ্ধান্তে ল্বুয়েত্ততঃ।। महिषीठ उरछ। जून भर्गप्रकामित म श्रिज । पूर्वाकरेजः मनिकार्रिशः खीिं तर नमहर्ष ॥ क्रंड जू . ভূমি গ্রহণে তৃতীয়াযাণ নিরাজনে।

्रं ज्ञकः यमि बादिक उन्भूषऽिक

নীৰু াজ

ব্রাণ 🔰 স্তরে মৃতকে বাগি পার্থি-वक्ष येथा ज्या। वल नीताकन म-र्याख्याबंध् विलयञः ॥ जन्द्रः **भ्योह• ७**(दुमुद्धा• वऽवशत वित्नी-কন। তথা বিবাসিতে যজ্ঞে পর রাষ্ট্র বিমর্দ্ধনে ৷৷ অযন্তে কথিতো রা-জদীরাজন কমো ন্যা। ইতি কালি-কাপুরাণে ৮৬ অধ্যাব: ॥ 🛊 🛊 ॥ নির্মাঞ্চল। আরতি ইতি-ভাষা। তত্ত পঞ্চ নীরাজন যথা ৷ পঞ্চ নীরাজন• कर्गा भूषम मीभना नया। विजी-া সোদকান্ত্রেন তৃতীয়**ং বৌতবাস**-সা।। চ্তাপ্তথাদি পজৈত চতুর্থ পরি ীর্ভিত । পঞ্চন পুণিপাতেন সাষ্ট্ৰাক্ষেন যথা বিধি।। ইতি কা-লোভরতন্ত্রশা.# ৫তস্য বর্ত্তিকাদি शुरान यथा। अकूमा छक कर्त्र ষ্ত চন্দন নির্মিতাঃ । বর্ত্তিকাঃ সম্ভ वा भक्ष कृता वन्ताश्रनीयक ॥ अ-र्गाट मध शुरीत्मन नद्भ घणारि वाम रेकः । इतः शक्ष भूमी राम व-হশে। ভক্তি তৎপুরঃ।। ইতি পা-प्याख्तथा ७०१ व्यथायः ॥ 🚁॥ वर नीताजन माहावाः। कार्यः कुक्र नात्रम अधारम । वह्वर्खि अभाष्-क ब्रुवंड कि । वि प्रक्रिप क्राविक" । खं कन्नेक्रिकि ग्रामिष्टि।

क्शृद्धि। जू यः वर्गा फक्रो (क्नेव मूर्किन। बाताबिकः मूनिए अवि-**मिक्रिक गवायः।। ज्यानि। की** -ধ্রিমন্ত সকপ্র করোত্যারাত্রিক নৃপ। কৃষ্ণ স্বাধ্য বেশতে লোকে নপ্তক্-ল্পানি মানবঃ।। তত্ত্বে শিবোমা স্ব-श्वारि। गजरीन कियारीन यटक्-ত॰ পূজন• হরেঃ। সর্ব॰ সম্পূর্ণতা-মেতি কৃতে নীরাজনে শিবে॥ হরি-ভিক্তিসুধোদযে। কৃত্বা নীরাজন বি-रका मी भावना मूम्माया। उरमा বিকার• জ্যাত জিতে ত্রমি• চ কো ভবঃ॥ অন্যত্র চ। কোনৈয়া বুকাছ-जाना मगुम्प्राग्न कार्रयः । **म**श्-ত্যালোক নাত্রেণ বিষেণঃসারাত্রি कः मूथः ॥ यह भीना ना ना ना ना शृक् निथिज मिछ उए। पुष्ठेवा সর্বন্তাপি প্রাধেণাভেদতো ২ন যোঃ ৷ অতঃ সাদর মুখায় মহানী-ब्राजनिव्दरः। दृष्टेवाः मीभवः नरिर्व र्जन्म। नाताजिकक यह ॥ जन्क॰ জীপুলস্ত্যেন , বিষ্ণুধর্মে। ধূপ॰ চা-রাত্রিক পশ্বেৎ ফরাভ্যাঞ্চ পুব-়স্বতে। সলকেন্টিণ সমুদ্ত্য ্যাতি विष्णः भद्गः भन्।। भृनागरम ह। द्रीत्। जन्य या भए भू ८ दुनव प्रवम् हिकिनः। मेख क्योनि विभुत्माम् ए नीव

পরনং পদে ৷৷ ইতি হরিভতিবি-লাসমা শ্রম অবশিষ্ট পারাত্রিক শদে দুষ্টব্য ৷৷

নীরিন্ধ: পু• অশ্বন্ধথোটক্ষঃ। আশ্বেওডা ইতি ভাষা।ইতিশ নচন্দুকা॥

নীকক পুণ দ্রী রোগার্ভাব: । তৎ পর্য্যাশ: । স্বাস্থ্য: ২বার্ত্তং ত অন্য-শেষণ ৪ আরোগ্য: শোরোগার্শন্য ক্রি ৷ তৎপর্য্যাশ: । স্থাটুঃ ২ উল্লায়: তবার্ত্তঃ ৪ কল্য: ৫। ইতি হেনচন্দুঃ নীকজ ল্লী সংগ্রেষধিঃ । ইতি ব্রাদ্ধ

नीककः वि द्वागाणावयान्। यथा। नामा १शि उदबाद्यन छन्। मछा-भवारनः। भूठाज्यानीककः क्रियाः उद्याद्यागाधिरं क्वान्। १७ ना-स्रभूवानः॥

নীৰপণ ত্ৰি ৰূপাভাববিশিষ্টণ যথা । নীৰূপস্যাপি কালস্যইন্দিয়ববে-দ্যব্যক্তিগুপগ্ৰেন্তি বেদান্তপরি-ভাষা ॥

নীল গ্লী নীলী। ইতি মেদিনী।।
কাচলবণ ।। তালীশপত্র ।। বিষণ
।। সৌবীরাঞ্জন ।। তুপা । ইতি রাজনির্ঘণ্ট ।। নৃত্যা কালি করণ বিশেষঃ। ইতি,

जिक्की जनारमाम्बः ॥ 📑 নীলঃ পু॰ পর্বতবিশেষঃ। স্ফুইলা-বৃতস্যোত্তরতঃ রম্যক বর্ষস্থ সীমা পর্বতঃ। প্রাকাষত উভযতঃ ফী রোদাবধি দ্বিসহসু যোজন পৃথুঃ। অযুত যোজনোৎসেধঃ। **ইতি** ঐ ভাগব্তে ৫ ফক্ষে ১৬ সধ্যায়ঃ॥ 🖟 ॥ মণিবিশেষঃ। নীলন্ ইতি পারস্য ভাষা। অস্যাধিষ্ঠাত্দেবতা শনিঃ। ्था। भागिका मुक्ताकन विक्रमाणि ॥ াৰুৱাত পুশ্লক বছু নীল ৷ গো-েদ বৈদূর্য্যক মর্কতঃস্যু রত্নান্যথো-क्त गृज्द मुवर्ण।। ই छि सू ब् विष्ठा-निवः॥ ७९ भग्रायः। मोनितः ५ नीनाभा । नीता ८ शवः ४ ज्नेगा-शी (गरागीनः ७ मूनीनकः १। ज न्। ज्याः । जिल्ल्यः । जैक्यः। क्य পিতানিলাপহত্ব া শরীরে শৃতে সৌরি র্ম**ক্ল**দে। ভবতি। ইতি রাজ निर्घण्डः ॥ 🗱 ॥ व्यथः हेर्स्तु नी निम्हणः কৎপত্তি পরীক্ষাদি নথা 1 তত্তিব मि॰ इल वर् कर्म इता मुं व्याकृत वा-व वननी अनुभ अनुसाल । (स्रोभ পাত দিতিৱস্য নিতান্ত কান্ত প্রো ८ कुल नीत्रज नममूर्ण (नचरूपा॰।। তং পুত্যবাদুভব শোভন বীচি ভাসা বিস্তারিণী অগনিধে কপকছ

क्रिशः। (श्राक्तिः किन्यक्रवन् श्रु किन् क्रम् । श्राक्तिः किन्यक्रवे । विज्ञाि ॥ ज्ञाि ज्ञाि इत्रक्षिकः नाम ज्ञा भाकां ग्राक्ति इत्रक्षिकः नाम श्रु । भूक्ति देन् कर्रे निर्नि तिक्रिकाया खिम् ज्विष्ठ नगयः नम्भावजामः ॥ ज्ञात्र श्रम् भय-मः भयमाः निषाज् त्र दिषः भिश्चि गमश्चिम ख्यात्म । निनीतमः श्रु-क्र वृत्रक्षिण क्रिजामः ॥ क्रिल्या ममस्रक्षिण क्रिजामः ॥ क्रिल्य कान्ना विन्यक्षे वर्ग भा ज्ञावजामिनः । कान्ना विन्यक्षे वर्ग भा ज्ञावजामिनः ।

ख्याः ॥ ज्यू शावाग मिना यकु कर्क त्रा कान नश्युकाः । व्यक्तिनशहन ह्ययानगरमारेवण्ड मृषिकाः॥ क्ष्रक्र क्ष्युक्त य स् कामरक्ष मृण्य खन क्ष्युक्त म्यादेव ज्ञुक्त श्वि खिन खान श्रुक्त क्ष्युक्त म्यादेव ज्ञुक्त श्वा वार्यामानम् (य मृष्ट्रेषः क्ष्युक्त । य मान क्ष्याः । वाद्यगा मिन्दुनी व्यम् ज्ञातनगरमा काजू कृ व्यम् व्यव् । इन्द्रनीरमञ्जूका क्ष्या मृष्ट्रत्य मिन्द्रिक्त व्यक्त । इन्द्रनीरमञ्जूका क्ष्या मृष्ट्रत्य मिन्द्रिक्त अद्या तागः भित्रका श्वा क्ष्य श्वा मिन्द्रिक्त भित्र । तागः भित्रका भागा तिभा यावस्य क्रिक्त भागा स्त्र क्ष्युक्त मिन्द्रका भागा स्त्र क्ष्युक्त स्त्र क्ष्य क्ष्य स्त्र क्ष्य क्ष्य क्ष्य स्त्र क्ष्य क्ष्

নীলমণি ভষাৎ ক্ষেত সুমহ্তরণ ॥ उथानि न नदीकार्थः खनाना म তিবৃদ্ধযে।মণি রগ্নৌ সমাধেষঃ কথ-ঞ্চিদপি ক্লুচন ॥ অন্নিনাত্রা ২পরি-क्छात्न मारुपारियक मृविजः। भा **২**নর্থায় ভবেন্ডস্কু: করু: কার্মবিতু ख्या ॥ कारहा शन कत्रवीत सुद्धि कार्त्रा इंट् वूरिक्षः गरेवमूर्यताः । कथि-তা বিজ্ঞাত্য ইমে সদৃশা মণিনেন্দু-<u> নীলেন॥ গুৰুভাব কঠিন ভাবা বে-</u> তেষা নিত্যমেৰ বিজেয়ে। কাচা मथा वनुख्द विवर्षभारने विरम्धयन ॥ इन्द्रनीत्वा यमा कनिष्ट विज्रजीन 'তাসুবৰ্ণতা'। রক্ষণীয়ে তথা তামৌ कत्रवीरत्राष्ट्रभनावूरजो ॥ यम् अध्र-গতা ভাতি নীলস্যেন্দ্ৰাযুধপুভা। তদিশুনীল মিত্যাহ মহার্য ভুবি मूर्सं छ ।। यस वर्गमा ज्यसार कीत শত ভটে। স্থিতঃ। নীপতাং তম্বেৎ नर्ब तरानीनः म উट्याउ ॥ य পদ্ম রাগস্য মহা খোস্য মূল্য ভ- " বেয়াস সমুখিতস্য। তদিন্দুনীল-मा गराखनमा अवर्ग माथा जूनि-তস্য মূল্য ।। ইতি শ্ৰুডপুরাণে ই-न्तुनीवश्रवीका । 🗱 ॥ यानद्राखदः। **₹**िञ्जिमिनी।। नोल्युन्धानीलोयिथः ॥ নিধিবিশেষঃ।। লাপুদ। ইতি ছে-

महन्तुः॥ मञ्जूषायः। ইতি जिक् छि-(णयः॥ वर्ष्यकः। ইতি রাজনির্ঘন্তः ॥ नीलवर्षयुक्त जि। ইত্যমরः॥ ॥। नीलवर्षयञ्ज वि। ইত্যমরः॥ ॥। नीलवर्षयञ्ज वि। यथा। मुकः > रेमवा-ल॰ २ मृद्या ० वालञ्ग । ८ वृथः ६ व॰ माङ्गदः ७ मद्रकञः १ हेन्द्रनील-मिशः ৮ সূর্য্যাখাদীনি ৯। ইতি কবিকল্লতা।।

नीवक क्षी काठवंदगः॥ वर्द्धवारः॥ অসনবৃক্ষে পু•।ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥ নীলকণ্ঠঃ পু॰ শিবঃ॥ মযূরঃ। ইত্য-নরঃ॥পীতসারঃ॥ দাত্যুহঃ॥ গ্রা-মচটকঃ ॥ খঞ্জরীটঃ। ইতি ছেম-চন্দু:।। মূলকে শ্লী। ইতি রাজ-निर्घ के।। क्ष्यप्रभागाः नीव-कर्श्व विधि यथा। कृदा नीता-कन दाका वल गृष्को सथा वल। ल्गा जन थक्षन भल्गाट इल (गः लाप्त अञ्चली ॥ मर्भनानस्तर नम-স্কার মজোয়থা। নীলগুীব শুভগুীব नर्वदास क्वश्रुष्। পृथिवता भव-ভীর্ণোসি খঞ্জহ্বীট নমোস্ত তে॥ ত্ব॰ যোগযুক্তো সুনিপুত্ৰক স্তৃ মদৃশ্যতা মেৰি শিখোদ্ধমেন। তু॰দ্শ্যসে প্ৰা-বৃষি নিৰ্পতাযা ত্ব খঞ্জনা শ্চৰ্য্য স-या नगरछ॥ अ॥ पूर्व विल्यायान-त्रिष्ट्रि**ंजग्र जग्र मर्न्सन** कवा॰ यथा।

ीनम

चातुन् शिव् शक्तां कि गरिश तरिष् ब्राज्य पुरः जनवरः मूहि नाद्यवय् । अमार्शिकण नथ लाम जूरवयू मृष्टे। मुः थः प्रेमाजि वस्मः थनू थ-क्षत्रीहेः ॥ 🛊 ॥ निश्विष्णस्य कवाः रथा। विखः दुक्ति कार्या मिकि इ তুলা শক্তে স্থতা**শে** ভং• ৰাম্যা ম-গ্লিভ্য সুরদিকি কলি লাভঃ সমু-मुनिध्य। दायवप्राः वत्रवक्कः यक्ष म निन पिर्व । इस्ति । जिल्ला विनान । मत्र पुत्र निगतिष्ठ दिश्लक्षण थ श्राम् ।। क ।। यमुख्यक्षन मर्मन शुायिक्छ॰ यथा। चण्ड शखन म्ही (सब बाजान भूडन । मान कर बी अ वर्गाइ ज्ञान अरही वंशी क-े लैश ।। इंडि डिश्कारिउएव पूर्गा-'ৎসৰতত্ত্বণ ম

मिनक्के कः जी कनुष्कः। इठियाह-विर्वेषः॥ श्रिकाका जि ॥ विष्णेशा श्रिकाका जि ॥ जिलकाः कृषः ग्रिक्कार्यकः । जिलकाः श्रिकाश्चः रक्षाणीः छ विषक्ताः श्रिकाश्चः रक्षाणीः छ विषक्ताः श्रिकाश्चः रक्षाणीः ज्यापः श्रिकाशः क्षित्रः। जिलका वाजान्य नृश्वाका जिल्हाः प्रकृषि

देखिशास्त्रिक्ष 'वर्णभूलक्षाः नीलकमल की नीलवर्गभग एटंट्र भर्में । प्रशास्त्र श्रीलगण्डक के नीलभग 8 नीलातु दि। यात्र । खगाः। भी केंद्र । साम्य । मूग-किया भिल्ना नियः। सम्ब । एक्सिर्ग । एक्सिर्ग । केंद्र । केंद्र आखनिर्म केंद्र । नील-केंद्र अक्षा

मीलिकिकी।

मञ्जाना ॥

বিষক্তান্তা

निर्घण्डः ।

क्षण भूण नीलकः। छर.
भर्गायण नीलाकः र मीर्यगीयः अ
अण्डिकानदः ८। ইতিরাজনির্বন্ধা।
नीलगुनिदः भूण सहाप्तयः । ইতি
स्टाल्पः भीलवर्ण्नीवास्य कि ।
नीलकः भूषः अलिल्प्रमुक्षस्यानिकः
नेलकः भूषः अलिल्प्रमुक्षस्यानिकः
सेल्प्रमहोत्याम क्ष्रस्यः ॥ किसिः
क्रिक्षाम् । स्टाल्पः । हिस्रिक्षाम् ।
क्रिक्षाम् । स्टाल्पामकः । हिस्रिक्षाम् ।
क्रिक्षामक्षामकः । हिस्रिक्षाम् ।

नीलार्क की श्रामकार्गिकनक ।। निर्वर्गेट ।। श्रीमकार्गिकनक ।। नीलांक ब्रेडी बेट्डिंग्ड । इंडि तांक-किएंट ।। नीलांक डिंग्ड नीलांकि जी नीज्ञान किंग्डिंग्ड वक्ष्ट । उध्यार्थ इस्ट । नीलांक त्रिंग्ड क्ष्ट्र नीमानि

- महाम्मा २ वामा ६ वाषा ८ मात्री २ क्षेत्रं शता १ (जन्म १) छो। । क्ष्रेत्रं । जिस्का । रसामय मृत्य वाज क्ष (णाक तात्र द्वाम मा-भित्रका हो द्वाम वार्त्यकः॥

बीजउद्यः शुः नादिक्यः। हिट

नोजानः शृ हिष्ठानः॥। क्रिकाः। इठिद्राजनिर्यकः॥

नीनम्द्री जी हति उन्द्री। उट्लर्गायः
। हति । स्वाह्यी ७ माना ॥
भी जा ६ मज महिना ७ प्रमुख । स्वाह्यो १ प्रमुख । स्वाह्यो १ प्रमुख । स्वाह्यो १ महिना १ प्रमुख । स्वाह्यो १ स्वाह्यो । स्वाह

ज्य हो जे बाजनियंगः॥ नीवषुकः श्र ७ दान्तृकः। ই जिल्लान-नियंगः॥ नीलक्षां विनिद्धे कि॥

नीणनिर्छ जे नीणनिष्ठ्रादः । इंडि द्रावनिर्घण्डः॥

नीशवियानकः पूर्व शेलानगरुकः।

नीकन्

इंकि त्राक्षिप्रदेश । क्षाका विद्या-

नोनलकः द्वी व्यक्तवादश्यक्ति वि-काश्यानवः॥क्कवर्गक्रमणः॥ नोनलकः द्वी देन्तीवद्वः। ইতি नक्-नोनक्लाः

नीमभवः भुः ७७५०। अन्यउक वृक्षः॥ नीमामनक्षः॥ राजिनः। इंडिनाकनिर्यकः॥

नीवशरा॰ ज्ञी नीवकावः। ইতি व्यक्तिमुका॥

बीमिशिहः श्रु (माज्यभागी हेडि जाकनिर्धकेः॥

नीनम्नर्गा की क्कर्णभूनर्गाणाकः

1 नीनगरस्मारणाया देखि हिन्दी
खारा। उद्भिर्गारः। नीना २

मुग्रा। क्काथग्रह नीनवर्गाष्ट्रः ६

1 व्यमग्र ख्याः। जिक्कः। क्र्रूषः।

पेक्कः। तमारनद्गा इत्यागमानुः

पेक्कः। तमारनद्गा इत्यागमानुः

पेक्कः। तमारनद्गा इत्यागमानुः

पेक्कः। तमारनद्गा इत्यागमानुः

पेक्कः। तमारनद्गाः।

नीगगुत्रः त्री गुहिशर्गः। इंडि छादः गुकाणः॥ नीणदर्गसम्बद्धः॥ नीगगुत्रः स्र्रं नीणज्ञः।। नी

नोरानः। हेि झार्जनिर्धिः।। नीराणुझा जी विकृत्यः । हिंछि हास-विर्धे हैं।। नीमन् जिन जी स्वनी। ইতি রাজ-নির্মণ্টঃ ।। नीनी। ইতি রন্ত্রমালা ।। क्रिनभूत्री जी नीमवृह्य। ইতি রন্ত্র-মালা ॥

नीजमितः श्रुः बनामश्राजमितः । छट्शर्यप्रायः। ममातः २। इंडि हा-त्रावनी ॥ सम्र विवत्तवः नीनमस्य पृष्ठेत्रः॥

मीनमाधवः भू विकृश वथा। (भूवि-जार रित पुर्दे मकर नीनमाधवः । पृदे। यावट जूमिण्डः वा का ति-नामि मागुर्श। हेनू ट्वेन्थर्थः ने व्यथ्ययः॥

नीनमानः शृ वासमानः। ইতি वासमिर्णकः॥

भित्रमानिकः सूर अस्य प्रकाशके। विलि

नीनम्डिका क्रि शृज्ञकात्रीक महिंड जाकानियकी।। क्षकार्गम्ह ॥ नीनात्नारः जी नक्षनारः। इंडि जाकानियके।।

नीनत्माहिकः भू निवः। इंड,प्रवः।।

रिट्ड मानि जम् तुरु विश्वानः यथा
। रिट्ड मिर्वाट मदः मर्यप्रम् छ गी७ शहाट मरेवः । द्वादा विक्रियः।।
विभवान् । ज्यानी किर्जानुदः॥
विभवान् । ज्यान ज्यान नीनरवाहिर्ज । ज्यान ह्वा मक्तस्पाः वुज्यक्ट म्यर्गर्यः ॥ इंडि
मानक्रज्यक्ट म्यर्गर्यः ॥ इंडि

नीमामाहिज बी ह्रास्ट्र विजि मस्मित्रा। शिकानी म् । नीमत्रा र्ट बस्य हेजिज्जामा ।। नीमत्रा द्वार बी हैलिज्जामा ।।

্ৰৈল পুৰ্মিকিন্তানি মুখাা তক্ৰভ বিষ্যপুরাশ শৃশুদ্বেতি নহাবাহে। बीबी ब्रङ्ग बादग ए। वागरमा गग माम् ल गम् एक, सम क्र मुनः श भानना विक्ना हिंद उष्रेख क्श-ৰীবনাৎ। পতিতন্ত ভবেৰিপু ক্ৰি ि छि: क्रेड्ड विनुष्ठि ।। नीनी तरकन च्या या वर्ग वकाउ ि कः । न्नानः प्रानः छर्ला (क्रामः साध्रायः **িপিতৃতর্পণ**াাকৃ**ধাতস**ঃমহাকজা नीनी बज्जगुर्वाद्यां नीनीतकः ेबरा वज्र+कः किनुस स्वारय ।। ःबाविछो ज्जा नक्गरवर-। भू ्रिज। इस्मेखाता। खात जू देव थर है। जब निवारः। नीनी छा-न्त्रवादान्यक्तः विगाः कीछार्थ याकि नेपन जिन रेपाछ। इछि ान्डिक निर्मा

री भागाः शूर मृतियुक्तः । ইতি वि-कः प्रत्मवः ॥

नी जुड़े । जी नी न जुड़ा । नी नवर्ग (वा-ना इंडि काचा एडर नर्ग) यः । य-का खो र नी न पूर्ण का जिल्लामणा क्षा इंडि क्ल्याहरणां

नीनवृष्ठक ही ज्ना । इंडि जान-निर्वार । नीनवृष्ट भूर क्ष्यवर्ग्यः ॥ वृष्टि-

(मरः। उत्र) नक्त प्रथा। कार्यः

ा यस वर्णन नृष्य भू एह ह भारतः

ा यस वर्णन नृष्य भू एह ह भारतः

व्य उठा उ। इन मृष्टि कृष्टि कृष्टि वृष्टे

वर्ष उठा उ। इन मृष्टि कृष्टि कृष्टि वृष्टे

यभि । ताहि उ। यस वर्णन मञ्ज्ञ वर्णन मञ्ज्ञ वर्णः भू ता क्या का का मितरमः

रेण्य म वि निज्ञ नृष्टे मृष्टि । उ
तमा । कार्यन न्व व्य भू भा

यपा रका भि गया बु जि । यस मृष्टि मृष्टि । यस वि मृष्टि । वि म

निर्मण्डः ॥
नीलवृक्तः श्रृः वृक्षभुष्डमः। उद शर्यप्रायः। नीलः र वाजातिः उत्। कनात्रनः ६ नत्रनामा ६ नथवृक्तः ७ नथालुः १ नत्रशियः ৮॥ अन्य छनाः । कवृष्यः। कनायद्वर । उत्रायः सूष्यः। वाजामस नाना स्थम् नानिः प्रमः। देखि ताकमिर्वन्धः ॥

নীলবুড় নি ক্রি কুত্রিলেকঃ । কথা চ যান্ত নীলোৎপলাং হৈনং শক্তরা পাত্র সংয়তং তেকান্তরিত নজান্দী সমাস্ত ব্যতং মৃত্যা বৈশ্বং সা-পদং যাত্রিনীলকুত বিদ্যান্তানীলা नी गड़ा

उत्ताकित तंत्रश्री

भाजाक्षनः। ইতি

রাজান - -: ১) নীলসারঃ '৻ৄ' তিনুক্র্কঃ: ইতি রাজনির্ঘণ্ট'. 11

नील मिन्यू वारः शुः क्कवर्गमिन्यू वात्र वृक्षः। नील मिंयू यात्र देखि छात्राः। छट शर्मः। यः। भी उन्नहा २ निर्छक्षी २ नीट मिन्यू कः ३ मिन्यू कः २ क्शि-का ४ ज्ञक्षी १ हेन्यु गी ४ मी-लिका २ नील निर्छक्षे २०। यन्। छगाः। कर्षे युः। উक्षवः। जिङ्कवः। क्षायः। कर्षे युः। উक्षवः। जिङ्कवः। क्षायः। काम स्त्रम स्माक म्मी-त्रभार्षि शुरत्राधान ना भिष्याः है जि द्राक्ष निर्यक्षः॥

নীলা জী নীলবর্ণমঞ্চিকা। ইত্যারঃ

। নীলপুনর্ণবা ।। নীলী । ইতিরাজনির্ঘটঃ ।। নলার রাগস্য জী ।

ইতি বৃহদ্ধর্মপুরাণে৪৪ অধ্যানঃ !।
নীলাকঃ পুণ সারসপকী ।। চাসপক্ষী। ইতি রাজনির্ঘটঃ ।।

नीवाकः शुः क्रिशः। इउछ्नदः॥ ভদ্তরালগ় জी। ইভি নেদিনী॥ শুবিরণ। ইভি বিদে।।

নীলাঞ্জন সি সৌনীরাঞ্জন । তত্ত্ উন্নত্ত্রিশেও । তন্য ধনাঃ । করুব । তেম সুধরোগ নের্রোগ

व्य नार नामिए । उन्हर्भ । विन्त्र के ।

स्व । उन्हर्भ । उन्हर्भ । इन्हर्भ ।

स्व त्राक्षण्य । उन्हर्भ । इन्हर्भ ।

स्व त्राक्षण्य । इन्हर्भ । इन्हर्भ को ।

स्वाक्षण्य । इन्हर्भ को ।

स्वाक्षण्य । इन्हर्भ को ।

स्वाक्षण्य । इन्हर्भ को ।

स्व त्राक्षण्य । ।

निश्वा की व्याप्त राज्य शिवा कि विषय ।। विषय ।। विषय ।। विषय ।। विषय ।। विषय । विषय ।

नीलाद्ध की नीलाहशन । इड़्याना

নীনামূর॰ শ্লী তালীশপত্র-/ ইতি রাজনি^{শু}টঃ। নীলবক্রঞ্।।

नीनाम्बरः भू न वह ॥ ब्राक्तमः॥ निन्छतः। इति (समिनी ॥ नीन वहायुक्ति वि॥

नीनायुक्त ही नीत्नाः शनः। हेकाः भवः ॥

ाकुः शू॰ कन्सर्छरः। जर्भर्यप्रायः । जिल्लिक् २ म्यामनान्तः ०। एस्म्य ख्याः। मध्यद्वः। मीठदः। । भेडः मारु भून नाम्यकः। इंडि

नानार श्रू नीनमिः रेडिझाब-दिक्षाः

नीवाजनः शृश् काजन्य वित्मयः।
शिया-रावश् का गण्यः अर्थायः।
गावशिकः २ न गण्यः अर्थायः।
श्रेतविकः २ न गण्यः अर्थावः अर्थावकः
श्रेतविकः २ न गण्यः अर्थाः । कर्ष्यः।
वीजकः १। व्योग्यः। वर्ष्यः ।
वीजकः । व्योग्यः। वर्ष्यः ।
वीजकः । व्योग्यः। वर्ष्यः ।

শেষ্টত্বঞ্চ । ইতি তিবন্ধ বিশেষঃ

রি ভি তা নারী শ্যার পুরা পদ य । अपरय पछ इंडा ह वाका भी-**लाजाना गण्डः ॥ है** शिव्यत्र**री जि**का नी निका जी नी निम्मू वातः। इन्डि त्राजनियंगः॥ नीलि ग। एकालि-का। ইতি मिनिनी।। 🗱 🖟 नवस्त्राभ विष्नेतः। यथा। सार्य मृद्धाणिए जिर्गारणक॰ देव मनग्रज विषा। जि-भित्राथाः म विपास म्हज्यं भएतः गडः ॥ क्षि नर्दछ। मृष्टिः निष्-নাশ মতঃ পর•। অন্মিদ্নপি তমে। **ज्**र नाजिकार महागान ।। हन्ता-দিত্যো সনক্ষতাবন্তরীক্ষেচ বিদ্যু-তঃ। নিৰ্মলানি চ তেজা সি ভাজি-ফুনি চ পশ্যতি॥ সঞ্জব লিক্ না-**भरत नी बिका काठ म**ेडिज़: 1# !! क्नुतागाजरः। यथा। कोभागान পুন্দলিতো বায়ুঃ লিভেন সংযুতঃ । ন্থ মাগত্য সহসা মঙল বিস্ बाका जाता में किया के किया में जिल्ला के किया के जिल्ला के जिए के जिल्ला के र्याम भिन्नि निर्मित्य । क्क भिन खनः गात्व मूर्य वा नी निकाः विद् ।। हेिंज भाषवकतः ।। क्षा कनग कृतः। यथा। प्रत्य सकता त्करा कि ज़ितः समन् नी निस् इंड्रानि

नीनीजा

माहिত दुंजको विजयत्रिकाः॥ नीने मिन् : १९ (१कः। ইত্যমরः॥ শ্রিমান্ত্রী। ইতি শব্দ সভাবলী ॥ जनमान्त्रा भन्नी । इंडि विकू भूजात्व । वार्ष ३३ व्यव्यायः ॥ रीनी जी क्षिप्लिस्थानीत्वत्र गाष्ट्र ইভিভাষ্ঠাতৎ পর্য্যাयः। काना व ब्री उद्भिका २ गामीना ४ मधुभनिका ৫ রঞ্জনী শৃত্রী ফলী ৭ তুল। ৮ ত্ণী ৯ দোলা >॰ नीलिनी >>। ইত্যমরঃ ॥ नीवा ४२-ज्बी ४० (दुग्नी ४८ स-লা ১৫। ইতি ভরতঃ ॥ নীলপত্রী २७ ता**ड़ी २१ नी** निका २४ नीन-পুন্নী ১৯ কালী ২০ শ্যামা ২১ **(मा**धनी २२ ञिकला २० गुामत २८ 'ভুদা ২৫ ভারবাহী ২৬ মোচা ২৭ क्कार ४ वा अनक्नी २३ महाकना ৩০. খাসতা ৩১ ব্লীতনী ০২ কেশী '२० हात्रिका ३८ गम्भू मा ३० म्या-भनिका ७७ त्रक्शवी ७१ महावना or श्वित्रका २२ तक्लुकी 80 I वाना खनाः। करूषः। जिकपः। **उक्द । क्लाद । काम केक**्र क्षिरवामत्रवतार्थि अन्य कक्ष वुन नानिष्कः ! इंडि जाबित्रंकः ।। नी बिकारतागर। इंडि विविनी।। नीनीत्रागः ११ रित्राशुक्काक्षः

नीय क **७८ भर्यायः । ज्ञित्राम्बर्धाः २ ।** रेि (स्मेष्टमुहा। नामवर्गः। रेि नीलनायम् नानार्थ नायत्रवादली ।। नायक नेप्रिकरयाः भूबद्राग वि-**भियः।** युष्ट्रां िनी अनुस मिक्ष-श्राः भ्रद्धांशाणि ह विशा उन्न-क्राप्तारवद्या। नहाजि भाजि দ**্বলৈতি পোন ন**লালত ৷ নীলা-त्रागः न विख्छाया यथा जीतान শীতবোঃ ৷৷ ইতি সাহিত্যদর্পণা৷৷ नौलारभन ही नीनवर्तारभन। नीवमांभवा देख् ज्या। उट भर्गायः। উৎभवके अवस्त्र इन्तीवतः है करनताथः वे क ७ मुगक ने बद्माक । अभि-তোৎপল ৯। অস্য গুণাঃ। অতি बाह्ब श्रीकार्। मूत्रिख् "मो था काबिष्। शाह्यज्ञ ত্ব•। রক্তপিত হর 🛊 🛎 🛴 নিষ্ঠঃ খা

नीत्वार नित्त शुरु मञ्जूरवार विकारतम्बः

नीयतः श्रुष्ट द्राक्षकः ॥ वास्तृ । हिल्पानि । हिल्पानि । श्रुष्ट । श्रुष । श्रुष्ट । श्

क्यानादापद्राज्यितः ॥ जूनाधतः नाधिकार ॥क्याक्यास्त्रः॥ मृना থিক্য হেতো নিশ্চেৰেন পরিছেদন । ইতি ভরতঃ ৷৷ তৎপর্য্যাবঃ ৷ প্রুবান मः २। इंडिहार म

मीवातः श्रु ज्यथान् जनः। উजी-्रान्तिः । अन्तिशानाः २ ्निशाः॥ ন্য ০ তৃণো দ্ভব ৪ অরণ্যশালিঃ ৫ १ व्यम् धनाः। मथुत्रवः। त्रिक्षवः। পবিত্রবং। পথ্যবং। লযুব্ধং। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

नी कि जी अति अतः। विवकाः भूव-।) थन ।। त्राजभू भारमर्वस्रकः। ইাত সূভূতিঃ।। জীকটী বন্তবন্ধঃ। কোঁডচী ইতি ভাষা। স্ত্রীভূপেল-हन शुक्की स्वयंत्रि । इंड्र

টাকানা ভরত: ॥ তথাচ। ন্নাণ বিলুংস্য পরিহিত বন্তস্য भाकः गुष्टिः साहत्यः वाष्ट्रम ह वोशायनः । इति यजुर्दिह क्रिक्शा में महिलकाहि मास भारेक वर्षन शंज मथुरत्रभः॥ नीर्ष् श्रु अन्यस्थ इंड्रामनः॥ (इ पत्र वत का व शकान मगद काग्नामः मधनायन स्ताउ ्राप्तः समुद्धः। इति अववः॥ नीवु ही इपि:श्राष्ठांगः। हैं। हि ইতি ভাষা। ত্ংপর্য্যায়ঃ। বৃদীক र गरेन शाय । इक महानी धु । ইতি ভরত:।। নে पि:।। চন্দু:।। রেবতী নক্ষত্রণ। বৃণ । ইতি মে-मिनी ॥

थान इंजि जाया। इंजानद्रः ।। ज्यानाद्रः भू श्रिमानिवनिवानगु।-বরণ । ইত্যমরঃ॥ হিং । নিল প্রা-বরণং বনং মহদক্ত। ইজি রমা-नाथः॥ काञ्चातः। ইতি न्यनानन्तः ॥ মসারী। ইতি কৃশ্চিৎ।। কাও-পটঃ। কানাৎ ইতি কশ্চিৎ। ইঠি ভরতঃ ॥

> नीशांतः शुः वनीज्ञिणितः। एट পর্য্যায়ঃ। অবশ্যায়ঃ ২ তুষারঃ ৩ তুহিন ৪ হিম ৫ প্রালেষ ১ ম-হিকা १। ইত্যেরঃ ॥ খজল• ৮ নিশাজল• ৯। ইতি ক্রিকাণ্ডলে**খঃ** । वामा खनः। कक रायुव कं कुष् । ইতি রাজবল্পভঃ।৷

न् उ। विजर्कः॥ वश्यभानः॥ विकन्नः ॥ अनुनयः ॥ अञीजः ॥ भूमः ॥ रुजुः ॥ यभारमः। इजि स्मिनी न्ः श्र वन्याः। ইতি বোপদেবः ।। यथा। न् वी शृद्धन नम्राको मुत्नी जु भवगामित्ने। इंजि पूर्णनः म्था । नुष ्मि याथ। है जि कविक्शकमा है

नुज- वि खज-। यथा। ज- तम नाज शतिविष्ठि मुक्तवृष्ति हर्माग्रव मु त्रमूनीन्द्रं नूज- कवीन्द्रः। क्ष्ण्वित्रः কনক পিত্ৰ জটাকলাপত ব্যাসং নমামি শিরসা তিলক মুনীনা ॥ 'ইন্ডি পুরাণ(॥

नुजिः हो। हाजिः। ইত্যমরः॥ পূজা । इंजि मदत्र ज्ञावनी ॥

নুবঃ ত্রি'কিন্ডঃ।পুরিতঃ।ইত্যেরঃ॥ नुषः वि नुषः। ইত্যমরः॥ মূতঃ ত্রি স্ততঃ। নূশি স্তবনে ইত্যমাৎ কর্মণি ক্তপুত্যুয় নিষ্ণাঃ।।

ন্তনঃ ত্রি অপুরাতন । ত**ংপ**র্যায়ঃ । পুত্যুঃ ২ অভিনবঃ ৩ নব্যঃ ৪ নবীনঃ ৫ নবঃ ৬ নূল্লঃ ৭। ইত্যমরঃ ।। সদ্যক্ষঃ ৮ অজীর্ণঃ ৯। ইতি হে-**म**हन्मुः ॥ जजुरुः २० शुक्तिनवः ১১ । इंडि बंहा भवः॥

नृष्ठः जि नृजनः। ইত্যারः॥ न्मः श्रु वुक्षमायवृक्षः। इउपातः॥ नूने वर ठर्कः। छेरः। यथा। पडकमा िश थनु नृन मन्न ।। अर्थनि क्यः । व्यवसारमा । यथा। नुनः इंडिय दा বণ । ইত্যমর ভরতৌ ॥ মরণ ॥ বাক্যপূরণ। ইতি নেদিনী। ्रितः शुः क्षी भगगगाज शामल्याः

পাদাক্দ•২ তুলাকোটিঃ ৩ মঞ্জী-तः ४ र मकः व शामकरेकः ७ । इंडामद्रः ॥ श्रामान्य १ १ इंडि भक्तद्वावनी के

न्त्रभती शु नंति भि श्वावातः। हेि श्रुवागः ॥

्र । प्रश्नाकविष्णयः। यथा। नृत्रुः नाम न्रातल्मु। २२ मि क्वांक जनयः পুভো। ইতি ছী ভাগৰত ॥

म्ठकाः श्रु॰ রाक्षमः। ইতি (इमहन्दुः न्ठकुः श्र न्नीयताक्षभूवः। इंठि মহাভারত ।।।

नृष्य नर्जाने। इंडि कविक सम्मि न्जिः जी नर्जनः। इति 🔭 न्जः शुः नर्वकः। इजुर्गान्तिकामः॥ ज्ञिः। मिर्नः !! किनिः। देवि সংক্ষিপ্তসারোণাদিবৃতিঃ 🖟 🤈 मृख॰ क्षी नृष्णाः ইष्टानबरीसः 🛒 • **जत्रकः**॥

नृज्य ही जानमानत्रमान्य मावना-সাক্ষিকেপঃ নোচ ইতি ভাষা । उट्शर्यायः असि अव २ मन्न ७ नाष्ट्रि १ लोक हुन न खंन । इन्हर महः॥ मृजः १। दिश्कः मृजः जा-खव । मूजगाई खेलामु । जादाः मुय न्ड । इन वयाम्य र 'श्लिशूद हैं जिंचा। जल्म श्रीयः। गिठि (क्रानी २व नामृष्ठः , इंदि ,

ভরত:॥ নাট: ৮ লাসঃ ৯ লাস্যক २० नृजिः ১১। ইতি भक्तज्ञावनी 11 🕸 🛘 जम् नक्ना हे यथा। (ह्य ৰুচ্যা প্ৰতীতো য লাল মান রসা-भुयः। সবিলাসে। १क्विक्सिए। न्-ত্য নিতৃ্চ্যতে বুধৈঃ ॥ # ॥ তাও বঞ্চ তথা লাস্যু দ্বিরিশ্ব নৃত্যু গুচ্যু-তে। সেবলি র্যন্তব্যুপঞ্চ তাওা । দ্বি-विथ॰ गठ॰।। अङ्ग विक्किश वाइन १॰ তথাভিনয় শ্ন্যতা। যত্র সাপেবলি ন্তস্যাঃ সম্বাদেশীতি লোকতঃ।। ছেদন ভেদন যত্ৰ বহুৰূপা দুখাব-**জী**। তাঙ্ব বহুৰপ ভদাৰণাগল-্ৰ শুৰ্ত ।। 🕸 ।। ছুরিত থৌবতঞ্চেতি লাস্য ্ূরি মুচ্যতে ৷ যত্রাভিন-यारेम् ५ डीरेव इरिन ब्राह्मिन हुस्रीमः ॥ भाणिका नायको इत् न्छाछ भू -क्रिंड॰ हि ७६। मधुत विकासी नार्डि িটি। ভি র্যত্র নৃত্যতে ॥ বশীকরণ বি-ম্যাভ ভলাস্যংবীব্ড·মভ·॥#॥ शियानु जिश्रेष्ठ वान्। नान्। मुजिश्रे-কে লগ়্ু লগু তা**ল স্**মার্**র**• ততো न्जः भुवर्वरे । ३जि महीज मा-(मान्यः॥ क्षा अन्त्रं अन्। न्छाः वार्थः া যথা \ নৃত্যেশাল নৰূপেণ সিদ্ধি শ্ট্যস্ৰপত্য চাৰ্ধিষ্ঠান বমৃত্যু ् अ मा । विषयना । देखि मार्क ख्य-

भूत्रांगः ॥ 🛊 ॥ विकृश्र्य न्छ। यनः যথা। নৃত্যুম্নসম্ বক্ষ্যামি তছ্ণুম্ব वमुक्त । मनुका यन् गहंछि ছिड़ा সংসার সাগর ॥ ख्रिः भव्य अङ् সাণি ত্রিংশদর্য শতানি চ। পুষর बीश मानाम्य सामस्य देव यम्हना ।। পুষরাচ পরিভুঠ: यह ।। গম-नानसः। कनः शुर्तािक मूर्णान नम कर्भ भरायनः ॥ दश्यवाम खन वान् भृतः भी नवान मुभाष क्रिजः। মুক্তকশ্বে জায়েত সংসার পরি-মোচিতঃ ॥ ইতি বারাছে শৌকর মাহাব্যঃ ॥ 🟶 ॥ দৃষ্ট্রা সংপূজিত॰ **प्रत॰** न्छामातानुस्माद्यः । अ-সংশ্য মৃতিঃ শুদ্ধঃ পরং বৃদ্ধ স গ-ছতি ॥ ইত্যশ্লিপুরাণ ॥ # ॥ अ-পিচ। দ্বারকা মাহত্ম্যে শ্রীভাগব-তে। যো নৃত্যতি পুছ্ষ্টাত্মা,ভাবৈ র্বহু সুভক্তিতঃ। স নির্দহতি পা-পানি জনান্তর শতেম্বপি ৷৷ হরি ভिक्रम्(भारत्य । वक्ष्यार-भाग्राज হর্ষাদ্বিশ্বভক্তন্য নৃত্যতঃ। পদ্ত্যা ज्य मिला १किन्। मार्जाका-भवन पितः ॥ विकृथस्मा खाद्र_ा। নৃত্যু দত্মা তথাগ্নোতি ৰুদুলোক यमः लयः । स्यः नृष्टाम निः शूर्तेरु **उरेन्य दानूहरता जत्य ॥ जुन्यक**र

নারদোক্তো। নৃত্যতা• 🗐 পতে রগু ভালিকা ৰাদনৈ ভূশ• ৷ উদ্ভীয়ন্তে শরীরস্থাঃ সর্বে পাতক পক্ষিণঃ ৷৷ ইতি হরিভক্তিবিলাসঃ ৷৷ न्दिकः शु॰ जाका।यथा। अमान माला বিপুলাতপত্রৈ দেবা নৃদেবাক্চ ভি-দাণন (ভঙ্গুঃ) ইতি নৈষ্ধে >০ সর্গঃ॥' न्धर्या भुः अतिवः। ইতি एक महन्तः॥ নরংশযুক্তে ত্রি ॥ নৃশঃ পু॰ নরপতিঃ। ইভ্যমরঃ।। তস্য লক্ষণ যথা। চতুর্যোজন পর্য্যন্ত ন ধিকারো নৃপস্য চ। যোরাজা তৎ শতখণঃ সএব মণ্ডলেশবঃ ৷৷ ভত্ত-দ্দশগুণো রাজা রাজেন্দুঃ পরিকী-র্ভিতঃ। ইতি বুক্ষবৈবর্ত্তে 🗐 কৃঞ-जमथए ৮७ व्यव्यायः ॥ 🕸 ॥ **७**९ शुभ•भा यदा । अश्रूधमा नृशः भूत्यां निर्धनमा धनः नृशः। व्यमा-তু র্জননী রাজা অতাতস্য পিতা-मृश: 11 অমাথস্য নৃপো নাথো **ছ** ভর্:পার্থিব: প্রতি:। অভ্তাস্য নৃপো ভ্তের নৃপ এব নৃণা॰ সখা।। ্সৰ্বদেব নযোৱাজা তন্মান্তা মৰ্থযে নূপ। ইতি কালিকাপুরাণে ৫০ অ-्थ्रायः ॥ 🟶 ॥ न्शरणीन भिन् रेथा। তত্র তিথ্যঃ শুভাঃ। বারাঃ শনি

মঙ্গল ভিষাং । নক্ষত্রাণি উত্তরফ-

গুনু গুরু বাবা ঢোভর ভাদু পদু গাহণী পুষ গাখিনী হস্তা চিত্রানুরাধা সৃগ-শিরো রেবতী জেগু গুনু বাং। ল-গানি মিথুন কন্যা ধনু মীন বৃষভ সিংহ সংজ্ঞকানি। তত্র চন্দুঃ শোভনঃ। ইতি জ্যোতিবং।।

न्श्वनिषः श्र॰ ताजश्रवीखः। ইতি ताजनिर्वणेः॥

নৃপতিঃ পু॰ ফবের: 11 রাজা। ইতি শব্রত্বাবলী 11

ন্পতিবল্লভঃ পু• ঔষধবিশেষঃ 1 न्श्रवञ्चल इंजि थ्याजः । यथा । काञीकवा विद्याद प्राथना हेक् वागरे । जीवक्ष यमानी ह निर्दे रिमक्तव अजकः ॥ (को र नजुः त्रमः গন্ধ তামু পত্যেকৃশঃ পল । সরি-চ জিপল দ্বাছাগীদুখেন পে-यत्य ॥ शाजी त्रामन वा लिहा বটিকা প্রক বন্ধতঃ। সাম্মহননা ন থেন বিচিন্ত্য পরিনিমিতঃ॥ বত্তেজসা চাৰ-ব্ৰসোন্পতিৰ:। ইতি । ज्रष्टाम्म वही थात्र भावन সূর্য্য দর্শকঃ।। अग्री হস্তি নন্দ্রানলং সর্ব নান দোৰ্থ্যসূচিকাং ট্রীক্ खल्यामदाश्रीना यक्रे शारू वनीमा क्।।इ८ मृतः क्रिक तक ह किः १५5 थ कामना । भित्रः गृहाः निर्मि

মাঘাহ মোগুলুক ।। কাস খাসা मवाज्य भीशन लाथ मबू न। गनगर्भ गर्थमाना ममूनि उक्ष म-र्फ्जी। किमि क्षानि मद्भिन वा-ত ব্লক্ত• ভগন্দর•। উপদ•শ মতী-সার•পুহণ্যর্শঃপুমেহক•।। অশ্মরী• মূত্রকৃছুঞ অ্ভাঘাত মস্থর । ার জীর্ণজুর• ক\ ३॰ তন্দু।লস্য• বনি• जुनि।। भार विमुधि शिक्का क जाउ গদ্দ মূকতাঃ। বাধির্য্য স্বরভেদঞ वृध्वक विमर्भकान् ॥ छक्छञ्जः রক্তপিত্ত গুদভূ সাক্চিণ ত্যাণ। ,कर्न नाजानू नाथा • महादागक শীনসং॥ স্থোল্ঞে শীতপিভঞ্চ স্থাবরাণি বিষাণি চ। বাত পিত্ত करकान्याः क बन्दुकान् जामिशाः তিকান্!! সৰ্বোগ চ্যান্ হন্তি চ-ুপ্তা•শু রিব পাপ হা। বল বর্ণকরে। श्चिष जायूपात वीर्यावर्षनः॥ नतः বাজীকরঃ শুেষ্টঃ পটুতা মন্ত্রসিদ্ধি मः। অরোগী দীর্মজীবী স্যাৎরো भी दिशाभ निमुक्षित ॥ त्रममहामह अनारान मृत्रिक जीया नतः। रें (बन्नावनी ।।

প্রকাশ প্রতির জনির্ঘণ: ॥ রাজাদনী-প্রতঃ। ইতির জনির্ঘণ: ॥ পঞ্জি: পু: বেষ্ট্রশান বেডুবাঁশ इंडि ভाষा। ইंडि नम्हिन्तुका। ताजभवा थुः॥ तानन्तः॥ नानि-थानाः॥ यानुः। ইंडि ताजनिर्धकः न्शिश्यकवा की तार्टाकी। ইंडि ताजनिर्धकः॥

নৃপপ্রিয়া স্ত্রী কেতকী।।রাজখজ্জ্রী। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

र्ात्रकः श्रु॰ त्राज्ञवनत्रकः। उद कला क्षी। ইতি त्राजनियंकः॥

न्श्रानिस्तः की ताक्रमस्नः। उद् शर्यप्रायः। (स्रोधः २। ইতি (इस्महन्तुः न्श्रमाञ्चल)कः क्षी आञ्चप्र वृक्षः। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ॥

ন্পলক্ষ লী রাজছত্র । ইত্যমরঃ ॥ রাজচিহ্নঞ্॥

নৃপলিকধরঃ পু॰ রাজবেশধারী।
যথা। নিজগুাহোজসা বীরঃ কলেও
দিখিজযে কৃচিৎ । নৃপলিকধরণ
শূদু৽ মন্ত গো মিখুন পদা।। ইতি
শিভাগবতে সক্ষে ১৫ অধ্যায়ঃ।।
নূপবল্লভঃ পু॰ রাজামুঃ। ইতি রাজনির্ঘণীঃ।। রাজপুিয়ে ত্রি।।

নৃপবল্পভা জী কেবিকাপুয়•।ইতি রাজনির্ঘন্তঃ॥ রাজমহিষী চ।। নৃপসভ• শ্লী নৃপাণা•শালা স•ছতি রা।ইত্যমর ভরতৌ॥

भित्राः भू विश्वेक भारतिपूर्वाम । नृभाषाका जी कर्रू वृत्री। केलि इक

भाषा । त्राध्यक्तन् । वर्षा विषयः किन क्षेत्रं नृशाप्रकामः विषयः शक्रि व शुविदयम् स्मयः । ইতি नियद्धः २० सर्वः ॥

নৃপাধ্র: পু<u>রাজসুব বক্তঃ। ইতি</u> ক্রিকাপ্তশেষ:॥

न्थातः ज्ञी क्राकार माम वान्य । इंडि वाजनिर्वेन्द्रेश वाज अरनकः ॥

নৃপাভীর স্থা **ডড**ত্র্যা রাজ। ভোজনকালীসকাম প্রিশেবঃ ॥ইতি ত্রিকাপ্তশেবঃ ॥

न्शामयः भू काजयका क्याताः। इंजि ताजनियंक्या कारकारतागक न्शायकं की काजायकं कर्ण केंजि ताजमियंके ११

নৃপাসন শ্লী রাজাসমণ তৎ পর্য্যায়ঃ ভেদ্যাসক ২ কিংহাসন আইত্য মরঃ।

ৰূপান্তায়ঃ পুণ রাজপলাঞ্ছ। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।। নূপনাম। চন্ট

न्लाहिङः प्र, तानगानः। इंडि तानगिष्टः।। तानस्यारगः वि.॥

न्यकः भू अञ्जिष्टिन्या। यथा। अध्याभन वृष्ट्यकः थिञ्यकश जर्भनः। स्थानाः स्पत्ता रित्रको -स्भा न्यका १ विष्णूकनः॥ ইতি मनुः॥ न्बद्राकः शू- वदा एक श्रुश्यप्य ্রেঃ। রথা। ন্বরাছস্য বসতি মহ-র্ক্লোকে প্রতিষ্ঠিতা। নৃসি হস্য তথা ् शुक्ति जनमारक महाजानशा मध्य वल बारी।यथा। लोकत क्रम मा-্ছার ছার্যস্থাত দুরাত্মনুঃ। ভরিদ ব্যাসি ন সমেকে বুজাশক ত্বরা বিতঃ।। ইতি পামে দৃষ্টিখণ্ডে ২৮ व्यक्तायः ॥ 🛊 ॥ व्यक्तिः देवजुष्ट-্তা প্ৰৌন্বরাহ নাহৰে নিপাত-यानान वहा जुनहीं। निकः रूपा विद्राज मान् माञ्च भूवर्वभागानि ं निक्षित्रकृत्यधाने स्नामान् विकृत याञ्चासा ज्याना हरेरे ७ १ न्यस्त्राह मृर्जिः। शुकामारजः एष्ट् मिन् नि-হত্যবুক্তের কঃবৃত্তি যথা সুরেন্দ্র।। ইত্যগিপুরাণ াা

न्मानः वि क्तः। शतप्ति। इउ

न्ति दः श्रुः विकः। ইতি विकः उ भ्याः । विकार भावेठाता । अ स्था जिल्हा भूगी विकार । उन् स्था जिल्हा भूगी वर्षा निक् स्था जिल्हा भूगी वर्षा निकार स्था विकार भूगी वर्षा निकार स्था कि स्कार भूगी वर्षा निकार स्था श्रिक्त भूगता । किन्द्री भूगात । कि । कि । किन्द्री

্তিৰ্গত নবম বন্ধঃ৷ তস্যুলকণ যথা এপাদৌ সংগীড্য যোনৌ চ হঠা-क्लिक भूरवननः। इखरमा विश्वरम-ানত বন্ধো নৃসিংহ সংজ্ঞক: 11 া ইতি রতিমঞ্জরী ।। নরশেষ্ঠশ্চ ॥ নৃসৈন- ক্লী ক্লী নৃণা সেনা। ইত্যমরঃ ग्लामः श्रु नत्रामुक्तः।।था। - তথেত্যুপ পৃশ্য পয় পরিত্র সো-माख्याः मदिला न्लामः। াউদ্মুখঃ সো ংক্তবিদন্ত মঞ্জ জ-গাহ ত্যানিগৃহীত শাপাৎ।। ইতি রযুঃ।। নৃহরিঃ পু: নৃসিংহাবতারঃ। यथा। , भारत में हिन्दु गयान मम भीन कूर्य किरला १ जनहरू विवास यासर ্ব্যঃ। যো পভূষভূব ভরতাপুত্র কৃষ্ণ বুদ্ধঃ কল্পী সভাঞ্চ ভবিভা পুহরি-ব্যতে প্রীন্॥ ইতি বোপদেব:॥ নু গি } নিতে। ইতি কবিক**নুজ**ম: ॥ নু, ম त्वकः श्रृ जी निर्त्वकः। त्रवकः। राधा। भानपूत क्वाक भूत्क निक्रा- ॥ क्राना नि विककः। नव वामा नि नामानि निर्द्रविष्ठ वाजराय ॥

े जो है। পুজুং।ইত্মের:॥ নিম্বৰ্ক: টে ।ইডি নাজনিষ্ঠ:॥ প্রাপবিতা চ

इंछि मन्शा

निवं ही हक्ः।। किंगा विश्वस्थाः। इउप्रदेशाः ।। सम्बन्धः।। वृक्षम्णः॥ द्रथः॥ निउद्गि विश्व हिंउ सिनिनी॥ नाजी। हेजि विश्वः ॥ विख्यानाका । हेजि दाक्षमिर्यक्षेः॥

নেত্রছদঃ পু॰ নেত্রপিশাবকচর্মপুটঃ।
চন্দুরপাতা ইতি ভাষা।ইতি বন্ধ শন্দা নানার্থে অমরঃ॥

तिवर्गे । शृ व्याप्तः । ই उ द्रावितर्गे । । नयनावितिक वि ।। तिविश्वः भू विकाशः। ই उ हाद्रा-वि ।। इक्रिशं नक्ष्यः ।। तिवश्वद्रा की क्ष्रवर्षे। ই उ द्राव-निर्वरे ।।

নেত্রমীনা জী ব্বতিকালতা। ইতি রাজনির্ঘণ্টঃ।।

 'रमजरत्रा

कारा रेजबद्म रचर्वी मुसर्मेशर भवरपरवर्जा रमवीकं उकानि भू क।। वृज देजना दियोगिन जान्यों की দীপবছি न। । यह अने कायु उ जू দর্বিকা পরিকীর্ত্তিতা।। সন্থাভাবে তু তদ্দ্যাদেবীভেগ দ্ৰিকাঞ্জন । गर्भगाया जगकावी कांगाथत ব্রিপুরা তথা।।আশু বৃদ্ধি নহ্যতো-य' यडि त्रि छिः अरोक्षरिः। विश्वा नाक्षन॰ अर्यप्राचारामायार्थ मुखमे॰ ।। नामरख पृक्षन• (मवी रेक्सवी वि-থবা কৃত ।। ন মৃৎপাত্তে যোজযেতু नाथका निजयक्षन । न भूका कव সামোতি মৃৎপাত্র বিহিতাঞ্জনৈঃ ।। চতুর্বর্গ পুদে। ধূপঃ কামদ । নেত্র-त्रक्षन[•]। जमाम्बय मिन• नम्प्राप्त-বেভ্যে ভক্তিতা নর:।। ইতি নৌ-ক্থিতে। ধুপ স্তথ্যেক নেত্ররঞ্জন । ইতি কালিকাপুরাণে ১৮ অধ্যাযঃ নেত্ররোগঃ পু চক্রোগঃ। ভস্ত निहान यथा। उँका जिल्हा अ-नभुत्वभाष्ट्रक्रगाट चन्दिभर्येऽ याह । (बराषुरका ध्रमित्यवमाह इत्सं विचाजाचमनाजित्यागाँ ।। দুবাতপানাদিলি সেবিভাই বিম্-ন বাত ক্রম নিগুহাট ী প্রসক্ত সং রোদন শোক কোপাছিরোভিঘা- বিত্রাম

जार विमर्गात्री ।। उथा चज्-बाक विमर्गार्यण द्वाणा ज्वाजार-

नोहै। बार्लगुराटम्स नि-त्रीकर्गाह निर्क विकासन् जनयन्त्रि (रायी: ।। वाजार शिडार कका-मुक्तानिक मुर्गिक के जुर्विधः। भारान জাযতে ঘোর: সর্বশ্রোম্যাকর: १। का उन्हें जिन्ने हि यथा। नि रखारेन उद्धम स्मान्द्र गण्यर भा-ক্ষ্য শিরোভিতীপা: ৷ বিশুক ভাষ: শিশিরাবুর্তা চ বাতাভি शर्म नगरन जर्वा । भार भुशाको निनिवाजिनमें श्रिमयन रास्त्र म मुह्मक । उक्तानुजा भीजव दाव-তাচ শিক্ষাভিপমে ন পুন ভবন্তি॥ **उका** जिन्मा **एक** जो किरण थिः क-जुगल्हावि भोउँ है। मुखा বহু: পিছিলএর চাপি কফাভিপ-क्ष नर्दन उपिका अञ्चात्रका ला-হিত নেত্ৰতা চ বাছঃ সম্ভাগতি-विश्विक । विक्रम्बिम्सि ह যানি তানি বকাঞ্জিলেই হ'লেই বন্তি ।। ইতি **মাধ্বনুৱা:** He

त्वात्रागरा श्रे कृष्णिकाती हुकः : इंजि त्रावनिष्ठिः ॥ विकृष्णागं ना भरक वि ॥ त्वामयः भू वक्तागः। इत्रा

AR

्न्नी, की क्षा भ्यात्माकी वे कि नम ब्रामकी संस्कृति है कि क्षिती।। श्रामकनी किंदी (हराक)

द्वाक्षां स्टब्स्स । त्रास्य व्यवस्था व्यवस्था । व्यवस्था व्यवस्था । व्यवस्य

কৃতি ভারা। ইতি বন্ধালা।। নেদিই কি অভিনেত্রণ অতিনিকট । ইতমের: ১১ নিপুণ । ইতি রাজ-নির্ঘণী: ।। সাক্ষেত্রির্কে পুণ। ইতি ভৌষর: ।।

विनेत्राम् विलिक्षिक्षे । चनु जनगीशः देशे के जिल्ला

तिशः भूगः जित्राहिष्ठः ॥ उपकः । देविः सः विद्याद्यादागापित् किः ।। निश्चाद्याद्याद्याद्याः ।। प्र-विद्याद्याद्याद्याः । देविद्यपिती विद्याद्याद्याद्याद्याद्याद्याः । देशि क्रों भिनः । तिशः । ज्य शर्मायः । देम्थायः । ज्योनिशः २ ब्रांडिकः देना जिल्कः द निपानिः ५ समिशाज्तिशुः १ । खगु छ्याः । भीज्यः । ऐकपः । यार्गवाहिष्। नयुष्। जिल्कः । खजिकक् शिलाम् भाम ज्या झ-न्नानिक्षे । देजि नाकि निक्षः ॥ तिशानिका की सन्द्रभाग । देजि न्नानिक्षे ।।

त्नाः श्रृ काहाः ॥ व्यविद्धः ॥ व्यवः ॥ भूकातः ॥ देक्यः ॥ इकि स्मान्तः ॥ । व्यकः ॥ गर्छः ॥ इकि स्मान्तः ॥ नार्गापिः ॥ व्यनः ॥ इकि स्मान्तः ॥ निमः वी नक्षत्र । मृत्यः ॥ उक्षः ॥ विमान्तिं । व्यक्तिः । त्रवन्कतः ॥ विमान्तिं । व्यक्तिः । त्रवन्कतः ॥ वृत्तिः । इक्षत्र । व्यक्तिः । व्यक्तिः । भूकिः । इक्षत्र ॥ व्यकः । भूकिः । इक्षत्र ॥ क्षत्र । स्मान्ति । इक्षिः । भावः । इक्षत्र ॥ क्षत्र । स्मान्ति । विका नार्वे । क्षत्र । क्षत्र । क्षत्र । क्षत्र । इक्षत्र । । क्षत्र । क्षत्र । विका राष्ट्र स्माना । क्षत्र । क्षित्र । विका राष्ट्र सम्मी ॥ क्षत्र । स्मानः । विका राष्ट्र सम्मी ॥ क्षत्र । स्मानः । विका राष्ट्र सम्मी ॥ क्षत्र । स्मानः । विका राष्ट्र सम्मानः ॥

विश्वास्त्र विश्वास्त्र । विश्वास्त्र कितिर्वेष्ट्र के विश्वास्त्र । कितिर्वेष्ट्र के विश्वास्त्र ।

हेनभूगा े

তিনাশ ইতি খ্যাতঃ। ইত্যমরঃ।। तिमिठकः शु अतीकिष्णकः अती-् नक्षमा शूखः । म श्खिना नगात नम्राञ्चल कोनाम्रा॰ भूर्यता दा জাসী । ইতি প্ৰভাগৰত ।। নেমী পু• 'তিনিশবৃক্ষ:।ইত্যমরটী-কাযা• ভরতঃ ॥ नियी जी नियः। ইত্যমরটীকাযা। ভরত: 11 पिडे। थु॰ अविक्। ইতি স**ः** किश्रमा রোণাদিবৃত্তি ভূরিপুষোগশ্চ।। रेनकिंग्रिकः बि निकर्वेवजी । यथा। ব্রাতীন ব্যালদীপান্তঃ সুত্র-গরি-शृजयन्। शर्यद्याग्रहावृत्ये द्वाछे নৈক্রচিকাশুমান্।।ইতি ভঙ্কিঃ।। निक्छे । निक्छे युः। निक्छे म । ज्ञान इंडार्थका भुडाय निम्ना ।। निकृष्टे-তৰে ত্ৰি॥ निक्टिनः वि উद्दावनः। व्यत्नकशुः কারঃ। ইত্যমরঃ॥ रेनकरमयः श्रु॰ निकमाश्रुवः। ताक्रियः । ३७ इनायुषः॥ निगमः भू जिनिष्या। विष्क् ॥ नागतः। ইতি মেদিনি শৃন্তর্ত্তাব-**. ब्रि**ो ॥ नयः॥ **पं**जिः। ইতি হেম-म्मुः ॥ निगम अधिकनि वि ॥

क्याः ॥ । उनिभव्कः । नथुत्रारमे ॥ तैनिकः क्री शाःभितारमः। हेजि स्थारमुः ॥ নৈছিকী জ্রী উত্তমা গৌঃ। ইত্যমরঃ॥ निक वि निजमम्कि। श्रीयः। यथा। বুন্ধান্ত্ৰ চুন্ধান্ত বায্ব্যস্ত চ शाईछ । आश्चिम् इ मार्क्कनु নৈত্ৰ॰ পাশুপতস্য চ 🗐 ইভি 🗐 ভাগৰতে ১০ স্কন্ধে বাণযুদ্ধ ।। रेनकें। की निज्युन। निज्यमा जाव ইত্যৰ্থে ক্যু পুত্যুয় নিষ্ণা ।। रेने भावः शुः त्रुभाविनयः। इंडि वाजनिर्घण्डः ॥ तिभाग (मण ज्ञान-किनि जि। নৈপালিক নী তাম । ইতি রাজ-बिर्घकः ॥ रिनशाची जी नवगत्निका॥ मनः निवा ॥ त्मकानिका। इंडि मिनिः॥ नीनी। ইতি नद्रवाद्वी॥ रेनशून क्री रेनशून्य । यथा। शुक्री-न् शि रेनशून सहर शत वाह्यानि চিরায় গোপিতু । বিপরীত মথা-वात्ना खनान ज्न मारकोनन मार्य চেত্ৰসা।। ইতি মাঘে ১৬ সর্গণা। নৈপুণ্ড প্লী নিপুণ্ডা। নিপুণসঙ্ভাব इंडार्थ का शुंडाय निष्ण । वनकाः महनात्राजन् ভावा दी-मू भन्नम् देव। जन्नः चजीवनी

ইতবৈধনপুণ্য গ্ৰাশ্যতা ভূশ ।। ইতি লক্ষাকাণ্ডে ১৭ সৰ্গঃ ।।

रिमिखिकः वि निमिखकनाः। यथा।
रिमिखिकानि कामग्रानि निश्वतिः
यथा यथा। उथा उथित कार्यग्राणि
नाव क्ष्माः विहानस्य ।। ইতি गुरुयागञ्जूने ।। माम मन्द्रप्तनाि विस्मि नियम मृन्ग्रावमाः कर्जुदः।
कामाहिष्क निमिखाः भागः भूधः
क्षमाि निमिखक मुष्काि । यथा।
निज्य निमिखक मुष्काि । यथा।
निज्य निमिखक मर्यग्रेष्ट भुषञः
मन्मिल्य । जीर्थमानः गढहानाः (भुजमुष्कः उर्थित ह।। ইতি
मन्माम् जुन् ।।

दिनि खिक किया खी निमिखनिक्यन वह धिका तिक खेन अक्या। यथा। नि-छा। निमिखिकी। कामणा। किया। भूभा महम्म यछः। ममाथा। हि बि-क ल्लेष्ठ मर्ब एका हामि हम मेछः॥ छैर्ब छेना । यह छुन्छ। छन का नि-छु निमि तिका मिछा। छह क्थ-यिदानी मृत्ये कमना ममा। का छ-मृश्का छक माहि किया का छ महम्म प्रधान भूष मुद्दे सकमना ममा। का छ-मृश्का छक माहि किया का छ महम्म प्रधान भूष मुद्दे सकमना ममा। का छ-मृश्का छक माहि किया का छ महम्म प्रधान भूष मुद्दे सकमना ममा। का छ-मृश्का छक महि किया का छ महम्म प्रधान महि किया का छ निक्ष भूता-(१० व्या माहि किया गरिशा।

रेनिविकिंगान ही निविक्तिक्यवमः

ধিকারিকর্ত্ব্যদান । যথা। যঞ্জু পাপোপশান্ত্যৈর দীয়তে বিদুষা । করে। নৈমিজিক তদুদিষ্ট দান । সভিরনুষ্ঠিত ।। ইর্তিগক্তপুরাণ । নৈমিজিকলয় পু পুল্যবিশেষঃ। যথ্য চতুর্গ সহসুন্তে ব্যুক্ষোনৈ । নিজিকো লয়ঃ। অনাবৃদ্ধি চতুর্

मिखिका वयः। अनावृष्टिण कला-ভে দা্যতে শত বার্ষিকী।। উত্তিপ্তস্তি जना दोमा पिर्वि मध पिराकताः। তে जू भी द्वा बनः मर्बः माययां क्रगण्यः ॥ ज् जूदः म महर्लाक न शासि जन जनाः। कर्मा ज्या खुरमो विषुः भाजानानि महज्यसः 11 विकुर्नट् शिलाकक गूथा का चान् সূজত্যল । বর্ষম্ভেচ বর্ষশত নানা বুৰ্ণ। মহাঘনাঃ।। বিফ্ৰাস্যজঃ স্ত-वाठि वर्षागाः वायु बर्ष्ड्याः। वि-कु दिकार्गत भीवा मई दुक्त बक्श প্ৰক্।। শেতে খনস্তাসনে বিষ্ণু নঞ্চি-ছাবর জহমে। সূঞ্বা যুগ সহসু স ক্রগন্তুয়ে। ংস্কন্ধরিঃ॥ ইতি গৰুড श्रुवानः ॥

रिनमिखिकद्यानः ही निमिख निष्ण्य व-पृथिकाद्रिकर्खवाद्यानः। यथा। ठा-खान स्व गृशापि स्पृद्धा न्याजाः त्-बद्दानाः। न्यानार्वस्य यहा न्याखि न्यानः रिनमिखिकः हि उट्या इंडि गरूष

পুরাণ ॥ निभियात्रगु॰ क्ली जनगुनिरमयः। তস্যেৎপত্তি যথা। তেন চক্রেণ **७८रिमनऽ मामूतं॰ (मोर्ब्ब्य॰ क्रांगं८** ्। निभिवास्त्र भावित सम्बद्धा क्छ ॥ वर क्दा छछ। (मरा मूनि भोतमूथ जन। उवार नि भिष्यान निरु के मानव वल ॥ অরণ্যেমি• শুত শুেব• নৈমিযার-ণ্য সংজ্ঞক । ভবিষ্যতি যথার্থ रेव वुष्माना विष्णवा ॥ इंजि বরাহপুরাণেগৌরম্থ•পুতি ভগ-विषाकृ ।। अ।। अभिष्ठ। (मन वः अः भुवक्तामि यिवास्तरम हतिष्रथ । छेङ्गा गरना भय र ठक भ मृश्वा जानू ব্রাচহ।। ক্ষিপ্ত মেতশ্মযা চক মনু-বুজত মা চির•। ধ্রাস্য নেমিঃ শী-র্য্যেত্র স দেশঃ পুৰুষর্যন্ত ॥ ততো मूरमाह उहक । उह उ ् मगनू वु इन् । তস্যবৈ বুজতঃ ক্ষিপু॰ যত্র নেমি' त्रभीर्ग्रेष ॥ स्मिमिय • ७९ मृष्ठ नामा পুণ্য সৰ্বত্ৰ প্ৰিত । সৈক্ষ চারণ সংকীৰ্ণ যক্ষ গদ্ধৰ্ব সেবিত ।। স্থা ख्र-। जब पर्याः न गृह्मद्याः न य-ক্ষোরণ রাক্ষসাঃ।। তপ স্তপ্ত। পুরা

(कोर्स्स 8॰ अश्रास बहुक्नीयान् शुं जुक्क वाक्र ।। रेन्स्स अ॰ शिंत्र व्हें । विनिम्न वः । हें ज्ञान ।। रेन्स्स वे की न्या शुं श्रिक्न वः । हें जुन् मतः ।। न प्रशां का ज क्रमानि । हें जिताशास्त्र ताम जर्कवाणी स्मी।। रेन्स्स वे कि न जुक्म शक्का जव के क्यों नि । हें जिताशास्त्र ताम जर्कवाणी स्मी।। रेन्स्स वे कि न जुक्म शक्का जव के क्यों नि । हें जिताशास्त्र ताम जर्कवाणी स्मी।। रेन्स्स वे कि न ज्ञास्त का । नियं जम्म जात हें जुर्ध्य क्ये शुं शुं जुर्म निम्न ।।। रेन्स्स वे कि न जास्त का । नाम श्री वाक्ष श्री वा स्मानिकः श्री नियं ज्ञास्त का ।। नाम श्री वा स्मानिकः श्री वाक्ष श्री वाक्ष श्री वा स्मानिकः श्री वाक्ष श्री वाक्ष श्री वा स्मानिकः श्री वाक्षित । वाक्ष श्री वा स्मानिकः श्री वाक्ष वाक्ष । वाक्ष श्री वा स्मानिकः श्री वाक्ष । वाक्ष श्री वा स्मानिकः ।।

रेनत्र अर्गः क्री नित्र अत्र प्रः । नित्र अत्र म्रा जाव है जार्थ क्ष्य शुक्र य नित्र व्याः । रेनता क्ष्यः क्षी व्याक्षाया व्यक्षाः । यथा। व्याक्षा हि भन्न भः कृष्यः रेन-त्राक्षाः भन्न भ्रापः । व्याक्षया क्षिः क्षा (वक्षा कृष्यः । व्यक्षिः ।।

৯৭ অধ্যাयः ॥

ন• ভগবতঃ শস্তো রেতদৈনিষ মুভগবতঃ শস্তো রেতদৈনিষ মুভগবতঃ শস্তো রেতদৈনিষ মুভগবতঃ শস্তো রেতদৈনিষ মুক্ষেত্র ক্রুভিংই তি থস্য ঠঃ ন ডঃ
ক্ষোরগ রাক্ষ্যাঃ। তপ স্তথ্য পুরা
ক্রেলিজ্জ ।ইতিরাম কর্বাগীশঃ
দেবা লেভিরে পুচুরারগান ।ইতি বিশ্বতঃ পুণ রাক্ষ্যঃ।। পশ্চিম দক্ষিণ

क्रिनाधिशिक्तः। इठ्यातः। क्रिनः वित्रिक्तः वित्रिक्तियः। व्या। नित्रिक्तीयः य-विव्रम्ण उद्धानिक्षित्रोत्राष्टः। शक्षित्रः। यथा। नित्रिक्तीयः य-म्वा। मूर्गः मूकः क्रमाभूयः रेमः-हित्रयः मिनः मनी। सोमः ज्ञिनः क्रिन् श्रीच्राः।। क्रिनः शक्षित्रः नित्रिकः मिठिकः भमक्री ह भूगिक्ति हिन्नशीच्रताः॥ थऽर्छ। क्रिनः (क्राकः शक्ष्मः। मईव हैर्नः ।

দৈশ্বী জী অবাচী পুতীচে গ্রামধ্যা-দিক। নৈশ্বতকোণঃ। ইতি রাজ-নির্ঘণ্টঃ জটাধরশ্চ।।

रिनर्गाः क्षी निर्गागदः। यथा। शतिनि श्रिकाणि सिर्गाण उत्तरमाक नी-नगा। गृशी उत्तरकाता कर्त्व या था। नं • क्रुरशी करान् ॥ श्रिक श्रिका गवरक - विकीयक्षकः ॥ •

নৈৰ্মল্য ক্লী নিৰ্মলত্বশা বিষয় বৈ-ক্লাগ্যশাযথা। বিষয়েশ্বতিসংরাগো নানলো সল উচ্যতে। তেশ্বেব হি বিরাগন্ত নৈৰ্মাগ্য সমুদাক্তশা। ইতি প্রাথশ্বিত্তত্ত্বশা

हैं नी जम् जावः। नी जमा। इंडि मूक्तांव ही कावाः द्रामं उर्वे वागी जाः।

নৈবিদ্যে লী বংশফুৎ কারগুণবিশেষঃ
। বথা। নৈবিদ্যা প্রোচতা চাপি সূ

বরত্বক শীষ্ঠা। নাকুর্য নিতি প
কামীফুৎ কৃতেষ্ গুণাঃ মৃতাঃ।ইতি
স্কীতদানোদরঃ।। নিবিদ্তা চ।।

शक्विषः। यथा। नित्तस्नीयः य-দুব্যু পুশন্ত পুৰ্ত তথা। তদ্ভ-ক্ষাহণ পঞ্চবিধণ নৈবেদ্য মিতি ক থ্যতে ।। ভক্ষ্য ভোক্যঞ্ লেছ্ঞ পেয় চোষ্যঞ্ পঞ্ম । সর্বত্র চৈ-**ज्रेंबरवर्ड गा**द्वाद्यारेम्य तिरवृहरहरू ॥ 🗱॥ তৎপাত্র यथा। তৈজসেযু চ পাক্রেছু সৌবর্ণে রাজতে তথা।তা-মে বা পুস্তরে বাপি পদাপত্তে ২থবা श्रनः॥ यक्कमाकमाय वाशि रेनत्व-দ্য স্থাপথেছু খঃ। সর্বাভাবে চমা-.হেযে স্বহন্ত ষ্টিতে যদি॥ ইতি ত-জ্বসারঃ॥ গ্লে। তদান ফল । যথা। रेनरवरम् इन्टर्ट सर्गा रेनरवरम् -নামৃত ভবে । ধর্মার্থ কাম মো-ক্ষাশ্চ নৈবেদে য়ে পুতিষ্ঠিতাঃ নী স-र्ब यक्क कवा निष्ठाः निविष्ठाः मर्ब-

प्रशासन भाग श्री भाग मही स्वान क्ष्या स्वान क्ष्य स्वान क्ष्या स्वान क्ष्या स्वान क्ष्या स्वान क्ष्या स्वान क्ष्य स्वान

१८८१ १९ व्यथायः॥ ॥ अ८कात्वा यथा। अर्द्वाक् विमर्क्कनामुव्यः रेनव-দ্য সৰ্ব মুচ্যতে। বিসঞ্জিতে জগ-॥ মাথে নিৰ্মান্য ভবতি ক্ষণাৎ।। প-ঞ্জাত্র বিদো নৃখ্যা নৈবেদ্য ভুঞ্জতে সূথ । ইতি গৰ্ডপুরাণ ।। 🕸 ।। তস্য স্থাপ্তন ক্রো যথা। গৌতমীয়ে। বানতস্ত ত , পূপ মগুে বা ন তু দ-।। बिन्दः । रेनदिन प्रः मिक्ति रा र्जाला श्रू-तान वान शृष्ठजः॥ मिक्किन जागञ्ज দেবতায়। এবঁ ন তু সাধক স্যা। প-क्थ प्रवंजा वास्य जानाहरिक्द म-किए। शूद्र क्व नहिन्द्राया । ए ক্ষিণন্ত পরিভ্যজ্য বানে চৈব নিধা-পথেৎ। অভোগ্যঃ তদ্ভবেদন্ধ পা নীযঞ্জ সুরোপন॰ ॥ ইতি তব্দসারঃ ॥ 🕸 ॥ जम मु। यथा। रेनरवन् अ मु। मञ्जूष्ठ किनिष्ठाच्याः श्रुम्भरयः । कः निश्वानागिकाक्रेष्ठ मू मा श्रापमा की-র্ত্তিতা।। তৃত্তনী মধ্যমাঙ্গু হৈ রপান-न्। जू मृद्कि। अनामा मध्याकृरिश्र करानमऽजूमाम्जा।।जन्दनेऽ१नामा-মধ্যাভি: সাঙ্গুণ্ঠাভি শুভূর্থিকা। স बाजिः ना नमानम् शानाम् हम्यूरा জিত। ।। তারপূর্বা জপেয় कुर পা-'गारीना॰ शुरमरिष्ट ॥ इंछि बामनः । 🗱 ।। वाक्राग्य ७० ममर्शन थया।

माक्नां थामि देनरवम् विभुक्त-भी बनाफनः। वाकार भतिजू हे ह **गर्डहाः गर्दा**एवजाः ॥ एत्वाय पद्मा देनविष्ठ । दिकाय न शुपह्छि । जमी-ख्उंक रेनर्वे हें। श्बन मिद्गल खर्दि ॥ (मवमख॰ न ভোক্তব্য॰ नैतर्वम् अ विना हरतः। शुभाखः मर्बरमरवरु वि-का दित्वर खाजनः ॥ # ॥ मृमु**म**ऽ जंखका विधि यथा। मृमु एक किति ज्कम्ह नित्वम् । जाजानार मूकः । আমাম হর্যে দলা পাক কূলা চ 'খাদতি॥ ইতি একৃষ্ণনম্থণ্ডে ২১ व्यथ्रायंः ॥ 🛊 ॥ विकृ तेनत्वम् (छा-জन कनामि कात्म । क्वा देंदा-প্রবাসন্ত ভোক্তব্য দাদশী দিনে ৷ নৈবেদ্য ভুলসী মিশু হত্যা কোটি विनामन ।। भाष्य। इपि कंश मूर्थ नाम रेनरवम् अस्तं इरतः। शासा-मक्ष निर्माण्ड मस्टक रंग्ड मा २ठूऽउः ॥ स्नात्म । अग्निक्षाम मह-সৈশ্চ বাজপেষ শতৈ তথা। তুল্য ফল• ভবেদ্দেবি বিষেধ কৈৰেছ্য ভ্ৰ-क्रगार्था शास्त्राहरूक् निर्याक्ष देन-'(वर्ष वित्नवजः। महाभूजार है-ত্যুক্বাগ্রাছ পবিকোঃ পুষত্নতঃ। বস্থ চ গৃহ্ব পরিশিষ্টে। পবিত্রণ বিষ্ণু নৈ-,বেদ্যং সুর সিন্ধবিভিঃ মৃতং। অন্য

(मवम्) रेन(वम्) जुङ्ग हान्मु । य**१४**-রেৎ !। স্ব দক্ত মিতি বিশেষণীয় ।। मृत्जो । तुक्काति शृहरिष्ट रनष्ट যতিভি ত্তথা। ভোক্তব্য**• বিষ্ণু নৈ**-रेन्हुं नाज कार्या विज्ञातना ॥ इ-ত্যেকার্দশীতত্ত্ব ।। 🟶 ।। অপিচ। वित्थः। निंदि मि छ श्रञ्जः निद्यमु श्रा ফল• জল•। প্রাপ্তিনাত্তেণ ভোক্তব্য• ত্যাগেন বৃহ্মহা জনঃ ৷৷ ভুষ্ট 🗐 ভুষ্ট বৃদ্ধিশ্চ ভুষ্টজ্ঞানো ভবেষরঃ। য স্ত্য-জেদ্বিকু নৈবেদ্য ভাগ্যেনোপস্থিত• শুভ•াগ্যাপ্তি নাত্রেণবো ভুড্কে ড 'ক্তিগা বিষ্ণু নিবেদিত'। পু**'সা' শ**ত। निमुंक् छ। की वमुष्कः स्य • खर्द ॥ বিষ্ণু নৈবেদ্য ভোদ্ধী যো নিভ্যু বা পুণনে দ্ধরিণ। পূজ্যেৎ স্তৌতি বা ভ ক্ত্যা मं विकृ मम् । ভবে ।। পু॰-क्तज्ञाच नवीतामं कृष्णाकाम (भव छ. शक्तः व्यानाः म मण्डः क्ककः॥ भिवनिक्शुम्खायः यममः। मृमुयादिनाः। विकिৎ, मक विजामक (प्रवनान क्लेप्य **ए ।। कन्राविक**श्चि ণা সলপ্যদল্প যোনিজীবিনাণ ৷ অশু-জান পয়ু বিত সর্বভক্ষ্যাবশেষ কৃ ।। শূদাপতিছিজানক ব্যবাহ-षिकान्नकः। अमीक्निउद्विकानाकः य-हत नदेराहिना ॥ व्यथम् ।। व्यथम्।

নাকৈব বিজানা নয় মেব চ। মিত্রক হা• কৃত্যানা মল• বিশ্বাস্থাতিনা৽ ॥ वि्थामाकार्भुतानाक द्वाकानाना-ন্তথ্যে চ। এতৎ সর্ব বিশুদ্ধেত বি-ষ্ণে। নৈবেদ্য ভক্ষণাৎ ।। ইতি বুক্ষ-বৈবর্জে পুকৃতিখণ্ডে৩০অধ্যায়ঃ॥‡॥ विका निविधिकामिन यञ्जेताः मर्ब দেবতাঃ। পিতরো ২তিথ্য শৈচব মি-তি বেদেষু বিশুত ॥ অমৃত সর্ব वस्नाः निष्ठेः नातः मुन्त्छः। विर्षा र्नित्विष्ठा**द्यम**्र क**ना॰** नाई हि या छ-শী ৷৷ যদূছ্যা তলৈবেদ্য যোভুউক্তে नाधु मञ्जः। यश्चितर्य गह्मानाः शा-গ্নোতি তপুসা ফল ৷৷ যো নিবেদ্য হরি ভুউক্তে ভক্ত্যা ভুক্ত 🎉 নিত্যশঃ । কি॰ বা তপস্যা সুভরা॰ স হরে স্তেজসা সমঃ।। ইতি বুকবৈবর্ত্তে 🕮 कृषकम्पराख २१ व्यस्त्रायः ॥ 🕸 ॥ िव देनदिक्त विकास यथा। व-স্কৃতগৃহাপরিশিষ্টে। অগ্রাহাণ শিব रेनर्वराः भवः भूष्तः कवः ज्ञवः। भानगुमं भिना म्मिट मर्ड याजि পবিত্রতা ৷৷ শালগাম শিলাযা শিবপূজনে তদ্গাহ্য মিত্যাহ্নিক-তকুণা কালিকাপুরাণে। যো যদে-वाईन त्रजः न जोष्यतम्। जंककः । কেবল পৌর শৈবে তু বৈষ্ণবে৷ নৈব

ज्रक्रयं ॥ विक्व शर ममें। (सर्वा পाসक পর ।। সমান ন্তুন্য নৈবেদ্য **ज्ञारयहरा देववा । अवहत्नार** সৃষ্টপর । নন্দিকে খর পুরাণে। দত্বা रिनरविष्ठ विज्ञानि नाममीञ कथ्यन। 'ठाकवाः निव मूफिना जनामातः न ज़ ९ कन ।। ইতি निवह दि-শেষঃ। ইত্যেকাদশীতত্ত্ব ।। 🕸 ॥ স্বদত্ত শিব নৈবেদ্যস্যাপি ভক্ত্যা ভক্ষ্যত্ব মুক্ত॰ যথা। রোগ• হরতি निर्मानु (भाक्छ ठत्रामिक । অশেব পাতক হন্তি শন্তো নৈবে-দ্য ভক্ষণ ॥ ইতি শাক্তানন্দতর-किनी ॥ 🕸 ॥ नित रेनर्त्तराजा ছত্ত্ব কার্ন বথা। রাধিকোবাচ। এব মূতস্য চ বিভো সর্বেশস্য ম হাত্মনঃ।ন শস্ত কথমুছিষ্ট বুছি স-নেহভঞ্জন।। একৃষ্ণ উবাচ। শৃণু দেবি পুৰক্ষ্যেছ মিতিহাস পুরাত-म॰। পাপেक्षमाना॰ एक्टन जुल्मिः लिएथाश्रमः ॥ जन-जनाद्वा देव्जर्थः भिकना ह जगाम र। नम्में जुक्ववस्थ ाथ॰ नात्रायन॰ विकः ॥ जुड्ढाव गृरैणः গবৈশ্চ পুণম্য ভক্তিতো মুদা। অ বশেষ দদৌ তমে সম্ভষ্টো ভক্তবং সদাঃ ।। প্রাপ্তসাত্রেণ তত্ত্বৈব ভুক্ত• তिरेनव किथन। किथिमुतक वस्ना ।

ভক্ষণाय b मूर्वछ ।। जिस्तामुम b তদত্ত গুরবে শুলপাণিনে। ভক্তু-দুকাছ তৎসর্ব ভুক্তঞ্চ প্রাপ্তিমাত্র-তঃ ।। जुङ्ग। সুদুর্লভ॰ বস্তু ননর্ত্ত পুেন বিস্তৃলঃ। পুলকাঞ্চিত মর্বাঙ্গু: স্পূ निवा मूमानि उः॥ भाषम्म ७१ छ-ক্ত্যা সুকণ্ঠঃ পঞ্চবক্তুতঃ। রাগভেদৈ-কতানেন তাল মানেন সুন্দরে ।। প-लाक उगक ईखाट म्लक व्रायुक्त ह । স্ব্ৰ' নিপত্য পশ্চাচ ক্দন্ত্ৰ ন্বা-প চ ৷৷ অতীব কমনীযৈতদুপ ধ্যা-रेनकमानमः। मर्मु मन म्थ्रञ्च भा• পশ্যৰ ছৎ সরোক্ত্যে এতিমিন্নত্ত-ः त प्रती मूर्गा मूर्याञ्चालिनी । मूमा त्रगाम नोषु उट शुमम वस्तक्रना । কদন্ত মূৰ্চ্চিত দৃষ্ট্বা নিপতম্বঞ্চ ভ-ক্তিতঃ। পুহস্যবার্তা॰ পপুছ সমার• লপাণিনঃ।। সর্ব তা॰ কথ্যামাস भातः मःभूटाङ्गिलः। भुषा हूका-াসা দেবী শিব॰ পুরু রিভাধরা ॥ ग॰ मञ्जू मूम् । जा॰ (मृती मुखाय ह जि-नाहनः। (वायग्रमान-विविधः जू-ाव मः भूषाञ्जिलिः॥ गुजा स्तार्त्र छावः न मामाश मिवः मिवा। मुक्र গকে তদুহিষ্ট মভক্ষ্য বিদুয়া মঙ্গি । शार्बज्यात । मूंतित्रक उने सक्ष या न व द्भी यतः। द्या वित्याः श

मारान विकाश कथ विखा ॥ बाजान पछ देवातमा विकास शक् द याधूना । व्याजा भारता गृहारेगज्य ফল নেব মহেশ্বর।। অদ্য পুভৃতি যে ুলাকা নৈবেদ্য• ভুঞ্জাত তবাতে জ-ক্মিক• সারমেযা ভবিষ্যন্ত্যের ভার-তে।। ইত্যুক্তা পাৰ্বতী মানাদরোদ পুরতো বিভো:। দৃষ্টিঃ পপাত তৎ कछि नी नकछि। यज्य मः॥ जरा निवः শিবাণ ভক্ত্যা কৃত্বা বক্ষসি সাদয়ণ। তন্মানভঙ্গ স্তোত্ত্রেণ বিনয়েন-চকা-त र II करता ठक्स्या नी तः अभ्वा , ह भूनः भूनः । वाध्यामाम विविध ती जिवारेक। मंत्राहरेतः ॥ পরিতু-ষ্টা চ সা দেবী ভর্তার সমূবাচ হ। कलवत्रक जाकामि रेनरवरमान वि-ना रुद्धः ॥ विভर्षि (नरु॰ সতত॰ তব সৌভাগ্য বৃদ্ধিত। কথ বহা-মি সৌভাগ্য রহিতঞ্চ কলেবর ।। व्यश्रं ७व रेनरवर्ड बन्न मृजूड बन त्रा रतः। क्ठः पृष्टे यठ खमाए भ-न। (एर्॰ ज,कामि हा। निक्लिशित **४ यम्स्यः उ**प्पर्वागुश्चि भीयत् । मू-পবিত্ৰ ভবেত্তত্ত বিক্ষোর্নবেদ্য মি मुजः॥ ইতে उर मुक्ना मा प्रवीपम्हः काकु नम्राजा। बाला इत उर পুরত: ভ্রন্থা চ ৰীচকার হ ॥ ইতি

वुकारिवसर्छ बीकृष्णक्रमथए७ ७१ म-धायः ॥ 🗱 ॥ ७८ कात्रभाञ्चतः यथा । वुकामीना क्लानिय । उट कथ পর্নেশান নির্মাল্য তব দূষিত ॥ - मे শ্বর উবাচ। মাভৈ র্নার্ভৈ র্মহাদেবি জ্ঞানসার শৃণু পুিষে । এতজ্জান মহাদেবি সারাৎসার• পরাৎপর• ॥ পঞ্জূ তাত্মক দেবি মূখ পে পরি-কীৰ্ত্তিত। মধ্যস্থান স্থিত যুদ্ধু ত-ইশান সদা উদ্বৃ • সুচি মিতে। কা লাগ্ন ৰূপিণ তত্ত্ব সৰ্বশ্ৰক্তি ম্যুণ मना।। তেজো मयः महिमानि मूथ गृर्ख • वतानत्न। की दिनि गञ्चत ए-বি উত্থিত গরল বিষ।। উত্থিত পরল যন্ত্রুকাও নাশকারক। ত-দেব গরল দেবি হস্তে কৃত্বা তু তদ্ধি-यः। कृष्णञ्जन निजः मिवाः गद्रणः জলবন্তদা।৷মমহন্তেমহেশানি আ-ে বিরাসীত্ শুচিমিতে। ততঃ করত-नी कृष्ठं । ज्विषः भवतं समिति ।। निभी-য তদ্বিশ সূত্ৰণ তীম্নণ বুস্কাপ্ত নাশ कः॥ जजः भागम मूरथामवि न श्रीषा 'তদ্বিন্' প্রিয়ে॥ তদ্বিষ কণ্ঠদেশ তু ছিত হি সর্বদামন।। ততঃ পুভৃতি **(मर्विम मूर्थः ज्ञानाग्रं जना ॥**

रेनरवर्

क्रिके क्रम्य • ज्या जमा विश्व का-मिनि। जजः शुक्छ (सरविम नीम-किथेष मानु याः।। मेणानः ममूथः (ह-বিপর বুদ্ধ বরাননে। পুত্যব্দিরাময (रिवि मग्रुथः कमलानतः॥ माकार े জ্যোতিষ্যী দেবী সদা মে মূথ সং-হিতা। পত্ৰ• বা যদি বা পুষ্ণ• জল• वा वत्रवर्गिनि॥ यन् । हि भत्रामानि উপচার॰ মনোহর॰। या पम्राट পুরুমেশানি মন্মুখোপরি পার্বতি॥ वगुाश्-उद्नियानाः माकाषुकाम য॰ ততঃ। এততু পরমেশানি নির্মা-ना गर्भ शाहराय ।। म जुरहा काया দেবি নিষ্কৃতিশান্তি তত্ৰ বৈ। অগ্ৰা-श् भग निर्यान्। অতএব ব্রাননে ।। यफ छ॰ मग्रूरथ (पित भूश्न॰ वा भन मूख्य । उतियाना भरमानि ग्-,হ্লীযাৎ শিরসা সদা।। স বুন্ধ তেজ-সা তস্য সমতা যাতি সুন্দরি ৷ ন मन्त्रामित (मर्विम उभाव मृद्धिः মিতে।। লিকোপরি বরারোহে গ শ্চ তম্য শুচিমিতে। নিগদামি শৃণু श्रीरा बहन मम कानिनि ॥ न वव नात्रकी ज्वा नत्रकः नर्बनात्र् गर्.। ज्ञान्य नत्रकः ज्ञा जान्यवे तानि मन्द्रिष्ट् ॥ चामम् ज्ञावद्र परि बक्रमक ज्यां शिया। ज्ञा ज् नद रेनरविष

পাপান্স অশেষ ক্রিমিতাণ বুলেৎ ॥ मृग् (सर्वि शुंवक्रामि উहिक्टे म-ম পার্রতি। উপচার স্থাপিত্রা প্ত পাত্রান্তরে প্রিয়ে ॥ কৃত্বা তু মন্ত্রপৃত হি উপচার নিবেশক । वामामवानि मित्विम मूर्थयू मुद्र-বর্ণিনি। ভক্ষণ মম দেবেশি বুন্ধা- / ও সৃষ্টি কারক। এতদ্ধি পরমে-, भानि वुकामीना मृत्र्वछ ॥ अभू-ि दी मूठि दीशि उहिडे॰ जकरर म्ब्रि। न এव পর্যারাধ্যः नाका-দুকা শুচিমিতে।। উদ্বিষ্ঠ ভক্ষণে कागी गुवा अनाभिवः। निर्माः वि न्रज्जिषान्गृशीया**ण्य था-** -इं ि॥ পुथम दिक्ख पद्मा विकृ भारत जुन्तति । निर्माला भन (मरविन विस्थाना क्र· बद्रानरन ॥ (म्वामुत मनुष्ठाम्ह गन्नर्वाः किन-वाम्यः। তে সর্বে পর্নেশানি ব-वाकाः कूनुवृष्यः ॥ निर्मात्मप्रु ह (मरविण चिधिकात्री कथः ভरवरे। ইতি निकाहन जल्ब १०। ४८ ११-ं हेलः ॥

रेनरविषक क्षी निर्णामार्थ गाईड्रा य यह ,कनेत मीयरक छट । यथका ज्मीशा काम वजा छ खिलीमार्गः भुजिल्यान् । रेनरविषक वर्षपूर्युः

নৈদ্বং পু॰ নলরাজা। ইতি ত্রিকাণ্ড-শেবং ।। নিষধ সম্বন্ধিনি ত্রি ।। নৈশ্চিত্য ত্রি নিশ্চিতত্ত্ব । নিশ্চি-তস্য ভাব ইত্যর্থে ফ্য পুত্যুয় ।। নিম্না ।।

নৈষ্কিকঃ পু॰ ৰূপ্যাধ্যক্ষঃ। ইত্যনরঃ
।। টক্ষকপতিঃ।। পুৰুষাখাদি ৰূপণ

গঠিত॰ রজত॰ ৰূপ্য॰ তস্যাধ্যক্ষঃ

- 1 ইতি ভরতঃ ।।

दिनिष्ठकः भुः वुक्तवर्गः कृषायावड्डीयः ख्वः अत्व त्या वमि जः। यथा। देन-शिका वुक्तवाती व त्यमनावारं। म-विश्वो। उन्हाद १मा उनत्य भन्नाः दिश्वात्वति वा ॥ ज्यान विश्वना त्रशः माश्रयविज्ञिष्ठिन्द्रियः । वुक्त त्वाक न्वाद्यां निक्र ज्ञायः भूनः॥ १७ गक्ष भूत्रां ।

रिनर्गिकः वि बाजाविकः। यथा।

श्रहाम द्वामियः जिकः इत्वहा शत
भाषानः। कम्म दा निक्रिजा तां ह्वन्

विद्या रिनर्गिकी ज्य।। ইতি কহিश्रवाण्यक व्यक्षायः।।

নৈজিংশিক্ষঃ ত্রি খন্নধারী ৷ নিজিশেন পুহরতি যং ৷ তৎপর্য্যায়ঃ ৷
অসিহেতিঃ ২ ৷ ইভ্যনরঃ ৷৷ অসিহেতিকঃ ৯ ৷ ইতি শন্বজুনবলী ৷৷
নো ব্য নহি ৷ অভাবঃ ৷ ইত্যনরঃ ৷৷
নো ব্য নহি ৷ অভাবঃ ৷ ইত্যনরঃ ৷৷
নোধাঃ পুং ঋষিভেদঃ ৷ ইত্যুণাদিকোষঃ ৷৷

নোপছাতা ত্রি দুরছঃ। ন উপ
সমীপে তিপ্ততি যঃ মঃ॥ হীনার্থি
বিশেষঃ। যথা। অন্যবাদী ক্রিযাদ্বেধী নোপছাতা নিক্তরঃ। আহ্তপুপলায়ী চ হীনঃ পঞ্চবিধঃ
মৃতঃ॥ ইতি মিত্যুক্ষরায়া ব্যবহারমাত্কা॥

तोः खी तोका। इंड्रमतः ॥
तोका खी नम्रामिमखत्रगार्थकाश्रामिनिर्माड्यान विश्नियः। डंट्रम्यं। यः
। तोः २ उतिका ३ उत्रिवः छंद्रशि ६
उतिः ४ उति १ उत्रक्षी ४ । इंडि
भूमत्रद्रावणी ॥ ॥ यथ नित्रम्यात्माष्म्मः । तोकाम् । अथ नित्रम्यात्माष्म्मः । तोकाम् । नित्रम्यात्माष्म्मः । तोकाम् । नित्रम्यात्माष्म्मः । तोकाम् । नित्रमः
वानः । ज्ञान तोविक्य यानः म्राम्
कानः । ज्ञान त्वना जिथि-हम्मः
त्यात्महत्र विनाः मक्ताम् महत्कः।

ৰক্ষেন্ত্য সপ্তস্ত্রতিরেকতোন্যে বদ-स्टि नोकायहेगाँ कि कर्य ।। # 11 थ-सि थता भू जूशानिषि श्री मिज ध-নাচ্যুতভে শুভলগ্নে। তারক যোগ जिथीनम् विभूष्को (नोगमनः मुखनः **मू**जवारत ॥ # ॥ वृक्षायूर्विम गमिजा वृक्कजाि अञ्बिधा । नगामित्व গদিত তেষা কাষ্ঠ চতুৰিখা। তন্মথা। লবু যৎ কোনল কাঠ। नुवहे वुक्रकां उट । मृहाकः व-यू यदकान्न भविषे कथानि उदा কোনলং গুৰু যৎ কাঠ্ঠ বৈশ্যজাতি उम्हाउ। म्हाइ॰ ७क यट काई॰ भूमुकां जि जमूठारा ॥ लक्षण घर যৌগেন দ্বিজাতিঃ কাপ্ত সংগৃহঃ।। ক্ষ্ত্ৰিয় কাঠৈ ঘটিতা ভোজমতে সুখ जम्भरः तोका। जात्र वयुक्तिः जूर् ঢৈ বিৰূপতি জলদুল্পদে নৌকা॰।। বি-ভিম জাতি দ্ব কাণ্ঠ জাতা ন শুে্ব-त्म नाशि मूथाय तोका। तिया हि-র•তিষ্ঠতি পচ্যতে চ বিভিদ্যতে বা-রিণি মজ্জতে চা। ন সিষ্কুগাদ্যা ई-তিলৌহবন্ধ• তল্পোহকান্তৈ ব্ৰিয়তে हि लोरः। विभम्राः द्ञन बलम् (नोका ख्रान वृक्कः निक्रगामः ভाकः) ॥ 🛊 ॥ अथ लक्ष्णानि । जामानाक . विष्णवण्य भोकाया नक्षण वयः ।

অত্র সামান্য । রাজহন্ত মিভাবা-मा जल्लाम निर्दाणिकी। जानम-वाम अ मोका कूपुछि गरिछा वृत्थिः ৷৷ অতঃ সাৰ্ভ মিতাযামা তদৰ্ম প-রিণাহিনী। বিভাগেণোথিতা বৈ কা মধ্যমেতি পুচক্ষ্যতে।। কুদুৰ ধ্ খ্যনা ভীমাচপলা পটলা ভষা। দী-র্ঘা পত্রপুটা চৈব গর্ভরা মন্থরা তথা ॥ (नोका मनक भिजू । कः दाखहरैल तन्कम । একৈক वृष्तः नार्षिक विजानीयां चय॰ चय॰ ॥ संमुख्नि भूवीना ह रखामका भ मिला। অত্র ভীমা ভ্রম চৈব গর্ভরা চাশুন্ত পুদা।৷ মন্তরা পরতো যাস্ত তাসামে-বাষুধৌগতিঃ। তাসা গণন্ত সংক্ষ পाए मृहजा ह शुकीनजा ।। # ।। जय বি**শেবঃ। দীর্ঘা চৈবোন্নতা** চেক্তি বি-শেষে দ্বিবিধা ভিদা। তত্ৰ দীৰ্ঘা যথা । द्राज्ञई उपयोगा यक्षाः भ भद्रि-शाहिनी। (नोर्किय॰ मीर्चिका नाम म-শাঙ্গেনোর তাপি চ।। দীর্ঘিকা তর-नि लीना गवता गामिनी .जितः । बहुाना प्राविनी रेठव शातिनी विशिनी **७**था ॥ त्राव हरिस्टॅं कक्वृका तोका नामानि किम्म। उन्निः भन्निगहि मनाडा भ मिलीकंगा ।। जब्ल नागामिनी हु शादिनी पूर्श्वरा खर्वरा

ৰোকায়া মান মারভ্য বাবস্কবতি गवृत्ता।(लाजायाःकन मायस्य वरः ानकानु निर्वयः। स्विनिन्। भन्नरा ্যা তু সা শিবাষোকর যথা।। ভো-ब्बाणि । मोका नीर्य गरशह जा **•स्टेंबजानि विवर्क्टस्य । इस्रम•थ्रा** পরিত্যান্ত্যা বসু বেদ:গুহোন্তরে ॥ ৰষ্ট্যন্তর মিতানৌকা স্বল হন্তি বৃল **খন**। নবতে **ৰুত্তরে** যাপি যা চত্তারি• **শতে: প**রা।। এতেন চত্ত্বারি•শতি য ষ্টি নবতি সম্থ্যা তৎপরতোপি। यावरभन्न एमक जावराव उৎक्र মিতি। ইতি দীর্ঘা।। অথোমতা। রাজহন্ত হব মিতা তাবৎ পুসরণো-वजा ३ वर्षा जिथा नोका किया य ्रश्थिवीज्ञाः।। अकृत्मृक्ति सर्भग्थी गर्ভिंगी मञ्जा ज्या। ताबर्खिकक বৃদ্ধ্য নাম পঞ্জ ভ্রমণ ভবে ।। অতা। न्कां अर्जिनी ह निन्ति उ॰ नीय युग्पक॰ । নছরায়াঃ পরা যাস্ত তাঃ শুভায যথোন্তর•।। ভোজোপি। বাণাগু ১-खुत्राठा गांन तोकाना गणुं क व-हरा शकामम्स्रीमुझान धननाम बरगर्बा । इंजू मंजा ॥ 4 ॥ शी-षानीन। मंद्रां वंकिं निर्गय किन ने भूर्य । কনক রজক তামু ত্রি-छग्या यथा कन ॥ तुकारि जिः भ

विन्तर्भा भोका विजय कर्णां । हजूः म्वा विम्वाजा विम्वा रिक्म्वि ণী :৷ সিত রক্কাপীত নীল বর্ণান্দ-म्रांचथाकन । (कमती निहरमा ना-পো দ্বিরদো ব্যাঘু এব চ ॥ পক্ষী ভে-কো ননুষ্যক্ত এতেষা বদনাইক । नावाः मूर्थ शतिनात्रा जामिजादि मणा जूवा ।। कलामा मर्भन कन्मु द्धिरमानाः गरीजुङ्काः। इन्मः (क्की मुकः नि॰ हा गढा १ इ. तं त्यु क्रिश-मो ॥ यारिजारि ममा बाउ हो-কোপরি পরিন্যসেৎ। গ্রানৌকাসু मि विमारा विख्छाया नवक् ७३०। মুক্তান্তবকৈ যুক্ত। নৌকা স্যাৎ সর্ব-ভোজ্যাতে সংখ্যা চেদথরসবেদ ঘ্য সমিতা ক্রমশঃ য় কনকাদীনাণ মালা জয়মালেতি গদ্যতে সন্দিঃ। বুন্ধ ক্ষণ্ডে দিত্যেএকৈকে বৈশ্য শুদু यानी॥#॥निग्रं र॰ नग्रवाध उ९-मूर्ब दिविष छात्र । निग्रः भूर्ब मुफ्छि नग्हानि यथा मृत् ॥ नग्-र। वि विश्रा (भूकि। सर्वनिष्णानुमनिर-द्रा। गर्दाजा मन्दित्र एक ना छ्वया गर्बगनित्ता।। त्राङ्गाः कामाय ना-রীণাশ যান মত্র পুশস্তে। মধ্যতা मिन्द्र राज् मा एक्या मध्यक्तिता ।। द्रीछाः विवास याजारि वर्षाम् ह

পুলস্যতে । অগুতো মন্দির• যত্র_॥ সা জ্বেয়া ত্বুমন্দিরা।। চিরপুরাস याजाया॰ त्रां काल घनाज्या ॥॰ मनिरतमान भोका भुमत्र ज्वार्ष ভাগতো न्रन ।। (ভাइस। भीष वृत वम् बहे रिवाकतात्मक रिष्ट्रव मिजा যথাক্রন । রাজ পঞ্চ ভূজ সমিতো-মতি মন্দিরে তরিগতে নহীভূড়াণ ।। ভাক্ষরানিক দশা ভুবা পুন-ধাতু নিৰ্ণয়ন মত্ৰ পূৰ্ব বং । পতা-का कल मारीना निर्गर्या नवम् ७ व ।। কাষ্ঠজ॰ ধাতুজঞ্চেতি নন্দির॰ দি বিধ ভবেং। কাষ্ঠজ সুথ সপত্তি। विनारम शाजूबः गठः॥ अञ भयऽ। **স**নাদীনা•নৃত্ত্ত্বাল্লোচযোরপি। অ-त्रियारिकत मूनि जिर्नियः शू**र्व**वम छः ॥ निकाब निष गुनिष्ठे॰ नोका वकन गुरु ३ । भुवारमञ्जू नियसा ष्यशुक्षात्न न निर्गयः ॥ वयुष्ठा मृहक्री চৈব গামিতা হিদুতা তথা। সমূত-ि श्राप्तिस्ता तोकाना मृश्वन শিতঃ ৷৷ এব বিচিন্ত্য যো রাজা নৌকা যান করোতি চাস চিরু সুথ নাশোতি বিজয় সন্মরে শ্রিয়ণা रवा रुक्कानामन प्रथा यान् सोकानाः ष्यक्ত নৃপঃ। তীল্যকানি বিনশ্যন্তি याना बीर्याः वतः धनः ॥ इति निद्धः म् त्राताल्द्रम् क्वेकागनः॥ ॥ ॥

जयन्। जनयानानि यथा। तोकान।-তো জলে যান জ্বন্য মিতি গদ্য তে। তদেহা বহব তে তু পাশ্চা-जानाः भुकीर्खिजाः ॥ पुानी कशः स यमानं पुगीयानं समूह्र कित यही छि र्घ हिन्छ । यान पही तो ति हि गम्राउ ॥ जुद्रतिम् स करेन यानः, कनयान शुरुकार्छ। हर्या ख्न .পূৰ্ণ ৰ্যৱৰ্মান তদুচ্যতে ॥ বান বল্লযুভিব্ কৈ ব্কিয়ান সুচ্যতো **ब**ङ्खिः मनित्व यानः इ.सुरानः পুচক্ষ্যতে ৷৷ বাহভ্যা• সম্ভরেদ্বারি क्षयमार्यु म निर्नयः ॥ इंडि युक्ति-क्ला उद्यो निव्यक्ति। स्मार्थाः । रि लोकारखः भू॰ क्लिभी। हाइँउ इँडि ইতি নগী ইতিচ ভাষা। ইত্যমরঃ ৷৷ तो जार्यें वि नावा । तो का गमा দেশাদি। ইত্যনরঃ।। न्यकाकका जी मक्टकी छै:। विश्वा-किमिः। ইতি शतात्वी ॥ नुद्भातः भ् नाक्त्रगः। उद्भवागः। অবজ্ঞা ২ পরীকার: ১ পরিকার: ৪ পরাভব:৫অপনান ৬পরিভব: ৭ তিরস্কার:৮তির ক্রিয়া ১ অর্ব্রুইনা > (र्वा) > व्यवस्वन । > र द्वान ১৩ সনাদর: ১৪ অভিভব: ১৫ সূক্ত গণ ১৬ সুক্রীণ ১৭ রীদা ১৮ অভিন্তু

्रिः १२ मिक्जिः २० अन्करा २) । हेन्रि जावा। शूर्वमणी हेन्द्रिक्टि अमृत्रां १२३ में कात्रः २० अवस्ताः ২৪ অসানন ২৫ ক্ষেপঃ ২৬ নিকারঃ - **২৭ বিহুারঃ** ২৮। ইতি শব্রত্না प्राचिमानना। इंडिकालिमानः नुष्णाधः श्॰ वहव्कः॥ वरामशति ्रमानः। इज्जनतः ॥ मनीवृकः। इंजि (मिनी।। वियशनी ।। याङ्-ः নাখ্যোষধিঃ। ইতি বিশ্বঃ।। मुर्गुाथशतिमखनः शुः व्यामशति নিতোছুগপরীণাহঃপুক্ষঃ। এতা-দৃশা: পুৰুষা জ্বেতা যুগে চক্ৰবৰ্ত্তিন व्यामन्। यथा। महाधनुर्धतां रेक्टव **खिजायाः ठक्कवर्श्विनः। मर्द ल**क्षन नम्मना नुर्गाध्यत्रिम् छ्वाः॥ नु शुाक्षे ज् ग्राजे वार् व्यामा न्र-শোধ উচ্যতে। ব্যামেন উদ্যোধ স্য অধ উদ্ধৃ ঞ দেহিনঃ।। সমো-हुव भेत्रीगारश न्यागुविभित्रिंग ७-**লঃ।ইতিমা**ৎস্যেঠ্ঠ অধ্যায়ঃ॥ न्राशुष्त्रविष्ठिम् छन। खी व्यक्ता विष्ण बः। यथा। उत्ने नूकिंतो यम्त ' নিতম্বেচ বিশালতা। মধ্যে ক্ষীণা ख्यामा ना न्रागुष्भित्रमक्षा ॥ र्ि भूपमाना।।

न्यार्थां वा न्यार्था विक्रिक

नश्याधी जी उनिका इन्द्रकानी

त्रज्ञावनी ॥

। ইত্যমরজরতৌ ॥ नार्ड वि नीहः। धर्वः। ইতাमतः॥ নিমঃ। ইতি মেদিনী ॥ কার্ত্র্য । ইভি বিশ্বঃ।।

माकूः भू मृगाजिमः। इजामहः॥ गणिवित्नवः। इंडि मिरिनी ।। माक्रूज्यहः भू लागकव्यकः। ইতি ত্রিকাণ্ডশেব: 11

नाकि उ॰ जि जायः किछ। इंडि करें। थ्यः ॥

नायः भू जभहयः। इंजि क्हिट् ॥ नाुख जि निहिच्। हार्शिकः। उद शर्वतायः। निमृष्ठेः २। ইত্যमद्रः॥ षात्रा भर्यागाखन निकिश भाष मुद्रेवरः ॥

न्रष्ठभञ्जः भू॰ भिज्लाकः। ইতি ত্রিকাওশেষ: ॥ ত্যক্তশন্তে তি । यथा। नाजनाजः हिनीशक एक ् भ्नुत्वा शुज् । ताळा मूक्ठ नाता-क हिम मन्य भिवार्मिङ ॥ **ह**ि

न्यकः द्वी कार्ज्युः ॥ज्यः॥निक्रः हैः • वि.। इंडि त्मिनी ॥ नाकः भू महियः। इंखि मिनिनी। बागुमगुः। इंजि (इमहन्तुः।। न्ताकाः ज्ञी ज्डेउज्ला मुजी हैंजि छाया। उट्शर्यासः। ज्हाम

न्।य

क्रिंचर १०। इंडिनेन्फ्रिका ॥ न्यामः भू वाहातः। हेर्ग्यतः। न्यायः न् विकृशायथा। अनुनी ना मनीः अभाग्रात्या त्ना नमीत्रमः। ইতি তস্য সহসুনাম মধ্যে গণিতঃ ॥ #॥ উहिउः। उৎ भर्गायः। অত্রেবঃ ২ কল্প: ৩ দেশব্প ৭৪ সম-ঞ্জন• ৫। ইত্যনরঃ ॥ 🛊 ॥ পুতিজ্ঞা रिज्राहद्राणायनय निगमनाज्यक शक्षावयव वाका । उज्जाकन यथा। অনুমিতি চর্ম কারণ লিঞ্পরামশ পুर्याञक नाम खान जनक वाका ত্ব-। ইতি চিন্তান শিঃ॥ উচিতানুপ্ धी कशुजिङ्खा नि शक्षक ममूमा यदः । ইতিশিরোমণিঃ।। তল্পক্যুণ যথা । পর্বতো বহিমান্ ধূমাৎ যো যো ধূনরান্স বহিমান্যথা নহানস• ্ৰুছিব্যাপ্য ধূমবা॰ শ্চায়ণ তন্মান্ধ-शियान्। इंडि जगरीणः॥ 🕸 🗓 যভ্দৰ্শনাম্ভৰ্গত দৰ্শন বিশেষঃ। তৃৎ · शर्यप्रायः। उक्विम् प्र २ व्यादिक्कि ০। ইত্যমরভরতৌ।। এতদর্শন ম-তে নিত্যে ছাকৃতি মৃতি সহিতঃ প ब्रमाजा देखदः म जू दुक्तभगर्था দ্বীবাতিরিক:। এতহাত্র পুথোন-ন চাৰাকাদি মত নিরাকরণ পূর্ব কৃত কান কান কৰা কৰে। श्रीन नाम्युपुरि निक्शालन विहार्य

নিৰ্ণযুক্ত।। ন্যাযুদুৰ্শনক্ৰায়ো গোভুলঃ। তৎ সূত্র পুমার্থাদি ষোড়শ পদার্থ নিৰপণণা তেসাঁণভবুজ্ঞানা নিশ্ৰেয়-गं। जन्य जांच्यकात्रा वृद्धिन ग्रयनः । তদার্ভিক কারঃ কাত্যায়নঃ। ওঁজুর কাকারোবাচন্নতিনিশু:। তहाक ডি मयमा हो ग्रीः अनुभा अवि शुक् जिश्ह-कातः। अभूगाञ्जलि शिकाकारतो इति-माम बामजापुरे। मामानाभाषायः भुज्डकानुमात्नाभमाम ने साथ । थए **हजुडेगाजाक हिसामिकातः।**, उट जूला वर्षमाताभाष्राय खर्गान्।-ত্রৌ নণিমিশু যজ্ঞপত্যুপাধ্যাযৌম-ণিপুভাকারে। 'যজ্ঞপভাগার্থার ছাত্র:পক্ষবর্মিশুন্ডিভামণেরালো-ককারঃ। পক্ষধরমিশু ছাতো র-ঘুনাথ শিরোমণি শিল্তামণে দী ধি-তিকারঃ। তहाর্ত্তো সথুরানাথ তর্ক-্রাগীশ শিভামণি দীধিভাঁর ষ্টাকা-কার:। তছাত্রো ভবানন্দ সিদ্ধান্ত বাগীশোদীধিতে ষ্টাকারঃ। তহা-<u>ब्बे</u> कंगरीण उर्का नकात गराध्य ভৌচার্য্যে দীধিতি টীকাকারৌ। अञ्हलिकि वाहारकाता वहवः शिख्डा बाजन्।। # ।। स्व कृषि भुषम मूबः विचार्छ। भुमारा नुस्मय जन्मग् भूर्याजन मृद्रास्त्रिकासा १व-यक छक निर्म पार सन्न विख्ला

হেত্ৰাভাৰ হল জাতি নিগুৰহানা-नाः , जङ्कानाविद्भुयनाविश्वनः । भवाः नक्षाति यश्रा । शुक्रकान्-गानाश्वान नदाः शुमायानि। ३। काल महीतिन्यार्थ द्वा मनः প্ৰতি দোৰ প্ৰেভাব ফল দুঃথা-भवशास भुरम्यः। राज्यमानातक ধর্মোগপত্তে বিশুতিপত্তে ৰূপল-ন্ধ্যুপলন্ধ্য হাতক বিশেষাপে-(का विमर्भः मः भयः । ७ । यमर्थ मिक्ठा भुवर्खा उर भुराबन 18। लोकिक अदीक्ककानाः यस्य . मर्थ वृष्कि मामानाः य मृष्ठोष्ठः । ए। তজাধিকরণাভুগেগম সংস্থিতিঃ সিদ্ধান্তঃ। ১। পুতিক্তা হেতৃদাহ ज्ञाताश्रमय निगमनान्यव्यवाः । १। ন্মবিজ্ঞাত তত্ত্বে ধর্থেকারণোপপ ৰিত স্তুজ্ঞানাৰ্ মূহ স্কঃ,। ৮। বিসৃশ্য পক্ষ প্রতিপক্ষাভ্যা মর্থা-वधात्रगः निर्गयः । त्रा भुमाग जर्क नाथरनाभावसः निषास्त्राविकषः शकावयावांशभा शक भुविभक्ष , भारतभारका वामः । २० । यरशान-शम इल काछि निगुर शानाभाष-ि क्रि: 1 771 मर भुजिभकं शा-भोग शिला विज्ञा । ३२ । जवा-ভিচার বিক্র পুকরণ সমসাধ্য স मकालाञ्याभितिक्षे एके वामाः

120। यहन विशास्त्रा ६६६ विकल्हाल-शन्त्रा इन । १८। मार्स्या देवस्या ভ্যা॰ পুত্যবন্থান• জাতিঃ। ১৫। বি-পুতিপত্তি রপুতিপত্তিক নিগুছছা-न । ४७। इंडि भाजगमूब ।। 🛊 ॥ न्रायमाञ्चक शक्षाय्रायाज्ञकः। छ्व পুত্যধ্যায়সগাহ্নিক দ্বা। তক্ৰ পু-থ্যাধ্যায়স্য পুথ্যাহ্লিকে ভগবতা भोजरमन श्रुमाधारि शरार्थ नद्रक वक्ष निक्षा विधाय ब्रिओय दा-मानि मध श्रमार्थ ज्ञान निक्रान 1)। बिजीयमाजु श्रुथान मः भग श-तीकनः भूगान हजूकेवाभुालाना भ-হ্না নিরাকর পে। দ্বিতীযে অর্থাপ-ভ্যাদে রম্বর্ভাব নিৰূপণ । ২। তৃ-**ठीयम्। भूथान जाजा भतीति मिनुयार्थ** পরीक्षा । विजीय दुष्कि म्नः भ-त्रीकन । २। ठजूर्थमा भुषाम भुतृ-ত্তি দোষ প্রেত্যভাব ফল দুঃখাপ-वर्ग भन्नीकन । विजीय काय नि-মিত্তকৃত্ব নিৰ্দেশণ অব্যবাদি নিৰ্ক পণঞ্চ। ৪। পঞ্চনস্য পুথনে জাতি-(जम निक्रांगः। षिञीय निगुर्कान (जर निक्षान । ६। इंडि नर्बर्गन त्राष्ट्रः ॥ # ॥ युक्ति म्लक मृक्षेष्ठ वित्नवः। ज्ञा देश विश्वः। एउत्रा॰ बर्थे शुनिकाना नाम वक्त श्रमा शानि विश्वास्त्र ॥

मुग्रयमानानि

: व्यक्तरगानाक्त न्यायः ३।

विक्षश्रम् न प्रायः २ ।

र्ध्क रंखीन ग्रायः ।

অংশাক্বনিকা ন্যায়ঃ গু।

उन्न गामि

কশ্চিদুষ্টাত্মা মহারণ্য সার্গে প্রতি সন্ধ ধ্বস্থু নগর জিগমিযু ব্ভাষে কিন্তাগুমাতা দুঃখিতেম ছামত ইতি न हामः मूथवानी नाकर्ग्य जमाश्चः म-ত্বোবাচ অহে। মন্ডাগপ্বেয় যদত্র ভ वान् भीमः गाः बाजीहे नगत शुर्छः সমর্থ ভাষতইতি সচ বিপুলিপু দু (১) (गायुवान मानीय उपीय लाञ्चल मञ्जः পুাহ্যামাস উপদিদেশ চৈনমন্ধনেষ গোযুৰা ত্বা॰ নগর॰ নেষ্যতি মাত্যজ-লাফুল মিতি সচান্ধ: শ্ৰালুত্যা ত-দত্যজন্ স্বাভীষ্ট মপুশ্প্যানর্থপরস্প-ब्राम्भार्थः। 🔰 । अक्षक्रिकाकाः भक्न र्यथा अक्षमः भ-ন্ড্যা•অধ্বাতিক্রম সমর্থ তথা সচান্ধঃ পংকাদ ভাগে চক্ষ্ণী মানিক ভবতি হৈ ৷ वहरवा १ मा इसि निकंत्री गार्थ शुक्रीः কেনচিৎ চরণ স্পৃষ্ট্বান্তম্ভা কারত্ত্বিক नाशि लाकृ ल प्रश्वे। तब्द्वा कातरप्रन श-রেণশ্রোত্র•শৃষ্ট্রাসূপাকারত্বেনাপরেণ শুণ্ড•স্পৃধ্বা সর্পাকারত্বেনগর্জীনিণী তঃ জুজ্য গুণাদি শালিনানশোকাদি না-के वनानाः अर्थाक वन गमान में जित्रा वन गर्मनार्शका न ॥ जनिह । उन्ह গুণশালিনি ইনৈ সভিত্তি বাবদেনী শোক বনে সীতা ছাপিতা তৰ বনা खदा शानानस्थका १६८

जर श्रुवांगानि

रह्याजान मधूत्री-नाथ हीक्सहर्दः)।

कार्य भूकारण हुई। मात्र होका २।

डीगर्वेडिंग्स्य: 01

ভাষ্যসন্তমসূত্র ব্যাখ্যা ৪ ৷

न्रायनामानि

উষ্ট্ৰ কণ্টক ভো**জ**ন ন্যায়ঃ ৫।

श्रेष्या व्याप्त कम प्रायः ७। कृत क्इपन प्रायः १।

काकाकिर्गानक नऽायः ৮। क्रमाह्रनऽायः २।

हेकमू जिकन प्रायक्षण

भारतकरमाजनप्रायः ।

जि क्रु ' हाननीन प्रयः 78।

उसक्गांनि

উদ্ভূল্য শমী কণ্টক ক্ষত জন্য বহু मुःथ मुह्न প्रकः किष्णिः गूंश बनक সপত্ৰ শনীকণ্টক ভক্ষণ ৷৫৷ कम्ब (गानकम्) मर्बाक्यत्वयु यूगनः দেব পুষ্ণাণা মুৎপত্তিঃ।৬। কল্পদেনৈৰ কর ভূষণ বিশেষ বোধ সম্ভবে ংপিকর শব্দ পূর্বক কল্পণদঃ কর সংলগ্ন কঙ্কণ বোধার্থকঃ। १। এক নেব চক্ষু র্গেলেক মু ভ্য চক্ষুঃ সম্ব-ন্ধি সনুভয় চক্ষুঃকার্য্য কারক । ৮। कूर्यः (ब्रह्यः अन्तानि शुनात्रयिक नः কোচযতি তদ্বৎ ৷ ৯ ৷ যন্তার বহন• দুর্বলস্যাপি সাধ্য• ত ভার বহন সুতরা সবলস্য সাধ্য 1701 বৃদ্ধা যুবানঃ **শিশবঃ কপোতাঃ** থলে-যথানী যুগপৎ পতন্তি। তথৈব সৰ্বে यूगमः भाषाः भद्रमाद्रगान् विता ভবন্তি ৷ ১১ ৷

१ ४२। वनीवर्ष भारत्न भारताक ताथ महात्व १९११ (गामदः भूईक वनीवर्ष भारता अप्रिजिताथार्थकः १ ३०१

७७ जिल्ला मुद्रास्त्र तमा या प्रतार क्ला॰

চালনী জানণেন তথুলাদেঃ স্থানান্তর পতন তদুধ্য ১৪। **७**८ शुमागानि

বেদান্তশঙ্কর ভারত টীকা ৫ ৷

ञाषाश्राति हिना हयः ७। काव (शुका महीका-हयः १।

यमज्ञकाय होका-हराः ৮। शक्षमणीहीका २।

वऽधिकत्रगथर्माक हिमाजावजगरीक होका २०। जानानऽलक्ष्में क्र-गरीक होका २२।

ভাষ্যরন্ধুভা ১২ i

नाहिज्यमर्भगामयः २०१

व्याधिशक्यक क-

न्रायनामामि

ভূপারণিমণিন্যাৰঃ ১৫।

म्याग्वनत्रायः १५ ।

म् अष्टकानिन्यशः २१। मुखालूलन्यायश्यका

शक्ष शुक्राणन न प्रयः २२। भिन्या मिन प्रयः २०।

্রাজপুরপুবেশ ন্যাবঃ২১।

ल्ठाउखन्त्रायः २२।

वित्मत्य वित्मवा नगरूरका

শ্রীচীতরক্ষ্যায়ঃ ংশু।

ভলকণানি

ত্ণারণি মণীনা মেক মাত্র জন্য রক্ষী ব্যক্তিচার ভিষা নৈক্ধর্মাবছির্দ পুতি कात्र । कि क्ष विश्व विष्य विश्व विष মক্ষবলয়।কার্য্যকারণভাব ত্র্যপ্ত। পত্রাণাণ দখানামপি পূর্বাকারেণাব স্থান জ্ঞান মাত্রণ নতু বস্তুতঃ পত্রবৃণ ঠ शहेजारम अर्थावंहिम शुक्रि मुख ह-कामीना कातगर् । २१। আখুভক্ষিতৈকদেশ দণ্ড পশ্যত স্ত-দেকদেশ সংলগ্ন পিষ্টক ভক্ষণ বুদ্ধিঃ शक्ष (लभन भूर्वक कालन सर्भक्र) भक्तालिशन (भूगः। १२)। দাহ-পুতিজ্ঞলস্য পুতিবন্ধকত্ব-ৰহি नामक उरा रशेकिक मिन महाभीना-স্ত তদ্বিলক্ষণপুতি বন্ধকত্বংৰাতজ্ঞেণ বিশ্হল গন্নাসহিষ্ণু রক্ষক স্ভুলে त्राजभूति जनानाः लुगी कञ्<u>रा भ</u>ु-বেশঃ।২১ लु जो नृक्यु ध्याम y काल । त्रव्य कि न •-इत्रिक जब्द । ररा ভূতলে জাদৌ কৈবল ঘটো বিশেষণ তত ন্তৰ ফটে জল বিশেষণ নতু क्रविनिष्टेचढे अवासी विरम्भागः। २०। বীচীৰ্জনিত ভার্ক ভাজনিভাগিভার-व इंडि कामन उद्गर्श भावित। ५८।

্ভৎপুমাণানি বাধপুষ্টীক। ১৫।

বেদাকতাব্যটাক।
১৬।
পরামর্শমথুরানাথ
টীকা ১৭।
দাযভাগাদ্য:১৮।

অব্যবস্যুগাদাপ্পরী ট্রাকা ২।
পক্ষতা জগদীশ
টীকা২০।

न्ताय नदश्ख्म्यू-द्रानाथ होका २२।

বেদান্ত সার টীকা । ২২। সামান্যলক্ষণা মা

भागान। नक्या या भूजामाश्रीका कुर

्रीभावित । २८

न्रायनामानि

बीबाद्धवनप्रायः २०

न्द्रावन् निरायः २७

শক্তাকভেদন্যায়ঃ ২৭।

ण्रणारिजनऽायः २৮।

नमः भुगुनिङ

नदीरशकान्यायः २०। राठीकिंगरन्यायः इतिज्ञानस्य

তলক্ণানি

मेरिनो वीबः उट्या रहूतः किनामा-वकूत्र खंछा बीज मिछानिन्ध्यन बी-बाकुत शुवारका रनापिः। २०१ कनाहिर मञ्जामास्तिव त्वना वित्नव निर्गयः। २७। উপযুৰ্গ পরিছিতশতসংখ্যকপত্রাণাণ স্চ্যা যুগপন্তেদ ভুম বিষ্যাণামপি বস্তুত একভেদানন্তর নপরভেদঃ।২৭। मुर्ख व्कारमः भुषमणः कोनल-रेनक मृक् गुरुगः अन्हामभन्न मृक् गुरुगः। २४ । न प्राणा में यम् भूमिकः। যথা তেনোভষ পার্ম ধারণেন বস্ত शासि खबा। उथारि। व्यावता मधूता गारा कामी काकी व्यवस्थिका । भूती षाद्भवजीटेवन मरेखजारमा क्रमायिकाः॥ हैजाद कामाराः भूत वय भाठानस्तर পুরত্রয পাঠ পূর্বঞ্চ পঠিতত্ত্বন তদি-छत्र वर्द भूतानिकानी भाभकानि।२२ বহুৰু নিমন্তিতেষু একমিনাগতেপি ভোৰ্য'ন দীয়তে সন্ধানপেক্ষতেতদ্বৎ' बल्लुमभाष्य मृही निर्माणानस्तर वर् सुरामाध्य करोह निर्याण १ ३३। . वृक्ष रुक्ष राष्ट्रिः मरुना वक्ष श्रीत বৃচিৎ পততি বৃচিম্পততি তৰ্থাক্ত **७**८ शुमागानि

सम्बाद्ध विद्योगः एवः २०१

भवभागञ्जास्यः २७। পুত্रक्रथञ्जभूजा-नाथ होका २१।

অবস্থেদকত্বনিক্তে জাগদীশী টীকা ২৮। কাশীখণ্ডটীকা ২৯।

ভাৰ্য়েত্বপুভাঞ৷

क्षाशवज्ञाकद्रशान-नरणश्त्रीष्टीकामयः कृषाश्वीका। ०२ न्धायत्रात्रिगी जी यूक्तिशृबंक्रकर्मका-दिगी। তৎপর্য্যাयः। লুখী ২। ইতি ভিকাওশেষঃ।।

न्राशे वि न्रायवान्। न्राया १ न्राखी

• ত্যথে ইন্ পুত্যু निष्नः।।

न्रायाः वि न्रायामन १ ज्ञाः।।

गर्ज धनामि। ইতি ভরতः।। তৎ

পর্য্যায়ः। যুক্তং ২ ঔপ্যিকং ০

ভাভ্যং ৪ ভজ্মানং ৫ অভিনীতং ৬
। ইত্যুমরঃ।।

न्यामः श्रु उनिधिः। श्राम्पुत्रः। ইত্যুসরঃ॥ অস্য ব্বিষ্ণ দিক্ষেপ শব্দে पुष्ठेवाः ॥ #॥ विनात्रानः। य-र्भाग । यथा । भनन्यारम ज्ञामी ক্মল পরিপূর্ণা বসুমতী দৃগানেং।-रैल तिन्तीवत्रमय मञ्दयत उलः। इन वार कि विविधित्र विषय ন্ধুর ধরায়া মপ্যান্তা বিধুমুখি **সুধাযাঃ প**রিচয়ঃ॥ ইতি কালিদা-भः॥ 🕸॥ जागः। यथा। काम्।-'ৰা' কৰ্মণাং **ৰ্ব্যাস** সম্যাস কব-या विदुः। नर्वं कर्म कृत उत्रागः পুাহু স্ত্যাগ বিচক্ষণাঃ।। ইতি 🗐 ভগবদ্দীতাষা ১৮ ঋষ্ট্রায়ঃ ॥ # ॥-় কাশিকাথ্য পাণিনি সূত্র কর্মখ্যান शृष्ट् विष्णयः। यथा । अनुर्रेज्व शक्र नुगर्भ। जब्दिः जिन्दिक्त।

भंग विष्ठाव ना ভार्छ द्राजनीजि রপস্পশ। । ইক্তি মাঘ দ্বিতীয়সর্গঃ ॥ #॥ ऋग्रामः। यथा। वत्कर वि-विकिया नतामः विक्रमतामकः (छ एठः । (रुज् विपर मुख्यक जीवमुरक्र তৌ ক্রমাৎ।। ইতি জীবমুক্তি পুর্বম विविकः ॥ 🛊 ॥ भूजा जभारमः भाषि-ম্নাশ মত্রসিজ্যাদ্যর্থণ দেহান্ত র্ব-হি বৰ্ণাদি বিন্যাসঃ। তত্ৰ ন্যাস কা-ला यथा। शुा जः काल १थवा शुका সন্যে হোম কর্মণি। জপকালে eপি বা তেষা বিনিযোগঃ পৃথক্ পৃথক্। পূজা কালে সমস্ত বা জ-ৰ্য্যাৎ সাধক সন্তনঃ।ইতি যোগিনী रूप्य ।। 🕸 ॥ व्यथ माञ्कानतानः । षमा भाव्का मखना तुका अवि র্গাযত্রীছন্দে৷ মাত্ক৷ সরশ্বতী দে-वर्ञा देशानि बद्धाः भक्ता লিপিন্যাসে বিনিয়োগঃ ; শিরসি **उ**तुकार अयायनमः। मूर्य उगायकी ছলসেনমঃ। ছদি ভ্রাত্কা সর-**युद्धिः (एवजारेयनमः ॥ श्वर्श्य ५ ४**५८-ঞ্জনেভ্যে বীক্ষেভ্যোনমঃ। পাদযোঃ স্বরেভ্যঃ শক্তিভ্যোননঃ । তথাচ জ্ঞানাৰ্ণবে। মাতৃকা। শ্ৰু বিশ্ব বিশ म्राज्ञ शाभ निक्छनी । अवि वैकाः म् नेषम् गायबी इन्ह उँकाउ ॥

দেবতা মাতৃকাদেবী বীজ ব্যঞ্জন সঞ্চয় । শক্তয়স্ত শ্বরা দেবি ষড় -न्याम माहरत्या ७७: वं उक्न्या-সৌ। অ॰ ক॰ খ॰ গ॰ ষ॰ ড॰ আ॰ न्ध्रंकु शान्त्रा॰ नगः। है॰ ह॰ ह॰ क॰ य॰ के रे जर्जनी जा शहा । उ है र्ठ- ए॰ ए॰ १॰ 🕸 मध्या जा वरहे। এ ত খ দ ধ ন এ অনামিকা-ভ্যা হ । ও প ফ ব ভ ম ও किनिश्राच्या वोष्ट्र। य य द व व ব • শ • ম • ম • হ • ল • ক্ষ • অঃকরতল্প शृक्षान्ताः कर्। अवः ऋषया दिष् । अः ्क ॰ ৫ जा॰ इम्याय नमः। इंड्रामि। তথাচ জ্ঞানাৰ্ণবে। অ॰ আ॰ মধ্যে কবর্গম্ভ ই- ই- মধ্যে চবর্গক-1উ- উ-মধ্যে টবর্গস্ত এ•ঐ• মধ্যে তবর্গক•॥ ও ও মধ্যেপবৃর্গন্ত বিন্দু যুক্ত ন্য-সেৎ পূিযে। অনুস্থার বিসর্গান্ত র্য **শ**ি वरगो गनकको ॥ क्रयञ्च भिता দেবি শিখা কবচক[,] তথা।নেত্ৰ ম**ন্ত্ৰ**ণ न्रारम् ९७३ नमः स्रोशं क्राया जू॥ वषद् छ । वोष पश्च क पश्च । यो ज्या । शिर्य। यज्**का २गः** भावृकायाः म किनान रदाः मृजः॥ 🗱 ॥ जयास-. मैछिकान गर्नः। यकात्रापि याउन ब्रान् म्विन्त् भाष्ण मन् कन्त

বৰ্ণান্ স্বিন্দূন্ ছাদশদলকনলে হং-मर्य नं।रमः । एकातामि मर्भवनात् जित्नुन् म्थमण कमाल नाजि नऽ-म् । वकातानि यप्वर्णान् अविनृन् य ए र व कम त्व विक्र्यू त्व न । वकातारि ठजूरतावर्गान् मविन्मृन् इन जूर्मनकमाल म्लाभात न्यामः। इ-क्रवर्ग हरा मितन्तु विप्तनक्रमल जु-मस्था नारमर । তथा ह ज्ञानानीत । ষ্যপ্ত পত্রাষ্কুজে কঠে ষরান্ বোডশ विन्यान । बाम्य इम् इत्श्रा कामीम् असम्भ विन्यत्र ।। मन পত্রামুদ্ধে নাভৌ ডকারাদীম্যসে-দশ। ষট্পত্র মধ্যে লিঙ্গস্থে বকা-রাদীন্সসেচ বট্।। আধারে চতুরে। वर्गान् न्यानिषानीम् ठ्यूर्म्सला । इस्की ञ्ज मथ्रारा भाष्य हिमल विन्रामः शिर्य ।। अगस्य मः हिजायाः । अ কৈক বৰ্ণ মেকৈক পত্ৰান্তে বিন্যসেৎ लिएय । अवसङः भूविनामा सनमा-ত। विक् नं जिल्हा 🛊 ॥ विकाद जू। अरेकक वर्ग सूहार्यं। स्वाथाताहिता-স্তক•। নমোন্ত মিতি বিন্যাস আন্তরঃ পরিকীর্ত্তিউ: ।। অথান্তর্মাতৃকান্যা-(सृशं म्लाधात हरूपता । स्वर्गाञ ব : পুষু স চতুৰণ বিভ্ষিতে।। বড় দ क्श्रेम्र्ल न्यान् । कुकारापि बाप्त 🎼 ल रिरेट्र्रेंड न्यां बालिश्रास १नन

विवि। व छ रेम वंच रेस वृद्धः व-न्दैर्नः विद्युक्त भू वृद्ध ॥ मिन्तूद्र ६-"मनल नीवबीम् उनिहाल । ডाहि-कान्न मरेन यूरक विनम्खाविज मन े किः॥ व्यनाष्ट्र धामनात्र श्रुवान कि ममिछ । कामि ठाउ मरेन यूं कि ্যোপিনা হৃদ্যক্ষে ৷৷ বিশুলে বো-**उभरत शृगाः य**त्रज्विछ । आ-জ্ঞাচকে তু চন্দুত্তি দ্বিদলে হ ক্ষ লাঞ্তি॥ সহসারে হিমনিভে সর্ব বৰ্ণবিভূষিতে। অ ক থাদি ত্ৰি রেখা-षा र न क वय जिल्ला उमार्था পর বিন্দুঞ্চ সৃষ্টি হিন্দু সীযাত্মক । এবং সমাহিত মনা ধ্যাযেষ্যাসো **९**य माख्यः ॥ 🕸 ॥ व्यथ वा समाज्का न्रामः। उन्ता श्रानः यथा। नका-শল্লিপিভি বিভক্ত মুখদোঃ পমধ্য वर्कः इना जायस्योनि निवस हन्तु जकवा भाशीन जूक्खनी । मूम्रामक खन मुथाए। कलम विम्राक इस ছুৱৈ বিভাগে বিষদ পূড়া ত্রিনয नाः वात्रवं न्याम्यः। ववः शादा न्यान्य । ज्ञाङ्ग् नि नियम खाद्ध । न-बार्षे नामिका मध्यु विनाममूर्थ शक्रा । उर्वती मध्यम्नामा वृष्ती भारम हत्नवर्याः॥ अत्रू ४ वर्भर्या नं न्य कृतिशक्षाक्षको नत्नुतः। मधा खि-।

त्या गंवरयोग्ह नश्रमात्का हरना क त्तर ॥ अनामा निख्या र्मा मध्य-मा मुख्याक्ता मूर्व १नामा मध्र भाक रेख भारम् भाषायाः॥ क-निहा नामिका मध्या खास श्रह ह ति न्राप्तर। जाः नाकुष्ठा नाजि विस् भर्वाः कूल्को ह विनर्राम् ॥ इतिय ह **उनः गर्व गःभायाम कन्न ए इता। জ্ৎপূৰ্ব• হন্ত পৎ লক্ষি মুখেষু তল** মেবচ।। এতাস্ত মাতৃকা মূদুাঃ ক্রমেণ প্রিকীর্ত্তিতাঃ। অ্জ্ঞাত্বা विन्रामध्यस न्रामः म्राख्म्र निद्ध-नः ॥ भोजंतीय । नना मूथ-वृ-ত্তাক্ষি শুতি যুদণেষু গওযোঃ। ওষ্ট म्राज्याकाम्राज्याः भट्राक्राज्य-কেষু চ ৷৷ পার্শ্ববাঃ পৃষ্ঠতো নাভৌ कठेत्त इंपरय २ भारक। कञ्चम १ भारक क्ट भूब भागि भाम यूर्ग उथा ॥ क्रेताननयाने (न प्रमञ्कानान् यथा कर्मा ।। उपयो। यः नमा वनारि । आ॰ नर्गा मूचवृर्ख । इ॰ इ॰ ठकू-वाः। छै॰ 😻 कर्नवाः। अ॰ अ॰ नत्नाः .। ৯• ३• গণ্ডুযোঃ। এ• ওচ্চে। ঐ• ञ-थुंदा। ७ जैस् राउ। ७ वाशान्छ। व वुष्पत्र । वंः मूर्थ । क पूर् ताल्याला। थ॰ कर्नाता। गण्यानिवास । ज्ञ- व्यक्तिमाल । उ- व्यक्तारा ।

७वः हः ६ वामवाङ्म्ल जन्नाशुरक्यू। **७व॰ है॰ ६ एकिंग शाम्य्य अक्ष**र्गुः क्वित् । जर ज क वामना मन् नक् পুকেষু। প॰ দক্ষিণপার্ম্বে। ফ॰ বাম-भार्त्य। व॰ भ्रष्ठ। ७॰ नाजी। म॰ उद्भित्र। ये क्षि। ते एक वाल्ग्ला ् ल॰ कर्के रि । व॰ वामवाञ्म्रता । भ॰ इनि नक्ष इरा । य॰ इनि वान श्खान क्रांति मक्कशास । इं इमामि वामशारमः। नः इमामू अस्त । कः क्रानियूर्थ। गर्बव् नत्मास्त्रन ন্যসেৎ। তথাচ। ওমাদ্যন্তো নমো-ম্ভোবা সবিন্দু বিন্দু বৰ্জ্জিত:। পঞ্চা-भिष्णं विन्तामः क्यामुक्ता मगीवि-ভিঃ॥ ইতি ভউঃ॥#॥ অথ স•হার **भाज्का नत्रजः। जम**त्र थ्रान• यथा । व्यक जुब रुद्रिग्ला ज मून्यू हेक বিদ্যাঃ করৈ রবিরত• দখতী• ত্রি-निवाः। अविन्तु भौति मक्गा मः রবিন্দ রামা• বর্ণেশ্বরী• পুণমত স্ত-न ভाরनमाः ॥ न्यामस भकाताम्य कातां छः। यथा। क्र-नमा इति मूर्थ इंछ्रामि॥ 🗱 ॥ व्यभद्रकः। ह-ভূষা মাভ্কা প্রোক্তা ফেবলা বিন্দু र्भःग्रेजा। मित्रमी (माज्या ह द्रहः স্য সুঁৰ্যু কথ্যতে ।। বিদ্যাৰূরী কেব-ना ह माख्या जुकिनायिनी । भूध । त्राग्राय के दिक्तिपाति विश्वर्याय।

मा गवित्रग्री जू जविन्मु विख मापि नी।। विर्वास्थात। वाश्वाम् ता वाक निरेका त्रभारत शिशुवृक्तय। क्रान थाम् । नर्वनिष्कु कामाम् । लाक वनारा।। शिक्शेर्रानिमान् न्रामार नर्बगञ्जः भुनीपि ॥ 🗱 ।। 🕮 विप्ता विषय नवत्रक्षित्र । वायुवाम् । न-भाषाक नाखवा माठ्काक्रताः । विविन्ता विवय भवा वाधवान् है निष्त्र ॥ जाभला। ज्उभूषि निशि न्यारमो विना यस श्रुशृं क्राय । वि-পরীত ক্লা দদ্যদভক্ত্য পূজন• यथा ॥ 🛊 ॥ जोगान्। न्यात्र व्यक्-लि नियस्मा (गोजभीत्य । मनमा दि-न्यात्राज्ञान् शूद्धारेगवाथ वा मूत्न । অঙ্কুষ্ঠানামিকাভ্যাণ বা চান্যথা विकल ज्व ।। विलय न्या जु नाय॰ नियमः॥ अथ भीठे नामः । ওঁআধারশক্তযেনমঃ ওঁপুক্তযে ननः उक्रायनमः उत्रनन्तरमः उ भेषिरेव,नगः अँकी तस्यू मायनमः अ-श्विज्ञीनायंनमः अवः भगिम खनाय कन्नवृक्षाय मिश्विकारेय त्रञ्जि-হাসনায এতৃৎ সর্বস্ত হুদি। ততে। मिकिनकर्क उँथर्यायनमः। वामकरक उँ की शायनमः । व्यन् वात्मातमे दिन

मूर्थ अवर्थाय। वामनादि अक्तनाय ना ना व्यविद्याग्राय। मिन्निश्रार्य च्यत्वर्यग्राय । नर्दक भुगवाहि नत्मा-खन नुरुष्ट्। उथाठ भात्रमायाः। व्यानाक र्युगारिया विषान श्रामिक ণ্যেন সাধকঃ। ধর্মণ জ্ঞানঞ্চ বৈরাগ্য रिम्पर्यं कनमः मुधीः॥ मूथ भार्य नाञ्चि शार्त्वव्यानीन् शुक्तायः। **পুनर्ज्रि। ७ यन डायन मः। এव॰ शद्माय-**नभः। अ॰ मूर्यप्रभक्षनाय बारमकनाः जात नगः। उं भागम अनाय वाउ भक्षाञ्चात नगः। मुख्य मञ्जार मनकलाजात्न ननः लिल्लाकुाय नमः। द्र॰ द्रबरम नमः। उ॰ उभरम नमः। व्या॰ आजात्म नमः। व्य॰ अखद्राजात्म নমঃ। প॰ পরমাতানে নমঃ। ব্রী জা-नाजात नगः। ३७,७ विन्रम् इ भग्नेग्र भ्वामि किमात्रम् उउ क न **द्मारू** भीठेमकी मंस्य भीठेमन्क नुरन् । यथा नात्रमायाः चुन्छः : इत्य भग्न / उमिन म्यं अन् भाव-कान्। अयुर्व च कज़ाः नामाः र्रिकत श्र्वजः॥ मङ्गरीन् विश्व-শান্ ন্যস্য ত্ৰথৈবাত্ৰ শুক্তন্যঃ। আ चान मख्ताचान भन्नाचान अव

न्। भविछ। गहियत मूथाब काषा येः नामाख्यमा मन्। मः नाभयि भूकाका में उन्। श्वि রীর্বিতঃ ়া গুৰুত্বান্মন্তকে চাস্য न्रामञ्ज পরিকীর্তিতঃ । मर्द्धाः মজতত্ত্বানা ছাদনাছক ্টেট্টি । वक्तवार भरवाह मूर्थ इन्तः . সমীরিত । সর্বেধানেৰ জভূনা ज्ञायनाट (श्रुवनाख्या ।। इपर्या-ম্ভোজ মধ্যন্থ। দেবতা তত্ৰ তা नप्रम् । अयिहत्मा १ शतिकानाम-गव्य कनजागुद्द ॥ सोईनाः या-তি মজাণা বিনিযোগ মজানতা -उद्याखरत । अवि न प्रतिश क्षि (मर्लि ছলস্ত নুখপঙ্কজে। দেবতা হৃদ্যে চৈব বীজন্ত গুছা দেশকে।। শক্তিঞ্চ भामत्या देनहर अर्दात्य वीमक् ना-मिट्रा # 11 व्याक्तामः। उता-कुलि नियमहा बिक्रिक रेंगक वि बि मेंच्या, रेमन मस्य । जकूनीना छिठि वर्षमामिछि शर्कमाथावनः ॥ कामरन। इत्य मन्यामानामा उक्की শীভিঃ মৃত্র শিরঃ। মধ্যমা তর্জনী ज्याः महारेषुर्द्धन् शिथा म्जा ॥ है শভি: কৰঠ প্ৰোক্ত তিস্ভি নিত্ हा कानाचान भूविनामा महिला है। कि बिले ल्याका कृती जा मर्क राज्य नीर्दे मुक्र उठः ॥ 🛊 । प्रिश् भवाहि 🗐 🟋 व छि तियः मणे ॥ छित्र छ

ৰ্জনী মধ্যমানামাভি:॥ তৰ্জনী মধ্য। गानामा (शुक्ता त्व वर्ष कमार। यिति तब देवं ल्याकं उदा उर्क्तन মধ্যমে ॥ ইতি ভউণ্ত কচনাৎ ॥ व्यानिषु विन्रात्रान्य नजाः छङः न् रा इत्याय नमः भ्रवः निज्ञल . বিহ্নবল্পভা।। শিখাবৈবৰড়িত্যুক্ত• क्वाय इभीविज्या (बेवच्याय (वी-ষট্স্যাদক্রায় কডিতি ক্রমাৎ ॥ যড क्र मखानिज्यकान् वष्टक्यू निर्या-कारयः । পঞ্চাকानि मना र्यं उव নেত্র মনু• ত্যভেৎ ॥ ইতি শারদা . वहन ।। 🗱।। विकास जू। अन्त्रुष्ठा या-करवा इंड नाथा ज्यमुना इत्रय भीर्यक ह। अर्थाञ्च्छा थलू गृष्टिः লিখাযা করদ্বন্যস্থায়ে বর্মণি দ্যুঃ ।। নারাচ মুখ্রুছেত বাহু মুণ্ম কা-बूँ । उद्धन् । विश्वितः শক্তা কথিতান্ত্ৰ মুদ্ৰা যত্ৰাক্ষিণী ত क्दिन गथुरम ह।। भारतायाः। निर्जाम क्रामा (मर्ट्यू अम्मानीन मुक्रियंखणः পুষ্ণাদ্যৈ পীঠনবৃত্ত তিমাণ্ড পর দৈবতা ।। ইতি দর্শনাৎ শ্রীরে, शीठेश्जा।। जक्शीनम्। मखन् । स्व रेप्ताकानि कन्नायट ! उथा तुकाना मान । बनामान क्रान वीक मार्टी ॰ বা মভিধীয়তে।। #।। অথ ব্যাপক-ৠ

न्रोजः-। ज्यक्षा नाध्या वाशि ग्रावन পঞ্ধা/ত্রিধেতি ভৈরব তন্ত্র বচনাৎ_{্র} । নুদ্রা করণে শিরন্তঃ পাদান্ত পা-দতঃ শিরোন্ত । এব চজুরা। সপ্তথা করণে তাদৃশ তিথা। শঞ্চধা করণে তাদৃশ দিখা। ত্রিধা করণেপি তা-मृम (गक्या। इनानि मूथाङङ भारत একধা সর্বত্রৈব । শতধা করণে তু তাদৃশ॰ পঞ্চাশদীর॰ হৃদাদি মুখা-স্তুণ নাজীতি ব্যাপক ম্যাসঃ। ইত্যা গমতজুবিলাসঃ।। 🏶 🗓 নিত্যু ন্যাস করণ ফ্লু॰ মুখা। আগনোক্তেন বি-थिन। निष्धः मुगान करता ि यः । দেবতা ভাব মাগ্নোতি মজসিদ্ধিঃ পুজাযতে ॥ যো न্যাস কবচ इन्हा মত্র॰ জপতি ত॰ প্রিুযে। বিশ্ব। দৃষ্ট্র। भनायर जि॰र॰ मृद्धा यथा शङ्गाः ॥ 🟶 ॥ न्यात्राकद्राय (मार्या यंथा। অক্রা ন্যাস জাল যো মূঢ্বাৎ ं शुक्रशमन् । मर्विदेषः य वाधः न्याब्रारेषु म्'गनिन् र्यथा ॥ इंडि তজ্ঞসারঃ।। 🗱।। এতে ন্যাসাঃ সা-मान्। भूजा भुक्तराभकाः। अत्रि हे দেবতা বিশেষে বহবঃ সম্ভি। বাহল্য जिया देखाः भुमागारिक मिलिशिया क्वैष् नामानि विश्वास्त्र छवे हि কু বিষ্ট্ৰৈণৈশবকীৰ্ত্তাদিই মূৰ্ত্তিগ-

गुर्व

ঞ্জর ২ তত্ত্ব ত তু তিপ জের ৪ দশাব ৫ अक्षाक् ७ न जा जाः। निविविविविवि क्षाि । से गाना नि शक्षम् र् विर मञ्ज ० मृर्खि १ (गानक ८ मुजगारि ७ ज्यन १ न्यानाः विषय भर-न्रामः । श्रीविष्ठा विषय विन-नशिक्ति ३ नवरयान प्राचाक २ शीठ ० তত্ব ৪ পঞ্চশী ৫ যোডশী ৬ সং शत १ इिंछ ৮ मृश्चित्र नाम २० (वाण)) গণেশ) र शुर) नकव ১৪ বোগিনী ১৫ রাশি ১৬ ত্রিপুরা ১৭ ষোডশনিত্যা মুক্তি তি ১৯ সৃষ্টিছিতি ২০ পু णागूथ २२ नजामाः । जात्राविषय क्षु > गुरू २ (लाक्शान ७ न)। माः। এতেষা পুমাণানি তল্পারাদৌ मुश्चेवश्नि ॥

নুগ্রঃ প্রু॰ সামবেদেনিযতপুণবষট্ক॰

1 দীর্ঘবানযমিতি নয়নাননঃ ॥
ইত্যনরভরতৌ ॥ সম্যক্ ॥ ম
নাক্তঃ। ইভি,মেদিনী ॥

न् ह्वः क्री कर्मतर्श्वकणः। ইতি मिनि । शुक्तािम्शिवल्यः। ইতि भ-पत्रद्वावणी ॥ उथाठ शािंजः। शुथ्रम शात्व मः मुवान् गण्वनीय शार्वः नृह्वः पर्वताः शिज्जाः साम भगीिं शुथ्रम शात्काश्वलशात्व

। मण्युवान् भिजामहापि भक्षार्ध-পाउँ (भिष जनानि। जनवनीय करमण शामिष्या। उरमावमार्भु-পিতানহ পাত্রেণাছাদন নাহ শৌনকঃ। পুপিতামহ পাত্রেণ পি थाय भुजिष्ठा भयजीज। या छत्रः, र्रे-নাপি তৎপাত্রস্যাধঃস্থাভিধা-নাৎ পাত্রান্তরেণ পিধান মাক্ষিপ্ত .। তথাচ যাজ্ঞবহ্ন্যঃ । দত্বার্য্যণ সণ-সুবাণ স্তেষাণ পাত্রে কৃত্বা বিধানতঃ । পিত্ভ্যঃ স্থান মসীতি নুরে পাত্র॰ করোর্ত্যধঃ॥ বিধানতঃ यथा পূৰ্ব॰ স্থাপিত॰ কমেণ। তেন পু-পিতামহ পাত্রেণাধ: কৃত পিতৃ পাত্ৰণ উদ্ধৃ মুখ মবস্থিতণ নুব্লেণ ক-রোতি। তম্যাসশ্চ। পিতৃপাত্তে নি-थायाथ न्रद्वमूसत्राजान्यस्। इंडि মৎস্য পুরাণ বচনে ন্যেদিত্যতা-ণ্যাতোপসাপিত করু বীমপার্ষে कखर्दाः। इंडि माष्ट्रज्युः॥ न् द्वः शृ मर्ज्ययनुक् ।, इकि त्मिनी ়া। স্বশঃ।। সুক্। ইতি হেমচন্দুঃ।। न्रुद्धः , वि बद्धः ॥ यायायू थः । ३ ७ त्मिनी।। ब्रिंडाजूराः १ इंजानतः ॥ রোগেন বকী ছতপৃষ্ঠাধোমুখ প্র-

শদুঃ। ইতি ভরতঃ॥

র্ব্যারখন্তঃ প॰ জরখন্তঃ ত্রিকাতর-'

न्।नश

वाह देखि छाता। उट गर्यायः। कीउनः२। देखि विकाश्यमयः॥ नूत्रन वि गर्दाः॥ छनः। देखानदः॥ नूत्रनभाषाण्यातः भूः छनशकाण-छातः। भागन देखारः। यथा। कृतिविद्याद्यादावादीकाक्षःक नृष्टिमा

खनाबाक्रार्थ-जिस्स मृत्नभक्षाण-खादा बाजाः भन्नीन्नजः ॥ इकि कानिकाभूनात्भ विजीयाद्यायः ॥ नृष्टिमानी भू भिनः । इजि जिका-खत्मनः ॥ नन्नाष्टिमानानिभित्दे जि॥